



e Gazette of India

.प्राधिकार से प्रकाशित १७६८।ऽमहरू ६७ ४७७ म० ६८७४

्रभई विस्ली, शनिवार, विसम्बर 21, 1985 (अग्रहायण 30, 1907) W DELHI, SATURDAY, DECEMBER 21, 1985 (AGRAHAYANA 30, 1997)

ाँग में भिग्न कृष्ठ संख्या दी जाती है जिल्ली कि यह अलग संश्वन के कर में रचा जा सके operate paging is given to link Part in brim that it may be ited as a separate compilation)

भाग खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उंडब न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेबायरीक्षक, संय लोक सेया आयोग, रेन विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं Medifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union

Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1985

70	tq.	नाम	नवर्थं मियुमित की अवधि
		त० एल० कुमार	31-10-85 से 1-12-85
		क्षिय जान	—-बही
	- L	गीरथी कुमार	— बही
	4.	सः डी० मन र इंदर	वही वही
	***	.र ५५° १९० सी० भर्मा	1-11-85 से 31-12-85
		हराद सिंह	वही
8.	Mi t	o एस० वेदी	वही
9.	भी, के	० वी० तिवानी	वही

क०सं० नाम	तदर्थ नियुक्ति की अवधि
10. श्री भ्रो० पी० लेहन	1-11-85 से 31-12-85
11. श्री आर० एन० मारथु	वही
12. श्रीमती मंतोष कपूर	वही
13 श्री अवतार सिंह	वर्ही
14. विशम्भर दयाल	वही
15. श्री तारा सिह् (अ० जा०)	वही
16. श्री जे० पी० ग्रमी	वही
17. श्री एम० एन० डोगरा 21-1	0-85 年 31-12-85
18. श्री एस० पी० एस० सागर (अ	।० जा०) —वही ं
19. प्रीनम सिंह (अ० जी०)	वहीं
20. श्री राम नारायण	वही
21. श्री एस० एस० जोतीवाल 28- (अ० जा०)	-10-85 T 11-12-85
24. श्रीमनी एन० एच० पहलियानी	वही
23. श्री के० एस० अप्रवाल	
१4. श्री के० एस० कोछर	वही
25. श्री पी० जोगी	वही
المناسقينين ويومنيك مستديد والأراد والمستديد	

(42409)

दिनांक 4 मधम्बर 1985

सं० ए० 12025()/1/84-प्रशाट- --केन्द्रीय सिवालय सेवा की नियुक्ति के लिए सिम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगी परीक्षा, 1984 के आधार पर कार्मिक भौर प्रशिक्षण विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं० 5-2-85-पी० एम० (1) दिनांक 18-10-1984 द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में अनुभाग अधिकारियों के पद पर नामित किए जाने के परिणाम स्वरूप राष्ट्रपति के० स० से० संवर्ग के संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्मिलिखित अनुभाग अधिकारियों की स्थानापन्न हेसू प्रत्येक के साममे निरिष्ट तारीखों तक भौर आगामी आदेणों तक नियुक्त करते हैं:---

P FO	सं०	नाम	रैंक	मियुक्ति की तारीख
1. ?	त्री मंजीत कु	गर	02	30-10-85
2. श्री प्रदीप कपूर		बु र	. 45	30-10-85
3. श्री ए० एन० सुमन (अ० ज०)			86	30-10-85

2. इनकी नियुक्ति दिल्ली उच्च न्यायालय में लंबित सी० डब्स्यू० पी० सं० 1194/78 के परिणाम और अंतिम निर्णय पर दोगी।

> एम० पी० जैन अवर सचिव (का० प्रशा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

का० और प्रशिक्षण, प्रशा० सु०, लोक शिकायन तथा पेंशन मंत्रालय

> का० भीर प्रणि० विभाग केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी नई दिल्ली, दिनांक . नवम्बर 1985

सं० 3/40/85-प्रशा०-5-राष्ट्रपति ने जल संसाधन मंत्रालय के केन्द्रीय सचिवालय सेवा काडर में शामिल अनुभाग अधिकारी, श्री वी० के० त्रिखा को दिमांक 8 नवस्थर, 1985 पूर्वाल्ल से, तीन वर्ष की अवधि के लिए, प्रतिनियुक्ति पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तकनीकी अधिकारी (लेखा एवं आयकर) के रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 21 नवस्वर 1985

स०. ए० 19028/1/80-प्रणा०-5-प्रत्यावर्तन होने पर, श्री के० एन० धर, तकनीकी अधिकारी (लेखा एवं आयकर) किन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरी की सेवार्ये दिनांक आठ भवम्बर, 1985 पूर्वाक्च से, आयकर विभाग को सींपी जाती है।

आर० एस. मागपाल प्रशासन अधिकारी (स्थापना) के० अ० व्यूरो गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस

नई दिल्ली-110003, दिमांक 26 नवम्बर

सं० थ्रो० दो-1761/82-स्था०--महामिदेशवं रिजर्व पुलिस बल ने डा० (श्रीमती) पी० प्रधान व 30-10-85 पूर्वाह्म मे के० रि० पु० बल में चिकित्सा अधिकारी के पद पर केबल तीन मा। अथवा उस पद पर नियमित नियुम्ति होने लक, भी पहले हो उस नारीख तक तदर्थ रूप में सि है।

सं० भ्रो० दो-2003/85स्था०—महानिदेश
रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर मन्जर अपकाक
29-10-85 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय रिजर्व पुरिक्ति
किनिष्ट चिकित्सा अधिकारी के पद पर केवल र्या
लिए अथवा उस पद पर नियुमित नियुक्ति के
इसमें जो भी पहले हो उस नारीख नक नदर्थ रूण
किया है।

एम० जेसा _ सहायक निदेशक (स्था०

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

मई दिल्ली-110002, दिनांक 22 नवम्बर 1985

सं० 30-बा० ले० प० 1/28-74-निदेशक, लेखा परीक्षा, (वैज्ञानिक ग्रोर वाणिज्यिक) बम्बई के कार्यालय के श्री वी० एम० तीथे लेखा परीक्षा अधिकारी (बा०) अपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनाक 31-8-85 (अपराह्म) से सेवा निकृत हो गये हैं।

के० पी० लक्ष्मण राव सहायक नियन्त्रक्त महालेखाकार (वा)

म**ई** दिल्ली-110062, दिनांक 28 नवस्बर 1985

मं० प्रशा०-1का० आ० सं० 307-निदेशक, लेका परीक्षण, केन्द्रीय राजस्व-1, ने मूल नियमावली 30(1) के दितीय परन्तुक के अन्तर्गन इस कार्यालय के एक स्थाई अनुभाग ग्राधकारी (अब सहायक लेखा परीक्षा अधिवारी) श्री इन्द्र मोहन जौहर को 800-40-1000 द० रो०-40-1200 रुपए के वेतन के समयमान में लेखा परीक्षा प्रधिकारी के ग्रेड में 6-11-85 (अपराह्म) से अग्ले आदेश मिलने तक पदोन्नति की है।

एम० एइ० खुराना ---चप सिदेशक लेखापरीक्षा (प्रणा०) महालेखाकार (ले० व० ह०) का कार्यालय)

तिरुवमतपुरम, दिनांक 21 नवम्बर 1985

सं० स्था०/प्र०/5/9/5862 खण्ड 2/253—श्रीमती ६० । सरोजनी 4 अनुभाग अधिकारी को 14-11-85 हिस से अगले आदेशों तक लेखा अधिकारी के पद में प्रभापन होने के लिये नियुक्त करने को महालेखाकार े व ह०) संतुष्ट हुए हैं।

पूह नियुक्ति भ्रो० पी० सं० 750/84 के -- पर केरल ानीय उच्च न्यायालय द्वारा जो आदेश जारी किया इसके अध्यधीन अगले आदेश तक अस्थायी है।

> एम० बी० पिल्लै वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा मंत्रालय

ं० जी० श्रो० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा आयुध निर्माणी बोर्ड

क्लकत्ता-700 001, दिमांक 21 नवम्बर 1985

सं० 85/ए०/ई०-1(एन० जी०)--आर्हवक्य निवृत्ति ह्रे श्रुपान्त कर श्री दिलिप कुमार मित्रा, स्थानापन्न सहायक प्रक अधिकारी (मौ० एवं स्थाई सहायक) दिनांक 30-9-83 (अपराह्म) में मेवा निवृत्त हुए।

 श्री मित्रा को उसी दिन से पेंशन स्थापना में स्थामान्तरित किया जाता है।

> एस० दास गुप्ता निदेशक/प्रशा० कृते महानिदेणक श्रार्डतैंस फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर 1985 आयात श्रांट व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 5/3/85-प्रणा० (राज०)/843--राष्ट्रपति, आयात ग्रीर निर्यान व्यापार निर्यंत्रण संगठन के निम्मलिखित सहायक मुख्य नियंत्रकों, आयान निर्यात (केन्द्रीय व्यापार सेवा के रेड-3) को 11 मिनम्बर, 1985 के पूर्वीह्न से अगले जादेश होने तक, केन्द्रीय व्यापार सेवा के ग्रेड-2 (उप मुख्य नियंत्रक, आयात एवं निर्यान) के रूप में नियुक्त करते हैं

- 1. श्री आर० के० राहा
- 2. श्री कें जें चेलानी
- ्रश्री बी० एन० सिंह
- 4.श्री एस० डी० अग्मिहेस्री
- 5. श्री एस० आर० गौहर
- ती के० के० आग्० कुमार

सं० 6/367/56-प्रशासन/(राज०)/855-संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात के कार्याक्षय, बम्बई में उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात श्री पी० के० मुखर्जी सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर लेने पर 31 अक्तूबर, 1985 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

> णंकर चन्द्र उप मुख्य नियंत्रक, अत्यित निर्यास कृते मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यास

उद्योग एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय
_ औद्योगिक विकास विभाग
विकास प्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली, दिनांक 25 नवम्बर 1985

सं० ए० 19018(724)/84 प्रशा०(राज०)—: राष्ट्र-पति, श्री डी० जी० पटवर्धन औद्योगिक सलाहकार किम-कल्स), विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय, नई दिल्ली को निचर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर दिनांक 30-9-85 (श्रपराह्म) से सरकारी नौकरीं से सेवा-निवृत्त होने की श्रनुमति देते हैं।

> मी० मी० राय उप निदेशकः (प्रशासन

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय (प्रणासन श्रनुभाग ए-1)

नई दिल्ली, दिवा । । नवम्बर, 1985

सं० ए० 1/1 (423) -- पूर्ति तथा निपटान महानिदे-शालय में स्थायी सहायक निदेशक (ग्रेड-1) तथा स्यान,पन्न उपनिदेशक, पूर्ति श्रीं भारत भूषण का दिनांक 20-10-1985 को निधन हो गना ।

> ए० सिह् उप निदेशक (प्रणासन) इते सडानिदेशक पूर्ति तथा निषटान

हमान, खार और कोयला मंत्रालय (खार विभाग) भारतीय भूवैज्ञातिहरू सर्वेक्षण

कल इन्तर-700016, दिलीस 25 अक्तूबर 1985

लिमिटेड) में प्रबंधक (भृविज्ञान) के पद को 1575--2300 कु के वेतनमान में प्रतिनियुक्ति की सामान्य शहाँ पर आरोभिक रूप से एक वर्ष की अविधि के लिए प्रतिनियुक्ति पर ग्रहण कर सकें।

दिनां 🖟 30 अस्तूबर 1985

ऋ० सं०	न ाम		नियुक्ति-	নিখি
	केण कृषार खोराना स० चोपड़ा		9-8-85 9-8-85	(पूर्वाह्न (पूर्वाह्न)

श्रमित कुमारी विदेणक (कार्मिक)

एलकत्त(-700016, दिन्तीय: 22 नवस्दर 1985

सं० 10585वी, ए०-32013 (1-निदेश (भूवि०) / 84-19ए०--राष्ट्रपति जी भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के निय्नतिखित भूवैज्ञानिक (विरष्ट) को निदेशक (भूविज्ञान) के रूप में, उसी वभाग में नियमानुसार 1500-60-1800-100-2000 रु० के वेतनमान में, स्थान पत्र अस्थायी क्षमता में; श्रागामी श्रादेश होने तक, प्रत्येक के सामने दश्रि गई तिथि से पदोन्नति पर नियुक्त कर रहे हैं।

• •	नाम	नियुक्ति-ति	
'			
2. श्रीओं० एन०	भार्गव .	9-9-85	(पूर्वाह्न)

दिलांक 24 अन्तूबर 1985

सं० 9866वी,ए०-19011(1 बाई० एम० के० सी० सी०),85-19ए---भारतीय भूवैज्ञातिक सर्वेक्षण के दरिष्ठ उपमहानिदेशक (प्रचालन) श्री बाएं० एम० के० चन्द्र चौधरी ने भारतीय भूवैज्ञातिक सर्वेक्षण मे वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन) के पद के नार्यभार की 5 ग्रास्त, 1985 के

पूर्वाह्न से त्याग दिया, ताकि वे ग्रांध्र प्रदेश खनन निगम, हैदराबाद में प्रध्यक्ष च प्रबंध निदेशक के पद को एक वर्ष की श्रवीध के लिए प्रतिनियुक्ति पर या भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण से श्रपने निध्तन की तिथि तक, जी पहले हो, की ग्रहण ार सकी।

दिसांह 25 अक्तूबर, 1985

मं० 10929मी।ए-32013।2-निर्दे० (भूविज्ञान)।84-19ए---राष्ट्रपति जी भारतीय भूविज्ञान नर्वेक्षण के भूविवैज्ञानिक (वरिष्ठ) श्री वी० डी० पुरी को निर्देशक (भूविज्ञान) के पद पर उसी विभाग में नियमान ॥२ 1500-60-1800-100-2000 ६० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन्न क्षमता में प्रागामी श्रादेश होने तक 29-8-85 (अपराह्न) मे परोक्षति श्रागामी श्रादेश होने तक 29-8-85 (श्रपराह्न) मे परोक्षति श्रागामी श्रादेश होने तक 29-8-85 (श्रपराह्न) मे परोक्षति श्रागामी श्रादेश होने तक 29-8-85 (श्रपराह्न) मे परोक्षति

> डी०पी० ढौडिया वरिष्ठ उप महानिदेशक (प्रचालन

श्राकाणवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनां ६ 22 नवम्बर 1985

सं० 4(90)/75-एक-एम- -श्री आर० पी० भारती, गर्म-कम निष्पाद: आकाशवाणी, पटना ने 1 मई. 1981 स मरकारी सेका स त्याग-पव दे दिया है।

> आई० एल० काटिया प्रणातन उपनिदेशक (अल्याण) **कृते** महानिदेशक

सूचा और प्रनारण मंत्रालय

फिल्म विभाग

बम्बई-400026, दिनांक 22 जवम्बर, 1985

सं० ए०-32014/1/84-श्रार० मी०--- मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग द्वारा श्री जीत एए० सैनी, लिक्स ग्रेड िएक डिक्ट, फिल्म प्रभाग, तई दिल्ली को उभी आर्यालय में, तदर्थ श्राधार पर, दिनांक 1-7-1985 के पूर्वाह्म से अगला श्रादेग होने तक रुपये 840-40-1000३० रु०-40-1200 के वेतनमान में मुख्य रिलाडिस्ट के पद पर नियुक्त किया जाता है।

एवं एक णर्मा प्रणामनिक गधिकारी **कृते** मुख्य निर्मात। कृषि एवं सहकारिता विभाग

(ेषि एवं ग्रामीण विकास मंत्रालय) कृषि विमानन निदेशालय

नई बिल्ली-110003, दिनाक 6 नवभ्बर, 1985

सं० 2-20/73 प्र० ए०--- अधोहरताक्षरकर्ता, श्री आर० एस० सपरा अधिकक को प्रशासन अधिवारी के पद पर प्रभावी दिनां । 4-11-85 (पूर्वाह्म) में २० 650-30-740-35-810 ई० बी०-35-880-40-1000ई० बी०-40-1200 रुपये वेतनमान पर इस निदेशालय में निस्मित पदीन्नति के आधार पर नियुक्त व ता हूं।

वे धो साल की ध्रवधि तक परिवीक्षाकाल में रहेंगे।

एन०के० वर्षे पृषि विमानन निदेशकः

दिल्ली दुग्ध योजना

नई दिल्ली-110008, दिनांक 18 नवम्बर 1985

सं० 3-20/75-स्था० (विशेष)——दिल्ली दुग्ध योजना के श्रनुभाग प्रबंधक (ग्रुप "बी" राजपितत) श्री दिलावर सिंह बा दिनांक 27-10-1985 (ग्रपराह्म) को निधन हो गया है तदनुसार, दिनांक 28-10-1985 पूर्वाह्म) से उनला नाम दिल्ली दुग्ध योजना की नामाधली से काट _दिया गया है।

> श्ररण सेधवाल महाप्रबंधक

भाभा परमाणु श्रनुसंधात केन्द्र द्यापिक प्रभाग

बम्बई-400085, दिनांक 26 नवम्बर 1985

सं० पी० ए०/73(18)/85-श्रार०-4/1316- - नियंद्रक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र डा० (कुमारी) रजनीश छंगमल जैन को निवासी चिकित्सा श्रधिकारी पद पर भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के श्रायुविज्ञान प्रभाग में नवम्बर 11, 1985 (पूर्वीह्न) से तीन वर्ष की श्रविध तक अस्थार्य। रूप में नियुक्त करते हैं।

एन० एल० वेक्टिश्वरन उपस्थापना मधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 26 नवम्बर 1985

सं० जी/1894|लेखा/स्था० II/4349—श्री गोविद्दराम पहिलाजराय परवास।णी ने सहायन लेखा ग्रधिकारी पद का पद भार 31-8-1985 ग्रपरह्म को ग्रधिविपिता पर छोड दिया।

> के० वेंकटकृष्णन् उपस्थापना श्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग निर्माण एवं सेवा वर्ग

भणुशक्ति नगर, बम्बई-400094, दिनांक 25 भक्तुबर 1985

सं० मी०ई०डी०/ए/2(16)/6444--- निदेश मिर्माण एवं से जा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री श्रार० बी० पिरुलड, श्रस्थायी सहाय ए लेखापाल, निर्माण एवं सेवा वर्ग को श्री वी०जी०जे० पिरुलड, सहायक लेखा श्रीधकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गयी हैं, के स्थान पर दिनां र 28-8-85 पूर्वीह्न से 25-10-85 तक के लिए हाइर्थ सहायक लेखा श्रीधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं०सी०६० डी०/ए/2(16)/6445 - निदेश के, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री ए०वी० पालोस, ग्रस्थायी महायक लेखापाल, निर्माण एवं सेवा वर्ग को श्री एन०एस० राजाध्यक्ष, सहायक लेखा श्रीधकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गयी हैं, के स्थान पर दिनांक 7-10-85 पूर्वीह्न से 8-11-85 मक तदर्थ महायक लेखा श्रीधकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

डी० एन० शेट्टी प्रशासन श्रधिकारी

अणमानित मगर, बम्बई-400094, दिनोक्त 19 नवम्बर 1985

सं० सी०एस०जी०/ए/2(16)/6752---निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री ए०के० चक्रवर्ती, स्यायी श्रनुभाग श्रीधकारी (ए), लेखा नियंत्रक का कार्यालय, कार्यक्ता को सिविल इंजीनियरी प्रभाव, निर्माण एवं सेच्य वर्ग, कलकत्ता में दिनांक 2 सिसम्बर 1985 पूर्वाह्न से 2 वर्ष के लिए प्रतिनियुक्त करते हैं।

> एस० के० कपूर प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन समिना

हैदराबाद-500762, दिनांक 23 नवम्बर 1985

सं० ना इं स/का प्र० भ/0703/2 350—इस कार्यालय की अधिभूचना सं० ना इं० स/का प्र भ/0703/1628—ि दिनांक अगस्स 26, 1985 के क्रम में सहायक लेखाकार श्री चु०रा० प्रभाकरन की रु० 650—3)—740—35—880—द० रो०—40—960 के वेमन मान में सहायक लेखा अधिकारी के रूप में उदयं श्राधार पर नियुक्ति को दि०—22-2-1986 पर्यंत अथवा आगामी आदेशों प्रयंत इनमें से जो भी पूर्वंघटिस हो, श्रागे बढ़ाया जाता है।

जी०जी० कुलकर्णी प्रबंधक, कार्मिक व प्रशासन

भारी पानी परियोजनाएं

वम्बई-400008, विनां ह 28 नवम्बर 1985

सं० 05012/भ-4/स्था० पदो०/4439--भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी, श्री अन्नामलें नटराजन, महायक लेखाकार, भारी पानी संयन्त्र (तूर्तीकोरिन) को इसी संयन्त्र में 3 जुलाई, 1985 (पूर्वा०) से 14 अक्तूबर, 1985 (पूर्वा०) तक के लिए श्री एस० रामन, सहायक लेखा अधिकारी जो अपने मूल कार्यालय को वापिस चले गए हैं के स्थान पर अस्थायी रूप में, नदर्थ अधार पर स्थानापन सहायक लेखाकार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05012/भ2/4449 -- भारी पानी परियोजनाओं के प्रधान कार्यकारी श्री एम०ए च०नरवानी, सहायक लेखा ग्रधिकारी, पानर बोर्ड, बम्बई को भारी पानी-संयन्द्र (बडोदा) में 31 मई, 1984 (अपराह्म) से ग्रागे ग्रादेश होने तक के लिए स्थानापन्न रूप में भुगतान तथा लेखा ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कस्याणीकुट्टी, प्रशासन ग्राधकारी

अन्तरिक्ष विभाग इसरो उपग्रह केन्द्र

बेंगलूर-560017, दिनांक 15 नवम्बर 1985

सं० 020/1(15.4) स्थापना-1—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्नलिखित व्यक्तियों को वैज्ञानिक/धिभियंता "एस०बी०" पद पर दर्शाई गई तिथियों से भगले भादेश प्राप्त होने तक भ्रस्थायी धाधार पर इसरो उपग्रह केन्द्र, बेंगलूर में सहर्ष नियुक्त करते हैं।

郊 o	•	•
सं० नाम	स्टाफ़ संख्या	दि नां क
ा श्री एस० वेंकटेश्वर	शर्भा 2163	30 -9 -1985
2 श्रीसी०एच० वेंकटेप	वर राव 2127	22-08-1985

एच० एस० रामवास प्रशासन श्रधिकारी-II

इसरो : मार केन्द्र

कार्मिक ग्रौर सामान्य प्रशासन प्रभाग श्रीहरिकोटा दिनांक 20 प्रक्ट्यर 1985

सं० एस०सी० एफ०/पी०जी०ए०/स्थापन(/III/) 1 72--शार केन्द्र के निदेशक निम्नलिशित कर्मचारियों को पदो-श्रात द्वारा, स्थानापन्न क्षमता है रूप में, वैज्ञा/इंजीनियर एस०बी० के पद पर शार केन्द्र, श्रीहरिकोटा में श्रंकित तारीखों से श्रौर श्रगले श्रादेश जारी होने तक नियुक्त करे

कम नाम	पदनाम	नियुक्ति की
सं०		तारींख
सर्व/श्री		
1. रिकट्रनाथ पारिया	वैज्ञा _/ इंजीनियर एस०बी०	1-10-1985
2. जी० करूणाक्तर	वैज्ञा _/ इंजीनियर एस०बी०	1-10-1985
3.्वी०धनराज	वैज्ञा/इंजीनियर एस०बो०	1-10-1985
 सीमांचल सुबूधी 	वै ज्ञा /इंजीनियर एस ्बी ०	1-10-1985
5. ए० रामचन्द्रन	वैज्ञा/इंजीनियर एस०बी०	I-10-1985
6. टी० परिमला रंगन	वैज्ञा/इंजीनियर ऐंप्य०बी०	1-10-1985
 ४ इन्स्यू० टी०राजकुमार 	वैज्ञा/इंजोनियर एस०बी०	1-10-1985
8. एस० ए० थाकर	वैज्ञा/इंजीनियर एस०बी०	1-10-1985

सं० एस०सी० एफ०/पी०जी०ए०/स्थापना/III/1.72--गार केन्द्र के निवेशक निम्नलिखित कर्मचारियों को वैज्ञा/
इंजीनियर एस०बी० के पद पर शार केन्द्र, श्रीहरिकोः। में,
स्थानापन्न क्षमता के रूप में, अंकित तारीखों से और ग्रगले आदेश जारी होने तक नियुक्त इस्ते हैं।

क्रम सं०	नाम	पदनाम	नियुक्ति की
40	<u>-</u>		तारीख
सर्व	श्री	`	
1. एम०	वी ०वाई ०एस०		
	ग् मार	वै शा /इंजीनियर एस०बी०	13-05-85
2. एस०	राजपांडियन	वैज्ञ ा/इजीनियर एस०वी०	24-06-85
3. संजय	'कुल्लर'	वैज्ञा/इंजी/नियर एस०बी०	23-07-85
4. बी०	सतीण बाबू	वैज्ञा/इंजीनियर एस०बी०	23-09-85

दिनांक 6 नवस्वर 1985

सं० एस०सी०एफ०/पी०जी०ए०/स्थापका 1/ग्रार 13058— गार केन्द्र के निदेशक श्री एन० राजगीनाल को वैज्ञानिक/ इजीनियर एस०बी० के पदपर शार केन्द्र श्रीहरिकोटा में, ' केवल ग्रस्थाई और अंतिम रूप में, 21 श्रवतूबर 1985 पृवक्ति से नियुक्त करते हैं।

पीठ एन० नायर प्रधान, पार्मिक और सामान्य प्रशासन प्रभाग **कृते** निदेशक, शार *देख्द* महातिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

सं० ए-32013/14/84-ई०मी०--राष्ट्रपति, श्री एस० पी० हरदास, बरिष्ठ तटनीकी अधिकारी को दिनां 16 जुलाई, 1985 से और श्रन्य श्रादेश होने तक, नागर विमानन विभाग में सहाया निदेशक, संचार के पद पर नियमित श्राधार पर नियुक्त उपते हैं।

> वी० जयचन्द्रन उपनिदेशक, प्रशासन वृते सहानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 22 नवम्बर 1985

सं० ए- 32014/2/85-ई०एस०---महानिदेशः नागर जिमानन क्षेत्रीय निदेशक के कार्यालय, मद्रास क्षेत्र, मद्रास हवाई श्रह्डा मद्रास के श्री एस० के० शाह, श्रधीक्षणः को दिनांक 22-8-85 (पूर्वाह्न) में 29-12-85 तक या पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो, 650-30-740-35-810-द० रो०--35-880-40-1000-द०रो०--40-1200 रूपये के वेतनमान में प्रणामनिक श्रधिकारी के एप में तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

जे० सी० गर्ग संयुक्त निदेश⊕ प्रशासन

नई दिल्ली, दिनां ह 15 नवंबर 1985

मं० ए-32013/3/85-ई०सीं० (1)---राष्ट्रपति नागर विमानन विभाग के निम्निलिखित पाच तलनीकी श्रिधिका-रियों को दिनां ८ 3 पितम्बर, 1985 में और श्रन्य श्रादेश होने तक, नियमित श्राधार पर वरिष्ठ तकनीकी श्रिधिकारी के पद पर नियुक्त गरते हैं।

ऋ०सं० और नाम ्

- 1. श्री एम० भट्टाचार्य
- 2. श्रो एम० एक०,धर
- 3. श्री एम० के० वर्मा
- 4 श्री बी० सुब्रह्मतियन
- 5 श्री पी० के० बन्धायाध्याय

वीः जयभन्द्रन, उपनियेशक प्रशासन

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांकः नवम्बर 1985

सं० ए-19012/1119/85-स्था० पांच---श्रद्ध्यक्ष केन्द्रीय जल श्रायोग एतद्द्वारा श्री मोहम्मद श्रब्दुल बारी, धरिष्ट श्रनुसंधान सहायम को, केन्द्रीय जल श्रायोग में सहायक श्रनुसन्धान श्रधिवारी (रसायन) के पद पर ६० 650-30-740-35 रोग-द० रोग-35-880-40-1000-द०रोग-40-1200 के बेतनमान में 5 श्रगस्त, 1985 (पूर्वाह्म) से छ मान के लिए या इस पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, तदर्थ व पूर्णतया श्रस्थायी श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 28 नवम्बर 1985

सं० 17-19012/1971/84-स्थापना पांच--विभागीय पदोस्नित समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर, प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री सैयद मुहम्मद शाद पर्यवेक्षण को केन्द्रीय जल श्रायोग में श्रतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द०रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 28-9-1984 की पूर्वाह्म में श्रन्य श्रावेशों तक नियमित श्राधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त श्रिधिकारी केन्द्रीय जल श्रायोग में श्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की श्रवधि के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

> मीनाश्ची श्ररोड़ा अभर सचिव (समन्वय) केन्द्रीय जल श्रायोग

केन्द्रीय भ्मिजल बोर्ड

फरीदाबाद (हरि०), दिनांक 20 नवम्बर 1985

सं० 3-717/85-मुख्य जलभू० (स्था०)--श्री प्रवीर सान्याल को दिना क 8-10-1985 (पूर्वाह्म) से अगले प्रादेण तह केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जलभूषिकानी के पद पर जी० सी० एस० समूह ''ख'' (राजपत्रित) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- में अस्थाई सौर पर नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-719/85 मुख्य जलभू० (स्था०) -- श्री ओमप्रकाण पूनिया को दिनांक 7-10-85 (पूर्वाह्म) से श्रगले आवेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक जलभूषिज्ञानी के पद पर जी०सी०एस० समूह-ख (र जपित्रत) वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-द०. यो० 35-880-40-1000-द० यो० 40-1200/-- में अस्थाई तौर पर नियुक्त िया जाता है।

सं० 3-720/85-मुख्य जलभू० (स्था०)—श्री ग्रानस्य प्रशास राय को वितास 7-10-85 (पूर्वाह्म) से ग्रगले ग्रादेश सके केन्द्रीय भूमिजल बोड में सह।यक जलभूविद्यानो के पद पर जो०सी०एस० समूह-ख (राजपितत) बेतनमान

रूपये 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200/- में श्रम्थाई तौर पर नियुक्त किया जाता है।

बो० पी० मी० सिन्हा मुख्य जलभूविज्ञानी एवं सदस्य

निर्माण महानिदेशालय केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1985

सं० 33/2/83-ई०सी०-9-स्राट्रपति सहर्ष संघ लोक सेवा आयोग के एक नामित श्री श्रमीक कुमार मिलव उप-वास्तक को श्रम्थाई पद पर (सामान्य सिविल सेवा ग्रप "तः" (के० लो० नि० विभाग रुपये 700-40-900-द० रोऽ-40-1100-50-1300/- के वेतनमःन में श्रतिरिक्त भत्तों सिहित रामान्य नियमों एवं शर्तों पर दिनोंक 11-9-1985 (पूर्वाह्म) से नियुक्त अरते हैं।

- (2) श्री अशोक कुमार मलिक का वेतन 7१०/-ग्रायोग के द्वारा निर्धारित किया जाता है।
- (3) श्री श्रशोशं कुमार् मिलिक को नियुक्त की तिथि से 2 वर्ष की श्रविध के लिए परीवीक्षा पर २**ख**। जाता है।

एम० एम० दास. प्रशासन उपनिदेशक

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्यं विभाग)

कम्पनी विवि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम 1956 स्रौर एक्सपर्ट फाइनान्सर प्राइवेट शिमिटेड के विषय में नई दिल्ली दिनौंक, 20 नम्बम्बर 1985

सं 4406/184बी कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना वी जाती है कि इस तारीख के तीन माह के अवसान पर एक्सपर्ट फाइनान्सर प्राइवेट लिं० का नाम इसके प्रतिकृष कारण विश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

रूप किशोर कम्पनीयों का सहायक रजिस्ट्रार, देहली व हरियाणा कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 और सिरामो टेकनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

कलकता, दिनाँक 22 नवम्बर 1985

सं० एल ०/27457/डी-एच/2085——(समापन अन्तर्गत) के विषय में यह सूचना दी जाती है कि भादरणीय उच्च-न्यायालय कलकत्ता में विनाँक 14-7-83 के आदेशनुसार उपरोक्त कम्पनी के समापन का भादेश दिया है श्रीर राज-कीय समापक, उच्चन्यायालय कलकत्ता को उसका राजकीय समापक नियुक्त किया है।

> महेश प्रसाद कम्पनियों का भ्रतिरिक्त रजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल, कलकत्ता

कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 श्रीर एम० एम० भास्कर (नारय इन्डिया) ट्रेडिंज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनाँक 26 नवम्बर 1985

सं० जी०/स्टेट/560—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के ग्रनुसरण में एतब्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनौंक के तीन (3) मास के ग्रवतान पर एम०एम० भास्कर (नारथ इन्डिया) ट्रेडंज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत निक्या गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषदित कर दी जायगी।

कस्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रीर पोपती चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनाँक 26 नवम्बर 1985

सं० स्टेट/3052/7342—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्दारा यह सूचना द्री जाती है कि इम दिनौंक से तीन (3) मास के श्रवसान पर पोपला चिट फण्ड प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्टर मे काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी तिघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर पुन्जकेन फापनग्स लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनौंक 26 नवम्बर 1985

सं जी/स्टेट/560/7340—-कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की जपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद् इतरा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनां के तीन (?) मास के श्रवतान पर पुन्जकेन फासनरस लिमिटेड ा नाम उसके प्रतिकूल कारण दिणात से किया गया तो रिजिस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विधिष्टत कर दी जायेगी।

सम्पनी श्रश्चिनियम, 1956 और सुपर टिको फूडन के विषय में

जालन्धर, दिनांक 26 नवम्बर 1985

मं० जी/स्टेट/3955/7336—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धार, 560 की उपधार। (3) के अनुमरण में एसद्वार। यह सूचना दी जाती हैं कि इस दिनांक से तीन (3) मास के अवसान पर मुपर टिका फूड्स प्राईबेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न विद्या गय, तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उनन कम्पनी विचटिन कर दी जायगी।

कमानी अधिनियम, 1956 श्रीर सन सूज प्राईनेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दर्नाक 26 नवम्बर 1985

सं० जी/स्टेट/560/7346—~बःम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की श्रार. 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एसद्-श्रारा यह सुचना दी जाती है कि इस दिनांक से तीन (3) मास के श्रवसान पर सन् सूज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिलत न निया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर जक्त बःम्पनी विषटित कर दी जायगी।

कम्पनी भ्रष्टिनियम 1956 घोर श्रार० जी० रबड़ फैनस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 26 नवम्बर 1985

सं जी/स्टेट/560/7348—कम्पनी श्रिकिस्यम, 1956 की छ।रा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्शारा सूचना दी जाती है कि आर जी रहड एन्ड फैनस प्राईसेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उकन कम्पनी विघटित हो गई है:

कम्पनी ग्रधिनियम 1956 भीर बांदी प्रोडक्शन प्राईबेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांकः 26 नवम्बर 1985

सं० जी/स्टेट/3296/7350—- नम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-श्वार। सूचना दी जैति है ि चांदी प्रोडमणन प्राईश्वेट लिमि-टेड का नाम प्राप्त रिजस्टर से लाट दिया गया है और उक्त सम्पनी विघटित हो गई है। अस्पनी श्रवितियम, 1956 और प्रदीप विमिटेङ के विषय में

नालन्धर, दिनां : 26 नवस्वर 1985

मं० स्टेट/560/2338/735— स्पनी श्रिशिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रमुसरण में एतद्-श्रारा यह सूचना की पाती है कि इस दिनांग से तीन (3) माम के श्रवतान पर प्रतीप लिमिटेड मा नाम इसके इति-कृत अपण दिशान न किया गया तो रिनिटर से बाट दिशा जागा। और इका सम्पनी विषटित कर दी असेगी।

> ्रास्पती प्रतिनियमर 1956 और कौन पेपर मिरुज प्राईवेट विभिन्नेड के विश्वय में जासन्धर, दिसांक 26 नयम्बर 1985

सं० जी स्टेट/560/735--क्ष्पनी अधिनियस, 1956 की धारा 560 की लपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह शुष्ता भी जाती है कि इस दिसांक के तीन (3) मास के अवसान पर कौन पेपर मिरुज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रसिक्ष कारण दिश्य न क्षिया गया को रिजरटर से काट दिया जायेगा और उक्त उम्पनी विश्वटित कर दी जायेगी।

बी० एम० जैन कम्पनियो का र्राप्टिस्ट्रार

कार्यं लयं सक्षमं प्राधिकारी निरीक्षीयं सहायकं झायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेजे. रोहतक

रोहतक, दिनौँक 7 नवस्त्रर, 1985 शं**डि**-पत्र

संदर्भ सं० डी० एल० आई०/9/84-85:--आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 डी (1) के श्रधीन मेरी नोटिस (सन्दर्भ संख्या डी एल० आई०9/8०-85 दिनौंक 10-9-1985) में।

"मै० ग्रैटर देहली प्लाझर्स (प्रा०) लि० प्लैट नं० 3, शंकर मार्केट, कनाट सर्कस, नई दिल्ली" के स्थान पर ग्रन्तिश्ति का नाम इन प्रकार पढ़ा जाता चाहिये

"श्री शिव चरन पुत्र श्री मुन्गी निवासी गाँव पल्ला सद्गमील बल्लभगढ जिला फरीदाबाद

> भी० एल० खबी नेक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायक्तर श्रायुक्त निरीक्षीय भर्जन रेज, रोहतक

2-376GI/85

अक्ष बाह् हो एन एस -----

आयकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रोंज, श्रमतथर

श्रम्हसर, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रमृतसर/85-86/42—ग्रनः मुझे, श्रीमती दिवजोत कोहली, श्राई० ग्रां∀० एस०, आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीए जिसकी गं० एक जायबाद है तथा जो बसंद एकीन्यू श्रमृत तर में स्थित हैं (श्रीए इपने जावक श्रनुमूची में श्रीण पूर्ण रूप से बणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिवारी के ए. प्रिंटर, श्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण अधिविराम, 1908 (1908 के। 16) के श्रधीन, तारीख जून 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, एमे इत्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिहक रूप से किश्रत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसमें बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था., छिपाने में मुनिधा के के लिए;

बत: अंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, जेक्स अधिनियम की धारा 260-घ की उल्लाह (;), का अधीर, जिस्सितिवित अधिकारों, अधीर —— श्री असर प्रथाप ककडिया पुत्र श्री लक्ष्मन टामः 445, बसेन एविन्य, अभूतस्य।

(भ्रन्तरक)

2. श्री रतन चंद पुत श्री गनपत राम ग्रार श्रीमती उमा कुमारी पतनी श्री रतन चन्द, 445. बसंत एवित्यु, ग्रमृहरूर।

(ग्रन्तिरती)

 जैसा कि ऋ० सं० 2 में है और किरायेदार अगर कोई है।

> (बह् व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्प्रति है)

न और कोई

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधो-हस्ताक्षरी जानता है दि वह सभ्पत्ति में हितब**ढ** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अविधि बाद में समाप्त हातेती हो, के भीतर पूर्वोक्त न्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विशा के भीतर पूर्वोक्त जिल्हा स्थापर सम्परित में हितसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो जबस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहों अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वपवर्ष

जायदाद नं० 445, बनंत एबिन्यु, श्रम्धरूर जैसा हि. रिजम्हीकर्ता ग्रिधि गरी, श्रम्धर के मेलडीड नं० 3482 दिसांक 21-6-85 में दर्ज है।

> मिसंभ दिवजीत कोहली, श्राई० श्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी महाया श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रोज, श्रमुमसर

तारीख: **6-**11-1985

मोहरः

प्रकल् बाइ .टी. इन .एवं . - - --

वावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन स्वमा

बाइट बहुन्स

चार्यायन, अञ्चयक जानकर वाय्यत (निरोक्षण)

श्रार्गेन रेज, ए ण कुलम कोचीन-16

कोत्तीन-16, दिनांक 18 नवस्वर 1965

निदेश यं० एन० सी०-782/85-86----ग्रनः मुझे, बी० रविवासन,

वायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं श्रमुस्ता के श्रमुस्तर है, जो पृण्तिन्।
गांव में स्थित है (श्रीर इसमें उपायद्ध श्रमुस्ति में श्रीर
पूर्ण हुए से विणित है), रोजरहीत तो श्रीहर रें के कर्तर
मृष्णूणित्रा में भारतीय रिजरहीत ण श्रधिनियम, 1908
(1908 हा 16) के श्रधीन, तारीख 15-3-1985
को पृष्विकत सम्मत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के अवंत्रान
श्रतिकस के निए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाप्वीवत सम्मत्ति का उचित बाबार
मूख्य, उसके दश्यमान श्रतिकस से, ऐसे दश्यमान श्रतिकल का
वन्द्रह श्रीयत्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और
अन्तरित (अन्तरितयाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तब
पाया बचा श्रतिकन, निम्मसिविक उद्योवय से उक्त अन्तरण
सिकित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बावत, उक्त सिंध-नियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के तिए;

त्रतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपवारा (1) के जबीन, निम्निलिखित् व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती सुबैदा इक्राही का पत्नी श्रीतन्देंट एकजीक्युटिव इंजीनिया: पी० डब्ल्यु० डी०, पलारीबट्टम, कोच्चीन-25।

(**知**在(5))

 श्री जोर्ग ग्रोडन्नेश्ल, ग्रोडन्नेक्कल हाउस, कडबन्न देशम इलमकुलम गांव, कोच्चीर-17।

(म्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को किए कार्यवाहियां करता है।

जन्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई काक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच सं
45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी
जबिश बाद मों समाप्त होती हो, वे भीतर प्रवेतित
स्यक्तियों मों से किसी न्यक्ति ब्वारा;

विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में से किए वा कर्कोंगे।

स्थळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, चो उक्क विधिनयम, के अध्याय 20-क में परिधाचित एका है।

अनुसूची

न्नीप्यूणिन्तूरा उपराजिस्ट्री कार्यालय के नारीख 15-3-85 के दस्तावेज सं० 1089/85 के श्रनुगार पूणिन्तुरा गांव में (विकास में) सर्वे सं० 48/2 में 5 सेंट मूमि ग्रार में मतावी हा महान का नीचे मागा

> बी० रविबालन यक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, एरणाबुलम

तार्गाव: 18-11-1985

प्रारूप आइं.टी.एन.एस.

भावकर मधितियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत चरकार

कार्याक्षम, सहायक बावकर बाव्यक्त (विरोक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकृलम

कोच्चिन-16, विनां : 18 नवम्बर 1985

निदेश सं० एत० सी०/781/85-86--ं-ग्रतः मुझे, बा० रिवबालन,

नामकर अभिनित्रम्, 1981 (1961 का 43) (ज्या इसमें इसके प्रचात् 'उथत अभिनियम' काहा गया हैं), की चारा 269-म के अभीन संभ्य प्राभिकारी की वह निरदास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिनका उचित नामार मून्य 1.00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी मां अनुसुची के बनुसार है तथा जो पूर्णित्तुर विसेज स्थित है (श्रीर इसने उपाबड़ अनुसुधी में श्रीर पूर्ण रूप ने विणत है), रिजिस्ट्री ति ग्रिधि परी के वार्यालय, विप्रणित्तुरा में भारतीय रिजिस्ट्रीवरण अधिनियम, 1908 (1908 में 16) के श्रधीन तारीख 19-4-1985

को पूर्वनित सम्पत्ति को जिवत बाबार मूल्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुख्ये यह विश्ववास अरन को कारण है कि मधापूर्वमित सम्पत्ति का जिवत बाबार गूल्य, उसके स्थयमान प्रतिफल से एंडे स्टब्सान प्रतिफल का श्लाह प्रतिस्त से विश्वक है और मन्तरक (अन्तरका) और श्लेगिती (अंतरितियों) के बीच होते मन्तरक से सिद्द स्थ प्रता ग्ला प्रतिफल, निम्नितिसित उद्देशक से उसत अन्तरक मिक्कि में बास्तविक क्य से स्थित गड़ी किसा ग्ला है 2---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी नाव की वाबत उन्त तथि-नियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तरं बंदने में शृविभा के लिए कर/वा
- (य) एसी फिला बाव वा किसी धन वा बन्न कास्तिकां को, विनहीं भारतीय बावकर मधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा बक्त मधिनियम, वा धन- कर बीधीनवम, वा धन- कर बीधीनवम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनाम बन्तीरती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया वा वा वाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के नियद

लातः स्वा, उक्त सीधीनयम की धारा 269-न के सन्दर्भ ा, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की स्थारा (1) ४ नधीन, निकालिबित स्थानसमा, नधारा:---

- श्रीमती सुबैदा ,इब्राहीम की पत्नी
 ग्रिसिस्टेंट एक नक्ष्टित इंजीनियर पी० बब्ल्लू० डी०
 पालारी बहुम, को च्चीन-25।
 (ग्रन्तरक)
- श्रीमती रीता जोरज,
 श्रोक्षेत्रकात, इलमकुलम,
 कोच्चीन~17।

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिप् कादशाहमा गुरू करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस मुख्या के राजपत्र में प्रकाशन की हारोब से 45 दिन की जनभि या तरसम्बन्धी स्थानतमां पर सूचना की दाबील से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि वाद में सजापत होती हो, के भीतर पूर्वीकर क्षित्रों में से किसी केंदित हुवारा;
- (ब) इस सुबना के रावपत्र में प्रकारन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मस्पत्ति में हिशबद्ध किसी बन्न व्यक्ति द्वारा, नथोहस्वाकरी के शक्त विश्वित में किए वा सकेंगे।

स्वकारकाः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उपत जीधीनसम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं हैं, वहीं अर्थ होता जो उसे अध्यास में विका नवा है।

अनस्ची

तृष्प्णितुरा उप रिजस्डी ायित्य के तारीख़ 19-4-1985 के दस्तावेज मंग 1648/85 के श्रनुसार पूर्णितुरा बिलेज में सर्वे में 48/2 में 3 सेंट भूमि श्रीर दो मंजिली मशान का नीचे का भाग।

> बी० रविकालन सक्षम प्राविजारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज, एरणाकुलम

सारीख: 18-11-1985

प्रकम बाद'. टी. एत. एत. -----

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269(व) (1) के बधीन स्वता

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, नागपुर नागपुर, दिनांक 14 नवम्बर 1985

निवेश सं० आय० ए० सी०/एवनी०/32/23/85-86---अतः मुझे, एम० सी० जोशी.

वायकर अधिनियम 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पण्वास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भार 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निस्त्रास कारने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं का का कं 28 एरिया 1244 वि फुट है जो बानो ब्या एव क्लार्क टाउन, नागपुर में स्थित है (और इससे उपावक प्रतुम्बी में थीर पूर्ण रूप से विणत है). रिजिस्ट्री ति श्रीके शि पूर्ण रूप से विणत नागपुर में (डाक्मेंट सं व 892(पी०)) में भारतीय रिजिस्ट्री वरण श्रीविनयम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख 21-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकान के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सब्यत्ति का उचित बाबार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिकान से,, ऐसे दश्यमान प्रतिकान का पन्तह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तब जावा गया प्रतिकान, निम्नतिश्वित उद्शेष्य से उच्त अन्तरण जिल्ला में वास्त्रका के मिए तब जावा गया प्रतिकान, निम्नतिश्वित उद्शेष्य से उच्त अन्तरण जिल्ला में वास्त्रका कर में किया नहीं किया नया है :---

- अक्ति मन्ति में हुए किसी काम की धावल, सक्ति मिथिनियम के सभीन कर बाने के मन्तरक के समित्य में कभी करमें या सबसे क्याने में सुविधा मानिए, बार/या
- (क) एसे किसी बाय वा किसी पन वा अन्य आस्तिकों ना जिन्हों भारतीय जायकर जिपितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिला जाना वाहिए था, स्थितन में मृतिधा वी किए !

अतः अन, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनगरण माँ, घँ, उत्ता अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्निशिखत व्यक्तियों, वर्थात् :--- मैं० ग्रीम पिल्डमं,
 क्ष्मं प्रश्नेन्द्रं की अपक्र

तर्फ पार्टनर' श्री भाग्य प्रपाप, मल्होत्रा, क्वार्क टाउन, नागपुर।

(अन्तरक)

(अन्तरिकी)

का यह सूचना जारी रूपके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की त्रवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की त्रवधि, जो भी अवधि नाव में गणाफ होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति.
- (म) इस नुवता के राजपत्र में पकाणन की तारीन सं
 45 दिन के भीतर उदस स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ष
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए का सकता ।

स्वव्दीकरण '---हसमा प्रश्नान शहना और पदा कर, जो उसत अधिनियम के सन्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में विमा गया हैं।

मन्स्ची

फ्लैंट नं० 2-बी०, में एडा फ्लोर, चार्ना इनाक 'ए, क्षेत्रफत 1244 वर्ग फुट, नतार्फ टाउन नागपुर में स्थिन है।

> एम० सी० जोणी यज्ञम प्राधिजारी भहायाः पात्रस्य आयुक्त (निरीक्षण) कर्जन रोज, नागपुर

तारीख: 14-11-1985

प्राख्य गाई.टी.एन.क्स.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरोक्षण)

भ्रजन रेंज-1, नागपूर

नागपुर, दिनाक 14 नवम्बर 1985

निदम गं० आय० ए० सी०/एवर्बा०/31/23/85-86---भ्रतः मुझे, एम० सी० जोगी,

नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (रिवर्त इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उन्तर निधिनियम' कहा नया हैं), की भाष्ठ 269-स का नधीन सक्षम प्राधिकारों को यह निवसत करने का भाषा हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मुस्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

गौर जिसकी सं० फ्लैट न० 5, (क्षेत्रफल 2608 वर्ग फुट) है जो चानो ब्लाइ ए करार्क टाउन, नागपुर में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुमुनी में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकार्ती अधिकारी के कार्यालय, नागपुर में (डाकू-मेंट सं० 893(पी०) में भारतीय रिजस्ट्रीकारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन, तारीख 21-3-85 को पूर्वोक्त सम्परित के जीवत बाजार मृत्य से कम के स्थमान अतिका से जिए अस्तरित की गई है वृरि मृत्रे यह विश्वात स्थान का कार्य है कि स्थाप्नोंक्त सपरित का स्रावत बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकात से, एसे स्थमान प्रतिका का बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिकात से, एसे स्थमान प्रतिका का बाजार मृत्य से किसने के बीच एसे अन्तर्ग के जिए तम वाया गता प्रतिका का निमालिकत उद्दर्श में उनत बन्तरण निवित्त में बास्त- । एसे अन्तर्ग के जिए तम वाया गता प्रतिका कर्म के जिया नहीं किया गता है :---

- (क) बन्तरप वं हुए किसी बाय की बन्तक, क्या किशीनयम के अधीन कर बाने के अन्तरक के वाक्तिय में कमी धारने या बन्नम मा शाक्तिया के विष्; भोर/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी धन या कृत्य आस्तियों कां, चिन्दु भारतीय नाय-कर निधानयक, 1922 (1922 का 11) या जनत सिधनियम, या अनकर नाधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ कन्यरिती बुधारा प्रकट नहीं किया एवा या किया वाना वाहिए वा कियानं में सुधिया के छिए;

जन: वय, वयस मृथिनिवर की धारा 269-व के, बनुवरण जो, की, उबस अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) दे अधीन विकासिक व्यविकारी वर्षांच ड्रान्स्ट मै० श्रोम बिल्डर्स, नर्फे पार्टनर श्री श्रानन्द प्रजाण मल्होला, क्लार्स टाउन, नागपुर।

(ग्रन्तरक)

श्री विक्रमादित्य हंमराज चढ्ढा,
 क्लीक टाउन, नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (त) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अत्सूची

फ्लैंट नं० 5, जानो ब्लाक ए, क्लार्क टाउन, नागपुर में स्थित क्षेत्रफत 2609 वर्ग फुट।

> एम० सी० जोणी सक्षम प्राविधारी गहायक आयुक्त (सिरीक्षण) अर्जन रोज, नागपुर

तारीख 14-11-1985

प्ररूप आहाँ, टी, एन. एस.-----

भाषभर बांधानमम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बचीन कृपमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पटना

पटना, दिनांक 13 नवम्बर 1985

निदेश सं० 111~1063/अर्जन/85~86—श्रदः मुझे, दुर्गा प्रसाद,

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसवें इसकें परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की आरा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाकार बृह्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी गं० होल्डिंग गं० 115-ए है नथा वाई गं० 16, मिंकल गं० 5013 है तथा जो कुम्हरार, मुल्तानगंज जिला पटना-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), र्राजस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, में रिजस्ट्रीकरण अधीनियम 1908 (1908 दा 16) के श्रधीन, तारीख 18-3-85

को प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से क्षत्र को क्षत्रभाग प्रांतफल के निए जन्तिरत की नर्ज हैं बीर मृखे वह विश्वास करने का कारण हैं कि यथाप्योंकत संपत्ति का उचित वाचार बृष्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल बा विष्कु प्रतिकृत से विषक हैं और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिकों (वंतरिकों) के वीच एसे वंतरण के लिए तम चाना बना प्रांच-फल निम्नलिखित उद्वरिय से उसत अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित महीं किया गया हैं:----

- (क) अन्तरण मं हुई किसी बाव की बावख, बवक किपिनियम के अभीत कर दोने के बन्तरक के दाविस्थ में कमी करने वा उत्तमें बचने में सुविभा के सिद्; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी वह वा अन्य वास्तिकों था, विनहीं भारतीय नावकर वीचिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) यां जन्य अधिनियंत्र मा धनकर वीधिनियंत्र मा धनकर विधिनियंत्र, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तिरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया गया था किया वाना चाहिए था, कियाने को सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुस्था में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिंकित स्योक्तियों, अर्थात्:--- मैं० अल्प आय वर्गीय महन्त्रारी गृह निर्माण समिति िमिटेट, पटना~20।

(अन्तर्वः)

 श्री हरेन्द्र प्रसाद श्रीवास्तव, वभनगांवा, थाना--बड़्ह्या, भोजपुर। (ग्रन्तिसी)

का यह सूचना चारी करक पृवंक्ति संपत्ति के बर्चन के विवध् कार्यनाहियां करता हैं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अमिन या ग्रासम्बन्धी माक्सियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अमिन, जॉ मी नविष दाद में समाप्त होती हों, के भोजर एनावर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूमना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 पिन के भीतर उन्त स्थाबर स्थाप्त में किए के बार क्यांकर स्थापत स्थापत में किए के पास किसार के किए का स्थापत स्थापत के पास किसार के किए का स्थापत ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त बीचीनप्रमा, के जभ्भाग 20 का में परिभाषिण ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया ही ।

वन्स्यी

जमीन जिसका रक्षवा 3016 वर्ग फिट है तथा जो कुम्ह्रार, सुलतानगंज, जिला-पटना में स्थित है एवं जो पूर्ण रूप से विशिशा सं० 1 3796. दिनांक 18-3-85 में विणित है नथा जिसका निवधन रिजस्ट्रार आफ एस्सोरेन्सेज बालकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, पटना, बिहार

तारीख: 13-11-1985

इस्य सार्थः, १९, ०४ ध्रमः ००० ००००

साधकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

कार्यालयः, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, बिहार, पटना

पटना, दिनांज 18 ननम्बर 1985

निदेश मं० III 1085/प्रजेश/85--86---श्रनः मझे दुर्गा प्रगाद,

बायकर किंधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त जो धोतमां कहा गया हैं), को धारा 269-इस के क्षीन सक्षणे जाधिकारी कर्ग, यह जिल्हामें करने द्धा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवन बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० हो हिंग नं० 115 ए० वार्ड नं० 106 स्थिल नं० 5013 है तथा जं: कुम्हरार, पो०/थाना सुलतान गंज, पटना है (ग्रंग इसंग इपावक श्रमुम्ची में श्रीर पूर्ण हम ने विणित है), रिम्प्री नी श्रीक वारी के वार्यावय, ल ना में रिप्प्रिक्तिरण श्रीवित्यम, 1908 (1908 वा 16) के इप्रीत, लारीख 18-3-85 को पूर्णकत सम्पत्ति के उचित वाजार सूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्णिकत सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से एसे दृश्यमान प्रतिकत से वाद्य मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से एसे दृश्यमान प्रतिकत से वाद्य सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से एसे दृश्यमान प्रतिकत से वाद्य सम्पत्ति का उचित वाद्य प्रतिकत से वाद्य से वाद्य प्रतिकत से वाद्य से वाद्य से वाद्य प्रतिकत से वाद्य से

- (क) अन्तरण स हइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतक के दायिस्त में कमी करने गा उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (क. ग्रामी किसी जाय रा किसी पर का जल आहे जन्दा का जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 १ १०० अधिनियम, 1927 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व्हें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं जिया गदा था किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीम, निम्नलिकिन अधिनतयों, अर्थातः :--- मैं० अल्पा श्रय घरित्रज्ञा सह ारी गृह निर्माण समिति, लि०, पटना-20।

(ग्रन्तरक)

 श्री एच० उपाध्याय, सा०--वभनगांव, थाना बङ्हरा, जिला-भोजपुर।

(ग्रन्ति)

को यह सूचना जारी करके प्रवेक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किस में किए वा सकेंगे।

स्पर्धिकरण: ---इसमें प्रत्वेत भव्दों और पदों का, जो उसत विभिन्नम, के बच्चाय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

मन्त्रम

जमीन जिसका राजा 3016 वर्ग फीट है जो कुम्हरार पी०/थाना सुलतानगंज, पटना में स्थित है तथा जिसका पूर्ण विवरण विस्ता सं० 3976, दिनांक 18~3~85 में विणित है और जिसका निवन्धन सब रजिस्ट्रार आफ अर्थरिसोज, कलकत्ता के द्वारा सम्पन्न हुआ है।

दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बिहार, पटना

नारीख: 18-11-1985

भारत सरकार

कार्बालय, महायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 18 नवम्बर 1985 निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5899, 5900, 5901, 5902—श्रत मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- को नभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा वि: श्रनुसची में लिखा है तथा जो व पूरणला में स्थित है (श्रीर इसमे उपाद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिअस्ट्रीकर्ती श्रीधकारी के कायलिय, देहली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित् बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमें दश्यमान प्रतिफल का धन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीथ एसे अन्तरण के लिए तथ सवा गया प्रतिफल निकासिकत उद्देश्य से उक्त अन्तरण ने निकास का प्रतिका में मास्तिक कप से की का बड़ी कि का बड़ा स्था है कुर्म

- (क) अन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत उक्त बिधिनियब के अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचन में मृतिधा के लिए। और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, जा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सहिन्दा के लिए:

कतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाग ()} के नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अनिल कुमार विरमानी, पुत्र श्री धर्मवीर विरमानी, बासी डी-19, महारानी बाग, नई दिल्ली। (विलेख नं० 412 दिनांक मार्च 85)
 (2) श्री धर्मवीर विरमानी पुत्र श्री जवाला दास विरमानी, वासी-डी-19, महारानी बाग, नई दिल्ली (विलेख नं० 413 दिनां मार्च 85)
 (3) श्री बाबा विश्रम सिंह पुत्र श्री बाबा तान सिंह, वासी 23-ए, निजामुद्दीन वैस्ट, नई दिल्ली। विलेख मं० 415, दिनां मार्च 1985)

(4) मॅ० एसं(यि।टेड थियेटरम (जगतर्जात मिनेमा) ्पूरथात, एस हिस्सेदारी वाली फार्म जी कि श्री धर्मवीर विरमानी, अनित कुमार विरमानी और बाबा विकम सिंह।

(विलेख में 414, दिनांड मार्च 1985) । (ग्रसक्ड)

2. डिस्टैण्ट कन्द्रकंशस एण्ड प्रोपर्टी (लिमिटेड, 22, बाराखम्भा रोइ नई दिल्ली ब्राप्त इसके डायरेक्टर श्री तेजवन्त सिंह पुत हरबन्द सिंह।

(भ्रन्तरिती

- (1) श्री जनप्रिया फाईनांस एण्ड इनवैस्टमेंट (प्रा०) लि०, प्रभूरथला।
 - (2) मै० नेणनल इन्स्योरेंस कम्पनी लि०, कपूरथला (3) मै० अग्रवाल फाईनांस कम्पनी, तपूरथला (4) मै० चरन स्ट्डिग्रो, द्वारा श्री चरनजीत सिंह, हिस्सेदार, कपूरथला, (5) श्री तान चन्द पुत्र श्री दौलन राम, ग्ररोड़ा टी स्टाल, कपूरथला, (6) श्री मक्खन लाल प्री फौजी टी स्टाल, कपूरथला, (7) श्री रमेण चन्द्र पुत्र फकीर चन्द्र, कपूरथला, (8) श्री राजेन्द्र कुमार पुत्र राम लाल प्री० आरठ के० स्टेणनरी मार्ट, कपूरथला, (9) श्री विजय कुमार पुत्र देस राज प्रो० पुत्रा टेन्ट हाउस, कपूरथला, (10) श्री ग्रानिश कुमार साईकल स्टैण्ड, कन्द्रैक्टर, कपूरथला, (11) सोमां टी स्टाल, प्रा० सोमनाथ पुत्र णाम लाल, कपूरथला।

(बह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) को बह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

जनत सम्बद्धि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 10 दिन की अविधि, जो भी जबिभ बाद में स्पाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भी पर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा एधोहम्ताक्षरों के वाम निक्तिन में किए का सकेंगे।

स्पटिकरण:---इरणें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया भया है।

ग्रन्सुची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा ि विलेख तं० 412, 413 415 भ्रीए 414 दितांः मार्च 1985 को रिजर्म्ट्रिन अधिकारी, दिल्ली ने लिखा जो नीचे दर्ज है:—

विलेख नं० 412, किनीस मार्च 1985—लगभग 5400 वर्ग गज रहाबा में से 1760 वर्ग गज रहाबा है जिस पर जगजीत सिनेमा की विलिंडग साज सामान है जिसमें श्री प्रतित कुमार विरमानी की भागीसरी है, मुनवानपुर रो,ड इपूरथला में स्थित हैं। जैसाजि ब्योग र्यास्ट्री में दिया है।

विलेख नं 413, दिनौं । भार्च 1985--लगमग 54000 वर्ग गज रक्षवा में से 1200 वर्ग गण रक्षवा है जिस पर जगतजीत सिनेमा की बिस्डिंग मात्र सामात है जिसमें श्री धर्मवीर विरमानी की भागीतारी है, मुलतानपुर रोड, कपूर-थला में स्थित है जैसा ि ब्योन खेलदी में दिया है ।

विलेख नं० 415, दिना । मार्च 1985-लगभग 5400 वर्ग गज रक्षवा में से 3520 वर्ग गज र बाहै जिस पर जगतजीत सिनेमा की बिडिंग राज सामान है जिसमें श्री बाबा विकम सिंह की भागीदारी है, सुल्तानपुर रोड, बपूरथला में स्थित है जैसादि स्यीग रिजम्द्री में दिया है।

विलेख नं० 414. दिनांश मार्च 1985--- बिलिंडग जो कि: 5400 वर्ग गण के ऊपर है और सुलतानपूर रें(इ, इ पूर-थला में स्थित है सिनेमा हाउस जिसता नाम जगतजीत सिनेमा है दुनानें, दपतर, क्वार्टर्स समेत सिनेमोटोग्राफी संगीतरी, फर्नीचर और फिक्सचर, किनेमा की सीट्स जनरेटर हैंड पम्प और श्रन्थ मशीनरी जो भी वहा है जैसाएं ब्यौरा र्राजस्दी में दर्ज है।

> जे०एल० गिरधर सक्षम प्राधि ारी

सदायाः श्रायंार श्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोज, जालन्ध्रर तारीख: 18-11-1985

मोहर:

प्ररूप आर्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, अहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जानन्धर

जालन्धर, दिनांक 20 नवम्बर 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5903, 5904, 5905, 5906 5907, 5908, 5909, 5910 ---अत: मुझे, जै० एल० गिरधर.

आयकर अभिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख को अधीन नाअम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का फारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० जैसा ि अनुसूची में लिखा है तथा जो बठिण्डा में स्थित है (ग्रील इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बठिण्डा में रजिस्टीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, अप्रैल, जुल, जुलाई 1985 को पूर्वोदश सम्पत्ति को उचित काजार मृल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफ्तेयह विस्वास करने का कारण हैं कि उथापुर्विक्त मध्यति का उचित बाजारे मत्य, एक्क इत्यमार प्रशिष्टल ने, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अध्वरफ (अन्तरका) और अन्त-रिती (अंतरितिगी) को वीच एके अंतरण को लिए तम पामा गया प्रतिफल, निक्तीलिया उद्देवेश में उभत अंतरण लिखित में शस्तविक रूप में किथन नहीं जिया गया है :--

- (क) अंतरक स हाड़ी कियी जाय की बाबन, उयन अधि-नियम के अधीन अर दार के अंतरक के दायित्व भा कभी करने या उसमं अञ्चनं में भूविधा के लिए; और/या
- (ख) एोसी किरी अगर या किजी धन या अन्य आस्टियों को जिन्हा भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के

क्स: अब, उक्त ओधनियम की धारा 239-ए की अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. (1) शकुन्तला देवी पत्नी जगदीम राय पुत्र मिव-राम, बासी विश्वा कालोनी, बठिण्डा विलेख नं० 4586, दिनांक मार्च 1985 498, दिनांक अप्रैल 85, 1784 दिनांक जून 85 ,2261 दिनांक जुलाई 85 (2) देर प्रकाश पुत्र ज्योतिराम पुत्र काशी राम, वासी गली नं० 3, नई बस्ती, विठिण्डा, (विलेख नं० 4587 दिनांक मार्च, 85, 497 दिनांक अप्रैल 85, 1783 दिनांक जुन 85 फ्रीर 2260 जुलाई 85)
- 2. (1) देसराज पुत्र चानन राम पुत्र वैशाखी राम, वासी कोठी नं० 4, शिव कालीनी, बरनाला रोड, (विलेख नं० 4586 दिनांक **मार्च 85**, 4587 मार्च 85 श्रीर 497, 498 अप्रैल 85) (2) श्रीमती प्रकाशवन्ती पत्नी देस राज, वासी उपरोक्त--(विलेख नं० 1783 जून 85) (3) श्रीमती कान्ता गुप्ता पत्नी कृष्ण लाल पुत्र कामक नाम, यासी गली गुरुद्वारा किह सभान बठिण्डा (विलेख नं० 2260, 2261 (अन्तरिती) 'नांक जुलाई 1985)।

को यह सचना जारी करके पूर्वोंक्त सभ्पत्ति के बर्जन के लिए कार्धवाहियां करता हो।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारील में 451 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी त्यदिसयों पर साजना की तामील से 30 दिन की अवधि . जो भी अवधि बाद मो समाप्त होशी हो, के भीतर पर्वोकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसर्चा

सम्पत्ति जिसका म्यूनिसिपल नं० 4955 है सदर बाजार बिटण्डा में स्थित है आठ रजिस्ट्रियों ढारा स्थानान्तरित हुई जिसका प्रत्येक 1/8 भाग इस प्रकार स्थानान्तरण हुआ बिलेख नं० 4586, 4587 दिशांक मार्च 85, 497, 498 अप्रैल 85, 1783, 1784 जून 85, 2260, 2261 जुलाई 85 ग्रीप ब्यक्ति जो रजिस्ट्रीयों में दर्ज है जैसा कि रजिस्टीकर्ता अधिनारी दिल्ली ने लिखा।

जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

লাকীভা: 20-11-1985

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस ------

भाष अर्थ हो अर्थ के , 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, बहायक जासकर आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 8 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ऐ० पी० नं० 5879-5880--अतः मुझे, जं० एन० गरधर,

आयकर जांधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त जांधीनयम' कहा गया है), की धार 269- ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,06,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, गारीख मार्च 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए मृत्ते रत को गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का काश्य हो कि प्रभापवित्त संपाद्ध का उचित बाजार मूक्य उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तर् प्रतिशत से मुक्ति हैं और अन्तर्क (जन्तर्कों) और अन्तर्रिती (जन्तर्गित्यों) क बीज एसे अन्तर्ग के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीलियत उद्देश्य से सक्त बन्दर्श जिल्हिय के बास्तावक रूप से कांबत नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक का दायित्व में कमी करेंने या उससे बचने में सूर्विधा के निए; और/मा (स) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियां कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की लपधारा (1) के अधीर, निम्निकिक्तिए व्यक्तियों. अर्थात् :--

1. श्री धर्मपाल पुत्र दौलत राम (विलेख नं० 5320) श्रौर श्रीमती राज रानी पत्नी धर्म पाल (विलेख नं 5321), 86- आर०ए, मॉडल हाउस जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री नरिन्द्रजीत सिंह पुत्र जसवन्त सिंह (विलेख 5320) श्रीर निखलपाल गिंह पुत्र जसवन्त सिंह विलेख नं० 5321), बासी गोल्डम आटोमोबाइल्स, 377, बल्लभ भाई पटेल रोड, बम्बई -400004 (अन्तरिती)

क का नजन। आरो करका प्राप्तिक सम्पन्ति को वर्षान का लिए कार्यकाहिया करता हो।

तवत समातित के व. र के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप . --

- (क) इस स्थान के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी हा स 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवेंक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म स्थानित व्वारा वभाहस्ताकारों के पास निश्चित में किए वा सकेंगे।

स्मष्टाकरणः ---- इसमें प्रमुक्त सन्दों हैंद नहीं हह, सा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

सम्मति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख नं० 5320, 5321 के मार्च 85 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर में लिखा ।

> ्जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, जालन्धर

तारीख: 8-11-1985

मोहर 🖫

प्रकप नाइं.टी.एन.एस. -------

भाषकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

काशासय, सहायक वायकर वायकत (निद्धीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिभांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5881, 5882, 5883— अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख रो अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ऑर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 दा 16) के अधीन गरीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गद्दें हैं और मृत्रों यह विद्यास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्यत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलात में वास्तविक रूप से कथित केंद्वीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अभिनियम के बभीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूरिवधा के शिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

जतः थव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरक को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिश साविद्यार्थी, वर्षात क्रू 1. श्री बलबीर सिंह पुत्र सोहन सिंह, राज भगर वस्ती वावा खेल जान्धर, मुख्त्यारे-आम आफ हरदेव सिंह (विलेख 5536) बलबीर सिंह पुत्र सोहन सिंह वासी उपरोक्त (विलेख 5537) और बलबीर सिंह पुत्र सोहन सिंह मुखत्यारे-आमें आफ नवतेज सिंह (विलेख नं० 5538), वासी उपरोक्त।

(अन्तरक)

2, श्री दलीप सिंह पुत्र गंगा सिंह (विलेख 5538): मंजीत सिंह पुत्र दलीप सिंह (विलेख 5537) जरपाल सिंह पुत्र दखीप सिंह (विलेख 5538) जसपाल सिंह पुत्र दलीपसिंह विलेख 5538 नजडीक हंसराज स्टेडियम, जालन्धर

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति को सर्वन को संबंध में काई भी वासपे :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी बन्य विकत द्वारा अधोइस्त्याक्षरी के पास जिल्हा में किए का तकोंगे।

स्यब्दिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके जीभीतिकम, के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस जभ्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5536,5537 5538 दिनांक मार्च 85 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जासन्धर

नारीख: 8-11-1985

प्रकर बाह् .टो. ए<u>ड्.एड</u>्.,------

भावकर निभिनियन, 1961 (1961 को 43) की भाग 269-म (1) के भाग स्वाना

नारत चरकार

कार्याप्रयः, सहावक नायकर नावृक्त (निर्यक्तिक)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 8 नवम्बर 1985 निदेश सु० ऐ० पी० नं० 5884——अतः मुझे, जे० एस० गिरधर,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसके इसके पश्चाएं 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जून्य 1,00,000/- रा. बे विधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यानान प्रतिकल के लिए अन्तरित की एड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यश्रम्बोंकत संपरित का उजित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे क्यामान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) कौर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया च्या प्रतिकल, निम्नीलिक्स उब्देश्य से उक्त अन्तरण तिक्रित में श्रास्तविक रूप से कियान नहीं किया गया है हि—

- (कः) अन्तरण सं हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उसते बचने में तुर्विभा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या जिल्ली धन या अन्य आस्तिनों करे, जिल्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त सिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने जें सुविधा के जिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री सोहन सिंह पुत्र विचित्तर सिंह, राज नगर, वस्ती वावा खेल, जालन्धर।

(अन्तरक)

2. श्री दलीप सिंह पुत्र गंगा सिंह, मंजीत सिंह पुत्र दलीप सिंह श्रीर जसपाल सिंह पुत्र दलीप सिंह, वासी—-79 राय बहादुर बद्री दास कालोनी, मजदीक हंसराज स्टेडियम, जालन्धर। (अन्सरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मरित के नर्पन के संबंध में कोई भी आश्रेष :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तार्शिष्ठ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सजाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर स्वापत स्वीत हो, के भीतर पृत्रों कर स्वापत स्वीत हो, के भीतर पृत्रों कर स्वापत स्व
 - (क) इस कुचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के जीतर उचत स्थानर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रवेश तिस्व में किए जा सकोंगे।

स्वकाकरण :--इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त जीवनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, नहीं वर्ध होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 3151, दिनांक सितम्बर 1985 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-11-1985

भक्ष वार्षं <u>हो पुष्</u>रपुर ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्चना

HISS RESIDE

कार्यातम, सहायक जायकर बायुक्त (निर्देक्षण)

अर्जन रेंज जालन्धर

जालन्धर, दिशांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० 5885, 5886—अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे ध्सूमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च 1985

को पूर्वो बत् संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के द्रश्यमान्
प्रतिक्षण के लिए जन्तरित की गुई है जौर मुक्ते यह विश्वास्
कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार
बूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिक्षण से, एसे द्रश्यमान प्रतिक्षम् का
पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और बन्तरक (जन्तरकों) और
बन्तरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया
पथा प्रतिकाल, निम्नसिकित उद्योक्त से उक्त अस्तरण निविद्य
को बास्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है —

- (क) कन्तरण सं हुवंकिसी जायकी वावस, उक्त विश्वित्यक, के व्योव कर दोने के वन्तरक के वावित्य में कनी करने ना उत्तवे वजने में सुविधा के तिए; और/ना
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या कन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती बुनारा प्रकट नहीं किया पना वा का किया जाना जाहिए था, खिपाने में ब्रिया के किया

अंश: अव, उक्त अधिनियम की आहा 269-ए की अमृसरण औं, में उक्त अधिनियम को धारा 269-ए की उपधारा (1); अझें अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :── श्रीमती अनीता सरीन पत्नी शिव कुमार (विलेख नं० 5244), श्रीर शिव सरीन पुत्र ज्ञान चन्द, (विलेख नं० 5245), 47-एल० माडल टाउन, जालन्धर।

(अन्तरक)

 श्रीमती रणजीत कौर पत्नी लखबीर सिंह सन्धू (विलेख नं० 5244) ग्रींग लखबीर सिंह पुत्र देवा सिंह, 47-एलं०, माङल टाउन, जालन्धर। (अन्तरिती)

को बहु सूचना चारी करके पूर्वाक्त प्रभ्यत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हु ।

बक्त बंप्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस स्वना के ट्राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ज्याप मा तत्त्र मान की तारीख से व्याप की तारीख से व्याप की तारीख से 30 दिन की अप्रि, को भी अविच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्युक्तियों में से किसी म्युक्ति बुवारा;
- (क) हव श्रमा के राज्यम में मुक्तकन की वाड़ीय से 45 हिम में प्रीवृद्ध अवद्ध स्थायुद्ध सम्परित में हितवहुए विक्री श्रम क्षित्र ह्याद्ध स्थाहस्ताक्टी में गर्क विक्रिय में क्षित्र का सम्बंधि .b

स्वक्किरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उक्त क्रिक्षिक्षक से बच्चाव 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होता, जो उस अध्यान में विशा प्रया हैं।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 5244, 5245, दिनांक मार्च 85 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5887——अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

बायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाबार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रींर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रींर पूर्ण कर से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के विषय नायार मृत्य से कम में क्यानान प्रतिकल के सिष् जन्तिरित की नई हैं और मुख्ये वह विक्यात धरने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का स्थित वाचार पृथ्य, उसके ध्रवमान प्रतिकल में से से क्यानान प्रतिकल में एसे क्यानान प्रतिकल में एसे क्यानान प्रतिकल में प्रतिक्ता से ब्रिंगित के बीध एसे अंतरण में निष् त्य पाया गया प्रति-्य, निम्नसिवित उद्योग से सक्त जंतरण सिवित में वास्तिवक रूप में क्यान नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण ते हुई किसी बाव की बावत, उक्छ अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी काल या किसी भन वा बल्य कास्तियों को, चिन्हें भारतीय वायकार अधिनिवन 1922 हैं। \$22 का 11) वा बक्त अधिनिवन, या भन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ जन्मितियम, विकास प्रकट नहीं किया सवा था या किया जाना वाहिए था. कियाने में स्विधा के लिए;

1 श्रीमती रामप्यारी पुत्नी प्रतापा राम, 142-एल० माडल टाउन, होशियारपुर।

(अन्तरक)

 श्री सोहन लाल पुत्र बन्ता राम, 142--एल०, माङल टाउन, होशियारपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सूक्त करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस तृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराँच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (व) इंच स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की दारीब है 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर सम्परित में हित-बबुध किसी बन्द व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ निवित में किए वा सकने।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रवृत्ता क्षम्यों और पदों का, को उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही वर्ष होना यो उन्ह अध्यास में दिका नवा ही।

ननसची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4416, दिनांक मार्च, 1985 को रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, होशिया-पुर ने लिखाँ।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज, जालन्धर

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मो, मी, उत्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभिन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :——

तारीष[: 14-11-1985 मोहर्र्: 1985

प्रकृप भाव . टी. एन. एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचना

नारत वरकार

भावांसय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षक) श्रजन रोज, जालन्धर

जासन्धर, दिनांक 14 नथम्बर 1985 निदेश सं० ऐ० पी० नं०5888-5889-5890-5891---अतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृक्य 1,06,000/- रु. से अधिक हैं

ष्मोर जिसकी सं० जैसा ि अनुसुची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में श्मोर पूर्ण रूप से विजित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, धर्मेल, मई

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जियत बाजार मूक्य से कम के अवसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवत बाजार मूक्य, उसके रूप्यमान प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल का गंग्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जौर अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ वाबा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण सं हुई किसी नाम की बाबत, उक्त कथिनियम के अभीन कर देने के जन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: बौद्ध/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया या या सा सिया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के निष्;

अतः अव, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुतरण में प्रकृत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के कभीन, निस्निल्धित व्यक्तियों, अभीत् ह—

 श्रीमती सरोजधाला सोहन पाल, पत्नी रतन सिंह 544-न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।

(अन्तरक)

श्री श्रगोत कुमार गर्मा पुत्र सोहन लाल शर्मा, (चिलेख सं० 5850), िगोर कुमार शर्मा पुत्र सोहन लाल (विलेख नं० 3) विमला रानी पत्नी मोहन लाल गर्मा (विलेख नं० 1289), मोहन लाल शर्मा पुत्र विन्द्रावन शर्मा, बासी कोठी नं० 544, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

भी पृष्ट भूज्या जारी कड़के पूर्वोक्य सम्मृतित के वर्धन के निए कार्यवाहियां कड़ता हुई।)

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की मुन्ति वा स्टब्ल्ल्फी म्यक्तिस्कों दूर स्वता की सामीस से 30 दिन की नविभ, को भी ब्रिंग बाद में स्थान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्युक्ति वृद्यारा;
- (क) इस ब्यूना के हाक्यन में प्रकारन की ताडील के 45 कि को भीतर अनत स्थानत सम्मत्ति में हित्बव्य किसी मन्य स्थानत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उनक वृष्टिमृत्यम, से बभ्याय 20-क में प्रिकारिक हैं। बहुर वर्ष होना को उद्ध सभ्याय में द्विता भवा है।

नमृत्यी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसः कि विलेख नं० 5850, मार्च 85, 3 श्रप्रैल 85, 1289 मई 85, 1334 मई 85, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, जालस्थर ने लिखा।

> जे० एव० गिरधर सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जानन्धर

तारीख: 14~11-1985

प्ररूप आष्ट्रं. टी. एग. एस. -----

बायवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

जामन्धर, दिनांक 14 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए० **भी**० नं० 5892→म्प्रतः मुझे, जे०एल० गिरधर

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसमें प्रथात, 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भाष 269-- ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह नियमास अपने का कारण हैं कि स्थावर सम्वति, जिसका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी सं० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है और इससे जपाबद्ध प्रनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का, 16) के प्रधीन, तारीख श्रप्रैल, 1985

को पूर्वीक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरित (जन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आव की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; वार/वा
- (स) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किश्याने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्क अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन: निम्नलिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री कुःण गोपाल चोपड़ा पुत्र गिरधारी लाल, ई० के० 90, मोहण्ला शिव गढ़, जालन्धर।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती वचन कौर पत्नी जोगिन्द्र सिंह, हरमीत कौर पत्नी हरबन्स सिंह, मक्षमूदपुर वया रायपुर पीर वक्श वाला जिला कपूरथला।

(श्रंतरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कर्मयवाहियां सूरु करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कार्य भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसू**यी**

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख सं० 488, दिनांक श्रप्रैल 1985 को रजिस्ट्रीकर्ना प्रधिकारी, जालन्ध्रर ने लिखा।

> जे० एस० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकरं आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जाबन्धर

तारीख: 14-11-1985

प्रस्य बाह्", दी, एन. एक.: -------

बायकर अभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की गरा 269-म (1) के बभीन सुमना

पारत सरकार

व्यवसिय, सहावक बायकार बायकत (विद्वीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए० पी० नं० 5893 ग्रीर 5894--ग्रनः मुझे, जे० एल० गिरधर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि प्रनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (ग्रौर इसभे उपाबद्ध ग्रन्स्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के ायलिय. जालन्धर में राजस्दोकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 जा दा 16) के ग्रधीन, नारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बद्यमान विश्विकस के लिए भंदित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मेंबापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाबार मुख्य, इसको दश्यमान प्रतिकत्तं से, एसे दश्यमान प्रतिकत का शन्त्रह प्रतिकार सं मिक है और जन्तरक (मन्त्रका) और अन्तरिती (जन्तरिक्यों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नसिवित उड्डास्य से उड्डा अन्तरण सिवित पें बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नया है रू---

- (क) वंदरण से हुई किसी आय की नानत, उक्त विध-निवस के बंधीन कर दोने के अन्तरक के शावित्व में कनी करने वा उत्तरों वयले में सुविधा के सिए, बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की श्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया भायाकियाजाना चाहिए था. डिज्याने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- 1. श्रीमती सरला देवो पत्नी यशकीर सिंह तनवर, वासी 6-ए०, गदा रोड़, जालन्धर (विलेख नं० 5451) और आशा लता पत्नी हरबन्म सिंह, वासी उपरोक्त--(विलेख सं० 5519)।
- 2. श्री नरिन्द्र सिंह पूत्र चनन सिंह, वासी 388--भार०, माडल टाउन, जालन्धर।

(ग्रन्नरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीज से 30 दिन की जनभि, जो भी जनभि ्याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स **महिम्मता में** हो जिस्सी रवस्ति कुनारर,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंग ।

स्पव्यक्तिरम् अ-इसमें प्रयुक्त सन्दों जोर पदी का, जो उत्पक्त मिनियम के कथ्याम 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नसः ह

मनुसूची

सम्पत्ति तथा वर्तका जैसा कि विलेख नं० 5451.. 5519, दिनां र मार्च, 1985 को रिजम्दीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जै० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी महायक धानवार धायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, जालन्धर

नारीखाः 15--11--1985

प्रकल आहें हो, एवं एक हुनननन्तर आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-न (1) के अधीन सूचना आरक्ष अरकार

कार्याबर्, तहायक नायकर नायुक्त (निर्दाक्षण)

ग्रर्जन रेंज, जालभ्धर

जालन्धर, दिनांच 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० ऐ० पी० नं० 5895, 5896, 5897 5898 --श्रन: मसे, जे० एन० गिरधर,

भावकड़ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस्वें इसके परणात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, मेह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० जैसा कि श्रानुसुन ि रे लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण धिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1985

का पूर्वोक्त संपर्ति के उकित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास अरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उकित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरक के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तर्क जिलित के शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) कृष्यरम् वं धूर् फिबी बाद की वावक, उक्क विविधित्तक के वाचीन कर दोने के अन्तरक के वाचित्रक वे काबी कारने वा बक्क क्या के द्विचा के लिए; व्यर्थिया
- (का) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियां की, चिन्हुं भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयम या धन-कर निधिनयम या धन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोखनार्थ नन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया बाना चाहिए था किया में सावधा के निष्;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थातु:--- श्री मनजीत सिंह पुत्र ग्रमर सिंह,
 इंडलपू० जी० 471, मुहल्ला सराज गंज,
 जालन्धर।

(भ्रन्सरक)

2. श्री जसविन्द्र सिंह संगरा पुत्र ग्रमरीक सिंह पुत्र जवाला सिंह, गांव व डाकखाना पट्टी वग्गा, जिला जालन्धर, (विलेख नं० 5332) श्रौर 5226) श्रौर निरुद्ध कौर पत्नी जसविन्द्र कौर वासी उपरोक्त (विलेख नं० 5282 श्रौर 5448) (ग्रन्सरिती)

की यह बुचना चारी करके पृष्टीक्त सम्मित्त के नर्चन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को बर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आसीर :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारींच ते 45 विन की जनिया मा तत्स्वन्त्री व्यक्तियों पर सूचना की तायीन से 30 दिन की नगिंध, को भी कनिय नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूनींकत काविता में वे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति तो हितवस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकोंगें।

ल्पच्चिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्त्रकी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 5226, 5282, 5332, 5448, दिनांक मार्च 1985 को रिजस्ट्री ग्रिधकारी जालन्धर ने लिखा।

जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, जालन्धर

सारीख: 15-11-1985

मोहर 🖫

प्रकृत कार्यंत की व वृष्ट प्रकृतन्त्रनावन

बावकर विश्वित्व, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के स्वीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता

वालकत्ता, विनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० ए० सी० 73/आर 2/कल०/85-86—ग्रतः मझे, शेख नईमृदीन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें एक्वात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्परित, विस्तम उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रु. के अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 38 है तथा जो ब्लाक-बी० न्यू अलीपुर, कलवत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के वार्यालय, श्रार० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख 30-3-85

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के सहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्य, स्वके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिभात से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकत निम्निवित उद्वास्य से उच्छ अंतरण किवित में बास्त्रीक रूप से कथित नहीं किया गया है उन्न

- (क) ब्युच्डल से बुद्ध रिक्की नाम की बाब्द , उनत बाबियन के ब्योग कड़ दोने के बन्तरक ने बाबियन में कभी करने या उन्हें नवने में मुन्तिया के बिक्ट क्रिया
- (ण) वृंदी किसी बाल वा किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, क्रियान में ब्रिया के तिहर;

नतः जब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग की अमृत्रभ में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:---

1. मै० जे० ग्रार० कल्स्ट्रकशन्स

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स कालिपद बाग

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्बन के किए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्परित से वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप 🖫

- (क) इंड सूचना के राज्यम में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीस से 30 दिन की सर्वाच, का मां अवधि बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस सूचना में राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीवर उक्त स्थानर सम्मरित में हितनबुध किसी बन्य व्यक्ति ब्लारा जभोहरताकारी के पास सिवित में किए था सकार्य।

स्वक्रीकरण:----इसमें प्रमुक्त कर्जी और यहाँ का, यो उनक व्यक्तिवय के कथ्याय 20-क में परिभावित हैं, यही कर्ष होता, यो उस कथ्याय में दिया नवा है।

वर्षकी

तिन तरला पर 1140 वर्ग फुट प्लाट नं० 38, झ्लाक बी०, न्यू श्रलीपुर, कलकसा में अवस्थित हैं।

विस्ति संख्या ग्रार० ए० जनकत्ता का 1985 म। ग्राई-4928।

> शेख नईमुद्दीन -सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-2, कलकत्ता

तारीख: 6-11-1985

मोश्वर ः

प्रकृष आहु . टी. एम. एव------

- (..... ---

भागकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-न (1) के कभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, कलकला

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए०सी०-72/ब्राग्.०- /कल/85-86---अतः मुझे, शेख नईमुद्दीन,

नायकर निपिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें प्रचात 'उक्त निपिनियम' नहां गना हैं), की भाष 269-स ने मधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्बन्धि, जितका उचित नासार मूख्य 1,00,000/- रा. संअधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 38 है, तथा जो बनाक बी० न्यू अलीपुर, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाधड़ अनु-सूचीं में, पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्त्रा अधिनारी के कार्यालय आर० ए० कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30 मार्च 1985

को पूर्वीकत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यह पूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल

- के एन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बाँर अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तम पाया गया प्रतिपत्त्व, निम्नीनिवत उद्योग्य से उक्त अन्तरक जिल्हित को बास्तिक रूप से कविता नहीं किया गया है :---
 - (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबस, उक्स अभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
 - (क) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तिबों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्;

असः जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-व को अनुबरण में, में, उपरा विधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1); चै संधीप, पिक्वीलिया व्यक्तियां, सर्वाद क्र-- 1 श्री जे० ग्र.र० वन्स्ट्रमशन।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीं राधेश्याम धग्रवाल।

(भन्तरिती)

को यह सुचना कारी करके पृत्रक्ति सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हो।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपण में प्रकाशन की तारीख में 45 विन की श्रविष या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की ताबील से 30 विन की अविध, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वृद्ध किती वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयुक्त अध्यां और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुरी अर्थ होना, जो उस अध्याय में विमा नवा हैं।

अनुसूची

वार तस्ला पर 1140 वर्ग फ्लार प्लाट नं० 38, ब्लाक बी. न्यू अलीपुर, कलकत्ता में श्रवस्थित है।

> णेख नईमुद्दींन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रैंज-2, कलकक्ता

तारीख: 6-11-85

मोहर '

प्रकृप कार्त्र'. टी. एन. एस. -----

नायकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

वालकत्ता, दिनाक ७ नवम्बर 1985

ए०सी-71/आर०-2/वक्त०/86-86--- अतः निवंश सं० मुझे, शेख नईमुद्दीन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त आधानयम' कहा गया है), की बास 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का **कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गजार भू**त्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं।

और जिसकी मं० 174 ए है तथा जो ब्लाल जींव न्यू प्रालि-पुर, कलकत्ता - 53 में स्थित है (और इनसे उपायद धनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), पिस्ट्री ती अधिनारी के कार्यालय सक्षम प्राधि ारी, कलकत्ता में ,रिनिस्ट्री परण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधींन, तारीख 18 मार्च

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्म प्रविश्वत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकाँ) और **अन्तरिती** (अन्तरितियां) के बीच एंग अत्तर के लिए तय पान नवा प्रतिकल, निय्नसिवित उद्देश्य से उत्ता अन्तरण मिथित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा 📽 ू---

- (क) मन्धरण से शुद्र किसी आय की बाबस उक्स मधिनियम के अधीन कर दोने क सन्तरक ही बाधिएक को कासी कारने पा उससी अधन को नाजधा के लिए; सौर/धः
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था म किया जाता चाहिए था कियाने में समित्रा को 'हाएं।

बत. बब, उक्त बाधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिश्वित व्यक्तियों, अधीत् :---

। श्रीं किरपाल सिंह नारूला।

(भ्रन्तरक)

2 श्री पनजोद सिंह कलरा।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सुवाना कारों करके पूर्वांक्त सम्पात की अर्थन के लिए कायवाहिया करता हु ।

dan सम्मान के अर्जन के संबंध में कोई भी वार्शण ए---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीब से 45 किंन को अप्रीध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर वुमनाकी तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तिया में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बच्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाच अधाहस्ताक्षरा के पास रलाइल भा में कए जा सकरेंगे।

ल्पव्योकरणः--- इसमे प्रयुक्त शब्दा और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वही बर्थ होगा जो तस कथ्याम में दिया नया 💕 🛴

भनुसूची

4.65 कठा असीन 174ए, बनानन्जीक, न्यू भालिपुर, कल कता-53 में प्रवस्थित है। सक्षम प्राधिकारी के पास 18-3-85 नारीख दे रिजस्ट्री हुम्रा है। रिजस्ट्री का क्रमिक संख्या-३१ ।

> शेख नईमुद्दीन सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

वारीख, 6-11-85 मोहर 🖫

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

वारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 18 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ए० सी०-23/कल०/1985-86---- म्रत मुझे इंकर के० बनर्जी,

शिषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु से अधिक है

और जिसकीं सं० 2-सी है तथा जो नेताजीं सुभाष रोड़ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारींख 27 मार्च 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मुफ्ते यह जिञ्जाम करने का कारण हैं

कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरितयों) के शिच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित लढ़द क्य में उक्त अन्तरण निस्ति निस्ति में वास्ति क्य में किश्रत नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण में हर्ज किसी प्राय की दावर. उबत अधिनियम के अधीन कर रोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उक्स बचने मी सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिणों को. जिन्हों भारतीय अपकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, गा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया पा जिल्ला आना वाहिए था, किया में स्विधा के लिए;

अत: झब, उक्त अधिनियम की भएर १६६ ए हैं। अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269 ए को एपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्यों, अर्थात --- 1. मैसर्स सान्तिनगर हा० सो० लि०।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विजय सिंह वैद।

(স্থ

को यह सूचना जारी करके पृबोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, हे अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची

976 स्को॰ फीट प्लाट नं॰ 31 और 32 महान नं॰ 2-ए, चार ताल्या. 2-सी. नेहाजी सुभाप रोड़, लिलुपा हाबडा।

दिलाल-सं०---1985 का 4620 I

एस० के० बनर्जी मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता (दक्षिण)

तारीख: 18-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस. ------

आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण)

भर्जन रेंज-4, कलकता

कलकत्ता, दिनांक 18 नवस्बर, 1985

निर्देश सं० ए०ं सी०-25/रेंज-4/कल०/1985-86--- श्रतः मझे, शंकर के० बनर्जी

वायकर विधिनयन, 1961 (1961 का 43) हैं वर्ष इसमें इसके परनात् 'क्या अधिविधव' खाद्य बना ही, जो धारा 269-क् के वधीय स्वाच नाधिकारी को का विध्या कारण है कि स्थानर कारणि, विश्वमा अधिक वाचार म्स्व 1,00,000/- गा. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो एलाधीं में स्थित है (और इससे उपाधड़ अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रींकर्ता प्रधिकारी के टार्यालय कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारींख 27 मार्च 1985

को पूर्विक्त संबंधित को उपित बाबार भूका से कम के क्लबान प्रतिश्वल को लिए नंतरित को गई है जीर मुख्ये यह विश्वात करने का कारण है कि उथापुर्विक्य संस्थित का उपित बाजार जून्य उसके स्थवान प्रतिक्कत से, इंडे क्लबान प्रतिक्कष का अन्त्रह् प्रतिकृत में अभिक है और प्रभारक (बन्तरकों) और बलारियों (अन्तरितियों) के बीच देखें क्लक्तरण के लिए दन् पावा वथा प्रतिकृत , जिम्मतिविध ब्यूबेंच्य से क्लब्त क्लक्त्य कि कि में गारशिक्य क्य से क्लिस नहीं किया वथा है हम्म

- (क) मन्द्रप्त वे हुए कियी बाव की वावक, उनक् विक्षित्व में वयीन कहू वोने के बन्दरक में वादित्व में क्यी करने या उनके वचने में बृतिशाः को सिए; बीर/वा
- (व) ऐसी किवी बाव वा किवी धन वा वस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, बा प्रयोजनार्थ अंसरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया मा या किया जाना शहिए था, डिपाने में सुविधा बे जिए,

1. श्रं। गिरिण का० राय चौधरी।

(श्रन्तरकः)

2. श्री गं≢र ता० नटराजन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस स्वाम के खब्राम की प्रकाशन की सार्थित से 45 दिन की कवीच या त्रस्तंत्रचें, स्वीतस्थां पृष्ट स्वाम की कार्यास के 30 विम की व्यवस्थि, को की व्यवस्थि पाद में सवाच्या होती हों., के भीतर गुर्विका स्वीत्यमां में से किसी व्यविक प्रवास:

नव्भ किसी करिका व्यासा, सभोहताका<u>नी</u> के काछ निविज्ञ में किए या समीपे।

स्थलीक राग: --- इंग्रेगे प्रयुक्त धन्यों शहर पक्षे का, जो उक्क अधिनिजयन, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, नहरि कर्य होगा को उस अध्याय में विका क्या हो।

अनसची

5 काठा जमीन का साथ मकान पता: एलाची, थाना मोनारपुर 24-परगना। बिलल-सं०--1985 का 4605।

> शंकरके० बनर्जी सक्षम प्राधिकारीं सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4/कलकत्ता, (दक्षिण)

तारीख: 18-11-1985

माहर :

प्रस्य बाह्रं. ती. एन. एस. ---- *--

। वैश्वर्स नुमन बितियोश निमिटेड।

(प्रस्तरक)

2 थी टी० डी० घोष।

(भ्रन्तियती)

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

भारत बहुकार

कार्यानय, सङ्घायक जायकर नायकत (निर्देशक)

श्चर्जन रेज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंस 29 श्रक्तुबर 1985

निर्देश मं० मी० ए०/80/85-86/एस०एन०/1090/आई०ए० मी०/एस्य० भार०-1/कल०---यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनि 'स, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात अधित अधित मियम कहा गया है), की भारा 269-स के अधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 1.,00,000/- र . तं अधिक हैं

ग्रोर जिसकी सं० 18 ए है सथा जो पार्क स्ट्रीट कलकत्ता-16 में स्थित हैं (ग्रोर इससे उपाबड़ ग्रानुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से गणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्राधकारी के कपलिय मीठ एठ ग्राई० ए० सिठ ग्रार्जन रेंग-1, कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 ट्रा 16) के ग्राधीन, सारीख 27 मई 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के द्वरमान प्रतिण्य के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यास करने करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके द्वयमान प्रतिफल का पन्नक प्रतिकृत से अधिक हैं और बन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नतिवित उच्चेद्देव से उचत अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से क्षियत नहीं किया गया है: ----

- (क) अंतरण ने हुइ. किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीज कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे अचने में सुविधा के लिए; डॉर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसिंग्डी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अनुसरण में, में, इसत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अबिध, जो भी अबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोक्त व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस चैं 45 विन को भीतर उकत स्थानर सम्पत्ति में हितबद्दश्य किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अभोतन्ताक्षरी के यास निस्ति में किए जा पर्केंगे।

श्यक्तिकरण:--इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मीं परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

अन्त्रची

18ए पार्क स्ट्रीट, ्लकत्ता~16 में अवस्थित मकान का प्लाट नं० 5-ई का छात 2370.80 वर्ग फीट आयतन का जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पाम सि० ए० 180 के श्रनुसार 27-5-85 तारीख में रजिस्टी हुआ है।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकार भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-1, कलकत्त

तारीख: 29-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-भ (1) के बभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक जायकर जानक्त (निरोक्षण) श्रजीन रेजिना, कलकत्ता

कुलकला, दिनां १ 14 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० मी० ए० 153/85-86/एस०एल०-1091/ श्राई ए० मी० /एकपु० श्राण्ड-1/, स०---श्रतः मझे, एउ० के० बनर्जी,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्रास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक है

र्आर जिनकी सं० 113, है, तथा जो पार्क स्ट्रीड कुल का में स्थित है (और असे उपावब अनुसूची में और एणे का में विणित है), जिन्हें कुली प्रिचा की ए०, प्राई० 1 सि० अर्जन रेज-1, क्लिक्का स, जिन्हों करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अबीन तारीख 21 मार्च 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड हो जार मुक्ते यह विद्यास करने का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल सं, एसं एक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल सं अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने, या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

नतः नभ, उन्त निधिनियम की भारा 269-ग के ननुसरण में. में, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को सभीन, निस्निसित व्यक्तियों, मर्भात् :-- 1 मास्टर प्रतिक चीटलांगीया।

(भ्रन्तर 🗉)

2 रेश्व रेस्टन इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड।

(श्रन्तारती)

को वह बुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन को निष् कार्यवाहियां कारता हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तस्सम्बन्धी क्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वाकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उत्रत स्थावर सम्पत्ति में हितयद्व किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस् अध्याय में तिहा गया है।

वन्त्रची

113 पार्क स्ट्रीट, कल हत्ता में श्रवस्थित मकान का 10 सभ्ता में 296 वर्ग कीट श्रायतन का सम्पत्ति जो जक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर श्रास्पुत निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1 कलकत्ता के पास तारीख सिरियल नंजित 153 के श्रनुसार 21-3-85 नारीख में रजिस्ट्री हुआ है।

एस० के० बनर्जा सक्षम प्राधिकारी सहाय ः श्र(यक्षर अत्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-1, कलकत्ताः

नारीख: 14-11-1985

प्रसन् नाइं.टॉ. एन . व्स .-----

माधकर समितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के सभीत सुमता

भारत सरकार

कार्यान्य, बहायक वायकार वायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-1, कलकत्ता क्लक्ता,दिनांक 14 नवम्बर 1985

निर्देश मं० सी० ए० 154/85-86/एस० एल० 109?/ श्राई० ए० सी०/एक्य०-आ२०-1/क्लक्स:-- अतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

भायकर निर्धितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त् निर्मितयम' कहा गया है), की बारा 269-स के अभीन सकान प्रतिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित नावार मूल्य 1,00,000/- रु. से जिभिक है

श्रौर जिल्ली सं 113 है, तया जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इन्से उपायद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण स्प में बर्णित है), रिजिस्ट्रीयक्ती श्रीधिएएरी के कार्य क्रय सी ए ए अर्ड ए (सं श्रिजंन रेज-1 कलकक्ता में, रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 रण 16) के श्रिधीन, तारीख 21 मार्च 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उथित बाबार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की वहाँ हैं और मुख्ये यह विश्वास करने करने का कारण है कि क्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उथित बाबार मूच्या, सख्ये व्ययमान प्रतिकास से, एसे दश्यमान प्रतिकास का बलाह प्रतिकास से सम्बद्ध है और बंतरक (बंतरका) और बंत-रती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए स्य बाबा नया प्रतिकास निम्मसिवित उद्देशका से सबस सन्तरक निवित में बास्यविक रूप में कवित नहीं किया नवा है :----

- (क) नंतरण से शुर्व फिसी बाल की बावतः, उपर अभिविधम को बचील कार दोने के संतरक बे दायित्य में आमी कारने या अससे बचने को गृथिया के सिहर; और/बा

ब्हाः अक, बक्त विधित्वम की पारा 269-न की वयुवरक की, मी, बक्त विधितम्ब की पारा 269-व की उपधारा (1) के बधीतः, निम्मिनिक व्यक्तियों, वर्षात ह—

1 श्रीमती कविता चीटलॉगीया।

(भ्रन्तरक)

2 मेसर्म वेस्टन ईलेक्ट्रानिक्स लिमिटेस ।

(भन्तरिती)

को पह बुवन वारी करने पूर्वोक्त क्यांति से सर्वत से जिए कार्यमाहिनां करता हो।

ज्या क्ष्मित्त के वर्णन में सम्बन्ध में सोर्क् भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राज्यन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवींथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनकीय बाब में समान्त होती हो, से भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस तुका को राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन को भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हिस्तवप्थ किसी क्या स्थीवतं इवारा, नथाहस्ताकारी के शक्त विश्वित में विश्वे का सकों ने !

स्वाच्याकरण :---- इसमें प्रमुक्त सन्धां भीत पथों का, को स्वत विभिन्न के नश्यामं 20-क में परिभावित हैं, बड़ी वर्ष होंगा को उस वश्याय हो विशा नमा है।

न्दरी

१13, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में ग्रवस्थित मकान का 10 तला 1200 वर्ग फीट ग्रायतन का सम्पत्ति जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, कलकत्ता के पास सिरियल नं० सि०154 के ग्रनुसार 21-3-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-1, कलकला

तारीख: 14-11-1985

प्रकृप आई.डी.एन.एस.----

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार कार्यालय, तहासक आयकर आयुक्तः (निरक्तिक)

अर्जन रेज-1, कलकत्ता

कल इत्ता, दिनौँ ह 14 नवम्बर 1985

निर्देश आई० मं० मी० ए० 155/85-86/एस०एल० 1093 ।/ए० सी०/एम६आर० किल०-मनः मुझे एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि रभावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भीर जिस ही तर 107/1 है, तथा जो पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रींट इ.स. उपाबक अनुसूची में और पूर्ण कर में वर्णित है), दिविस्ट्रीकर्ण श्रीध हारी के हार्यालय कि एर, श्रीईर एर मीर श्रीजन रेज-1 कलकता में रिजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 द्वा 16) के श्रीवीन, नारीख 26 मार्च 1985

श्री पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरयमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एस इत्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (वंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसिबित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक क्य से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के कम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियां करे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

अत: नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण की, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्निलिखित व्यक्तिकों, अर्थात् । .——

1 श्री मृत्युन्जय शील तथा श्रन्थान्य।

(प्रन्तरक)

2 मेससं डिलाइट डिबल्डसं प्राईवेट लिमिटेड। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना बाद्धो करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को सिक् कार्यवाहियां करता हूं।

इस्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) अस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस सं हु विन की समिस या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त हायेती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाका करण: इसमें प्रयुक्त शब्दों जीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिण ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका मना है।

बरासची

107/1, पार्क स्ट्रीट, बलकत्ता में अवस्थित सम्पत्ति 18 काठा 8 छिटाक वर्ग फ़ीट जगह और अंगत दो तल्ला, अंगत तीन तल्ला मकान जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेज-1 कलकत्ता के पास सिरियल नं० सि० ए० 155 के श्रनुसार 26-3-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० **अन जीं** सक्षम प्राधिकारी सहायक **शा**यकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्रजन**रोज-1, क**लकत्ता**-16

नारीख: 14-11-1985

प्रकप बाई.टी.एन.एस. ------

नाकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-थ (1) के जधीन स्थना

नारत तरकार

बार्जनन, सहानक भानकर वायुक्त (निरोक्सण)

धर्जन रेज-कलकत्ता

कलकत्ता, दिन क 24 दिसम्बर 1985

निर्देश मं० सी॰ ए॰ 157/85-86एस॰ 1094/आई॰ ए॰ मी॰ एक्य॰ आए॰-1/व ल॰-यन: मुझे, एस॰ के॰ बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्रांधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जितका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी मं.० 224/226 है तथा जो जमुनालाल बासास स्ट्रीट, कल क्ला-7 में स्थित है। श्रौर इससे उपाबस अनुसची में श्रीर पूर्ग हा। अधिकारी है), को म्ट्री इसी अधिकारी के कार्यालय सि० य० श्राई० ए० पि० श्रजंन रेंज-2, इलकस्ता में रिजस्ट्री रण श्रिधिनयम 1908 (1908 दम 16) के श्रिशीन कारीख 30 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से का के क्यांनाम मितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय गया प्रतिफल, निम्निसिस्त उद्देश्य से उच्त जन्तरण किया मन्तरण

- (क) जन्तरण से हुइ किसी जाब की, वायत, उपत अभिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दामित्व में अभी करने वा उससे वचने में सुविधा को सिए; और/का
- (क) इसी किसी भाग या किसी भग या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त निवित्यम की भारा 269-ग के नवुनरण को, अब, उक्त निभित्यम की भारा 269-म की उपभारा (१) को जभीन, निभ्नमिनिक व्यक्तियों, अवर्ति, ा. श्री संजय वार्गारका

(म्रन्तरक)

2. मैंसर्स सुमन विनियोग लिमिटेड

(ग्रन्सरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हो।

जनत तम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में **कोई मी आयोप**ः⊸⊶

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इसस्थान के राज्यम में ज्ञाहन की तारीच से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्रक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पांच सिचित में किए का सकर्ष।

स्पक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कव्यों मीर पदों का, वा उपक श्रीप्रनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विका यहा है:

अमुसूची

224/226 जम्नालाल बाजाज स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रवस्थित सम्पति जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक आयक्त आयूक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज -2 के पास सिरियल नं० सि० ए० 257 के श्रनुतार 30-3-1985 वारीख में रिजिस्ट्रीकृत हुआ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकला

नारीख: 24-12-19**8**5 ।

मोहर

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

मैं० भानतीतिकेसन एस्टेटस लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की । धारा 269-व (1) के अधीन सूचना 2. डा॰ मक्तम् आलम खान ।

(श्रन्त(रती)

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, कलकरना

कलकत्ता, दिनाँक 14 नवम्बर 1985

े निर्देशसं० टी॰ब्रार०-73/85-86/1095/ब्राई०ए०सी०/एक्यू० पुर ब्राई०म्/अल०---यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

परवात 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा परवात 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा हैं। से जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का हैं। कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 000/- रह. से अधिक हैं।

ज़ुसकी सं० 8 है सथा जो केमा ह स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है, तसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-अधिकारी के कार्यालय आर० ए० सलकत्ता में, रजिस्ट्रीत्रण धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मारीख 20 मार्च,

1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकृत में अधिक है और ऐसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (बन्तरितकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिकृत, विश्वानिक्त उप्रदेश से उक्त अन्तरण जिलित में बास्तविक रूप में कवित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई जिसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों अभी अरने या उससे बचने मों सुनिध्य के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी नाय वा किसी धन या बन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजकार्ध अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या फिया जाना चाहिए था, छियाने में मृविधा के लिए,

बरा: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, औ, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निस्मतिवित स्पिक्तियों, अधीत् ४—— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध भी काई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चान के राजपत्र में प्रकाशन की तारास से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चान की तासीस से 30 विन की सविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

8 केमाक स्ट्रीट, वलकरता में श्रवस्थित मकान का तिसरा तल्ला में श्राफिस स्पेत नं व 14 जो रिजस्ट्रार श्राफ एसुरेन्स कलकत्ता के पास बीड नं व 1-4137 के श्रनूसार 20-3-1985 को रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्तम प्राधिशारी, सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेजे-1, कलकत्ना

तारीख: 14-11-1985

प्रकप बाइ .टी.एन.एव. ******

मैं० शान्तीनिकेतन एस्टेटर किमिटेड १६ की

में ० काजारिया एक्स्पोर्ट्स लिमिटेड

शायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, क्लक्त्ता

कलकृत्ता, दिनाँक 14 नवम्बर 1985

निर्देण मं० टी॰श्चार०-71/85-86/1096/श्चाई० ए० मी०/एम्यू० श्चार०-1/कल०--यतः मझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जीवत बाजार मृज्य 1,00,000/- र.. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 8 है तथा जो केमाक स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है,) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के तार्यालय श्रार० ए० वलवत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के श्रधीन तारीख 20-3-1985

को पूर्वोवस तथ्यतित के उचित बाजार बूस्य से कम के स्वयान
प्रतिफल के निए बन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोवस संपत्ति का उचित बाजार
पून्य, उसके सम्यमान प्रतिफल से ऐसे सम्यमान प्रतिफल का पन्यस
प्रतिकत से बधिक है और वन्तरक (अन्तरकार) और वन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे बन्तरण के सिए हम पाया अथा
शिवफल, निम्नलिखित उद्योक से जन्त बन्तरण सिकित
के बास्तिवक कप से कथित नहीं किया बना है हम-

- (क) बन्तद्रम से हुन्द किसी बाब की बाबत, उक्त अधि-रिवयम के जबीन कर दोनेके अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में स्विधा के निष्; बॉर/ख
- (ण) ऐसी किसी जाय था किसी पत्र या कन्य कास्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रवाह कहीं किया गर्म भा वा किया जाना चाहिए था, । रूपाने में मृतिष्ध जे जिल्ह:

उत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिक व्यक्तियों, कर्षी क्या को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन ५. ् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप '

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के कि विभ की वर्वाध था तत्स्वधी व्यक्तियों पर के की तामील से 30 दिन की अविध, जो के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ता 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति भें किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकोंगे।

क्लाक्करकः ----इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्यों का, को उक्सं. विधिनियम, के बधीन कथाय 20-क में परि--भावित हैं, वहीं वर्ष होगा. वो उस कथाय में दिवा क्या है ।

समस्य की

8, केमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में मधस्थित मकान का तीगरा तल्ला में ब्राफित स्पेत नं० 8 जो रिजिस्ट्रार मध एसुरेस्सेस एक रिखा । दफ्तर में डीड नं० माई०-4135 के बनुसार 20-3-85 तारीख में रिजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज2, सलकत्ता

तारीख. 14-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ध (1) के अधीन सचन

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन केंज, इलकता

र ल. स्ता, दिनाहा । 4 नवम्बर 1985

निर्देश मं० टी०श्रा००-72/85-86/एम० एल०-1097/श्राई० ए० पी०/एक्यू० श्राए०-1/कल० --यतः बुद्धः एस० के० अवर्जीः, बायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनवें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं)ः, की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिलकी स० 8 है तथा जो केमा ह स्ट्रीट, शलकत्ता में स्थि है, (श्रीर इसमे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री हती श्रीधरारी के शार्यालय श्रारण ए० रालकत्ता में रिजस्ट्री ट्रण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 20-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाबार मूस्य से कम के दश्यकान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूम्के यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त नन्मिरित का उचित बाबार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बंद्रह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए सय पाया गण प्रतिफल निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरम ने हुई फिती नाम की बावत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ग) ऐसी किसी काय या किसी भन या कर्य वास्तियों की, जिल्हें भारतीय काम-कर अभिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या भन-कर विभिनयम, या भन-कर विभिनयम, या भन-कर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृष्ट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था. छिपाने में मुनिधा प्रिया के जिल्हा;

मैं भागितिकोल । एकोल इतिमरोड एक अन्य

(স্থান্ডান্ড)

उ. मीज का कर्माच्या मुक्तपार्टक लिमिटेड

(भ्रन्तिगती)

को यह स्थता चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

जनत तम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी बाजेंग :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वा की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तवस्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए था सकैंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों सौर पदों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिशा गणा है।

अनुसूची

8, केमा : स्ट्रीट, इल :त्वा में शवस्थित, मकात का तिसरा तत्वा में श्राफित स्पेस नंक 9 जो रिजिस्ट्रार सब एसुरेन्सेस क्लक्ता के दक्ष्तर में डीड नंच श्राई०-4136 के श्रनुसार 20-3-85 तारीख में रिजिस्ट्री हुश्रः।

> ्यार केर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रमेन में 12, कलन्ता-16

ग्रातः वयः, अक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जग्तरम को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग्र की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

6--376 GI/85

तारीख: 1 !-! !- ! 0**8**5

400

प्रकृप आई.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंग-2, कलकन्ता

कलकत्ता, दिनास 14 नवस्वर 1985

निर्देण मं० टी०श्रार०-69/85-86/1098/श्राई०ए०मी०/एक्यू० श्रार०-1/वल०--यनः मुझे एरा० के० बनर्जी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं08 है तथा जो के कामिए स्ट्रीट, बलकरता स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजर्ट्री कर्ता अधिकारी के वार्थालय आर० ए० कलकता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 20 मार्च, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुफ्तें यह विश्वास करने का कारण है

मुक यह विश्वास करन का कारण हैं
कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान
प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पम्क्रह प्रतिशत से अधिक हैं
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित
किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों कां, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

ततः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-स के अन्सरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की जमभारा (1) के अधीन, निम्मिनिकित स्परित्यों, अर्थातः :---- 1. मैं ० शान्तीनिकेसन एस्टेट्स लिभिंड ें इन्स । (श्रन्तरक)

2. श्री श्याम मुन्दर बाजोरिया ।

(अन्तरिती)

بحصاصات بدارات

को यह सुचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि या तत्तम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- वक्ष किसी व्यक्ति बनारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अंत्रस र्च

8, नं० केमाक स्ट्रीट कलकत्ता में ग्रवस्थित मकान का ग्राउन्ड फ्लोर में मकान नं० 8 जो रिजिभ्ट्रार ग्राफ एसुरेन्स के दफ्तर में डीड नं० ग्राई०-4133 के ग्रनुसार 20-3-85 तारीख में रिजिस्ट्री हुग्रा।

> ण्स० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेंज, दलकता।

तारीख: 14-11-1985

प्रकार कार्यु हो दी_ल प्रवा<u>त</u> प्रवात करण

बायकर मधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत रंग्कार

कार्यालय, तहायक बायकर बायुक्त (निर्दालक)

ग्रर्जन रेंज-2, कलकता

कलकता,दिनांक 14 नवम्बर 1985

निर्देश सं० टी० आर० 96/85-86/एस एल-1099 /आई ए०सी० एक्यू आए-1/कलकत्ता—यत: मुझे, एस० के० बमर्जी,—

भागकर जीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार ब्रुक्त 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रांर जिस की मं० 258 तथा जो लिमण सरीज कलकत्ता में स्थित है (श्रांर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रांर पूर्णस्प से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में जिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 385

को वृबेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मृझे यह विद्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिकात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निनिचित उद्देश्य ने उक्त अन्तर्ण मिणित में रास्त्यिक रूप सं कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अन्धरण सं शुर्भ किसी बाग की भाषत , उनक भीभित्यम के क्षीन कर को के स्वाहक की वासित्य में कृती कर्ने या उससे बचने में स्विधा के बिस्; ब्रीड/वा
- (क) एस किसी काम का किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने वें सर्विभा के लिए;

अत: ज्य, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग कें, जनुसरण् भ, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिखित व्यक्तिस्थां, अभित् :--- (1) का लि दुर्गा ऐस्टेट ।

(अन्तरक)

(2) दबी प्रसाद अगरवाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति ने वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरों के पान सिचित में किसे या सकने।

स्थाकीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

258 लेनिन सरीण, कलकत्ता में अवस्थित मक नएक तस्ला में रूम नं० 22 जो सब रिजस्ट्रार अब इन्सुरेन्सेस के दफ्तर में डीड नं० 5632 पी० के अनुसार 28-3-85 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> ्रस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-2, कलकत्ता

सारीख: 14-11-85

क्रमन वार्षः द्वीः एतः, एसः । - - - ----

बायकार अधिनिय्व, 1961 (1961 का 43) स्त्री भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

महरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण)

अर्जेम रेंज-2, बलकत्ता

कल हत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1985

निर्देश सं० टीआर-90/85-86/एम एल 1100/आई ए० मी०/ एक्यू आर-1/ कलकत्ता—यतः मुझे, एस० के० बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीम संख्य प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति , सिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 6/2ए हैं तथा जो मयरा स्ट्रीट, जल इस्ता में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायक अनुसूची में श्रीर पूर्णस्य से विणित हैं), रिजस्ट्री-कर्त्ता अधिकारी के द्वार्यालय आर० प० क्ल्यक्ता में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 29-3-85 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मून्य से कन के द्वार्याल अधिकास के लिए अन्तरित की नई हैं और मुक्ते यह मिक्टास करमें का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उपायत बाजार सून्य, जलके दवसमान श्रीतफल से, एमें द्वार्यमान श्रीतफल का क्लार्य हैं कि यथापूर्वीक्त संपरित का उपायत बाजार सून्य, जलके दवसमान श्रीतफल से, एमें द्वार्यमान श्रीतफल का क्लार्य (बन्तरका) और वन्तरित (बन्तरितिया) के बीच एमें बन्तरका के लिए तथ गया प्रया प्रतिफल. निम्नलिकत उद्यादय से उपक कर्तरका जिला स्थारण प्रया प्रया प्रतिफल. निम्नलिकत उद्यादय से उपक कर्तरका जिला स्थारण की स्थारण से स्थारण स्थारण से स्थारण

- (क) अन्तरण सं हुई िकसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा की

निकार नय, सन्त निवास की धारा 200-म के अनुसरक में, में, उपल अभिनियम की धारा 260-म को उपभारत ()) के अन्ति विभाविधिन त्यिक्तयों अर्थान : - (1) श्री रघुनाथ प्रसाद भास्कर एवं अन्य

(अन्तरक)

(2) सरोज बागारिया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी बासीप :---

- (क) इब स्कार के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्कारन की तासीन से 30 दिन की नविभ, जो जी वविभ नद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वे कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय ब्वासः;
- (क) इस सूचना के राज्यका में प्रकाशन की तारीख के 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पास जिसित में किए वा सकोंगे।

स्पर्वाकरण: --- इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीवनिवस के अध्याय 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याव में विक्रम क्या है!

and d

6∫2ए मयरा स्ट्रीष्ट, फलफत्ता में अवस्थित मकान का 20 वां तल्ला में फ्लाट तं० 2005 जो रजिस्ट्रार श्रव ऐन्स्रेसे स के दफ्तर में डीड तं० आई—4886 के अनुसार 29-3-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, कलकस्ता

तारीख: 14-11-85

शक्य बाह् . दी . एन . एच . -------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुचना

ब्रास्त बहुका

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिलांक 14 नवम्बर 1985

निर्देश मं० टी०आए०-91/85-86/क्रम 1101/आई ए०सी०/ एकप्० आए-1/कलकत्ता--यन: मुझे, एस० के० बनर्जी.

भागकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का घरण है कि स्थावर तंपीता, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. ते अधिक हैं

ति ति ति ति ने 0 6/10 है तथा जो मयरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इ तसे उराबद अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिज-स्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय आरं कलकत्ता में रिजस्ट्री करण अधिक्तियम, 1908 (1908 का 16) के अधीक, नारीख 29-3-85 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के डिचंद बाजार मुख्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित व वास्तिक रूप से किया गया है :---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी शाय की वाबस उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के जंतरक के दावित्य के कजी करने वा उससे वजने में स्विधा में सिक्ष; बरि/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने के सुविधा के निए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित क्येंक्टियों, स्थित :---

- (1) श्री रघुताथ प्रसाद मस्करा एवं अन्यान्य । (अन्तरक)
- (2) दुर्गा पुरोहित।

(अन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हरन

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त ध्वांनतयों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की दारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के नाम निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6/19, मयरा स्ट्रीट, कलकता में अब स्थित मकान का तीसरा तस्ता में फ्लैट तं० 305 जो रिजिस्ट्रार आफ एक्क्योरेंस, कलकत्ता के दफ्तर में डीड तं० 1-4887 के अनुसार 29-3-85 तारी**ख** में रिजिस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I, कलकत्ता-16

नारीख: 14-11-85

प्रकृष ः **गार**िः **टो**ः एग_{ाः} र्युष्ट_{ा ध्यान}्यस्य ।

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन स्थना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक आयकर जायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

क्लक्ता-16, दिनांक 14 नवम्बर 1985

निर्देश सं० टी०आर०-93/85-86/कम 1102/आई ए० सी०/ एक्यु आर-1/कलकत्ता—यतः मुझे, एस० के० बनर्जी, आयकर अधिनियम .1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वाम करने का कारण हुं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 6/1ए है तथा जो मयरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णस्प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए०, कलकत्ता में रिज-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-85

को पूर्वोचत सम्यक्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रथमान श्रीतफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान श्रीतफल से, एसे दश्यमान श्रीतफल का बन्द्रह शिव्यत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया बना श्रीतकन निम्निसिद्ध सबुद्ध स्य से बन्ता नंतरण चित्रिक्त में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय प्रायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री रधुनाथ प्रसाद मस्करा एवं अन्यान्य । (अन्तरक)
- (2) श्री मोहन लाल अगरवाल।

(अन्तरिह

को यह सूचना जारी करके पूजाक्त सम्पत्ति के अर्थन के शिं कार्यवाहियां शुरु करता हुए ।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वार्क्ष ध—ा

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं कर 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पा स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, और अं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीव व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में किरी, बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पृष्टीकरण: इसमें प्रयावत शब्दी और पर्दो का, जो अवर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गया ही।

प्रनुभूकी

6/10, मयरा स्ट्रीट, कलकत्ता में, अब स्थित मकान का 6बां निल्ला में प्लैट नं 0.03 जो रजिस्ट्रार आफ एश्योरेस कलकत्ता के दफ्तर में डीड नं 1-4889 के अनुसार 29-3-85 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रैंज-1; कलकत्ता-16

तारीख: 14-11-85

प्ररूप बार्ष. टी. एन. एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज⊸I, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 नवम्बर 1985

निर्देण सं० टी०आर०-95/85-86/क्रम 1103/आई० ए० जी०/एक्यु० आर०-I/कल क्ता—यत: मुझे, एस० के० बनर्जी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) . (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 6/1ए है तथा जो मयरा स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर जो इससे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रांग पूर्णकप से वर्णित है), र जिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर० ए०, कलकत्ता में, रजि-स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख 29-3-85

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान शित्रफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अंदृह प्रतिकाल से अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: उब, उबंत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों. अधीत् :----

- (1) श्री रघुनाय प्रसाद मस्करा एवं अन्यान्य । (अन्तरक)
- (क) श्री राम अवतार जालान। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप १---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पृत्रीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजएक में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दीरभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

6/1ए, मयरा स्ट्रीष्ट, कलकत्ता में अब स्थित मकाम का 6वां तल्ला में फ्लैंट नं० 604,जो रजिस्ट्रार आफ एंग्योरेस कल**लत्ता के** दफ्तर में डीड नं० I-4983 के अनुसार 29-3-85 तारी**य** में रजिस्ट्री हुआ।

एँस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-I कलकत्ता-16

तारी**ख**ः 14-11-85 **भोहर**ः प्रकृष बाह्र हो एन एक

बायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्याभय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) श्रार्जन रेंग्र-1, सल स्ता

कल हत्ता, दिनोंक 11 नवम्बर 1985

निर्देश मं० टी० श्राण्य 81/85 -86/ए८० एन० 1104/ श्राई० ए० मी०/एक्यु० श्रार-ा/एन :चाः--श्रदः मुझे एस० के० अनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोतिको किया 6/17 है तथा जो पाछ स्ट्रीट एल एता में स्थित है (स्रोर इससे उपावद अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विजित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधितारी के ार्यालय श्राप्त ए० कनकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 छा 16) के स्रधीन तारीख 37-3-1985

करे प्रबंधित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गर्ब है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रह्म, असके इश्यमान प्रतिकाल से एसे इश्यमान प्रतिकाल का क्लाइ-प्रितिवात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निसित्तित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिकित कें भास्तिक रूव से क्षिण नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी गाय की गायता, उक्त विधिनियम के सभीन कर दीने के जन्तरक से दायित्व माँ कमी जनमें २ लगान स्काने में स्वित्तमा के निस्ता और रिक्त
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर्न बिलियम, 1937 (1957 का 27) के अधीजनाण अन्तरिती हारी प्रकट नहीं किया गया सा सा सा किया जान आहिए था. छिपाने में सुविधा के निर्मा

बत: बब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मा, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) रघुनाथ प्रसाद मस्करा ए। यनगर्य ।

(श्रन्तरक)

(2) श्री रामबिलाय अग्रवाल ।

(श्रन्तरिती ⊻

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के र्.. कार्यवाहियां अपता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तहरीय से 45 सिन की नगीय ना तत्स्रेनंभी स्थानितयों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की मंत्रीय, जो भी नगीय भार में समाप्त होती हो, के मीत्तर पूर्नोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत हवारा;
- (क) इस त्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में दिलव्यथ किसी जन्य व्यक्तित व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वय्वक्रिरण: -- ५ समें प्रवृत्त सन्दों तीर वदों का, वो उपक्ष वीधनियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया वंशा हाँ।

अमुसुची

्रिश्त पार पट्टीड, इल ृता में स्थित महान का 10वाँ तल्ला में प्लाट तं० 1002, जो रजिस्ट्रार श्रव एक्टेंस्सेस के दफ्तर में डीड तं० 1-4666 के अनुसार 27-3-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एत० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायतः श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजनरेज⊶1. वृक्षकत्ता

दिनों 🤃 : 14-11-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
श्वर्जन रेज-1, ःलाःता
एलास्ताः, दिनाँ ३ 14 नवस्वर 1985

निदेश सं० टी० ग्रार०-80/85-86/एस० एल०/1105/ ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन रेज-1, त्ल $\frac{1}{2}$ ना---ग्रतः मूझे एस० के० बनर्जी.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिन्नि सं० 6/15 है तथा जो मायरा स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इन्नसे उनावड़ श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधितारी के वार्यालय श्राहरू ए० इल ज्ञा में रजिस्ट्री: रण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 27-3-1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान मितफल के लिए मन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बक्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा कल प्रतिकत, निम्नीनिश्चत उद्देश्य से उच्छ बन्तरण निमित्त वे बास्नविक रूप से किचित नहीं किया ग्वा है ---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त सिंपनिष्य के जभीन कर दोने के जन्तरक से बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से लिए: और/या
- (का) एमी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ कां, जिल्हां भारतीय द्वायक्तर की विद्या 1022 (1922 का 11) - या उक्त अधिनियम, या वन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यम था या किया जाता टाहिस वा डिस्टारे से स्विचा से विद्या

अतः अर, उवन अधिनियम की धारा 269-ध के अन्सरण मों, मों उन्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थोत् :——
7--376/85

(1) रघूनाथ प्रसाद मस्ःरा ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेर्ग्स अधिराम मदनलाल ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सर्कगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनस्ची

 6^{l+5} प्रयस स्ट्रीट, जल ज्ञता में स्थित म जान का 9वां नला में 'लाट नं० 602 जो रिजस्ट्रार ग्रव एन्गोरेंम के देफ्पर में डीड नं० l-4665 के श्रनुसार 27-3-1985 तारीख में रिजस्ट्री हुशा ।

एस० के० वनर्जी यक्षम प्राधिकारी इहासक ब्रायेकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेज-1, कलब्रुक्ता

दिनांक : 14-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेज-1, दलक्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्रिकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाल 269-त के अधीन सक्षम प्रधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर विस्की सं० 6/1ए है तथा जो मयरा स्ट्रीट क्लब्सा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वाणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय श्रारक ए० कलक्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27~3⊶1985

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से, ऐसे देश्यमान प्रतिफल का पन्दूह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नितिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :---

()) रचुनाथ प्रसाद मस्करा एवं भन्य।

(ग्रन्दरक्)।

(2) श्रानन्दी देवी श्रग्रवाल ।

(भ्रन्तरिती)

को भइ सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिकों करता हूं।

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस भूचना के बाजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिस की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिस की अविधि, जो भी अविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित्त खितावों में ते तिस्ती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी जन्म ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकेंगे।

स्यक्कीकरण:—इसमें प्रयुक्त शक्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षिस हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

6/1ए म्प्यरा स्ट्रीट में स्थित मकान का एक तथा में थ्लाट नं० 105 जो रजिस्ट्रार आफ एणोरेंस के दफ्तर में डीड नं० 1-4656 के धनुसार 7-3 1985 सारीख में रजिस्ट्री हुआ।

एस**ः के**० बनर्जी राक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रोज], कलकत्ता

िनांक : 14-11-19**85**

मोइर :

प्रकल् बाइ , टॉ. एवं, एचं, -------

भागकर नुभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की पाद्धाः 269-ए (1) के नभीन बुचना

BILT TEME

कार्याभव, तहावक बावकार वावका (विरोधक)

श्रजंन रंज-1, वलकसा

छल हत्ता, दिनांक 14 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० टी० श्रार०--78/85~86/एस० एल०/1107/ श्राई० ए० मी०/श्रर्जन रेंज--1 ्लक्ता---श्रतः भुझे, एस० के० बनर्जीः

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपरित विस्का उचित सवार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 6/10 है तथा जो मयरा स्ट्रीट, बलकसा में स्थिति है श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ौर पूर्ण एप से वर्णित है (रिजिस्ट्री अर्था श्रिश्वकारी के कार्यालय श्रार० ए० कल इसा में रिजर्स्ट्री इरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तरिषेख 23-3-1985,

भन्ने पृवां कत सम्मत्ति को उपित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास कारने का कारण है कि यभाप्योंक्त संपत्ति का उपित बाजार मृन्य, उसके क्यामान प्रतिफल से, इसे क्यामान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्यरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्निलित उद्वेषय से उन्त अन्तरण निवित में बास्त-अक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण वं हुई किसी बाव की बावत बक्त विषक्त विश्वस के क्षीन कर देने में जन्तरुक के दावित्य में सूनी करने वा सबसे बच्चने में सुविक्य के जिए। बीट्/वा
- (छ) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया कम भा या किया वाला वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बतः क्या, उत्तर नीविनयम, की धारा 269-य में ननुबर्ग मों, में उत्तर अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के स्थान, निम्नोनियस व्यक्तियों। नेपूर्ति क्रिक (1) रवुनाय प्रकार मस्तरा एवं अन्य ।

(ग्रन्तर 🖅)

(2) प्रध्या देवी के डिया।

(भन्तरिती)

को यह तुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हुं।

रक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में काहें भी वाक्षेत्र ह---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियाँ।
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पाल मिहित में किए वा सकोंने।

स्वकटोकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पर्दों का, जो उन्तर विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया हैं।

अनुसुची

6/10 मयरा स्ट्रीट, वलकत्ता में स्थित मकान का 8व। तला में प्लाट नं० 803. जो रजिस्ट्रार श्राफ एन्णोरेंस के दफ्तर में डीड नं० 1-4654 के श्रनुसार 27-3-1985 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> ण्स० के० बनर्जी सक्षम प्राधिका**री** महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रार्जन रेजें–1, कलक**त्ता**

दिनांका : 14-11-1985

प्ररूप आहरं. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज—ा, इल्लिला

कल हत्ता, दिनों ६ 15 नवम्बर 1985

निदेश मं० टी० अ.ए०-9 //85-86/ए८० एल०/1108/ अ.ई० ए० मी०/अर्जन जेंच~1, ःल.स., अर मुझे, एम० के० बसर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख की अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 1ए है तथा जो स्थान स्ट्रीट तलाजा। में स्थित है (श्री अबसे जक्ष बड़ शनुसूची में श्रीय पूर्ण चय में विणित है) जिस्ट्री श्री श्रीधकारी के जायित्य श्रीपन एक कला सा में जिस्ट्री एण श्रीधिन्यम, 1908 (1908 रा 16) के श्रधीन नारीख 29-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और प्रमा यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह शितात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक य से कथित नहीं किया गया है:---

- ्क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्नोलिखन व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) रघुताथ बलाद मस्दरा एवं श्रन्य ।

(श्रन्तरक)

(2) ग्राप्ट एसट कोटारी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समान्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति दों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अधे हांगा जो जस अध्याय में विया गया हो।

ग्रन्सूची ।

6/1ए मयरा स्ट्रीट, त्ला त्ता में स्थित मकान 10वां तला में लाट नंव 1003 जो रजिस्ट्रार आफ एक्सोरेस के दपतर में डीड नंव 1-4892 तारीख 19-3-1985 के आनुसार रजिस्ट्री हुआ।

> एप्प० के० बनर्जी सक्षम प्रश्वकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज⊶1, कलकत्ता

दिनां के : 15-11-1985

प्ररूप बाह्रें टी एन. एस. -----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्राजिन रेजि∸ा, ५ल५सा

कलकसा, दिनांक 14 गवम्बर 1985

निदेश सं० टी० श्राप्त०-85-86/एस० एल० 1109/ श्राई० ए० मी०/श्रजंन रेज- 1, बल का का मधी एस० के० बनर्जी,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उपित याजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीप जिस्ति सं ० ७/१ए है। हथा जो मराव रही, , रहा, स में स्थित है। (ग्रींश इससे ७५७वट अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) अजिस्द्रीएर्ता श्रधियारी के ए।संबंध श्राप्य ए० कुल इत्ता में रिलस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1808 (1908 दत ्16) के **प्रधी**ननारीखा 2*7--*3--1985,

को पुर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार भूल्य से कम को दरममान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भार मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त भरपत्ति को दिवत आजार मृत्य, उसके एर्यमान प्रतिफल से एसे एर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रसिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उपत अन्तरण निवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया नवा है 🦫

- (क) अन्तरण सं**हुइ किसी** नाथ की **श**ावस, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; नीर्/वा
- (का) एनेनी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तिमा को, जिन्हीं भारतीय बाय-कर अधिनिक्स, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अख, उक्त अधिनियम भी भारा 269-ग के अनसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) 睹 अधीन, निम्नलिखित अविश्वसाँ, अर्थात् :----

रघुत्राय प्रशास भास्तायः ग्रीण दूरणः :

(श्रन्तभूत्)

(४) कुणक राष्ट्र मोह्ना ।

श्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सर्वध मा कोई भी गाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपर्श में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या अल्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवाब, जो भी भवा भ नाद में समाप्त होती हो, के बीतर प्रयंक्त क्यक्तियों मं से किसी क्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हित्रबंदन किसी जन्म व्यक्ति स्वार। अभोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए आ सक्तेंगे।

स्पर्काकारण :---इसमा प्रयुक्त शब्दा और गर्वा का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही पही अर्थ होगा, को अस अध्यास में विसा वास्तान हैं ।

श्रनुसूची

फ्लैंट न० 405, 4थीं पंजिल, 6/10 मध्या व्ट्रीट,कलब्ताः दलील मं० च ४६५६।

> एयर कर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी निका**य प्रशायक्त (निरोक्षण**) श्रर्जन न रेंज-1, कलकत्ता

दिनाँक : 14-11-1985

भारत सरकार

कार्यांसन, तहानक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जम रेंज-I, कलकत्ता कलकत्ता, दिमांक 15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० टी० आर०-92/85-86/कम /1110 आई० ए० सी०/एनपु० आर०/कलफत्ता—यनः मुझे **ए**स• के०ननर्जी,

आवकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उन्हः अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- ं. से अधिक है

ग्रीर जिनकी मं० 6/10 है तथा जो मयरा स्ट्रीष्ठ, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणित है) $\sqrt{3}$ ज्रिकी हती अधिकारी के कार्यालय आर० ए०, कलकता में रिजिन्ही हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 29-3-1985

मते प्रांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रांत्कल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एस दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, मिम्निकित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक क्य में कथित नहीं किया गया है —

- (कः) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विभिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य या कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; अरेर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की., जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के निए;

वदः अव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसर्ण को, को, समत अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीनः निम्नलिखित व्यक्तियों. अधीत :--

- (1) श्री रघुनाथ प्रसाद मरकरा एवं अन्यान्य। (अन्तरक)
- (2) मेंसर्स हिन्द सेरामिक्स लिमिटेड।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन को किये कार्यवाहिया करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोड़ी भी बाक्षेप ः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, वो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उंपत्ति में हिसद्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्से अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अन्स ।

6/1ए मथुरा स्ट्रीट, कलकत्ता में ब्रबस्थित मकान का 7वा तल्ला में फ्लैट नं० 705, जो राजस्ट्रार औफ एक्योरेन्स कलकत्ता के दफ्तर में डीड नं० I-4888 के अनुसार 29-3-1985 तारीख में रिजस्ट्री हुआ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

तारी**या** 15-11-1985 मोहर : त्ररूप बार्ड. टी. एन. एस.------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्म, सहायक आयक्तर जाय्वत् (विरोधान)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० टी० आर०-74/85-86/क्रम-1111 आई० ए० सी०/एक्यु० आर०-1/क्लक्ता--अतः भुन्ने, एउ० के० बनर्जी जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सबके परवाल् 'उक्त कथिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाचार क्व्य 1,00,000/- रठ. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० 8 है तथा जो केमक स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रोर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अ:र० ए० कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-1985

कः पृथानित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रविवास प्रित्तिक के लिए अन्तरित की गर्य है और मुक्ते यह विश्वास ककों का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिकान से एसे दर्यमान प्रतिकृत का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिगों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नितियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अस्तरण से शुहूर किसी आब को बावत समस सहित-विश्व के अभीन कर दोने के समारक के सावित्य के कबी करने था एराने शारी में सुविधा के सियं; कीर/या
- (थ) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य बास्तियों की, विन्हें भारतीय वायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, वा धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ कर्सारती वृत्तारा प्रकट नहीं किया क्वा भा वा क्रिया शना अंतिष्ठ था, जियाने में ब्रियम के क्विए:

अतः अबः, उत्कत अधिनियम की भारा 269-ए के अनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्नानिस्कित व्यक्तियों, अर्थात् ---

(1) शान्तिमिकेतन एस्टेट्स एवं अन्य:न्य ।

(अन्तरक)

(2) बिनोद कुमार बाजोरिया।

(अन्तरिती)

को बहु सुकना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के जिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उपरा बाम्युरिय के वर्षन के बामान्य में कीई भी काक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकासन की तारीक हैं
 45 दिन की नवींच ना तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की ताबीस से 30 दिन की नवींच, को भी ववींच
 नक के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (व) इव ब्रुपना के राष्ट्रपन में प्रकाशन की सारीय वें 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर संपरित में द्वित-ब्रुप किसी नन्य व्यक्ति द्यारा नभोड्स्ताक्षरी के पास किसित में किए वा सकोंने।

स्यक्षीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उस्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका नेथा हैं।

श्रनुमुची

8, नेमाक स्ट्रीट, कलकत्ता में श्रव स्थित मकान का गाउन्ड फ्लोर में दुकान नं० 7 जो अब रजिस्ट्राण आफ एक्टोरेंस के दफ्तर में डीड नं० 1-4138 के अनुसार 20-3-19\$5 तारीख में रजिस्ट्री हुआ ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-16

दिनांक : 15-11-1985

प्ररूप नाड्र हो . एन . एस . -----

en our orderes de six outresende exemples

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4२) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थ्राः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्ज म रेंज—1, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 15 नबम्बर 1985

निदेश सं० टी० आए०-85/85-86/क्रम1112/ आई० ए० सी०/एक्यु० आर०-1/अल्ङना--यतः, मृह्ने, एस० के० बनर्जी,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 158 है तथा जो लेकिन सरित जलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाधन्न अन्तूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित है) रिजिस्ट्रीजर्ना अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलकता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 28-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई हैं। आँग मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं। कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से एसं इश्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिशत उदद स्थ स उकल अन्तरण लिखित में वास्तविक कम से कथित नहीं कया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वासित्व में कमी करने या उससे बनाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आध-जर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, दिशान में मिजधा के लिए;

बतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्मरण भा, भी उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित, व्यक्तियां, व्यक्ति :-- (1) कालि दुर्गा एस्टेडस ।

(अन्तर्क)

(2) मास्टर नीरज मानचन्दा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के रिंटी कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की जबिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकींगे।

स्पच्छीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

वनस्वी

कमरा नं० 3, 4 तल्ला पर, 158 लेनिन सरिन कलकत्ता दलील मं० 1-5602-पी ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कल उत्ता-16

दिनांक : 15-11-1985

प्रकृष बाइ .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, फलकत्ता फलकत्ता, दिनोंक 15 मवस्बर 1985

मिदेश सं० टी० आर०—84/85/86/एस० एल०/1113/ आई० ए० सी०/अर्जन रेंज—1/कलकत्ता—अतः मुझे, एस० के० बनर्जी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसफे पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मोर जिसकी सं० 158 है तथा जो लेनिन सरीन कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है) रजिल्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, कलकत्ता में रजिल्ट्रीकरण अधिन्यम 1908 (1908 का 16) के अधीन कारीख 27-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपन्ति का उचित बाजार बृश्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रति-क्षा निम्नलिबित उद्वेष्य से उचत अंतरण विवित्त में वास्तिक का बिम्नलिबित उद्वेष्य से उचत अंतरण विवित्त में वास्तिक

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, उक्त वीधिनियम खें वधीन कर दोने के कन्तरक खें वाधित्य में कमी करने ना उससे अवसे में सुविका के किए; और/का
- (क) एसी किसी जाब या किसी भन या अस्व जास्तिकों की, जिन्हों भारतीय आम-कर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) कालि दुर्ग एस्टेट

(अन्तरक)

(2) मास्डर निराज मनचन्दा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के क्रिय कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षण :---

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय दें 45 दिन की जनिश्व मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की नविश्व, को भी बन्धि नाव में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेषिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरों के वाक निरिश्त में किए या सकतें।

स्यस्तिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त थव्यों और पदों का, वो समझ अधिनियम दे अध्याव 20-क में परिशामिक है, वहीं अर्थ होंगा. को उस अध्याम में दिया गवा हैं।

मन्स् ची

कमरा नं ० — 3, 4 तला , 158 लेनिन सरिन , कलकत्ता दलील सं ० 4690 ।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिमांक : 15-11-1985

ोहर:

प्ररूप बाह्र ही . एन . एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकता

कलकत्ता, दिमांक 15 मवस्बर, 1985

निदेश सं० टी० आर०-83/85-86/एस एल/1114/ आई० ए० सी०/अर्जन रेंज-1 कलकत्ता-अत: मुझे, एस० कें बमर्जी,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें यक पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. ये अधिक है

भीर जिसकी सं० 158 है तथा जो लेशि सरिम, कल्किसा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यालय आर० ए० कलक्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-3-1985

को पूर्वोकत संपत्ति को उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यान अतिफल को लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने में मृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:— (1) कालि दुर्गा एस्टेंट ।

(अन्तरक)

(2) मिराज मोभिस ।

(अन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां स्रक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योंकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए था सकेंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो उक्त जींभीनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याप में दिया गया ही।

मन्त्री

कमरा नं० 5, 3 तल्ला, 158 लेनिन सरित, कलकत्ता, वलील नं० 4689।

> एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज-1, कलकता

विनांक: 15-11-1985

मोष्ठर :

प्रकप आहू .टी .एन .एस . ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्गायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिशांक 15 मवम्बर, 1985

निवेश सं० टी० आर०-66/85-86/एस० एल०/1115/ आई० ए० सी०/अर्जभ रेंज-1, कलकत्ता--अतः, मुझे, एस० के० बनर्जी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000∕-रुट. से अधिक है

और जिसकी सं० 158 है तथा जो लेनिन सरिन, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसुकी में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज र श्रीश ए० कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28-3-1985

्षा पूर्वोक्त सम्परित के उपित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अंतरण जिल्लि में बास्तिक क्य से कृथित नहीं किया गया है द्र—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के सिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत:—

(1) काली दुर्गाएस्टेट।

(अन्तरक)

(2) निराज मोभिज।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्य 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूची

कमरा नं० 5, 3 तल्ला, 158 लेमिम सरिम कलकत्ता, विकास क्रें 5607।

एस० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिर्माक : 15-11-1985

प्ररूप आई. बी. एन. एस. -----

कावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43). की भारा 269-भ (1) के अभीग स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 मवम्बर, 985

मिदेश सं० टी० आर०-70/85-86एस० ए**स०/1116/**

आई॰ एस॰ सी॰ अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-अतः मुझे, एस॰

नायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मोर जिसकी सं० 8 है तथा जो कामाक स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बाँड अंतरक (अंतरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिक इन्होंस्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तुविक रूप से कथिक नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिम्ह; और/या
- (च) इसी किसी जाय या किसी भन्न या कार्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा के जिक्ह;

कतः वय, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्दरण में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीर्थ, जिस्नीजीवात व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) मान्ति निकेशन एस्टेट लि॰ मीर दूसरे। (अन्तरक)
- (2) एन्टोनी गोमस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिख्य कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं थे 45 दिन की अविध् या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्ति या करी से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितर किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

जाफिस स्पसनं ० - 2, एक तला ८, कामाक स्ट्रीट, कलकता। विभीत सं ० 4134।

एस० के० अनजी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जनर्रेज-1, कलकत्ता

दिमांक : 15-11-1995

क्ष्म मार् ७ टी प्रस्त प्रस्तान

बावकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर नाय्क्त (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज-1, कलकत्ता कलकत्ता, दिमांक 15 नवम्बर, 1985

निदेश सं० टी० आए०/65/85-86/एस० एल०/1117/ आई० ए सी०/अर्जन रेंज-1, कलकत्ता-अतः मुझे, एस० के० बनर्जी

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका जीवत बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिस्की सं 158 है तथा जो लेनिन सरिन कलकता में स्थित है (और इससे उँपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण का से वाँगत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आर॰ए॰ कलकता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-3-1985,

क्षं पृथोंकत संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के उध्यमान व्यतिफल के लिए जन्तरित की गई है जोर मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपर्तित का उचित बाजार जूरका, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और जन्तरक (जन्तरकों) और जन्तरिती (जन्तरितिपों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकलन, निम्श्रीलिखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण निखित में बास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुईं िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी बाव वा किसी थन या बन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया शनके बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन, निम्निविचत व्यक्तिवाँ। अधीन ।

(1) कालि दुर्गा एस्टेट।

(अन्तरक)

(2) आमन फिल्म ड्रिस्ट्रीव्यूटरस ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के नवंत के सम्बन्ध में कोई भी नासंस् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख़ कें
 45 दिन की अविभ मा तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस स्थान के ग्रजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस् बह्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, बशोहस्ताक्षरी के पास निष्तु में किए वा स्केंगे।

अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वृथे होगा जो उस बध्याय में दिवा वृदा है।

पन्सुची

कमरा नं ० 4, 3 मंजिल, 158 लेमिन सरनि कलकत्ता स्लीन नं ० 4276।

> सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, कलकत्ता

दिनोक । 15-11-1985 घोद्वर । प्ररूप बाईं दी. एव. एस. -----

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाड

कार्याखय, सहायक बायकर वायकत (निरोक्षण) ग्रजन रेंज-1, कलवत्ता

क्लश्ता,दिनांक 15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० टी० आर०-75/85-86/एस०एल०-1118
1 ए० सी०/एत्यु आर-/क्लक्रता-अतः मुझे एस० के०बनर्जी
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य
1,00,000/- रुठ. से अधिक हैं

म्नीर जिसकी सं० 158 है तथा जो लेनिन सरीन वलवत्ता में स्थित है (ग्रीर इस्से उपाबद्ध प्रनुसूची में म्नीर पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजर्ट्रीन त्ती अधिवारी के कार्यालय, आर० ए० वलक्ता में रिजर्ट्रीकरण अधिनियम 1908 ₹1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 मार्च 1985।

को पूर्वों कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह कितवत् से अधिक हैं और यह कि अवरक (अंतरकों) और अंतरिती रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा गया है क्ष्मे

- (क) अन्तरक से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया आना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए:

बतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अर्थात :—

्1) कालि दुर्गा एस्टेट ।

(म्रन्तरक)

(2) आमन फिल्म् डिस्ट्रीव्यूटरस।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप कु-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एद स्वना की तासील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक्स्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा ह⁸।

वनुसूची

कमरा नं० 4, 3 मंजिल, 158, लेनिन सरनि, कलकत्ता। दलीलं सं० 4274।

एस० के० बनर्जी सक्षमं प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज ना, कल कता

दिनांक: 15-11-1985

प्रकृप नार्च्**टौ_एन्,एस्**ङ======

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, कलक्ता

कलरत्ता, दिनौक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० 1909/ग्रर्जन रेंड:-3/85-86--- फर: मुझे संक्रर बनर्जी,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 42-सि से 42 एच है स्था जो बनमाली सररार गेड जलाता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भागुलुकी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणा है) रिष्ट्रिट्री ग्रीधरारी के कार्यालय तलाता में रिजस्ट्रीट्रिंग ग्रीधितिया 1908 (1908 का 16) के ग्रीवीन तारीख मार्च, 1985

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुन्दी किसी बाव की बावत, उपस्य अभिनियम के अभीत कर दीने की अन्तरक की वासित्व में कभी करने वा उत्तसे अभने में सुविधा की लिए; आहु/बा
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्तः आस्तिसी को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सूविधा के लिए;

बतः थव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) बच्ण कुमार राय फ्रांट घन्य ।

(प्रन्तारक)

(2) द्यानन्द कुमार राय दौर द्यन्य।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ख भ्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबह्भ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए वा शकेंगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जरे उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बीड नं० 5372पी/35, हारीख मार्च, 1935 के ब्रनुसार जो सम्मति निबन्ध हुआ।

> शंहर बनजी सक्षम प्राधि हारी सहाय ह प्राय हर प्रायुक्त (किरीक्षण) प्रार्जन रेंग-3, 54, रफ़ी शहमद रिस्क्रई रोड़, करारका-16

दिनौं ह : 15-11-1985

प्रकृप सार्च . हो . एन . एस् . a-a---

बायभार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्गलय, इहायक नायकर मायुक्त (निरक्षिण)

ग्नर्जन रेंज्⊶3, कलक्सा कलकत्ता, दिनौंक 15 नवम्बर 1985

निवेश सं० 1910/अर्जन रेंज-3/क्लक्ता/85-86---अतः मुखे शंकर बनर्जी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 57ए है तथा जो साउथ एवेन्यू में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीवर्ता अधिवारी के वार्यास्य वरूपता में रजिस्ट्रीकरण अधिविम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 15-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमा है प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह्

और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) खें बीच एंसे अंतरण के मिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिक इद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक क्य से कथित खीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबए, एक्स अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, द्विपान में सुविधा के सिए;

कतः जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अमृत्तरण वा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाशः (1) की अधीन जिल्लापिकिक प्रक्तियों कथीं :-- (1) मनिल कुमार नाथ भीर भन्य।

(घन्तरक)

(2) डा॰ प्रजिल कुमार राय।

(पन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अजन को जिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

चनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों प्र सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच चैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड़ सिचित में किए या सकोंगे।

स्यक्तीकरण:--- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

मनुसूची

बीड नं० 7236 सारीख 15-3-1985 के बनुसार जो सम्पति निबन्ध हुना।

> शंकर बनजी सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3,

भिनॉकः 15--11--1985

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंग:3, वरा:ता

वल तः, दिनाँक 15 नवस्वर 1985

निदेश संव 1911/ग्रर्जन रेंच-3/05-86-- श्रद्धः मुझे शंहर बहर्जी

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भी पिका रोट 2 है एक जो रेगोनिय गार्थस, एउट्स में पिका है भीग इससे एपावड़ उत्पूर्वा से भीग पूर्ण रूप से विभिन्न है) प्रतिद्वी, तो अधिनारी ये ए.में एम इस्प्रस में प्रतिद्वी, एण अधिनियम 1908 (1908 दा 16) ये अधीन सारीख 17-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिएल के लिए अन्तरित की गई है और मुंफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है कैर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देर से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने के उससे अचने में जुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इस: अवि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 भैं . उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)
 विमनिलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

(1) मनीन्द्र एवं चत्रदर्ती ।

(ग्रन्तरक)

(2) का ावारी चोरासिया।

(भ्रन्:रित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितद्र्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखिक में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जम्सूचीं

डीउ ं० 1-7308 अनुसार जो सम्भित निबन्ध हुमा है जारीख 17-3-1985।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंऽ:--3, 54, रकी श्रहमद क्वित्रई रोड़, कलकत्ता-16

दिनांक : 15-11-1985

मोहर 🖫

9-376GI /85

प्ररूप माइ. टी. एन. एस. = - - ---

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीन सुचना

भारत सुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज-3, एलट्सा

कल इसा, दिनां १ 15 नवम्बर 1985

निवेश सं० 1912/मर्जन रेंज-3/85-86---भारः मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें धसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 20 है तथा जो बाबू कार्ट हाउस स्ट्रीट, क्षण स्ता में स्थित हैं (श्रीर इटले ज्याबट श्रनुस्कों में श्रीर पूर्ण का से विणिए हैं) रिलिस्ट्री ति श्रीधकारी के वार्यालय क्ल क्सा में रिलिस्ट्री रिण श्रीधिकारी के वार्यालय क्ल क्सा में रिलिस्ट्री रिण श्रीधिकारी 19081908 का 16) के श्रीधीन कोरीस 30-3-1985

करें पर्वेक्त संपान के उिचत बाजार मृत्य में कम के श्रयमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गर्श है और मभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उिचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हाड किसी काय की बाबत. प्रकल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने हों सुविधा को निष्ध सीर/मा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा खें रिलए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग के अनुपरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों के क्यांत् ह— (1) कु १ एन्ड केलमी (प्रा०) खि०।

(ग्रनारक)

(2) हाउसिंग डेबेल-मेंट फाइनांस कारपेरिशन हिः। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्षर्जन कें लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप 🌣 🗝

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या नत्सम्बन्धों व्यवस्थ स्वना की तामील में 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बेद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकोंगे।

श्यष्टीकरण ---धसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[‡], वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।ो

पनुसूची

सम्पति जो डी४ नं० 1-4919 तारीख 30-3-1985 भनुसार निबन्ध हुमा ।

> शंकर बनजीं सक्षम प्राधितारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्राजेंन रेंज-3, 54, रफ़ी ग्रहमद किदबई रोड़, कलकत्ता-16

दिनांक : 15--11--1985

प्रकल् बार्च_ा टो_ट एक_ं एक_ं-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत चरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंअ-3, कलकत्ता

कल हसा, दिनाक 15 नवम्बर 1985

निरेश तं० 1913/प्रजैन रेंज-3/85-86-म्बरः मुझ, शंकर बनर्जी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उणित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

म्रीर जि.की संव 3/2/3 मीर 3/2/4 है स्था जो किराज रोव, एक त्या में स्थित है (म्रीर इससे उपावत अनुसूती में मीर पूर्ण रूप से विणित है) रिवस्ट्री ति मिन्सि के कार्याक्षय कल त्या में रिजिस्ट्री त्रण मिन्सिम 1908 (1908 का 16) के भ्राजीन तारीख 30-3-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तर्भ ते हुई किसी आय की वावत उक्त विभिनियम के बधीन कर दोन के बन्तरक के दासित्त में कमी कारने या उत्तस देखन में सृविक् के 'सए; बौर/बा
- (ब) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्क्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया ग्या चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की नारा 269-ण को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) ■ अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, सर्थात् ह— (1) कृष्ण जिसीर कर।

(भन्तरक)

(2) दयानन्द भार्य ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त संपत्ति के कर्वन के संबंध में कोई भी जाओप ह----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितंबद्दभ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्थळकिरण: ---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा नया है।

मसूची

सम्पति जो डीड नं० 1-4918 तारीख 30-3-85 मनुसार निबन्ध हुमा।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्राजैन रेंज-3, कलकत्ता-16

दिनांक : 15-11-1985

मरेहुद ध

प्ररूप बाइ ्टो.एन.एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निज्ञीक्षण) अर्थं रेड-भा, कलक्ता

भजनता, दिनो ह 15 नवन्त्रर 1985

िनेश सं० 1914/प्रजी रेंश-III/85-83--प्रतः **मुसे** संकर बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्पात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर विकास के किया नं 151 है तया जो डीड नं 58, 59 } खानपुर में स्थित है (और इ.) उसबद अनुसूत्रों में और पूर्ण हर से प्रियत है) स्टिक्ट्रीयती अधियारी के सम्बद्धि का इता में रिक्ट्रीयर अधिकिन, 1903 (1903 का 16) के अधीन सारीज 29-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एंसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं क्या गया है क्ष्रे

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा दायित्व के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोदनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कतः तथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की अन्यरण कों, भीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को अधीन, निम्निविधित व्यक्तियाँ, अर्थात् :—

- (1) श्री विसम्बर लास टिक्नीवाला और प्रत्य । (भ्रस्तरह)
- (2) भेतर्स इन्डिस्ट्रियल डेवेलपभेट बैंक धाफ इन्डिया । (धरवरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 4.5 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध भाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

मनसूत्री

सम्यति जो बीड मं॰ I-4789/85 तारीख .20-3-85 भनुसार निबन्ध हुआ।

> मंगर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सङ्घायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-III, 54, रफीसहमय कियवर्ष रोड, शलकत्ता-18

रिमाक: 15-11-1085

येखर ः

प्ररूप बाह्य, टी. एन. एस. ----

अ√यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ i1) के अभीन स्वना

भारत सरकाडु

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निर्दाक्षण) धर्जन रेंज--3, कलशक्ता

बालकत्ता, दिनांक 15 सवस्वर 1985

िदेश सं० 1015|अर्जन रॅंल--III|05--00|अतः **मुसे** मोहर बहर्जी,

बायकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन राज्यम प्राप्ति का यह जिस्तास करने का कारण ही कि स्थावर भन्मित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,40,000/-छ से अधिक हैं

अर्थात कि कि सं 40ई० है तथा जो साउथ एंड पार्क, कल त्या में विवत है (ऑट इ.ते उपाबढ़ अनुसूची में ऑप पूर्ण रूप से पणित है) पिट्यू ती अधिकारी के वायित्य पान का कि पिट्यू तथा अधिकार, 1903 (1903 का 16) के अवीत तारीख़ 19-3-1905

को पृथानित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथेनित सम्पत्ति का अंचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, भ्रेषे प्रथमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में बासिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण ते हुई किसी अाय की वावतः, अवस्य अधिनियम के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्व में कभी करने वा अससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या बन्य आस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की रापधारा (1) के अधीन, निम्निखिक व्यक्तियों, अर्थात क्⊶ (1) श्री विश्वनाथ साहा ।

(भन्तरकः)

(2) প্রনুমন সানর্শার एन्ड एजेन्सीन সাও লিও। (প্রন্তর্বিলি)

क्रों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं:।

उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अयिक्तयों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वों कर अयिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्थब्दीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या हैं।

अनुसूची

सम्पति जो डीड नं॰ I-4049 तारीख 19-3-1985 धनुसार निषम्ध हुआ ।

> शंकर बनर्जी स्थाम प्राधिशारी सहागक प्रायकर प्रायुक्त (िरीक्षण) प्रजैन रेज-III, 54, रफी प्रहमद शिक्षक्षे रोड, शक्तन्सा

दिनोह : 15-11-1985

प्रस्य बाह्". टी. एन् <u>. ए</u>ड ,-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

बारक चरकाड

कार्यांचय सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलशत्ता, विदोरु 15 नवस्वर 1985

िर्वेस सं० 1916वर्गन रॅंब-III/झतः 85-86---श्रतः मधे, सद्द ६२:जी,

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार बूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 40% है तथा जो साउथ एक पार्क, कल जो में रियत है (और इस्ते उपाबद अनुसूची में औ पूर्ण रूप से विश्वत है) रिट्यूटी तो अधिकारी के वार्यालय कल जा में रिट्यूटी उरण अधिकियम 1908 (1908 का 16 भे अधीन तारीख 19-3-1905

को पूर्विक्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार बूल्य, उसके रूथ्यान प्रतिफल से, एसे रूथ्यान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्य निम्निल्खित उद्वेश्य से स्थत अन्तर्य निनिष्त में बास्तिव्ह क्या से कथित नहीं किया गया है है

- (क) जन्तरण संहुद्ध किसी बाव की बावत, सक्त्र विभिन्नियंत्र के जभीत कर दोने से बन्तरक से दायित्य में कभी क<u>र</u>ने मा उत्ते वभूने में सुविधा भी जिस्हा सहित्या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर सधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वनकर अधिनियम, या वनकर अधिनियम, 1957 (1957 रूप 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती दुवारा प्रकट नहीं किसा जवा था या किया जाना जाहिए जा, कियाने प्रे विद्या के विद्या

बकः वव, अक्त अधिनियम, कौ भारा 269-व कौ अन्बार्ख बौ, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) कु अभीन, निम्बिधिक्त व्यक्तियों, अर्थात् क्ष्मान (1) नन्द दलाल साहा ।

(भन्तरक)

(2) अनुमय प्रोनर्टीन एन्ड एजेन्सीज प्रा० लि०। (अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश कार्यवाहियां करता हुं।

डक्ट कम्परित् के वर्षत के कम्बन्य में कोई भी नाशेष् क्र_{लं}

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रविच्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --इसमें प्रयात शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियन के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है 🔑

वनस्वी

जो सम्मति डीड नं० 4047 तारीख 19-3-1985 अनुसार निबन्ध हुआ।

> शंकर बन्जी सक्षम प्राधिशारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-3, कलकत्ता-16

दिनों । 15-11-1985 **योहर**ः

दक्त नार्_छ हो_{ल प्रस्तु प्रस्_{वन्य}}

(1) शम्भुनाथ खाग और धन्य ।

(धन्तरह)

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुमना

नारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 1917 प्रजॅन रेंज→3/85-86---प्रतः मुझे, शक्र बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संव 103 है तथा जो एव पीव सीव रोड, कलकला में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बाँगत है) रजिस्ट्री इती अधिकारी के कार्यालय कलकता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के तारीख 27-3-1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान श्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अंतरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्तर में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किसीं जाय की वावत उक्त जीव-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुनिधा के निए; वाह्र/या
- (बा) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य अमस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा है सिपु;

अत: शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-न्घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिचित व्यक्तियों, अर्थात् धु--- (2) फार्तिक चन्द्र बोस ।

(प्रन्तरिती)

क्यों यह स्वना वारी करके पृत्रोंकत सम्वित्त के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

सन्द सम्पादक से नर्पन् से सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निवित में किए वा सकी।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया स्पाहिं।

अनुसूची

सम्पति जी ही म॰ I 4644 तारीख 27--3--1985 पर निवन्ध हुआ।

गांतर बत्जी सक्षम प्राधि ारी सहायक आयकर आयुष्ठ (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज--3, 54, रफी आहमद किदवई रोड, कल ∷ला

ंदिनोंक : 15--11--1985 मोहर ध प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

णायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प (1) के मधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजन रेंज--4, शलकत्ता

थल .त्ता, दिना । ७ नदस्यार, 1985

िदेश सं॰ 1913/मर्जन रेंः--3/35-36---मनः मुसे, मां≾र बनर्जी,

नायकार मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाय उक्त अभिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित जाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भीर ि की मं० 100 (ए, भी) है तथा जो राउ विहासी एवेण्यु एव ता में चित्र है (और हो) उत्तबह अनुसूची में आर पूर्ण रूप से परिंग्ड है) रिलिट्र ति श्रवितारी के लागीका श्राप्ति ए० सी० श्रवित रें रे--3, एल ता में रिलिट्र शरण श्रविताम 1003 (1003 ता 16) के श्रवीन वारों । 1-3 · 1935

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिक का निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-विश्व कम से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत उक्त बाँध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सजिया के लिए; बॉर्-बा
- (व) एंबी किसी बाद वा किसी भन या अन्य जास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय नाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 1.1) या उक्त अभिनियम, या भन-कर बिभिनियम, 1957 (1957 का 27) थे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना नाहिए था, छिपाने में तुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-गाने अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (१) में अबीन, निम्निसिश्वत व्यक्तियों अर्थात :— (1) श्रार० घर एण्ड एस/ीउएट्ड ।

(भग्जरक)

(2) कमजा कोले।

(घरउरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्परित के अर्थन के सिए। कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के उर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्शीय याद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविका ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी बन्द स्थावर द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सम्बन्ध में किए का बक्त है.

स्पष्टोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया प्याहैं।

बन्स्ची

सम्पति - प्लाट न० सी- 1; क्षेत्र 12 र ६० फु० एप्रिभेट पर जो भाई० ए० सी० मर्जन रेंग 3 द्वारा नियम्ब हुमा ।

> र्यकर बनजी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (िरीक्षण) भर्जन रेंज-3, 5 , रफी भहमद किदवई रोड, कलकता

विनांक 7-11-1995 मोहर आवकर मिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुच्या

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेज-4, कलकत्ता कुलकता, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 1919/म्रर्जन रेंज-III/85-86---मतः मुझे, शंकर बनर्जी,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 180 (ए०/बी०) है तथा जो रास बिहारी एवेन्यु, कल इसा में स्थित है (श्रौर इसके उपावद अनुसूची में श्रौर पूर्ण का से बणि। है) एजिस्ट्री इसी श्रिष्टकारी के कार्यालय आई० ए० सी०, अर्जन रेंज III में रजिस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-3-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान मितफल के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विष्यास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से, एसे इष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखत उच्चेष्य से उक्त जन्तरण मिसित में गस्तिवक रूप से अधित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी जाय गा किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

लतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 10-376 GI/85

(1) भार० एर एन्ड एसोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) कान्ता भल्ला।

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितमब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जक्त जिभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पति जो एप्रीमेंट पर प्राई० ए० सी० प्रर्जन रेंज-III, कलकता द्वारा 1-3-1985 तारीख में निबन्ध हुआ प्लाट नं० ए-5 728 वर्गफुट (क्षेत्र) ।

शंहर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर झायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-III, 54, रफ़ी श्रहमत किदवई रोड, कलकता-16

दिनांक: 7-11-1985

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर व्यथितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के व्यथि व्यवना

शारत सरकार

कार्यांसय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—I, कलकत्ता

कल हत्ता, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 1920/मर्जन रेंज-3/85-86--म्प्रतः मुझे, मंहर धनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसकों इसकों पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर संपर्ति, चिसका उचित वाबाद अक्ष 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर निज्ञाती सं 180 (ए० और बी०) है तथा जो रास बिहारी एकेन्यु ज़ल का में स्थित है (श्रीर इससे उन्नबद्ध श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण का से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रीध गरी के ज्ञावित श्राई० ए० सी० श्रार्वन रेंज-3 कल ज्ञा में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 1-3-1985

कां प्रवेशित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं है और मुन्ने यह विश्वात करने का कारण है कि प्रथाप्थोंकत सम्पत्ति का अचित बाजार बन्य उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकत से अभिक है और अंतरिक (बंतरका) और अंतरिती अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब पाया गया प्रति-कस निम्निनिचित उच्चेश्य से उक्त बंतरण निचित में वास्तिक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण वं हुई जिली बान की बावत अवध निविचन के बंदीन कर देने के बन्तक्क के वादित्य में कभी कहने वा उत्तक बजने में सुविधा के लिए; और/मा
- (थं) देवी किसी बाव वा किसी वन वा कर्य वाक्तियों जो जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्दिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के, अनुसरक कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अ सचीव निम्नसिचित स्पनितयों, अधीत:— (1) म्रार० कर एन्ड एसोसिएटस ।

(भ्रन्तरक)

(2) गशी प्रकाश भल्ला।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्यति में हिल्बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंने।

स्यष्टिशिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नवा है,

मनुस्ची

प्लाटनं० बी∼5,क्षेत्र 758 वर्गफ़ुट।

मंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, 54, रफ़ी श्रहमद कि अवई रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 7~11~1985

द्रक्ष्य श्राद<u>्रं .टी. युव .पुच .</u>------

शायकर श्रीभित्रसः,: 14061 (1961 का 42); की भाग्र 269-प्(1) के स्पीन सुषमा

भारत सरकार

कार्यालय, सञ्चयक कायकार नायुक्त (निर्धिक्रण)

श्रर्जन रेंज∸3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 7 निवम्बर 1985

निदेश सं 1921/ग्रर्जन रेंज-3/85-86--अतः मुझे, शंकर बनर्जी

कावकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्यात् 'उनक विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका खिनत बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 180 (ए० और बी०) है तथा जो राम बिहारी एवेन्यू, कल हत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपायस प्रमुसूची में ग्रीर पूर्ण कर से विणित है) रिजिस्ट्री हर्ता ग्रिधि हारी के कार्यालय ग्राई० ए० सी० ग्रार्जन रेंज-3 में रिजस्ट्री करण ग्रिधिनियम 1908 (1998 का 16) के ग्रिधीन तारीख 6-3-1985

की पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाकार मूल्य से कम के दरकमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ब है और मूक्ते यह विश्वाक करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त संगत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंकरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के कीच एसे बंतरूण के बिद्य तब पामा गया प्रतिफल किम्ब्निकिटित उद्वादिय से उस्त अन्तरण निवित में ग्रास्तिक कृष् से कथित प्रहाँ किया क्या है हन

- (क) नन्तरण से हुई जिल्ली नाय की बावस, उपसे वृतिहित्स्त्र में क्वील कर दोने की अन्तरका की सावित्स में कर्मी करने वा उससे व्युप्त में सुनिया के किए: और/पा
- (क) एसी किसी काय या फिसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हों भारतीय नाककार ज्यिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनल अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वावा चाड़िये था, डिम्पनों में इत्विधा में सिए;

बता ब्रंब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निकित्व म्यक्तिकों, वर्षात् । (1) श्रार० कर० एन्ड एसोसिएट्स ।

(म्नन्तरक)

(2) ज्योतिमय ।

(भ्रन्तिरती)

को नह स्वना बाड़ी करके पूर्वोक्त सम्पट्टित के वर्धन के सिंध कार्यवाहियां सुरू करता हो।

वनक् संपरिक् के मर्जन के संबंध में कोई भी बाक्स :---

- (क) इस त्यान के राजपण में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त हाती हो, के भोगर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दृवाय, अधोहस्ताक्षरी क पास विचित में किए का सकोंगे।

स्व्यक्तिष्टण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित है, वहुं वर्ष होंगा, जो उस बच्चाय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० ए-2, क्षेत्र 725 वर्गफ़ुट ।

संकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3 54, रफ़ी श्रहमब किववई रोड, कलकत्ता-16

1005

दिनांक : 7--11--1985

मोहर 😘

अच्य थाई . ही . एग . एस् . -------

नायकार निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकता

कलकत्ता, विनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 1922/म्र्जन रेंज-3/85-86- श्रतः मुझे, शंकर बनर्जी,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हु" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रु. से अधिक हु

ग्रीर जिसकी सं 180 (ए० बी०) है तथा जो राउ बिहारी एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्री तो ग्रीधनारी के कायिनिय ग्राई० ए० सी० ग्राजन रेज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रीन तारीख 6-3-1985

को प्योंक्त सम्मित के उपित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोंक्त सम्पत्ति का उपित वाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिवृत्त से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वेदय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर्थ/या
- (इ) एंसी किसी साथ या किसी अप या अन्य आस्तियों को, चिन्हुं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना आहिए था, छिपाने में सुविधा की सिए;

वर्धः वयः, उपत विभिनियमं की धारा 269-ग के वन्सरण वी, भी, उपत विधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) वी विधीष, निम्निविद्यां व्यक्तियों, वर्षात् :--- (1) मार० कर० एन्ड एसोसिएटस ।

(ग्रन्तरक)

(2) ज्योत्सना दे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करला हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेष :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

म्बद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्स्ची

प्लाटनं० बी−2 ग्रीरबी−3 क्षेत्र 1486 वर्गफूट।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-3, 54, रफी ग्रहमद किदबाई रोड, कलकत्ता-16

विनांक : 7--11--1985

मोहर

प्रकप भाइं.टी.एम्.एच ु------

अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ) भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्कासक)

धर्जन रेंज~3, एलकत्ता

क्लशता, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 1923/प्रजेन रेंज-3/85-86→-प्रतः मुझे , शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचार उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं, कि स्थानर नगित, जिसका उचित बाकर मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं. 180 (ए. 6बी.) है तथा जो रास बिहारी एवेन्यू, कलकत्ता में है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आई. ए. सी. अर्जन रंज-3, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1-3-1985

- ▶ का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कर से कृष्यित नहीं किया गया है ८—
 - (क) अन्तरण से हुड़ें किसी आय की वास्त, उक्छ अधिनियम के अधील कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी फड़ने या उससे यचने में सुविधा क लिए; बीर/या
 - (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को चिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रवोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बतः वय उक्त अधिनियम की भारा 269-ग से जनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निनिक्त व्यक्तियों, अर्थात क्रम्म (1) आर० कर० एन्ड एसोसियेट

(अन्तरक)

(2) दीलिप कुमार घोष और अन्य

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाओए :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का अं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के भवपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवत्र कि किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिल्ला कि भिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विकासित की स्था हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० डी--2, क्षेत्र 1039 वर्गफ़ुट।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निर्रोक्षण) श्रर्जन रेज-3, 54, रफी भ्रहमः किदवाई रोड, कलकत्ता

दिनां : 7--1i--1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, 3 कलकता कलकला,दिनांक 7 नवस्बर 1985

निर्देश सं० 1924/अर्जन- III /85-86—अत: मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर विशिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,700,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 180 (ए.६बी) है तथा जो एस० बिहारी एवेन्यू कलकता में स्थित है। भौर इसमें उपाबद्व अनुसूची में भौर पूर्णरूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए० सी० अर्जन-III कलकता में रजिस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उण्चित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ध है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आयं की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना आहिए था, छिपाने में सुनिभा के लिए;

अकः वस, उन्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उन्त विधिनियम की धारा 289-घ की उपारा (1) के सभीना, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— (1) श्री आर० कर एन्ड एसोसियेटस ।

(अन्तरक)

(2) सरजित आर० बमर्जी, ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 दिन की अविध्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील सं 30 दिन की अविध्य, जो भी अविध्य बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधीहस्ताक्षरी के पात लिखित में किए जा सकें रे।

स्मव्यक्तिकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

प्लाष्ट नं० डी०-1 क्षेत्र--1039 वर्ग फुट

> णंकर बमर्जी सक्षम प्राधिक्र्री सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज- 3 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता−16

तारीख: 7-1-1985

प्रस्पाः बार्चाः टीः एन्ः एतः : ----

भायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

नारत सरकार

कार्यानय, सहायक बायकर बायकर (निरक्षिण) अर्जन रेज कलकरता कलकरता, दिभांक 7 मवम्बर 1985

निर्देश सं० 1925- अर्जन रेंज -III /85-86---यतः मुझे शंकर क्षमर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी र्सं० 512 ए है तथा जो शोधपुर पार्क कलकत्ता में स्थित है । (श्रीप इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीप पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी दे कार्यालय आई० ए० सी० अर्जम रोज-III कलवत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख 6-3-85

प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्र्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की वावत, उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिसी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुवस्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निशिक्षित स्वृतिस्त्यों, वर्षाक ∷— (1) बी० एस० बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) क्षेत्रीय चन्द्र पाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के वर्षण के जिल कार्ववाहियां करता हुई ।

उन्त र्यपत्ति के क्यन के संबंध में कोई भी बाहोर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स स्थिकत्यों में से किसी क्यक्ति इवारा
- (क) इस त्यान के राजका में प्रकाशन की तारीत है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी मन्य व्यक्ति इवारा मधाहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकती।

स्पव्यक्तिरणः—इसमें प्रयुक्त कर्चा और दशें का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति—प्लाट क्षेत्र—1400 व० फु०

> शंकर बमर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3 54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 7--11-1985

विभाग अहारी, तही, हान , तहा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

भारत चरका

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्दाक्तक)

ग्रर्जन रेंज, ःलकत्ता

कलकत्ता, दिमांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं०/1926 अर्जन रेंज III/85-86—ग्रतः मुझे; शंकर बनर्जी,

हासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 4/3). (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), अध्य भारत 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 512 ए० है तथा जो शोधपुर पार्क कल० में स्थित है। श्रीर इमर्स उपाबद अनूमूची में श्रीर पूर्ण-रूप से विणित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० अर्जन रेज-III, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-3-85

क्ये पूर्वोक्त सम्मिति के अधित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रक्रिक्त के लिए अन्तिरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्मित्त का उपित बाजार भूक्य, उसके दश्यमान प्रतिपक्ष से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पत्रक्ष प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय वाबा गया प्रतिक कस निम्नलिकित उद्योग से उसत अन्तरण सिचित में वास्तिवक्ष जन से करियत नहीं किया बदा है है—

- (क) नेतरण से हुई जिसी नाय की वाबत्, उसत अधितियम के अधीत छश्र जीने के सन्तरक के शांधित्व में कभी कारने या उससे बचने में कृषिया के तिव्ह; नीट/वा
- (च) ऐसी किसी बाद वा किसी धन वा अन्य बास्तियों को विन्हीं भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, वा धन-कर बीधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रवोचभाव बन्दारिती ब्वास प्रस्ट नहीं किया वया भा वा किया बाना वाहिए वा, क्रियान में ब्रविधा के सिद्धः

बतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के बनुसरण कों, सी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निर्मालिकत व्यक्तियों, वर्धीत् हर म (1) बी० एस० बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) गीता राय

(अन्तरिती)

को वह सूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्मृतिः के वर्षन् से निए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस त्यना के राजपन में श्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नवींच या तत्संबंधी व्यक्तियों पर व्यवस की डामीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी नवींच वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रागरा;
- (क) इस सूचना के राष्प्रत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिस- फिकी बन्य व्यक्ति दुवारा अधोहस्ताक्षरी के बाह निवास में किया था सकेंगे।

स्त्याध्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त कर्कों जीर पत्नी का, को उक्त विधिनियम, के व्यथमाय 20-क में परिभाषित है वहीं सर्च होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया हो।

गम्**या**

सम्पति—प्लाट क्षेत्र—694 व० फु०

> शंकर बनर्जी सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण अर्जन रेंज-IV 54, अहमद किंदबाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 7-11-1985

प्रकार बार्ष् 🖒 दौन प्रवास प्रवासन

नायकर निधिनयम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) थे निधीन स्चना

बार्स स्टब्स

कार्याचय, सहायक जावकर आयुक्त (निरोक्स)

अर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिमांक 7 नवस्वर 1985

निर्वेश सं० 1927/अर्जन रेंज III85-86--यतः मुझे, शंकर अमर्जी,

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इसमें इसमें इसमें प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उक्ति बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/512 ए० है तथा जो गडियाहाछ रोड कलकत्ता में स्थित है। श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णक्ष्य मे वर्णिल है, रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय आई ए० सी०, अर्जन रेंज कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख 6-3-1985

को पूर्वीक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का द्यारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) कन्तरण से हुई किन्द्री बाव की वाक्त, उत्तव अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्य में कनी करने वा उत्तव वचने में सुविधा & सिए; और या

स्ताः स्था, उक्त सिधिनियम की भारा 269-म के अमृतरण ॐ, औ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) के अधीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अभीत् :—— 11—376GI/85 (1) बि॰ एस॰ बिल्डर्स

(अन्यर्क)

(2) नोपेल कारमेल बाउड ग्रीर अन्य

(अन्सरिती)

कारे यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप :--

- (क) इस त्यना के समयन में प्रकासन की तारींस से 45 दिन की समीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तितयों पर सूचना की तामीम से 30 दिन की अवधि, यो भी समीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयंत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इत स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पाड जिल्हा में किए वा बक्ति।

लभ्यतिकरणः इस ने प्रमुक्त कथां और वर्षों का, को उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं नर्थ होगा को उस अध्याम में दिया नवा है।

ननस्ची

सम्पत्ति--प्ला**ह** क्षेत्र---727 व**०** फु०

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेज-3 54. रफीअहमद किदबाई रोड, कलकत्ता--16

तारीख: 7-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांतय, सहायक आयकर बायूक्त (निरीक्षण) अर्जुंन रेंज-2 कलकता

कलकत्ता, 7 मबम्बर 1985

निर्देश सं० 1928/अर्जम रेंज-III/85-86---यतः मुझे शंकर धमर्जी

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक **है**।

भीर जिनकी मं० 1/512 ए है तथा जो गडियाहाह रोड, कलकत्ता में स्थित है। भीर इससे उपावद्ध अनुसूची में भीर पूर्णरूप में वर्णित है, जिस्ट्रीकत्ता अधिकारी के कार्यालय आई सी० अर्जन कल० में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का अरण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की वाबत, लकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एनी किसी बाय या किसी धन या अस्य बास्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वेक्टा के जिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. बी० एस० बिडर्ल्स

(अन्तरक)

2. सुबीर कुमार दत्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्पन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में में किगी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्वक्कीकरण: इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उन्हें विभिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विकास विभाग है।

ं [ची

सम्पति-—प्ल(ष्ट क्षेत्र——670 व०पु०

> शंकर बनर्जी स ८.३% यकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जीय रेजि—- 3 54 रफी अहमद ठिदवाई रोड, लक्षां-- 16

तारीख--7-11-1985 मोहर: प्रारूप आर्ध्.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीत स्चता

भारत सरकार

कार्यालय, सहस्यक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलक्ता

क लकत्ता, दिनाँक 7 न**व**म्बर 1985

निर्डेश सं० 1929/ श्रर्जन श्रारः-III/85-86---यतः मुझे शंकर बनर्जी,

भायकर जिथिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी संव 411 है तथा जो शिक्षपुर पार्क, कलकत्ता में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णक्षप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय आई ए सी एक्बीव रेंज 111 कलकत्ता, में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 6-3-1985

को पूर्वोधत सम्मति के उचित संजार मृत्य में कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजनर मृत्य उनके दृश्यमान प्रतिकल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितिवां) के बीच एसे अन्तर्ण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मंतरण से हुई किसी श्राम् की शानल, उथक विश्वित्य के नभीन कर दोने के न्यारक के दाजित्य में कभी करने या उससे वयने में सुनिया है सिए; मृद्धिना
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या शन्य अतिस्तर्थों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिशी व्यारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः क्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधिन, निम्नलिकित व्यक्तियां अधिन :---

1. के व दत्त

(भन्तरक)

2. ग्रजित कुमार भद्टाचार्य

(अन्तरिती)

न्त्रे सृष्ट् सृचना चारी करके पृथांकत संपत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सृष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि लाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति वृधारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसंखी

सम्पत्ति--प्लाट नं० 2 क्षेत्र--1100 व० फु०

> णं ार वनजी नक्षम प्राक्षिकारी भहाय इ आवश्रेर आधुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेज~~3 54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड, कलकत्ता~16

नारीख 7-11-1985 मोहर:

प्रकार वार्ष .दी. एव , एव . -------

बाधकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की बाड 269-म (1) के बभीन क्षेत्र

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलक्सा, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 1930/एक्बी० रेंज्र¹¹¹/85-86---यतः मुझे शंकर अनर्जी

भायकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्स निधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित नाजार मूस्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 39/1 है तथा जो लान्तडाउन रोड कलकत्ता, में स्थित है। (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनूमूची में श्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय श्राई० ए० सी० एववी० ग्रार०-III कलकत्ता में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 6-3-85 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के क्यमन प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके क्यमन प्रतिफल से एसे क्यमन प्रतिफल के पंद्रह प्रतिचत से अभिक है और वन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरित्तियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में वृद्धिभा से सिए:

क्षतः जब, पनत विधिनियन की पारा 269-न में वन्दरम वी, वी जनत विधिनियम की धारा 269-म की उपधास (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों अर्थातः :---

- ा निमगा (प्रा०) लि०
- (अन्तरक)

2. राधेश्याम बाँका

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता वादी करके प्रतिकत सम्पत्ति के वर्धन के लिए कार्यवाहियां बुक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवास;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरण :---ध्समें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, की उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष ही, नहीं अभे क्षेत्रा, को उस अध्याय में विवा स्था ही है

अनुसूची

सम्पति जो एग्रिमेन्ट पर निबन्ध हुम्रा है ।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-3 54, रफीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

नारीख: 7-11-1985

मोहर 🖫

प्रस्य नाइ.की.एन.एक. -----

आयक्तर अस्थितियम, 196; (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के मधीन सुचना

नारत सरकार कार्यालय, स**हायक आयकर आयृक्त (निरीक्षण)** अर्जन रेंज¥3, कलकता

कलकसा, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निर्द्रोश सं० 1931 एन्यू० ग्रार /85-86—यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

महस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इतवें इसके पश्चात् 'ज्ञकत अधिनियम कहा गया है'), की भारा 269-स के अधीन सक्सम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 50 सी० /52 डी० है तथा जो बालीगंज भार्कुलार रोड, कलकत्ता, में स्थित है। ग्रीर इससे आपबढ़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण ख्य से विधित है, रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय आई० ए० सो० एक्यू० ग्रार-III कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 1-3-1985

को वृशेषित सम्पत्ति के जिया वाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिकाल के लिए क्लिरिसी की पहुँ और मुक्ते यह विश्वास करूने का कारण है कि वयाम्बोंक सम्पत्ति का उणित वाजार मृत्य, असके स्वयमान प्रतिकास है, इसे ध्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रधिकार से मिण्ड हैं कीए नचारक (नचारकों) की अ बन्दारती (अन्तिविश्वों) के कीन एवं बन्दार्य से निए स्व पाम प्रा प्रतिकास किन्दानिक खुन्देस से स्वया कम्बर्य लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) बरहरूप से हुए किसी बाव को शावस, उपस समितियम के समील कर यो के क्यारक के समित्य में करी सरने वा उपसे क्या में सुविधा के लिए; बॉर/भा
- ें।, एभी किसी आंध य किसी धन था बेन्स वास्तिका को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदस अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रवाच-नार्थ अंतरिती ब्वाग प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना कहिए या कियाने में सुविधा के सिक्;

्रतः अस, बन्दा निधिनयम की धारा 269-न के बन्दारण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीक्षित्वच व्यक्तिं, अर्थात् ४अजय कुमार धावभ्रान

(ग्रन्तरक)

2. पियुष भारातिया

(अन्तरिती)

को यह क्ष्यना बारी करकं पूर्वांक्य सम्मत्ति कं स्थान का अध्य कार्यवाहियां काळा हूं।

उक्त सम्पन्ति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई जी बालेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी प्रविक्तमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को मी ब्याप बाद में ब्रजाप्य होती हो, के जीतर प्रविक्त स्वित्यों में में विज्ञी क्यक्ति द्वारा;
- (च) इस बुचना के खबनज में प्रकाशन की नारीख ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पर्शित में हितक्ष्भ किसी बन्म व्यक्ति क्याय अधाहरताक्षरी के पास लिखित में किए वा मकोंगे।

स्वयक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त सब्बों और पर्यों का, तो खब्धा निर्धानियम के बध्याद 20-क में परिभाविका है, कहीं जर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया। नवा है।

अनसधी

सम्पति⊸प्लाट नं० 3B क्षेत्र-~878 व०फु०

> र्णकर वनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायका (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज⊸3 54 फीग्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता~1€

तारीख: 7-11-1**98**5

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं धारा 269-घ (1) के अधीर सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, कलकता

कलकत्ता, दिनाँक ७ नवम्बर 1985

निर्देण सं० 1932 एक्यू० भ्रार०-3/85-86---यतः मुझे, शंकर बनर्जी,

सायकर अधिनिया, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु ते अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 1 है तथा जो कर्कड लेन कलकत्ता में स्थित है ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर, पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय आई ए० सी० एक्यू० ग्रार०-III , कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 1-3-85

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार प्रत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के निए तब पाया गया धितफल, निम्नितिचित उद्देश्य से उन्त अन्तरण मिणिव के वास्तीयक स्पान की सिण्त व

- (क) जन्तर्थ से हुए किसी जाय की बाबत, उक्त विभिनियत के अभीन कर दोने के जन्तरक के विभिन्न के कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; वरि/बा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिसने में सुविधा के निए;

बतः वर, उक्त विभिनियम वी भाग 269-ग की अन्सरण जों, में, उक्त अभिनियम की भाग 269-म की उपभाग (1) को अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् ८—— ग्रवता केडिट कारपोरेशन

(ग्रन्तरः)

2. दि स्कटिण असम (आई लि० एण्ड श्रार्देस) (श्रन्तिन्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताशास्त्र से 45 दिन के भीतार उक्त रक्षारर सम्प्रीत में हित्यद्ध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में ध्रिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति--जी-9 तीन कार पाकिंग कमरा

> शक्षंत्र बनर्जी ऽः.स प्रतिधाः(तं)

संहाय (अधिकर आं्क्ट (निरीक्षण)

यमेर रेज -3

्54, रफी अहमद शिवपाई रोड,

अनकत्ता-16

नारीखाः 7-11-1985

प्ररूप बार्ड : टी, एन : एस :-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) के नभीन स्काना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज∽1, कलकत्ता

कुलकुला दिन ५७ सम्बर 1985

निर्देश सं० 1971 एक्ट्र० ग्रार III 8 -86 यत: मझे शंकर नर्जी

भागकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-ल के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक **हैं**

औ" जिपकी मं० 32 है तथा जो गारियाहार रोड (साउथ) कव हला भें स्थित है। और इससे उपावध अनु वी में और र्शिस्प में विभिन्न है, रहिस्ट्रीहर्ता अधिकारी के कार्यालय ग्राई० ए० सी० ७ ए० श्रीप कलकत्ता में अस्ट्रीक्रण श्रिवित्यः 1908 (1908 ाः 16) के श्रष्टीत नारीख 10-3-1935

को पर्वेतित सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण जै कि प्रशासकीकर गाम्परित के उचित गागर मुल्डा, इसके द्रतमान प्रतिफल से एरें द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह एति शत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंनिशित्यों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकार, निरानिसम् उद्देश्यों से उतन अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अलाप्ण से हार्ड किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने को अन्तरक को दाधितव में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन अस्य अर्माधीराध्यः, अस्य ८/ (1957 का २७) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा दी लिए;

अहः अब, उसन अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

া সদার নাদ্ধিয়েল ৌ০ (ন ০) লি০

(ग्रन्स्तकः)

2 डा० समीर बांध और प्रस्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी∧त सम्परित के अर्जन के लिए। कार्यवाहियां करता हुई ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोइ भी बाक्षण ---

- (क) इस स्थना के राजवंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बनिध या हत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर संचल की तामीन से 30 दिन की अवधि, भो भी नवीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुक्षना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकोंगे

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्लाट क्षोव 1060 वर ७

> शं⊹िर बनर्जी सक्षम प्रात् कारी महाय∜ श्र⊦यक∵ श्रायक्त (निरीक्षण) % जैन' 54. रफी श्रहमद किंदवाई रोड. वलकत्ता-16

. नारीख : 7-11-95

सहिर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज कलकत्ता

कलकता 7 नवम्बर 1985

निर्देश मं० 1933/एक्यू० ग्रार III/85-86—म्प्रतः मुझे शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 32/1 है तथा जो गडियाहात रोड, साउथ), कलकत्ता में स्थित है। श्रीर इससे उपवास श्रन्सूची में श्रीर, पूर्णरूप से विणित है, रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय 9 ए० सी० एक्यू० आर-कल कता में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधित्यम 19008 (1908 का 16) के श्रिधीत तारीख 1-3-1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यनापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प में अधित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किस्ति लुख की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीप कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर राधिनियम, या अन्तर राधिनियम, या अन्तर राधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः जब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग के अम्सरण मं, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. म्रम्त कार्माणयल को० (प्रा०) लि०

(ग्रन्तरक)

2. पुनिमा दास

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्था। की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति दृशारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण:—इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क मों परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मों दिया, गया है।

अन्स्ची

प्लाटनं० ⊸⊸डी

क्षेत्र--1040 वर् फुर

णंकर बनर्जी पक्षम प्राधिकारी सहायक झायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज⊶3 54, रफी भ्रहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीच : 7-11-85

सोहर 🗓

प्रक्य शाही, जी. एन, एस. - - - --

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मुख्या

भारत शरकात

कार्यालय, महायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कलकत्ता

कल कता, दिनौंक 15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 1934/एक्यू० श्रार० 85-86-यतः मुझे, शंकर बनर्जी।

बायकर र्राथनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'टक्स अधिनियम' कहा गया है कि जारा 769-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिस माजार मृन्य 1,00,000/- रतः से अधिक है

भीर जिसकी सं० 1 सी० हैतयाजो वालोगंज तार्कलार रोड़ में स्थित है। श्रीर इतसे जावबद श्रन्यूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कायलिय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 27-3-1985

को वर्जोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान शिष्ण के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्जोक्त सम्पत्ति का उधित गाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अंतरिति हों) के नीच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रविक्त कस निक्ने लिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्या से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) संतरण ते हहाँ कि.सी आय की शक्य, उक्त अभिनियम के सभीन कर कोने की संस्कृतक की सामित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए: सॉर/स
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अवस्य अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अधिनियम का द्वारा १७५७ नहीं किया गय. भा या किया बाना बाहिए बा, कियाने में सुनिधा ने लिए:

1. प्रद्रीपराज बक्शी

(भन्तरक)

मेसर्स किडामनस डीसेल सेल्स घौर सार्विसेस (लि०)
 (5) लि०

(भन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के सक्ता में कोई भी वाक्षेप ----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व के 45 दिन की अविध ज सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से इक दिन की अविध, जो भी जन्धि याद में समाप्त होती हो, के गीतर पूर्वीकर किसी व्यक्तियों के में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन को भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्ष्यारा अधोहरून क्षरी के पास निवित में किए का सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, को उनक अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अधीं होगा, को सस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

प्लाट नं ० 94 ब्लाक 'ए' टीम्रोली कार्ट डीड नं ० 4570/85 ता ० 27-3-85 मनुसार निबन्ध हुम्रा।

यंकर बनजीं
- सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज−3

54, रफी श्रहमद किदवाई रोड,
कलकता−16

तारीख: 15-11-1985

मोहर 🚁

प्रकप बाइ .टी. एन .एस------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौक 15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 1935/एक्यू० म्नार-^{III}/85-86~-म्रत; **मुझे**, शंकर. बनर्जी,

ष्मयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि प्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार स्रूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 138 ए हैं तथा जो हरिश मुखर्जी रोड कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, में रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-3-1985

कर पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से अधिक नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुद्दं किसी आय की भावत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक का दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्थियों करो, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रयाजनाओं अन्तिरक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, अख्याने में सुविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-**ग की उपभारा (1)** डे अभीन, निम्नलि**शित व्यक्तियों** अर्थात ह— श्री विमान विहारी सैन'

(भन्तरक)

2. लिपिका साहा घौर घन्य

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोच्या सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां शुरू करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित• क्ष्मि किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मच्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया हैं!

भन्स्ची

सप्पति जो डीड नं० 4434 ता० 26/3/85 धनुस्ता ि निबन्ध हमा,

> र्माकर बनर्जी संभम प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) झर्जन रेंज-3 54, एकी झहमद किदवाई रोड, कलकता-16

तारीखा: 15-11-1985

प्ररूप मार्ड. टी. एन. एड., ------

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयुक्त आयुक्त (निर्देशक)

धर्जन रेंज कलक्सा

कलंक्सा, दिनौक 15 नवस्वर 1985 🔒

निर्देश सं० 1936/ एक्बिमारIII/85-86-मतः मुझे, शंकर बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी सं० 42/119की है तथा जो बेवियाडाँगा सं-कन्त लेन बलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का मृत्यूह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चित्रय से उच्च वन्तरण विश्वित में सम्तरिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुन किसी जाय को बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर वाने के अंतरक के शायित्व में कमी करने या उसमें अचने में स्विधा के निए; बौर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियमं की भारा 269-ग भे जनसरण के, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की उपचारा (1) के अधीव, निस्निविद्य व्यक्तियों, अर्थात् ध--- ा मनिल दत्त

(अन्तरक)

2. सुन्नत कुमार बसु

(अन्तरिती)

का यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारत की तारील से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में से किए जा सकेंगे।

स्मब्बिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दां और पर्वो का, जो उक्त ब्रीभनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

पनुसूची

सम्पत्ति जो डीड न० 4279 ता० 22/3/85 श्रनुसार निबन्ध हुआ।

गंकर **बनर्जी**पक्षम प्राधिकारी
सस्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण)
श्रर्जन रेंज⊶ 3
54, रफीग्रहमद किंदवाई रोड,
कल-कता-1€

तारीख: 15-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कलकत्ता कलकत्ता, दिनाँक 15 नवम्बर 1985 निर्देश सं० 193/एक्यू० ग्रार० IV/85-86---यतः मुझे शंकर बनर्जी

नायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी सं॰ डीड भनुसार है तथा जो कलकत्ता में स्थित है (भीर इससे भनुबद्ध भनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता, श्रीधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण भीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भीधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान श्रीतफन के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार जून्य, उसके ध्रयमान श्रीतफन से, एसे दृश्यमान श्रीतफन का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिसियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित वे शक्तीक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी वस या बन्ध आस्तिकां को विनह भारतीय बायकर बिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया प्या भा या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण को, को, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री गोपाल एम० खानडेलवाल

(भन्तरक)

2. सिकता बाइ

((भक्तरिती

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यशाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारील खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाइ चिहित में किए या सकोंगे।

स्पर्धांकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिमाणित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डीड नं॰ सामार्च 1985 धनुसार जो सम्पति निवन्ध हुमा।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) धर्जन रेंज—3 54 रफीधह्मद किंदबाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख 15-11-1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस . ------

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, क्लास्ता

कल एता, दिनां छ 15 नवस्वर 1985

निर्देश सं० 1933/एक्यु० ऋ/द-III/35-86---यतः मुझे, शंकर बक्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गण हैं), की भारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभाप्नेंक्त सम्परित का उचित बाजार अस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० पी० 17 डी, है तया जो प्राण्तीय चींघरी एकन्यु यल शत्ता, में स्थित हैं (प्रांट इससे उपाबद प्रतृश्ची में प्रीर पुर्ण रूप से विधा हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रविकारी के कार्याक्षण, कल क्ता, में रिस्ट्रीकरण प्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रवीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मूलय से कम के दश्यमान मित्रकत के लिए जन्तरित को गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रचिक्त , निम्नसिसित उद्बेश्य से उक्त अन्तरक सिद्धित में बास्त्रिक्त स्व के किए तय पाया गया प्रचिक्त से किए तथ पाया गया प्रचिक्त से किए तथा गया है है

- (क) अन्तरण से सुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के समैनल में कभी करन या उक्ष म मुजन में सुध्यका के जिल्हा सदि/का
- (क) प्रेसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय जायकर जिधिनियनम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को अयोजनाम अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया का माहिए जा, जियाने में बृह्यिक के लिए;

श्रतः श्रम, उनतं निधिनियम की भारा 269-न के अनुवरक मी, मी, उनतं अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अभीन. निम्नलिखित स्यक्तियों, अधित :— 1 पुर्वाथा निमीन उद्योग प्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

2. अनाथ बन्धू घोष

(प्रन्तरिती)

को यह स्वाम कारी कर है पूर्वोक्त संपत्ति के अवन की किए कावजाहमा करता हुए।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थना की राजपण में प्रकारन की तारी है हैं कि कि बिन की जनींथ का तत्सम्बन्धी अविदाशों पर सचना की मामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहानाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

चष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीप्ड नं० 4187/85 ता० मार्चे, 87 पर निबम्य हुमा ।

> संकर बनजी सक्षम प्राधि हारी (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-3 54, रफीयहमद किश्वाई रोड, कल हत्ता-16

सारीख: 15-11-85

मोडर ः

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण)

मर्जन रेंज क्लरणा

कल हत्ता, दिनांदा 15 नवस्थर 1985

निर्देश सं० 1939 /एक्यु० मार-III/8 5-86---मतः मुझे शंक्र बनर्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भार जिल्ली सं० 20 है तथा जो बीठ सीठ रोड, हरकत्ता में स्थित हैं (श्रार इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिल्स्ट्रीहर्ली अधिकारी के कार्यास्य, हरकत्ता में, रिल्स्ट्रीहरण अधिनियम, 1908 (1908 ना 16) के भवीन करीख 19-3-198

को पूर्वोंकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्परित का उचित बल्डार मूल्य, असके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण निचित्र में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) ब्लाइल हो हुइड किसी बाव की बावड, उनक व्योपनियम के अभीन कर दोने के बलाइक के कवित्व में कमी कुटने या उसके बलाने में कुट्टिका के दिए; ब्रोड/या
- (ग) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, या धन-रूर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धां 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निसिश्वत व्यक्तिवंह, अर्थात् :— मार्लागंज एस्टेट

(भ्रन्तरक)

2 लासको प्राइवेट लि॰

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति के वर्जन के विष्

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बालेंप ---

- (क) इस सूचना के राजपणि में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शाप में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकेंग।

स्यक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस स्थाय में दिना वसा है।

अनुतुची

सम्मित-न्यूनिट नं ० 5 ए/5 फोर क्षेत्र-2020 व फु० विवस्य -डीट नं ० 4124 सा 19-3-86

> णं हर बनजीं संभ्रम प्राधि हारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज----3 54, रफ़ी प्रहमद किदवाई रोड, कलकक्षा-16

तारी**ख**: 15-11-85

प्रकल कार्च टी. एत. एस.

े. एम . एस 1 मदगुरा उद्योग

(मन्दर्क)

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई विरुली, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 1940/एक्यु० म्नार-III/85-88—यतः मुझे शंकर बनर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 20 है तथा जो बीठ सीठ रोड क्लार्सा में स्थित है (और इपने उपावस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिनिष्ट्री प्रधिशारी के कार्याक्षय क्लार्सा में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सारीख 14-3-65

को प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते रह जिल्लास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्र प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए हम पामा गया प्रतिफल, निम्नतिचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण किच्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ह

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की गवत, उक्त बिध-नियम के बधीन कर दोन के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बार/या
- (क) ऐसी किसो आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बाल- बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अव्यक्तरण बें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्ति, व्यक्तियों, अधीत ::— 2 लासको प्रा० लि०

(भन्ति स्ती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

चक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

नन्स्ची

प्लाट नं० 5 ए 2020 वर्० फु० |नौकर कमरा धौर गेरेज **जो डीड** 4123/85 तार्० 19-3-35 भनुसार निबन्ध हुमा।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रोज----3 54, रफ़ी श्रहमय कश्वाई रोड, कलक्ता

सारीख : 7-11-19**B**5

मोहरः

प्रकप बाइ .टी. एन. एस. -----

बाबकार जीपींगयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन ब्यान

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, क्लक्ता

कलगुसा, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 1914/एनपु० श्रार-III/85-86—पतः मुझे शंहर बनर्जी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्थात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर िक्ति सं० 207 है तथा जो भारत बोद रोड, बलाका में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुत्ती में और पुर्ण रूप से विता हैं), रिस्ट्रीक्ति अधिकारी के वार्याज्य कर्जाका में रिक्ट्रिक्टण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) अधीन तारीख 19-3-85

को प्रवेकित सम्पति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के निष्य अन्तरित की गई है और सम्भे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि ग्रथापनो कि सम्पति का उचिति बाजार मृत्य, जसके रूपमान प्रतिफल से एोसे रूपमान प्रतिफल का उन्हें है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शित्फल निम्नलिणित उद्देश्य से अक्त कन्तरण कै लिए तम स्विक्त के बास्तविक रूप से किया प्रदेश सिका प्रवा किया प्राप्त के बास्तविक रूप से किया प्रदेश किया प्राप्त के

(क्ष्म) बल्लरण से हर्ड किसी आय का बाबता, खक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

> िकासी धन था अस्य बारितयाँ को, चिन्हाँ बारतीय बायकर विधिनियम, 1929 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एसोरानार्थ जन्तरिती बचारा प्रकट नहीं किया यथा था या किला बाना चाहिए था, कियाने में सुरिवधन को (लए)

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अन्सरण भे, जे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीत: जिल्हामिकाम व्यक्तियों, अधित :--- 1 प्रभिय कुमार घोष

(पन्तरक)

2 कालीगंज एस्टेट,

(भन्धरिती)

कार्यम् सूचना जारी करके पृत्रावितः संपत्तिः के वर्षन के विवयः कार्यवाहियां कारता हो।

इस्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनीब बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रवारा;
- (ख), इस सृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास किसी के सिक्ष्य का सकरें ने ।

. स्थाब्दीकरण:---- १ समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, चो जन्न किया 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस सभ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पर्ि जो डीड नं० 4061 तो० 19-3-85 धनुसार निबन्ध हुमा ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिशारी सह।यत भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज---3 54, रजीप्रहमर किदवाई रोड, कलकता

सारीज : 7-11-1985

अरूप बाहुँ, टी. एतः, एस.,-------

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) **की धारा** २००७ (1) के अधीन मुख्ता

मारत सरकार

कार्यासक, महायक कायकर कायुक्त (निरक्षिक)

ऋजीन रेंज-3, यलकृता कलकृता, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 1942/एक्यु० श्राह्म०-III/85-86 श्रातः मुझे, शंकर बनर्जी

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रत्योह 'एकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारों की यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी संव 40 ई है तथा जो साउथ एन्ड पार्क में स्थित है (श्रीर इपि उपावद श्रनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिप्ट्रिएर्स्स श्रिधिपारी के लायीलय तलतत्ता में, रिस्ट्रीएर्ण श्रिधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के श्रिधीन सारीख 19-3-1985

को पूर्वोक्षत सम्परित को उण्यत बाजार मूल्य से कम को रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके हरयमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरिक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिश्वत उद्देश्य से उक्त अंतरण निष्कत में वास्तिक त्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) नंतरण से धूर्य किसी अस्य की नायतः, उक्तं अधिनियम के अधीन कर दीने के अंतरकः से वागित्य में कभी करने सा सससे मचये में सुनिभा के निष्णु और/बा
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस अधिनियम, या भद- का अधिनियम 1957 1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1 याशेदा दुलाल साहा ।

(भ्रन्तरक)

2 अनुभव प्रपटिस एण्ड एजेन्सिज प्रा० लि० । (प्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वीक्त सभ्यत्ति की अर्थन के सिए कर्यवाहियां करता हो।

नक्त अभारित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप १---

- (क) एक सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी क्यांकित क्यांकित क्यांकित
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास, लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छिकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्वों और पकों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होने: जो उस अध्याय में विका नवा है।

धनुपूषी

सम्पत्ति जो डीडनं० 4058 ता० 19-3-85 ग्रनुसार निबन्ध हेग्रा।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज−3 54, रफीग्रहमद किववाई रोड, कलकक्त −16

सारीख:15-11-1985

धारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 1943/एक्य० प्रार०-III/85-86--यतः मुझे, शक्र बनर्जी,

आविष्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 11, ई तथा जो सैवक केष्य स्ट्रीट कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपावद अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के इन्द्रह प्रतिदृत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया वया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कार्यन करने हिल्ला स्था कार्यन स्था कार्यन स्था स्था कार्यन स्था कार्

- (क) अन्तरम् से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने कैं अन्तरक खें दाबित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के आए; आहु/बा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को खिन्ह भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निष्।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविद्यत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैसर्स होप इन्डिया लि०

(ग्रन्तरक)

2. इन्डिया बैक

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके धूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के जिए - कार्यवाहियां करता हूं।

जन्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- [(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोग।

स्पन्नदीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उनके अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होना को उस अध्याय में दिया गया है।

अग्स्य ।

सम्मति जो क्षेंड नं \circ I-3807/85 ता० 14-3-85 पर निबन

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्राय∷र स्रायुक्त (निरक्षिण) स्रर्जन रेंज-3 54, रफी स्रहमद क्षिदवाई रोड कलकत्ता-16

तारीख: 15-11-85

प्रक्षम बाई.टी.एन.एस.-----

नायकर बौधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के ब्बीन् स्वना

भारत सरकार

कार्यालम, सहायक आमकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रजन रेंज-III, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० 1944/एम्यू० ग्रार०- $II^{I}/85-86---$ ग्रतः मुझे, शं π र बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थागर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 40एफ है तथा जो साउथ एण्ड पार्क में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिशारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-3-85, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम वो क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री शची दुलाल शाहा।

(म्रन्तरक)

(2) श्री अनुभन्न प्रपरटीज एण्ड एजेन्सीज प्रा० लि०। (अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके प्रांक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

बक्त सम्मृति के वर्षन के सम्बन्ध में कांद्र भी वाशेष हु---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

जो सम्पत्ति डीड नं० 4048 तारीख 19-3-85 के अनुसार निबन्ध हुआ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज-3, कलक**सा**

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, किलनिसक्ति व्यक्तिगाँ, वर्षाक् :--

तारीख · 15-11-1985 मोहर ·

प्रकार मार्चे हैं, दी न प्रकार प्रकार कार्य

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

शारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज-III, कलकत्ता

कलकत्ता दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० 1945/एक्पू स्नार०-/85-86--- प्रतः मुझे, शंकर बनर्जी,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा नवा हैं), को धारा 269- व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

और जिसकी सं० 20/बी है तथा जो गडिया घाट रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्णरूप रा विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-3-1985,

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के अयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्षत कम्परित का उचित बाजार भूग्य, उनके अयमान प्रतिपास से एसे अवमान प्रतिपाल का गून्य प्रतिपात से विश्व है बाद बंदाइक (बंदरकों) और बंदरिती (बंदि-(तियों) के बीच एसे बन्दर्भ के लिए तब बाबा पथा प्रति-क्ष्य विश्वामित्रिय बहुबरिय वे स्वयं बंदर्स विश्वत वे बाक्तिक सन्म से कियत नहीं किया नवा है अ---

- कि प्रकार में हार्य किया नाम की बावश करता अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वर्त यहन में कामी कारने या अबसे बचने में स्विश्व के लिए औड़/शा
- वि वृत्ती विकास वास वासियों पर वा सन्तु जारिएएर्रें की, विकार वास्त्रीय कावकार विधिनवन, 1922 (1922 का 11) या उत्तर, वृद्धित्त्रियन, रा पत-कार वास्त्रियका, 1957 (1957 का 27) औ व्योक्शार्व कृत्तिरही द्वारा प्रकट महीं किया वृत्ता वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में लुग्विका हो लियु;

अतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मैं, जक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६→- (1) रतनगढ़ स्योरिटी संसिद्धी

(श्रन्तरक)

(2) हरि प्रसाद मालपानी ।

(भ्रन्तिरती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के नर्जन के सिर्ह कार्यताहिया शुरू करता हुं।

उन्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की सविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा. अधोहस्ताक्षरी के पाम सिस्सित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उकत विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाणित है, वहीं वर्ष द्वांना को उस अध्याम को दिया गया है।

अनुसूची

डीड नं० 3751 तारीख 13-3-85 श्रधुसार जो सम्पत्ति निबंध हुआ।

> यंकर बनर्जी नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख : 15-11-1985 मोहर : a de polo alemento. Ella comitata del Color 🖚

प्ररूप आहूर.टी.एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्क्षिण) अर्जन रेंज्-III, बालकत्ता

ालशक्ता, दिनांस 15 नवम्बर 1985

निदेग भं० 1946/एकपु० (श्राप०-III/85-86--- अतः मझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

डीड श्रनुपार में और जितकी सं० है तथा जा स्थित है (और इनने उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्णरूप से विशित है), प्रजिस्ट्री बर्ता श्राबि वारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख का प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिकाल की लिए अन्तरित की गर्ध ही और मुक्ते यह विश्वास करने .का कारण हैं कि यथा पुनाबत संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके श्रवमान प्रतिफल दर्यमान प्रात्तफल के पन्द्रह प्रतिशक सं मीर मंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा से निए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की, अनुसूरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— मोहर : (1) श्रीमति पदमा बनर्जी।

(ग्रन्तरकः)

(2) भसमं श्री महावीर डिघलपमेंट ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्तंबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यविक्षया में से दि.सी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबत्त्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गे।

स्पटीकरणः — इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति----2020 स्के॰ फीट । अंशतः दो तल्ला मकान सह जमीन डीड नं॰ I 3673/85 तारीख मार्च, 1985 ।

> णंतर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकक्ता

तारीख ' 15-11-1985

प्ररूप वार्ड, टी. एन. एस.,-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

ेंकलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० 1947/एक्यु० ग्रार०-III/85-86--- ग्रतः मुझे, शंकर बनर्जी,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है तथा जो वाल्ड वालीगंज, सेवन्ड लेन, कल कत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण-रूप से वणित है), रजिस्ट्रीटर्ता अधिकारी के वार्यालय, वलवत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन-तारीख 8-3-1985,

को पूर्धिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) इन्दिरा सिन्हा।

(ग्रन्तरक)

(2) सुदेश चन्द्र मसन्द।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोह्हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोप्तरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित की, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया के गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीड नं० I 3576 तारीख 8-3-1985 श्रनुसार निबंध हुग्रा ।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भौ, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधी।, निम्नलिखित व्यक्तितयों, अभीत् हि—

तारीख 15-11-1985

प्रकार बाहुं हो हुन् हुन् -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सुचना

जारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलक्ता दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० 1948/एक्यू० म्रार०-III, **85-**86---म्रतः मुझे, शंकर बनर्जी,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उंकत अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं . 42 बी है तथा जो वृन्दावन बलाक स्ट्रीट, क्ल-कत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्ष से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता द्योधकारी के कार्यालय, कलवत्ता में रिजस्ट्रीकरण द्यधिनियम, 1908 (1908 का 16) के द्यधीन, तारीख 8-3 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूफे यह विश्वास करने का कारण है

कि यह येथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से काथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी साथ की सावक, उपस बिधियम के वृथीन कर देने के वृत्तपुक बी दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; बीड/बा
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिज्याने में ग्विथा के निष्;

न्तः अव. उक्त **अधिनियम कौ धारा 269-न कै वृत्युरण** मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) सुधीन्द्र कुमार वसु और अन्य

(अन्तरक)

(2) रूक्मनी देवी धाबी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत् सम्पृत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप् :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सुमान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूम्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाद्धीकरण्:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मुबा है।

अनुसूची

डीड नं० 3555 तारीख 8-3-1985 श्रनुसार जो सम्पत्ति निबंध हुग्रा ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख · 15-11-1985 मोहर • वरूप बार्ड ही पुर एस . -----

भायकर लोधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा ं भारा २६९-व (1) के अभीत स्थाना

भारत सरकाव

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रें ज-3 कलकत्ता

कल हत्ता दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० 1949,एक्ए० श्रार०-111/85-86---मुझे, शंकर बनर्जी,

अप्रकर भी-नियम, 1981 (1961 का 43) (विक्री इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्भावर सप्यन्ति, विश्वता उचित आदार श्रव १,00,000∕-रा. सं **बिधक ह**ै

और जिलकी संव 42बी है तथा जो वीन्दाबन बलाक स्ट्रींट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णक्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-3-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उमित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के भिए बन्तरित की गई है और शुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्ति सम्परित का उचित बाबार शस्य , उसके दृश्यमान प्रतिफ ल से एसे दृश्यमान प्रतिफ ल का पेंद्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिन्तियों) में बीच एके अन्तरण के सिए वर्ष गया गया अविकास, भिन्नविधि उपयोग से वनस् मन्तर्य विक्रिय में बास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरूप से शूर्य थिसी जान की बानत, क्यत विभिनियम को सभीत क्षत्र दोने की बन्दरक की याधितम में कभी अध्ये वा चयर्त ब्यून में बृदिया के निए; और/या
- (थ) होती किसी बाद या किसी यह या वन्य नारितकी का, चिन्ही नारतीय बाय-सर लीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा रुभत विभिनियम, बा भनकार विधिनियम, 1957 (1957 का '27) के एर्रोजनार्थ अल्हिपती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा. फिपान में युविधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की भाग 269-ग की अनुसरण मं , मं , अवल अभिनियम की भारा 269-**ण क**ी अपधारा (1) वं क्षीन, निम्नसिरिक्त व्यक्तिको **ल्था**र्स् झ—न

(1) सुत्रीन्द्र हुमार वसु।

(अन्तरक)

(2) इमजा देवी आगरवाला ।

(अन्दरिती)

को वह स्थान आरी करको ध्याँकस सन्यनित को अर्थनको हिस्स कार्यवाहियां करता हूं। ा

कवत सम्मरित को अर्थन को सम्बन्ध हो अनेहाँ की शाक्ष्य 👵

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 विष् वर्ष वाष्ट्रीय या शत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 बिन की अवधि, यो भी अविधि बाव में समाप्त होती हो, को भीतर पृवाँक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवाराः
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्दित में हिनबपुध किसी बन्ध व्यक्ति पुषारा वभोहस्टाश्परी की पाख लिकित में किए जा सकेंगी।

स्वकारण:---इसमें प्रस्कत सक्यों और पदा का, को उक्स निधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा जो जरा अभ्याय में दिना स्या 🗗 :

अनुसूची

डीड नं० 3554 तारीख 8-3-1985 धनुसार जो सप्पत्ति निबंध हम्रा ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिः।री सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज 3, कलकत्ता

तारीख : 15-11-1895 मोहर:

प्रकार कार्च . टी. प्र. प्रा. प्रा.

(1) शैलेन्द्र नाथ गुईन।

(भ्रन्तरक)

व /यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

(2) वैश्नव व्यापार प्रा० लि०।

(अन्तरिती)

पारत सरका र

कार्यालय, महायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जनरेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनौंक 15 प्राप्ता 1085

निदेश म० 1950/एक्यू०/प्रार०/॥।/85-86—प्रतः मुझे, शंकर बनर्जी,

नायकर रिश्वनियाः, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इस र प्रश्नात किन ऑश्वितियमः कहा गया है), की भारा १६०-१० के स्थान सामय प्रवित्तार से यह निक्याम करने का कारण है कि स्थानर सेपरित, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 60 है तथा जो सादान एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण कर से विणित है), रिजस्ट्रीकरिण श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरिण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 8-3-85 को पर्वोक्त सम्पत्ति के तिबद्ध बाजार मुख्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वाब करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार बूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से विभक्त है और वंतर् (वंतरकों) और वंतरिती (वंतरितियों) के बीच एसे वंतरण के जिस् तब पाका गया श्रीतकम, निम्मीसिवत उद्देश्य से उस्त देतरण निम्मीसिवत अपन निम्मीसिवत स्था निम्मीसिवत

- (क) वन्तरण ने हुद्दै किसी बाय की गावल, अक्ट वीगीनयद के वर्णीं कर देने के बंदरक के दायिका में क्यों करने ना जन्मी क्यने में सुविधा के लिए; वीर/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य अस्तिनों को, जिन्ही भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा के लिए;

का बहु सूचना चारी कारके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त बम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) हम स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की लादीय से 45 विकास की अविभाग या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्चना की ताबील से 30 दिन की ववीं भ, जो भी ववीं वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविचत व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति होता.
- (च) इत सूचना के राज्यपत्र मं प्रकाशन की तारीब ब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में द्विश्व-बच्च किती जन्म व्यक्ति क्वारा अभोहस्ताक्षरी के शस निर्देश में किए वा बकोंने।

स्वक्यक्रिश्णः---इसमें प्रज्ञात सब्दों और वदों का, यो उपस नीपीनवन के बभ्याय 20-क में प्रीरक्षतीयत ही, वहीं वर्ष होता यो उस बभ्याय में दिवा त्रवा ही।

धनुसूची

डीड नं० 3552 तारीख 8-3-1985 के ग्रनुसार जो सम्पत्ति निबंध हम्रा है ।

> शंकर बन**र्जी** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 3, कलकरा।

जतः झन, उपत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण को, में चक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिल व्यक्तियों, अर्थात् :----

नारीख: 15-11-1985

बोहुर 🛴

इक्तू. बार्च . टी., एस., एक., -----

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीकण) श्रर्जन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० 1951/एक्यू० श्रार०/Шा_/ 85-86-- श्रतः मुझे, शंकर बनर्जी.

शायकर श्रांधितिसम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रसके परचात् 'उक्त अधिनिस्मम' कहा गया है), की भाषा 269 स के अधीन मक्षम पाधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, विसका उचित बाबार बंद्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

शौर जिसकी सं० 60 है तथा जो सादाने एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के अधीन, तारीख 8-3 85 को पृत्रांक्ष सख्यात्त के जिए अंतरित की गई है जौर मुझे यह विश्वास करने अस्ते का कारण है कि यथापूर्वी ति सम्पत्ति का उसित गाबार मून्थ, उसके उच्याना प्रतिफल को पंतरिक है और मंदरक (श्रीतरकों) और श्रीतरिकी (अन्तरिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिकित उद्बर्धय से उकत अन्तरण किश्वित में अस्तिक क्य में किथत नहीं किया गया है .—--

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बावत उपत बिथ-मिन्न के बधीन कर योगे के जन्तरक के निम्दल के कभी करने का उसके अवने में शुविधा के भिक्; बीद/या
- (ब) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्सियों को. जिन्हों भारतीय काथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, ब धन-कार अधिनियम, ब धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किय गया था या किए। जाना वाहिए था छिपाने में सुविध के खिए?

(1) रमेश चन्द्र ग्ईन।

(अस्तरक्)

(2) वैश्णव व्यापार प्रा० लि०।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाकित सम्परित के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाह्में :---

- (क) इस सुमान के राममा में श्रक्तमान की तारीम में 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुध्या की तामीन से 30 दिन की मन्धि, जो भी अर्थाध भाव में समाप्त होती हों, के भीतर पृथीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिस बुधारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बस्य स्थानत द्वास अभोक्साकारी के पाल स्थितित में किए जा सक्याः

ल्यन्तीकरणः—असमं श्यामतः शब्दों और पदों का, जो उनक जिल्लियम, अं अध्याय 20-क में परिभाषितः है, अही वर्ष हांगा, जो उस अध्याय में दिवाः नवा है।

अनुसूची

डीड नं० 3550 नारीख 8-3-1985 के श्रनुसार <mark>जो सस्पत्ति</mark> निबंध हम्रा ।

> शंकर **बनर्जी** सक्षम. प्राधि कारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजेंन रेंज- ३, कलकत्ता

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) है अधीन, निक्किविविध अधिकारों स्न अधिक 🏎

तारीख: 15-11-1985

मोहरः

कार्याक्षय, मधायक बायकर बायक्स (निरीक्कण)

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धररा 269-म (1) के अभीन मुखना भारत सरकार

शर्वीलय, तहायक भावकर प्राप्यत (विरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 15 नवम्बर 1985

निदेश मं० 1952/एक्यू/आर०/III/85-86—-अतः

मुझे, शंकर बनर्जी,

भासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 207 है तथा जो घरन बोत रोड, कलकला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ति श्रीधकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनयमम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के सिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्याध करने का कारण है कि समामृत्यों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देशसान प्रतिफल से, एसे देशसान प्रतिफल का बंद्र प्रशिक्त से जिपकार के बंद्र प्रशिक्त से जिपकार है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (कन्नरितियों) के बीच एसे बन्तरण के चिए तम पाया गमा प्रतिक्षा निक्तिलिक्त उद्देश में उक्त जन्तरण बिक्ति में देशसान का विद्या कर से किया तम से देशसान

- (क) अन्तरण वे हुई किसी आप की अवस अवस अधि-पियल के संधीत कह यो के अन्तरक के साबित्य के करी करने मा उसने अवसे में सुविधा के फिए आर्ट/मा
- (था) ऐसी किसी बाय वा किसी भन या बन्य जासित्वों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर विविन्यम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, उन्धित कर जीविन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिवाने में सविभा के सिए;

मतः अब उक्त जीपनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उपत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती सुपर्णा मजूमदार।

(भ्रम्तरक)

(2) कालीगंज एस्टेट ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्षत के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की शारीज स 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी क्यिक्सियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद यों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ध) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर एम्प्रिस में हित्रहरूए किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहरताक्षरी के पास लिखित के किए जा सकीने।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त भव्यों और पश्चों का, आं उभर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ काना जो उस अध्याय में किश गया है।

श्रनसुची

सम्पत्ति डी.ड सं० तारी**ख** 14-3-1985 के श्रनुसार निबंध हुआ है।

> र्गकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-3, कलकत्ता

तारीख: 15-11-1985

प्ररूपः बाह्रं. टी. एन. एस. - - - -

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) जे अभीत स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायूक्त (निर्धाक्षण) श्रर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकला विनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० 1953/एक्यू०/ग्रार०/IJI/85-86--- म्रतः मुझे गंकर बनर्जी

बायकर जिथितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का अप्रक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से जिथिक है

और जिसकी सं० 207 है तथा जो शरत बोस रोड कल क्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियमम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कर्ते का कारण है कि यक्षायूर्वोक्स संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिकल का बन्तर प्रतिकल का बन्तर प्रतिक्त से अधिक हैं और जन्तरक (जन्तरकों) और जंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स जन्तरण लिखिश में आसाबिक कप से कथिक वहीं किया वहा है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित में कर्मी करमें या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बस्य आंस्सियों को, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती स्वाच प्रकट नहीं किया गया या या किया शना चाहिए था, छिपानं मं स्थित के लिए;

ं बेर्तः बंधः, उक्तं विधिनवमं की भारतं 269 व्या की अभूसरण को. मी. उक्तं अधिनियमं की धारा 269-च की वचमारा (1) को अधीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—— (1) प्रवीप कुमार सरकार।

(ग्रन्तरक)

(2) बालीगंज एस्टेट।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन् के किए कार्ववाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्ये :---

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बवुध किसी जन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सहनीय।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

मन्स्ची

सम्पत्ति को डीड नं० तारीख 14-3-1985 के श्रनुसार निबन्ध हुन्ना।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रामकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजनरेंज-3, कलकत्ता

ारीखं: 15-11-1985

प्रसन लाडी, टी. एत. एक ------

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन सुचनः

भारत संस्कार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रंज, कलकत्ता

भलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० 1954/एक्यू० आर-III/85-86---अतः मुझे, शंकर बनर्जी

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 से के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

और जिसकी सं० 207 हैं तथा जो गरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबंध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकर्रा प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 14-3-1985

को प्रशंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के शब्यमान शितफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का कन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष्य, निम्नीन्चित उद्देश्य से उक्स बन्दरण लिखिस में नाम्तर्विक स्प से कथित कहीं किया नया है :---

- (क) क्रम्भरण से हुए किसी आप की बावत सकत कृषि-निवन की क्षीन कर वाचे के नक्ष्यरक के शासित्व के कभी करने ना तक्ष्यों नचने नो सुनिया के सिमं, नार ना/
- (क) ऐंसी किसी बाय वा किसी धन या अल्प आसिसयों को, जिन्हें भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उन्ते विधिनयम, या धन-कार धीर्धानयम, 1957 (1957 को 27) के प्रशेकतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रअट नहीं किया नया भा दा किया जाना चाहिए चर, क्रिकट में सुविधा है जिए;

(1) कनक रानी सिन्हा।

(भ्रन्तरक)

(2) वालीगंज एस्टेट ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्चन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्का औ सम्बप्त में प्रकाशन की तारी के 45 दिन का संबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्का की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी अपनित सो में संबोध्त होती हो के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ले 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिन- श्रद्धा किसी जन्य व्यक्ति वृंगरा, नभीहरनाक्षरी जें पाम लिसिंत में किए जा सकेंगे!

स्वष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो अक्त जिभिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना को उन्न बध्याय में दिया गवा है।

नगुस्पी

डीड नं ॰ I 3817 तारीख 14-3-1985 जो सम्पत्ति निबंध हुमा है ।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

सत. स्व, उत्पत्त सिधिनयम की धारा 269-ण सी, अनुसर्थ में, मी, उत्पत्त सिधिनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) से सधीन, निकारिनकिक स्वीक्तर्यों, समित अन्त

तारीख: 15-11-1985

प्रकृष काई . दी . पृम् . एक् . ------

कायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वास

साह्य रहकार

कार्यालय, महायक **नायकार नायक्त (विरोधण)** अर्जन गेंज-3, कालकत्ता

कलकत्ता, दिवांक 15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 1955/एक्यू०-आ२०-<math>HI/85-86-अतः मुझे, शंगुर बमर्जी,

नायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह यिध्यात करने का कारण हैं कि स्थानर नम्पत्ति, जिल्ला उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० 207 है तथा जो णग्य बोध रोड, इलकत्ता में स्थित है (स्रोप इन्ने उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणय है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वलक्सा में रजिस्ट्रीकरण सांधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मार्च 1985

को पूर्वित सम्पत्ति क लीच । वालार मूल्य से अस है एरम्मान । तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से; एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योच्य से उक्त अन्तरण जिल्तित में बास्तविक रूप से कथिट नहीं किया गया है:---

- (क) अभ्यारण से हुई फिली नाम की शासरा, उन्तर अभिनियम के बसीन कर दोने के अभ्यारक के वादित्व 'में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: और/या
- (थ) एसी किसी नाय या किसी थन या बन्ध जास्तियों को, विन्हें भारतीय आय-कर निधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निधनियम, रा थन-कर अधिश्वियक, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्षतार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया जाना पाहिए था. कियाने में मूर्वियक्ष के निक्कः

सत्त तथ, वथन विविचय की भारत 269-य से अवृत्रस् हों, ही उक्त अधिनिवन की भारा 269-य की जन्धारा (1) को कनीत, निस्नतिवित स्ववित्त में, मर्गात् :--- 1. श्रीमती छाया चौघुरी।

(अन्तरक)

2 मेसर्स बालीगंज एस्टेट।

(अन्तरिती)

को यह सुकना कारी करके गृबोक्त मम्परिस के अर्थन के लिए कार्यभाहिमां करता हूं।

उन्द संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आधीष :----

- (क) इस सूचना की राजपत्र माँ प्रकाशन की तारील ए 45 विन की वर्षांभ मा तत्सवंभी व्यक्तियों पर भूचना की टामील से 30 विन की अविभि, जो भी व्यक्ति बाद माँ समाग्त होती हो, के भीतर पूर्णोंका व्यक्तियों माँ से किसी अपिश ब्यारा;
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः —- इसमें प्रयूक्त शब्दी और पदी का, को स्वक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अमृज्यी

डीड नं $^{\circ}$ $^{\mathrm{I}}$.3821 तारीख 14-3-85 अनुसार जो सम्पत्ति नियन्ध हुआं।

शंकर अनर्जी सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रंज-3, कलकत्ता-16

तारी**व :** 1**ड-1**5

त्रका नाहाँ , द्वी , हुन , एव ,----

भावकार वर्षिणियक, 1961 (1961 का 43) की पाल 269-व (1) के नवीन स्वना

गाउँच प्रश्निक

कार्याज्य, बाह्मबक आयक्षर जागृक्श (निर्**काण)** अर्जन रेंज-3, कलक्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निर्देश स० 1956/एक्यू० आर०-III/85-86---अनः मुझे; शंकर बनर्जी,

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विके इसमें इसके प्रचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन बतान प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पाल, जिसका उचित राजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 207 है तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसने उपावत अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विग् है), एजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकसा में: रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मार्च 1985

को प्रवेक्त संस्थित के तींचन नाजार मूल्य न काम के द्राध्यान प्रतिष्ठन को स्थापित की गई है और भूभे गई विश्वास कारने का कारण ही कि स्थापूर्वोक्त संस्थिति का उपित संधार प्रश्च, उपके द्रावधाम अतिकास में. एमें द्रायमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास में विश्वास अतिकास में. एमें द्रायमान प्रतिकास का पंत्रह प्रतिकास में वीच को में से संस्थान के निए तय पाया गया प्रतिकास के तीच एसे अंकरण के निए तय पाया गया प्रतिकास के तिकास का निए तय पाया गया प्रतिकास का तिकास का निए तो प्रायम में वास्त्रिक का निर्णा का निए तो प्रायम का निर्णा का न

- (क) वस्तर्ज वे हुए किसी बाब की बाबदा, स्ववध् बाधिविषय को बंधीय कर दोने के बस्तरक के अधिक्य में कभी करने या उत्तरों बचने में स्विधा के क्रिस्ट; और/या
- (क) एंडी किसी नाथ या किसी अन या बन्थ वास्तियों को, किस्हें भारतीय वानकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) जा उनक विधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजशार्थ बस्तरिती वृद्यास प्रयास कहीं किया गया था वा, किसा कास वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, अदः, अक्त अधिनियमं की धारा १६०-ग के प्रमणरण मा, गो, उक्त अधिनियमं को भाग १६९-य की प्रण्यारा (1) के अधीनः, निम्निसिखसं व्यक्तियों, अर्थन्त कि 1. श्रीमनी उपा रामी सिन्हा।

(अन्तरक)

2 बालीगंज एस्टेट।

(अन्तरिती)

का वह सुचना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के नर्चन के कियु कार्यवाहिया करता हूं।

उच्या सम्पत्ति की वर्णन को सम्बन्ध में कोई भी बाध्येप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्मक्तानी रपितालों पद सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, तो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रविका व्यक्तियां में स जिल्ली स्पित्तर दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उकत स्थावर सम्पक्ति में हितवब्ध किसी बन्य कंकित क्वाय क्रभोहस्ताकरी के बाब जिल्ला को जिल्ला को जिल्ला का क्योंग

भ्यक्तीकरण :---हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविद्य हैं, यही वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया मचा है।

यनुसुची

डींड नं ० I, 3819 ता ० 14-3-85 अनुसार जो सम्पिस निवन्ध हुआ।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सन्नायक आयक्त आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 15-11-1985

मोइपः

प्रस्प आहं टी.एन.एस.----

1. श्रीमनी शिक्षा सिन्हा।

(अन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. वालीगंज एस्टेप्ट।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (जिन्सिण) अर्जन रोज-3, कलकता

कलकत्ता, दिमांक 15 मवम्बर 1985

निर्देश सं० 1957/एक्य० आर-III/85-86--अतः मक्को, शंकर बमर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 207 है तथा जो शरत वोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री हर्ला अधकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्री हरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मार्च 1985

को प्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप में किथा नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अपने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्त आख़ित्यों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण रो, मी, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1), के अधीन, निम्निटि**बित व्यक्तियों, अर्थात्** :—— को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त मंपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि हाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजयत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—हममें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह³, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्वा गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो डीख नं० 1, 3811 ता० 14/3/85 के अनुसार निबन्ध हुआ।

> शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, कलकत्ता-1 6

नारीख: 15-11-19**8**5

प्रकम नाइ", टी.: पुन.: हुइ.:-------

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाह्रा 269-म (1) के बधीन सूचना

BIST THEFT

कार्यासय, सहायक जायकर बावुक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1985

मिर्देश सं० 1958/एक्यू० आ२०- \overline{III} /85-86--अतः मुक्षे, शंकर बनर्जीः

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसमें इसमें प्रचात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के जभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 207 तथा जो गरत बोस रोड, कलकता में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 14 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को अववान प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मूक्षे वह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे अववान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया वबा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित अं कारतिक रूप से कांचित नहीं किया वबा है :--

- (क) अन्तरण तं हुई किती नाव की बावत, उत्क निर्धानवम के नधीन कर दोने के बन्तरक की वाबित्व में कमी करने या उससे क्याने में तृतिभा के मिए; कीर/वा
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य जास्तिवाँ की, जिन्हीं भारतीय आयकार विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काना वाहिए था फिलाने को मृतिया के सिए;

जल: जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की लगभारा (1) के अधीन, प्रैनम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीन, प्रैनम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीन, प्रैनम्नलिखित व्यक्तियाँ, अधीन, प्रैनम्नलिखित व्यक्तियाँ, 1. डा० (कुमारी) सन्ध्या घोष।

(अन्तरक)

2. बालीगंग एस्टेट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्ध कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को और बजीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेतिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्- क्यूथ किसी अन्य व्यक्ति ब्यारा अभोहस्ताकारी की पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त बन्दों और पर्दों का, को जक्क जिपनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा, जो जस अध्याय में वियाः गया है।

अनुसूची

श्रीष्ठ नं० | 1 3810 ता० 14-3-85 अनुसार जो सम्पत्ति मिबन्ध हुआ।

> शंकर अभर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जम रेंज-3, कलकत्ता-16

ता**रीख**: 15-11-1985

मोहरः

प्रकष् कार्ड .टी .एन . एस .------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिमांक 15 भवम्बर 1985

निर्वेश सं० 1959/एक्य० आर०-III/85-86---अत: मुझे, शंकर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 207 ई तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का क्यारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिवात से अधिक है वार अंतरिका (अंतरितयाँ) के वार अंतरिका (अंतरितयाँ) के वास एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्नलिवित द्रद्दिय से उक्त अन्तरण लिवित में वास्तविक रूप से कियत वहाँ किया गया है द

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

बतः वतः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखत व्यक्तियों, अधीत् :---- 1. डा० भिर्मल कुमार घोष ।

(अन्तरक)

2. पालीगंज एस्टेठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया

प्रनम्ची

डीडं न० 3808, ना० 14-3-85 अनुसार जो सम्पत्ति निबन्ध हुआ।

शंकर बनर्जी सक्षम प्राधिकाणी सह यक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख: 15-11-1985

प्ररूप आह . टी. एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 नवस्थर 1985

निवेशसं० 1960/एक्यू० आर-III/85-86-अतः; मुझे, शंकर बनर्जी,

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 7 है तथा जो चश्रविद्या रोड में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 11 मार्च 1985

को प्रॉक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान वृतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्र्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए सय पाया गया प्रतिफल निम्नसिचित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्सनिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्धरण सं हुई किसी नाव की बावत अन्त वर्षित विद्या में वालीय कह दोने के बन्तुरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; वीर/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्सियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से बिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व क अन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के स्थीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) टी० के० प्रापंटीज प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती नन्दिनी किशोर मोदी

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित यें किए वा सकींगे।

त्थव्योकरण: इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्दों का, को उक्क अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही जर्म होगा को उस अध्याय में दिवा भवा है।

धनु सूची

सम्पत्ति जो डींड नं० 3673 ता० 11—3—85 अनुसार निबन्ध हुआ।

> शंकर बमर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक: 15-11-1985

त्रक्ष् नार््ंु टी. श्रम , एवं . ------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के सधीन स्थान

नीरहं दरकार

कार्बीभव, सङ्घयक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलक्ता, दिनांक 15 नवम्बर 1985

मिदौंश सं० 1961/एनयू० आर-III/85-86--अतः मुझे, शंकर अमर्जी,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त मीम्तियम' कहा पता ह"), की भारा 269-व के मधीन कमम प्राधिकारी को यह निम्बाद करने का कारण है कि स्थावर संपक्षि, विश्वका समित बाबार मृज्यु 1,00,000/- रह. से मधिक है

भौर जिसकी सं० 131 ई तथा जो वकुल बागान रोड, कल० में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिनांक मार्च 1985।

की पूर्वोक्त सम्पद्धित को उपित वाजार मूच्य से कम के क्रयमान प्रतिषक्ष को निए अन्तरित को गई है और मुझे यह विकास करने का कार्य है कि वजापूर्वोक्त सम्पत्ति का अपित वाजार मूच्य, उक्के कारमान प्रविक्ता से, इसे क्ष्यमान प्रतिषक्ष का पंद्रह प्रतिकृत से विभिन्न है और बंतरिक (बंतरिकों) और वंतरिती (अन्तरितिकों) को बीच एसे बन्तरेन को निए तय वाया नवा प्रतिकृत, गुन्नीनिक्त उन्नेष्ट से उन्नेष्ट कर्मार्ट विभिन्न में वाकायिक रूप से काभित नहीं किया गया है क्ष्य

- ्रेंक) मन्तरम् वं हुएं किवी नाम की नामक् समक मृत्तिक्ष में मनीन् कह दोने के बनारक वे करित्य में सभी कहारें मा उत्तवें नुमूने में सुनिशा में सिक्; श्रीहर्णम
- (क) ऐसी किसी नाम में किसी भून वा किसी नास्तियों को, किसी नास्तियों का 1922 का 11) या उनता निर्माणयान, या भय-कर निर्माणयान, 1957 (1957 का 27) के मनोजनार्थ नन्तियों क्यारा प्रकट नहीं किया नया या वा किसी नास्तियों क्यारा प्रकट नहीं किया नया या वा किसी नास्तियों क्यारा प्रकट नहीं किया नया या वा किसी क्यारा प्रकट नहीं किया नया नास्तिय था, किसी में क्यारा की किसी

संतः सव, स्वयं अभिनियमं की भारा 209-ग के अनुहरण में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निकालियतं व्यक्तियों, अभीत् अल्ल- (1) श्री भवानी प्रसन्न चटर्जी

(अन्तरक)

(2) श्री निर्मल कुमार बनर्जी

(अन्तरिती)

की शह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के सिध् कार्यगाहियां करता हों!

उनका संपत्ति को कर्यन को संबंध में काहि भी बाकांप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानीस से 30 दिन की अविध, जो भी न्वीय बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तिमाँ में से किसी व्यक्ति बुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी वन्य स्थित द्वारा अभोहस्साक्षणी के पास सिवित में किए वा सकारी।

स्वच्चीकरणः---इसमें प्रयुक्त सन्धां और पवाँ का, को अवत विभिनियम के बध्यार 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा, वो सत अध्याय में दिया वया ही।

वन्स्य

सम्पत्ति जो डीड सं० 1/3585 ता० मार्च, 1985 में निश्रन्थ हुआ।

> शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, कलक्का

दिमांक: 15-11-198

तक्ष्म बाह्य सी, एम, एस. -----

काषक,र विभिनितम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के नेपीन सूचना

HIST TENES

कार्यासन, सहायक नायकर भावृक्त (पिर्याक्षक)

अर्ज रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिमांक 15 मवम्बर 1985

निदश सं० 1962/एक्यू० आर-111/85-86--अत: मुझे, शंकर बमर्जी

पानकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इस्कों इसको परभात् 'उनत निधितियम' कहा गवा ह"), को कि भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 131 है था जो बकुल बागाम रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा अधिकारी के कार्यक्ष्य, वसवत्ता में रिजस्ट्रीकरण अधिमियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिमांक मार्च 1985।

का पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाबार मूक्य से कम के दश्यमाय शिवफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते मह किवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्व का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पन्नह बितास से अधिक है और अंतरिक (अंतरिका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के बीच तथ पाया गया प्रतिफल कम, निम्नितियाँ उद्योध्य से उक्त अंतरण सिवित में बाला- विक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्धरण वं हुइं किसी बाव की शावस , उपस् अधिनियम के अधीय कर योग के शन्यरक में श्रीयरण में कृती करने वा उससे वचने में श्रीयश के किए: और/वा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी धन वा नव्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय नाम-कर नीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर नीभीनयम, या धनकर नीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नाभ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया जाना जाहिए था कियाने में नुविधा के सिए?

करः वय, अक्त विभिनियमं की पारा 269-म वे बनुतर्भ में, में, उक्त विभिनियमं की भारा 269-म की उपधारा (1) में वधीय, ज़िलीकीयतं व्यक्तियों अभारत् हु---- (1) श्री भवानी प्रसन्न चटर्जी

(अन्तरक)

(2) श्री अनूप कुमार साव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिध् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो की जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृक्षिक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका गया हैं।

धनु दूची

सम्पत्ति जो डींड नं० I/3583 सा० मार्च 1985 पर मिबन्ध हुआ।

शंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिमांक: 15-11-1985

प्रारूप आहें टी. एन. एस्. -----

(1) श्रीसिल डे

(अन्तरक)

(2) श्री अनिल कुमार डे

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (विरीक्षण)

अर्जन रेज-3, कलकत्ता

कलकत्ता. दिनांक 15 नवम्बर 1985

भिष्योग मं० 1963/एक्य० अ**गर-III/85-86--अतः मुझे,** शंकर बमर्जी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उच्चित बाजार मृल्य 1,00,000/-रुत से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० 42/133 है तथा जो बेदियाडांगा सैकिंड लेम, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विभिन्न है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीम, दिभांक 30 मार्च 1985

को पूर्विक्त सम्मत्ति के उचित गाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पामा गया प्रतिफल, निम्निलिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तिविक रूप से कथित नदी किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी बाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निविद्यात व्यक्तियों, अर्थात क्ष्मच को यह ।सूचना जारी करके पृथींक्स संपत्ति के अर्थन के सिएं कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की वारीच वें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितदब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित के ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

बन्स्ची

सम्पत्ति जो डीड नं० /2501 ता० 30—3—1985 अनुसार निबन्ध हुआ।

> शंकर बमर्जी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंब⊷3, कलकत्ता

दिमांक: 15-11-1985

प्ररूप जाइं.टी.एन.एस.-----

1 डा० प्रबीप सनगुष्त

(अन्तरह)

(श्रन्तरिती)

बायकर बीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अभीन सूचना

भाग्त सरकार

कार्यात्तय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज उक्लयस

कलकत्ता, दिनांक 15 नवम्बर, 1985

कारकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' छहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/-ए. से अधिक हैं

श्रीर जिनकी संख्या 6 है तथा जो अत्येन दत्त रोड, तला में स्थित है (श्रीर्ं, इससे उपाबद्ध अनुभूषी में श्रीर पूर्ण रूप विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध अरी के अर्थालय, कला में, रिस्ट्रीकरण श्रीध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख 26-3-1985

को पूर्वाक्त सम्मास के उचित जाजार मूस्य से कम के अध्यमन प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (कई सम्बद्ध से हुई किसी आय की शावत उक्त अपि नियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के दायित्य जे कभी करने वा उसम वचने मों सृषिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) जा उक्त अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, या धम-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा पकट नहीं किया स्था था किया पना चाहिए था किया में गुडिशा के लिए;

अत. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण गें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे अभीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— **की वह सूचना जारी करके** पूर्वोक्छ सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

2 श्रीमती शेफ़ाली सेनगुप्त ग्रीए ग्रन्थ

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरफ़ स्वाधी व्यवितयों पर सूचका की तामील से 30 कि की अधिए, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो. से भीना पूर्विक्त व्यक्ति इंतर होते हो कि भी की किसी व्यक्ति इतार ह
- (क) ६५ सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-भ्यंभ किसी अन्य व्यक्ति युवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकिन में किए का सके ग्रे

स्पव्हींकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उदित अधिनियम, के अध्याय: 20-अ में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो लग अस्थार के निया पता है।

क्त्रमुखी

कुल मेकण्ड फ्लॉर क्षेत्र 1360 वर्ग फुट निवन्ध डीड नं ० 2332 तारीख 26/3/85।

> र्णाः वनर्जी, पत्रमात्राधि पती सहस्य प्रायतम् अपूर्वा (निरीक्षण) अर्जन में के अ, इलाइता

तारीख: 15-11-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक भागकर नायुक्त (निरीक्षक)

भ्रजन रेंज-3, कलकत्ता

कल'क्ता, दिनांह 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० 1965/ए सी० क्यु/श्रारच11/85-86:~-श्रतः मुखे, संदर्भ बनर्जी,

बावकार विभिन्नयम, 1961 (1961 का 43) (विशे इसको विद्या परवाद 'उक्त विभिन्नम' कहा गया हैं), की बादा 269-क के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 2 है तथा जो है यर स्ट्रीट में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रनूसूची में श्रीर, पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री हत्ती श्रीध शरी के अधिनियम श्राई० ए० सी एक्ष्यु श्रार-III में, रिजस्ट्री हरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीमीन, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्परित को जीवत वाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई और नुभे यह विश्वास करने का कारण है कि बचा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रति-फल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है बौर अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) बन्तरण ते हुई किती बाब की गावत, उपत अधिनियस के अधीन कर योगे के अन्तरक के दावित्व को कभी करने या उत्तते वचने को अधिक्या के लिए; कीइ/वा
- (थ) ऐसी किसी बाय मा किसी भन या अत्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय बायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भव-कर व्यक्तिविषम, 1957 कि 27) के प्रवोचनार्थ जन्तिरिती वृवादा प्रकट नहीं किया नमा वा किया जाना चाहिए था. फियाने के सिक्श के लिए;

अत: अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-च के, अन्सरण को, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीय: निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. श्री लोवा सर्विसेज (प्रा०) पि०।

(मन्तरक)

2. मै॰ हुगजिूली सर्विसेज (प्रा०) लि॰। (श्रन्तिग्ती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हों., को भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के शाम निचित में किए जा सकरेंगे।

स्यक्तीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पर्यों का, जो उक्त क्तिविवक, जे अध्याद 20-क में प्रिभाविक ही, वहीं मर्थ होगा जो तक अध्याद में दिया नवा ही।

धनुजुनी

सम्पत्ति जो एग्रिमेंन्ट पर श्रःई० ए० सी० एक्यू R-III कलकत्ता हारा 183-1985 तारीख में निबन्ध हुशा, 37 ईई फार्म श्रनुसार।

> णंकर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-३, कलकता

*मा*रीख: 7--11--1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

मार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज 3, कल हता

निर्वेश कल हत्ता, बिनांक ७ नवस्वर, 1985

निर्देश सं॰ 1966/ए वयु॰ रेंज--III/85--86:---मतः मुझ, शंसर बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-रा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर राम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जित्तकी संख्या 2 है सथा जो हैगर स्ट्रीट, रखासा स्थित है (भीर इतके उत्तबद्ध अनुपूर्वी में भीर, पूर्ण का से विजित है), रिविस्ट्री स्विधारी के वार्याक्षय अर्हि० ए सीठ तत्रवीठ-रेज-III वक्षांस्ता में, रिविट्रीनरण अधिरियम, 1903 ए(1903 का 16) के भिशीन, तत्रीख 1-3-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुंड किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के मंदरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बरि/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिप्राने में सूविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अभिनियम, की धारा 269-ग के जन्सरण में, में, डक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात् :--16.---376GI/85

। भै० लोघ: सर्विसे स(সা০) ডি০

(भ्रन्तरक)

। मैं सार्वा इण्डस्ट्रीट प्राइवेट लि ।

(भ्रन्दरिती)

को यह सूचना अन्य अरके प्वक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के उंबंध हैं कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना की राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति त्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास चिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमे प्रयूक्त शब्दाँ और पदौँ का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, अही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जो एग्रीनेंट पर निबन्ध हुमा है। 1-3-85 ता॰ पर 37 ईई फार्म मनुसार।

> मांकर धनर्जी, सक्षम प्राधिकारी, खहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज 3, सलकत्ता

त्तरीख : 7-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० 1967/ए क्यु० रेंज-III/85-86---भातः मुझे, शंकर बनर्जी,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का करक है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

भौर जिसकी संख्या है तथा जो एम० एस० सी० बोस रोड, वलाता में स्थित है (धीर इससे उपावद धन्सूची में भौर पूर्ण रूप से बणित है), रिप्ट्रिस्ट ध्रिटिर्श के कार्यालय प्राई० ए० मी० क्यु० रेंज-सा प्रवास में रिजस्ट्रीस्ट्रण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भवीन, नारीख मार्च, 1985

को पृषींक्षत सम्परित के उचित बाजार प्रत्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते, यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापर्थोंक्त मम्प्रित का उचित्र बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बिह्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बितकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त क्तरण लिखित में बास्टीकक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उत्तर अधिनियम के अधीन कर दोने औं अन्तरक आँ वायिस्व में कथी करने या उससे बचने में सुविभा जे सिए; और/बा
- (वा) देशी किसी जांव वा किसी धन वा अन्य अस्तिवी को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्निरिती दवारा प्रकट नहीं किया देशा था वा किया जाना चाहिए जा, किया है सिक्श की किया के सिक्श के सिक्श की किया के सिक्श

अतः विकं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अन्सरण भी, भी, तकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) भी क्षणीन निकातिकिक माकिनगों अधित —— को यह स्चना जारी करके प्रवेक्ति सम्पति के अर्जन के लिय कार्यवाहियां गुरू करता हुं। 1 श्री स्लाब बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक)

2 श्री ग्राभिजित बासु।

(म्रन्तिरती)

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आसेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति युवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाकृत। करी के पास लिखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयान शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।

अन्स्ची

प्लाट नं० 4, क्षेत्र 480 वर्ग फुट।

शं हर बनर्जी, सक्षम प्राधि ारी सहायक शायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज 3, वसकता

तारीख: 7-11-1985

मोहर 🖫

'प्रारूप आर्द्घ.टी.एन.एसं.-----

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज 3, उलाउता कलकृता, जिनांक 7 नवस्वर 1985

निर्देश सं० 1963/ एक्यु० रेंज-III/85-86--श्रतः मुझे, शंकर बनर्गी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 253 एक है। या जो ए न० एस० सि० बोत रोड, सफ इसा में स्थित है (जो इस से उन्ने बज अनून्वी में औं इपूर्ण रूप से विकास के हैं। एक सिव कि से औं इप्लिस्ट के सिव कि से कि सिव के स

कों प्चांबत सम्परित के उजित बाजार मृन्य स कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वाकत संपरित का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरिक (अंतरिकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निमालिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त- तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ध-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक औ बायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा को लिए; बाँद/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बस्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुरिवधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण ने, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— ा. रहाद (धरहर्स ।

(अन्तरक)

2. श्री दिलीप कान्तिकर गुप्ता ।

(ग्रन्∄रिती)

की यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त अम्पत्ति के अर्थन के निष् कार्यग्रियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई माध्येप १५--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इब स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भौतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास् लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मळीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विश् गया है अ

अनुसूची

प्लाट एग्रीमेंट पर निबन्ध हुम्रा है।

णं तर बनर्जी, सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर श्रायुक्त (निरीक्षण) **ग्र**र्जन रें**ज** 3. कलक**म**ा

सारीख: 7-11-1985

प्ररूप भार्ते, दी, एत, एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-भ (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, वसारता

कसंत्रसा, दिनांक 7 नवम्बर 1985

.सं० 1969/ए सी० चत्रु० मार०-III/85-86--मतः मुक्को, शंहर बनर्धी,

णायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर जिसकी संग्या 38 है तथा जो छेउ गाईन्त राजकता दावधार पहमान रोड, .चा.सा में स्थित हैं (श्रोर इसने ज्याबद मनुसूबी में श्रीर पूर्ण का से बिण्या है), रिक्ट्रीएसी मिश्रिएरी के रायांक्य श्राई० ए० सी० तक्यु आए-III, एक उसा में, रिक्ट्रिएसण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन, तारीज 6-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य सं कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उद्धे अल्ला मानियत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क), मुख्यरण से हुइ किसी भाग की मानत समत आहि। नियम की सभीए कर योगे के अन्तरक की दायित्य में कभी करने या उसके समने में सुविधा के लिखे; विस्/या
- ्षि एसी किसी बाय या किसी धन अन्य आस्तियी को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था कियाने में सुविधा के सिए:

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, की, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) को बधीन विस्निजियित व्यक्तियों, वर्षात् का— की धरों : कुमार सूद और धन्य । (धन्दरङ्)

2. मैंसर्स ए० एण्ड ए० डेवलपमेंट प्रा० लि०। (भ्रन्यरिती)

को यह मृजना जारी कारके पृत्रोंबत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुने।

उक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कीई भी नाक्षेप 🚐

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध [किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थे। उच्छ अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा थे। उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्य

सम्पत्ति जी एग्रीमेंट पर मिबन्ध हुस। है।

शंकर बनजी; स्थाम प्राप्तिसारी सहायक बायकर भ्रायूक्त (निरीक्षण) बज़ेन रेज-३- ्रस्त स्सा

तारीख: 7-11-19**8**5

प्ररूप बार्ड . टी. एन. ए४.

1 श्री स्लाब बिल्डसं।

(प्रस्तरङ)

2 की एक_° पि॰ देव।

(मखिरवी)

भागकर विधित्तियभ , 1961 (1961 का 43) की पाप 269-च (1) के अधीन सुचना

सारत परकात

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, बलक्सा

कल हत्ता, रिनांक 7 नवस्वर 1985

सं० 1970/ए० सी० व्यु० मार-III/85-86-मातः मझे, मंऽर बनर्जी,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहन्ता (उकत अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपरित जिसका उचित बाजार मून्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संघन 253 ई० है तथा जो एन० एस० सि० बोत रोड, एन एसा में स्थित हैं (और इएसे उपाबद श्रनुसूत्री में श्रीर पूर्ण का से बॉफा हैं), रिस्ट्री तो श्रीध एरी के एर्यालन, श्राई० ए० सी०, एच्यू० श्रीरक्ष , कस इसा में, रिजिस्ट्री इस्ण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीतीन, सारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिकल से, एसे रूपमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित, पाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में पास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:—

- (क्र) जनारण से हुई किसी जाय की बावत उक्त अधि-निवम के अधीन कर दोने के जनारक के वायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा की निए, सौद/या
- (क) एसी किसी आय के किसी बन वा जप्य आस्तियों की, जिन्हों भारताय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्ध अन्तरिती द्वार प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा से जिए;

की यह स्वमा जारी करके प्रवेक्त सम्मरित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

रक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध् में कोई भी बाक्षेप् ह-

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपास में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया च्या है।

अनुत्रुची

पसाट मं० 8 1

शंतर बनर्जी, सक्षम प्राधि तरी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रोंज-3, 54 रफी ग्रह्मब किदवई रोड, फलकत्ता-16

सर्वाच : 7--11--1985

प्रकव बार्षः, टी. एन ु एस्.,=---

बायकर बीधीनयज्ञ, 1961 (1961 का 43) की 'भाग 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज हैदराबाद

हैवराबाद, दिनोह 15 नवम्बर, 1985

सं० शार०ए० सी० नं० 534/85-86:--श्रत मुझें, एम० अगत गोहन,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर नि की तंत्रा घर है जा च्हा वा गरहे हैररायाद स्थित है (भीर इससे उपायद अनुसुची में भीर पूर्ण रूप के भीणत है), रिजर्ट्रा की अधि री के कार्यात्य, हैदराबद में भारतीय रिजर्ट्री एण प्रधिनियम, 1908 (1908 कार्यात्र)के भाषीत, तरीख 3 मार्च, 1985

कौ पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य., उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का नंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित्त में बास्तिक कप से किथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसों आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बहैर/या
- (च) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः गय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण इसें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अवान, निक्तियांकत स्वाक्तरणे, अवात् श्रीनती क्रम गसे/डीया
पति घरूण कुमार घीर ग्रय्म
जीव पिवएव,श्री सन्धी लाल समी,
14-7-400, बेगन बाजार,
हैवराबाद।

(भ्रन्तरह)

2. श्री दामोदर दास लोहीना भीर भन्य 15-7-247, नेगम बाजार, हैरदरायात।

(भंतिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सपत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृदांक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन के भीटर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

अन्स्**जी**

चर नं ० 14-6-30, 41 श्रीर 44 चुड़ी बागार, हैदराबाद विस्तीर्ग 731, 99 ची० गत रिजस्ट्रीकृत विणिख नं 1771/85 रिजर्ट्री ति श्रीयतारी हैरदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधित री सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 15~11-1985

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

भायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातयः, सहायक बायकार आयक्त (निरीक्षण)

भजन रॉज, हैदराबाद ।

हैदराबाद, दिनांक 15 नवम्बर, 1985

निदेश सं० प्रार० ए० सी० ० 533/85-86:—-श्रत मुझे, एस० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पड़चात 'जकत अधिनियम' कहा गया हो), को धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या मत्यी है जो जीमायसनगर हैदराबाद स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड अनुवनी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणय है), रिज्य्ट्री ति ग्रीधारी के नार्यालय चिका इपत्ली में भारतीय रिक्ट्री रण अधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के ग्राधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वेकित गर्म के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मूर्भ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रत प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिकी (अंतरिनियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी जाय का, बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर लिपिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. अथ. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनसरण में, मे, पक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीय निम्मलिखिय व्यक्तियों, अभूति :--- श्री एल० वें टेश्वर राव पिता एल० जगन मोहन राव, 1-1-775, गांधीनगर, हैदराबाद।

(म्रन्तरः)

2. मास्टर सैयद सोहेल हुशनि (माइनर)
पिता सैयदवारीत हुशेन और अथवा
वाई पिता,सैयद वारी हुशेन घर नं० 22-3-931, पुरानी हुवेली, हैवराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सावन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थम्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शन्थों और पदों का, जो उक्त आधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष हानेगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसुषी

दो मलगी ग्राउण्ड फ्लोग्रर, कीचेन एम० नं० 3-6-430/1, हीभायतनगा, हैदराबाद थितीर्ग 73.11 चौ० गज०, रिक्ट्रीकृत थिलेख नं० 276/85 रजिस्ट्रीकृत थिलेख नं० 276/85 रजिस्ट्रीकृत श्रिकारी प्रिकारी

एम० जगत मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रोंज, हैदराबाव

तारीख: 15-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर गायकत (निरीक्षक)

· श्रजेन रेंज, हैदराबाुद

हैवराबाव, विनांक 15 नवस्बर, 1985

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० नं० 535/85-86:--म्राः मुझे, एम० जगन मोहन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार म्रूप्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या इमारत है जो नारायण गुडा हैवराबाद में स्थित है (श्रीर इनसे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीध कारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, तारीख मार्च, 1985।

को प्रवेशित सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिका के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्योंकत सन्परित का उचित बाजार अल्य, अमके द्र्यमान प्रतिकान में, एसे द्रश्यमान प्रतिकान का उचित का प्रतिकान का उचित का प्रतिकान का उचित के द्रियमान प्रतिकान में, एसे द्रश्यमान प्रतिकान का उच्यह विभाग में मिणित है जार अंतरफ (अंतरका) और मंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के निए तम पामा गया प्रतिकास निम्नितिवित सद्देश्य से उच्य अंतरण लिखित में वास्तिवक कर है क्षित नहीं किया प्या है द्र-

- (क) कम्सरण सं हुइं किसी नाय का नावत, उक्छ अधिनियम के अधीन कार दोनें के जंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्तिका के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियाँ नहीं, जिस्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या बन-जन अधिनियम, 1957 (1947 का 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना घाहिए था, खिपामें में सरिभा के सिए;

बतः बब, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बन्सरक बो, मी, उक्त विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) है वधीन, निस्निसिवित स्वितियों, वर्धांद :--- श्री यू० सत्यनारायण रेड्डी विता यू० दुर्गा रेड्डी,
 मीरयाल गुडा,
 मलगोंडा, जिला ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती करतार कौर पित एत० नन्द तिह श्रीर धन्य 3-5-77, राजमोहल्ला, काची गुडा, हैदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्ट सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यमहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध और में ममाप्त होती हों. के जीतर पूर्वीकड़ व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिविव में किए जा सकेंगी।

स्पाद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का, को उनस् क्षितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा को उस कथाय में दिवा स्था हैं।

यनुसूची

चर एम० नं० 3-5-115, नारायगगुडा, हैदराबाद, बिस्तोन 1200 ची० गज, रजिङ्कीकृत विलेख नं० 1783/ 85, रजिस्कीकर्सा प्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगत मोहन, सप्तम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 15-11-1985

प्रक्रम आहोत् दी, एन एस 🕝 - -

नायकर निधीन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के नधीन स्वना

भारत बरकाड

कार्यालय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, हैदराबाद

हैवराबद, दिनाँक 15 नवम्बर, 1985

मिदेश सं० भार० ए० सी० 536/85-86--अतः, मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित आधार मृत्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

श्रीर जिसकी संख्या शैंड है, जो हैवरगुड़ा, हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रयोग प्रितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके एप्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप क्य से किथत नहीं किया पदा है है—

- (क्ंश्रुं अन्तरण सं ह्राइं िकसी आय की बाबत उक्त जीभिनियम् के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविभा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य जास्तिकों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपान में सुविधा के सिए;

बतः वयः, उक्त विधिनयम की धारा 269-ग के वन्तरण में, में, उक्त विधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों,, अर्थात् :--17----376GI/85 श्रीमती ज्योति
पित श्री पुरूपोतम बहीरवातो,
115, ऋसेन्ट पाली हील रोड,
खार, बम्बई।

(भन्तरक)

 श्री भगवान दास एच० बजाज पिता हरीराम दयाल,
 201, मेरीडियन, श्रपार्टमेंट्स,
 वजीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित्ति के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण :---इसमो प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मो दिया गया है।

श्रन् सूची

खुली जमीन प्लाट नं० 4 प्रेमीसेस नं० 3-5-874, विस्तीर्ण 410 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1448/85, रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी हैदराबाद।

एम० जगन मोहन, मक्षम मधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-11-1985

प्रकल् बाह्र . ही. एव. एवं. ******

नावकार विधिनिवस, 1961 (1961 का 43) की वारा 26% ं 1) से समीच ब्याना

भारत सरकार

कार्यासक, तहावक वायकर बागुरह (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 15 नवम्बर, 1985 निदेश सं० श्रार० ए० सी० श्राई० ए० सी०→37ईई/ श्राविय/271/85-86:—-श्रतः मुझे, एस० जगन मोहन,

बायकर बरिभिनयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राभित री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर त, जिसका स्वित वाबार मूल्य 1,00,000/- रुसे । धक हैं

भीर जिसकी संख्या श्रपार्टमेंट्स है, जो लैण्ड मार्क, बिल्डर्स, खैरताबाद में स्थित है (भीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिनस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्राई० ए० सी० एक्वि हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर 1984।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल को लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके कश्यमान प्रतिफल से, एसे जान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकत से अधिक ही और अंतर (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अंत कि लिए तय पावा गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकिश्व में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आग की बाबत, उक्त बीधीनवस के नधीन कर े से बस्तरक के स्वीयस्थ में कमी करवे वा अधः एवं में स्वीयका के लिए; सीट्र/वा
- (च) एसी किसी नाथ या किसी भन या क्रत्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1757 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट ही किया नया भा वा किया जावा चाहिये । क्रियाने में संजिया की सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की अधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों र्थासः मैसर्स लैण्ड मार्क बिल्डर्स, 6-2-930, खैरताबाद, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 डा० इम्सीयाज हाजी, बन्दा श्रव्याम, श्राइयेएम श्रायलैण्ड, बाक्स शाहाद, दरमंगाहा, सूझा ईरान।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट करता के अर्थन के लिए कार्यवाकि एक करता हूं।

उक्त संपर्क के वर्जन के संबंध मा काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष बिस्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्-बत्रभ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासे जिसा में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित ह[#], वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं।

भनुसूची

श्रपार्टमेंट्स नं० 202 घर नं० 6-3-986 से 996 खेरताबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 1400 चौ० फुट, रिजस्ट्री-कृत विलेख नं० 991/84, रिजस्ट्रीकक्ता श्रधिकारी श्राई० ए० सी०/श्रक्षिव रेंज, हैदराबाद।

एम० जगन मोहन, सक्षम अधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नरीख: 28**-**10**-198**5

प्रारत्य बाहु . टी. एव. एस.------

ब्रायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सङ्गयक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 15 नवम्बर, 1985 निदेशसं आर० ए० सी०/ग्राई० ए० सी०/ग्रक्वि/37 ईई/ 269/85-86--श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकार जींभनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके क्ष्म्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी संख्या फ्लैट है जो चोताँग ट्रेडसेंटर, पार्कलेन सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय ग्राई० ए० सी० /ग्रक्वि हैदराबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख दिसम्बर, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया शया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किस्ति में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वाबत, उत्तर वीधीवंदन के जधीन कर दोने की अन्तरक को दावित्य में कभी करने या उत्तस्ते दचने में सुविधा के जिए; जौर/वा
- (क) एसी किसी बाम या किसी धन या बन्म बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हा खिल्यका, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वो सिए।

बतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण कों, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीथ, निस्तिविक चिक्तवीं, अधीय के 1 मैसर्स नटराज कन्स्ट्रक्शन को० 116, पार्क लेन, सिकन्दराबाद।

(प्रन्तरक)

 श्रीमती सामती जयलक्ष्मी (श्रलोयासः श्रमृता)
 4-2-309, सुलतानबाजार, हैदराबाद।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करंके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति भी वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीय है 45 दिन की समिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिंदबंबूध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधेहस्ताकरी के यां जिस्सा में किए जा सकता।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उन्ह अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है, वहीं अर्थ होगा जी उस अध्याय में विवेश यवा है।

अनुसूची

पलैट नं० 702, चेनाय ट्रेडसेंटर 116 पार्कलेन, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 852 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृंत विलेख नं० 989/84, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी श्राई० ए० सी०/ ग्रिक्व, रेंज, हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, सक्षम मधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) अर्जन रेंज,हैदराबाद

तारीख: 28-10-1985

इच्य बाइ', दी, इय, इय, -----

बाण्कर बृधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) को सभीन सुकता

नारव वरकाव कार्याक्षव, बद्दावक वारकार वायुक्त (निरक्षिक)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 28 अक्तूबर, 1985

सं भार ए० सी । श्राई० ए० सी । श्रिक्व / 37ईई/

210,85-86:—ग्रंत मुझे, एम० जग मोहन,
नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पर्णात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संख्या प्लैट हैं जो खमीनी अपार्टमेंटम, अबिटस
स्थित हैं (और इससे उपाबस अनुसूची में और पूर्ण रूप से
बणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आई० ए०
सी० अक्ति हैवराबाद से भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर 1985
को पूर्वोक्त सम्बन्ति के जिसत बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान
अधिकास के निए अन्तरित की गई हैं कि मुझे वह विश्वास
करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मृष्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल के

पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और

बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के किए। छव

नाया गया प्रतिकास, निम्निसियत अधुद्देश्य सं उपल अस्यरण सि_चित्र में नास्तिक रूप संक्ष्मित वहीं किया नवा है ३—

- (क) बन्तरुण ते हुई किसी बाय की बाबक, बाबक वीधनियब के बंधीन कर दोने के बन्तरक के शाबित्व में कनी करने वा उत्तते वचने वा बृधिधा के कियु; जीड़/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर क्षिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नवा या वा किया याना का, जिनाने में स्विधा से विदः

अतः अव , उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :— मैसर्स प्रकाश बिल्डर्स,
 5-8-811, श्रविटस,
 हैवराबाद।

(प्रन्तरक)

 श्री विजय कुमार बोकबाल, सिनेमारोड, श्रदिलाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जि कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच चे 45 दिन की अविधि या तत्सकंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्पध्योकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा क्या है।

नगसची

पलैंट नं 105, रूकमणी अबिटस, ओविटसहैदराबाद विस्तीर्ण, 1065 चौ० फुट रिजस्ट्रीकृत विलेख नं 990/84 रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी आई० ए० सी०, अक्टिय रेंज, हैदराबाद

> एम० जगनमोहन सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 28-10-1985

प्रकप नाइ . ट्री . एन . एस ु-------

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुचना

भारत तरकार

कार्याक्य, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जयपूर

जयपुर, दिनौंक 19 नवम्बर, 1985

सं० राज/सहा श्रा० श्रर्जन/2635:——श्रतः मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (िवसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति वाकार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या प्लाटनं 1,1 ए 2 है तथा जो माउण्ट भावू में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय, श्राबू रोड में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28 मार्च, 1985

को पूर्वेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्वेषित संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उपके दृद्यमान प्रतिफल से, एसे दृद्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा गया। प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलित में भास्तिविक रूप से कथित नहीं किया। गया है:---

- (क) जन्तरण ते हुद्दै किसी जाय की, वाधत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के संसरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए।

अर्जः अर्जः जन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की अपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री ज्योतिन्द्रा नटबरलाल मेहता, कल्याण सोमाइटी के पास ऐसिस ब्रिज, ग्रहमदाबाद।

(श्रन्तरक)

2 दम्मना बेन, दीपक भाई हुमैनिंग, उमन्द दीपक हुथेसिंग उर्वीब्रीपक, हुथेसिंग, माहीबाग, श्रहमदाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इससूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकर्षा।

स्पष्डीकरण: — इसमें प्रयुक्त शन्तों और पदों का, जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान स्थित म्युनिसिपल नबर 1, 1 ए व 2, स्थित गोरा छपरा, माउट श्राबू जो उप पंजियक, श्राबूरोष्ठ, द्वारा क्रम संख्या 273 दिनांक 28-3-85 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रोर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रम्बेन रेंज. ज**यप्**र

तारीख: 19-11-1985

् प्रकम बाइ'.टी.एव.एस. ------

भायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वधीन सूचना

भारत द्रकाड

कार्थालय, सहायक वायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

सं० राज/सहा ग्रा ग्रर्जन/2626:—-ग्रत मुझे, मोहन सिंह,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार जिमिनयम कहा गया है), की भारा 269-स को अभीन सक्षम प्राप्तिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० ए-17 है तथा जो जयपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची से श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख 23 श्रगस्त, 1985

को पूर्वोक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी भाव या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हाँ भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्मिरती ब्नास प्रकट नहुँ किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के किए।

बतः वर्ष उक्त विधिनियमं की धारा 269-म के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (१) के विभीतः निम्नतिवित व्यक्तियों, संबंदि :--- माथा वी० ए० पंजाबी,
 निवासी 7 ज 3 जबाहर नगर,
 जयपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती शकुन्तला सोंधलिया, श्रीमती मन्जु सोंधलिया, श्रीमती सीमा सोंधलिया, श्रीमती श्ररूणा सोंधलिया, द्वारा कैलाण प्रणाद सोंधलिया, [15बी पोदार रोड, बम्बई।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के मूर्जन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हैं 45 दिन की जनिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिथ बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यान्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उन्क स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकोंग।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

प्लाट नं० ए-17, माकेत कालोनी, जयपुर जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा क्रय संख्या 269 ए बी 2 दिनाँक 23-3-85 पर पंजिबद्ध विक्रय श्रनुबन्ध से विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, जयपुर

तारीख: 8-11-1985

मोहरः

प्रकृष: बाह्री, टी. एत्. एस. ------

नायभर निर्धातवश्, 1961 (1987 का 43) की भार 269-थ (1) के नधीन स्वना

भारत सरुकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनाँक 8 नवम्बर, 1985

सं० राज/सहा ग्रा भ्रर्जन/2627:—-श्रत मुझे, मोहन सिंह.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ध्वावें इसके परवात् 'उक्त निर्धारमम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह किरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उभिन्न क्षाचार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या मकान है तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्री करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 18-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से एसे द्वयमान प्रतिफल का पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिसित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, जनत अधिनियम की धारा 269-थ को, अनुसरण को, मी, उन्द अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीर, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात :--- श्री शम्भू दासपुत्र श्री धवल दाम चारण निवासी वाटर वक्से विभाग शास्त्री नगर, जोधपुर।

(भ्रन्तरक)

 हरीनारायण पुत्र श्री राम मुख एच० बी० ग्राई० पावटा णाखा, ओधपुर।

(ग्रन्तरिती)

ंकी कह सुचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाजियां करता हो।

सकत सम्पत्ति के प्रचीन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृक्षारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा सवा है।

ग्रनुसूची

मकान स्थित कमला नेहरूँ नगर, जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रंय संख्या 795 दिनौंक 18-3-85 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में ग्रोर विस्तृत रूप से विरणित है।

मोहन निह, सक्षमप्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ------

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर वायक्त (निरीक्षण) श्रानेन रोंज, ज्यपुर

जयपुर, दिनं.क 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० राज/सहा श्रर्जन/2628—अतः मुझे, मोहन सिंह,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत सिभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या महान है तथा जो जयपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीहर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 हा 16) के श्रिधीन, तारीख 28 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है हिन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आथ की बाबता, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के सन्तरक को दायित्व में कभी करने या जससे बचने में सृविधा के तिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विभा जाना बाहिए था, व्यापने में मृतिभा के सिक्;

बत: अब, उन्त निभिनिधम की धारा 269-म ने अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री वीरेन्द्र कुमार हाडा पुत श्री सहकरण निमामी ग्राम पांचीलिया मारवाड़ जिला पाली।

(भन्तरक)

वीरेन्द्र कुमार चावला एवं
 श्री देसराण चावला
 निवासी जनता कालोनी जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मृत्ति से अर्थन के निष् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विम की जनभि या तत्सेंबंधी स्थानतयों पर सूचना की तामील से 30 विन की जनभि, जो भी जनभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकरें।

स्यक्षीकरण:—इसमें प्रयुक्त सन्यों और पवों का, जो उत्तर विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया वता है।

अनुसूची

मकान स्थित सवाई पाव जी की बगीची जनता कालोनी जयपुर जो उप पंजिथक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 821 दिनां क 28-3-1955 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्न में ग्रीर विस्तुत रूप से विवरणित हैं।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज, जयपुर

नारीख- 8-11-1985 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं०राज/सहा श्रर्जन/2629 — श्रत मुझे, मोहन सिंह,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचात् 'जकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 8 ए है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्री+र्ता श्रधिकारी के नार्यालय जोधपुर मे, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 26 मार्च, 1985

का पूर्वाक्त सम्पांत के उत्तित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकाल के लिए अंतरित का गई हैं और मुम्ने यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकाल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निल चित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

> (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त - 'भिन्यिम के अभीन कर बीने के अंतरक के दायित्व - ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

एंसी किसी आय या किसी क्षेत्र या क्षेत्र विशिक्त को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भवकर अधिनियम, का भवकर अधिनियम, का भवकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्क अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा स किस जाना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा के निष्:

जतः अब उत्रत अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 18—376G1/85

श्रीमती गेद नुमारी विधाया विधवा श्री शिशोर मल खीवसरा निवासी 11 पाल रोड, सरदार पुण, जोधपुर

(भन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भे अविध के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका। व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहंस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अमृसुची

प्लाट नं० 8/ए, स्थित सैक्टर ई०, शास्त्री नगर, जोधपूर जो उप पंजियक, जोधपुर हारा कम संख्या 1014 विनांक 26-3-1985 पर पंजबद्ध विकय पत्न में श्रीर विस्तृत कः से टिवरणित् हैं।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) मुर्जन रेंज, जयपुर

[°]दनांक : **8**-11-19**8**5

प्ररूप आइ.टी.एन.एस------

बाभकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन स्वना

भारत तरकार

क्षार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, जयपुर जयपुर, दिनांक 8 नवम्बर 1985

सं॰ राज/साह॰ **ग्रा ग्र**र्जन/2630:~-**ग्रतः** मुझे, मोहन सिंह,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 314/4/ए है तथा जो स्थित है (ग्रौर इससे अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जोघपुर में रजिल्द्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 20-3-1985 को प्रोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार भूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल लिए अन्तिरत गद्द हु कौ मभ्रे यह **बिश्वा**स करन का कि यथा पूर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे कथमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है बरि अंतरक (अंतरकों) भीर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गास्तिमक इस्प से किथित नही किया गया हुँ:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्म आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियान में स्विधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, कै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्निसित व्यक्तियों, अधीत् :---- 1 कल्पना बाडिया परनी श्री कैलाश चन्द्र बंडिया बी०-123, शास्त्री नगर, जोधपुर

(भ्रन्तरक)

2 श्री केसरिया इनवेस्टमेंट, 17 मुथाई मुदलई स्ट्रीट, मद्रास

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके वृत्रीक्स सम्प्रक्त के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उत्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यम्यीक्षरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

वन्स्ची

ण्लाट नं० 314/4/ए स्थित मसूरिया जोधपुर जो उप पंजियक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 920 दिनाक 20 मार्च, 1985 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में ग्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, जोधपुर

तारीख: 8-11-1985

प्रक्ष्य बाह् . टी. एन. एस. = - •

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कार्र भारा 269-च (1,) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, शहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 8 नवम्बर 1985

स० राज सहा म्रा म्रर्जन/2631:---म्रहः मुझे, मोहन सिह

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

प्रौर जिनकी सख्या प्लाट नं० बी-106 है तथा जो जोधपुर में स्थित है (ग्रौर इनसे उपावत प्रनूसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से विशित है), राजस्ट्री क्ला प्राधकारी के कार्यालय जोधमुर में, राजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रीन, ताधोख 13 मार्च, 1985।

को प्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करां का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके ध्रियमान प्रतिफल से एसे ध्रियमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में गासाविक रूप से काथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की वाबतः, उक्त अधिनियम के अधीय कर वोनं के बन्तरक के वासित्य में कमी करने या उससं वचने में सुविधा के सिएं। बौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृविधा के लिए;

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , मैं , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :---

श्रीमती राधा रानी पत्नी श्री हरमेश चन्द कपूर मेन्द्रल स्कूल, जोधपुर

(मन्तरक)

2 श्री गोविन्द लाल सोनी पुत्र श्री भौवर लाल सोनी बी-106, शास्त्री नगर, जोधपुर

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता है।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकामन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वेक्तिया में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ निमित में किए जा मक्त ।

स्पर्धाकरण — इपमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो प्रवस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिर ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिय गदा है।

प्लाट नं० बी-106, शास्त्री नगर, जोधपुर जो उप पंजिय र, जोधपुर द्वारा ऋम संख्या 801 दिनांक 13-3-55 पर पंजिबद्ध विऋय पन्न में श्रीर विस्तृत रूप से विवर्णित है।

> मोहन सिंह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेग, जयपुर

तारीख: 8-11-1985

मोहर.

प्रारूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज जयपुर

🦈 ज्ञापुर दिनांक 11 नवम्बर, 1985

सं० राजि० सहा० मा० मर्जन/2632:----म्रतः मुझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'जिक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

निर्देश श्रीर जितकी संख्या जमीन है तथा जी चितौगड़गढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसृची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीयत्ती श्रीधवारी के कार्याक्य चित्तौड़गढ़ में, रिजस्ट्रीयरण श्रीधनियम 1908 (1908 रा. 16) के स्थीन, तारीख 2~3—1985।

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत्तं से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्सियों से जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरणं को , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-क की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

 श्री नाथुलाल पुत्र जीतमल,
 श्रीमती श्रनोपबाई पत्नी नाथू लाल सर्वश्री सत्यनारायण, हरीशंकर,
 भगवान लाल व राधेण्याम पुत्रान नाथुलाल निवासी सखारी पाठी, चित्तौड़गढ़।

(अन्तरङ)

शिशिव नारायण पुत्र बंशी काल, श्रीमती शकुन्ता पत्नी शिवनारायण श्रीमती मुक्ती देवी पत्नी जुगलिङ्गोर, श्री मांगी लाख पुत्र रामगोपाल, श्री आन्ती लाल पुत्र सुरंगलाल, श्रीमती होन्ता देवी पत्नी श्रीस्व कुमार व श्रीमती कौंगल्या देवी पत्नी श्री मेघराज, बिङ्ला चित्तांडगढ़।

(भ्रन्तं रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यदोकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो जक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मौज चित्तीइगड़ में स्थित घाराजी नं. 1771, 1777, 1778 की 1.54 हैस्टेयर जमीन जो उप पंजियल, चित्तौड़गढ़ द्वारा कम संख्या 214 दिनां है 2~3~85 पर पंजिबक्क विकय पत्न में विस्तौत रूप में विवरणित है।

मोहन सिह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक **ग्राय**कर **ग्रायुक्त (निरीक्षण)** ऋर्जन रेज, जयपुर

दिनांत: 11--11--1985

मांहर :

प्ररूप बाइरै. टी. एन. एक.-----

नायकः र निभिनियमः, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर जायुक्त (निर्माणक)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनां ह 8 नवम्बर, 1985

मं० राज/सहर० श्रा०श्वर्जन/2633:—श्रदः मूझे, मोहन सिंह,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्ते इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या महान नं० 36 है तथा जो उदयपूर में स्थित हैं (श्रांर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रीहर्मा श्रिधवारी के ार्यास्य, उदयपुर में, रिजस्ट्रीहरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 हो 16) के श्रिधीन, तारीख 29 मार्च, 1985।

को पूर्वोषत संपरित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया प्रतिफल निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं पाया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों करें, जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या जिल्या जाना भाहिए था, खिपाने में स्विका के सिक्ष;

कतः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मों, मों, उल्ला अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— श्री गौरी णंकर
 पुत्र श्री रामस्वरूप जी,
 21 सी फतेहपूरा, उदयपुर।

(अन्तरक)

श्रीमती नन्दा बाई
 श्री भरमल जी जींगी,
 बाजार, उदयपुर,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां इ-रू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह

- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, वो भी जविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन को शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाय, अधोहस्ताक्षरी के पात निकास में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

जन्सूची :

मकान नं 36 बी, श्रम्बावगढ़ स्कीम, उदयपुर जो उप पंजियक, उदयपुर द्वारा क्रम संख्या 993 दिनांक 29-3-85 पर पंजिबद्व विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त, निरीक्षण स्रर्जन रेंज, जयपूर

मार्गे**ज**: 8-11-1985

मोहर 🖫

अक्ष मार्च, टी, एव, एस,------

जायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के मधीन सूचन

साहत प्रकृत

कार्यास्य, सहायक नाएकर नायुक्त (निरक्षिक्) अर्जन रेज, जयपुर

जयपूर, विनां : 11 नवम्बर 1985 सं० राज/सहा श्रा०श्वर्जन/ : 634: --श्राः मूझे, मोहन सिंह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पर्णात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या प्लाट लालकोटी स्कीम है तथा जो जयपुर में स्थित है

(म्रोर इससे उपाबद्ध म्रनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्तर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, जयपूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 18 मार्च, 1985

को पूर्वितत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिचित को वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (45) अन्तर्य से हुई किसी बाय की बाबत, उश्त अधि-रिनयम की अधीन कर दोने के अन्तर्क की धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अदि/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आसिसयी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना जाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

बतः, जब, उक्त जिथिनियमं की भारा 269-ज के कत्मरण कों, मैं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निस्निसित्त व्यक्तियों, अधीत् :— । श्रीफर्ता चॅक हुकारी पत्नी राजकुमार गेजेन्द्र पाल सिह, खात्तरियावास हाउस, गंगा पोलगेट, जयपूर।

(भ्रन्तरक)

मैसीम केडिया बिल्डर्स कारा डायरेक्टर डी पी केडिया 30 हाथी बाबू का बाग, जयपुर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जत के लिख् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के एकपन में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी न्विध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकरेंगें।

स्वक्टीक एक : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., को उसके विभिन्न को सभ्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होग्य को उस अध्याय में दिवा क्या है।

अन्स्ची

जयपूर लाल कोठी स्कीम, श्योति नगर में ज्याद नं । 127, 128, 243, 244, 245, व 216, जो उप पंजियक, जयपूर द्वाराक्रय संख्या 708 दिनां । 18--3-85 पर पंजिन बद्ध विक्रय पत्र में श्रोर विस्तृत रूप में विवरणित है।

मोहन सिंह, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायूक्त (निरीक्षण) स्रजन रोज, जयपुर

तारीख: 8-11-1985

प्रकल बाह्र . व्हा. एक . एक . साम्यानमञ्जान

आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) ली भारा 269-च (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

काशां लय, तक्कायक आमकर जाम्बत (निरीकाच)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 प्रक्तूबर 1985

सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या जे--13 /एसी० एक्य० श्रतः, मुझे, विनोद कुमार,

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिते इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-म के अधीन सक्षम गाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मलान नं 16 (पुराना नं 30) है जो जीए इलाहबाद में स्थित है (ग्रीर इस्से उपाबद्ध प्रनुस्ची में ग्रीट पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिकस्ट्रीटर्ना ग्राधितारी के तार्यांत्र इलाहाबाद में रिजरहीएरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के ग्राधीन, दिनांक 5-4-1974 ।

को प्रवेशित सम्पत्ति के उण्यत वाजार मृत्य से कम के स्वयमान बितिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि बचापुर्वेक्त सम्पत्ति का उण्यत बाजार ब्रुग. उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे ज्यानुम प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे बंतरण के सिए तय वाबा गया प्रतिफल, निम्निजिबत उज्वेश्य के उपन अंतरण सिवित में बास्तिक रूप से कमित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण में हुए किसी आय की बाबत, उपत अधिनियम के अधीन कह दीने के अन्तरक के बायित्य में असी करने या उपसे नभवें में सुविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी काय या किसी धन या नन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अभिनियम, या अव-कर अभिनियम, वा अव-वा-कर्ष किया गया था वा कि ए। काना चाहिए था, किपाने में मुनिधा के लिए;

अत: जब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग की जनुसरण में, में, उक्त जीभनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्नीकीचित अधीनत्वों, अधीय ह— 1. श्रीमती जनए एकोरी देवी

(ग्रन्तरक)

- 2. ा. श्री नगदीस प्रसाद
 - 2. श्री प्रदीप कुमार
 - 3. श्री दिलीप कुमार

तःरा पिता श्रौर संरक्षक

श्री भगवती प्रसाद

(भ्रन्तरितीः)

- 3. किरायेदार:---
 - 1. श्रीमती सावित्री देवी टण्डन
 - 2. श्री विश्वनाथ टण्डन
 - 3. श्री भान्ती राय
 - 4 श्री अञ्दूल मजीर
- 5. श्री अला मो० यासीन खान
 - श्री विष्यनाथ चोपड़ा
 - 7. श्री राजनाथ खन्ना
 - श्री मोला नाथ
 - 9. श्री मो० याक्ष

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति है)

को यह स्थान आरों करके पृश्वेक्स सम्पत्ति के अखन क लिय कार्यवाहियां करता हो।

जाक्त तपति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी व्यविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की शारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-प्रवृथ किसी जन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकीं।

स्वक्कीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अभिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया हैं।

नगत्रकी

तीन मंजिला मकान नं० 16 (पुराना नं० 30) स्थित चौक, इलाहाबाद ।

> विनो**ः** कुम।र मक्षम प्रोधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, **लखन**ऊ

दिनांक: 30-10-1985

बस्य बाहाँ, टी. एत. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिमांक 8 मवम्बर 1985

ं निदेश सं० जी.० आई० आर० 96/37-ईई०/ एक्षिय०-अत:, मुझे, विनोद कुमार,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का अधिक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मृत्य 1.00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० यू० जी० एफ०-5 ग्रीर 6, पालिका बाजार में है तथा जो नं० 6, कपूरथला कामिश्यल काम्पलेक्स, अली गंज, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जम क्षेत्र, लखनऊ में, आयकर अधिनियम, 1961 के अधीन, दिनांक 11-3-85 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब वाजा गवा प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण विवाद में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाब की बाबल, उक्त अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) होती किसी आय या रिजसी धन पा जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के सिहा;

सतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) से सधीत, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :— मेसर्स अवध कन्स्ट्रक्शन्स, लालबाग, लखनऊ।

(अन्तरक)

2. श्री मो० जान सिद्दीकी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन भी तिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेत् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तररीच से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ट स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 विन के भीसर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्पाक्षरी के पास सिवित में किये जा सकी।

स्पळीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्ती और पदौ का, जो उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हाँ।

श्रन् सूची

प्लैष्ठ नं० यू० जी० एफ०-5, पालिका बाजार में, नं० 6, क्यूरथला कार्मियल काम्प्लैक्स अलीगंज, लखनऊ, करारमामा जोकि अर्जम क्षेत्र ऋ० सं० 109, दिनांक 11-3-1985 को सक्षम प्राधिकारी, लखनऊ द्वारा पंजीकृत किया जा चुका है।

> विनोद कुमार सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप बाहें. टी. एम. एस. -----

बायकर मिपनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के बारीन स्वना

भारत तरकार

क्षार्यालय, महायक <mark>वायकर वायक्त (निरक्तिक)</mark>

अर्जम रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाक 14 नवम्बर 1985

निदेश सै० जी० आई० आर० बी-135/एमिव०---अतः मुझे, विनोद कुमार,

शासकर श्रीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसने इसके परवास् 'छक्त श्रीभिनवम' कहा च्यां हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण हो कि स्थावर सस्यस्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से विभिक्त हैं

श्रीर जिसकी में० आराजी है तथा जो 179, सिविल लाईन, बरेली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में बर्णिन, है) रिजिट्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीक मार्च, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान गर्इ है लिए अन्तिरत की और प्रतिफल मभ्हे यह विश्वास करने कारण कि यथा प्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके व्यवज्ञान प्रतिकास से, ऐसे दरयमान प्रतिकास के यन्द्रह प्रतिकात से अधिक 🧲 अरि जंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (जंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिकल, निम्नलियित उबदोक्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं कियागया है:----

- (क) जन्तरण ते हुई हैं हैंक्सी बाद की बावसे, उक्त जीवीनश्रम के जबीन कार बोने के जीतरक की उपित्तर के काफी कारने गर उससे क्या में स्वीवधा के लिए, गौर पा
- (द) एरेती किसी नाय या किसी धन या नन्य नास्थियों को, विश्वह भारतीय नायकर जिपिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधीनयम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रशोजनार्थ संत्रीरिती दशारा प्रकार अर्जी किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में मुविधा वी विद्या

अतः अवः, उच्या अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण में, में, उच्या अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिक्ता अधिकार्यों, अर्थातः :—— 19—376GI/85

- (1) श्री गोपाल प्रसाव, (2) श्रीमती सत्यवती
 प्रसाद, (3) श्रीमती गीता चंटर्जी, (4) श्रीमती
 जाश्रती चंटर्जी (5) कु० भामनी प्रमाद
 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती बजेश जायसावल।

'अन्न रिसी

3 विक्रेया

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

संबंध सम्बन्धि में मर्बान के सम्बन्ध में काई भी आर्क्ष 🤊 🗝

- (क) इस त्यान के राज्यक में प्रकायन की तारीच से 45 दिन की कविंध या तत्सक्वन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तायीज से 30 दिन की कविंध, जो भी विविध नोद में बनाप्य होती हो, के भीतर प्योक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (ब) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिएवड्डड् किली क्या स्मक्ति इवारा अभोइस्ताक्षरी के वाड़ सिवित में किए का सकेंगे।

स्वाधीकरण:----इसमें प्रयुक्त बच्चों और वधीं का, वा उच्चे विभिनियम, के वश्याय 20-क में परिभावित् हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

सनुत्_{री}

आराजी पैमाईसी 302.2 वर्ग गज स्थित 179, हिसिवल लाईन, बरेली (जैसा फार्म 37-जी० में वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 14--11--1985

प्रकृष बाह्^र .टी . एव् . एव . ----

बायकर विधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत गरेका

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तक)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 नवस्बर 1985

निवेश र्म० जी० आई० आर० मं० मी-48/एक्नि०--अत: मुझे, विनोद कुमार,

वासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् उकत अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर कम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक **ह**ै

स्रोर जिसकी सं० भूमि खसरा नं० 88 है तथा जो खुर्रम नगर, लखनऊ में स्थित है (स्रोर इसरे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीक्स्ती अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीक्षरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

का प्वार्थित सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के अध्यमांव प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गर्ड हैं और मूफ्ते यह विश्वास करने वा कारण हैं कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, असके अध्यमान प्रतिकाल से, एमे स्वयमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक के सिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निसिचत उद्वोध्य से उक्त जन्तरण निम्निचत में वास्त्रिक रूप से किया नहीं किया नवा है है

- (क) अन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के धायित्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/बा
- (मंभी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसता अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ध्योजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नगा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

 का अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, सक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन िरन्तिचित्र व्यक्तिकों, अर्थात् क्ष्म- 1. श्री गनेश दत्त पाण्डे

(अस्तर क्)

2 मैं० सी० आई० डी० क्षमंचारी सहकारी आवाम मिमिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिव

(अन्तरिती)

को सह सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यभाहियां करता हुं।

चन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध मां क्येड्रा भी बाक्षण 🧽 🛶

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकारत की तारीक्ष के 48 किन की अमुद्रित वा तरक्षणात्री क्रित्रकों कुर कुमान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विका काजिता में के किसी कावित द्वारा;
- (श) इस स्चना क राजपण मा प्रकाशन की गारीन से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखन मा किए जा सकेरा:

ख्यव्यक्तिरणः---इसमः श्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम क्षेत्रकथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, बढ़ी अर्थ होगा, जो उम अध्याय में विया गदा हैं।

भूमि खसरा नं० 88 पैमाईसी 3 बीघा स्थित खुर्म नगर लखनक (जैसा फार्म 37-जी सं० 15054 में धणित है)

> विनोद कुमार सक्षम अधिकारी सहःसक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, लक्कनऊ

तारीख: 8~11**-**1985

प्रचल कार्ये. की. एम. एस्.-----

नायक्तर निर्मानका, 1961 (1961 क्यू 43) की धारा 269-म (1) के अभीन क्यूना

भारत सर्वार

क्तार्कसयः, सङ्ग्यक जानकर शानुकत (निरीक्षण)

अजंन रेज, मखनऊ

लखनऊ, दिनाक 14 नवम्बर 1985

निद्या मं० जी० आई० आर० मं० गफ०-8 कि क्यि०---अत: मुझे, विनोद कुमार,

मानकर गिंधितिसन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार् 'उनत मिंधितसभ' कहा गना है), की धारा 269-स के अभीन सकत प्राधिकारी की, यह विकास करने का मारक ही कि ल्यावर सम्पत्ति, विश्वा उपित बानार मूलव 1,00,000/- क स मिंधक ही

श्रीर जिसको सं० आराजी सं० 132 है तथा जो खुर्रम नगर, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

ने मुनेनित तम्पत्ति ने उपित बाजार म्हम ने कम के करणमान मित्रक को बिए जन्तिरित की गई हैं और मूणे यह विश्वास मरने का नारण हैं कि यभापूनोबत बम्पति का शिवत काजर मून्य, बतक करणमान प्रतिकश से एसे कर्ममान प्रतिक्षल का पाइ प्रतिकृत से अधिक ही और अतरक (अंतरकों) और अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गया अतिकृत निज्निविस्त स्कृतिक से उनक अन्तरण निकित में अस्तिक निज्निविस्त स्कृतिक से उनक अन्तरण निकित में

- (क) अभ्यापण से हुन्दें फिक्की साथ की स्थास उपना सीध-निवल के अधीन कर दोने के अंशास्त्र के दावित्य के सती करने वा उसके क्याने में सुविधा के लिए; बीद/वा
- (क) इंकी किसी जाब वा किसी धन या सन्य आस्थितों की विन्हां भारतीय आवकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

भतः अत्र जनतं अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण में, में उपल अधिनियमं की धारा 269-चं की उपधारा (१) के अधीन, निम्नीणियन अपन्यारे, प्रधीत् ---- 1 श्री मो० असलम।

(अन्तर्क)

2 मैं किरोज गाँधी सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ लखनक द्वारा प्रेमीडेट श्री राम स्टिह। (अन्तरिती)

को बहु कुष्मका काका माध्यो कुर्नोक्य सम्मक्ति का अर्थन को फिए नगर्वनाहिको सकता हो।

उक्त तत्र्यक्ति के अर्जन के सत्यस्थ कें कोई भी जाक्षेष :---

- (क) इब स्वान के रावपन ने त्रकाशन की तापीक छै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों नर स्वान की तापीक से 30 दिन की वविध, को भी अविध बाब में समान्य होता हो, में भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति;
- (अ) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में द्वितनक्थ किसी अन्य स्थापत क्लारा अधंहस्ताक्षरी के यात तिस्ति में निक्छ जा सकोंगे।

स्बष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उधत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

आराजी नं० 132, ैमाईसी 21,000 वर्ग फिट स्थित बुरंम नगर, लंबनक (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अजन रेज, लखनङ

नारीख: 14-11-1985

वक्त जाती हो . एक . एक . ------

नावकर निधानियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन स्वना

नारत तरकार

प्डार्बासय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरोक्तक) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 14 नवम्बर 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० एफ०-9)ए**मिंथ०-**-श्रतः मुझे, विनोद कुमार,

बायकर विधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के विधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1.90.090/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संव खसरा नंव 133 है तथा जो खुर्रम नगर, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुषी में ग्रीर पूर्ण रूप न विणित है), रिजस्ट्रीयती ग्रीधकारी के वार्यालय, लखनऊ में रिजस्ट्रीयरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 था 16) के ग्रीधीन, तारीख मार्च, 1985

को प्वें क्रिंस सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित को वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई जिसी लाय की बाबत, उक्त लिपनियम के ल्थीन कार दोने के जन्तरक खे दायित्व में कमी कारने या उससे बचने में सुविशः के लिए; बाँट/बा
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी थन या नन्तः नासिसनी की, विन्हें भारतीय नाव-कड अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्;

कत् वर्ग, उक्त विभिनियम की भारा 269-म के बनुसरण कों, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-म को उपभारा (1) को वर्धान, निम्नसिधित महिन्तमों, त्रेणवि क्ष्रान्त

1. श्री ईशवरदीप

(भ्रन्तरङ)

1. श्री फिरोज गांधी सहकारी गृह निर्माण सिमिति लि० द्वारा प्रेसीडेंट श्री राम सिंह, लखनऊ। (अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के सिए कार्यमाहियां सूरू करता हूं।

बक्त सम्परित के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिध बाब में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति ब्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावन सम्पत्ति में कितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किया का सकेंगे।

स्थाकरणः -- इसमें प्रयुक्त शस्यों और पदों का, वा उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया समाहै।

नन्त्रची

प्लाट नं० खसरा नं० 133 श्रीर 134 पैमाईसी 11,000 वर्ग फिट स्थित खुर्रम नगर, लखनऊ (जैमा फा 37-जी० में वर्णिस है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, ल**ख**नऊ

तारीया: 14-11-1985

प्रकल कार्य . डॉ. एन . एवं . ५ - ,- ----

भावभार विधित्यम, 1961 (1961 को 43) की वास 269-म (1) में संभीत संस्थान

भारत सहकार

कार्यासय, सहायक मायकर आमृक्त (निरीक्षण) दार्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांवः 14 नवम्बर 1985

निर्देश सं०जी० स्राई० श्रार० सं० एफ०-10/एक्वि०--श्रतः मुझे, विनोद कुमार

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र श्रीधकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार 'मृस्य 1,00,000/-रः. से अधिक हैं

ग्नीर जिसकी सं० प्लाट नें० 129 है तथा जो खुर्रम नगर, लखनऊ ० स्थित हैं (श्रीर इसभे उपाबह अनुमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजिस्ट्रीटर्ता यिधकारी के कार्यालय, लखनऊ में रिजिस्ट्रीटरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुभी यह विश्वास करने का अप्रश् है कि यसम्पूर्णेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रविक्त अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रविक्त , निम्नीनिवित अद्योदय से उक्त अन्तरण विक्ति में बाल्सक रूप से अधिक तहीं किया ग्या विक्ति स्थानिक रूप से अधिक तहीं किया ग्या है दि—

- (क) कर/रण हे हुए कि ही जान की नारस, उक्त निगम के अभीत कर दोने के अन्तरक के श्रीयत्व में ककी धरने में उक्को क्लमें में स्वीपाल किए कींद्र/ना

अतः जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिसिस व्यक्तिमों, अर्थात् :---

1. श्री प्रब्दुल हुलीम।

(श्रन्तरः)

2. श्री फिरोज गांधी सह्यारी गृह निर्माण समिति लि०, लखनऊ द्वारा प्रमीडेंट श्री राम सिंह। (प्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ट संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता॥ हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वरकरी

प्लाट नं० 129, पैमाईसी 27,225 वर्ग फिट ऋषन खुर्रम नगर लखनऊ (जसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोज, ल**खनऊ**

नारीख: 14-11-1985

नोहर:

प्रकृप बार्च .टी .स्म .एस . ------

1. श्री मो० ग्रयूब

(अन्तरक)

(भन्तरिती)

नावकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-न (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, ल**ख**नऊ

लखनऊ, दिनादः 14 नवम्बर 1985

निदश सं० जी० धाई० आर० सं० एफ-11/एक्वि०---श्रनः मुझे, विनंद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-जा के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वत करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1.00.000/- का से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० भूमि खसरा नं० 130 है तथा जो
खुर्रम नगर, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इसने उपावद्ध
श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री इसी अधिकारी के वायिलय, लखनऊ में रिजस्ट्री वरण श्रिधिनियम,
1908 (1908 जा 16) के अभीन नारीख गार्च 1985
को पूर्वेक्सि संपत्त के उचित बाजार मूस्य से कम के दश्यमान
श्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल का पन्तह
प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया
प्रतिक्रम निम्नोसिवत उद्देश्य से उक्त संतरण निवित्त में बास्त-

विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) नन्तरण से बुद्दं किसी बाय की वावर, अवद बहिस्टिनयम के जभीन कर देने के सन्तरण के दावित्य में कमी करने वा उससे वचने में दुनिभा के सिद्द; ब्रॉट/वा
- (थ) एसी किती बांधे या किसी भन या बच्च ब्रास्तियों करे, चिन्हें भारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा धन-कर अधिनियम, बा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया बया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविभा के लिए;

करः क्या, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के बनुसरण हो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) हे बधीन, निम्निचित्रित व्यक्तियों, अर्थात :—— को बहु सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन को स्थि कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

मै॰ (फरोज गांधी सहगारी गृह निर्माण निर्मात

लिं , द्वारा प्रेसीडेंट श्री राम सिंह, लखनऊ।

उक्त सम्पत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :---

- (कः) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों औ क्षिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निविद्यत में किए जा सकींगे।

स्पष्कित्यः इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जा उक्त अधि-नियम के अध्याव 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसुची

भूमि खसरा नं 130 पैमाईस 20,000 वर्ग फिट्र स्थित खुर्रम नगर, लखनऊ (जैसा फार्म 37 जी में विण्यु-

> त्रिनोद कुमार मक्षम प्राधि हारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रॉज, ल**बन**क

तारी**य:** 14-11-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

भावकर सधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन मुचना

भारत सरकार

भार्वाचय, तहापक नाषकर बाब्क्स (पिरीक्षण) ध्राजैन रोंज, लखनक

लखन्ऊ, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० जी० ग्राई० ग्रार० सं० जी-85/एक्कि०---ग्रस: मझे, विनोद कृमार,

बायकर क्रिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 2'69-च के अधीन सक्षम्न प्राधिकारी को यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर समासि, जिसका उचित बाबार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम चन्दन, जिला लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजम्ड्रीयती प्रधिटारी के तामित्रम, लखनऊ में भारतीय रिजम्ड्रीय रण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को प्रवेदित सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य संकम के सस्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिन की गई है और मृजे वह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेदित संपत्ति का उचित्र गजार मृज्य, उसक स्वक्यान प्रतिकल में, एंगे स्यमान प्रतिकल के सम्बद्ध प्रतिकत से अधिक हैं और वंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरक के लिए तम पाया ग्या प्रविकत, निम्नितिचित स्व्योग से उनस अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक महीं किया प्या है है

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की दावस, समक अभिनियम के अभीन कर वेथे के अन्सरक धे यामित्य में कनी कदमें या उक्तमें दणने में मृदिका के सिक्; और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तिकों को , जिन्हें भारतीय आयकत अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धनकर अधिनियम , या धनकर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) ये प्रयोजनार्व जन्तिरिती क्वारा अकट नहीं किया गया या वा किया जाना वाहिए था , जिनाने में स्विधा के किए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-स को अरुप्रका यो, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन, निम्नसिनित व्यक्तियों अर्थातः :-- 1. श्री जिहारी

(धन्स४क)

2 श्री गंगेन्द्र। सह्या। प्राचाय समिति वि० लखनऊ द्वारा सचिव श्री गंगेन्द्र कुमार।

(भ्रन्तरिती)

विश्वेता

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिमां कथता हूं।

उक्द संपरि के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप .--

- (क) इस सूचका के राज्यक में प्रकाशन की तारीच ते 45 फिन की वर्जीय का तत्त्वंभी स्वक्तियाँ पर सूचना की तानीच से 30 दिन की जनिय, जो भी अविधि बाद में सवास्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मुख्या के राज्यम में प्रकासन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति में हितदहर किसी अन्य व्यक्ति कुमरा, अभोइस्ताक्षरी के पास किसिस में किए वा क्कींगे।

क्लब्बीकक्ल:---इसमें प्रयुक्त कन्नों और पर्वो का, को जक्त व्यभिनियम, के बन्नाय 20-क में परिशासिक है, वहीं अर्थ होगा को उस कन्याय में दिया नवाहै।

क्वाचार्यी

भूमि पैमाईसी 2 बीधा 10 विस्ता और 19 विस्तान्सी स्थित ग्राम चन्दन तह० भ्रौर जिला लखनऊ (जैसा फार्म 17 जी में भणित है)

> त्रिनीद कुमार नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राथकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्राप्ति रोज ल**खनऊ**

नारीखः. 8-11-1985 मोहर: प्रस्पु बाइं.टी.एन.एस. ------

भायकर अधिकियम, 1961 (1961 का 43) की भारा (169-ध (1) के अभीन अपना

नारत तरकार

कार्यक्च, तहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश मं० जी० स्राई० ग्रार० सं० जी०-86/एवि०--श्रतः मुझे, विनोद कुमार षायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- फ. से मिक हैं श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम चन्दन तह० व जिला लखनक में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन्सुची में ब्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ब्रधिकारी के वार्यालय, लखनक में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाबार मुख्य से कम से दश्यजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथावृर्वोक्त सम्परित का उचित शकार म्ह्य, उसके अध्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (बन्तरिसियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किश्वित में बारतियक क्य से कवित नहीं विका बचा है ह--

- (क) अन्तरण से हुई जिसी जाय को बाबत उक्त अधि-निश्म के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कनी करने वा उसके बचने में सुविधा के सिए अधि-या
- (च) वृंधी किसी बाब या किती धन या बन्य आस्तियों हो, चिन्हों भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिसी दुवारा प्रकट नहीं किया गया था किए। या किए। धाना चाहिए था, कियान में मृतिधा वे विद्

अत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अननरण में. में उक्त अधिनियम की धारा 260-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिवित अभिनतकों, अर्थान्त :-- 1. श्री रघुनाथ

(प्रनारक)

थ्री गजेन्द्रा सहकारी स्रावास समिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिव, श्री गजेन्द्र कुमार

(ग्रन्नरिति)

3. विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के वर्षन् वे सिय कार्ववाही करता हुं।

जनत सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्पिक्तयों पत्र सूचना की तानील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्पिक्तयों में से किसी स्पिक्त इवारा;
- (ब) इस मूचना के राज्यन में प्रकाबन को शारीच वें 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-तक्ष किसी करण व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी कें पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पाक्तीकारणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उन्हरं वीचित्रियम के सम्बाद 20-क में परिभाषित हा, यही अर्थ होता ची उस सभ्याय में दिया भवा हा।

धनसभी

भूमि पैमाइसी 2 बीघा 14 बिस्वा और 14 बिस्वान्सी स्थित ग्राम चन्दन परगना तह० ग्रीर जिला-लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वींणत है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रोंज, लखनऊ

तारीख: 8-11-1985 मोहर: प्रकृपं आह्". दी. एन. एस . -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ऋजैंन रेंज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं जी० ग्राई० ग्रार० गं० जी-87/एक्सि०---श्रतः मुझे, विनोद कुमार,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इच्च पश्चात् 'उक्छ प्रधिनियम' बहा गया हैं), की भारा 269- स के अपीप सक्षम प्रधिप्रपार्थ की, यह विश्वास वान का आर्ण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्स 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रौर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम चन्दन, तह०व जिला लखनऊ में प्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिंगत है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रधिशारों के ार्यालय, लखनऊ में रिजम्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 हो 16) के अधीत, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्ह से कम के दूरयजान प्रतिफल के लिए अम्सरित की गई है और मूझे यह जिल्लात कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मून्य, खसके दूरयजान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्क्ष प्रतिकात से किथक है बौर अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब गया मूच प्रतिकल, निय्नलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तर्ज मिन्ह में बास्त के बास्त क्ष्म से क्षिणत नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उपक अधित निवस के अभीन कर दोनें के अंतरक के दावित्व में कनी करने वा कश्च व्याने में विवस के बिहु; की करें
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा वन-कर अधिनियम, वा वन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

बत: बत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुबद्ध में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की जपभारा (1) के जधीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात् ६—— 20—376GI/85 ाश्री मृल्हे

(ग्रन्परक)

- 2. गजेन्द्रा सहनगरी आवास समिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिव, श्री गजेन्द्र कुमार (अस्तरिती)
- 3. विकेता

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह स्थाना बारी करवें प्रॉक्त सम्पत्ति से वर्षन के हिंतए कार्यमाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूमना के राजपत्र में त्रकाचन की तारींच से 4.5 दिन की अवृधि या तट्सम्बन्धी अभितामों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अधिक क्षा में बनाय होती हो, जे भीवर पूर्वीक्छ स्मिक्समों में से किसी स्मित बुवाख;
- (व) इस सूचना के रावधन के प्रकाशन की तारीक वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र-वद्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा जयोहस्ताश्वरी कें पात जिस्ति में किए वा तक वे।

स्वध्यक्रियम्;—दश्वने प्रवृत्यः शब्दों और पत्रों का, जो स्वस्त अधिनियम् के सभ्याय 20-क में परिभावित्य इति, यही वर्ष होगा को उस अभ्याय में विद्या नवा हैं.के

नगुनुषी

भूमि पैमाईसी 6 बीघा, 18 बिस्वा ग्रोर 13 बिस्वान्सी स्थित ग्राम चन्दन तह० व जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-11-·1985

वाबकार अधिनियम 1965 (1961 का 42) की याण 2**69-व (1) के अधी**न स्**व**ना

होंद्रल चंद्रकार

कार्यासय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षक) श्रर्जन रोंज, लखनऊ

लखनऊ, विनांदः 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० जी० म्राई० मार० जी०-88/एक्वि०---अत: मुझे, विनोद कुमार,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) शिक्रमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं। की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विद्याच करने शा कारण है कि स्थानर मध्यों ते, जिसका उकित ग्राप्यर मध्यों ते, जिसका उक्ति ग्राप्यर मध्यों ते, जिसका उक्ति ग्राप्यर मध्यों ते, जिसका उक्ति ग्राप्यर मध्ये विद्या ते अधिक हैं।

भौर जिसकी मं० भूमि है तथा जो ग्राम चन्दन तह० भौर जिला लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद प्रमुसुची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री हर्ता अधि हारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत गंपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक् कस, निम्मतिबित उच्चक्य से उच्चत कन्तरण निवित्त में वास्त-विक क्य से कृथिन गृहीं किया नवा है ---

- (फ) न तरक से हुई किसी बाय की वायत., उक्त मिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक की बाबित्यं में कमी कर्तने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बारि/या
- (क) एसी किसी जाम या किसी धन या जन्म आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उनस्रका माँ तम्त अधिनियम की धारा 260-ध को ३० मर. ११ फे अधीन, निक्तिवित स्पितवाँ, अर्थात क्

(1) श्री हर्नामान
 (2) श्री राधे लाल

(ग्रन्तिरती)

 मैं० गजेन्द्रा सह ारी ग्रावास समिति लिं० लखनऊ द्वारा सचित्र श्री गजेन्द्र कुमार।

(प्रन्तरिति)

3. विश्लेसा

(बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्जन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उपत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेष ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकोंचे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा मां उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

भूमि वैमाईसी 8 बीघा, 1 बिस्वा श्रीर 5 बिस्वान्सी हिस्यत ग्राम चन्द्रन तहरू श्रीर जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जीर में वर्णित है)

> विनोद कुनार मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन २ेज, लखनऊ

लारीख: 8--11--1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंड, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश में ० जी० श्राई० श्रार० मं० जी० + 89/एक्व० -- श्रक्तः मुझे, दिनंद कुमार

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उब्का अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्धास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी मं० भूमि है तथा जो शौज। खबरर पट्टी सतत-बंगा तह० श्रीर जिला नैती तल में स्थित है (श्रीर इतमें उपाबद्ध श्रामुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीब-कर्ता अधि । री के कार्यालय, अखनऊ में रिजिस्ट्रीकरण श्रीध-नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मार्च, 1985

की पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके रश्यमान प्रतिफल से, एमेंसे रश्यमान प्रतिफल को पन्नह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण शिक्ति में बास्तिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण शिक्ति में

- (क) बंधरण सं हुई किसी भाग की बाबत, क्रक्त बाधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक करे वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूर्यिका के सिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन ना अन्य वास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, देः धन-जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गक्ष नवा भा ना किया भाग आहिए ना, किया में स्वारा में किए;

नतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री श्रानन्दी लाल गोयन्का

(ग्रन्भरक्)

2. श्री गोपाल मेहरोला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारों करके पूर्वोक्त सम्पत्तिः के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

तकत सम्पत्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी बाबोप ह

- (क) इस सूचना कं राजपत्र में प्रकाशन का ताराब ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्याक्तवा ५६ सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिबित में किए जा सकेंगे।

पास्टीकरण:—इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गळ. है।

नन्स्पी

भूमि पैमाईसी 10 एकड़ जोकि मसामखेत टोक का हिस्सा है। जिस पर पेड़र-पौधे श्रौर संरचना है। (जैसा फार्या 37-जी० में विणित हैं)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायर श्राय^{ुर} श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, लखनऊ

मारीख: 15~11-1985

शोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निवेश मं० जी० म्राई० म्रार० सं० जी०-90/एक्वि०---भ्रतः सूक्षे विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परकात् 'उभत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्यास करन का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रतः से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० प्रमानि है तथा जो 124-सी, सिविल लाईन, बरेली में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), र्राजस्ट्री√र्ता श्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोंका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल को एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषात से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

बात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 डा० नामार नन्द्र खन्दूचा

(अन्तरः)

- (2) श्री गोपाल मोहन श्रेप्रवाल
- (3) श्री विजय मोहन श्रग्रवास

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसंमें प्रमुक्त शब्दों और पदा वा, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति पैमार्डसी 450 वर्गगज 124-मो का हिस्सा, स्थित मिविल लार्डन बरेली (जैसा फ़ार्म 37-जी० में वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिवगर सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख: 15-11-1985

मोहरः

प्ररूप आहारिटी. एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंट, लखनऊ

लखनक, दिनां - 15 नवम्बर 1985

निदेश सं जी० श्राई० ग्रार० सं० I-25/एक्त्रि०----श्रतः शुझे थिनोद्द कमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित नाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिल्लकी सुरु हिला महान सुय भूमि है तथा जो सुरुक्षाबाद में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद ग्रनुसूची में जीर पूर्ण रूप के विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिथितारी के उत्पादम, सुराक्षाव में रिज्स्ट्रीकरण ग्रिथिनियम, 1908 (1908 : 16) के ग्रिथीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाबार मूल्य से कम के **दश्यमान** प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि

मथाप्त्रोतित सरपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवास से अधिक है और अतरक (अंतरको) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिवित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त आंधिनिधम के अधीन कर दोने के जन्तरक कें दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्; जॉर/मा
- (च) एमी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिमी इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृक्षिधा के लिए;

जत: जब., उक्त अभिनियम की धारा 269-ण के अनुकरण जे, जें, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) वं अभीन. निस्नितिचित स्थितिचों, वर्षोंद क्ष—

- (1) श्री टेफ चन्द्र,
 - (2) श्री तारा चन्द्र,
 - (3) श्रीमती चन्द्रा एनी

(ग्रन्ट्र्

 श्री इस्लाम नबी. (2) श्रीमती श्रामिना खातून, (3) श्री इक्सम नबी, (4) श्री जहीर श्रालम (5) श्री जलेंद श्रनवर।

(म्रन्त्रिती)

3. विजेता

(बह व्यक्ति, िहाके श्रधिभोग में संस्थति है)

को यह सुचना कारी कारक पूर्णेक्स सम्परित के अर्जन के जिले कार्यवाहिया करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सबध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश स 15 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर रृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपन्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पाधीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्वा और पर्वो का वा सक्त विधिनिवस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया ववा है।

नन्स्यी

एक किता मकान मय भुमि पैमाईमी 350.66 वर्ग मी० स्थित मोहल्ला सराय हुसैनी बेगम मृगडाबाद (जैसा फ़ार्म 37-जी में वर्णित है)

> त्रिनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सखनऊ

नारी**ख:** 15-11-1985

ोहर :

त्रसम् नहाँ, जी, एन, एस,------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, तहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रजंन रेज, लखनऊ लखनऊ, दिनांक 14 नवस्वर 1985 निर्देश संग्रजी० श्राही० श्राह्म० संग्रज-161/एक्वि०----श्रतः **गर्स** विनोद कुमार,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिल्लकी सं० प्लाट नं० 4, है तथा जो 18 मदन मोहन मालवीय मार्ग, लखनक में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध प्रमूसची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), जिल्लेट्रीतर्ता अधि-ारी के ार्यालय लखनक में रिवस्ट्रीकरण द्यधिनयम, 1908 (1908 ला 16) के श्रधीन, तारीख पार्च, 1985

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की पर्ह है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से ऐसे स्थमान प्रतिफल का पद्ग प्रतिफल का पद्ग प्रतिफल से अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीक ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल किम्नलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/मा
- (क्ष) एसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः उन, उनस मधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण वी, भी, उपत मधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों, अवीत् 81 मेंसर्स अ(म्प्रपाली सहकारी गृंह निर्माण समिति लि० 554, ख/37, विशेखर नगर लखनऊ, हारा निच्च श्री औ० सी० श्रीवास्तव। (ग्रन्तरक)

2 श्री कें० पी० ग्रग्नवाल

(ग्रन्तरिती)

को बह त्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🦫

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्यों और पर्वों का; जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया के गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० 4 पैमाईसी 7000 वर्ग फ़िट स्थित 18, मदन मोहन मालवीय मार्ग, लखनऊ (जैसा फ़ार्म 37-जी० में वर्णीत है

> विनोद कुमार सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, लखनऊ

तारीख: 14-11-185

प्रकृप आई.टो.एन.एस.-----

आयकर आधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्यत रोंज, सखनऊ लखनऊ, दिनांक 15 नवस्वर 1985 निदेश सं० जी० श्वाई० श्चार० सं० एम०−230/एक्वि०− श्वतः मुझे, विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निस्नाप करने का कारण है कि स्थादर संपत्ति जिसका उचित जानार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं भीर जिसकी मं० रापिन हैं तथ जो 26, ग्टेशन रोड, लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपावद अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री ति अधितारी के नार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्री भण अधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1985

को पूर्णेक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर घेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिकित व्यक्तियों, अर्थात् ६1 श्रीमती मह्मूदा खातुनः।

(अन्तर ५)

2 थी मूल राज

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां फरता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मर्ख्योकरण:—हसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-हैं, यही अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित 26, स्टेशन रोड, लखनऊ (जैसा फ़ार्म 37-जी में बणित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहस्या आयक्र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज, लखनऊ

तारीख: 15--11-1985

मोहर 🛮

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 263-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 नवस्त्रर 1985

निदेश सं० जी० आई० आए० मं० एम०--231/एक्बि०--अतः मझे विनोद कुमाए,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अभित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिहरू

श्रीर जिल्ली मं० श्राराजी है तथा जो ग्राम देहरी मुतहकम जिला मुरादाबाद, है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुंभूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीशर्ण श्रधिनियम, कारी के सार्यालय, मुलदाबाद में सिंद्रम्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1903 (1908 से 16) के श्रधीन, तारीक्ष मार्च, 1985 को पूर्वोक्स सम्पन्ति की स्थान बातार माय से दाय के स्त्यमान प्रतिफल के कि. "करित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है " श्रीम्वोंक्स सम्परित का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान शितफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से विधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्स अन्तरण लिखत में वास्तिकरू रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की, बावत, उक्त अधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूनिभा के चिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भें, भं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपभारा (1) के अधील, नेम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थान् क् 1. श्री हेमराज

(श्रद्धार ह)

2. (1) श्री महेन्द्र बुमार, (2) श्री वश्मीर चन्द्र, (3) श्री किशोर चन्द्र, (4) श्रीमती सुधा रानी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर संपत्ति में हितधन्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का संकरिं।

स्पच्छीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है ब

अमुसूची

श्राराजी पैमाईसी 809.40 वर्ग मी० स्थित ग्राम देहरी मुस्तहकम जिला मुराखाबाद, (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्रधियारी सहायक प्रायक्त (निरोक्षण) प्रजीन रोज, लखनऊ

तारीख: 14-11-1985

मोहर 🛭

अक्य बार्ड. टी. एन. एट -----

बायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के नधीन सुचना

भारत शुःखार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (विरीकान)

श्रर्जन रेंज, ध्यानक

लखनऊ, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० जी० भ्राई० श्रार० सं० एम०--232/एक्वि०→ अन: मुझे, विनोद कुमार.

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अभीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर स्मित्ति, जिसका उचित वाचार वक्ष 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिमकी सं० श्राराजी भुमिधल खसरा नं० 781 मौजा शाहपुर तिगरी, जिला मुरादाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रमुक्ष्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के टार्यालय, भुरादाबाद में रिजिस्ट्री-करण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षत्रकान प्रतिफल के लिए बन्हरित की गई है जोर भूने वह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंकित संपत्ति को उचित बाजार ब्रुथ, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्ममान प्रतिफल का पंचा प्रतिस्त से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (बन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पावा बचा प्रतिस्त , निम्नतिविद उद्देश्य से उन्त बन्तरण निचित यो बास्तिविक रूप से किया नहीं किया नवा है है—

- (क) बन्तरम् सं हुई किसी भाव की बन्नस क्या क्या किसीनियम की अभीन कर वोजे के सम्बद्ध के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मी सुविधा में सिए; बार/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर वीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुनिधा के सिदः

 (1) श्री केहर सिंह, (2) श्री ग्रोम पाल सिंह,
 (3) श्री रनवीर सिंह (नाबा०) द्वारा माता श्रीमती मूर्ति।

(श्रन्तरक)

2. मैं० मयंक सहकारी श्रावास समिति किं०, मुरादाबाद द्वारा कोपाध्यक्ष, श्री खजान मिरों। (श्रन्तरिती)

को वह सुभवा बारी करके पूर्वोक्त कम्परित के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां एक करता हो।

उस्त कम्परित के वर्षन के कम्परभ में कोई भी वालेप :---

- (क) इत बूचना के राज्यन में प्रकासन की तारीय वं 45 विष की अवस्थिता तत्त्राज्यन्थी व्यक्तियों पर जूचना की तासीय वं 30 वित की नवभि, यो भी समुधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इब स्थान के स्थापन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद्ध जिल्ली अन्य स्थापन व्याप सभेहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्यीकरणः — इसमें प्रयूक्त सन्त्रों और पद्यों का, थी उक्त व्यथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा थी उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुसूची

त्राराजी भूमिधारी खसरा नं० 781 पैमाईसी 3.57 डिप्तमिल, स्थित मौजा शाहपुर, सिगरी, परगना श्रीर जिला मुरादाबद (जैसा फार्म 37-जी० में वर्णित है)।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

सारीख: 15-11-1985

माहर :

प्रस्य माद्दे ही, एम, एस्. ------

. बाथकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-च (1) के बभीन सूचना

भारत सुरुकार

शायालिय, महायक आयकर **बायक्त (जिरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश मं० जी० आई० आर०सं० एम०-233/एक्वि० अतः मुझे विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के धंधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि: स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1 (10), 200/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम ईस्माइल गंज, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर प्राप्यान क्षित्र हैं), रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीयरण अधिनियम, 1908 (1908 की

16) के अधीन, नारीख मार्च, 1985
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृत्य से कम के क्यमान
प्रतिकान के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास
करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अधित बाजार
मृल्य, उसके द्वयमान प्रतिफत्त से, एसे द्वयमान प्रतिफल का
निन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(अन्तरित्यों) के श्रीख एसे अंतरन के लिए तम वासा गढा प्रतिक
का निम्तिनिक्ति उद्योगि से अस्त अन्तरण निनित में वास्तिक

- (क) अन्तरण ये हुई किसी साथ को बाबत उक्त अधि-निधम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या जससे बचने में मुनिधा के निए; बॉर/या
- (स) एक्सी किसी अब बा िकसी पन मा जन्य आस्तियाँ नारे, जिन्हीं भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इंगरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सनिधा के सिए;

लतः ज्ञब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिक व्यक्तियों, अर्थात् ८—— 1. श्री धासी

(अन्तरक)

2. मं॰ मानसरोबर सहकारी आवास समिति लि॰ जि0 लखनऊ द्वारा सचिव श्रीध्यान सिंह

(अनरक)

3. विन्नेशा

(वह ड्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधीय.--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की जबिंध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की जबिंध, वो भी व्यविध संब में ममास्त होती हों, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हित्र बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अशहस्ताक्षरी के एक क्रिक्ट मा किस्ता मा किए है। स्थान

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयूजत शब्दों और पदों का, को उसके अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही लाई होता का उस अध्याय के विद्या स्या को

लग्मची

भूमि पैमाईनी 23141 वर्ग-फिट स्थित ग्राम इस्माईल गंज लखनऊ (जैसा फार्न 37-जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनेऊ

तारीखा: 8-11-1985

माहर:

प्रकार मार्च, टी: एम्. एस., "-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनक, दिनांक 8 नवस्वर 1985

निदेश सं० जी० अई० आर० मं० एम०--234/एक्बि०--अन: मुझे, बिनोद कुमाण,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्छित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भ्रौर जिसको सं० भूमि है तथा जो खरगपुर फरीदीनगर, लखनऊ में स्थित है (श्रौर इन्ने उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीनर्ता अधिकारी के कार्यालय, सखनऊ में रजिल्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधिन, दिनांक मार्च, 1985

की पूर्वोश्व सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाधार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गथा प्रतिफल, निम्निजिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहने किया गया है;—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिन्यक के अधीन कर येन ा अंतरक की दायित्व में कमी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी काय या किसी भन या अन्य कास्तियां कार, किहाँ कारताय आयक र जोक्नियम, 1922 (1922 का 11) या जरह क्रीयां वयम, या कार-कार लाधानया, 1957 (1957 का 27) के असामार्थ ने निर्मा काम प्रवास कार्या क

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की प्रपधारा (1) को अधीन, विस्तितिक व्यक्तियों, अधीत क्र--- 1 श्रीचन्द

(अन्तर्क)

2. मै॰ मानसरोबर सहकारी आवास समिति लि॰, लखनऊ द्वारा सचिव श्री ध्यान सिंह।

(अतरिती)

3. विके⊓ा

(वह उपकित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारो करके प्यांक्त सम्पत्ति के जर्बन के जिल्ला कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप अ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी ज्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की न्विध, को भी जविध बाद में दमाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्स व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति बुवाय;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 विन् के भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा, अधाहरनाक्षरों के पास निवित में किए या सुकीने।

भ्यद्भोकरण: ---द्समं प्रयुक्त शब्दों स्वीर पदों का, कां उपक अधिनियम, की सध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं सर्थ होगा थो उस सध्याय में दिया। नया है।

अनुसूची

भूमि पैमाईसी 31853 वर्ग फिट स्थित, ग्राम खरगपुर फरीबी नगर, जिला लखनक (जैसा फार्म 37-जी में वॉणत है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज, लखनऊ

तारीया: 8-11-1985

मोहर ः

प्रकृष् वार्ष ्टी. एक्. एवं , वर्गन्यकारकार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

भागांसय, सहायक नामकर भाग्वत (निरीक्षण)

प्रार्गन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, चिनाँक 8 नवम्बर 1985

निवेश सं० जी० श्राई० श्रार०सं० एम०-235/एक्वि०---श्रतः मुझे, विनोद कुमार,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वण्यात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उणित नावार मृत्य 1,00,000/- रु. से नधिक हैं प्राप्त जो ग्राम निजामुद्दीनपुर, जिला लखनऊ से स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च, 1985 को पूर्वेक्त संपत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के इश्यमान शतिफल के निए बंतरित की गई है और गुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वेक्त संपत्ति का जिलत नाजार मृत्य से कम के इश्यमान शतिफल के निए बंतरित की गई है और गुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वेक्त संपत्ति का जिलत नाजार गृत्व, उचके सममान प्रतिफल से, एसे इस्थमन प्रतिफल का रुक्त, उचके सममान प्रतिफल से, एसे इस्थमन प्रतिफल का रुक्त, उत्तरित सिक है और अन्तरक (जनारकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया

इतिफन, निम्नसिवित उद्देश्य से उस्त अन्तरण निवित में

बास्तांबक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) नन्तरण से हुई किशी काय की वासता, उक्त स्थितियम् से स्थीन कर वंते के सम्तरक के समित्य ने कनी करने या उक्क वचने में स्थिता के सिए; कार्यां वा
- (ण) एसी किसी काम या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में शुविधा के निए:

बतः वब, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के मधीन, निम्निविधित स्यक्तिमां, अर्थात :— 1. श्रीमती किश्वर जहाँ

(ग्रन्तरक)

2. मैं । मानवरोवर सहकारी भ्रावान समिति लि । लखनऊ द्वारा सचिव श्री ध्यान सिंह ।

(ग्रन्तिरती)

3. विकेता

(बहु व्यक्ति, जिनके ऋधिभाग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूबना जारी करके पूर्वों क्त सम्पृत्ति के अर्थन के निष् कार्यवाद्यिया गुरु करता हुं।

उन्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकासन की सारीय वें
 45 दिन की वर्षाय पा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामीस से 30 दिन की सदिध, को भी
 वर्षाय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में १ काशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए वा सकेंगे।

स्वाधिकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्वों का जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया व्या है।

अगुसूची

भूमि पैमाईसी 2,16,029 वर्ग फिट स्थित ग्राम निजा-मुद्दीन पुर जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी॰ में वर्णित है)

> विनोद कुमार मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-11-1985

प्रकप बार्च हो । ध्य प्राप्त प्राप्त

भागकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा, 269-न (1) के नधीन सूचना

MIGO PEGAL

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० **एम०-**236/**एक्व०-**श्रतः मुझे, विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वें इसर्वे प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00 000/- रहा से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो खरगपुर फरीब्रीनगर, लखनऊ में स्थित है (श्रांर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजाई मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और वंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया परिफल, निम्नलिचित उक्षेच्य से उच्य अन्तरण किवित में अस्ति वहीं किया प्रसा कि

- (क) अन्तरण मं हुन्दं किसी बाय की दावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने वा उससे वभने में सुविधा अंभिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्च वास्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर विभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनयम, या भन-कर विभिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपान है लोगका के लिए;

बरा: बन, उक्त निभित्तिवन, की भाग 269-व के नन्तरण में भी, उक्त अधिनियम की भारा 2**69-व की उपभाग** (1) वे अभीम, निम्मीलियन व्यक्तिकों, अवस्ति कर-- (1) श्री काशी
 (2) श्री हनुमान

(अस्तरक)

- 2. मैं मानसरोवर सहकारी घावास समिति लिं०, लखनऊ द्वारा सचिव श्री ध्यान सिंह। (श्रन्तरिती)
- 3. विकेसा

(वह व्यक्ति, जिनके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पक्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड भी आक्षेष :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीश ब 45 दिन की अवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन को अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध कियी कृत्य व्यक्ति वृत्य वृ

स्वव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त सन्यों बाँद पक्षों का, वा उच्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, कही वर्ष होना वो उस अध्याय में दिवा भवा ही।

पन्स्वी

भूमि पैमाईसी 58805 वर्ग फिट स्थित ग्राम खरापुर फरोदीनगर जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी० में विणित है)

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.,----

आधिकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँकः 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० जी० श्राई० श्रार० सं० एम-237/एक्बि०---श्रतः मुझे, विनेद कुमार,

द्यायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिनकी सं० भूमि है तथा जो खरगपुर फरीदी नगर, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओं यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बम्द्रह प्रतिचात से अधिक है और बंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिकल निम्हीलिसत उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी गांग की सक्षत, डाबत गिनियम ये अभीन कर दोने के अन्तरक ये दामित्य में कमी करने या उत्तरे क्याने में ्रिया के विष्; बार/या
- (स) एसी किसी अम या किसी भन या अन्य अस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) अरे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए जा, जिपाने में सुविभा के सिष्ट;

मतः अम उक्त अधिनियम को धारा 269-व को अनुसरण वं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, वर्षांत् ह--

(1) श्री मैंकू
 (2) श्री धिव नाथ

(भन्तरक)

2. मैं० मानगरीवर महहारी आवात समिति लि०, लखनऊ द्वारा समित श्री ध्यान सिंह (अस्तरिती)

3. विकेसा

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना बारी करके पूर्विक्त संपरित के अर्थन के लिए ज्यारिको हुसर करला हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध माद में समाप्त हाती हो, के भोतर पृशंकत स्यक्तियों में से कित्रों व्यक्ति ह्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबार संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नधाहस्ताकारी के पास तिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकारण:--इसमें अयुक्त सन्दों और पदों का, जो उपस्त अभिनियम, कि अध्याय 20-क में पारभाषित ह नहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिवा मना है।

अनुसूची

भूमि पैसाईसी 2,03,506 वर्ग फिट स्थित ग्राम खरागुर फरोदीनगर जिला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी० में वर्णित है)

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक आयाहर श्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-11-1985

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

आयफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

निदेश मं० जी० ग्राई० ग्रार० नं० एम-238/एक्वि०--ग्रतः मुझे, विनोद कुमार,

णगयक अधिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर संपीत जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रा. में अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि है तथा जो खरगपुर, फरीद नगर, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इपने उपायद्ध श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल गे, एसे द्रथमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बोच एसे अन्तरण के जिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नेलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आन्तिओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विध के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

- 1. (1) श्री छोटे लाल,
 - (2) श्री रघुनाथ,
 - (3) श्री उमराव।

(घन्तरक)

 माततरोवर सहकारी भावास समिति लि०, लखनऊ, द्वारा सचिव श्री ध्यान सिह।

(भ्रन्तरिती)

3. विकेता

(षह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्मत्ति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां करता हुं।

उक्त संपाल के अर्जन के संवध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी संयिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रावध व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्ब इब किसी अन्य व्यक्ति इ्यारा अथांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कथिनियम, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया है।

नन सची

भूमि पैमार्डिगो 29,198 वर्ग, फिट स्थित ग्राम खरगपुर, जिला लखनऊ (जैया फार्म 37-जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-11-1985

प्रकार बाहें. टी. एम. एवं. नगानन

भाषकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-म (1) वं स्पीन स्पना

भारत बडकार

कार्यालय, सहायय वायकर वायुक्त (विर्यालय)

भ्रजन क्षेत्र 57 राम तीर्थ माग लखनऊ

लखनक, दिनांक 8 नवम्बर 1985

तिर्वेण सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या एम-239/एक्वी०---यतः मुझे विनोद कुमार

नायकार अभिनियम, 1961 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च ते अभीन साम प्राभित्र की को, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्ध , जिसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/-क. से अभिक हैं

और जिनकी संख्या भिम है तथा जो खरगपुर फरीदी नगर लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीवर्ती अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनों के मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के शिवत बावार मून्य से कम के व्ययमान प्रतिफान के मिए संतरित की वर्ष हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यंवापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार बून्य, उसके व्ययमान प्रतिफात से, एसे एस गाम प्रतिफान का बन्तह प्रतिवात से विश्व है और बंत क (बं १९७४) और वंतरिकी (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पाया यथा प्रतिफास, निम्नतिचित के देव से स्वत्त बन्तरण किचित से वास्त्रविक रूप से कायत बहुरी किया ग्या है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री छ। ই লাল
 - 2. श्री श्याम लाल
 - 3.श्री फल चन्द

(ग्रन्तरवः)

(2) मानसरोधर महकारी भाषास समिति लि० लखनऊ

द्वारा मचित्रश्री ध्यान सिंह

(धन्तिन्ती)

(3) चिक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना वा । करके पर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति है वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप-

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी श्यक्तियों पर स्वना की तारील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में र राष्ट्री होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी प्राक्ति इतारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के ए याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ ह ना जो उस अध्याय में दिया ववा है ॥

नपुरुष,

भिम पैमाईसी 15353 वर्ग-फिट स्थित खरगपुर फरीदी नगर लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन क्षेत्र लखनक

तारीख: 8-11-198\$ मोहर:

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, 57, राम तीर्थ मार्ग लखनक
लखनक, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एम-240/एक्वी०----यतः मुझे विनोद कुमार

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

और जिसकी संख्या भिम है तथा जो खरगुपर फरीदी नगर लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीशर्ता अधिकारी के लार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से धूर्य किसी बाव की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक को दाजित्व में कमी करने या उनते बजने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उबत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :—

22-376GI/85

- 1. श्री मथ्रा
 - 2. श्री गंगा राम
 - 3. श्री नानता

(भ्रन्तरक) 🕝

(2) मानसरोवर सहकारी आघान समिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिव श्री ध्यान सिंह

(श्रन्तरिती)

(3) तिकता

(वह न्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)

को यह सूचना बाड़ी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के विषय कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

अवस सम्परित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी साम्रेष:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी नविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (ण) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी कृत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिणित में किए जा सकोंगे

स्पायतिकरण : इसमें प्रगुक्त सम्बाँ और पर्यो का, भी उपत अधिनियम के सम्बाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उस अध्यास में दिया गया है।

धन्स्ची

भिम पैमाईसी 79564 वर्गफुट स्थित खरगपुर फरीदी नगर लखनऊ (जैमा फार्म 37-जी में वर्णित है)

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन क्षेत्र लखनऊ

तारीख: 8-11-1985 मोहर: प्रकथ बाह्री, क्षी, एवं, एस, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत व्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षक)

धर्जन क्षेत्र 57, तीर्थराम मार्ग लखनऊ

लखनक, दिनांक 8 तबम्बर 1985

निर्देश सं० जी० म्राई० म्रार० संख्या एम-241/एक०यु०--म्रत: मुझे विनोद कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- स्त. से अधिक है

और जिसकी सख्या भूमि है तथा जो ग्राम-निजामुद्दीत पुर जिला-लखनऊ में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन बिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दश्यमान प्रिष्टिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विध्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपास्त का उचित बाजार मूल्य उसके उद्यमान प्रतिफल से एते दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिणत से अधिक ही बाँद अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पावा गवा प्रतिफल, निम्निलिश्वत उद्योद्य से उक्त अन्तरण लिजित में में शास्तिव्यत रूप से कशिश्व नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आज की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1972 का 11) या उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षेणनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकर नहीं किया वया था का किया जाना चालिए था कियाने में सुविधा की किया

अल: अब, उथत अधिनियम, की भारा 269-ग क अन्सरन ैं. मैं, उक्त आधिनिगम की भारा 269-च की उपभारा (1) अधिन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) 1. श्री राम लाल 2. श्री राम पाल

(भ्रन्तरक)

(2) मानसरोबर महकारी ग्राधास ममिति लि॰ लखनऊ, द्वारा सचिव श्रीध्यान सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचर्न बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए।

उक्त सम्बन्धि के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना क राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की नविध, को भी जनधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (बा) इस स्थान को राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उपल स्थावर सम्पत्ति में हित- अब्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पात लिखित में किए जा सकारी।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, भी उच्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में विसा गया है।

अनुस्ची

भिम पैमाईसी 1,28,227 वर्ग-फिट स्थित ग्राम-निजामुद्दीनपुर जिला-लखनक (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख · 8-11-1985

प्रक्ष नाइंट दी. एतः एस...-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सहकार

कार्थालय, सहायक जायकर जायूक्त (निर्दाक्तक)

श्रर्जन क्षेत्र 57, राम तीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 नघम्बर 1985

निर्देश मं० जी० श्राई० श्रार० मंख्या एम 242/एक्यु०---श्रतः मुझे विनोद कुमार

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो खरगपुर फरीघी नगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिक्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनां। मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्वायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्य-मान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) मन्तरण से हुई किसी बाय की वासत, उक्त किमिनियम की वधीन कर दोने के अन्तर्क के वायित्व में कभी कर्ने या उससे बचने में सृविधा के लिए; क्रोंड्√या
- (ध) एसी किसी बाग वा किसी धन या जन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था खिमाने में सुविधा के निर्मा

ला करा उक्त जिथितियम की धारा 269-ग के अनुसरण गा, मं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अर्थाश, ानम्बलिकित व्यक्तियों, अर्थातु ६—- (1) भी राम औतार

(भ्रन्तरक)

(2) मानसरोचर सहकारी श्राचाम समिति लि० लखनऊ द्वारा संचिव श्री ध्यान सिंह

(ग्रन्सरिती)

को वह स्थाना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के बम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारी के कैं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पह स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाराह
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिः मों हिस्तब्द्ध किसी कम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाब् स्थापन मों विद्ध जा सकतें है।

स्वच्छीकरण :----इसमें प्रमुक्त सक्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिशाधित है वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया भवा है।

वन्यूची

भूमि पैमाईसी 62617 वर्ग फिट स्थित खरगपुर फरीदी नगर लखनऊ (जैसा फार्म 37—जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 8-11-1985

प्रका बाह्यें हो हुन हुए । -------

कामकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

मारत **चरका**र

कार्यावय, सहायक वायकर वाय्वत (विश्वीक्षण) प्रजीत क्षेत्र रेजि, लखनऊ

लखनक, दिनांक 8 नघम्बर 1985

निर्वेश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एम-243/एक्यु०---अतः मुझे, विनोद कुमार

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसवें इसकें परकात् 'उक्त विभिनियम' कहा नया हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, विश्वका विश्वत बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो खरगपुर, फरीदी नगर लखनऊ में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध प्रमुस्ची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्री अर्ता अधिकारी के आर्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को प्रांक्त संपरित के उपित बाजार मृस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के निल् अंतरित की गई है और मुभ्ने यह जिश्वास करने का कारण है कि यथाप्तोंक्त संपरित का उपित बाजार मृस्य उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अक्दरण सिक्ति में बास्तिक रूप से किंगत नहीं किया क्या है :---

- (क) जन्तरण से हुन्दै किसी जाय की बाबत अवस् अधिनियम को जधीन कर दोने को अन्तरक को साबित्य में कभी कड़ने या उत्तर विख्नों में सुनिया भी सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय वा किसी भन या अन्य आस्तियों की, भिन्हों भारतीय आव्-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-वार्थ अस्तिरिती ब्वाच प्रकट वहीं किया गया था वा किया योगा चाहिए वा कियाने में अविभाग के विश्व

(1) श्री तुल्सी राम

(भ्रन्तरक)

(2) मानसरोवर सहकारी श्राधास समिति लि० लेखनऊ द्वारा सचिव श्री ध्यान सिंह

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना बारी करकं प्रविक्तः संपत्ति के अर्थन के निष्क कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चक्स सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कें। ई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के उपज्यत में प्रकाशन की तारीख अ 45 दिन की जबींचे या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त स्वस्थित में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सक्यांक्त मो हिसबव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पार जिस्ति में किए आ मकोग।

स्थय्द्रीकरणः ----इसम् प्रयुक्तः शब्दाँ और पदौ खा, श्रो उक्तः अधिनियम के अध्याय 20-क मां परिसाधित हैं, कही अर्थ होगा जो जस अध्याय माँ दिया गया है।

भनुसूची

भूमि पैमाईसी 17662 वर्ग-फिट स्थित खरगपुर फरीवी नगर लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रैज, लखनऊ

कतः वन, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :—

तारीख: 8-11-1985 मोहर: Source State of the State of th

आयकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अभीत सूचना

भारत संस्कार

कार्याल**व , सहावक आवश्वर आवृक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनां ६ 8 नवम्बर, 1985

निर्देण मं० जी० श्राष्ट्री० श्रार. सख्या एम-244/एक्यु०---अतः मुझे, विनोद हुसार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. में अधिक ही

और जिसकी सं अधि है तथा जो रगपुर फरीदी नगर लखतक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीयती अधिकारी के बार्यालय लखनक में रिजिस्ट्रीय एरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वेक्ति भम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम से ध्रवमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित /अन्तरितियों) के नीम एसे जन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिनि उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखिस में वाम्तविक रूप से कियन नहीं कया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई हैं किसी जाब की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा से सिष्ट; बॉर/बा
- (स) एंसी किसी बाव या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आवक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरियी व्यारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया थाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के सिष्ट;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं:, माँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तित्याँ, अर्थात् ः⊸~ (1) श्री भरोस

(भ्रन्मेरक)

(2) मापसरोव सहकारी श्राचास समिति लि०, लखनऊ द्वारा सचिवश्री श्यान सिंह

(ग्रन्तरिती)

(3) विक्रेता

(बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को बहु सूचना भारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत सम्बन्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबींच या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबींच, जो भी जबींच बाद में समान्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्दूथ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उक्त महिंधतियम, के अभ्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया यहां हैं।

मन्बूची

भूमि पमाईसी 66973 वर्ग मी० स्थित खडरपूप फरोदी नगर, लखनऊ(जैसा फार्म 37-जी में बणीत है)

> विनोद कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक ॣ्रैं झायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख 8-11-1985 मोरह

जरूप बाई[†].टी.एव.एव.-----

मानकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की. भारा 269-न (1) के मभीन सुमना

भारक दरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण) श्रजन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनां 🍦 14 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एम-त्245/एक्यु०---यत मुझे, विनोद कुमर,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवस्त (जिस्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-- ख के अधीन-सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समेति, जिसका उचित बाजार मृहद 1,00,000/- रा. से अधिक है

और विस्की नंख्या आराजी है तथा जो नवावपुरा मुरादाबाद में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिविस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिविस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908का 16) के अधीन दिनांक मार्च, 1985

को पूजोंक्य संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान शिविफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सब्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके इध्यमान प्रतिफल से एसे स्वयमान अतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितिकों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण वे शूर्ण किसी बाव की बाबत, उसत मधिनियम से अभीन कर दोने के जन्तरक से क दावित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/्या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य सास्तिय! को जिन्हों भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्या अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा अंकिया।

जतः जभ, सक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुतरफ में मैं, उग्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राम बहादुर

(श्रन्मेरक)

(2) श्री महाबीर प्रसाद टन्डन

(अन्तरिती)

का यह सुवाना जारी करके पूर्वीक्य सम्परित के वर्षन के लिए विश्वीत करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में कीई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारील ते 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबीध, जो भी सबीध बाद में समाध्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्द्रभ किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगें।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितुः है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनसभी

श्राराजी पैमाईसी 351.30 वर्ग मी० स्थित नवाबपुरा मुरादाबाद (जैसा फार्म 37—जी में वर्णित है)

> विनोध कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) (ग्रर्जन क्षेत्र) लखनऊ

तारीख: 14-11-1985

प्रकरः, बाह्युः होः, एकः एवः 🐃

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत बरकात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन क्षेत्र, लखनक

लखनऊ, दिलांक 15 नषम्बर 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या एन-103/एक्यु०--यतः मुझे, विनोद कुमार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके परचात् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो मौजा सालहनगर, तथादिया जिला-बरेली में स्थित ह (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्,कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए जल्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्नद्र प्रतिचत से विभक है और बन्तरक (बन्तरकारें) और बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उदल बंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- ं(क) विशास ने हुड़ कि ती बाय की बश्यत, उक्त विश्वतियम के बचीन कर दोने की जन्तरक के दायित्य में कामी कारने या सससे बचने यो सुविधा के जिए; व्यदि/का
- (क) एसी किसी जाय या किसी थम या मन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिलाने में द्विया के बिए;

कतः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (!) मेलर्ग क्रिन मोहन ताल एण्ड इत्य हारा पार्टनर श्री चिरेन्द्र कुमार श्री क्रिन मोहन तल

(अन्तर ह)

(2) में नर्स नताणा आटोमोबाईल प्रा० लि० बरेली द्वारा श्री राज कुमार भलीत

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(बहु व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पति है)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप रू---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से कि का अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के की तर पृथेकित व्यक्तियाँ में से किसी स्पेक्त इकारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किशी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिशित में किश जा नकींगे।

स्वव्योक रण: ----इसमें प्रयुक्त धन्यों और पर्यो का, वो सकत जिमित्यम के अध्याय 20-क में परिश्वश्चिक है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया ग्या है।

अनु**स्ची**

प्लाट पैमाईसी 1545 वर्ग-गण स्थित मौणा मालेह नगर नवादिया बरेली (जैमा फार्म 37-जी में विणित है)

> विनोद कुमार लक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन क्षेत्र, लखनक

तारीखा : !5-11-1985

मोहर

प्ररूप बार्ष: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बस्युक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र सम्बन्क सम्बन्क, दिनाँक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या पी-149/एक्यु०---श्रतः मुझे, विनोद कुमार,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी भूमि है तथा जो ग्राम-इस्माईल गंज लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची म श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत नाजार मूल्य से कम के क्यानान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मूओ वह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्वित काजार मूल्य, उसके एरवनान प्रतिकल से, एसे एरवमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकात से वाधक है और अंतरक (बंतरका) और अंतरिस्ती (वंतरितिवा) के बीच एसे अंकरण के लिए सब पाना गया प्रतिफल, निम्नितिवा उद्देश से उसके अंतरका सिक्ति में बास्तिव रूप से की जत नहीं किया गया ही:—

- (क) अंतरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधि-निवन के अधीन कर दोने के अंतरक के वाजिल्य में कभी करने या उल्लंश क्लाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आम या किसी भन वा बन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आमकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा के लिए;

असः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण मैं, में, उक्त अधिनियम को भारा 269-भ की उपभारा (1) हे अभौग, निक्तिविक कांक्रिकणो, अभीत् ्--- (1) श्री नाली

(प्रनगर्ह)

(2) पटेल नगर महकारी गृह निर्माण निमिन् लि० लखनऊ मचिव श्री राजेन्द्र कुमार सिंह

(अन्तरिती)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हुं।

उक्त सम्मित के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्कान के राजवत्र में प्रकाशन की साराख से 45 दिन की अविध ना बल्तक्वन्धी अविक्तां पर स्कान की तानीका से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध ना में से किसी अविध कुनक्का;
- (स) इस सूचन के सम्बंध में प्रकारण की सारीस से 45 दिन के मौकर स्थावर तम्बीत में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा जधोहत्ताक्षरी के पास लिसित में क्विय वा सकों ने।

स्यब्बिकरण --इसमें प्रबुक्त बन्धों और पदों का, जो उक्त अधि->
नियम, के अध्याव 20-क में परिभाषित हों,
वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

कर सम्ब

भूमि पैमाईसी 24093 वर्ग-फिट स्थित ग्राम-इस्माईल गंज जिला-लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार नक्षम अधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्गन, क्षेत्र लखन

तारीख: 8-11-1985

प्रकृष बाहै , दी त एकं, एवं त्र----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

अन्यांलय महायङ शायङ पायक्त (निरीक्षण) श्रुणंन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ दिनाँक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या पी-150/एक्यु०--यतः मुझे, विनोद कुमार,

अनयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास 'उंकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम-ईसमाईल गंज लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाग्रद्ध श्रनुस्ची में ग्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौंक मार्च. 1985

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभ्ने यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्तह प्रतिभात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निलिखत में बास्तिक रूप से किशान गमा है है—

- (क) जंतरण से हुइ किसी जान की बाबत, उक्त जीधीनयम के जधीन कार दोने के बंतरक कें बामिल्य में कमी कहने वा उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) एंबी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा किया काला जातिए भा, जिन्हों यो युविभा से सिक्षा

कतः अवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण माँ, माँ, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नानिस्तिन व्यक्तियों, अर्थात ----

23 -376GI/85

- (1) श्री परागी
 - 2. श्री गुरुचरन
 - 3.श्री केशव

(अन्तरक)

(2) पटेल नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० लखनऊ द्वारा सचिव श्री श्रार० के०सिंह

(श्रन्तरिती)

(3) विक्रेता

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप ह—--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ए) ६२ भ्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगें।

स्पष्टिक्ट्र--इसमें प्रयुक्त कव्यों और वयों का, वो उक्त अधिनियम के प्रथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अभ्याय में दिया भवा है।

ann week

भूमि पैमाईसी 40973 वर्ग-फिट स्थित ग्राम-इस्माईल गंज लखनऊ (जसा फार्म 37-जीमें वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 8-11-1985

इन्स्य जाई <u>हो पुनत् एसत्-----</u>

बावकृष्ट जीवित्यक्त, 1961 (1961 का 43) की घाडा 269-स (1) के जवीन सुबना

हारत पूरकर

कार्यालय, सहायक जायकर जायूक्त (निरक्षिण)

घर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० जी० आई० आर० संख्या पी-151/एमयु०---यतः मुझे, विनोद कुमार,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके परभात 'उक्त अभिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है तथा जो प्राम-इस्माईल गंज लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख मार्च, 1985

की पूर्वेतित सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुफें यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उधित बाजार ब्रूब, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एवं दृश्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिगत से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वायत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी नाम या किसी धन मा अन्य जास्तियां को, जिन्हां भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के उन्मरण में. में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नीलिखित व्यक्तिस्तों, अर्थात् ६--- ं (1) श्री दुलारे

(ग्रन्तर्क)

(2) पटेल नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० लखनऊ, बारा सचिवश्री राजेन्द्र कुमार

(भ्रन्ति)

(3) विकेता

(वह व्यक्ति जिसके ग्रंधिभोग में सम्पत्ति है)

को ग्रह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्ष्मतु क्षम्रित् के वर्षाय के सम्मृत्य में कोई भी नाकोए।--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
 खिक्ति में किए जा मकरों।

स्वकाशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, थो उक्त उधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि भाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस सध्याय जे दिया नजा हैं।

मसस्यी

भूमि पैसाईसी 97124 वर्ग-फिट स्थित ग्राम-इस्माईल गंज लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रापुक्त (निरोक्षण) श्रुपंत क्षेत्र, लखनऊ

ता**रीख**: 8-11-1985

मोहरः

मस्य आहें , टी., एन., एत.,-----

जायकर अभि ित्यम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सुचना

बारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निर्द्रीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 8 नयम्बर, 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या पी- 152/एक्यु०--यनः मुझे, विनोद कुमार,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उन्द अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्यत्ति, जिसका उचित ग्राजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो ग्राम-ईस्माईल गंज लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनौंक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप में कथिश नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबस, उक्त अभि-अभिनियम के अभीन अन्तर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या कत्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, या अत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधिवायमध्ये अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमनतिसका व्यक्तमों, अर्थात्:—

(1) श्री मनुश्रा

(श्रन्तरक)

(2) पटेल नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि० लखनऊ, द्वारा सचिवश्री राजेन्द्र कुमारसिंह

(ग्रन्तरिती)

(3) विकेता

(बह व्यक्ति जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिय कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सबंध में कोई भी नाक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविध, खो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजीक्त व्यक्तियों में से किसी आक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीक से 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरूताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकींगी।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अधि होगा जो उस अध्याय में विया पथा है।

अनुसूची

भूमि पैमाईसी 23.141 स्थित ग्राम-इस्माईल गंज लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी से विणित है)

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) श्रजैन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 8-11-1985

प्रस्त बाईं. टी. एन. एस. ~ -

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यासय, रहायक यायकर बायुक्त (निर्दोक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, 57, राम तीर्थ मार्ग लखनऊ लखनऊ, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रार० संख्या पी-153/एम्यु०---श्रतः मने विनोद कुमार

बायकर बॉधनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें हुनके पश्चाए 'उन्स मिपियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह प्रिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से बीधक है

और जिसकी सं० भूमि खतरा नं० 162 है तथा जो खरगपुर फरीवी नगर लखनक में स्थित है (और इससे उपाबद प्रमुस्मी में और पूर्ण रूप से पणित है), रजिस्ट्रीशर्ती प्रधिकारी के कार्यालय लखनक में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का वंक्ष्य प्रतिकत से विभिक्त है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (कन्तिरिदयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गय। प्रतिफल, निम्निचित उद्देष्य से उक्त बन्धरण विकित से बास्यविक स्प से कथित नहीं किया गया है =--

- ्रिक्ष) क्ष्यास्त्र के हुन्हीं किसीं क्षाक् वर्धी वावका, जनत् निकित्तम के नृषीन कर बने के अन्तर्रक के शायित्व में कर्मी कर्न का उसके क्ष्यने में सुविधा के लिए; अहर/का
- (थ) एंबी किसी बाव या किसी धन या बन्स आस्तियां को, जिल्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किथिनियम में धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रया था में किया बाना आहिए था कियाने में सुधिशा के निर्

कतः विश्व उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के बनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री रघुनाथ

(अन्तरः)

(2) पूर्वीचल महदारी श्राष्ट्राम समिति लि० लखनऊ द्वारा सिविष श्री विनोद बिहारी वर्मा (श्रन्तरिती)

की यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्बन्धि के सर्वन के विश् कार्यवाहिया कुरु करता हाँ।

सकत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की ज्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को अक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा हैं।।

धनुसूची

भूमि खतरा नं० 162, पैबाईसी 4 बीघा 5 बिस्या और 7 बिस्यान्सी स्थित खरगपुर फरीदीनगर, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी संख्या 13719 में वर्णित है)

> विनोध कुमार सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 8-11-1985

प्ररूप् बाइ्ंटी. एन . एस . ------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, 57, राम तीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनां ह 8 भवम्बर, 1985

निर्देश सं० जी० श्राई० श्रारं० संख्या पी-154/एक्यु०---यत: मुझे विनोद कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिस्ती मंख्या भूमि है तथा जो खरगपुर फरीदीनगर लखनऊ में स्थित है (और इसने उपाबद्ध धनुमूची में और पूर्ण क्य से विधित है), रिवस्ट्री र्ली खिला परी के बार्यालय लखनऊ में रिवस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान गितफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और संतय्क (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे संतरण के जिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया बना है है—

- (क) जंतरण से हुई किसी बाब की बाबत, उक्त बीच-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय वा किसी धन या बन्य आस्तियी को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का il) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः जब, उकत जिथिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उकत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीक, निम्मिलिकित स्विकतमों, अभीत् (1) श्री राम नाथ

(भ्रन्तरक)

(2) पुर्वाचित ाह् ारी आधास समिति लि० मैं लखनऊ हारा अचिव श्री विनोद विहारी वर्मा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सायत से 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (अ) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्बक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त आधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

न्यम्यो

भूमि पैमाईसी 4 बीघा 6 बिस्वा और 6 बिस्वान्सी स्थित खरगपुर फरीदी नगर लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी संख्या 13542 में वर्णित है)

> िषनोद कुमार नक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख: 8-11-1985

शक्त आर्थ्र **टॉ**ं, एवं , धुक्ष , व व व वक्त

भायकर मधिनियम, 196,1 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नवीन सुवना

HIST TENS

कार्यास्त्र , बहायक शायकर बान्यत (किरीक्षण) ग्रजन क्षेत्र, 57, राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ लखनऊ, दिनांकु 8 नवम्बर 1985

निर्देण सं० जी० श्राई० ग्रार० नख्या पी-155/एक्यु०---यतः मुझे विनोद कुमार

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदनात् 'उक्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विकास करने का कारण है कि स्थानर सन्पत्ति, जिसका उचित छाजार मृस्य 1,00,000/- का से अधिक है

और जिस्की संख्या भूमि है तथा जो खरगपुर फरीदी नगर लखनऊ में स्थित है (और इनसे उपायद्ध अनुसूत्ती में और पूर्ण रूप में बणित है), 'जिस्ट्री' तो अधिकारी के वार्यालय लखनऊ में रिक्ट्रिं एण अधिक्यम, 1908 (1908 रा 16) के अधीन दिना सार्च, 1985

को प्रवोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्यमान पितफल के लिए बन्तरित की गर्ब है और सुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्जोंका मर्पारा का उचित बाजार अस्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एपं स्थ्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशास से क्षिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) दो दीच एमे कन्तरण के लिए स्थ पाया गया विकल, निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि विवस के बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की अन्तर, अश्रत निधिनियम के जधीन कर दोने की अन्तरक के दावित्य में कानी करने या उतसे क्याने में सुविधा के सिष्ट; निद्वां
- (क) एंसी किसी जाग था किसी धन या जम्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तारती क्यारा प्रकट नहीं किया प्रया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए।

बतः जब, जक्त निधिनियम की भाग 269-म के बनुहरू हो, में जक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के वभीन, निस्तिचित कविषयों, वर्षात :---

(1) श्री उणाराम

(ग्रन्तरक्)

(2) पूर्वीचल सह ारी श्राचास समिति लि० लखनऊ द्वारा सचित्र श्री विनोद बिहारी वर्मी (श्रन्तरिती)

को यह सुकता कारी करके पुर्वोक्त संपीत के अर्थन के निष्र कार्यनाहियां करता हुं।

रक्त सम्मत्ति के वर्जन के संबंध में कोई श्री शास्त्रेष हु----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्ध्वीकरणः:---इसमें प्रयुक्त क्षम्बों और पदों का, जो उन्त को भौतम्म, के अध्याय 20-के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अन्स्ची

भूमि पैमाईसी 4 बीघा , 5 बिस्वा और 6 विस्वान्सी स्थित खरगपुर फरीबी नगर लखनऊ (जैसा फार्म 37~जी में वर्णित है)

विनोद कुमार गक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र; लखनऊ

तारीख 8-11-1985 मोहर : प्रक्रम् बार्ड , टी , एम , एस , पान्नवाराज्य

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की गारा 269-म (1) वे स्पीन स्वता

भारत सहस्रार

कार्यातम, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, 57, राम तीर्थ मार्ग लखनऊ लखनऊ, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निर्देश सं० जी० ग्राई० ग्रार० संख्या पी-156/एक्यु---यत: मुझे चिनोद कुमार

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-क के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी भूमि है तथा जो इस्माईनगंज लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिकस्ट्री श्वी अधिकारी के ार्यालय लखनऊ में रिकस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मार्च, 1985

को प्रश्नित संपत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के क्यामाय प्रतिकाल के लिए बन्तरित की गई है बौर मुम्में यह विश्वास करने का कारण ही कि यथाप्योंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्यामान प्रतिकाल से, एस दश्यमान प्रतिकाल सा विश्वास का निकाल से किया है बौर बन्तरक (बन्तरकों) तैर लम्हरिती (बन्तरितिकों) के दीन एसे बन्तरक के निकाल दे वास गया प्रतिकाल, विश्वासित उद्देशों के अंकर अन्तरिक किया पर है के

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की पावत,, उक्त अधिणियम के अधीन कार दोने के अन्तरक औं दायित्व में कहीं करने वा उससे स्थाने में सुविधा से बिद्द; स्टिंश
- (क) एसी किसी जाब या किसी बन या जन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय अध कर अधिनिरंग, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या पनकर अधिनियम, ग957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्तं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के निए:

हर कम. उक्त विकित्यम की भारत 269-व के व्यक्ताहरू में, में, उक्त अधिनियम की ए उ 269-च की उपभारा (1) के कथील, निक्तिसिचित व्यक्तिरुटिं अर्थाल :--- (1) श्री शाम दाय

(अन्तरक)

- (2) पंचाबर्टी तह्यारी श्राचार समिति ति० लखनऊ, हाला प्रेसीहेन्द्र श्री एस० मिश्रा (श्रन्तरिती)
- (3) विकेता (बह व्यक्ति जिसके श्रधिभीग में सम्पत्ति है)

को बहु बुचना जारी करके प्राॅक्त संपत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उस्त मन्यति के कर्षन के गंत्रम में काई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 4.5 दिन की जविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त क्षोती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्थना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 किन के भौतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में जितनव्य किसी अन्य व्यक्ति, व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस "ध्याय में दिया गया है।

ग्रन्मूची

भूमि पैमाईसी 29057 वर्ग फिट, स्थित इस्माईल गज जिला-त्राजनक (जैया फार्म 37-जी में वर्णित है)

> विनोद कुमार सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रापकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजेन क्षेत्र, लखनऊ

नारीख: 8-''-1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस. -----

नायफर निमित्रम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के नभीत मुचना

भारत संद्रकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांज 8 नचम्बर 1985

निदेश मं० जी० श्रार० पंख्या पी-157/एक्यु---श्रतः मुझे विनोद कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पण्यात, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जियकी सं अभूमि है तथा जो ग्राम उजिरयान, तहर व जिन नखनक में स्थित हैं (और डान्न उपानड प्रमुच्ची में और पूर्ण रूप से न्यांगत हैं) रिवस्त्वीयनी अधियारी के जार्यालय नखनक में रिविस्तीयरण प्रधिनियम 1908 (1908 हा 16) के अधीन तारीख माच, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के खर्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित कीं गई है और मुक्ते यह विश्वास करते का कारण है कि मधाप्रवेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूज्य, उसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल, निम्निसिक्त उद्योग्य से उक्त अन्तरण जिवित में पास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ----

- (क) असरण से हुइ किसी नाव की बादस, उनक बिधिन्यम के सभीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए: और/बा
- ्ष) श्रेती किसी आव वा किसी थन वा बस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार जिमिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, मा जन-कार अभिनियम, मा जन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिति द्वारा प्रकृष्ट नहीं जिल्ला गया का या किया जाना नाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

शतः सनः उत्तर निभिनियम की भारा 269-न के अनुवरन में, में, उत्तर निभिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के न्यान, निम्निविद्यात स्पृतिकारों, सभाव के अन्य

- (1) 1. श्री रामेक्षर दयाल वर्मा,
 - 2. श्री हारिका प्रसाद वर्मा,
 - 3. र्था मथुरा प्रसाद वर्मा।

(अन्तरःः)

(2) प्रगतिशाल सह ारी गृह निर्माण समिति लि० लखनऊ द्वारा मचिव श्री एस० पी० मिश्रा।

(भ्र-तुरिसी)

(3) विक्रता ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में

सम्पति है।

की बह स्थान थारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यकाहियां कारता हुं।

उक्त स्म्पत्ति के अर्थन के सम्मन्ध मा काइ भा नाक्षेप हु---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी बनिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के शब लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: ----इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विधिनियम: के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिना पना हैं।

जन्सूची,

भूमि पैमाईसी 5 बीघा और 18 बिस्या स्थित ग्राम उजिर्याब तह० व विला लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में धर्णित हैं) .

> विनोद कुमार नक्षम प्राधिकारी महायह आयकर आयुक्त निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज लखनऊ

दिनांकः 8-11-1985

मोहर 🛚

प्रकल बार्ड .टी .एन .एत . ------

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्राजीन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 14 नवम्बर 1985

निदेश सं० जी० आर० संख्या श्रार- 262/एक्यु०-श्रतः मुझे विनोद कुमार

बायकर बिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिएकी सं० म० नं० 85 है तथा जो टैगोर गार्डन, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूर से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्ट सम्पत्ति के जीवत वाचार सून्य से कम के स्वमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुरमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिहात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे बन्तरण के लिए तब गया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उत्विषय से उसत अन्तरण जिन्तर के बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की आबत, अकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करणे या उत्तरों वचने में हिविधा से सिष्ट; और/का
- (क) एसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया यया था या किया जाना वाहिए था, छिनाने में मृतिधा के निए।

छत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 24—376 GI/85 (1) श्री शरुण श्रग्नदाल उर्फश्ररण कुमार अग्रवाल ।

(अन्तरक्)

(2) श्रीमतीराज्वन्ती देवी।

(ग्रन्तरिती)

(3) चिक्रोता।

(वह व्यक्ति जिसके ऋधिभोग में सम्पति है)।

का यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की जन्धि या तत्सवधी व्यक्तिनों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जन्धि, को अधि अविध नाद में समाप्त होती हो, वे नीतर पूर्वे कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हवारा:
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर संपत्ति में हितबब्ध किनी बन्ध कावित ह्यारा अधाहस्ताकारी के शक्त निक्ति में किए जा सकी।

स्वक्यक्तिरणः--इसमें प्रयुवक शब्दों और पदों का, जो उन्तर विधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में विधा नवा है।

अन्सूची

म सान नं० 85 स्थित टैंगोर गाडन,इनाहाबाद (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित हैं) ।

> विनोद कुमार उज्जम प्राप्ति गरी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरिक्षण) श्रुजन रोंज, लखनऊ

दिनांक · 14~11-1985

मोहर '

प्रकृत नार्ष के हों. हुन्, क्या न म स स स

बावकर वीधीनवस, 1961 (1961 का 43) क्री पाडा 269-प (1) के वधीन पूच्या

भारत सरकार

कार्याचन, सहायक मानकर नाय्त्रत (निर्दाक्षण)

घर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० र्ज० धार० संख्या एस-388/एक्यु---धतः मुझे, विनोद कुमार

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम विजयापुर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबब श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रिकर्ता धिधाकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रिकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्थ्यमान प्रतिपत्त को लए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास का कारण है कि समापूर्वोक्त सम्बत्ति का प्रितत बाजार मूल्य, इसको ख्यमान प्रतिपत्त से, एसे ख्यमान प्रतिपत्त का प्रवह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरस्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त , निम्निलिखित उब्दिध्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरण से हर्इ किसी जाय की बाबत उक्त जीवनियम के जचीन कर यो के बन्तरक के सीवत्य वे कमी करने या उससे बचने में श्रीवधा के निग्रः क्षीक्ष/था
- (क) इसी जिली बार वा किसी भन या जन्त जास्तियों को, विन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1921 (1922 को 11) या उक्त जीधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वै विक्श

नतः सव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, भैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीप निम्मतिस्तित स्थीक्तयों, अर्थात्:--- (1) श्रीमती भीरा देवी ।

(प्रन्तरक)

(2) शिवाजी नगर सहकारी गृह निर्माण समिति लि॰ लखनऊ द्वारा सचिव श्री राम श्रासरे सिंह।

(मन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्छ तक्ष्मरित सूँ अर्चन के जिल्ल कार्यनाहियां कड़ता हूं।

डक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कहि भी बासेप 🕾

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की वविधि, वो भी अविध बाद में समाप्त हाँकी हो, वो भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थाव रसम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा कथोहस्ताकारी को पाक लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पका है।

बन्सूची

भूमि पैमाईसी 2 बीघा 10 बिस्बा स्थित ग्राम विजयीपु लखनऊ, (जैमा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 8-11-1985

प्रका कार्याः, टौ., एत*.,* एक_{.,?}-----

। विकर सीधनियम, 1961 (1961 का 43) जो धारा 269-म (1) में मधीन स्चना

भारत तरकार

बार्यालय, तहाबक आवकार वाय्वत (निरीक्तण) प्रार्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 14 नथम्बर 1985

निदेश स० ग्रार० जी० मख्या एस- 389/एक्यु०-ग्रतः मुझे, विनोद कुमार,

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसमें इसके परवात 'उक्त विधानियम' कहा नया हैं), की भारा 269-व के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह निरवास करने का कात्रन हैं कि स्थानर सम्मति जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० मजान है तथा जो भूड मारूफ प्रेम नगर बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है) रिवस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के वार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनाक मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसको क्यमान प्रतिफल से, एसे इध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ्प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के प्रीच एोते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्नसिचित उददोष्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्धरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त विधिमियस के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उन्नसे वचने में सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तिकों का, जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के रक्रजनार्थ अवस्थिते दे। भगरे नहां किया गया **ध्त या किया जाना चाहिए या, छिपाने में तुविधा** चे निष्:

नतः जय, उनत निधीनयम की धारा 269-ग के नन्तरम में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती कामिनी सबसेना।

(मन्तरक)

(2) 1. श्री सुरेश चन्द श्रग्रवाल 2. श्री संजय श्रग्रवाल।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुधना बारी करके पूर्वोक्त सन्पत्ति के कर्बन से लिए कार्यवाहियां स्रूक करता है।

क्यत सम्मतित को सर्थन को सम्मन्ध को कोई भी बाह्येय 🖦

- (क) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की जबभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामीश से 30 विन की वनिष, जो भी वनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति:
- (क) इत त्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकेंगे।

श्यक्तीकरणः---इतमे प्रयक्त सम्बाधिर वर्षे का.. अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया चवा हैं।

वम्स्या

मकान स्थित भूड मारूफ प्रेम नार, बरेली, (जैना पार्म 37-जी मे वर्णित है)।

> विनोद दुभार ाक्षमः प्राधिनारो सहायक प्रायम प्रायुक्त (निर्दाक्षण) श्रजीन रेग, लखनऊ

निनाक 14--11-198**5**

म हर ः

प्ररूप आर्चे.टी.एन.एस. -----

नाथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मुभीन सुचना

शक्त प्रकृत

कार्यावय, सहायक वायकार वायुक्त (चिरक्रिक्त)

अर्जन रेंज, लखन्ऊ

लखनऊ, दिनाः 14 नवम्बर, 1985

निदेश सं ० जी० ग्रार० संख्या एस-390/एक्यु०---श्रतः मुझे चिनेद कुमार

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,90,000/- रु. से अधिक हैं

आर विश्वकी ग० प्ताट नं० 12 तथा जो विजय लक्ष्मी नगर, सीतापुर में स्थित हैं (और इंसे उपाबड़ अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में चिश्वत हैं) रिश्म्ट्री नी प्रिधारी के वार्यालय सीतापुर में रिशम्ट्री रूप प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन कारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्चेंवित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत सं अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विषय से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िकरी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मे कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी अग्य का किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय अय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रशांखनाथ अन्तर्रारती स्वाग प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुविधा से स्थिए;

अस तब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अभीग, निक्तिसिस्त व्यक्तियों, अधित :—

- (1) 1. श्री सम्पति राम, 2. श्रीमती गीता देवी,
 - 3. श्री राजेन्द्र प्रसाद, 4. श्री महेण घटन्द,
 - श्री घनश्याम, 6. श्री लक्ष्मी नारायन । (श्रन्तरक)

(2) 1. श्री मेवक राम जवरानी,

2. श्री मनीम जबरानी ।

(श्रन्तरिती)

(3) विकेता।

(वह व्यक्ति जिसके श्र<mark>िधभोग में</mark> सम्पति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 विन की अविशिष्ट या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए वा सकों ने ।

स्पष्टीकरणः च्निसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दही कर्य होगा जो उस अध्याय में दिका प्या हैं।

नगसची

प्ताट नं ० 12, पैमाईपी 4800 वर्ग फिट स्थित विजय लक्ष्मी नगर, सीतापुर, (जैसा फार्म 37-जी में धर्णित हैं) ।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिशारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 14-11-1985

मोहरः

प्रकप बाइ टी.एन.एस.-----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, तहायक भायकर भायकत (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० जी० ग्रार० संख्या ए.प-391/एक्यु०--ग्रतः मुझे, विनोद कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िज्ञसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो निविल लाईन सीतापुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सीतापुर में रजिस्ट्रोकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन नारीख मार्च, 1985

की पृथेंकित सम्पत्ति के उषित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकंत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास अरमें का कारण है कि यथाप्यों के संपत्ति का उषित बाधार अन्य, उसके दश्यमान प्रतिकंत से एसे दश्यमान प्रतिकंत का प्रमुख प्रतिकंत के विश्व का प्रमुख प्रतिकंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकंत, निम्नितियों) उष्योदि अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकंत, निम्नितियों उष्योदेश से उस्त बन्तरण निष्यं में भासा विकंत में भासा विकंत कर से साथित नहीं किया नया है ——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की नानत, उन्त विश्वित्व के व्यीत कुद्ध देने के अन्तर्भ क दावित्व में कनी करों या उन्नर्थ वर्ष में बृत्या के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या कर्य वास्तियों को, बिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तु अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ग्या या किया वाना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के निए;

कतः प्रव, उक्त अभिगेभयम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निर्म्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) 1. श्रीमती मेलाल
 - 2. श्री कृष्णा जयराज लाल ।

(भ्रन्तरक)

(2) सरोवर फाईनेंम एन्ड इन्वेस्टमेंट कम्पनी लि०, सीतापुर द्वारा के०सी०श्रानन्द (डायरेक्टर)। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को जवत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अशाय में दिया गया है।

अनुसुची

दुकान पैमाइणी 978.25 वर्गफिट, स्थित सिविल लाईन सीतापुर, ' (जैसा फार्म 37-जी मे वर्णित है) ।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनऊ

हिनांक : 1-151-1985

प्रकृप बाह्य, टी., एत., एत., -------

भीयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पास 269-न (1) में विभीन स्वतः

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० जी० श्रार० संख्या ए-392/एक्यु०--श्रतः मुझे, विनोद कुमार,

कायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित्त, विसका उचित वाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से विधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० म० नं० 179/6 है तथा जो बाहद खाना, लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बुख्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से एसे दर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से जिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कन, निम्निशिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तकिक रूप से कथित नहीं किया गया है द्व---

- (क) जन्तरम् तं हुई किशी वाग् की वागत तक्त निधिनियन के नधीन कार दोने के अन्तरक वी स्वित्य में कमी करने गाउससे दवने में स्विधा के सिए; बार्-/या
- (ख) ऐसी किसी आव या किसी धन या अत्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय अध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ा उनत अधिनियम, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना काहिए था, खियाने में व्यिभा के तिष्;

कतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री राजेन्द्र नाथ सिन्हा।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुगैया परवीन।

(भ्रन्तरिती)

स्त्री सङ् अपूजना जाड़ी करको पृजाँकत सम्पत्ति को वर्णन को विषय कार्यनाहिमां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सुम्बन्ध में सोई' भी बाबोद्:--

- (क) इस बुक्ता के राज्यम में प्रकादन की तार्तीं है वे 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध हिंकसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उकत विभिन्नक, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

मकान नं । 179/6, स्थित बारुद खाना लखनऊ, (जैसा फार्म 37—जी में वर्णित है)।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनाँक : 15-11-1985

प्रकृप बाही, टी., एन. एस.,-----

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनौक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० जी० श्रार० संख्या एस-393/एक्यु०--- प्रतः मुझे विनोद कुमार

शावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० मकान नं० 35 है तथा जो टैगोर टाउन इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख मार्च, 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दरयमान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य उसके दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एंचे बन्तरच के सिए तब्धामा मबा प्रतिफल, मिन्नीकवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक कम ने के बित नहीं किया नवा है ट—

- (क) बन्तरण संहुइ किसी बाद की बादस उपल श्रीध-जियम के अधीन कर दीने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपने बचने में सुविधा के सिये; बीड/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आध्ित्यों करे, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्लाय प्रकट नहीं किया गया था सा किया जाना भाहिए था, छिपाने में स्विधा औं सिक्षा

(1) श्रीमती सुधीप्ता राय।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुखरावती शुक्ला ।

(भ्रन्तरिती)

(3) मेजर जनरल एस० एस० मोइतरा । (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पति है)।

को यह सूचना पार्टी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सै 45 दिन की अविधि या तत्संवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्पाकारण: ----इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पदौं का, को उक्त निधानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

नवृज्ञी

मकान नं० 35 टैगोर टाउन इलाहाबाद स्थित प्लाट नं० 39 के भाग पर जार्जटाउन एक्सटेंशन स्कीम, इलाहाबाद (जैंसा फार्म 37—जी सें वर्णित है)।

> विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, लखनऊ

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

दिनौंक : 15-1-1-1985

प्ररूप **वार्च .ठी . एन् . एव** ु--द=====

बायकर बरिपनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

मारत परकार

कार्यांलय, सहायक कायकर भाग्यत (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ दिनाँक 15 नवम्बर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संव बिल्डिंग नंव 481 (पुरानर नव 27) है तथा जो मोहल्ला ममफोर्ड गंज, इलाहाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता शिधकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1808 (1908 का 16) के श्रधीन तारोख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान विकास के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंध रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के तिए तय पाम क्या प्रतिकल निम्नुसिचित उद्देश्य से उक्त अंतरण निमिच्य में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुक किसी आय की बाबत, उक्त ब्रिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के ब्रिविश्व के अभी करने वा अवसे वचने में ब्रिविशा के ब्रिए; और/वा
- (क) एसे किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कृष् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना बाहिए जा, कियाने में सुविधा के लिए।

त्रतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, ठक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ं—

(1) श्री भवानी प्रसाद सिश्रा, इतरा श्री अर्यवन्द कुमार सिश्रा

(ग्रन्न*र*क)

(2) श्रीमती मीना देवी विपाठी ।

(भ्रन्तरिती)

(3) विकेता।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग सम्पति है)।

को नह सूचना चारी करके पूर्वोक्त स्थ्यप्ति के वर्धन के जिल्ल कार्यवाहियां सूक करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के तस्वन्ध में कोई भी शाक्षेत्र :---

- (क) इस त्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सर्वाभ था तत्सम्बन्धि स्थितयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, यो औ जविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी स्थितस द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पार निक्ति में किए का सकोंगे।

स्वश्वकिरण: ----इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

बिल्डिंग न० 481 (पुराना नं० 27) पैमाइश 503 वर्ग गज, स्थित मोहल्ला ममफोर्ड गज, इलाहाबाद।

> विनोदं कुमार सक्षम प्राधि हारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षग्र) श्रर्जन रेज, लखनऊ

दिनौंक : 15-11-1985

प्रस्प आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

धार्गालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनाँक 14 नवम्बर 1985

निर्देश सं० जी० धार० घार० संख्या टी—41/एक्यु——ग्रनः मुझे विनोद कुमार

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'एयत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्षम पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीन जिसका उचित बाजार मृत्य

1.90,000/- र_{ि.} से अविक ह

श्रीर जिसकी मं० प्लाट तं० 3 है तथा जो 18, मदन मोहन मालवीय मार्ग, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्राधीन तारीख मार्च, 1985

का पूर्विका संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिपक्ष के लिए अतिरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपरित का उचित बाजार मूलका उसके क्रयमान प्रतिपक्ष से, एसे दश्यमान प्रतिपक्ष का पंक्र शितका में अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नितिवित उद्विश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) चंतरण ये प्रकृ किसी आय की बाबत, उक्त अधि। नयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क्ष) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्थि। के िए।

अतः अप, प्यतं आधिनसम की धारा 269-ग के अवसरण में, मैं, उक्त पिश्विस्मार्ग धारा 260-घ की उपधारा (1) के भिनेत, निम्तितिसन व्यक्तियों, अर्थात् :---25--376 GI/85 (1) मेमर्स ग्रमरापती सहकारी गृह निर्माण समिति लि० 554ख/37 विशेश्वर नगर, लखनऊ, द्वारा सचित्र श्री डी० मी० श्रीवास्तव। (श्रन्तरक)

of frame for

(2) श्री विलोचन सिंह,

TO LOSS BUTCO BY THE THE THE PROPERTY OF THE CONTROL OF THE CONTRO

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताशील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से िक्सी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस गचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

प्लाट न० 3, पैमाइशी 9980 वर्ग फिट स्थित 18; मदन मोहन मालवीय मार्ग, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी) में वर्णित है)।

> विनोद कुमार मध्मम प्राधिकारी महाबक चापकर ऋायुक्त (तिराक्षण) ऋर्जन रेंज, नखनऊ

दिनौंक .- 14-11-1985 मोहर प्रका बाई . ही . एन . एव . -----

बायफर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन त्यना

पारत वरकाह

हार्वासय, भहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांकः 14 नचम्बर 1985

निर्देण मं० जी० ग्राई० ग्रार० मंख्या यू०--46/एक्यु/----ग्रतः मुझे, विनोद कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ब्राराजी है तथा जो ग्राम देहरी मुस्तहकम तह० व जिला मुरादाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मुरादाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाँबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नीसिवत उद्देश्य से उक्त अन्तरण बिचिष्ठ में बास्तिक कप से कियत नहीं किया बना है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबता, उबता अभिनियम को अभीन कार दोने के अंतरक को दानित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (व) एसी किसी नाय या किसी भन या अध्य निस्त्यों की, जिन्हों भारतीय नायकर निश्चित्रका, 1922 (1922 का 11) या उक्त निश्चित्रका, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोचनार्थ जीवरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था किया जाना चाहिए था, छिथाने मा स्विभा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिश्चित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) श्री हेम राज।

(भ्रन्नरक)

(2) श्रीमती उषा रानी ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पृशास्त सम्पत्ति के वर्षन के निष्
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की बन्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इताइ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूभ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकोंगे।

स्थळीकरण :----इसमें प्रयुक्त कच्चों और पदों का, जो उक्क प्रीक्षितयम के अध्याय 20-क में परिशापित है, वहीं अर्थ होगा जो उम्म अध्याय में दिया स्था है।

ग्रनसूची

ग्राराजी पैमाइशी 809.40 वर्गमी० स्थित ग्राम देहरी मुस्तहकम तह० व जिला मुरादाबाद (जैला फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> विनोद कुमार नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 14-11-1985

मोह्नर:

प्रक्रम बाह् ः टी ु एन ु एन ु-----

शायकर नौधीनयम, 1961 (1961 का 43) की चाड़ा 269-च (1) के नधीन स्चना

भारत सहस्वार

कार्यालय, सहायक वायकर बायक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश स० जी० श्रार० संख्या वी-87/एक्यु०---श्रतः मुझे विनोद क्मार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृज्य 1,00 000/- रु. से अधिक ही

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो खरगपुर रोडी नगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री रिता प्रधिशारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्री रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

मो पृथंचित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय करी बाबत, उक्छ विधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा के बिए; बीर/वा
- (ख) ऐसी किसी आय वा किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर ऑफीनयम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अफिनियम. या धन-कर ऑफिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया प्राचा चाहिए था खिलाने में मुद्दिन के तिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्रीमती रामवती पुत्री श्री मंगल।

(ग्रन्तरकः)

(2) विजय प्रताप नगर महरूारी स्रवाम समिति लि० लखनऊ, द्वारा मचिव श्री गुरु प्रमाद ।

(अन्तरिती)

को यह बुचमा बारी करक प्रांचस सपान क वर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उन्त सम्परित के जर्जन के सम्बन्ध मां को। भी जाक्षप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिख है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम निक्कित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि पैमाईशी 75004 वर्ग फूट स्थित ग्राम खरगपुर 'फरोदी नगर, लखनऊ (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

विनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखन**क्ष**

दिनांक : 8-11-1985

मोहर •

प्ररूप आई. टी. एन. एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालरः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लक्षनऊ

लखनऊ, दिनाक 8 तबम्बर 1985

निदेश सं० जी० ग्रार० संख्या वी-88/एक्यु०---ग्रतः मुझे चिनोद कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो ग्राम तः रीही, जिला लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में और पूर्ण रूप सं वर्णित है) रिजस्ट्रीशर्ता अधिरारी के ार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीशरण श्रधितियम 1908 (1908 त 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1985

को पृथेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल के एसे दृश्यमान प्रतिफल का उद्भुह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती जिन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के दिलए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

(1) श्री खिमई।

(प्रन्तरक)

(2) विजय प्रताप तगर सहआरी गृह आयाम समिति लि० लखनऊ, द्वारा मचिय श्री गुरु प्रमाद ।

(भ्रन्तरिती)

(3) विकेता।

वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति हैं)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त कंकितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अमुसुखी

भूमि पैमाइणी 1,41.638 वर्ग फिट स्थित ग्राम तकरोही जिला लखनऊ, (जैसा फार्म 37-जी में वर्णित है)।

> चिनोद कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक **ग्रा**यकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंग, ल**खनऊ**

अस. गर्ब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियमों, अर्थात्:—

दिनाः . 8-11-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आहें. ठी. एन. एस. -----

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, मद्राम

मद्रास, दिनाक 8 नवम्बर, 1985

निदेश मं० 13/मार्च 1985---- ग्रतः मुझे श्रीमती ए.म० सामवेल

शासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 59/1ए है तथा जो नामगिरिपेटी में स्थित है (और इस उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री निर्मा प्रिकिट्री के नार्यालय द० सं० 374/85 में रिजिस्ट्री क्रिक्ट्री स्थित । 908 ए 16) के अधीन तारिख मार्च, 1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कुन के दश्यमान लिए अन्तिरत की गर्ह्र धेर को मभते यह करने कारण हैं विश्वास का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उध्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था सिया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अत: जन, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मों, उक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्मणिनित व्यक्तियों, समारा .→

(1) श्रीमती द्यार० तत्स्वती प्रम्माल।

(अन्तरङ्)

(2) श्रीमती शारः भाडण्य गोन्सुर ।

(ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारी करक पूर्विक्त स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जनिथ या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों मे किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

मन्स्यो

भमि और निर्माण भर्वे न० 59/1ए, नामगिरिपैटी गांच सेलम (दम० मं० 308/85) ।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहादक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्राम

दिनां ः . 8-11-1985 मोहर ः प्ररूप आर्ष्: टी. एन , एस ..-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, मद्राय

मदास, दिनाभ 8 नवम्बर, 1985

निदेश मं० 18 / मार्च 1985—- ग्रतः मुझे श्रीमती एम० मामुबेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ओर जिनकी पर डोर संर 47, मेन रोड़, पदमाली में स्थित हैं (और इसमें उन्नबंद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप में बणित हैं) रिक्ट्री इती प्रधिकारी के जायित्य वर सर 337/85 में रिजिस्ट्री इरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीत तारीख मार्च 1985

को प्वंक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके काबमान प्रतिफल से एसे क्श्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल को पंत्रह प्रतिफल के लिए तय बाबा नया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भारतिक हम के किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः: असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूतरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नसिखित व्यक्तिसयों, अधीत् :--- (1) श्री बी० श्रीरगोंन्डर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पीठ पोत्रुस्वामी और श्रन्य । (श्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कराप हो।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप है-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी की पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पष्टिकरणं:---इसमे प्रय्क्त शब्दो और पर्दों का, जो उ**क्त** अधिनियक, के अध्याय 20-क में परिभाषिका ह^{र्}, यही कर्थ हंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्ची

भूमि और नर्मिण डोर मं० 47. भेन रोड. परमाती) (द० मं० 337/85) ।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंग!, मद्राम

दिनां । 8-11-1985

माहर :

प्रकृप कार्द . टी . धन . ६६ . -----

नाथकर विभिनित्तम् । 1961 (1961 का ४००) की थारा 269-म (1) के वभीन स्वरत

थारत सरकार

कार्याजय, सहायक कामकर अव्यक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्राम

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

िनिदेश सं० 20/मार्च (985—अत: मझे, श्रीमती एम० सम्बेलः

बावकर बीधानवन, 1961 (1961 का 43) (नियमें इसमें इसके परधात् 'उनस अधिनियम' सक्क रूप हैं), की भारा 269-व में जधीन सभान अधिभारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्भत्ति, जिस्रां उचित वाजार मस्य 1,00,000/- रू. से निभक हैं

श्रीर जिसकी स० 25 (एस० स० 482/६) है तथा जो मेलमुगम गांव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एटपाडी द० म० 264/85 में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

का पूर्वेक्त सम्पत्ति के शिवत बाकार मन्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिश की वहां रि मक्त यह विश्वास करने का कारण हो कि वभाप्षीय सम्पत्ति का उणित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख, उसके दश्यमान प्रतिफल का प्रमुख प्रतिकास से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरका) आरे अन्तरिती (अन्वरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय प्राथा गया प्रतिफल, निम्निजितित उद्देश्य स उक्त जन्तरण किला म्य

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध्, की बावन, उक्त अधिनिवस के अधीन क्ष्य दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचाने में तुविचा के लिए; और/या
- (थ) इंबी किसी क्यम मा किसी जन या अम्म आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (19'/ का 27) के प्रबोजनार्थ अन्तरिती ब्याय प्रकट नहीं किया गया वा निका बाना काहिए था, छिनाने में सुविभा के सिक्र,

क्कि श्राप्त जनत निर्धानियम की धारा 265 न के अन्तरण कै. भैं उक्त निर्धानियम की धारा १८९-म की उपकास (१) के अधीन निम्नलिमित व्यक्तियों, अधीत :——

- (1) श्री के० बालामुक्रमन्यम ।
- (अन्तरक)
- (2) श्री एम० प्यक्तिचामि ।

(अन्तरिती)

को यह सुमना जारी करको पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन को सिध् कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबध में लोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के सजनत में अन्ध्रशन की तारीत है 45 दिन की ननिय ना त्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीत से 30 दिन की ननिय, जो भी नविष नाय में समाप्त होती हों, के भीतर पृत्रीकर क्यिनतायों में से किसी व्यक्ति दवारा.
- (क) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थम्बर सम्मति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वाच अनेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें

स्वाकरणः — इसम् प्रजुक्त शब्दों और पदों का, जो उपक अधिनियम, के डा अ 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंग जो उस अध्यास के टिक्स गया हैं।

वन्स्यी

भूमि और निर्माण सर्वे म० 482/6, मेलमुगांव कारबहिल-भटीपुटूर, पुराना सिवनपटी स्ट्रीट, मेलम, (द० स• 264/85)

> ण्म० मामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, मद्रास

दिनांक: 8-11-1985

प्रकाष बाह्र .टी गृन .एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत कल्यार

श्चायां स्थाप मार्थिक मार्थकर नायक्त (निरक्षिक)

अर्जन रेज-ा. मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश मं० 21/मार्च, 1985—अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269- व से अभीन सक्षम प्राध्यकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी मं० आर० एस० सं० 298/1ए, 298/1 है तथा जो पन्नापालैयम में स्थित है (घ्रांप इससे उपाबद अनुसूची में भ्रोप पूर्ण रूप सेवाणित है) रिजिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय द० सं० 601/85 से 605/85 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजा मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए जन्तिरत की गई / और ्रमें यह विश्वास करने का कारण है कि एक्क एक एक एक उचित डाजार मूल्य, उसके र व्यान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बन्द्र प्रशिवात है बीधक है और विश्वास (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिकों) के बीध एसे अंतर १ के लिए तस पाया गया प्रतिक्त का निम्मिलिबित उद्देश्य से उसके अन्तरण लिकित में नास्त्रिक कर ये कि भिन्न नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण सं इ.ड. किसी आय की धावन, तकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व भ का है। हरन का उसमें बचने भे स्मि। के लिए; और/ प
- (ल) एती किसी जाम या जिली धन या जन्म जास्तियों भी जिल्हें भारतीय जामकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हें किश्वित्रमः, गां धन-कर गीधिनयम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोग गर्थ जन्तरिती व्याः शक्ट गहीं किया नया चा के किया जाना चाहिए था, गिराने में समिक्षा के सिए।

बत: बब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :--- (1) श्री पी० एम० कृप्पस्वामी श्रीर

(अन्यरक)

(2) श्रीमती जि० नागरतनम ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके प्रवित्त सम्बन्धि के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उक्त गम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति ;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्मर्व्योक्तरण .--इसमें प्रयाक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि आरु० एस० सं० 298/1ए, 298/1ए, पन्नापालैयम गांव सेलम । (द० सं० 601/85 से 605/85 तक) ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज~1, मद्रास

दिनांक: 8-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारत 269-ए (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर, 1985

निदेश सं० 174/मार्च 85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल जिसे उपत अधिनियम' कहा गया है, की धारा 260-म के अधीन सक्षम पाधिकारी की यह विषयास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्स 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 4, 1/14, ब्लाक 1, वार्ड सी है तथा जो अलगापुरम पुदूर गांव सेलम जिला में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय स्रमंगलम द० मं० 560/85 में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1909 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पृथिकत सम्पत्ति के उणित बाजार मृल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का थारण है कि यथा पृतिकत संपत्ति का उणित बाजार मृल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल में, एमे ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतिरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एेमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए:

अते अतः, उत्तर अिनियम की धारा 269-ए के अनगरण मों, मो, जनते अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) को कथी जिस्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री एस० सुन्दरेसेम ।

(अन्तरक)

(2) श्री के० आर० प्रेमनाथ

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितब्संध किमी जन्य कारिका स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिकि में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी॰ एस॰ सं॰ 4, 1/14, ब्ललाक 1, बार्ड सी, अलगाः पुरम पुदूर्भृगांव सेलम टाउम (व॰ सं॰ 560/85)।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अजीन रेंज-2, मद्रास

दिमांक: 8-11-1985

मोहरः

प्रकल् बाह्". टी. एन्. एत्.,-----

भायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

HIZO SZEZZ

कार्यास्य, सहायक जावकर नाम्कत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, मदास

मद्रास, दिमाक प्नवम्बर 1985

निदेश मं० 17⁶/मार्च/ 85—अतः मुझे। श्रीमती एम० सामुवेलः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा ?69-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 182/3, अलगापुरम है तथा जो
मेलम तालुका श्रीर जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सूरवंगलहै द० सं० 617/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीम तारीख मार्च, 1985
को पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाबार मृन्य से कम के ख्यमान
श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त संपत्ति का उचित बाबार
मृन्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, ऐसे ख्यमान प्रतिफल का
पन्तक प्रतिक्ता से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और
अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के नीच एसे बन्तरण के रिलए तथ
पावा नया प्रतिक्तन, निम्मिनियत सद्वरण से उदित बन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (कः) अन्तरण ए हुई किसी जाम की नामक उनक निपित्तन में संबीध कर देने में जन्तरक में शादित्य में कमी करने वा उनके स्थाने में सुविधा के लिए; स्वीर/वा
- (भ) एंसी किसी जाय या किसी भन या जन्य क्राम्लियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

बत: अप, उक्त आँधनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- (1) श्री एस० एम० शन्मुगम भीर अन्य।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती बन्दमा गुप्ता ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त बंदरित के क्वान के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी जविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सक्षेत्री।

स्पर्वतिकारणः --- इसमें प्रयुक्त सम्बों और पर्वों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्वाय 20-क में भीरभाषित ही, बही अर्थहोगा, जो उस अध्याय में दिया वया ही।

अनुसूची

भूमि एस॰ सं॰ 182/3, अलगापुरम, सेलम तालुका श्रौर जिला (द॰ सं॰ 617/85)।

> एम० सामुपबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनांक : 8-11-1985

मक्ष्य बार्च हो प्रमा प्रमा करू

(1) श्री बी॰ पी 0 रामदास ।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० नागराजन ।

(अन्तरिती)

जावकार जिथितियम, 1961 (1961 का 43) की जारा 269-म (1) के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्नासम, तहायक बायकर बायुक्त (विद्वीक्षण)

अर्ज म रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनाक 8 मवम्बर 1985

ि भिदेश सं० 22/मार्च 1985——अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेलः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ≥69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 67, पेरम्बूर बक्श रोड़ 16 वेद विमायगर, निष्ठिद स्ट्रीट है तथा जो मद्रास-7 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची मे स्रोर पूर्ण रूप मे बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय द० सं० 389/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति को उचित वाजार मूल्य स कम को दरयमान प्रतिफल को लिए बन्तिरित की गई है और मुकं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत लिपित्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत मे अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित को सिए तय नावा गया प्रतिक्कन, मिन्निसिव उन्हें से उस्त बन्तरक निर्मा को सिए तय नावा गया प्रतिक्कन, मिन्निसिविव उन्हें किया गया है ह——

- (क) अंतरण से हुइ किसी शय की वाबत. उक्त विधिनियम को अभीत कुर क्षेत्र को अन्तरक थी द्रावित्य में कुदी कहने वा उन्नम्ने वचने में सुविधा को मिए; बॉट्/जा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा अन्य आस्तिकों को, जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के योजनार्ध अन्सौरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना शाहिए शा छिपाने में सुविधा के लिए;

सत्तक्ष वाव, अवत कर्मियनियम की धारा 269-ए की जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की काश 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिमां कुक करता है।

उक्त संपत्ति के कर्षन को संबंध में करेड़े भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के हायवन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की नवींच मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, शे भी भविष बाद मा समाप्त होती हो, क भीतर पर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क्ष 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर संपन्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के बार निवित में किए जा सकति।

स्थव्यक्तिकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, आ उजस जिथिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विकास भवा ही।

वनसूची

भूमि ग्रीर मकान 67, पेरम्बबूर बरक्स रोष्ट; (16 वेद विनायगर कोईल स्द्रीट, मद्रास-तरशवानकम लेख सं० 389/85

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिशारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) अर्जम रेंज-2, मद्रास

विनांक : 8-11-1985

व्यक् वार्त . वर्त . व्यक्तिकार वार्त व्यक्तिकार

आवकर श्रीधीनयम,, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 भ (1) के अभीन तुमना

पारक करकार

कार्याजयः, बहायक वायकर मानुवद (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 11, मदास

मद्रास, दिनांक 8 मवम्बर 1985

निदेश सं० 64/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

वानकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (किये इसमें इसके परभात् 'उन्दा मिनियम' नहीं गमा हैं), की भारा 269-स में म्भीन सक्तम प्रीधकारी की नह जिस्मात भरने का कारण ही कि. स्मायर सम्मत्ति, विश्वका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से जीधक हैं

शौर जिसकी सं० बरिलयार—सर्वे सं० 194/20 1बी-194/20 1बी हैं, जो 194/20 10, 1एबी, 194/4, में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विजत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर, लेख सं० 490/85 में भारतीय, रिजस्ट्रीकरण अधिि-यम, 1908 (1908 का 16) के अधीम 16 मार्च 1985।

को पूर्वोक्त संग्योस के उकित नाजार मूल्य से कम के दरवमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है बीर मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उकित बाजार मूच्य, उसके क्ष्यमान प्रतिक्तन से, एसे क्ष्यमान प्रतिक्त का वस्त्रह् प्रतिकृत से मिल्क है बीद सम्बद्ध (क्ष्यादकों) जीर अन्तरिकी (क्ष्यादितियों) के बीच ऐसे सम्बद्ध के बिद्ध तब पावा नवा प्रति-क्ष्य विश्वादितियां) के बीच ऐसे सम्बद्ध के बिद्ध तब पावा नवा प्रति-क्ष्य विश्वादितियां के क्ष्या से उस्त सम्बद्ध विश्वाद में बास्तविक रूप से कथिस नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई कि बी आव की वायतः, क्यक जीधीनयम के जधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उत्तते वचने में तृतिभा के विष्; और/वा
- (व) एसी कियों नाम या कियों धन या कम्म कास्तियों को; कियों भारतीय धानकर धिक्षियय, 1922 (1923 का 11) या उपत धिक्षियय, वा अम-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रभोजनार्थ जन्मीरती हुनारा प्रकट नहीं किथ। गया था या किया जाना चाहिए वा, क्रियाने में मृजिशा के बिए ।

अतः सव, जन्त विभिन्निय की भारा 269-व के अनुबरण भी, मी, उनत अधिनियम की भारा 269-व की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री मैं केल ।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश जैन।

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके वृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त तम्मीत्त के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ∴--

- (क) इसं स्वाना को राजवत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तस्त्रवारी व्यक्तियों वद बूचना की ताबील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य ध्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थानकिरणः — इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तर विभिन्निमा, क श्राप्याय 20-क मा म्या परिभाषित है, बही क्यों शोल की उत्तर कथ्याव मी जिल्ह भवा है।

अनुत्या

भूमि-बरिलयर सर्वे० सं० 194/2ए ।बी, कूनूर लेख सं० 490/85-194/2ए ।बी, 194/2ए ।ए.। ।एबी, 194/4।

श्रीमती एम० सामुबेल प्रधान पाश्चिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज 11, मद्रग्रं

तारीख: 8-11--1985

मोद्धर:

प्रकव भाष्ट्रे.दा एन.एस -- --

क्रायकर अभिनिक्स, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-ाम (1) में सामीन स्वाना

मारत सहकार

कार्यालयः, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2 मद्रास

मद्रास दिनात 8 नवम्ब 1985

निदश स० 65/माच १५--ल मम्रे, श्रीमती एम० सामुबेल

कारकर मधिनिधन, 1961 (196) का 43) जिस इससे 260-क के अधीय संभाम प्राधिकारी का, यह विक्याम करने के कारण है कि स्थावर सम्मणि, जिसका सक्षित बाध्य सम्मणि 1,00,000/- रह से अधिक ही

श्रीर जिसकी स**ं** ते मैनलूर गाव——तख मर उत्तर श्रीर 309 की गोंडुल में दी है जा हुई सम्पत्ति में रिध्त हैं (श्रीर इसर प्राबद में श्रीर पूर्ण रहा श्रीणत हैं) रिजाई। कर्ता अधिहारी के लायीलय, ते हिंस्ना होर सं . (8 श्रीर 309/85 में भारतीय रिजास्ट्री जा जीवित्स 1908 (1908 का 16 के जिसेन 16 विस्त 1985 ।

का पूर्वित सम्पत्ति के जोजत वाजार मृत्य स कंस के रहयगान प्रतिकल के लिए जन्ता के प्राप्त में करने का कारण हो कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उपच

मृत्य उसके दश्यमान प्रातपाल सं एसं इत्तमात प्रांत राजा । पन्यह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अहरिती (अतरितियों) क बीच एसे महार के निए तय पाया गया प्रति फल निम्निक्ति उद्दोश्य से उथा अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क्क) अन्तरण संहुर किसी आय की वाद्ध ३३८ अधिशेषकम के अधीन कर बन के अन्तरक के अधिश्रम में कमी करने वा उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (च) एंसी किसी बाव या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2/) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, क्षिपान में मुनिया के विक्

जत ज्या, उपत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवत अभिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नीमिखिल स्वित्वियों, सर्थात् —

(1) श्री 'বিবুদা नेपु 'বাদি गोडर।

(अन्तरक)

(2) श्री तिस्मले वामि गौडर ग्रीर 2 नन्यों श्री पत्रानि स्थामी गाडर के पुत्र ।

(अन्तरिती)

का यह सृष्या बारी कश्के पृत्रोक्त सम्मिति के बार्यन के सिर्ध कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उपल सम्पत्ति के अवंग क सबभ में कोडी भी आक्षण ह---

- (क) इस सूचना की राजपन में अकाशन की तारीस स 45 दिन की अविषेत्र या भान्यका थी करतेया पर सजना की गर्माल में 30 किन का सर्वोष का भा अविषय में समाप्त होती हो, अ मातर पूर्वेक्त पानितया में स किसी के विषय नवारा
- (क) इस सूचना का गापन मा प्रश्नात की गरित्र के 4.5 दिन के भीतर सकत स्थावर समाज का एंडा बद्ध किसी अन्य का का का द्वारा उन गापना के गर लिखत मा निकार जा सकत

अपक्षतीक । अपने प्राप्त के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, जहा तथ ग्राप्त की अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, जहा तथ ग्राप्त की अध्याय श्राप्त की प्राप्त की स्थापत की स्यापत की स्थापत की स्य

अनुसूची

लेख स॰ 308, 309/85 की शेडुल में दी हुई सपत्ति तोण्डामुत्तूर लख प॰ 308, 309/85।

> श्रीमती एम० सामुवेल यजम पाधिसारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज- , मद्रास

तारीख 8-11-1965 मोहर प्रकम नाइ. दी. एन . एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत चरुकारु

कार्यासमः, सहस्यक आयकर सायक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास दिनाक 8 नवम्बर 1985

निदेश मं० 68/मार्च 85—अतः मुझे, श्रीमती vम० सामुबेल.

माय कि अभिनित्तम, 196: (1961 का 43) (जिस इस कि कि कि कि शान अधिनियम कि तक है, की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निदम्स करने का कारण है कि क्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिलको सं लेख स० 899/85 की शेंडुल में दी हुई सपत्ति है, जो में स्थित हैं (स्रौर इसमें पाइड में स्रौर पूर्ण क्य से बीजत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता काधनारी के नामिलय, गूडलूर (नीलगिरीस्) लेख स० 89%/85 में रिजिस्ट्रीकरण जिल्लिम, 1908(1908 का 16) के अधीन 16 मार्च 85

को पृथींकत सपत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास सुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बया पृथींकत संपक्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्व्यमान प्रतिफल के एन्से द्व्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अन्तरिक्ती (अन्तरिक्रियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिखित उद्देश से उस्त अन्तरण लिखत में बास्त विक रूप से किनत नहीं किया गया है ;——

- (क) कराइक संबद्ध किसी बाद की नावत, अवस विभिन्नक के ब्रेपीय कड़ दोने के अन्तरक के दासित्व में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के किए; बीड/वा
- (क) एसी किसी नाय वा किसी पून या अप जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपक अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अध्यापार्थ क्रिक्ट स्थापित स्वाप्त प्रकट नहीं किया बना था सिक्ट साथा आहिए था क्रिक्ट में स्विभा को निए;

भए १व. उसत वाचित्रमा की थार 269 में ए प्राप्त में, मं, उसत अधिनयम को भारा 269 में की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात क्र

(1) श्री एस० बारूमुक्कु गौडर।

(अन्तरक)

(2) श्री ए० सुम्रमणियम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिको करणा है।

धनक क्रम्मिक से सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी जारावे :---

- (क) इस स्वान के राज्यन के प्रकाशन की तार्रीय के 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की ताबीन से 30 दिन की अविधि, को धी व्यक्ति कार्य में तमाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशित की तारीस से 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पत्ति में हित-नव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा बकों ने।

स्थव्यक्तिरणः — इतमें प्रमुक्त शब्दों और पदी का, को उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित : है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

धनुसूची

लेख मं॰ 899/85 की शेडुल में दी हुई सम्पत्ति, गूडलूर (नीलगिरीस्)।

> श्रीमती एम० मामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख . 8-11-1985 मोहर: प्रस्य मार्घ . टी . एम . एस

आवश्वर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 नवम्बर 1985

मिदेश सं॰ 75/मार्च 85—अनः मुझे, श्रीमती एम॰ सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यान् 'उन्दर्भ अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मिल, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से श्रीक हैं

श्रीर जिसकी सं० कोमारपालयम् है, जो कोयाम्बत्तूर लेख सं० 935/85 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रहुसूची में श्रीर पूर्ण रुप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर लेख सं० 935/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16) के अधीन 16 मार्च 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत नाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रतिकास के सिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने की कारक हैं कि वयाक्लोंक्स सम्मत्ति का उभित्र क्षणार मृत्य, जावके दरवमान प्रतिफाल से एते दर्यमान प्रतिफाल के क्ष्यह प्रसिद्ध से न्यापित का उभित्र के क्ष्यमान प्रतिफाल के क्ष्य प्रतिकार से निर्धिक हैं और नंतरक (बंद्धरकों) और नंतरिती बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफान, निम्मिसितित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण निक्तित यों वास्तविक क्या से किश्नत नहीं किया नवा हैं:—

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की बावस, अन्तर अधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के शिवित्व में कभी करने या उत्तम वधने में मृतिधा ने निष्: वर्षित्वा
- (स) एती किसी अपय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा भी सिद्धी

अक्ष: अस, उक्त लिधिनियम की भारा 269-ग के जनअपण के, की, की, जनन लिधिनियम की धारा 269-म की उन्धारा (1) के अभीन, दिस्तिबिंखत व्यक्तियों, अर्थात :--

(1) श्री भिन्नतंबी।

(अन्तरक)

(2) श्री आर० पण्मस्गदरम्।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथीकन सम्पतिन, के जर्जन के लिए कार्यनाहिया शास्त्र करता हुए।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षेप .--

- (क) इस मुखना के राज्यव में प्रकाशन की तारीश से 4.5 दिन की अविधि मा तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सुखना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध ताद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी स्थितर देशाराः
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अशहस्ताक्षरी के पान किसे में किसे जा सकी।

स्पष्टीकरण: --- इरामे प्रयुक्त शब्दों और पर्वां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

धनुसूची

भूमि श्रौर मकाम—कुमारपालयम् गांव, कोयाम्बत्तूर कोयम्बत्तूर लेख सं० 935/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल ंक्षम प्राधिकारी महासक आसकर अध्युक्त (फिरीक्षण) अर्जन रेंज-II मद्रास

नारीख: 8-11-1985

मंहर:

पहच आर्ड टो. एन एस.---- --

अभ्यक्त विश्वतियम, '961 (1561 की 43) जी धारा 269-ध (1) क अधीन म्चना

मारत सरकार

कार्यालय, महायक बायकर बायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० 80/मार्च 85--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

शायकर शिंधि यस, 1961 (1963 वा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00.000/- रह से विश्वास है

स्रौर जिनकी सं० ऊट्टी है, जो नीनिगरीस, उट्टी में स्थित है (और इनने उपावड़ अनुसूची में स्थौर पूर्ण रूप पे विणत है), रिजिस्ट्रीन्तों अधिवारी के धार्यालय, उट्टी लेख सं० 251/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अ ोन 16 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य से क्रंग के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह निश्वास करने का रारा है कि प्रधार्वोक्त रम्भीत को उचित प्राजार मन्द्र प्रतिकृत से अधिक हैं और सन्तरक (अन्तरको) अप यनिया (अन्तरितंत्रों) के नीच एसे असरण के बिए उम पास प्या प्रतिकृत , जिम्मीनांच्य इद्देश्य से उक्त जंतरण निकित में गास्तिक कुण य कथित नहीं किया गया है...

- (क) अस्तरथ में हुई कियों साथ की नावत, उक्त अधिनियम के जधीन कर देन के अन्तरक के तांशित्य ब कशी करने का उक्कशंतकने में स्विता के जिए. स्वर्थना
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हा जिन्हों भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम या खनकर अधिनियम या खनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती यूषारा प्रकट नहीं किया कमा का या किया जाना थाहिए वा जियाने में गाँवधा के निष्

जतः शब, उक्त जीधनियम की धारा 269-म के जनुसरण हो, मी, उक्त जीधनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, जथात् क्ष- (1) श्री सत्याल पुरी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमनी गोवा वाय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्या करता हु।

बन्त सम्पील के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षे :--

- (का) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की लगीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अगीध, जो भी अगीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त सिक्तरण के स्वार्टन द्वारा.
- (स) इस सुचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीस है 45 स्थापन को हत-बहुभ किसी सन्य व्यक्ति द्वारा, सभोहस्ताक्षरी से गास सिमित में स्थित सा सकेंद्रे हैं

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं। है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि ग्रौर मकान-ऊट्टी नीलगिरीस, ऊट्टी, लेख सं० 251/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्ष्म प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 8-11-1985

प्रकृत कार्<u>ष्</u>र हो . एक . प्रकृत ------

नाथकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सुचना

सारक चंडनंबड

कार्यांसय, सहायक बायकर बायुक्त (विरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मब्रास

मद्रास दिनांक 8 नवम्बर 1985

िनदेश सं० 90/मार्च 85—⊷श्रवः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रं इसकें इसकें परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन कक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० लेख मं० 979/85 की शब्रूल मे दी हुई मंपत्ति है, जो में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम्, लेख सं० 979/85 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन मार्च 1985

को वृजीकत तस्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकत को सिए अन्तरित की गई हैं दर्गर मुख्ये यह विकास करने का कारण है कि यथापृथेकित सम्पत्ति का उचित काकार मृत्य उत्तर्थे दश्यवान प्रविकास हैं तुर्वे दृश्यवान प्रतिकत का वस्ताह प्रतिक्षत अभिक हैं जौर अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के विद्यु कव वाला जवा प्रतिकत, निकासिया कहवेचन से क्या अंवरण विद्या की वाला वा प्रतिकत, निकासिया कहवेचन से क्या अंवरण विद्या की वाला है है—

- (क) क्रम्बरण वे शुर्च जिल्ही भाग की नागए, उनके जीवरियार, के अवीत कहा दोने की वास्तरक कें क्रमित्व में कहीं कहते वा उसके बचने में कृषिया की जिल्हा कीई/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी थम या अभ्य वास्तियों को विन्हों भारतीय जायकार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत विभिनियम, या भग-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इंशारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना चाहिए था. कियाने में सविभग के विकार

(1) श्रीमती राधा वासुदेवन्।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० गंगाधरन ग्रीर दूसरे।

(भ्रन्तरिती)

को यह ब्यान जारी अरले पूर्वोक्त सम्पर्धेत के अर्थन के क्षिप्र कार्यवाहियां करता हुं।

उन्द सम्बक्ति के सर्वन के संबंध में कोई भी आखेब हु----

- (क) इस स्वना के राज्यम में प्रकाशन की तारीक वै 45 दिन की सर्वाध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, जो औं सर्वाध वाद में समान्त होती हो, के मीतर क्षींकड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता में राजपन में प्रकारण की बारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबक्ष किसी सम्ब व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षर के पास तिक्ति में किए या तकी।

त्यक्विकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो उद्यक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिशायिक है, नहीं अर्थ होगा जो उद्य संख्याय में विकास गया है।

प्रनुसूची

लेखा सं० 979/85 की शेडूल में दी हुई संपत्ति, गांधी-पुरम्, लेखा सं० 979/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल संक्षम प्राधि नारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारी**ख** : 8-11-1985

मोहर 🥲

त्रक्ष्य वाहाँ . टी . पुन् . एस . ------

(1) श्री के ० डी ० ग्रान्थोनी।

(ग्रन्तरक)

नायकर मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) से सधीन सूचना

(2) थीं ले॰ जेसुदास।

(ग्रन्तरिती)

शारत चरकार

कानकिय, बहायक नायकार भाव्यत (निद्रीक्षक)

श्रर्जन रेंः-2, मद्रास

मद्राम दिनाक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० 91/मार्च 1985—-श्रतः मुझें, श्रीमती एम० सामुबेल,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), भी भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृज्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

ध्रौर जिसकी सं० गणपति गांव, एस०सं० 198 डी०एस० सं० 1279 है, जो कोयम्बलुर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता ग्राध-कारी के कार्यालय, गांधीपुरम् लेख सं० 1025/84, में रिजस्ट्रीवरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल का बल्क प्रतिफल के दश्यमान प्रतिफल का बल्क प्रतिपत्त से अधिक है और जंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तविक रूप से कीवत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक छे बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविक्ष के सिए; बौर/बा
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने में सुविधा के लिए;

का बहु शूचना भारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास निकित में किए का सकेंगे।

स्वक्कीक हुण:---इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पदो का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं अर्थ होगा को अध्याय में दिवा गया है।

अम<u>ृ</u>स्ची

भुमि--गणपति, गांव कोयस्बसुर--गांधीपूरम्, लेख सं० . 1025/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल राक्षम प्राधि नरी सहायक ग्राय पर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रवेन रेंज-2, मद्रास

नतः चन, उनत अभिनियमं की भारा 269-ण के अनुतरण भें, में. उनत अभिनितम की भारा 269-ण की उपधारा (1) को अभीन, निस्तिविक व्यक्तियों, अभीत् क्र—

तारीख - 8 -11-1985

मोहरः

प्ररूप वाइ. टी. एन. एस. -----

नायकरं अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कामीसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-2, मदास मदास दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश मं० 92/मार्च 85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इस भें इसके पंचात् 'उक्त अभिगियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी मं० 585/2, उष्पिलिपालयम् है, जो कोयम्ब-त्तुर में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबढ़ में श्रीर पूर्ण रूप से बांधित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता स्रोधकारी के कार्यान्य, स्थिनव्युर सख मं० 647/85 में भारतीय रिक्स्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908(1908 का 16) के स्राधीय मार्च 1985

को पूर्वाक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रथमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का पुन्द्रह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विश्वास के बास्तरिक रूप से किया गया है :—

- . (का) अन्तरका से हुई किसी बाय की वावत, उसत वर्षि -नियम के अधीन कर देने के बंतरक के वायित्व में कभी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या
 - (च) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शिह्ए था, छिपाने में सृविधा के रिस्ट;

कतः अबा, उकत अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण को, की, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निक्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री मार० गेलवराज।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एन० कुमारस्वामी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीवस सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप हु--

- (क) इस स्वेना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में बरिभाषित हाँ, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्द्रभागी

भुमि श्रौर मकान--उप्पिलिपालयम्-शिगनल्लुर, लेख सं० 647/85।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मन्नास

तारीख : 8--11--1985

मोहर .

प्रक्ष आहे. की. धन्. एक. ------

(1) श्रीमती सी राजमन्न।र।

(मन्तरक)

(2) श्रीमती जानेत बिगम्।

(भ्रन्तरिती)

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धरस 269-व (1) के मुभीन सूचना

महरत बहुकात

कार्यालय, तहायक भायकर मायुक्त (निधीक्रम)

प्रजंन रेज-2, मद्राम मद्रास दिनाक 8 नवम्बर 1985 निदेश स० 159/मार्च 85--श्रत मुझे, श्रीमती एम० मामुबेल,

जायकर अधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें १सके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गमा ही, की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निवनस करने का कारण ही कि स्थावर संवरित जिसका उधित नावार मुक्य

1,00 000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी म० श्रार ग्रम् २ २६०१, २, पैक पटम् रोड, है जो दिल्हिन, मद्रास-4 में स्थित है (श्रीर हम्मे उपाबद्ध में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजिस्ट्रीवर्ता श्रधि-कारी में वार्यालय, मद्रास सेन्द्रल लेख स० 331/85 में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन माच 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते बहु विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यान प्रतिफल स एसे ख्यमान प्रतिफल का पत्रह प्रतिचात से अधिका है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षित वहीं किया गया है दिन्न

- (क) नृत्याप्य वे हुई किवी नाय की वान्त्, अवध् अभिविषय के स्थीप कर वोने के विवयक के वाधिएय में क्यी अपने या वक्ते न्याये में सुविधा के विवय; त्रीप्र/वा
- (था) क्यो कियो वान वा कियो थन वा बन्य वास्तियों को, किया वारतीय वावकर वीविषय, 1922 (1922 का 11) या उन्ता निधिनयम, या वन-कर वीविषयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ वन्दीरती द्वारा प्रकट नहीं किया प्रमा था या किया चाना चाहिए था, छिमाने में स्विभा की सिक्;

अतः अव, उपर विधिनियन, भी भारा 269-ग से अनुसरण भी, मी, उपल विधिनियम की बारा 269-व भी उल्लाहा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थाह्य :--- को यह सूचना बादी श/उन्हें पूर्वोक्त कथित ने बर्धन ने विद्य कर्मनाहिमां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के करीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस ब्रूपना के राज्यम में प्रकाशन की तारीन के 45 दिन की जनीं या तरसंबंधी व्यक्तियाँ पर स्वाम की तामीज से 30 दिन की जनींथ जो भी जनींथ नाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दवारा,
- (क)) इस श्वाम के रामपत्र में प्रकाशन की तारिक र 45 विस् में शीहर जनत स्थामर सम्पत्ति में हितमप्थ किसी अन्य स्थापत् द्वारा, अशोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का शकेंगे।

सम्बद्धिकरण : - इसमें प्रयुक्त खब्दों और पर्यों का, को उपत कि विवास के अध्याय 20 का में परिभाषिट एँ, बहुी अर्थ होंगा आ उस अध्याय में विवा प्रया हैं।

मनुसूची

भृमि ग्रीर मकान--2, पैकाफट्स रोड, द्रिलियेन, मद्रास-5 मद्रास मेन्ट्रल लेख स० 331/85।

> एम० साम्बेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज-2, मदास 6

तारीख 8-11-1985

नांद्रप्र ह

अपन बार्स हो । वर्ष क्रांत्र अध्यान

बावकड वर्गिनिवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नुभीन क्ष्मा

शास समित

कार्यांतय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० 166/मार्च 85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल,

वावकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) (विशे इतवें इतवें इतवें इतवें परवात् 'उक्ष विभिन्नियन' कहा थना हैं), की भारा 269-व के बभीन तक्षत्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्मत्ति, वितका उचित् वावार सूक्ष्य 1,00,000/- रा. से अध्यक्ष है

ग्रीर जिसकी सं 33, न्यू स्ट्रीट मैलापूर है. जो मद्रास-4 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है). रिज्ञ्हीनर्ता ग्रिधकारी के टार्यालय मलापूर लेख सं 272/85 में रिज्ञ्हीएरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन मार्क 85

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान पूर्तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वासिस्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती गोविदम्माल ग्राँर लोगनाथन्।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वी० रमेश ग्रीर वी० सुरेश।

(म्रन्तरिती)

का वह सूचना जारी करने प्यानित बंपरित के वर्जन के जिल् कार्यनाहियां करता हुं।

उनक संगरित के नर्जन के संबंध में कार्य भी नामेंचू :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविभ, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र पृत्तीक्ष व्यक्तियों में से किसी स्पवित इतात;
- (क) इस सूचना के राचपुत्र में प्रकाशन की तारीब छे 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाखः निचित्त में कियु जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पत्तों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहु वर्ष होगा, को उस अध्याय में दिया गर्यः

अनुसूची

भुमि भ्रौर म हान---32, न्यु स्ट्रीट, मलापूर, मद्रास-4 श्रार०एस०स० 2875/1--मैलापूर-लेख सं० 272/85।

> श्रीमती एम० नामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 6, मद्रास

मारी**ज: 8-11-198**5

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

जाबकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन जुनना

भारत संस्कार

कार्यांसव, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, मद्राम

्मद्रास, दिनाँक 8 नवम्बर 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० द्वी०एम०मं० 848-वार्ड स०-6, तिरू वण्णादपुरम् है, जो मङ्कलाडुनुरें से स्थित है (स्रौर इसमें उपाबद्ध में स्रौर पूर्ण रुप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, मङ्कलाडुनुरें लेख स० 199/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16 के स्रधीन 16 मार्च 1985

को पूर्वों कत संपत्ति को उचित भाजार मृस्य से कम को ध्रयमान प्रतिफल को लिए अतरित की गर्द और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथानू माल गर्णा का अधिन बाउन मूल्ये, उसको द्रयमान प्रतिफल सं, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पत्यह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उबुदोश्य से उक्त अन्तरण निखित में गास्तिबक-रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आव की वावत, उक्त औध-वीभिनिवृत्र को वधीन कर दोने के वस्तुहक के सर्विरव के कवी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; वीर/वा
- (क) इसी किसी नाय वा किसी भन वा अन्य जास्तिकों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अनग्रुट अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा सै निष्

अस्तः ज्ञाबन, उन्नर जिथिनियम की धारा 269-ण की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;——

(1) श्रीमती एन० राजन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ए० ग्रमीन-पवर एजेन्ट, श्री श्रार० श्रब्दुल मजीद।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन् के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी जानांप :--

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अमिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की सामील से 30 दिन की अमिश, जा जी अमृधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इथाय;
- (क) इड सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 विन् के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्य किसी बृत्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त भावता आरि पदों का, जो उक्त कि विश्वास के अध्याय 20-क में परिभाषितें हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

भूमि श्रौर मकान-डी ० एस० सं० 848 वार्ड सं० 6 तिरूवण्णाथपुरम् म बुला डुतुरै, लेख स० 199/85।

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज-2, मद्रास

तारी**व** : 8−11−1985

मोहर ⊹

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री वी०एम० रामस्वामी।

(भ्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1(161 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

(2) श्री ई०वी० वैकट राजु।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालणः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्राम, दिनांक 8 नवम्बर 1985

निवेश सं० 470/मार्च 85—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० करलम्बाक्कम्, गाँव-पिल्लपट्टु, तालूक-थेगल्पठ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रीर पूर्ण रुप से विजत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पिल्लपठ लेख सं० 237/85 में ग्रनुसूची मे रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908(1908 का 16 के ग्रधीन मार्च 1985

की पूर्वेक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रीतफल के लिए इन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

ृ अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के आर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी करें से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विचा गया है।

जगत जी

भूमि श्रीर मकान---करल्पानकम्, गाँव-पंल्लिपठ-थेंगलपठ--पल्लिपठ, लेख सं० 237/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-11, मन्नाम

तारीख: 8-11-1985

मांहर 🖫

प्ररूप आहें दी एन एस : -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास दिनौंक 29 श्रक्ट्बर 1985

निदेश सं० 7/मार्च /85---श्रतः मृष्टे, एम० साम्बेल नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रतः से **अधिक ह**ै

धौर जिसकी सं० एस0सं० 247/2, है, जो राजपालयम सें स्थित है (ग्रीर इससे उपाद्यद्व ग्रनुभुची में ग्रीर पूर्ण रुप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजपालयम द० मं० 731 से 733/85 में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16 के ग्रधीन मार्च, 1985 1

को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे गह विश्वास करने का कारण है कि यथा।।पूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरका) और अंतरिती लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिलित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया g² :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी माय की नावत, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के यक्तित् में क्यों करने या प्रचारे ज्याने में द्विया के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, या उक्त अधिनियम, या (1922 का 11) धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 2**7**) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अन्तः अन्न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण , में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नतिक्रित व्यक्तियो , अर्थात् :---

(1) श्री भार०एत० शन्म् गस्दरम ।

(ग्रन्तरक

(2) श्री एम०बी० भीम राजा ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्सरिती)

क्षेत्रे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बक्ष किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया 👣 ।

अनुसूची

भूमि (प्लाट) एस०सं० 247/2, राजपालयम, द०सं० 731 से 733/85 तक।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्राय्क्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज मदुरैई

तारीख: 29-10-1985

प्ररूप आदी.दी.एत.एस. ------

बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के ब्राधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदरैई

मदुरैई, दिनाँक 29 अक्टूबर 1985

निदेश सं० 13/मार्च /85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

ग्रीर जिमकी सं क्लाक ,48, ए म०सं० 2167/1 भी है, जो श्रीरन्गम सबिधियान में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रीरन्गम द०सं० 480/85 में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के इष्यमान ब्रितिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पत्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से एसे इष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर देने के अन्तरण के बामित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के मिए; और/या
- (क) ऐसी किसी काय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट मही किया रक्षा था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में,, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखत व्यक्तियमें, अर्थात् :---- 28 -- 376G1/85

(1) श्रीमती भार० भान्डाल भीर भन्यों।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पो० दनयाकियम ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के ए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कांद्र भी बाध्येप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोकस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-कं में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुषूची

भूमी ग्रौर निर्माण-एम०सं० 2167/1 भी वेल्लितिक-मुत्तम गाँव, श्रीरंगंम तालुका (द०सं० 480/85)।

> श्रीमती एम० मामुबेल मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

> > अर्जन रेंज, मद्रैई

तारीख: 29~10~1985

मोहर्:

प्रकप नाइ . टी . एन . एस . ------

जायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याध्य, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, मदुरैई

मदुरैंई, दिनाँक 29 प्रक्टूबर 1985

निदेश सं० 16/मार्च/85—-श्रत मृझे, श्रीमती एम० सामवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे म्बर्से इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्व 1.00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० एस०सं० 117/6, सी, पोन्मेनि गाँव है, जो मदुरै दक्षिण में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रुप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, जे०एन०ग्रार०-11, मदुरै द०सं० 16957/85 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908(1908 का 16 के ग्रधीन मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्तित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त दन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कायत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं शुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के लभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वौर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तिओं का, जिन्हें भारतीय आयकर जिधिनयस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, फ्रिपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूनरण मं. मं. उपत विधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती सीतालक्ष्मी।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स पेन्नर इन्डिया, लिमिटेड।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में काई भी जाओप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाम में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्ल व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस सूचना के राजपच में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्योकरण.—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुस्ची

निर्माण-एस०सं० 117/6सी, पोन्नेटी गाँव, मदुरै (दक्षिण) तालुका (द०सं० 1697/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 29~10~1985

मुरूप नाइ¹. टी. एत्. एव_.-----

कायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के सधीन स्पना

नारत संस्कार

कार्यात्य, सहायक बायकर बायुक्त (निर्वाल्य)

म्रर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनाँक 29 श्रक्टबर 1985

निदेश स० 19 मार्च /85—-श्रत मुझे, श्रीमती एम० सामवल

जायकर अधिनियम, 1961 (.961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं ते स्थावन सक्ष्यि, विश्वास विश्वास पर्यात् 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी स० एस०स० 2352, हैं, जो तेनी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक्ष श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, तेनी द०सं० 909/85 में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन मार्च।1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धर्यमान प्रियंकत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापृत्रों कि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकारें) और अंतरिती (अंतरित्यां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुद जिल्ली जाय की वावता, उक्त विधिनियम के ज्यान कार दोने ही बंदारक को वाक्तिय में कमी करने या उद्दर्श क्यान में स्विधा है लिए; जॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए.

जत जब उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण भा, सै उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) अ अधीर, जिल्लीकीक व्यक्तियों, अधीर '── (1) श्री एम०ए० सुन्नामन्यम ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० वासुकी ग्रौर भ्रन्यों।

(भ्रन्तरिती)

को वह दूवना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहिनों सुरू करता हूँ।

उनका सम्बक्ति को अर्थन को सम्भन्ध में कार्डभी आरक्षेप ~

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नार में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाल;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति ब्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पाकारण -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्क अधिनियम के बाग्य १०-म में परिभाकित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्यास भी विया गया है।

धनुसूची

भूमी और विर्माण—एस०सं० 2352, एन०धार०टी० नगर, तेनी (द०सं० 909/85)।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

तारीख: 29-10-1985

मोहरः

बाधकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याखयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्नर्जन रेंज, मधुरै मदुरै, दिनाँक 6 नवम्बर 1985 निदेश सं० 27/मार्च/85—श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी मं० एम०मं० 371/3, है, जो भत्लगुन्डु गाँव में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भत्लगुन्डु द०स० 551, 552 श्रौर 5602/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1985

को प्योंक्स संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं हैं और मृझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निक्ति में अस्विक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क), जन्मरण सं हुएं किसी बाय की बायत, उपत विभिनियन कं जभीन कर योंने के अन्तरक के यायित्व मा कमी करने या उससे अचने में सूजिभा के लिए; जॉर/या
- (च) एस किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयुक्तर अधिनियम, 1922 (1922 कर्स 11) या उन्त आधिन्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-श के अनगरण में, सें, जनन अधिनिराम की धारा 269-घ की उर्राशांश (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थान् :--- (1) श्री श्रब्दुल रहीम श्रौर श्रन्यों।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० साहुक हमीद ग्रौर ग्रन्यों। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बार्क्ष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियां में से किसी स्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए वा सकने।

रपष्टिशिकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमी और निर्माण एस०मं० 371/3, भत्लगुन्डु गाँव, (द०सं० 551, 552 श्रीर 560/85) ।

श्रीमती एम० सामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मक्दरै

तारीख : 6—11—1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

बाधकर अधिनिवन, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

बह्या 269-म (1) के क्यीन स्थना

कार्मालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जनरेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 29 अक्तूबर 1985

सं० 27/मार्च/85—श्रवः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, भायकर अभिनिवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणान् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थापर सम्मति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिलकी संग एस० संग 371/3 है, जो भरूलगुन्दु में स्थित है (ग्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिलस्ट्री हर्ता ग्रांब परि के पार्यालय भवत्रपुन्दु देश संग 51, 552 ग्रौर 560/85 में भारतीय र्राजस्ट्री हरण श्राधिनयम, 1908 (1908 ता 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1985

को बुनोक्त संस्पत्ति को उचित साजार मूल्य ए कर की रश्यमान श्रीतफल को निष्ध अन्तरित की गई है जीर बहु विश्वास करने का कारण है कि ग्रभापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित वाजाए मृत्य, उभको दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्नद्ध प्रतिकत से अधिक ही और अंसरक (अंसरकाँ) और अंतरिती (अम्तरित्यों) के बीच एस अन्तरा के निष्ठ तय पादा गया प्रतिकत, निम्निकित उच्चरेष्यों से उपन अन्तरण निमित्त के नास्तिक कप से कियत महीं किया क्या है है—

- (क्यं) जन्तर्य संहूर्ण किसी बाग क्ष्मी वाक्स स्वयः विध-'। नयम हो बधीय कर दर्भ के बध्यरक के दायिस्य में कही कहन या स्वयसे बचने यें सुविधा के लिए; क्षेत्र/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर विधिनियम, 1922 (14?2 का 11) या अनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोधनार्थ अन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया बामा चाहिए था, दिनाने में स्विमा के लिए;

सदः सदः, उस्य स्थितियम की भारा 269-म की स्थापर में, मैं, उस्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थितियों अर्थात् :--

1 श्री प्रब्दुल रहीम ग्रौर ग्रन्थों

(ग्रन्तरक)

2. श्री एस० एस० साहमद अञ्दल्ल

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कारकाष्ट्रियां करता हूं।

कन्त सम्बन्धि के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिसमें पर सूचना की ताबील से 30 किन की सनिध, जो भी जन्मीय बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्तित त्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में त्रकावन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्ष्म किसी यन्य व्यक्ति द्वारा यथोहस्ताक्षरों के गांस निर्देशक में किए या सकती।

हमक्कीकारणः ----इसमें प्रमुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त प्रीधिशिवम, के अध्याम 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं कर्भ होता, जा उस अध्याम में दिवा एका हाँ।

अनुसूची

भूमि स्रौर निर्माण एस० सं० 371/3, भल्तगुन्हु (द० सं० 551, 552 स्रौर 560/85) ।

एम० सःमुबेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, मदुरै

तारीख: 29-10-1985।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षय)

अर्जनरेंज, मद्र

मदुर, दिनांक 29 मक्तूबर 1985

सं० 34/मार्च/85—अत: मुझे, श्रीमती एम० मामुवेल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० सं० 349, कोईक जानल है, जो कोईक्य । नल में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप वे वर्णित है), रिजस्ट्रीत तो श्रीधकारी के नार्यालय कोईक्यानल द० मं० 205/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908

(1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1985 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित वाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझ यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त मंपितन का उचित वाजार मूल्प, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्त-रिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिलल निम्नलिखित उद्वेच से उक्त अन्तरण किंतिक म बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अगिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्याक्तियों, अर्थात् :-- 1. डा० विष्णु प्रार० किलेस्पिर ग्रीर ग्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कें ० एस० एम० सिवितन्त्रम

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकेगे।

स्पष्टिकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनितम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

and the

भन्गालो (महल) 'डीक्केन', टी० एम० सं० 349, कोडैक्कानल (द० सं० 205/85)।

> एम० मामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीनरोंज, मद्दे

ारीख: 29-10-1985 I

प्रकथ जाइ .टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारत ध्राया

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 29 श्रम्तूबर 1985

सं० 36/मार्च/85—ग्रत. मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वाक करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी आए. एस० सं० 71, है जो पालयसकोड है में स्थित है (श्रीर इसरो उपाबड अनुसूची है स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजरदोकर्ता अधिवारी के वार्यालय जे० एस० आर० 2, पालयसकोड द० सं० 711/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियस, 1908 (1908 वा 16) ने श्रधीन तारीख मार्च, 1985

के पूर्वाक्त सम्पर्णित के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रितिष्ठल के लिए अंतरित की गई और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वों के सम्पर्तित का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिष्ठल में, एसे क्ष्यमान प्रतिष्ठल का पत्न्ब्रह प्रतिष्ठत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिष्ठल, निम्नीनिवत उद्देश्यों से उस्त अन्तरण मिनिवत में क्ष्याय में क्ष्य में कथित नहीं किया गया है:—

- (४) अन्तरण भ हुद्दं किली शाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में सुविधा भंगिता, संग्रीता
- (भ) एसं किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

पतः भार जन्म अधिनियम की भाग 269 न व अन्तरण में, जी, अवल अधिनियम की भाग 269 में ही उपार्ण (1) के वाभीता, निम्नलिखित क्योक्तियां, अभित् 1. श्रीनिती श्रयता नैरयत्तायकी श्रम्भाव

(भ्रन्तरक)

2. श्री भन्यप टेट्टियाप

(भ्रन्तरिती)

का यह स्वना जारी करके प्रविकत सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करका हु।

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सर्वभ में कोर्ड भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन को तारीब के 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारी से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिंस-बब्ध किसी जन्म व्यक्ति ब्याय अध्हस्ताकरी के पास लिखित में किया जा सकींगे।

स्थव्यक्षिकरण:---एम्पम प्रयूक्त शब्दो और पर्वा 7. ज छक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिः शिवत हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्य में विस्प नवा हैं।

भूमि श्रीर निर्माण टी॰ एस॰ सं॰ 71, पालयमकोट्टै द॰ सं॰ 711/85।

श्रीमती एम सामुबेल नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, मदुरें।

तारीख 29-10-1985 मोहर :

प्रकष भारी ही एन एस :-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का ^3) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, मदुरी

मदुरै, दिनांक 6 नवम्बर, 1985

सं 40/मार्चं/85- - अत. मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्यात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की., वह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार भूस्य 1,00,000, - का से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 932/1. डोर सं० 24, पूसाटी तोप स्ट्रीट, मदुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण स्पान विणात है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कामिलय जे० एस० श्रार-2 मदुर दे० सं० 969 श्रीर 970/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीजत बाजार मृख्य से कम के खरयमान प्रतिष्ठल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीजत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से,

एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-एक (अंतरकों) और अंसरिती (अंसरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्ट्य से अक्त अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करेने या उससे बचन में मृविधा के लिए; और/मा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर श्रीधनियम, 1922 (1922 को 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गना है या किया प्राप्त वाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्भरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् अ

1. श्रीमती एस० दसनक्ष्मी ।

(अन्तरक)

2. श्री ए० रहना और अन्यों।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से / 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण .----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

प्रनुसूची

भिमि श्रौर निर्माण टी॰ एस॰ सं॰ 932/1, होर सं॰ 254. पूसारी तोप स्ट्रीट, मदुरैं। (द० सं॰ 969 श्रौर 970/85)।

> एस० साम्*वेस*ं सक्षम प्राविकारी स**हाय**क आयक्षर श्रायुक्त (निरोक्षण) धर्जात रेंज, मदुरें

हारीख: 6-11-19**8**5 ।

मोहर 🗵

प्रकृत बार्षः, बील पुरुष्टः प्रवृत्यसम्बद्धाः

नायकपु निधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-क (1) हो नधीन हुन्जना

बाइंट बहुका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 29 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 42/मार्च/85---यत. मुझे,श्रीमती एम० मामुबेल, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इतके इसके पश्चात् 'उनत अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य,

1,00,000/- फ. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी टी० एस० स० 1870/3, ई जो महुरे में स्थित हैं
(श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं),
रिजस्ट्रीयती अधिकारी के नार्यालय जे० एस० आर० 1 मदुरे
द० स० 910 श्रीर 911/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्रिधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापनाँकत संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से सिथक है और बंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-अस मिन्निसित उद्योक से उक्त बन्द्रम् बिश्च से बाक्तिक एप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तर्भ ने हुई जिन्हों बाव की वावस्त, क्वर विधिनियम के वर्षीन कर येने के वन्तर्क के कृतित्व में कमी करने या उत्ते वचने में सुनिया के सिए; बीट्र/वा
- (वा) एंसी किसी बाय या किसी अन या जन्म आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या चन-कर अधिनियम, वा चिन्या प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा खे किए;

वतः अव, उत्तत विधिनवय की धारा 269-ग की वन्तरण में, में अवत विधिनवय की धारा 269-ग की उपधारा (1) के तथीन, भिम्मीलीखत व्यक्तियों, वर्षांत ६----

(1) श्री ग्रार० एस० श्रीनिवासन ग्रार ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमनी टी० एस० दनलक्ष्मी ग्रम्माल ।

(ग्रन्तरिती)

को यह त्यना जारी कहते पूर्वोक्त संपरित में वर्षन के दिवस कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्मत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ह—

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी बन्य व्यक्ति युवारा अभीहस्ताकारी के पास सिवित में किए जा सकीं है।

स्वाधित्यः - इसमें प्रवृक्त सन्दों और पदों का, भी सबस् विभिन्तियम की अध्याय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गवा ही।

unadi

भूमि श्रौर निर्माण टी० एस० सं० 1870/3 9, बालरग-पुरम, मदुरै (द० सं० 910 श्रौर 911/85 है)।

> श्रीमती एम**ं सामुद्रेल** सक्षम प्राधिकारी स**हायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, मदुर

नारीख: 29-10-1985

प्रकार आहे..सी..एन..एव..५-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-म (1) चे बभीन सूचना

भारत परकार

कार्यांतय, सहायक वायकर वायुक्त (रिक्सिकार्य)

श्रर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० 43 मार्च 85-यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल, आयकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्तम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी टी॰ एस॰ सं॰ 297 से 299 तक है, जो निक्नेलवेली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद अनुसुची हू श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीन ती श्रधिवारी के वार्यालय जे॰ एस॰ आर॰ 1, तिक्नेलवेली में द० सं॰ 218 श्रौर 219/85 रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1985

का प्राेंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रण्यभान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुके यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार बृष्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से, एसे ब्ल्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (बन्तरकों) और कन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ ल्लीम्नलिकत उद्वरेष से उक्त अन्तरण कि बिता में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किथी बाय की बाबब, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक क दायित्व में अधी करने या उससे बचाने में स्विधा के सिए; और/बा
- (का) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1 के या उकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में मूबिधा में लिए;

- (1) श्री एम० एस० तोतात्री कृष्णापट्टाचारियार । (प्रन्तरक)
- (2) श्री एस० रामभुदर्मन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जक्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्जिक्स व्यक्तियों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस सूचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

पन्त्री

भूमि श्रौर निर्माङ्घ टी० एस० सं० 297 से 299 तक पेरुमाल वेस्ट कार स्ट्रीट, ति नेलवेली (द० सं० 218 श्रौर 219/85 219/85) ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, मदुरे

अत. अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1)

के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 29-10-1985

प्रकृष् नाइ". टी. एन. प्रव.-----

(1) श्री सी० राजगोपाल ।

(भन्तरक)

नामकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सुचना

(2) श्रीमती एन० मुसाताल।

(मन्तरिती)

SIEG SERIE

कार्याभ्य, सहायक बायकर बाय्क्य (निद्रौक्ष्ण) श्रर्जन रेज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 29 ध्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० 44/मार्च-85-यतः, मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा नवा हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं। कि स्थान संपत्ति जिसका उजित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं टी० एस० मं० 638 माग है तथा जो कारकुड़ी में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यानय जे० एस० श्रार०-1 कारकुडी, द० सं० 371/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1985

का पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाकार मून्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे व्ययमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकृत से संधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निशिवत चुव्यस्य से उक्त मन्तरण सिश्वित में बास्तविक रूप से कार्यका है :---

- (क) नंतरण से हुए दे दिनसी आय की वाबत उच्छ विचिन निवन के वधीन कर योगे के बन्तरक के बायित्व में कमी करने या स्तरसे वचने में सृत्या के लिए वृद्धिता
- (स) एसी किसी आप या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हों किया पा धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) से इस्रोक्षनार्थ अन्तरिती स्वाय प्रकट नहीं किया विषय सा वा किया जाना आहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

को बहु बुजना चारी करके भूगोंचत सम्मृतित के वृजन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उन्ह जन्मित के नर्जन के संबंध में कोई भी कार्केप है---

- (क) इस ब्रुचना के राज्यन को प्रकाशन की टारींच से 45 दिन की नवींच का तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की टामीस से 30 दिन की नवींच, का भी सर्वाच माद के बनान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस ब्यूक्ता के समयम में प्रकाशन की शारीय से 45 चिन के शीतर अक्त स्थावर सम्बद्धि में हितवबुध किसी नम्ब स्थापित द्वाधा अधोहकाक्षरी के पास निस्तित में किए वा स्कोंगे।

स्थाना क्या कि प्रमुक्त कव्यों और पूर्वों का, को उपस विशेषित्रका, के मध्यान 20-का में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा को उस अध्याय में विया ग्या है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-टी० एस० सं० 638 भाग सुक्रमन्यपुरम 3री स्ट्रीट दक्षिण एक्सटेंशन कार्यकुडी म्युनिसिपल टाउन (६० सं० 371/85)।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरी

अतः अयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् ।.——

दिनांक : 29~10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 29 श्रमतुबर 1985

निदेश सं० 47/मार्च 85—यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर विधित्तवम, 1961 (1961 का 43) (चिक इकर्ने इंकके परचाल् 'उक्त विधितियम' कहा गया हैं), की बारा 269-व के वधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृत्व 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

और जिसकी एस० सं० 899, प्लाट सं० 16 है तथा जो तिरुच्ची में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)रजिस्ट्रीयर्ती प्रधिकारी के कार्यालय जे०एस०प्रार० तिरूच्ची, द० सं० 309/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्य सें कमी करने या उससे बचने सें सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अक्षः अब, अक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्पिक्तियों, अर्थात् :---

(1)श्रीमती नहीना बेकम

(अन्तरक)

(2) श्री पी० चिन्नास्वामी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--- 🦠

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक्ष से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्क्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्चीं

्लाट-भूमि और निर्माण-एस० सं० 899, ब्लाट नं० 16, पश्चिम चिन्तामनी मतलंकोलें स्ट्रोट, तिरुच्ची, (द० सं० 309/85)।

> श्रीमति एम० सामुबेलं सक्षम प्राधिः गरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरें

बिनांक : 29-10-1985

मोहर ः

प्रसम् बाष्ट्^र.टी.पुन.पुन. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269-च (1) के वधीन मुचना

TIES STREET

कार्यालयः, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 29 श्रक्तूबर 1985

निद^{ेश} मं० 53/मार्च/85---यतः, मुझे, श्रीमती एम० साम्*वेल*,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन तक्षम प्राधिकारी को यह विक्थास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और तिभकी एम० सं० 421/1ए और 748/1ए है तथा जो ऑह्डतचवम में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिष्ट्री तो अधि गरी के गार्यात्य एसङ ब्रार० ग्रो० ओह्ड चित्रमा द० सं० 221/85 में रिजिस्ट्री तरण श्रिधितियम 1908 (1908 एग 16) के ब्रिधीन मार्च, 1985

का पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बश्यकान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाभार मूस्य, उसके दश्यकान प्रतिफल से एसे बश्यमान प्रतिफल का पंचह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्री के० पी० वेलुसामी और श्रन्य ।

(अन्तरक)

(2) श्री श्रार० तिरुमलैशामी चेट्टियार ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारी ल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनु सूची

भूमि—–एस० सं० 421/1ए और 748/1ए, ओ**ढ्ढनचलम:** पलनी तालुका (द० सं० 221/85)।

> श्रींमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

विनांक : 29-10-1985

मोहर ध

प्रारूप आइ.टी.एन.एस्. ------

आक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मदुरं, दिनांक 29 प्रक्तूबर 1985

निंद^रण सं० 58/मार्च¹85---यतः, मुझे, श्रीमती एम० साम्बेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/~ रु. से अधिक है

और जिमकी एम० सं० 231 है तथा जो कोडकानल में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध प्रमुम्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय एम० आर० ओ०, कौतैकानल, द० सं० 90/85 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 द्या 16) के प्रधीन मार्च, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दें िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसित स्थिनित्यों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती आर० राजेग्बरी और श्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० पी० कुनहमीद।

(भन्तरिती)

को सह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वृजन हो विद्यु

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसुची

भूमि--एस० सं० 231, कोडैकानल (द० सं० 290/85)

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, महुरै

विनोक : 29-10-1985

प्रकृष कार्यः **टी, एत**ु एकः,-----

मधकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के विधीन सुवना

भारत स्रुक्तस्

कार्यालय, सञ्चयक नायकर नायुक्त (निद्राक्षिण)

श्रर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्वेश मं० 60/मार्च, 1985---श्रतः मुझे; श्रीमती एम० सामुबेल,

षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क को अभीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारज हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार न्स्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

भीर जिसकी सं० एस० सं० 139/1 भीर 139/3 है तथा जो कोडेक जानल टाउन में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधवारी के कार्यालय द० सं० 223 श्रीर 224/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम 1908 (1908 दा 16) के श्रीधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वेवस सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों क्य संपरित का उचित बाजार मृत्य असके दश्यमान प्रतिकान से ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पत्यह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तय पावा चवा प्रतिकाल किन्निचिचित स्वृद्धिय से उचत जन्तरण कि निर्ति व

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत , अवस अभिनियम के जभीन कर दोने की खन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने को सविभा के किए; और/बा
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या अन्य बास्तिकों को, बिन्हें भारतीय आय-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उचत विधिनयम वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था किया जाना चाहिए था, दिस्याचे से भीविधा के सिद्धाः

कृत: सब, जक्त विधिनियम की धारा 259-व जै वनुबर्व में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थाद :--- (1) श्री के० पी० के० श्रब्दूल रजाक ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गाँठमचन्द्र नाह्र फ्रांर फ्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उच्छ क्षमरित के मुर्थन के सुम्बरभ में कोई भी मानोप :----

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीश से 45 विन की व्यक्ति या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति जो औ व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनाय;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिजित में किए जा सकेंगे।

रुपक्किरण: -- इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पर्वो का, को उक्त अविनियम, को अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं वर्ध होगा, को उस अध्याक में दिया गया है।

are d

भुमि एस० सं० 189/1 श्रीर 139/3, 2 एकड़ श्रीर 10 सेन्ट, कोडेक्कानल टाउन (द० सं० 223 श्रीर 224/85)

श्रीमती एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक त्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुर

दिनांक : 6-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 6 नवस्वर 1985

निदेश सं० 61/मार्च, 1985—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

घोर जिसकी म० एस० सं० 139/1 श्रौर 139/3 है तथा जो कोडे छानल टाउन में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपाबद अभूनुची में श्रार पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्री धर्ता श्रीधकारी के न्वार्यालय द० सं० 226, 227, 228 श्रौर 229/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृत्य सं कम के क्रयमान प्रिक्षण के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का हारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रक्षिक का पन्यह प्रतिचत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्वरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया यया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिचित में बाद्धाविक रूप से क्राया महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किती आय की, बावत, सक्त अधिनियत को अधीय कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधर केंग्रिसर;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, डक्त अधिनियम की धारा 269-च की उनधारा (1) को अधीन, विक्तिस्ति व्यक्तियों, वर्धात् क्ष—— (1) श्री के पी० के अब्दूल रजाक।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती रारणा कवर चौडिया ग्रौंप ग्रन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्ववाहियां गुरू करता हुं।

उनल अम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस स्चना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किरी अन्य क्योजन द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिविक में किंद् का सकरी।

स्थव्यक्रिकरण :----इसमें प्रयुक्त खब्बों और पदों का, को उक्त आधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस मुख्याय में विया नवाहीं

नमूस्यी

भूमि एस० सं० 139/1 और 139/3, 4 एकर और 20 सेन्ट, कोडेकानल टाउन (द० सं० 226, 227, 228 और 229/85)।

एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मद्दै

दिमांक : 6--11--1985

मोहन्द 🗯

प्रक्रम बार्च , टी. एन , एस ,------

बायकर कीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

चार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंग, महुर

मतुरौ, दिनांद 6 नदरबर, 1985

निदेश सं० 61/मार्च 1985—-श्राः मुझे श्रीमती एम० सामवेष

श्रायक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पब्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है')., की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

धाँहा दिलाकी संव एराव संव 100/1 धाँक 100/0, है तथा को कोहेगावर टाइन मेथिया है (धाँक हाने उत्पादक कार्यों में भार पूर्ण रूप से विणित हैं) एपिएड्रीन्ता कारित दी के कायिया यव संव 220, 221 धाँक 105/05 में पिड़ीर्फण कारितिस्म 1008 (1008 रा 16) के धार्यान होरीख मार्च 1985

की पर्धोक्त सम्मित्न के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभें यह विश्वाम करने का कारण है कि यथाप्चोंक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) आर प्रतिरित्ती (अन्तरितिरों) के बीच एके अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्निविधित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निष्ठित में पास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियरज में कभी करने ये। उसम बचन में सविधा के सिए; भीर/या
- श्री किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्त्रियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम. 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना जाहिए था छिपाने में मृत्वधा के सिए;

बत: बंब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक भें, में इक्त जीविनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे सधीत. निम्नलिकित व्यक्तिसों, अर्थाल —— 30—376GI/85 (1) श्री कें पि कें प्रापुत्त रजाम ।

(प्रन्यरक)

(2) श्री उत्तम चन्द्र चीडिया ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील इं 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों वर स्वना की तामील से 30 दिश की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीक्त व्यक्तियों में से बिल्सी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की दारीय वै
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी त्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के पास

स्पर्धाकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्ह अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया गया हैं।

बन्स्ची

भूमि प्रवें सं० 139/1 घीर 139/3, कोडेरनाध टाउन 3 एउ घोर 15 भेन्ट (४० सं० 220, 221 घीर 222/85)

> एम० सामुबेल संसम प्राधिकारी सहाय व श्रायाप श्रायुका (निरीक्षण) श्रावीक रेंगा, मकुरी

दिनो : 6-11-1985

प्रक्ष बाई .टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेड, महूर्व

मदुर, दिनाँ छ 6 नवस्बर, 1985

निदेश सं० 83/मार्च, 1985-- आरा. मुझे श्रीमती एम० साम्देश

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भटर जिसकी सं० अथन पूर्ण सर्वे सं० 220/1 है तथा जो पुदुरालयम गांव पिष्टम टामनार पुष्म से रियर है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दिणिर है) और रिविस्ट्री, ति अधिनारी के दार्थाव्य सं० 730/65 से रिविस्ट्री रिण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को प्लेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी अप्य या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति औ व्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः ।। ब, अक्त अि ।यम की धारा २६९-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्षिक व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वी० एस० गमेश राजा।

(अन्.१२५)

(2) मेप्तर्स चोसा पार्तिग प्रा० ति०, अवरेक्टर श्री ए० राम मोहन राजा हारा

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अवधि या तत्सबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशक की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त इब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

धूमि श्रौर कारखाना ए० पी० एस० सं० 220/1, श्री पुनालातम गांव पश्चिम रामन्यतपुरम जिला (६० सं० 739/85)।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधि ारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, मद्री

दिनांक : 6-11-1985

प्रस्थ नार्⁴् टी. एन. एस., a - - ----

बायकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) काँ। भारत 269-म (1) के नभीन सुचना

मार्ड सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मदुराई

मदुराई, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 91,मार्च 85— अतः मुझे, एम० सामुबेन, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रौर जित्तकी सं० डोर सं० डी० 50, ब्लाह सं० 28, टी० एए० सं० 27, है जी, उन्ने काए, निस्ते नगर, उत्तर पूर्वी एम डेशन नकोंचे में वियन है (और इपोर उपाबद्ध प्रमुखों में और पूर्ण रूप ने विणा है), रिजट्टी-वर्ता प्रति परी के पर्याचन, प्रतियूर द० सं० 475/85 में भारतीय रिजट्टी एण प्रधिनियन, 1908 (1908 का 16) के अजीन, नारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यक्षाप्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे द्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिहत् से अधिक है है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के धीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित महीं थिया गया है :——

- (क) बस्तरण से हुई किसी बाय की वावत, धक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करमे या उसके वचने में स्विधा के निए और/या
- (क) ऐसी किसी अनय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-सार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था किया में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६1. श्री के० पश्चाभन

(बन्तर ह)

2. श्रीमती जी० राजेश्वरी

(अःतिरती)

को बह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिय कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप ध---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीक है 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर स्वान की तामील से 30 दिन का खर्यान, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में सं किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीश ब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित व बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्याय अभाहस्ताक्षरी औ पास लिखित में किए वा सकोंगे।

वन्स्ची

भूमि स्रौर नि णि डोर सठ० डी०-50 ब्लाय सं० 28 टीउ एस० सं० 27, 6वां कास, तिल्लै नगर, उत्तर पूर एक्सटेंशन, तिरुचि।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिसारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रोंज, मदुरी

सारीख: 6-11-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्रीती मुत्तन्याल

(यग्तरह)

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

2. भीमती विजयलक्सी

(भग्तिरती)

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजंन रेंज, मदुराई

मदुराई, विगांत 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० 92/मार्चं/85—-अतः मुखे, श्रीःती एम० सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उिचत बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से उधिक है

श्रीर िएकी संव टीवए कि विव 74, वार्ड संव हैंव ब्लाइ 24 हैं, जो किकी में रेक्ट हैं (श्रीट हार्ट उनाबद शारुकी में श्रीर पूर्ण क्या विजित्त हैं), रोजस्ट्री जी प्रविधारी के कार्यास्य, श्रीतेष्यूर दव संव 1097/05 में रिजस्ट्री रण श्रीकियम, 1908 (1908 का 16) श्रीकी, तारीख मार्च, 1905

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि उथापूर्वोवत राम्पत्ति का उिचत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिसी (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विखित में गास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के सिए;

बर्धः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) क अधीन, निम्निसिस व्यक्तियों, वर्षात्— की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को बद्योधि या तत्संबंधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ब्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गर। हैं।

वन्स्ची

मूमि भीर निर्मीग वार्ड सैं० ई० इन.७ 24 भीर टी॰ एस॰ सं॰ 74, तिरुचि (द॰ सं॰ 1007,85)

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधि ारी पहायक प्रायकर प्रायुक्त (िरीक्षण) प्रजंन रोंज, मदुरै

वारीख: 6-11-1985

षोहर :

प्रस्प बाहे. टी. एन. एस. ----

बाय्कर बांभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मदुर.**इ**

मदुरई, दिनों ह 6 नवम्बर 1985

निवेश सं० 93/म, चं/85---अतः मुसे, श्रीमती एम०

नायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभी इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विदवास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

र्धार िराकी सं० वार्ड 2, कामा 24, टी० एस०सं० 1921/2 है, जो तिल्ली नगर 11वां काय, तिरुप्ति में स्थित हैं (फ्रॉप्ट इसरे) उप क्षद्ध क्षतुसुची में फ्रॉप्ट पूण रूप से वर्णित है), रकिस्ट्री∵र्ता अधिः।परी के कार्यालय, मंतिसूर द० सं॰ 1098 85 में एजिस्ट्री तरण मधिनियम, 1908 (1908 र. 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985

का प्राक्त सपाल्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई 🕏 और मुक्ते यह विश्वास ·कारन का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार ब्रुस्य, उसक रश्यमान प्रतिकल से एसे रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अर्थारती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया विश्विपल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तारण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बच्ने में सुविधा के लिए; बाँउ/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय साय-कर सिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अर्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए:

बत्र अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ने, मे, उक्त अभिनियम की धाए 269-व की उपभाग (1) के अधीन, निप्तलिखित प्यक्तियों, वर्धात् ६---

1. श्री एस० अन्दरवामि पिल्ली

(घन्तरक)

2. श्रीमती एस० एम० कामाक्षी

(भग्वारिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के सर्वन के सिष् कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्रिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मुनि स्रोर निर्माण वार्ड 2, ब्दान्त नं० 24, टी० 1921/ 11वां कास स्ट्रीट, तिल्लै नगर एस० सं० तिरिधि (द० सं० 1098,85)

> एम० सामुबेल स्सम प्राधिकारी सहायग्र भायगर भायवत (गेनरीक्षण) घर्जन रेंअ, मद्दरै

सारीख: 6-11-1985

बक्य बाइं. टी. एन. एस. -----

1. श्री ए० राजमाणिक म

(अंधार ह)

43) की भारा 2. श्री मृत्तु शेट्टी और अन्ती

(अन्जारिती)

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (व) (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासक, सहायक भायकर वायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, मदुरै

मदुर, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० 97/मार्च/85—म्नतः मुझे, श्रीमती एम० साम्देहः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पर्धात् 'उक्त नियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर विरकी संव तिरुचि, है जो में स्थित है (श्रीर इसो उप यह अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप ते विणित है), रविरद्री तो अधितारी के वायिक्य, श्रीतियूर दव संव 868,85 में भारतीय रिवस्ट्री एण श्रीविवियम, 1908 (1908 से 16) के श्रधीन, मार्च 1985

की प्रशंकत सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रयमान हित्य को लिए अंतरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि सभापूर्वेक्त सम्मत्ति का जीवत बाजार मृत्य, उसक द्रयमान प्रतिफल सं, एस द्रयमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितयों) क बीच एस अंतरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है दे—

- (क) अंतरण से हुए किसी बाय की वाबत, उक्त विभिनियन के वभीन कर दोने के वतरक को शियत्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा चे सिए; बरि/या
- (ण) एंती किसी जाय या फिसी धन या जन्य काहितयों को जिन्हें भारतीय आय-कर जिधिनयमं, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विधा के लिए;

बतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग को अनुसरण बौ, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- स्त्री यह स्वाना पारी करके पूना वित्र सम्पत्ति से अर्थन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिल की अवधि या तत्सम्बन्धी विकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्ति स्वारा;
- (ए) इस सूचना के राज्यत्र मो प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी की पास जिम्मन मा जिल्ला निर्माण

स्यष्टीफरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

व्यास्यी

भूमि और निर्माण तिरुचि (द० सं० 868/85)

एम० सामुवेल सक्षम प्रावितारी सह,यक स्नायक्तर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नजैन रेज, मदुरी

तारीख: 6-11-1985

प्रकप बाई, टी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रोंज, मदुरौ

मवुरै, दिनोदः 6 नवम्बर, 1985

तिदेश सं० 100/मार्च /85~- कृतः मुझे एम० सामुबेल बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्याम करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिल्ला सं० भूमि एस० सं० 282-मी० है, जो कोडे-सनान में स्थित है (और इसी उपाबड़ अनुसुने) में भीर पूर्ण रूप ने धणित है), राजिस्ट्री तो अक्षि परी के नायिका, सद्भार किट्ना द० सं० 263/85 में भगती: भी स्ट्री एण श्रीधित्यम, 1908 (1908 वर्ग 16) के श्रधीन, सारीख मार्च, 1985

को प्रवेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमार प्रतिपत्न के लिए अन्तरित को गईं है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और मंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए त्य पाया गया बित्फल, निम्नितिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्कत में वास्थविक रूप से कथित नहीं किया प्या है है—

- पूँक) कंश्वरण से हुई किसी भाय भी नायत, उक्त जीधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में स्विभा भी सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 102? (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अबोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गण या किया जाना नाहिए था जिल्ला में परिचा के सिए;

अन्दः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण के अनुसद्धा भैं, मैं उधत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्निलिखित न्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री बी० द्वार मेनन

(भागारा)

2. डाक्टर जी० एन० मेनन

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यं व वाहियां करता हुं।

उक्त संपर्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व वें 45 दिन की अविधिया तत्सवधी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वह व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्वना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी कर्ष 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा गधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण: -- इस में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया नया है।

वन्त्रची

भूमि एस० सैं० 282-सी, कोडैदानाल टाउन (द० सं० 263/85)।

> एम० सामुदेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज, मदुरी

तारीख: 6-11-1985

प्ररूप आहू .टी.एन.एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मदास

मद्रान, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 14/मार्च /85—ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

यायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हाँ), की धार' 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

गौर जिसकी सं० टी० एत० सं० 53 हिस्सा सं० व्लाक— 37, है जो पुलियूर गांव में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुद्धी से ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ती ग्रीध-कारी के कार्यालय, कीडम्बाकम् लेख सं० 620, 783/85 मारतीय रिनस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, तारीख मार्च 1935

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उफित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकत का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के षायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, राधनकर अधिनियम, राधनकर अधिनियम, राधनकर अधिनियम, राधनकर अधिनियम, राधनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः शब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरप में, में, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निचिखत व्यक्तियों, अभीत् :--- 1. श्री एन० कुण्यमूर्ति ग्रीर रुक्मणी।

(मन्धरक)

बी० एन० तंगप्यन ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिध कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप र----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हःष्टिकरण: ---इसमें प्रयुक्त एव्दों और पतों का,, जो उक्त _ अितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि टी० एस० सं० 53, हिस्ता—ज्लाक सं० 37 पुलियूर गाँव कोडम्बानकम् लेख सं० 620 व 783/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधि हारी सह्यक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भाजन रेंज-2, मदास

तारीख: 7-11-1985

प्रकप भार्ष . टी . एन . एस . ------

वायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर श्रावृक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 27/मार्च/85—मतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

नाथकर प्रीथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विजे धन्नको धन्नको पर्यात 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के सभीन संक्षप प्राधिकारी को सह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर तस्यतित, जितका उचित बाजार मुन्व 1,00,000/- ग्र. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० फ्लैट घार० एम० सं० 331/28 घो० एस० सं० 36 है जो नुंगम्बाक्तम् गाँव में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, थौसन्डलैट्स् लेख सं० 118/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पुनाँकत सम्पत्ति को उचित नाजार मूस है कम को क्समान शीतफास को लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य शतको क्ष्ममान प्रतिफास से, एसे द्रम्यमान प्रतिफान का क्षमह शतिवत से अभिक है और जन्तरक (अंतरकों) और वंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरन को बिए तक वादा चवा श्विफल, निम्निलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में कारतिक कम से क्षिण नहीं किया गया है म्ल्य

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाग की वाबत, छक्त अधिनियत के अधीन कर दोने के अध्यादक वी दायित्व में कनी करने या उससे नचने में स्विधा के सिए; बार/बा
- (क) एंसी किसी जाम या किसी कर या अन्य मास्तियों को जिन्हों भारतीय सायकर सिंधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर सिंधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या का या किया कावा चाहिए था, कियाने में सुविधा में सिंधा।

बतः इव. उवस जीधनियम का भारा 269-ग के अनुसर्व मी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---\$1---376GI/85 1. श्री एन० विश्वनाथन्।

(मन्तरक)

2. श्री एस॰ सुरेश।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उकत सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अपिकतयों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के राज निकास में किए आ सकोंगे।

श्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो वक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविष्ट है, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट ग्रार० एस० सं० 331/28 मी० एस० सं० 36, नुंगम्बाक्कम् गाँव थौसन्डलैट्स लेख सं० 118/85।

> एम० सामुबेस सक्षम प्रधिकारी सहायय धायहर धायुक्त निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-11-1985

प्रकप बार्च्, टी. एन. एस. ========

काथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

त्रर्जन रेंज-2, मद्रा**स**

मद्रास, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 36/मार्च/85—-प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). की धारा 269-व के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थानर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/~ रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० संगनूर है तथा जो कोयम्बतूर में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध ग्रानुत्रों में ग्रोर पूर्ण रून से बाणित है), राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, गांधीपुरम् लेख सं० 1489/85 में भारतीय राजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, मार्च 1985

को गूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान परिफल के लिए अन्तरित की गर्द है

श्रीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मात्त का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और जार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्त-रण लिसित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, सक्त जिपनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; बीर/या
- (क) एरेसी किसी बाब या किसी ध्रण या बन्य बास्तिकों को जिस्से भारतीय आव-कर अधिनियस 192? (1922 को 11) या उक्त विधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया बाना वाहिए धा, छिपाने से स्विधा से लिया के स्विधा के लिया

कर अब उक्त विविधित की बारा 269-व के बन्बर्य में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वधील जिल्लीमीबत व्यक्तियों वधारी /--- श्री रामकृष्ण तबोबनम् सेकट्रि,
 श्री स्वामी सुदानंदा।

(भन्तरक)

2. श्रीमती तिरुपुरसुंदरी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अर्वाभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो पस अध्याय में विया गया है।

मनुसूची

भूमि—संग्नूर कोयम्बत्तूर ,गाँधीपुरम्—लेख सं० 1489/

एम० सामुधेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षणी बर्जन रॉज-2, मद्रास

सारी**ख**: 7-11-1985

प्रकार बार्ड. टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सहकार

कार्यामय, सहायक भारकर नामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनौंक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 41/मार्च/85---श्रतः मुझे, श्रीमती एस० तम वेल,

कायकर सिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उकत सिभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० भूमि टी० एस० पुराना 7/115, हिस्सा लेख सं० 973/85 की शोडुनमें दी हुई है, जो सम्पत्ति में स्थित है (और उससे उपबाद्ध में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री: कर्ता श्रीव हारी के कायांचा को हम्बस् ऐ लेख सं० 973/85 भारतीय में रिजस्ट्रीकरण श्रीघनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवान, तारीख मार्च, 1985

को प्वामित सम्पत्ति को उचित बाजार मूस्य सं कम को दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथाप्यांवत सम्पत्ति का उचित बाबार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रथमान प्रतिफल का चन्द्रह प्राप्तित से प्रथिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा पदा इतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण कि बिक्त के बास्तिक को बास्तिक कर से किवत महीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाव की बावत बनत अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तते वचने में सुविधा के शिष्षु श्रीद्व/बा
- (ब) एंबी किसी जाय या किसी धन या जम्म श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर सिधिनयम, 1922 (1.922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया सुनियम के सिए।

बत: बव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के वनुसरक ा, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) बिधीन, निम्नविधित व्यक्तियों, वर्षांत्र व्यक्ति 1. श्री पी० बी० धानंदरामन्।

(श्रन्तरक)

2. श्री एन० शाँतामणि ।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकत सन्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं
 45 विन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की जबिभ, जो भी
 बबीभ बाद में समाप्त होती हो, के बीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ण) इत स्थान के राथपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित- बद्ध किसी अस्य त्यक्ति दुवारा अधोहस्ताधारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

रवक्कीक रण: ----इसमें प्रयुक्त कथ्वों और पदों का, ओ उक्क विधिनियम, के वश्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा को उस अभ्याय में दिया गया है।

वमृत्यी

लेख सं० 973/85 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति कोयम्बतूर लेख सं० 973/85।

> एम० सामुवेल शक्षम प्राधिकारी सहाय श्रायकर मामुक्त (निरीक्षण), मर्जन रेंज-2, मन्नास

तारीख: 7-11-1985

प्रकण बाइ . टी. एन . एस . -----

चायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

बारत सरकार

कार्यांचव, सहायक बायकार बायुक्त (निरक्षिण) धर्णन रेंज-2. मदास

मद्रास, दिनौक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 42/मार्च/85—ग्रतः मृहो, श्रीमती एम० सामवेल.

भागकार मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें एसके परचात् 'उमत अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० जी० एत० सं० 370 व 419, 34 लाल बहादुर कालोनी सौरिपालयम् है जो कोयम्बत्र में स्थित है (भौर इससे उनाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कीयम्बत्र लेख सं० 952/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च 1985

का पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान शित्रफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके द्वयमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित रित्ती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निवित्त में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जितः अन्., उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिक व्यक्तियों, अथोंत :— 1. डाक्टर ६० एस० पट्टामिराम्त्।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० वसंता।

(बन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षीप ह---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की जनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविच व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य क्यांक्त द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षाकि दुन : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क स्विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं सर्थ हुगेगा जो उस अध्याम में दिया

पनुसूची

भूमि भौर भकान—सौरिपालयम् गाँव, कोयम्बतूर केवा सं 0 952/85।

एम॰ सामुबेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्रास

सारीख: 7-11-1985

प्रकृप जाई. टी. एन. एस . ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्रण) धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 7 नवस्थर 1985

निदेश सं० 50/मार्च/85—मतः मुझे, श्रीमती एम॰ सामुवेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

कार जिसकी सं० अनुप्परपालयम् है जो कोयम्बसूर टाउन म्यू टी० एस० सं० 1/273 डोर सं० 115 में स्थित है (और इसे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बसूर लेख सं० 982/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 85

को पृथींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम के रहसकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ष है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्निस्थित एक्वेष्य से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथित महीं किया गमा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के किए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियां को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसरा अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया बाना चाहिए था, छिपान में सुनिधा के सिए;

णतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभाषा (1) के अधीन, जिम्मिनिकिन अफितारों, अधीन ुल्ला 1. श्री टी॰ पी॰ रामस्वामी गींडर घोर घन्य। (ग्रन्तरक)

2. श्री के० रामसामि।

(पन्तरिती)

का यह मुकना वारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन को किए कार्यवाहियां करता हुं।

रक्त संपत्ति की नर्जन को संबंध में कार्ड भी काक्ष्मे :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है दें 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन जी अविभ, जो भी भविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त स्थिकता में से किसी व्यक्ति हुननगः
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किस का सकोंगे!

क्षण्डिकरणः ----इतमें प्रयुक्त श्रम्यां और पदां का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

पनुसूची

भूमि भौर मकान—न्यू टी० एस० सं 1/73, डोर सं 115, भनुष्परपालयम् कीयम्बलूर—कोयम्बलूर क्षेत्र सं । 982/85।

> एम० सामुबेस संसम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, महास

तारीख: 7-11-1985

सोहर :

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 51/मार्च 85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेस,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्च.त् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बातार मृत्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं किलकुण्डा गाँव 206/1ए० श्मीर 208 है जो ऊट्टी में स्थित है (श्मीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्मीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिष्टकारों के कार्यालय, उद्देशमण्डलम् लेख सं 372/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिष्टिनियम, 1908 (1908 का 16) के पर्धान, मार्च 1985

को पूर्विक्षत संपत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में गास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गयां था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए।

भतः अन, उकत अभिनियम की धारा 269-ग के इन्सरण मैं, भैं, उक्त गीधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सधीन, निम्नसिश्चित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री दापा० मार० फुष्णन् (छोटा)
 द्वारा पिता जी और गाडियन बें।० रामकुष्णन् ।
 (मन्तरक)
- 2. श्रीमती एच० लीलवाणि।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वै 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुभना के राजपत्र ें प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर शकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध फिसी अन्य स्थावत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्तित में किए जा तकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्द ची

भूमि—सर्वे सं० 206/1ए०, 20-बी० किलकुण्डा गाँव, जट्टी, जट्टी लेख सं० 372/85।

एम० सामुनेल सक्तम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) फर्जन रेंज-2, महास

तारीख: 7-11-1985

पोहर :

प्रकृष बार्ड . दी . इन . एव . ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

बाइत बहुकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 57/मार्च/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बावकर स्थिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्पावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 12, श्रम्पाय्यी नगर I स्ट्रीट कोंगुनगर सिंडिपालयम् गाँव है, जो तिरुष्पुर में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद स्रनुस्त्री में स्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्ट्रवर्ता स्थितारी के कार्यालय, दिरुपुर लेख सं० 511/85 में भारत्य रिजर्ट्र करण श्रधिनियम, 1908 (1908 वर्ग 16) के श्रधीन, मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रिक्तिल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार बुक्य, उशके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त जन्तरण सिखित में बास्त-

- (क) अन्तरण संदुर्घ किसी आय की वाबतः, जसत गीपनिययं को अधीन कार दोने दी जस्सदक के शिवरण में कामी कारने या सकसे बचने में ध्यीतधा ने भिन्नष्: श्रीद/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या नत्य नास्तियों को, विन्तुं भारतीय वाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविभा के लिए;

कतः वह, उक्त व्यंपनियम की धारा 269-व के अवस्था हो, मैं, तक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) है अधीन निम्निवित्त व्यक्तियों, अधीन हम्म

1. शाक्टर घार० ही० सुरदरम्।

(स्रात्रक)

2. श्री धार० चन्द्रशेकरन्।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बादी करके प्याँक्त सम्मत्ति के वर्षन के किन्न कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्मत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी नार्धक *--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तहसंबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हैं, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हित्बब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोष्ट्रस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकींगे।

रचव्यकिर्जः -्यूसमे प्रयुक्त सच्चो आर बदो का, वा अवस् अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धमुसूची

भूमि श्रीर महान—कोंगु नगर मेइन रोड़, ध्रप्पाहस्यी नगर I स्ट्रीट, तेष्ट्रिगलयम् गाँव तिश्च्यूर \rightarrow -ित्र्पूर लेख सं॰ 511/851

एम० सामुबेल सकाम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) बार्जन रेंग-2, मदाख

सारीख: 7-11-1985

प्रकृष कार्य हो है एन । एक ्रान्यान व्यक्त

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) जे नपीए क्वा

बाद्ध ब्रह्मक

कार्यासय, सङ्घायक भायकर नायुक्त (निरीक्सक) धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 77/मार्चे 85—ब्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिन्नका जिन्त बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं है जो एस सं 1678 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची से भीर पूर्ण रूप से विगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, उन्हीं (नेलिगिरीस्) लेख सं 200/85 में भारतीग रिजस्ट्रीकरण भिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भधीन, तारीख भार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार बृत्य थे कन के स्वयंत्राय शितका के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का स्थित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का व्यवस्थान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का व्यवस्थान प्रतिकल से बांचित्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) बार बन्तरिकी (अंतरितियों) से बीच एसे बन्तरण के निए ध्रव पाना प्रवा विद्या का प्रिकालिक कुद्देश से स्वत्य बन्तरण विश्वित में बार्क्सिक कर के क्षिण वहीं किया क्या है कुन्तर

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किया में सूविधा के लिए;

बत बब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की बन्सरक क. मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के कभीत, निम्ननिवित व्यक्तियों, वर्षात क— 1. भी भी० मंजुहन।

(भन्तरक)

2. श्री जे॰ सी॰ शिवराज।

(प्रन्तरिती)

भा नह न्यान पाडी कड़के प्यानित सम्पत्ति के न्यान के निव कार्यवाहियां शुक्त करता हुं।

उन्त तम्मृतित के नर्पन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राष्पत्र में प्रकासन की तारीं कर्त 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की समील से 30 दिन की अविध, को भी नवीं बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे वस कारियों में संकिसी व्यक्ति हुवाराष्ट्र
- (आ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकादन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म अम्बित व्यास स्थोहस्ताक्षरी से पास जिस्ति में किए जा सकरें।

र्वक्योकरण:--वर्ग प्रवृक्त वर्ग्य वीर पर्यो का, का वक्य विभिनियम के मध्याय 20-क में परिशावित है, वहीं वर्ष होना वो उद्ग वध्याय में विका प्रवाही≗

and the

भूमि एस सं॰ 1678 अट्टी अट्टी (नीलगिरीस्) लेख सं• 200/851

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मब्रास

सारीख: 7-11-1985

वक्य कार्य, ही, एवं, एवं व्याप्त

नायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बंधीन स्वना

शारत करकार

कार्याक्षय, सहायक जायकर आयुक्त (निराक्षक) धर्जन रेंज-2, महास

मद्रास, दिनौक 7 नवस्बर 1985

निदेश सं॰ 101/मार्च 85---- झतः मुझे, श्रीमती एम॰ सामुवेल,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परनात् 'उन्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का स्थारन हैं कि स्थानर संपरित विख्का जनित वाकार मुख्य १,00,000/-रा. से अभिक हैं

धौर जिसकी सं० कनकसबै नगर, 4 (चौथा), कास स्ट्रीट है, जो निदःश्वरम् सें स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध धन् सूची में धौर पूर्ण रून से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, निदम्बरम् लेख सं० 465/85 में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च 1985

को प्रॉक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकस के लिए अंतरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, शसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तृष्ट्र प्रोत्तवत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितिवों) को बीच एसे अन्तरक के सिए तब पावा यवा प्रतिफल, निम्नलिवित उद्वेषय से उचत अन्तरक जिल्का के बारिक क्या से कथित नहीं किया यया है ह—

- (क) नन्तरण संहुई किसी नाय की वावत, उक्क निधिनियम के सधीन कर दोने के सन्तरक के रामित्य में कमी करने या उत्तर बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्ध आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिवाने में स्विभा के सिए;

बतः वच, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के बनुसरका की, मी, राक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीर जिस्तिविक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- 32 --- 376GI/85

1. श्री तिरुग्तान सम्बन्दम् ।

(भन्तरक)

2. श्री ची० वण्मुगसुन्दरम् पिल्लै।

(मन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

इस्त सम्मत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाहरे:---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवड़थ किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच जिक्ति में किए या सकींगे।
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराबद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पाच सिवित में किये जा सकेंगे।

क्यव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयूक्त जन्दों बीर पर्वों का, को कव्य अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होता को उस अध्याय में विका कवा हैं।

धनुसूची

मूमि मीर मकान--डोर सं० 61, कनकसबै नगर चौथा रास्ता (कास) जिवम्बरम्--विदम्बरम् लेख सं० 465/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भागुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेंज-2, महास

सारीख: 7-11-1985

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस.-----

बावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-2, मद्रास

मब्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 104/मार्च 85----ग्रतः मुझे, श्रीमती एम०, सामवेल,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 20, पैकाफ्टस गार्डन रोड़ है, जो मद्रास-6 में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध छन्सूची में भीर पूर्ण रूप में बर्णित है), रिजस्ट्रीवर्ता छिड़ानारी के बार्यालय, भौसन्डलैंट्स लेख सं० 74/85 में भारतीय रिजस्ट्रीवरण भौसन्डलेंट्स तेख सं० 74/85 को भारतीय रिजस्ट्रीवरण भौसित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रष्टी न, मार्च 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असके देश मान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का मंद्रह प्रतिशत स प्रीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण सिवित्त में बास्तीबक रूप से में पत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (का) एरे गि किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह² भारतीय आयकर गिंभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिग्र;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन निम्नीलिकित स्यक्तियों, अर्थात :— 1. श्रीमती विजयलक्ष्मी मरि प्रसाद ।

(भ्रन्तरः)

2. श्रीमती पधाजा बी० रमना।

(धन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के अर्थन के जिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 बिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के रण्णपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हिताक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास-शिक्त में किये जा सकी ।

स्बद्धिकरण: -- इसमें प्रयुक्त कार्यों और पर्यों का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिण हैं, बही अर्थ होगा थो उस बध्याय में दिया गया हैं।

प्रमुखी

भूमि 20, पैकापट्स गाउँन रोड़, मद्रास-6 बीसन्डलैट्स लेख सं० 74/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिवारी महायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, महास

तारीख: 7-11-1985

प्रकृत नार्च . टी . एन . एस . -----

नायकर नाभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन सूचमा

नारत चरुकार

कार्याजय, बहायक कायकर भागुक्त (रिनरीक्षण)

श्चर्जन रेंज→2, मद्रास

मद्रास, विनांक 7 नवम्बर 1985

निवेश सं० 105/मार्च 85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भावकार कार्यभित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकों परचात 'उकत मधितियम' कहा गया है), को भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उजित वाबार बृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट सं० 19, 2, तथा हबीबुल्ता एविन्य ग्राण्डसैन रोड़ है जो मद्राप्तच6 में स्थित है (भौर इससे उनाबद्ध अनुसूची भौर पूर्ण रूप स वर्णित है), रिनस्ट्रीकर्ता भाषि तरी के बार्यातव, थीसन्डलैंट्स लेख सं० 76/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकान के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह निश्नास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का अवित बाजार पृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकान से, एसे स्थमान प्रतिकान का पन्सह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (बंतरका) नीर बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के निए तब पाना गया प्रतिकास, निम्निसित उच्चदेश से उक्त बन्तरण कि बित में वास्तविक स्म से कियत नहीं किया बना है अ

- (क) बन्तरूप ते हुई किसी बाव की बाबत, उपत वीधीनवन के बधीन कर दोने के बन्दरफ के वायित्व में कमी करने या उत्तरी बचने में श्रीवधा में सिए; बार बा/
- (क) एंसी किसी बाब या किसी धन वा अन्य बास्तियां को, विक्तं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अस्तिरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिकाने में स्विधा के सिए;

जतः अष, उसत जिमिनियम की भारा 269-म के अन्तरण में, में, उसत जिमिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निकासिनियम व्यक्तिकारों, जमीन क्रिकेट 1. श्री एस० ए० गफार

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती एस० एम० रहीमुन्निस"।

(भ्रन्तरिती)

को वह क्षता बाही कारके पूर्वोक्त संगरित के वर्षन के जिथ कार्यग्रहियां करता हुं।

.उन्छ सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाबोच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अंशीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताशीस से 30 दिन की जबिध, जो भी वबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थित्यों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित मों हितबब्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए का सकत्रें।

स्वकाकरण:--इसमें प्रवृक्त कव्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विवा ववा है।

यमसभी

भूमि म्रोर मकान म्रार० एस० सं० 86/1 सं० 2 नवा हबीबुल्या रोड़ एविन्यू, प्रण्डर्सन रोड़, मद्राम-6 थीसन्डलैट्स लेख सं० 76/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त (**निरीक्षण) श्रजैन रेंज-2, मदास

सा**रीच:** 7-11-1985

HER HIT OF MY OWNERS COMMERCE

भावकर निमित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा भाग 269-न (1) के सभीन सुचना

बारव बरका

कावतिक, राह्मयक वायकर वायुक्त (निर्दाक्षक) ग्रजन रॉज-II, महास

मद्रास, दिनोक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 107/मार्च 85---- झतः मुझे, श्रीमती एम । सामुबेल,

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे इसमें इसने प्रणात् 'जनत निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 289-च में निधीन सन्त प्राणिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्मतित, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से मिथक है

भीर जिसकी सं० 813, श्राण्णा गालै है, जो नुंगम्बाक्कम मब्रास में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध धनुसूर्धा में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीशती घाँधनारी के धार्यालय, धीसन्द्रलेट्स सेख सं० 116/85 में भारतीय रिजर्स्ट्रीन रण भींधनियम, 1908 (1908 ना 16) के घंधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यवाप्योंक्त संपत्ति का जीवत बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एोसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिसत से अधिक ही और अंतरित (अंतरितों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण खिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, उक्त विभागम के जभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व वें कमी करने या उससे बच्चने में सुविधा की हैसए; वरि/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अच्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए?

बत: बब, उन्त निमिनियम की धारा 269-ए के बन्धरण कें, में, उन्त निधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) है बधीन, निस्निविद्य व्यक्तिस्त्यों, संघति ह--- 1. श्री भार० कण्णप्य चेद्रियार

(भ्रन्तरक)

2. श्री मनसुख एच० सुखादिया।

(भ्रग्सरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

क्ष्मत सम्पत्ति की वर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप अ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी वा से 45 दिन की जबिंध या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोह्न्ताशरी भी
 पास सिचित में किए जा सकांगे।

स्वव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

यन्तृष्

भूमि श्रीर मनान-813, श्रण्णाशाले तुंगम्यावशम् यीसन्य-सीटस-मेख सं० 116/85।

> एम• सामुवेधल मक्तम प्राधि हारी सहायक शायकर शायका (निरीक्षण) शर्जन रेंज-II, सद्वास

तारीख: 7-11-198**5**

मोहर 🛢

प्ररूप आई.डी.एन.एस.-----

बायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यावय, बहुायक नायकर वायुक्त (निरक्षिण)

मर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनींक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 115/मार्च 85-- प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सम्बेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 49, घराक सं० 8 माम्बद्धम है जी कोडम्बाक्तम में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिवर्ट्य-क्रिंग अधिकारी के कार्यात्य, कोडम्बाक्कम सेख सं० 959/ 85 में भारतीय रिजर्ट्य-रण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे जन्तरण के जिए तय पत्रा नया प्रतिक्त का तिम्मीसिवत उद्योदय से उन्त अन्तरण कि बिए त्य पत्रा नया प्रतिक्त का तिम्मीसिवत उद्योदय से उन्त अन्तरण कि बिए त्य पत्रा नया प्रतिक्त का से किथित नहीं किया गया है दै—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं विचा गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में स्विधा खे लिए;

कतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण कैं में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के प्रश्नीन, निम्मनिश्चित क्यक्तियों, अर्थातः :--

1. श्रीनती बी० पमला स्रोर अन्यों

(भ्रश्तरच)

श्रीमती सोमा यहिजयम्बैयाच्ची

(श्रम्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए काञ्याहियां करता हुं।

उन्तर सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क्र.) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिए कीं अपिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, पो भी क्यिथ बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उपत स्थागर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इंदारा, अधोहस्ताक्षरी के पास दिशिखत में किये जा सकरें।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो जकत कधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि घौर मकान टी० एस० सं० 49, बलाक सं० 8, शिवन कोश्चल स्ट्रीट, वश्चनलिन, मद्रास-26, कोडम्बानकम, लेख सं० 959/85।

> एम० सःमुदेख ध्वन प्रश्नित्तरी सहायक प्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेजि-II, महास

तारीख: 7-11-1985

प्ररूप शाह्र दी, एव एस , ----

1. श्री गोविंदस्वामि पावर एजेन्ट वसन्ता

(भ्रन्तरक)

2. श्री के० जी० स्वामीनाथन्

(भ्रन्तरिती)

बावनार निर्धानसम्, 1961 (1961 का 43) की बार्च 269-व (1) के नवीन सुवना

भारत तरकार

न्धनीसय, सहायक बायकर मान्नत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, मद्रारा

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निवेश सं० 118/मार्च 85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले स्थाने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थ्थावर सम्पत्ति, जिक्का उचित वाजार मूक्व 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

न्मीर जिसकी सं० सर्वे सं० 261/1 हिस्सा 104 तिरुगम्धाक्तम गांव है, जो में स्थित है (और
इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप के विणत है),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विरुगम्बाक्तम लेख सं०
511/85 में भारतीय रिजर्ट्सकरण अधिनयम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजारं बुल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितिगों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्निशित उद्वेश्य से उन्त अंतरण निचित में बास्तविक ज्य वे कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुइ किती जाग की वावता, उच्या जिथानियम के जभीत कर दोने के बन्तरक के स्वियस को कमी करने वा उच्च वच्चा में सुविधा के सिए; बॉर√या
- (का) एरेती किसी जाय या किसी भन या जन्म जारितक को, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, ना भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ज जन्तरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, कियाने में सविधा के सिए:

भक्त: क्य, उपत अधिनियम की भारा 269-म के अधृत्यक मा, माँ, उकत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन. निस्त्रसिविक व्यक्तियों, स्थित हिन्स

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के क्रिय कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त राम्पत्ति के क्षर्यन के संबंध में कोई भी नासीप :--- 🤾

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा है 45 दिन की अविधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर तूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्यक्रिकरणः ---- इसमें अपूक्त शब्दों और पवों का, वो उक्त' अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषितें इ, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

धनुसूची

भूमि घोर मकान--104, विश्वगम्बाकाम गाव--एस० सं० 261/1 हिस्सा विश्वगम्बाकाम--लेख सं० 511/85।

> एम० सामुबेख् सस्मम प्राधिकारी, सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, मद्रास

सारीख: 7-11-1985

माहर :

प्रक्ष बाह्". दी : एक् : एक् ::------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के विभीन सूच्या

भारत बहुकार

कार्यासर, तहायक बायकर बायका (विद्वासर्व) अर्जन रोज-II, मजास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 122/मार्च 85--ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

भावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दश्वाक्ष 'उन्तर अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूच्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एप० सं० 1621/10-13, माणिकक नायग्रन स्ट्रीट है जो वेपेरी, मद्रास-7 में स्थित है (ग्रीर इसने उपायब ग्रमुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधनारी के कार्यालय, दक्षिण मद्रास लेख सं० 82/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृस्य से कम के श्रममान करित्रल के लिए बन्तरित की गई है और मुझे बहु विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का विश्वास बाजार मृत्य, उसके श्रममान प्रतिकास तें, एसे श्रममान वित्रक्त का पंग्रह प्रतिश्वत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए बब पाया भ्या प्रतिकास निम्नतिबित उद्विषय से उस्त बन्तरूप विवार के बास्तिक क्या से बिधक नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी अाम या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ये. चन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया चया या किया वाना वाहिए वा कियाने वें सुविधा रे सिए।

कतः अव, जकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्क में, में, उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिकत व्यक्तियाँ, वर्षात्:— 1. श्रीमती नवंशिम हैशन

(भन्त रक)

- 2. (1) श्री के० पाम्बड बेगम भीर
 - (2) श्री वी० साडिशा बेगम।

(भ्रग्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त संपरित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीच के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों के स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वर्षी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति भे दित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में यका परिभाविक है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा स्याहै।

पनुसूची

भूमि ग्रीर मकान—दरवाजा सं ० 13, माणिक्यः नायकर स्ट्रीट, पुरश्यानकम ग्रार० एस० सं ० 1621/10, मबास- ७ दक्षिण मबास सं ० 82/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रजैन रोज-II, मद्रास

सारी**ख**: 7-11-1985

मीहरः

म्क्ष मार्ड हो हो। प्रस्त प्रस्त -

शियुकार स्थिनियस्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

बारत धरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षक) अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राप्त, दिनांश 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 135/मार्च 85--मतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विष्काम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

(श्रीर जिस्की सं० 43 है। मान रोड़, टी० नगर टी० एट० सं० 6107/81शे० →6110/1-वि८० हैं, जो में स्थित (श्रीर इटा उपायदा शनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्री ति श्रीव होरी के भागीलय, टी० नगर लेख सं० 329/05 में भारतीय रिजस्ट्री करण श्रीव-तिया, 1903 (1903 का 16) के श्रीन, मार्च 1905

को प्वांक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल कं लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृश्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रांतशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया ब्रितिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण निचित में बास्तिक एस के किया गया है है——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के ज्थीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने वा उबने वचने में दृष्टिशा के लिए; और/मा
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अर्ग, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन, निम्न्लिखित अप्पित्तयों, सुधांत् प्र—— 1. श्री बी॰ यालचग्रत धीर दूसरे

(भग्तरम्)

2. श्रीमती मोहना संतानम

(मन्तरिती)

की यह सूचना जा<u>री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के किय</u> कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त सम्पत्ति को अर्जन की सम्बन्ध में कोड़ें भी काक्षेप ह-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की जनधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी जनधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत के प्रकाशन की तारीस ब 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्टीकरण् :—इसमें प्रयुक्त सब्दों और पद्धों का वो उक्क अभिनियम के अध्याय 20-क में परि-। भाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याक में दिया गया हैं।

अनुसूची

भूमि भौर महान-डोर सं० 9, न्यू सं० 43, हैन्स्माक रें रोइ, टी० नगर, मद्राह-17, टी० नगर, लेख सं० 329/ 851

> एम० सामुबेल सक्षम प्राप्ति तारी सहायश धायनार धायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रॅअ-II, महास

सारीख: 7-11-1985

माह्रर 📜

प्ररूप आह⁵.टी.एन.एस.-----

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांचय, सहायक कायकर बाय्क्स (निरक्तिक) 9 कुर्जन रेज $-\mathbf{I}_{I}$, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 145/मार्च 85---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

नायकर निर्मित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार रिक्त विभिन्नमा कहा पत्र हैं), की भारत 269-क के लथीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वान करते दा कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका शिक प्राधार मृग्य. 1,00,000/- का से अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 1575 ग्रीर 1576/1 10, ईस्ट ठांक स्ट्रीट, पूरब है तथा जो मद्रास-5 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, ट्रिप्लिकेन लेख सं० 243/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उषित भाजार मूल्य से कम के सहयमान बिराम को निए बंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथाप्त्रोंका संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके सम्मान प्रतिकाल से, एसे अध्यमान प्रतिकास का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और मन्तरक (मन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अंतरण के निय तय पाया गया प्रतिकात निम्नितिचित उद्देश्य से अका मन्तरण जिलात में परस्तिक स्था ते कीकर नहीं किया वथा हैं:---

- ्रेंटणे अस्तरण में श्रृष्ट विश्वति साथ करी आभत्ता, अकल व्यक्तियम को संधीन कर दोने की बन्तरण के क्रांसिस्क को स्वक्ती अपमें का जससे क्याने में स्वीतका भी भिका: और शिका
- (क) एति किसी ण्या वा किया धन या जन्य आस्तिवीं की, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 100% (1922 की 11) या उक्त व्यथिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाकतार्थ कन्तरिकी दवारा अकट नुष्टी किका एका था वा किया जाना कारिका कार्रिक प्रवास के लिए;

आतं अव, उक्त अभिनियम की भारा 269 ग के अनुसरण गँ, मौ, राष्ट्र और्धकारण र पारा १६० के प्राप्त स्थान (१९ के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- 1. श्री एस० वेंगउम्माल

(भ्रन्तरक)

2. श्री टी० एस० रंगराजन्

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां ऋरत। हु-।

सकत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोड बालेंच :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है ते 45 दिन की भविभ या तत्सम्बन्धी स्विस्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त जिल्लाओं में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास पिकास में किए जा सकों है।

स्वक्रोकरण :— इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, भा अवक अधिनियम के अध्याय 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया सवा हैं।

यम् स्र्य

भूमि ग्रौर मकान--10 पूरब टांक स्क्वेयर स्ट्रीट मद्रांस-5 द्रिप्लीकेन लेख मं० 243/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकरी सहायण श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रोज⊶II, मद्रास

न।रीख: 7-11-1985

मोहर 🗈

प्ररूप बाइरै. टी. एन. एस.-----

माबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-अ के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेज-II, मद्राम मद्रास, दिनांक 7 नवस्वर 1985

निदेश सं० 155/मार्च 85--च्यतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स को अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.400,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० (18/600) 6 गौंडस श्रीर 425 स्कवेयर फि श्रीभन्न भूमि में भाग है तथा जो 42, अण्णा गालै, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसुवी में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीइली श्रीधकारी के कार्यालय, मद्राम सेंद्रल लेख मं० 274/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित आजार म्ह्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिषात में अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तीबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आब या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ठवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६1. मै० हीरल वन्स्ट्रक्शन्स (प्रा०) लि०

(ग्रन्तरः)

2. श्री जी० हरेण चन्द ग्रीर दूसरे

(ग्रन्ति)

को यह मूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुबारा;
- (स) इस स्भाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर अस्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति क्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः ---इसमें प्रयंक्त सन्दौं और पदौं का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रमुमुची

प्लाट भ्रीर भूमि (6 गौण्ड्स एण्ड 425 स्कवेयर फि०) मे 18/600 वां भाग 42, अर्ग्णाशालें गौड मार्ग, रोड़, मद्रान्-2, मद्रास सेहल लेख सं० 274/85।

> एम० नामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रॉज-II, मद्रास-6

नारीख . 7--11--19**8**5 मोहर . प्र**रूप नार्ड**् टी. एन. **ए**स. ------

नायकर निधनिक्स, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक नायकर भागवस (निर्देशक)

श्चर्जन रेंज-II मद्रास मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1985 निवेग सं० 171/मार्च 85—श्वतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इतके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धार 269-च के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को, यह विश्वान उरहें का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० कांगेयम गांव है जो मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रृनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि ारी के सार्यालय, सांगेयम लेख सं० 354/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मून्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाम की बावत, उपत वीभीतवस के वभीत कर देने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने वा उससे वकने में बृविभा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य वास्तियों को, चिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनियम, या धनकर विधिनियम, या धनकर विधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाला बाहिए था, डिपाने वो स्विभा के सिए;

भतः भवः, जनतः विभिनियमं की भागः 269-मं के वन्स्तरमं में, मैं, उक्त अभिनियमं की भारा 269-मं की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् :--- 1. श्रीमती मासती भौर सुशीला

(ग्रन्सरक)

2 श्रीमती णांता कुमारी

(श्रस्तरिती)

को वह त्वना आही करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हुं।

उक्त कम्परित के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी बन्य स्थावित द्वारा कथाहस्ताक्षरी के पाक सिवित में किए वा सकेंचे।

स्वच्यकरणः - इसमें प्रयुक्त खब्दों और वदों का, जो उक्त वीधनियम, के वध्याय 20-क में यथा परि-भावित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस वध्याय में दिया गया है।

लगस औ

भूमि—कांगेयम् गांव लेख सं० 354/85 की शेडुल में दी हुई सम्पत्ति।

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-II, मद्रास

तारीख: 7-11-198**5**

हरूप बाइ' दी । एन् । ध्वा ---

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-म (1) के मधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्बासम्, तहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रोजAI, मद्रास

मद्राप, दिनाँक 7 नवस्क्षण 1985

निवेश सं० 174/मार्च 85----ग्रहः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

बाधकर विधितियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके परवात 'उक्त विधितियम' कहा गया हैं), की धाय 269-य के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करन का काइन हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका खाँचत बाकार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं टी० एम० सं 7/3517 व 3518 न्यु टी० एम० स० है तथा जो मुक्रमणियम् रोड, कोयम्बतूर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधरारी के वार्यालय, कोयम्ब-सूर लेख सं 1165 व 1166/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधनियम, 1908 (1908 ज 16) के श्रीन, मार्च 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अल्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कर, का कारण है कि सथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तीयक रूप स कि थत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरम चे हूव किया नाम की नामस्, उनक विशेष-नियम के वभीन कर वोने के बन्तरक के वासित्य में कामी करने या उपसे नजने में वृतिभा के निष्; बीद/वा
- (वा) ऐती किकी जान मा किसी भन मा जन्म आस्तिकों का जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा जनत अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों ब्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया थाना चाहिए था, कियाने के स्विभा के सिक्ट;

नतः अव, अकत अभिनियम की भारा 269-म के अनुसरक में, भैं, सकत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के मभीगृ, निम्निविद्य व्यक्तिकार्यों, वर्षाह् 1. श्री एम० सभापति

(श्रन्तरःह)

2. श्री पी० इपारू ग्रौर चिन्नम्

(ग्रन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीस है 45 दिन के भीतर उदद स्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्तिस ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्**ची

भूमि ग्रौर महान पुराना टी० एस० सं० 7/3517 व 3518 युग्नमणियम रोड, ग्रार० एस० पुरम, कोयम्बतूर कोयम्बत्त्र, लेख सं० 1166/85।

> एम० सामुबेल उक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्राप्तुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रेज-II, मद्रास

तारीख: 7--11-19**8**5

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) से अवीय ध्यान

मारत सरकार

कार्याजय, सहायक जावकर वायुक्त (निरक्षिण)

प्रार्जन रेंज-II, मद्रास

मद्राप, दिनाक 7 नवम्बर 1985 निदेश स० 175/मार्च 85 ---श्रनः पृ**ष्टो, श्रीमर्ता एम०** साम्बेल,

जायकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रोर जिपकी सं० ग्राप्त० एत० प्रमा, राप सी० वी० रामन तो , टी० एस० सं० 8/429 है जो कोयम्बत्त्र में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध श्रमूभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से तिणित है), रिजस्ट्री र्ता ग्रिजारी के कार्यात्य, कोयम्बत्त्र लेख सं० 1379/85 में भारतीय जिस्ट्रीकाण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, मार्च, 1985

क्यं प्रविश्त संपत्ति के उचित वाषार शुस्य से कम के क्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और अभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार बुस्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्निलिखित उद्देषय से उक्त कन्तरण लिखित में वास्य-विक कप से किथित नहीं किया नथा हैं —

- (क) अन्तर्रुभ से हुई किसी मान कर नामत, उत्तर वीप्रीनश्च के वधीन कर नमें के बन्तर्रुक के दावित्य में कहीं करने वा वससे नलने में सुनिधा के सिए; बाह्र/वा
- (अ) एसी किसी आप या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना धाहिए वा किनाने में तुविधा की सिंह;

कत कर. अन्भः विभिन्नियम की भारा 269-म के वन्त्रस्म में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिश व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. श्री किरपाल कीर ग्रानंद ग्रीर दूसरे

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती रेणूका पेडारीनाथ

(अन्तरिती) 👍

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राज्यक में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर न्वान की तायीन से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविभ नाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्य स्थितस्यों में से किसी स्थित ब्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ब्रारीस से 45 दिन के भीतर उसत स्थानर सम्पत्ति में दितवव्य किसी बन्व व्यक्ति व्यास स्थानस्यासरी के पास किस में किए या सकेंगे।

अनुसूची

भूमि श्रीर मकान टी० एस० सं० 8/429, श्रार० एस० पूरम, सर सी० वी० रामन रोड, कोयम्बत्तूर—कोयम्बत्तूर, लेख सं० 1379/85।

्रम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–,II मद्रास

नारीख: 7--11--198**5**

प्रकृत बाही . की . युग .; एक . ------

नावकर निर्मित्यन, 1961 (1961 का 43) की पाडा 269-ग (1) के नभीन स्थान

भा<u>रत चडका</u>ड

कार्यासम्, सहावक नायकर नायुक्त (निरक्षिक)

श्चर्जन रोज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश मं० 176/मःचं 85---श्रतः म्झे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाय (उनत अधिनियम कहा गया है), को धारा ?69-च थे अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विकशास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी मं० (पु० सं० 24/1389) नया सं० 28/105—राजा स्ट्रीट है, जो कोयम्बत्तूर में स्थित है (भौर इससे उपाबब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के एतर्यालय, कोयम्बत्तूर, लेख सं० 1419/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित वाजार मून्य से कम के खयमान प्रिकेशन के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास कर? का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपरित का उपित बाजार रूप्य उसके ख्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिकाश से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखत उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक हम से कथित नहीं किया गया है दु—

- (क)) बलायल से हुई किसी नाय की बाक्छ , उक्त विधानियम के मधीन कह दोने के नुख्यक के बामित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बीह/या
- (क) एंसी किबी नाय या किसी भन या नत्य नारिसयों को, जिन्हें भारतीय वायकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती व्यारा प्रकट नहीं किया बंबा था या किया जाना चाहिए था, स्थिनों में सर्विभा के लिए,

अतः अतः अवतः अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ज्ञें, में, उग्धा अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अथृति :--- া श्री एम० वेंकटाचलम ग्रौर ग्रन्यों

(ग्रन्तरक)

2. श्री ए० प्रार० विक्वनाथन

(भ्रन्तरिती)

को यह क्षाना बादी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उचत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाखेप र---

- (क) इन स्थान क राजपंत्र में प्रकाशन की दारीय से 45 दिन की अविधि यो तत्त्वस्थानी व्यक्तियों पद क्षाक कि दानीय से 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में बनाव्य होती हो, के भीतर प्यक्तिय व्यक्तियों में से निसी स्थानित द्वारत;
- (क) इस सुभना के राजपत्र में प्रकादन की सहरीय से 45 दिन के भीकर उक्त स्थावर सम्भक्ति में हिन-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा नथोहस्तावारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थव्यक्तिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया, गया है।

मनुसूची

भूमि ग्रींर मकान--24/139, त्यु डोर सं० 28/ 105, राजा स्ट्रीट, कोयम्बत्तूर, कोयम्बत्तूर लेख सं० 1419/85।

एम० साम्वेल सहायक ग्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मद्रास-6

तारीख: 7-11-1985

प्ररूप बार्ड .टी एन एस -----

भायभर सिथिनियम, 1961 (1961 का 43) का भार 269-म (1) के अधीन मुचना

मारत बहुकाड

अधिनिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० 177/मार्च 85—-श्रत मूझे, श्रीमती एम० सामवेल,

वारकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), दी धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित उपजार मल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० 5, कृष्णस्वामी मुर्जालयार रोड है, जो कोयम्बत्तुर मे स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित हैं), रिजस्द्रीवर्त्ता श्रीधवारी के कार्यालय, कोयम्बत्तूर लेख मं० 1454/85 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधित्यम, 1908 (1908 न 16) के श्रीधीन, तारीख मार्च 1985

को बुधोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल में एमें क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती रू (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-केत निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्त्रिक का में कथित नहीं किया गया हैं ---

- (क) बस्तरच से हुइ किसी बाप की बाबरा, उच्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बनारा प्रकट नहीं किया गया धा शाबिया अना चाहिए था क्रियाने में सुविधा के निए;

अत अब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण भो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपनारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु :——

- 1 श्री सी० एम० चन्द्रभेष्यत ग्रांग ग्रन्थो (ग्रन्तरक)
- 2 श्री ए० एल० ए० ग्रान्थ टी० कर्ने राजा ग्रीर के० मीनक्षी श्राम्भा

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निए कार्ववाहियां शुरू करता हूं।

उनत सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेय :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की व्यक्ति या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जविष, वो भी वयि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियुक्तें के किसी व्यक्ति बुवारा।
- (व) ह्य ब्याम के एक्ष्य के अभ्यक्त की शारीक है 45 जिन के तीवर क्या स्थाप क्यारित में हितवपुध दिक्की क्या क्योंक दूसारा स्थोहरतालाड़ी के शब्द विकित में किए या क्योंने।

न्यच्यीकरणः --इतमे अभूति धन्यों श्रीर वर्षों स्था, स्थी उपक वाधिनियम के अध्यास 20-के में परिभावित ही, वहीं अर्थ होना को उस अध्यास में विका नवा ही।

मन्स्ची

भुमि श्रीर मणान सैंट स० 5, कृष्णस्त्रामी मदलियार रोष्ठ कोयम्बन्तर---कोयम्बन्तर, लेख स० 1454/85।

> एम० पत्मूबेल, शक्षम प्राधि परी सहायक श्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, मद्रास

नारीस्य 7-11-1985 मोहर प्ररूप बाई. टी. एन. एस. -----

भागवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अधीन सचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रोज-2, मद्राय मद्राय, दिलाक 7 नवस्त्राय 1985

निदेश मं० 189/मार्च 85-- अतः मझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

षायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् (उक्त अभिनियम) कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि जिसका उचित प्राजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 420. जी० वस० सं० 225/हिरमा 1/61-28 रिव मालोनी है तथा जो राजवल्स रोड रोन्ट सामस माउण्ट, मश्रास-16 में स्थित है श्रींग इसके उपाबद्ध मनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीवर्ता श्रीध-कारी के कार्यालय, श्रालंदूर लेख मं० 64 1/85 में भारतीय रिस्ट्रीकरण श्रिश्चित्यम, 1908 1908 . ा 16) के श्रीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रयमान प्रिष्ठिफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रिवश्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त विभिनियम के वभीन कर दोने के अन्तरक के विभिन्न में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ब) एसे किसी बाय या कियी भन या अस्य आस्तियों को. जिल्हों भारतीय आयकर एथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंगीनियम, विस्तर अपने राज प्रयोजनार्थ अंगीनियम वाहिए का, क्रियाने में सुविधा की सिए।

बतः धवः, अक्त अधिनियमः, की धारा २६९-ग के अनुसरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा २६५-व की प्रपणकः (१) के के अधीनः, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, अर्थानः --- 1. श्री बीं० डी० निवासन

(भ्रन्तरकः)

कुमारी के श्रीमत्न।

(भ्रन्तरिती)

को यह तुषना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--- ,

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों म से जिसी व्यक्ति दवारा
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरा के पाम लिखित में किये जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा यया हैं।

अनुसुचि

भूमि श्रीय महान डोर सं० 1/61-28, रिव यालीनी, पालबलस रोड़, सेन्ट सामा गाउण्ट, रहा0-16, श्रलन्दूर लेख सं० 644/851

एम० नाम्बेल_्र पक्षम पाधिकारी सहासक श्रायका (निरीक्षण) स्रोक को अस्तर

नारीख: 7--11--1985

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्चना

मारत बंडकार

कार्यालय, सञ्चायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रोज-2, मद्रास मद्राप, दिनां: 7 नवम्बर 1985

निदेश मं० 200/मार्च 85 - अप मृझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जीवत बाजार मूल्य 1,00,000/-रा से अधिक है

स्रौर जिनकी सं० 30, डाक्टर बेयन्ट रोड़, रायपेट्टा लेन है, तथा जो मदास-18 में स्थित है और इ.चे उपाबद स्रतुपूची में और पूर्ण का ने प्रणित है), रिभस्ट्रीकर्ता स्रधि-दारी के रायनिय, पैलापर लेख सं० 375/85 में भारतीय रिक्स्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 दा 16) के स्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और मुफ्तें यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके रूपमान प्रतिकल से एसे रूपमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण को जिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अंतरण लिखित मं बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधि-नियम के बभीन कर धेने के बंतरक के द्यमित्व में कमी करने या उसमें क्चने घे स्विभा के किए; और/था
- (क) एसी किसी जाव या किसी भन वा जन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय वावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त वाभिनियम, वा भनकर अभिनियम, वा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं फिया पवा या किया वाना पाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मै. उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश्ति व्यक्तियों, अथित् :--- 34---37601/85

 एच० ए५० (प्रा: अ.फ आररा एण्डॉमेन्दु की एजेन्ट, श्री महम्मद अब्दुल अली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री कें ० षण्यूगम्

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पर्शित के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ::---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी ध्यक्ति ब्रुवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से \$5 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी ...के पास लिखित में किए जा स्कोंगे।

स्वच्छीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उन्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं कर्ष होगा. को उस अध्याय में दिश. वृक्ष हाँ।

अमुस्ची

भूमि ----29 म्रार् 30, श्रायवेठ। हैं केंट **डाक्ट**र बेसन्ट रोड़, मद्रास, मैलपूर । छेख सं० 575/95

> ाम० माम्बेल सक्षम प्राधि नी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख 7--11--1985 मोहर ध त्राक्य बाह्" ,दी . एन . एत . -------

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की को धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकाड

कार्याकर, सङ्गयक जायकर भागुक्त (विरोधन)

श्चर्जंन रेंज—II, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 नवस्त्रर 1985 निदेश सं० 208/मार्च 85—स्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

का कारण है कि यथाप्कोंकत संपत्ति का उचित वाकार भूका, इसके परवात् 'उक्त निर्भातयम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का वायकर निर्भातयम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० ब्लाक सं० 56 है, जो मैलापुर, मदास दक्षिण मदास लेख सं० 880/85 में भारतीय रिज-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्त्रींक्त संपत्ति का उचित्र आजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के वित्र वन्तरित के विश्व है और अन्तरक (अन्तरकार्ष) और अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के मिए तय पाया गया वित्रकल, निम्नीसिलित उत्वर्षेयों से वन्त वन्तरण जिल्लि में बास्सविक रूप से किंशत नहीं किया गया है अन्तर

- (क) बनारण में हुए किशी अस की बानंदा, जनत मौत्रनिवृत के बचीन कर पोने के बच्चरक को दावित्य में कती करने वा बन्न्यू ब्याने में सुविधा के लिए; स्टि/वा
- (ण) पूँची विक्री बाब वा किसी थन या बन्स आस्तिकों को विक्री भारतीय साथ-कर निधिनयस, 1922 (1922 को 11) ना उन्तर सिथिनयस, या चन-कर सिथिनयस, या चन-कर सिथिनयस, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किसा गया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने से स्विधा से लिए;

कतः अव, उकत अधिनियम की धारा 269-ग को, अज्ञासरण वा, वा, उकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को वधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :--- 1. डाक्टर ए० ग्राप्त शिवरामकृष्णन

(भ्रन्तरक्)

2. श्री एस० रामगोपालन

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

स्वत तन्यति के वर्षत के सम्बन्ध में कीई भी वासीप :---

- (क) इस सूचना के एवपत्र में प्रकादन की वारीच से 45 दिन की वदिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी वदिश वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 वित्र के भीतर अक्त स्थावर कम्पत्ति में हितवव्य किसी जन्म स्थावत व्यारा अभोइत्ताशरी के पास सिकित में किस वा सकोंने।

प्रनुसूची

फ्लैट सं० 56, इक्षिण मद्रास लेख मं० 880/85

गम० सामुवेल र अम प्राधि भारी सहायक श्रायां र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-2, मद्रास

न(रीच 7--11-1985 मोहर्ध

प्रकार कार्य त्र दर्ग . एक् . एक् . अ अ लाख क

कारकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन स्वना

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, मद्रास

मद्राम, हिना 7 ननम्बर 19785 निदेश सं० 240/मार्च 85 -- श्रनः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल,

आमकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 32, ईश्वरन् फट्रोल स्ट्रीट, है जो ईरोड में स्थित है श्रीर इससे उधाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण हम ने विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि तरी के कार्यालय, ईरोड, लेख सं० 1250/85 में भारतीय रिक्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, कारीख मार्च, 1985

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभो यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रॉक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को एंस दश्यमान प्रतिफल को पंद्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अतरिती (अन्तरिनियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबदा, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के सिक्ष; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करा, जिन्हों भारतीय अध्यक्षर अस्ति है । 1922 का 11) ये उक्स अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सुविधा के लिए;

.त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के पथीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधित क्

1. श्री वी० गोपाल कृष्णन् श्रीर शन्यों

(भन्तरक)

2. श्रीमती ब्रार० राधामणि

(मन्तरिती)

ना यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के यम्बन्ध में कींह भी बालेप ह--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिवाँ में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृथ किसी बन्ध म्यक्ति व्यारा वधोहस्ताक्षरी के शक विश्वत में किए वा सकते।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क हिमानियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भुमि श्रीर महान-ंसी क्ला > 32, ईण्यरन कोडल स्ट्रीट ईरोड - ईरोड़ केख मं< 1250/851

एम**ः** सामुबेल गक्षम प्राधिकारी सहाय ह प्रायक्ष प्रायकः (निरीक्षण) ऋजंन रेज-2, मदास-6

तारीखः 7 11—1985

शरूप बाइ. टी. एन. एव. =----

असंयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अभीन स्चना

भारत मरकार

कार्यासम, सहायस मायकार मानुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्जन रोच⊶2, मद्रःय

मद्रास, दिना / नवस्वत्र 1985

निदेश स० 249/मार्ध 85 --प्राः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

जायकर लिभिनियम, 1961 (१961 का 43) (जिसे इसमें इस है परेपात् 'उक्त निभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 263-स के अभोन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रींग जिस्ती सुरु 23-ग. 23 जी 24, लाई सुरु 10 लड़काई स्ट्रीट-2 कील्पाण्डी गाज है तथा, जो गोपी में स्थित है (ग्रा. ए.). उपाव अनुसूची में ग्रींग पूर्ण गए से विणत है), गाजन्द्री तो ग्राधिनारी है नार्याख्य, गापिचेट्टि पालयम लेख सुरु 375/85 में भारतीय रिजर्ट्रों श ग्राधिन नियम, 1908 (1908 तम 16) के ग्राधीन, तारीखमार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्छ हैं और मूम्के यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप करने समित के उपित का कारण है कि प्रथाप कर समित के उध्यमक प्रांतिक लोग सम्बद्ध प्रतिकास के विश्वास प्रांतिक लोग सम्बद्ध प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय प्रांता गया प्रतिकान, जिन्नितियों उद्देश से उद्येत अन्तरण लिमित में अस्तिक कर में अधित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंशरण ते हुई किसी नाम की वावतं, उत्तर अधि। नगर के अभीन कर याने के शन्तरक वै दायित्व में कभी करन या उसस मचने में सुविधा क निष्कु, और। या
- (क) एसी किसी श्राय ना किसी धन या बन्य बास्तियों की बिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) ना उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 का 27) की प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा छ। किया जाना चाहिए था, छिणान में सुविधा के सिए;

क्तः अज, अक्त अभिनियम की भारा 269-ग को जनुसरण जो, भी, उतन अभिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) अ अभीन, नमन्दिसित व्यक्तियों, अभित् 4श्रीमती श्रायंभ्माल भ्राँए दूसरे

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रार० कृष्णन्

(भ्रन्यरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के वर्जन के सिए कार्यगाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजभन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपति मेथे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त संख्यों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

धनसंची

भूमि श्रौर म तन $\sim 23ए$ ०, 23 - बी, 24, कोडूमाई वीधी -2 वार्ड स० 10. वीरपाण्डी गात्र, गौपि---गोपि--- लेख सं० 375/85।

एम० सामूर्वेल ∽क्षम प्राधि जरी सहाय के श्रायकर ऋषुक: (निरीक्षण) श्रजन रज--2, मद्रास

नारीखा. 7--11-1985 मोहर

शक्य आहें हो , एव . एव . -----

आधकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत भरकार्

कार्याक्षय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्थन रेज-2, मद्रास मद्राप, दिना ा 7 स्वयस्या 1985 निदेश स० 26७/मार्ज 33 अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

काशकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी का.,, यह निष्वास करने का कारण है फि स्थावर संपत्ति जिसका अभित बाजार मृस्य ;

1 (10),000/- रु में अधिक हैं श्रीर जिन्नी गुं 20, मैं तफ़ठम् गाइन रोड, मद्रास- 6 है तथा जो मद्रास में स्थित हैं (ग्रीट इन्षे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रून से बणित हैं), रित्रही र्ता श्रीध गारी के सार्थालय, थीं इडलैंडम् लेख सुं 75/85 में भारतीन ग्रीट श्राधिनिन्म, 1968 (1908 को 16) के ग्रीचीन, तारीस मार्च 1985

को प्सांधित सम्परित के उचित नाबार मृत्य से कम को दस्यमान इतिषक्ष के सिए बन्तरित की गई हैं, जौर मुक्षे यह विश्वास करने का कारण हैं कि बचापुर्वोक्त संपरित का उचित् वासार मृत्य, उसके कमान प्रतिकल से एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बौच एसे बन्तरण के सिए तब पाया नवा प्रतिकल, विक्तिविस स्कृतिकल, विक्तिविस स्कृतिक से उच्त कन्तरण कि सिए तक पाया नवा प्रतिकल, विक्तिविस स्कृतिक से उच्त कन्तरण कि सिए तक का सिक्त कर से किया स्वां क्षेत्र से वास्तिविक कर से किया नवा है कन्तरण के सिए तक कर से किया स्वां क्षेत्र से वास्तिविक कर से किया स्वां किया गया है कन्तरण के सिंह कर से क्षेत्र कर से किया स्वां क्षेत्र कर से किया स्वां क्षेत्र कर से किया सिंह कर से क्षेत्र कर से किया सिंह किया स्वां कर से किया सिंह किया सिंह कर से किया सिंह किया सिंह कर से किया सिंह किया सिं

- (क) गम्मरण ते हुई किशी गांव की गांचत उक्त गांध-पिषय के गांधिक का: यांत के वन्तरक के शांधिक यां कामी कारम या उनमें गांधन में त्रिका के लिए: शांप/मा
- (वा) एसी किसी भाग या किसी भन ना अन्य अस्तियों को, विस्हें बारतीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अभिनियम या भनकर अधिभियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिए था, विशान में सुविधा के लिए;

अल अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिकित ब्यक्तियों, अधीत ---

1 श्रीमती (वजयलक्ष्मी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती रेणुगा सुन्दरमूर्ति

(भ्रन्ति)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को जिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

उन्नेत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में अहेर्ड भी बाक्षोप 🖫--

- (क) इस भूषना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की जनिथ या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
 सूषना की तामील से 30 दिन की अनिथ, जो भी
 जनिथ माद में समाप्त होती हों, के भीतर पृथींकल
 ध्यिसमा में सं किसी ध्यक्ति दूनारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में सिए का सकेंगे;

स्वध्विकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिक नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होंगा. जा उस अध्याय से किया गर्मा है।

अनुसूची

भूमि 20---पैकफठस् गाडंन रोड. मद्रास-6 थासन्ड-लैठस् लेख् म० 75/85।

> एम० पामुबेल पक्षम प्रविच्छी) सहायण श्रास^{मा श्}रामुक्य (निरीक्षण) श्राचेत रेकस्य, मद्रास

त√रीख: 7—11—1985

मोहर

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ऋर्जन रेज-2, मुद्रास

मद्रास, दिना र 6 नवस्वर 1985 निदेश सं० 265/मार्च 85----ग्राः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित् बाजार मूल्य

1,00,000/- रहः से अधिक हैं
भीर जिसकी सं श्राट्य एमा सं 348/2 पेरिमनाय हन
पालयम गांव है, जो कीयम्बट्टर में स्थित है (श्रीर इसमें
उपाब श्रमुखी में श्रीर पूर्ण का में वर्णित है), रजिस्ट्री ती
श्रीध हारी के हार्यालय, पेरियनाय में पालयम् लेख साथ
661/85 में भारतीय रजिस्ट्री करण ग्रीधिनियम, 1908

(1908 ा 16) के ग्रधीन, तारीख मार्च, 1985 को पूर्वेक्श सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिक्रल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूथमान प्रतिफल से, ऐसे रूथमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्रल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उन्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय करी बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, विश्व का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चीहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री पी० एल० गणेश गौडर

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती एम० सरस्वती

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

् भुमि और महान ग्रार० एस० स० 348/3 पैरियनाय-कन्यालयम कोयम्बत्तुर--पेरियनायकन पालयम् लेख सं० 661/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-2, मद्रास

न(रीख: 6-11-1985

मोहर 🛊

प्रकल् बार्डा, बी., १५., एवं :- ----

बायकर विभिनियम, 196° े 561 का 43) की भारा 269-व (1) ्रीन स्वना

भारत तरकार

कार्यांतय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6025—-ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

भागकर मिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके एक्श्वर 'प्यत्न रिपिटिटम' वहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि ख० सं० 430 (4 856 हेक्टर) है, सथा जो ग्राम निरजनपुर, इदींग, में स्थित हैं (ग्रींग इसमें इपाबद्ध अन्मुची ने ग्रींग पूर्ण रूप से रिफित हैं), रिजिस्ट्रीकर्ती श्रिधिशारी के सार्थालय, इंदींग में रिजिस्ट्रीयभण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, नारीख मार्च 1985

_का प्वांकित संपत्ति के उक्षित बाबार मृस्य से कम के क्यापाल श्रीतफल के लिए अतरित की यह है और भूभे यह विश्वास करने करने का कारण है कि यभापूर्वेक्ति संपत्ति का उनित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का बन्बह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्राया गया प्रतिकाल, निश्निलिखित उद्देश ने उक्त अन्तरण कि निष्कारण के निष्कारण कि निष्कारण कि निष्कारण के निष्कारण कि निष्का

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाद की बाबत, उस्त दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा मधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के के बिका और/बा
- (च) एंसी किसी जाय या किसी अम सा अन्य आफ्रानी को, जिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) सा उकर अधिनियम, सा धनकर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

भत: भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 2269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थर [—— श्री शंकर पिता सवजीराम (2) सवजीराम पिता श्री रामविश्वन, ग्राम पिपल्या कुम्हार, जिला इडौरा

(भ्रन्तरक)

2. मैं० राजस्व कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित 23, राजस्व ग्राम इंदौर तरफे ग्रध्यक्ष गकरुनाल नाथूरामजी उकास (भूतपूर्व ग्रध्यक्ष) व वर्तमान ग्रध्यक्ष श्री घनण्यामदास पिता मथुराप्रसाद जी ग्रग्नवाल निवासी 5, इंदिरा गांधी नगर, इंदौर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्विक्तियों से में किसी स्विक्त द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाव पंपत्ति में हितनबुध किसी कस्य स्थानित ब्वारा के नाकरी के पान सिथित में किए का संकी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्य 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होंगा जस सध्याय में विदा गया है।

समस्त्री

भूमि खनरा नं० 430 ग्राम निरंजनपुर, जिला इंदौर मे स्थित है।

> एतः मी० धर्मा सक्षम प्राधि ारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज, भौपाल

तारीख: 4--11-1985

प्रकृत सार्द्र . टी. इन. एस. - - - - -

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन क्षमा

भारत सरकार

कार्याक्रम, सहामक कामकर मार्चक्त (निर्दाक्षण)

श्रर्जन क्षेत्रश्र भोषाल भोषाल, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देण सं० श्राई० ए० मी०/ब्रार्जन/भोपाल/6026→-ब्रातः मुक्को, एस० सी० णर्मा

ायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क से अभीव तक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का प्रारण हैं कि स्थानर सम्परित, जिसका जिसते बाबार मुख्य 1,00,000 '- क से अधिक हैं

स्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 232 है, तथा जो सन्प नगर, इन्दौर में स्थिन है (स्रीर इससे उपावक सनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप प वर्णिन हैं) रिजस्ट्री नि स्रिधिनारी के नार्यालय इंदौर में रिजस्ट्री निरम 1908 (1908 दा 16) के स्रिधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त समपित के उपन नाजार मूस्य ते कन के करवान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वंशापूर्वोक्त सम्परित का उपित बाबार मूस्य उसके दरवमान प्रतिकल से, एसे ज्ययमान प्रतिकल का पंक्र प्रतिकत से विधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रति-फम निम्नलिखित उद्दोश्य में उक्त अंकारण लिभिन्न में बाक्किक रूप से कथिल नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण म हुट किसी बाव की बावठ, बक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के बल्तरक के समित्य में कमी करने वा बक्त वचने में बृविया की सिंद्; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या कन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर जीधिनियम, या घन-कर जीधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा के लिए।

जत. बंब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की जन्तरन ब्रॉ, मी. उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उनवारा (1) को ब्रुधीन, निस्निशिवित व्यक्तियों, जर्मात् ≟्— (1) श्रीमती चन्द्रप्रभा पाण्डे पति श्री एस० द्यार० पाछे 53/48, रामणंप रोड, जरोल बाग, न्यू दिल्ली 5

(भ्रन्तरः)

(2) अलंबार गृह निर्माण यहकारी संस्था मर्यादित 44, जाबरा कम्याखण्ड, इंदीर

(ग्रन्तरिती)

को बह स्थान आरी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यनाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के बम्बन्ध में कोई भी अक्षाप :----

- (क) इस स्वमा के राजपण में प्रकाशन की तारींच चे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की ववधि, को सी कवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में ते किसी क्यक्ति कृतारः;
- (वा) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध लिखित में किए जा तकोंगे।

स्थळकिरण:—इसमें प्रमुक्त अक्कों और पदों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20 क में प्रिशोधित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया स्था है।

अन्स्ची

प्लाट नं० 232, श्रन्प नगर, इन्दौर में स्थित है।

एम० मी० शर्मा असम गानि हो। सह्यान ऋष्यन्त्र ऋष्युक्त (।नराक्षण) नर्जन रेज, भोषान

तारीख: 5-11-1985

प्राहर आहु¹.टी.एस.एस.----- (1) श्री

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रोज, भोषाल

भोपाल, दिनांक । नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/धर्जन/भोपाल/6027--ध्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

श्रीर जिसकी संस्था प्लाट न० 48 पर बना एक मंजिला मनान है, सथा जो श्रादर्णनगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप ने वांणल है) रिनस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के ार्यात्य उन्दौर में रिस्ट्रीकरण श्रोधनियम, 1908 (1908 वर्ष 16) के श्रधीन, मार्च 1985

को पूर्वे के सम्पत्ति के रिचित्त वाजार मृत्य स कम के इश्यमान प्रतिकृत के लिए बन्सरित की गई है बीर भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित आजार कृष्ण, असके क्रण्याण पित्रकृत्य हो, एसे इस्वमान प्रतिकृत क्ष्म पन्द्रह प्रभागत से अधिक है वोग अंतरक (अंतरकों) और वंतरिती (बंतिरिती) में बीच एके लंतरक से लिए तय पाया गया प्रतिकृत का, प्रभागिकत उद्योग्य में उक्त अभ्यत्य सिवित में बाहर विक्र कर, से कांचत महीं किया गया है है—

- (क) वस्तरण सं हुए किसी बाव की शवत, उक्त विभिन्नियम के वभीन कर दाने के बस्तरक के दासित्व में कमी करन में उत्तरक के लिए, क्षीक्ष/था
- (च) ऐसी किसी आय या किसी अन का काम आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिभिनयम, धा अनकर अभिनियम, धा अनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती बुवारा प्रकट नहीं किया जना भाषा किया जाना भाषिए था कियाने में स्विका जे जिए:

जतः अवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण में, में, शक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभाग (1 के टाँप, विस्तिविधिक व्यक्तिको अर्थात कः व्यक्तिकार कर्यात्रकार क्षेत्रकार कर्यात्रकार कर्या कर्यात्रकार कर्यात्रकार क्षेत्रकार कर्यात्रकार करिया कर्यात्रकार करिया कर्यात्रकार करिया कर्यात्रकार करिया कर्यात्रकार करिया कर्यात्रकार करिया करिय (1) श्री ान्तीात पिता श्री दुर्गणकरणी कोटिया, निवासी 426, उथानगर, एक्स्टेन्स लानी, इन्दौर ।

(भ्रह्मर ५)

(2) श्रीमर्नी पत्ते। प्रतिश्री समलकियोर राठी, निवामी 85 श्रील्ड राजमोहल्ला इन्दौर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्क सम्पत्ति के गर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

डायस सम्पत्ति को अर्थन का महन्त्र मी काहि भी गासके हरू

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि सा तत्त्वस्थान की तारीख से स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (थ) इस क्षता के राजपण मा प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन के शीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवहुध किसी जन्म स्थावत व्यारा जभाहस्ताकाड़ी वीं पांच किसी कर्म स्थावत व्यारा जभाहस्ताकाड़ी वीं पांच

स्यव्दीकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

प्लाटनं० 48 पर बनाएक मिलामकान जो आदर्णनगर इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्सन० 37-जी में निहित्त है पथा पन्तिनी द्वारा सत्यापित थिए गर्मा है।

> एस० मी० **शर्मा** सक्षम ग्राप्तकारी रहारक ग्राप्यर ग्राप्यका (निरीक्षण) 'पर्जन रेट भोगास

नारील 1-11-1985 मोहर.

प्रकार बार्ष .टा एन .एव . -----

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक कायकर वायुक्त (निर्क्षिण)

ग्रर्जन क्षत्र, भीपाल

भोपाल, दिनांक 1 नवम्बर 1985

निर्देश म० प्राई० ए० सी०/अर्जन/भोगाल/6028--अत मध, । स० सी० शर्मा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/ र में अधिक हैं

भीर जिसकी सख्या भूमि सर्वे न० 426,2,3 रहाबा 0-552 है, तथा जो ग्राम सेनवाया, बिल्नोट, जिला धार में स्थित है (ग्रीए इसने उपाबस धन्सूची में ग्रीर पूर्ण स्प में विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ज्यार्यालय इन्दौर मे रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 हा 16) के श्रधीन, मार्च, 1985 **को पर्वो**क्त सर्पात्त को उचित बाजार मुख्य स **कम के धरयमा**न लिए अन्तरित गड र प्रतिफल मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बौच एसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल,, निस्नलिचित उद्देरिय से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरक के हुइ किशी जाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) होती किसी ज्या वा किसी धन या अस्य आस्तिकों को, जिन्हों भारशीय जाय-कर रिजिनियम, 1922 (1922 का ११) या उक्त त्रीधनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरिती खुवारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए वा, क्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६०-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा २६९ घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियाँ अर्थातः :— (1) श्री रामात्रतार पिता श्री सूरजभान गुप्सा, निवासी 220 ट्रामपोर्ट नगर इन्दौर।

(ऋसराः)

(2) मैसर्स साची यत उद्योग प्रा० लि० तर्फे डायरेक्टर श्री न दकिणोर णर्मा पिता श्री जगन्नाथजी निवासी 3/1 छोटी ग्वाल टोली, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

बन्द बंदरित के अर्थन के तंबध में कोई भी आक्षेप '---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की समित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तानीस से 30 विन की अवधि, जो भी कमित्र वा में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किवित में किए का स्कर्ण।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त खड़्यों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम को सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस सध्याय में दिया मचा हैं।

धनुसूची

भूमि सर्वे नं ० $426_{|2|}$ 3 रकवा 0-552 है जो संजवाया घाट, बिल्लोद जिला इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्प है जिसका विवरण फार्म न ० -37 जी में निहित है तथा प्रस्तिरिती द्वारा सत्यापित किया जा चुका है।

एम० मी० शर्मा गक्षम प्राधिकारी सहायकथ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 1-11-1985

प्रकृत् कार्ष*्टी .्पन् . प्र*कृतन्त्रन्तन्त्रन्त

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन स्थान

भारत सुरकार

कार्यासय, सहायक भायकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनादा । नवम्बर 1985

निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/6029--ग्रत: मुझे, एम० मी० गर्मा,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-इ के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या भूमि सबँ क० 426/2/4-रवबा 0-552 है, तथा जों संजवाया घाट, दिल्लादा जिला धार में स्थित है (स्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री हर्ता श्रीधवारी के वार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्री करण श्रीधित्यम 1908 (1908 जा 16) के श्रीधित, मार्च, 1985 को पूर्वी में सम्मत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तर, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तर, उसके रश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्तर, उसके रश्यमान प्रतिफल है और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्दरितियों) के बीच एसे बन्तरक (बन्तरकों) वीर बन्तरिती (बन्दरितियों) के बीच एसे बन्तरक से सन्तरक वन्तरफ सिन्तर में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया बया है हिल्ला सिन्तर में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया बया है हिल्ला से सिन्तर स्थान से सिन्तर स्थान से सिन्तर स्थान स्थान से सिन्तर से बन्तर से सिन्तर स्थान सिन्तर स्थान से सिन्तर स्थान से सिन्तर से सिन्तर

- (क) अन्तर्य वे हुई किसी नाव की बावता व कर निषक्त निषम के अधीन कर बने के अन्तरक के वाहित्व में क्रमी कुरवे वा सम्बंद वचने में सुविधा के लिए; बाह्य/वा
- (स) एसा किसो आप या किसी धन या बृत्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना जाहिए था, फियाने के द्विभा के कियु;

क्रश्तः वस्त्र वस्त्र विभिनियम की भारा 269-म से वनुतरुष में, में उक्त विभिन्नम की भारा 269-म की उप्भारा (1) है वसीक, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, वर्षात् ध--- (1) श्री अवतार सिंह पिता श्री करनैलिमिह सिक्ख द्वारा मुख्तीयार स्नाम-सरदार करनैल सिंह पिता पादरसिंह निवासी 31/9, क्षित्रे कम्पाउण्ड, इन्दौर ।

(भ्रन्सरक)

(2) मैंसर्स विविध धातु उद्योग प्रा० लि० प्रमोटर श्री नन्दिकशोर खण्डेलवाल पिता श्री मंगीलाल, अ/1, मनोरमागज, इन्दौर।

(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

क्क कर्मित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षेप:--

- (क) इत सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की जबीं या तत्सध्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थाना के राजपत्र मं प्रकाशन की शारीब है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किशी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वकाकरणः -- इसमां प्रयुक्त सन्दां और पदां का, जो उक्त विधिनयम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनु सुर्ची

भूमि जो संजवाया घाट, बिल्लोद जिला धार में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्भूण विवरण फार्म नं० 37-जी में स्थित है तथा अन्तरिती द्वारा मत्यापित किया गया है।

> एस० सी० गर्मा संक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

नारीख: 1-11-1985

मोहर 🖫

प्रकर्ण नाहाँ : टी : एग : एस : =---

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, शहायक आयकर जागुभत (निरोक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भाषात

भोषान, दिनां 👉 । नवस्वर 1985

निर्देश मं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोषाल/६०३०---म्रत मुझे, एस०सी० शर्सा,

राज्यका जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसर्व इतमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और भिन्नकी संख्या भूमि गर्वे क्रमांक नं० 426/2/5 रणबा 0-553 है, तथा जो ग्राम भेषवाया घाट, बिल्लोब जिला धार में स्थित है (और इसमे उपाजद ग्रानुसूची में और पूर्ण रूप से पणित है) एजिस्ट्रीवर्ती प्रधिवारी के वार्याक्य इन्दौर में रिजस्ट्रीवरण श्रक्षितियम 1908 (1908 भा 16) के श्रदीन, मार्च 1985

करे पूर्वेदिश सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्ल्य. उशके दृश्यमान प्रतिफल सा, एसं दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रीशात से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में गरतिबन कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण मो हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम की मधीन कर बाने के अन्तर्क की प्रायस्थ मो कमी करने या उससे बचने मों सुर्ग्यभा के लिए; और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में स्विथा औ किय;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 2'69-ग को बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम क्ली धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री निर्मलसिंह पिता करनैल सिंह द्वारा मुख्तवारश्राम श्री सरदार करनैल सिंह पिता श्री पाधवर्णसह, 31/9, किबे कम्माउण्ड, इन्दौर

(भ्रन्तरक)

(2) मैरासं विविध धातु उद्योग प्रा० मि० परमोटर श्री नन्दिक्षणीर खण्डेलवाल पिता श्री मांगीलालजी, निवासी 3/1 मनोरमागंज, इन्दौर

(श्रन्तरिती)

श्रा यह स्थाना भारी करक प्रांक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति को मर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंग, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास निविद्य में किए था सक्यों।

स्यव्यक्तिकरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, वो जन्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया। नया है ।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 426/2/5 र ज्वा 0-553 है जो सेजवामा घाट, बिल्लोद जिला धार में स्थित है। यह बह स्थाघर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण फार्म नं० 37-जी में निहित है तथा जो अन्तरिती द्वारा सत्यापित किया गया है।

> एस० सी० शर्मा नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेज, भोपाल

तारी**ख**: 1-11-1985

प्रकृष बार्ष्, टी. एव. एस. ५५-----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चमा

क्षांकर सरकाक

कार्यास्य, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

श्चर्यन रोग, भोपाल

भाषाल, विनायः 1 तपम्बर 1985

निर्वेश मं० श्राई० ए० मी०/गर्जन/भोषात/6031—श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि सर्वे कमाए 426/2/2 रहवा 0-553 है है, तथा जो सेजवाया घाट, बिल्लोद, निला धार में स्थित है (और इपये उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप रे वर्णित है) रजिस्ट्री हती अधिजारी के वार्यालय इन्दौर में रिन्स्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन मार्च,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्ताह प्रतिखत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतिरित्तियों) के बीच एमें अत्राण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त बंतरण लिखित में शास्त्रिक रूप से कियत नहीं किया नया है:—

- (क) वंशह्रण वं हर्द किसी वाय की बावस, उपक विधिनियम के बधीन कार दीने के अन्तरक के दायित्व में कभी कारने या उससे बचन में सृदिधा के सिए; वॉर/बा
- (क), एसी किसी बाब वा किसी अन या बन्य बास्सिकों की, जिन्हों भारतीय आय-कर गणिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या अन-कार आर्थानियम, 1937 (1937 वा 27) के पर्योजनार्थ मन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया परा सारीए वा पर्योजनार्थ मन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया परा सारीए वा पर्योजना के विद्या

अतम् अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, की, डाक्ट अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रो नेलूनाम पिता सूर्यमान गुण्ता निवासी 220, ट्रासपोर्ट नगर, इन्दौर

(मन्तरक)

(2) साची संत्र उद्योग प्राह्मवेट द्वारा डायरेक्टर श्री नन्दिक्कोर पिता श्री जगन्नाथजी शर्मा, निवासी 3/1, छोटी म्बाल टोली, इन्दौर

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन वै सिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्स सम्पत्ति को अर्जन को सर्यंध में कोह भी आक्षोप :--

- (क) इस शुचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 43 दिन हों नतिथ या तत्संबंधी व्यक्तिमों पर स्वान की तामीन से 30 दिन की सवीप, को भी शर्था, का में सामान होती हों, के भीतर पूर्वीकत करें करी। को किसी स्वीचत द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 नित्र के जीता का स्थावन सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वासा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः ----इसमं प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अध होना में उस अध्याय में दिया नया है।

श्रनुसुची

नूमि विं क्रमाम 426/2/2 रकवा 0~553 है जो मेजवाया घाट, बिल्लोब, जिलाधार में स्थित है। यह बह स्थाबर सम्पत्ति है जिसका विवरण फार्म नं० 37-जी में अस्तरिती द्वारा मत्यापित किया जा चुका है।

एस० सी० **शर्मा** सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरी**क्षण**) सर्जन रेंज, **भोपा**ल

नारीख: 1-11-1985

प्रकल बाब", शी. एन. एवं.

ज्ञानकर वर्तिपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बनीय कुम्ला

प्रारत करवार

कार्याक्षयः, सहायक वायकः। शायुक्तः (विद्रीकः)

श्रजीन क्षेत्र. भोगाल

भोपाल, दिनाक 4 नघम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/प्रजेन/भोपाल/6032—प्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' व्यक्त गया है'), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या महान न० 235. है. तथा जो जवाहर मार्ग, इन्दौर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के नायित्य इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1985

को पृथांकत सम्पत्ति के उपित साजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित की यह है और मुक्ते यह विस्तास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसक दूरवमान प्रतिफल सा, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिचात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिमों) के बीच एसे अन्तर्य के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निभ्मितिसां स्वाप्तिक स्वाप्तिमां प्रतिकात स्वाप्तिक स्वाप्तिक

- (क) जन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त जियित्वम के जभीत कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कर्ण ना उत्तत क्यों सृविधा के लिए; और 'गा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्ही भारतीय आयक र अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त विविवय, वा भन-कर ग्रीभिमन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंवा या किया कामा वाहिए वा, जिनाने में त्रीभा के विद्

बतः शब्द, अक्त कभिनियमः, की भारा 269-म में अनुतरम ं, बैं, जक्त अभिनियम की भारा 269-घ की स्पर्णस्य (1) अभीतः, 'नस्नलिखित स्यक्तियों, क्षमीत् ए—— (1) श्री सतीगचन्द्र पिता श्री चतुर्भुत गोयल. निवासी---235, जवाहर मार्ग, इन्दौर ।

(श्रन्तर∗ः)

(2) श्रीमती गीताबाई पन्नी श्री फतेहलाल सोनी निचासी 125, दाट पट्टी बाखल, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना वारों करक पूर्वीक्य संपास के अर्थन के रि.च कार्यनाहियां करता हो।

एकद ब्रध्यरिए के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अर्काष्ट्र---

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन की प्रविध या तस्त्रंपी व्यक्तियाँ पर
 बुषमा की तासीन से 30 दिन की व्यक्ति को भी
 बुष्मुंच बाद में सवस्य होती हो, के मीठर प्रविक्त
 व्यक्तियाँ में से किसी स्वक्ति बुसरा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हित्बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, नभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:---इसमें प्रवृक्त शन्दों और पर्दों का, जां उक्त अभिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विदाः पदा हैं।

अनुस्वी

महान न० 235, त्रवाहर गार्ग, इन्दौर में स्थित है।

एस० मी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आपकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रोंत्र, भोपाल

तारीख: 4-11-1985

मोहर 🧯

नामकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) में वभीन स्वता

नारत तरकार

कार्यालय, सहायक आगकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंग, भोगाल

भोपाल, दिनाङ, 4 नवम्बर 1985

निर्देश मं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6033---ग्रतः मझे, एन० मी० शर्माः

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियस' कहा गया हैं), की भार 269-स से अभीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का खारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/~ २३. से अधिक हैं

और जिपकी संख्या प्लाट नं० 206, स्कीम नं० 13 है, तथा जो बीवगंत, भोषात में स्थित है (और उनसे उपावद अनुसूची में तौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिशारी के कार्यालय गोषाल में रिजिस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1985

प्रो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इक्ष्यकात तिफल के लिए अन्तरित की गई और [को यह विक्वास

हरने का कारण है कि गंशापर्योक्त सफ़्टीतन का उचित साकार पूरवा, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, एसे दुश्यमान प्रतिफल का दिह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और क्तिरिसी (अस्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्यामा गया प्रतिफल निम्मीलिकित उद्देश्य से उक्त अंतरण सचित में बास्तिक रूप से किया नहीं किया गया है है—

- (क) इन्सरभा में हार्र किसी साय की बाबस, उन्ध अभिनियम के अधीम कार वाने के जन्मरक औ राविस्व में अभी भरने वा उन्नचे वचने में सुविधा को निष्ण; बार/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जासिसी की जिन्हां भारतीय जाय-कर जाभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या जन-कर अभिन्यिम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनार्थ जन्तरिली खुबारा प्रकट नहीं किथी गया था या किया जाना चाहिए था, कियानं में क्षित्रधा के लिए;

जत: जब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, जैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (*) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) 1 श्रीमती शीला खुराना
पत्नी श्रार्० एल० खुराना
2. भारत भूषण
3. राजीव
4. संजीव पुत्रगण श्री श्रार्० एल० खुराना
निवासी एम० श्राई० जी० 138
श्ररेरा ङालोनी.
भोगाल।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. श्री राजीत्र वाधवा.
2. संजीव वाधवा
3. रोहित वाधवा
पुत्रगण जी० सी० वाधवा
निवासी कृमणकुंज, ग्वालियर
4. मनीप सा
पिता परमानन्द झा,
श्रमाहिया, रीवां।

(भ्रन्तरिती)

का यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्थन के किए कार्यवाहियां सुक करता हुई।

उन्दर सम्बुद्धि के अर्थन के संबंध में कोई भी नाश्रीप :---

- (क) इब सूचना के द्राव्यत्र में प्रकाचन की तारीच वें 45 दिन की जब्धि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की व्यक्तियों भी जब्धि बाद में सवाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास तिवित में किए वा मकोंगे।

स्वस्तिकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त वीधिमयम के बध्याय २०-क में परिभाषित हुँ, वही तर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लाट नं• 206, स्कीम नं • 13, हबीबगंज, भोपाल में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, भोषाल

तारीय: 4-11-1985

माहर:

प्ररूप आई. टी एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयण्य आर्ग्य (चिन्छिण) अर्जन क्षेत्र, भोषात्र

भोषात, दितांशः ४ नवम्बर 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/पर्जन/भोगाल/६०३४ -- गतः मुझो, एस० सी० शर्माः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या मणात नं ० 217 है, तथा जा तमरी मार्ग, प्रथा, उज्जैन में स्थित हैं (और इसते उपाबार अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित हैं) रिस्ट्री को सिंध गरी के आयोज्य उज्जैन में रिजस्ट्री रूण अधिनियम, 1908 (1906 का 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मंत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गर्ड हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात में अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से सुद्ध किसी आयः की बाबतः, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः असः, जक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, तिस्तिकिक व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) 1. श्रीमती फािमा बाई
पत्नी श्री नयेंब ग्रली
 2. जवेंचा बाई पत्नी शाबेद श्रली
निवासी-14, घतेंगी चौक.
 उज्जैन।

(अन्तरक)

(2) हिन हाईनेम डा० सैयदना बुरहानुद्दीन साहब द्वारा निफरभाई भाहब श्रीमल साहब बोहरा समाज, उज्जैन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्धारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त घटते और पदों का, जो उचल अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

म तान नं० 217, वाभरी मार्ग, पथ 1, उज्जैन में स्थित है।

> एम० मी० णर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, भोषाल

तारीख: 4-11-1985

प्रकाप नार्षे. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 4 नवम्बर 1985

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), अर्थ धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट है तथा जो एच० पी० पैट्रोल पम्प सलूजा मेल्स एण्ड सर्विम के पीछे, हमीदिया रोड, भोपाल में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णि है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रिजस्ट्री करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कन के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गर्द है और मुभ्ने यह विश्वास इरने का बादल है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित वाजद मू इसके वृश्यमान प्रतिष्क्रत से, ऐसे वृश्यमान प्रतिषल का पण्डाह्मितिन से प्रविष्कृति और बन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरिति) के बीच देसे बन्तरक के लिए तय पाया चया प्रतिषक कि बन्तरिति उद्देश्य से बन्त सन्तरम निजित में बास्त्रिक ३५ से बन्तर प्रती किया गया है।—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने वा उससे बजने में दृष्टिशा चे सिए: बाह्र/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बागा चाहिए था, जिपाने में सविधा के लिए; और/वा

नतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 36—376 GI/85 (1) श्री श्रानन्दीलाल साह पिता श्री मिश्रीलाल साह निवासी निकट पुलिस चौकी, बरखेडी, भौपाल

(भ्रन्तरक्)

(2) मैंसर्स ईदनदास ए.ण्ड कम्पनी
155, 156, ईदगाह हिल्म भोपाल
बारा पार्टनर जयरामदास निवासी-ईदनदास
155, 156, ईदगाह हिल्स,
भोपाल

(भ्रन्तरिती)

को यह त्वना धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के बिर कार्यनाहियां बुक करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस सूचना के श्वापन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्वक्तियों में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इंस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिन-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, सभोहस्तासारी के वास लिकित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त क्रव्यों और पर्वो का, श्रो समस्य विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही नुर्व होगा श्रो उस वध्याय में विका वस है।

प्रमुख्यी

लाट, एच० पी० पैट्रोल पम्प सलूजा सेल्स एण्ड सर्विस
 के पीछे, हमीदिया रोड, भोपाल, में स्थित है।

एस० मी० णर्मा सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

तारी**ख**: 4-1.1-1985

प्ररूप आई. दी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- घ के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्याजया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6036---श्रतः मुक्ते, एस० सी० शर्मा,

शामकर श्रिपिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः वाधार मूख्य 1.,00,000/- रा. से शिक्षक है

और जिसकी संख्या मकान स्यु० पा० न० 118/3 है, सथा जो गाम पिपल्याराय जिला इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्षावान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती कीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित छन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्सरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए;

भत्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नतिसित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) श्री हीरालाल, जयिककान व रामचन्द्र पिता टोपनवास गुरनानी 41, प्रोफेमर्स कालोनी, इन्दार ।

(ग्रन्तरवः)

(2) श्री मनोहर भीमनदास सतवानी एच० यू० एफ० तरफे कर्ता डा० मनोहर सतवानी 179, पलसीकर कालोनी, इन्दौर । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्स सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ए---

- (क) इस स्थान के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलक्ष्य किसी अन्य व्यक्ति वृजारा अधोहस्ताक्षरी के पाच लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, वो उनव अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविद हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

मकान म्यु० नं० 118/3, पिपल्याराय, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विषरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> एम० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-11-1985

त्रक्ष आहु , टी . एक . एव . ------

काथकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आवृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6037—श्रतः मुक्को, एस० सी० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नंबर 779 बी पर निर्मित फ्लैंट नम्बर 11 है, तथा जो मनीषपुरी नालांनी, इन्दौर में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) रिजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के बार्यालय इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरक से हुई किसी आय ो बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (ध) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कत्त: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण कै, मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) इंबर्धन निम्नीतिक व्यक्तियों, अर्थात् ्र— (1) मैसर्स वृन्दावन अपार्टमेन्टस तरफे पार्टनर श्री बालकृष्ण प्रग्नवाल पिता श्री दोलतरामजी प्रग्नवाल निवासी 158, साकेत नगर, इन्दौर

(भन्तरक)

(2) श्रीमती डा॰ महेशमसन्द पिता श्री तीरयदासजी मसन्द निवासी 19, व्हाइट चर्च कालोनी, इन्दौर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

वन्त्वी

ण्लाट नंबर 779 बी पर निर्मित फ्लैटन० 11 मनीष पूरी कालोनी इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) ग्रजैंन रेंज, भोपाल

नारीख: 5-11-1985

प्रकार कार्य हो । एक र एक राज्यान

भायकार वर्दभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के भभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन क्षेत्र भोपाल भोपाल, दिनाक 5 नवम्बर, 1985 निर्देण सं० श्वाई० ए० सी०/ग्रर्जन/6038——अतः, मुझे, एस० सी० शर्मा,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परशात 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मून्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 779 पर निर्मित फ्लैट नं० 3 है तथा जो मनीषपुरी कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाबार मूस्य से कम के दश्यमान प्रतिक्रम को लिए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि मशापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार पूच्य, उसके दश्यमान प्रतिकाल से, ऐसे दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिकितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पूच्य गया प्रतिकाल, निम्नीसिक्स उद्वेष्य से अक्त बन्करण सिवित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है है---

- (क) नंतरण वे हुई किली कान की वाक्त, उक्क विश्वित्व के श्वीत कर दोने के वंतरक के शामित्व में कमी करने या उल्लेब क्यूने में बृदिधा के लिए; ज़रि/या
- (थ) एसी किसी नाय या किसी धन वा बन्य जास्तियाँ को, बिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया' वाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिहा

बतः अव, उक्त वॉभनियम की भारा 269-ग के बनुसरण वं, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की जपभारा (†) औं बभीतः निम्न्सिर्धिक स्मिक्सिर्कें सुनीत् वा— (1) मैं सर्स वृन्दाचन अपार्टमन्टस तरफे पार्टनर बालकृष्ण अग्रवाल पिता श्री दौनतरामजी श्रग्रवाल नि० 158 साकेत नगर, इन्दौर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सन्दीप जैन पिता श्री बहादुरलाल जैन निघासी 4, लाड कालोनी, इन्दौर

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना भारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की बामीस से 30 दिन की बविध, आ भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 जिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के / पास मिचित में दिये वा सकी।

स्थळनेक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा प्या है।

अनुतुषी

प्लाट नं० 779 पर निर्मित फ्लैट नं० 3, मनीषपुरी कालोनी, न्दौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षी) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-11-1985

प्रकार बार्ष त ही तु एक तु देशाल प्रकार

नावकर मिपिनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) ने नभीन सुवना

मास्त सरकार

कार्यासय, सहायक अध्यक्त कार्यक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज भोषाल भोषाल, दिनाक 5 नवम्बर, 1985 निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोषाल/६०३९--श्रतः, मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के कथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- राज्य अधिक ही

और जिसकी संख्या प्लाट नं 11/3 का प्लाट है, तथा जो साउथ तुकोगज, इन्दोर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सत्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि संधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितामों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नीलिखित उद्दोष्य में उक्त अंतरण निस्तित में वास्तविक स्प से किभित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बाधिनयम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, स्थिनों में सुविधा के लिए;

नतः मन, उन्त निधिनयम की भारा 269-ग्म के अनुसरण मं, मं, उन्त अधिनियम की भारा 269-श की उपधारा (1) के अधीन, निम्मुलिंखित व्यक्तिभागों, सर्वात् — (1) श्रीमती कींशस्याबाई पति कृष्णरावजी गावडे 11/5, साउथ पुकोगंज, इन्दौर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री गुरमुखदास एण्ड कम्पनी तरफे पार्टनर गुरमुखदास पिता गंगारामजी नि० यशवन्त रोड, **इन्दौ**र

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्याचैवाहिया करता हु।

उक्त तंपील के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना को राजपन में प्रकाशन की तारीस है 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उन्नव स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकतेंगे।

स्यष्टिकिरणः — इसमं प्रयुक्त शब्दों कौर पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिड है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक्क येवा है।

वनुसूची

्लाट नं ० 11/3, का प्लाट साउथ मुक्तीगंज, इन्दौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, भोपाल

नारीख: 5-11-1985

प्रकृष बाही, टी., एन., एस., ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

शरक सरका

कार्यासय, सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज भोषाल भोषाल, दिनांक 6 नवम्बर 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/6040---श्रतः, मृक्षे, एस० सी० शर्मा,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा पथा हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का नारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृश्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिस्की संख्या प्लाट नं 181 पर विभिन्न सकाः प्लीट नं 9 है, तथा जो इन्दौर विकास प्राधिवारण स्कीस क्रमांव 44, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री हर्ता अधि हारी के नार्या नय इन्दौर में रिजस्ट्री हरण अधिनियम, 1908 (1903 ना 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायिक में कमी करने या उत्तसे अपने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (थ) एसी किसी बाय्या धन या अन्य बास्तियाँ का, जिन्हें भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत विधिनियम, या धनकार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रुग्रेशनार्थ बन्दरिती स्वारा प्रकट नहीं किया न्या था वा किया थाना चाहिए या, कियाने वें सुविधा के सिए;

बतः अत्, उक्त विभिनियमं की भारा 269-म के बनुसरण में, में, इक्त विभिन्यमं की भारा 269-म की उपभारा (1) में अभीगृ निकासिबित व्यक्तियों अविद्या— (1) मैसर्स गुरेजा बिल्डर्स निवासी 5, खातीपुरा इन्दौर तरफे प्राक् गिरधारीलाल पिता श्री रामदास गुरेजा निवासी-211, खाती वाला टैंक इन्दौर

(मन्तरक)

(2) श्री प्रशांक कुमार राजानी पिता बगनमलजी राजानी 2- श्रीमती मीराबाई पित बगनमलजी नि-181, खातीणाला टैंक, इन्दौर

(अन्वरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वास्य;
- (क) इस स्नान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए पा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, वो उन्त अधिनयम, के मध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं नर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

्लाट नं 181 पर निर्मित फ्लैट नं 9, इन्दौर विकास प्राधिकरण स्कीम ऋगांक 44, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> एस० सी० णर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षी) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-11-1985

मोहर 🛚

बुक्ष महा .टी एन . एस . ------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म(1) के अभीन सुचना

भारत नवकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन क्षेत्र भोपाल भोपाल, दिनाकः 7 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० प्राई० ए० मी०/प्रर्जन/भोषाल/6041---प्रतः, मुसे, एस० सी० शर्मा,

नायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 85 है, तथा जो कैलागपाक कालोनी, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री वर्ती अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1985

की पृत्रोंक्स सम्परित के उचित बाबार मृस्य से कम के क्रममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बचाम्बोंक्स संपरित का उचित बाजल क्रम्य, उसके दरवमान प्रतिकल के ऐसे क्ष्यमान प्रतिकल का पेन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए त्य क्ष्या गमा प्रतिक्षय, निम्मिचिष उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्मिच में बास्तविक रूप से कीधक नहीं किया क्या है:--

- ('इ) करारण से हुंदे किसी नाय की नावत, उसत समितिकत में क्षींग कर दोने के करारक के समित्य में कर्मी करने वा क्यसे क्यमे में सुविधा में निए: मीर/वा
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी धन या अस्य आस्तियों को जिल्हें भारतीय आवकर अभिनियम . 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम . या धन-कर अधिनियम . 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुलारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था कियाने में मुविधा के लिए।

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण पें, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निरुपतिकत्ति व्यक्तियों, अर्थात् :——

- (1) श्री शिवाजीराव पिता खण्डेराव थोरात के मृह्तयार खास व्रमन्तराव खण्डेराव थोरात निवासी-इन्दौर (श्रन्तरक)
- (2) श्ररिहन्त गृह निर्माण सहकारी संस्था 146, जावरा कम्पाउन्ह, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके प्वॉल्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूष करता हु[†]।

उक्त सम्पत्ति के अर्शन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बाक्षेप :---

- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस समाना के राजपत्र या प्रकाशन करों तारोध सं 45 दिन के भीतर उत्ता स्थायर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य त्यक्ति दनारा अधोत्रस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

जनसंची

प्लाट नंबर 85, कैलाश पार्क कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थाघर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ब्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37 जी में निहिस है।

> एस० सी० **शर्मा** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नि**रीक्षी**) श्रजैन रेंज, भोषाल

तारी**लः: 7-11-198**5

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर वायक्त (निर्दाक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/6042—श्रतः, मुझे, एस० सी० णर्मा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन क्लाम प्रतिधकारी को, यह किण्वार करने का कारण है कि स्थानर सम्बद्धित, जिसका अचित नायार मृज्य 1,00,000/- का से अधिक ही

और जिसकी संख्या प्लाट नंबर 34 का प्लाट है, तथा जो रिषदः नगर (खनराना), इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से धाणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च 1985

को प्वेंक्ति सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के क्याना प्रतिफल के निएए अप्सरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्नोंक्त सम्मित का उचित अप्याम मृत्य, उसके दृश्यज्ञान प्रतिफल से, एसे व्यवज्ञान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिदाल में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल निम्निसिक्त उद्देष्य से उस्त अन्तरण किचित में बास्तीयक रूप से कथित महीं किया गया है है—

- ्रिंक) अस्तरण से हुइ किसी आय की वाबत, उपस विभावनय के जमीन कर दोने के अस्तरक के दानित्य में कभी करने ना उपके नमने में सरिया जै सिहा?
- (क) एमी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में मुनिश्रा के किया

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ बी उपधारा (1) के अधीन, निष्मलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) विद्या सागर बावेजा
 पिता रामिकशनजी बावेजा
 निवासी—-रिवन्द्र नगर,
 खजराना, इन्दौर

(ध्रन्दर हं)

(2) श्रीमती कुंबर मंदीप सिंह राठौर पिता रघुवीर सिंहजी राठौर निवासी-12, मल्हारगंज, इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

दनत संपत्ति के कर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीब है 45 विन के भौतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधेक्ट्रकाक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

भ्यव्यक्षिकरणः — इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,। वहीं वर्ष होगा जो उन्हें अध्याय में दिवा बया हैं।

धन्मूची

प्लाट नंबर 34 का प्लाट, रिषन्द्र नगर (खजराना), इंदौर में स्थित है। यह घह स्थार सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विषरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 7-11-1985

प्रस्थः बाह्यः टी. एन्. एस. ----

भाषकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारर 269-म (1) ये अभीन नृष्या

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आवकर आगृक्त (निरीक्रण)

श्रजन क्षेत्र, भोपाल

भोषाल, विलीज - 7 एवम्बर, 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भाषाल/६०४३---श्रतः, मझे, एस० सी० शर्माः

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं 31 है, तथा जो श्रहित्यामाता कालोनी, इन्दोर में स्थित हैं (और इसमें उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) रिलस्ट्री तो श्रिधारी के ायलिय इन्दौर में रिलस्ट्री रूण श्रिधितियम, 1908 (1908 रा 16) के श्रिधीन, मार्च 1985

को पर्वाका सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के जिल्ल कर्ना है। उसे कि स्थान कि स्थान कि स्थान के स्थान कि स्थान के सिंह के प्रतिकार से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के सिए तब पाया गया प्रति-फल, निम्नितिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में कारिया क्या के स्थान के से सीचक के से कायत कहीं किया गया है दिन्त

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के ग्रामित्य में कभी करने या असमें अपने में श्रीवधा के सिए; मौद्र/वा
- (स) इसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनिस्त्र, 1922 (१९८० पर पर १९८० पर १९८० पर १९८० पर १९८० का प्रतिस्था, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्राचिभा के किया;

बतः बब, उक्त शिर्धानयमं की धारा 269-ग के अनुसरण बै, बै, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) बै अधीर जिम्मिलिखित व्यक्तिया की अधिर जिम्मिलिखित व्यक्तिया (1) 1. श्री लिल्स कुमार.
 2. वित्तय कुमार पिता णुभवरणजी सूरेला निवासी-जीठ एसठ टी० श्राई० रोड.

(अन्तरक)

(2) राम श्री को० श्रा० हा० सो० लि०, इन्दोर, 42. सियागंत्र, इन्दोर

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्चान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि का तत्त्वस्थाओं व्यक्तिकों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपम में प्रकाशन की लारीक के 45 विन के भीकर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में दिए जा सकीगे।

स्थलकियाः — इसमा प्रश्वत काव्यों और यदा का का उसके अभिनियम, के अध्यात 20-क में पंरिभाषित इसे, बढ़ी अर्थ इतेमा जो उस अध्यात की विद्या महा है।

धमुसूची

पताट नंतर 31, श्रहिल्यामाता वालोनी, इन्दीर में स्थित है। यह बहु स्थावर सम्पत्ति है िमका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा बस्यापित फार्म नम्बर 37 जी में तिहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिवारी सहायक शामवा शायक्त (किरीक्षी) शर्मन रोज, भोषाम

नारीख: 7-11-1985

प्रकृप बाइं. टी. एइ. इक. - - = ×---

धायभार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

धारत बरकाड

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन क्षेत्र, भोषाल

भोपाल, दिनाक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश म० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोषाल/6044→ग्रन:, मुझे, एस० मी० शर्मा,

अ। थकर अधिनियम, 196. (1961 क्या 43) (जिसे इसमें असक प्रथात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को भाषा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्त 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट न० एन 35 वा प्लाट है तथा जो साकेत नगर, इंदौर में रियत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्री र्ता श्रिधकारी के वार्यालय इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन, मार्च 1985

को धूर्वोक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के अव्याव प्रतिफल के लिए जलाजित की गड़े हैं और मृझे यह जिस्सास करने का कारण हैं कि मथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मृल्य . ज्यस्क दश्यमान प्रतिफल्ल स , एमे दश्यभान प्रतिफल के पड़ह प्रतिशत में यिक हैं और अन्तरक (असरकों) और संतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम वासा गता प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उसत अन्तरण निष्यित में बास्सिक कम से किथार नहीं किया नमा है '——

- (का) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, स्वयत १९४४ की अभीन कार दोने को अन्तरक की १०१४ की करने या उससे बचने में श्रुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा से सिए;

मत अब उक्त अभिनियम का धारा 269-ग के अनुमरण मं, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीन, निम्निमिसित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री राजेन्द्र पिता सुभाषचन्द्र निवासी 46, तिल १पथ, इन्दौर रामचन्द्र पिता बालग्रुष्ण निवासी-6, पिरगली, इन्दौर

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती पदमा पित चाडू मल 2. नरेन्द्र पिता चाडूमल निवासी 87, जयरामपुर कालोनी, इन्दौर

(अन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के रावपत्र में प्रकशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीशर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति कुमारा अधोहस्ताक्षरी को जस निम्तित में किए जा सकोगे।

स्यव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त कर्का और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्शिवित ही, दहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में तिका गया ही।

अनुसूची

प्लाट न ० एन-35 का प्लाट आकेत सगर इन्दौर में स्थित हैं। यह बहु स्थावर सम्पत्ति है जिस हा सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म तस्बर 37-जी में निहित हैं।

> एस० मी० शर्मा सक्षम प्राधितारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षी) श्रजन रोज, भोषाल

नारीख: 7-11-1985

मोइर:

प्रथम भारों । ४ ु एम ु एस ु - - ---

भारमकार निभित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नेवीन सुकना

भारत सरकाह

कार्यालय, भद्रायक भारकर बागुक्त (निर्वालय)

श्चर्यन रेज, भोषाल भागल, दिलाए नवम्बर 1985 निर्देश म० श्चाई० ए० मी०/श्चर्यन/भोषाल/६०४5---श्चतः, मुझे, एस० मी० श्चर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा मवा हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिलका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिस्की सख्या मान म्यु०न० 9/106 है तथा जो विपोलिया गेट रतलाम में स्थित हैं (और इसमें उपाबद प्रमुस्ती में और पूर्ण रूप से विणित हैं), रिलिस्ट्री नी प्रधिकारी के वार्यालय रतनाम में रिलिस्ट्री रण अधिनियम, 1908 (1908 रा 16) के प्रशित मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान इतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुम्में वह विस्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्षयमान इतिकल से, ऐसे क्षयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और मस्टर्क (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे जन्तरम के लिए स्व धाया गया प्रतिफल, निम्निलिय उद्देषय से उकत अन्तरण लिखत में नास्तिमक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत उक्त बीधनियब के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, बॉर/या
- (च) पोती किसी बाय या किसी धन या अन्य वास्तियों की जिस्हें भारतीय जावकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनयम, या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा दा किया वाना वाहिए था, छिपाने में वृत्रिका के लिए;

भक्षः कव, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की अनुबर्ध में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) महिला उन्द्राबाई बक्षी विधवा श्री मणीलालजी बक्षी निवासी 21/2 मनारमागज, इन्दौर हाल मुराम व्रिपोलिया गेट. रतनाम (श्रन्तरक)
- (2) मैंसर्म राजीव मेशन द्वारा भागीदार कुमारी सीमा पिता श्री शान्तिलालजी चौरिडया नि•-126, चादनी चौर, रतलाम

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां शृक्ष करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासीय :---

- (क) इस सूचना के राज्यात्र मा प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बर्गी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवत व्यक्तियों या कि की स्वाप से के
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति दलारा अधाहम्लाक्षरा के पास लिकित में किए जा सक्त

स्वव्यक्तिरण :--- उसमें प्रथम्भ ५ के १ एवा का, शा उक्र मिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया वया है।

पन्सूची

मकान स्यु० नस्वर 9/106, त्रिपोलिया गेट, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसता सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नस्वर 37-जी में निहित है। एस० सी० णर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आया हर आयुक्त (निरीक्षी) प्रजीन रेज, भाषाल

नारीख . 4-11-1985

प्रकप बाइ. टी. एन. एव. -----

ज्याचार शांचीनग्रस, 1961 (1961 **का 43) की** जारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत बहुकार

ागोलय, सहायक <mark>शायकर शायकर (निरक्षिक)</mark>

श्रर्जन क्षेत्र भोपान

भोषाल, दिना: 7 नवम्बर 1985 निर्देश स० श्राई० ए० सी०/श्रर्धन/भोषाल/6046---श्रन. मुझे, एस० सी० शर्मा,

बाबकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षिकी पश्चात् 'उच्छ आंधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वाद करने आ कारण है कि स्थानर संपरित, जिसका उचित बाबार नृत्व 100,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सस्या प्राप्ट नवर 334 वा प्लाप्ट है, तथा जो खजराना स्थित श्रीलग एक्सटेंगन, इन्दीर में स्थित है (और इसमें उपाबज्ज अनुसूचों में ऑर पूर्ण रूप ने बीनत है) रिप्टिने ती अविशासी के सार्यात्य इन्दीर में रिजर्म्हा रूप श्रीधिनियम, 1908 (1908 वा 16) वे श्रधीय मार्च 1985

का पूर्विक्त सम्मत्ति के उत्थत बाजार मृत्य से क्ष्म के स्वयमान जाफल के लिए अन्तरित का गई है और मन्ने यह विश्वात करने का कारण है कि येथापूर्विक्त समपत्ति का उचित बाजार भूत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त स., एम श्रम्यमान प्रतिकत का पत्रह्म शितकत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) आर अतिरही (अन्ता तिया) के बीच एसे अन्तरण के विष् तय पाम गया प्रतिक्र अन्तरण के विष् तय पाम गया प्रतिक्र अन्तरण के विष् तय पाम गया प्रतिक्र का किश्वत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तर्भ संसूर्ध निक्सी अस्त भी बायत, उपक गाँविजियम के नभीत अर योगे के मनसरक के श्रीवत्त्र मो कभी करने या उससे बजने में सुविधा में सिद्द; बीर्/बा
- (ख) एती किसी आयं या किसी भन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या न्त्र-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) सं प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ना या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधन है किया
- लट अ**थ उथ्स ऑभनिक्स की भाष 269-व के वर्षप्र** वं, भे, उथ्स अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)

को अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री राकेण कौत पिता ब्रिगेडियर मुख्या ज्ञान कौल निषासी-1/1, उपागज इन्दंग्न तरफेखास मु० गजेन्द्रसिंह पिता बुद्धसिंह कोहली

(अन्तरक)

(2) श्री रामचन्द्र पिता श्री बद्रीका नजी सुले निवासी-खजराना, इन्द्रीर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियों करता हा।

उच्च सम्पत्ति के जर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विष की नविष वा बस्तम्बन्धी व्यक्तिकों इस स्थान की ठानीज में 30 विश्व की बनिए, को जी क्विथ बाद में बनाप्त होती हो, के भीवर प्रविक्त स्वीक्तियों में से किसी व्यक्ति इसारा;
- (अ) इस स्वतः क राजपत्र मा प्रकाशन की नारीन सं 45 बिन की मीतर अन्तर स्थावर सम्मति में हितनब्ध किसी अन्य अभिन्न द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास अभिन मा वाय जा नकींगे।

त्यक्षीकरणः ----इत्रवें अनुसर् शक्यों सीह एवं स्वा हो उपन विधित्रवत, के बच्चाय 20-क वें परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा वां उस बच्चाय में दिया नवाही।

प्रनुमूची

प्लाह नंबर 334 था प्रपाट, खजराना स्थित श्रीनगर एक्स-टेणन इन्दीर में स्थित है यह वह स्थावर तस्पत्ति है जिसवा सम्पूर्ण विचरण सत्यापित फार्म नस्बर 37 जी में निहित है।

> एस० सी० धर्मा सक्षम प्राधिकारी भहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षी) ग्रर्जन रेज, भोपाल

तारीखा. 7-11-1985 मोहर प्रकार आहें. टी. एन. एस. - - - -

नायकर निभिनियम, 1961 (15a का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्वता

भारत बहुकाडु

कार्यालयः, सहायक आयकर बाय्क (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोपाल . दिनाग ७ नघम्बर 198

भाषाल, दिना ग 7 नचम्बर 1985

्र निर्देण स० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6017- मेश्रन , मुझे, एस० सी० णर्मा,

गयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 169-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु से अधिक हैं

और निक्षिति सख्या प्लाट नवर 13ए पर बिना मान है तथा जो सीनाराम पार्क ालोनी इदौर में स्थित है (और इरसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री ती और ारी थे कार्यात्रय इन्दौर में रिजस्ट्री रण अधिनियम 1908 (1908 रा 16) के अधीन, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अलारित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोतित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में एमें दश्यमान प्रतिफान का पद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अतरक (अतरको) और अतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फेल, निम्नलिखित उद्दश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिविक रूप म किथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरक स हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन, कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचन में सुविधा के लिए, और/या
- (क) अन्तरकं से हाई किसी आयं की बाबत, उक्त को, जिन्हों भारतीय र यक्तर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या : अधिनियम, का धर-बार अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्राराजकार करतार, के कर , था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए:

मतः मयः, उक्त अधिनियम की शार. 269-ग के अनुन्दंश मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 200 प्र की उपपारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्रामती जाना दवी पत्नी ओमप्रराणमानी निवासी-7, मुभाष चीर इन्दीर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मीरादेवी पत्नी गनेशीलालजी निवामी-शिव बिलास पैलेस इन्दौर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके 'क्त संपत्ति के वर्जन के सिए

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) ४५ स्थार ह राज्यक स प्रकाशन की तारीस तें 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तासील स 30 दिन की अवधि, जो. भी अवधि गद भी स्पान होती हो, के भीतर प्रविक्त स्वत्यों में स किसी पावित इवारा,
- (ख) इस सचना क राजयत्र में प्रकाशन की तारी क ने 45 दिन के भीनर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अपनि द्यारा अधाहस्ताक्षरा के पाछ लिक्षित में किए जा सकींगा।

न्धाक्टीकारण नहरार करा करा कर का प्रसिक्त का अवस्था का

वनसर्चर

प्ताट नगर 13ण पर या मान, सीताराम पार्क वालानी इन्दोर में रियत है। यह यह व्याप्त्र प्राप्ति है जिसहा सपूर्ण विवरण अनारिती द्वारा व्यापित फार्म नवर 37 जी में निहित है।

> एम० मी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहाय र ग्राय∓र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेज, भोपाल

नारीख 7-11-1985 महिंगः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्स (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोषाल, दिनार / ७ नवम्बः 1985

निर्देश सं० ऋष्टि० ए० सी०/स्रर्जन/भोषाल/6048--श्रतः, मुझे, एम० सी० णर्मा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाश् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाग करने कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या म तन नं० 107 बी है, तथा जो सेफी नगर, इंदौर में स्थित है (और इनसे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है) रिनम्ट्री ति अधि तरी के लायित्य इंदौर में रिद्धि-अरण प्रधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ,,एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंत-रितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंश उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्वित में बास्तिक रूप से किंशत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अपि-नियम के अभीन कर दोनें के अन्तरक के दाखित्व में क्षमी करने या उससे वचने में सुविभा के लिए; आदि/या
- (का) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए,

वतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) तै अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अधित् थू— (1) श्री मोहम्मद हुमैन पिता खुदा श्रनी निवासी गेफी नगर, इन्दें।र

(अन्तरक)

- (2) श्री गुलाम मुर्तजा
 - 2. श्रीमती बतूलवाई
 - 3. चरीनाबाई
 - 4. बतुनबाई निषामी-107-
 - बी, सफी नगर, इन्दौर

(अन्तरिर्ता)

को यह सुचना आसी करक प्राप्तत संपाल के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविध या अरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के चे 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितब व्ये किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाता जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुस्ची

मकान नम्बर 107 बी, भेफी नगर, इन्दौर में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहाय ४ आधकर आयुक्त (निरीक्षी) प्रजीन रोंग, भोपाल

नारीख: 7-11-1985

माहर:

प्रभूप शाक्ष द्वी एन एस - ---

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रामेन रोंच, भोषान

भोषाल, दिनां 7 सवस्वर. 1985 निर्देश सं० श्राष्ठी० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/६049—-श्रन:, मुझे, एस० सी० शर्मा,

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/~ रहे. से अधिक हैं

और जिपकी संख्या प्लाट तस्वर 277 पर बना हुआ मधान है, तथा जो इन्द्रपुरी बालोनी, इन्द्रीर में स्थित हैं (और इसमे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित हैं) रिजस्ट्री नि अधिकारी के कार्यालय इन्द्रीर में रिजिस्ट्री रिएण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मून्य., उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के न्तु हु प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंगे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का., निम्नलिखित उक्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में शास्त-विक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण संशुद्ध कियी आय की बावदा, अवद अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक वो दासिएल में अभी कार्य में उत्थाय उसमें में भूषिका के निक्; अर्थ था
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की, जिन्ह³ भारसीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गयर या या किया जान। चाहिए था, क्रियाने यें सुविधा के निष्

बत: बब, इक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुमरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निस्निविक्त व्यक्तियों, अर्थात् ॥— (1) श्री नरेन्द्रकुमार पिता श्री श्यामलानजी विवेदी निवामी-नागरवास रतनाम

(अस्त्राः)

(2) श्री श्रीधरराव पिता श्री बासुदेव राव क्यार विवासी जी-19, वर्मवा प्राजेक्ट. ालानी, मसाखेडी, इन्दीर

(ग्रन्निरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्परित के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत संपत्ति के सर्जन के सबंध को काइ जी आक्षेप :--

- (क) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध मा तस्त्रं के व्यक्तियों पर स्वाम की तामील से 30 दिन की क्विध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपरित में हितबहुध किसी जन्य न्यंक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास चिस्त में किए जा सकोंगे।

स्यस्किक्यरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया उप्ताक्षः

अन्सची

प्लाट नंबर 277 पर बना हुआ मनना, इन्द्रपुरी कालोनी, इन्द्रौ में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिनी द्वारा सत्यापित फार्स नम्बर 37 जी में निहित है।

> एस० सी० णर्मा सक्षम प्राधियारी सहायक श्रायक्त (निरीक्षी) श्रुक्त सेंग्लेस भोषाल

नारीख: 7-11-1985

THE TIME I WAT THE

नाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आश्कर आग्रक्त (निरीक्षण) श्रुर्जन रेड भोराहर

भोषाल दिनाव 7 नवम्ब 1985

निर्देश स० आई० ए० सी०/अर्जन/गणान/६०५० -- श्रदः मुझे एस०सी० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह तिक्वास करने का का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सम्बा फ्लैंट न० 7 है ाथ जो स्नेहलता गंज, इन्दौर में स्थित हैं (ग्रीर व.में उपायद्ध श्रन्भूची में ग्रीर पूर्ण क्य से प्रणित हैं), रिस्ट्री की श्रम्पिशर्र। वे सार्यालय इन्दौर में 'जिस्ट्री' ण श्रायिनियम 1908 (1908 सा 16) के ग्राधीन, नारीख मार्च 1985।

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और युक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सर्यात का निजल बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अम्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफल, निम्नतिथित प्रदृष्ण में पनत बन्तर्थ सिविस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) बम्तरण र हुइ कि. । ५ का आवत, उभर अधिक के अधिक कार्रक शत्तारक की शोधक कार्या कार्यक नामें अधिकार श्रीकार; बन्दिया
- (स) एसी किसी बाय या किसी धर या बन्य आस्तियाँ को जिन्हों भगरतीय आयस्य अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धर कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) अधिन्यम, विकास अस्तियम, विकास अस्तियम अस्तियम

बतः गवा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपागरा (1) अधीम, निम्लिनिवत व्यक्तियों, अधीत्ः—

- 1 श्री भान कुमार
- 2 琴(5)(
- उ अमन्तरा
- । तृष्ण भुवर समस्त पार्टनर फम मार्स वि पर्था कर्ट्यकान वर्ष ३१९, नाता गली महू रिफे आम मुरु आधा पति मनमोहन अप्रवाल, 10 सिख मोहल्ला इन्दोरा।

(भ्रन्तरका)्

2 श्री भारतीदेवी पि लक्ष्मीनारायण चौरस्या 50/6, न्य देवार रोड, इन्दौर।

(ग्रन्तिरती)

भा सङ् सूचना चारी करके प्यांक्ति सभ्यत्ति को वर्षन के किए कार्यवाहिया करता हुंगू।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं
 45 दिन की अवधिया तत्सवंभी व्यक्तियाँ पर
 बूचना की दासीस से 30 दिन की सबधि, वो भी
 अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर व्यक्तियाँ में से किसी स्थितत ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक तैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्याय अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पध्टीक रण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्तत अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, नहीं कर्य होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनु**सूची**

मान नमार 41, गली सम्बर 4 में से फ्लैट नम्बर 7, रसेटलता गर्र, उन्होंने में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूण निप्रण श्रन्ति हो। संदर्भण किया श्रम्

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिक्तारी, हाथ⊤ स्राय र झायुक्त निरीक्षण) भ्रजन रेज, भोपाल

नारीख 7—11−1985 मोह् प्ररूप अ*ह*िटी एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 का ने अधीर सन्ता

भारत पकार

कार्यालयः, सहायक आयहर आय्क्त (निरीक्षण) ग्राजैन रच, भोतात

भोपाल, दिनांक 5 न (भार, 1085

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/अर्जन/भोगारा/ ७०५१ – - श्रमः ससे, एस० सी० णर्मा

गायकर अधिनियम, 1961 (.961 का 13) (जिसे इसमें सिके पश्चाम् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकामी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्णिः जिसका उजित वाजार मूल्य 1,00.000/- रा से अधिक है

भौर जिसकी संख्या प्लाट गम्बर 779 श्र पर निर्मित फ्लैट नं० 4 है तथा जो मनीपपरी प्लोनी, दन्दार में स्थित है (श्रीर टामें उपाउद्ध श्रवसूनी के श्रीर पूर्ण का में विणित है), रिस्ट्रीयनी श्रीपारी है प्रशिव्य उद्धार में रिक्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1903 ा 16) के श्रीन, तारीय मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के क्यमान बिरुल के लिए अन्तरित की गई है और गुक्ते यह विकास करने का कारण है कि गथा पर्वोक्त संश्राति का उचित्र बाजार ऐसे क्थमान प्रतिफल के पत्वह प्रतिश्रात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिबित उद्विचय से क्षम्तरण निक्त अन्तरण लिखित में बाम्लिबक रूप में कथित गृहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्र की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व भी कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (च) ध्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हाँ भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तत अधिनियम, या अधिनियम, या अधिनियम, 1057 (1957 को 27) के प्रयोज-अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, रिष्णाने से स्थिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की शारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियन न्यांचा अर्थात —— 38—376GI/85 1 सँगर्स वृत्यान ग्रहार्टमेटम सरफे भागीदार बालकृष्णा पिना दौलसराम जी ग्रग्नवाल निवासी-158, साकेत नगर, इन्दीर ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती माँग्म जैन पिता बहादुरलाल जैन श्रा० पा० क्र श्रीमती बनमाला पति बहादुरलाल जैन निवासी-4, लाड कालोनी, इन्दौर।,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्बक्ति के किंदि कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 4 ि दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्तवस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाकाशिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपका अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिवा गया है।

अन्त्यी

प्लाट नम्बर 779 श्र पर बना मकान फ्लैट नम्बर 4 मनीवपुरी जालोनी, इन्दौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज भोपाल

नारीख 5-11-1985 मोहरः

त्रकम अपर्षु **टी**ु पून*ु* पुरा ु वनगरव्यक्तकान

भागकर जभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के सभीन सुचना

तारत चरकार

कार्याचय, सहायक नामकर आयुक्त (निरोक्तक)

श्चर्णन रेंच भोपाल भोपाल, 6 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/6052:—-श्रतः मझ, एस० सी० शर्मा,

नायकर गिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रशात 'उस्त अधिनियम' कहा नवा हूं), की धारा 269- व के अधीन सभम प्राधिकारी को, यह निकास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 247 पर निर्मित मकान (प्रथम मंजिल) है, तथा जो साकेन नगर, इन्दार में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्री एको श्रिधकारी के प्रायीव्य इन्दार में रिजरट्री-करण श्रिधिन्यम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्स सम्बक्ति के उचित बाजार मूझ्य से कम के वश्यवान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है और अन्तर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितवों) के बीच हुने अन्तर्ण के लिए स्थ बाया गया प्रतिफल, निम्निसिधित उक्ष रेव से उक्त अन्तरण किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाब की बाबत, उक्त अधिमित्रण के जुनीन कर दोने के अन्यस्य के श्रीयत्य में सभी करने वा प्रवस्त भूषने में सुविधा के किए; बॉफ्/वा
- (स) एसी किसी गाम या किसी भन या अन्य आफित्याँ की, जिस्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजन में जन्मित शामा आमा प्राप्त में स्थान में किया जाना आमा साहिए था। जिल्लाम मा सिक्या की सिए:

बत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के असमरण मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, भिम्नजिबित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- सोहनलता पत्नी श्री मंगल मेन बजाज
 श्री िएण पिता मंगलसेन बजाज
 दोनो निवासी 71, पत्रकार कालोनी,
 इन्दौर।
 (अन्तरक)
- 2. श्रीमती रूक्षमणी टेक्चन्यानी पत्नी डा० कान्यों उर्फ़ क्न्हैयालाल, निवासी 3 श्रम्बर बिल्डिंग 13/2 एम० जी० रोड, इन्दौर द्वारा मु० श्राम श्री जयिहशन पिता दरयानोमल चांदनानी (श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप हि—

- (क) इस स्थाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधीहस्ताक्षरी के पात लिसिश में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित हों, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसुची

प्लाट नं० 247 पर निर्मित मकान (प्रथम मंजिल), साकेन नगर, इन्दौर में स्थित है।

> एउ० सी० गर्सा, अक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायभ्य सामुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, भोपाल

तारीख: 6--11-1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालक, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनां , नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/6053:---मत मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी मंदया प्लाट नं० 247 पर बना हुआ है तथा जो सत्तेल नगर, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपबद्ध श्रमुसूची मे श्रीर पूर्ण कप ते विणत है), रिस्ट्रीत सिश्रिधिसारी के आयोजिय इन्दौर में रिजर्ट्रीत रण अधिनिरम, 1908 (08 रा 16) अधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह् प्रतिसत्त स अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिश्वित स्व्योध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्यिक हैं के सीचत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किती लाय की बाबस, उक्त जियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उसने अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्यं आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, किपाने में स्वैवधा के किए:

जतः उदा, उदात अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण अर्थ, और, उदात अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अर्थ अधीम, निक्नीजिक्ति व्यक्तिस्में उर्धात ;— श्रीमती सोहतमा पत्नी मंगल मेन बजाज
 किरन पिता मंगलसेन बजाज
 दोनों निवासी 72, पत्रकार कालोनी,
 इन्दौर।

*(श्र*क∤रऽ)

2 मास्टर नितिन पिता डा० कान्यों टेकचन्दानी द्वारा संरक्षक पिता डा० कान्यों भ्रार० टेकचन्दानी, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो जकत अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ कृष्णा जो उस जध्याय में विया गया है।

अनुसूची

म जन प्लाट न० 247 भाकेन नगर पर बना हुआ इन्दौर में स्थित हैं।

> एग० सी० शर्मा, स्थाम प्राधिकारी, सहायक आयाक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोषाल

तारीख: 6-11--19**8**5 मोहर:

प्रकल कार्ष को पुत्र पुत्र प्रवासन्तर प्रवासन

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बभीन सुबना

RICO STATE

कार्याभय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 6 नवम्बर, 1985

निवश स० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोषाल/6054 — श्रत मूझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विस्ते ६सको ६सको परभात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या प्लाट न० 59 ला प्लाट है, तथा जो गोपाल बाग कालोनी, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपा- बढ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), निश्निकी ती श्रीकारी के भयालय इन्दौर में रिक्ट्रिकरण श्रिवित्यम, 1908 (1908 वा 16) के श्रयीन, तारीख मार्च, 1985 को पूर्वों कर संपरित के डिपत बाजार मूस्य थे कम के दूरमान इतिफल के निए अन्तरित की गई है जौर मूओं यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित वाजार मूख्य, उसके दूरयमान श्रीतफल के, एसे दूरयमान श्रीतफल का पन्तह श्रीतश्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया पवा श्रीतफन, निम्नीविधित उद्देश से उक्त बन्तरण लिखित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) बन्तरण सं हुई किसी नाम की बाबत, उक्त विधिन्त्व, के स्थीन कर दोने के बम्द्ररक के वासित्व में कभी करने वा उत्तते बचने में सुविधा के किए; नीर/वा
- (क) एंसी किसी बाय वा किसी भन या जन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन-कर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भवा वा का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के स्थित;

शतः अव, उक्त विश्वित्रम की भारा 269-ग की प्रमुख्यण थें.में उक्त अधिनियम को धारा 269-च की उपधारा (1) में अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—

 श्रीमती (बमल) बाई शीकि श्री बाप राव, तरफे श्राम म् जिल्लान, पित नामण जब पवार निवासी- 15, गोपाल बाग, कालोनी, इन्दीर ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमर्ता मुलोजना पित श्री मोहन लाल रहेजा
2 प्रदेशा लाल पिता श्री नवन्दरामजी रहेजा,
निगसी- 190, निलकपथ,
इन्दीर।

(अन्तरिती)

भी यह सृष्यतः कारः मध्यक वश्वभितः हत्यांत्ति क वर्णनः के सिद् कार्यवाहिया शुक्ष करणः हु ।

बक्त संपत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ---

- (क) इस सुनना के नाजपत्र में प्रकाशन की तारील सं
 45 विन की जविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तिस्यों दर
 बुचना की तामील से 30 विन की जविधि, को भी
 अविधि श्राद में समापन होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 क्षित्रसम्भ में समापन होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
- (व) इस स्वता के रावपण में प्रकाशन की सारीय प्रे 45 विन् में शीएर उपर स्वाप्ट सम्मात्त में हितवपूर्ण डिकडी वन्त्र न्यरिक व्याप्ट म्याहस्ताकाडी में पाछ स्तिचित में किए या सर्वोचे ।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्ते अर्द्भिक्तित्वत्, को संभाव 20-स में परिकाधित हैं, उहीं वर्ष होगा, वो वस् संभाव में दिवा श्वाही।

अन्सुची

पनाः नम्बर ६) पनाः गोपाल बाग धालोनी, इन्हौर म स्थित है। यह बहु स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण् विवरण प्रत्निंगी बाग सहवापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> ात सी० शर्मा क्षिम प्राधिशारी महत्यक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज, भोपाल

तारीख 6-411 4985 मोहर प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

णावकर जीप्रविकास, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनाक 5 नवस्वर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोषाल/७०५५:---आतः मुझे एस० सी० शर्माः

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि खसरा नं नग 3 (8.255 हेक्टयर) है, तथा जो ग्राम निरन्जन पूर जिला निर्देश में स्थित है (श्रीर इसमें ज्याबद्ध श्रम्भुची में श्री पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधवारी के प्रशिल्य, उन्दीर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 . 16) के सधीन, तारीख मार्च, 1985,

को पूर्वीक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मृत्य सं कम के एरमतान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह (बरवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति को रोचन गाजार मृत्य बसक रहयमान प्रतिफल से, एोंसे रहयनों हो जिले का पन्तरह प्रतिचत से सिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (बन्तरितियों) क बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिचत , निम्नीनिचत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि विज्ञा में वास्तरिक रूप से किंचत नहीं किया पता है .~~

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय का बाधत उक्त अधिनियम के जंधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त उधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना आहिए था, छिपाने में सृथिभा के जिए;

अतः जय, उक्त जिंधीनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ाजी उल्लास (1) दें बाफीन, निम्नलिखिक क्यक्तिवारें, अर्थात् ुरू

 श्री मों गर, बनणाम ा रणकोड़, पिता श्री गोपी जी व तरगुबाई, पिता स्वर गोपी जी, निवासी-ग्राम भंभोरी दुवे जिला दन्दौर।

(अन्सरक)

 राजस्व कर्मचारी गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादिस 53, राजस्व ग्राम इन्दौर, तरके ग्राच्यक्ष श्री घन्ष्याम दास ग्रग्नवाल, 5, इन्दिरा गांधी नगर, इन्दौर।

(प्रन्तरिती)

भा यह संभाग अन्तरों करको पृथ्यों भाग संस्थालका की वर्षण की जिए कार्यवाहिया निरात हो।

दक्त गरगीतः के वर्जन के सम्बन्ध को कोई नी नाकांप:--

- (क) इस सूचना के राजपर में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की बनिए, जो भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राध्यंत्र में प्रकाशन की तारीख से अ श्वि वे. भीतिए उसत स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध् विज्ञी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विज्ञा में किए वा सकींचे ह

स्पष्टीक रण: --- क्रममें प्रमुक्त काब्दा की ए जा है, की उक्त अधिनियम के अध्य १०-क्रमों परिभाषित ही, बहां अथ होंगा जी उस अध्याय में दिया। गया ही।

अगसर्चा

मुमि खनाः नय नगा अभामधाम निरम्जनपुर नहसील जिला इन्द्रौर में स्थित है। यह यह स्थाघर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिनी द्वारा सन्यापित कार्म नम्बर 37 जी में निहिन हैं।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्रतिधकारी नहातक प्रायुक्त प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज, भोपाल

तारीख: 5-11-1985

मोहरः

.....

प्रस्प बाह्". टी. एन. एस.----

भाषकर् जिल्लियस, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के जभीन सूचना

बारट बरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोगाल, दिनां 🤉 6 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० श्राई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/ 6056:----अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

कायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त सिंधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका सिकत बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 181 पर बना मान है, तथा जो इन्दौर विकास प्राधिकरण स्कीम अमान 44, इन्दौर में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपायद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजत हैं), रिजस्ट्री:त्तां श्रीधनारी के व्यालय इन्दौर, में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985,

फो प्वॉक्ट सम्मित के उचित बाजार मृज्य से कम के प्रमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित का उचित बाजार मृज्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, होसे इत्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिस्त से अभिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अत्रार्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफला, निम्निसिसित उदुव्यय सं उक्त अंतरण निस्तित में वास्तिवक रूप से अभिक नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी बाय की बावत, उच्च अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक को दारियल में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा क्री निए; आदु/वा
- (क) एंसी किसी आय या कही भन या अन्य आहिसत्यों कां, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुनिधा चौ आए;

अत: जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जें, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभिन, गिम्मिनिक्त व्यक्तियों अर्थात् के ---

 मैसर्स गुरेजा बिल्डर्स
 211 पलसीकर कालोनी उन्दौर म०प्र० तरके भागीबार गिरधारीलाल
 पिता श्री राम दास गरेजा।

(भन्तरक)

 श्रीमती मायादेवी पति श्री माधव दास निवासी-181 खातीवाला टैंक, इन्दौर।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के तिष् कार्यवाहिया करता हु"।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ल व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-वहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधाहस्ताक्षरी के पास सिरोबस में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथानियम के अध्याय 20-क में परिआवित हैं, --बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 181 पर बना मनान,इन्दौर विकास प्राधिकरण स्कीम कमाँक सं 44 में निहित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण भन्तिरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एस० मी० धर्मा सक्षम प्राविकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, भोपाल

तारीख: 6—11—1985

इस्य बार्चाः टी. एन. एस.-------

बाबकर विधिनवन, 1961 (1961 का 43) की धाडा 269-म (1) के सभीन समना

STEE SECTION

अर्थिति , संद्वीयक माथकार माम्बदा (विकासिक्य)

श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/प्रर्जन/भोपाल/ 6057:--प्रत: मधे एस० सी० शर्मा,

नावकर नीधीनुब्स, 1961 (1961 का 43) (च्छि इससे इसके परचात् 'उक्त अभिनियंत्र' कहा गवा हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्तम् प्राधिकारी को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिल्ला अजित वाजार मुख्य 1,00000/-ক. ৰ ৰাখিক 💅

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि सर्वे० नं० 139, है तथा जो ग्राम बिरयाखेडी, तहसील श्वलाम में स्थित है (श्रौर इसमे उपा-बद्धभनुभूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के ार्यालय, रतलाम मे रजिरदोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 🕾 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985,

को पूर्वोक्क संपरित के उपित बाजार मृत्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त 🥆 सन्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इक्यमान प्रतिफल से एसे रूपयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और नर्तारती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उंक्त अंतरण सिचित में वास्तविक रूप ते कथित नहीं किया नवा 🚜 :----

- (क) बन्तरुण से ह्राइंकिसी नाम की नाक्स, सक अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तर्क के शरित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के किए; बीर/श
- (ध) रंगी किसी काय या किसी धन वा कन्य कास्सियो को, जिन्ही भारतीय आयंकर अधिनियम, ... 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्र<mark>योजनार्भ अन्तरिती त्</mark>यारा प्रकट नही किया गया भाषा किया बाना पाहिए था, क्रियाने भें सुविधा **चे तिए**:

अत. अब. उन्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण बे, मे, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उरभारा (1) के अभीग, जिल्लीजीवर जीवरकों, अर्थात् ः---

 मुभाष गृह निर्माण सहै बारी समिति लिम० रतलाम इत्या ग्रहघड़ी भूपेन्द्र सिह्, पिता श्रीदलपत सिह।

(ग्रन्तरक)

2. श्री घनराज पिता श्री जीवराम जी चोपरा, नीम चौक रतलाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त बन्मित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 4.5 दिन की अवधि वातत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त अधिकत्यों में से किसी व्यक्ति बुधारा;
- (का) इस स्थाना क राजपत्र भागकाशन की तारीस सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा अधोहस्ताक्षरी क पान सिचित में किए जा सकेंगे।

स्वाकटीकरण:----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदी का. अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याद में विया भया का

अमुबुची

भुमि सर्वे नं ० 139, ग्राम बिरयाखेड़ी, तहसील रतलाम में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण भ्रन्तिरती द्वारा सत्यापित फ़ार्म नम्बर 37 जी मे निहित है।

> एस० सी० शर्मा ाक्षम प्राधिकारी राहाय ए आय एर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1985

प्रस्य आहें.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 260-प्र (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कर्स्यात्रकः, सहस्यकः आयकः आयुक्तः (निर्देशकः) प्रजीतः क्षेत्रः, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० श्राई० ए० मी०/श्रर्जन/भोपाल/ 6058 — श्रतः मुझे एस० सी० धर्मा

भावकर सिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 209-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सार्थिक हैं। जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 7 ठीपर निर्मित पर्लंट नम्बर 5 है, तथा जो रनलाम कोडी, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनस्ची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजिस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985।

का पूर्वोक्त कालांस के उपित बाजार मूल्य में कम के रूप्यमान प्रतिकल के लिए अलांदिन की नहीं हैं और मूके यह तिस्वाम करने का कारण हैं कि अप्यूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृदयमान प्रतिकल से गोये दृदयमान प्रतिकल का निष्यू प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिकल, निग्नलिक्ति उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि चित्र में अस्तरिक के से किया गया हैं:---

- (कः) अन्तरण संहकं किली आय की वावतः, उक्त किथिनियम के अभीन कर वोने के अंतरक के नायित्व में कमी करने या उसमें क्याने में मृतिभा के किए, वरि/का
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियभ. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इंदार प्रकट नहीं किया गया था या किया ज्या नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः वंक, उक्त गौथीनयम की भारा 269-ग से अनुसरक वे, मी, उक्त विभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) वे वधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, वर्भाह्य k—— मैं पर्ग जैन बिल्डमं,
 36 नियागंत्र, इन्दौर तरके पार्टतर श्री सनत कुमार उख्यानन की बहुजाल्या।

(ग्रन्तरक)

2. श्री: णिव शंकर पिता श्री मदन लाल जी खण्डेलवाल निवासी जी 36, एम० ग्राई० जी० कालोनी इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के कियू कार्यथाहिकों करता हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप ह----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकारत की तारींच डें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पाड़ तिमित में किस जा सकेंगे।

स्थव्यक्षित्रकः इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जनस विभिन्नियम, को वश्वास 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस वश्याव में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 7 जी पर निर्मित पर्लैट नम्बर 5 (द्वितीय मंजिल) इन्दें।र में स्थित हैं यह वह स्थावर सम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा संस्थापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

एस० सी० धर्मा नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 7-11-1985

मोहरः

त्रक्य बार्च. टी. एव. एव. ------

बाषकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोपास

भोपाल, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निर्देण सं० ग्राई० ए० मी०/ग्राजन/भोपाल, 6059—ग्रन:, मुझे, एस० सी० णर्मा,

वावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) किये इसके इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं). जी बारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 11 पर निर्मित मकान नम्बर 18 ए हैं, तथा जो मनीप श्रपार्टमेंट, प्रेम नगर, इन्दौर में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख मार्च, 1985।

को पूर्वोवन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमाल बितिकस के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते वह विवतात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भृष्य, उसके इच्यमान प्रतिक स से, एसे इच्यमान प्रतिक स का अन्तर्ह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ के लिए तय पाया गया गितास , निम्मलिचित उद्वेष्य से उच्य अंतरण सिचित में गस्तिक अप से किंग्त महीं किया गया है ह—

- (क) बस्तरण नं हुई फिकी बाव की बाबत, उक्त विभिनियम के लभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उद्युख क्चने में सुविधा के लिए, वरि/वा
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तिरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था शियाने में सर्विभा के लिए,

कतः वज उत्तर विधितिवन की धारा 269-व के वनुवर्ष में, में, उवत विधितियम की धारा 269-व की उपधारा (१) दे कभीन निम्नलिवित व्यक्तियाँ । वजाति एक्क 39 —376GI/85

- भारत कस्ट्रक्शन
 तरफे प्रोपराष्ट्रर तुनिसी दास टीकम दास हिन्जा
 55 ए, साकेत नगर,
 इन्दौर।
- (श्रन्तरक)
 2 श्री मगवदिह पिता प्रेम राज चौधरो
 18ए प्रेम नगर,
 इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके प्यांक्य सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

अवत सन्यरित के वर्षत्र के सम्बन्ध में कोई भी वाओप :---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की जनित्र या तत्संत्री व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की जनित्र, को भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति का जिसमों में से किसी स्थानत इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उसत स्थानर सम्पत्ति में हितनबुध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास चिचित में किए वा सकीये।

अनमूची

फ्लैट नम्बर 11 पर (मनीप अपार्टमेट), साकेत नगर इन्दौर में स्थित है, यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सप्पूर्ण विवरण श्रन्तरितो द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी मे निहित है।

> एम० मी० शर्मा, मक्षमप्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निरोक्षम) स्नर्जन रेज, भोषाल

नारीख: 7-11-1985

माहर :

प्रकृष बार्ड . ही . एन . एस . -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनौंक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश स० श्राई० ए० मी०/श्रर्जन/भोपाल/6060 ---श्रतः मृझे एस० सी० शर्मा,

क्षायक कि नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,00:\/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सख्या फ्लैट नग्हर 12 (मनीष अपार्टमेंट्स)
है, तथा जो साकेत नगर, इंन्द्रीर में स्थित है (श्रीर इससे
उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री
कर्ता श्रिधकारी के कार्यात्रय, इद्रीर से रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च, 1985
को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम
करने वा कारण है कि यथा प्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दश्यमान दिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह
प्रतिशत से अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्निलिखत उद्दरेय से उक्त बंतरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नही किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दिस्यत्व में कमी अरने या उससे बचने में सविधा के लिए कार/या
- (स) ऐसी किसी आय या किमी घन या अन्य आस्तियों की, जिल्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ती 922 भी 11) या उक्त अधिनियम, हो अनकर अधिनियम, विकास प्रकार अधिकार के प्रवास के स्वास अधिकार के स्वास
- ं भः, उक्र किं भाग की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्रत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

भारत कंस्ट्रक्शन प्रोपराइटर श्री तुलसी दास हिंडया निवासी 55 ए, साकेत नगर, इंद्रीर।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती इंदिरा मोहिनी मिनोचा 40 कैलाश पार्क कालोनी, इन्द्रौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष्कृ कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोडे भी माक्सेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उबत स्थावर संपत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अभोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, को अवत अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषितें है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्धी

फ्लैट नम्बर 12 (मनीष श्रगर्टमेंट) 55 ए, साकेत नगर, इन्द्रौर में स्थिन है। यह वह स्थावरसम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> एम० मी० गर्मा, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, भोगल

नारीख: 7-11-1985

मोहर.

प्रकप् नाहाँ. टी. एन. एस. ----

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) के नधीन स्चना

भारत वरकाह

कार्यालय, सहायक बायकर शायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्रद्भेभोपाल

भोपाल, दिनौंक 7 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/अर्जन/भोपाल/6061---अतः मुझो, एस० सी० शर्मा,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथाता 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, चिसका उचित वाचार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट नम्बर 2 है, तथा जो 113 श्रीनगर एक्स, इन्दौर में रिथत है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीक्षकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान श्रीतफल के लिए अंशरित की गई है और मुम्हें यह विश्वास किरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य असके ख्र्यमान श्रीतफल स, एस ख्र्यमान श्रीतफल का पन्द्रह श्रीतश्रात से अधिक है. और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया मया श्रीतफल नम्म लिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ग्रास्तिक हम्म स्थित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में ग्रास्तिक हम्म स्था से किया गया है हम्म

- (क) बन्तर पर द्वार किसी बाय की वावध, उक्त बिश्लिक्ष में बनीन कर क्षेत्र के बन्तर के बाजिल के कन्तर के बाजिल के कन्तर के बाजिल के कन्तर के बाजिल के कन्तर के बाजिल के किस के बाजिल के किस के किस के किस के किस के बाजिल के किस के बाजिल के किस के बाजिल के किस के
- (क) एंडी किसी बाब या किसी धन या जन्य बाहिसकों को चिन्हों भारतीय जाय-कर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत जिथिनियम, या धन-कर बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सविधा वै किया

नश्च नथ, उन्त निर्मानयन की भारा 269-न के नम्सूर्य में. में, उन्त निर्मानयन की भारा 269-न की उपधास (1) में न्योत, निम्नसिचित न्युनितयों, सर्वात् :-- मधुबन प्रपार्टमेंट प्रो० नन्दिकणोर रामिकणन श्रम्रवाल मु० श्राम० प्रेमचन्द मशालाल, इन्द्रौर।

(भ्रम्तरक)

2. श्रीमती दुर्गादेवी प्रकाश।

(अन्तरिती)

को वह स्थान थारी करके प्रजित्त सम्मति के वर्षन् के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अविधि या तत्सभ्यन्थी स्थितस्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावित ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिकरणः ----इसमे प्रयुक्त शन्यों भीर पदो का, वा उवस विधिनयम के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्थ होगा जो उस कथ्याय में विवस गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नम्बर 2 (प्रथम मजिल) 113, श्रीनगर एक्स, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा नत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एय० मी० पार्मा, मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल,

तारीख . 7-11-1985

प्रकृप बार्ड . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन

भारत बहुकानु

कार्यालय . सहायक जायकर जायुक्त (निद्धाला)

अर्जन रेज, भोषाल

भोपाल, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/ 6062:--अक्ष: मुझे, एस० मी० कर्मा,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके धरवात् 'उक्त विधिनयम' कहा बना हैं), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने का कारण है कि स्थापर सम्पद्धिता, विश्वका उचित नावार मुख्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रांर जिसकी संख्या फ्लैट नं० 2 है, तथा जो 113,
श्रीनगर एक्स, इन्दार में स्थित है (ग्रींर इससे उपाबक्ष
अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्सा
अधिकारी के कार्यालय, इन्दार में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीम, तारीख मार्च, 1985,
को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रच्यमास
श्रीतफल के लिए अन्तरित की गर्थ है और मुफ्ते यह विषवास
करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सपित्त का उचित बाजार
मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का
पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) अन्तरण से धूर किसी बाय की बावत उपत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (च) ऐसी किसी जाब या किसी धन वा बन्य बास्सियों को जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गवा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा वे लिए।

कतः वव, उक्त विभिन्तियम की भारा 269-ग सै बन्सरण कों, मीं, इक्त अधिनियम की भारा 269-ते की उपभारा (1) कों करीन निम्नसिधित स्पक्तियों, अभित् : मधुबन अपार्टमेट प्रो० नन्दिकशोर रामिकशन, तरफे आम मु० प्रेमचन्द मन्नालाल, निवासी 4/2 एम० जी० रोड़, इन्दौर।

(अन्सरक)

 श्रीमती रोशन बी 113, श्रीनगर एनस, इन्दौर।

(अन्तरिती)*

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीण स 45 विन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो मं जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्थिकतयों में से किसी व्यक्ति ब्याग,
- (ण) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी । स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ख्वारा अधोहस्ताक्षरों के पान लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रगुक्त काव्यों और पवा का, जो उन्तर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा भी उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

पलैट नम्बर 2, 113 श्रीनगर, एक्स इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर नम्पत्ति हैं जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एस. सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोषास।

सारीख: 7-11-1985

मोहर .

वक्त बाई, डी. एव. एव. ----

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन चूचना

सद्भाव क्रम्पा

कार्यातय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी/अर्जन/भोपाल/ 60 63:—असः मुझे, एस० सी० शर्मा,

शायकर अपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवार, उक्त अधिनियम कहा गया हैं), की धारा 269 व से अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 10 ए, है, तथा जो ईक्गाह हिल्स, भोपाल में स्थित है (ग्रौर इससे उपायद अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजन्द्रीवक्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रिजन्द्रीवरण अधिक्यिम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1985,

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान श्रितकल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच ऐसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकिन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में भास्तिक अप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक वर्ष दाविस्य में कभी करने वा उक्क व्यक्त में बृविधा के जिए; और/वा
- (क) एरेसी किसी जाब या किसी धन या अल्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, यर धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में विषया के किया के किया के विषया क

कतः अय, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नीसिखित व्यक्तियों, कर्रत्ः :--- श्री गोपीचन्द मूलचन्दानी पिता श्री राजलदास, निवासी-51, ईदगाह हिल्स, भोपाल।

(अन्तरक)

श्री सतीश कुमार भसीन,
पिता श्री हरबंश लाल
 ममता भसीन,
पत्नी श्री सती कुमार भसीन
निवासी-ईदगाहहिल्स,
भोपाल ।

(अन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जबिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (व) वस्तु बुच्या के ध्राव्यक की प्रकार्य की तारीय से 45 विन् के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बच्च किसी नम्ब स्थावत द्वारा, वभोडस्ताकारी के बाद निविध्य में किए वा तकोंने।

ग्रन्यूची

प्लाट नम्बर 10 ए ईदगाह हिल्स भाषाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वार। सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> एस० मी० गर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 11-11-1985

धक्य वार्चे.टी.एन.एस. ------

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सूचना

शास्त्र बरकार

कार्यासय, बहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपास, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/ ७०६4:--अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

नायकर अधिनियम., 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात (उक्त अधिनियम) कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वाद करने का कारण है कि स्थावर बम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नम्बर 5 है, तथा जो योजना

क्रमांक 44, खातीवाला टेंक, इन्दीर में स्थित है (श्रीर इससे

उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्नी
अधिकारी के कार्यालय, इन्दीर में रजिस्ट्रीवरण अधिनियम,
1908 (1908 हा 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985
क्रिं प्वाक्ति सम्परित के उचित बाजार मुल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे मह विश्वत करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाबार
मुख्य, उसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का

पन्तह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय
पावा गवा प्रतिफल, निम्निवित उद्योग के उक्त अन्तरण
किवत में बालाविक कम से क्रिथ कहीं किवा क्या है:—

- (क) अन्तरन ये हुई किसी थाय की नायस, बच्च शहिदीनयभ के अधील कर दोने के बच्चरण के दावित्य में कदी करने ना बढ़के नमने में सुनिमा के लिए; करि/वा
- (व) एसी किसी जाय वा किसी भन वा जन्म आस्तियों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिम्मिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरती हुजारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए।

कतः अव, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के बनुतरण वो, वो, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के बुधीन, निम्नुलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :--- मैसर्स धूरेजा बिल्डर्स,
 211, पलसीकर कालानी, इन्दौर।

(अन्तरक)

 श्रीमती बिल्कीस बाई पति श्री सोयबअली, निवासी-28/3, रानीपुरा, इन्दाँर।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिद् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वालीप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्थाबिकरणः — इसमे प्रयुक्त वन्दों मीर पर्वों का, को उक्त विधिल निवस के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं वर्ध होगा, को उस अभ्याय में दिया गया। हैं।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 181 पर निर्मित मकान, प्लैट नम्बर 5, योजना क्रमांक 44 में निहित तथा खातीवाला टैंक, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका है सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यागित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपास ।

नारी**ख**: 7-11-1985

प्ररूप बाहुँ, टी. एन. एस. 😕 🕶 📰

नाश्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ भारा 269-व (1) के कभीन स्प्रना

गारत चरका

श्रामांत्रम, सहायक मायकर मायक्त (विश्वीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनां क 7 मवम्बर, 1985

निर्देश सं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/६०६५ --अतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

जाबकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इक्सक्टे परभारत् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00-000/- रतः से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सख्या प्लाट न० 48 डी वा प्लाट है, तथा जो भूसाखेडी, इन्द्रांत में रिधम है (ग्रांत इससे उपाधड़ अनुसूची मे भ्रांश पूर्ण रूप से वर्णिक है), श्लिरट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दार में र्राजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीक, तारीख मार्च, 1985 को पर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है

कि कथा पृष्टिंभत सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे इदयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-सिवित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से किशत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरक संहुद्ध किली जाय की नाव**त, उक्छ** व्योधितसम् औं अभीमकार दोनेको सन्तरक को वाजिल्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए बरि/बा
- (स्व) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

कत अब, उक्ष कांधनियम की धारा 269 स के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसत व्यक्तियों, अर्थात् --

ा श्री अमरनाथ पिता श्री महित भान अग्रवाल, निवासी 25/1, उपागत्र, हन्दीर ।

(अन्तरक)

2 श्री ग्रोम प्रकाश श्री बसी धर जी मित्तल, 65 प्रकाश भगर, 2. मोहन लाल पिता श्री रामजीलाल निवासी-3/3, पारसी मोहल्या, इन्दौ♥ ।

(अग्रनिन्ती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के दिए कार्यवाहियां करता ह

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन की अवधि या तत्सम्भन्धी क्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति बनाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उबद विभिनियम के बभ्याय 20-क यें परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विक गमा हु ।

वन्स्ची

प्ताट सम्बर 48 ही हा प्ताट, भूमाखेडी स्थित उद्योग राह में स्थित है। यह यह स्थावर सम्पत्ति है। जिसका पर्माणं विषयण अरास्तिवे द्वारा पत्यापित फार्म भम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एय० सी० शर्मा ाजम प्राधिकारी नडायक आयक्तर अध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रेच, भोगाल ।

नारीखा: 7--11-1985

मुभूर

प्रकथ आई.टी इत.एस. -----

भागकर निधितिसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के मधीन स्थान

भारत म**रमा**

अर्थालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

ध्रर्जन रेज, भोवाल

भोपाल, दिनाक 7 नवम्बर 1985

निर्देण/सं० प्रार्ड० ए० सी० प्रार्जन/भोपाल/ 6066 --- प्रतः, मुझे, एस० सी० धर्मा,

नायकर निधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इतने इसने परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नंधीन सक्तम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का छारण है कि स्थावर संस्थित.. विसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000 - रह. पे अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सख्या प्लाट नम्बर 39 पर निर्मित मकान है तथा जो बीर माबरकर नगर, इन्दौर में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त संवृत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के निए तब पाया बना प्रतिक क्य विश्वनिवित्त उद्वर्षिय से उक्त अन्तरक निवित्त में बास्तिक क्य वे क्रिक्त नहीं किया कक्त हैं

- (क) जन्तरण से हुर्द किसी बाय का बाबत, जनत अधिकियध के वधीन कार तो के जन्तरक के दासित्य में कभी करने वा उससे स्थाने में जुनिधा य निष्: जीक्र/बा
- भा शती किसी बाय था किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीन नाम-कर सिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान मो सृविधा के लिए,

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गं, गै, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के के अधीन, निम्निस्थिति व्यक्तियों, उर्धात् — श्री रसन लाल पान होरा लाल बमल निवामी 39, बीर मावरकर मार्ग, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

2 श्री परमानन्द पिता बृजलाल विश्व कर्मा रावजी बाजार, इन्दौर हाल मुकाम उज्जैन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वन्त राज्यक्ति को नार्वन की सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सुचना के राचपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की समिथ या तत्संतंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीश से 30 दिन की समिथ, जो भी वर्गींश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रॉक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित व्यवतः
- (क) इस स्थान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीश र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति क्षारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिलात में किए जा मुक्तें थे।

स्वक्यकरणः--इसमे प्रमुक्त कक्यों वृद्धि क्यों क्या, को सक्य व्यक्तिक्या, के स्थाप 20-क में प्रिशासिक हैं,, वहीं क्यों होना को उस अध्याद में दिया पना है।

वम्स्ची

प्लाट नम्बर 3 पर निर्मित मकान, बीर सावरकर मार्ग, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण फ्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> एम० मी० शर्मा यक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रामैन रेंज, भोगाल

तारीख: 7-11-1985

मोहर .

प्ररूप भाई.टो.एन.एस.-----

आयथ अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ 269-म(1) के अभीत स्थान

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बावकार बाव्यत (विद्वाका)

धर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं श्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/ 6067—म्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चाल 'उन्तं अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 91 गली नं० 2 (नया नं० 118/2) है, तथा जो बल्लभनगर, कालोनी, इन्दौर में स्थित है (ग्रौर इनमें उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय इन्दौर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंसीरत की गई है और मुक्ते वह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और भंतिरती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिश नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्का अधिनियम के अधीन कर दोने को अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियम, यो पन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, जिनाने में सुविधा के सिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की लपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थात् :----

- (1) 1 श्रो गोराल पिता मदन लाल शर्मा
 - 2. ईएवर दास पिता मदन लाल शर्मा
 - 3. मोहन लाल पिता मदन लाल शर्मा तथा
 - 4 मुभाष चन्द्र शर्मा पिता मदन लाल शर्मा, 90/2, बल्लभ नगर,

न्यू देवास रोड, इन्दौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) यम गृह निर्माण सहकारी संस्था मर्यादित इन्बीर 101, अग्रवाल नगर, इन्बीर।

(भ्रन्तरिती)

का यह सम्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील में 30 दिन की क्विधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुबारा;
- (ख) इय सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन को भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिला-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनेत्रमा, के अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 91, गली नम्बर 2 (नया नम्बर 118/2) बल्लभनगर, कालोनी, इन्हौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिनका लम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित हैं।

> एस० सी० **शर्मा** पक्षम प्राधिकारी सहायक **भ्राय**कर श्रायकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोवाल

तारीख: 7-11-1985

मोहर.

मचन् अत्रं हर्षे हर् . युव् . -----

भाषकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) काँ भारत 269-म (1) जी वभीन सुमना

ब्राइक क्रम्ब

कार्यास्य, बहारक वायकर वायुक्त (निरोधाण)

धर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, विनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० माई० ए० सी०/मर्जन/भोपाल/६०६८—मतः मुझे, एस० सी० शर्मा

कायकार निर्धानियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसने इसके परवात 'उनत निर्धानियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थानर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से निर्धक है

भौर जिसकी संख्या प्लाट नम्बर 179 है, तथा जो श्री नगर, इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधंकारी के कार्यालय इन्द्रौर में रजिस्ट्रीकरण श्रीधंनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्प से काम के दश्यक्षान शिवफाल के लिए अन्तरित की नई है और मुके यह विश्वास अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बुद्ध, उसके दश्यकान प्रतिफल का न्याइ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए क्य बाया नया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त जन्मरण किवित में वास्तिक रूप से कार्थित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, अन्त त बाधिनियन को अधीन कर दोने के जन्मरक औ बाधित्व में कनी करूने या उससे भचने में सुविधा को सिक्ट; और रंग
- (क) एसी किसी आय वा किसी अन या बन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्रीवधा के विद्युः

नतः जर, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग के जनसरण भ . भें , जक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निस्तिसिंगत व्यक्तिस्य अभीत :---- (1) 1. श्रीमती सुषीला पांड्रंग श्रंगारे
2. श्री कांत पांड्रंग श्रंगारे
श्री श्ररूणाकर पांड्रंग श्रामं
3. स्वाती पत्नी पिन्टी जराजम
4. प्राची नन्द कुमार दामले
निवासी 26/1 स्नेहलता नगर,
इन्होर ।

(घस्तरक)

(2) चन्द्रकला रखुबीर सिंह राठौर निवासी 12, मल्हारगंज, इन्दौर।

(पन्तरिती)

स्त्री स्त्रु सूचना चारी करने पृत्रीक्त बम्पीता से सर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बबब बज्जीत्व के कर्षन के बज्जून्य में कोई भी मार्लेप :----

- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वं 45 विन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों परं स्वाम की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 वित के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाब सिवात में किए या सकों ने।

स्थथ्दीकरणः---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, वो उक्ट, अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परि≺ भाषित हैं, वही कर्य होगा, थो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 179, श्रीनगर, इंरौर में स्थित है। यह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण भन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

एस• सी० गर्नी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जनरेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1985

प्रकष नाइ दी पुन पुरा -----

नायकर मिश्रियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 289-म (1) के मधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/६०६९—म्ब्रतः मुक्ते, एस० सी० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या श्रम्बर बिल्डिंग में फ्लैंट नं० 3 है तथा जो 13/2, एम० जी० रोड, इन्दौर में स्थित है श्रीर इससे उपाबद्ध श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, इन्डौर में रिजस्ट्री-करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, सारीख 15-3-1985 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पम्यह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बायत, उक्त आधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कारने ग उत्तत बचने में सुविधा के लिए; आर्/या
- (व) एसी किसी जाये या किसी धन जन्य वास्तियों कई ख़िक्ह भारतीय आप्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्तित अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया यया था का किया जाना जाहिए था छिपाने में सुविधा के सिए;

लत नय. उन्स अधिनियम काँ धारा 269-ग के जन्सरण में, में, उक्त आधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) हे अधीन, निम्नीलिकत स्यक्तियों, अर्थात् ८ श्रीमती रुकमणी पत्नि डा० कान्यो उफं कन्हेया लाल टेकचन्दानी निवासी प्लैट नं० 3, प्रम्बर बिस्डिंग, 13/2 एम० जी० रोड, इन्दौर द्वारा मुख्त्यार श्री जयिकशान भात्मज दरयानोमल चाँदनानी, निवासी 22/7, न्यू पलासिया, इन्दौर।

(भन्तरक)

 श्री केदारमल श्यामाप्रसाद शर्मा कर्ता श्रीर उनकी पहिन शीला देवी शर्मा श्रीर तीन पुत्र हिमान्शु श्रवण, मनीश श्रात्मज केदारमल शर्मा, 35, मुरलीधर शर्मा रोड, गोहाटी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वालेश :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृजाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबसूध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पः लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागितक है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

जन्सूची

फ्लैट नं० 3, श्रम्बर विल्डिंग में, 13/2, एम० जी० राष्ट्र, इन्दीर में स्थित है । यह वह स्थावर सम्पत्ति ह, जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37 जी में निहित है।

> एन० मी० शर्मा, यक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रापुक्त (निरोशका) स्रजंन रेंज, कोकल

नारीख: 6-11**-198**5

महिर:

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जनरेज, भोषाल

भोवाल दिनात 8 अप्रैल, 1985

निदेश मं० ध्राई० ए० सा०/प्रजेन/भोषाल/७०७०-झत: मुझो, एस० मी० धर्मा,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करन का कारण है कि यथापृत्रांकत सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. सं अधिक हैं

स्रीर जिल्की सर्व लाट संर 13 पर बना हुमा म ३न है, तथा ज जाबरा जमाजन्छ, इन्दौण से स्थित है (मार इससे ज्ञाबद्ध स्रम्भूची मे स्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), जिस्ट्री ति शिधारी के जार्यालय, इन्दार में रजिस्ट्रीकरण स्रोधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 23-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रिफल के लिए अंतरित की गई है और मुर्फ यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एमे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से समिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमें कंतरण के लिए तम पामा गया प्रति-फ स निम्नसिवित चुक्केय से उस्त अंतरण लिखित में वास्तविक इस से केथित नहीं किया गया है है—

- (क) बस्तरण सं हुई किसी बाव को सबस उभा विभिनियम के जभीन कर धने के बस्तरक के दायित्व में करने या उससे बचने मी सुविधा के लिए; जौर/या
- (क) एसी किसी आय या िन्सी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिर्त द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

नतः नव, उत्तत निधितियम को भारा 39-त कै अनुसरण को, मी. अन्तत जिथितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक्ट

- (1) श्री साधु सिंह ग्राल्माः श्री हरनाम सिंह जी निवासी--13, जावरा सम्पाउन्ड, इन्दौर । (ग्रन्तरण)
- (2) श्री छोटु भाई आत्मज श्री सोमाभाई पटेल, द्वारा ग्याम सुन्दर सत्यनारायण श्रांग्रवाल, 47, श्रग्रवाल नगर, इन्देंगर । हाल मुकाम : 127, रामकृण गंग, बाम्बे बाजार, खण्डवा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्स सम्पत्सि के अर्जन के निथ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

एवद दुम्हित् के वर्षन के दम्बन्ध में काद भी माक्षप.--

- (क) इस स्वा के राज्यन में प्रकारन की ताडीब है 45 दिन की सबील या तत्त्वम्बर्गी म्युक्तियों कर स्वान की तामीन से 30 दिन की जनभि, जो भी अवभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द म्यक्तियों में है किसी स्वक्ति इंबाय ।
- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में श्रकाशन को तारोच से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्परित में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकागा

स्पष्टिकिरण: --- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में वियाः विवाह ।

भनुसूची

लाट नं ० 13 पर बना मकान जावरा १ म्पाउन्ड, इन्दौर में स्थित है । यह वह स्थापर सम्पत्ति है, जिसा सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सल्यापित फ्रार्म न० 37-जी में निहित है ।

> एस० मी० शर्मा गक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजनरेज, भोषाल

तारीख:: 8-11-1985

बाहिर 🖫

प्रकथ आह. टी. एन. एस.-----

बाय्करु विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की वाडा 269-व (1) के वाधीय क्षुना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकार आयुक्त (निर्दाक्तिक)

भ्रजन रेंड, भोपाल

भोपाल दिनाक, 8 नवम्बर, 1985

निदेश स० म्राई० ए० मी०/एक्यु०/म्रर्जन/भीपाल/6071- --एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ह . की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधि वाजार मृत्य 1,09,000/- रु. से स्थिक है

भ्रौर जिसकी स० म तम स्थ्य कर 6/543, नया नंव 34, है तथा जो देवास रोहै, मायब नगर, उज्जन में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबड़ श्रन्भूची में श्रौर पूर्णस्य में विणित है), राजिस्ट्रीहर्ता श्रिधिकारी, के धार्यालय, उज्जैन, में राजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 रा 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

को प्रतिभत तम्मीत के जीवत नाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिभत के निए अंतरित की गई है और मुक्ते नह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित सम्बार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिभक्त से, एसे दश्यमान प्रतिभक्त के पन्तह प्रतिकात से अधिक है अंतर अन्तरक (अन्तरका) और (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ह्या पाया गया कल दिन्तिसिक उच्चदेश्य से उचत जन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक को वास्तिवक कर में कास्तरिक क्या में किया गया है:——

- (क) वन्तरण सं धूर्म किसी बाय की बावत, उचत अधिनियस को अधीन कर दोने की बन्तरक के वाकित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; आरि/या
- (ब) एसे किसी बाय या किनी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अभ-कर अधिनियम, या अभ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्हा जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा वे किया

कतः अधः, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अर्.... में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधोन. निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री त्वाण मर्ला श्रारमण श्री लक्ष्मी नारायण जी, श्रान्तानी,
 - 2 श्री एतृट बिहारी श्रात्मत श्री लक्ष्मीनाशयण जो क्षाला ी, निवासी छोटा सराफा, उज्जैन एवम् रतलाम (श्रनरक)

(2) 1. श्रीमात किरणवाला पित्त सन्तेष कुमार
 2. श्रीमिति अंजु बाला पित्त समल कुमार,
 ग्रमर सिंह मार्ग, माधव नगर, उज्जैन ।

(भ्रन्तरिती)

की वह सूचना कारी करके पूर्वीक्त सम्पन्ति के वर्जन के लिए कार्यगाहिया सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोड़ भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूच्चन के राजपण में प्रकाशन की तारीब सें 45 विन की श्वविध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना अने तामील से 30 विन की अवधि, जो भीं। अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्तः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिः
- (क) इस स्वानों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हित्यवृथ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए आ सकारी।

स्पष्टीकरणः -- इसमं प्रमुक्त गब्दों और पदों का, जो जबत अधि नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं। अर्थ हांगा, जो इस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

मजान म्य् कि 6/543, नया नं 3-, माधव नगर, देवास रोड़, उञ्जैन पर स्थित है। यह वह स्थावर सभ्यत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं 37जी में निहित है।

> एस० सी० झ सक्षम पाधि :ारी सहायक स्नायनःः प्र≀युक्त (निरीक्षण) स्रजैन रें, **औ**पाल

तारीख : 8-11-1985

में 'हर:

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 15 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6072--ग्रत: भूझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं ० मकान एक जिता है, तथा जो स्वर्णकार कालोनी विदिशा में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसुची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, विदिश, में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 1 6) के सधीन तारीख मार्च, 1985

को भूप्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्वरयमान प्रतिफल से एसे द्वरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुन्दू किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किः। धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आरं-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाः। प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्सरण क्षे, औं उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) क्षेत्रक्षीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान् :-- (1) ठाकुर तेज सिंह भ्रात्मज मोहर सिंह राजपूत, निवासी-प्राम-पहो, हाल मुकाम स्वर्णकार वालोनी, विदिशा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री मनमोहन शर्मा श्रात्मज श्री वृज मोहन शर्मा, धंधा नौकरी, स्वर्णकार कालोनी, विदिशा। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

एक मंजिला मकान स्वर्णशार ारोनी विदिशा में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है, जिस ा सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म जी-37 में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिनारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरें ज, भोपाल

तारीख: 15-11-1985

करूप बार्च .टो . ६२ . ६७ . ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाष 269-व (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यां बच, सहायक नायकर नायकत (निर्दाक्ष)

श्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 8 नवम्बर 1985

निदेश सं० स्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/6073---मतः मुझे, सी० एस० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके एश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार बृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० प्लाट नं० 80 पर बना मकान है, तथा जो श्रीनगर, कालोनी, इन्दौर में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध स्रनुसुची में स्रोर पूर्णरूप से विणित है), कृजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर, में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 23 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार म्ल्य से के वे दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बजापुकाँ कन संपत्ति का उचित बाजार ब्रन्थ, उसके रस्यमान प्रतिफल से, एसे अयमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकात से विधिक है और अंतरित (अन्तरितों) से बीच एसे अन्वरण के बिए तब पाना गना प्रतिक फल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावक, उक्स विधिनियस की सर्धीन कर दोने के जन्मरण के दायित्व में कनी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; शीद/का
- ्त) एती किनी नाव मा किसी थम वा बन्य मास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकनार्थ अन्तिरियी द्वारा प्रकट नहीं किया स्वा का वा किया कामा काहिए था, किया में जिला के विका

कतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्री बालिक्शन म्रात्मज श्री लाडूराम जी, 40, म्रग्रसेन नगर, इन्दौर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो विमल चन्द श्रात्मज श्री माणक चन्द जी छावड़ा, गांधी नगर, इन्दौर।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त राज्यति के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बार्कर:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वनीय वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तानील से 30 दिन की वनीथ, जो भी वनीथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रांतिक व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्तिय सुदारा;
- (स) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन के मौतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी नन्य व्यक्ति द्वारा नभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए वा सकोंगे।

स्वक्किरणः--इसमें प्रयुक्त सुन्धें सूर वर्षों सा, साँ उपस् साँग्विवन्, से स्थान 20-क में ग्रिजावित हैं, वहीं सर्थ होगा जो उस क्थाय में विना गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नं० 80 पर बना मकान श्री नगर कालोनी, इन्दौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्याजित फार्म जी-37 में निहित है।

> एम० मी० शर्मा सक्षम प्राधितारी सहायक भ्रायत्र श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजनरें ज, भोपला

तारीख: 8-11-1985 *

प्ररूप आई. टी. एन. एस्त.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोतः, भोपाल

भोपाल, दिनां ह न वस्बर 1985

- निदेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/6074—म्प्रतः मझे, एस० सी० धर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं म ान सं विषु कि 6.281 है तथा जो सकुमार्ग, फीगंज, उज्जैन में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्ध श्रनूसुची में श्रीप पूर्ण का से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधारी के एप्यालिय, उज्जैन मे रिजिस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 रा 16) के श्रिधीन, तारीख 28-3-85 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिट की गई है और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से एसे ख्रयमान प्रतिफल का इंद्र प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीचा एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, या ध्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अत: उस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्मिलिसित व्यक्तियां, अर्थात् :--- शि श्री तैलागचल्द्र श्रात्मज श्री राधातिशन जी, एडशोकेट, नितसी मन्हारगंज, इन्द्रींग हास मुलाम, उज्जैन।

(ग्रन्धर्क)

2. श्री रमेशवनद्र श्रात्मश्र श्री हरीरामजी, विकास कि प्रात्मित्र क्षी क्षी प्रात्मित्र (भन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयूति शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में दिरभाषित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनु सूची

मु हान क्यु० ऋ० 6 261, णंकुमार्ग ,फ़ीगंज, उज्जैन में स्थित है। यह बह स्थावर सम्पत्ति है, जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-जी० में निहित है।

> एस० सी० गर्पा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, भोपास

नारीख: 8-11-1985

प्रारूप आई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के धरीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक भायकर कायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोतल

भोगाल, दिना 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० ति ०/ग्रर्जन/भोषाल/6075~--श्रतः महो, एस० सी० धर्मा,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- 'त. से व्यधिक है

मौर जिनकी मं० म कि नयु० नं० 17/4 है, तथ। जो बीर सावर र मार्ग, क्तलाम में स्थित है (श्रीर इससे उपावह मनसूची में श्रीर पूर्ण का से बिणत है), रिजिस्ट्री ति श्रीध हारी के कार्यालय, स्तलाम में रिजिस्ट्री रण श्रीधिनियम, 1908 (1908 जा 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985 को पूर्वीक्त सञ्पत्ति के जिचत बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रितिक के शिए अत्तरिक की गई है बार

मुनो यह जिल्लास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रति-फल से ऐसे 'रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंत-रण को लिए तम पाया गया प्रतिफत, निम्निलिशत उद्देश से उक्त अंतरण लिशित में बाम्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है :

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बन
- (क) ऐसी किसी आय हा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें शास्तीय आयकर ऑभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरत ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

जित: जाज, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-छ की उपधारा (1) उ अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों. व्यक्ति :——
41—376GI/85

 श्री निन्द्रकृति व्यान भिता श्री देवीलाल जी व्यास निनासी 212, प्रत्द्रपुरी, कालोनी, इंदीए।

(अन्तरकी)

2. प्रो० मुरेशचन्द पिताश्री हरप्रमादजी गोयल, निवासी 17/4. श्रीर मावरकर मार्ग, रतलाम।

(ग्रन्तरिती)

की बहु सूचना जारी करके पूर्वीकर सम्पेरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सरहाथ में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बनी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पृजीकर प्रक्रियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में एकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्मत्ति में हितजद्भ किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए बा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद। का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ष संगा जो उस अध्याय में विया समा हैं।

अभूस्**च**ि

एक मंजिला मज़ान नं० 17/4, बीर साबरकर मार्ग, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका रास्यूर्ण वितरण प्रन्तरिती होरा सत्यारित फार्म नवण 37-जी० में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज, भोषाल

नारीख: 6·11-1985

प्ररूप गाइं.टी.एन.एस------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रार्जन रोज भोषाल

भोताल, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6076----श्रत. मर्से, एस० सी० शर्मा,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्रम शिक्षारपुर जिला बुरहानपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनसूची में श्रीर पूर्ण का से वर्णित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, बुरहानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मान , 198

को पूर्वोक्त सम्मित के उभित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल को पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियस के अधीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कभी करने या उससे अवाने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) नै अधीन, निम्निलिखित व्यक्तिमयों, अर्थात् :— श्री गुवरात्र रामविलाग मिस्त्रीः
 श्रीमती सोनावाई विधवा रामविलाग मिस्क निवासी नागिझरीः, बूल्हानपुरः।

(ग्रन्तर ह)

2 श्री सैयद ग्रहफाज ग्रनी गैयद बभायत ग्रनी खान-काह, ब्रहा**नपु**र।

(भ्रन्तः रती)

को यह सूचना जारी करके प्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उसल सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस तृष्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाद चिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्सूची

कृषि स्मि प्राम थिए। रपुर, बरहानपुर, मे स्थित है। यह गर् भागर नमान है जिस्स सपूर्ण विवरण प्रन्तिरिती द्वारा सन्तिनित फार्म नं० 37-जी० में निहित है।

> एस० सी० शर्मा यक्षम प्राधितारी सहाय र आगाप आयुक्त (निरीक्षण) स्रजन रोज, भोरास

तारीख . छ -11--19**8**5 मोहर :

प्रकल वार्षं ही पुन पुन -----

काशकर अ[भिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुकना

भारत तरकार कार्यासम्, सहायक वायकर वायुक्त (प्रियोक्स)

अर्जन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनाङ 7 नवम्बर 1985 निर्देण सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6077---अतः मन्ने, एस० सी० शर्मा,

भागकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पश्चाध् 'उक्त मधिनियस' कहा गया हैं):, की नाए 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारल हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुक्स 100,000/- रा. से अधिक हैं

ष्रीर जिपती स० महान स० 10/6, है तथा जो उपागंज, इंदोर में स्थित है (फ्रांट इसमें उपाबड श्रनुसूची में ख्रांट पूर्ण का से वर्णित है), रिजस्ट्रीहर्ती श्रिधितारी के स्टार्यलय, इंदोर में रिजस्ट्रीहरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 हा 16) के अवीत, तरिष्य मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मूल्य से काम के उपसान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ और मझे यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उतके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एक अन्तरण के लिए तय पाया गर्मा प्रतिफल, निम्निविश्व उद्योध्य से उन्त अन्तरण विश्वत में बास्ति कि एप से कथित नहीं किया गर्मा है:---

- (क) कलारण वे हुई किसी काम की वासर, समस् मधिरियान के क्यीन कर दोने के क्यारण से दारियान में क्यी करने वा क्याने मंत्री प्राप्तिया से क्या: क्यां/शा
- (य) एसी किसी आप या किसी अप वा बच्च वास्तिनों को, चिन्हों आरतीय बाय-कर व्यक्तिनम्म, 1922 (1922 का 11) या उन्तर व्यक्तिनम्म, वा अन-कर व्यक्तिनम्म, वा अन-कर व्यक्तिनम्म, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधमार्थ अन्तिरती ह्वास्त प्रवाद वहीं दिवस क्या था या निवस वाना पार्ट्स्य था, कियाने में सुविधा के विद्र;

अतः अस्त, उक्त आधिनियम की भारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) इ.समीन, निम्मीसियत स्थानियमों, सर्वात :--- 1 श्री रामपाल रामप्रसाद कावरा एच० यू० एफ०, द्वारा कर्ता रामपाल पिता रामप्रसाद वाबरा निवासी 10/8, उपाणंज, इंदौर।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती विद्यादेवी पत्नी स्व० घनश्याम मालू निवासी 7/1, महारानी रोड़, इंदौर।

(म्रन रिती

को यह ब्यना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति से सर्थन से क्षिप् कार्यवाहियां करता हो।

क्या बन्मिति के अर्थन के बंबंध में कोई भी बाक्रीर :---

- (का) इस सूचना को एक्प्पेयच में प्रकाश्य की तारीय वे 45 किय काँ धवाँभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूधित की तामील के 0 बिन की सवीथ, यो भी अवधित काम में समाध्य शोधी हो, को भीतर पूर्वोक्स क्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के श्रीकाश में प्रकारत की तारीस से 45 दिन को भीतर श्रमत स्थावर सम्पत्ति में हित-मव्य किसी जन्म क्लीस्ट व्यारा, सभोहस्ताकारी के पात निवित में किन्न 'प्रकार ।

स्यब्दीकरणः—इसमे प्रयुक्त कम्बी और पदों का, जो उक्त किंग्निक के कथ्याम 20-दे के परिभाषित के क्षांत्र के उक्त क्षांत्र के परिभाषित के क्षांत्र के किंग्निक के क्षांत्र के किंग्निक के क्षांत्र के किंग्निक के किंग

नम्स्प्र

मकान नं 10/8, ज्यागंत्र, इंदीर में स्थित हैं। यह वह स्थावर मंपित है जिपका संपूर्ण विवरण ग्रन्तिरती हारा सन्यापित फार्म नं 37—जी में निहित है।

एस० सी० गर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर प्रायूक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोषास

दिनाँक : 7-11-1985

प्रस्थ बाहै, दौ. एन. एस. ----

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-ण (1) के नभीन सूचना

प्राह्म सरकाड

कार्याक्षय, कहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल भोपाल, दिनौंक 6 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6078—प्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने ब. कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० मकान नं० 13 का भाग है तथा जो कमला नेहरू मार्ग, उज्जैन में स्थित है (ग्रौर इसमें उपावढ़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, उज्जैन में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, नारीख मार्च, 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अन्सरित की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिवात से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितातों) के बीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, हैनम्नितिवात उद्वेश्य से उक्त बंतरण निविक्त में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधिनियम् के अधीव कर दोने के वृत्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; क्यूर/का
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, १७०० (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर क्रिक्स, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था किया भाग वाहिए था कियाने में सुनिवा के सिए;

उत: अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कों, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डें अधीर निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्रीमती अहिल्या बाई देवी पत्नी श्री हरिभाऊ देव
 तमला नेहरू मार्ग,
 उज्जैन।

(श्रन्तरक)

श्री वालमुकुन्द जैन पिता अबीरचंदजी जैन,
 13, कमला नेहरू मार्ग,
 उफ्जैन।

(भ्रन्तरिती)

का यह मुखना जारी कारको पृवां कर सम्पत्ति कं अर्थन को लिए कार्यवाहियां करता हो।

जनत तुम्पति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आवरेंप .---

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकांगे

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्याहै।

भ्रनुसूची

मकान नं 13 का भाग, कमला तेहरू मार्ग, उज्जैन में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म नं 37-जी में निहित है।

> एस० सी० ग्रामी सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 6-11-1985

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातय महायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/प्रर्जन/भोपाल/6079—ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर जिमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/-रुपय से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० प्लाट नंबर 139 श्रार० (एम०) है तथा जो इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम ऋमाँक 44, इंदौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इंदौर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हो और अन्तरिक (अन्तरिकार्ग) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया अतिफल, निभ्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरे लिखित बास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) कन्तरण से इ.स. किसी नाय की नायता उक्त निध-अधिनियम के जधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे बुझने में सुगुनिधा को लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा जो तिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निक्निसिक्ति व्यक्तिकों, अर्थान क्र-- श्री श्रवतार सिंह पिता श्री साधूसिंहजी तरफे श्राम० मु० मोहनलाल पिता श्री ताराचंदजी, निवासी-212, पलमीकर कालोनी, इंदौर।

(ग्रन्तरक)

 मैठे नवयुग गृह नर्माण सहकारी संस्था मर्यादित इंदौर तरफे श्रध्यक्ष श्रीचंद पिता ताराचंदजी निवासी 154, एम खातीवाला टैंक, इंदौर।

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्मित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस स्थाना के राजपण में प्रकाशन की सारी का सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क्षं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शि में हिसबब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., वो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 139 म्रार० (एम०), पर बना मकान इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम अमौंक 44, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण म्रान्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37-मी० में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोगाल

तारीख: 7-11-1985

मोहरः

प्रक्ष नाइं.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन स्पना

नारत चुडुकाडु

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्तण) अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6080—ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

नायकर निंभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रवसात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 25 पर बना हुम्रा मकान है लथा जो लोकमान्य नगर, इंदौर में स्थित है (प्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी में कार्यालय, इदौर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1985 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंत-। 'रती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे बतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिसित में बास्तांवक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

ूँक) बंतर्युच् से हुइं किसी बाद कर्त वावत्, उक्त बिधिनियम के ब्यीन कर दोने के बंतर्क के दायित्य में कमी करने या उससे मचने में सुनिधा के सिए; बॉर√या

वरि/५.

(क) ऐसी किसी बाब या किसी धृत या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धृत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अतिरती द्वारा प्रकट मृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विभा के लिए;

कतः नव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीम, निम्नसिवित व्यक्तियों, अधीम् :--

- 1. श्री राम बिगले पिता श्री माधव बिगले ए-10, चाण्क्यपूरी सोसाई सभारोड, वडोदरा (गुजरात)। (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुधाकर वैशंपायन पिता श्री दत्तात्रेय वैणंपायन, 25, लोकमान्य नगर, इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यायः
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सभ्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्टोकरण:—इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ann with

प्लाट नं० 25 व उस पर बना हुआ मकान लोकमान्य नगर, इंदौर में स्थित है। यह वह स्थावर अम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं०37—जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 7-11-1985

मोहर ः

प्रम्प जाह" टॉ. एन. एक् उन्नन्तरन्त

आयकर उधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक क्रायक्त श्रायक्त (निरीक्षण) श्रार्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 6 नवम्बर 1985 निर्देश स० ग्राई० ए० सी०/ श्रर्जन/भोपाल/ 6081—ग्रतः मुझे एस० सी० शर्मा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाजार 100,000/- रु से अधिक है

भ्रौर जिसकी स० भवन न० पा० नि० ऋ० 6/26 है तथा जो विक्रम मार्ग, फ्रीगज, उज्जैन में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबड़ अनुस्त्री में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीर्र्गा ग्रिधिकारी के कार्यालय में उज्जैन में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, नारीख मार्च, 1985

फो प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यमान श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथाप्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार गेल्य, एसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्थ्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित्त में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत जीभीनयम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में हुविधा के लिए, और/सा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

कतः जब, उक्त जीभीनयन की भारा 269-ग के अनुसरक मो, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— श्री दर्शनलाल श्रात्मज श्री श्रमीचदजी निवासी—होटल सम्प्राट इदौर हाल मुकाम, उज्जैन।

(श्रन्तरक)

ये मैं फर्म ताहिरी ग्लाक वक्स द्वारा पार्टनर हाजी मुल्ला लोहीर प्रली पुत्र श्रो हाजी गुलाम प्रली कॉच वाला निवासी 27 श्रोरापुरा बाखाल, उज्जैन।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कारता हुः ।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (श) इस स्वना । में प्रकाशन की तारीख तें 45 दिन के भें स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्दभ किसी अन्य स्थायत स्वारा अधोहस्साक्षरी कें पाम जिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्वयद्यकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस सध्याय के दिया गया हैं।

अनुसची

भवन न० पा० नि० कर्मांक 6/25 का भाग विक्रम मार्ग, फीगज, उञ्जैन में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नं० 37—जी० मे निहित है।

> जएय० सी० शर्मा सहायक आयक्षर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन नेल, भोषाल

तारीख 6-11-1985 मा**हर** ↓ प्रकृष बार्च . टी . एम . एस . ५----

श्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक जायकार जायुक्त (निर्दोक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल भौपाल, दिनांक 6 नवम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/6082—ग्रन: मुझे, एस० मी० शर्मा,

लायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्तन प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका जीवत बाजार अन्स्व 1,00,000/- रु. से जिधक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान न० 8/1 का भाग है तथा जो मोहल्ला खेसवाडी, उज्जैन में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बॉणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, उज्जैन में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयं मा मितिका के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिकाल से, एसे इश्यमान प्रतिकाल का पहुड़ प्रतिस्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल का निम्नतिस्ति उद्वरिय से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) नंधरण से इर्द कियाँ बाव की बावक, उनक बिचिनियम के अभीन कह दोने के बन्तरक की बायित्व में कभी करने या उससे ब्चने में सूबिचा की सिए; बर्दि/बा
- (ब) एेसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियां को, जिन्हु भारतीय आयकार अधिनिया ;
 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंशिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, जियाने में सुविका के लिए;

अतः वन, उक्त अधिनियम की भारा 269-मृ काँ अनुसरण भा, भाँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) चौ चधीन, निम्ननिविद व्यक्तियों, सर्वात् क्र---

- 1 श्रीमती गगाबाई पत्नी मोतीलालजी निवासी 8/1, सनी मार्ग, गली न० 3, उज्जैन, (2) श्रानंद कुमार, पिना रमेणचन्द्रजी निवासी 8/1, गली नं० 3, सनी मार्ग, उज्जैन।
- 2 सौ० रमारानी पत्नी डा० मोमनाथजी (2) कान्ता रानी पत्नी मेधराजजी (3) ममतारानी पत्नी सुरेन्द्र कुमार जी निवासी 7 बक्षी बाजार, उज्जैन।

(श्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

कवा कर्नाहित के वर्षन को संबंध में कोई भी आक्षप :--

- (क) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की बर्बीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तानीज़ से 30 दिन की बर्बीभ, को भी बर्बीभ बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच में 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वै पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त क्षव्यों और पदों का, वो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

वगृस्पी

मक न नं ० 8/1 का भाग, मोहल्ता खेतश्रवाड़ी, उज्जन मं स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका संपूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सर्त्यापन फार्म नं ० 37-जी ० मे निहित है।

> न्नार० सी० शर्मा सझम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, भोपाल

तारीख: 6-11-1985

प्रकृप बाइ . ही. एन. एस . ------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनौंक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6083----श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा

बायकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सहया म्यु० पा० नं० 567 का प्लाट नम्बर 13 का प्लाट है, तथा जो महात्मा गाँधी मार्ग (सतीय कुट्टी) इन्दौर में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद्ध धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वाणित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इन्डौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वेक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिशत से अधिक हैं भीर अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

(क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे स्वाने में सुविधा

के लिए; और/या

(क) एंनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं दित्या गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्निलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :--- 42--376GJ/85

(1) श्री नारायणवास होतलवासजी एण्ड भदर्स ठिकाना तेल गली मियागंज इन्दौर तरफे भागीबार नारायणवाम पिता होतलवाम निवासी-तेलगली सियागंज, इन्दौर

(ग्रन्तरक)

- (2) 1. श्रीमती वर्षा बेन पति विक्रम देशाई
 - 2. दमयंती बेन पति गुणवंतराय
 - 3. नी अबेन पति निरंजन देमाई
 - नाशावन पात नगणन पनाइ
 मधुलिका बेन पित भास्कर
 सभी नरफे श्रा०मु० विक्रम
 पिता हुकुमचन्वजी नि० तेलगली सियागंज इन्दौर
 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्ज्जन के सबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्पाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, ज्ये भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्ध किसी व्यक्ति क्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

म्यु० पा० नं० 567, का प्लाट नं० 13 का प्लाट, महात्मा गाँधी मार्ग (सन्तोष कुटी) महात्मा गाँधी मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिवारी, सहायक श्रायकर श्राय्कत (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 5-11-1985

श्रुष्टेषं बार्षं, हो .एव . एव . ------

बाश्कर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-क (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/6084—ग्रतः, मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाल करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी संख्या मकान म्यु० नंबर 9/106 है, तथा जो विपोलिया गेट, रतलाम में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रतलाम में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन मार्च, 1985

को पूर्वेक्त तम्परित के उचित बाचार मूल्य से कम के क्षणमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उत्तक इश्यमान प्रतिफल है, एसे इश्यमान प्रतिफल का कल्क्स प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) जौर जल्कारिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तरिक रूप से क्षित महीं किया गथा है :---

- (क) अन्तरण ने हुइ किसी बाब की, बाबत, सक्त अभिनियत के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए: और/बा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भन का अध्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिएंथा, कियाने कें सविधा केंसिक्स;

अतः अत्र, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनसरण भैं, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, रिप्तनिविक्त चरिकालों, अर्थात :---- (1) महिला इन्द्राक्षाई परित मणीलालजी बक्षी 21/1, मनोरमागंज, इन्दौर हाल मुकाम व्रिपोलिया गेट, रतलाम।

(श्रन्तरक)

(2) मैंसर्स राजीव मेंशन द्वारा भागीदार कु० सीमा पिता शान्तीलाल चोरडिया निवासी 126, चाँदनी चौक, रसलाम ।

(भ्रन्तरिती)

का वह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अधीन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्रांबंधी अधिकत्यों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति इवादा;
- (ख) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के राजि किसिस में किए का सकरें।

स्परविकरण: ---इसमें प्रमुक्त संख्यों और पर्यों का, जो अवसं अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होना जो उत्त अध्याय में दिया नवा हैं ·

वम्सूची

मकान म्यु० नं० 9/10,6, त्रिपोलियागेट, रतलाम में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती बारा समापित फार्म नंबर 37 जी में निहित है।

> एम० मी० शर्मा मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोषाल

तारीखा: 7-11-1985

प्रकृषाद्वां थी . एवं . एवं . ****

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-भ (1) के अभीत क्षता

भारत बंडकाड

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजंन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 5 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० म्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/6085—म्प्रनः, मुझे, एस० सी० शर्मा,

भागकर भीभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उन्दे अभिनियम' कहा गया हैं), की भाद 269-द के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह निश्नास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका जीवत नावार नृत्व 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या कृषि भूमि ख० नं० 28 है, तथा जो लाल बाग, बुरहानपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम श्रवमान अतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने आरण है यह पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे श्रवमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत है अपिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में शास्तिकल रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण वं हुई किसी बाव की बावत, क्या विधितिनमं के नधीन कार दोने के बन्तरक के राजित्व में कभी कारने वा क्या वचने में बृधिया के लिए; बॉए/वा
- (७) ए सी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 1942 का 11) वा उन्तर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों,, अर्थात् :--- (1) श्री नवनीतवास वस्द गनपतवास लाल निवासी इतवारा, बुरहानपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) अध्यक्ष महोदय, चन्द्रावती गृह निर्माण सह० संस्था मर्यावित बुरहानपुर।

(अन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप '---

- (क) इब सूचना के राजपण में प्रकाशन की वारीश है 45 दिन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूजना की तामीस से 30 दिन की अवधि, वो भी नवीं नाद में समाप्त होती हो, के धीतर पूर्वे किया व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर स्पत्ति में हिलबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए वा सकोंने।

स्पष्टिमेकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्चीं

कृषि भूमि ख़ ० नं० 28, लालबाग बुरहानपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण ग्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नम्बर 37 जी में निहित है।

> एस० सी० धर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपास

तारीख: 5-11-1985

मोहरः

प्रस्त भाव^{*}. ट**ि. एन** . एवा . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाँक 5 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० श्राई० ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/6086—-श्रतः, मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें करनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उिषत बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नंबर 181 पर बना मकान है, तथा जो इन्दौर विकास प्राधिकरण स्कीम क्रमाँक 44, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय इन्दौर में रिजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, मार्च 1985

कां पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल का बन्तर प्रतिफल से बिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त अन्तरण किया गया है:—

- (क) अंशरण से हुई किसी आब की बाबत, उक्त अधि-विश्रम को अभीन कर दीने के अंतरक के दायित्व में कनी करने या उक्त वचने में सुविधा के लिए; और/या
- क) एसी किसी भाग मा किसी धन वा अन्य आस्तिओं को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अथः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ण को अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-ल को उपधारा (1) को अधीन, निस्नलिक्सित व्यक्तियों, अधीत् 🚈 (1) मैसर्स गुरेजा बिल्डर्स निवासी-5, खातीपुरा इंदौर तरफे भागीदार गिरधारीलाल पिता रामदास निवासी-211, पलसीकर कालोनी, इंदौर ।

(प्रस्तरक)

(2) डा॰ जोगेन्त्र सिंह पिता सरदार हरवंसिंह निवासी-16/3, नार्थ राज मोहल्ला, इंदौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-----

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्लाट नंबर 181 पर बना मकान इंदौर विकास प्राधिकरण स्कीम कर्मौक 44, इंदौर में स्थित है।

> एम∙ सी० शर्मा स**क्षन** प्रा**क्षि**कारी सहाबक भ्राबकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारी**ष** : 5-11-1985

बक्षेट्र 🖈

वस्त्र वार्त्युवी पुष्युः सूत्र व्यवस्थान

नायकर मिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) चै मभीन सूचना

नारत परकार

कार्यासय, सहायक बावकर बावकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 15 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० म्राई० ए० सी॰/म्रर्जन/भोपाल/6087---म्रतः मुझे, एस०सी० शर्मा,

ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा २6-9-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जरण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार नृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव महान नंव 16 है, तथा जो लाईगंज, जबलपुर कें स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से विश्ति है), रिव्हिट्टी र्ता अधितारी के नार्यालय, जबलपुर में रिजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख मार्च, 1985

अ प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाचार मृस्य से कम के व्यवभाव तिफल के लिए जन्तरित की गई है बौर मुक्ते यह विश्वाद हरूके का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार क्य उसको दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वृत्र प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती ...तरितिम्ं) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिक सं, निम्नलिवित उद्धेश्य से उक्त बन्तरण किविस में बास्त-कक क्य से कथित नहीं किया पता है अ—

- (क) अन्तरण से हुन्द किसी आय की बाबता, ठकक अधिनियम को अधीन कार दोने को अस्तरक को शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; बीर/वा
- (ख) एंसी किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः असः, उक्त सीभीनवन की भारा 269-ग के अन्तरण , मैं, उक्त सभिनियम <mark>की भारा 269-व की उपभारा (1)</mark> अभीन, निक्तिविक्त स्वीक्तकों, सर्थीत् :— (1) श्री जयकृष्ण बरखेडकर श्रात्मज नारायणराय बरखेडकर।

15/61, लार्डगंज, जबलपुर ।

(भ्रन्तर ह)

(2) श्री राकेश कुमार जैन श्रात्मज दयाचन्द, निवामी--16, लार्डगंग, जनलपुर।

(भन्तरिती)

को बहु सूचना वादी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

बन्द संपरि के नर्पन से संबंध में कोई भी अक्षप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन की नवीं मा तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सर्वाध, वो भी व्यक्तियों में संसाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थितर द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबह्थ किसी अन्य स्थित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों शौर पदों का, जो उक्त अधिनियक, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा को जस जध्याय में दिश्रः गवा है।

मन्द्रभी

मकान नं० 16, लार्डगंज, जलबपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्या-पति क्षार्म नं० जी-37 में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जनरें ज, भोपाल

तारीच : 15-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भग्यन्यः अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोपाल भोषाल दिनांक 11 नवस्वर, 1985 निर्वेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/श्चर्जन/भोषाल/6088 अतः मुक्ते, एस० सी० शर्मा,

मायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पद्माह 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के सभीन सक्षन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० भूखण्ड ऋमांक 23 है, तथा जो मेजर शापिज सेन्टर, ह्बीबगंज, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रन्-भूवी में ग्रौर पूर्णच्य में विणित है), रिजस्ट्रीक्ती श्रीधकारी के कार्याल , पीतार में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रियीन, तर्रोख मार्च, 1985

को पृत्राक्त सम्पात्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल है। तए पंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्निलिस्त उद्देश्य से अक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक भ्य से कोथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; आर/या
- (क्ष) गंभी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कै, मैं, उत्तर अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्हिन्सिकत व्यक्तियों, अभित् :——

(1) श्री राज किणार वीक्षित पुत्र श्री राम किणार क्षीक्षत, निवासी-णनिचरा वार्ड, होणगाबाद ।

(भ्रन्तरक)

- (2) 2. श्री बैगराज वल्द मोतीराम
 - 2 प्रमर लाल बल्द बैगराज
 - 3. लीला देवी पत्नि बैगराज
 - 4. वंदना देवी पहिन पीपाम्बर
 - 5. जया परिन श्रमर लाल

6. मास्टर श्रलंकार पुत्र पीताम्बर अवयरः वली पीपाम्बर पुत्र बैगराज निवासी-सुल्तानिया वन्या विधालय के पास. शाहजानाबाद, भोपाल ।

(भ्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति क्षेत्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अभूत्ची

एक किता भूखण्ड कमांक 23, मेजर शापिंग सेन्टर, हसीव-गंज, भोपाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिनका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्यापित फ़ार्म जी-37 में निहित है

> एस० मी०शर्मा सक्षम प्राधिक सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीखा: 11-11-1985

माहर :

पक्ष्य कार्ड ही एवं. एखं. -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की वाडा 269-व (1) के बभीन स्वना

धारचे संस्कार

कार्याचन, सहायक जायकर बायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल दिनांक 11 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० मी०/ग्रर्जन/भोपाल/6089---श्रतः मझे, एस० सी० धर्मा,

नायकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ह के अधीन राश्य प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका सजित बाजार मुख्य

1,00,000 / - एतः से अधिक **ह**ै।

श्रीर जिसकी सं० म जन प्लाट नं० सी०-3, पर बना हथा है, तथ जो कोहे फिजा, भोपाल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ श्रनु-सूची में श्रीर पूर्णका से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के फार्याला, भोपाल में रजिस्ट्री करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, सारीख मार्च, 1986

को प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रिम्फल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभाप्वोंक्त संपत्ति का उचित भाजार मुद्धा, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तक प्रतिकास का पन्तक प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे बंतरण के निष् तब वावा पवा प्रतिकात का , निम्निविधित उद्वेशिय से उच्य बंतरण लिखित में बास्त-

- (क) नन्तरन से हुई किसी नाव की बावत, उक्त बचि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कर्नी करने या उधसे वचने में सुविधा के लिए: बरि/वा
- (ल) एन्से किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में स्विधा है निहः;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री राधा वल्लभ मुक्ला ग्रात्मन मुंगीलाल गुक्ला नित्रासी-87/68, तूलमी नगर, भोषाल,

(ग्रन्तर 🤊)

(2) मैयद मसम्रद म्रली जिता मैयद शह्जाद म्रली. निवामी-इम्राहीम पूरा, भोषाल ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीय से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचभा की तामील से 30 विन की अव्धि, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकत व्यक्तियों में से किसी ब्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्
- (क) इस न्वना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

वप्यूची

प्लाट नं० सी-3 पर बना मकान. कोहे फिजा, भोपाल मे स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्त-रिती द्वारा सन्यापित फार्म नं० जी-37 में निहित है।

> एस मी० शर्मा सक्षम प्राधि पारी महायक श्राय[ा]र ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज,भोपाल

तारीख : 11-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज, भोपाल

भोपाला दिनांक 11 नवम्बर 1985 निर्देश सं० ग्रार्ड० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/७०९०— श्रनः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00.000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संव म जन नंव 943/1, है तथा जो कमला नेहरू-वार्ड, जवलपुर में स्थित है और इससे उपावद श्रन्सूची में श्रीर पूर्णल्य में वर्णिन है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि हारी के कार्यालय, जबल पूर में रिनस्ट्री हरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोचन सम्पत्ति के उचित बाजार मूंल्य से कम के एरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का आगण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे एरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अगिर कंतरित (अन्तरितियों) के कंच एसे अन्तरण के लिए त्य पाता गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उकत अंतरण लिखित में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से ह्यू किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व कें कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में सुविधा के लिए;

जतः उत्त उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अभोन,, निम्निस्चित व्यक्तियों, जर्थात् E-

(1) श्री सन्तोष कृमार बोष भा० ग्रमरनाथ बौष, निवासी---913/1, कमला नेहरू नगर, जबलपुर।

(ग्रन्तर ह)

(2) श्री ए० ए० बदामी झात्मज श्री एस० झार० बादामी निवासी—स्टेट बैक झाफ़ इण्डिया, सिविस लाईन, जबलपुर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचमा को राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयासत शब्दों और पदों का, जो -स्वीत आधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियक गया है।

सप्तर्च

माञान नं ० 943/1, कमला नेहरू , वार्ड, जबलपुर में ्र स्थित है । यह वह स्थायर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फ़ार्म नं ० 37 जी में निहित है ।

> एस० सी० **श**र्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, भोगल

तारीवा : 11-11-1985

मोहर 🖫

प्रकप नाई. टी. एन. एस. ------

अध्यकर मीपीनसम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, यहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोषाल भोषाल, दिनांक 11 नवम्बर, 1985 निदेश मं० आई० ए० मी०/अर्जन/भोषाल/6091——अतः मुझे एस० मी० शर्मा

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने ध्याने इसके पश्चात् 'उन्त जिभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अभीन सक्षम अभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० भूमि ख० नंबर वाधोड़ा तह० मौसर श्रीर जिसकी स० भूमि ख० नंबर 27 है तथा जो मौजा वाधोड़ा तह० मौसर में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय सौसर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

की पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने को कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का स्वित बाजार मूल्य, उपके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिस्क अप पंत्रह प्रतिकृति से अधिक है और जंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए स्य पाया वया प्रति-कल निम्नसिवित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाम की बाबत उपस महिन-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्स में कभी करने वा उससे बच्चे में सुविधा के सिए;
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्व अस्तिनों को, जिल्हें आरतीय सामकर अधिनियम, 1972 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

अतः बतः, उत्तत अभिनियम की धारा 269-ग में बन्तर्द में, में, उत्तत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीतः निम्निसित व्यक्तिकों, अर्थात् क्रिक्त 43—376GI_485 (1) लक्ष्मण सिंह पिता गोविन्द सिंह दीक्षित निवासी मुकाम पोस्ट बैग्डी तह० सौंसर, जिला छिदवाडा।

(अन्तरक्)

(2) मेसर्म बजाज स्टील इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, मुख्य कार्यालय नागपुर द्वारा मु० आम श्री माधव पिता हरिभाउ पन्तर्कि मकाम नागपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वाक्त सम्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त रम्पति के वर्षन व सम्बन्ध में क की मी वालेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

भूमि ख॰ नंबर 27, मीजा वाधीडा तह० सौसर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा फार्म नं० 37-जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक आययर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक 11-11-1985 मोहर:

प्रसम्प बार्च टी. एम्. एक.------

नाथकर निभिन्समः, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के सभीन सुभवा

नार्व सरकार

कार्याभय, सहायक मायकर भागुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 11 नवम्बर, 1985

দিইণি म॰ आई॰ ए॰ सी॰/अर्जन भोपाल/6092——अनः मुझे एस॰ सी॰ शर्मा

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वादार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० भूमि ख० नंबर 28 है तथा जो मौजा बाधोड़ा तह० मौसर में स्थित है (श्रीन इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय मौसर में रिजस्ट्रीकरण अधिकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के अपित बाकार अस्य सं कम के कावाब प्रतिफल के लिए बन्तरित की भई है और मुझे यह विश्वाक एउने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अपित आवार मुख्य उसके कावमान प्रतिफल सं, ऐसे ध्रम्यान प्रतिफल का प्रसुद्ध प्रतिकात से अधिक हो और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के जिए स्थ पावा गया वृतिफल विश्वितियों कर्युं क्ष्म से बच्च बंदरण विवित्त में वास्त्रीच्या क्य से किथल बहुई किया गया है :---

- (भ) बन्तरण से हुए किसी बाब की शबंध, उक्त संभिनियन में जभीन कर क्षेत्रे के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उनके तकते में सुविधा के निष्ट; बाहि/बा
- (था) एसी किसी नाम का किसी थन वा अस्त वास्तियों का, जिन्हों भारतीय नायकार जीवनियम, 1922 11922 का 11) या उक्त तथिनियम, या भनकार कथिनियम 1957 (1957 का 27) में प्रमोजनार्थ अस्तिनित्री दशरा प्रक्षर महा किया नया या या शिकास कला काहिए का फिएनों में सुविभा के किस

(1) गणेश पिता गोविन्द सिंह दीक्षित, निवासी-बेरडी, जिला छिदवाडा !

(अन्तरक)

(2) मैं भर्म बजाज स्टील इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, मुख्य कायलिय नागपुर द्वारा मु० आम, श्री माधव पिता श्री हरिभाउ, पत्तरिकने जिला नागपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींकत सम्प्रित के अर्जन के निर्णे, कार्यवाहियां सूक्ष करता हुं।

इक्स इक्सील के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आरखेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की जनिष मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्चा की सामीख से 30 दिन की वर्षीं , को बी जनिष मा समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों वे से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकारन की सारीय से 45 बिन के बीतर अवस स्थायर सम्पत्ति में हिस-बब्ध किसी मन्त्र न्यक्ति द्वास, वभोहस्ताक्षरी के या जिला में किस का सकेंगे।

स्वकाकरण:---इसमें प्रवृक्त कव्यों और पदों का, का उन्हें, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभार्थित इं, बड़ी अर्थ होगा को सास अध्याद में विश्व गया है।

अनुसूची

भूमि ख० नंबर 28, मौजा वाघोड़ा जिला छिदवाडा में स्थित हैं स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्स नस्बर 37-जी में मिहित है

> ्म० मी० शर्मा नक्षम प्राधिकारी महायक आयक्ष आयुक्त (निरीक्षण) अजंभ रेंज, भोपाल आयकर भवन मैदा मिल के पास भोगाल

दिनांक 11-11-1985 मां**ड**र :

अत अबं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्मरण कें, कें, उक्त अधिनियमं की धारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्रकप बाई . हो . एन . एस . -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज भोपाल

भोपाल, दिनाक 11 नवम्बर, 1985 निदेश स० आई० ए० मी०/अर्जन भोपाल---6093---अन मुझे एस० सी० शर्मा

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गवा है), की भारा ?69-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है। कि स्थाप सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

द्यार जिसकी में भिम लाट नवर 14 है तथा जो लाला लाजपत राय का आं भों शहपुरा, भोषाल में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में ग्रार पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोताल में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

की पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वकाल प्रिक्ति के प्रश्ना मृत्य से कम के स्वकाल प्रिक्ति के लिए अतरित की गई है और मृक्षे वह निक्वास करते का कारण है कि स्थापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्बह प्रतिशत से गिथक है और बतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक कस निम्शितियत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-

- (क) अतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बांधान्यम के अधीन कर दाने के अंतर्क कै धामिल्य में कमी करने मा अक्षभे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राप्त अनार्थ अनिरती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा से सिए;

शतः, सब, अक्त सभिनियम की भारा 269-ग की जनुसरक को, भी उपने अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) को बचीन,, निम्नजिखित व्यक्तियों, वर्षात्:---

- (1) कें कि सी कि कपूर पिता श्री डी क्एस कपूर, निवासी—ई-1, ईदगाह हिल्स, भोपाल। (अन्तरक)
 - (2) माधवी कृलकर्णी, पत्नी घन्ण्याम कुलकर्ण निवासी-एम०ए०,मिटी भोषाल ।

(अन्तरिती)

का वह बूचना चारी करके पृष्ठांक्स सम्पत्ति के अवन के निल् कार्यपाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुभ किसी बन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए आ सकींगे।

स्पव्यक्तिकरण — इसमें पयक्त शब्दों अर्थ खाँ का, जो उपक जीधनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा नमा है।

भगसूची

प्लाटनंबर 14, लाला लाजपन राय का हा० मो० शाहपुरा भोपाल द्वारा में स्थित है यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नबर 37 जी० में निहित है।

> ्स॰ मी॰ शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल आयकर भवन मैदा मिन के पास, भोपान

दिनाक : 11-11-1985

मोस्र :

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) से नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बाबकर बायुक्त (निद्रीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश म० आई० ए० मी०/अर्जन/भोपाल/ 6094---अतः

मुझे, एस० सी० शर्मा

आयकर औधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० पुराना मकान न० 1050 नया नंबर 2364/2369 है तथा जो राईट टाउन , जबलपुर में स्थित है (श्रॉर इसमें उपाबथ अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1985

की पूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य प्रमा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य असितयों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था छिपाने में चे लिए;

जतः अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) संसर्म सिंधई परममुख खूबचन्द, पार्टनर शिपफर्म मार्फत भागीदारान, सिंधई ग्यामचन्द, सिंधईपूरन चन्द, सिंधई लक्ष्मीचन्द 1 से 3 के पिता स्व० सिंधई प्रेमचन्द 4 राकेश कुमार 5 मुकेश कुमार, सराफा बाजार, जबलपुर 1

(अन्तरक)

(2) हनुमान पेप'र वकर्स मोल, प्रोपराईटर सागर आग्रवाल, पिना स्व० श्री गोपीचन्द आग्रवाल, निवासी-गाधीगंज, रायगढ़।

(अन्तरिती)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन सर्वाभ में कार्ड भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (द) इस सूचना को राज्यन मों प्रकाशन की तारीस स 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्मस्ति मों हितबस्थ किशी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पान, निवित मों किए का सकारो।

स्पच्छीकरणः -- इसमं पयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्तु अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

प्लाष्ट नबर 372, णीष्ट नं० 153/ए० प्लाष्ट नंबर 104 पर निर्मित पुराना नंबर 1050 नया नबर 2364/2369, का भाग राईट टाउन जवलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापितृ फार्म 37-जी में निहित है।

> एस०मी०णमां नक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, भोपाल आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

दिमांक : 11-11-1985

महिर

प्रक्रप बाइ . टी . एन् . एस् . ------

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासया, सहायक भागकर भागूक्त (निर्देशक)

अर्जन रेज, भोपाल

भोराल, दिनां रु 11 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० मी०/श्रजेन/भोगल/6095 -- -श्रतः मन्ने, एस० सी० शर्मा,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्मस्ति, जिसका उचित याजार मून्य 1,00,000/- रु.' से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० म शन नंबर 1409 है तथा जो राईट टाउन, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उशावत ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण का में वर्णित है) रिजस्ट्री क्वी श्रीध शरी के स्थिलिय जबलपुर में रिजिस्ट्री करण श्रीधनियम 1908 (1908 जा 16) के ग्रीन मार्च, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिद्वत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पास नया प्रतिफल, निम्नलिचित उत्देश्य से उच्त अन्तरण सिचित में गुस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उसत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सविभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) राजरानी मुक्ल, त्रिवना नत्नी श्री जी० मी० शुक्ल, वी--84, श्रागरा, इंदौर ।

(भन्तरक)

(2) श्री रोमेन श्रोसवाल जिता श्रार० पी० श्रोसवाल, चार्टर्ड ए पाउन्टेट, 1414, राईट टाउन, जवलपुर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारी भू से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति
 - (ण) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि भी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के प्रम्थ लिसित में किए जा सकींगी।

स्थळहोकरण :--इसमा प्रयानस राज्यों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ाही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

वन्सूची

म शन नवर 1409 राईट 'टाउन जबलपुर में स्थित है। यह बहु न्यापर प्रसाति । विकास सम्पूर्ण विवरण प्रस्तरिती द्वारा सन्यापि फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> एस० मी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी महत्य २ ग्राय इर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, भोपाल ग्रायकर भवन मैंदा मिल के पास, भोपाल

दिनाक : 11-11-1485 मोहर प्रकृप काइ. टी. एन. एस.----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत बरकार

कार्यालय, सङ्घायक भायकार भायक्त (निराक्षक)

श्चर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनाक 11 नवम्बर 1 85

निदेश आहे० ए० सी०/प्रार्जन/भोषः ६०९६ - - श्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रौर जिसकी भन्म निवन 1409/1 है तथा जो राइट टाउन, जबलपुर में स्थित है (स्रौर इनसे उपाबद्ध श्रनुसूची में स्रौर पूर्ण इन से निण्न है) रिजस्ट्री इती श्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्री हरण स्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन मार्च, 1985

को पूर्वोक्क सम्पत्ति के उचित बाबार मूख्य से कम के ध्ययमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके ध्व्यमान प्रतिफल सं, एसे ध्व्यमान प्रतिफल का ग्रिह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) जार अंतरिती (अंतरितयाँ) को बीच एसे अंतरण के लिए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दीने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्वने में सुविधा के लिए; भोर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनवस् 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनवस्, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया बागा वाहिए था, कियाने में तथिया के सिक्

जतः अब, उक्त अभिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में में उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित स्वित्यों, अभीत् ह--- (1) जे० के० णुक्ल, ग्रात्मात स्व० श्री जी० सी० शुक्ल, बी-84, ग्रागरा इंदोर ।

(अन्तरक)

(2) र्राव स्रोमताल, पिता स्रार्० पी० स्रोसवाल. निजासी-1414, राईट टाउन, जबलपूर। (स्रन्तरिती)

में बृह्व बृह्मका हाड़ी कड़के वृत्रोंक्ट क्व्यरित के अर्थम के लिए कार्यभाहियां कड़ता क्ष्मी।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 फिन की नवींस या त्रसम्बन्धी व्यक्तिकों पूर स्थान की तामीस से 30 दिन की सवींस, को भी नवींस बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर नो उसका हो से किसी स्थानत ब्वारा;
- (क) इस स्पना के राज्यक में प्रकाशन की तारी हु के 45 दिन के भीतर उनत स्थानर सम्पृत्ति में हित्त नृष् किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास कि। यस से किए ना सकेंगे।

स्वक्तीकरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिशासित है, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय के दिवा भया है।

वनस्वी

मकान नवर 1409/1. राईट टाउन, जम्मलपुर में स्थित है। यह वह प्थावर पस्पति है जिमका पस्पूर्ण विवरण अन्तरित द्वारा सत्यापित फामं 37-जी में निहित है।

> ्स० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सपहाय व श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंत्र, भोनाल श्रायकर भवन मेदा मिल के पास, भोपाल

दिना र . 11 -11 - 1985 मोहर :

प्रकथ भार्ष टी.एन.एस. -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, भोजाल

भोताल, दिनाक 11 नवम्बर 1985

निदेश मं० प्राई० ए० मी०/प्रार्वन/भोषाल/6097—-प्रतः मुक्को, एस० मी० शर्मा,

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें श्रम प्रकार प्रकार अधिनियम कहा गया हैं), की भारा 269-ख के जधीन सक्षप पाधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका प्रचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रौर जिपकी सं० प्लाट न र 49 डी सेक्टर है तथा जो कोहेफिज भोषाल में रियत है (ग्रौर इस्मे उपाबद्ध ग्रनुभूची मे ग्रौर पूर्ण कर से बणित है) रिजिप्ट्रीकर्ता ग्राधकारी के दार्यालय भोषाल में रिजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास भरने का कारण है कि अधापविकास सम्पत्ति का जिल्ल बाजार मुल्य उभके इश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और वन्त-रिती (बन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय शवा गवा प्रतिफल निम्नितिक्त उपयोध्य से उक्त अन्तरण विक्ति में बास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से पृष्ट किसी अप की बाबत उपत अधिनियम के नशीन कार या के अन्तरक के दायित्व में अभी करने एा उसरो सचने पे स्विधा के किए, और/धा
- (क) ऐसी किसी आय या जन या अन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय आग- इन गीए नियस, अन्य (1922 का 11) या उक्ता अधिनियम, शा धव-कर विधिनियम, १०57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना पाहिए था. खिणाने भें सविधा की विद्या

जतः जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग की जन्सरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थत् :-- (1) गीला रघूतंशी पत्नी प्रतापितह रध्वंशी नित्रासी राजपाडा तहर बरेली. जिला रायभेता।

(मन्तर ५)

(2) श्रालिबा खास पत्नी श्रलाउद्दीन प्रान. निवासी इतकारा, भोपाल ।

(भ्रन्तिरती)

को बहु बुचना चारी करके पृत्रों कर अध्यक्ति के अध्यक्त की कार्य कार्यनाहियां शुक्त करता हो।

बन्द बन्दरिय के बर्जन के बन्जन्द में कोई भी आक्षरं:--

- (क) इस सुब्द, ने राजपण में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की जबिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर बृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बृचीय दाद में सवाप्त होती हो, के जीतर प्रवॉक्ट व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति हुनायाह
- (क) इस स्वाम के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के पीत्र उक्त स्थावृद सम्पत्ति में हितवधूच किसी बन्ध व्यक्ति स्थाय न्थाहस्ताक्षरी के शक् मिकित में किए वा सकीये :

स्यक्ष्मीकरणः — इसमें प्रयक्ष्म शब्दों और पदों का, जो उक्स लिधिनयम के अध्याय 20-के में परिभाशिष हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुस्**ची**

फ्लाट नंबर 49डी सेक्टर कोहेफिजा भोषाल में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरणश्रन्तरिती द्वारा मत्यापित फार्म 37-जी में निहित है।

> एम० मी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजन केंग, भोपाल ब्रायकर भवन मैदा मिल के पास भोपाल

पिमाक 11--11-19**8**5

भोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालग्, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिना ५ 11 न भवर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/श्रजन/भोपाल/6098 - ग्रतः मूद्ये एस० सी० गर्मा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 - त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य

1..00,000/- रु. से अभिक है

ग्रीर जिसकी सं० ने शाउट प्लाट नंतर 2/लाट नंबर 164 ता भाग , शीट नं० 72 मुभाव नगर (एम० नं० 773) जयलपुर है तथा जो मुभाव नगर, जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण हम ने बॉणन है) रिक्ट्री तो प्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रिजस्ट्री क्रिया ग्रीधिनयम 1908 (1908 का 10) के श्रधीन मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजा रम्ल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीर आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मालती देवी,
 पत्नी देवी प्रसाद श्रग्रवाल,
 निवासी—राइट टाइन, जबलपुर ।

(ग्रन्तर म)

(2) भेसर्स फ़ेन्डस इन्टरप्रा सेसेम जबलपुर, पार्टनरिषप फर्म द्वारा मेनेजिक्ग पार्टनर श्री प्रेम कुमार चावला, 537, भरतीपुर, जबलपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दां और पदौं का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसुची

ले-आउट, प्लाट नंबर 2, प्लाट नंबर 146, णीट नंबर 72, सुभाप नगर, (एस० नं० 773) तह० व जिला अबलपूर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका मम्पूर्ण विवरण अन्तरिती हारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित्त है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायका (तिरीक्षण) श्राप्तेन रेंब, भोवाल श्रायकर भवन मैंदा मिल के पास भोगाल

दिनोंक : 11--11--1985

प्रकृप नार्षं, दी .पुन .पुर . -----

प्रायक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मामकर मामुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन टेंग, भोप(स

भोगल, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० म्राई० ए० ती०/म्राजैन/भोपाल/6099---म्रातः मुझे, एस० सी० णमी,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1, ●0,000/- रु. से जिधक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नंबर 164 (का भाग) पीट नंबर 72 है तथा जो सुभाष नगर एस० नं० 773 तह०, जिला जबलपुर में स्थित हैं (ग्रींग इससे उपाबक अनुसूची में ग्रींग पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीन पर्ता ग्रीधनारी के नायालय जबलपुर में रिजस्ट्रीन पण ग्रीधनियम 1908 (1908 पा 16) के ग्रीवीन तारीख मार्च, 1985

करं पूर्वोक्त सम्मिश्त के जीवत बाबार मूंल्य से कम के दरयमान प्रतिकत के लिए अन्तरिस की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने म्का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपीत का जीवत बाबार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिकत से, एसे दर्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है जीद अंतरक (अंतरकाँ) जीव अंतरिसी (अंतरिस्याँ) के जीव एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्निसित उद्योग्य से उसत अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं कृषं किसी काव की बाबस, अक्त जिसीनयम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी भन वा बन्ध शास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा अनकर अधिनियम, शा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के किए;

अतः अबः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्तः अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :---44---376GI/85

- (1) श्री देवी प्रसाद पिता ताराचन्द अग्रवाल, राइट टाएउन, जबलपुर । (अन्मरक)
- (2) केवल किशन पिता श्री कु दन लाल मिलक, सरस्वती कालोनी, जबलपुर-2 जूगल किशोर चावला, पिता **इन्द्र** लाल चावला, 537, छोटी ग्रोमती , जबलपुर ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त कम्पत्ति के अर्थन के विष् कार्यमाहिमा करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राध्यक में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को जी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृकारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत ब्वारा अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्थळकिरण: ---इसमें श्रमुक्त शब्दों कीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विका भवा है।

प्रमुसूची

ष्लाट नंबर 164 (का भाग) शीट नंबर 72, मुभाष नगर, (एस० नं० 773) तहु० जिला जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा मत्थापित फार्म संख्या 37-जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहाय ह आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 15-11-1985

प्ररूप बाइ , टॉं, एव, एस.,-----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 11 नवम्बर, 1985

निदेश सं ग्राई० ए० सी०/ग्रजैन/भोपाल/6100→ श्रदः मक्षे, एस० सी० शर्मा,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ौर जिसकी संव महान स्पृव नंव 17 हा भाग है हथा। जो अनु भूची में आँग पूर्ण रूप से विणित है) रिजर्डीहर्ता आधिहारी के कार्यालय जबलपुर में रिजर्डीवरण अधिहियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिशत उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत सकत अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अधे दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के विद्यु:
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिम्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए; और/या

अत: अन, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति स्थिक्तयों, अर्थात् :— (1) श्रीमती भंवर बाई, पत्नी रिखबदास भूरिया,
2 हूक्सचन्द, 3 ईश्वरचन्द, 4, प्रेमचन्द,
5. इंदर चन्द, 6. देवचन्द,
सभी पुत्र स्व० रिखब शस,
निवासी सराफ़ा वार्ड, जबलपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ग्रभय कुमार भुरा, ग्रात्मज श्री खुगाल चन्द्रभुरा, सराफ़ा वार्ड, जबलपुर ।

(भ्रन्सरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यग्रहियां करता हूं।

उक्त तम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बास्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति त्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का जो उक्त जीभीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया भवा है।

नम्स्पी

मकान म्यू० नं० 17 का भाग (तीन मंजला) का भाग सराफ़ा वार्ड, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका अन्तरिती द्वारा सम्पूर्ण विवरण सत्यापित कार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिनारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, भोषास

दिनांक : 11--11-1985

मोहर ;

भक्त वार्षः, हो तु दक्त पुरुष्ट अन्यवस्थान

भागकार नीधीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन सुजना

BUSH SERVE

कार्याच्य , सहायक नाय्कार काय्यच् (विरोक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिक्त 6 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपास/6101---ग्रतः मक्षे, एस०सी० शर्मा,

सायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसमें परचात् जनत निर्मात निर्मात क्या परचात् जनत निर्मात क्या परचा हैं), की पारा 269-क के नभीन समय प्रीभिकारी की वह विकास करने का कारण है कि स्थानर सम्मति, जिसका जिससे नाजार मूल्य 1,00000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० सम्पति , खूर्सी जमीन तथा मकान है तथा जो में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भनुसूची में भौर पूर्ण से विणित है) रिजर्ट्रीय तां भ्राधिकारी के नार्याक्त्य जबलपुर में रिजर्ट्रीय रण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिक्त बाबार मूक्त से कम के दृश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिक्त बाजार मूल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण संहुद किसी बाम की वावत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर बेने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बन्ने में सुविवा के निए; बौट/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वतः जब, उनत किंपिनियम की भारा 269-म को जनुसरण में, में, उनत जिथिनियम की भारा 269-म की उन्भारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:--- (1) श्रीमती जमअंत कौर पत्नी कर्नल जे० एस० साध् निवासी--6, मंडला रोड , जबलपर ।

(श्रन्तरक)

(2) मेसर्स जी० बी० सी० होटलस एन्ड श्राटो ट्रेडर्स (प्रा) लि०, मोटर स्टेण्ड, जबलपुर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वका चारी करके पूर्वोक्त सपरित के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हों।

उन्त राम्परित के भवीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकारन की तारीश सं 45 दिन की स्वृद्धि वा उत्तरम्त्री व्यक्तियों पद स्थान की ठानील से 30 दिन की नविष्त, को भी वर्षीय वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्रिक्स में से किसी क्राह्मित सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के जीतर अका स्थान्य सम्मित में हितनक्ष किसी अन्य स्थानत इनारा नृष्हिताकड़ी से नास सिवित में किए या सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त झब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

पनुसूची

सम्पत्ति मकान एवं नजूल प्लाट न 2 6/16, ब्लाक न ० 36 (ख) नं० 27 का भाग) सिविल स्टेशन, जबलपुर मे स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सस्पापित फार्म नं० 37जी मे निहित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 6--11--1985

मोइर :

प्रकृष बाइ. टी. एम. एस.----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत चरकार

आयन्तिय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्तण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6102--ग्रतः महो एस० सी० शमय

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

स्रोर जिसकी संवतायाल सिनेमा स्थापना, कन्द्रदेशन नंबर 685 है तथा जो गोरखपुर; जबलपुर में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय जबलपुर में रजिस्ट्री रण स्रधिनित्यम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नारीख मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उस्प्रमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और • भोर वह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके ख्यमान अतिफल से, एसे उत्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उत्यहिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से किशत महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन ना अन्य आस्तियों करे, विन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुतिभा चे सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अभीन, निम्नसिक्ति स्थितियों, जर्थात् ः— (1) मेसर्स पायल सिनेमा ईन्टरप्रा सेम,
ए फ्रम द्वारा मनेजिंग पार्टनर,
श्री जे० के० सेठी, पिता एस० ग्रार० सेठी,
504, नार्थ, सिविल लाईन्स, जबलपुर ।
द्वारा डायरेक्टर श्री लक्ष्मी नारायण,
पिता श्री मदन गीपाल कठिया,
ग्राफ़ पचपेड़ी, जबलपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उच्छ संपति के अर्थन के संबंध में कोई' भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविभि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचवा की तामील से 30-दिन की अविभि, जो भी अविभि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पाकारणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याम में दिया वजा है।

ममुस्ची

पायल सिनेमा स्थापना कन्सद्रकान नं० 685, गोरखपुर, जबलपुर में स्थित हैं। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण प्रन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनां क : 15-11-1985

प्रकृप जाइ .टी. एन. एस. -----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

. कार्याकव, सहायक कायकर बांगुक्त (निरीक्षक)

ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 15 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपःल/6103—ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संव पायल सिनेमा (भूमि खवनंव 530) शीट नंबर 293 है तथा जो गोरखपुर, जबलपुर में स्थित है (भीर इससे उपायद अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय जबलपुर, में रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन सारीख, मार्च, 1985

को पूर्वेक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के ज्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ज्यमान प्रतिफल से, एसे ज्यमान प्रतिफल का क्ष्म्यह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकास, निम्मिनिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में बालाबिक क्ष्म से क्षिक नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की नावत, उक्त अधि । नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के सिष्; और/या
- (क) एनी किसी बाग वा किसी धन वा बन्य जारियां।
 को जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए चा, डिपानं में सुनिधा के सिक्ट।

बतः जन, उक्त विभिन्नम की भारा 269-व के वनुसरण में, में, अक्त विभिन्नम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के तथीन, निकासिकिक व्यक्तिकारों, वृष्टित क्रिक्स (1) मेसर्स सुघाश्री इन्टरप्राइसेस जबलपुर, द्वारा मेनेजिंग पार्टनर श्रीमती सुधा सेठी पत्नी श्री जी० के० सेठी, निवासी~504, नार्थ सिविल लाईन्स, जबलपुर।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स वैभव इन्टरप्राइसेस लिमि०कलक्ता द्वारा डायरेक्टर श्री लक्ष्मी नारायण पिता श्री मदन गोपाल केडिया स्राफ पंचपेटी, जबलपुर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिप्र कार्यवाहियां करता हुं।

्यह अम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (य) द्भन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कव्या और पर्दो का, जो उक्त मायकर मधिनियम के मध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, बही नर्थ होगा को उस अध्याय में दिश क्या है।

वन्स्ची

भूमि साथ में बिन्टिंडग पायल सिनेमा के केम्पस में (मुमि खं नं ठ 530, शीट नं बर 293) गोरखपुर, जबलपुर में स्थित है। यह वह स्थावर सम्पति है जिसका सम्पूर्ण विवरण अन्तरिती द्वारा सत्यापित फार्म नंबर 38-जी में निहित है।

एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सह।यक ग्रायकर ग्रायुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल ग्रायकर भवन, मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक : 15-11-·1985

प्ररूप् आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज,भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6104—-ग्रतः मुझे, एस० सी० शर्मा,

जायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 1, तल मंजिल है तथा जो झानुग्रा टावर्स, 170, ग्रार० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इससे उपानद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित

है) और जिसके धन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए०बी० के प्रत्तर्गत सक्षम अधिकारी के कार्यालय भोपाल में मार्च, 1985 की पंजीकृत माना गया है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कब के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह निक्सास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविक्त में आस्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है अ—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के सायत्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मों, उक्त अधिनियमं की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) मेसर्स परिजात सिनेमेटिक इन्टरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड,
 170,ग्रार०एन०टी०मार्ग,इन्दौर ।

(भ्रन्तरक)

(2) जी० एल० खुराना,2. चौथमलकालोनी,इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

वनसूची

मनान नं० 1 (तल मंजिल) झाबुग्रा टावर्स, 170, ग्रार०एन०टी०मार्ग,इन्दौर में स्थित ई।

> एस० सी० शर्मा सक्षमप्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल ग्रायकर भवन मदा मिल के पास होशंगाबाद रोड, भोपाल

दिनांक : 5-9-1985

प्ररूप आहूं.टी.एन.एस.--- -

आफ्राकर **अधिनियम**, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

नार्व चरका

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई०ए० सी०/श्रर्जन/भोपाल/6105---श्रतः मुझे एस० सी० शर्मा,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमी इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अभीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास कर्म की कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं उद्घान नं 9 (तल मंजिल) की दुवान है तथा जो झावर टावर्स, 170 श्रार एन टी॰ मार्ग, इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) और जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए बी. के अन्तर्गत सक्षाम प्राधिकारी के कार्यालय भोपान में मार्च 1985 को पंजीकृत माना गया है

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उपित बाबार मृज्य से कम के असमान अतिफल के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्ताच करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाबार मृन्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे अयमान प्रतिफल का गन्तह प्रतिक्तत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तम पावा वृथा प्रतिक्रम, विम्नतिथित उद्योग्य से उन्तर बन्दरण विशिक्त में नाम्नतिक अस्य से अधित नहीं किया वसा के सन्न

- (क) बंदरण से हुए किसी शाव की नावतः, उच्छ कथि-निवस के अभीन कर दोने के बंदरक के सामित्व के कबी करने वा उससे वचने भें सुविधा के किए; बॉर/बा
- (च) ऐसी किसी बाव या किसी भन या बल्च शास्तियों की बिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गवा था किया जाना चाहिए था, जिमाने में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिविक्त व्यक्तियों, अधित् ;⊶ (1) मेसर्स पारिजात सिनेमेटिक इन्टरप्रासेस प्रा० लि० 170,आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर ।

(प्रस्तरः)

(2) श्रीए०एस०दुभाल, जावराकम्पाउन्ड, इन्दौर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के हाचपत्र में प्रकावन की तारीच चै 45 बिन की नविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 बिन की नविभ, जो भी नविभ नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितमों में से किसी स्थायत द्यारा
- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन को तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिम्बित में किस्यू वा क्केंचे ह

स्वष्टिकरणः — इसमें प्रयूक्त वच्दों बीट पदों का, को उक्त विभिन्नियम के बध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं वर्ष होगा को उस बध्याय में दिशा नवा है।

मनुसूची

दुकान नं 9 (तल मंजिल) की दुकान, झाबुझा टावर्स 170 श्रार० एन० टी 2 मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (नि र्रध्) श्रर्जनरेंज, भोपाल श्रायकरभवन, मैंदा मिलके सामने होशंगाबाद रोड़, भोपाल

दिनोंक : 5-9-1985

प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

भायकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरोंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/म्रर्जन/भोपाल/6106--म्रतः मृझे एस० सी० शर्मा

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने कर कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मूल्य है,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 104, प्रथम मंजिल, है तथा जो 12/2, श्रार० एन० टगौर मार्ग, इंदौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसुकी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए बी. के अन्तर्गत सक्षाम प्राधिकारी के कार्यालय भीपाल में अप्रैल 1985 को पंजीकृत माना गया है

को पृत्रींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के सिए उल्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोचित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उक्षेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कभी करने या उससे अभने में सुविधा के किए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 य की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निरिश्वत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- चौधर इन्डस्ट्रीयल एण्ड इन्वेस्टमेंट, (म०प्र०) प्रायवेट लिमिटेड,
 - 12/2, रविष्वनाथ टैगोर मार्ग, इन्दौर।

(ग्रन्सरक)

2. श्री नारायण दास जी मूंदरा, उज्जैन रोड, इंदौर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए 📞 कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यो

कामिशियल फ्लैट नं० 104, प्रथम मंजिल, 12/2, श्रार० एन० टी० मार्ग, इंदौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल श्रायकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

विनांक: 5-11-1985

मोहर '

शक्य वार्च <u>, डी., एष्.</u> एव .-----

भायकर मिपिनयम, 1961 (1961 का 43) की पाड़ा 269-म (1) के बचीद स्थान

91339 **424**12

कार्यालय, सङ्कारक नामकर वास्त्रत (मिरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांकः 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० मी०/ग्रर्जन/भीपाल/6107~-अतः मुझे एस० सी० शर्मा

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निर्धानयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के मभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

और जिसकी फ्लैट नं 206, द्वितीय मंजिल, है, तथा जो 12/2, भ्राप्त एन० टी० मार्ग इंदौर में स्थित है (ग्रीप्त है) इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीप्त जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए. बी. के अन्तर्गत सक्षण प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में अप्रैल 1985 में पंजीकृत माना गया है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से काम के अवनाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का करण है कि यथापृथांकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके अध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वोधय से उसत अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किखी अप की बावत उपद अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के समित्य में कनी करने या उसने बचने में स्वीवधा के लिए; गीर/या
- (थ) प्रेसी किसी जाव वा किसी भन वा अस्य बास्तियों की, जिल्हों भारतीय जायकर जभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते जभिनियम, या भन-कर अभिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया नया या वा किया जाना भाहिए था, कियाने में नविभा भी किसी;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को. मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के सधीर. जिम्मिलिसत स्यक्तियों, अर्थात् :--45-376GI/85

- चोधरी इन्डस्ट्रीयल एण्ड इन्प्स्टमेन्ट (म० प्र०) प्रायवेट लिमिटेड,
 12/2, ब्रार० एन० टी० मार्ग, इंदौर।
 (ब्रन्तरक)
- 2. श्री धीरज छपरवाल जिला श्री भरत छपरवाल, निवासी 14, रतलाम, कोठी, इंदौर । (श्रन्तिरती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोंक्त सम्मिति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

वन्त बन्द्रीतः से वर्षन से बन्दरभ में न्योद्देशी जाक्षेत्र :---

- (क) इक सूचना के राज्यन के प्रकारण की साडीच वे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्तों और पर्यो का, जो उक्त व्यक्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

कर्माणियल पलैट नंबर 206, द्वितीय मंजिल, 12/2, श्रार० एन० टी० मार्ग, इंदौर में स्थित है।

> एस० सी० शर्मा सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल आयकर भवन मैदा मिल के पास, भोपाल

दिनांक: 5-11-1985

मोहर '

प्ररूपः **मर्सः टी. एतः एस्**युम्बरण

आयकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के जधीय सूचना

गारत बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/ग्रर्जन/भोपाल/6108—ग्रतः मझे, एस० सी० शर्मा,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रौर जिसकी सं० मकान नं० 16 है, सथा जो लाई गंज जबलपुर में स्थित है (भौर इससे उपाब अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से विणित है)

और जिसके अन्तरण से संबंधित विवरण उक्त अधिनियम की धारा 269 ए.बी. के अन्तर्गत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय भोपाल में मई 1985 को पंजीकृत माना गया है

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निनिखित उद्देष्य स उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक अप भे कथित नहीं किया स्था है:—

- भिन्ने सन्तरण सं हुई किसी यास की शासता, समस क्रिकांत्रधम के स्वया की कार प्राप्त के प्राप्त के राष्ट्रिका से कारी कारण के प्रयास सम्बन्ध में ब्रास्थत के जिस्, जीर√या
- .ल) एसी किसी अब या किसी धन या क्य बास्सियों कर जिल्हों भारतीय भाय-कर बीधीनथण (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, धा जानका अधिनियम, धा जानका अधिनियम, धा जानका अधिनियम, धा जानका अधिनियम, धा को प्रशासनार्थ अन्तिरिती वृकारा प्रकट नहीं किया गया था या जिल्हा जाना वाहिए था कियान में प्रविधा औ विष्य;

बतः वय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, खर्थार :--

- श्री जयकृष्ण वारखेडकर पिता स्व० नारायण राव वारखेडकर,
 - 15, लाईगंज, जबलपुर।

(ग्रन्तरक)

 श्री राकेश कुमार जैन पना दयाचन्द जैन, लाईगंज, जबलपुर ।

(श्रन्तरिती)

का यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए फार्यनादियां करता हूं।

प्रकार प्रमास्ति के अर्थन 🖂 संबंध को कार्ड भी आओप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील खे 30 दिन की अविधि, जो भी नविध बाद में समस्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों यों ते किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति .
- (क) इस स्थान क राज्या में प्रकाशन की तारीय स 4.5 दिन के मीतर उस्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबहुध किसी कम व्यक्तित ध्वादा, वभोड्स्तासरी के पास विकित में किए का सकेंगे।

स्मध्दिकरण ,--- इसभ प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा आ उस अध्याय में दिया गरा है।

नग्सूची

मकान नं ० 16, लार्ड गंज, जबलपुर में स्थित है। यह बहस्थावर सम्पत्ति है जिसका सम्पूर्ण विवरण श्रन्तिरिती द्वारा मत्यापित फार्म नंबर 37-जी में निहित है।

> एस० सी० शर्मा गक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक : 5-11-1985

मोहरु 🔞

मक्य आर्थः टी. एन. एस.- ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के स्थीन स्थान

नारत क्रम्बार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्णन रोंज, बम्बई-3 बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश मं० श्राई-3/37जी/2682/85-86--श्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी की यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं जिसना जा हिस्सा, जो कोले कल्याण, जिसता सी उटी उप्सार नं उ 5636, एस उनं उ 301, एच उ नं उ 16, है, जो बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के वायिलया कि का कि अधीन दिनांक 1-7-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमाय प्रतिकृत के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्रियमान प्रतिकृत से, एसे दश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह् प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरि तया) के बीच ऐसे बन्तरक के लिए तय पाया जवा प्रतिकृत, निम्निलिखत उद्देष्यों से उच्त जन्तरण विविक्त के वास्तिक रूप से कृषित नहीं किया गया है है—

- (क) अफ्तरण से हुए किसी बाव की बावत, उनस् अभिनियम के अभीन कर बोने के अन्तरक के वायित्व मां कभी धारन या उससे बचने मां सविधा के जिए: अप्र/मा
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों का जिन्हें भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या जन- कर विधिनियम, या जन- कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वें प्रयोजनार्थ बन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

वतः वन, उक्त विभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में र उक्त अभिनियमं की भारा 269-ण की उपभारा (1) के वभीग, निस्नितिका व्यक्तिकों, संभात ह—

- 1. श्री एम० एस० जी० गार० एण्ड्रपू डींग्यस। (ग्रन्तरक)
- 2. गाला फाउन्डेशन, ।

(भन्त रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीं सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पूर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सजाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यास अभोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पाका करण: ---इसमें प्रयुक्त सम्बाँ और पर्वों का, वाँ उक्त निभावित के नध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विद्या नया है।

अनसची

जमीन का हिस्सा जो कोले कल्याण जिसका सि० टी० एस० नं० 5636, एस० नं० 301, एच० नं० 16, बम्बइमें स्थित है।

श्रनसुची जैसा कि विलेख सं० 921/82, भौर जो उप-रिजस्ट्रार बम्बई द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को रिजस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, **य**म्बई

दिनांक: 6-11-1985

प्रकथ आहु .टी. एन. एस. -----

भायकर लिपनियम, 1981 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन त्वमा

भारत सरकार

कार्यातम, सहायक आयकर नायुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेज-3, बम्बर्ष

बम्बई, दिनांक 6 नवम्बर 1985

निदेश सं० म्राई-3/37 जी/2683/83-84---म्रतः मृक्षे, ए० प्रसाद

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की क्षारा 269-ख के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रोर जिसकी सं जिमीन का हिस्सा, जो कोले कल्याण, जिसका सर्वे नं 301, एवं वं 18, सी वं टी एस वं वं 5634, स्ट्रवचर के साथ, जो बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर जो पूर्ण रूप से थिंगत है) रिजस्ट्री कर्ती अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री करण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 1-7-1985

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उजित्त काजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स, ए दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्निसिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में शास्तिका रूप से कांतरित

- (क) जन्तरण से हुदूर जिल्ही जाय की बाबत, उक्त अधिनियम् के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने वा अससे क्यमें में सुविधा के लिए; औष्/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, चिन्हें भारतीय बायकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के निक्

नतः जब, उक्त जीभनियम की भारा 269-ग के अनुसरण जे, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. एम० एउ० जी० म्रार० एण्ड्रम् डायस ।

(ग्रन्तरः)

2. गाला फाउन्डेशन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुई।

उनत संपत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी जाक्षेप '----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की शवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबव्ध किसी जन्य प्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस विखित में किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रमुक्त कब्दों और पदों का, जो अक्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित गया है।

मन्त्रभी

जमीन का हिस्सा जो कोले कल्याण, जिसका सर्वे नै० 301 एच० नै० 18,सी०टी० एस० न० 5634, स्ट्रक्चर के साथ बम्बई में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि विलेख र्न० 365/85, श्रौर जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा, दिनांक 1-7-1985 को रजिस्टर्ड किया गया ई।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-3, बस्कई

दिनाक 6-1-1985 मोहर : त्रक्य बाइं.टी.एव.एत.------

माजभार मिथिनियद, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-५ (१९ 3 मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज बमवई,

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम 'अकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उर्दित ग्रजार मून्य 1,00,000 'रु. से अधिक है

श्रीर िक्त की सं० खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 89, 90/23 91, 92, 93, 252 श्रीर 358, पेहलवान बाग, विहल के बोली सायन ट्राम्बे रोड, घेबूर हैं जो बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर इसा उनाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसान करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 कथा के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्चित वाकार मृस्य से कम के बच्चमान प्रतिकास के सिए जन्तरित की गई है और मुन्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथामुवॉक्त सम्मत्ति का उचित वाजार मृस्य, उसके बच्यमान प्रतिकास से ऐसे बच्यमान प्रतिकास के पन्त्रह इतिकात ने किंग्ने हैं और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (र.तिरिंग) के बीच ऐसे अन्तरण के अए तव बाया गया प्रतिकास, निम्नसिक्ति उद्वोद्य से उक्त अन्तरण किक्ति में वास्तविक रूप से किंग्न नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय करी नावतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने हर जिससे वचने में सुविधा के निए; और/
- (थ) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें रिसीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 के 11) या उपत अधिनियम, या धन-कट्ट अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अन्तरिती वृष्ट र प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा के निए।

अतः अस उष्ट अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अवस अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के सभीन, जिन्निसिवार अधिना, सभीत् ह— भ्रपूर ईडिया प्रायवेट लिल्, ।

(ग्रन्तरक)

2. मोहन तालाराम कुकरेजा।

(अन्तरिती)

को ६ वृष्यना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के दिन्ह कार्यनाहियां करता हुए ।

दक्त कन्नीत हो बर्चन हो संबंध माँ कीई भी बाक्षेत्र :----

- (क) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन की जबीध ा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्का की तासीस रे 30 दिन की जबीध, जो भी अविध बाद में समाज होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचमा के राज्यत्र अ त्रकालन का तारील से 45 दिन के भीतर उजन स्थावर संपत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति (वारा नथोहस्ताक्षरी के पास विविध्त में किए । सक्षीन।

स्वकाकिरणः --- इसमें प्रयुक्त शम्बों और पर्वो का, को उक्त अधिनियम, के प्रध्यं, 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्त्वी

खुल, जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं० 89, 90/2, 23, 91, 9क 93, 252, तथा 358, पहलवान बाग, किहलेज बोर्लासानि ट्राम्बे रो। चेंबजर बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-3/37ईई/17322/84-85 और जो चेक्षम प्राधिएकुरी बम्बट्ट द्वारा, ष्टिनांक 1-3-1985 व्वेज रजिस्टर्ड यकुक्षया गवा ई।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी चेह.यक ग्र.यकर ग्र.युक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रोंजब3, बस्बई

दिनांक 7-11-1985 मोहर: प्ररूप आर्च.टी. एन. एस. ------

भायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत करकात

कार्याजयः, सहायक वायकर बायक्यः (निरीक्षक)

श्रर्जन रेंज-3 बम्बई बग्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985 निदेश सं० **अई-3/**37ईई/17969/84-85—ग्रन. मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (मिस् इसमें इसके प्रकार 'उक्त किनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्तम प्रतिभक्तारों को यह विस्तास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० जमीन का हिस्सा, जिसका सी० एस० नं० 887, प्लाट नं० 27, व्हिलेज चेंब्र तालुका कुर्ला, बस्बई में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्ध अनुसुची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिन यस 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिन रिशे के वार्यालय में, रजिस्ट्री है दिनाक 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उकित काबार मूस्य से काम के काममान प्रिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुझे यह विकास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का अविद्रत काकार भूष्य, इसके व्ययमान प्रतिफल है, एसे व्ययमान प्रतिफल का पंक्षह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेषय से उक्त अंतरण लिखित भे वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी नाम की बावतः, करतः विधितियम से वधीम कर देते से अंतरक से उपित्य में नामी अपने या उससे वधने में स्वीतशा के लिए, और/बा
- (श) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य बास्तियाँ करा, जिन्हों भारतीय अग्रकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छियाने में सुविधा के लिए;

वतः वन, उक्त विभिनियम की धारा 269-न के वनुस्थन में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा 111 के अधीन, निम्नलिखिता व्यक्तियों, वर्धाक् ६ा श्री के० सी० महा ग्रौर ग्रन्थ ।

(अन्तरक)

2 श्री एस० एस० रूनवाल ग्रीर ग्रन्य ।

(ग्रन्तरिती)

भी यह सुकान जारी कराते पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्थन के सिए कर्ण्यतिहर्मा कराता हो।

उक्त संपरित में वर्षन के सम्बन्ध में कोई थी जाओप:----

- (क) इस सूचना के रायमन में प्रकाशन की हारीय में 45 विव की नवीं। या तस्तम्बरणी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 विन की सर्वीं।, जो भी मक्षि नाम में समान्य होती हो, के भीतर प्रवाक्त व्यक्तिमों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस निवित में किए जा सकेंगे।

नन्स्यो

जमीन का हिस्सा जिसका सी० एस० नं० 887, ज्लाट नं० 27, त्हिलेज, चेबूर, तालुका मुर्ली, बम्बई में स्थित है। श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/17969/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज-3, **बम्बई**

दिनां ।: 7-1-1985

अक्य बाइं.टी.एन.एस --------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्ब**ई**

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेण मं० श्रर्ष-3/37**ईई**/18341/84-85—श्रत: मुझे, ए**० प्रसाद**,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- ह से अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लाक करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूं

1,00,000/- रा. से अधिक हैं
प्रौर जिसकी मं० फ्लैट नं० 5, जो प्रेमिबिन्दु की-आप हाउसिंग
सोसायटी लि०, 1ली मंशिल, बालिगा हास्पीटल, के पीछे,
एम० बी० रोड, गोरेगांव, (प०), बम्बई-62 में स्थित हैं
(श्रौर इसके उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप के वर्णित हैं)
और जिसका अरासना श्रायकर श्रधि नियम 1961 की धारा
269 पत्र के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवार। के
कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-4-1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाबार मृत्य से कम के द्रश्यमान स्तिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विद्यात करणे का स्मरण है कि स्थाप्वोंक्स संस्थातिक का उचित पाणार बृत्य, उसके व्रथमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्यात से अधिक ही और अन्तरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरिरीद्यों) के बीच एसे बंतरिन के सिए त्य पाना नवा प्रिट-क्स जिल्लानिक स्वृद्ध से उनक कन्तरण लिखित में भारत-जिक क्ष्य के कित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण वं हुई जिली यान की बायत स्थल विधिकत के बधीन कर देने के जन्तरस दासिक में क्यी करने वा उत्तर्व वचने में सुविधा के जिए; मार/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयंकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया मना भा या किया जाना धाहिए था, क्रियान में स्विधा के लिए;

सतः यव, अवत अविधिवन की भारा 269-व की वज्नरण में, मैं, उ≩त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा -(1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्रा जयसिन्हा गोर्धनदास ग्राणर।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री सुणील जयन्त चित्रे ग्रीर ग्रन्य ।

(ग्रन्नरिती)

को यह स्थाना चारी करके पूर्वोक्त संपत्ति क्षे अर्थन के सिरु कार्यनाहियां करता हो।

वक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारी से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीस से 30 दिन की जबिंध, को भीत अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति वृक्तारा;
- (क) इस सूचना को राज्यपत्र में प्रकाशन की शारीब स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति प्रवारा जभाहरसाक्षणी के पास जिल्लिस में किए जा सकींगे।

स्वयद्भीकरण :— इंसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाधिश है, वहीं वर्ष होगा को उस वध्याय में दिवा वस है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 5, जो प्रेम बिंदु को-भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि० नियोजित 1ली मंजिल, बालिगा हास्पीटल के पीछे, एस० वि०रोड गोरेगांव, (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि कि के मं ० सई-3/37-ईई/18341/84-8 भीर जो सक्षम प्राधियारी बम्बई द्वारा दिनां । 1-4-985 को रिजस्टई दिया गया है।

> ए० प्रसाव सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-3, बस्बई

दिनांकः : 7-11-1985

प्रकृत आर्थ- हरे . एत . एस् . -------

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के नधीन त्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्स (निरक्षिण) भ्रर्जन रेंज-3, बम्ब ई

बम्बई, विनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० प्राई-3/37ईई/18671/84-85--- म्रानः मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निष्यास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अभिक हैं।

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 23, जो इमारत नं० ए/4, अलरत्व को भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, एस० वि० रोड गोरेगां (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनु भूची म ब्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ब्रौर जिसका करारनामा क्रायक_र ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रजिस्ट्री दिनांक 1-4-85 को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि य**भाप्**वींक्त संपत्ति का उचित बाजार शुस्य, उसके कायमान प्रतिकार से. एसे कायमान प्रतिकाल का 🧠 🖰 अभ्वरक (अन्तरकाँ) और यन्द्रह प्रतिशत से मिर बन्तरिती (अंतरितिवाँ) 🧸 ं श्रीतरण के लिए तब पावा नवा प्रतिफाल, निम्नसिवित उद्गेर्क से सम्बद्ध नन्तरुण निवित में बास्तविक रूप से कथिए मेर्डी किया गवा है है---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एरेनी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उचत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उचत अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् क्रिक 1. श्री महेण प्रकाश का श्रा

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती जनवंती बेन मनसुखलाल ठककर। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दियूक्त गया है।

वन्स्ची

फ्लैट नं० 23, जो इमारन नं० ए/4, बालरत्न को भ्राप० हाउमिंग सोसायटी लि०, एम० वि० रोड, गोरेगांव (प०) ु बम्बई-62 में स्थित है।

ग्रन्मुची जैसा कि कि सं प्रई-3/37ईई/18671/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी वस्वाई हारा दिनांक 1-4-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रमाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, **बम्बई**

विनांबः: 7-11-1985

प्रसम बाह्" , टी, एक., एव.,-------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के समीन सूचना

नारत सहकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्सण)

अर्जन रेज-3, बम्बई

बम्बई, दिलोक 9 भवम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/18238/84-85---अतः मुझे, ए० प्रसाद,

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भाग 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाकार म्रूच 1,00,000∕-रा. से अधिक है

प्रांश जिल्लको सं० पर्लंध न० सी०-46, जो, रजनीगंधा की-आए० हार्राणि म सेरणयही लि०, सोमानीग्राम, राज्य मंदिर रोड, गोरेगांव (५०), बम्बई-104 है एया जो बम्बई-104 में स्थित है (प्रांश इससे उपाबद अनुसूची में प्रांश पूर्ण रूप से बणित है), प्रांश जिल्लका करारणामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यास्य में रजिल्लीहै, सारीख 1-4-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दिश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिण) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्हिलिखित उद्दोष्य से उंत अंतरण हिस्ति में ब्रास्तिक रूप से अधित नहीं किय गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बावत उत्तर अभि-नियम से अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के मिए; वरि/या
- (च) एसी किसी नाव या किसी पन या कंन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाच प्रकट नहीं किया गया वा या किया आना आडिए या, कियाने में सुविधा वे लिए;

1. श्रीमती संतोय के वालिया।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता एस॰ भेड्ता

(अन्दरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो ।

उत्तर संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्थना के उप्पपत्र भें प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकत्यों में से किसी स्थित द्वारा;
- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीव वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा क्ष्टेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित है, यही कर्थ होगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

मनुसूची

पर्लंध नं० सी-46, रजनीगंधा की-आप० हाउरिंग सोजायटी लि०, सोमानीग्राम, राम मंधिर रींड, गोरेगोव (५०), बम्बई-104 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० वर्ष-3/37-६६/18238/ 84-85 मीर जो राक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-4-1985 को रजिल्स किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहस्रायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बस्यद्

বিদাক: 7-11-1985

श्रीहर :

त्रकम बाहाँ, सी. एन , एसं ह अन्यतनस्रवनसम्बद्ध

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
ं भारा 269--व (1) की अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिलांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-3/37-ईई/18129/84-85-अत: मुझे, ए॰ प्रसाद,

कायकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इनके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया ह"), की भारा 269-च से अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

प्रीत जिसकी सं० फ्लैट नं० 5, जो, 2री मंजिल, वर्दं म अपार्टमेंट, एस० वी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (प्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में प्रीर पूर्ण रूप से विणत है), प्रीर जिसका करारपामा आयगर अधिकरम, 1501 की धारा 269क, ख के अधीक, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के लार्यालय में पिट्टी है, स्रिटी में नि-4-1985 को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बागार मूल्य से कम के द्रमान प्रतिफता के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने अपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफस का प्रतिफत की प्राप्त प्रतिकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके प्रयमान प्रतिफल से, एसे प्रयमान प्रतिफस का प्रतिफत की प्रतिफत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) की स्थाप परे अन्तरण के लिए स्व भागा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योग्य से उसते अन्तरण कि लिए स्व भागा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्योग्य से उसते अन्तरण कि लिए स्व

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त अधि नियम के अधीन कर बाने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए;
 कार्य/था
- (क्ष) एसी किसी नाथ ना निज्ञी भन या जम्म् नास्तियों को, चिन्हें भारतीय जायकर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध- नार्थ जन्मीरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया वाना वाहिए था कियाने में सुनिभा के विष्ट;

अतः अवः उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अभीन, निम्नविधित व्यक्तियों, अर्थात् । 1. श्री अश्ण सागरमल भंडारी

(अन्तरक)

 श्री मती लक्ष्मीबेन ए० छेड़ा श्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह स्वान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकालन की हारीब से 45 दिन की अवधि या तत्माम्बन्धी त्यक्तियों पर स्थना की हामील में 30 दिन की अवधि, जो भी वबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृत्तिकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाजन की तारीक धैं 45 दिन के भौतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्धं किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए वा सकोंने।

श्यक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त कट्यों बीर पदों का, जो उक्त बीधनियम के बध्याय 20-क में परिप्राणित हैं, वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रमुची

फ्लैंट नं० 5, जो, 2री मंजिल, वर्दम अगटमेंछ, एस० बी० रोड़, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थिप है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-3/37-ईई/18129/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 7-11-1985

प्रारूप अंड्रिटी. एन. एस. ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक आयंकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

मिवेश सं० अई-3/37-ईई/17258/84-85--अतः मुझे, ए० प्रसाद,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि त्यावर सन्दित, जिसका उक्ति वावार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

जितकी श्रीसं० पलैट नं० 2, है जो, जय कृष्ण सुदामा को०-आप० हाउिल्म सोलायटी लि०, प्लाह नं० 16-ए० सर्वे नं० 161 (श्रंक), बागूर नगर, गोरेगांव, बम्बई-20 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगन है), श्रीर जित्तका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजरेट्री है, तरीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मूम्य वे कम के क्ष्यमाम प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि बधापूर्वोक्त संम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिफल का बन्त्रह प्रतिशत से जिथक है बौर करतरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब् पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य वं अक्त अन्तरण निचित्त में बास्तविक क्य वे कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) झन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्धरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन-पा अन्य मास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा वी सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में,, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, किम्मिसिश्चन व्यक्तियों, स्थात् :--- 1. श्री एम० वी० शिवरमन

(अन्तरक)

2. श्री जी० हरीश कुमार मेनन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्द में कोई भी आक्षेप :

(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 15 दिन की अविधि या तत्संबीध, व्यक्तियों पृष्ट स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो औ वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेषकः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवादा;

बंद्भ किती व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकारी के पाख लिखिय में किए या सम्बेंगे।

स्तृष्टीकरण: --- इसमें प्रयक्त अन्यों और पदों का, जो उनस श्रीधनियम, के अध्याय 20-क में परिधाणिक हैं, वहां अर्थ द्वांगा जो उस अध्यास में विका गया, हैं।

अनुसूची

फ्लैंड नं० 2, जो जय क्षण्ण सुदामा को-आप० हाउसिंग सोसायटी लि०, प्ताट नं० 16-ए०, सर्वे नं० 161 (ग्रंश), बांगूर नगर, बम्बई-90 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/ई/17258/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-3-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक: 7-11-1985

प्ररूप बाइ .टी. एव .एस .-----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

नारत चरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायूक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-3, धम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निवेश सं० अई--3/37-ईई/18361/84--85---अतः मुझे, ए॰ प्रसाद,

जायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रं. से अधिक हैं

भीर जिन्नकी सं० फ्लैट नं० 6, जो, इमारत नं० 8, सल माला, पिरामन स्मृति को०-आप० हाउकिंग सोलायटी लि०, एस० बी० रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), भीर जिसका करारतामा आयकर अधितिस्म, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन, बम्बई रियह रक्षम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजर्ड़ी है, रतरीख 1-4-1985 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के जीवत बाजार मृत्य से कम के स्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुखे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वमान प्रतिफल से एसे स्वमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए स्थ पाया प्रवाहित्रक, निम्नसिवित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण जिल्ला का प्रवाहत को बास्तिक रूप में अधिक नहीं किया गया है है—

- (क) मन्तरण से सुद्दें किसी नाय की बावत, उक्त निध-नियम के जभीन कर दोनेके जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; नौर/ख
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियी करें. जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, । अपाने में सुविधा वे सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के बधीन, निप्नस्थितित व्यक्तियों, कर्षात् :---

- 1. श्री ह्वमुखसाल कांत्रीलास नोटीसवासा (अन्तरक)
- 2. श्रीमती विद्या दौलतराम रामचंदामी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता है।

उसत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस मूबना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि न सर्वधि व्यक्तियों पर सूबना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीम् म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-किसी जन्म स्मिन्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ' सिखित में किए जा सकेंगे।

बम्स्ची

पसैट नं० 6, जो, हमारत नं० 8, सलमाला, पिरामल स्मृि को०-आप० हाउँचिंग सोनायटी लि०, एस० बी० रोड, गारेगोव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि के सं अई-3/37-ईई/18361/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-4-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाय सक्षम प्राधिकरी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-3, वस्मद्रै

ষিদাক: 7-11-198**5**

प्रक्ष ब्राइ. दी. एन. ५स. ---- ---

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यानय, सद्वायक भायकार नायुक्त (निरुक्तिक)

धर्जन रेंज-3, यम्बई

बम्बई, दिनांत 7 नथम्बर 1985

निदेश सं व मई-3/37-ईई/18328/84-85--मत: मुझे, ए० प्रसाद,

बायकर अधिनिंस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक परचात् 'उध्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के वर्धन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1.,00,000/- र. व अधिक ह

भीर िस्की सं० फ्लैट नं० 9, जो, इमारन नं० ए-4, बाल रतन को०-४१प० हाउदिम सो अयटी लिंग, महेश नगर, एए० बीठ रोड, गोरेगांव (प०), बस्बई-62 है तथा जो बस्बई-62 में स्थित है (फ्रीर इस्ते उपाबद धनुसूची में मीर पूर्ण रूप रे पर्णित है), और जिसता परारनामा आयार भावितियम, 1961 की धारा 269ी, ख के अवीत, बस्मी स्थित सक्षम प्रतिव तर्रा के कार्यों का में रिजिस्ट्री है, सार्राज 1-4-85 📠 प्रविक्त सम्पत्ति को उमित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान प्रतिरिक्त क सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित वाबार मुख्य, उसके दायमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल का वन्ग्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (बन्तरकाँ) बीड अन्तरिती (अतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिशित उत्दर्भ से उक्त बन्तरण बिबित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्या है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को जन्तरक की दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (अ) ऐसी किसी जाव या किसी धन या बन्य आस्तियाँ का, जिन्हें भारतीय वायकर मधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असी शी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

नतः मग, उक्त मधिनियम की धारा 269-न के अमृत्तरच् में, म', रक्त अधिनियम की भारा 269-म की खपभारा (1) 🕏 बर्धीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धांस् 🦫

ाः श्रीः नारायणन सुक्रमाण्यम

(ग्रम्बर्ग)

कैलाश बी० पुरोहित

(ग्रग्वरिवी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कीई भी बाक्षेप 2--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अवधि, जरे भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवाय;
- (वा) इस स्वनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीवा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवद्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाड लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः --इसमें प्रयुक्त अयदों और पदों का, वां उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अभ्यान में दिया गमा है ।

वन्स्ची

पर्नेट नं० 9, जो, इमारन नं० ए-4, बाल रता को०-ग्राप० हार्डीका सोक्षयो निरु, महेश नगर, एक बीठ रोड, गोरेगांव (प०), बम्बई-62 में स्थित है।

भनुसूची जैदा िः ऋ० सं० प्राई-3/37-ईई/18628/ 84-85 ग्रीर जो रक्षम प्राधिलरी, बम्बई द्वारा वित्रीक 1-4-1985 को र्रावस्टई विया गया है।

> ए॰ प्रसाद समम प्राधिकारी धहायम पायमर पायमत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनोक: 7~11~1985

मोहर ≗

प्ररूप बाह . टी. एन . एस . ------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक आयकर आग्क्त (निरीक्षण)
श्रजंन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, वितां ह 6 नथम्बर 1985

निदेश मं० ९६- 3/37- ईई/17294/84-85--- प्रतः मुझे, ए० प्रशःदः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्च:त् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रोर जिसकी सं० खुला जमीन का हिन्दा, मिस ता हर्ने नं० 146, एक० नं० 11, 90 किट, डी० पी० रोड, मुलुंड (पूर्व), दम्बई-400081 में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप के विश्वत है), श्रीर जिसता करारनामा श्रायक्तर श्रीधित्यम, 1961 की धारा 269म, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित रक्षम प्राधितारी के वार्यालय, में राजस्टी है, तारीख 1-3-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एस दश्यमान प्रतिकल का पन्यह प्रतिकल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी अग्य की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, जिन्माने में सुविधा के लिए;

नत: नभ, उनत निधानयम की धारा 269-न के अनुसरण में, में, उनत निधानयम की धारा 269-च की उपधारा (1) इ सधीन, निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती निलू उर्फ जनता एवं ठावरुर (भ्रान्तरः) *

2. मे उसं पटेन डेवल वर्स

(भ्रस्तरिती)

का यह सृष्ट्रना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पट्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्सूची

खुला जमीन का हिस्सा, जिंद्रमासर्वे नं० 146, एव० नं० 11, 90 किट की० सी० रोड, मुन्ड (पूर्वे), बन्बईन 400 031 में स्थित हैं।

श्रापुत्री जैना कि ऋ० सं० ग्राई-3/37-ईई/17294/ 84-85 श्रीर जी सक्षम प्राजिकारी, अन्त्रई द्वारा दिसांत 1-3-1985 को रिजस्टर्ड निया गर्जा है।

> ए० प्रजाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंअ-3, वस्वर्ध

विनोबः: 6~11-1985

प्रकप आई. टी. एन . एसं . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंजं-3, बम्बई

बम्बई, दितांक 25 श्रक्तूबर 1985

ितदेश सं॰ धर्द-3/37-ईर्दे/17747/84-85--धर: मुझे, ९ ए॰ प्रस्तद,

बायक र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अतरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य वास्सियों की, जिन्हों भारतीय बायकार अधिनियम 1922 हैं 1922 का 11) या छक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया पत्रा था या किया थाना वाहिए था, छिपाने भे दिवा के लिए?

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. थी एम० ए५० जी० धार० एन्ब्रवू सामस (अन्तरः)
- 2. गाला फाउन्डेशन

(भन्तरिसी)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्हम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की उविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वना के राजण्य में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकने।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनिजय के अध्याय 20-क में दरिभाषित हैं, यही वर्ष होना यो जन अध्याय के विका नम है।

ग्स्**यी**

जमीन, जो स्ट्रश्चर के साथ, कोले वरुपाण, जिल्हा सी० टी० एम० नं० 5634, सर्वे नं० 301, एव० नं० 18, स्रांताश्रुव, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई--3/37-ईई/17747/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बई द्वारा दिनां। 1-3-1985 को रिजस्टर्ड निया गया है।

> ए० प्रपाद सक्षम प्राप्ति गरी सहायक प्रायक्तर धायुका (निरीक्षण) प्रजैत रेज-3, धन्त्राई

विनक्षि: 25-10-1985

अक्ष बाइं.टी.एन.एस..-----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर बायुक्त (निर्देशक)

पर्जन रेंज-4, बस्दई

बम्बर्ध, दिनोहः 5 नदस्बर 1985

निदेश सं॰ ऋई--4/37-ईई/16021/84-85---अतः मुझे, सक्मण दास,

भागकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भौर जिसका सं॰ पनैट नं॰ 60, जो, 3री मंजिल, रहाम इमारन, एस॰ बी॰ रोड, लांदियती (प॰), बम्बई-67 है तथा जो बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इस्तो उपायड अनुसूचों में भौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसता परारनामा श्राय-र श्रीविनियम, 1961 की घारा 269 है, ख के श्रीत, बम्बई स्थित रक्षम श्राविकारी के कार्यात्य में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का यम्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य बास्तियों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वाया प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

नत: सन, उक्त निधनियम की धारा 269-म के नन्सरण ने, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के नधीन, निम्नसिविध व्यक्तियों, संधार कच्च ा. बीसवी एस० बी० मेहता और धन्य

(प्रम्बरक)

2. मेससं हिरालाल एण्ड सम्पनी

(मन्तरिती)

को यह स्वका चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हूं।

सक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप $\frac{1}{\chi}$

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर प्रस्कान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि माद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (थ) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन्ददभ किसी अन्य विकत द्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास निधित में किए या सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को अक्छ -अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

घनुमूची

पतिंट नं० 60, जो, 3री मंजिल, (स्त्यम) स्त्यम इमारत, एस० वी० रोड, कोदिवली (प०), बन्बई-67 मैं स्थित है।

धनुसूर्वा जैसा विः क० सं० प्राई-3/37-ईई/16021/84-05 धीर जो सक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा विनोक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> शक्सण दास समय प्राधिकारी सहायच श्रावचर श्रायुक्त (िरीक्षण) सर्जन रेंज⊶4, सम्बद्ध

दिमोक: 5-11-1985

प्रकप आई.टी.एन.एड.------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (जिरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-4, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

जावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, जो, इमारत नं० ए, कमला नेहरू काम रोड़ नं० 1, संबवी श्रपार्टमेंट, कादिवली (प०), बम्बई-67 हैं तथा जो बम्बई-67 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिमका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मून्य से कम के दृश्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्त्रोंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उतके दृश्यमान प्रतिकास से एसे दृश्यमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और एसे अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तथ पाया चया प्रतिकात, निम्नतिथित उद्देश्य के उच्छ अन्तरक जिथित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है है—

- (क्र) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त आधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में अभी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाय का किसी धन या बन्य अस्तियों को जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः जब, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण हों, भीं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मीमीकत व्यक्तियों, वर्धातः :----

1. श्रीमती गीता विनोद शहा।

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती रमा एन० देमाई भीर भ्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षान के संबंध मां कार्ड भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी स्पितित्यों पर सूचना की तामील से 30 विन की सर्वीध, जो भी अवधि शव में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वीक्त स्पित्तियों में से किसी स्पितित व्यक्तिया;
- (च) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारींव से 45 विन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा झो उस अध्याय में दिया गया है।

सनसूची

फ्लैंट नं० 6, जो इमारत ए संधवी अपार्टमेंट, काँदवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-4/37-ईई/15720/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास संक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 5-11-1985

मोहरु 🖫

प्रकप बाइं.टी. इन . एस . ------

नाक्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सुमना

नारत तरकार

कार्यासन, राहासक जानकर आयुक्त (निर्देशिक)

ग्रर्जन' रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निदेण सं० ग्राई-4/37-ईई/15667/84-85--मतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) विका इसमें इसके पर्ववात् 'उक्त अधिनियस' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार बुक्व 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

1,00,000/-रु. सं निषक हैं
और जिसकी सं० दुकान नं० 12, जो तल माला, घनश्काम नगर, प्रिमायसेस को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, लिकमदास रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिनका करारनामा श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्रिधिकारी के नार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को प्रविक्त सम्पत्ति के उपित बाधार मृश्य हे कब के स्वकाल गितफल के निए बन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास करमें करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाधार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे वश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब वाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्यक्त सं उक्त अन्तरक लिखत में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरच से हुइ किसी बाव की, बाबत, उचत अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के पायित्व में कभी करने वा उसते बचने के स्विधा के तिए; और/वा
- (क) इसी किसी मान या किसी थन या अन्य आस्तिनों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ता अधिनियम, ना धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरित ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुविवा के लिए;

जतः वयं, उक्त अविनियमं की भारा 269-न के अनुसरक की, भी, उक्त अभिनियमं की भारा 269-च की उपभारा (1) -के अभीन, निक्तिविक्त व्यक्तियों, अभीत् हुन्न- 1. श्रीमती गीताबाई वे० फड़ते -

(ग्रन्तरक)

2. श्री टी० एच० छाबीया

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

जनत सम्पत्ति को सर्वन को सन्वन्ध में कोई भी नाकोप रूप्प

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से-45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इतत्वना के राज्यन में प्रकाशन की तारीज ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिखकपूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्त्रव्यक्तिरण :---इतर्जे प्रयुक्त शब्दों और वर्षों का, वो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क के परिजाणिक इ., वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस्स वता हैं ध

अनुसूची

वुकाम नै० 12; जो तलमाला घनस्याम मगर प्रिमायसेस को० ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, विकमदास रोड, कोदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं।

भनुसूची जैसा कि कि के सं० भई-4/37—ई/15667/84–85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1–3–1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 5-11-1985

इक्न बाइ a टो ्र पुन . एस ु-----

बार्कर निर्मानक, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म् (1) के न्भीत बुक्ता

MIST STATE

कार्यान्त्र, बहार्क नारकर वान्त्व (निर्देशक)

प्रजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/15548/84-85--- प्रतः मुक्षे, लक्ष्मण वास,

नायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इंड के इसके पश्चात उक्त निधिनयम कहा गया हैं) की भारा 269-च में निधीन सक्षम प्राधिकारी को, नह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उज्जित नावार मुख्य 1,00,00-0 रा. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० की/18, जो, श्रोम श्याम सरजीत को०त्प्राप० हाउसिंग सोसायटी, मथुरादास रोड एन्ड, कांदिवली (प०), अम्बई-67 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, अम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्कित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उष्वित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिर में वास्त्विक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरुष् वं हुई कियी शाव की नान्त्, अवह वृधिनिवृद्ध के स्थीन क्षर को के नृत्तुरक को कवित्य में कनी करने वा नवसं स्थान में वृद्धिभा के तिए; महि/ता
- (क) पुरी किसी काय या किसी धन मा कन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकार बीधनियम, 1922 (1922 का 31) या उक्त व्यक्तियम, या भूत-कार बीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बनारिती हवाश प्रकट नहीं किया न्या वा वा किया माना वाहिए वा, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) अ वर्षान् निभनतिक्त व्यक्तिकों मुन्यां हिल्ल 1. श्री एचं० के० शहा

(अन्तरक)

2. श्रीमती निर्मेला जी दावडा ग्रीर ग्रन्य

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति वृत्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुपुची

पलैट नं बी/18, जो, भ्रोम म्याम सरजीत को भाप हार्जीसन सोसाईटी, मथुरादास रोड, एन्ड, कांविवली (प०) बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि कि सं श्रई-4/37-ईई/15548/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक $1 \rightarrow 3 \rightarrow 1985$ को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~4, बम्बई.

दिनांक: 4-11-1985

प्रकल ुवाहे , दी, एन, एच्छ सन - - -

नामकर निधित्तियन, 1961 (1961 का 43) की नारा 269-व (1) के नभीन श्वना

भारत सरकार कार्यासय, खड्डायक बावकर काम्यत (निर्दीकर्ण)

ग्रार्जन रेंज-4, बम्बई

सम्बद्ध, विनांक 5 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० ग्रई-4/37-ईई/15709/84-85---प्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः,

श्रायकार अिशियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पर्वाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

शौर जिल्की सं० फ्लैट मं० 406, जो, 4थी मंजिल, अतूल टावर, मथुरादाम एक्सटेशन रोड, दक्तानी ग्राम के पास, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण इप से वर्णित है), शौर जिसका कररारनामा आयकर श्रीधनिवस, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई सक्षम स्थित प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उपालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के वार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख का उपाल शरा करने का वार्य है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उपात बाबार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एखे स्थ्यमान प्रतिफल का स्वार्य स्थान से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अस्तोरात्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पाया गया प्रिजिक निम्नतिखित उद्वेख से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से किमत नहीं किमा पना है।

- (क) बनारल वे हुई रिक्वी बाद की कार्त, करत विभिन्दित के वधीय कर दोने के क्लाइक की वासित्व में करी करने वा उत्तत्ते क्यूनं में तुविधा के लिए; वरि/सा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था क्रियाने में सुविधा के निए;

वतः वन उक्तं विधिवयम की धारा 269-य के वज्रहरक् मों, में, उक्तं अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, रिक्निजिकिक व्यक्तियों, वर्षाक् ध--- 1. मै॰ अतुल डेवलोपमेंट कारणोरेणन

(भ्रन्तरक)

2. डी० एस० मुलये

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्ट सम्मक्ति के कर्जन के निए

कार्यवाद्यां करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दा किसी कन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पत्त विविद्यत में किए का सकोंगे।

स्थकाकिस्थ :--इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया ही।

वभूसूची

पलैट नं० 406, जो, श्रतूल टावर, मथुरादास एकपटेंशन रोड, 4थी मंजिल, दत्तानी ग्राम के पास, वांदिवली (प०), कम्बर्फ-67 में स्थित है।

मनुसुची जैसा कि कि के संब प्रद्र-4/37-ईई/15709/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक $1-3\sim1985$ को रिजस्टड विधा गया है।

लक्षमण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांबः: 5-11-1985

मोहर .

प्रसम् बाइ", टी. १व., एव., क्ला-----

बायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के अधीन सुम्ता

भारत सहकार

अयस्व, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० घर्ड-4/37–ईह्/15771.84–85–—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिथिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उरुसे क्याने में सुविधा के लिए, बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन्- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना काहिए था, कियाने में सुनिभा के सिए;

बत्तः अथा, उक्त विभिनियम श्री भारा 269-ग के बनुसरण मों, माँ, उव अधिनियम की धार 269-च की स्पधारा (1) के अभीन, जिल्लांकत स्रोकतयों. वधारी — 1. श्री एस० ए० हतीयारी

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स जय गोप ल प्लायबुड

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी काउके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में सम्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं इसे 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्थाक्षरी को पास सिवित में किए जा सकोंगे

स्यष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त कथ्यां आर पर्यों का, जो सक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित है, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन्सूची

दुकान न० 6, जो, तल माला, भानष अपार्टसेंट, डा० वलकी रोड़, कौदिवली (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कल्सं श्रई-437-ईई 15771, 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनौक । 4-11-1985 मोहर: शक्त आर्था थी. प्र∃ पुर्वाव-आव----

मेसर्स जे० ए स० बिल्डर्स

(प्रन्तरक)

2. श्री एस० सी० गहा

(म्रन्त रती)

धारकर नीभीतरन, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-व (1) के स्थीन क्षता

तारक सुरकार

आवांतम, सहायक नामकर नामुक्त (निरीक्षण)

म्प्रजेन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/15726/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

कावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) चिन्ने इस्कें इसकें इसकें इसकें इसकें इसकें इसकें इसकें इसकें इसकें 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाचार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० पलैट नं० 2, जो, तल माला, भिरा भपार्टमेंट, ए-विंग, एंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 सें स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भनुसूची सें भौर पूर्ण रूप से वर्णित है). श्रौर जिसक करारनामा भायकर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी में कार्यालय सें रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्विक्त सम्परित के उण्चित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ब्रह्म, उत्तके कदमान प्रतिफल को, एसे अवनान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचल से बिमक है और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरियी (बन्त्रितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तुन् पाना ग्वा हित्कन, निम्नसिदित स्वृद्देन से स्वत्त बन्तरण निवित्त में स्वस्तिक कम से अधित महीं किया गवा है है—

- (क) जन्तरण ने हुई किसी भाग की शायस, उन्त वीधीनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे यक्त में सुविधा के लिए; जोर/या
- (क) इंडी किसी नाव वा किसी भन वा बैन्य नाहिस्तानी की, चिक्ने भारतीय नाव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तर निर्मान्त्रम्, वा भूद-कर निर्मानयम, 1957 (1957 का 27) ने हवोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना वा किया चाना चाहिए अर. कियाने में सुविधा के किया;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण भों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्ननिर्वित व्यक्तियों, अधीत् ध— को वह त्वना वार्टी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिहु कार्यवाहियां करता हुते।

हक्त संपरित के वर्षन् के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस भूजना में प्राव्यत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की जबिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर बूजना की तामील से 30 दिन की जबिभ, वो भी बृद्धि वास में बुमाप्त होती हो, के भीत्र पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियु ब्वास्ट;
- (थ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा वधोइस्तासरी के पाड विविद्ध में किए या इस्तेन।

स्वक्षीकरणः — इवने प्रवृक्त कक्षों और पदों का, यो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित-इ, वहीं वर्ष होना, यो उत्त बुध्याय में दिवा नदा है।

यमुप्त

फ्लैट नं० 2, जो, तल माला, गिरा भ्रपार्टसेंट, ए-विंग, शंकर लेन, कौंदिवली (प०), बम्बई-67 सें स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि के सं ग्रई-4/37-ईई/15726/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्राय**कर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनौंक: 4---11---1985

प्ररूप बाहाँ. टी. एम. एस. --=---

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4. बम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निदेश स० म्नई-4/37-ईई/16002/84-85-म्ब्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र भाषार मूल्य 1.,00 000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी स० फ्लैट नं० सी-8, जो, तल माला, राज रचना ग्रागर्टसेंट, हेमू कालोनी, कास रोड नं० 3, काँविवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्राधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वेक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एते अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि निए ते वास्तिक के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गवा है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के िलए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए:

अतः अतः अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मैं० स्टलिंग बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती कमलावती बी० शहा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पळितिकरणं:--इसमें प्रय्कत शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैट नं० सी-8, जो, तल माला, राज रचना श्रपार्टसेंट, हेगू क लोनी, कास रोड, नं० 3, काँदिवली (प०), बम्बई-67 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं० श्रई-4/37-ईई/16002/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिक री, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनौंक: 4-11-1985

मोहरः

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बभीन सुभना

भारत परकार

कार्याभय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्रण)

प्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दनाँक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई--4/37-ईई/15570/84-85---प्रातः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को रह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 48, जो, 4थी मंजिल, शिवम इमारत, एम० बी० रोड, फतेह्वाग, काँदिवली (प०), बम्बई-67 सें स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिमका करारनामा ग्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विधवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिए द्य बाया गया प्रतिफल, निम्नीतिवृत्त उत्तरिय से उच्च अन्तरुष्ट्य सिवित में वान्तविक इय से कथिए नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय जी वाबवा, सबक शिवनियम के व्यक्ति सक्त दोने के सन्तरक के ग्रामित्व में कभी करने वा प्रवस क्यने में सुविधा क निए; सरि/वर
- (क) एती कियी भाग ना कियी भग ना नाच नास्तिनी को, चिन्हों भारतीय भाग-कार निविद्यम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त अधिनियम, वा धन-कार मौधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रवोधनार्थ बन्तरिती वृतारा प्रकट नृहीं किया नवा धा वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविद्या को खिए;

क्याः सम, उस्त मधिनियम की भारा 269-ग के मन्सरण में, में, असत अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स राजलक्ष्मी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती श्रार० एन० माकन।

(भ्रन्तरिती)

को बहु श्वमा कारी कारके पूर्णेक्त संप्रक्ति के वर्षन के जिल्ला कार्यवाहियां शुक्त करता हुं।

ड क्त श्रेपरित के वर्षण के बंदंभ में कोई भी बाक्षेप 🎞

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की नविध, को भी नविध बाद में समाप्त हमेरी हो, के भीतर प्रोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति (वारा)
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किचित में किए का सकीने।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त कन्दों बीर पदों का, को उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिजाबिक्ष ही, कही वर्ध होगा को उस अध्याय में दिवा नथा है।

वयुक्तवी

फ्लैट नं० 48, जो, 4थी मंजिल, शिवम इमारत, एस० वी० रोड़, फतेहबाग, कॉंदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37—ईई/1557084-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम पाधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज–4, बस्बई

दिनाँक: 4-11-1985

मोहरः

प्ररूप आर्च, टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

गाया संस्थात

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अ**६**-4/37—**६**ई/15742/84-85—अनः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 26'}-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मस्य 1,00,000/-रू में अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 25-बी, जो, 2री मंजिल, दत्तानी अपार्टमेंट नं० 4, पारेख नगर, एस० वी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं (भौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति को उ<mark>षित बाजार मूल्य से कम को दश्यमान</mark> प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्शकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से किथक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के चैच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य में उसत बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यायित्व मों कमी करने या उत्तसे बचने मीं सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

भत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के जन्मरण मो. मो. तक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मतिकित व्यक्तियों, अर्थाम् :— 48—376GI/85 1. श्री भतीलाल पी० पारेखा।

(अन्तरक)

2. श्रीमती एय० ए० गिदे।

(अन्तरिती)

का यह सुधना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत संबक्ति को अफर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधीत्रस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरण '--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया ही।

मन्स् प्री

फ्लैप्ट नं० 25-बी, जो, 2री मंजिल, दत्तानी अपार्टमेंष्ट नं० 4, पारेख भगर, एस० बी० गेंड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई०/15742/ 84-85 स्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिशांक 1-3-1985 को रिजस्टिंग्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम पाधिकःरी इहायक अध्यकर आुक्त (शिरीक्षण) अर्जभ रेज-4, अम्बई

दिमांक: 4-11-1985

प्रस्य भाष्ट्री थी. एम्. एस. उत्तर्भावतात

बायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) में स्वीन स्वा

मारत सरकार

व्यवस्थित , उहायक बायकार बायुक्त (जिह्नीक्षण)

अर्जम रेंज-4, धम्बई

बम्बई, दिमांक 4 मवस्वर 1985

निर्देश सं० अ**ई-**4/37—ईई/15861/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैंकि स्थायर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-301, जो, उरी मंजिल, शांता अपार्टमेंट्स, 369-सी०, एस० वी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन सारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृष्य से कम के दश्यमान प्रतिक्रस के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाबार मृज्य, उसके दश्यमान प्रतिक्रस से, एने दश्यमान प्रतिक्रस का पत्नह प्रतिक्रत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और अन्तरित (जन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरक के सिए तथ पाथा जबा प्रतिक्रस, निम्निजिबित उद्देश्य से उस्त बन्तरक विशिष्य में अस्तरिक एस से किया का कि स्मा

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-शियक के अधीन कर दोने के अस्तरक के शासित्य में कजी करने वा कवने बचने में सुविधा के लिए; बीर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ बन्तरिती ब्याता प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मेसर्स सम्प्राट बिल्डर्स ।

(अन्तरक)

2. मेसर्स टीमा स्टिल्स ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कर्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजींक से 30 दिन की अविधि, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी बच्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बाह्य विविक्त में किए वा सकोंगे।

स्वकाकिरण :---इसमें प्रयुक्त करूरें और वर्षे का, वो उससे विश्वित्वत के वश्वाम 20-के में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विसा वस हैं कि

नन्त्रकी

फ्लैंट नं॰ ए-301, जो, 3री मंजिल, शांता अपार्टमेंट्स, 369-सी, एस॰ वी॰ रोड, कांधिवली (प॰), बम्ब ξ -67में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० आई-4/37—ईई/15861/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेज-4, बम्बाई

दिमांक: 4-11-1985

धक्य ब्रह्मं ् टी., एव ् एक् , अ----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) ने मंधीन सूचेना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकार वायुक्त (निर्विक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिशांक 4 भवम्बर 1985

तिर्वेश सं० अई-4/37—ईई/15762/84—85——अन: मुझें, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा ₄९९-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-204, जो, 2री मंजिल, शांता अपार्टमेंट्स, 369-सी, एस० बी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 है तथा जो बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रांर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर विस्ता करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख क अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के हार्याच्य में जिस्सी है, नारीख 1-3-1985

कारा के स्थालय में जिस्से हैं, तिराख 1-3-1985 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के स्ववास प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार बृख्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्नूह प्रतिश्वत से विश्व हैं और बंतरक (वंतरकों) और बंतरिती (वन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नितिविद उद्वेश्य से उक्त बन्तरण सिचित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दानित्य में कभी कड़ने वा उत्तर विषये में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाब या किसी धन वा अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा वै सिस्:

1. मैंसर्स सम्बाट बिल्डर्स

(अन्तरक)

2. मैसर्स टीना स्टिल्स

(अम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपरित के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानता में से किसी स्थानत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कुश किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पत्ति निविद्य में किए का सकींगे।

स्पष्डिकरण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, आ उक्त वृष्टिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बहुी वर्ष होया को उस अध्याय में विया मन्ति हैं।

नगर जी

फ्लैंट नं० ए-204, जो, 2री मजिल, शांता अपार्टमेंटस, 369-सी०, एस०वी० रोड़, कादिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० यं० आई-4/37-ईई/15762/ ६4-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 का रोजल्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयश्य जायुक्त (निरीक्षण) जोती रेज-4, बस्बई

अतः अर्थः, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्सरण में, में, उक्तं अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) में सभीन, निम्नतिथित व्यक्तियों से स्वार्त =--

न्यगिख: 4-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

मिर्देश सं० अई-4/37-हैर्ड/15602/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'जनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मंल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संव फ्लैट नंव 002, जो, जीव केव नगर,
हमारत नंव 1, एंकर लेन, कादिवली (पव), बम्बई-67
में स्थित हैं (प्रौर हमप उपाबद्ध अनुश्ची में आर पूर्ण स्था
से बणित हैं), प्रौर जिसका करारकामा आयतर अधितियम
1961 की धारा 2695, ख के अधीत, बम्बई स्थि। सक्षम
प्राधिकारी के पर्यात्य में रिक्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मझी यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एंसे स्वयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक (अन्तरकों) और अन्तररिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्दाय से अक्त अन्तरण लिखित में
भारतिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाइत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के प्रायित में कभी करने या उससे बचने में सूर्विधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हें भारतीय आरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धास 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उल्ल अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) को अधीन, निम्निलिकत व्यक्तियों, अधीर :--- 1. मैसर्स आशिश कन्स्ट्रम्यन्स

(अन्तरक)

2. श्री एन० एम० मोदी (हि० अ० कु०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो. भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

पर्लंट नं० 602, जो, जी० के० नगर, इमारत नं० 1 शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-८. में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/15662/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाव 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दार सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्ब

दिनांक: 4-11-1985

प्ररूप आहु .टी. एन. एस. -----

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई- /37-ईई/16003/84-85---श्रतः मुझे , लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसमें प्रथात जिथिनियम कहा गया है), को धार 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 1, जो, राज रचना श्रपार्टमेंट, हैमू कालोनी, कास रोड नं० 3, कॉव्यिकी (प०), बम्बई में रियत है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्ष्म से बर्णित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से लक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक राम में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आए की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या िकसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अयं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन,

1. मैं० स्टॉलग बिल्डर्स

(श्रन्नरक)

2. श्री भगवान दाम एस० शहा ग्रौर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि या तत्यंत्रंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तिया में स किसी व्यक्ति दुवारा,
- (स) इस सूचना के राष्ट्रपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा ज उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं० 1, जो, राज रचना श्रपार्थमेंट, हेम् कालोनी, काम रोड नं० 3, कॉरिबली (ग०), बाबई में स्थित है ग्रन्सूची जैंगा कि क० पं० श्रई-4/37-ईई/16003/81-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई बारा दिनाँक 1--3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-4, बस्बई

दिनाँक: 4-11-1985

वक्त वार्षाः, दौः, दवः, एषः,---------------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-म (1) के वभीन सुभवा

गाउँव वरकार

कार्यासय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-4, बस्बई बम्बई, दिनाँक 4 नवस्वर 1985

निर्देश सं० **प्रई-4/37-**ईई/15859/84-85—ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास,

भावकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गवा हैं), की भाषा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारु मृस्व 1,00,000/- रा. सं अधिक है

प्रौर जिसकी मं० पलैट नं० ए-202, जो, 2री मंजिल, माँता प्रपार्टमेंटम, 369-सी०, एम० वी० रोइ, काँविवली (प०), बम्बई-67 है तथा जो बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची सं ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित, है), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वोक्स सम्पत्सि के उचित्त बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित्त बाजार मूल्य उसके धर्यमान प्रतिफल से, एसे धर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से विधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्विक्या गया प्रतिफल, निम्निविधत उद्योग से स्वत अंतरण किया गया प्रतिफल का सं किया गया प्रतिफल से स्वत अंतरण किया गया है किया गय

- (क) अन्यरण सं हुई किती बाज की वायतः, जनसः अधिनिक्य के अधीन 'तर दोने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने ा उससे वजने में सुविधा के जिल्हा और/का
- (क) एसी किसी बाम या विश्ती धन या अन्य वास्तियाँ को विक् धारतीय का कर जिम्ही धारतीय का कर जिम्हीनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत जिम्हीनयम, या धरकर जिम्हिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा व विषय।

बत: अव, उनत अधिनियम क' धारा 269-ग के अनुबरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—-

1. मैं मर्स सम्प्राट बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्स टीना स्टिस्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चला जारी करके पृत्रोंक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की अविधि या तृत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इब ब्रुचना वै हाज्युक् में प्रकारन की सारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर मंपत्ति में हिसबब्ध किसी अल्प व्यक्ति द्वारा अथाहस्साक्षरों के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्हीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याह्

नमृस्ची

फ्लैट नं॰ ए-202, जो. 2री मंजिल, गाँता ग्रपार्टमेंटस, 369-मी॰, एस॰ वी॰ रोड, कॉदिवलो (प॰), बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कि० सं० ग्रई-4/37—ईई/15859/64—85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, यम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई /

िनॉक: 4--11--1985

मां हर ः

प्रकल बाह्र टी, एन, एस,------

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन स्वना

tige traffit

कार्याबय, रहायक जायकर आयुक्त (निर्काशक)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

् निर्देश सं० म्राई-4/37-ईई/15399/84-85---मतः मुझे,

बायकर भौधितियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इस्वे इसके परवात् 'उक्त अधितियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मुख्य 1.00,000/- उ. से अधिक हैं

भौर जिस्का स्ट प्लैंट नर 21% जो 1ई स्विष्ट जिं के नगर, इमारत गं), शकर लेन, कांदिवसी (प), बस्बई-67 है तथा जो बस्बई-67 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रामकर श्रीधिनयम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मून्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृथोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से निधक हैं और नन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त बन्तरण सिखित वें बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अस्तरण से हुन्द किसी बाव की बाबस, उक्त रीधीनवश के नवीन कर दोने के जन्तरका को शरीयला में बाजी कारने वा उन्नवं रचन में स्विका के लिए; जॉर/मा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तिनों को, चिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था छिपाने में खोक्था को जिल्हा;

अत अव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीत , निम्नलिकित व्यक्तियों , अर्थात् :---

1 मैं मर्स भाषिश कन्स्ट्रक्शन्स

(श्रन्तरक)

 श्री नटबरलाल मणिलाल मेहता भौर श्री बी० एन० मेहता

(भ्रन्तरिती)

की यह स्थाना बादी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यनाहियां सुक करता है।

उपत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की जविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तायीस से 30 दिन की जविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वविद्य बुवारा;
- (क) इस सुवना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हिस्बव्य किसी कम्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पत्र लिखित में किए जा सकोंगें।

स्पथ्यक्रियण:---इसमें प्रयुक्त वाक्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

वन्स्यी

फ्लैंट नं० 202, जो, 2री मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 1, शंकर लेत, कॉदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रतुसूची जैसा कि कि सं मई-4/37-ईई/15399/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

> लक्ष्मण दास नजन प्राधिकारी सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज-4, बम्बई

दिनाँक: 4-11-1985

प्रकार काई टी गन तम. ------

भागकार व्यथिनियम 1061 (1061 का 43) की भाग 260 प (1) के अधीर समरा

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनाँक 4 नवम्बर 1985,

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/15760/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 260-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार एव्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

1.00.000/- रु. से अधिक हैं

प्रौर जिमकी सं० फ्लैट नं०, ए-203, जो, 2री मंजिल.

प्रांता प्रवार्टमेंटम, 369-सी०, एस० वी० रोड काँदिवली

(प०), बम्बई-67 है तथा जो बम्बई-67 में स्थित है

(प्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से वर्णित
है), प्रौर जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम, 1961
की धारा 269फ, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के इर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल से अधिक है और मन्तरक (जन्तरका) और अन्तरित (जन्तरितगों) के गीच एमे अन्तर्थ के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्बलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित यो पाया प्रतिफल, निम्बलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित यो वास वास का स्थान का से कि एस से कि सित साम वास का स्थान का सिवत साम का स्थान का साम का स्थान का स्थान का स्थान का साम का स्थान का साम का स्थान का साम का

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की शबत, उक्त सिंपिनियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के धायित्व में कभी करने या उत्तरी स्थान के सिंपधा में निष्: और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या पत्य हास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथन अधिनियम, या धनका अधिनियम, या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया बाग बाहिए था खिपाने में सबिधा के निरु

कात कब , उसक किभिनियम की भारा 269-श के बनुसरक मं, मं, उदन अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिक्त व्यक्तियों, अर्थात — 1. वैयमं भन्नाट बिल्डमं

(भ्रन्तरक)

2. मैमर्म टीना स्टिल्म।

(ग्रन्तरिती)

कारी शह स्वाना जारी करके प्रशिक्त सम्मित्त के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ए----

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अविध या तस्मम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबंध किमी अन्य व्यक्ति दवारा अध्येहस्ताधारों के नाम विकास में किया जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जा उक्त व्यक्तियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मंबा हैं।

श्रतसूची

पलैट नं० ए-203, जो, 2री मंजिल, शांता बिल्डर्स भ्रापार्टमेंटस, 369-मी०, एन० बी० रोड, काँदिवली (प०) सम्बर्ध-67 में स्थित है।

भ्रन्सूची जैसा कि कि ले भ्रई-4/37-ईई/15760/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लब्धनग दाम गझम प्राधिकारी महायक प्रायकर प्राधुक्त (निरोक्षण) ग्रार्वेन रेंज-4, वस्बर्ध

दिनौंक : 4-11-1985

मोहरः

प्रकप माई . ही . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निराक्षक)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाऋ 4 नवम्बर 1985

निर्देश मं० श्रर्ছ-4/37-ईर्ছ/15668/84-85---श्रतः मुझे लक्ष्मण दस,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकन अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लैंट नं० 402, जो, 4थी मंजिल, जी० कें। नगर नं० 1. श र लेन, लांदिवली प), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसका करारनामा आयवर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय में रजिस्ही है नारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान्त्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह दिख्वास — करने का कारण है कि यथा पृष्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है हम्म

- (क) अन्तरण से हुड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक की वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए:

अत १८, इन्ह विधितिषम की भारा 269-ग के अन्मरण ग. भी जान विधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---49—376GI/85 (1) मैन्सं आशिण वन्यद्रक्षणनन्स

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती श्रार० एन० पारेख

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्जन को लिक्ष कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सर्पात्त के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (का) वस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है ,) दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हान्नेती हो, के भीतर प्रवेकित त्यिक्तियों में से किसी स्थिकत ख्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थां उचल बाधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 402. जो, जी० के० नगर, इमारत नं० 1, गंपर लेन, कांदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुमुची जैसाङिक० म० श्रई-4/37—ईई/15668, 84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनाक 1-3-85 को रजिस्टई विधा गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधितारी गहारक प्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) यर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाण 4-11-1985

मोहरः

प्रस्त बाह् टी एन एए - -----

माधक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा धारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायनिक, सहायक नायकार नायका (निर्नाशिका)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिना : 4 । खम्बर 1985

निदेण मं० श्रई-4/37-ईई/15400/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रकात 'उसत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारल है कि स्थावर सम्बन्धि, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

और जिल्ली मं० फ्लैट नं० 302, जो, 3री मंदिल, जी० के० नगर इमारत नं० 1, णंग लेन, तिहिष्ती (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिस्ता रारनामा आवरण अधिनियम 1961 की धारा 269 ल, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के नायलिय में रिजिस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं हैं और मृश्ते यह विस्थास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तर्भे क्रयमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का उच्चह प्रतिख्वा से बिधक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित रती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया विकल निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में गम्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (को निराण सं मुख्य किसी शाम औ शामका, उसका अभिमियक के अभीत कार दाने के असरका को क्षेत्रकार में कारी कारन या असर अधाने में स्विधिका के लिए; मीर/या
- (क) ऐसी किसी काम का किसी भन वा अन्य आस्तियों की, फिन्हू भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (१९) २० का ११) या उन्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा था विकास बाना पादिस का अधिकार के विकास के निवा

बरा: अब, उभर बीचीनभम की धार। 269-ग के बनुबरण जें, में, उपत बिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन: निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्थात :---- (1) मैगर्स आणिय न्स्ट्रक्शनन

(ध्रान्तरक)

(2) श्री किरीट कुमार पी० णहा और अन्य (धन्तरिनी)

का वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

}_

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सवंभी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बचि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से फिसी स्पनित द्वारा;
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की भीतर उथत स्थावर सम्पत्ति में दिलबद्ध किसी जम्म व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किसे वा सकींगे।

श्यक्षदेकरण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिधम के अध्याम 20-क में परिभावित हूँ, दही अर्थ होगा को उत्त अध्याय में दिना भूमा है।

मन्त्र्यी

पलैट न० 30%, जो. 3री मंत्रिल, जी० के० नगर इमारत नं० 1, शं*उर ले* 4, अदिलली (प), तम्बई-67 में स्थित हैं।

प्रमुन्ति भैता हि क० मं० पर्द-4/37-ईई/15400/84-85 और जो मक्षम प्राधि ारी, वम्बई हारा दिनां ए 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लश्मण हा सक्षम प्रादिकारी ।हाया आया राध्यक्त (निरीक्षण) अर्जन रोप-- बम्बई

दिनांबः: 4-11-1985

प्रकप बाई.टी. एन. एत-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रेप्-4, बम्बई

बम्बर्ध, रिना 4 नवम्बर, 1985

निवेश म० श्रई-4/37-ईई/15915/84-85---श्रत. मुझे, लक्ष्मण दा:

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें स्कि पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार्च 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का सारण है कि स्थावर सम्बक्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और िक्ति स० दुशान न० 31 जो, तल माला, रामृद्धी आणिंग भेटर एा० जी० रोड, ादिवर्ला (प), बम्बई-67में स्थित हैं (और इसन उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं) और विशा निरामनामा आप र अधिनियम, 1961 की धारा 269 ; ख के अबीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिवस्टी हैं तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुफ्ते यह दिश्वास करने स्क्रा कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल

को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तब पाया नया प्रतिफल, निम्निसित उड्योध्य से उक्त अन्तरण जिल्लित को बास्तिक रूप से कवित नहीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 किया या अने प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया यया का वा का वाना चाहिए था, क्रियान में सुविधा के सिए;

अक्षः अत्र, उक्ष्य विधिनियमं की धारा 269-मं के बनुतरण को, को, उभरा विधिमयमं की धारा 269-मं की उपधारा (1): वे वधीय, निक्रमिविक व्यक्तिकार्यों, वधीय:---- (1) मैसम जिलायन्य प्रिटिंग प्रेस

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती बी० वी० नायर और अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांकल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्ञपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्तिस में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूर्ची ।

दुशान न० 31, जा' ना माना, समद्वी भाषिण मेस्टर, एम० जी० रोड, कादिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० स० अई-4/37अईई/15915/84— 85 ऑग जो तक्षम प्राधि धारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1--3-1985 को रिमस्टर्ड स्थि। गया है

> लक्ष्मण दारः नक्षम प्राधिः।री सहायभ श्राय-र श्रायुक्त (िशिक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

दिनां . 1 11-1985

प्रकृष वार्षः, टी., इत्., यव.,------

बायकर वाधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के समीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रार्जन रेश-4, अन्यर्द

बम्बई, दिनारु अनवम्बर, 1985

निर्देण सं० अई-4/3--ईई/15763/84-85--अत मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और विस्ती म० फ्लैंट न० ए-104, जा, 1ली मंजिल, नियो-जित इमारन, 369-मी, एस० वी० रोड, ब्राह्मिली (प) अम्बई-67 में स्थित हैं (ऑर इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण ध्य से विणित हैं), ऑर जिन ता करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ले, ख वे अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय से रिमिन्टी हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उभित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्निसित उद्देष्य से उक्त अंतरण निम्नित में पास्तिबत में मास्तिबत मास्तिबत में मास्तिबत में मास्तिबत में मास्तिबत मास्तिबत मास्तिबत मास्तिबत मास्तिबत में मास्तिबत मास्तिक

- (क) म्ल्यूड्स से हुई हैकरी बाय की बानसा, उनस् बहिष्मित्रम से सभीन कड़ बोने से मन्त्रक से बामित्व में कमी करने या उन्हों नचने में सुविधा संसिध; संहर/बा
- (थ) हेती किसी नाथ ना किसी धन या अन्य आस्तिनों को, जिन्हों भारतीय नायकर जिभिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिन्यम, या धनकर अधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या निवा जाना चाहियेथा, छिपान स्विधा के निष्;

वतः वव, उक्त विभिनियमं की धारा 269-ए के अनुसरक मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) मैसर्म सम्प्राट बिल्डर्म

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स टीना स्टिल्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस स्वता के राजधन में प्रकाशन की तारींव से 45 दिन की जबींचे या तत्संम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबह्य किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाख सिचित में किए जा सकति।

स्वच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्ध्ये नौर पर्यो का, थो उपत अधिनिज्ञ के जध्याय 20-क में परिभाषित श्री, वहीं कर्ष होता, थो उस अध्याय में दिवा नवा है।

and the

पलैंट नं ए-104, जा, 1नी मित्रिल, नियोत्तित इमारत, शांता अपार्टींन्टम, 369-सी, एस० बी० रोड, कादिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैपा कि कल्मल अई-4/37अईई/15763/84-85 और जा रक्षम प्राधि: गिं बम्बई हारा दिनां राज्य-1985 को रिजम्टई क्या गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायक्ष श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेग-4, बम्बई

दिनाक: 4-11-1985

स्कृत सर्वा हो, पुर, पुर, न्यानानाना

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वता

सारत बहुकाह

कार्यासय. सहायक जायकर जायक्त (निरीक्षण)

छार्जन रेंज-4, बम्बर्ध

बम्बई, दिनां ं 4 सबम्बर 1985

निवेश सं० अई-4/37-ईई/15858/84-·85-··-अतः मुझे लक्ष्मण दास

मायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस्के परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रापये से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैट न० ए-302, तो, 3री मंजिल, णाता अपार्टमेंट्स निर्माणात्रीत इमारत, ३५१-सी एस० वी० रोड. कादिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इपन उपाबड़ श्रनसूची में और पूर्ण रण से वर्णित है), और जिल्हा इरारनामा ब्रायहर् प्रधितियम 1961 की घारा 269 , ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के रायन्त्रिय में रिजर्स्ट्र) है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकाल से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्यादेश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स बिधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए बीर/बा
- (था) एेसी किसी जाय या जिल्ही भन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया **भावाकिया जाना भाहिए था, छिपा**ने में सुविधा 🖷 सिए।

अतः अव, उसर अभिनियन की पार १८७-ग र अनुसर्ग , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) कं कथीन, निम्नसिक्षित व्यक्तियों अर्थात् :---

(1) मैगर्स सम्प्राट बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स टीना स्टील्म

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुएं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बार्शेप :---

- (क) इस सुचनाके राजपत्र म'प्रकाशन की ता**रीय से** 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, अर्थ 📌 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीयर ज्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्नि में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पट्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दां और नदां का, जो उपका अधिनियम के अध्याय 2.0-क में प**रिभाषित** है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से विधा गया है।

फ्लैंट न० ए-३०३, जो, उर्रा मंजिल, शांता भ्रपार्टमेन्ट. निर्माणाधीन इमारत, 369-मी, एउ० बी० रोड, कादिवली (प) बम्बई-67 में रिथत है ।

स्रतमुची कि जै । कि व शार्ट 4/37ईई/15858/84-85 जो पक्षम प्राधि गरी, बम्बई राषा दि ४० 1-3-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहाय म आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-4, बम्बई

दिना 4-11-1985

पक्छ मार्ड . टा. एन्. एस. -----

नायकर मीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-क (1) के मधीन स्थान

भारत रहकात

कार्यासय. सहायक भागकर गामुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/15510/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

आग्यतन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके प्रचान 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिनका जिपक बाकार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी स० दुशान नं० 2. जो, तल माला, साबरमती अपार्टमेन्ट, व्हिलेज वाधवान, लादिवली (पूर्व) बस्बई-101 में स्थित है (और इ.से उपाबड अनुसूची में अगर पूर्ण स्प में वर्णित है), और जिसहा तरार्नामा आपकर अधिनियम 1961 की धारा 269 व. ख के अधीन, बरबई स्थित राक्षम प्राधिकारी के कार्यांत्र में रिनस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को प्रोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विध्वास करने का कारण है कि यथापुत्रांकत संपरित द्या उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत सं, एमे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितया) के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्निसिसित उद्गेद से उसत अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से काथत न्तर गया है .—

- (क) अनः श्व संबुद्ध गिक्रमी काव की बावद, उपण सरिधनियम को सधीन कर दोने को अन्सरक के दासित्व में कमी करने या उससे वचने से स्विधा के ''तए, बरिश्य
- (च) ऐसी किसी बाब का किसी कृत या अन्य आसितारों का निर्मा किसी आय-कर अधिनियम, 1922 1922 की 11/ या तन्त्र अधिनियम, बा अवस्थ अधिनियम, बा अवस्थ अधिनियम, (357 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया करा का किया का बात का हुए या कियान हा ब्रीवाम के निष्;

अतः अभ, जुनतः निधिनयम की भारा 265-ग है अनुसरण में, में, धनतः निधनियम की भारा 269-म की अपधारा (1) को नधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अधित् :--- (1) मैसर्स वारविल कारपेरिशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० एच० नागडा

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थाना आरो कारके पृथानित सपास्त क अर्थन के विक कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त संपृत्ति के कर्णन के समध भी कोड़ों भी बाक्षण 🔑

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर नामन की तामान भ पा विच का भवी का पा भ प्रविधि बाद में समाप्त होती हो . के भीतर पर्वामन व्यक्ति मार्ग मार्ग मार्ग की की की दिवारा
- (क) इस स्थान का राजपन भी प्रकाशन को ताराख भ 45 दिन के भोतर त्वत स्थान र सम्पत्ति में प्रतिबद्ध किसी जन्म न्योपित इयारा शक्षाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा सकेंगे।

लाखीकरणः नद्र ५ ूर् शब्दां और यदां का, जा उनके अधिनियम, क अध्याय १०-क माँ परिभाजिन हैं, वहीं अर्थ हामा, जाउन अध्याय से दिशासार

अनुसूची

दुशान नं० 2, जो, भागाना, साबरमती प्रपार्टमेन्ट, व्हिले चाधवान, ्रांद्र 'ली, (पूर्व), बम्बर्ध-101 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि ऋ० गं० पर्ध-4/37—ईई/15510/84— 85 और जो मक्षम प्राधि गरी बम्बई द्वारा दिलाँर 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिनारी पहापर द्यायाप द्यायुक्त (निरीक्षण) क्रजनरोज-4, यस्बई

दिनांक: 4-11-1985

∤ मॉहर :

प्ररूप जाइ . टी एन एस ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा '69-छ (1) के अभीन संचना

भारत मरकार

कार्यालय सहायक्त (निरीक्षण) श्रामन रेप-4 अस्बर्ध

बम्बई दिना 4 गंवस्य 1985

निदेण म० अई-4/37-ईई/15673/84--85----- मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर जोधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वाम करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा टिचत बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और तिमिनी सब हु ान न । जो हीरात हाउस एम बजी बंड ादिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इसमें उपा-बढ़ अनुसूची में और एणे सप निर्णित हैं) और दि । । रार्नामा आयार अधिनियम । 961 ती धारा 269 व के अधीन बम्बई स्थित नक्षम पाधि । री के । यित्र में रिजिस्ट्री हैं तारीख़ 1-3-1985

का प्वाप्त सम्पत्ति के उचित शाजार मल्य में कम है इस्यमान प्रित्तिकल के लिए अन्तरित की गई है दौर भन्ने यह विश्वास सरने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित प्राचार पित्य , उसक इत्यमान प्रतिफल से, एस इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और असरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितिरा) के गिल एक कन्नरण किंगण त्य प्राया गया प्रतिफल, निम्नितिष्ति उद्देश्य में उक्त कन्नरण निम्नित्ति एं सामानिक स्पार्थ किंगल नहीं किया गया है क्न

- (क) अन्तरण में हाई जिसी आध कौ वावत, उक्छ अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक को प्राथित्व में कमी करने या उपसे बच्च में समिशा भिता और/का
- (क) एमी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों ते जिल्हा ति १०० ते विल्ला १५०० ते १००० ते अन्याप्ति अन्यास्ति इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काला धालिए। या किया काला धालिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की भारा २६९ ग ते अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धीरा २६९-७ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननियत यिकित्यों अधीर - (1) गांगिया रहत पारपारेशन

(श्रन्तरक्)

(2) भी वर्षे नजीसानी

(धन्चरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद मा समाप्त हाती हो, के भीतर पृथे कित व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीआ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए का सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --- इसमे प्रमुखत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया

अनुसूची

दुकान न ० १, जा हिराल हाउथ एम० जी० रोड, यदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसारि कर राज्यई-4/37 ईई/15673/84-85 और जानक्षम प्राधिकारी, यभवई द्वारा दिना 1-3-1985 को रिकस्ट िया गया है।

लक्ष्मण दास असम्प्राधि ारी प्राप्त प्राप्त क्षायुक्त (सिरीक्षण) पूर्व रहे -4 प्रस्वर्ध

विशिष्ट 1-1 1-1985 माहर प्रकल जाहाँ टी. एन. एस. -----

बायकर कचिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-म (1) के अधीन स्थना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रोंग-4, तस्बई बस्बई, दिनार 4 एक्सबर 1985

निदेश मं० प्रई-4/37 ईई/15765/84-85----- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी करे. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह से अधिक है

और जिपकी संव फ्लैंट नंव ए-102. जो, 1ली मिलिल, णाता अपार्टमेन्टस, निर्माणाधीन इमारत. 369-सी, एसव बीव रोड, कादिवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में चिणत हैं) और सिमार करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधियारी के अधीनय में रिस्ट्री हैं तारीख 1-3-1985

कां पृथोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार म्रूम से कम के रूपयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृतींकत सम्पत्ति का उचित बाजार म्रूप्य, उसके रूपयमान प्रतिफल से एसे रूपयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत्त से अधिक है और अन्तरक (अम्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित के बास्तिक रूप से किया नया है .---

- कि) कल्तरच संहुइ किसी ज्ञा की बखन, प्रकल किसीनकम के अभी कर दी के अतरक के दायित्व में कभी करने या असमें बचने में मुविधा के लिए बीर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन वा बन्व वास्तिनी को, जिन्हीं भारतीय पाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1937 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रस्ट नहीं किया गया था या विस्ता जाना नाहिए था किया में मुकिशा के भिष्

क्षक अब जन्म अभिनियम की धारा 269-म के बनुसरण बाँ, मीं, असत अधिनियम की उस 269-थ की उपधारा (1) के बर्धाए, निम्नलिखित व्यक्तियों अधारि क्रिक्ट (1) मैं (में अम्प्राप्ट बिल्डसं

(अन्तरक)

(2) मैनर्भ टीना स्टील्स

(धन्तरिती)

का यह सूचना जारा करके पृवाक्त मपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहिया शुरु करता हो।

उक्त सम्मत्ति के कर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :- - के

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी इस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियाँ पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ज्यक्तियाँ में से किसी स्थित ब्वास्य;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर नम्परित में हिन-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकोंगे।

स्यर्धीकरण ---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्षुची

प्लैट नं ० ए-102, जो, 1ली मंत्रिल, णाता श्रपार्टमेन्ट्स, निर्माणाधीन इमारत, 369-मी, एन० बी० रोड, हादिखली (प) बस्बई-67 में स्थित हैं।

यनुसूनी जैपा ि कि० गं० छई-4/37-ईई/15765/84-85 और जा भक्षम प्राधिपारी बम्बई द्वारा दिनोंक 1-3-1985 को रिजम्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रावि गरी सहाय ९ प्राय पर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-4, बस्बर्ड

दिनांग: 1-11-1985

प्रकृष् बाइं.डी.एर.एस. ------

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के वचीन स्थना

शास्त्र वरकार

फार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) ग्रर्जनरेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्र ?- 4/37-ईई/15769/84-85--ग्रहः मझे, लक्ष्मण दाम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया 🕬 , की धारा 269-अ के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को, वह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाबार सक्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भौर जिमकी सं० पर्लैट नं०ए-103, जो, 1ली मंजिल शाँता श्रार्टीन्टन, निर्माणाधीन इमारन, 369-सी, एन० वी० रोड, कौंदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इनसे उपाबद्ध भन्सनी में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) भीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षितियम 1961 को धारा 269 ह, ख वे अधेन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि हारी के ार्यालय म रजिस्ट्री है तारीख

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमात प्रतिफल के सिए अन्तरित की गई

हैं और मुझे यह विश्वात करने का अग्ररण है कि यथा-पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मस्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल से,, ध्रेसे करयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ए बे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकश्च, निम्निकिश्चिक व्यवक्य से उक्त अंतरण सिचित्त में वास्तविक रूप ते की भन्न नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी जाथ की बाबत, जक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: करि/मा
- कि) गया किसी का वा किसी बन का जन्म आस्तिकी कः लिल भारतीय अधिकर अधिनियस, १७२४ /19/2 का 11) ५ तन्त्र विशिधियम था 🗥 कर क्रीमिनियम, 1957 (1957 कर २७) क शक्तं सन्तार्व अस्परिती क्षारा प्रकट नहीं किया गरा च्या यह क्रिका जाना चाहिए था, विकास में स्थिप के लिए:

बत: जब् उक्त अभिनियम की धारा 269-५ कं अन्सरण कै, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपभारा (1) ाक्षानिकता **व्यक्तियों, सर्थात्** ५----50-376GI/85

(1) मैससं सम्राट बिल्डसं

(अन्तरक)

(2) मैयर्स दोना स्टील्य

(भ्रन्तरिती)

का यह रामना चारी करके शर्मकत अञ्चलित की अर्थन के सिध कार्यभारिका । ना र ।

उच्च सम्पत्ति के शर्वात के सम्बन्ध के कार्ष भी बालांच :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की अविधि या शस्यम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन को जबधि, आंभी जबधि बाद में समप्य होती हा, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तिसम्भार हा व के केल्पी अवस्थित स्टापन
- (क) इस स्वना के रावध्य में प्रकाशन की सारिक ते 45 विन के भी भ १४० सार मानि स क्रिय बब्ध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अधाइस्नाक्षरी के . अने में के अप कर्मिंग के अपने में के प्रिकार

रुध्योकरण ---इसमें प्रयक्त कथां और पदों का, को उक्त बिचितियमं के बभ्याद 20-क में परिभागित हुँ, यहाँ कर्ण हारेर जो नम अध्याक मी व्यक्त नवा है।

अन्सूची

फ्लैट न० ए- 103, जो, 1ल। म जिल, शाँता श्रपार्टमेंटस. निर्माणाधीन इमारत, 369-सी,ए ा० बी० रोड, काँदिवली (प) बम्बई- 67 में स्थित है।

श्रनुसूची जै । ि कि क स०ग्रई- 4/37-ईई/15769/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधि तारी बम्बई ग्राम दिनौं ह 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लञ्चा दाम ार्य प्राधिकारी महायह श्राय पर श्राय (गरीका) ग्रानीन रेज-4, बम्बई

दिलौंक 4 11 1985 मोहर

प्रकर बार्ड , दी , एव , एस ,----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) से संधीत स्पता

गारत परस्पर

कार्यांश्वव, सहायक वायक्षर वायक्षर (निद्धक्तिक) शर्जन रेंज- 4, वस्मई

बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निवेश सं० प्रई-4/37-ईई/15916/84-85--शतः मुझे, लक्ष्मण वास

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकाह 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), अर्थ धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० ए/504 जो, 5वी मंजिल, शाँता अपार्टसेंटस, निर्माणाधीन इमारत, 369—सी, एस० वी० रोड, काँदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर अधिनियम 1961 की घारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

कों पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्विश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस,, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा केलिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं., उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीग, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स मग्राट बिल्डर्स

(मन्तरक)

(2) श्रीमती माला मोहनलाल खिरा

(मन्तरिती)

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रशाशन की तारीस से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किये जा सकींगे।

स्पद्धिकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं॰ ए/504, जो, 5 वी मंजिल, शांता प्रपार्टमेंटस, निर्माणाधीन इमारत, 369-सी, एस॰ वी॰ रोड, कांविवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि कर सं अई-4/37-ईई/15916/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

विनांक: 4-11-1985

मोह्र :

अक्ष कार्यं सीह हुन्। पुक्त-ratemen

नायकड निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के स्थीप ब्युवा

भारत श्ररकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर 1985

निदेश स॰ ग्रई-4/37-ईई/15764/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं प्रलैट नं ए-401, जो, 4थी मजिल, गाँता अपार्टमेंट्स, निर्मानाधीन इमारत, 369 सी, एस० बी० रोड कांविवली (प), बम्बई-67 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबड़ अनुसूची से श्रौर पूर्ण क्य मे विणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1-3-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिक्त उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) एसी किसी आथ या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की, अनुसरण क. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स सम्भाट बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स टीना स्टील्स

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृतित के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

बक्त बुम्बस्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचन । को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

मन्सूची

पलैटनं० ए-401, जो, 4में न∤जल, णांता अमार्टमेंटस, निर्माणधीन इमारत, 369-सी, एन०वी०रोड, कॉदविली (प) सम्बर्द-67 में स्थित है।

अनुमूची जैमा कि ऋ० म० अई- 4/37-ईई/15764/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> तःनग दाप नक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजंन रेज-4. बम्बई

दिनौंक: 4-11-1985

भोहर:

इक्य सार्व टी एत १३४ -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की लग 269-घ (४) क वधीर मुच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरक्षिण) ग्रजंन रेज-4, बस्बई

बम्बई, दिनाँ इ. 4. नवम्बर 1985

निदेश सं० प्रई- 4/37-हेर्दै/15761/84-85---प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

अ। यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- स्व राजार मृत्य

भौर जिसकी सं० फ्लैंट न० ए-201, जो, 2री मंजिल, शाँता अपार्टमेंट्स, 369-सी, एन० बी० रोड, ऑडिवर्ला (प), बम्बई-67 में स्थित है (पी ६ इस्त उपायद्ध अनुसूच, मं और पूर्ण रूप से बिणित है), और जिपका अगरनामा आयक्तर अधिनिथम 1961 की धार 2695, ख ज प्रतीत, अन्तर जिलक अक्षम प्राधिक कार्यालय में सी स्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिस्त बागर मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और स्केयह विश्वास करने का कारण है कि यक्षाज्ञोंक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अनुरुक्ष (अत्तरको) और अतिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (स) एसी जिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों के जिसी भागतीय अवस्य अधिनियम, 1922 को प्राप्ति के प्रश्निक को भागतीय अप अक्त अधिनियम, या खनक अधिनियम, या खनक अधिनियम, 1957 (1957 का 2:) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिते कुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण मा में गी। या ने गा ११०० व कि गायान को को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अधीत् :-- (1) मैसर्स सम्प्राट बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स टीना स्टील्म

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

सबस सम्पन्ति का अर्थन को सम्बन्ध मा कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पदः मूजन की तामील से 30 दिन की बचिष, जो भी कविष बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त; व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ब) इस स्चना कं राजपत्र मं प्रकाशन की नारीस की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपस्ति में हित्वव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था सकोंगी।

स्पब्दीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, को उनस् अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यार हो। स्या है।

नगत्त्री

पर्नैट नं ० ए- 201, जो, 2री मजिल, गाँरा प्रपाटमेंट्र स, 369-सी, एन० वो० रोड, कॉदिवली (प), ब,म्बई- 67 में कि धत

अनुसूची जैना िक क० मं० प्रई- 4/37—ईई, 15761/9 84—85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौक 1-3-1 985 को रिजस्ट ई किया गया है।

ल क्ष्मणं दान संक्षम प्रतिक्षः कारी सहायक भ्रायकर श्राय_{ुक्त} (निरोक्षः णा) श्रुजीन रोज- क्ष्मः स्वर्धे

दिनोंक: 4-11-1985

माहर

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आधकर अधिनिर,म, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यार , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिना : 4 नघम्बर 1985

निवे ण सं० अई-4/37-ईई/15767/84··85 --- अतः मुझे, लक्ष्मण दान

भायकर मिशियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वाद उक्त अधिनयम काहा गया हो), की भारा 269-भ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विकास फरन का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उजित नाजार मृख्य 1,040,000/- रा. से अधिक ही

और जिसकी संव पलैट नंव सा-207, जो, 2री मजित, शाला प्रवार्ट मेंट्स, 369-सो, एउव नंव रोड, पादिबली (प), बम्बई- 67 भी स्थित है (और इामे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से बिज हैं) और जिसका करारनामा अयहर प्रधिनियम 1961 की बारा 269 ; ख के प्रधीत बम्बई स्थित स्थाम प्राधिकरों के अर्थात में रुजिस्ट्रें है, वारीख़ 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्त के उचित बाजार मृत्य से कम के रश्यमान पूर्विश्वा के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास जानने का बारण हो कि स्थानकोशन संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, लासने रश्यमान पित्रकान में समें रश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एंसे अन्तरण के निए सम शया गया प्रतिष्यते, निम्मिनिश्चित उच्चेश्यस से उचित अन्तरण निश्चित में कार्योक्क, किया संधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं**हुई किसी आय को बाबत, उक्त** अधिनियम के अधीन कर दो के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने मे सूविधा के लिए; और/या
- ्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) य उक्त अधिनयम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अस अत्र अव नीर्यातमा विभाग १००० के अन्यक्षण मं, मं, एकत अधिनियम की भारा २०९० की उपधारा (1) के अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधित्:—

(1) मैं मर्स मम्राट बिल्डर्स

(श्रन्तर ए)

(2) मैं में टी त स्टील्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पृथीयत सम्पत्ति के अर्थन के शिवर कार्यवाही श्रष्ट करता हो।

जनत सम्मत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कांद्र भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ने 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीश से 30 दिन की सविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णविस व्यक्तियों में सिक्ती व्यक्तिस ब्रह्मरा;
- (क) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की हारीश में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपतित हों हिस-बब्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा मध्येहस्ताक्षरी के शक्त की किसा मी किए का सकीग !

न्याक्ष्वीकरण --इसमी प्रयुक्त शब्दों और पर्वा का, जो उनक निधिनयम के अध्याय 20-क मां परिधायित हीं, नहीं अर्थ होंगा, भी उस प्रध्याप मां दिया नया ही।

वन्स्ची

पर्लंड त० नी-207, जो. 2री निकित शाता श्रपार्टमेंट्र, 369 सा, एन० बी० राष्ट्र, कादिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसानि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/15767/84-85और जो नक्षम प्राधि गरी, बस्बई द्वाराहिता 1-3-1985 को रिस्टर्ड नियागया है।

> ाक्षमण धार क्षम प्राप्ति परी सहायक ग्रायक्ष्य श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिन्त :. 4-11-1985

भाहर:

इक्ष्म कार्ड्, टी. एन. एस.-----

मण्यकर वांधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-व (1) के वधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नचम्बर 1985

निदेश संब अई-4/37-ईई/15862/84--85---अत: मुझे, लक्ष्मण दाम

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उनत मिनियम' कहा गया है कि भारा 269-व भी अभीन सक्षम शिक्षिकारी की, यह विश्वास करने का काइन है कि स्थावर सम्पत्ति, विस्तान उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अभिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए-101, जो, 1ली मंजिल, शांता भ्रपार्टमेंट्स, 369-सी, एस० बी० रोड, सादिबली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और ससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिक्ट्री है, तारीख 1-3-1965

को पूर्वीकत सम्मरित के उचित बाबार मृत्य से कम के अवमान प्रतिफल के लिए **अ**न्सरित की गक् सौर विश्वास करने पुश्ते मह का कारण पूर्वोक्त सुम्पत्ति का उदित बाबार मृस्य, उसके व्ययमान प्रतिफल सं, एसि क्यमान प्रतिकास के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपक्ष, निम्नलिखित खब्देवय वे उक्त करारण निषित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया मया 🛍 ६---

- (क) अम्तरण से हुई किसी आया की बाबस, नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बधने में सूबिधा के लिए और/वा
- (ण) प्रेसी किसी जाय या फिसी भन या जन्य वास्तिवाँ की, जिन्ह भगरतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) ा उक्त अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सूविशा की विक्:

(1) मैसर्स समाट बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स टीना स्टिल्म ।

(भन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन है लिए कार्यकाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :------

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीनर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक मा प्रकाशन को तार्राख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ; सिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किमिनयम, के अध्याय 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका विश्व हैं।

प्रनुसूची

पलैंट नं ए-101, जो, ाली मंजिल, णांता अपार्टमेंट्स, * 369-मी, एस० बी० रोड, लादिवली (प) बम्बई-67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/15862/8ू4ू-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांः 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ाक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिशारी हु सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रोज-4, बम्बई

दिनाक: 4-11-1985

मोहर:

अतः अवं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धार 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

प्रकर भारीह हो , एस्., एस ,- - - - ---

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यास्त्र महानक कार्यकर नायकर (निरीक्षण) प्रजन रेंभ-4, बम्बई

बम्बई, दिनां हः 4 नवम्बर 1985

निवेश सं० श्रई-4/37-ईई/15940/84-85--श्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-क के अभीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलैट नं० 3, जो, तल माला, सुन्दरम दमारत. एस० बी० रोड, फतेहबाग, वांधिवली (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिप हा करारतामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पेन्नह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिराणें, अर्थात् :--- (1) मैं नर्स तिलोक कन्स्ट्रमणन कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री जे०डी० लाड ।

(मन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) हिस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं० 3, जो, तल मत्ना, सुन्दरम इमारत, एम० वी० रोड , फतेहबाग, कांदिवली (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि० सं० आई-4/37-ईई/15940/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांदः 1-3--1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहावक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जैन रेंज-4, बम्बई

दिनां ह: 4-11-1985

ं अस्त्य **बाइ**ंटा. एन. एस. ---∽=====

लायकर जोधीनसम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

धारा 269-थ (1) के अधीन स्थना

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) इस्क्रीर रेज-4, डम्बई

बम्बई, दिनां : 4 सहम्बर, 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/15557/84--35---श्रतः मुझे, लक्ष्मण यान

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमके उठकात् 'उक्त 'जिनियम' कहा गया है') की भाउ 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

और शिषकी मं० फ्लैंट नं० 5, जो, नज माजा, सुन्दरम मारत. ए १० बी० रोड, फतेन्त्राम, उदिमली (प), बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुभूती में और पूर्ण रूप से बणित हैं), और जिस्ता अगरनामा आया अधिनियम 1961 की धारा 269 के खे अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यात्र में रिजिस्ट्री हैं, नारीख 1-3-1985

करे पूर्विक्त रूपित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रित्मिल के लिए अन्तरित वी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्त से एसे दृश्यमान प्रतिक्त का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्निलिखित उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण य हुई किसी आय र्क, बाबत, उक्स अधिनियम के क्यीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे दक्षे मों सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किनी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अभिनेत्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती ब्वारा शक्य नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिङिं व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) भैनर्स विसार र नस्ट्रेक्शन स्पनी

(ग्रन्तर ;;)

(2) श्रामतः ५० भार० पटेल और ग्रन्य

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजा कं लिए कार्यश्रीहर्या करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप : 🏎

- (क) इस सूचना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारीक से पे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में काशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकींगे।

्रव्यष्टिकरणः ----इसमें प्रयुक्त सब्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है।

धनसूची

पलैंद तं० 5. जो, तत माता, सुन्हण्म इमारत, एए० बी० रोड फतेहबाग, अदिवली (प). बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जै । ि क० गं० श्रई-4/37-ईई/1 5567/84--85 ओं जो ाजा जाजि । यो, वम्बई द्वारा दिवतां ए 1-3 -1965 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

> विध्यमण ताच भवान प्रामिणारी भहासार प्राप्त प्राप्तमात (जिल्लेकाण) प्रजैस रज-4, बम्बई

दिनांक: 4-11-1985

मोइर :

प्ररूप आई. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कायोलयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निद्रेश सं० अई- 4/3 7-ईई/15520/84-85--- प्रत. मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृल्य 1.,00,200/- रु से अधिक है

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 703, जो, 7वीं मंजिल, जी० के० नगर इमारत न० 1 सकर लेन, काँदिवली (प०). बम्बर्झ-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, खंके अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है तारीखं 1—3—1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विज्वास करने का कारण है कि गथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयभान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः उत्र, ज्वत अधिनियम की धारा २६९-ग के अन्सरण भी, भी, उत्तर अधिनियम की धारा २६९-ग की उपधारा (1) के अधीन, नियनलिसित व्यक्तियों, अर्थात :---51—376GI/85 (1) मैसर्स श्राणिश कन्स्ट्रवशन्म

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती पारू के ० कपाडिया

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए हायेचाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि धाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमे प्रयक्षा राज्या और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्यी

फ्लैटनं० 703, जो, 7वीं मंजिल, जी० के० नगर इमारत नं० 1, शंकर लेन, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि कल मं ० श्रई- 4/37-ईई/15520/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनाँक . 4-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, अम्बद्दी

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निवेश सं० ग्रई- 4/37-ईई/15418/84-85-अतः मुझे, लक्ष्मण वास,

ग्रायकार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) विकर्त इसमें इसके परवात 'उक्त विभिन्यम' कहा गया हैं) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विनका उक्ति वाजार मृत्य 1,01,000/-रा. में अधिक हैं

चौर जिसकी सं० प्लैटनं० 23, जो 2री मंजिल, बी-विंग, दत्तानी अपार्टमेंट नं० 4, एस० वी० रोड, काँदिवली (प), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूणें रूप से विंगत है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

श्री वृष्टींबत संपत्ति के उचित बाजार मृत्य ते कम के स्वयंभाग प्रतिक्रम के लिए बन्तिरित की गई है और बन्ने बहु जिल्लाम करने का कारण है कि बंधापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार बन्म, उसके क्यामान प्रतिक्रम से, ऐसे देखमान प्रतिक्रम का पेइड प्रतिक्रत से बिक्स है और बन्तरक (बन्तरकों) और बंदिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निए तम पाना नवा प्रतिक्र कर निम्मसिक्ति उद्योगन में उन्त बन्तरण कि कि तम में बाम्मिक न्या में कथित महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाव की शबत, उचत वीधीनवन के वधीन कर पेने ने नंतरक में दायित्व में कर्ती कुटने वा उचने बजने में तृतिथा के सिष्टृ धीडु/वा
- (च) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा जन्म जास्तियाँ को, जिल्हों भारतीय बायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तौरती ब्वास प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में बविधा के सिक्ष:

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

(1) श्रीमती बी० श्रार० गजारीया।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री निवन जी० ठक्कर ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त क्षर्यात्त् के जर्बन के नम्बस्थ के बोर्ड भी नाक्षेत्र:---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो और अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस वें 4.5 विन के भीतर उसत स्वाचार सम्पत्ति में हित-बह्भ किसी जन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा तकोंने ।

स्यक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शर्म और पर्दों का को उक्त अभिनियम, को अभ्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को तस अध्याय में दिया गवा है।

अमृस्ची

प्लैट नं ० 123, जो 2री मंजिल, बी-विंग, दत्तानी अपार्ट-मेंट नं ० 4, एम० वी० रोड, काँदिवली (प०), बम्बई- 67 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमाकि क० सं० भ्रई-4/37—ईई/15418/84— 85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारादिनौंक 1→3—1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण ्रीवास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई।

दिनौक . 4-11-1985

प्रकम अर्थाः सीत् एव तु पुषः तुवनव्यान्यान

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के जभीन सुभना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई- 4/37-ईई/16004/84-85--ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

भावकर भिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थाधर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० फ्लैंट न० बी-6, जो तल माला, राज रचना अवार्टमेंट, हेमू कलानी कास रोड नं० 3, काँदिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्राय कर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खे के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारोख 1-3-1985

को प्वेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मूमें यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेवित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (वंतरितियों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्ववेय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है है—

- (क), बंतरण ते हुई किसी जाय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के सिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ख्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के निए।

बत: अथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरक हो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीत, निस्तिविक्षा व्यक्तियों, अधीत — (1) स्टलिंग बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती रम्मी हरीशकुमार शहा।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शृक्ष करता हूं।

जनत सम्मत्ति ने अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, आं भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ध्यिकतयों में संकिसी ध्यिकत बुवारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीकृत स क्षेत्र दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा नक्षी।

स्पष्टीकरणः — इसमी प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वीगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

शमुसुची

फ्लैट नं० बी∽6 जो तल माला राज रचना प्रपाटमटः हेमू कलानी कास रोड नं० 3 कॉदिवली (प०) बम्बई- 67 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/16004/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-4 बम्बर्ड

दिनौक: 4-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन संघना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई दिनौंक 4 नवम्बर, 1985

निद्रेश सं० अई- 4/37-ईई/15663/84-85--अनः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पद्यान 'उनन अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षप प्राथकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मन्या 🗘 00,000/- रु. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी गं० पर्नेटन ० 601 जो 65ो मजिल जी० ४० नगर इमारतन० 1 शहर लेन गाँदिवली (प) बम्बई-67 में स्थित हैं (और इससे उपायद प्रमुची में श्रीर पूर्ण रूप सर्वाणन है) श्रीर जिनका कराश्नामुा श्रीयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के खा के श्रीयान बम्बई स्थित नक्षम प्रधिकारी ^{प्}के कार्यालय से रजिस्ट्रों है तारोख 1-3-1985

को पूर्वक्ति सर्गात के अचित बाजार मूल्य सै कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अर्तारत की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों ति सपित का उचित बाजार मूल्य, उसकं दश्यमान प्रतिफल में, एसं दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अन्सरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपपारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- (1) मैसर्स आधिया कन्स्ट्रक्शन्स।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती वी० एन० मोदी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हुं।

उक्त सपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूबना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूबना की गानील में 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिया। में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इरा सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तार्गाक र 45 दिन के भोतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्माक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्तेग।

स्पष्टीकरण — इससे प्रायत शब्दा और पदो का, जो उक्ती अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा रिभाषित है, यही अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

जनसची

फ्लैटनं 601, जी 6ठी मंचित जो ० के ० नगर हमारत न 1, णकर लेन काँदिवली (प०) बम्बई-67 में स्थित है। श्रनुस्चा जैसा कि का अई-4/37-ईई/15663/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि हारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गथा है।

> त∻मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ख्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनौंक: 4-11-1985

मोहर

अक्स नाती, टी. एवं. एवं. -----

.टा.एव.एव.---- (1) मैसर्स सम्प्राट बिल्डर्स।

(बन्दरक)

(धन्तरिती)

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-छ (1) के वधीन सुधना

प्रारत *पर***का**ड

कार्यांतय, सहायक आयकर आयुक्त (जिरीकाण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांकः 4 नवम्बर, 1985

निदेश मं० अई-4/37-ईई/15860/84-85--श्रतः सुझै, लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० सी-107, जो 1ली मंजिल, णाता श्रपार्टमेंट्र , 369 सी, एए० बी० रोड, लॉदिचली (प०), बम्बई-67 में स्थित हैं (और इपमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विशेत हैं), और जिरा तरारतामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की बारा 269 ते खे के प्रतीत, बम्बई स्थित पक्षम प्राधिकारी के सर्यात्व में एनिस्टी है, तारीख 1-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिप्रस की लिए अंतरित की गई है और मुझे यह निश्नास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्रममान प्रतिप्रस सं, एसे क्यामान प्रतिप्रस का पन्त्रह प्रतिप्रस से अधिक हो और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अस्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिप्रस , निम्मलिशित उद्देषम से उक्त अन्तरण सिविव में बास्तीयक रूप से किथत महीं किया गमा है :--

- (क) भारताल सं हुए किसी आक की बाबधा, क्ष्या शीभनियम के बधीन कार दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने ना उससे नवने में अधिका में लिए; और/ना
- (क) एसी किसी जाय का निकसी अस का धन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जन्सरिती ब्वारी प्रकट नहीं किया गया था या किया वादा चाहिए था, जिलाने में कृषिधा के किस्,

अस जब, उपल अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मा, उसल अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिद्ध कार्यवाहियां शुरू करका हुई ।}

(2) मैसर्स टीना स्टिल्म ।

उच्छ सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाह्येप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की सर्वीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर्ड स्थान की सामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृज्ञार;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उनके स्थावर सम्पत्ति में दित-बच्च किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधिहस्ताक्षरी के वास किसिस में किए वा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उचत निवास, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

फ्लैंट नं॰ सी-107, जो 1 ली मंदि शांता अपार्टमेंटस 369-सी, एम॰ बी॰ रोड, क्रांदिबली (प॰), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुमूची जैमा कि क० सं० श्रई-4/37—ईई/15860/84—85 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1--3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास लक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रुजैन रेंज-4, बस्बई

दिनीक: 4-11-1985

नोहर 🖫

प्ररूप नाइ . टी. एन . एस . -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, बम्बई

लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा

इसक पश्चात् उक्त आधानयमं कहा गया हा, का धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं और जिपकी सं० फ्लैंट नं० 502, जो जी० के० नगर इमारत नं० 1, 5वीं मंजिल, शंकर लेन, कांदिशली (प०), बम्बई-67

में स्थित है (और इपने उनाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका अरारनामा ध्राय र प्रधिनियम 1961 की धारा 269 र, ख के ध्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्षत सम्बत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (बंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया बतिकन, सिम्निसिक्त उद्देश्य से उक्त अंतरण विविधत में बाल्यकन, सिम्निसिक्त उद्देश्य से उक्त अंतरण विविधत में बाल्यकिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर बोने के अंतरक के बायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; आदि/या
- (स) एँसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया कामा काहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मो, बौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित अधितयों, अर्थीत् :--- (1) मैं वर्स स्नाणिश कन्स्ट्रक्शन्स ।

(मन्तरक)

(2) श्री बी० डी० महा।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां कच्छा क्ष्मं १

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारा से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पक्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सुची

फ्लैंट नं० 502, जो, जी० के० नगर, इमारत नं० 1, 5वीं मंजिल, शंकर लेन, कॉदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० प्रई-4/37-ईई/15669/84~ 85 और जो ाक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रें ग-4, बम्बई

दिनां त: 4-11-1985

मोहरः

प्रकप काई. टी. एन. एस. - - ;

शायकर श्रीभीनवम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-श (1) के बधीन स्थना

बारंत सरकार

कार्यजन, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) श्राजीन रेंग-4, बम्बई

बम्बई, दिनोक 4 नवम्बर, 1985

- निवेश मं० ग्रई-4/37-ईई/15775/84-85---श्रतः मुझे, ⁻लक्ष्मण दाम,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उन्त निधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित वाकार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० दुकान नं० 10, जो णिव दर्शन, स्युनिसिपल गार्डन के सामने, एस० वी० पी० रोड, कांदिवली (प०), बस्बई में स्थित है (श्रीर इपसे उपाश्रद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिकस्ट्री है तारीख 1→3→1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम को क्ष्यमान प्रतिभल के लिए अन्तरित की गई है और मुभो यह विश्वास करने का कारण है कि संथापृष्ठींक्त संपत्ति का उचित बाजार श्रमुख, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का भन्ने प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रति-क्ष निम्नसिक्ति उद्विषय से उक्त बन्तरण में निचित बास्तीयक क्ष से किंगत नहीं किंबा गवा है ए—

- कि प्रश्वास में हुए हैं किया नाम की नामक क्या अभितित्त्व में वर्षीय कर को में बन्दरक में अभित्य में सबी करने या काले नक्षणे में बृतिया में निष्; बीड/या
- (थ) ऐसी किसी नाव था किसी भन गा अन्य अपोस्तवर्थं को, विन्हुं भारतीय आय-कर त्रिधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियस, या भन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरी वा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाचे में सुविकार को सिए;

बंत: ब्रंब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण हैं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (१) के अधीन, निस्तिविधित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) मैं नस एक मेल बिल्डर्स ।

(म्रस्ट्स)

(2) परेश द्यात्माराम सोनी।

(भग्वरिती)

की यह सूचना जारी करके वृत्रोंक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उपत प्रध्यक्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोर्च की बाक्षेप :----

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जविचि या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को भी नविध कर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्स स्पक्तियों में से किसी स्पक्ति इवारा;
- (क) इस प्रका के राज्यन को तकावन की तारीश के 45 कियू को बीचर उक्त स्थान्य संस्थाति को हितनपूर हिला क्या का का किया का का किया का सका है।

स्वक्तीकरणः --- इत्रमं प्रकृत्य वन्यों जीह नयों का, जो वधः, वीधनियम के बच्चाव 20-क में परिभाषिक ही, वहीं वर्ष होंगा को उन्न सम्मान में विवा गवा है।

बवृद्धवी

दुकान नं ० 10, जो शिव दर्शन, म्युनिसिपल गार्डन के सामने, एस० बी ० पी० रोड, कॉदिचली (प॰), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ऋ० सं० श्रई-4/37-दैई/15745/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रामकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रॅज-4, **स्टबई**

दिनां र : 4-11-1985

मोहट्ट :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्रीमती जै०टी० मिस्त्री ।

(भन्तरक)

भाय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्पना

(2) मैंसर्म श्रीजी बिल्स्सं।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रज-4, अम्बर्ध

बम्बई, दिनांव' 4 नचम्बर 1985

निदेण मं ० श्रई-4/37-ईई/16006/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर जीधनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें भरेकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० प्लाट के स्ट्रक्चर, जिसका सर्वे नं० 110 एच० नं० 1, मी० टी० एम० नं० 68 और 68 (1) मे (9) मालाड उत्तर, एए० वी० रोड, कांदिबली (प०), वस्बई-37 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और चित्र जा करारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ह, ख के अधीन वस्बई स्थित सक्षम आधिकारी के कार्यालय म रजिस्टी है तारीख 1~3-1985

को पूर्वोक्स पंकर्ण के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के िए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पंक्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्स निम्मलिखित उच्चिय से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से कथित महीं किया गया है है—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एरेसी किसी आण या किसी धन या अल्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती खुबारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

की यह सूचना जारी करके पूर्विक्स संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन वो सम्बन्ध मो कोई भी आक्षेप .

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अन् सूची

प्लाट के साथ स्ट्रक्चर, जिसका सर्वे नं० 110, एच० नं० 1, सी० टी० एस० नं० 68 और 68 (1) से (9), मालाड (उत्तर), एस० वी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-4/37-ईई/16006/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 4-11-1985

प्रक्ष्य कार्च. टी. एन. एव.,-----

सायकर ग्रीभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत तरकार

कार्यासय, तहायक बायकर बायूक्त (निरीक्क)

अर्जन रेंज-4, बस्मई बस्बई, विमांक 4 नवस्वर 1985

निर्देश सं० अई- 4/37-ईई/15446 84-85--- धतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इतमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, धितका उचित वाजार मूख्य 1,00,000/- रा. संअधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० बी०-209, 2री मंजिल, विग-ए०, अशोत टावर "इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत हैं), श्रीर जिसका जरारतामा आयकर अधित्यम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, श्री अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं

तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्मानिश्वत उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्मानिश्वत उद्देश्य से उस्त अन्तरण निम्मानिश्व से गम्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्धरण १ धूर किसी आय की बाबत, उक्त श्रीविद्यम के श्रूपीन कर दाने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तस अपने में सुविधा से दिवए; बार/वा
- (क) ऐसे किसी अग्र क किसी धन या अन्य आस्तियों ता, जिन्हें आरतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार् अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, 'क्रिपाने के सविधा के लिए;

अतः वय, उक्त विभिन्नम की भारा 269-ग के, वन्सरक् भं, में, उक्त विभिन्नम की भारा 269-च की उपभारा (1) चे अभीय निम्निलिनिन व्यक्तियों, वर्थात् :---2 --376GI/85 1. मेशर्स गोयल बिरुडर्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

मेसर्म टीना स्टील।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

तकत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीखासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितजबूक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पाक सिवित में किसे वा सकने।

रपायीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं।

नन्स्ची

फ्लेट नं० बी०-209, 2री मंजिल, 'विग-ए०, अशोका टावर'' इनास्त, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-4/37-ईई/15446/ 84-85 क्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (क्षिरीक्षण) जर्जन रेंज-4, बस्बाई

दिनांक: 4-11-1985

निर्देश

प्रस्का नार्'् हो. एव , एक् ्रन्नन्त्रान्तान्तान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नभीन स्थना

भारत जुरका

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिमांक 4 मवम्बर, 1985 अई-4/37-ईई/15426/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, 2री मंजिल विग-बी० ''अशोका टावर'' इमारत, कलुपवाडी रोफ्ड, बोरिवली (पूर्व); अम्बई-400066 में स्थित है (भ्रीर इससे उपावज्ञ अन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)/ग्रीर जिलका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याल में रिजस्टी है। तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य रे कम के क्रथमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की यह है। और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार बन्ध, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एके दश्यमान प्रतिफल का शम्ब्रह प्रतिकात से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नवा प्रतिक्रम निम्नीनिकत उद्देश्य ने उक्त जंतरण जिल्लि में गस्तियिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा केलिए; और/या
- (स) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय गायबर अगिनियाः (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, याधन-कर अक्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. मेसर्स गोयल बिल्डर्स प्रायवेट लिभिटेड। (अन्सरक)
- मैसर्स टीना ल्टील ।

(अन्तरिती)

का बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां सुरः करता हुः ।

उक्त सम्पत्ति के कवन के संबंध में कोई भी काक्षेप ह---

- (क) इस स्वाना के राज्यक में प्रकाशन की तारीय 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सुचनाकी तामील से 30 दिन की व्यवधिः, जो भी जनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (था) इस स्वाना के राज्यका में प्रकाशन की तारीक ही 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति मा हित-बबुध किली बन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्री पदी कः, ४ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

फ्लेट नं० 201, 2री मंजिल, विग-बी० "अशोक। टावर" इमारत, कलपवाड़ी रोड, बोश्विली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

अनुमुची जैयाकी ऋ० मं० अई-4/37-ईई/15426/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिशांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिनाक. 4-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 ध (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4,बम्बई

बम्बई दिनाक 4 नवम्बर 1985

निदेश स॰ अई-4/37-ईई/15438/84-85—अत: मु लक्ष्मण दास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हुँ कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उभित बाबार मुक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हुँ

भीर जिसकी स० फ्लेप्ट न० 302, उरी मंजिल, विग-बी, ''अशोका टावर'' इमारत, कुलुप्वाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित हैं (म्रॉर इमसे उपाबद्ध अनुतूची में म्रीर पूर्ण रूप से बाजित हैं)/म्रीर जिनका करारतामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के कार्यलय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 मार्च 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयंत्रान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार जूल्या, उसके द्वयंगान प्रतिफल से, एसे द्वयंगान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निचित उद्वेष्य से उक्त अंतरण चिचित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तर्भ के हुए फिली जाव की बाबत, उक्त विभिन्नम के बधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी, करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी काम या किसी अन या अन्य आस्तियाँ कां, जिन्हों भारतीय आक्तिस अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनयम, या अन-कर अधिनयम, वा अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यास प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा विकास के क्यार

कतः बहः, बक्त विधिवयम की धारा 269-ग के बनुकरण में, में, उक्त विधिवयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :----

1 मेसर्स गोयल बिल्डर्स प्रायवेष्ट लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. मेसर्म टीना स्टील ।

(अन्तरिती)

को मह स्थान जारी कारके पूर्वोक्स सम्मरित के वर्षन के किए कार्यवाहिया बुक्त करता हुए।

उनत तन्मरित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में क्राधान की तारीक के 45 दिन की कविथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूथना की तानील से 30 दिन की अविध, को भी खबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सूत्रारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सपत्ति में हिसबक्ध किसी बन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविध में किए वा सकीये।

स्पष्टीकरण:--प्रसमें प्रभुक्त क्षव्यों और पर्दों का को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विका गया है।

अन्सूची

फ्लट न० 30) 3रा मिशि (विण-४), 'ओका टाहर्' इम्परन जुनुखाडी राङ विशि ता (पूर्व), बर्बई-400066 में स्थित है।

प्रमुखा चीतनो कार तर पर्छ- /२ -ईई/ :5438/81-85 कार का क्षम प्राध (रीचमाई हा दिशाक 1~3-1385 को रुजिस्टई स्थित समा है।

> लक्ष्मण दास कल्लम प्राधिकारी पहर हा व पाप्तत (किरीक्षण) अर्जीयोजीय, बस्बई

दिता ए 4- (१-) 985 माहर

प्र**क्ष** वाह्ं,<u>टी.</u>एन<u>.</u>एक्.-----

नायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन स्वना

शास्त बरका

कार्याजय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्धई बम्बई, दिनाज 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15443/84-85—अत महो, लक्ष्मण दास

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निभिन्यम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी स० फ्लेट न 2 बी-108, पहली मजिल, विग-बी, "आगो का टावर" इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), सम्बई-400066 में स्थित हैं (भौर इसम उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका तरारनामा जायार अधिभियम, 1961 की धारा 269 के, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1 मार्च, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य सं कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाउन्द्र मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल सं, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तय पाया गुवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित के बास्तविक रूप से केंगित मही किया यथा है है—

- (क) बन्तरण तं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अंतरक के याभित्थ में कभी करने या बससे मलने में सुविधा में सिए; और/धा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन रा अन्य आस्तिये कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उज्ज्ञ अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अतारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिपाने के सिवधा के लिए.

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सधीन, निम्नीलिक्त स्थिक्त्यों, स्थित् :---

- 1. मसर्स गोयल बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड ।
 - (अन्तरक)
- 2. मेसर्स टीमा स्टील ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ध--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हिस-बव्ध किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी खे गास निवित में किए का सकेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं -वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याण में दिया गया है!

वयक्की

ंपलेट न० बी०-108, पहली मजिल, विग-बी०, ''अशोका टावर'' इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

अनुभूची जैगाकी ऋ० स० अई-4/37-ईई/15443/84-85 श्रीर जो सक्षम प्रथिषकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

दिशा ह 04-11-1985 मोहर .

प्रकम बार्च. दौ , एन , एक ,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार कार्याज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 नवस्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई 4/37 ईई/15474/84-85—ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पोत्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी० 208, 2रो मजिन, विंग बी०, "श्रशोका टावर" इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्मई-400066 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है)/श्रौर जिनका करार-नामा श्रायकर श्रद्धिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्टी है नारीख 1 मार्च 1985

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्विक्त सम्प्रीत का उपित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिकत से, एमें रच्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य माबा गया प्रतिकत, निम्निबिचत उनुष्केष से उच्त बंद्यक मिनिचत के बास्तिक रूप से किया नदी किया नदी है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबल, उक्क अधिनियम के अधीप कर दोने के अन्तरक के बावित्य में कनी करने वा अध्यो बचने में सुविधा त्री सिए; अदि/वा
- (च) ऐसी किसी नाम मा किसी भन था अन्य आस्तिया का जिन्हों भारतिय अय कर अधिनियम, 19:22 (19:22 का 11) ते अन्त अ तिस्यम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के सिए;"

अत. अब, उक्त अधिनियम को धारा २६९-ग के अन्मरण के, मैं, उक्त अधिनियम की भारा २६९-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ं——

- 1 मेसर्स गोयल जिल्डमं प्रायेषेट लिमिटेड। (ग्रन्तरक)
- 2. मेमर्स टीना स्टील।

(ग्रन्भरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के खिए कार्यगाहियां करता हुं।

उनत सम्मित्त के कर्णन के संबंध में कांद्र भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के ट्राजपन में प्रकाशन की तारीब ते 45 विन की अविधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पात्त में हिंग क्ष्म किसी जन्म न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात सिवित में किए आ सकोंने।

स्पाद्धीकरण :--- इसमें प्रयुक्त गाव्यों और पदों का, जो उसक अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभागिक है, वहीं अधे होंगा, जा उन अध्याय में जिया गया हैं।

भन्स्चा

फ्लेट नं० बी-208, 2री मंजिल विग-बी ''श्रशोका टावर'' इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोग्विलो (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि कि स० श्रई-4/37-ईई/15474/84- 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 01-03- 1985 को रजिस्ट्री किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज-4, बम्बई

दिनाँक: 4-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ध, दिनाँक 4 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० श्रई-4/37-ईई/15457/84-85—श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य

1,00,000 /- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट न० ए-109, पहली मंजिल, विग-ए० "ग्रिशोका टावर" इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066, में स्थित हैं (ग्रीर इनसे उपावज्ञ प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मंबणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायक्तर ग्रिधितियम, 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं सारीख 1 मार्च, 1985

को पूर्वाक्षत सपित के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्ष संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशात से अधिक है और अंतर्क (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिशित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित में सास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंशरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या विशी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मेनर्स गोयल बिल्डर्स प्रायेवेट लिमिटेंड। (अन्तरक)

2. मेसर्स टीना स्टील ।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

"पनेट न० ए2-109, पहली मजिल, विग-ए०, "ग्रामोका टावर" इमारन, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

सनुसूची जैसाकि करु सरु सई-4/37-ईई/15457/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 01-03-1985 को राजस्टडं किया गया है।

नक्ष्मग दान लक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जद रंज-4, बम्बई

दिनाँक: 4-11-1985

माहर:

क्ष्म बार्ड . टी., एन , पुत्र , उरस्क

1 में पर्स गोयल बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

2. मेसर्से टीना स्टील।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिनौंक 4 नम्बर 1985 -

िर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/15453/84-85—म्बतः मुझ लक्ष्मण, दास

स्नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी न्त्रे, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मपित जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00.000/- के से अधिक है

श्रौर जिसगी स० पलेट न० 109, पहली मंजिल, विंग-बी, "श्रणोका टावर" इमारत, कुलुपबाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400060 में स्थित है (श्रौर इससे उभवड श्रनुपूजी में श्रौर पूर्ण रूप से विंगत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रामकर श्रियिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रदीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारों के कार्यात्रय में रिजस्ट्रो है नारीख 1-3-1985

- (क्ष) कत्तरक ने हुई किसी नाय की बावल, उपस् अभितियम के अजीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सृविधा के नित्त , जॉर/या
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ । अधिनियम, आ धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता आहिए था, ष्टिपाने में स्विष्ण के किए।
- त्य कर उच्च अभिनियम की भारा 269-म **से समुसरम** वै भौ, जान अधिमिश्रम की गरा 269-म की उपभारा (1) को अधीत, निम्नोलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्व किस सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ब कर सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्वान के रावपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद स्वान की तामी से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ट में किये जर सकते।

रषक्टीकरण - - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नह अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्लेट नं० 109 पहली मंजिल विग-की "ग्रशोका टावर" इमारत कुलुपवाडी रोड, वोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि क० सं० श्रई-4/37-ईई/15453/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनाँक: 4-11-1985

शक्ष्य साथ दे एर एक ----

भावकर समिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

बाह्य प्रमुख

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई अम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० भई-4/37-ईई/15428/84-85--- म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिले इसके प्रकार 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं)., की भारा 269-क के वभीन सक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्वावर सम्बद्धि, विश्वास विकार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० ए-209, 2री मजिल, विंग-ए, "ग्राणोका टावर" इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व) बम्बई-400066 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विंगत हैं), ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं तारीख 01 मार्च 1985

को पूर्वों कर सम्परित के विश्वत वाचार मृत्य से कम के स्वयमाथ अतिफास के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित वाचार वृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफास को पन्तर प्रतिकात से अधिक है और प्रतिकात के जिए तय पाया गया पिछक निम्नलिखित उस्टोर्य से उस्त अन्तरण कि लिए तय पाया गया पिछक निम्नलिखित उस्टोर्य से उस्त अन्तरण कि सिखत के अस्तिक कम से किया नहीं किया गया है है है

- भी वश्तरण शं क्यू किन्छी क्या पर्ने क्राध्या कर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा की लिए: कोर/बा
- हैं बो एसी किसी बाम या किन्य भन या बन्य बास्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में कविधा के लिए;

चतः जब, उक्त अधिनियर े धारा है. के स्वत्सरेक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिक्षित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैं अर्स ग्रोयल बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड।

(भ्रन्तरक)

2 मसर्स दीना स्टील ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षम के जिय् कार्यवाहियां करता हुं।

उपन सम्मरित के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🦛

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अविधि यें तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से उन्न दिन की अविधि, वो भी व्यक्तियों में सं क्षित्र स्वीक्द व्यक्तियों में सं 'भी व्यक्ति बुवारा,
- (ख) इस सूचना के राज्यंत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा एगोहस्ताक्षरी के पाद निस्ति में किए जा सकरें?

स्यष्टीकरण:——इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित है. वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका क्या है।

<u>अनुसुची</u>

फ्लट नं॰ ए-209, 2री मंजिल, विग-ए ''ग्रशोका टावर'' इमारत कुलुजनाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋं० सं० श्रई-4/37-ईई/15428 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 01-03-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

दिनौंक : 4- 11- 1**98**5

मोहरः

धरूप बाईं.टी. एतः एस . ======

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आदलर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बस्बई, दिनाँक 4 नवज्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/15 430/84-85—ग्रतः मुझे खदमण दास

भायकर अिंिजम, 1961 (1961 वा 43) (जिले इसमें इसके परचाल अक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट न० ए०-208, 2री गजिल, विग-ए, "श्राो हा टावर" इनारा, कुलावाडो रोड, बोरिवली (पूर्व) बस्वई-400060, में रियत है (श्रीर इनि उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विगत है) श्रीरजिन्न करारनाला श्राजहर श्रिवियम, 1961 की धारा 269 क, ख हे श्रवीन, बस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिवस्ट्री है। तारीख 1 मार्च 1985

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथण्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्त से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिल्हें भारतीय आयजर जिल्हों जिएस, 1922 (1922 का 11) या जनत जिल्हों किया था धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मर्जर्स गोनल बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड। (श्रन्तरक)

2. मैत्सं टोना स्टील ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के किर कार्यवाहियां करतारा हुं।

जबत सम्बन्धि को वर्षन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :-

- (क) इस रचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सैं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर रूपा की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि को सो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (य) इस स्वात के राजपण में प्रकाशन की तारीब सें १८ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध विक्ती क्या कार्यित द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास किरिका की किए जा सकरेंगे।

र्यस्केतरण :---एतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स जिश्वित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पत्तेट नं॰ ए-208, 2री मंजिल, विग-ए "प्रशोका टावर" इनारा, कुतुराबड़ी रोड, बोरिवली (पूर्व) बम्बई-400066 में स्थित है।

श्रान्ति जैतिक कं० स० श्रई-4/37-ईई/15430/84-85 श्रीर जी नत्त पात्रिकारी बस्त्रई द्वारा दिनौंक 01-03-1985 की रिजल्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सस्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनाँ ह: 4-11-1985

भ्रश्न्य शाह^र.टी. एन . एस . ---#--

बायकां अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा अकि (४० लीड नेप्ट क्षणां

भारत सरकार

काशांसिक, सङ्ख्यक काथमर आयुक्त (भिरीकाम)

श्रमें न रेंज- 4, बम्बई बम्बई, विनाँ 5 4 नवम्बर 1985

निर्देश स० थई- 4/37-ईई/15442/84-85—श्रतःमुद्धी, लक्ष्मण याज,

बायकर खिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परंचात् 'उवल खिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के बधीन सक्ष्म प्राधिकारों को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से खिथक है

- स्थान कलारण है हो की काम की बाबद , अवक अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व
 भी कभी कारण है। उनम्ब बसने में अधिकार के किए:
 वीर/सः
- ं श्रिक्त एमी किसी साथ वा जिल्ही एन या ब्राय बाक्तियां वर्षे, जिल्ही राष्ट्रतीय अध्यार व्यक्तिसम्म 1922 (1922 की १६) या उस्त अधिनियम, वर्षेन्य राष्ट्रीलयम, १९५७ (1957 का 27) । १०११ हे प्रिन्दी इंग्लेश हरूट लक्षी किया में प्राप्त प्राप्त प्राप्त की प्राप्त प्राप्त की प्राप्त

- 1. मैसर्स गोयल बिल्डर्स प्रायवेट लिगिदेड । (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स टीना स्टील।

(भ्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिये कार्यवाहियां करता हूं।

रायत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध , के भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के छे किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहम्साक्षरी के पास 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिराचड्ड सिश्विट में किए का सकागे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा इस हैं।

बन्त्यी

फ्लेट मं० ए-208 3री मंजिल, बिग-ए, "ध्रमोता टावर" इमारत, कुलुग्वाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), धम्बई-400066 म स्थित है।

ध्रनुसूची जैनाकी ऋ० सं० ध्रई-4/37-ईई/15442/84-85 ध्रीर जो सक्षत निधि तारी बन्बई द्वारा दिनौक 01-03-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लझ्नग वास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षग) श्रनी रेंज-4, बम्बई

विनौक: 4-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्मन रेग-4, सम्बद्ध

बम्बई, दिनाँक 4 नवस्बर 1985

निर्देग सं० अई-4/37-ईई/15433/84-85---अतः मुक्ते, लक्ष्मण दास

शायकर श्रिभित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धीर जिनकी सं० पनेट नं० 202, 2रो मंजिन, विग-ए, "ग्रशोका टावर" इनारत, कुनुनवाड़ों रोड, बोरियनी (पूर्व), बम्बई-400066, में स्थित हैं (ग्रोर इनने उपाबद्ध प्रानुस्ती में ग्रीर पूर्ण रूप से विनित्त हैं) ग्रोर जिनका करारतामा आनकर ग्रधितियम, 1901 को धारा 260 क, ख के ग्रशोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्टी हैं तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त जीधीनयम के जधीन कर दोने के अंतरक वे दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए, जॉर/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के विए;

क्तः ब्रायः, उत्कत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उत्कत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्मणिखित व्यक्तियों, अधौत्:— मैं मैं सम्मं गोयल विल्डर्ग प्राइवेट लिनिटेड।

(ग्रन्तरक)

2. मैंसर्स टीना स्टील।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पंध के अजन के किए कार्यवाहिया करता हु।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की सारिख से 45 दिन की अविध या तत्संवंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (प) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति दे । रा, अपाहरनाक्षरी के पास लिखित में किसे पर सर्वेगे!

स्वव्यक्तिरण :--इपमें प्रयुक्त शब्दः और खो का, जो उक्र व्यथितियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विशा नवा है।

मम्स्**ची**

फ्लेट नं० 202, 2री गंजित, जित्त-ए, "प्रणोहा टावर" इमारत, कुलुपवाड़ी रोड, बोरिवली (पूर्व), बस्बई-400066 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसाकी कि० सं० ग्रार्ट् 4/37 हैई/15433/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राविकारो बन्बई द्वारा क्रिकेट 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दान सक्षम प्राधिकारी सहायक आधकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज-4, वस्बई

दिनांक: 4-11-1985

मोहरः

इक्द आर्.टी.एन.एस . व्यव्हारा प्राप्त

बायक विधित्यम्, 1961 (1961 का 43) का धारा 269=म (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक बाहकर आपृतत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, वस्वई बम्बई दिनांक 4 नवस्वर, 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/15436/84-85 —ातः मुहो, सक्ष्मण दास

बायकर बिभिनयम, 1961 (1961 का ८) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को दह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिस्की सं० पलेट नं० 101, पहली सी विशानी, "म्राक्षेताटाँवर' इमारत, गुलपवाड़ा रोड़, बोरियली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है (ग्रीर हाले जावद्व त्रुतुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर रिशा पार पार प्राप्त प्र प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्राप्त प्

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार सृत्य स इ.म के इश्यमान वितंत्रल के लिए अन्तरित की गई है और मूल यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त स्वीत्त का उचित बाजार कृत्व, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निविश्वत उद्देश्य से उक्त अन्तरण किवित में बास्तिक रूप से किथा गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आप को साबत, उक्त बीधीनयम के अधीन कर दम के अन्तरका के सामित्व में कमी करने या उससे वनने में स्विधा से किस: स्वीर/बा

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा १९६ ग के एन्सरण बै, बै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) बै अधीन निम्नसिख्त व्यक्तियों हक्षी :--- 1. मेटर्स गोयल जिल्डर्स प्रायवेट लिगिटेड।

(अन्तरक)

2. मेसर्स टीना स्टील।

(अन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके प्विंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया शुरू करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चता की तामील से 30 दिन की अविधि, बो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेगे।

स्पच्टोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पलेट नं ० 101 पहली मं निय, विग-बी "ग्रशोका टावर" इमारत, कुलुपवाड़ी रोड़, बोस्विली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

प्रतुमुची जैसाकी कि० सं० ग्रई-4/37-ईई/15436/84-85 ग्रीर जो सक्षत प्राधितारी यन्यई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिनस्ट्री िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायच ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनां ह : 4-11-1985

प्ररूप बाईं.टो.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रार्थन रोंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांत 4 नवम्बर, 1985

ि निर्देश सं० ऋहेत्यु १२६६ई | 15440 | 84र85-- श्रतः सुसे, सहसण साग

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परवात 'उकत का विनियम कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिवारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और िस्तर्का संविष्ट नंव 303, 3री मंदित, विग-ए, "अमोश टावर" इसारत गुनुतार्थी रोड, विदेशी (पूर्व), यापर्व में स्थित हैं (और इं) एसारद एनुसुने ने और पूर्ण स्व रो

ध्णित हैं) और िसता स्थानिका एका एका एका ए कि विविद्यम, 1961 की धारा 269 के, ख के हार्वी , व्यवह स्थित रक्षम प्रा-धिनारी के वार्यानिक से रिल्ट्री है। तार्थि 1 मार्च 1905 का प्रावस सम्भास के लिया ग्रा-स्व में काम के प्रथमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते ग्रह विश्वास करने के कारण है कि यथा ग्रवासत सम्भत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रातकल में, एस र यसान जाउकार का बन्दह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितमों) के बीच एसे अतरण के लिए तम पाय। ग्रा प्रतिक के विमानिधित उद्वेश्य से उस्त अंतरण लिखित में बास्तिक क्य से क्रियत नहीं किया गया है ।—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रभोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महो किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधार (1) के अधीन, निम्हिखिल क वित्तयों, अर्थाल :— 1. गोजन बिल्डर्स प्रायवेट शिलिटेड ।

(अन्तरः)

2. मेसर्स टीना स्टीन।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

एक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या सरसज्जी का जिलरों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ठ व्यक्तिया में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त रूपायर मणिल मो हितबद्ध किसी उन्य व्यक्तित द्वाग अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: — इसमें प्रयूक्त घट्टों और पदों का, जो उसत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लेंट नं॰ ए-305, 3री गैजिल, विगत्गए "ग्रशोता टावर" इमारन, गुलुपवाड़ी रोड़, बोरिनली (पूर्व), बम्बई 400066 में स्थित है।

अनुसुची जैराकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15440/84185 और जो सक्षम प्राधि परी चन्नई द्वारा दिनों : 01-03-1935 शो रिकस्टर्ड निया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राविजा**री** सद्दायक **प्रा**वज्य शायुव्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-4, बम्ब**र्ड**

दिनांत: 4-11-1985

शक्य बार्'. दी. यून. एस.-----

1 में उसे गोजन दिन्छर्स प्रायवेट जिमिटेड।

(मन्तरक)

2. मेसर्स टीना स्टीस।

(भन्तिरती)

नायकः निभिनियम, 1981 (1961 क 43) की भाषा 269-च (1) के अधीन स्थना

नारत त्रकार

कार्यांतय, सहायक वायक, शायुक्द (निरीक्षण)
धर्जन रेंज-4, बम्बई
दम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985
निरोध नं० धरी-4/37ईई/15424/84-85---धतः मुझे, लक्ष्मण दास

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसती सं० परेड नं० बो-303, 3री मजिल, जिल-बीत 'श्रमोरः। टायर' धरारा, कुलुपवाड़ी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित हैं (श्रीर इडी उनाबड़ श्रासूची में श्रीर पूर्ण एन से विणा है) श्रीरिजिस ता करारतामा कायार प्रिवित्यम, 1961 की धारा 269 ज, ख के श्रवीत, तारीख अम्बई स्थित स्क्षम प्राधिनारी के वार्यालय में स्थितहरी है। सारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विधवास करने का कारण है कि यथाप्र जिल्ल सम्बत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल - एसे दरयमान प्रतिफल का स्लूह प्रतिशत से द्विभक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तर्क) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य ज्यामा गया प्रतिफल अन्तिलिशत उद्देश्य से उसत अंतरण लिशत में वास्तिक रूप से किशत नहीं दिन। गया है है—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों आरतीय दासकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ... अधिनियम, ना धनकर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) ते प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अपतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा-269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :---

को यह सूचना आरी करके पूर्वीक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

समत राम्पति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क्रिन 45 दिन की अबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ह1, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स् ची

पलैंट नं० बी-303, 3री मंजिन, विग-वी, "स्रशोका टावर" इमारत, कुल्वाबाड़ा रोड़, बोरियली (पूर्व), बग्व्यई-400066 में स्थित है।

अनुसुनी जैसाकी कि० सं० आई-4/37-ईई/15424/84-85 भीर जो सज़न प्रावितारी के बन्बई द्वारा विनोत 01-03 1985 को रिनस्टर्ड दिया गना है।

> लक्नण दास समन प्रतियासी सहायत आयत्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्थारोज-4, बन्बई

विनी ह : 4-11-1985

प्ररूप नाई. टी. एन. एस.------

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) फर्जन रेंज:-4, बम्बई

बम्बई, विनां र 4 नथम्बर, 1985

निटेंग सं० द्राई-4/37-ईई/15456/84-85—द्रातः मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उकत अधिनियम', कहा गया है, की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिस्ति। सं० पर्नेट नं० 302, 3रीं मंजिन, जिन-ए, "श्रामीना टायर" इमारन, नृजुपयाड़ी रीड़, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है (श्रीर इपी उपायक शतुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर विराग क्यापालामा शासान्य प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 का ख के प्रधीन, बम्बई स्थित राक्षम श्राधिकारी के वायकिय में रिनिर्ट्र है। तार्राक्षः 1 मार्च 1905

को प्यंतित सम्पोत्त के जीवत बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास केस्ने का कारण है कि यथाप्त्रींक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्नत अन्तरण किश्वत में वास्तिवन्न रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/स।
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, किन्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ कर रही हमारा प्रकृत नहीं किया गया भा विक्या जाना चाहिए था, स्थितने में स्विधा के लिए:

अतः असं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निखिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :— 1. में उसी सीकार विरुद्ध प्राप्यवेट विकित्ते हैंड ।

(अंश्तरह)

2 मेसर्स टीना स्टील।

(भ्रग्तारती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) इस स्वनः की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वध्येहरूसाक्षरी के एक लिएन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .--इसमा प्रयक्त ग्रन्दों और पद्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा गरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस्थी

फ्लेंट न० 302, 3री मंतित, विग-ए, "ग्रमी पटावर" इमारत, कुलुपत्राड़ी रोड, बोरियली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

> लक्नण धास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रोज-4, बम्बर्ष

বিশিকা: 4-1-1985

मोहः 🕹

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनोत्त 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अर्द-4/37-ईई/1545584-85-**- म**तः **मुझे** सक्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उन्त ऑश्नियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का करणा है कि स्थान मध्यान, जिसदा उचित बाजार मूल्य 1,92,000/- रु. से अधिक है

भीर जिल्ली सं ० पलेट नं ० 301, 3री मंजिल, विग-बी, "श्रणोज टावर हमारन, कुलुपनाड़ी रोड, बोरिवली (पूर्व), पन्वई-400066 में स्थित हैं (श्रीर इस्ते उपावड़ शनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप में विणा हैं) श्रीर जिल्ला उपारकामा श्रीय पर श्रीय-नियम, 1961 की धारा 269 ज, स के श्रीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि तरी के जाय लिल में रिवर्ट्ट हैं। तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षल के लिए अतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि यथापवांकत समान्ति का उचित बाजार मूल्य, उत्तके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल कर पन्द्रह प्रतिशत में अधिक हो और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीन एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्शेष से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आम की बाबत, उस्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक की वायित्य में अभी करने ना उससे बचके मा सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंगी किसी अध्य किसी वर्षा प्रत्य आस्तिवाँ करों, एरनों एएनीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम या १८ का प्राप्तियम, 1957 (1937 का 27) व एकाजनार्थ जन्तिर्ती व्यास प्रकार नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में उतिस्ता है किए

अतः अवः, उक्त अधिनियमं, की धारा 269-घ के अनुसरण में, में, उधत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) डे बधीन, रिम्निलिश्वत व्यक्तियों, वर्धात् ध्—ः

- 1. में प्रचं गोंपन बिल्डर्स प्रायवेट लिमिटेड । (धन्तरक)
- मेरार्स टीना स्टील।

(धन्तरिती)

को यह स्चना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

}_

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र जो प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद भी सदात हाती हो, क भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपात्र मो प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर भरपत्ति मो हित-ब्द्ध किनी अन्य ब्योवन द्वारा अधोहस्ताक्षरी वं पाम निष्यत भी किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरणः-- इस्में प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सवा हो।

धनुमूची

फ्लेंट नं० 301, 3री मंजिल, दिग-बी, अशिक्ष का **टायर** मारत, कुलुपशाड़ी रोड, बोरिवर्ता (पूर्व), बम्बई-40006**6** में रियत है।

श्चनुस्ची जैसाहि भ० सं० हाई-4/37-ईई/15455/34-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिहारी बम्बई द्वारा दिनी र 1-3-1985 को रिजस्टई जिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रविधास**री** सहायस खायकर खायुक्त (विरीक्षण) खर्जन रोज-4, **यन्बई**

दिनो हं: 4-11-1985

मोहर ध

प्रकार कार्य है ही , एन् , एवं , + -- +

कायकर वरिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्राजेन रेंग-4, बम्बई बम्बई विसाद 4 नवम्बर, 1985 निदेश सं० श्राई-4/37ईई/15469/84-35--- श्रायः सूझी, स्रक्षण दार,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचाल 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

को पूर्णीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित जाजार मुख्य बसके द्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिफल का क्लूह प्रतिश्वास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्योग से उवत अन्तरण लिखित में बास्तिक कम से किथत नहीं किया गया है:—

- [75] अन्तरण से हुन्दे किसी बाय की बायत उसत अणिक नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अग्रि/या
- (क) ऐसी किमी बाय या किसी भन या कर्य बास्तियों को, जिन्हें भारसीय बायकर बाधिनियंत्र, 1922 (1922 का 11) या उक्त बाधिनियंत्र, या भून्-कर बाधिनयंत्र, 1957 (1957 का 27) बी प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किए जाना वात्रिए था, कियाने में सुविक्ष के आए:

मत् अवः अवस बांचित्रियम की धारा 269-म के निर्वास में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों, अधितः—
54—576GI/85

(1) गोजरा बिरहर्त प्रा० णि० .

(धन्दरक)

(2) मैं इसे टीना रटील

(प्रनारिती)

की यह सुचना जारी कर है पूर्वीकल प्रकारिक भी कर्जन के किस् बार्यवाहियां धारता हों।

टनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप:--

- (क) इस स्वता के राजधार में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अर्जाध में तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील में 30 दिन की अवधि, को भी अवधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजित्व व्यक्तियों में ने किसी न्यस्ति ह्वारा;
- (श) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उपत स्थातर संपत्ति में हित- सद्ध किसी अन्य व्यक्ति दराय, अधांहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा मर्लगे।

रपटिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अव्याय २०-क मी स्था परिभाषित है, उट्टो अर्थ होता, या उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

पिष्ट नं ० ए-10६, भिष्टि कि. विराह्म कि.स. (श्रामीता टावस्) ास्टा, हो। एकी रोड, मी विस्थि (१४), बलाई-66 में स्थित हैं ,

श्रनूषुकी जैता ि छ० सं० शई-4/37ईई/15469/84-35 श्रोत को उता प्रतिवादी बनाई, द्वारा विते । 1-0-1905 की रिन्टिक विचा गया है

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि तरी सहायक प्राथकर झायूद: (िरिक्षण) सर्जन रंज-4, बम्बर्स

पारीच : ६-३ ५-1985

प्ररूप नाइं.टी.एन.एस. ------

नायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

धार्जन रें ज-4, बम्बई

बम्बई दिनां ह 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ऋई-4/37ईई/15568/84-85--- ऋतः सूचे, कदमण दास

बायकर अचिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके परेकात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लंट तं० 102, किं। गंजिल, विश्व-ए, "इक्षीक टाबर" इमारा, कुल बाडी रोज, बोरबली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित हैं (श्रीर इति उपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्णक्ष से दर्णित हैं), श्रीर जिजा जगानगमा झायार श्रीधित्यम, 1961 की धारा 269 जब ने श्राप्ति, बम्बई स्थित लक्षम प्राधित की वायलिय में रजिस्ट्री हैं। दारीज 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से क्षम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रथा, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पापा गया प्रतिफल, निम्नतिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिकित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है हुन्न

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, अक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (ख) ऐसी किमी जाग या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) ऋ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सूबिधा के सिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को, अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) गोन्स थिल्डर्स प्रा० सिं०

(भन्दरक)

(2) मैं उसं टीना स्टील

(ग्रन्:िती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के तिय कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

तकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की रामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध साथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्ष व्यक्तियां में में किमी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मपत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पार निर्मायन में किए जा सकरें।

स्पर्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

अन्स्घी

फ्लेंड नं॰ 102, 1ली संिल, दिय-ए, "ध्रकोट टाइर" इमरा जुलाबादी रोड, बोट्स्सी $(g^{\frac{1}{2}})$, बग्दर-66 में स्थित

श्रवून्ती जैसि कि के कि श्री-4/37ईई/15468/84-85 श्रीर जो सभाव प्रक्षि की, बम्बई द्वारा विसे : 1-3-1985 को किस्स्टई किया गरा है

> सक्ष्मण दास चक्षम प्राधि ११री सह वण श्राय ३१ श्राप्त (निरीक्षण) श्रानंत रंध-4, बस्बई

सारीव : 4-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रार्थन रें:-4, बम्बई

बञ्बई, दिनां र 4नवम्बर, 1985

निवेश सं० ऋई-37ईई/15473/84-85-→ **अ**तः मू**से**, लक्ष्मण टा∴,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रा. सं अधिक है

स्रीत दिवि में १ १८८ में १ १८५, विते में ल, विश-ए, "श्रेणो ता-टांगर" इतात:, वृल्का की, वोरी ली रोड, (पूर्व), बम्बई-66 में स्थि: है (अत् इति काबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विजित है), और बिता का काम श्रामक श्रीकित्म, 1961 की धारा 269 तख के श्रधीत, स वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बायलिय, में किस्ट्री हैं करीख 1-3-1985

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित, की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया ग्या है:—

- (कं) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्ते नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (म) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मं-, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निम्निसिस ध्योक्तयों, अर्थात् है—

(1) गोपल बिल्डर्स प्रा० लि०

(मन्दरक्)

(2) भेसर्न टीना स्टील ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के रिष्ठं कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप 🚓

- (क) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारी ह से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्बाध बाद से समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की रारीख र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधंहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियत, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में निका गया हो।

प्रनुसूची

फ्लेट नं० 105, 1ली मंजिल, विग-बी, "इ.फोरा-टाइर" इमारा, कुलपाडी रोड, बोरवली (पूर्व) बम्बई-66 में स्थित है।

श्चनसूर्वा जैता कि कर संर श्वर्द-4/37ईई/15473/84-85 और जो जनव प्राधि तरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड जिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिनारी सहायक भायकर भायूकः (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

सारीख: 4-11-1985

प्रकप काइं.टो.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयगर आयुक्त (निराक्षण) धर्मन रें:-4, वस्बर्ध

बम्बई, दिता: 4तदम्बर, 1985

निवेश सं० प्राई-4/37ईई/15473/84-85-- प्राः मुप्ते, स्वस्मण यादा,

बाग कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उदल अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन राधाम प्राणिकारी को यह निश्तास करने का कारण है कि स्थावन राष्ट्रि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

मीर विजिश सं० परेट नं० 201, उरी मंदिरा, दिन-ए, "झशोझा-टावर" इमारा, कुल (म.डी रोड, दोरवली (पूर्व), वस्वई-03 में स्थित है (ओर उत्तर जन बढ़ अपूर्ति में और पूर्णकर से विणि : है), मीर विजिल कराज्यास आपार अधिविद्यम, 1001 की माल 269 एख के अजीत, पन्त्रई स्पित अक्षम प्रक्षिकारी के दामस्यि रिजिस्ति है सारीज 1-0-1005

को प्रतिवत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान
प्रिप्तर को लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पृत्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिपत्त स, एसे स्वयमान प्रतिफल के पद्धः
प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्निलिश्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक
रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

- (फ) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा
- (भ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (१९22 का 11) या उनत अधिनियम, या धाकर अधिनियम, या धाकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया आना धाहिए था, छिपान में सुविधा धु तिए;

कता: स्वत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) क अधीन, जिल्लीसिखित व्यक्तिया, संशोद :--- (1) गौन्दः बिल्डर्स प्रत् ब्रिंट ।

(भ्राप्तरङ)

(2) मेससं टीना स्टीए ।

(मन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकारन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों परे- सूचना की क्षामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हा, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र भे प्रकाशन की लागीन स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर रापत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास हिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, क अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्तृची

पलेड नं 201, 2री मंधिल, विश-ए, "श्रामीता टावर", इमारा, ज्लाकाडी रोड, बोरवली (पूर्व) व्यवह-06 में स्थित है। श्रापूर्वा जैना जि कर सं श्राह-4/37ईई/15478/84-65 श्रीर जो अभव प्राधि गरी, बम्बई इस्स रिनाल 1-3-1985 को रिनट है विया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिशारी सहायक ग्रायकर भायुका (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-4, बम्बई

सारीख : 4-11-1985

परूप बाइ . टी. एत . एस . -----

बाथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 🐼) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचरा

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक भायकर अत्युक्त (निरीक्ण)

प्रजैस रें ए:- 4, बस्बर्ध

बम्बई विदार 4 गवम्बर 1985 निदेश सं० प्रदे-4/37ईई/15425/34-35 — प्राः मुसे, सक्षमण दशः,

नायकर भिगानवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा प्रया हैं), की भारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह 'बश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मन्य 1,00,000/- रू. से अधिक हैं

मार्गित के तार परित्र कि ए-101, 1वी नितित, किन-ए, "मसी ता-टामर" इपापार, वृक्षुताकी योड, कोणि सी(पूर्व) दश्कि-06 में स्मि: है (मोराइ से उपावड अनुसूची ने मार पूर्ण हर से विजित है) भी: जिल्ला तार तमा आयकर अधिविषय, 1961 की घरा 260 तक के महित, त्यान प्राधित की त्यांका में एक्सिट्रा है। सारीब 1-3-1985

को पूर्वोध्त सम्मत्ति के उचित बाजार मत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक सम्भात का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्दह प्रतिशाज से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए सय भागा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिक रूप से किंभित नहीं किया गया ही ——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आफ की बागत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (19'/का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गमा था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बर्धः धन, उक्त अभिनियम की धारा 269-व के बनुबरक 4, पें उक्त अभिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिवित व्यक्तियों, स्थात् हु---- (1) गोन्स बिएडर्ल प्रत्य रि:० ।

(भ्रदारक)

(2) मेडर्स टीना स्टीरा ।

(मन्दरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के सिध् कार्थवाहिया शूरू करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में लोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में अकाशन की तारी का स 45 दिन की अविध सा असम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्रबंकित व्यक्तियों में से दिसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थान्तर सम्पत्ति में हिसबस्थ किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अ गहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सके 7

स्पष्टीकरणः—इसमा प्रयुक्त शब्दों सौर पदो का, जो असत अधिनियम, के का 20 20 का परिभाषित है, यही अर्थ होग जो उस अध्याग को टिका गया है।

धम्सूची

पनेड नं ० ए-101, 1ली मंजिल, विग-ए, "झगोता टावर" इमारत, कृषुतावडी रोड, बोल्पिली (पूर्व), बन्बई-66 में स्थित है। अनुभूवी जैता कि क० सं ० अई -4[37ईई/15425/84-85 भीर जो सक्षम प्राधि तरी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिनस्टड विया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंग-4, बम्बर्ड

ए रीख : 4-11-1935

प्ररूप बाइ". टी. एन. एस.-----

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के सभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रें ज्:-4, अम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवस्बर 1985

निवे: सं० ग्राई-4/37ईई/15476/84-65--- मदः म्यो, सक्षमण दारः,

बायक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स में अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर ि.जी सं० फ्लेट नं० 102, की मीराल, दिस्सी, "इमोरा-टावर" इनार, बूलूप वाडी रोड, बोसिली (पूर्व), बरवई-66 में स्थित है (ब्रोर इजी एसावढ़ अनुवान में ब्रीट पूर्वकप से दिलत है), ब्रीट जिजात उपालामा आजार ब्रीटिएम, 1001 की छारा 260 व्हारे अजीत, बनवई स्थित क्षम प्राधिक री के वार्यालय में रिकिस्ट्रीही। तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उचित बाजार मूहन से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूहन, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्दह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकॉ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए एय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उथल अंतरण निम्निलिख प्र

- (क) बन्तरण संशुद्ध किसी बाय की बावत अक्त वर्षिक नियम के मधीन कर दोने के बन्तरक की दादित्य से किसी करने या उस्ते बचने में स्विधा के सियं; और/वा
- (व) एंसी किसी बाय या किसी धन बन्च बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यवा भा या किया बाना बाहिए था छिपाने में सुविधा से सिए;

शत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के सन्सरण वी, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसिक्त व्यक्तियों. सर्वात 2--- (1) गोजा विल्डातं प्रा० धि ।

(s, r, t, :)

(2) भेजनंदीता स्टील ।

(भ्रन्:िती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

चक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप रू→

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितवर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी पे

स्पष्टोकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषि। है, यही अर्थ होगा थी उस अध्याय में दियम गया है।

वन्स्ची

पिते नं 103, 1ली मंशिल, विज्ञानी, "प्रकोश टावर" इमारा, कुल्शिकी रोड, बोशिकी (प्रे), बस्बई-66 में स्थिश है। अनुसूर्वी जैस शिक्षक मं अई-4/37ईई/15476/04-85 और ओ अन्य प्रियोश विज्ञासी, बस्बई द्वारा विज्ञास 1-3-1985 मो रिजिस्ट है। या गया है।

सक्षमण दास सक्षम प्राधि ारी सहाय ह ग्राय हर ग्रायुका (निरीक्षण) ग्राजैन रें ज-4, बस्बई

सारीख: 4-11-1985

प्रकृप बाहा. टी. एन. एम्. ------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

मारत सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जनरें ः-4, वम्बई बम्बई, दिन्ति 4 नदरबर 1985

निदेश सं० मई-4/37ईई/15470/84-35-- फ्रतः मुझे,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमैं इम्में परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- स के अभीन सक्ष्म प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1.00,000/- रह. से अधिक है

भीर जित्ति सं ७ पतेष्ट नं ० 301, 3री मंिदर, दल-ए, "ग्रामीता टाबर", इमार क्याबाडी रोख, बोस्टिली (पूर्व), बार्ब-66 में स्थित है (ग्रीप बतसे प्रसंबद्ध अनुपूर्वी में ग्रीत पुर्णस्य से बॉक्स है), ब्रॉट जिउटा रायास्तामा श्रयार श्रिक्षित्यक, 1061 की धारा 269 रख के श्रधीन, वस्बई स्थित रक्षम प्र धिरारी के रायी-खन में एिस्ट्री है। स.रीख 1-0-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला संकम के एकामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भेन्तरिरियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निविक्ति उददोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरम से हुई किसी जाय की बाबत उक्त व्यक्ति-निवस के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविधा को लिए, बोह/या
- (श्व) एरीसी किसी आय या जिल्ली घन वा अन्य जास्तियोँ को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अह प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया नायाकियापानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा चे जिए:

अतः अत्य, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे बंधीन, निन्तिसिक्ति व्यक्तियों, वर्धात् हे---

(1) गोजल बिल्डर्स प्रा० हिए ।

(भ्रस्टरक)

(2) मेड्स टीना स्टील ।

(ब्रन्डिशी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्वन् के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप्:--

- (क) इस स्चनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त हांता ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर संपोत्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया वया है।

वनुसूची

फ्लेट नं॰ 301, 3री मंजिस, दिय-ए, "इशोदा टायर" ''अशोधाटायः' इमारल मुलपवाडी रोड, बोरिकल (पूर्व) बम्बई-400066 में स्थित है।

धनुसुत्री जैसा कि क० सं० ग्रई-4/37ईई/15470/84-85 भीर जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिलंक 1-3-1935 की र्राज्यस्टडं किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि ∷री सहायक भायवर धायुका (निरीक्षण) प्रजन रें ज-4, बनाई

सारीख: 4-11-1985

प्रकथ बाई.टी.एन.एस.-----

भाषाकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुमना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकार आयुक्त (निर्दाक्षण)

झजैन रेंज्-4, बम्बई बम्बई, दिनों 7 4 नवस्वर 1985

निदेश सं० घर्द-4/37ईई/15459/84-85--- मा: गूसी, स्वमण दाण.

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्नि, जिसका उचित बाबार मूल्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मीर मिना से पछेट नं 300, उर्ग मीर का किना , "मार्ग किना दायर" इसा ता , कुल् काडी रीड, बोलिए सी (पूर्व), सर्वा-06 में स्थित है (प्रोट इसी प्रायद्ध मन्द्रमी में प्रीर पूर्ण स्प से बिका है), प्रीट किसा राज्याचामा आपार श्रीविष्य, 1901 भी भारा 260 एवं से अभीत, बाबई स्थित रक्षण प्राधितारी के नार्योग्य में परिस्ति है। तारीख 1-3-05

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में नास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधिनियम के अधीन कार दोने के बंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन वा अभ्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर किशीनप्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त कॉंश्विनयम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्या था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विभा के निए;

कतः कवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनमरण कें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधिनः, निस्निसिस्त व्यवितयों, अर्थात् :---

(1) गौरल बिल्डसं प्रा० सि० ।

(बन्दरह)

(2) मै उसं टीना रहीया।

(प्रन्टरिती)

को यह स्वना कारी कारके प्राॅक्त सम्पत्ति के वर्षन् के शिष्ट्र कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपर्तित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस है 45 दिन की कर्यां या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंदारा;
- (ख) इस स्चन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जलक प्रिकित्यम के अध्याय 20-क मा परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया क्या हैं.!

घनसूची

पलेड नं 309, 3री मंत्रिल, दिन-धी, "क्रमोर ा-टादर" इमार:, बुल्लाबाधी रेड, बोलिक्सं(पूर्व), क्रक्टी-06 से क्रिक्ट है। प्रमूखी जैस कि कि से प्रदेन/37ईई/15450/34-8 5 मोर जो उन्नर प्राधि तरी, बरबई क्रास्ट दिस्तं के 1-0-1985 की रिन्स्टर्ड स्मिन्दा है।

> हादमण दात सक्षम प्रविद्यारी सहायण भायकर हा युक्त (निरक्षिण) भाजन रें ज-4, सम्बर्ध

स्तरीब : 4-11-1985

भक्तः नार्वे <u>द्वी पुत्</u>र पुत्र _{वननवन}नवननन

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्वना

भारत बहुबार

भार्यात्तय, सहायक वायकार वायुवत (निरासिका) धर्जनरेंज-4, बस्बर्ध

बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर, 1985

निवेश मं० प्राई- 4/37ईई/15467/84-85--- प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसमें इसमें पर्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकत्ररी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पर्शि, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी- 202, 2री मंजिल, विंग-बी "श्रामोका टावर" इमारत, कुलपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई- 66 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण-रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीध नियम 1961 की घारा 269 कख के श्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है। तारीख 1-3-1985,

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कन के स्वयमान प्रतिफल के सिए अंतरित की गई है और नूकों वह जिल्लाक करने का कारण है कि यथाप्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रवणमान प्रतिफल में, इसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितिवां) के बीच एने बंतरण के लिए तम पाना नया प्रतिक कम, निम्नतिवित स्वयम्य से उचत नन्तरण निवित्त में नात्रिक कम से कथित नहीं सिमा स्वा है है

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के बचीन कर योगे के बन्तरक के दरियस में कमी करने सा उक्क क्यमें में बृधिशा के लिए: कौर/बा
- नि गिरी किमी कार या किमी भन या हत्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय-कार अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम या वक्कर अधिनियम या वक्कर अधिनियम या वक्कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया जा या किया जाना चाहिए था, कियाने में न्विशा के लिए;

(1) गोयल बिल्डर्स प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ससं टोना स्टील

(ग्रन्नरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया सुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप 🖫

- (क) इस ताचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुनारा;
- (क) इक स्थान को राजपन में प्रकाशन की तारीक से 45 किंग को भीतर उक्त स्थावर अपरित में हितमकथ किसी कस्य स्थानत द्वारा अधोहस्ताकरी को पाम लिखित में किए जा सकोगें।

स्यक्कीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम, के अभ्याय 20-क में भरिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्वी

पलैट न० बी- 202, 2री मजिल, विग-बी, "श्रशोका टायर' कुलपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई- 66 में स्थित है। प्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई- 4/37ईई/15467/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैनरें ज-4, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

क्षण्य बार्च , हो , पर् , स्व. - » » « « »

भावकर विधिनियंत्र, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन संजना

भारत सहस्तार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई- 4/37ईई/15462/84-85- भत: मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-न को अधीम तक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का बारण है कि स्वावर सम्पत्ति ,विस्तका उचित वाचार मूक्त 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिमकी सं० पनेट नं० 305, 3री मंजिल, विंग-बी, "श्रशोका टावर" इमारत. कुनूपवाडी रोड, बोरविली (पूर्व), बम्बई-40066 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित हैं), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनिवम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं। तारीख 1-3-1985

को एवंक्ति सम्पत्ति को उचित बाजार मृस्य ते का के दरयभान गीतफल को सिए अन्तरित की गई है और सुओ यह निक्यास करमें का कारण है कि यथाव्योंक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्या, उसके कायमान प्रतिकत्त में, एके कायमान प्रतिकास का प्रमाह प्रतिकत से समिक हैं और अन्तरक (अन्तरका) बीर बन्तरिती (अन्तरितिया) के प्रीय एके अन्तरक के किए तय गाम गाम प्रतिकत्त, विक्तिमित उच्चकि से उक्त कन्तरक निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान में सृविधा से शिवा:

भंत. तक, संबंद विधिनियम की धारा 269-ग को वसभरण में. तें उक्त बीधिनियम की भाग 269-ग को क्ष्मधान्य (1) दंबर्व विकास स्वित्ता स्वास्तिकार्यों, **क्ष्मीर प्र**---- (1) गोयल बिल्डर्स प्रा० लिए।

(भन्तरक)

(2) मेमर्स टीना स्टील ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समित के बर्चन के समान्य में कोई भी वालीप :---

- (क) इब ब्यूबना के राजपण में प्रकाशन की ठारीस से 45 दिन की श्वीध या तस्मान्तमधी व्यक्तियों पर ब्यूबन की तामील से 30 दिन की श्वीध, जो भी बनीध नाथ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का इस स्वना के शाक्षपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पृत्ति में हितथद्य किसी सम्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पांच सिक्तिल में किए जा सकेंगे।

स्थानिकरण:---श्लमें प्रमुक्त शब्दों और पदी का, यो शब्दा श्रीधीनवस के बध्याय 20-क में परिशाचित ही, वहीं अर्थ होता थी उस अध्याय से दिका गया ही।

वनस्य

प्लेट नं० 305, 3री मंजिल, विंग-बी, "ग्रशोका टावर" इमारत, कुलूपवाडी रोड, बोरविली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-4/37ईई/15462/84-85 श्रौर जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज- 4, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

व्यक्ष वार्क सी. एन्. एस्. -----

बायकर विधित्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन मुनन।

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर नायुक्त (निरीक्रण)

प्रार्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनाँक 4 नवम्बर 1985

निवेश सं **अई-** 4/37ईई/15427/84-85-- अतः मुझे , लक्ष्मण वास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुवास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० पलेट नं० बी- 205, 2री मंजिल, विंग-बी, "ग्राणो का टावर" इमारन, कुलावाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई- 66 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची सें श्रोर पूर्ण-रूप से विंगत है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कवा के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक्कारी के कार्यालय से रजिस्ट्री है। तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित् बाबार मूल्य उसके दश्यमान प्रात्तफल में, एमे ध्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एचे अन्तरण के सिए तय बाबा गया प्रतिफल निम्मनिचित उच्चेक्य के उन्ते अन्तरण निम्मनिचित उच्चेक्य को उन्ते अन्तरण

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्तः किमिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दासिस्य को कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शर/श
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियां का. जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था कियानं मा स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त विभिनियम की भारा 269-न के वनुसर्व वें, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की अपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अथित :-- (1) गोयल बिल्डर्म प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) भेमर्स टीना स्टील ।

(म्रन्तरिती)

की वह स्थान वारी करकें प्रॉक्त सम्पत्ति के वर्धन के किए कार्यवाहियों करता हो।

बनत सम्मरित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शाक्षीय: ---

- (क) इत स्वना के रावपत्र में प्रकाशन की शारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की समीन में 10 दिन को प्रविध, के भी अविधि स्वार्थ होती हो, के भी तर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भे कर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरा के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पव्यक्तिरण: ---इरर्ग प्रयुक्त शब्दों और वदों का, वो उक्त मधिन्यम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस मध्याय में दिया मुबा हैं।

धनुसूची

फ्लेट नं बी-205, 2री मंजिल, विग-बी, "ग्रमोका टावर" इमारत कुलपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। ग्रमुसूची जैमा कि फ्र० सं० भ्रई-4/37ईई/15427/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

मोहर.

प्ररूप वार्च : दी., एव . एस_{.2}--2-25-

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) की अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्राई-4/37**ईई**/15434/84-85-- ग्रानः मुझे, सक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त बाजार मूल्य 11,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० फ्लेट नं ० ए- 203, 2री मंजिल, विंग-ए, 'श्रिशोका-टावर'' इसारत, कुलाबाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई- 66 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्या-लय सें रजिस्ट्रो है। तारीख 1-3-1985

को पृश्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंजह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिक्षित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण मिलिका में बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खबत नियम के अधीन कर देने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; । और/या
- (का) एसी किसी क्षाय या किसी भन या अन्य बास्सियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः तक, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमूलरण मैं, भे, उक्त निधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकत्यों, अधीत्:---

(1) गोयल बिल्डर्स प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स टीना स्टील ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

असम्ब

पलेट नं० ए-203, 2री मंजिल, विग-ए, "श्रक्षोका टावर" इमारत, कुलपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-40066 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37ईई/15434/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई टारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज- 4, बम्बई

तारीख: 7-11-1985

प्रक्य बाह्र . टी. एम. एत.----

नायकर सिंध<u>ी</u>नवन 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थान

नारम् बहुकाह

कार्यालय, बहायक जायकर जायुक्त (मिर्राक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नघम्बर, 1985

निदेश सं० प्राई०-4/37ईई/15924/84-85--- अतः मुझे लक्ष्मण द।स

बाय्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतवी इसके पश्चात् 'उन्त अधिनाम' कहा गा है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाव्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेटनं० 602, जो, 65ी मंजिल, इ-विग रोगन अपार्टमेंट, 4थी एस्तूरबा रोड़, बोरिवली (पूर्व), बम्बई, 66 में स्थित हैं (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जिसका अरापनाम। श्रायकर श्रीधित्यम 1961 की धारा 269क, ख के श्रधी न बम्ब स्थित सक्षम श्रीधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, नारीख

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान मृद्धिफल के लिए जंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (द्यारिएयों) के बीच एस अस्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से सक्त अस्तरण सिखिव बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गवा है ं——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाब की बाबत उक्त बॉथ-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अभने में सुविधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी जान या किसी धन या अन्य के दिख्यों को , चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम , 1922 (1922 को 11) या सकत अधिनियम , वा धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 को 27) से प्रयोधनार्थ अन्तरियी बुनाडा प्रकट नहीं किस गया था या किया जाना आहिए था, कियाने के कृषिमा के लिए; जार/वा

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निक्नितिचित्त कविकारों, अधीन, के

(1) रोशन इन्टरप्र(इज,

(भन्सरक)

(2) श्रीमती भानूमति पी० दोशी श्रीर श्रन्य। (श्रन्तरिति)

को यह सूचना जारी करकी पूर्वीक्त सम्मृत्ति के वर्षन के निष्

बक्तु सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों धर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी अधिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दितवष्ध व्यक्ति किसी अन्य व्यक्तित व्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास जिचित में किए जा सकेंगे।.

स्पाका किक्न क्समों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनयम के अध्याग 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में विदा विश

वमुषुची

पलैटनं० 602, जो 6ठी मंगिन, "इ" शिंग, रोशन अपार्टमेंट, 4थी कस्त्रबा रोड, बोरियली (पूर्व), बस्बई-66 में स्थित है।

अनुसुनी जैंगा कि कम सं० अई-4/37ईई/15924/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 का रजिस्टई वियागवा है।

> लक्ष्मण दास ्मक्षम प्राप्तिकारी सहायक ग्रायकर ग्रयुक्त (निरीक्षण) ग्रजी रेजन-4, **बम्बई**

दिनोकः : 7-11-1985

भोहर :

प्रकम् कार्यु हर्गु दुन दुन व्यापन

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा भारा 269-च (1) के वधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांतन, सहायक वायकर भागुक्त (निक्कीकर्ण)

मर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई- 4/37ईई/15904/84-85--- प्रतः मुझे लक्ष्मण दाग

भायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकरी को यह निकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० फ्लैट तं० 52, जो 2री मंजिल, 8,9, 10, इमारत, "रहन नगर" एस० वि० रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इसस उपाबढ़ अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायार श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 न, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3~1985

को पूर्शेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य सं कम के दृश्यमाण प्रतिफल के सिए बंतरित की गई है और मूक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे उच्चमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिघत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियें) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना गमा प्रतिफ स्नीम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिक क्या से किश्य से किश्य स्वास्तिक क्या से किश्य स

- (क) अन्तरण के हुई किसी बाय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के उत्तरक क दाक्षिक में कभी अन्तर मा उससे बचाने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का) ं या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनूसरण में, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अभीग, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) मैसर्स परम आनंद बिल्डर्स आ० लिमिटेड । (अन्तरक)
- (2) श्रा यागेंग शंकर भंडारकर मीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पक्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-- 💃

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (व) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सावीचा सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सक्ष । किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोइस्ताक्षरी के पास. लिखित में किए वा सकों में।

फ्लट तं० 52, जो 2री मंजिल, 8,91,0, इसारत ''रत्तन नगर'', ए (०वि० रोड, बोरियली (पूर्व), **बम्बई**—68 में स्थित हैं।

अनुसुची जैसा कि भम सं० श्रई-4/37ईई/15904/ 84-85 श्रीर जा मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधितारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनांव': 4-11-1985

प्रकल शाद⁴. टी, एन. एव.-----

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन सूचना

नारत हरकार

कार्यालय, तद्वायक आयकार शास्त्रकः (निर्द्रीकाक)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 4 नवम्बर 1985

निर्धेण सं० ग्रई--4/37/15421/84-85 प्रत. मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका खनित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० प्लाट नं० 139जी, जो, 8यां रास्ता, दौलम नगर, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं) ग्रीर जिसका चरारनामा आयक्तर श्रीविनियम 1961 की धान 269क, ख के ग्राधीन जम्बई स्थित सक्षम पाधिकारी के नायिलय में रजिस्ट्री, विनांक 1-3-1985

को पूर्वेकिस सम्पत्सि के उचित बाजार मृत्य में कम के इश्यमान प्रतिक्ष्म के सिए जन्तरित की गई हैं और मुंके यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कत संपरित का उचित बाजार मृज्य इसके प्रश्नमान प्रतिकार से एंसे उश्यमान प्रतिकास का पन्तह प्रतिकास से अधिक हैं और अन्तरक (अंतरकों) और असरित (अन्तरित सों) के बीच एसे जन्तरक के जिए तब पावा गया प्रतिकाल निक्लिजिया उष्टोश्य से उसत जन्तरण निचित में वास्त्रिक कर से काश्यक वहीं किया व्या है कन्त

- (क) जन्तरण ते हुई किसी बाव की वावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के सन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे वचने के सृतिधा से किए; बौर/वा
- (क) एंसी जिसी बाय या जिसी भन वा अभ्य जारिनकों करे, जिस्ही भारतीय बाव-कंप विभिनियस, 1922 (1922 का 11) वा उक्त जीधनियस वा भवकर विभिनियस वा भवकर विभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया वया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने से स्थिभ के विका:

ततः वज, उक्त निभिनियम की भारा 269-न जै नन्सर्क में, यें, उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के जधीन, निम्निविश्व व्यक्तियों, अर्थाव् :--- (1) श्री जयस्तीताल भ्रम्बालाल गाहा ।

(मन्तरक)

(2) रचना बन्सदृष्णन कम्पनी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिह्यों करता हूं।

उन्ह कमिति के ब्रांन के सम्बन्ध में कोर्ड भी बार्बाप र---

- (क) इस स्थान के श्वाम में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की वर्गीय, वो भी वर्गीय गांव में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजेक्त, व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार:
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितववृष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए या सकेंगे।

स्थव्यक्तिरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परि-माचित हैं, नहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याक में विद्या गया है।

अपूर्वा

प्लाट मं० 139 जी, जो 8वां रास्ता दौलत नगर, बोरिवली (पूर्व, बम्बई-92 में स्थिन हैं।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० श्रई-4/37ईई/15421/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज- 4, बम्बई

विनांक 4-11-1985

देश 🖫

प्रकप आइ. टी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंग-4, बम्बई

बम्बई, दिगां 4 नवम्बर 1985

निर्देण सं० श्रई--4/37ईई/15923/84-85---श्रन: मुझे लक्ष्मण दाग

शायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित शाजार मूल्य 1,00,000/- र भे अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० फ्लैट त० 203, जो इ-विंग, रोणन श्रपार्टमेंट, 4था क्त्र्यार रोड, ब्रॉक्स्ली (पूर्व), बस्बई-66 में स्थित है (श्रीर हमले उपाबढ़ प्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर ति का लरारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269% ख के श्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के अधिनय में रिजस्ट्री है तारीख 1~3~85 को पूर्नोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान श्रीतकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है

कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्रयमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित अद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किशत किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्वैत्रधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धर या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः जब, उकत अधिनियम की भारा 269-ग की अनसरण ने, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बधीन. निम्मिलिखित व्यक्तियों, अथित :-- (1) रोगन इंटरप्राइजेंस।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मगवाबेन कातीलाल तलाटी । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोकतः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए जा सकोंगे।

न्यव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्स्ची

पलेट नं० 203. जो, इ विग, रोधन भ्रपार्टमेंट, 4था कस्तूरबा रोड़, बोरियली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा निः भम सं० श्रई4/37ईई/15923/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 1-3-1985को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम "ा प्रागितिशी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-4, बस्बई

दिनाकः : 4-11-1985

प्रकृत नार्षं . टी . एन . एस . ------

भायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नधीन स्थना

बाउब ब्राइक्ट

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जंभ रेंज-4 धम्बद्द

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/15445/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास.

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात (जिसे इसमें इसके पश्चात (जिसे इसमें इसके पश्चात (जिसे इसमें के जिसके पश्चात अधिन अधिन अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृष्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भौर जिसकी सं० दुकाश नं० 10, तल मंजिल, विग-ए, 'अमोका द्यावर' इसारत, कुलू अवादी रोड़, बोरिवली (पूर्व), बस्बई-69 में स्थित है (बीर इससे उपावत अनुसूची में ब्रार पूर्ण रूप से विणत है) ब्रीर जिनका करारामा आयकर अधिक्यम 1961 की घारा 269क, ख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में एजिस्ट्री है, का० 1-3-1985

को पूर्वीवल सम्परित के उचित बाबार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के सिए अन्तरित की गई है और मृत्रे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाबार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त का निम्नितिबद उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्त-

- (क) अन्तरण से हुं इं िकसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- \$6-376GI/85

(1) गोयल बिल्डर्स पा० लिमिटेड ।

(अन्सरक)

(2) मेसर्स टीना स्टील।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परिस के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगी।

स्पव्हीकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ हानेगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं । 10, जो तल मंजिल, विग-ए, 'अशोका टावर', इमारत कुलूपवाडी, रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि भूमि सं० अई-4/37ईई/15445/ 84-85 श्रींट जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई, द्वारा विमाक 1-3-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, द्यम्ब**र्**

दिनांक : 4-11-1985

मोहर 🛭

प्रकृप बार्ड , टी. एन. एवं. ----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीम स्थान

शाहत सहस्रद

कार्याक्य, सहायक कायकर वाय्क्त (निर्धाक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिमांक 4 मवम्बर 1985

मिदेश सं० अई-4/37ईई/15448/84-85--अतः मुझ लक्ष्मण दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा नमा हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० दुकान न ० ३, तल म जिल, विग-ए, अशोका हावर" इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की घारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कन के सम्यज्ञान प्रतिफल के लिए अंतरित की नहीं हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का चंद्रकृ प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जंतरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त बांधि-नियम के अभीन कर दाने के जन्तरक के बांधित्व मा कभी करने या उससे क्लाम मा अध्यापके लिए बाँध/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) से प्रस्केट अधिनियम, 1957 (1967 का 27) से प्रस्केट अधिनियम अनियासिक विश्वासिक विष्वासिक विश्वासिक विश्वासिक विष्वासिक विष्वासिक विष्वासि

अतः जब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधृति हु-- (1) गोयल बिहडर्स प्रा० लिमिटेड।

(अन्तरक)

(2) मेससै टीमा स्टील।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बादी करके प्रामित सम्परित के वर्जन के निव कार्यवाहियां सूक करता हुं।

जन्त कम्परित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राज्यन में प्रकाशन की शारीय है 45 दिन की नवींथ मा तत्सम्बन्धी स्पन्तियों वर सूचना की तामील से 30 दिन की नवींथ, का भी वर्षीय बाद में समाप्त होती हो, के भी तर पूर्वों कर स्पन्तियों में से किसी स्पन्ति इतारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की सारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा करोंगे।

स्वक्रीकरण: ---इसमें प्रमुक्त सम्बों और पूर्वों का, को उनसे अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हिंगा को उस अध्याय में किया गया है।

अनुसूची

दुकाम नं० 3, जो तल मंजिल, विग-ए, 'अशोका टावर'', इमारत कुलुप्वाडी, रोड़ बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं० अई-4/37ईई/15448/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी , बम्बई द्वारा दिमांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहाय इधायकर धायुक्त (निरीक्षण) अर्जं म रेंज-4, बम्बई

विमोक्त : 4-11-1985

मोध्र :

प्रथम बाइं. टी. एव. एथ.

नायकरु अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाव 269-क (1) में अभीन सुखना

भारत चरकार

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्न) अर्जन लेज-4, बम्बई

बम्बई, दिमांक 4 नवम्बर 1985

निवेश सं० अई-4/37ईई/15451/84-85--अत: मुझे सक्ष्मण वास,

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार मृत्य,

1,00,000/- र. से अधिक हैं

ग्रीर जिस्की सं० दुकान नं. 4, जो तस मंजिल, विग-ए,

फिशोषा शवर इमारत मुलूरवाडी रोड़, बोरिवली (पूर्व) बम्बई400066 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर
पूर्ण कर से बीणत हैं) भीर जिसका करारमामा आयकर अधिकियम 1961 की घारा 269क, ख कें अधीम बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी, कें कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख
1-3-19865

को पूर्वेक्ति सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से कम के सम्मान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का अचित बाबार मूल्य, उशके सम्मान प्रतिफल से, एसे सम्मान प्रतिफल का कृत्यह प्रतिस्ता से मिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तथ पाथा गया प्रतिक्का किमानिक तबुरेस्व से उनत जन्मूर्य सिविध में बाक्तिक क्या से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किकी जाय की वावत, उक्त जिथिनियम के वधीन कर दोने के अन्तर्क के इपित्य में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए; बीट्र/वा
- (व) ऐसी किसी बाय या किसी अन या जन्म जास्तिकों का, जिन्हें भारतीय बायकर जिनित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिनित्यम, या अन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तिरती युवारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जाहिए था, कियाने में मुनिधा की जिए;

कतः थव, उत्तरं विधिनियम की भारा 269-म की अनुसरक को, को अबत अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, भिज्ञिकिक व्यविद्यों, कर्णोंद् :--- (1) गोयल बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स टीना स्टील।

(अन्तरिती)

कार्य मह सूचना भारी काहके प्रशिक्त संपत्ति से सर्चन के जिल् कार्यनाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को कर्णन को सम्बन्ध में कीए' भी बास्त्रेष हु---

- (क) इस त्यान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 विन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूत्रता की तामील से 30 विन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भावतीकपुण:---इसमें प्रयुक्त सब्यों नीड वर्षों का, वो स्था विभिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नया है।

मन्त्री

दुकान नं. 4, जो तल मंजिल, विग-ए, अमोका टावर", इमारत कुलुपवाडी रोड़, बोरिक्ली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

अनुसूषी जैसा कि कम सं० अई-4/37ईई/15451/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुष्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिमांक : 4-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिभांक 4 भवम्बर 1985

मिदेश सं० अई-4/37ईई/15450/84-85--अतः मुझे सक्मण वास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिसकी सं० दुकान नं० 7, जो तल मंजिल, विग-ए, 'अशोका द्यावर'', इमारत कुलुप्बाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित हैं) भौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की द्यारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं अभ के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया पया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तृविक रूप से कथित नहीं किया गया है ६—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियाँ का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधर कैलिए;

शतः श्राय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की अपधारा (1) और अधीन, विस्तिखित व्यक्तियों, अर्थात् ;---

(1) ग्रोयल बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड

(अन्तरक)

(2) मेसर्स टीना स्टील।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों मों किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य का किस द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए आ सकरें।

स्पब्दीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है !

वम्सूची

बुकाम नं ० 7, जो तल मंजिल, विग-ए, "अशोका टाबर", इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई 400006 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फांम सं० अई-4/37 ईई/15450/ 84-85 फ्रींट जो सक्षम प्राधिकारी, बग्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-4, धम्बई

दिनोक : 4-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-4, बम्बई

सम्बद्दी, धनौक 4 नवस्बर 1985

निदेश सं० मई-4/37ईई/15460/84-85---मतः मुझे, क्रैक्सण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहनात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भीर जसकी सं० घुकान नं० 8 है तथा जो तल मंजिल, विंग ए, "मगो हाटावर", मारा कुनु नाडी रोड, बोरवनी (पूर्व), बम्बई—400066 में स्थित है (म्रोर इनसे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्व रूप से वींगत है) भीर जिनका करारनामा आयकर श्रीवित्यम 1961 की धारा 2695, ख के भ्रवीन बम्बई स्थित सभाम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्री है सारीख 01-3-1985

की पूर्वीशत संपरित के उत्तित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान विषय के सिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उत्तित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह बित्रत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया यथा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण विविद्य में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुन्दें किसी नाज की बाबत, सजस वीधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक धी दावित्व में कभी करने या सबसे वचने में कृषिया भी रिश्व: बीप/बा
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन था अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तीरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बावा बाहिए था, कियाने में सुविधा भी सिए;

बत: जब, उक्त जिभिनियम की धारा 269-म के जनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निधिवित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) ग्रीयल बिल्डर्स प्रा० ल मटेड ।

(मन्तरक)

(2) मैससं टीना स्टील ।

(भग्तिरती)

की वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यनाहियां करता हो।

ब बत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की संविध या तत्संत्रीयी स्थिक्टयों बढ़ सूचना की तामील से 30 दिन की जनिथ. वो भी संविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यविक्षों में से किसी स्थिक्ट बुवारा;
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वास मिवित में किए वा बकेंचे।

स्वचीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त काधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्सूची

बुकान मं० ८, जो तल मंजिल, विग-ए, "भगोका टाः मारत कुलुपवाकी रोड़, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि भूम सं० अई-4/37ईई/15460/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-4, बस्बई

.वनीक : 4-11-198म

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनौक 4 नवम्बर 1985

निवेश सं० ग्रई-4/37ईई/15431/84-85-मतः मुझे, जन्म ग धास.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिन्नकी सं० दुकान नं० 2 , जो सल मंजिल, विग-ए, "भागो का टावर", इमारत कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), भारकई—400066 सें स्थित हैं (भोर इससे उपावद अनुसूची सें भीर पूर्ण रूप से विजित हैं) भीर जिसका करारनामा भायकर अधिनियम 1961 की धारा 269क, ख के अधीन बम्बई स्थित सजम प्राधिकारी के कार्यालय सें रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृह है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वर्य से उक्त अन्तरण लिखित में बासाबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयक्कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविभा के सिए;

अतः अब, उनतः अधिनियमं की भारा 269-मं के अनुसरण भी, मी, उक्त अधिनियमं की धारा 269-मं की अपीरा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) सोयल बिल्डर्स प्रा० लि.मटेड ।
- ङ (भ्रन्तरक)
- (2) मेसर्स टीना स्टील ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

जबत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तारीस से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्त्त्वी

बुकान नं॰ 2, जो तल मंजिल, विग-ए, "मशोका टावर"; ईमारत कुलुपवाडी रोड़, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि कम सं० धर्मे-4/37ईई/15431/ 84-85 भीर को सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनौक 1-3-1985 को रजिस्टर्डकिया गया है।

लक्मभ दास क्रमभ दास क्रमभ प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनौंक : 4-11-1985

पोहर:

वस्य भाषी, सी, एवं, एवं, ----

अध्यक्तर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा १६९-च (1) के अधीन सुभना

नारत तरकार

कार्यालम, सहायक जामकर जामकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनौक 7 नवम्बर, 1985

निवेश सं० प्रई-4/37ईई/15441/84-85--- शतः मुते, लहमण दास.

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स्न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करों का कारण है कि स्थावर स्मिति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर नि कि सं कर्नेट नं । 107, पहनी मंजिल, विग-बी, "स्रशोका टींबर' ईमरत, कुलुपवाडी रोड, बोरियली (पूर्व) बम्बई-400066 में स्थित हैं (और इन्से उपाबद्ध धनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से विणित हैं) श्रीर जित्रका करारतामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 सी धारा 269क, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय सें रिजस्ट्री है, सारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार ब्रुक्य से कम के उत्थामम प्रतिफास के निए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि बथावृद्धित सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य कि का अपनान प्रतिफान का पन्त्रहें अतिकार में अपनान प्रतिफान का पन्त्रहें अतिकार में अपिकार है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के नीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया पया अधिकार, निम्मितिबात उद्देश्यों से उक्त अन्तर्क जिल्ला में वास्तियं क्ष से कि विदास का स्वास्त

- (क) अन्तरण संहूप किसी बाय की बायदा, उपत विभिनियत्र के बधीन कर दोने के बन्तरक के खरैबस्य में कमी फरने या उससे धवने में स्विधा के किए: और/वा
- (w) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्टियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वाय प्रकट नहीं किया धमा या या किया जाना था, छिपाने में मुविधा के निए:

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-च को, अनुसरण में, मैं, सक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) है सभीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात् :— (1) गोयंल पीषल्डसं प्रा2 लिमिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स टीना स्टील।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के बर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ह) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी अयिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वितयों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख इं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दक किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पाड़ निकार में किए वा सकोंगे।

स्माद्धीकरणः --- इसमे प्रयुक्त कर्न्यों भीर पर्यों का, जो उक्त विभिन्नम के अध्याय 20-क से परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय से विका गमा हैं।

अन्सूची

पनेट नं॰ 107, पहली मंजिल, विग⊸तो, "ग्रसोता टावर" इमारत कृतुत्रकोडी रोड़, बोरिकती (पूर्व), बज्बई 400066 में स्थित है।

भनुसूची जैसा कि क्रम सं० म्रई-4/37ईई/15441/ 84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-4, सम्बद्ध

विनौक : 7-11-1985

प्राक्य बाह् .टी.एन.एस्.,------

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (1) के वधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) प्रजैन रेंज-4, बस्बई बस्बई, दिनौंक 4 नवस्बर 1985

निर्वेश सं० ग्रई-4/37ईई/15471/84-85-पतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

शीर जिनकी सं० दुकान नं० 1, जो तल मंजिल, जिंग-ए, "श्रशोका टावर", इमारत कुलुपवाडी, रोड बोरियली (पूर्व), बन्बई-400066 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची सें और पूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर प्रवितियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय से रिजिस्ट्री है, तारीख 01-3-1985

को पृवोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एवयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उश्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्रियमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत जनता अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, भिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) गीयल बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड ।

(घन्तरक)

(2) मेसर्से टीना स्टिल।

(भन्तरिती)

की वह स्थान चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीक से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीं के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शख्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

पग्स्ची

दुकान नं ०, 1, जो तल मंजिल, विग-ए, "भगो हा टावर", इमारत कुलुग्वाबी रोड़, बोरिवजो (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि ऋम सं० श्वई-4/37ईई/15471/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकरमायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रज-4, बम्बई

विनौक : 4-11-1985

मोहरः

प्ररूप भार्च. टी. एम, एस. -----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अभीन सूचना

भारत सरकार

कायांत्रिया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई बस्बई, दिनौंक 4 नवस्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/15452/84-85----ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उबत अधिनियम' कहा गया ह'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 9, तल मंजिल, विंग-ए, "श्रशोका टावर" मारत, कुलुपवाड़ी रोड़, बोरिविली (पूर्व), बम्बई 400066 में स्थित है (श्रीर ईंग्से उपावद श्रन्भूची में श्रीरपूर्ण रूप से विंगत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 01 मार्च 1985।

को प्यंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल से ऐसे श्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

1. मेससं गोयल बिल्डसं प्रायवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

2. मेमर्स टीना स्टील।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्स सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजकृत में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 9, तल मंजिल, विग-ए, "ग्रामोका टावर" इमारत, कुलुपवाड़ी रोड़, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400006 सें स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कि० मं० श्रई-4/37-ईई/15452/84-85 जौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 01-03-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रोज- 4, बम्बई

दिनांक: 4-11-1985

मोहर .

प्रकप भार्षे .दी .एन .एस . ------

बायकर लिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (मिरीक्षण) ऋर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, विनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश स० ग्रई- 4/37-ईई/15759/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मृत्य 1,00,000/-उ से अधिक है

भौर जिसकी सं दुकान नं 1, धिरंज भ्रपार्टमेंट, वामणराव सायंत रोड, मराठा कालोनी, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) भौर जिसका करारनामा भायकर श्रिधिनयम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय से रिजस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985 को पूर्वे क्या सम्पत्ति के जिबत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंदरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कस सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्नाइ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीचींबत उद्देश्य से उन्त अंतरण कि किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीचींबत उद्देश्य से उन्त अंतरण कि किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीचींबत उद्देश्य से उन्त अंतरण कि किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीचींबत उद्देश्य से उन्त अंतरण कि किए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीचींबत उद्देश्य से उन्त अंतरण कि कि कि से वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) वंतरक से हुई किती जाम की बाबत, उक्त व्यथि-निवन की अभीन कर देने के वंतरक के शांवरक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; व्यर/मा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के असोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सित्रधा के लिए:

कतः अव, उक्त औधिनियम की धारा 269-ग को अनसरण मो में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्नलितित व्यक्तियों, अर्थात --- 1. मेसर्स ठाकोरभाई देसाई एण्ड मन्स।

(भ्रम्तरक)

2 श्री श्रब्दुल जब्बार हाजी धफार श्रहमद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यबाह्यिं करता हूं।

बक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ब ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकेंगे।

स्वर्ष्टीकरणः -- हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक्की गया है।

भन्त्ची

दुकान नं 1, जो, धिरज श्रापार्टमेंट, वामणराव सावंत रोड, भराठा कालोनी, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा^{ति} कि० मं० मई 4/37-ईई/15759/84-85 और जो सक्षम प्राधि ारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1 3-19€5 को रजिस्टबॅ किया गया है।

लक्ष्मण **दा**र सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन **र**ज-4, **बम्ब**ई

दिनाक · 4-11-1985

प्ररूप आई.टी.एप.एस.----

कायकर कभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक भायकर नायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई- 4/37-ईई/15758/84-85--श्रतः मधे,

लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपोत जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रा. सं अभिक है

भौरजिसकी सं० दकान नं० 4, जो, धिरज अपार्टमेंट, वामण-राव भावंत रोड़, मराठा कालोनो, दहिसर (पूर्व), बम्बई- 68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध अनुसूची सें ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 को धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है तारीख 1 मार्च 1985

ा पूर्वाका, संस्पोत्त को जीचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान वितिकक के लिए अतिरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपरित का उचित बाजार न्द्र्य, उक्के इस्पनान प्रतिफल से, श्रीसे इस्पनान प्रतिफल का पंचा प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्सरितियाः) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निशिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक स्थ्य से किथित नहीं किया गया है ए---

- (कः) अंतरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनयम के बधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ए'सी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियों कते, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती प्यारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के निए।

नतः, नय, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के जभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, जर्भात्:---

1. मेसर्स ठासोरभाई देसाई एण्ड सन्स।

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्स शारदा मेंडिकल्स।

(भ्रन्तरिती

का यह स्थना जारी करके पर्धीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत तम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुभना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीब क्षे 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्वोक्त न्यिक्तयों में से किसी न्यक्ति इवारा;
- (ब) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमाही≀

अमृत्यी

'दुकान नं० 4, जो, धिरज श्रपार्टमेंट, वामणराव साव'त रोड़, मराठा कालोनी, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० श्र**ई-**4/3*7-***ईई**/15758/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनौक: 4-11-1985

इक्न आई ्ठी एन एवं ् =======

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

HIZO SESSEE

व्ययांजन, बहायक नामकर नामुख्य (निर्द्धालक)

श्चर्जन रेंज-4, बस्बई बस्बई, दिनाँक 4 नवस्वर 1985 निव्रश उं० श्चई-437-ईई/15972/84-85—न्ध्रतः मुझे, सक्मण दास.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च छे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 23, जो 1ली मंजिल, हर गुलाब इमारत , भाउसाहेब परब मार्ग, कंदारपाड़ा एक्सार, दिहमर (प), बम्बई-68 में स्थित हैं (भौर इसमे उपाबढ़ अनुसूची में भौर पूर्ण किया में भूबिणित हैं) भौर जिसका करारनामा भागकर अधिनियम 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्वित बाजा मूल्य से कम के स्वयमान मितकल के लिए जन्तिरत की गई है जोर कि मह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उपित बाजा मूल्य, उसके विश्वास प्रतिफल से, एसे असमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिकति है जिस है जीर बिरक (बंतरकों) जोर अंतरिती (बंतरिकों) के जीच एसे अंतर है सिए तब पासा गया प्रतिकत्ति निम्नितिक उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक क्य से कि कि नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण से हुई जिली जात की बायल, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में की उपने वा उसने वचने में बुधिया के किए; आदि/।
- (क) ऐसी किसी भाग या विश्वी भन या अन्य जास्तियों की फिल्हें भारतीय जानकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपा विभिनियम, या धन- कर गणिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग तर्म जन्म प्राप्ति कुमा, प्रकट हों किया नया जा था किया जाना चाहिए था, ति शाने में ज्विधा से लिए।

कतः सब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुतरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. मेसर्स गहा बिल्डर्स।

(भन्तरक)

2. श्री वसंत लक्ष्मण मोंडकर।

(अन्तरिती)

को नह कुम्ला भारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्बन के लिए कार्यश्राहियां शुरू करता हो।

उन्त राम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन कि तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना कीं तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अगोहस्ताक्षरी के एस निस्ति में किए जा सकांगे।

स्पष्टोकरण :—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नमृक्की

फ्लेंट नं० 23, जो, 1ली मंजिल, हर गुलाब इमारत, भाउमाहेब परब मार्ग, गंदारपाड़ा,एक्पार, दहियर (प), बम्बई-68में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/15971/84-85 जीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारार्दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टडं किया गया है।

लक्ष्मण दाय सन्नम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनौक: 4-11-1985

प्रकप शाहाँ. शी. एन. एस: -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज 4, बम्बई बम्बई, दनौंक 4 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० ग्नई-4/37-ईई/15784/84-85---ग्नतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं श्राफीय श्रिमायमें श्रपर फ्लेश्निर पर, जो सम्पत्ति जिसका मर्वे न 335, एच नं 337, सी टी एस न न 1420, विलेज द्रिम, दाहिस (पूर्व), बम्बई-68में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबंद श्रमुखी में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीध-नियम 1961 की धारा 269 के, ख के ग्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985 को पूर्वों के सम्पत्ति के उपाव बाजार मूस्य ते कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों के सम्पत्ति का उपात बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल स एसे अयमान प्रतिफल का वन्तर प्रतिशत से मिक हैं और अन्तर (जन्तरका) और वन्तरित (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतुरूच के लिए तय पाया गया शिकक हैं मिन वर्ष से अवत बन्तरण निषित के बास्तिवक रूप से क्रियत नहीं कि सम्पत्ति का बन्तरण निषित के बास्तिवक रूप से क्रियत नहीं कि सम्पत्ति का वर्ष का क्रियत वर्ष का वर्ष का स्वारण निषित के बास्तिवक रूप से क्रियत नहीं कि सम्पत्ति का वर्ष का क्रियत वर्ष का स्वारण निषित के बास्तिवक रूप से क्रियत वर्ष का स्वारण निषित के बास्तिवक रूप से क्रियत वर्ष का स्वारण निषित के बास्तिवक रूप से क्रियत वर्ष का स्वारण निषित का स्वारण निषति का स्वारण का स्वारण निषति स्वारण निषति का स्वारण निषति का स्वारण निषति स्वारण निष्ति स्वारण निषति स्वारण निष्ति स्वारण निष्ति स्वारण निष्ति स्वरण निष्ति स्वारण निष्ति स्वारण

- (क) अन्तरण संहुद किसी शाय की बाक्स, उक्स अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक अर्थ बायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; औद्र∕या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या जन्य जास्तियां कां, जिन्हां भारतीय जाय-कर जिथितिसज्ञ, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिथितिसज्ञ, या धनकर जिथितिसज्ञ, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तिहिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना वाहिए था, जिथाने में सुव्यिधा के लिए;

वत: अब, उक्त अभिनित्तम श्री भारा 269-ग को असमरण भों, जीं, डक्स अभिनियम की भारा 269-च की खप्भारा (1) को स्थीन, निस्निलिखित व्यक्तियों, अभित् ः——

- मेसर्स सोमल प्रापर्टीज एण्ड इस्टेट प्रायवेट लि०। (मन्तरक)
- 2. मेसर्स भववाटीक ट्रेनिंग फायनान्म कंपनी लि०। (भनंतरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्यक्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपणी में प्रकाशन की तारीख से 45 विम की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीस से 30 विन की अविध, जो भी अविध माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बब्ध किसी बन्य व्यक्ति ब्वारा अधाहस्ताक्षरी के लाग विस्थित में किए वा सकींगे।

स्वकाकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और गदों का, जां उबत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया पत्रा हैं।

भनुस्ची

श्राफीस प्रिमायसेस श्रपर फ्लोश्नर पर, जो सम्पत्ति जिसका सर्वे नं० 335, एच० नं० 7, सी० टी० एस० नं० 1420. विलेज दहिसर, दहिसर (पूर्व), बस्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० भ्रई-4/17-ईई/15784/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास गक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज- 4, बम्बई

विनाँक 4-11-1985

प्ररूप बाइ . टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निर्द्रोण सं० ग्रई-4/37-ईई/15625/84-85—मातः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मुल्य 1,,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० जा- 1 हैं, जो अतुन् वो श्रार्टमेंट् राधाबाई म्हाले रोड़स, सी० टी० एस० नं० 688, दिहसर (प०), बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद अनुसूर्चा में श्रीर पूर्ण रूप से बिणत है)/श्रीर जिसका करारनामा श्राय-कर श्रिधिनियम 1961 की, धारा 269 के, ख के श्रिधीन, बम्बई स्थित एक्षम प्राधिकारी के कार्यायलय में रजिस्ट्री हैं तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वावत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तिक या से कथित नहीं किया गया है:---

- (क्रिं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के िलए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए;

वत: क्रज, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण क्रज, मी, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) क्रजीता, निम्नोलेखित स्वक्तियों, अर्थात् स्—— 1. भी कें ० सी ० दोशी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री नारायण हरी गावडे भीर भन्य।

(मन्तरिती)

को। यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बत्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के शस सिस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनुसूची

फ्लैंट नं० जी⊸1 श्रनुभूती श्रपार्टमेंट्स राधाबाई म्हान्ने रोड़ सीटीएस नं० 688 दहिसर (प) उम्बई-68 में स्थित है ।

श्रनुसूत्री जैता की कि० सं० ग्रई- 4/37-ईई/15625/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज- 4, बस्बई

दिनाँक: 4-11-1985

प्रचल बाई्न टी. एत. एव. *****

नायकर निपितियन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के मधीन स्थाना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज-4 बम्बई

बम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर, 1985

निर्वेश मं ब्रई- 437-ईई/ 15616/84-85---श्रतः मुझे, लक्षभण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उन्यत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मति, जिसका उचित बाबार मूज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संब दुकान नंव 7, 8 श्रीर 9 है, जो तल माला, इमारत नंव 17 शांती निकेतन, कंदार पाडा, एक्सार व्ही ले, दिह्सर (प), बस्बई-68 में स्थित है (धौर इसमे उपाबद्ध श्रन्सू ी में ौर पूर्ण रूप से विणित है)/श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रि नियम, 1961 की धारा 269 क. ख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985

को पृत्रीकत सम्बक्ति के जीवत बाजार मूस्य में कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूस्य, उचके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पंचा प्रतिकात से विधिक हैं और वंतरक (वंतरका) और वंतरितीं (अंतरितियाँ) के बीच एसे वंतरण के लिए तय पामा न्या प्रतिकास, निम्नविद्यात उद्देश्य से उच्त अंतरक लिखिल में बास्तविक रूप से किंगित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी शाय नहीं बाबत, अन्त अधिणियम के अधीप कर दोने के जन्तरक वो बावित्व में कभी करने वा उत्तरी वचने में सुविधा से विद्या; बीद/बा
- (क) ऐसी किसी आप या किसी भन या अस्य अस्तियों को. जिस्कों भारतीय आय-कर आधान्यम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम. या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, जिस्साने में माजिया वि

कतः अत्र , स्ततः अधिनियम की भारा २६०-ग कं अनगरण के, के उकत अधिनियम की भारा २६०-ग की उक्तभाषा (1) के अधीन, निस्तिणिकत व्यक्तिस्यों, अर्थात् :---- मेसर्स संजानवाला कन्स्ट्रवंशन्स ।

(भन्तरक)

 दि बाम्बे सबर्बन पिनल्स कन्जुमर्स को-म्राप० मोपाईटी लि०।

(भ्रन्तरिती)

की शह नुष्या भारी करके पृत्रीयत संपालि के अजेन के किए कार्यमाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के अर्चन के सम्बन्ध में कोड़ भी जाक्षप --

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की जबींभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर स्थान की सामील से 30 दिन की अविध , आ भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश धं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किमी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरनाक्षरी के पास निवित में किए वा स्कोंगे।

स्मध्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अम्स्ची

दुकान नं० 7, 8 और 9 जो तल माला, इमारत नं० 17, शांति निकेतन, कंदार पाडा, एक्सार विलेंज, दहिसर (प), बम्बई-69 में स्थित है।

भनुसूची जैसा की ऋ० सं० भई-4/37-ईई/15616/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

ृलिक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकार धायुक्त (निरीक्षण) श्राजीन रेज- 4 अस्बई

दिनौंक: 4-11-1985

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

मागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालया. सहायक आयंकर आयंकत (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निर्देण मं० श्रई-4/37-ईई/15687/84-85---- ग्रतः मुझ, लक्ष्मण दाम,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्वावर तस्पत्ति, जिसका उचित वाचार भूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट तं० 14, जो, 5वी मंजिल, "निर्मला निकेतन" इमारत, डब्ल्यू० एस० रोड़, दिह्नर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है)/ग्रीर जिसका करारतामा ग्रायकर ग्रधि-नियम1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम धिकारी के कार्यालय में रिजस्टई है तारीख 1 मार्च

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उण्यत वाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिकल को सिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वाद करने का फारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उण्यत वाकार ग्रेस् , उपके दश्यमान प्रतिकल से एसे क्यमान प्रतिकल का पंक्रह प्रतिखत से अधिक हैं और जंतरक (जंतरकाँ) और अंतिकी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तब बाबा नवा प्रतिकल निम्नलिकित उक्षदेय से उक्त अन्तरण किविक्र में बास्तिक रूप से काँधत नहीं किया गया हैं:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबस, उनक नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बसीवरण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए; और/या
- (भ) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जीभनियन, 1922 (1922 का 11) या जक्त जिनियन, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत. उव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिमांचत व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1 मेमर्स कमल बिल्डर्स।

(ग्रन्तरक)

2 श्रीमती हंपाबेन ग्रानंदजी महा।

(अन्सरिती)

को यह त्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करतः हुं।

जनत सम्पर्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बद्धि, जो भी अविधि साद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 विन के भीतर उस्त स्थावर सम्पत्ति में हितसक्ष किसी अन्य स्थित क्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए आ सकेंगे।

बन्स्ची

पलैट नं० 14, जो, 5वीं मंजिल, "निर्मला निकेतन" इमारत, डब्स्यू० एस० रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कल संल श्रई-4/37-ईई/15687/84-85 शौर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा जिन्हीं $_{1-2}$ -1985 को रिजस्टई किया गया है

लक्ष्मण दास लक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रोज -4, वस्बई

दिनौंक: 4-11-1985

मोहर 🤋

प्रकृष बाइं.टी.एन.एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भाष 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यांचय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4. बम्बई

बम्बई, दिमाक 4 मवम्बर 1985

निर्देश म० अई-4/37-ईई/15618/84-85—अतः मझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० दुर्भाम न० 1, जो, तल माला, इमारल नं 17, णान्ती मिकेन्स, कंदार पाडा, एक्सार व्हीलेज, दिहमर (प), बम्बई-98 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं),श्रीर जिसा करारभामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीम, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985

कर पूर्वोध्य सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उपित बाजार मच्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का शन्द्रह2प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निनितित उद्देश्य से उपत अंतरण लिखित में जास्तिक रूप से कवित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण **चे हुई किसी बाय की यामरा, उक्त विधिनवंत्र के बमीन कर दोने के अन्तरक के** श्रीमत्त्र को कमी करने या उमसे सचने में सुविधा क निष्ण बीद/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्व के विश्व अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

कतः अस. उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण का, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 58-376 GI/85

1 मेसर्स सजाभवाला कन्स्ट्रमणन्स ।

(अन्तरक)

2 मेमर्म श्रीनाथ एम्टेटस एजन्टस।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोच्छ सम्मरित के वर्षण के दिवस कार्यवाहियां कारता हुएं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इब त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तहरीला है 45 बिन की जबीप या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर तृथना की दामीस है 30 दिन की संबंधि, को भी वंबीध बाद में तमान्त होती हो, को भीतर प्रवेकित व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दवारा;

स्वच्छीकरण '---ध्समें प्रयुक्त कर्यों और वर्षों का, जो उच्च अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकाम नं० 1, जो, सल माला , इमारत नं० 17, शाती निकेतन, कदार पाडा, एक्पार क्हीलेज, दहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुमूची जैसा की ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15618/85-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, अम्बई द्वारादिलाक 1-3-1985 1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास मञ्जम प्राधिकारी सहायकः श्रायकर श्रायुक्तः (निर्माक्षण) श्रुजैन रेज-1, बम्बर्ग

दिमांक 4-11-1985

प्रकृत कार्ड . टी , एन , एक , क्लाजनकार

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) में अधीन स्चना

भारत संस्कार

आर्यालय, सहायक आयकर मावृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मबम्बर 1985

निर्वेश सं० अई-4/37-ईई/15675/84-85—अतः मुझें, लक्ष्मण दास,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' अहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भृष्य 1,00,000/- रा से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० दुकान नं० 1, जो तल माला, निशाले अपार्ट-मेट, एल० एम० रोड दहिसर बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित हैं) | श्रीर जित्र का करारभामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985

को धर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यंभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार सूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल सा पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) से बीच ऐसे अंतरण के मिए तब पाया पदा प्रतिक्ष से अपना मार्ग प्रतिक्ष में नाक्षिण स्व भिन्निया उद्वोक्य से उचन जन्मर बिक्य में नाक्षिण स्व भ किया पदा है दे—

- (क) अन्तरम से हुई किसी बाब की बाबत, अबद अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविक के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उत्तर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भृतिभा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियमों, अधीत्:——

- 1. मेसर्स सिल्वर लाईभ कन्स्ट्रक्शम कंपनी। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती रीटा डिसोझा:

(अन्तरिती)

स्तो सूत्र शृज्जा शारी करके पूर्वोक्य कन्तृतिक से वर्षक से सिधु कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

जनक सम्मृतित के नर्पन के सम्मन्य में कोई भी नाकेप्र--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर क्षेत्र की कामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीरार पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्ति में किए पा सकरेंगे।

स्थळीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्तों और पर्यों का, भी जनत विभिन्यस, के अध्याय 20-क सें परिभागित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया बुसा है।

भनुसुची

दुकाम नं० 1 जो, तल माला, निशाले अपार्टमेंट एल० एम० रोड़ दहिसर अम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15675/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिमांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज-४ बम्बई

विनांक: 4-11-1985

मोहर 🛭

प्रसम् आई.टी.एन.एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन सूचना

भारत ५ ५कार

कार्यालय, तद्वायक आधकः आवृत्तत (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4 वस्बर्द वस्बर्द विभाक 4 नवस्बर 1985 निर्देश सं० ग्राई०-4/37-ईई/15897/84-85 ग्रतः मूझे

क्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उनित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं शिमायमेस नं ए/201 जो 2री मंजिल
"पियुष अपार्टमेंष्ट" ए-विग वाय० टी० रोड़ दिहसर (पूर्व),
बम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इसमे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर
पूर्ण रूप से विणित है)/श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित
सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1 मार्च

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितिगों) के बीज एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाय्विय में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सविभा में सिष्

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 262-घ की उप्धारार (1) के अधीन,, निम्निलिसित व्यक्तित्यों, अर्थात् ह—

1. मेसर्स कुम कुम बिल्डर्स।

(अन्तरक)

2. श्री एम० एम० पटेल श्रौर अन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अक्षांहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और ५दों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-८५ में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रसम्ब

प्रिमायसेस नं॰ ए/201, जो, 2री मंजिल, पियुष अपार्ट-मेंह," ए-विंग, वाय॰ टी॰ रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी कि० सं० अई-4/37-ईई/15897/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिलां है 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी राहायक आयकर प्रायुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज-4, बस्बई

दिनांक: 4-11-1985

मोहरः

प्रका शाह , ही. एत. एक.----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

प्रारद बहुका

कार्यानय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्तज)

अर्जान रेंज-4, बम्बई

अम्बई, दिनां क 4 नवम्बर, 1985

मिर्देश सं० अई-4/37-ईई/15682/84-95---अत: मुझे लक्ष्मण दास

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43): (जिसे इसके पश्चात् 'उकत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बन्धार मृख्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैंड नं० 301, जो, 3री मंजिल, बी-विंग, सदाकमल कं। आंप० हाउसिंग सोसाईटी लि॰, छत्रपती शिवाजी रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्धई-68 में रिश्वः है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) श्रीर जिसका करारपामा आयकर अधिन्यम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिकास के लिए अन्द्रित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्क निम्नलिकित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिकित में बास्तिक क्क से किथन नहीं किया गुमा है :---

- (क) अंतरम से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त के एकाम के सभीन क्षेत्र याने के बन्तरक के पार्थिक में अभी कारने मा अस्त्रे क्यने में सुनिधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी बान या किसी धन या अन्य आसिता को जिन्हें भाषतीय जायकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या अन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीवनार्थ बन्दरियी इवारा बन्दर नहीं किया गया था वा किया बाना बाहिए बा, कियाने में सुविधा के जिए;

आतः तम, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निश्निलिक्ति स्थितियों, सर्थात् :र - 1. मैसर्स हरीतारा कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(भ्रन्तरक)

2 श्री भगवाम राम आर० मिस्त्री।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परितः के अवंत के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनते सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्तेय:---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीस म 45 दिन की जनिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की सामीन से 30 दिन की नविष्, को बी अवाभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित- किसी अन्य स्थावत इवारा अभोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्त बीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाष्टित है वही पर्दे होगा जो उन ग्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 301, जो, 3री मंजिल, बी-विंग, सदाकमल को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि॰, छत्नपती णिवाजी रोड़, दिहसर (पूर्व), वम्बई-68 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15682/84-85 ब्रॉर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिसार 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ,अर्जम रेंज-4, बस्बई

दिमांक: 4-11-1985

प्ररूप नाएं. ही एन. एस. - - - --

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकारु

कार्यालय, सहायक आयकर नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 4, वस्बई

बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निर्देण मं० ग्रई 1/37-ईई/15638/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

शायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिनकी स० 302, जो, बी-विग सदाकमल को-श्रांप० हाउमिंग सो गाईटी लि०, छत्रपती शिवाजी रोड़, दिहमर (पूर्व), वस्बई-68 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण का ने विगत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान पतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अतरको) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एक बापरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नीलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) गोरिश में हुई है से हैं। लाय की बाबत, उक्त बाभिनियम के गंजीन कर येने के अंतरक के बागित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविभा क निक्त रहा है।
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अपस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 दो ११) ए उत्तर अधिनियम, या धन-उन्दर्श (१८०० १८०० (1957 का 27) के प्रयोग्या रिनी ना प्रवाद नहीं किया गय. भा या किया बाना पाहिए भा, कियाने में सुनिधा की लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसर्ण भं, में अक्त अधिनियमं को धारा 269-च की उपधारा (1) ■ अधित, निम्निलिखित स्वक्तियों, अर्थात् ः— 1. मेंसर्स हरीतारा कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री भारकर बी० गवस।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के अअंग के सक । कोई भी आक्षेप:----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अविधि के तरमम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की लामील म ्रेल दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद मा सवाज होती हों, के भीतर पूर्वीक्त वर्ष में ले स्टी स्थितित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में पकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध दिल्मी अन्य का श द्वारा अधाहम्ताक्षण क पास निवित में किए का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

फ्लैंट न० 302, जो, बी-विग, सदाकमल को-श्रापि० हाउमिंग मोपाईटी लि० छत्रपती णिवाणी रोड, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी कर संर ग्राई-4/37-ईई/15638/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि तारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास पक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनाँक: 4-11-1985

प्रक्ष बाइ . टी . एन . एस . ------

बाक्कार विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-4/3 /-ईई/15681/84-85—- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

हायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गवा हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं पलेट नं 0 101, जो, 1ली मंजिल, सदाकमल को-स्राप हाउसिंग सो नाईटी लिं , छन्नपती शिवाजी रोड दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थत है (श्रांग इससे उपाबस स्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है)/ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, खके श्रिधीन, बम्बई सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वाल करने का करण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्मरित का उचित्त बाजार कृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिचात से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तम पावा गया ब्रिटिफस निम्निवित उद्वेष्य से उनत म्मरण हैं सिंचल में व्यक्तिक स्पूर्व के बिल कर्म के सिए तम

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उसत नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व कें कमी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए;
- (क) एसी किसी जाय या फिरों। धन था वस्य वास्तियों भा, जिल्हें भारतीय कानकर ऑधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत विधिनयम, या धन-कुर विधिनयम, 1957 (1957 वस 27) के प्रकोचनार्थ वन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया यम वा वा निका चाना वाहिए था, किया में सुविधा खें जिल्हें

जतः जम उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अमूलरण में, में. उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन जिल्लासिन व्यक्तियों. जसीत :--- 1. मेसर्स हरीतारा कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री विद्याधर पी० भट्ट ग्रौर ग्रन्य।

(भ्रन्त,रती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रांचित संगीत के वर्षन के निध् कार्यनाहियां कारता क्ष्में।

अवत बन्दरित के जर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---- रेट

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 43 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताजीज से 30 दिन की जबीच, को भी जबीच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिक्ति में किए वा सकोंने।

स्वच्छीकरण: — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुषूची,

फ्लेट नं० 101, जो, 1ली मंजिल, सदाकमल को-भ्राप० हाउसिंग सोयाईटी लि०, छन्नपती सिन्नाजो रोड, दहिसर (पुर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रतुसूती जैसाहि ऋ० मं० ऋई- 4/3 7-ईई/15681/84-85 और जो सक्षम प्राप्तधारोबस्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को राजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मग दास नजन प्राधि हारी सहाय इ स्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रार्वन रोज-4, बस्बई

दिनौंक: 4-11-1985

प्ररूप बार्च. टी. एन. एस. ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाड़ा 269-म (1) के वधीन स्चना

भारत सहकार

कार्याजय सहायक जायकर जायक (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-4, बम्बई
बम्बई, दिनाँक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं ० ग्रई- 4/3 7- ईई/ 15617/84-85—प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायक स्मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात 'उक्त किंधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थावर गण्णित, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा से अधिक हैं

स्रोप जिसकी सं० दुकान न० 11, जो, तल माला, इमारत न० 13-बी, णांती निकेतन, कंदार पाड़ा, एक्पार विलेज दिहमरे (प), बम्बई-68 में स्थित हैं (श्रीप इसमें उपाबद श्रनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं), श्रीप जिसका करारतामा स्रायकर ध्रिधितियम, 1961 की धारा 269 के, खें के स्रिधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राविकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके उध्यमान प्रतिफल तो, एसे रूपयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया क्या प्रतिफल, निम्निलिशत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित्त में अस्तिक अप से किण्ड नहीं किया गया है :---

- श्चिते मन्तिमा म हुई किसी झाब की दाधत, उस्क आपतियम के अधीन कर दोने के अन्तरक थी दायिस्थ में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीए/मा
- (व) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियां भा जिल्हां भारतीय आयकर अभिनियम 1922 (1922 का 1!) या उत्तर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना जाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए।

कत अब, उक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के अनमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ल की ज्यक्षारा (1) के अभीन, कैनस्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्र्य 1 मैनर्स सजानवाला कल्स्ट्रक्शन्स।

(धन्तरक)

2 श्री शकरलाल हिरालाल गुप्ता।

(श्रन्तरिती)

का यह सुधन। जारी कारके गांवित सम्पत्ति को जजन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्ध में कोई भी बाक्षेप --

- (क) इस स्चना के राजपत मा प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अर्वाध या तत्मम्बन्धी न्यक्तियों पर सृष्या की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हा, की भीतर प्वींक्त अवस्थि वाद में स किसी व्यक्ति दुवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित- सद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के वान निर्माशन में कि । जा गक्षा ।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त कन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अभाय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ हाना, जो उस अध्याय में विया गया है।

अमुसूची

दुकान ने । 11, जो, ाल माला, इमारत नं 13-बी, शाँती निकेतन, कदारपाडा, एक गर विलेज, दहिसर (पुर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसूची जैयाकी कि म० श्रई-4/37-ईई/15617/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास ाक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

विनाँक . 4-11-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश मं० ग्रई- 4/3 7- ईई/ 1 5 6 3 9/8 4- 8 5——ग्रनः मुझे, लक्ष्मण दास

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० पर्लंट नं० 103, जो, बी-विंग, सदाकमल को-स्रॉप० हार्डीसग सो पाईटी लि०, छात्रपती शिवाजी रोड, दिह्मर (पूर्व , बम्बई - 68 में स्थित है। (प्रौरडमसे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विंगत है) ग्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर ग्रिधितयम, 1961 की धारा 269 क. ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित मही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक अके दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए: और/या
- (ग) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

शत: अत, उक्ट विधिनयम की धारा 269-ग के अनृतरण मं, मंं, उक्त अधिरिका ली धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिखन व्यक्तियों, अर्थातु ले—- 1. मैसर्स हरीतारा कन्स्ट्रक्शन कंपनी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री डी० श्रार० तावडे।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति कं अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया। गया है।

(न् नूची

प्लैट नं० 103, जो, बी-विंग, सदाकमल को-भ्रॉप० हाउसिंग सोमाईटी लि०, छत्रपती शिवाजी रोड़, दहिसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है।

म्रनुसूची जैसाकी ऋ० सं० अई- 4/37-ईई/15639/84 85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 4, बस्बई

विनाम : 4-11-1985

मोहरः

प्ररूप बाह^{*}्टी. एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- (1) के अधीन स्चना

ज रत रिकार

कार्यालय, सहायक जायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4 बम्बर्ड

बम्बई, दिनाट 4 नवम्बर, 1985

निदेण स० ग्रई-4/37-ईई/15636/84-85---ग्रत मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है। की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्लाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी प० फ्लैंट न० 401, जो, बी-विंग, सदावमल को-ग्राप० हार्जिम सोताईटी नि०, छत्रपती णिवाजी रोड, दिहसर (पूर्व), बम्बई-68 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित हैं), और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के मधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल में, एस क्ष्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया बबा है:—

- (क) बतरण वे हुई किसी बाद की बाबत, उसल अधिनियम के अधीन बार दोने के अन्तरक के दायिन्द में करी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए: गीर/या
- (क) एसी किसी आब या किसी धन या बन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय लाय-कर लांबनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या कि कि किया किया प्रकट नहीं किया प्रकट नहीं किया प्रकट नहीं किया विकास के लिए;

अतः मंग उपत अधिनयम का धारा 269-ग के अनुसरण में . रू. , उन्ता हि धिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) है यारिन निरामित्रित त्यिकत्यों , अर्थान :—
9—376GI/85

(1) श्री हरोतारा अन्स्ट्रक्शन अस्पनी

(ग्रन्तरव)

(2) श्री तु ाराम पानाय माई। और अन्य। (अन्तरितो)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्ध में बाइ या आक्षप ---

- (क। इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में स्माप्त होती हो। के भीतर पूर्वीकर लाकिए हो में से सिमी व्यक्ति स्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर सम्मत्ति में हितवक्ष किसी बन्स व्यक्ति द्वादा, अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सर्कारी।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधिनियम, के पध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं कर्ष होगा से उप अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूचे!

फ्लैंट नं 0.401, जो, बी-विग, सदा मल को-आप० हाउ-सिंग सोनाईटी लि०, छत्रपती रिवाजो रोड, दिहसर (पू), बम्बई-0.8 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि स० अई-4/37-ईई/15636/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बद्ध नारा दिलाल 1 3-1985 को रजिस्टर्ड िया गरा है।

ाक्ष्मण दास सक्षम प्राधि ारी सहाया ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेप्-4, बम्बई

f₄ ' 4-7, -1985 मोहर प्रकार को एस एस -----

भागकर कांभनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा १८५ स (1) के अधीन सचना

शारत सरकार

कार्यात्वव, सप्तायक बायकर बाय्यत (निरक्षिण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिना : 4 नवम्बर, 1985

निदेश मं० अई-4/37 ईई $/15800/84 \cdot 35 \cdot \%$ न. मुझे लक्ष्मण दास

आयका प्राथितियम, 1951 1961 का 47) (चिम इसमें इसके प्रधान उक्त अधिनियम कहा गया है), का भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ोर निश्की संव फ्लंटन व 405, जो, 4थी सनित, "बीटावन" मारत, बाग व प्रारंग पाव दिस्त (प), वस्बई-68 में स्थित है (श्री इसमे ज्ञाबित प्रतस्वों में और पूर्ण स्प ने बणित है), और दिस्त प्रतासामा प्रापत्र प्राविध्यम 1961 की धारा 269 , ब के प्रवीत, बावई स्थित सक्षम प्राधि परी के कार्यालय में रितस्टी है, तारीख 1-3-1985

करे पूर्वोध्त सम्पत्ति के उच्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और स्भे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, जलके दृश्यमान प्रतिफल सं, एस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियो) के बीच एसं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य स उक्त अंतरण लिखत मे गस्तियक लप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की आबत, उसत विधिनियम के अधीन कर द्वार के अन्तरक के दायित्य में कर्मा करने या उसमा तथन या गावधा के सिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनका अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरितो इवारा प्रजट नहीं किया गया भा या किया जाना काहिय था, किया में सुविधा वौ किए;

बत: अब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ए के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम क्ष्मी धारा 269-ए की उपधारा (1) के ब्राधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, जर्थात्:—

- (1) मैं यर्ग पश्चिम बिल्डर्स प्रायवट िमिटेड (श्वन्तर)
- (2) श्री जितेद्र वि० पंडयाऔर अन्य। (अन्तरिर्दा)

को यह सूचना आरी करक प्रतीयम सम्प्रीम का अर्थन की निग्ध कार्यवाहियाँ शुरू करता हुं।

उन्स संपत्ति के अर्थन के सबध मा कोड़ी भी आक्षप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस्थ 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, की भीतर पूर्विट्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिसबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वार अक्षेह्स्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकती।

स्थळकिरण :---इसमी प्रयूक्त शब्दा और पदी का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय मी पिया गया है:

अनुसूची

पलैंट नं० 405, जो, 4थी मंजिया "बीदाघर" इमारत, আয়ত আহত বাফেই राष्ट्र, হান্তিগ্য (গ), অফ্লছ-6৪ में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/15800-84- । 85 और जो रजन प्राधि गरी बम्बई द्वारा दिना वि. 1-3-1985 को रजिस्ट है स्थि। गया है।

नक्ष्मण थात नक्षम प्राप्ति परी नद्यायह स्रायक्त स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोज-4, नम्बद्ध

विना / 4-11-1935 मोहर

प्रकृताहे ती एन्.एड.्जन्स्यान्यान

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन शुचना

थारत सरकार

भारताय, शहायक आयकर आयक्त (निर्माण)

थर्जन रेन-4, बम्बई बम्बई, दिनातं 4 नथम्बर 1985 निदेग स० प्रई-4/37→ईई/15799/84~85⊶-म्रतः मुझे लक्ष्मण दाप

जायकर सार्व उपमा, 1961 /1961 का 43) (जिसे इसके मके प्रथात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थातर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा से अधिक है

आं दिसकी सं पलैट नं 309, जो, 3री मिरिल "बींदावन" मारत, वात श्रीर तावडे रोड, यहिनर (प०), बम्बई-58 में स्थित हैं (और दिने उपावड़ श्रनुसूची में ओर पूर्ण रूप ये वर्णित हैं), जीर कि मा रारासामा श्रीय र श्रीधिनयम 1961 की धारा 269 में के श्रिवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के नार्यात्य में रिकरो है, तारीख़ 1-3-1985

का वृजों भत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ज्यामान गित्याल के ति निर्माण र्रीति विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिक्षत से, एसे दश्यमान प्रतिक्षत का पम्बृह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के शिए तब बाबा गया प्रतिक्षत, निम्नितिषित उत्वहेश से बक्त बन्तर्थ सिचित में बस्तिबक रूप में कथित नहीं किया वया है हिन्स

श्रः अल्तरण स हुई किसी बाय की बाबत, अवत अधि-शियम के अधीन कर दने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के फिए; बार/था

ग फिसा अप या किसी धन या क्य कास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, कियाने में वृत्तिथा के लिख;

लिक्षः अध्यः, उक्त जीधनियम की पारा 269-न से वन्त्रहण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) औ अधीका, निकालि वित व्यक्तिसर्थों, निर्धात् क्र— (1) श्रविचन बिल्डमं प्रायवेट लि०

(भ्रन्तरक)

(2) प्रमाद चन्द्र नागरजी देनाई और श्रन्य

(ग्रन्नरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीतन सम्पत्ति के अजेन के सिए मार्चित्रयों कारता हुने।

क्वा सम्बद्धि के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी लाहांग: --

- (क) इस सूचना क राजपक म पकाशन का नारांच सं 45 विन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, था भी अवधि बाद मा समाध्य हाती हुए, अ भीतर पूर्विक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीब वें
 45 दिन के भीतर उक्त क्यांवर सम्पन्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभाहरकाक्षरी के
 पास प्रिष्ट प दिए का सर्होंगे।

स्पष्टीक रणः--इसम अपूर्तः अब्दों और पदों का, जा उनस् अभिनियम के अध्याय 20-क में परिशायित हैं, कहा जर्रहोगा का उन्त अध्याय में दिया गया है।

प्रन्य वा

पर्नेट न० 309 जा उना प्रजित "ब्रीरायन" इमारत, भाई० ब्रार० नावडे रहैं, इंट्रिनर (५०), वम्बई-68 में स्थित है।

प्रमुम् जैसा कि कल्ल प्रई-4/37-ईई/15799/84 -85 और जो नप्तम प्राधि गरी, बम्बई ढारा दिनौं ह 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास गक्षम प्राधि ारी सहायम श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रोंग-4, बस्बई

दिनोंक : 4-11-1985

हरू हाई' टी., एन., एवं.,

वायकर विभिनितम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के संबोध सूचमा

शास्त्र संस्कात

कार्यासन, सङ्गायक नामकर नामुक्त (निर्द्रीकाण)

ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई दिनाक 4 नवम्बर 1985

निदेश स० अर्ड- 1/7-ईर्ड/15744/84-85--श्रतः मुसे, लक्ष्मण दाम,

णायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत अभिनियम' व्यक्त गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी स० दुरान नं० 15, जो, तल माला, नन्द धाम इमारत, भाउनाहेब परव रोड, दहिसर (प), बम्बई-68 में स्थित हैं (और इनमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विशित्त हैं), और विश्वा राजनामा श्रायार श्राधित्यम 1961 की धारा 269 के, खे के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के स्वायित्य में रिजिस्ट्रों हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्विकत सन्मित के बीचत बाजार मूस्य सं कम के ध्रयमान प्रतिपाल के लिए अन्तरित को यह है और मुफ्ते यह विकास रूरने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्मित का उचित बाजार मून्य उसके ब्रथमान प्रतिफल से, एसे ब्रथमान प्रतिफल का रुद्ध प्रतिपत्त र की कि हो और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिकास निम्मसिकिक उद्देष के उनक बन्तरण कि बिस्त में पास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है रून

- (क) अन्तरक सं हुई किसी आय की आयत, उक्त अधिनियम के अधीन खर दोन के अन्तरक के अधिरव में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए, जोर/या
- (श) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा उच्छ जीवनिवय, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा वा वा वा वा वा विका जीवा वा वा विका से सुविधा के स्विध;

बत. अब, ज़क्त बीधिनियम, की धारा 269-न में अनुतरण में, 'पकत बीधिनियम की धारा 269-च की उपापरा (1) क्षीत, 'प्रस्तिविक्त क्यिक्तयों, भर्धत् :---

(1) मैं नर्म दत्तानी श्रामोि ग्ट्स।

(श्रन्तरक)

(2) श्री पन्नाता देविलाल जोणी।

(अन्तर्रिती)

को शह स्थान बारा करके प्रांबत संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियों करता हूं।

उक्क सम्परित की अर्थन के सम्बन्ध में स्पोद्दी भी मार्खन:---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की राशिष सं

 तर दिन की श्वाधि । "ल्यापणी क्रांजितयाँ पर
 स्थान की रामीन से 30 दिन की नवधि को भी
 स्वृति कक्क में सम्बद्ध होती हो, के नीसर प्राधिक व्यक्ति में से सिमी स्वित्य द्वारा;
- (क) इत स्वान के राज्यत मा प्रकाधन की भारीत से 45 दिन के भीतर उन्तर स्थावर संपत्ति मों हित्तवस्थ निसी जन्म व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास निवित मों किए का सकोगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्यी

दुकान न० 15, जो, तत माला, नन्द धाम इसारत, भाउपाहेब परब मार्ग, दिहपर (प) अम्बई-68 में स्थित है। अनुमूची जैना िक्ष० न० अई-4/37-ईई/15744/84-85 अन्त्र जो सक्षप प्राजिकारी बम्बई द्वारा दिनार 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) १८ (२०-४) बस्बई

दिनांक 4-11-1985 ~

Chair Afil.

de a management

नायकर सीधीनसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में सधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरोक्षण) शर्जन रेंज । अम्बई

बम्बई, दिना . 4 शवभवर 1985

निर्देश म० श्रई 4/37-ईई/15754/84-85→श्रत. मुझे, लक्ष्मण दाम

जामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वान करने का जर्म हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित साजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिपकी संव दुता ति 1, जो "मन मन्दिर" एल व्ही रोड, दिहार (प), बम्बई 68 में स्थित हैं (और इतसे उपाबद फ्रामुस्ची में और पूर्ण रूप ने विणित हैं), और जिप माल्यारतामा आय र प्रधितियम 1961 की धारा 269 ा, खा के श्रधीत, वम्बई स्थित अक्षम प्राप्ति की नायलिय में रिवस्ट्री हैं, तारीखा 1-3-1985

को प्रोंक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य संकम को प्रयमान प्रतिफल को लिए अन्सरित की गई और मुक्ते यह टिज्जास

करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उपित नाजार सून्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल सं, एसे द्रियमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिकात सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ नाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्वेष्य से उसत अंत्या निकार मं बाम्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है: --

- (हं राज्यम से हुई किसी साथ की बाबता, अस्त अधिनियम के अभीत कार दोने के जम्मारक औ गाँवस्य में कभी अस्त था उससे स्थाने में स्वित्या 15 जिला, और/मा
- (ला गोसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ की विनहीं अध्यतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जन के अधिनियम, 1957 (1957 की 27) व्य प्रयाजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने सं सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुगरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंदा व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मैनन एम० के० जिल्डमें

(अन्तरक)

(2) श्री शहमम६ प्रतिम ए० तूर मोहम्मद । (श्रन्तरिती)

को यह स्थन जारा करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किय

उसत सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी बास्रोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की लगींध या तत्सम्बन्धी स्थानतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रीक्त स्थानतयों में से किसी स्थानत द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर जान स्थावर सम्मिन में हित- बद्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्लारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकरेंगे।

पद्धीकरण ---- इसर्ग अपूजन शब्दों और पद्धों की, वो उपस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुँ अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया पद्धा ही।

प्रन्यवी

दुकान न० । जाः ''म्' मन्द्रिन'' एल० टी० रोड, दहिसर (प), बस्बई 68 में स्थित हैं।

श्रनुसूची नै । िक्षठ म० श्रई 4/37-ईई/15754/84-85 और जो । क्षम प्राधिकारी बम्बई ब्राग दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

लक्ष्मण दास, गक्षम प्राधिकारी नहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनाकः . 4-11-1985 व

कराय आहर . ८४ . **एक** एस -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, म**हायक आयका**र भागुन्त **(निरीक्षण)** स्रजन रें -4, जस्वर्ष

बम्बई, विनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-4/37 ईई/15619/14 ·85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दारः,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर 'सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से जीधक है

और निक्ती दुष्णान नं 12, जो, तल माला, "बी" ब्लाक इमारत तं 13 आतो विकेतन, हन्दार पाडा, एक्वार विहलेज बहितर (प) जम्बई-68 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में और पूर्ण का ने क्णित है) और निभक्त कराएतामा आयकर अधितियम 1961 को धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित नजम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है,

1-3-1985

द्रा पृवंक्ति सपित्न के उचित बाजार मृत्य स कम के देश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवंक्ति सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिकी (अंतरिक्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्दृश्य से उनत अंतरण निस्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- ्कः। श्रन्थः रेथा त हुइः किया आप कः। गावतः, अवसः अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एकी किसेत वाज या किस। धन मा अध्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारीय आव-कर ्िश्वनियम, 1922 (1922 को ६६) या उक्त ब्रीधनियम, या धन-कर अधिनिष्य, 1957 (१९57 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरी ध्वाच प्रकट नहीं किया गमा धा मा किया बाना चाक्किश था, क्रियाने में सुविभा के लिए;

नत. बच, उक्त अधिकिय का काठ 209 प क अनुसरण बा, मी, उक्त अधिनियम का घार 269-थ की उपधारा (1) के अभीय, निम्मेंसियित व्यक्तिकों, विभीत् ध--- (1) मैपर्ग पंजानबादा नस्दुक्शन्स

(अन्तरक)

(2) प्रा रामभूरत नन्दर्ग विश्वसम्

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारों करके पृथांकत सम्पास्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

अक्त सर्पति के अभन के सम्प्र में फा**ड़ भी बाक्षण**ः— 🦎

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति कि उत्तर्ध। प्राथमित विभिन्न कुत्राधाः
- (ख) शस मुखना कं राजपंत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति वृजारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पष्टिकरण'--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो जनसं अधितयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हु³, वही अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में विवाह सह ह³।

ग्रन मुचा

दुशातक 12 जो जा माता "बी" बनाउ, इमारत नंव 13, "गतो तितान" ज्या पाडा, एक्सार व्हिलेग, दहिनर (प), बम्बई-68 में स्थित हैं।

प्रनृष्वी जैपा कि ऋ० म० अई-4/37-ईई/15619/84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनीं : 1 ⋅3-1985 को रिजम्टर्ड िया गया है।

ाक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-4, **बस्बई**

दिनारः. 4-11-1985, मोहरः प्रस्त्य काड्र . टी. गम. एस

लाग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर आय्कर (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, तमबर्ध

बम्बर्ड, दिनां ८ 4 तन्तम्बर 1985

्र तिदेश मं अर्ध-4/37 र्राष्ट्र/15615/84 -85 - अतः मुझे. लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न के उधीन पक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रूप से अधिक है

और जिसकी संब दुधान संब 10. जो तल माला. इमारत संब 17. णांती सिकेनर, कंबार पाड़ा. एलपार व्हिलेच, दिह्नर (प), बम्बई-68 में स्थित हैं (और इपने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और विपशा वररार समा आयएर अधिनियम 1961 की धारा 269 , ख के अधील, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के सर्वास में रिकेटी हैं, तारीस्ट 1--3-1985

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति के रिचल वाजार मृत्य से कम के दश्यभात प्रतिफल के जिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापवींवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रतिफल में अरि अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित (अन्तरका) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तब पाया गंगा प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बिल में अस्तिक क्या मा कि बात नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुड किसी आद की बाबत, उक्त अधि-तियम के अधीन कर दान के अताक के दायित्न में कमी करने या उसक बनक के यित्र के तिए; और/या

अत. ३व, उसन अधिनिष्म ही ६६८ १६६५ म है अनुसरण ते, में, उत्पा की प्रतिसम की भाग 269-व की स्पाधारा (1) की विकास निम्नार खिल व्यवितयों, वर्धात ह— (1) वैसर्प राज्याका उल्लेड्ड पर्म र

(धन्तर ह)

(2) दिवाँम्दे सवबेद गिपलः लम्मर्स कोन्पाँगः नःसाईदी लिखाः

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पर्वोजन सरपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन को अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीलर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति स्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थावत द्वारा वधाहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए वा सकेगे।

सम्बद्धिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों कार पदों का, वो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

प्रनश्रुकी:

दु प्रति तं ० १०. जो नामाना, इमारत न० 17. णांनी निकेतन, कन्दार पाडा, एक्सार व्हिनेज, व्हिसर (प), वम्बई-68 में स्थित है।

श्रृतुमूर्त्ता नैपा कि ऋ० स० श्रर्ड-4/37-ईई/15615/84--85 अ। गो पक्षम पाधि सभी बम्बई द्वारा कि सः 1--3-1985 को रिजस्टई निया गया है।

> नक्ष्मण दा। नक्षम प्राप्ति परी सद्या आयकर पायुक्तः (निरीक्षण), प्रकृति रोप-4, बम्बई

ਰਿਜਾਂ≖: 4-11-1985

प्ररूप आहर्.टो.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) करे भारा 269-म (1) के अभीन सृपना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अगय हर जायकन निरीक्षण) ऋतिन रेंग-४ वस्नई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश मं० ग्रई-4/37 प्रईई/15621/84-85 - अतः मुझे, लक्ष्मण दाम.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रकों प्रसाद 'उक्त बिधिनयम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह िख्वास अरने कर कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिल्हा है कि स्थायर सम्पत्ति समायर सम्पत्ति समायर सम्पत्ति समायर समायर सम्पत्ति समायर समाय समायर समायर

और कि तकी मंग्रह मान नगर्न 5 और 6, जो, जन माना, इमारन नगर्न नगर्न निवास कि ति है। प्राप्त एक गर्न व्हिलेज, दहिसर प्र), बस्बई-68 में स्थित हैं (और इस्त उपायद्ध प्रमुस्वी में और पूर्व कर में विवास है), और जिनापा स्पाप्त मामा सायकर दक्षि-नियम 1961 की धारा 269 के खें अधार, बस्बई स्थित स्वाम प्राधि जरी के नार्यांच्य में रिस्ट्रों है, तारोख 1-3-1985

को पूर्वों कत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य में कम को दश्यमान शितफल को लिए अंतरित की गई है गाँर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्मित का शिवत कार मन्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एमे तश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिखत से अधिक है और गंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमे गन्तर्थ के निगर क्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिनित उददश्य के उक्ता अध्या कि कि कर्य में

- (क) बन्तरण में हुए जिसी जान की बाएन, उसत बीधनियम के बभीद कर यां के अन्तरक के सवित्य में कभी करने या नगरों जजने में साहित्या के किए: कीट/मा
- (ग) एंसी किसी आर या किसी अन ना तत्य शासित्यों की जिन्हीं भारतीय जायगा आ तिस्तरण राष्ट्र (1922 का ११) या परन अधिनियम, या अन-त्यर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विया जाना बाहिए था, हिल्पानी मी सविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की ध 269-म की उपधारा (1) के अथीन, निम्मलिसिस म्यक्तियां, अर्थान :--- (1) मैं र्म सं अन्वाला 'स्स्ट्रुक्ण व

(क्रान्त्र**ा**३३)

(2) दि याँ । सबर्वन विश्वलम ज्ल्ड्सूमर्स कोन्द्रॉप० सामाईटो लि०

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्णेक्त सम्परित के अर्जन के लिए का मार्गिक्षण अस्ता सु

सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ी भी नाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राजपशी में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो , के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य करिक्त ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन मारकण ना सकोंगे।

स्याद्योक्षरण -- ग्राप्यें का राज्य विद्या की स्वर्ण प्रतिस्था के अध्याय 20-क में परिभाष्ट्रिं हैं, बही कर्य होगा, जो उस अध्याय में दिस्प स्वा हैं।

अनुसूची

दुकान नं 5 और 6. नो, तर माला, इमारत नं 17, शानो निकेतन, कदार पाडा, एक्सार व्हिलेश दहिषर (प०) बम्बई-68 में स्थित है।

प्रमुची जैसा ि क० मं० श्रई-4/37 ईई/15621/-84-85 और नागभगपाति एरी बम्बई द्वारा दिना 1-3-85 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास पंजम प्राधिकारी सहायक श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-4, बस्बई

दिनां ह : 4-11-1985

कोहर 🗓

प्रक्य बाह् टी. एन्. एस. -----

नायभार विधिनियः:, 1961 (195; का 43) की भारा 269-म (1) के विधीन स्वना

भारत रहकार

कार्यासय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, म्बई

बम्बई, विभाक 4 मवम्बर 1985

निदेश म॰ अई-4/37-ईई/15825/84-85--अन मुझे, सक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे ध्वामें ध्वामें ध्वामें प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह ' करने को कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्रिश्त बाबार मृज्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी स० पलैट न० 102, जो किन्नी कार्नर, सी० टी० एस० न० 1027, 1028, आय० सी० कालोनी, बोरियली (प०), बग्धई-400 103 में स्थित हैं (श्रीर इगसे उपाबद्ध अनस्वी में श्रीर जो पूर्ण क्य में विणित हैं) श्रीर जिसका बरायमामा आयव र अधि रिया (ा की धारा 269 मख कें अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नायालिय में रजिस्ट्री हैं, दिमांक 1-3-1985

(को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अलारित की गई है और मुझे यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में किथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक के धायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिल्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, विश्वालयों अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, नक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर नियमितिसित व्यक्तियों, अधीत :—— 60—376GI/85

। मै० बिल्ड-बे-बिल्डर्भ।

(अन्तरक)

2 श्री जगन्नाथ श्रीयाम ।

(अन्तरिनी)

की बद्द स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के शिए कार्यवादियां करता हो।

सक्य सम्पत्ति को नर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्री म प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अनिय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित भ किए जा राकणे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्बों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हैं बही अर्थ होंगा, जो किशा बबा हैं।

श्रनु सूची

पलैट}न० 102, जो किनी हॉर्नेंग सी० टी० एस० नं० 1027, 1028, आय० सी० निवाती, बोजिवली (प०), बस्बर्ध-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋम स० अई०-4/37-ईई/15825/84-85 फ्रौर जो सक्षम पाधिरारी एक्टई टा ा, दिसा का-3-85 को रजिस्टई ्तिया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक आयक्ष आयुक्त (भिरीक्षण) अर्जन रेज-1, वस्बई

दिभांक: 4-11-1985

प्रकृत वाद⁴. दीं, एम. एवं.-----

शासकार श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 26? ें। से संग्रीत स्वामा

भारत सरकार

कार्याचय, तहायक मायकर मायुक्त (निरीक्य)

अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985 निवेश सं० अई-4/37-ईई/15996/84-85—असः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर गिंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिक री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सा त, जिसका उपित वाजार मूल्य 1,00,000/- रुसे धक है

श्रीर जिसकी जमीन का हिस्सा, जो, व्हिलेज, एक्सार, तालुका बोरियली, सी० टी० एस० नं० 1786, 1665, 1668 बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबब अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नामंहर र र रिस्ती है दिनांक 1-3-1685

को पूर्वीक्त सम्पित्स के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे जान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत । के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नौलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आा की बाबत, उक्त जिभिनेद्या के अपीत कार े के अन्तरफ धे काबिस्त में कवी अपयो सा तथा वर्ष में क्षिशः के सिक्षः स्त्रीर/वा
- (ण) एसी किसी नाम या किसी भन वा क्रम बास्तियाँ को, जिन्ही भारतीय नामकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कृत अधिनियम, 1957 (१९57 का 27) की प्रयोजनार्थ नन्तरिती व्वास प्रकट ही किया नया भा वा किया जावा चाहिये एक क्रियाने हों निवस के किए।

अत. अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों भीच :---

- 1. श्रीमती जमनीबाई, द्वारकानाथ म्हास्त्रे । (अन्तरक)
- 2. मैसर्स बी० के० एण्ड एमोशिएट्स।

(अन्तरिती)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्ट प्यास के अर्जन के लिए कार्यवाहित एक करता हूं।

जक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त बिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्- बवध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पासे जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम , के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया दवा हैं।

श्रनुसूची

जमीन का हिस्सा जो, व्हिलेज एक्सार, तालका बोरिवली, सी० टी० एस० नं० 1786, 1665, 1668 बोरिवली (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37ईई/15996/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्र आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बङ्स

दिमाक: 4-11-1985

प्रकथ नार्षः दी . एम . एस . -------

बायकर जुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन तुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई बम्बई, दिमांक 4 नवम्बर 1985

मिवेश सं० अई-4/37ईई/15571ह्न/84-85—अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी कृषि भूमि के साथ स्ट्रक्चर, जो तल माला श्रीर 1 ली मंजिल, जिसका सिटी सर्वे नं० 195वी, ब्हिलेज बोरिवली तालुका, बोरिवली एल०टी० रोड, विक्षिरा गावठाण, बोरिवली (प०), वम्बई में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विणत है) श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिमियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थि ते सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजम्ट्री है दिशाक 1-3-1985 को पूर्वोंकत सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापृवांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल का अधिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) जौर अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के निए तब गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चवेय से उक्त अन्तरण निम्नलिखत प्राप्त महीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की, बायत, स्वक्त अधिनियप के अधीन कर दोने के असरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए॥

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भ³, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभरवा (1) के अधीत, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात्:—— 1. श्री रामचन्द्र श्रावण वैती।

(अन्तरक)

2. मैसर्स विशाल प्रिमायसेस।

(अन्मरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहिया मुरू करता हं

उक्स सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इसस्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिकित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनसूची

कृषि भूमि के साथ स्ट्रक्चर, जो, तल माला और 1सी मंजिल, जिसका मिटी सर्वे नं० 195बी, व्हिलेज बोरिवली, तालुका बोरिवली, एल० टी० रोड, विश्वरा गावठाण, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैमा कि क० मं० अई-4/37ईई/15571/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-4, बम्बई

दिमांक: 4-11-1985

प्रकार भाषां है की है हुए हुए हुए हुए हुए हैं

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को नभीव सुचना

गार**व व्यव्यात्** भागांतमः, सहामक मानकर वाय्**वतः (निप्रीक्षण**)

अर्जन रेण-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 5 नवम्बर, 1985 निदेश सं० अई-4/37ईई/15542/84-85--अन: मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फलैट नं० 3, जो बी-इमारत, सिद्धार्थ, अपार्ट मेन्ट्स, फैक्टरी लेम, एक० टी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रोण इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से बर्णित है) ग्रीण जिसका करारमामा आयकर अधि- मियम, 1961 की धारा 269 क. ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनाक 1-3-1985 को पूर्वोंक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के रखमान शिकास के तिए अन्तरित को गई है कि मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से ऐसे ख्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (जन्तर्कों) और अन्तरिती (जन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण में विष्ठप्य नामा गया प्रतिफल त, निम्नतिवित उच्च देव से उनत अन्तरण मिवत में बास्तिक रूप से कानत नहीं कि वा वना है के

- (अ) मन्तरण से हुइं किसी बाय की बाबत, उपर भी धनियस के अधीन कर दोने के मन्तरक के दायित्व में क्षत्री करने मा उसते बजने में बृविधा के मिए; बीर/बा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ बन्दरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाग था, जियाने में स्विधा के निष्

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. डा० प्रकाश भडारी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मुलीबाई बी० मेहता।

(अन्सरिती)

ो यह स्थाना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सि चार्यवाहियां करता हुं।

डमत सम्परित के वर्षन के सरवर्थ में जोई भी नामेप :---र्फ

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीख है 45 दिन की अविध या सत्संकंधी व्यक्तियों पर सूचना की ताभील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो से
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितनक्ष किसी जन्म स्थित व्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास सिसित में किए जा सकींगे ।

स्थव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क अभिनियम, को अध्याय 20-क में परिभावित हूँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया देवा हैं।

जनसूची

पलैंट नं० 3, जो बी-इमारत, सिद्धार्थ अपार्टमेन्ट्स, फैनटरी लेन, एल० टी० गेड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-4/37ईई/15542/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-4, बम्बई

दिनांक: 5-11-1985

प्रकृप नाइ. दी. एन. एस. - - -

नायकर मिप्नियन, 1961 (1961 का 43) कीं भारा 269 व(1) के नभीन स्वना

भारत तरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें ज-4,

बम्बई, दिनांकः 4 नघम्बर 1985 निदेण मं० श्राई-4/37ईई/15 15/84-85—-श्रतः मुझे लक्ष्मण दाम

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/~ रह. से अधिक हैं

अोर जिमकी संव खुला विमीन का हिम्मा, जो विहलेंज एक्सार, तालुका बोरियली, जिमका सर्वे नंव 21, एचव नंव 7 और 8, सीव टीव एसव नंव 311 और 303, टीव पीव एसव 3, बोरियली, बान्वई में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूत्री में और प्रांचा 1 के ना हैं) बार विमाल जगरनामा आयकर प्रविधिम, 1931 को गान 269 जब के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यावय में रिजस्ट्री है दिना 1-3-19 85 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उपायित बाजार मृत्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे दियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उकत अंतरण निस्ति में वास्तिवक रूप स्थ से किथत नहीं किया इस है

- (क, अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; मौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, या धन-कर जिधिनियम, विश्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था छियाने में स्विधा के लिए;

बतः वय, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण की, भी, उपन विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अध्येत, निम्नितियित व्यक्तित्यों, अर्थात् :---

1. श्री राम राच परमराम चंगाले अं(र श्रन्ध)

(भ्रन्तरक)

2. मैमर्स के०टी० कन्स्ट्रक्शन्य।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्षत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अपिय या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना को तासार थे 30 ित के तारीन, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों मा से किसी त्यक्ति हुवाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मी हित- बद्ध किसी अस्य अधिक उत्तर उत्तर अधिक अधिक वीस निकास में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :-- अमें पात कर पता कर पता का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बही अर्थ हाका, जो उस अध्याय मी विया स्या है।

श्रन् सूची

खुली ग्रमीन का हिम्ता जो विहलेग, एकपार, तालुका बोरिजली, जिसका सर्वे न० 21, एच० नं० 7 और 8, सी० टी० एस० नं० 311 और 303, टी० पी० एस० 3, बोरिजली बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० मं० माई-4/37-ईई/154145/8-85 और जो भक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाह 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> तक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (नि**रीक्षण** स्रजैन रेंज-4 बम्**बई**

4-11-1985

प्ररूप कार्य , दी, एक , युवा,, क्लाहर न्यायन

नायकाद्र निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

भारत संद्रकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज-, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/15532/84-85---ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अभिनियस' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर तस्यतित, जिसका उचित वाजार मृश्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

और जिस्की सं० फ्लैंट नं० 53, जो प्रभु निवास, प्लाट नं० 166, प्राफ कैंक्टरी नेन, बोरिचली (ग०), बम्बई-92 में स्थित हैं (और पंचे उनाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विजित हैं) और जिन्ता हरारनामा प्राय हर प्रजिनियम, 1961 की धारा 269 हज के अबीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिमस्टी है दिनांक 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की यह है और मुफ्ते यह विद्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित को अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित को अधिक है और अन्तरिक के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नसिवित उच्चेद्य से उच्च अन्तरण निवित में बास्तविक कप से अधित नहीं किया गया है ए—

- (क) अन्तरण से सुई किसी जाय की आवत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अक्तरक के दायित्व में कभी करने या नससे वचने में सुविभा के लिए; बॉड/या
- (ख) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जनत अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तरिती ब्वाइत प्रकट वहीं किया अवा वा वा किया जाता आहिए था, कियाने में सुविधा के खिल्।

बर्तः थ्व, उच्त विधितियम की धारा 269-म वी वनुसरक भें , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैंसर्स हिमांशू इन्टरप्रायसेस।

(अन्तरक)

2. श्री कांतीलालं केशवलाल शहा।

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पर्टित के अर्थन के सिद् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति को वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र हर्-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तस्तंबंधी व्यक्तियों पत्र स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब खें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकारी।

स्यच्छीकरण: ---इसमें प्रयूक्त सक्यों और पर्वो का, को उक्छ अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विमा वया है।

प्रमुस्ची

फ्लैट्रॉनं० 53, जो प्रभु निवास, ध्लाट ६० 166, आफ फैक्टरी लेन, बोरियरी (प०), बम्बई 92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कर सं श्र है | 37 ईई | 15532 | 84-85 और जो सक्षम प्राधि हारी, बस्बई द्वारा, दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बर्ष

दिनांक 4-11-1985 मोहर । AND THE REST OF THE REST OF THE REST OF THE REST.

प्रारत्य भार्षः, दी. एन. एक.,-------

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के लभीन सुमना

भारत सरकार

कार्याक्रय, सञ्जायक नायकर नाय्यस (निरीक्रण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिनां के 4 नवम्बर 1985 निदेश सं० प्रई-4/37-ईई/15627/84-85---श्रतः मझे, लक्ष्मण दास.

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चातु 'अक्त अधिनियम' कहा गया है, की पारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थानर संपति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- एड. से अधिक है

और जिसकी सं० दुहान नं० 6, जो, तल माला, साईनाथ नगर, एक्नार, विहलेन, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (और क्षप्तमे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिलका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 तख के प्रजीत बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिनस्ट्री है दिनांग 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित याजार मुद्भा, उसके अप्यमान प्रतिफल से एसे अप्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के निए तय पाया पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक बिश्चित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुन्द किसी जाय की बाबत, उन्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक अर्थ बाबित्य में कभी करने या उससे बचने में सविधा के किए; और/वा
- (का) एरेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह⁷ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ध अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुविधा 🖷 ਰਿਹ।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के जधीय, निम्नलिकिङ चिन्तवों, अर्थात 🗝

1. पूष्पा बिल्डर्स ।

(पन्तरक)

2. शाहा ठाकरशी शिवाजी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्तित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्परित के वर्णन के संबंध में कोई भी आशोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 किन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (बा) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकावन की तारीख सं 45 विन के भीतर उच्च स्थावर संपरित में हितवव्य किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पद्धकरणः—इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उद्यक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ है, वहीं वर्ष होता जो उस अध्याय में विका यया हैं।

अभृज्ञी

दुकान नं० 6, जो नल माला, साईनाथ नगर, एक्सार व्हिलेज, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। धनसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37 ईई/15627/83-85

और जो सक्षम प्राधिकारी बस्वई हारा, दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्राजीन रेंज-4, बम्बर्ड

दिनांक: 4-11-1985

प्रसप बाइ'.टी.एव एस. ------

The last community was a second of the second

श्रीमती क्लेर किन्नी और अन्य।

(भ्रन्तरकः)

2 मैंसर्स बिल्ड-वे-बिल्ड्सं।

(भ्रन्तरिती)

नायकर वाँभिनियम, 1961 (1961 का 43) की-भारा 269-म (1) के मभीन समना

श्रारत सरकार

कार्भाज्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंग-4, बम्बई बम्बई दिशंं 4 नवम्बर, 1985 निदेग सं० प्रई-4/37-ईई/16020/84-85---प्रनः मुझे,

लक्ष्मण दास, नक्ष्मण दास, नायकार अधिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

कार्यकार कायानयम, 1961 (1961 का 43) (। जस इसम इसके प्रकृत जिल्ला कि कि कि का कि का कि का कि 269- च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और निनिशे में खुली नेपोन जा हिस्सा, जी, व्हिलेन एमसर, तालु हा बोरिवली , सर्वे नं 153, एच नं 9, सी व्ही एमसर नं 1028, बोरिवली, वस्वई में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुमूची में और जो पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 केख के अधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी क कार्यात्य में रिजिस्ट्री है दिनांक 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियो) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में भास्तिक हुए से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियें की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशंकार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहें किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के आए:

आतः भव उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के विभुत्तरण में, मैं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (१) ६ अप्या िस्मिलिसित व्यक्तियों, सर्वात् ड-- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिष् लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--- 😤

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की लारीख से 45 दिन के भीतर उन्हें स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य न्यक्ति ध्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवास में स्थिए जा सक्तेंगे।

स्पच्छीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में विया गया है।

धनुसूची

खुली जमीन का हिस्सा जो, व्हिलेज एक्सार, तालुका बोरियली, जिसका सर्वे नं० 153, एव० न० ५ सी० टी० एस० नं० 1028, बोरियली, बस्बई से रियन है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37 ईई/16020/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्त्रई द्वारा दिनां! 1-3-1985 को रिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम शक्षम प्राधाकारी सहायक श्रायक्त श्रायका (निरीक्षण) श्रक्तिरेब-4, बस्बई

दिनांक: 4-11-1985

प्रारूप आहें.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यासय,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 भवन्बर 1985

निर्देश मं० अर्द-4/37-ईई/15491/84-85--अन. मुझे, लक्ष्मण द(स

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह दिख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रत. से अधिक है

भ्रौर जिसकी मं० फ्लैंट न० 703, जो 7 वी मंजिल, इमारत नं० 1, सुमेर भगर एस० वि० रोड, कोरा केन्द्र, फ्रौर गोकृत धाम के सामने, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे ग्रीर जी पूर्ण रूप ने विणित है) श्रीर जिसका करारभामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कप्त्र के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है दिमांक 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के इध्यमान प्रतिफरु के निष्वन्तरित की गर्दहै और मुक्ते यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार शृक्य, असम्बे दश्यभान प्रतिकात से, एसे दश्यभान प्रतिकास का पन्द्रह प्रिधात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरिशियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कव, किस्नसिवित उद्योग वे उन्त बन्तरण विविध में शस्तु-विक रूप से कथित नहीं किया वना है है---

- (क) मन्तरण संहुइ किसी बाग की शबत, जनत विधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरक के वारित्व भें कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; नीर/या
- (वा) एसी किसी बाय या किसी भन या जन्त्र बास्तियों का, जिन्हा भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का ११) वा उक्त अधिनियम, या **भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को** बोजनार्थ जन्तरिती दुवारा प्रकट नहने किया बबाधाबाकिया जाना चर्किए। कियाने बैं मुविधा के सिए;

अत्त अव', उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अन्सरण भें, में, शक्त अर्थिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) 🖻 🗂 📉 , विस्तिसिश्चित व्यक्तियों , वर्णात् ⊱

1. श्रीमती मिभा हेमचन्द ।

(अन्तर्क)

2 श्रीमती पी० एच० पटेल श्री: अन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

इक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्रेप 💵

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिव की ज्वरिय वा तत्त्वम्यूच्यी व्यक्तिको पर स्चना की तामीस से 30 दिन की बनिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकर **म्युक्तियों में से किसी म्यक्ति द्वारा**ः
- (व) इस त्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 बिन् के भीतर उन्त स्थानर सम्पत्ति में हितनहुषः किसी जन्य व्यक्ति युवारा अभोइस्ताक्षरी के पाच लिकित में किए जा सकोंगे।

ल्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया **5** 1

मन्स्चीं

फ्लैट मं० 703, जो 7 वी मंजिल, इमारत नं० 1, सूमेर नगर, एस० वि० रोड, कोरा केन्द्र, श्रीर गोकूल धाम के सामने, क्षोरिवली (प०), अम्बई-92 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि ऋ० मं० अई-4/37-ईई/15491/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा, दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) अर्जनरे आप-4, बम्बई

दिनांक: 4-11-1985

मोहर .

61--376 GI/85

प्ररूप आहूर. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः,, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जभ रेज-4, बम्बई बम्बई, दिमांक 4 मधम्बर 1985

भिदेश सं० अई-4/37-ईई/15928/84-85—-अतः मुझे, अक्ष्मण दाम,

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कार्यण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1, जो धल माला, भ्रोम जगदीश को-आप० हाउसिंग सोमायटी, देवीदास लेंस, एस० वि० पटेल रोड, बोरिवली (५०), अम्बई-103 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारमामा आयकर अधिभियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-3-1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई हैं और मूझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का उद्दृह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्दृष्टिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में गभीन, निम्हलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. देलाई ग्रंबेलाल गुलाव भाई

(अन्तर हो)

देसाई ठाकोरभाई भगवाभंजी।

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करकं पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः---इसमं प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 1, जो यल माला, श्रोम जगदीश को-आप० हाउसिंग सोपाटी, देवियान लेंग्न, एस० वि० पी० रोड, बोरिवली (४०), बम्दई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा बिक्ट मं० अई-4/३,ईई/15928/8 (-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा, दिमातः 1-3-1985 क(रिनस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राणि ारी सहायात आयक्षर आयुक्त (किरीक्षण) अर्जन रोजन्य, अम्बर्डी

दिभाक : 4-11-1985

बक्य बार्च, टी. ध्रम. एस.,-----

भासकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत जरकार

कार्वालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जभ रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिमांक 4 मवम्बर 1985

भिदेश सं० अई-4/37-ईई/15605/84-85—-अतः, मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 24. जो नल माला, गोयल णापिंग आर्केंड, एस० वि० रोड, श्रीर एल० टी० रोड का कार्नर, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करार-मामा आयक्तर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि हारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-3-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दिस्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, जिसके दृश्यमान प्रतिक ल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्सारण से हुई किसी आव की बावत उसके अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्सरक वे योग्यत्य में कमी करने या उससे दक्त में सुविश्व के चिए; और/या
- (क) इसी किसी नाम या किसी भन या नम्ब नास्तियों को बिन्हें भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या अन-कार निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया लिए;

अत. अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसि**षिए व्यक्तियों, अर्थात् ६—**-

- श्री रजीन रतनशी बजारीया श्रीर अन्य। (अन्तरक)
- 2. श्री धिरजलाल मानणी सावला श्रीर अन्य। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के जर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुए।

उन्त चंपति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कें
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तादील से 4.5 दिन के भीतर अक्त स्थावर संपत्ति में हितवक्थ किसी अस्य स्थिक्त इसारा अधोहस्ताक्षरी के पाक लिकित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण: -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ज संची

दुकान नं० 24, जो तल माला, गोयन शापिंग आर्केंड, एस० व० रोड, ग्रौर एल० टी० रोड का कार्नर, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15605/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिलांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रामुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिमांक: 4-11-1985

मोहर 🛭

प्रकर बाह्य, दी, एस, एस, व - - ----

भागकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीन स्वाना

भारत सहकार

कार्यालय, सहायक मायकर वायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिमांक 4 नवम्बर 1985

मिदेश मं० अई-4/37-ईई/16033/84-85—अतः, मुझे, लक्षमण दास

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें एसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० सी-102, जो 1 ली मंजिल, णिव छाया इमारत, एक्सार रोड, बोरिवली, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269-कख के अधीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपांत के उषित बाबार मृस्य से कम के दूरभमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथनपूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की धावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भी कमी करने वा सत्तवे बचने में हुविधा को सिए;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के जिए;

शत: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-गृ में कन्नरण में, मैं, उक्त जिथिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) ➡े नधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों छि" तु:—— 1. हर्षा इन्टरप्राइजेस।

(अन्तरक)

2. श्रीमती रमाबेन मोहन लाल धाकन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना चारौ करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धों क्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास किसीबत में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्षिरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिधनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषितः है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में क्षिया दे नवा है।

घमुसूची

प्लैट नं० सी-102, जो 1 ली मंजिल, शिव छाया इमारत, एक्सार रोड, बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० मं० आई-4/37-ईई/16033/84-85 थ्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिमांक: 4-11-1985

प्ररूप आहें.टी.एन.एस.-----

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन सुचना

शारत सरकार

कार्यांचय, सहाबक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम शिक्षकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्व 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० फ्लेट नं० 3 जो तल माला इमारत नं० ई-21 योगी नगर, एक्सार रोड बोरविली (प०) बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रौर जिसका करारतामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्स सम्मास्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथानुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, ऐसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल िम्नितिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाय की शावत सकत जीवन नियम के अभीन कार दोने के बन्तरक के दायित्य में कभी करने या उपन बचने में सुविधा के किए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी जाय वा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया सवा था वा किया जाना चाहिए था छिपान में सुनिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अधीत क्ष-

(1) मेमर्स विजय नगर कारपोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमित मेधा माधव देव और प्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

कौ वह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्मत्ति के मर्जन के सम्मन्य में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवित्र मा तर्यम्बन्धी व्यक्तिया पर स्वता की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी वस्य बाद में समाप्त होती हो, जो भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) (स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- भव्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ द्वांगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

छम्स्वी

फ्लेट नं० 3, जो तल माला, इमारत नं० ई-21, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरविली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

स्रनुसूची जैमा कि कि । स्रई-4/37ईई/15533/84-85 भ्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज-4, बम्बई

दिनां ह : 4-11-1985

प्रकृप श्राह्म . टी. एस. एस. -----

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-4/37ईई/15573/84-85--- श्रतः, मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकार निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-श के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी स० दुव र २० ६, े कि 'र्थ, 'ल ट २० (उ भाई० सी० कालोनी, बोरिवली (प०), बग्बई-103 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269-कख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि स्थाणकोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिपक्ष से, एसे स्थमान प्रतिपक्ष का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकान, निम्निनिचत उद्देशक से उन्तर अन्तरण जिथित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है ...

- (क) बन्तरण सं हुइं किसी बाय की बावस्, उपत वृधिनियम में बधीन काह दोने यो बन्सरक में सारित्य में कृती काहने सा उपने स्वाम में स्विधा के सिए; बीह्र/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भून या किसी नास्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर निभिन्यम, या भन-कर निभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कर्तारखी क्वारा प्रकट नहीं किया गता था वा किसा भाग जाहिए था, कियान में जुन्धि। के सिए;

कतः वर्ष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 🚈 (1) मेसर्स श्रेयस कन्स्ट्रक्शन्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमति नेल्बा जाईस डिसूजा।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

जनत संपत्ति के अर्जन के मंत्रंथ में कोई भी बाक्षेप :--- 🛬

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चिस्ति में किए जा सकने।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदौं का, जो सक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया सन्ना हैं।

वन्त्रकी

दुकान नं ० 6, जो सिद्धार्थ, प्लाट नं ० 34, श्रार्थ० सी० कालोनी, बोरियली (५०), बम्बई-103 में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37ईई/15573/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

शिक्षात स्पेरी, द्री ग्रेथ शक्ष २००० -- ० -

णासकर अभिनियम, 1.961 (1961 का 43) की धार 269-था(1) क अधीर अंतरा

भारत सरकार

काशांसय, सहायक जायकर शायुक्त (निराक्तिक)

प्रजैत रें ज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश मं० ऋई-4/37ईई/15527/84-85-- अतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

कारकार किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख थे जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अंपरित, जिसका उचित काजार मृत्य 1,00,000/- स. से अधिक हैं

और जिसकी सं० यनिट नं० 205, जो, 2री मंजिल, मण्डपेण्वर न्डस्ट्रियल इन्टेंट, श्राफ एस० विमी० रोड, बोरियली (प), बम्बर्ड-92 में स्थित है (और इसमें उपाबड अनुसूची में और पूर्णरूप से विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन, बम्बर्ड स्थिन पक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इरकमान शितक के लिए अम्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास मृत्य के का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सम्विक हम से किया नया है अन्तर के स्वरंग से किया नया है अन्तर से किया नया क

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाब की बाबस, अबस अधिनियम के अधीन कर दोने हें जन्तरक के बाधिनय में कामी कारन मा उसर म्यने सी सविष्ण के लिएट मौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या निजी भर या ल्य क्रांपिता कर क्रिक्ट भारतीय आय सर अधिनियम, १०१० भार क्रिक्ट भारतीय आय सर अधिनियम, या भार-कर भीभ नियम, ११ भार-कर भीभ नियम, १९५७ की प्रयोजनाई क्रिक्ट स्था व्याप्त प्रकार करी क्रिक्ट ग्या था भार प्रकार करी क्रिक्ट स्था था भार क्रिक्ट स्था क्रिक्ट स्था क्रिक्ट स्था था भार प्रकार करी क्रिक्ट स्था क्रिक स्था क्रिक्ट स्था क्रिक स्था क्रिक्ट स्था क्रिक्ट स्था क्रिक स्या क्रिक स्था क्र स्था क्रिक स्था क्रिक स्था क्रिक स्था क्रिक स्था क्रिक स्था क्र स्था क्रिक स्था क्रिक स्था क्रिक स्था क्रिक स्था क्रिक स्था क्र

कतः अव, उक्त अधिनियम की कारा 269-म के बन्सरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) हे अधीन, निम्श्रीलित व्यक्तियों, अर्थात्

- (1) श्री मरदार भाई हे मराजभाई पटेल ग्रौर ग्रन्य । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री मोघजी भाई बी० पटेल **धौर धन्य** । (ध्रन्तरिती)

को यह स्पना चारी करके प्राँक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिध कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में काई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (क्षं) इस प्रमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी वं पाम लिक्ति में किए का सकीने।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त कव्यों और पदा का, वा उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिशाधित ही, वहीं अर्थ हारा, जे उस अध्याय में विया गया ही।

अवस्ची

य्निट नं० 205, जो, 2री मंजिल, मण्डेश्वर इन्डस्ट्रियल-इस्टेट, श्राफ एस० बी० पी० रीड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर संर अई-4/37ईई/15527/84-85 और जो सक्षम प्रश्चिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-4, बम्बई

नारीज: 4-11- 985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहागक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रें ज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० श्रई-4/37ईई/15995/84-85--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. में अधिक है

श्रौर जिसकी संव पलैंट नव जी-2. जो, तल माला, जय गुरूदेव भवन, एलव्झाईव्सीव कालांनी, एक्सार रोड, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूज रूप ने विणत है). श्रौर जिनका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा, 269काख के श्रिधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1985

फी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यकान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक हो और अंतरिक (अंसरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण को लिए तथ पाया गमा प्रतिफल निम्निलिखित उद्देषदेय से उक्त अन्तरण निस्तित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की बाबस, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एेमी किसी या किसी धन या अन्य अस्तियों को जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अप्तः डब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 259-ज की उप गरा (1) के अधीन, किस्तिलिखत व्यक्तियों, अर्थोट् :--- (1) एच० एम० खिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) एन० के० मेनन ग्रीर भ्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--- 矣

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अविध्य या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध्य जो भी अविध्य बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधेहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए जा सकें रें।

स्मण्डीकरणः ---इसमें प्रयुक्त एक्यों और पवों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दिशाणित हैं, बही जर्थ होगा को उस अध्याय में दिशा गवा है।

अमुसुची

फ्लैंट नं जी-2, जो, तल माला, जय गुरूदेव भवन, एल श्याई o मी o कालोनी, एक्सार रोड, बोरविली (प), बम्बई-9 2 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैमा कि कर संर ग्रई-4/37ईई/15995/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 केंद्र रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दाम मक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीखा: 4-11-1985

माहर:

प्ररूप आर्इ.टो.एन.एस.---- (1) सन्मान वन्स्ट्रनगन्स ।

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- व के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रें ज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985 निदेश सं० श्रई-4/37ईई/15650/84-85--- श्रत: मुक्षे, लक्ष्मण दास.

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उमित नाजार मुख्य 1,00,000/- र_ॅ. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 201, जो, 2री मंजिल, पृष्पीलान ग्राई०सी० आलोनी, रोड नं० 3, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इससे उपावढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), और जिस्हा द रारनामा श्रायकर श्राधिनियम, 1961 की धारा 269 तथ्व के अधीन, बम्बई में स्थिन सक्षम प्राधि तरी के कार्यालय में रजिस्ट्री है। तारीख 1-3-1985

को पूर्वों क्स सम्बक्ति को जिल्हा बाबार अन्त्य से कम को करवजान धविकल के लिए जन्तरित की गृहंही और मृत्तेयह विद्यास करने का कारण है कि वभाव्योंक्त सम्मत्ति का उचित भाषार बृत्य, इसके क्ष्मकान प्रतिफल से एोसे क्ष्मकान प्रतिकल का पंछा प्रतिकात से अभिक है और अन्तरक (जंतरकों) और बन्तरिती (सम्बरितियाँ) के बीच एंडे बन्दरन के निष्धय पाता तका प्रतिक्रम, पिकासिविश्त उद्वर्शक से उन्त बन्तरण सिर्मित में बारतविक एए से कथिद महीं किया गुमा है :----

- (क), बन्तर्थ वे हुई क़िकी बाव की बाबत उक्क माधितिबन् के ब्रुवीन कर दोने के बन्दहुक सी बाबिस्य में कमी करने वा उससे बवने में सुविधा चे थिए; बडि/वा
- (व) एंसी किसी बार या किसी धन वा सन्य प्रारिश्वयों **को, जिन्हों भारतीय का**यकर करिनियक, 1922 (1922 का 11) या जकर अधिनित्रम, ता भनकर जिभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ जन्तरिती क्नास्त्र प्रकट नहीं किसा नवा भाषा किया जाना चाहिए भाक्रिपाने में सर्विवा षे विए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीत, निम्लीलिसिक व्यक्तियों, अथोंत् :--62-376 GI/85

(अन्तरक)

(2) नामदेव रामचन्द्र पौल ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सुभना जारी करके पूर्वेक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इसुसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सी 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अन्वधि, जो भी अविभि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स भ्यक्तियों में से किसी स्थक्ति व्वाराध
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकरें।

स्पक्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, यो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पुरिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 201, जो. 2री मंजिल, पप्पीलांन, श्राई० सी० कालोनी, कोड नं ० 3, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है भ्रन्सुची जैसा कि क० सं० भ्रई-4/37ईई/15650/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांद 1-3-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सुक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकद्र भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

नारीख: 4-11-1985

माहर 🛭

प्ररूप बाइ .टी.एन.एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सुभन.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरेज, 4 बम्बई

बम्बई दिनाक 4 नवम्बर, 1985

निदेश मं० थ्रई-4/37ईई/15929/84-85-- श्रतः मुझे, लक्ष्मञ्ज दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उतन अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 म के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट न० ए-203, जो 2री मंजित, सभव दर्श (जाम्बली गल्ली) को०-छाप० हाउरिंग सोसाइटी नि०, जाम्बली गल्ली श्राफ एस० बी० राड बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित (श्रीर इसमें उपाबंध अनुसुची में और पूर्णक्य से वर्णित है), और जिसका वारासामा आया र श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 वाख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के हायलिय में रजिस्ट्री है नारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के नीच एसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिशत उद्देश्य से उसत अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त बिश्वियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इनारा प्रकट नहीं किया गंपा था या किया जाना चाहर था, छिएनों में सिवधा के सिए;

बत: अब, उक्त जीभीनयम की भारा 269-ग के जन्मरण सं में भारा वर्णानाम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अभीर निम्निशिखित, व्यक्तियों, वर्णात् ह—- (1) मेसर्स गणेश केमिकल्स ।

(ग्रन्तरह)

(2) श्रीमित मजूला खिमजी राम्भीया । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के शिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी बाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिश्वाचित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस ची

पलेट न० ए-203, जो, 2री मिजिल, सभव दर्शन (जाम्बली गल्ली), को०-प्राप० हाउसिंग सोभाइटी जि०, जाम्बली गल्ली भ्राप एस० वी० रोड, बोरिवली(प), बम्बई-92 में स्थित है अनुसुची जैसा कि क० सं० प्रई-4/37ईई/15929/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनां : 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

तक्ष्मण दास सक्षम प्राधिनारी सहायर प्राय ३२ ज्ञायुक्त (गिरीक्षण) स्रर्जन रेज-4, बम्बई

तारीख 4-11-1985 मोहर त्रसम् बार्चः, टी.: पुनः, पुनः,------

नायकर नीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में अधीन सुबना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्न) श्रर्जन रेंज-4, वस्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/15949/84-85- प्रतः, मुसे, लक्ष्मण दास,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परणात 'उक्त अधिनियम' काहा गया हैं), की वादा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का अधिक हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार कृत्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर निमकी सं० फ्लेट नं० 301, जो 3री मंधिल, पृष्पीलान आई० सी० जालोती, रोड नं०3, बोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है (श्रीर इप्रसे उपाबद अनुसुची में श्रीर पूर्ण मप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कव के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के जायनिय में रिजस्दी है तारीख 1-3-1985

भ्रां पृथां वर्ष संपत्ति को उपित बाजार मूल्य सं कम के ख्रममान श्रांशकश को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का का का का है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उपित बाजार लस्य, उभके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिकत्त क्यू पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित मा बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (ल) अन्तरण वे शुक्ष किया आय की बावत अवस निर्धन विक्षा के स्थीन कर दोने के उत्तरक के दासित्व के उत्तर्भ करने वा उत्तर्भ स्थाने में सुविभा के विद्धे; स्टिंग
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन वा अन्य जास्तियों की, चिन्हों भारतीय जायकर अधिनयज, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयज, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकेषनार्थ कस्तरिती ब्वारा प्रकट वहीं किया नवा भा वा किया जाना वाहिए वा, कियाने में कृष्टिया की जिया;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण गें, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसित व्यक्तियों, अर्थात् — (1) सन्मान कन्स्द्रक्शन्स ।

(अन्तरक)

(2) पी० डी० थामस ।

(मन्तरिती)

को यह सूपना जारी फरको प्रॉबिस मञ्चरित को वर्जन के बिख् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

क्ष्मत सम्परित के बर्चन के सम्बन्ध में कींड़े भी आर्थन 🚈

- (क) इस स्वान के राज्यन में प्रकाशन की शारीबा है 45 दिन की नवीभ का सरक्षान्त की स्वित्यों पर स्वान की तानीन से 30 दिन की स्वित्य को भी अविध नाम में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स स्वित्यों में से किसी स्वित्य व्यापा;
- (क) इस सूचना के राज्यभन में प्रकाशन की तारीच सूँ 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित-सूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा तकोंने।

स्यव्हीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, भी उन्तर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिका गया है।

श्रनुसूची

फ्लेट न० 301, जो 3री मंजिल, पप्पीलान, आई० सी० कालोनी, रोड, नं० 3, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37ईई/15949/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकार त्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-4, बम्बई

विनांक: 4-11-1985

प्ररूप आहं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूच्ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरें ज-4, बस्बई

बम्बई, दिनाक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37ईई/15659/84-85-- अतः, मुझे, लक्ष्मण दासः,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों गरुचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्यास सरने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित आजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० बी-302, जो शिव छाया, एल० टी०
रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा
श्रीयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 ्रख के श्रधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्राधिकारी के दायिलय में रिजस्ट्री है नारीख
1-3-1985

को पूर्वेक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपमान प्रातफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गका था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

असः असः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् ह— (1) मेसर्स हर्षा इन्टरप्राईजेज ।

(अन्तर्क)

(2) दि धरमणी मोरारजी केमिकल क० लि०। (,म्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के द्वाजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविभ बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धन्स्ची

फ्लेट न० बी-302, जो, शिव छाया. एल० टी० रोड, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है

अनुसूची जैसा कि कि से० अई-4/37ईई/15659/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 का—रिजस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-4, बम्बई

दिनांवः : 4-11-1985

प्रक्त वाहें दी. एत . एत ् उपस्तानसम्ब

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन ब्याना

भाषक संस्कार

कार्याजन, सङ्ख्यक आवकर जानुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिना ३ 4 नवम्बर 1985

निदेश सं ० श्रई-4/37**ईई**/15732/84-85—- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास.

मायकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित इसमें इसके परवात 'उत्वत विधिनियम' कहा गला हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्रीधिकारी को, वह विश्वात करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाचार मूस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी स० फ्लेट न० 503, जो 5वी मजिल, स्रोरिएन्टल स्रपार्टमेट, प्लाट जिसका सी०टी०एम० नं० 1329, सर्वे नं० 162(स्रण), जीवन बीमा नगर, बोरिक्ली(प), सम्बई-103 स्थित है (स्रोर इसके उपाबद्ध स्रेनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका परारनामा स्रायकर स्रीधनियम, 1961 की धारा 269 हा ख के श्रधीन, सम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूनव से कम के अस्थजान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृद्दे हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कर संपरित का उचित बाजार मून्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंदरकों) और संवर्षिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए स्वय वाया गया प्रति-सन्द, निम्नविधित उन्नवें कर से स्वयं स्वयं क्षित्र में वास्तिक्ष सन्व से कथित वहर्ष किस्त क्या हैं कन्न

- (क) अनंतरण से इंक्ट्रें किसी आयु की बाबस, उक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के बार्डिक्स के कमी करने का उक्क अलाने के सुक्रियक के लिए; सॉहर/ना
- (थ) इंदी कियी जान वा कियी पन वा अन्य जात्यां की, जिन्हें भारतीर जामकर विधिनवनन, 1922 (1922 का 11) जा उत्तर जिभिनवन, का धन-कर अधिविवन, 1957 (1957 का 27), के प्रयांजन/वं जन्दिरिती क्याद्ध प्रकट नहीं किया का भा या किया बाना चाहिए जा, क्याने में सुनिया के किए;

बाद क्या, उनव अधिनियम की भारत 269-य की बानुबाहक मी, मी, उनत अधिनियम की भारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन निस्मीतिका व्यक्तियों, वेश्वति हिल्ला (1) नजीर ऋष्दुल्ला हसेन एण्ड सन्स ।

(म्रन्तरक)

(2) श्री दीपक कानी भान शास्त्री ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के अर्थन के निष् कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीए से 45 विन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पद सच्चा की मामीस से 30 दिन की ववधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अना व्यक्ति द्वारा, अधोतृस्ताक्षरी के पास भिक्ति में किए जा सकेंगे।

प्यक्रिकरणः;—इसमें प्रमुखत कृष्यों और पर्यों का, को उक्त मुर्भिन्यक के अञ्चान 20 के में परिक्रप्रीयक हैं, वहीं वर्ष होगा, को उस अध्याव में विदा गया हैं।

फ्लेट नं० 503, जो 5वीं मंजिल, श्रोरिएन्टल श्रपार्टमेंट लाट जिसका सीं०टी०एस० नं० 1329, सर्वे न० 162(श्रंग) जीवन बीमा नगर, बोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क्र० स० श्रई-4/37ईई /15732/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास पक्षम प्राधिका**री** स**हायक श्रा**यक्ष श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जनरेज-4, बस्बई

सारीख: 4-11-1985

महिष्ट :

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

मानकर नौधीनवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्रण)

भर्जन रेज-4, बम्बई

वम्बई दिनांद 4 नवम्बर, 1985

निवेश स ० ग्राई-4/37ईई/15680/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास.

वायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चीत् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करूने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाचार मृज्य 1,00,000/- क. से विधिक हैं

श्रोर जिसकी स० पलेट न० 404/405, जो श्री जी श्रपार्टमेंटस 4णां मिलल, एक्सार विलेज, कंबारपाडा रोड, बोरिवली (प०), दम्बई-92 में स्थित हैं (और इससे उपायद्ध श्रनुसची में और पूर्ण-प से बिणत हैं), श्रोर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम, 1961 की धारा 269 एख के श्रधीन, बम्बई रिश्रत सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में राजस्दु। में तारीख 1-3-1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्रित को गई है और मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पति का उचित बाजार प्रश्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल सा पंद्रह प्रतिश्वत से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित के बास्तरिक कम हो अभिक्ष महाँ किया गया है :--

- (क) अन्वरण से हुई जिल्सी आव की बाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में बुविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्दिरती ब्वाय प्रकट नृहीं किना धना था का किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, भैं, उस्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिसिस व्यक्तिसों, अर्थात् :--- (1) मेंसर्स के० पटेल एण्ड कम्पनी ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री बी० बी० कामता।

(ग्रन्तरिती)

का यह भूषना पारी करके पृथायत सम्पत्ति के अवंत् के तिस्य कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षप 🚣

- (क) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविध बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर प्रविका व्यक्तियों में से किमी स्थक्ति द्वारा;
- (क) इस सूजना के राजपक् में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य अपनित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए था सकेंगे।

अनुस्ची

फ्लेट नं० 404/405, जो, श्री जी अपार्टमेंटस, 4थी मंजिल, एक्सार विलेज, कदारपड़ा रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० ग्रई-4/37ईई/15680/84-85 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 4-11**व**1985 मोहर ः प्रकथ बार्च टी पून् एस

(1) बिल्ड वेल-बिल्डर है।

(भ्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

जायकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांग 4 नवम्बर 1985

निदेण मं० श्रई-4/37ईई/15822/84-85-- श्रन: मुझे,

लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकेपश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 26%- ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 100,000/- रह. से अ**धिक हैं**

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट गं० 201, जो 2री मंजिल, विन्नीज कार्नर सी॰टी॰एस॰ न॰ 1027 श्रौर 1028, श्राई॰ सी॰ कालोनी, बोगरदली (प). बम्बई-103 में स्थित है (फ्रोर इससे उपाबद अनुसूची से और पूर्ण रूप से धीणत है), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायवार प्रधिनियम, 1961 की धारा 269 दाख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधियारी के वार्यालय मे रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1985

🖍 को पूर्वाक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूरूप से कम के दश्यमान क्रिंसिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूरूय, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रसिशक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तच पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उबुव रेय से उक्त बन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की गवत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; अ:ैर∕या
- (क) ऐसी किसी अाय या किसी धन वा अभ्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय अगयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-**कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क**े प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

करू अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 मा की उपभारा (1) को सधीन, निम्नलिसित, व्यक्तियों, अर्थात् :---

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

(2) श्रीमित मारिया ग्रालीस फर्नान्डीस ।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई नाक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारील स्रे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुजनाकी तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविचा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचिक में से किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रधुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में चिधा गया है।

अन्स्ची

फ्लेट नं ० 201, जो, 2री मंजिल, किन्नीज कार्नर, सी०टी० एस० नं० 1027 श्रौर 1028 शाई० सी० कालोनी, बोरिक्ली (प०), बम्बाई-103 में स्थित है।

मनुसूची जैसा दिः क० सं० मई-4/37ईई/15822/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर आयुक्स (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज-4, बम्बई

तारीखः : 4-11-1985

में हर :

प्रकप बाइ.टी.एन.एस------

बायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (चिरीक्षण)

म्रर्जन रें ज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-4/37ईई/15657/84-85--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दासः.

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिल्ह्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित काजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं पलेट नं 707, जो इसारम नं 590/60, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प), बस्बई-92 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसुची में भौर पूर्ण रूप से विणित है), भौर जिसका करारनामा श्रायवार श्रिधिनियम, 1961 की धारा 26 वाख के श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है तारीख 1-3-1985

कर पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के स्थमान गितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ने यह विक्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का चन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्वेष्य से उक्त बन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाव की बाबत उक्त अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक को याजिए में कमी करने या उत्तरो बचने में सुविधा के निष्ट; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्तः आस्तियां को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया धाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः जब, उक्त जीधीनयम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) वो सधीन, निस्निसि**वा व्यक्तियम्ँ∌ स्थारि क्र—** (1) मेसर्म विजय नगर कारपोरेशन ।

(श्रनगर)

(2) श्री रजनीकात वेनीलाल मोवी श्रीर श्रन्य । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई मी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ज) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- च्या किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभाहरताकारी के पास लिनिन में किए जा सकींगे।

स्थक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अवसंची

फ्लेट नं० 707, जो इमारत नं० 59/60, योगी नगर, एक्सार रोड, बोरिवली (प), बम्बई 92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37ईई/15657/84-85 भौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनां ा 1-3-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> तक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

तारीख: 4-11-1985

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्राजीन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनार 4 नवम्बर, 1985 निर्देश सं० घई-4/37-ईई/15729/84-85--- अत: मुझे.

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद् 'उक्त अधिनियम' कहा गर्मा है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु से अभिक हैं

और जिसकी सं० दूशान नं० 7ए, जो, जमूना दर्शन, प्लाट जिसमा नं ओ० टी० पी० एन० 752, नाटकवाला लेन, श्राफ स्वामो विवेधानंद रोड, बोरिचली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इनसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिनहा अरारतामा श्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 ज, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के गर्यातय में रिवस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से का के सम्बनान प्रतिफल के लिए बन्तिरत की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने कारण कि सभा प्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इपयमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिबित में वास्तविक रूप सं कथिल नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा केलिए, और/मा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को. जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर व्योधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा को लिए

नत: नव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग को जनसरण में, में, उक्त अभिनियम की धारा 289-व की उपधारा (1) 63-376 GI/85

- (भ्रत्यर
 - 2 श्रीमती स्वर्ग प्रकाण ग्रानंद और श्रन्य। (भ्रन्तरिती

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्परित के अर्जन के कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों सूचना की तामील से 30 दिन की अधिभ, जो अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वी व्यक्तियों मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्-किसी बन्य व्यक्ति व्वारा मधोहस्ताक्षरी के पा लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहु वर्थ होगा, जो उस वध्याय में दिया गया है।

दुमान नं० 7ए, जो रमना दर्गन, प्लाट जिसका न ० ओ० टी० पी० एम० 752, नाटकवाला लेन, श्राफ स्वामा चित्रेगानंद रोड, बोरिचली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं।

श्रन्**स्**ची जैपाकि ऋ० म० ग्रई-4/37-ईई/15729/84-85 और जो पक्षम प्राधिमारी बम्बई हारा दिनार 1-3-1985 को पत्रिस्टई रिया गया है।

> त्क्षण दास अभ प्राबि∶ारी महायम प्रायम् । प्रायमन (निरीक्षण) श्चर्जन रेज-4, बम्बई

दिनां " 4-11-1985

प्रकृष आह^र. टी एन. एस.-----

.ायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-क के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजॅन रेज-4, बम्बई

बम्बर्ड, दिनावः 4 नवम्बर 1985

निर्देश म० प्रई-4/3 7-ईई/15828/84-85--- प्रतः म्हो, ,ण दास

जर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें 'एरचान' 'हक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा)-ख के अधीन मक्षम प्राधिवारी को, यह विष्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10 000/- रु से अधिक है

र जिसकी सं० फ्लेट न० 4, जो, 2री मजिल, एक्ष्पार गट नं० 10, आई० सी० लालाती, पूर्वे नं० 160, एच । 2ए, बोरियली, बस्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबड़ नुमूची में और पूर्ण रूप से बर्णित हैं) और जिस्ता : रार मा आयार अधिनियम '961 की धारा 269 के ख के अधीन स्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रहिस्ट्री, हैं गरीख 1 मार्चे 1985

ं पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान तफल के लिए अन्तिरित की गई है और मुझे यह विद्यास रने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ल्य, असके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का दृष्ठ प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती अन्तिरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया तिफल निम्निलिक उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में अस्तिविक दृष्य से किथा गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आठ की बाबत, उक्त गियम के अधीन कर दने के अंतरक के दायिश्व में कमी करने या उसमें बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 10 57 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पाट नहीं किया गण या किया जाना चा है। । छिपान मा सर्विधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनमरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिन व्यक्तियमें, अर्थात ---

1 मेल्यं हेमाबिल्डसं।

(प्रस्तर १)

2 थी टा॰ जीम चेरीयन।

(ग्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुधारा;

. r. . t.

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा उधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ्तैट १० 1 तो 2री मजिल, एक्सार, प्ताट स न 10 ग्राई० नाव प्रानोना, पर्वे न० 160, एच० न० 2ए०, बोरिचली, वस्त्रई में स्थित है।

यनुसूची जैमाबि सं० म० प्रई-4/37-ईई/15828/84-85 और जो नक्षम प्राधिमारी बम्बई होता दिला 1-3-1985 को नीसन्टई निया गया है।

> लक्ष्मण टान्स सक्षम प्राधित्रारी सहायन स्रायक्ष्म स्वायुक्त (निरीक्षण) स्र्यान रेज-4, बस्बई

दिनाण : 4-11-1985

माहर

A STATE OF THE PARTY OF THE PAR

प्रस्प बाइ . टी. एन . एस . -----

बायकर मिथनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेश-4, बम्बई बम्बई, विनोर 4 नवम्बर 1985

वस्वद्, विनार, 4 नवस्वर, 1985

निर्देश स० अई-4/37-ईई/15403/84-85------ प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर आंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संब प्लाट नंब 122-बी, जो, 12 वीं मजिल दत्तानी टापर्स इमारत, एन० बी० रोड, बोरियली (प) बम्बई-93 में स्थित है (औं) इससे उपाचड अनुसून। में और पूर्ण रूप ो वर्णित है) ओर रिश्व प्राप्तामा अध्यक्तर प्रवि-नियम 1961 की बारा 269 🗀 ज के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राविधारी के अयि ग्यं में रिवर्स्टी है तारीख 1-3-1985 को पर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इश्यमान के लिए अन्तिरत की विश्वास करने का कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिक्षत से अधिक ही नौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उद्धा अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काशित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय गा किसी घर या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भरिसीय आयकर अधिनियम, . 1922 (1922 का 11) या जबत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीथ अन्ति ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा गा किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व की उपधारा (1) इं अधीर निम्नलिमित व्यक्तियों, अवति — 1. मेथर्म दत्तानी कन्स्ट्रमगन्य ।

(श्रन्तरक)

2. श्री धनेश जे० मेहता और श्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीतः के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उत्रत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस त्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी उन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए जा सक्तेंग

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

फ्लेंट नं १२२-बी, जो, १२वीं मंत्रिल, 'दत्तानी' टावर्स'' इमारत, एस० वी० रोड, बोस्थिली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

प्रनुसूची जैनाकि कर मरु प्रई-4/37-ईई/15403/84 85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधितः जारी सहायकः ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-4, **बम्बई**

दिनाक: 4-11-1985

प्रकृप आही. बी . पुन . पुसु , तर-१५००००

शांशकर गरिंपनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां ह 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ग्राई-4/87-ईई/15835/84-85--- ग्रात मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रहे से अधिक है

भ्रीर जिसकी मं दुकान न 3, जो, तल माला, एल, प्लामा जिपका मी० टी० एस० नं० 1086. एच नं० 155, श्राई० सी० कालोनी, बोरिचली (प), बम्बई-103 में स्थित हैं (और जिससे उपावह अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित हैं) और जिसका करारतामा श्रायकर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं तारीख़ 1 मार्च 1985

को प्रेंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृषींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और संतरक (अंतरकों) जीर संतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निक खित उद्देष्य से उक्त अंतरण विश्वत में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से सुद्ध किसी आय की बाबत, उक्त आंधिनियम के बंधीन कर दोने के अन्तरक के कायित्व मे कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आंप/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

कर्सः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनुसरण को, मो, उथत अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) को अभीषः निम्नसिश्चितः अयिक्तयों, शर्धात् :--- 1. श्री रायचंद वेरशी गोडका।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती मरी ए० डिसोझा और भ्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के अर्धन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकारन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्विकरणः इसमें प्रयुक्त कर्वो और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

ग्रन्सूची

दुशान नं० 3 जो एल० प्लाझा, तल माला, जिसका मी० टी० एम० नं० 1086, एच० नं० 155, आई०सी० कालोनी, बोरिषली (प), बम्बई-103 में स्थत है।

श्रनुसूची जैसािक ऋ० सं० ग्रई-4/37-ईई/15835/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-11-1985

मोहरः

प्रारूप आहु . टी . एन . एस . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-४, बम्बई

बस्बई, दिनाय 4 नवस्वर 1985 निर्देश म० प्रई-4/37-ईई/1984-85---- प्रत मूझे, लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार 269-ल के उधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु से अधिक है

भीर जिसकी स० फ्लैट न० 103, जो, श्रोम सत्यम निवास को-श्राप० हाउमिग सोमाईटी लि०, राग्रानीग्राम स्पिपोली रोड, ग्राप्ता (१०) प्रव्यई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपावड श्रन्सूची में श्रार पूर्ण रूप से विणत है) भीर जिसका करारनामा श्राय कर श्राधिनयम 1961 की धारा 269 क, खके श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के नार्यालय में रिकस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रितृष्ण के लिए अन्तरित की गई है और मृश्ने यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एोसे दृश्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेद्य से उक्त अंतरण निम्नलिकित उद्वेद्य से उक्त अंतरण निम्नलिकत में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) जंबरण से हुई किती बाब की बाबत, बक्ट अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक को वाबित्य में कमी करने या उत्तवे बचने में बृदिया के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया जवा था का किया याजा चाहिए वा, विकार वे सुविधा के निय;

नतः सव, उक्त आंधिनियम की धारा 269-व को अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—— । श्री उदय श्रार० मोहनदास।

(म्रन्तरक)

2 श्री वालियावेट्टील मथाई जान्नी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

बन्त सन्पर्रित के अर्थन के संबंध में कोई भी बाजीय ह----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन का ताराध सं 45 बिन की सर्वीध या तत्संबंधी व्याक्तया पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वीध, जा भा सर्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दुवारा;
- (व) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंद-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

पच्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उन्हें अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गर्के. हैं।

मनुसूची

फ्लेंट न० 103, जा, ग्रांम रात्यम निवास को-ग्राप० हाउसिंग भोमाईटी लि०, रायानीग्राम, सिम्पोली रोट, बोस्निली (ग), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसाकी ऋं० स० सई-44/37-ईई/15535/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज,-4, सम्बद्ध

दिनाक 4-11-1985 मोहर. वक्य बाह् , टी. एन. एस.-----

जानकार जीवनियम, 1961 (1961 का 43) कई बाह्रा 269-अ (1) के जबीन त्यना

THE TORY

कार्याचय, सहायक भावकर बाय्क्त (निर्णेक्क)

श्चान र ग-4 बम्बई

बम्बई, दिनाम । नतम्बर 1985

निर्देश स० अई-4/37-ईई/15830/84-85--- अत मुझे, लक्ष्मण दाम.

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें उपनात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख के अभीन गक्षम प्राधिकार' का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित वाबार मूख्य 1,00,000/-रु से अधिक है

ग्राँग किन्की सक पर्नेट तक 2, जा, 1ली मजिल, ग्राईक सीक जालोनी, क्लाट नक 10 सर्वे नक 160 मण्डक नक 2ए, बोश्यिली (40) बम्बई-92 म स्थित है (ग्राँग इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची मंत्रा पूर्ण से वर्षणा है) ग्राँग कि या पर्णामा श्रायक्त श्रिधिनियम 1961 कि श्रांग 269 के, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के व्यक्तियम रिकस्ट्री है नारीख 1 मार्च 1985

को प्रॉनित सम्मित के उचित बाबार मृत्य से कम के दश्यमाय प्रतिकल के लिए बंतरित की गई है जीर मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यणपुर्नोक्त मम्मित का उचित बाजार मृश्य, उसके द्रम्यमान प्रतिकार से, एसे क्रयमान प्रतिकत का पद्ध प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिश्वित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिश्वित में में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) जन्तरण से हुए किसी बाय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे क्वने में सुविधा को सिए; और/मा
 - प्रती किसी आय या किसी धन या जन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया किया थाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए,

कत जब, उक्त जिथानियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के जभीन, निम्मृलिचित अम्बितयों हु अभीन, निम्मृलिचित अम्बितयों हु

। में तस हमा बिल्डस।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती मण्ला बी० गर्बोलीक।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हु।

क्ष्मर प्रमृति के वर्त्रप के क्ष्मरूप में कोई ही वार्त्रपाल

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब में 45 दिन की अविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किती बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा भन्नगे।

स्पाचीकरणः - इसमें अयुक्त सब्दों और पदों का, वा उक्छ अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हाँ, नहीं अर्थ होगा वो उस अध्यात हाँ दिया नया हाँ।

अनुस्ची

फ्लेट न० 2, जो 1ला मजिल, आई० गी० जालोनी, एक त्र, प्लप्ट न० 10, पत्रन० 160, एच० न० 2ए, बोरि**चली** (प), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूत्री जैयाकी ऋ० स० ग्रई-4/37-ईई/15**ड्र**30/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधितारो बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिष्टई तिया गया है।

> लक्ष्मण टास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज-4, बम्बई

tदन'वः ।-11-1985

मोह्नर:

प्ररूप आइ' टी एन एस .

1 मेरास १ (८३-वे १ वि.स. १

(भन्तरक)

2. श्री जोत मेडोऱा।

(भ्रावरिती)

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 सा 43) की पारा 289-प (1) से स्पीन ध्यम

बारत सरकार

हार्याक्षम, महायक आषकर वायक्त (निरीक्षण)

श्रार्टन रंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाय 👍 नयम्बर 1985

निर्देश मं० प्रई-4/37-ईई/15823/84-85--- **प्रत** मुमे, लक्ष्मण दाग,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त व्यभित्तियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रतः से अधिक है

' फ्रौर जिथकी सं० ५लैंट न० 202, जो, जिन्नीज कानर, सी० टीं । तथा ना । 1027 ग्रॉंग 1028, श्राई० मी० वालीनी, बोरिवली (प), वम्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इभमें उपाधन अतुपुची मे और पूर्ण रूप में अणित हैं) और जिस्सा करारनामा भ्रायार श्राधिनियम 1961 की भाग 269 ', स के अधीन बस्बुई स्थित । एसम । १२ वि । गी के , स्थलिय में गिस्दी है। नारींख 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपरित् के उचित बाबार मूस्य से कम के स्रयमान वित्रक्ष के लिए बन्तरित की नृष्टं हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूनोंक्त सम्पत्ति का उपित दाबार मुख्य, उसके क्रयमान प्रतिकास से, एसे क्षयमान प्रतिकास का पंद्रह परिचात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और जंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एरें बन्तरण के लिए तय पामा गया प्रति काम निम्नलिकित उददोष्य से उक्त जन्नरण लिखित भे बास्त विक इस्प म को धर नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी मान की नानत, उन्ह विधिनियम के बधीन कर वने के बनारक व दामित्व में कभी करन या उत्तस वचने में सुविधा क नियः करि/या
- कि) एसी किसी बाब या किसी जन या अन्य आस्तियाँ की जिन्हों भारतीय बायकर दिधिनयम, 1922 (1972 का 11) का उक्त अधिनियम या। यनफर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ बन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाडिए था क्रियाने में तमिशा के लिए;

एन ए कुछ अधिनियम की धारा १६०ना में बनगरम , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में कोई भी काम्रोप :---

- (क) इत ब्यना के राजपन में प्रकासन की तारीय 45 विश की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर तुमना की तामीस से 30 दिन की बदायि, को बी अविधि नाव में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 बिन के भीतर जक्त स्थावर सम्पत्ति में डिशबद्दध कियी जन्म व्यक्ति ध्वाच सभाहस्ताकारी में पास जिबित में किए बा सकें ने।

स्पच्छीकरणः -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ हागा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

फ्लैंट नं० 202, जो, फिन्नीज कानेर, सीठटी० एस० नं० 1027 ग्रीर 1028, ब्राई० ती । लोनी, वारिवली (प), बम्बई 103 स स्थित है।

अनुभ्वी चेनाकी ४० मं० अई-4/37-ईई/15823/8 85 सीर जो अस प्राधि तारी बम्बई ढाल दिना है 1-3-1985 को र्राजस्टर्ड ्रिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रधिनारी महायः । श्रायः र अयुक्तः (निरीक्षण) भारत रेग-4, बम्बई

दिना : 4-11-)85 मोहर:

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

श्राज्ञेन रेज-4, सम्बर्ष

बम्बई, दिन' ' 4 तब बर, 1985

निर्भा म० ग्राई-4/37-ईई/15794/84-85 - ग्रात मुझे, लक्ष्मण दास.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर मम्पित जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जियकी सं० फ्लैट तक 108, को पहली मजिल, अमृत्सागर, विलेक मागटाणे हरीश्रोम श्राएं में हे के पान, एम बीठ रोड़ बोरिवली (प), बस्बई-92 में स्थित है (श्रीर इसमें उपान्वश्र अनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है)/श्रीर जिसका करारतामा श्राय, र श्रीधितियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रीत, बस्बई स्थित सक्षम श्रिधतारी के व्यक्तिय में रिजस्ट्री है तारीक 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मून्य से कम के ध्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मून्य, उसके ध्यमान प्रतिफल से, एसे ध्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितिया) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्विष्य से उक्त अंतरण लिखित में शम्तियक कए ये तिथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुइ' किसी आप की बावत, जनत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उससे जजने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एम किसी जाय या किमी भन या अन्य आसिता निर्मा निर्माणिय आयान अधिनियम. 1922 (1002 का 11) था उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्राचा किया जाना पाहिए वा, कियाने में सुविभा के निए:

कतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को के अधीन, निम्निलिकात व्यक्तियों, अर्थातः 1 श्री सागर बिल्डर्भ ब्रायवेट लिमिटेट। (श्रन्तरक)

2 मेंसर्स रेनूरा श्रनीता सोनी ट्रस्ट। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पति को वर्षन वं लिए कार्यवाहियां सूक्ष करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षन :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वनः की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ते 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य अपिकत द्वारा अधोतस्ताक्षरी के पास शिकित में किमे पा सकनी।

स्थळकिरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पवों का, जो उसते अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका क्या है।

अन्स्चि

क्लैंट नं 108, जो, 1ली मंजिल, ध्रमृत सागर, विलेख मागठाणे, हरीग्रोम प्रपाटंमेंट के पास, एस० बी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में रिश्रत है।

स्रन्सुची जैसाकी क० सः भई-137-ईई/15794/84 85 श्रीर जो सजन प्राधि गरी बस्बई द्वारा दिनां: 1-3-1985 को रजिस्टर्ड स्थि। गया है।

> नश्मण दास स्त्रम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकण श्रायक: (तिरीक्षण) श्राप्तन रेज-4, बस्ब

दिनांक: 4-11-1985

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37-ईई/15534/84-85--- मतः मुझे, लक्ष्मण दास

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 303, जो, रामेश्वर दर्शन को-श्राप० हाउसिंग मोताईटी लि०, वस्तूर पार्क, बोदिवली (प), बग्बई-92 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबक्ष श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से विधित है)/श्रीर जिसला कारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 हा, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के वार्यालय में रिजन्द्री है तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूप्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के मंगरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ल्पिन में सूविधा के लिए;

बतः वयः, उक्त विभिनियमः, कौ धारा 269-म के वन्तरक मों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---64 ---376 GI/85 1. श्री विजय जमनादात मुखी।

(म्रन्तर्र)

2. श्री रामजी मावजी वंडरवासा और भ्रन्य। (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के तंबंध को कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हिस- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्रपी

फ्लैट नं० 303, रामेग्वन दर्शन को-श्राप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, कस्तूर पार्क, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

स्रनुसूची जैसा कि कि सं सई-4/37-ईई/15534/84-85 स्रीर जो सक्षम प्राधितारी बम्बई हाग दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण टास स्क्षम प्राधिवारी सहायक भ्राय**्र श्रायुक्तः** (निरोक्षण) श्रर्णन रेज-4, बस्ब**ई**

दिनांक: 4-11-1985

प्रारूप आहाँ.टी.एन.एस.-----

1. श्री कांचनबेन जयंती लाल सोनी।

(ग्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

ब्रायकपु वीभीनवव, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रव, तहावक भागकर भागूका (विरोधक)

ग्रजैन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15781/84-85--- मत: मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'अक्त वीधीनयभ' कहा गया है"), की भारा 269-व के नभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रु. वे अधिक है

जौर जिसकी सं० फ्लैंटनं० 305, जो, री मंजिल, क्ष्मारह नं० 1, सुमेर नगर, बोरिवली (प) बम्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)/और िःसवा करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, के अधीन बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य में रजिस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985

-को पूर्वोक्त कम्परित के उपित वाचार मूल्य से कव को व्यवजान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करमे का कारण है कि वभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित वाबाद ब्रूच्य, उसके क्यमान प्रतिपाल से, एसे क्यमान प्रतिपाल का पन्त्रह प्रतिचत सं अधिक है भीर नंतरक (वंतरकार) बार वंतरिती (जन्तरितियों) के बीच एंडे बन्तरण के सिए तब वादा गया प्रति-काम निम्नमिक्ति सब्दोस्य से सम्बद्ध मंतरम जिल्लिक में बारतीयक क्य से कथित नहीं किया प्रवाह 🗗 🖦

- (फ) कन्तरण से हुए किसी बाब की बावता, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंदरक के राजित्य में कती करने या कड़के बचने वे श्रुविधा चंतिए: चरिष्य
- (व) ऐसी किसी बाब वा किसी धन वा बला शास्तिकों को, जिन्ही भारतीय वायकार विश्वितयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, दा धन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्थ प्रयोजनार्ज नंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए वा, कियाने में सुनिधा ने जिस्

को वह ब्याना प्राप्ती कांद्रके द्वीतन बजारित के वर्षण की विद कार्यवाद्वियां कडता हूं।

2. श्री वासुमती महीमतराय शहा।

उत्तर ब्रुवरित में बर्बर से सम्बन्ध में कोई भी मानेप !!--

- 🦚 इत् बुचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की बंदीय वा तत्त्वस्वन्थी व्यक्तियाँ पह बूचना करी लाबीक से 30 दिन की ज्वधि, को भी बर्बांड बाद में बनाया होती हो, के भीतर पूर्वों क व्यक्तियाँ ये से किसी व्यक्ति कुमाय;
- (ब) इस ब्यमा से रायपन में प्रकासन की तारीय से 45 विक के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी धन्य कवित बुवारा, वभोइस्ताकरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

लक्ष्मीकरन्र—इसमें प्रयुक्त कन्दों बौरू पदों का, वो उन्हें क्षीपीयक, के बच्चाय 20-क में परिभाषित हों। वही अर्थ होता को उस बध्याय में दिया पंचा 👫

अनुसूची

क्लैट नं० 305, जो 3री मंजिल, इमारत नं० 1 सुमर नगर, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है:

मनुसूची जैसाकी ऋ० सं० मई-4/37-ईई/15781/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बर्दः नव, उक्त विधिनियम की भाग 269-ग के बनुबरण में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-व की सवधारा (1) ें अभीत , निम्मीशिक्त व्यक्तियों , अयोब 🛶

दिनां रु: 4-11-1985

मोकर 🏻

वस्य बार्व ही पन एक -----

1. मेसर्स सन्मान कन्स्द्रक्षान्स ।

(भ्रन्सरक)

2. श्री नितीन अनत विदरकर।

(ग्रन्तरिती)

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अभीन सूचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वागुक्त (निरीक्षण) भजैन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० ग्रई-4/37-ईई/15951/84-85—-म्रतः मुझे,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

शौर जिसकी सं० पलैंट नं० 302 जो उरी मंजिल पण्पीलान आई० सी० जालोनी रोड़, नं० 3, बोरिवली (प), बम्बई-1033 में स्थित है (और इससे उपाबद अन्सूची में जौर पूर्ण रूप विणत है)/और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 के नार्यालय में रजिस्ट्री है तारीख 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं कर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिवत स्व्विष्ट से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कही करी गया है रेन्स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की वासत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में जीवधा के लिए; और/मा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

कत्तः वय, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भों, भीं । उक्त विधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के वधीन निम्निणिवित व्यक्तिवर्गे, वर्भात् क्ष्रे- को यह जूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को जर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की शविध या तत्से मंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृत्तारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब द्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

वयुव्य

फ्लेट नं० 302, जो, 3री मंजिल, पण्पीलान, ग्राई० सी० कालोनी रोड़ नं० 3, बोरिवली (प) बम्बई-103 में स्थित है ग्रनूसुची जैसाकी ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15951/84-85 जौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> (लक्ष्मण दास) सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

बिनोक: 4-11-1985

नोहर 🖹

प्रकृषं कार्द्र' . की . धन . एक , ------

बायकर मुधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

बारत तरकार

कार्यालय सहाबक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई-4/37-ईई/15826/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर मृभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें धुमके पश्वात 'उबस अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्रधिकारी को यह विषवास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.00,000/- रह. से अधिक हैं

म्नीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 15, जो, 3री मंजिल, प्ताट मं० 10, सर्वे नं० 160, एच० नं० 2ए, श्राई० सी० कालोनी, एकतार, बम्बई-92 बोरिवली में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ म्नदूस्त्री में जीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं)/और जिल्का करार-नामा भागार प्रधिनियम 1961 की धारा 269 प, ख के अधीन यम्बई स्थित सक्षम प्रधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है नारीख 1 माच 1985

को प्योंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उनके रण्यमान प्रतिफल सो, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष निम्निसित उच्चेश्य से अबत जन्तरण निम्नित में वास्ति क्ष स्म से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण वं हुए किसी मान की शावस, उनक अधिनियन के अधीन कर गांत के जानरक की दासित्य की कंसी करने या उसके अधान में सुनिया की खिक; सौर/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या कच्च जास्तियाँ करें, किन्हें भारतीय जाय-कर लिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा अनकर मिनियम, वा अनकर मिनियम, वा अनकर मिनियम, 1957 (1957 रुप 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए वा, क्रियाने पर अस्तियां के विषय

करः कव , उक्त विधिनयम , की धारा 269-ग के जनगरण में , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्निसिस्त व्यक्तियों , अर्थात् ।:—

1. मेसर्स हेमा बिल्डर्स।

(भ्रन्तरक) ,

2. श्री जी० पी० श्रीपाद राव।

(भ्रन्तरती)

को बहु सूचना वारी करके पूर्वोक्त सभ्यत्ति से वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपन तम्परित के वर्षन में तम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की शारीच है 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की शामील में 30 दिन की जवाध, जा भा सवीध बाद में समाप्त हाती हैं। के पानता (डेर्ड) व्यक्तियों में समाप्त हाती हैं। के पानता (डेर्ड) व्यक्तियों में से किसी स्पान्त बुवारा,
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्तकरी के गम जिला में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: ---इसमे प्रयास शब्दों और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गण हैं।

मन्त्रची

फ्लेट नं० 15, जो, 3री मंजिल, प्लाट नं० 10, सर्वे नं० 160, एच० नं० 2ए, भ्राई० सी० कालोनी, एक्साए, बम्बई 92 में स्थित है।

श्रन्भूची जैनाकी कि० सं० श्रई-4/37/-ईई/15826/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया है।

(लक्ष्मण दार) स**क्षम प्राधिकारी** म**हायज श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेजे-4, बम्बई

दिनांक: 4-11-1985

मोहरः

अका बाहें. की. का., प्रह्म , अन्तर्यक्ष

जामकर अभिनियम, 1961 (1961 व्यक्त 43) की भारा 2-69-म (1) के अभीन सूचना

भारत करकार

कार्यस्य, सङ्गयक अस्त्रयद आजूका (निरीकाण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

तिर्देश सं० अई०-4/37-ई० ई०/15845/84-85---अत: मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) शिवर क्यामें क्याके परकात् 'अवत अभिनियम' महा गया है'), की पांच 269-च में अचीन स्वान श्रीभक्तरी की, नह विकास करने का सारण है कि स्थापर संस्थित, जिस्ता बियत बाबार मुख्य 1.,00,000/- क. से अभिक है

श्रीर जिसकी संव दुराम नंव 4, जो तल माला, जय-पाली अपार्टमेट", बी-इमारत, जय-राज नगर, विद्यार माका, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण ब्या से विणा है), ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधितियम 1961 की धारा 209 क, ख के अधीम, बम्बई स्थित रक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांस 1 मार्च 1985

में क्लॉन्स तन्ति में विषय भाषार मूच्य वे सम से स्थानन प्रतिक्षण में विष् बन्तिराह की गई है और नृत्ते वह विस्तास करने के कारण है कि वधापूर्वीकत बन्ति का विषय बाजर मूट्य, उत्तके क्लानान प्रतिकत्त वे होते क्लानान प्रतिकत के विषय मान प्रतिकत के विषय कारण मूट्य, उत्तके क्लानान प्रतिकत वे वौध है नौर नंतरक (नंतरकों) जीर अंतिकती (कल्सीरिविजों) के बीच एसे अन्तरण के बिए तन पावा गया ।तिस्त निम्मिणिकिस स्कृदेश से उत्तर नम्बरण के बिए तन विश्व में ।तिस्त निम्मिणिकिस स्कृदेश से उत्तर नम्बरण कि बिला के ।तिस्त कर्मिक क्या से क्लीयत नहीं किला गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाअत उकत अधि-निवक के अभीन कर दोने के अंग्ररक के क्षांचिश्व के क्रांती आतने वा उक्कों बचने में सुनिभा के लिए; बीर/वा
- (का) एसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिल्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, जिनाने में बृतिमा के हिक्ह;

जतः अजः, उक्त अभिनिजन की मारा 269-ग के अनुंतरण ', मैं उक्त अधिनिजम की भारा 269-च की उपभारा (१) अधीन, निम्निचित स्पक्तियों, अभीत् स्र— ार (1) में सर्स जय-राज बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक्)

(2) श्री केतन राम देसाई

(अन्तरिती)

मो यह सुक्रम्ब कार्या अपनी कूर्वोत्तव सभावित क्षेत्र कार्यात को सिक् नत्रवीनाहित्रों संस्ता हो।

उन्हा तम्मीत के अर्जन के सम्बन्ध में की हैं भी भारते हैं—

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीस है 45 दिन की जबीभ या तत्सक्वन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की जबीभ, को भी जबीभ बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त न्यक्रिया। में में किसी व्यक्तिय वहारा;
- (ल) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ते 45 विश के शीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवद्ध कियी जन्म स्थितित द्वारा बधोइस्ताक्षरी के वास तिस्ति में किए जा तकेंगे।

स्वष्टिकरणः ---- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उपका जिन्निमनः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थहोगा जो उस अध्याय में विसा गया है।

प्रनुत्ची

बुकाम नं० 4, जो तल माला, जय-पाली" अपार्टमेंटस बी" इमारत, जय-राज नगर, विभिन्ना भाका, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि ऋ० सं० अई०-4/37-ई० ई०/15845/ 84-85 और जो सक्षण प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिलां क : 4-11-1985

वक्त बाई . टी .एव .एव .,-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सूचना

बारतं सरकार

क्प्रकांजय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बन्बई, दिना क 4 नवम्बर 1985

िहिंग र० औ $>-4^{1}37-$ १० े 155ः 1-35--अर्गः मुझे, लक्ष्मण दास

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-- क के अभीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण हैं कि स्थावर सम्बत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी स० दुकान न० 11, जो, तल माला, निलधर अपार्टमेट, देवीदास रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूण रूप से विणत हैं), श्रौर जिसका करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिमाक 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब साबा गवा प्रतिफल , निम्नलिशिवत उद्देश्य से उच्त अन्तरण कि बित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हिन्स

- (क) वन्तरण से हुइ किसी बाव की बावत , अवत विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के निष्∷ृशीर∕या
- (ख) एसी किसी जान या फिसी धंभ पा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपता निधिनियम, या धंभ-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती वृतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना खाहिए था, जिनाने में सुनिधा के किए;

अति अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण को, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निकिया का किया है, जबाद किया

(1) मेसर्स प्रगति कार्पोरेशम ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मधुकाता एन० मेहता।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन की किंच् कार्यकाड्यिं करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्पाक्षरी के पास सिकित में किये जा सकती।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्यों और पर्वों का, जो उक्त जीभीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

मनु सूची

दुकान न॰ 11, जो, तल माला, निलधरा अपार्टमेट, देवीदास रोड, बोरिनली (प॰), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सर अईर०-4/37-ईरु ईरु/1558 स् 84-85 ग्रीर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिना 1~3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकार सहायक आयकर आयुक्षत (भिरीक्षण अर्जन रेज--4, बम्स्

दिनांक · 4-11-1985 मोहर.

HAM ME EL HE SE SECTIONS

नायकर निधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्यस (र्प्तरांवाण)

अर्जन रेंज-4. बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 4 नवम्थर 1985

िमर्देश सं० अई०-4/37-ई० ई०/15483/84-85---अतः ५ मुझे, लक्ष्मण दास

कावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से विधिक हैं

भीर जिसकी मं० दुकाम नं० 4, जो मधुसूदन ठेरेस, कस्सूर पार्क, सब प्लाप्ट नं० 10 भीर 12, फायमल प्लाप्ट नं० 625, टी० पी० एस० 3, सिम्पोली रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1985 को पूर्वोंकत संपीत्त के उचित बाबार मुख से कम के अधान बातक के निए बन्तरित की एई है बार मुक्ते यह विश्वाक करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपीत्त का उपित बाबार मुखे, असबे क्यमान प्रतिक्ष से एसे क्यमान प्रतिक्रम का एसे क्यमान प्रतिक्रम का

पत्कह प्रतिकत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) से बीच एसे अन्तरण के सिए तब वावा पवा प्रति-क्या. निम्मिनिकत बददोस्य से उनत अन्तरण सिवित में वास्त-

विक रूप र कथित नहीं किया गया 🗗 🖛

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की वावस, सक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंबरक के वायित्व में कनी करने या उससे कचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (म) एनो किसी बाब या किसी वन या बन्य जास्तियों को, विन्हें भारतीय बावकार विधिनयम, 1922 अ. (1922 का 11) या उच्छ विधिनयम, या चनकर विधिनयम, या चनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोचनार्व कस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया वाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए

वतः तव, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण वं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म उपभारा (1) → वधीन, निम्नितिवित मार्डिनायों, मर्चात :---- (1) श्री अमिल कुमार जैम।

(अन्तरक)

(2) पार टाईल्स एड सनिटोरीवेअर ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हु।

उपत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध के साहे भी बाह्य :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीश है 45 दिन की वर्जीश मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी जबिध माद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रजित्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में दिस्य क्ष्म किसी नन्य व्यक्ति क्षारा, स्थाहस्ताकरी के पास निकार में किए वा ककींने।

अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इ., वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में विमा प्रवाह है।

ग्रन्स्भी

बुकान नं० 4, जो, मधुसुदन टेरेस, कस्तूर पार्क, सब प्लाट ने० 10 भीर 12 फायनल प्लाट न० 625, टी० पी० एस० 3, सिम्पोली रोड, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं ० सं ० अई ० - 4/37 - ई ० ई ०/15493/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (मिरीक्षण) अर्जन रेंज-4. बस्बई,

दिमांक: 4-11-1985

प्रकृष सार्ष: तो . एन . एस . -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्बाच्य, सङ्ख्यक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जं न रेंज-4, बम्बई

बस्बई, विनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई०-4/37-ई० ई०/15585/84-85--अत: महो, लक्षमण वास,

भायकर निष्मिम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत निधीनयम' कहा गया है), की बारा 269-स के जधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाबार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० धी/6, जो, गोरागांधी अपार्टमेंट, चंदावरकर रोड़, बोरिवली बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर, इसमे उपाबद्ध अनुभूची में श्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) श्रीर जिसका कराण्यामा आयकर अधिनयम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1985

ना पूर्विका तम्मीत के उजित बाजार मूल्य ते कम के दृक्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उत्तक करमान प्रतिकल से, इसे दृष्यमान प्रतिकल के पंचा प्रतिकल से विश्वास से संप्रा

और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरक (अंतरकों) की पाना गया प्रतिकल, निकासिक्तित ह्यूबोब से उक्त अन्तरमा निवास में बास्तविक रूप से क्रियत मूर्ति किया गया हैं

- (क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत, अवस अभिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरण के समित्य में कभी करने वा उससे वजने में स्विधा के फिए; और/वा
- (ब) एसी किसी आव या किसी धन ता बन्य नास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, था धनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) को अवोजनार्थ जन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना बाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनसरण की, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपथारा (1) की अधीन किमारिकिक र्रावस्था अधीन :---

(1) श्री किरीट फकीरचंद महा ग्रांर अन्य।

(अन्धरक्)

(2) श्री ताखतमल पृथ्वीराज जैन ।

(अन्दरिती)

न्त्र नह त्वना कारी करके पूर्वोक्त सम्मांस के अजन के क्षिए कार्वनाहियां वृक्ष करता हूं।

जनत संगति के अर्जन के संबंध के कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थान के राजवन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबीध वा तस्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की जबीध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्वीनतकों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजवत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन को भीतर उनस स्थावर संपत्ति में हितसबूध किसी अन्य न्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास क्रिकित में किए जा सकोंगे।

रपक्कीकरण:----इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, को उकत अधिनियम, से अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० डी/6, जो गोरागांधी अपार्टमेंट, चंदावरकर रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कर सं अई०-4/37-ई० ई०/15585/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्ब**र्स**

दिमांन: 4-11-1985

प्रक्य बार्ड. टी. एन. एत.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन स्वना

गारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर सायक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश मं० श्रई०-4/37-ई० ई०/15913/81-85--- श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 र र से अधिक हैं

1,00,000/ रत. से आधक हैं
ग्रीर जिसकी संव दुशान नंव 16/1, जो गणपती अपार्टमेंट तल माला, एलव टीव बोरिवली (पव), बम्बई-4त स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), ग्रीर जिसका वरिरामा ग्रायकर अधिनियम की धारा 269 के, खे के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के रायलिय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उप्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उप्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक व मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपयालय में रजीस्ट्री है, दिनांक व मार्च 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपयाल ग्री गई और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विचित्त में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; औद/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अत: अख, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निमगलिकता व्यक्तयों, अर्थात् :---65---376GI/85 (1) श्री बालकृष्ण ए० शेटटी।

(भ्रत्नरक

(2) श्री अशोक नलाक्शी पोलाडिया ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके वृबोंक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन की अविधि यो तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकींगे।

स्वष्टीकरण ---इसमा प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित **हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस** अध्याय माँ दिया गया **ह**ै।

नगुसूची

दुशान न० 16/1, जो गणपती अपार्टमेंट, तल माला, एल० टी॰ रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसुची जैसा ि क० सं० ग्रई०-4/37 ई०ई०/15913/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्राय्क्त (रीक्षण), श्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनांदः : - 1- 985

प्रकृत जाद . ती . हम . एस . - ---- ---

नायकः अभिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्थाना

नारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांकः 4 नवम्बर 1985

निर्देण सं० श्र§०- 4/37 श्र§० ई०/15962/84- 85--श्रत मुझे लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि रुधारर सध्यास, जिसका उसित बाबार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव दु ान नंव 4, जो तल माला "सिन्तार्थ" प्लाट नंव 34, श्राईव सीव तालोनी, बोरियली (पव) बस्बई-103 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित हैं) श्रीर जिसात जरारनामा श्राय हर श्रिशिनयम 1961 की धारा 269 ह, खाके श्रिधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधितारी के बार्यालय में रजीस्ट्री हैं, दिनान 1 मार्च 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के रण्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है आर मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सपरित का उचित गाजार मूल्य असके रूप्यमान प्रतिफल से एसे रूप्यमान प्रतिफल का पेन्नह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और (अंतरितियां) के बीच एस अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रति कत, निम्निलिक्स उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तरिक करने से स्थान नहीं किया गया है है —

- कि) बन्तरक संहुई किसी बाय की बाबतः, उक्छ मिशानयम के बंधीन कर दोने से बन्तरक के खिरूप में क्यी करने या बुससे अथने नो मिथिया के सिए; धीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अगसरण ब में तका अधिनियम को १९०० १, ११-७ भी उपभाग (; भी को अधीन, निम्निसिंदित व्यक्तियों, वर्षात क्ष्र (1) में एर्स श्रेय ७ ७ व्हरू रशस्य ।

(प्रत्नरक)

(2) डी० राज्यास्टा ।

(ग्रन्तरिनी)

को यह सुचना आरी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जबीध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबीध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिए-बद्द्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शक्ष्यों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

षुकान नं० 4, जो. तल भाला. 'सिद्धार्थ', प्लाट नं० 34, श्राई० मी० कालोनी, बेरियलो (प०), बम्बई- 103 स्थित है।

श्रनभुको जैसे ि क० स० श्रई०-- 4/37-ई०ई०/15962/ 84-85 श्रौर जा सक्षय प्राध्यारी बस्बई द्वारा दिनात 1-3-1985 को रजस्टिई िया गया है।

> लक्ष्मण द.स. गजन प्राचित्रहरी, सहस्य व्यवस्य प्राचित्र प्राचित्रण) श्रर्जन हे (च., प्रस्वर्ध

(... T 4-11-1985

मोह्रर:

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देण मं० ऋई०-4/37-ई० ई०/15486/84-85-- ऋतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 408, जो श्रमृत मागर, 4थी मंजिल, किहलेज मागठाणे, अरीश्रोम अपार्टमेंट के पास, एस० वी० रोड, बीरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांव 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गबा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित के वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्टित व्यक्तियों, अधीत् ६—— (1) श्री मागर बिल्डर्स प्राईवेट लिभिटेड ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी (उर्फ रेन्का) मुरलीधर बालेचा ग्रीर ग्रन्य ।

(म्रनारिती)

को यह त्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पत्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में एरिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

फ्लैंट नं० 408, जो, श्रमृत सागर, 4थी मंजिल, व्हिलेज मागठाणे, हरीक्रोम श्रपार्टमेंट के पास, एस० वी० रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है ।

श्रनुसुची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-4/37-ई० ई०/15578 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

दिनांक: 4-11-1985

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनावः नवम्बर् 1985

निर्देश सं० श्रई०--/37--ई० ई०/15487/ 84--85---श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बहुत्तात् 'उपत जिभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैंट न० 001, जो, इसाइन न० इ-21 यामी नगर, एम्सार रोज, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसुकी ग्रीर पूर्ण रूप से विणिन है), श्रीर जिसका कारानामा श्रायवार अधिनियम 1961 को धारा 269 ा, खा के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजीम्द्री है, दिनाका 1 मार्च 1985

को पूर्वीका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दहरमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दहरमान प्रतिफल से, ऐसे दहरमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे यास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण सं हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे स्विधा के लिए।

बात: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मेमर्स विजय नगर कार्पोरेशन ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री राहूल रमेण नानावटी ग्रौर फ्रन्य ।

(भ्रन्तिरती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 3-0 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो ना, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित ही, यही अर्थ होगा नो उक्त अध्याय में दिया गया ही।

अन्स्ची

प्लैट नं० 001, जो, इमारन नं० इ-21, योगी नगर एक्सार रोड, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। श्रनुसुकी जैसा कि ऋ० मं० आई०-4/37-ई० ई०/15487/ 84-85 श्रीर जो मक्षम प्राधितरी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), प्रार्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-11-1985

में हर.

तकम् भार्यः दीः युद् **। युद**्रः

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत शरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4 बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निदेश सं अई-4/37-**ई**ई/15652/84-85--अतः मुझे, लक्ष्मण दाम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विग्वास करने का कारण हुं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक **है**

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 205 जो, प्रपीलान, 2री मंजिल म्राई गं∘ क नानो रोड नं० 3, बोरिशनी (प०), बम्बई-103 हैं तथा जो बम्बई-103 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारतामा ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

हो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान -प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभी यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके बदयमान प्रतिकल से, एसे बदयमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पादा गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त जीव-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करते या उससे वजने में मुविधा के निष्ः बरैर/पा
- (आ) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हा भारतीय जायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर **अभिनियम, 19**57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना , चाहिए था, छिपाने में सर्विधा चे लिए:

अत: अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-न के अनुसरण पं, भा, उक्त अधिनियम की धारा 269-- म की उपधारा (1) के जभीन, निम्नलिकित व्यक्तियाँ, अर्थात् ६---

1. मै० सन्मानः कदम्बान्शन्मः।

(प्रन्तरक)

2. श्री सतीश कुमार बाबाजी अमीन।

(अन्तरिती)

क्यों यह सुक्षना जारी करके प्यांक्त सम्बन्धि के अर्थन के किए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

बन्द सम्मार्ट के वर्षन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता ़की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में क्षमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त म्यक्तियों में से किसी स्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विभ को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्दम किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में रिभाषित **ड**ै, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 205, जो. पप्पीलान, 2री मंजिल, भ्राय० सी० कालोनी रोड़, नं० 3, बोरियली (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई⊸4/37—ईई/15652/ 84-85 में और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-4, बम्बई

दिनांक 4-11-1985

माहर 🖫

प्ररूप आहर् . टी . एन . एस . -----

जायकर अधिनियम, 19421 (1961 का 43) की धारा 269 क (1) के मधीन सूचमा

भारता सरकार

कार्याक्त , सहायक जायकर आधुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अई-4/37-ईई/15461/84-85---अतः, मुझे, लक्ष्मण दास.

नायक र निर्मानमम, 1901 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परणाद 'उन्दा निर्माण कहा गया है'), कि भाषा 269-य के मधीन सभाम अधिकारी को यह निर्माण करने का कारण है कि स्थानर समिति जिसका उजित बाबार मृत्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

ष्मौर जिसकी सं० पर्नेट नं० बी-307, 3री मंजिल, विग-बी, "श्रणोका टावर", इमारत, कुलुपवाटी रोड, बोरिवली (पूर्व), वम्बई-400066 नें स्थित है (ग्रौर इससे उपावड अनुसूची में ग्रौर पूण रूप से विणित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम. 1961 की धारा 269क, ख के अग्रीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, नारीख 1-3-1985

को प्रशेषक सम्मित्य के उचित बाजार मूक्य है काम के दश्यमान प्रतिकल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्थाप करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूख्य, उसके क्रयमान प्रतिकल सं, एसे क्रयमान प्रतिक्ष का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंसरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितों) के बीच एसे अन्यूरण के निए तम पामा गया प्रति-क्षम जिन्मित्रीक उच्चेष्ट से उनसे बन्तरण निवित्त में बास्त-किक कम से अधिक सहीं किना गया है ट—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बायत उक्त आभ-नियम के अभीन कर को से बन्तरक के दायित्व मी कभी करने या उसमें बचने में मीपिश के पिश्त, करिना
- (क) श्वां किसी आस या किसी भन या अस्य आस्तिओं करो, पिक्हें भारकीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या पश्र-कर विभिनियम, 1967 (1957 का 27) की प्रकारित करता अध्यक सहीं जिला नजा भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा की विकार

जत: जब, उक्त जीभीनियम की धारा 24€-ग के अन्सरण का. माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (१) व अधीन, निम्नितिश्वत व्यक्तियों अधीत:—

1. मै० गोयल बिल्डर्स प्रायबेट लिमिटेड

(ग्रन्तरक)

2. मेसर्म टीना स्टील

(श्रतरिती)

को यह जूचना जारी कारके नृथों करा सम्मिरित के अर्थन के ज़िल्ह कार्यवाहियां सुक करता हुं।

उक्त सम्परित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :र्नंक

- (क) इस सूचना के राजपता में जकाशन की तारीश से 45 विन की जनिश मा तस्तंतंभी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनिश, जो भी अवीध बाद में समाप्त होती हो, के भीकर पूर्वोचन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुनाकः;
- (का) इस स्वास के राज्यत्र में त्रकासन की सारीय से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितवष्थ किसी जन्म स्थानस व्वारा अधोक्तसभाक्षी में बाध निर्माणन में सिक्ष्य का सकतें में।

स्थान्द्रीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा वो उस सम्बाध में दिसा में बा हैं।

बन्स् ची

फ्लैंट नं० बी−307, 3री मंजिल, विग⊷बी, 'भ्रिशोका टावर'' इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई– 400.066 में स्थित है।

श्रन् सूची जैसा कि कि से सं श्रई-4/37 \sim ईई/15461/84 \sim 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बन्बई द्वारा दिनांक \sim 3 \sim 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण ंदाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-4, बस्बई

दिनांक: 7-11-1985

प्रकल काह^र. टी एन **ए**स ---

गत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर काय्क्ल (निरीक्षण)

प्रजन रेज-4, बम्बई

बम्बर्ष, दिनाक 7 नवम्बर 1985

★ निदेश स० ग्राई-4/37ईई/15432/84~85~--ग्रत मुझे. लक्ष्मण दास,

हाएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26)-स के अधीन सक्षम प्राधिनार। मा एउ विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,110,000/-रु से अधिक है

ग्रीर जिसकी साल पर्नेट न ० 207, 2री माजिल, विग-ए, "पा। ह इ.स." इ.स. १ हुनार हो गोड, बोल्प्विनो (पूर) बम्बई-400066 में जिसन है (प्रीर इ.स.से उसबद्ध अनुसूची में और पूर्ण लग्न से बागत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजस्ट्री है, तारीख 1-3~1985

कां पूर्वांक्त सपित के उचित बाबार मून्य से कम कें देश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विश्व से उक्त अंतरण लिखित में बासिविक रूप से किथत नहीं किया गया है .--

- (क) बस्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उभण बिधिनियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने मा उससे बचन मा जिस्स की कि

कत. अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ए के अनुमुख्य में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की जमभारा (1) के अधीन निम्निलिसित स्थितियों, अर्थात ए--

1 मै० गोयल बिल्डम प्राथनेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरक)

2 मेमर्स टीना स्टील

(श्रन्तिरती)

को बह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मासि के बर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन को अविध या तरसवधी स्यक्तियाँ पर सूचना की तामील स 30 दिन की वर्बीभ, जो भी जबीच नाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस त 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गर्पात्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा नधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्जोंगे।

स्भध्योकरण --- ध्यम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उनेत अधिनिक्स के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ शागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

फ्लैंट न० 207, 2री मिलिल, विग⊸ए, "**प्रशोका** टावर" इमाा, कुलुपवाडी राज, वारिवली (पूर्व), बम्ब**ई**— 400 066 म स्थित है।

यनसूची जैसा कि कर सर ऋई-4/37–ईई/15432/84-85 यौर जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3--1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण वाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्राणुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज--4, बम्बई

दिन(फ 7-11-1985 मोहर प्रशत्प आध्रा.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

भ्रजॅन रेंज-4, बम्बई

बम्बर्ट, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई-4/37-ईई/15480/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर ग्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वर्ष्याक् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाधर सम्बत्ति, जिसका उष्टित बाजार मृह्म 1,00,000/- रा. से बाँधिक है

श्रीर जिसकी सं० पलैंट नं० 304, 3री मंजिल, विग-वी "श्राणोका टावर" इमारन, कुलुपवाडी रोड़, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में विवन है (श्रीर इससे उपावद्ध स्रनुसूची में श्रीर पूणं का से विजन है), श्रीर जिसका करारनामा धायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रिधीन, 'बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

का पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के इक्यमान हित्रफल के लिए अंतरित की गर्ड के बार मूक्षे यह विवसास करने का कारण है कि यथाप्वेक्स सम्पत्ति का उचित क्षणार मूक्य, उसके दक्यमान प्रतिफल से एसे इक्यमान प्रतिफल का गन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया, प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण विचित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अल्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सृविधा दायित्व के लिए, और/या
- (क) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयण्ड-कर अधिनियम, १०२२ (१८ १) का ११) । जिस्सा की किसा १०५७ के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिविधा की सिए;

श्रतः जब, उक्त जिधिनियम की धारा 269-ग के बनसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २८०-घ की उपधारा (1) को अधीन. रिम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- 1. मै० गोयल बिरुडर्म प्रायवेट लिमिटेड।

(मन्तरक)

2. मेसर्स टीना स्टील

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोचन सम्मीक के नर्यन के निकर

उक्त सम्पत्ति के वर्षम के संबंध में काई भी बाक्षेप 🚈

- (क) इस सूचना को राजधन में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अवधि, जो भी जब्बी वार्य में समाचा होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से जिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र के प्रकाशन की सारीब से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर कम्पीत के दिस- क्या किसी जन्म क्यांपत द्याचा, अध्यद्दस्ताक्षरी के पास लिखित के किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कर्मा कार वर्षों का, जो उचक व्यक्तितम्, के अभ्याम 20-क में परिश्रमीकक ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्यक्ष में दिशा गया है।

बह्य ची

फ्लैंट नं० 304, 3री मजिल, विग-बी, ''ग्रशोका टावर'' इमारत, कुल्पवाडी रोड़, बोरिवली (पूर्व), बम्बर्ध- 400.066 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० स० श्रई-4/37—ईई/15480/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3–1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज⊶4, बम्बई

दिनांक: 7-11-1985

मोहर 🖫

was the state of the second

बाबकर व्यक्तिक्य 1961 (1961 का 13) की धारा २६५-थ (1) के बधीन संबंग

भारत तरकार

भावां मान संग्रहक लग्द्रज र ग्रायक्त (विश्वकिक)

श्रजन रेज-4 बम्बई

बम्बई दिनाक 7 नवम्बर 1985

निदेश मं० ग्रई-4/37-ईई/15458/84-85--ग्रन म्**डे** लक्ष्मण वाम

आयकर र्राहिन्द्र 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचान 'उदन अधिनियम' कहा गण हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावन सर्थेन जिसका तीचत शाबार मृस्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 203 2री मजिल विग-बी 'श्रणोका टानर' इसारत कुलुपवाडी रोड बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400 066 में रिथत है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण च्या से बॉणत है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम. 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी, के रायलिय में रजिस्ट्री है, दिनाक 1-3-1985

भन्ने पृथां कर सम्परित को जिया बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापृत्रीक्ष संपरित का उचित बाजार वृच्य, स्वासं स्वयमान प्रतिफल से, इसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रान प्रतिमात से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अनारितियों) के सीच एसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रति-क्रस निक्निलिस उद्वेषम से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्मरण र हुई फिसी आप की वावत उक्त बिश्व नियम के अभीन कर देने के जन्दरक के दायित्व में कमी करम या उससे बचने में सर्विका जे सिम्ह रेप/ता
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्था था किया जाना चाहिए था छिएन में स्वित्त के लिए:

लंद है। 'में अंधितियम की भारा 269 व की अनुसरक मों मों राज्य लेधिनियम की भारा 269 व की उपधारा (1) इ अधीन के जालिक्त व्यक्तियों, अर्थात् ह— 6 --- 376GI/85 । मैं गायल बिल्डमं प्रायवेट लिमिटेड।

(भ्रन्नरक)

2 मेसर्स टीना रटील

(भ्रन्तरिती)

को यह मृचना जारी करके प्रतिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगीहिया करता हो ।

जनत सम्बन्ति को वर्णन को संबंध में काई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों घर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिस्तित में किए वा सकेंगे।

स्पाध्वीकरण: ----इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्नत अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा विया यहां हैं।

मनुसुची

फ्लैंट न० 203, 2री मजिल, विग-बी, ''श्रशोका टावर'' इभारत, कुलुपवाडी रोड वारिवली (पूर्व), बम्बई-400066 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि क० स० ग्रई-4/37-र्रेड/15458/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रेज-4, बम्बर्ड

दिनाक 7-11-1985

माहर:

प्रकप बाइ . ही . एम . एस . -----

बाधकार वाधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 नवम्बर 1985

निर्देश स० ग्रई-4/37-ईई/15444/84-85--ग्रत मुझे, लक्ष्मण दास.

आयकः अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें पश्चात् 'उक अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-अ के अधी पश्चम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- 15 से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी से पलैट ने ए...307, 3री मंजिल, विंगए, "ग्रणोका टावर" इमारन, कुल्पवाडी रोड, बोरियली
(पूर्व), बम्बई-400 066 में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबंद्ध
ग्रमुस्ती में ग्रौर पूर्ण रूप में विणत हैं), ग्रौर जिसका
करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क,
ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम ग्राधिकारी के कार्यालय में
रिजिस्ट्री है. नारीख 1-3~1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उण्वत बाबार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए जन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पर्वोक्त सम्पत्ति का उण्जित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल स, एसे दश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिकात से बिधक 'और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (जंतरितियो) के बीच एस अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्दश्य स उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक कप से कथिन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण मं हुई अमी अध की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के शियत्व में कमी करन या उससे बचने में सुविधा के सिए; अरि/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों हो., जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविधा के लिए;

अत अब, उक्त अभिनियम की पास 26 कि के बनसरण भा, में, राभ आधिनियम की भारत १६० के जी उपभास (1) को अभीन निर्मालिसिस सम्बद्धि एशनि — 1. मैं गोयल बिल्डमं प्रा० लि०

(भ्रनरक)

2. मेसर्भ टीना स्टील

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यपाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हा, के भीशर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दुनारा,
- (का) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सपत्ति मों हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पटोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अपाय 20-क में परिभाषत है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गमा है।

प्रसम्ब

फ्लैंट नं० ए~307, 3री मंजिल, विग⊸ए, ''स्रक्षोका टाबर'' इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई~ 400066 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्रई-4/37-ईई/15444/ 84-85 श्रीप जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-4, बम्बर्ट

विनांक: 7--11--1985

मोहर

प्रारूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म (1) के अभीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालयः, सहायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश स० ग्राई-4/37-ईई/15479/84-85-**-ग्र**त: **म्मे**, लक्ष्मण दास,

भागभन्य अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसके पक्चात् 'उक्ट अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर अस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

ग्रौर जिमकी स० फ्लैट नं० बी-103, 1ली मजिल, बिग-बी, ''फ्रणोका टावर'' इमारत, कुल्पवाडी रोड़, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400 066 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद श्चनुमूर्च। में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख़ 1-3-1985

कां पर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मुख्य संकम के अस्पनान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि यथापुर्वा क्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिकल से, एसे इत्यमान प्रतिकल का पंद्रहप्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नेलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिक्ति में वास्त-कि रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ली आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने को अंतरक की दायित्व में कभी करने या उसते बचने में स्विधा **∛ सिए, बरि∕या**
- (ध) एसा किसी बाय या किसी वन या बन्य बास्तिकों को, जिन्हें भारतीय भायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्कत अधिनियम, या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, चिपाने में स्विभा के लिए:

अतः अभ, उक्त विधिनियम, कौ धारा 269-ग के वनुसरण को, मों, उन्तर अधिनियम की भारा 289-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थाष्ट्र:--

1 मै० गोयल बिल्डर्स प्रा० लि०

(भ्रन्तरक)

मै० टीना स्टील

(भ्रन्ति रती)

की वह सुचना जारी करके पर्याक्त सभ्यत्ति के बर्चन के सिद्ध कार्यवाद्वियां करता हुं :

उनत सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की टारीख ब 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति धवारा;
- (थ) इस सूचना के रावधन में प्रकाशन की तारीय वे 45 विश के भीतर उक्त स्थाव्य सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति बुवारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेगें।

स्पन्नोकरण -- इसमा प्रमुक्त अन्या और पदी का, जा उक्क विभिनियम, के वध्याय 20-क मा परिभाषिः हैं, बहुर अध होगा, जो इस कथ्याय में दिर संस्था है, 1

अनुसूची

फ्लैट नं० बी-103, 1ली मंजिल, विग-बी, "ग्रशोका टावर" इमारत, कुल्पवाडी (पू०) रोड बोश्विली (पू०), बम्बई-400 066 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/15479/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर ग्रायकन (निरीक्षण) ग्रार्जन रेंज-4, बम्बई

विनांक : 7-11-1985

मोहर.

प्रकार कार्य स्थाप क्षेत्र क्षेत्र कार्य स्थाप कार्य स्थाप कार्य स्थाप कार्य स्थाप कार्य कार्य कार्य स्थाप कार्य

जावजार अभिनिवस, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

THE PROPERTY OF THE PROPERTY O

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनाक 7 नवम्बर 1985

निदेश मं० श्र $\S-4/37$ -ई $\S/15466/84$ -85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात 'उक्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की जारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर मस्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ट्रौर जिसकी म० फ्लैट नं० 303, उरी मंजिल, विग-बी, 'अशोका टावर'' इमारत, कुलुपवाडी रोड़, बोरिवली (पू०), बम्बई-400066 में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरिक (अंतरिकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त बन्तरण निवित्त में बास्तिक के सम्पन्न सिवित के विस्तरिक रूप स किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की वावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी अय या किसी धन या जन्म आस्तियों को जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

कतः गव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिंखत व्यक्तिंग अधीतः :— 1. मै० गोयल जिल्डर्स प्रा० लि०

(ग्रन्तर्क)

2. मै० टीना स्टील

(अन्तर्भिरती)

को यह सूचना जारां करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त हाती हो., के भीतर प्रशिक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 विन के भीतर उटत स्थावण सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

न्यष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्दों का को सक्स अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गणा हैं।

सन्य्ची

फ्लैंट न० 303, 3र्ग मंजिल, विग⊷बी, "<mark>ध्रणोका</mark> विवर", इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोरिवर्ला (पू०), बम्बई--400 066 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा कि कि सं श्रई-4/37—ईई/15466/84—85 श्रीर जें। सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ढाशा दिनाक 1—3—1985 को रिजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास हरार प्राधिकारी महासक स्राधिकर स्राधिका (निरीक्षण) सर्वेस रेज-4, बम्बई

विनांक: 7-11-1985

महिंग:

o transfer of the second companies of the companies of th

प्ररूप **बार्ड**. **ट**ि. **एन** . **एस** . ------- 1 मैं ० गायन बिल्डर्स प्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

नायकर निधानयम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के अधीन सूचना

🛂 मै० टीन। स्टील

(ग्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेज-4. बम्बई

अमबद्दी, दिनाक 7 नशम्बर 1985

निवंश स० अ**६**--4/37-ई की 15449/84-85---अत मुझे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस 💝 इसके परचात् 'उक्त अधिगायम' कहा गया है'), की भार। 269-क के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मृत्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सर फ्लैट नरु 207 2री, मजिल, विग-बी, "श्रमोका टावर" इमारत कुलगवाडी राड, बोरिवर्ली (प्०). बम्बई-400 066 में स्थित है (श्रीर इनसे उपायद धनसूची में फ्रीक पूर्ण रूप संवर्णित है), ग्रीर किसका करायनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में राजरही है, तारीख 1-3-1985

का पर्याक्त रुम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुर्फ 4ह विश्वास करने का कारण है कि मभापवींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकाल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकॉ) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उबुद श्य में उक्त अन्तरण लिंगित में अस्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हा**र्डा** किसी आय की धावन अक्ट याथ-नियम के अधीन कर दारें के अलग्या के आगान्त में कमी करने या उससं बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 🚁 क प्रयोजनार्थ अंतरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के Riv:

अस अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धरा 269-घ की उपधारा (1) फ्रें अधीन . भिम्नलियिल व्यक्तिया, अधात .

को यह सूचना आरी करके प्यांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

उक्त सम्पत्ति को अजन के सबध मा कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबह्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इभमा प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उक्त अः धनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हु ।

धनमध्ये।

फ्लंट न० 307, *!*र्रा मीजल, विग-बी, **'ग्रागोका** टा रि इमारत, कुल्पवाडी राष्ट्र, बोरिवली (पू०), बम्बई-400066 में स्थित है।

यन्सूची नैयाकि कि० स० प्रर्ट-4/37-हैहै/15449/ 84-85 स्रोर ना सक्षम प्रात्धकारी वस्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को र्राज्यबर्ग किया गया है।

> लक्ष्मण दास नक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अजन रेज-4, बम्बई

दिनाक 7--11-1985 -{[[#**?**]

प्ररूप बार्च.टी.एन.एस. ------

बायम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के लभीन समना

भारत तरकार

कार्यालय, महायक आयक्तर काय्क्त (निरीक्षण)

श्रजन रंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश स० अई--4/37--ईई/15454/81 ∙85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर मधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269 - व के कथीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्थास करने का भारण ह° कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका जिसक वाजार मृज्य 1,00,000/- रु में अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० ए→303, 3री मंजिल, विग~ए, ''भ्रशोका टावर'' इमारत, कूलुपवाडी रोइ, बोरिवली (पू०), बम्बई-400 066 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

का पूर्वोक्त सपील को उचिन बाजार मूल्य संकम को अध्यक्षान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द और मुभ्हेयह विक्वास करने का कारण है। त्य प्रधात रीत र ११ -उसके दश्यक्षान अतिपाल हो, एंसे दश्यमान अतिफल का यन्द्रह श्रीतशत से अधिक है। और अन्तरक (अन्तरकाँ) **और अन्तरिती** (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफास, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अतरण से हुई किसी आय की जाबत, उक्त अधि-**श्रीभनिस्म को अभीन** कर दाने के भन्तरक के दानिक में कमी करने या तससे सचने म श्रावधा का १०० वरि/ग
- (व) ऐसी किसी जाय या किसी भन वा अन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय जाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-क्टर अभिपृत्तियम, 1957 (1957 का 27) **के** प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा # रिल्ड ।

क्रभः बन्न, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थास् :--

া मै० गोयल बिल्डर्स प्रा० लि०

(भ्रन्तरक)

2. मैं० टीना स्टील

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूपना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के सिक् कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन कां अलाधिया तत्मः बन्धी त्यक्तियाँ पर मुचना की ताभीश में 30 दिन की अवधि, जा औ अविधि बाद म समाप्त हाती हा, को भीतर पर्वेकित व्यक्तियां में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्वाना के राजधन में प्रकाशन की तारांक स 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितवद्य किसी अन्य व्यक्ति दुगरा अधाहस्ताक्षरा के पात निश्चित्र संबद्धाः आ सकोगी।

स्पष्टीकरणः --- इसमा प्रश्वत शब्दा और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उत्म अध्याय में विया सया 👼 👝

यन्यूची

फ्लैंट न० ए-303, 3री मजिल, विग-ए, ''श्रशोका टावर" इमारत, कुल्पवाडी राड, बोरिवली (पू०), बम्बई-400 066 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकि ऋ० सं० श्रई--4/37--ईई/15454/ 84-85 ग्रीर जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाक . 7-11-1985 मांहर .

प्ररूप आर्दे.टी एस एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ध (1) के अधीर मुचना

भारत मरकार

कार्यालय, महायक आयकर आय्वन (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बॉबर्ट

बम्बई, दिनाक 7 नवम्बर 1985

े निदेश मं० ग्रई— १/37—ईई/15465/84—85——ग्रन मुझे, लक्ष्मण दाम,

कायकार प्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा 269-म के अधीन सक्षम प्रापिन कि एक विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा से अधिक है

स्रौर जिसकी स० फ्लैंट न० 204 2री मजिल, विग—बी, "ग्रशोका टावर" इमारत, कल्पवाडी रोड, बोरिवली (पू०), बम्बई--400066 में स्थित है (ग्री- इससे उपाबक श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), ग्रीर जिसका करारतामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीम, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति शाजार मूल्य स कम के ध्यमान इतिफल के लिए कन्तिन की गड़ है और मूस यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उक्ति बाजार मूस्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का उन्सह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकों) और जन्तिरती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए क्ष्म पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्विष्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से सुद्धी भासी शाय की शायत उपनत अभि विषय को सभी स्वक्ष दाने के सन्तरक के दामित्य में अभी करने १। इसस उपन श्री गांविचा क लिए और/वा
- (क) ऐसी कि श बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में परिवास के सिए;

अत शब्द, उक्त अधिधिष्यम की परा 269-व के अनसरण में, माँ, जक्त विधिसयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ब्राधीन, जिस्तिखित व्यक्तियमां अर्थात :—- 1 मैं० भोयल बिल्ड्स प्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

2 मैं० टीना स्टील

(ग्रन्ति)

की यह मुचना जारी करक प्रवीक्त सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :----

- (क) इस मृष्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूत्रना की तामील स 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाध्य होती हा, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूभ किसी अन्य व्यक्ति वृवारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकींगे।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, को जनस निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता को उस अध्याय में विद्या वका हैं।

ग्रन् सूची

पर्लैट न० 204, 2री मजिल, विग-बी, 'अभोका टावर' इमारत, कुल्पवाडी रोड, बोश्चिली (प्०), बम्बई-400066 मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसािक १०० स० श्रई-4/37-ईई/15465/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रिजस्टिड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सह।यक अध्यक्षर श्राग्वा (निरीक्षण) अजन रेज-4, बस्बर्ड

दिनाक 7-11--1985

प्राक्त कर हो एन एस ------

1 र्मे० गायल बिल्डर्स प्रा० लि०

(ग्रन्तरक)

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ७थीन सूचना

2. मैं० टीना स्टीन

कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

(ग्रन्ति)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेंज⊸4, वस्तर्ह

बम्बई, दिशाक ७ नवस्तर 1985

निदेश सं० म्राई-4/37-ईई/15477/81-85---- मृत स्झे, लक्ष्मण वास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिल इसमी इसके परचात् 'उक्त अधिनियम् कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का **कारण है कि स्थावर** सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुक्त से अधिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी सं० पर्नेट तं० 106, 1ली मजिल, विग-ए, "म्राणोक। टावर" इमारत, कुल्पताडी रोष्ट, वोरिवली (५०), बम्बई-400 066 में स्थित है (ग्रीर इंगी उवायड श्रन्भूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के प्रार्थन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्टी है, तारीख 1-3-1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित लाजार मृल्य मे कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिन को गई और मुभ्हें यह विश्वास

करने का कारण है कि यश्यपूर्वीक्ष्म सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से एंसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहू प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियाँ) के भीच एमें अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिभित उद्देविय से उक्त अन्तरण लिखित भी धाम्लीका क्ष्म भी देश गर्ग गाँव गाँव

- (क) अन्तरा गर्ह रेक्सी अन्त हैं राज्या, **उ**च्नी बाधिनियम के अधीन कर क्षान के करारके है दायिया भो कमी करने या एकम बचन मा महंचय के लिए, भौग, 'गा
- (स) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो का, जिन्हें भारतीय आगकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थ अंतरिती इतारा प्रकट तही फिया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने से स्विधा के लिए:

अत: अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, अवित अधिनियम की भारा 269 घ की उ गरा (1) के अधीन . निम्नालिश्वत म्याज्यमी, राष्ट्रीत :----

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप --(क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियां पर

सचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी

को यह भ्यमा जारी करके प्वेक्ति संपत्ति के अर्जन के लिए

अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पुर्वीकत न्यक्तितयो मा में किसी व्यक्ति द्वारा;

(स) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: -- - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं० 106, 1ली मंजिल, विग-ए, "प्रशोका टावर" इमारत, कुल्पवाडी रोष, बोरिवली (पू०), बम्बई-400 066 में स्थित है।

ग्रन्मुची जैना कि कि ति स० ग्रई-4/37-ईई/15477/ 84-85 स्रोर जो सजम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 की रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्षण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीजण) भ्रजीन रेज 📲, बम्बई

दिनांक: 7--11--1985

प्रकथ बार्ख .टी .एन .एस . ------

जानकर जीविजनन, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269 ज (1) के अधीन त्याना

भारत सरकार

कार्यातन, तहायक बायकर बावुक्त (विरीक्तण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विताक 7 नवम्बर 1985

्रे निदेश सं० प्रई--4/37-ईई/15464/84-85---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर विधिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उनत अधिनियन' कहा गया है), की बारा 269-च के अधीन तक्षन प्राधिकारी को वह विश्वास करने का नगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- क. ते अधिक है

और जिसकी स० फ्लैंट नं० 306, 3री मंजिल, विग-बी, "श्रगोहा टावर" इमारत, कुलुपवाडी रोड, बोरिवली (पू०), बम्बई—400066 में स्थित है (और इससे उपाबड धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका अरारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 ह, ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के आर्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उधित बाबार मून्य से कब के अस्पनान ैसए जन्तिरत प्रतिनम की की नक्षे हैं ज्ञाने वह विस्थात करने का कारण **ब्रीक यथा पूर्वीक्ट सम्मत्ति का उष्पित बाबार बुरुय, उसके दश्यमान** प्रतिकल से, ऐसे क्ष्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिकत से अधिक ही और अंतरक (अंतरका) और अंतरिली (अंतरितिया) के भीच एसे अन्तरण को लिए तय पाना गया प्रतिकल, निकासिकत बक्कोरेंग से उन्ते बन्तरण लिखित में वास्तविक स्थ से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी नाय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसते बचने में सृतिधा के किए; और/वा
- (क) एती किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्क अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में तृतिधा के सिए;

अतः अथं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिश व्यक्तियों, अधीक् :----

- । मैं० गोयल बिल्डर्स प्रा० लि०।
- (भ्रन्तरक)

2. मैं० टीना स्टील।

(भ्रन्तरिती)

को यह बुचना चारी करके पूर्वीक्स स्थात के अर्थन के लिए कार्यविद्या सुक्ष करता हु।

क्या सम्पत्ति के अर्थन के क्यान्य में कोई भी मार्शन :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की जबिंध या तत्संबंधी व्यक्तिओं पर ब्रुवना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में किसी क्यक्ति कुशारा;
- (क) इत तृष्या के राजपत्र में प्रकाबन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी जन्म व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए जा सकेंगे।

रक्किकिक्यः — इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय 20-क में परिभावित इ., वहीं वर्ष हुत्रोग को उस वश्याय में दिया गवा इ.।

प्लैट नं० 306, 3री मंजिल, विग-बी, "झशोका टावर" मारत, कुलुपथाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400 066 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा हि क० सं० श्रई-4/37-ईई/15464/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिरारी सहायक द्वायकर द्वायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेज-4. बम्बर्ड

दिनोन: 7-11-1985

स्रोटर :

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 नचम्बर 1985

निदेश सं० प्रई-4/37-ईई/15463/84-85--प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

भावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उसत अधिनियम' कहा गया हैं) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह निस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर संपरित, जिसका उण्यत बाजार बुल्य 1,06,000/-रु. से अधिक है

और जिल्लकी सं० फ्लैंट नं० बी-104, 1ली मंजिल, विग-बी, "श्रशोजा टावर" इमारत, कुलुपवाडी रोष्ट्र, बोरिवली (पू०), बम्बई-400066 में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिलका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985

को पृष्ठों केत तस्पतित को उचित बाजार मुस्य से कहा के अस्त्रभाव श्रीतिक को लिए अन्दर्गरत की गई है और मुक्ते, वह जिल्ला करने का करण है कि सभापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार कृत्य, उसके अवसान प्रतिकल को पंच्य गीतिक के अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित्रमों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा अतिकल, निम्मिसिया उद्योक्य से उन्त अन्तरण जिस्सित में बास्टरिक कर से अभिका नहीं किया समा है है—

- (क) अन्तरभ ते हुई किसी बाम की बाबस, धन्तर जीवनियम में अभीव कर दोने भी जन्तरक भी वायित्व में कमी करने वा चससे बजने में सुविधा भी किए; भीत/या
- (क) श्रेसी किंवी आर्थ ना किंवी थन वा काम वास्तिकी को, विनवीं भारतीय साथ-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्ता कथिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अस्तिरती वृषारा प्रकट महीं किया दक्षा वा मा किया- जाना चाहिए ना. कियाने के वर्षिका के दिवस के दिवस के दिवस

जरू॰ वण्ड, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अनुसरण की, मी, शक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (†) को अधीन, निय्ननिकित स्थितिकों, अर्थात् हु—— 1. मैं गोयन बिल्डर्स प्रा० लि०।

(भ्रन्तर्यः)

2. मैं० टीना स्टील ।

(भ्रन्तरिती)

को बहु बूचना चारी करके पूर्वोक्त स्थ्यावि को वर्षत के हैं वर्ष कार्ययाहियां कुरू करता हुएं।

उपत इक्पील के वर्षन के इध्यान में कोई नी बाहोप

- (क) इब सूचना के ध्यपन में प्रकारण की तार्टीक हैं 45 कि की अमीन या तत्त्रक्तिओं क्षेत्र बूचना की तामीन से 30 दिन की अमिश, जो भी क्योंच नाद में समाप्त होती हो, के शीवर पूर्वोंक्त क्योंक्तकों में है किनी कालित क्ष्यात्त्रह
- (क) इस कृष्णमा के राजपन में प्रकाशन की शारीश से 45 किन के औरतर करत स्थापर सकरीत में हिताबक्ष दिक्की कर्य स्थापत स्थापत क्योंक्शांकरी के पांक् सिकित में किए या क्योंने ।

लाक्षीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त जीवीनवम, के जव्याय 20-क में परिभाषित हाँ, नहीं कर्य होगा, को उस जव्यात में दिया क्या ही।

अनुसूची

पलैट नं बी-104, पहली मंजिल, विग-बी, "प्रशोका टावर" इमारत, कुलुपवाडी रोड़, बोरियली (पू०), बम्बई-400 066 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा हि ऋ० सं० श्रई-4/37-ईई/15463/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज-4, बम्बई

दिनां * 7-11-1985

मोहर 🚜

प्रचल बहर्द . टर्डे . एवं . एवं . -----

आधकार जीधीनवस, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-च (1) के स्थीन सूचना

WIND WHENT

कार्यात्रय, सहायक नायकर नायक (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-4. बम्बई

बम्बई, दिना ह 7 तथम्बर 1985

निदेश म० प्रई-4/37-ईई/15472/84--85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दान,

बानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसवें इसके प्रवाद 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), को कि भरा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकत उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

अंति विवकी सं० फ्लैंट न० बी-106, 1लो मजिल, विग-बो "अगा त टावर" इमारत, कुलुपत्राधी रोड, बोरिवली (पू०), बम्बई-400 066 में स्थित हैं (और इपले उपावड़ अनुसूवों में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करार-नामा आयाकर अधिनियम, 1961 की धारा 269%, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधितारों के लायलिय में रिजस्ट्री है, नारोख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के इरममाण शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह किवास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरममान प्रतिफल सो, एसे इरममान प्रतिफल का पन्तह पतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रतिक्षत, निम्नलिसित उद्योध्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण स हुई । असी अप की बाबस, उथवा अभिनियम के अधीन कर बोने के नस्तरक के बारियम में कमी करने या उससे अधने में सविधा के लिए; बॉर/दा
- (क) एसी किसी भाग या फिसी भन वा जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय नाथ-कर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रबोध-नार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था कियाने में सुविधा के निए।

बतः वन, उनत निभिनियम की भारा 269-न के जन्तरण भाँ, माँ, उनत निभिनियस की भारा 269-न की उपधारा (1) है नभीतः निम्निनिवित व्यक्तियों नभाँत है 1. मै० गांयल बिल्डर्स प्रा० लि०।

(भन्तरकः)

2. मैं० टीना स्टील ।

(भ्रन्सरिती)

का यह स्वान जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अजन के लिख् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासेय ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेच्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति सुवादा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंग ।

स्थल करणः — इसमें प्रयुक्त शन्यों और पर्यों का, को उक्त अधिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं पर्थ होंगा, को उस अध्याय में किना गया है।

धनु सूची

पलैंट २० बी-106, 1 लो मजिल, विग-बी, "ग्रशोरा टाचर" इमारत, कुलुपचाडी गड, बोरिवली (पू०), बम्बई-400066 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई-4/37-ईई/15472/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

चिनांक: 7-11-1985

मोहर '

प्ररूप आहर्ष. टी. ऐनं. एस.-----

श्री ए० एम० पाटील।

(भन्तरकः)

2 श्रीमती वरदा बालंद्रन पनीककर।

(भ्रन्तरिती)

ध्याबकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्याजय, सहायक बायकर बाबुक्त (निर्नेक्स्य)

श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बमबई, दिनान 7 नवम्बर 1985

निदेश मं० अई--4/37-ईई/15848/84~85---ग्रत. मुझे, लक्ष्मण दास,

बावकर विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) (विश्व द्वाचें द्वाचें द्वाचें प्रथात 'उन्त की धीन्यम' कहा गया हैं), की धादा 269-च के अधीन तक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. ते विभिन्न हैं

और जिसकी स० वाटेज बी-5, जो, नेनसी शाम्पलेक्स को० ग्राप० हाउमिग सोसायटी लि०, बेस्टनं एक्सप्रैंस हायवे, बोरिखली (पू०), बम्बई-66 में स्थित हैं (और इसमें उपाबद प्रमुस्ती में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), और जिसमा अरारनामा ग्रायण्य ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269म, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित मक्षम ग्राधिनारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उमित बाबार मृत्य से कम के अस्वमान प्रसिफल लिए **जन्त**रित गर्य और की विद्वास कारक है कि क्या मभे यस करने का पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्यः, उन्नके दश्यमान प्रति-फाल से, ऐसे दश्यमान प्रसिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है नौर अंतरक (अंतरकों) भौर अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एके वंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निकाशियत उद्वोक्य ते उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्वीथत नहीं किया मया है :---

- (क) मन्तरण से हुई किती जाव की वावत, उक्क विभिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वावित्य में कनी करने या स्वयं वचने में वर्गतथा के सिन्; जीड/वा
- (क) ऐसी किसी नाथ या किसी धन या बन्च बास्तियों की, जिन्हों भारतीय नायकर विधिनवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनवस, वा धव-कर विधिनवस, वा धव-कर विधिनवस, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ बन्तरिती दुवारा प्रकट वहीं किया पदा था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- को वह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के तिये कार्यवाहियां सुक करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--- 👈

- (क) इस स्वता के राजवज में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य अविति व्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकरेंगे।

स्वचीकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्धों और पदों का, जो उक्त व्यक्तिविधक, में ब्याब 20-क में प्रिशाविब हैं, वहीं वर्ष होगा को उस सम्यास में दिवा गया है।

धनुष्षी

काटेज बी-5, जो, नेनसी आम्पर्लंक्स को-ग्राप० हाउसिंग सोसायटी लि०, वेस्टर्न एक्तप्रैस हायवे, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं० श्रई-4/37–ईई/15848/84–85 और जो सक्षम प्राधिहारी, बस्बई द्वारा दिनाक 1-3–1985 को रजिस्टर्ड विया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिगरी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजेत रेज-4, बम्बर्ड

दिनांक: 7-11-1985

प्रकार नार्वा, दी , हुन , हुन _{प्र}--------------

बावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-व (1) के वधीन क्वा

भारत वरकार

कार्यांगव, सङ्ग्यक भावकर जाकृतक (रिगरीकाण)

श्रजंन रेंज⊸4, बमबई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० श्रई~4/37—ईई/15529/84—85——श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निर्धानयन, 1961 (1961 का 43) (रिक्त इसमें इसके प्रकार (उनत निर्धानयन नहा परंग है), की काल 269-क ने निर्धान सक्तम प्राधिकारी को यह विकास करके का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जितका अधिक करकर मूक्त 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० ई-9, जो, नेनसी लाम्पलैक्स को०-श्राप० हाउसिंग मोसायटी लि०, 2री मंजिल, बोरिवली, बम्बई-66 में स्थित है (श्रार इससे उपावड अनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रीर जिसका वरारनामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 ए, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के क्यमान गितकात के लिए अंतरित की गई है जार मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, ससके क्यमान प्रतिकल ते, एसे क्यमान प्रतिकल का क्यमान प्रतिकल के एसे क्यमान प्रतिकल का क्यमान प्रतिकल के विकास (बंदरका) और क्यम रिखी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तब नामा गया प्रविकल, निम्निसिवित उद्देश्य से उक्त बंदरण सिवित में बालाविक क्य से काम्ब नहीं किया बना है हिन्स

- (क) वंतरण से हुई किसी जाव की वासल, क्यल अधि-नियम के अधीन कर दोने के नंतरक के दाशित्व में कमी करने वा उसते वचने में सुविक्त के लिए; जॉर/वा
- (क) एती किसी नाम वा किसी धन मा अस्य अधिकारी को निन्हें भारतीय जानकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमुख्यार्थ नंबरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया ना मा किसा वाना जाहिए था, कियाने में सुनिधा के ट्रैक्य;

बंद: जब, उक्त जिम्हिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण, में, में, उक्त जिम्हिनयम की धारा 269-म की उपधास (1) में समीपू, निन्हीयिक्त व्यक्तिकों, वर्षोत् क्षेत्रक 1. मैं० जयको प्राईवेट लि०

(भेन्तरक)

2. श्री मोहम्मद हमीद दीन

(अन्तरिती)

हो वह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के अर्थन के विष् अर्थनाहियां सुक करता हुई त

उनक करनाकि को कर्पन को बंधेन में कोई भी नार्षेष् :---

- (क) इस जूचना के राजपण में प्रकाशन की शाया से 45 दिन की अवधि ना तत्सकारधी व्यक्तियों पर जूचना की दाजीन से 30 दिन की व्यक्ति, जो भी व्यक्ति नाद में संजानत होती हो, जो शीतद प्रमेंका व्यक्तियों में से व्यक्ति व्यक्तिया कुनाया;
- (क) इस स्वामा के राजपण में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्मत्ति में हितवंद्ध किसी मन्य व्यक्ति इंगारा अधोहस्ताक्षरी के पास निर्मित्त में किए जा सकोंगे।

पर्लैट नं० ई-9, जो नेकसी काम्पर्लैक्स को-धाप० हाउर्पिंग मोसाईटी लि०, 2री मंजिल, बोरियली, बम्बई-66 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा कि कि नं ग्रई-4/37-ईई/15529/ 84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास स**क्षम प्राधिकारी** महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 7--11--19**8**5

मोद्वर:

प्रका बाहै दी एन एक -----

बायकर ब्रह्मिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-भ (1) के अभीन स्वना

भारत वरकार

कार्याचन, बहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

मजॅन रेज-4) बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निषेश सं० श्रई--4/37-ईई/15554/84--85---- अतः मूझे, लक्ष्मण दास,

नामकर निधिनयन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन तक्षम प्राधिकारी का यह विक्वास करने का कारक हैं कि स्थावर सम्परित, जितका उचित वाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग निर्माणाधीन इमारत, श्रमीता श्रपार्टमेंटस, 5 वां कस्तूरबा रोड़, आफ़ कस्तूरबा मेन रोड़, बीरिवली (पू०), बम्बई-66 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनूसूची मे श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिपका एरारनामा श्रायत्तर श्रधि-नियम, 1961 की धारा 269%, ख के श्रदीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वेक्त सम्प्रित के उचित बाजार मत्य से कम के स्थमान प्रतिफास को कि. कितारित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि अध्यम्बोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार बृष्य, उसके दश्यमान अतिकास से एसे दश्यमान प्रतिफास के प्रकृतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के जिल्ल स्वाप्त का प्रतिकात, निम्निलिसित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिवित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुंदूर किसी बाब की, वावत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के खिए; और/या
- (क) इसी किसी जान वा किसी भग या अन्य आस्तिनों को जिन्हों भारतीय आवकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या अन- कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्सरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के बनुसरक में, भ⁴, उक्त अभिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, ∛नम्नसिचित व्यक्तिस्यों, अच्चीत्∷---- मै० भगीहंत बिल्डर्स

(मन्तरक)

2. श्री श्रदुल बहुबल शहा श्रौर भन्य

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के तिव् कार्वमाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाहोप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की बविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वीचड़ व्यक्तियों में किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हिल बच्च किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकरी के पाच लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उन्ह अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिसा गया है :

भनुसूची

फ्लैंट नं० 16, जो, 4थी मंजिल, ए-विंग, निर्माणाधीन इमारत, श्रमीता श्रपार्टमेंटम, 5वां कस्तूरबा रोड़ आफ़ कस्तूरबा मेन रोड़, बोरिजली (पू०), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रन्सुची जैसा कि कि सं ग्राई-4/37-ईई/15554/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> नक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-4, बम्ब**ई**

दिनांक: 4-11-1985

प्रथम सहस्र हो, श्रेष , र्म्स स्वयाना

बावकड विविवयम, 1961 (196-) का 43) की भारा 269-व (1) के बनीन स्वता

भारक सहस्रार

कार्यासय, सहायक भावकार आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निवेश सं०म्मई--4/37-ईई/15635/84-85--म्प्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' अव्हा गया है), की धारा 269-व के मधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह निवनास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 21, जो, 2री मंजिल, बी--विंग, निर्मानाधीन इमारत, श्रमीता अपार्टमेंटस, 5वां व्यस्तुरबा रोड़, भाफ एस्तूरवा मेन रोड, बोरियली (पू०', बम्बई-66 में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिल्ला परारतामा आयहर श्रधिनियम, 1962 की धारा 269फ, ख के प्रधीन, बम्बर्ड स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीख 1-3-1985 को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इस्थवाय इतिफूल के लिए बन्तरित की नर्द है और मुक्ते यह विश्वास कारभंका कारण है कि अधायुर्वेकित प्रभारित का उचित गणार ब्रास्थ समुद्रों करमाने प्रतिफल से, एस करमान प्रतिफल का बल्द्य प्रतिक्षत से विभिक्त ही बीर बन्तरक (बन्तरकों) गीर वन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच ऐसे जन्तरक के लिए अब पावा मका प्रतिकास, निम्बीसिखित चड्डोस्स् से डब्स्, ब्ल्ल्प्रेल् सिवित ाश्तीयक क्या से माधित नहीं किया प्रवा ही अ----

- (क) मन्तरण से हुई किरी बाव की वावत,, उक्त अभिपियम के बधीन कर दोने के अन्तरक की धामित्य में कमी करने या उधने ज्ञाने में सुविधा के विक: बाह या
- (क) वृत्ती किसी अन्य वा किकी अन वा अन्य आस्तियो का, जिल्हा भारतीय अध कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धमकर अधिनियम, '957 (1957 का 27) के प्रबोधनार्थ अन्सरित? दुवार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा छिपाने में सुविधा ने सिए:

बत्त: अव, अवत वेचिनियम की वारा 269-व की मनुसरण मां, मां, उक्त अभिनियम की ४ ग 269-म की उपधार्य (1) को जभीन, निस्तिसिक्ति व्यक्तिकों जभीत् ए---

ा मै० **प्रा**रीहंत बि**ए**डर्स

(मन्सरक)

2. झी ललित कुमार डी० हिरानी

(मन्तरिती)

क्रों बहु बूचना बादी करने प्यानित बंपरित ने वर्षन से निष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- '(का) इस काचना के राज्यपत्र में प्रकाशका की तारी**व तं** 4,5 विज की सविभ या तत्सम्बन्धी स्थवितयों पुर बुचनाकी तामील से 30 दिन की अथि प, जो भी अविभि बाध में समाप्त कृतिी हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा,
- (क) इस सूचना के राजका में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पन्ति में द्वितवबुध निकती अन्य व्यक्तिः वृवारा, अधोहस्ताक्षरी में नाव लिखिब में किए जा सकेंगे।

स्पद्धांकरण:---इसमे प्रयुक्त शस्यों और पदों का, जो सकत अधिनिसंस के अध्यास 20-कं में परिशावित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस "प्वाय और दिवा गमा 🗗 📭

प्रमुची

पर्लंट नं० 21, जो, 2री मंजिल, बी-विंग, निर्मानाधीन इमारत, श्रमीता ग्रपार्टमेंटस, 5वां रास्ता कस्तुरवा रोह, भाफ़ कस्तूरवा मेन रोड़, बोरिवली (पू०), बम्बई--66 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० ऋई-4/37-ईई/15636/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्स किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

विनांक: 4--11--1985

प्रथम मार्च , हर्ड , हर्र , क्षात्र मार्च । स

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पार्च 269-म (1) के बचीन बुकना

नारत राज्यात

कार्याजय, बङ्गायक नायकर शास्त्रक (पिर्याक्षाप)

ग्रजन रेज-4, **ब**म्बई

बुम्बई, दिना ७ 7 नवम्बर 1985

निदेश सं ० श्रार्ड-4/37-ईई/15778/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

जावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'स्वत अभिनिमन' कहा गया हूं), की धार 269-कू के नभीन सक्षन प्राधिकारी को, यह निस्तास करने का कारण है कि स्थानर सन्नरित, जिसका स्रीचित नावार मून्य 1,00,000/- रु. वे अधिक है

भीर जिसकी सं० पलैट न० 407, जो, 4थी मंजिल, "मी' विंग, रिव किरण, कार्टर रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-66 में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध भन्भूची मे भीर पूर्ण रूप से विंगल है), और जिसका करारनामा प्रायकर भधि-नियम, 1961 की धारा 269ग, ख के भधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को प्रॉक्त संवर्ति के विश्व नाकार मृत्य से क्षम के धन्यमान विषय के सिए बन्तरित को गई है और मुक्ते यह निवदाय करने का कारण है कि यमाप्बोंकर संपत्ति का उचित बाजार ब्रुच्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्छ ब्रिटिक्स से किथक है और बन्तर्रक (बन्तरकों) और बन्तिरती (जन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिए तब पाना गमा ब्रिटिक्स, निक्तिविद्या उच्चेत्व से उक्स बन्तरण ब्रिटिक के बास्तिक क्षम से किथित नहीं किया क्या है क्ष्य

- हुँक) बन्तरण वं हुई जिल्ली नाय की शंबत, अजत ब्रिश्नियम के वयीन कर देने के अन्तरक ने, शहिद्राच के कड़ी करने ना स्वकं नलने में सुविश्ता के जिल्ह; लॉड/ना
- (क) इरेडी किकी कार वा किसी पन वा कर्य शास्तिकों के हैं जब्दें पारकीय आवकार वीधनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्छ वीधनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया वया वा वा किया जाना थाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए।

जतः जब, उक्त जिभिनियम की भास 269-ए के बनुक्रण्य क्षं, जो उक्त अभिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) वे वर्षाम, दिक्तिविक क्षिक्कों क क्ष्मीद क⇒ 1 श्री पृखराज बालचन्द कोट।री

(ग्रन्तर ह)

2. श्री चोगमल शेशमल बोराना

(अन्तरिती)

को यह श्वना पारों करके पूजेंक्त संपत्ति के वर्षन के निय कार्यनाहियां करता हुई ।

वक्त बन्दीता के अर्थन के संबंध में कोई ही शाक्षेत्र ह---

- (क) इस बूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनिथ या तत्संत्रेथी व्यक्तियों पर त्वना की तामील से 30 दिन की जनिथ, को भी जनिथ बाद में सजाप्त होती हों, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुनारा;
- (क) इस स्वता के रायपन में प्रकारन की तारीय से 45 दिन के भीतर उस्त स्थावर सम्मत्ति के हित्सवूध किसी सन्य व्यक्ति इंकरा, अधोहस्ताकारी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

रचक्कीकरण क्ष्म देवने प्रयुक्त बन्दों नीत पद्यों का, क्षों उपक व्यथिनियन, के कथ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष द्वारा को उर्व कथ्याय में विश नृता है।

र के

पर्लंट नं० 407, जो, 4थी मंजिल, "सी" विंग, रिवं किरण, कार्टर रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बर्ड-66 में स्थित है।

श्रन्भूषी जैसा कि फ० सं० श्रई-4/37-ईई/15778/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विनांक 1-3-1985 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिदारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 7-11-1985

महिला ह

प्ररूप आहे.टी.एस.एस.-----

शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत संदुकार

कार्यातव, सहायक आयकार आयुक्त (मिरीक्षण) धर्जन रेंज- 4 अम्बर्ड

बम्बई, जिनांक 4 नवम्बर 1985

ानदेश सं० ग्रई -4/37—ईई/15642/84-85—-श्रतः मुझे, नक्ष्मण दास.

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० ए-2, जो, "सहयोग", तल माला, दौलन नगर रोड़ नं० 5, बोरिवली (पू०), बस्वई-66 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), ग्रीर जिसका करारतामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 ह, ख के ग्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिनारी के कार्यालय मे रिजस्ट्री हैं, तारीख 1-3-1985

को पृथिकत सम्पत्ति के उणित बाजार मृस्य से कम के इस्यमान प्रतिपत्त को लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिथात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक न्या में विधन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुवाँ भिन्नती बाव की वावत, उबसे अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (श) एसी किही आय या किसी धन वा कन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः सम उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के वन्सरण में, में, उक्त अधिकियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :----

1. श्रीमती इनकबाई सी० हाथी

(भ्रन्तरक)

2 श्री नरेन्द्र सोमेण्यर पंडबा

(भ्रन्तरिती)

को अह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां सूक्त करता हुं।

उन्त सम्मीत के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेय :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की वविभ या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बब्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ट क्यूं विचयों में वे किसी क्यक्ट क्यूं विचयों के किसी क्यक्ट क्यूं विचयों के किसी क्यक्ट क्यूं विचयों के सिंग क्यक्ट क्यों के सिंग क्यक्ट क्यों के सिंग क्यक्ट क्यूं के सिंग क्यक्ट क्यों के सिंग क्यों के सिंग क्यों के सिंग क्यक्ट क्या के सिंग क्यक्ट क्यों के सिंग क्यक्ट क्यों के सिंग क्यक्ट क्यों के सिंग क्यक्ट के सिंग क्यक्ट क्यों के सिंग क्यक्ट क्यों के सिंग क्यक्ट क्यों के सिंग क्यक्ट के सिंग क्यक्ट क्यों के सिंग क्यक्ट के सिंग के सिंग क्यक्ट क्यों के सिंग क्यक्ट के सिंग के सिंग क्यक्ट के सिंग किया के सिंग के स
- [बाँ इस स्थल में राज्यम में प्रकार की वार्यक्र से 45 विश् में तीवर क्या स्वादर कमारित में दिवनप्र दिक्की मन्द्र माजिव धूनाय स्थाहरवासाड़ी में गाह विकित में सिद्ध मा क्योंने 1

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयूक्त कव्यों शृरि वयों का, को स्वक् श्रीधनियम को अध्याय 20-क में परिभावित हीं., रही वर्ष होना जो उस अध्याय में विया नवा ही।

वरसची

फ्लैंट नं० ए.-2, जो, "स्ह्योग", क्ल माला, दौलत नगर रोड़ नं० 5. बोरियली (पू०), बम्बई-66 में स्थित है।

श्रन्भुची जैसा कि कि में श्रई-4/37-ईई/15642/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 4-11-1985

प्रकाष बाहाँ । टी । एस । एस । -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के अधीव सुचवा

भारत सरकार

हार्यालय,, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज∽4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निवेश सं० अई-4/37-ईई/15439/84-85--- मुझे, लक्ष्म दान,

बाधकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें इसमें उपनात् 'उपत अभिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जाश्य हैं कि स्थावर सम्पत्ति विसका उपित वाजार वृश्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

तो: ोा ते नं पर्नेष्ट नं 103, 1नी मंजिल, विग-ए, "प्रगोज द्वार्" इमारा, हन्। नहीं रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-100066 में स्थित है (प्रौर इनसे उनाबद प्रमुची में प्रौर प्रगे का ने विगत है), ग्रीर जिन्ना करारनामा श्रायक्तर प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीन, बम्बई निया काम प्रार्थितिय में राजिस्ट्री है, सारीख 1-3-1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्रव्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास कर जा कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे श्रव्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप स कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी नाम की नावड़, उक्त विध-निवम के वधीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्क में कभी करने मा उचले वचने में बुविधा के लिए, बीद/बा
- (च) ऐती किसी भाग या किसी भग ना जग्न आस्तिकों को जिन्हों भारतीय जायकार जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भगकार जिथिनियम, 1957 (1957 का 27), के प्रयोजनार्थ अग्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया ह्या या विस्था जाता चाहिए या, जियाने को स्विभा के स्विभा

वतः थव, उक्त वीभिनियम कौ भारा 269-न कै वनुकरण में, में, दक्त अभिनियम की भारा 269-न की उपभारा (1) के वभीष, निम्निविद्य व्यक्तिस्थां, स्थाह 1. मैं गोयल बिल्डर्स प्रा० लि०

(श्रन्तर ह)

2. मेसर्स टीना स्टील

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वया के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकोंने ।

स्पष्टिकरण:—हसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं० 103, पहली मंजिल, विग⊸ए, "ग्रणोका टावर" इमारत, कुलूपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई– 400066 में स्थित है।

श्रन्सूची जैसा कि कि सं० श्रई -/37--ईई/15439/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज⊶4, बम्बई

दिनांक: 7-11-1985

मोहरः

मान्य भागे तुर्वे <u>सूत्र क्ष</u>र तुर्वे स्वरूप

भायकर मिश्रितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भूभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश स० श्रई-4/37-ईई/15435--अत: मुझे, लक्ष्मण **व**ाम,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च को अधीन, सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 204, 2री मंजिल, विग ए, "श्रशोश टायर" इमारत कुलूपवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई 400066 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बिंगत है), श्रौर जिन्ना करारनामा आयक्र श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269व, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3~1985

का पूर्वोक्त सपित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त तम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकान से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकान का पद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के जीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फूल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण जिल्लिखत में वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) नन्तहण् सं हुर्द किसी भाग की बावतः, स्थयः श्रीपित्वन के व्योग् कर योगे के सम्बद्धः से सावित्य में कभी भड़ने ना स्वयं सम्त में सुन्निया से लिए: स्रीड/वा
- (क) एसी किसी जाव या किसी भन या कर्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाव-कर जीभीनयम, 1922 (1922 का 11) वा उन्दा जिभीनयम वा भन-कर जीभीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्म था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को जिए;

बतः थय, उक्त विभिनयम की भारा 269-ग की बनुसरक मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च को उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु— 1 मैं गोयल बिल्डर्स प्रा० लि०।

(भ्रन्तरक)

2. मेसर्स टीना स्टील

(म्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा से 45 दिन की अविभि या तत्त्रम्बन्धी क्योंक्तयों पर सूचना की तामीब से 30 दिन की जविभ, को भी व्यक्ति वाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स क्षित्रकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन के भीतर उथा स्थावर सपक्षि में हितबङ्घ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पार् सिवित में किए या सकोंगे।

स्वक्षीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पवां का, जरे उक्क अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिश भ्वा है।

वन्स्ची

फ्लैंट न० ए 204, 2री मजिल,विंग ए, ''झक्रोड'। टावर'' इमारत, कुलूपवाडी रोड, बोरियली (पूर्व), बस्बई 400066 में स्थित हैं।

श्रन्सुची जैसा कि ऋ० स० श्रई-4/37—ईह/15435/84–85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 की राजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेज 4, बस्बई

दिनाक 7-11-1985 मोहर प्ररूप नाई. टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेज--4, बम्बई

बम्बई, दिनांस 7 नवम्बर 1985

निवेश सं० ग्रई -4/37-ईई/15475/84-85 - न्य्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जित्तकी सं० फ्लैंट नं० 206, 2नी मंजिल, विग-वी, "ग्रशोका टावर" इमारत, कुलूपवाडी रोड़, बोरिवली (पू०) बम्बई-400066 में स्थित है (ग्रौर इसमे उपावढ अनुभूची में ग्रौर पूर्ण कर मे विणित हैं), ग्रौर जिल्ला करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 की धारा 269म, ख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफक्ष निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे कास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बधने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूबिधा से सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण वे, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत्:—— 1. मैं गोयल बिल्डर्स प्रा० लि०

(श्रन्तरक)

2. मेसर्म टीना स्टील

(ग्रन्धिर्ता)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस- बच्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रकी

पलैंट नं० 206, 2री मंिल, विग—की. 'ऋशोता टावर '' इमारन, कुलूपबाडी रोड़, बोरिवली (पूर्व), बम्बई— 400066 में स्थित है।

श्रन्भूची जैता ि कि कि सं श्रई-4/37-ईद्15475/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिहारी, बम्बई हारा दिनांक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड विधा गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिवारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बस्वई

दिना ह: 7-11-1985

प्रकथ् बाह्रै. टी ृएन. एत.-----

नायनः र मिर्भिनयमः, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यासय, स्हायक आयकर आयुक्त (निरीक्त्)

अर्ज न रेज-4, बम्बई बम्बई, दिनाक 7 नवम्बर 1985 निर्देश सं० अई-4/37-ई ई/15437/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इतमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विद्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मं० फ्लैंट न० 104, 1ली मजिल, विग-ए अगोका दावर" इमारत, कुलूपवाडी रोड़, बोरिवली (पूर्व), बम्बई-400 066 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), ग्रीर जिसका करारमामा आयकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रजीस्ट्री है, दिमांक 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दर्भमाय प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सस्मिति का उचित बाजार मृल्य, उसके दर्थमान प्रतिफल से, एसे द्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं पाया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी कियी आय या किसी पण या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया पया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में क्षिया के तिष्

(1) गोयल बिल्डसं प्राईवेट लिमिटेड ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स टीमा स्टिल

(अन्त'रिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां रु-रू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकासन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब्ध किसी जन्म स्थावत द्वार, नभोहस्ताक्षरी के पाच निवित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमा प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गर्य हैं।

अनुसूची

पर्लंट नं० 104, 1ली मंजिल, विग−ए अशोका टावर" इमारत, कुल्पवाडी रोड, बोरिवली (पूर्व), बम्बई--400066 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० स० अई०-4/37-ई० ई०/15437/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्त्रायकर स्त्रायुक्त, निरीक्षण अर्जन रेज-4, बम्बई

ल्या: अथ, उक्त जिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभास (1) के अधीन, निम्नलिखिस स्पितियों, अर्थात ध—

दिभाम: 7-11-1985

मोहर 🔞

शक्य बाहाँ, दी. एव् हु युक्तु-अन्यास्थालक

(1) श्रीपेरूमल बालसुंदरम ।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स राठोड एंड परमार, ग्रौर भागीदार ।

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीत बुच्या

साइत क्रका

क्षार्यातय, शहायक बायकर बाव्यत (निर्देश्यन)

अर्जम रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 4 नवम्बर 1985 निर्देश सं० अर्ड०-4/37-ई ई/15586/84-85--अतः

मुझे, लक्ष्मण दास

आथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परणार् 'उबत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा, जो ब्हिलेज दिहसर, तालुका बोरिवली, जिसका सर्वे तं० 168, एच० तं० 4, सी० टी० एस० तं० 2487, दिहसर, बम्बई में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबद्ध जनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बर्णित हैं), श्रौर जिसका करारपामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी वे कार्यालय मे रजीरही है, दिनांक 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यकान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्निसित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण कि विश्वत

- (45) अन्तर्भ से हुई किसी बाब की बाबत, उन्तर विध-नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक को वासित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीड/वा
- (क) एसी कि ती जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खियाने में सुविधा के लिए;

्तरा:, अव, उक्त अधिनियम की भार 269-म के अनुसरण कों, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्निसिस व्यक्तियों, अर्थात् के—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सपत्ति के अवन के सिष् कार्यनाहियां सूरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान को राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, भाँ भी स्विधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी स्थिक्ट ब्वास:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकर्णः :— इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भी उन्हुक्रीः अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होग्य भी उस अध्याय में दिया यमा है।

अन्स्ची

खुला जमीन का हिस्सा, जो, व्हिलेज दिहमर, तालुका बोरियली, जिसका मर्वे नं० 168, एच० नं० 4, सी० टी० एस० नं० 2487, दिहसर, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई०-4/37-ई ई/15586/84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दारा सक्षम प्राधि ारी स**हायक भा**यकर प्रायृक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

दिमांक: 4-11-1985

मोहर 🖫

प्रकाप काहरे. टी. एण एस. -----

अत्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुधना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निर्देशक) अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई--4/37-ई ई/15574/84-85--अत:

म्क्री, लक्ष्मण दास.

अर्थिकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसमें इसमें एक्वान् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 स के अभिन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रहा. से अभिक हैं

श्रीर जिसकी सं० खुला जमीम का हिस्सा जो, ब्हिलेज दहिसर तालुवा बोग्विली, जिसवा सर्वे नं० 341, 335, 336, 334 एव० नं० 2, 6, 5, 6 मी० टी० एस० नं० 1414, 1421, 1510, 1422 दिस्तर (पूर्व) बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), श्रीर जिसक करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्टी है, दिनांक 1 मार्च 1985

को प्लेक्स सम्पत्ति के उण्यत नाजार मुख्य से नान के क्ष्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गढ़ है और मुख्य स्वाधिक करने का नावन है कि प्याप्यों का नावनित नाजार मूप करने का नावन है कि प्याप्यों का नावनित नाजार मूप कि एस के ब्रावनान प्रतिकत्त से, एवे वृत्यमान विश्वित का पण्डाह मिलिक से प्रविक है बीच बन्तरक (अन्तवकों) और बन्तरिती (अन्तिविधीं) ने बीच ऐसे बन्तरच के लिए तम पाना च्या बिक्यम् किम्मितिब उद्देश्य से अन्त बम्बरण निवित में बास्तविक कम के क्षित वहाँ कि ए गया है क्ष्य

- (क) अन्तरण ते हुई किती नाथ की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने की अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे यचने में सुविभा के लिए; बार्ड/मा
- (व) ऐती किसी जाच वा किसी भाग या अस्य जात्तियों की, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपान के स्विधा के निष्ट: और/वा

अतः अव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अभिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री अमोक कुमार जिलोकमाथ गोयल ग्रीर अन्य । (अन्तरक)
- (2) मेसर्स अर्पन डेव्हलोपमेंटस ।

(अन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्चन के सिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

बक्त सम्पत्ति के बर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र :---

- (क) इत् नुषना के राजधन में प्रकाबन की तारील हैं
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 कृषणा की तामील से 30 दिन की सवधि, को भी
 सबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दित-वक्ष किसी अन्य व्यक्ति वृत्रारा, अभोहस्साक्षरी के पास लिक्सिय में किए जा सकोंगे।

स्पाद्धिकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जवा है।

नन्त्यी

खुला जमीम का हिस्सा, जो, ब्हिलेज दिहसर, तालूका बोरिवली, जिसका सर्वे नं० 341, 335, 336, 334 एच० नं० 2, 6, 5, 6 मी० टी० एस० नं० 1414, 1421, 1510, 1422, दिहसर (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फल सं अई०-4/37-ई० ई०/15574/ 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बस्बई

दिमांक: 4-11-1985

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाषा 269-म के अधीन सूचना

भरित सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जम रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 6 नवस्बर 1985

निर्देश सं० अई-4/37—ई ई/15976/84—85——अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मृल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं ० व्याक नं० 25-बी, जो, णांतीनाथ दर्शन कोआप० हाउनिंग सोमाईटी लि०, एल० टी० रोड, दिहमर (पूर्व), बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रौर जिसका करारनामा आयतर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1 मार्च 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व भें कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कें, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :----

(1) श्री संतोष ठिठल जोशी।

(अन्तरक)

(2) श्री नारायण धर्मा पाटील ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा कथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पदीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों को जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याद में दिया गया है।

प्रनुसूची

न्लाक नं ० 25-बी, जो, णांती नाथ दर्शन को-आप० हाउसिंग सोसाईटी लि०, एल० टी० रोष्ट्र, ४ हिसर (पूर्व), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कि सं० अई-4/37-ई ई/15976/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहाय ह आय हर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बस्बई

दिनांक: 6-11-1985

प्ररूप अर्फे. टी एन . एस . -----

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व(1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

%र्जन रेंज-4, वम्बई बम्बई, दिनां∵ 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० म्रई०-4/37-ई० ई०/15587/84-85--म्रात: मझे, लक्ष्मण दास.

भायकर क्षितिस्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं फलैट नं 7, जो, 1ली मंजिल, श्रमीत श्रापटंमेंट इमारत, भराठा दालनी रोड़, दिहसर (पूर्व), वम्बई-68 में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्टित्यम 1961 की धारा 269 के, खके श्रधीन, वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, दिनांव 1 मार्च 1985 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के ठिष्ता बाजार मूख्य से कम के स्थमान श्रीतफल के लिए जंतरित की गई है और मूभे यह विस्थास स्तिफल के लिए जंतरित की गई है और मूभे यह विस्थास स्तिफल के लिए जंतरित की गई है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित तो अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के हिए स्थ नाम प्रतिफल, निक्तिवर्षों के बीच एसे अन्तरण के हिए स्थ नाम प्रतिफल, निक्तिवर्षों के बीच एसे अन्तरण के हिए स्थ नाम प्रतिफल, निक्तिवर्षों के बीच एसे अन्तरण के हिए स्थ नाम प्रतिफल, निक्तिवर्षों के बीच एसे अन्तरण के हिए स्थ नाम प्रतिफल, निक्तिवर्षों के बीच एसे अन्तरण के हिए स्थ नाम प्रतिफल, निक्तिवर्षों के बीच एसे अन्तरण के हिए स्थ

- (म) अन्तरण स हाई िक्सी आय की बाबत, उक्त मिषिनियम के सभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भें कमी वरने या उसमें प्रचने में मुविधा के जिल अपर्यात
- (१) एसी किसी बाध या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर, अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रांजनार्थ की तिया गया था या किसा का प्रांडिए का प्रांडिक

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर नियमितिक क्यांक्तमाँ अधीर :—

69-376 GI/85

(1) जेठालाल भानजीभाई वंझारा।

(भ्रन्तरक)

(2) मेहंदीजीवन लाडजी मकनेंजा।

(अन्तरिती)

की यह सूचना आरी करके पृत्रींकत सभ्यत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हा।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीह सं 45 दिन के भीतर उक्त म्थापर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहर पश्ची के पास विश्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, बहुने वर्ष त्या का का का में दिका नया हों.

अनुस्ची

फ्लैट नं० 7, जों, 1ली मंजिल, स्रमीत स्रपार्टमेंट इमारत, मराठा कालनी रोड़, दहिसर (पूर्व), वम्बई-68 में स्थित है।

श्रनुसुची जैसा ि क० सं० श्रई०-4/37-ई० ई०/15587/ 84-85 श्रीर जो रक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनां ह 1-3-1985 को रजीस्टर्ड विया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रैंज-4, बम्बई

दिनांवा: 4-11-1985

'प्ररूप आइ^र.टी एर.एस -----

आसंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वर्ष धारा 269-म (1) के अधीन समना

भारत सरदार

क्रायालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांट 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रर्ड०--4/37-ई० ई०/15936/84--85---- श्रतः मझे, नक्ष्मण दास्र.

श्रापकर शिधनियम, 1961 (1961 का 43) किसे इसमें इसमें इसमें पड़चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 103, जो, 1ली मंजिल, कदमिगरी श्रपार्टमेंट, एस० न० 5 6, 7 (श्रंण), चत्रवर्ती श्रणोव ग्राम, विहलेज वाधवान, वादिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित में (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), श्रीर चिसता उरारनामा श्रायार ग्राधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रवीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिजारी के कार्यालय में रिजम्ही है, दिनांछ 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक हैं बार अंतरिक (अंतरितयाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नीविश्वत उब्देश्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तिविद्य रूप से क्लिथत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण संहुई किमी आम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के निष्; और/बा
- (क) इसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जाय-कर उधिनियम, १८८ (1922 का 11) या उक्त जिथिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, दिल्पाने में गृतिभा के किए:

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबर्भ में, में, उक्त ऑधिनियम की धारा 269-घ की उण्धारा (1) के अधीर जिम्मीकिकिन वालितयों, अर्थात — (1) मेसर्ग गुडविल बिल्डर्स ।

(ग्रनाराः)

(2) श्रीदिनेण मी० पाष्टीया।

(ग्रन्तरिती)

को वह यूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहिया करका हूं।

उक्त संवीस के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्मंबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्मिन्तकों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मार्टिक पास किसी जन्य व्यक्ति द्नारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

अमृसुधी

फ्लैट नं० 103, जो ाली मंजिल वादमगिरी श्रपार्टमेंट एम०नं० 5, 6, 7 (श्रंग), ऋशोक चक्रवर्नी ग्राम, व्हिनेज वाधवान, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई०-4/37-ई० ई०/15936/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई हाना दिनां रा 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि तारी, सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजेन रेज-4, बम्बर्ट

दिनांक: 4-11-1985

प्ररूप आहूरे.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन स्चाना

भारत सरकार

कार्यालयः सहायक आमकर वाय्क्त (निरक्षिण)

ग्राजीन रेज-4, बमबई

यम्बई, दिनादा 4 नवम्बर 1985

जायकर मिधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिल्ली स० फ्लैंट न० 105, जो. 1ली मजित, एदर्सागरी त्यार्टसेंट चक्रवर्ती छणोः ग्राम, व्हिलेज बाधवान, एस० न० 5, 6, 7, एदिवली (पूर्व), बस्बई—67 में स्थित है (श्रीर इसप उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), श्रीर जिसका त्यारनामा श्राय प्र श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 ं, ख के श्रवीत, बस्बई नियन यक्षम प्राधितारी के व्यक्तिय में रजिस्ही है, दिना 1 मार्च 1985

को पूर्वेक्ति सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतर् रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बंतरण लिखित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) उन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ध) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जियाने में स्विधा के लिए;

अप्त अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण रे. में टर्क अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) े अधीर निम्नितिस्थल व्यक्तियों, अधीन .---- (1) मेसर्ग गुडवित विलड्स ।

(अन्तरक)

(2) श्री मधुसुदन एम० गहा ग्रीर प्रन्थ ।

(ग्रन्तिरती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

en legenda de la la completación de la la la granda de la completación de la completación de la completación de

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन करें? अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खर 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

पर्यंट न ० 105, जो, 1ली मजित, िदमगिरी श्राटंभेंट चक्रवर्ती ग्रणोह ग्राम िहलेन वाधवान, एस० नं० 5, 6, 7 वादिवली (पूर्व), बस्वई- 67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंगा नि: के० स० ग्रई०-/37-ई० ई०/15678/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि। गि बम्बई द्वारा दिनांत 1-3-1985 को रजीस्टई दिया गया है।

> त्दमण दास सक्षम प्राधिकारी, गहायः आयकर आयुक्त (निरीक्षण), प्रजैन रेज∽4, बम्बई

दिनाव 1-11-1985 पोहर प्रभव आहे. टॉ एन. एस. -----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के अभीत सुवना

भारत सरकार

कामोरुय, सहायक जायकर भाग्यत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनां र 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई०- 4/37-ई० ई०/15798/84-85---श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त विधिनियम' कहा एका हैं), की वाद्य 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार जुस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी मं० फ्लैंट नं० ए- 201, जो, 2री मंजिल, राज िक्षोर को- श्राप० हाउगिंग मोलाईटी लि०, मेडरीन स्ट्रीट, मी० टी० एम० न० 1065, कॉदिवली (प०), बम्बई- 67 में स्थित है (स्रोर इसने उपाबद्ध सनुमुची हु स्रोर पूर्ण रूप ले विणत है), स्रोर जिस्ता परारनामा स्रायकर स्वधिनयम 1961 की धारा 269 ले, खेक स्रधान, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिक्षरी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1985

को पूर्वांक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के धरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से एके धरयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और यह कि अधरक (अंतरका) और अंतरिती रिसी (अन्तरितियों) के थीप एसे अन्तरण के लिए तम पाम गमा शिक्षक , मिन्नलियात उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मं वास्तियक रूप से किथन नहीं किया गमा है है—

- (क) अन्तरक सं हुद्दं किसी आय की यावर, उक्त अभिनियम के सभीन कर देने के जन्तरक के वायित्व मं कमी करने या उससे यचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (म) एसी किसी भाय का किसी धन या अन्य आस्तियाँ का, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए भा कियाने में सुविभा के लिए;

चत्र वय, उक्त व्यिभिनयम की भारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त व्यभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) भी बभीन, निम्निसिनित व्यक्तियों, वर्थात् --- (1) श्रीमती एस० बी० पोषट।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० एन० शहा ग्रीर श्रन्य ।

(यन् गरिनी)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्दर राम्परित के अर्चन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप हन्न

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस रेखें 45 दिन की जयिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की जबिश, को भी जयिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकावन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य श्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे ।

स्पष्टीकरण ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौर पदौ का, वो उक्त शिक्षिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं एए 201, जो, 271 मंजिल, राज कियोर इमारत, राज कियार को कार है है कि एक मेडिरीन स्ट्रीट, मीठ टीठ एक नं राव65, अदिवली (प०), बम्बई- 67 में स्थित है।

श्चनसुची जैपा की कल्मल प्रर्टल- /37-ईल ईल/15798/ 84-85 और जा पक्षम प्राधि गरा बम्बर्ट द्वारा दिलांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड िया गया है।

> तक्षमण दास १अन पाकि हार**े** पहायक प्रायक्तर पायक्त (तिरोक्षण), ग्रजन रज- 4, **बम्ब**ई

दिनांक: 7-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिना । 7 नवम्बर 1985

निर्देश स० ग्राई०- 4/37-ई० ई०/15419/84--85----ग्रत म्झे, लक्ष्मण दास

भावकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उपित बाबार मृल्य 1,00,000 / - एत. से अधिक **है**

भीर जिसकी स० फ्लैट नं० 004, जी, तल माला, 4बी इमारत, पारस नगर, शंदार लेन वादिवली (प०), बस्बई-67 में स्थित है (ग्रौर इसल उपाबद्ध ग्रन्स्ची में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), ग्रीर जिस्ता राज्यामा ग्राय र र्जाधनियम 1961 की धारा 269 व. ख के ऋधीन, बम्बई स्थित रक्षम प्राधि , परी के शायनिय में रजीस्ट्री है, दिनाश 1 सार्च 1985

को पर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य संक्षम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दरवमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकस का पंद्रह प्रतिवात से निधक है और असरक (अंतरकों) और असरिती (अंतरितियों) के बीच इन्हें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:~

- (क) अंतरण से हुई किसी क्षाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के वामित्व में कामी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (श्वा) एोसी किसी जाय या किसी भन या जन्म आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय अध्यक्तर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा केलिए:

बत: अव:, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुभरण , माँ, अन्नल अभिनियम की भारा 269-ध की उपभारा (1) 🛊 बधीन, निम्नसिवित व्यक्तिवी, जवारा 🦫

(।) श्रीमर्तासी० एच० दालाभाई।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमिनी जिं० जें० होया ग्रीर ग्रन्य।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना भारी करको प्रोजित सम्परित के वर्धन के लिए **कार्यवाहियां** करता हो।

जनत सम्पत्ति के अजेंन के सबस में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस भूचना क राजपत्र म प्रकाशन की **सारीच स** 15 दिन की अवश्रि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर चिना की तामील से 30 दिन की अविधि, **जो भी** न्विध बाद में सफल्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत ज्यो ।यो मो स कि.पी व्यक्ति दुवारा;
- .कः! इत्य राज्य के राज्यन में प्रकाशन की तारीच **वं** 45 दिन के भी भर उक्तर स्वावर सपस्ति में हितबध्य किसी अय व्यक्ति दशरा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित ए किए जा सकी।

स्पष्टीकरण:- - हसमा प्रमुक्षा अन्दों और पदों का जो सकत श्राधीतसभा, क अध्याय 20-क मो परिभाषित र . बही रथ हरू जो उस **अभ्याय में दिया**

अभूस्पी

फ्लैट न० 004 औ, पत पत्ता, 4बी इसारत, पारस नगर, शद र लेन, परिवली (ए०), बस्बई--67 में स्थित है।

श्रानुसुचो जै 🖫 🐎 🚁 २० प्रई० - 4/37-ई० ई०/15419/ 84-85 ग्रीर जो उत्तर प्राति परी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 की रजीस्टर्ग िया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, राहायट श्रायकार प्रायक्त (निरीक्षण), ध्रजंन रेज- 4, बम्बई

दिनार 7-11-1985 मोहर

उस्त्य बाइ^र. टॉ. एव. एस. - ·

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-च (1) के सभीन स्चना

भारत तरकार कार्यालय, अहायक बायकार आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-4. बम्बई

बम्बई, दिनाक 7 नवम्बर 1985

निर्देश स० ग्रई० -4/37-ई० ई०/15730/84-85--श्रतः म्झे, लक्ष्मण दास

बायका अधिनियम, 1961 (1961 का 43**) (जिसं इस**मं इसकं पक्षात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-अन के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह 'उच्चास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित वाजार मृत्य :,00,000/- रत से अधिक है

भ्रौर जिन्नकी सुरु फरैट नरु 223, जो, 2री माजर, ब्रजेश यगर्ट-हृद्रप, भादन नगर रोड ादिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ब्रोर इना उसवड़ सनसुवी से ब्रौर पूर्ण रूप से विणित है), स्रोर क्रान्त का कारनामा स्रायार प्रधिनियम 1961 की धारा 269 त, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधि ारी के दार्यालय में रजिस्टी है, दिनार 1 मार्च 1985

कर पूर्वेक्श सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के एश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथाप्यक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिफल सं, एमं दश्यमान प्रतिफल का बद्ध प्रतिभाग स अधिक हो और अतरक (बंतरका) और अतरिती (अन्दरितियाँ) क बीच एसं अन्दरण के लिए तय पाया गय) प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उन्त अन्तरण निधित में वास्तिविक रूप सं कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्सरण स हुइ किसी बाव की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व म कमी करने या उत्तरी बचन में शुविधा के लिए, और/या
- (स) ए'सी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्हां भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम द: धनकर किंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना **चाहिए था छि**पाने में स्^रविभा के लिन

बन अब राक्त अधिनिसम को पारा 269-ग के बनसरण मो, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीके० एस० महा।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० पी० शहाश्रीर श्रन्य ।

(ग्रन्गरिती)

को यहस्यताबारीकरक पूर्वक्तिसम्पत्तिके वर्णन के विदे कार्यविद्यय पर करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध म कीर्ड भी अक्षेप

- (क) इस स्**ष**ि के राजपत्र में प्रकाशन की **तारीय से** 4.5 दिन की अवधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचानाकी लाभील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त हाती हो, के भीतर प्योंकर व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति दवारा,
- (स) इस सूचना के राजिए अ में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबदध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास रिगियत म निए जा सकोंगे।

भ्यच्टोकरण ---इंगमी प्रयक्त सन्दों और पदा का, के अधिनयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित ही, बहां अर्थहण्या जो उस अभ्याय मादिया बया 😤 🖫

भ्रनुसूची

पर्नेट न० ३२३ चा. ३री मजिल, ब्रजेश स्रपार्टमटम भाद्रन नगर राष्ट्र, शादिवली (१०) बम्बई-४७७ में स्थित है। अनुमुची जैसा 🕃 ऋ० स० अई०-भ/37-ई० ई०/15730 84-85 और जो रक्षम प्राधि परी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड निया गया है।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायः र प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेत-4, बम्बई

दिनाक 7--11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-- - -

(া) थी जी० ए५० कठारी।

(अस्तरः)

(2) श्रीमनी एम० मी० पारेखा।

(म्रनारिती)

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-कि (1) के अधीय मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायकः आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंड-4, बम्बई

बम्बई, दिनांग ७ भवस्वर 1985

निर्देश मं० ग्रई०--4/37--ई० ई०/15948/84--85--- प्रत म.से, लक्ष्मण दाय,

णायकए अधिरियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का अधीर सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का अधीर सक्षम प्राधिकारी का वह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर संपीत जिसका उचित वाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
श्रीर जिसकी सं० फ्लैट न० बी--15/ए, जो, य्याम रारजीन
संयुरादास रोड, लांदिवली (प०), बम्बई--67 में स्थित हैं
(श्रीर इससे उपावद सनुमुची में ख्रीर पूर्ण क्य से विणत है), श्रीर जिसना "रारनासा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 26 व. ख के श्रधीन, बम्बई स्थित स्थम प्राधिवारों के कार्यालय म रजीस्ट्री है, दिनाल । सार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उिचत बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक्त (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उथ्देच्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीर कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एँसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा एकर नहीं किया गरा था या किया जाता किहा था, कियाने में सर्विश के लिए;

अतः अलः, उदन अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, भैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधास (1) के अधीन. दिस्तिनियन व्यक्तियों, अर्थात :-- को यह सूचना जारी करके प्यांकित सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

जकत संपत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्राक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ध्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के बन्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं ० बी-15/ $^{\text{II}}$, जो, ग्याम संग्जीत, सथुगदास रोष्ट कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रम् मुची जैसा कि कि नं सं अई० मां/37-ई० ई०/15948/ 84-85 श्रीर जो नक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनां। 1-3-1985 को रजीस्टर्ड िया गया है।

> लक्ष्मण दास. सञ्जस प्राधिकारी. सहायः ब्राय प प्रायुक्त (निरीक्षण). स्रतीत रेंग- 4. बस्बई

दिनां क्र. 7-11-1985 माहर. The state of the s

12. 218 17. 24 C: ----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 200-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रें:ं-4, बम्बई

बम्बई, दिनांद 7 नवम्वर 1985

निर्देश सं० ग्रई०-4/37-ई० ई०/15802/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्कारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, जिसका उचित बाबार मृन्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

ग्रोर जिसकी सं० फ्लंट नं० 4सी/402, जो, 4थी मंजिल, सी-विंग, पारस नगर, शंकर लेन, ांदिवली (प०), बम्बई-67 म स्थित है), ग्रोर इससे उपाबद प्रनुसुची में ग्रीर पूर्ण रूप में विजित है), ग्रोर जिसका करारनामा आयार अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन बर्मोई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान शितफन के निए अंतरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उचके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रक्ष प्रतिकात अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय प्राया नया इविक्का, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुइं किसी काय की बाबत, अवस् सिंपिनियम की बधीन कर दोनें के बन्तरक के दादित्य में कमी करने या तमने बचने को सुविधा के किए; अन्न/या
- ाष) एसी किसी बाय या । कसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-का अधिनियम, 1922 (1922 का 11) टा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रावनार्थ अन्तिर्श द्वारा प्रकट नहीं किया गया धर्या किया जा को किया जा किया के निए;

अत शब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर निम्नीयोशन राजियकों ख्यान — (1) श्रीः डी० डी० वडगामा ।

(अन्तरः)

(2) श्रीमती पी० एल० गांधी ग्रीर ग्रन्य।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वांक्त सम्पृत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हुं:

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :-- +

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की सदिध, को भी अवधि काद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्क व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तााक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्दीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 4सी/402, जो, 4थी मंजिल, सी-विंग, पारम नगर, जंदर लेन, पोदिवली (प०), बम्बई- 67 म स्थित है।

श्रनुसुची जैसा ि क० सं० श्रई०-4/37-ई० ई०/15802/ 84-85 श्रौर जो स्क्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड वियागया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी महत्यक श्रायकर स्रायुक्त (निराक्षण) स्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड

दिनांद : 7-11-1985

इक्स बाहें. टी. एन. एव.------

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के क्षीन स्वना

भारत करकार

कार्यालय, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4. बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवस्वर 1985

निर्दोष सं० श्र**६०- 4/37-ई० ई०/15857/84-85--**श्रतः

मुझे, लक्ष्मण दास,

अ।यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उषिद वाजार मुख्य 1,00,000/- रतः से **अधिक ह**ै

भ्रीय जिसकी संव फ्लैट नंव बी-106, जो, 1श्री मंजिल, शांता न्नापर्टमेटस, 369-सी, एस० वी० रोड, क्वा<mark>दिवसी (प०)</mark>, **ध**म्बर्ध- 67 में स्थित है (श्रीर इससे उपा**बद श्रनुसूची** में श्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), और िसदा वारासामा आयदार श्रिक्तियम 1961 की धारा 269 वा, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्व से कम को अवसान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उतके कायमान प्रतिफुल से, एसे कायमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नति**चित उद्वोदय से उक्तः बन्तरण** लिखित में वास्तब्कि रूप से किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी अगय को बाब्त, उक्त अभिनियम के प्रधीन कर दोने के खतरक की दायित्य में कभी करने या उससे बचने में स्विधा क भिए: भौर/या
- (स) एोसी किसी अगय या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्ही भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) से उत्तर प्रीयनियम, या वन-कर अ्बिनियम, 1957 (1957 का 27) 🕏 नारक्षभ शत्रिक्ती दुवारा शक्यट न**ही किया गया** का या किया जाना चाहिए का, छिपान में सजिधा श्रं लिए.

वतः ⊪व, उक्त व्रधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) 🕏 सभीन निम्नलिबित व्यक्तियाँ, वर्षात 🚁

70-376 GI/85

(1) मेसर्स सम्प्राट बिल्डर्स ।

(अन्तरकः)

(2) मेसर्स टिना स्टिल्म ।

(अन्तरिती)

को यह सुचना चार्री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति, के वर्जन के सिए। कार्यवाहियां करता 🚛 ।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ सूचनाकी तामील से 30 दिन की श्वधि, सो बर्वाध बाद में दमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्द व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ब) इस स्वना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 विन् को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुक किसी जन्य व्यक्तिः द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित ये किए वासकों गे।

कि भिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अप्याय में विया गया है।

अनुसुची

फ्लैट नं ० बी- 106, जो, 1ली में जिल, शांता श्रपार्टमेंटस, 369-सी, एस० वी० रोड़, कादिवली (प०), बम्बई-67 स्थित है।

श्रनमुची जैसा ित कर संर ग्रई०-4/37-ई० ई०/15857/ 84-85 ग्रीर जो सक्षम प्राधि गरी बम्बई ढारा दिनां। 1-- 3- 1985 को रजीस्टर्ड िया गया है।

> नवमण दास, नक्षम प्रान्धि भारी, सहायदः प्रायकर प्राप्तकत (निरीक्षण), श्रार्जन रेंज-4, बम्बई

दनां : 7-11-1985

माहर :

मुल्ल बाइ'. टी. एत. एस. -------

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

भारत सुरुकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्देशक)

श्रर्जन रेंच-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० थ्रा॰- 4/37-ई॰ ई॰/15855/884-85---भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि: स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. में अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० बी-206, जो, 2री मंजिल, णांना प्रपार्टमेंटस, 369 सी, एस० बी० रोड़, गांदिवली (प०), बस्बई-67 में स्थित है (श्रीर इससे उपाधक श्रनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रामकर श्रीध-नियम 1961 की धारा 264 के, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय म रजीस्ट्री है, दनांक 1 मार्च 1985

करं पूर्वोक्त सम्परित के उनिस्य बाबार मुख्य से कम के व्यवमान प्रतिकास के लिए अन्तरित के गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित आजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे व्ययमान प्रतिफल का उन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और जंतरिती (अंतिजितियों) के बीच ऐसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रति-कस निम्नलिबित उद्देश्य से जक्त अन्तरण सिबित में वास्तविक क्य से किथन नहीं किया गया है "——

- (क) बन्तरण संह्र्य किसी बाय की बाबत उक्त बाध नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करमें या उससे बचने में मुविधा के लिए शौर/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्ही भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में समिधा खै सिए;

जतः वच, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्त व्यक्तियों, अधीत:—— (1) मेसर्स सम्प्राट बिल्डर्स ।

(धन्तरकः)

(2) मेसर्स टीना स्टील्स ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के अर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हूं।

डक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेपः—्र

- (क) इस सूचना के राजपच में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी स्पादितयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वनिध, यो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास सिवित में किए जा सक्तरी

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, पर उन्हरू अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, तहीं सर्थ होगा जा उस अध्याय है दिया नगर हो।

अम्स्ची

फ्लैंट नं० बी- 206, जो 2री मंजिल, शांसा ग्रपार्टमेंटम, 369-सी, एस० वी० रोड़, कांदिवली (प०), बम्बई-67 स्थित है।

ग्रनुसुची जैसा कि कर संश्र प्रई०-4/37-ई० ई०/15855/84- 85 श्रौर जो सक्षम प्राधकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-4, बस्बर्ष

दिनांक: 7-11-1985

प्रकृत बाही हो। एवं, एवं, स्टब्स्स्टन्स

- .ac. 7.ac. - .a) **-1**

नावकाः निवित्यन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नधीन सूचना

शारत बहुकार

कार्यात्रव, रहावक वावकर वाव्यतः (विरक्षिक्)

श्रर्जन रेंज--4, बम्बई

बम्बई, ।दनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ऋ६०-4/37—६० ६०/15854/84-85→-ऋत: मुझे, लक्ष्मण दास

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इक्सें इक्सें प्रकास 'उक्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारत 269-व के अभीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कार्ज हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित यावार सम्पत्ति, जिसका उजित यावार सम्ब

और जिसकी सं फ्लैट नं बी-205, जो, 2री मंजिल, शा अपार्टमट, 369 - सी, एस० बी० रोड़, बांदिवली प०), बम्बई-67 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुची मे और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारतम्म आयार प्रधिनियम 1961 की धार 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित मक्षम प्राधिकारी के क.योलिय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1985

- हैं क्रिक्ट के हर्द किसी काद की काव्छ क्या प्रीपिश्व की संपीत कर दोने के क्याइक की वाधिस्त में कभी करने था उससे ब्यन्ते भी सुनिधा के लिए, बॉर√या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्छ विधिनयम, का बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्द्रीरती स्वारा प्रकट नहीं किया बना वा किया जाना चाहिए था किनाने में सुविधा के स्विद्ध;

बक्कः सब, अस्त समिनियम की पारा 269-न के समुखरण क्षेत्र में अस्त समिनियम की पास 269-म की स्पेशाहा (1) के समीत, निम्तीसीयत म्योग्सियों, समीद रूप (1) मेसर्स सम्राट बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

(2) मेसर्स टीन, स्टील्स ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्चन के जिल्ल कार्यनाहियां एक करता हुं।

इक्त इम्मरित के वर्षन के बम्बरूप वॉ कोई भी बाजोप :----

- (क) इस ब्यान के राज्यक् में प्रकाशन की तारीय वें 45 दिन की श्रवीय वा उत्तालन्यी व्यक्तियों वर्ड भूवना की श्रावीय वे 30 दिन की नविभ, को भी अमृति बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बवास:
- (थ) इस अथना के समप्त में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्परित के उत्वर्ध विकास अध्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के नास लिखित में किए जा सकती।

स्पच्चीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, दहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

प्रमुखी

फ्लैंट नं2 बी-205, जो, 2री मंजिल, शांत. श्रपार्टमेंट, 369-सी, एस० बी० रोड, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसुची जैस. कि कि के पर्छ -4/37-ई० ई०/15854/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-4, बम्ब**र्ध**

दिनांक: 7-11-1985

प्रकल बाह्र टी एम एस. -----

भागकर विधितियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) वे अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्थांसय, सहायत्र आयकर आयक्त (निरीक्सण)

प्रार्जन रेंज-4. बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निर्देण सं० भ्रई०-4/37-ई० ई०/15766/84-85--श्रस: म झे, लक्ष्मण दास

बायकर अधिनियम, 1961 '1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क ते अधीन स*ा*म प्रा²ध Sारी को , यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पः त , जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

भ्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० बी-105, जो. 1ली मंजिल, णांता श्रापटंमेंटस, ३६९-सी, एस० वी० रोड, ांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इनमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण ह्प े वर्णित है), ग्रौर जिसका क्षारनामा ज्ञायकर ब्रधि-नियम 1961 की धारा 269 ः, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनाक 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाबार भूरम ते कर के उसमान प्रतिफंश के लिए अंतरित की गई हैं भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वीयत सम्बद्धि के उचित बाजार भूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे । हर रान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से सथिक हैं और संत के (सं्रकों) बीर संतरिकी (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया। प्रतिकत, निम्नलि**चित ज'ंदन दे जनत संन्तरण जिल्हि** में वास्त्विक रूप से कथिश नहीं किया गंधा है ए---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससं बचने में सविधा के लिए; और/या 🕝
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह^र भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) मेसर्स सम्बाट बिल्डर्स ।

(ग्रन्तर ह)

(2) मेमर्म टीना स्टीरुस ।

(ग्रन्सिरती)

को यह सूचना जा ौ करके पर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के श्रिष्ट कार्यवाहिमां क रहा हूरी।

उक्त सम्पत्ति है वर्षन के संबंध में कोई भी बाओप—

- (क) इस सूचना के राजपच में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की तारील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में र एप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दवाररा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक में।

स्पथ्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिनियम के ए याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ है ना जो उस अध्याय में विया मया हुँ।

फ्लैट र्न 2 बी - 105, जो, 1ली मंजिल, शांता ब्रयार्टमेंटस. 369-सी, एस० बी० रोड़, ांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा ५िः ऋ० सं० श्रई० -4/37-ई० ई०/15766/ 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधि : री बम्बई द्वारा दिनांक 1- 3- 1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दान् सक्षम प्राधि हारी. सहायक आयहर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंन-4 बम्बई

दिनांक: 7-11-1985

प्रकप नार्चं . ही . एन . एक . ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत संदुखार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निर्दाक्तण)

श्चर्णन रेशं-4, बम्बई बम्बई, दिनौँ 7 नवम्बर 1985

निर्देश स० अई०-4/37-ई० ई०/15850/84-85--श्रतः मुझे, लक्ष्मण दाम

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिल्ली में पलैंट ने बी-305, जो, 3री मजिल, शता अनिहेंने, 369-मी, एप० बी० रोड, मैंदिबली (प०) बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध अन्भूची में श्रीर पूर्ण इप से बिलित हैं), श्रीर जिस्ता राग्नामा श्रीय र श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 , ख के श्रधीन, बम्बई स्थित लक्षम पाधि गरी के गर्यालय में रजीस्ट्री हैं, दिनौं 1 मार्च 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित शाकार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पासा गया प्रति-कस निम्नलिसित उद्देष्य से उच्का संतरण कि सित् में वास्त्रिक क्य से कथित नहीं कि वा नदा है हु---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आग की बाबत, उक्त विधिनयन में बधीन कर दोने के बन्तरक के दियत्व में कभी करने या उससे वचने में शृविधा के तिए; श्रीर/शा
- (थ) एसी किसी लाग या किसी भन वा अन्य वास्तिवाँ को, चिन्हुं भारतीय लाग-कर लिभनियस, 1922 (1922 का 11) या उक्त लिभनियस, या भन-कर लिभिनयस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः स्था, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अवृत्ररण माँ, मीं, अक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित कारिकाणों, अधीतः ? - (1) मेमर्स सम्बाट विल्डमं ।

(श्रन्तरक)

(2) मेनमं टीना स्टील्म ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षण :---

- (क) इस सूचना के राचपत्र में प्रकाशम की तारीय धं 45 विन की जनीय या तत्सम्बन्धी स्थितत्यों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी सब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से सिसी स्थितत द्वारा,
- (क) इस ब्यान में राजपण में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध फिसी जन्म व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताकरी के पाथ लिखित में किस वा सकतें।

स्पत्त्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त वक्तों और वक्तों का, वो उक्क विभिन्नियम देशस्थात 20 कार्म परिशावित ही, बही अर्थ होगा, को उस अध्यास में दिया गया ही।

अनुसूची

पलैट न० बी -305, जो, उरी भजिल, धाँना श्रपार्टमेटस, 369-मी, एस० बी० रोड, धाँदिवली (प०), बम्बई- 67 मे स्थित है।

श्रन्सूची जैसा कि करु सरु श्राई०-4/37-ई० ई०/15850/84-85 और जो सक्षम प्राधिशारी बस्बई द्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, गक्षम प्राधि गरी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज--4, बम्ब**ई**

<mark>दिनौ</mark>क : 7~11—1985 मोहर प्ररूप बार्ड, दी. एन. एस.,=-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अभीन स्वना

भारत सरकार कार्यालया, सहायक आमकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौं र 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० ग्रई०-4/37-ई० ई०/15768/84-85--- मतः मृक्षे, लक्ष्मण दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्रधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजिन्न बाजार मूल्ब 1..00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० पलैक नं० बी-306, जो, 3री मंजिला, भांता अपार्टमेंटस, 369-मी० एम० वी० रोड़, कांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधि-नियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल का पन्दृद्ध प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिक उच्चेस्य से उस्त अन्तरण निष्टित में बास्तिक रूप से किया नया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की धावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) भा जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जें, जें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) कें अधीन, निस्तिचित व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) मेसर्स सम्प्राट बिल्डर्स ।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स टीना स्टील्य ।

(अन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप उ--- -

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी **व** 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शक लिकित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त कान्यों और पर्वो का, जो उनव अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिवादिक हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में दिसा गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट नं० बी-306, जो, 3री मंजिल, शांता भ्रपार्टमेंटस, 369 \sim सी, एस० बी० रोड़, हांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि फ्र० मं० अर्ह० -4/37 -ई० ई०/15768/84 -85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायूक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनाक: 7-11-1985

प्ररूप आहर्र. टी. एम. एस. -----

बावकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व् (1) के वधीन सुपना

भारत सरकार

कार्धांसय, सहायक नायकर नायुक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां १ 7 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० श्रई०-4/37-ईई/15953/84-85---मनः मक्षे, लक्ष्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा नवा ही), की वारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण ही कि स्थापर सम्पत्ति, विसका उणित वाबार मून्य, 1.00,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी सं० ब्लॉफ नं० बी--001, जो, पारस नगर, शॉफ शंकर लेन, वालनाय (ग्रोलेंम), रांदिवली (प०), बम्बई-67 में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), श्रीर जिलका करारनामा आवकर श्रिवित्यम 1961 की धारा 269 रु, ख के श्रिवीन, बम्बई स्थित सक्षम श्रीधकारी के कार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनांक 1 मार्च 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इब्यमान श्रीतफ के सिए बंतरित की गई है और बुको यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बूक्य, उसके श्रयमान श्रीतफ के से, एते अवसान प्रतिफ का बन्बह प्रतिशत से अधिक हैं और मन्तरक (जन्तरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के निय तय पाया गया प्रतिफ के निम्निकित उक्षेष्य से स्वतं बन्तरण निचित के गम्स्विक क्य में क्रीयत नहीं किया नवा है:--

- (क) बन्तरण संहुई विक्री बाब की दाव्या, खबर अधिनियम के वधीन कर दोने के बन्तरण के श्रीतरण में क्यी करने या उत्तते तथने में सुविधा वे किस्; श्रीहर/मा
- (थ) ऐसी किसी जान वा किसी धन या जन्म जास्तिनों की, जिन्हें भारतीय जाय-कर जिधिनिजन, 1922 (1922 का 11) या उनत जीधिनिजन, वा धन-कर जीधिनिजन, वा धन-कर जीधिनिजन, वा धन-कर जीधिनिजम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोदनार्थ जन्मिति ब्वारा प्रकट नहीं किया नना था वा किया बाना चाहिए था, जिनाने हो स्विधा के निए;

ब्रतः क्रमः, उक्त किंपिनियम की भाग 269-ग के अनुसरण वे, में, उक्त किंपिनियम की भाग 260-व की उपभारा /1\ के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री बी० ए० मेहता।

(अन्सरका)

(2) श्री क्टटीयेली धवाहम जोनेफ।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के कर्षन के सम्बन्ध में कोड़े बासीय :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 बिन की अंबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अंबीध, जो भी अंबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षारी के पास सिचित में किए वा सकोंचे।

स्वक्षीकरण : इसमें प्रयुक्त सक्यों और पत्तों का, जो उक्त जीभीनयज के जभाग 20-क में पी।भाषित हैं, वहीं अर्च होना जो उस जभाग में दिया वजा है।

द्यापंची

क्लॉ हः नं० बी-001, जो, पारम नगर, आफ गंकर छेन, वालनाथ (श्रोलेंग), कांदिवली (प०), बम्बई -67 में स्थित है। अनुसुखी जैमा कि ऋ० मं० ग्रई०--4/37--ईई/15953/ 84-85 श्रीर जो भक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 1-3-1985 को रजीस्टई किया गया है।

> नक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजीन रेंज-4, बम्बर्ड

दिनो :: 7-11-1985

प्रकृष कार्ष टी एन एस

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत तरकार

कार्याक्षम, सहायक जामकार बायुक्त (निर्द्रोक्षक)

श्रर्जन रेज-4, सम्बर्ध

बम्बई, दिनां . 7 नवम्बर 1985

निर्देश मं० श्रई०--4/37--ई० ई०/15603/84--85----श्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

मायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- रा. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं जमीन ा हिस्सा, जिसका सर्वे नं 87-ए श्रीर 88 (श्रभ) श्रीर सर्वे नं 13 (श्रभ), श्राकुली, कांदिवली (पूर्व), बम्बई-101 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थिन सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय में रजीस्ट्री है, दिनां र 1 मार्च 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के क्षयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह निक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्षयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिकित े बास्तिविक रूप से कथित गई किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आया की बाबत, उक्त गणित्यम के बधीन कर दोने के अन्तरक के कार्यिक में कभी करने या उसमें बचने में मूजि के लिए और/बा
- (का) ऐसी किसी बाय मा किसी धन मा बन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए.

कतः क्या, उकत वीधीनयम की धारा 269-ग के बनुतरण में, वें बकत वीधीनतम की धारा 269-म की उपधारा (1) के बधीन, निस्तिलिक व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) बाम्बे आव-एक ह मंडली।

(भ्रत्यक)

(2) लोखंडवाला । स्ट्रूकान इडस्ट्रिज लिमिटेड । (यह स्ति)

को वह बूचना नारी करके पूर्वांक्स सम्परित के अर्थन के किय कार्यवाहियां एक करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के गांस सिक्ति में किए वा सकेंगे।

स्वयासिकारण:----इसमें प्रयास ताव्यों और पत्तों का, जो जनक नींभीनयम के कभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा को अभ्याय में विका पत्ता हैं।

वन्स्वी

जमीन का हिस्सा, जिसका सर्वे नं 87-ए श्रीर 88 (श्रंभा) श्रीर सर्वे नं 13 (श्रंभ), श्राकुर्ली, दिवली (पूर्व), बम्बई--101 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि क० सं० अई०-4/37-ई० ई०/15603/ 84-85 और जो पक्षम प्राधिनारी यस्बई दाग दिनांक 1-3-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> सक्ष्मण दास, सक्षम प्राधि तरी, सहायक भ्राय पर भ्रायूव (निरीक्षण), ग्रजन रेग-३ वस्वई

दिनाक: 7-11-1985

प्ररूप अत्रक्षं.टी. एव. एव. -------

ब्रायकर लिधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के जभीन सूचना

भारत परकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 4, सम्बई

बम्बई, दिनाँक 5 नवम्बर 1985

निर्देश मं० ग्रई-4-37 ईई 15641 84-85—ग्रान: मुझे लक्ष्मण दास,

जनकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके बरुवाद् 'अवस मिथिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के जभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर अध्यसि, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० दुकान नं० 15, जो, तल माला, रोमारीओ अपार्टमेन्टस, एक्सार, बोरिवली (प), बम्बई में स्थित है (श्रौर इमसे उपाश्रव अनुसूची सें श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 के, खे के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमाम प्रतिकत के लिए बन्तरित की गई है और मुभे यह विष्धात मारने का कारण है कि मधापुर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिकत से, एसे ध्रयमान प्रतिकत का बन्द्र प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्वेद्धी (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पामा गमा अधिकत, निष्नितियों उद्वेदम से उक्त अन्तरण लिखित में क्ष्यक्षिक रूच ते किथित नहीं सिक्या गया है :---

- (क) अंतरक से हुई किसी बाय ो बाबत, उक्त आधि-निवस के अधीन कर दोने के जंतरक के दायित्य ये कनी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (थ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्थ अस्तियाँ का जिल्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपल अधिनियम, साधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाचनार्थ अंतरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिनाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बनुसरण ने, भी, उक्षम अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधित निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात क्ष्मा 71 —376 GI/85 (1) नारी मताय

(श्रन्तरक)

(2) श्री ए० मी० मिरौंडा

(भ्रन्तिरती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहिया शुरू करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 किन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की लामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाचा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियां;
- (च) इस मुचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीब से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, खो उक्त अधि-नियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

दुकान नं 15, नल माला, रोसारीश्रो श्रपार्टमेंटस, एम्सार, बोरिवली (९), बम्बई में स्थित है।

भ्रमुसूची जैसा कि कि० सं० श्रई 4 37 ईई 15651 84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारादिनौंक 1 3 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण स्रर्जन रेंज 4, बम्बई

दिनौंक : 5-11-1985 मोहर प्रकथ आइ.टी.एन.एस-----

बाथकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

क्षायां जय , सहायक क्षायकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनाँक 7 नवम्बर 1985

निर्देश सं० आई 4-37-ईई 16013 84-85-शतः मुझे, लक्ष्मण धास,

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201, जो, 2री मंजिल, मोसती स्मृती, जाम्बली गल्ली, खोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (घौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) धौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1951 की धारा 269 क, खके अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधि कारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाबार सूक्य से क्षेत्र के व्यवसान लिए अभितरत की गर्द हैं मओ यह िमद्यास करम का कारण कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूच्य, उसके स्वयंगान वितिफल से, एसे क्यमान प्रतिकल के बन्द्रह प्रतिवास से अधिक हैं भौर अंतरक (अंसरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एं से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखल जब्दिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाधिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजमार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खिपान में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरक कें, कें, उक्त अधिनियमं की भारा 269-व की जयधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---- (1) श्रीए० एम० के० वोरा

(भन्तरक)

(2) श्री एम० एच० बाँद्री

(भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्थान के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी वं से 45 विन की अविधि या तत्सं वंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में फिली व्यक्ति वृद्धारा;
- (क) इस सूत्रका के राज्यन में प्रकाकन की तारींक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संवत्ति में हित्तबद्ध किसी जन्म क्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के बास लिकित में किए जा सकींगे।

स्यन्तिकरणः --- इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, विश्वों अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

पलैट नं ० 201, जो, 2री मंजिल, मोमती स्मृती, जाम्बली मल्ली, बोरिबली (प), बम्बई- 92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कल्सं अई-4 37-ईई/16013/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशोंक 1-3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- 4, बम्बर्ड

दिनौंक: 7-11-1985

प्रकृप बर्क्ड टी. एम. एस. - - -

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-भ (1) के अभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्तण) प्रार्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई- 4/37-ईई/15550/84-85—श्रतः मुझे लक्ष्मण दाम,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विष्याप करने का कारण है कि स्थानर संस्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, णालोम ग्रुपार्टमेंन्ट्स, ग्राय० मी० कालनी, एक्सार, प्लाट नं० 10, सर्व नं० 160, एघ० नं० 2ए, बोरिवली, बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची से ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीविनयम 1961 को धारा 269 क, ख के ग्रधोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यास्य में रजिस्ट्री है, नारीख 1-3-1985

को प्वोंक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

»प्रतिषक्त के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

कारों का फारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

मृक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरका) और

कन्द्रिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तब
पावा गया प्रतिक्तम, निम्निसित उद्वदेय से उक्त अन्तरक
निस्थित में वास्तीयक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की गायतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के ग्रियित्व में कमी करने मा उससे अधने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आध-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने मा मृत्यिभा के लिए:

भतः अस, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन, --

(1) मैसर्स हेमा बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

(2) न्नी सुरेन्द्र एस० मेहरा

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वाम धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यमाहियां मुक करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी अधिप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 विण की नविध या तत्स्र मन्त्री व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की सबिध, को भी नविध कांच में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीखंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हिसबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के साथ क्वित में किस का मिला का स्थाप ।

ल्याक्वीकरणः ——इसमें प्रयक्त शब्दों कीर पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविष्ट हों, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिस भवा हैं।

नन्स् ची

फ्लैंट नं० 1, जो, 1ली मंजिल, शालोम अपार्टसेंटस, श्राय० सी० कालनी, एक्सार, प्लाट नं० 10, सर्वे नं० 160, एच० नं० 2ए, बोरिवली, बम्बई-92 में स्थित है।

भ्रानुस्ची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई- 4/37-ईई/15550/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण वास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनौंक: 4-11-1985

मोहरः

प्रकप शाहे . टर्र . एन . एस . -----

शायकर सिप्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन स्वना

हारुव बरकार

कार्यास्य, सहायक जायकर बाव्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- 4, बम्बई

बम्बई, विनांक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० अई-4/37-ईई/15556/84-85---ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्हा अभिनियम' कहा गया हैं), का धारा 269-स के अभीन सकाब शामिकारी को, यह विज्ञार करने का कारण हैं कि स्थान स्थाति, जिसका स्वित्व बाजार मूल्य 1,00,000/- कः से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 13, 14 ग्रीर 15, जो, "रघुवंशी ग्रपार्टसेंट" सर्वे नं० 80, चंदावरकर रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), श्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उपित बाबार मूल्य से कम के क्यामान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उपित बलार मूल्य, उसके क्याबाच प्रतिकास हो, होसे क्यामान प्रतिकल का क्याह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंबरकों) और अंबरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच होसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्नसिखित उद्देश्य से उपल अन्तरण सिर्वित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है हि—

- (5) बन्तरण संहुई किया नाय की बाबत, अक्त विभिन्नियम के वधीन कार दोने के बन्तरक के दायित्म में कवी करने या जससे बचने में सुधिक्षा विकास
- (क) एसी किसी अब ना किसी भन वा बन्य नास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर निर्धानयमं, 1922 (1922 का 11) या उपल निर्धानयमं, या भन-कर निर्धानयमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में मृतिक्रधा के जिन्ह;

अतः अवः, जक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भे, मैं, जक्त अधिनियम की भारा 269-घ वी उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :-- (1) श्री महेंब्र चुनीलाल जोशी

(भ्रन्तरक)

(2) श्री मुनील महेंद्र जोशी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

वंक्य तंपित् के वर्णन के तंबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस ब्रुचना के राज्यत्र में प्रकाबन की बारीच के 45 दिन की अविधि या तत्वं बंधी व्यक्तियों पर त्यान की सामीज ने 30 दिन की अविधि, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के शीलर पृवेदित व्यक्तियों में से निक्की व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस त्वमा के राज्यका में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्मत्ति में दिसा-मब्भ निजी जन्म व्यक्ति इमारा सभोड्डकाकरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

भ्यष्टीकरणः --- इसमे प्रयुक्त कट्यां और पश्चां का, जो उक्क अधिनियम के अध्यात 20-क में व्हेरभाषिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यस है।

धनुसूचा

प्लाट न० 13, 14 श्रीर 15, जो, "रघुवंशी श्रयार्टमेंटॅस, सर्वे नं० 80, चंदावरकर रोड, बोग्यिली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि अ० सं० अई-4/37 ईई 15556/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनौंक: 6-11-1985

क्षण बाह्रे ही : प्रान्त स्वाह सन्तर

नावकर मीधीनवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-स (1) के मधीन सुक्ता

भारत सरकार

कार्याक्रम, सहायक कामकर काम्युक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंग-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० ऋई-4/37-ईई/15568/84-85---भ्रतः मुझे लक्ष्मण दास

आमकर अभिनियस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट न० 302, जी. 3री मजिल. वेस्ट प्रवहत्यू, होली काप रोड, श्राई० सी० वालनी, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 ज. ख के श्रधीन, बम्बई म्थित सक्षम प्राधितारी के जार्यालय में रिकस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वे क्ल समारा के रिचत बाजार मुख्य स कम के दरयमान शितफल के लिए अंतरित की गई है बार मुक्य स कम के दरयमान शितफल के लिए अंतरित की गई है बार मुक्य सहातार मन्य का कारण है कि स्थापर्वेक्त सम्पत्ति का उपित साजार मन्य .

को प्रवेक्ति सम्पोरा को राचित नाजार मृत्य स कम की दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित साजार सून्य, उन्हम्ने देशस्यान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिमत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) को सीच एसे अंतरण के लिए तय पासा प्रसा प्रतिमत, निम्लिखित उव्वोध्य से उक्त अंतरण निवित्त में सास्तिसक क्य से किशत नहीं किया गया है:---

- (च करारण मं हुई किसी आय की बाबत, उक्त 'ऑ'र्रान्यम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वानित्व में कमी करने या उससे बचाने में तृषिधा के सिए; और/या
- (च) एसी किसी बाय या किसी धन वा बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्द विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनयम, या धनकर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जतः जंग, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग्य के जनुसरण में, में, उक्त निर्भागयम की भारा 269-श्य की उपधारा (1) के अभीन . निम्निसिश्वस व्यक्तियमां, संबंदा — (1) मैसर्स एल० एन० टी० इंटरप्राईज

(भन्तरक)

(2) श्री थॉमस बी० एन० डिमेली

(मन्तरिती)

को यह सूचना थारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को वर्जन को संबंध में कार्ड भी बालांप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा:
- (च) इस सूचना के खंचपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उज्जब स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध चिन्नी कम्य व्यक्ति इवार्य अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिन्न गमा है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 302, जो, 3री मंजिल, वेस्ट श्रव्हत्यू, होलीं कॉम रोड, श्राई० सी० कॉलनी, बोग्चिली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क० सं० श्रई-4/37-ईई/15568/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-4, थम्बई

दिनांक : 5-11-1985 मोहर : प्रकार आहे. दहे. एवं , एड प्रकारकारण

बायकार वर्धभीवसव, 1961 (1981 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्वना

मारत सरकार कार्याजन, बहायकं नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 5 नथम्बर, 1985

निदेश सं० ग्रई-4/37-ईई/15646/84-85--- ग्रतः म्झे, लक्ष्मण दास

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इक्से इतके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की भरप 269-वाके जभीन सक्षत्र प्राधिकक्रकरी को यह विश्वास करने का क्यरण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित नाबार मन्त्र 1,00,009 /-रः. से अधिक है

ओ : ि । ही पंज पत्रैट नंज 310, जो, 3री मंजिल, 59/60, याति नगर, एकतर रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (ओर इन के उपाबद्ध भनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है), और जिल्ला परारतामा प्रायक्तर प्रधिनियम 1961 की धारा 269 इ. ख के अधीत, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिशारी के टार्यालय में रिकस्ट्रो है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मुख्य से कम के पश्यमान प्रविक्रम के लिए अंतरिय की गई है और मुक्के वह विक्रमान करने का कारण है कि वभाप्कॉक्त सम्मत्ति का अहैचड वाबार भूरव, बासके वरद्शाल प्रतिकास से, एते वक्सवान प्रश्तिकार का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिसी (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तच क्ल्म कवा प्रतिकास, सिम्मलि**चित्र उद्धारेण से एक्स सम्बद्धाः विश्वचित्र** से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है है-

- (क) बंतरण से हुन्दे किसी जाय की वाजक, उक्छ. निविद्या के भूगीय कर देने के नंबर्क के शामित्य में कमी करने या उससे बचने में सविश्रा के सिंह; वरि/या
- (स) एसी किसी बाद वा किसी भूग या शब्द कारिस्टर्सी को, जिन्हीं भारतीय आयकर अप्रधानयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मीमिनयम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अंतरिली दुवारा प्रकट नही किया भवा था का किया जाना वाहिए था, क्रियाने में सविधा के लिए:

वर्षः वयः, उक्त वरिशीवयमं की भारा 269-ग के बनस्रकः , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (†) है बभीय: निम्नक्तिक्त व्यक्तियों: वदौत् s—

- (1) श्री नवरतनमल सुराना---मास्टर ग्रमीत कुमार एन० भुराना के पालक (भन्तरक)
- (2) श्री सुबराष बालकृष्णा कैलाजे और प्रन्य (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के किए कार्यवाहिकां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के सर्वन के तत्वरथ में केंद्र भी मानोप :---

- (क) इत त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब बे 45 दिन की अविभिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ दर बुचना की बाबील से 30 दिन की अमिन, को भी जबीय बहर में समाप्त होती हो, के भौतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस बुचना के राजनत में प्रकासन की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विक-बबुध किसी अन्य व्यक्ति दुवारा वधोहस्ताक्षरी के पाच लिचित में दिये वा सकते।

स्पव्यक्तिरण:---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुति अर्थ होता, जो उस अध्याय में विका **गया ह**ै।

यनुष्यी

फ्लैंट नं० 310, जो, 3री मंजिल, 59/60, यांगी नगर, एक्सार रोड, बारिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क० सं० अई-4/37-ईई/15646/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बम्बई

दिसांक : 5-11-1985

मोहर '

प्रकप बाइं, टी. एन. एस. -----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना भारत सरकार

अधर्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निर्दाक्षण)

म्रज्न रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर, 1985

निदण मं० प्राई-4/37-ईई/15553/84--85---प्रतः मुझे लक्ष्मण दास

नामकर निभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसमें इसमें प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, चिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से निधक है

और जिसकी सं० खुला जमीन का हिस्सा, जिसवा सी० टी० एस० नं० 59, 54, 55, 63, 69 जो व्हिलेज दिवली, तालका बोरिवली, कांदिवली, बम्बई में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध पार्श्व में और पूर्ण का ये विणित हैं), और जिसका करारनामा स्राप र गिर्जियम 1961 को धारा 269 क, ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय-में रिजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मृस्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अंसरित की गई है और मुर्से यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्स सम्पर्ति का जिस्त बाजार मृस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाय की बायत, उपक जीविनसभ को अधीन कर दोने के बल्लर्क को दायित्व मों कभी करमें या उपसे अधने मों मुकिया क नित्र, और/या
- (क) एंसी किकी बाय वा किसी धन या बन्य वास्तियों को, जिक्कों भारतीय जाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त निधिनियम, या धनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अत्तिज्ञी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाता चाहिए था, क्रियान में सुनिधा के सिए;

भतः अस, उक्त अभिनियम का भाग 269-ग के अनुसूरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री साईनाय धन्हरक्शनस

(भन्तर्यः)

(2० बन्दना प्रोपर्टीज

(ग्रन्तरिती)

को वह स्थना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जनत सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इत सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारींच वें 45 दिन की जबकि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (व) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तालीब बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा जधोहस्ताक्षरी के पाछ सिसित में किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पत्नी का, जो उक्ट अभिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

मन्स्**थी**

खुला जमीन का हिस्सा, जिसका सी० टी० एस० नं० 59, 54, 55, 63, 69, जो ब्हिले के क्षंदिवली, तालुका बोरिवली क्षंदिवली में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि सं श्रई-4/37-ईई/15553/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंस-4, बम्बई

दिनांक: 7-11-1985

मोहर

नाधकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सुचना

भारत तरकार

कर्स्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनाक 4 नवम्बर, 1985

निर्देग मं० श्रई-4/37—ईई/15604/84—85→**-श्र**तः **मुझे** लक्ष्मण दाम

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रह से अधिक हैं

और जिसकी स० जमीन का हिस्सा, जो, व्हिलेज कांदिबसी, जिएका सी० टी० एस० न० 59, 54, 55, 63 और 69, तालुका बोरिवली, आदिवली बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं), और जिसका करारनामा आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 269, क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यात्य में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को क्रयमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार शूल्य उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्ति का प्रतिफल का पन्ति प्रतिस्ति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेष्य ते उक्त अन्तरण मिक्ति में बास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गवा है है—

- (क) बन्तरण ते हुई किसी बाव की बावत, उपत बिधिनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मं कमी करने या उसमे वचने में स्विधा के लिए, बार/या
- (च) एक किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-क्कर अधिनियम, या धन-क्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ असरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था शा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए:

क्षत अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अजूबरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती विकटोरिया में इस और धन्य

(ग्रन्तर∷)

(2) श्री साईनाथ कन्म्ट्रमशन्स

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-~

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्विमत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरेंगे।

स्यख्डभिकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्स अधिनियमः, के अध्याय 20-के में परि,्र*् भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मनुसुची

जमीन का हिस्पा, जो, व्हिलेज आविष्यली, जिसका सी० टी० एम० नं० 59, 54, 55, 63 और 69, तालुङा बोरिषली, कांदिणली, बम्बई में स्थित है।

प्रमुखी जैना ि ० मं० प्रई-4/37-ईई/15604/84-485 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-3--1985 कुं रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेज-4, बस्बर्ड

दिनांक: 4-11-1985

प्रकप नार्<u>षः, स्त्रं, एन , एस , स्थाननामा</u>

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के नधीन-स्वना

मारत सरकार

कार्यालय , सहायक नायकर नायक्त (निर्दाक्षक) अर्जन रेंज ्रि. सम्बद्ध

बम्बई, दिनीक 6 नवम्बर 1985

निर्देश सं० **अई 4/37—ईई 15824/84-85—--अतः मुझे** सन्मण दास

कायकर सिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्क्स अधिनियम' कहा नया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 301, जो, सिल्बर अंक, आई० सी० कालती, बोरियली (प), बम्बई 103 में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूकी में भीर पूर्ण रूप से विणत है), भीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की भारा 269 क, खा के भाषीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्दी है, तारीखा 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्मिरित के उचित बाबार मूल्य से कम के इस्प्रमान अधिकता के सिए जन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास कुछा का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिर्त का उचित बाबार बूब्य, उसके इस्प्रमान प्रतिकत से, एसे इस्प्रमान प्रतिकत का बंदह प्रतिकत से जिथक है और जंतरक (जंतरकों) जोर अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया नया प्रतिकत, निम्नितिबित उद्देश्य से उक्त जंतरण लिखित में बास्त्रिक कप से कथित-नहीं किया प्या है है—

- (क) बन्तरण वे हुई कियी बाव की बावत, उच्छ विधिनियम के वधीना कर दोने के बन्तरक के वासित्वामी 'अमी करने वा सर्वाचे क्याने में बृधिया के विष्: बार/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्हें बारतीय अध्यक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या दि ए बाना बाहिए था, क्रियाने यें सुविधा के क्रिया

बतः बव, उक्त विधिनियम को धारा 269-ग के बनुसरम वें, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वे बधीन, निम्निविधि व्यक्तिवाँ के विधीन हे— 72—376 GI/85 (1) कन्डीस एप्ड कुंडर कन्स्ट्रमधानस

(अन्तरक)

(2) श्री स्टर्निसलर्डस राडनी लोबो

(अग्सरिती)

को यह स्वता चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति कें वर्षिक कार्यवाहियां करता है।

उन्त तंपति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाबोप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में अकावन की तारीच वें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकेष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व 'बं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-प्रवृथ किसी मन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास चिवित में किए जा सकी।

स्थाधीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का., जो 'उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में 'परिभाषित ह", वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गया हैं।

and it

पत्रैटन० 301, जो, सिल्वर प्रंक, आई०सी० कालनी, बोरिवली (प), बम्बई 103 में स्थित है।

भ्रतुस्वो जैसा कि कि बं क्याई-4-37-ईई 15824 84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 1-3-1985 को रिजिस्ट डें किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनौक: 6-11-1985

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एस. ------

बावफर बॉफिनिकेस 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय,, स्हायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 5 नवम्बर 1985

निर्देश सं ० ग्राई-4/37-ईई/15685/84-85--अत मुझे लक्ष्मण दास

जायक र जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाठ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विदवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान नं० 9, जो, तल माला, रोकडिया अपार्टमेन्टस जिसका सिटीएस न० 2459, व्हिलेज एक्सार, रोकाडिया लेन, श्रोरिवली (प), बस्बई-92 मे स्थित है (ग्रीर इसमे उपायद्व अनुसूची में ग्रीरपूर्ण रूप से वर्णित है (ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय मे रिनस्ट्री है तारीख 1-3-1985

को पूर्वो कत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दश् मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) व बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलि खित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिख्ति में बास्तिक रूप से कर्या नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण संहुई किसी आग की बाबत, उक्त नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था
- (सं) ऐसे हि किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) रोकडिया इंटरप्रायजेस

(अन्तरक)

(2) स्वतन्त्रकुमार एल० जैन श्रीर अन्य

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त संस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षर .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के रस्जपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पार में हिताक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरीं के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्यव्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त हार्वों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विस्कृ गया है।

प्रनुसुची

दुकान नं० 9, जो, सल माला, रो काडिया अपार्ट सेंट इमारत, जिसका सीटीएस नं० 2459, व्हिलेज एक्झार, रो काडिया लेन, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि ऋ०सं० अई-4/37-ईई/15686/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर द्यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन र्रेज-4, दम्बद्द

दिनौंक: 5-11-1985

मोहरः

प्रस्प नाइ^र. थी. एम. एस. -----

मार्थकर मींपनियम, 1961 (1961 का 43) की पाए। 269-म (1) के अधीन स्पना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनौक 5 नवम्बर, 1985

निर्देश सं० अई-4/37/ईई-15920 84 85→-अत: नुसा, सक्ष्मण दास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ज के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

प्रौर जिसकी सं ० पलैट नं ० ७, जो, उरी मंजिल, "प्रतिमा" मगवती हास्पीटल के सामने, एस० वी ० पटेल रोड, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है धौर इससे उपाबद्ध धनुमूची में धौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अद्योग, बम्बई स्थित सक्तम प्राधिकारों के कार्यालय में रिजिस्ट्रों है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय पाया गया विषक क्या से कवित उद्देश से अक्त बन्तरण है कि प्राप्त प्रतिक है स्था कन्तरण के लिए तय पाया गया विषक क्या से कवित उद्देश से अक्त बन्तरण है लिए के पाया गया विषक क्या से कवित वार्वों किया वार्वा के क्या से कवित वार्वों किया वार्वा के किया कर से कवित वार्वों का स्थान कर से कवित वार्वों का स्थान कर से कवित वार्वों किया वार्वें किया कर से कवित वार्वें का स्थान कर से कवित वार्वों का स्थान कर से कवित वार्वों किया वार्वें किया कर से कवित कर से कवित वार्वों का स्थान कर से कवित वार्वें का स्थान कर से कवित वार्वें का स्थान कर से कवित वार्वें का स्थान कर से कवित कर से कवित वार्वें का स्थान कर से कवित कर से कवित कर से कवित वार्वें का स्थान कर से कवित क

- (क) जनगरण से हुई किसी नाय की वाबस, उक्स मेरिनियम के जभीन कार वर्श के अन्तरक के दावित्व में कमी कर्रने या उच्चसे क्यने में सुविधा के शिष्टु: बीह्र/या
- (च) प्रोती किसी आय या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 .(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भी भी किया जिल्ला के स्वार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भी भी किया जिल्ला के स्वार्थ के सिंदा

बंद: बंब, उब्त विधित्यम, की भागू,269-व को अनुसरध में, में, उब्त अभिनियम की भारा 269-व की जेपधारा (1) वे वधीर निस्तिमित व्यक्तियाँ, बंधांत् क्र--- (1) श्री भ्रार० के० कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(अन्तरक)

(2) श्रीमती साविज्ञीपी० शर्मा श्रीर अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड़ भी जाओर :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख आ 45 दिन की अविधिया तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि जो भी अविधि साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त र्यास्तरों में सिक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (श) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ह से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्कतः में हितब सूध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा भधां हस्ताक्षरी के वास जिस्सा में किसा सार्वित में किसा सार्वित में किसा सार्वित में किसा सार्वित में

स्वव्हीकरण ---- इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्क अभिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना को उस अध्याय में विका नशा हो।

प्रनुसुची

पलैट नं० 7, जो 3री मंजिल, भगवती हास्पीटल के सामने "प्रतिमा", एस० वी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० अई-4-37-ईई 15920-84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

विनौक: 5-11-1985

प्ररूप आए. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनौंक 5 नवम्बर, 1985

निक्रण सं॰ भई-4-37-ईई-15580-84-85--अतः मुझे जन्मण वास

जाधकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं पर्लंट नं 5, जो, स्पेरी स्टार को आप हाउसिंग सोसाईटी , एक्सार रोड, ठाकुर पखाडी, बोरियली (प), बम्बई-64 सें स्थित है भीर इनते उनाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), भीर जित्रका करारतामा भ्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अबोन, बम्बई स्थित सक्तम प्राधिकारी के कार्याजय सें रजिस्ट्री है तारीख, 1-3-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उत्तर्के दृश्यमान प्रतिकल का पंद्र प्रतिकार में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्निसिंस उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिवित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा को लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्यं आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकंजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

जत: सम, उक्त मिजिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के सभीन, निम्निस्कित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

(1) श्री के० एम० पिलाई

(अन्तरक)

(2) श्री पी०ए० नारायणन

(अन्तरिती)

की यह पृथना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाश्वियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामीय से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में स्माप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पच्छीकरणः ---- इसमें प्रयुवित शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में दिशाधित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

पनु सूची

पलैट नं० 5, जो, स्पेरी, स्टारको-माप० हार्जीसगसो तायटी एकसार रोब,ठाकुर पखाडी, बोरियजी (प), बम्बई-64 अनुसूबो जैना कि ऋ० सं० अई-4/37—ईई/15580/84 85 भीर जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनौक 1-3-1985 को रजिस्टबं किया गया है,।

> लक्नग दास सञ्जम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंब-4, यस्वर्ध

विनीक: 5-11-1985

प्रकृप आई.टी.एन.एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-4, बस्बध

बम्बर्ध, विनां र 5 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं॰ अर्थ-4/37-१६/15889/84-85--- धतः मृत्ते लक्ष्म ग धास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रचार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीदिशितकी सं पर्नेट नं 201, जो, 2री मंखिल, बेस्ट धव्हेन्यू होती कौं उरेख, धाया सी वालीनी बोस्सिनी (प), बन्बई-103 में एका है (जार हाते उपाबद धनुसूनी में जीत पूर्ण कर से घोंगा है), जीर जिल्ला करार तमा धार उर धींधि उम 1061 की धारा 260 टा, ख के धवीन, बन्बई एकत सक्षम प्राधि तरी के वार्योंना में रिनिट्री है, तारीख 1-3-1065

का पूर्वाक्षत सम्पास के उम्बत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित का गई है और मुक्ते यह विद्यास करने करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उम्बत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल कित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिकत में बास्तिकक क्य से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अतरण से हुए किसी जाय की भाषत, उक्त शीधित्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य ने कभी करने या उससे बचने में सुविधा के तिए; और/या
- (वां) एंबी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर मिश्रीनयम, 1922 (1922 का 11) या उनत मिश्रीनयम, का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अधिरिती वृद्यार प्रकट नहीं किया गया वा या क्रिक बाग चाहिए था, कियाने में हविशा के सिए;

जत: जब, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ए के जनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के सभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, सर्थात् :-- (1) मैसर्स एल० एन० टी० इंटरप्राईज

(मन्तरक)

(2) श्री रेनॉस्ड बी० लेवीस और प्रन्य

(पन्तिरती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहियां करता है।

जबत सम्पत्ति को बर्जन को सम्बन्ध माँ, वनोद्दी भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारीकः ते 45 दिन को अन्दिश या तत्संबंधी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो श्री अमिश के बाद में समाप्त होती हो, के शीहर पूर्वेकाः स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूलना के राजपत्र में प्रकाशन की बादीकः इ 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्रर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा अभोहस्ताक्षत्री के पास सिकित में किए पा सकेंगे।

स्पाकीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क विभिनित्रसः, के अध्यास 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्यास में दिखा। गया है।

जन्स्ची

पलैट नं० 201, जो, 2री मंजिल, वेस्ट ध्रवहत्यू, होली कास रोड, धाई-०सी० कॉलनी, बारिवली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

पनुसूत्री जैसा कि कि सं कि इन्हें-4/37-ईहें/15889/84→85 और जो सञ्जन प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनोक 1-3-1985 को र्राक्टर्ड किया गया है।

लक्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायत पायकर पायकत (तिरीक्षण) पर्यंत रॉज-4, बम्बद्दे

दिनोतः । 5-11-1985 मोहरः प्रकप बाइं. टी., एन. एस. -----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्चना

बाइद बरका

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जें रेजे-4, अम्बर्ध

बम्बर्ध, दिनाक 5 नघम्बर, 1985

निर्देश सं॰ धई-4/37—ईरें/15567/84-85--माः मुझे, सक्ष्मण धास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की आय 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाकार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीद जिनकी सं पलैट नं 201, जो, 2री महिल, बेस्ट क्यू; होजी क्या रोड, आय० सी० वॉननी, बाी नली (प), बल्बई-103 में जिन हैं (और इन्ते उपाबद्ध अनुसूर्व में ऑर पूर्ण रूप से चॉलन हैं), और जिना करार तमा आयार अविकिम 1961 की धारा 269 व. ख के अवीन, बम्बई रियन स्थम आविकारी के कार्यान्य में रिश्ट्रि है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिज्ञात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के क्रिए; और/या
- (वा) ए'सी किसी जाय या धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27), अने प्रयोजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया धना वा किया वाना खाहिए था, खियाने यें स्थिया के सिए;

बत्तः शवः, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण भी . अनुसर्भ भी, भी, उक्त अभिनियम की भारा 269-ण की उपभाग (1) की अभीदः, निम्नलिकित व्यक्तियों, अभित् ह— (1) मैंसर्स एल० एत० टी० इटरप्राधन

(भन्तरक)

(2) श्री सिरील फरटाडो

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--- (

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 दिन की ब्रविध, वो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बृबारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच धे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिसित में किस् जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अभिनियम, के अभ्यास 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्यास में विसा

अनुसूची

पलैट नं 201, जो, 2री मजिल, वेस्ट व्ह्यू, होली काँस रोड, आय० सी० वालनी, बोरिजली (प), बम्बई-103 में स्थित है।

धनुसूत्री जैसानि ऋ० सं० धई-4/37-ईई/15567/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बईद्वारा दिनाक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड निधा गया है।

> लक्ष्मण दास े सक्षम प्राधिः गरी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-4, बम्बई

धिनोप्तः 5-11-1985 मोहरः

प्रकृप मार्च हो हुन्। पुर्व :======

भागकर विधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के बधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासम्, सहायक जायकर जायुक्त (हिन्द्रीक्रण)

प्रजेन रेंज-4, बम्बर्ध

बमबर्ध, दिनां छ 5 नवम्बर 1985

निर्वेश सं० अ६-4/37-६६/15821/84-85---श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्वातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और निक्की सं पर्नेष्ट ं 23, जो, बी-विंग, राजमणि को-श्रांति क्षांजीं ते संदेशे , एक तर रोड, बोतियली (प), बनवई-92 में स्थित है (और इ.ते. उपाबक्ष समुभूती में और पूर्ण रूप से श्रांतित है), और विपान वरावनामा श्रायक्ष श्रिकितम 1961 की धारा 269 के, ख के अधीत बन्बई स्थित सक्षम प्राधि तरी के श्रांतीत्व में विक्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभें जह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का खोचत बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल तो, एसे दश्यमान विफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित कि लिए इय पाया धा प्रतिफल निम्नलिखत उददेश्य से उक्त बन्तरण निम्नलिखत अदिवस्त से दास्तिश्रक रूप से अधिक नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विधा के किया।

कतः अव, जकत अधिनियम की धारा 269-गा के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री एम० के० कुंडर

(भन्तरः)

(2) श्रीमती सम्भदा संजीव शेरे और अन्य

(पन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्थन के बिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप ८---

- (क) इस स्चना के राजपन में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एक स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अदिध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थात्र सम्पत्ति में दिख- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

.स्पष्टीफरण: — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदौं का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, तही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुमूची

पलैट नं० 28, जो, बी-निग, रात्रमणि को-श्रॉप० हार्डी तम सो अईटी एक्सार रोड, बोरिजली (प), बम्बई-92 में स्थित है। श्रृतसूची जैता कि क० सं० श्रई-4/37-ईहे/15821/84→85 और जो सक्षम प्राधि धरी बम्बई द्वारा दिनां के 1-3-1985 को रिकस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्यर्जन रेंज-4, वस्बद्ध

ধিনাক : 5-11-1985

अक्य आई.टी.एन.इस४-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-4, बम्बधी

बम्बर्र, दिलीक 5 नवम्बर, 1985

निवेश सं० अर्थ-4/37-वेदी 15878/84-85--श्रतः मृ**से** लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य

1,00,000/- रा. से अधिक है

और िस्की सं० पलैंट नं० 604, जो, 65ी मंजिल, विग नी" परेण श्रपार्टभेंट :, एव० व० पी० रोड, बोरियलीं (प), बच्च ई-92 में स्थित है (और इत्ते उपावद्ध अनुसूर्वा में और पूर्ण रूप से विग है), और दिपान करारतामा आए ए अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अबी :, बम्बई स्थित स्क्षम प्राधिकारी के बार्गान: में परिस्ट्रिंस, तारीख 1--3--1965

को पूर्णिकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बंतरण से हुई किसी श्राय की बाबत, अक्त श्रीधीनयम के अधीन कर प्रेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: श्रीर/या
- (च) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य कारितयों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

शंत: श्रेष, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण भी, भी, उक्त अधिनियम का धारा 269-व की अपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :--- ं(1) भैतर्त मिया बम्ब्ड्रम्यन

(धरतरह)

(2) श्री रमेशभाई धरमशीभाई पटेल और घम्प (घनतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोबस सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धिकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-वित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय के दिया गया है।

वन्त्र्यी

पर्लंड नं० 604, जो, 65ी मंखिन, विग-बी, परेश प्रपार्ट-मेंड त, एन० वी० पी० रोड, बोरियली (प), बम्बई-92 में स्थित है।

मनुसूबी जैसा विकल्प सं प्रश्न-4/37धर्षक्षे/15070/84-85 और जो सभान प्राप्ति जारी बन्बई प्रारा विनास 1-3-1985 को रजिस्ट के विचा गया है।

> लक्ष्मण दास संक्षम प्राक्षि∷ारी सहायक द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) दर्जन रेंज-4, दम्बई

चिनोतः 5-11-1985

मोहर '

मुक्तु, वार्षं,, टी. प्र. प्रस्तु वस-क

भाषकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) जै अभीन सुधना

भारत् सरकाह

कार्याजय, महायक नाथकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीत रेंज-4, अम्बद्ध बम्बर्फ, दिनांक 4 तथम्बर 1985

निदेश सं० **मई**-4/37-ईई/15591/84-85---मतः मुझे लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसम इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भारा 269-च के अधीन सभम प्राधिकप्रदी को यह विश्वास करने का कारण हु³ कि स्थापन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजान मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 3 जो गिरनार प्रपार्टमेंटस प्र मंहेबेश्वर रोड, गोविन्द नगर, बोरिवली (ए) बम्बई-92 में स्थित है (और इनमे उपाबड़ प्रानुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है), और जिसका करारनामा प्रायक्तर प्रधिनियम 1.961 की धारा 269 क, ख के प्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

- को प्वेंक्त सम्पत्ति के उपित जाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके अवजान प्रतिफल का कन्त्र प्रतिकृत से विश्वास प्रतिफल का कन्त्र प्रतिकृत से विश्वास है बीर अन्तरक (अन्तरकः) ज़ैर अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निक्तिसिक उद्वोद्य से उच्च अंतरण कि विश्व में वास्तिक क्य से किथत नहीं किया गवा है ।——
 - (क) "सरक य इप किनी आप को नावत, उक्कर विधितियम के मणीन कार वीने के कस्तारक के बादिल्ल में कामी कारने मा उससे रणने में सुनिध के लिए, कीर√मा
 - (च) श्रेती किसी शामात्या किसी भग रा तत्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय शाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27' के प्रयोजनार्थ जन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया बाना चाहिए था, कियाने में स्विचा के विद्धा

बतः बन, उक्त बिधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) ेत, निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 73—376 GI/85

(1) मैसर्स कमला इंटरप्रायजेस

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री पूनमचन्द छगनलाल

(अन्तरिती)

का वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के नर्जन के लिख कार्वनाहियां शुरू करता हूं।

क्रमत सम्पत्ति को मर्जन् की संबंध में कोई भी बाक्सेप उ-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से १६ दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यवितर्यों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की स्वधि, जो भी स्वधि साव में मनाप्त होती हो, के भीतर पूनों कर स्वित्यों में से किसी स्वस्ति सुकारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के शास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्व्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों कीर पदों का, जो उक्त श्रीभीनयम के सध्याय 20-क में परिश्रतिका है, वहीं तथे होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

अनुस्ची

दुकान नं० 3, जो, गिरनार श्रपार्टमेंट, श्राफ मंडेश्वर रोड, गोबिन्द नगर, बोरिचली (प०), बम्बई-92 में स्थिन है। श्रनुसूत्री जैंग हि ऋ० पं० श्रई-4/37-ईई/15591/84--85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां है। 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी महायह भ्रायकर श्राय्कत (तिरीक्षण) ग्रार्थन रेंग-4 बस्बई

विनांक: 4-11-1985

प्रकृत आहे .स्रो. एक , एव . -----

भावकर वीपीनवन, 1961 (1961 का 43) कर्र भाव 269-च (1) के मधीन क्षमा

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

घर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर 1985

निवम सं० भ्राई-4/37--ईई/15775/84-85----भ्रतः मुमे लक्ष्मण दास

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इत्तर्वे मिके पश्चात् 'उक्त नौधनियम' कहा गया हैं), की भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्रीधकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्थित, जिसका उचित वाजार मूस्य 1 00.000/- रह. से अधिक हैं

और नियकी संव पर्लंड नंव 204, जो, 2री मंजिल, हरेश्वर अपार्टमेंट, एक्सार रोड़, ताल्वा अिवलि, बरवर्ड में थिर है। अंव इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसला करारनामा आयकर श्रिक्षियम 1961 की धरा 269 व ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के बार्याकर में रिष्ट्री है तारीख 1-3-1985

का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के क्यमन प्रितिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य' छसके क्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्विचय से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक रूप से कीथत नहीं किया गया इंडै:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावला, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा वी विश्: और/वा
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयां को, विक्तू भारतीय नाम-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या धनकर विचिन्यम, या धनकर विचिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ करवितिय व्याप प्रकट पहीं किया गया था वा किया चाना चाहिए था, कियाने में त्यिश के किए;

अवश्व अव, उक्त विधिवयम की भारा 269-न के अव्करण की, की, उक्त विधिवयम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निकालिकित व्यक्तियों अर्थात :--- (1) मैसर्स प्रिती इंटरप्रायसेम

(मण्तरक)

(2) श्री समीर रमेश गहा और पन्य

(मन्तरिती)

को बहु जुचना बारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्चन के लिए कार्यनप्रीहर्म कुरू करता हूं।

उन्द सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप र---

- (क) इस ब्रुचना के राज्यपत्र में प्रकाशन की तारीय वें 45 विभ की अविभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तायील से 30 दिन की अविभ, को भी जबित बाद में सवास्त होती हो, के भीतर प्रवेंक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदाए;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवव्थ किसी जन्म व्यक्तित युवारा जभोहस्ताक्षरी के पाव सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पाकारिकरण: --- इसमें प्रयुक्त वाज्यों और पर्यों का, को उनले अधिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं कथीं कोंगा, को उस अध्याय में विया ववा ही।

ननुसूची

पर्लंड नं 204, जो, 2री मंजल हरेक्वर धपार्टमेंट एक्सर रोड़ तालुका बोरिवली, बम्बई में स्थित है।

धनुसूची जैसा कि ऋ० सं० धई-4/37 प्रईई/15775/84-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्ट है किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधि≉ारी सहाय र प्रायक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रज-4, बम्बई

बिमोक : 5-11-1985

शाहर :

प्ररूप बार्ड. टी. एन. एत..-----

जायकर जिथिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-च के जभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालम्, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० अई-4/37श्रईई/15563/84-85--श्रतः मुझे लक्ष्मण दास

नायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं पलैट न 102, जो, 1ली मंजिल, ए-विंग, पुष्पा श्रपार्टमेंट, एक्सार विहलेल बोरिवली (प), बस्बई-92 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसवा वरारनामा श्रायक्ष प्रिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बस्बई स्थित सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, नारीख 1-3-1985

की पूर्व क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान श्रीतफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य, असके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंद्रह दिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (जन्तरितियों) के अंच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उन्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खकत नियम के अधीन कर रेने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जिक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री सी० एस० पटेल (भागीदार---पुष्पा बिल्डर्स)

(मन्दरक)

(2) श्री भालचन्त्र जी० कुलकर्णी

(भन्तरिती)

कों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के किथ् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोड् भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकावन की तारीस से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्वाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

वन्त्वी

फ्लैट नं 102, जो, 1नी मिशिय ए-विग, पुष्पा श्रपार्टमेट, एक्सार व्हिलेज, बोरिचिनी)प), बम्बई-92 में हियत है। श्रतुसूची जैसा ि का साथ श्रई-4/37%ईई/15563/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनाव 1-3-1985 को रजिस्टर्ड सिया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकार सहाया श्राय र श्रायुक्त (सिराक्षम) श्राप्त रेज-4, बस्बई

िल्ला ५ - 5-11-1985

माहर :

क्रस्य आहे. टी. युन. युन. -----

बायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) भी भारा 269-म (1) के अभीन सूचका

भारत सरकार

कायासय, महायक जायकर जामूक्त (निर्देशिक) श्रर्जन रेंज-4, बस्बई

बम्बई, दिनां ह 5 नवम्बर, 1985

निवेश सं० ग्रई-4/37-ईई/15562/84-85-- मृत मुझे लक्ष्मण दास

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (बिसे इसमें इसके पश्थात् 'अक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका स्वित बाजार मृस्य 1.00,000/- रहे. से अभिक है

और जिसकी सं० बुकान नं० 6, को, तल मा त, पुष्पा श्रपार्टमेंट, एक्शार व्हिलेक, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थित है (और इसमें उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारतामा श्राय तर श्रधिनिधम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिन्तरी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उप्तित बाधार मूच्य सं कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृल्य असके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रस्तु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) अ बीच एसे अन्तरण के निए स्व पाया गया प्रतिफल, निक्निलिसत उद्देश्य से उक्त अन्तर्ण दिश्वित में शस्तिबिक रूप से किथा नहीं किया क्या है दिन्न

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की वावत जनक अधिनियम के अधीन कर दाने के अध्यक्त के दावित्य में कमी करणे वा उत्तत वचने में सुविधा के किए; और/या
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या बन्य आस्तियाँ की, जिन्हें भारतीय आज-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-भार्थ अधिनियम, वा धनकर नहीं किया गया वा वा किया जाना चाहिए भा कियाजे में सुविध्य से सिया

बत: बब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में. में. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ नरे उपधारा (1) अं अधीर, निम्निजित व्यक्तिया, अर्थार ;— (1) श्री सी० एम० पटेल (भागीदार---पुष्पा बिल्डर्स)

(ग्रन्तर ह)

(2) श्री महाठाक्ष स्थी शिवजी

(श्रन्तरिती)

का यह स्थान वारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्थन के लिख कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस \$\forall 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामीन से 30 दिन की वविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में स किमी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस स्थान के राभपत्र में प्रकाशन की तारीक हैं
 45 दिन के भोतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी क्रम स्थित ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ
 लिचित में किए का स्वतरा।

स्पाध्यीक्षत्रणः ---- इसमी प्रयूक्त सन्दों और प्रवास्ता, सी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषितं ही, उहीं अर्थ होगा को उस आयाय मी दिसा गया है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं ० ६, जो, तत्र माता. पुष्पा अधार्टमेंट, एक्ष्यार व्हिले २, बोरिवली (प), अम्बई-92 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा हि ऋ० सं० छई-4/37-ईई/15562/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिलानः 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनां ह 🐪 5-11-1985

मोह[र

प्रकम बाह्".टी. एन. एस. -----

* In the takenouse of the control of the same of the s

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भास्त सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज 4, बम्बई

बम्बई, दिनौंक 5 नवम्बर, 1985

नित्रेश सं० अई 4 37-ईई/15606/84-85--अतः मुझे लक्ष्मण दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं उ दुहान न 1, जो, तल माला, प्लाट नं व बो, देवकी नगर, एक्नार रोड़, बारिविली (1), बम्बई 92 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप ने विणित है), श्रीर जिनका करारनामा श्राय हर अधिनियम 1961 की धारा 269 के, ख के अबोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

का पूर्वीभत सम्पत्ति के डांचल बाजार पृथ्य से कम के उपसमान प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफो यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल हे एसे उश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीग कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय य किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की बारा 269-ग की उपधारा (1) के जभीन, निर्मास्त्रिक धारिकांगे, अथित :— (1) मैं मर्स शहा बिल्डर्स

(अन्तरक)

(2) मैं सर्स जय सतोषी माँ ट्रेंडिंग कम्पनी (न्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पृथेनित सम्पत्ति के अर्थन के विद्य कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त सम्पत्ति के वृत्ति के सम्बन्ध में कोई भी वाश्रीप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षांकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

दुकान नं० 1, जो, तल माला, प्लाइन० बी० देवकी नगर एक्सार रोड, बोरिविली (प), बम्बई 92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ∘सं० श्रई/4 37-ईई/15606/84-85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारादिनौंक 1-3-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकरी सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज 4, बस्बई

दिनाँक : 5-11-1985

मं(हर:

भारत सर्वार

कार्याचय, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4, बस्बई

बम्बई, दिनांक 5 नवम्बर, 1985

निर्वेश सं० मई-4/37-ईई/16038/84-85--- म्रतः मुझे, कक्ष्मण दास

क्षंपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिब इसमें इसके प्रकाद 'उक्त अधिनियम' कहा बया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्बद्धि, विसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 47-ए/2, जो, श्रौदुबर छाया कोझाप० हाउसिंग सोमाईटी लि०, श्राई०सी० कालोनी, बोरिविली (प), बम्बई 103 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिमका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठित्यम 1961 की घारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यकार प्रतिकल को लिए अंतरित की गई है और सूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके खरमान प्रतिकल से, एसे खम्मान प्रतिकल के इन्द्रह प्रतिदेश से अधिक है और बन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरक के जिए तय पाया व्या प्रतिकल, निम्निचित उद्देश से उक्त अन्तरण सिचित् भी बास्तविक स्व से कवित नहीं किया गया है है---

- (क) बन्तर्क ते हुई किसी नाम की बावत , उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तर्क के वाजित्व में कसी काने या शतने वजरे में कृतिधा के तिक्; बांद्र/वा
- रें (क) एंसी किसी नाथ या किसी धन या अन्य नास्सियों की चिन्हें भारतीय शायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त जिथिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया चाना शाहिए था, स्थिनों में सुविधा के निष्

बतः बब, उक्त कीशीनयम की भारा 269-ग के बनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात् :—— 1 श्री इस्माईल जाकर शेख

(भन्तरक)

2 श्री सूरेश एस० सहस्त्रबुद्ध

(ग्रन्तरिती)

को यह त्वना बारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्परित के वर्षन के तम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र हु--

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीच ते 45 दिन की जबिंच सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी जबिंच बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पल्ति में हितवबुध किया अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त बन्दों बीड पद्यां का, वो सक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ध होया वो उस अध्याय में दिशा गया है।

ann's

फ्लट नं० 47—ए/2, जो, औदुबर छाया को भाष० हाउसिंग सोसाईटी लि०, श्राई० सी० कालोनो, बोरिवी (प) बम्बई, 103 में स्थित है।

श्रनुसूची जसा कि क० स० श्रह्म4/37-ईई/16038/84-85श्रीर जो सक्षम प्राधि घरो, वश्वई द्वारा दिनौंक 1-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-4, बस्बई

दिनौंक: 5-11-1985

इक्ष्य वर्ता है हो हुन ह तुन हुन हुन

नावकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

नारत प्रश्कार

कार्यांसय, बहायक बायकर बायुक्त (निरक्षिक) धर्जम रेंज-4, बस्बई

बम्बई, विनांक 5 नवम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई/4/37-ईई/15301/84-85--- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) '(जिसे इतमें इसके परचार 'उक्त अधिनियम' कहां गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 2, जो 5वी मंजिल, प्लाट जिसका सी० टी० एम० नं० 71 घौर 224, पेणकर बाडी, बाभई, एल० टी० रोड, मोहोर अपार्टमेन्ट, बोरिवली (प), बम्बई 92 में स्थित है (घौर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में घौर पूर्ण रूप से वर्णित है) घौर जिसका करारनामा आयकर प्रधिनियम, 1961 की घारा 269 क, ख के प्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई और बुध्ने यह विश्वास करने का कारण है कि वह यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान श्रीतफल से, एसे इश्यमान श्रीतफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विध्य के उच्च अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है '—

- (क) बन्धरण से हुई चिची बाद की बावस, कनत विधिनियन के बनील कर दोने के सन्तपक वी वायित्व में कभी करने वा उत्तचे बचने में सुविधा के लिए; नरि/मा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या वन-कर सभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रजोक्शार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया वया या किया वाता वाहिए था, कियाने में त्विथा को सिक;

बत्न भग, उक्त बर्गिनियम की भारा 269-म के बनुचरण ने, ने, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .--- (1) जिल्ड क्लीक

(मन्तरक)

(2) श्री मधुकर महादेव पाटील भौर भन्य

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मरित के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्षमत् सम्मत्ति के नर्जन् के संबंध में कोई भी बाक्षेप उ---

- (क) इस सूचना के राज्यव में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, जो भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वीक्त व्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीच के 45 विन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूम किसी बन्च व्यक्ति ब्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास निर्मित में किए या सकेंगे।

स्थिकीकरण: -- इसमें प्रयुक्त कव्यों नीत पर्यों का, को उक्त विश्वास्त के नध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होना नो उस न्ध्याय में दिया नृद्ध है।

अनुसूची

प्लैंट नं० 2, जो, 5वी मंजिल, प्लाट जिसका सी० टी० एस० नं० 71 श्रीर 224, पेणकर वाडी, बाभई, एल० टी० रोड, मोहोर भापटेंमेंट, बोरिवली (प), बम्बई-22 से स्थित है।

प्रनृसूची जैसा कि क०स० मई/4/37-ईई/15301/84--85 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बईद्वारा दिनौंक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> तक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनाँक 5-11-1985 मोहर: प्रकल आहें .टी.एन.एवं.-----

बायकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत त्ररकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, अम्बई

बम्बई, विनाँक 5 नवम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई। 4/37—ईई/16009/84—85—-ग्रतः मुसे, लक्ष्मण वास

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बांचार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० ब्लाक नं० 1, जो, 2री मंजिल शमोहोरे श्रपार्ट-मेंट, प्लाट जिसका सीटीएम नं० 71 श्रीर 224, येणकर वाडी, बाभई, एल० टी० रोड, बोरिवली (प), बम्बई-92 में स्थिन है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची सें श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, अम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को प्रबंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए उन्तिरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तौरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नीलिखत उद्वेश्य से उक्त अन्तरण किल्शित में बास्तिक एसे किया गया है :——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा के लिए:

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधो , निम्नलिकित यिक्तयों, अर्थात् :--- (1) बिल्ड क्वीक

(ग्रन्तरक)

(2) श्री प्रभाकर भागोजी पगारे मौर मन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

इंक्ट संपत्ति के अर्ज्जन के संबंध में कीई भी आक्षोप :---

- (क) इत त्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनभि बाद में तनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारौद्ध सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकोंगे।

स्पब्सीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित, दें हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दियों गैं गवा हैं।

अनुसूची

भ्लाक नं० 1, जो, 2री मंजिल, मोहोर अपार्टसेंट प्लाट, जिसका सीटीएस नं० 71 और 234, पेणकर वाडी, बाभई, एल० टी०रोड, बोरिवली (प), बस्बई-92 में स्थित है।

भ्रनुसूची जमाकि ऋ०सं० भ्रई-4/37-ईई/16009/84:85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दाम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 4, बम्बई

विनौक: 5-11-1985

मो/सर:

मैनर्न हिसांगु इण्टरप्राजेग।

(श्रन्तर**क**ो

2. श्री संतीम डी० कुंबर।

(भ्रन्तरिती)

अध्यक र लीभानयम, 1961 (1961 की 43) की; भारा 269-म (1) के कभीन सुमना

बारत सरकार

श्रावित्य, सहायक शायकर नाय्क्त (निरीक्षण) श्रजिन रेंगे~4, लम्बई

बम्बई, दिनार 4, नवम्बर 1985

निदोण गं० प्रदे -4/37ईई_{/15}785/84--85:---श्रतः मुझे. लक्ष्मग्दायः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' काहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्भास, जिसका उचित या कर सूल 1,00,000/- रह. से अधिक है

अंदि निभकी संख्या पलैट नं. 32, जं, प्रभु निवान, प्लाट नं 136, प्राफ दणनरी लेन, बोरिवलो (प०), वमवई-92 में स्थित है (और इसमें उपावद प्रनुसूची में और पूर्ण क्या स विणा है), अंदि निम प अदारनामा ग्रायश्द श्रिक्षियम 1961 की धारा 269 के खे के प्रधीत, बमबई स्थित स्थाम पाधिकारी के कार्यालय में रिजर्स्ट्रा है, वारीख 1-3-1985 का पूर्वादत सम्पात्त क उपित बाजार मृत्य में क्या के द्वान प्रतिफल के लिए अविरित्त का गई हैं और मुक्त यह विवस साजार मृत्य में क्या के द्वान मृत्य, उसके द्वामान प्रतिफल से, एसे व्यामान प्रतिफल के पत्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अतिरती (अतिरित्यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रीफल निम्नलिखित उद्द वय से उसत अतरण जिसित में बास्तावक रूप से कार्य नहीं किया नमा हैं:—

- (क) अन्तरण से **हुई** किती भाग की शावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कनी कर्दन या उद्यसं वजने में सुविधा क लिए, और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को धिनह भारतीय जायकर ज्भिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन्- कर्ड अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास् प्रकट नहीं किया गया या किया जाना शाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए।

अंतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अं अधीन, निम्निचिति व्यक्तियों, अर्थात :----

74---376 G1/8**5**

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहिमां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जबिध, यो भी जबिध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ध व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवाय;
- (क) इस स्थान के राजपात्र में प्रकाशन की तारींक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर र भित्त में हिंतबस्थ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्थब्दीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका गुरा है।

अन्स्ची

पलैट नं 32,जो, प्रभू निवास, प्लाट नं 166, आँफ दंपतरी लेन, बोरिचली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। अनूसूची जैसा कि ऋ सं अई~4/37ईई/1578584-85 और जा सक्षम प्राधिसारी बम्बई द्वारा दिनास 2-3-85 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दासः, नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बस्बर्ष

दिनां तः: 5-11-1985 मोहर

प्ररूप आहें. टी. एन. एस. ------

भागकार विभिनितम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वभीत सुभग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर वायक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनां । नवम्बर 1985

मं० श्रई--4/3 ईई/15888/84--85'-- अत: मुझे, लक्ष्मण दाम.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्नात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाषा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कार्ज है कि स्थावर संपर्तित, चिसका उचित अवार अस्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिनको संख्या फ्लैट नं० सी० 13, जां, 1 ली मंजिल, बोरिजली पारेख नगर की-छाप हार्जाम में त्यादी लि०, मास्त्री नगर, एन० ती० राष, बोरिजली (प०), बम्बई-152 में स्थित हैं (और इ.ल उनाबद्ध अनुभूचो में और पूर्ण रूप रूप से विणत हैं), और जिनका रार्गामा प्रावकर-अविनियम 1961 की धारा 269 के ख के प्रवीत, बम्बई स्थित मक्षम प्राविकारी के जार्याजव में रिजन्डी है, तारीख 1-3-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उप्याजव में रिजन्डी है, तारीख 1-3-85 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपयाजव में रिजन्डी है, तारीख विश्वास प्रतिकत के लिए अन्तरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके खर्यमान प्रतिकत के, एसे ध्रयमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिकत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्तितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्तितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्तिलित संदूर्वय से उक्त अंसरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक का निम्तिलित संदूर्वय से उक्त अंसरण कि लिए तय पाया गया प्रतिक का मिली सिंग संवित्त संविद्य से किया गया है :—

- कि नम्सर्थ ने हुई चित्रती आध की बाबत उभ्य जीवितिधन के अधील प्यर वासे की कम्सर्क के वासिरण में कमी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए, और/मा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी भन सा बन्य आस्तिथी किसी किसी अपन-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा भनकर अभिनियम, बा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के, अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियस की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन फिन्निसिंखत व्यक्तियों, अधीत :—

1. शहा रामचन्द्र कानजी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती तिलम तिलकराज हिराचन्द गेठ। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :-- के

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिल्बब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिशिकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

अनुसूची

फ्लैंट नं० मी०--13, जो, 1ली मंजिल, बोरियली पारेखनगर को-आंप हार्जीका सोलायटी लि०, शास्त्री नगर, बोरिचली (प०), बम्बई--92 में स्थित है।

श्रमुम् जी जैना कि कि कि स् श्रई- 4/37ईई/15888/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रिवस्टर्ड थिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिदारी, महायक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रज्ञ-4, बम्बई

दिनांद: 4-11-1985

प्ररूप. नार्षं. टी. एन. एस. -----

बायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रोज-५, बम्बई

बम्बई, दिनाह 5 नवम्बर 1985

्र मं० श्रई-4/37ईई/15902/84--85---श्रनः मुझे, लक्ष्मण - द्वास,

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दिनात् 'उन्दर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और विश्वी सख्या फ्लैंट न० 24 जो. 4 थी मिणित जग-राच प्रार्टिमेटन ही इमारत तथ राव लगा, विभाग ता प, बोरियली (प०), बश्बई 92 में स्थित हैं (और इन्से उस-बद्ध प्रमुक्ती में और पूर्ण छ्या विभाग हैं), और दिस्सा उरारशामा आया र अधिनियम 1961 ती योग 269 ज, ख के प्रश्रीत बम्बई स्थित उसम अधि गरे। के कार्यालय में रिम्मी है, तारीख 103-1985

को पूर्वाक्त सपित के उचित बाजार मूल्य सं कम के उरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एमें दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (अंतरको) और अंतरिती (अतरितियो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की शब्त, उपत अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/या
- (क) एसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के निए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिकन अधिनतयों, अर्थात .--- 1 मैं। में अय-रा : विल्ड लं।

(भ्रन्तरकः)

2. श्री रिवन्द्र एन० । विनः।

(श्रन्तिनी)

को यह सुभना भारी करके पृथिकत सम्पत्ति के अवन के जिल अर्थव्यक्तियाँ करका ह्या ।

चंक्ट संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्सेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में में किसी अविकल इवारा
- (वा) इस क्या के रावकत को प्रकाशन की तारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति को द्वित-अव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात निविद्य में किए वा सकी।

स्पष्टीकरणः — इसमं प्रयूक्त कवां और वदों का, जो उन्त वीभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं नर्थहोगा. जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

पर्नेट नं० २४ तो 4थी मंत्रित, "जय राज श्र<mark>पार्टमेंटस,</mark> डी-४मारा, जय-राप नक्तर विक्तरा ताल बोरिवली (प०), बम्बई--92 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा हि क स० श्रई-4/37/ईई/15902/84-85 और जो सक्षम प्राधिहारी, बम्बई द्वारा दिनाक 1-6-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, स्थम प्राधिकारी, सहायक ग्रायक्षर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनां क्ष: 5-11-1985

- τ:

प्रकृष काइ. . . . एन . एस . -----

आस#र विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-क (1) को अधीन स्वतः

भारत सहकार

भार्यालय, सहायक काययर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजीत रोज--4, बमबई

बम्बई, दिनां : 4 नचम्बः, 1985

सं० श्रई-4/371ईई15590/84 ·85 - श्रवः मुझे, लक्ष्मण दान,

आयक र अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा >69-अ के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाकार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और निमकी मं० फ्लैट नं० 204, जो , श्री योगेष्वरी ध्रपार्टमेंटस, मी० टी० एए० नं० 133 ऑप 133/1, मण्ड-पेश्वर, बोरिवली, बम्बई में स्थित हैं (और इएने उपावस अनुसूची में और पूर्ण प्य से विणित हैं), और निन्धा क्रम्स्तामा श्रायार श्रीधियम 1961 की धारा 269 क्रम्स के श्रितोन, बम्बई स्थित सक्षम प्राविधारी के । योलय में रिजिस्ही हैं, तारीख 1-3-1985

को पूर्वेबत सम्पत्ति के उपित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रिक्ति के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वेवित सपित का उचित बाजार क्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशास से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निग्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखिन में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक श्रे वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा श्रे सिए; बीड़/वा
- (भ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आसकार अस्तिवम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतिया जाना चाहिए था, स्थिपाने मी मिया के निया के निया के निया के निया

अतः अतः, उक्त अधिनियमं को भारा 269-ए के अन्यरण हो, में, उपत अधिनियमं की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :---

1 मीनमं बारीओट बिल्ड्सं।

(श्रन्त-)

2 शी हिमाद्री दासगुता।

(भ्रन्नरिती)

को यह स्वना आर्टी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिध् कार्यपाहियां कारता हुए।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस मूक्का के राज्यक में वकाक की तहरीन में 45 विन की अविधि या तत्मम्बन्धी त्यिक्तयों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि यद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (ख) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी अन्य स्थावत वृषारा अभोहस्ताक्षरी की जान निर्मित में किया अर् नकेंथे!

स्यब्दीकरण .-- इसमा प्रयूषत शब्दों और पदी का, जो उक्त विभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया

भ्रनस्ची

पलैंद नं० 204, जो, श्री योगेश्वरी श्रपार्टमेंटम, सी० टी० ए० नं. 133 और 133/1 मण्डपेश्वर, वोस्विली, बम्बई में स्थित है

अनुभूची जैंगा कि करु संरु अई-4/37ईई $/15590/84 \rightarrow \infty$ 85 और जो अक्षत प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक $1-3\sim 2$ 1985 को रिजस्टर्ड निया गया है।

लक्ष्मण दापः, सक्षम प्राधि गरीः सह्यकः श्रायकर श्रासुक्त (निरीक्षण) श्रजीः रेज-4 बम्बई

ਵਿਜੀਤ: 4--11-1985

मोहर

प्रक्ष काइ¹.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकात

कार्यालय, महायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रोंज 4, बम्ब**ई** बम्बई, **दि**नौंठ 4 नवम्बर 1985

सं० ग्राई 4/ 37 ईई/15648-84 85: ग्रान: मुझे लक्षमण दास,

आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विकास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिक्की संख्या पर्नेष्ट नं ए 9, जो, प्रश्नी पंतित 'नद्भपृष्ठा'' ''प्लाट जिस्हा नं । कि. मं । विश्व ए ए विश्व प्रश्नी पंता नं । विश्व प्रश्नी प्रश्नी हैं। एक कि एक नं 2311 ए, एक गण्यार पोड़ बोरियली, (प्रश्नी व्यवहीं 93 में स्थित हैं (श्रीर उससे उपा बढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण वप से विणित हैं), और जिक्का, करारमामा आयकर अधिनियम 1961 की वारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम पाविकारी कि कार्यालय में रिजम्ही है, तारीख 1-3-1985

की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रिष्फल के लिए अंतरित की गई और स्फे यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वाकी सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके ख्यमान प्रतिकल में, ऐसे ख्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरित (अन्तरकों) और अन्तरित विश्वास से अधिक ही और अन्तरित अन्तरित के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्निसिश्व उद्देश्यों से उस्त अन्तर्ण किया में अम्तरिक क्य में किया गया है:—

- १६० शतरण स हुई किसो काय की बाबत, उक्त र्शातियम के अधीन कर धने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा अनित्य क्षित्रिया
- (क) पन एको का का किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1912 का पा) या उक्त व्यक्ति किया, या अस्य के पित्रवर, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

क्षा १४, ४३न अभिनियम की भारा 269 न व अपूतरण मो, मो, अक्षत अधितियम को भार १६५ घाँनी उपार्ण (1) को अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत ु— ाः मौतर्म भंगरा विज्ञानाः ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती वाई० एम० डमोजा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सन्थ में काई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन की अमित्र या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वान की तारील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतार;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी से 45 विन को भीतर उसत स्थायर सम्पत्ति में हित- सद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अ हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थास्त्रीकरण: --- इसमें प्याक्त अस्ता और पता है, जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-का में परिः विषय है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्यय मा दिगा गया है।

समस्त्री

फर्नट नं० ए० 9 जा, अ थो मजिल, "चन्द्रमुखी" प्लाट जिनहा न० १, नर्बे० नं० 225 एच० न० 10, सी० टी० एन० नं० 2211 ए. एक्सार होड जोस्त्रिली (प०), बस्बई, 92 में स्थित है।

स्तिस्ति जैसा कि अस स० ऋई 4/37ईई/15648/84 85 फ्रींट की सक्षम पाधि त्रीतियम्बई द्वारा दिनांक 1-3-85 को रजिस्टई पिया गया है।

> लक्षमग दाय, झम प्राधिकारी यहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

िंदनॉ ह :4-11-1985 -म∣हर : पञ्चम **आह**ै.ती भून **एस**.------

जायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-फ (1) के अधीन सृभना

भारत गरकार

कार्यांशय, सहायक शायकर ब्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 4 बस्बई

बस्बई, दिर्गाह 4 नवस्वर, 1985

सं० ग्रई 4/37 ईं3/15528/84 85 ग्राः मुझे लक्षमण दास,

नामकर अधिनियम, 1961 (1961 मा 13) (जिसे इसमें इसके प्रकाद 'उक्त लिधिनियम' महा गण हों), की धारा 269-ध के अधीन मक्षम प्राधिकारों को यह मिळाण लगा का का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका जीवन बाजार मुल्य 1.00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या पलैट नं २०२, जो, २री मंजिल, बोरिव हिमासू के। श्राप हार्टिय सोधाईटी लिं , मण्डस्वर, इण्डस्ट्रियाल, इस्टेर ने पास, श्राफ एस० बी० एम० रोड़, बोरिवली (पः) त्रम्बई 92 से स्थित है (श्रीर इससे उप विकास श्रम्भूची से १९४१ पूर्ण रूप से बाजित है , श्रीर जिससा करारतामा श्रायकर अधीनियम, 1962 की धारा 269 के ख के श्रधीन, बम्बई स्थन किम पाकिसरों का कार्यालय में रजिस्दी है, तारीब 1-3-1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के तिस्त बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप अधित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिभल स, एंसे क्रायमान प्रतिभल का पन्नह प्रतिभात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अगरण के लिए सय पामा गया प्रतिभल निम्नितिका अदृश्य के उद्योध से उद्योध से उन्तरण निम्नितिका का संक्षित नहीं किया गया है:---

- (क) यन्तरण माहर्ष किसी श्रय की **धावत, उक्त** श्रीधिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के वायित्व मों कभी करर या उससे अप्तायों स्विच्या के लिए; सौर/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या उन-वर्ण जीता . 117 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ किया जाना चाहिए था, विभाने में सविधा करिया

अत. अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण का माँ उपन अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (१) के अधीर निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

1. श्री पी० एम० कपाडिया।

(ग्रन्तरक

2. श्री एल० पी० पटल।

(भ्रन्तरिती

को यह सृजना जारी करके पृत्रोंकत सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्ययाहियां कृष्ण करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी शक्षाप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस की 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की वविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी बन्य विकत ब्वारा अधोहस्त्याक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण.— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह⁴, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया **ह**ै।

अन्स्ची

पर्लंड नं० 202, जो, 2री मंजल, बोरिवली हिमाश् को श्राप० हाउनिग सोमाईटी लि०, मण्डेपश्वर, इण्डस्ट्रियल इस्टेड के पास, श्राफ एस० वि० पी० रोड, बोरिवली (प०), बम्बई 92 सेंस्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कम सं० ग्रई 4/37ईई-15528/84 85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा देनाँक 1-3-1985 को रिजस्टर्ड कथा गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयक्षर प्रायुक्त (निरीक्षण) सर्वन रेंज-4, बम्बई

दिनॉ क 4-11-1985 मोहर प्ररूप बार्षे.टी.एन. एस.-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रजंन रेंज-4, बम्बई बम्बई, दिनांक 4 नवम्बर 1985

निर्देश सं० श्रई-4/37ईई/15702/84-85:----ग्रनः वुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या प्लैट नं 8, जो, विमा विजय का-भ्राप हाउतिम संक्षाईटी लिं , जीवन बीमा नगर, वारिवली (प०), बम्बई—103, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप में विणत है), श्रार जिनका करारनामा श्रायकर अधिनियम 1961 को धारा 269 के ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी कार्यालय में रजिस्ट्री है सारीख 1~3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रसिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत स अभ्य आर अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिकल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सृविधा के लिए; शीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

1. श्री एम० मेक्सी फिल्ड।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विद्या वेंकटरामन।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पुत्रोकत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में रामाध्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार न की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्हें स्थावर संपित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा एकों।

रनष्टीकरणः - - इसमें अयक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के शराय 20-क में ।रिभाषित है, वहीं अर्थ होगा - में उस अध्याण मा दिया गया है।

जन्स ची

फ्लैट नं० 8, जंं, विमा विजय की-प्राप हार्जीसग सोमाईटी लि०, जीवन बीमा नगर, बोरिवली (प०), बम्बई-103 में स्थित है।

श्रनुसूची जैंना कि ऋम सं० श्रई-4/37ईई/15702-84-85 और जो सक्षम प्राविकारी, बस्बई द्वारा दिनाँक 1-3-1985 को रिजस्टिंड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, गहाय ह स्रायंकर श्रायंक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-4, बस्बई

दिनाँक: 4-11-1985

प्रकृष आहे .टी. एन. एस. ------

शायकर शोधनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा भारा 269-थ (1) के अधीन सूत्रका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रकंत रें श—4, बस्बई
बस्बई, दिनांक 4 नवस्वर, 1985
सं० श्रई—4/37ईई/15/03/84-35:--प्रकः मृझे

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस्न इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मितिए, जिसका उपित आजार खूला 1,00,000/-छ। से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 32, जो, दि गोल्हज तो-स्राप हाउसिंग सोसाईटी लि०, जीवन बीमा नगर, बोरिवली, वस्बई में स्थित है (स्रोर इनसे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रार पूर्ण रूप में विणित है), श्रीर विभिन्न हरारतामा स्राप्त हर श्रीविनियम 1961 की धारा 269 हका के अधीत, वस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के हार्यालय में रजिल्ट्री है, तारीख 1-3-85

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम क दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकत्त से एसे दश्यमान प्रतिकृत का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाना भया प्रतिकृत, जिम्मिनिश्त अबुविध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) वन्तरण से धूर्व किसी शाम की कोनते. उपत शीक्षणियम के अधीन कर दाने के कन्यरक क बावित्य में कमी कर्डने मा उद्दर्श बच्चने में भूविधा के लिए, और/या
- (य) पूंची कियो शाक्या वा कियो वन्ता वृत्य आरिताको को, विनक्षे अप्रतीय वान-कर स्थितियम, 1922 (1922 का 11) वा तक्त अधिनयम, मा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तर्रारती वृतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहियेथा. कियान में सुनिशा को विद्याः

बतः अब, उयत्त अधिनियम की भाग 269-म के अनुसरण भाँ, माँ, अक्त अधिनियम की भाग 269-म की अपभाग (1) बे स्थीन, निम्मिसिक स्थीयतवाँ स्थित ३--- 1. श्री एम० पी० गोपीनाथ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री एम० सक्सफील्ड।

(अन्तरिती)

का वह सूचना आरी करके प्यांक्त सम्मृतित के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

डबल सम्पत्ति के धर्वन के सम्बन्ध के कोई भी कार्याव:--

- (क) इस स्थान के राजपत्र में अकाशन की तारीख से 45 विष की वार्यों पर स्थानताओं पर स्थान की तामील से 30 विन की अविध, को भी अविध बाव में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकत का अविध में में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकत
- (ब) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत ले 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध सिसी बन्य स्थानित द्वारा वशोहस्ताक्षरी के शक्त लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकारण. --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वहीं कर्ध हारेगा जो उस अध्याय में विका स्या हुँ।

अनुसूची]

फ्लैंट नं० 32, जो, दि श्रीवरंज को-ग्राप हाउसिंग सोमाईटी लि०, जीवन बीमा नगर, बोरिवली (प०), बम्बई 103 में स्थित है।

श्रात्मूची जैपा कि क मं० श्राई-4/37ईई/15703/84-85 ग्रीर जो सक्षम पाधिकारी बम्बई बारा दिनाँक 1-3-1985 की रजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास, मक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-4, बस्बई

दिनाँक_ा: 4-11-1985

प्ररूप बाइं. टी, एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज-4, बम्बर्ड
बम्बर्स, दिनांक 7 नवम्बर 1985

मं० श्रई-4/37ईई/15643/84-85:--- भ्रत मुझे, लक्ष्मण दास,

शायकार अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 702 जो 7 वी मंजिल सिद्धी टायर, साईबाबा नगर, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से याणत हैं), श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री हैं, तारीख 1~3−85 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुभे यह विश्वास करने, का कारण हैं कि सथापूर्वोंक्त सम्पत्ति क उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं :−−

- (क्त) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत,, उक्त के अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन कर अधिनियम या धन विद्या प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना शिहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. मैसर्स राजीव एसोसियेटस।

(भ्रन्तरक)

2. श्रजे० एच० जतानिया

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वी त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पृत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षर ---

- (क) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब से 45 विन की अविधि या त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 विन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं सं विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किये जा सकोंगे

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं० 702, जो, 7वी मंजिल, सिद्धी टावर, सार बाबा नगर, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा कि क सं० भई-4/37ईई/15643/84- 85 श्रीर जो समक्ष प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3- 1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 7-11-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई ्बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

मं० श्रई-4/37ईई/15931/84-85 --श्रत मुझे, लक्ष्मण दाम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.,00,000/- रु से अधिक है

स्रोर जिसकी सख्या फ्लैंट न० 3, जो, तल माला, स्पेरी स्टार को-आप हाउमिंग सोसाईटी लि०, बोरिवली बम्बई में स्थित है (स्रोर इसमें उगाबद्ध अनुमूची में स्रोर पूर्ण रूप में विणत है), श्रीर जिसका करारा। पा आयकर अधिनियम 1961 को धारा 269 क, इ. हे पात, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्विस सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विस्वास करने का कारण है कि बजाप्वींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उरूके दस्यमान प्रतिफल से एसे इस्यमान प्रतिफल का पद्रह शितस्त स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिस्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तींबक स्प में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्यत्र की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीर व्ययकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण मं, मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. य० फेडिक्स।

(ग्रन्तरक)

2. श्री धार० ए० बुघाने।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्था। की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा उधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिग्र गया है।

अनुसूची

पलैंट नं० 3, जो, तलमाला, स्पेरी स्टार को-भ्राप हाउमिंग सोसाईटी लि०, बोरियली, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क सं० श्रई-4/37ईई/13931/84-85 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1>8-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज~4, बस्बई

दिनांक: 7-11-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

जासकर अधिनिसम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बई 1985

मं॰ म्रत-4/37ईई/15405/84-85:--म्रतः मुझे, लक्ष्मण वास,

नायक र निधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं)., की भारा 269-ज के निधीन सक्षम प्राधिकारों को यह जिस्तास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार मूस्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सठख्या फ्लैंट नं० 208, जो, सी/4, योगी दर्मन को-श्राप० हार्जासग सोसाईटी लि०, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-400092 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), श्रौर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

मेक्नो पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयान प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिकल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संबुद्ध कियी नाम् की नाम्य, उनक विभिन्न की अभीन कर दोने के भूम्युद्रक की वाजित्व में कनी करने मा उनके स्थापे में बुन्धि। के सिए; जोर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरियों क्यारा प्रकट नहीं किया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः कवा, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसरण मा, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (१) अक्षेत्रकारिक व्यक्तियाँ वधारि माना 1. श्री विनोदराय श्रार० देमाजी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती के० वि० पटेल ग्रौर श्रन्य?

(ग्रन्तरिती)

न्त्रे सह सूचना चारी करकं पृत्रोंचत सपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुच्च करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन सची

फ्लैंट नं० 208, जो, सी/4, योगी दर्पन को-ग्राप हार्जीसंग सोसाईटी लि०, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ सं० श्रर्ह-4/37ईई/15405/84- 85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज--4, बम्बई

दिनाक: 7-11-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

गायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-4, बम्बई

बम्बई, विनांक 7 नवम्बर 1985

सं० म्रई-4/37ईई/15891/84-85:---म्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारज है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रु. से जिथिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या पर्संट नं० 3, जो, तलमाला, प्लाट नं० श्री/15, योगी स्मृति को-ग्राप हाउसिंग सोमाईटी लि०, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में स्थित है (ग्रौर इससे उपायक श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), ग्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के ग्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कंम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यभापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पादा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबद, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुनिभा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री एन० एन० ग्रनाहा।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मधुसूदन कन्वर जी कोटक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्थबाहियां करता हुं।

उक्स संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारी खंसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

मन्त्रची

फ्लैट फ्लैट नं० 3, जो, तल माला, प्लाट नं० डी/15, योगी स्मृति को-म्ग्राप० हार्जीसंग सोसाईटी लि०, एक्सार रोड, बोरिवली (प०), बम्बई--92 में स्थित है।

मनुसूची जैसा कि क सं० मई-4/47ईई/15891/84-85 मौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-2-1985 को रजिस्टर्ज किया गया है।

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्ष), ग्रजन रेंज-4, बम्बई

दिनांक: 7-11-1985

y a ten entre in the language of the contract of the contract

प्र**कल कार्य**ादी, **एन** . एस . ल - - ----

थानकर वीपिनवम, 1961 (1961 का 43) की व्यक्त 269-म (1) के वर्षीय स्थाप

भारत सरकार

कार्वासय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिना १ 7 नवम्बर 1985

निदेश मं० श्रई--4/37-ईई/15933/84-85---भ्रतः मुझे, लक्ष्मण दास,

वायकर वरियोगियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे क्रास्में इसके परमाण् 'उक्त विविवयन' कहा गया हीं), की शहर 269-च के वशीन सक्षत प्राणिकारों को यह विश्वास करने का नारण ही कि स्वाचर स्थापित जिसका उचित्र वायार मूक्य 1,00,000/-एउ. से विभिक्त ही

श्रीर शिमकी सं० पलैट नं० 409, जो, सी-इमारत, गगन-गिरि नगर, एक्सार रोड़, बोरिवली (प०), बम्बई-92 मे स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण का ने याणा है), ग्रीर जिसका नरारनामा श्रायकर प्रधि-नियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम श्राधितारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त तस्पति के उचित बाधार गूक्स से कम के क्यानार प्रतिकल के लिए अन्तरित की नहीं हैं और गूओ यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानपूर्णोंकत कप्पति का उचित बालार मूल्य, शक्के क्यानान प्रतिकल से एवं क्यानान प्रतिकल का पहुंचु प्रस्तान प्रतिकल का पहुंचु प्रस्तान प्रतिकल का पहुंचु प्रतिकल जीर अन्तरिती (अन्तरिक्तों) के बीच एवं अन्तरिण के लिए तम पामा गमा प्रतिकल, निस्ति किया एवं अन्तरित से वास्तिक रूप से क्रीधत नहीं किया गमा है है——

- (क) वर्ण वस्त्र में कुट्ट किन्धी जान की बल्स, उक्त वर्ग किन्द्र के क्योंच कर दोने के कन्तरक के क्यायत्य में क्यारे दाने क उससे जनने हैं स्वीवार के क्यायत्य में क्यारे दाने क उससे जनने हैं स्वीवार के क्यायत्य कार्य था।

अतः अब, उक्स अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्स अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिबित व्यक्सियों, अर्थात् :---

1. मैं० गगनगिरि डेवलथमेट बापेरियन

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पी० सी० मठकर

(मन्द्रिती)

्रको यह सूचना जारी करके पूर्विक्तः संपरित के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता। हुं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्री में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधी, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूवांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य स्थिक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः --- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह¹, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया ह³।

पर्लंड नं० 409, जो, सी-इमारत, गगनगिरि नगर, एक्सार रोड़, बोरियली (प०), बम्बई-92 में स्थित है। प्रनूसूची जैसा कि ऋ० सं० भ्रई-4/37–ईई/15933/84–85 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 1–3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहाय है स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजीन रोज-4, बम्बई

दिनांक: 7--11--1985

प्रकृत बाह्ये, द्वी .हुन .हुन .,-----

नामकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-4, बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 नवम्बर 1985

निदेश सं० अर्ह-4/37-ईई/15490/84--85---श्रतः मझे, लक्ष्मण दास,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त निधिनियम' अन्त बदा हैं), की धारा 269-ज के नधीन सक्षम प्रधिकारी को वह जिल्ला करने का कारण हैं कि स्थावर सम्बद्धि, जिल्ला उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से निधक हैं

श्रीर जिसकी सं ृष्लाट नं सी-2, जो, योगी दिप को व श्रापं हाउसिंग सोमायटी, योगी नगर, एक्सार रोड़, बोरिवली (तः), बमां में स्थित (श्रीर इससे उपबद्ध श्रनूसूची में श्रीर पूर्ण रुप में विणित है), श्रीर जिस हा कराप्तामा श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 की धारा 269 रु, ख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त संबक्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान श्रितफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के जीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्वदेश से उक्त अंतरण लिखित में शस्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, उकत अर्थिनियम के अभीन कर देने के अन्तरण के दाबित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों क्ये, विन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था वा किया जाना चाहिए था, डिपाने में संविधा के सिए;

करा: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपभारा (1) भें अभीन, निष्नितिकित व्यक्तियों, वर्षात :---- 1. श्री एन० बी० पादकी

(भ्रन्तरक)

श्रीमती गीतादेवी एस० ाराफ़

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के सिष् कार्यनाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकायन की तारीय ये 45 दिन की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, यो औ नविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (च) इस तूचमा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर धक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पब्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त खम्बों और पदों का, जो उक्त अधि-निवस के अध्याव 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विवा गया है।

ग्रनुसूची

प्लाट नं० सी-2, योगी दिय को०-स्राप० हाउँसग सोसायटी, योगी नगर, एक्सार रोड़, बोरियली (प०), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा जि क० सं० श्रई-4/37-ईई/15490/84-65 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

लक्ष्मण दास मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर भ्रायूक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-4, बस्बई

दिनांक: 7-11 1985

मोहरः

प्रकृत काई : टी : एम् : एक् :------

व/यकर.विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बंधीन स्वता

मारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्तण) ग्रर्जन रेंज-4, बभ्बई

बम्बई, दिनांक नयम्बर 1985 निदेश मं० श्रहें—4/37—ईई/15413/84—85——अतः मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियल, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्वे इक्त पश्चाल 'उन्नत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा १८०-च के श्रीम सक्षम पाधिकारी को यह विषदास करने का कारण हो कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाचार मूख्य 1,00,000/- फ. से वीधक ही

स्रौर जिसकी सं० पलैंट नं० 2 , जो, तल माला, ए-इमारत हरेक्वर अपार्टमेट, बोरिवली, बम्बई में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबढ़ श्रन्सूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), स्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधित्यम, 1961 की धारा 269क, ख के स्रधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है, तारीख 1-3-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के बीचब बाजार मून्य से कन को अवकान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुखे वह जिल्लाच करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीचत बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल का कंद्र प्रतिकत से अधिक है और अंदरक (बंतरकाँ) और कंद्य-रिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे अंदरण के लिए तय पाका गया प्रतिकल, निम्मतिचित उथ्रदृश्य से उस्त अंदरण सिचिक में बाल्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) जन्तरण ने हुई किसी बाद की बावब, उपन संधिनियद में संधीन कर दोने के संतरक के दावित्य में कमी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए; मरि/मा
- (क) ऐसी किबी जाब वा किसी धन या बन्स बास्तिबों को, फिन्हों भारतीय वाय-कर अधिनिवस, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिवस, या धनकर अधिनिवस, या धनकर अधिनिवस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना काहिए था, खिपाने में सविधा के लिए;

जतः अब, .उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के जन्तरण में, में उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित अ्यक्तिवाँ, अभीत् क्र— 1. मेसर्स प्रिति इंटरप्राईज

(भन्तरक)

2. श्री एच० जे० जाधव

(ग्रन्तरिती)

को बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उच्छ कलात्ति के वर्षन के सम्बन्ध के कोई भी वाक्षेत्र हन्न

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की वर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना कई कार्यका से 30 विम की अवधि, को भी सर्वीध वाद न वनाया होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब व 45 किय के भीवर उच्च स्थापर तंपीका में कित-क्यूच कियी जन्म स्थापित स्थापा जभोहत्ताकारी के पात कि बिद्ध में किए वा क्योंने।

लक्कीकरण:--इसमें प्रवृक्त बन्धों और नवीं का, थी उन्त वीवित्तवभ से बन्धान 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होना थी उन्त अभाव में दिवा नवा है।

वनुसूची

फ्लैंट नं० 2, जो, दल माला, ए-इमारत, हरेश्वर श्रपार्टमेट, बोरिवली, बम्बई में स्थित हैं।

श्चनूसूची जैसा कि ऋ० मं० श्चई-4/37–ईई/15413/84–85 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1–3-1985 को रजिस्टई किया गया है।

लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेजे–4, बम्बई

दिनाक: 7--11--1985

नोहर 🏻

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-4, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 7 सवम्बर 1985

निदेश मं० ऋई -4/37-ईई/15782/84-85---श्रन मुझे, लक्ष्मण दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिलकी मं० फ्लैंट नं० 308, जो, उरी मंजिल, बी—
इमारत ,हरेक्वर भगार्टमेट, विलेश एक्कार, तालुरा बोरिवली,
बम्बई में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध भनूसूची में श्रीर
पूर्ण रूप मे वर्णित हैं), श्रीर जिलार करारनामा भायतर
प्रधिनियम, 1961 की धारा 269क, ख के श्रधीन, बम्बई
स्थित सक्षम प्रधिराणी के जायलिय में रिक्ट्री हैं, तारीख
1-3-1985

को पूर्वोक्स सम्मत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (का) एंसी किसी आयं या किसी पन या जन्म जाहिस्स की, जिन्हें भारतीय आयं कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिक्ति व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैं० प्रिती इंटरप्राईज

(अन्तरक)

2. श्री एम० पी० जोशी ग्रींग ग्रन्थ

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस तूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 विन की अवधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 दिन के भीतर उक्स स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्षीकरण: ---इसमें प्रयुक्त खुक्यों जीट पदी का, आं अवह अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया वृता है।

जन**सूची**

फ्लैंट नं० 308, जो, 3री मंजिल, बी-इमारत, हरेश्वर ग्राग्टिमेंट, विलेज एक्पार, तालुका बोरिवली, बम्बई मे स्थित है।

श्रनुभूची जैमा ि फ्र॰ मं क्यई--4/37-ईई/15782/ 84-85 1--3--1985 को रजिस्टई हिया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधितारी सहायक भ्रायकर भ्रायूक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेंज--4, बम्बई

दिना 7-11-1985

भोहर:

प्रकृष बाहु , टी. एनं, एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याख्या, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बई

धम्बई, क्षितीतः 7 भवस्वर 1985 विदेश सं० अई-4/37-ईई/15932/84-85--आतः मुझेन् सदमाग दास,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के बधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00.000/- रा. से अधिक है

भीर जि.की सं० फ्लैप्ट नं० 420, जो, सी-इमाराः, गगाः गिरि शगर, एकार रोड़, बोरिक्सी (५०), बम्बई-92 में रियाः है (और इसी उपायक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बीगाः है) भीर जिल्ला करारतामा आयकर अधित्यम, 1961 की धारा 269क, ख के अधीत, बम्बई रियस सजम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिल्ड्री है, सारीख 1-3-1985

को पूर्वो कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गईं है और मूक्षे यह विश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वो कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कर से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को कायित्व में कभी करने या उससे अपने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 11) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

जतः अव, उसत अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उत्रत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नोलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :—— 76—376 GI/85 1. मैं • गगा गिरि डेवलपरेंट का परिश्ल

(अन्दरक)

2. भी विजय शंकर चब्ह्वाण

(अन्दरिती)

की यह स्वता जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के किए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

इक्ड मुम्पित्त के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी अपक्षेप:---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविधि मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बाविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों के व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए पा सकींगे

स्पद्धौकरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, भी उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पर्जंष्ट मं॰ 420, जो, सी-इमारत, गगनगरी शगर, एक्सार रोड़, बोरिइसी (५०), बग्दई-92 में स्थित है। जनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15932 84-85 मीर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-3-1985 को रुजिस्टई किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्तः (िरोक्षण) अर्जन रेज-4, बम्बर्

行計市: 7-11-1985

मक्त सार्", सी. पुन् , प्यू , न्यानाना नाम्या

बारकर मीर्पनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बर्धीन सुम्ता

जारत सरकार

आयस्यिय, सहायक आयकर काय्क्त (मिर्शक्षण) अर्जन रेंज-4, अम्बई

धम्बई, दिलांक 7 नवम्बर 1985

मिवेश सं ॰ अई-4/37-ईई/15934/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.90.030/- रा. से अधिक हैं

भीर जित्रकी सं० पर्लंड नं० 403, जो, सी-इमारा, गगागिरी मगर, एक्सार रोड़, बोरिदली (५०), बस्बई-92 में ल्यित हैं (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में धोर पूर्ण रूप से विजत हैं), श्रीर जित्रता करारतमा आयतर अधितियम, 1961 की धारा 1269%, ख के अधीत, बस्बई ल्यित तक्षम प्राधितारी के लायिलय में रिकिस्ट्री हैं, तरीख 1-3-1985 को प्रांकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रक्षिप्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रक्षिप्त को पर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रक्षिप्त को का धारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृल्य, उम्प्ते दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिपात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के निए तय पामा गया प्रतिफल, निक्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाइत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियान में स्विमा के सिए;

कतः विव अक्त अधिनियमं की धारा 269-म के अनुसरण वे, भे, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिखन स्थान्तियों, अर्थात ६—- 1. मै॰ गगदगिरि डेबलपरेंट कार्पोरेकाः

(জয়ায়ত্র)

2. श्री यशवंत पुडलिक विलये

(अन्तिरिती)

का मह स्थान जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

पक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं से 45 चिन की अवधि या तत्मंबधी स्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि वाद में स्माप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी स्वक्ति इसारा;
- (क्) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मन्पत्ति मों हितवक्ष किसी अन्य प्राक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित मों किय वा सकोंगे।

स्थव्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-फ में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ द्वांगा जो उस अध्याय में दिया। भया है।

अनुसूची

पर्जंष्ट नं० 403, जो, सी-इमारत, गगागिरि शगर, एक्झार रोड़, बोश्विली (५०), बम्बई-92 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-4/37-ईई/15934/84-85 और जो सभम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिशांक 1-3-1985 को रजिल्ह के किया गया है।

लब्बग दास सम्राम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरिशक्षण) अर्भगरोज-4, बम्दई

বিদাঁক: 7-11-1985

मक्त मार् . वो. एन. क्यं. क्रांट्रा

नामकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-व (1) के नुधीन सुचना

बारत बरकार

कार्यातय, सहायक नायकर भायकत (नि.रोक्षण) अर्जभ रेंज-4, अम्बई

बम्बई, दिनां त 7 भवम्बर 1985

िदेश सं ० अ**ई**-4/37-ईई/15679/84-85-आः मुझे, सक्सण दास,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के वधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित् वाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

प्रोट जिन्न है। सं ० १० में २ 82, पर्नेट मंग्र सी २4, जो "बैभव", एवं माला, टी० पी० एत० 3 प्रोट सी० एत० टी० 727 (प्रोट), जाम्प्रती गरती, बोरिवली (५०) बन्नई-93 में लिया है (प्रोट इत्ते उत्तब्ब अनुसूची में प्रीट पूर्व कर से विज्ञा है), प्रोट जिन्न जा जरारतामा आयार अधिध्यम, 1961 की धारा 2697, ख दे अधीन, बन्नई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री हैं सारीख 1-3-1985

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रहें प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया भा कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के

जतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुस्रण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के नधीन, निम्नीसिंख व्यक्तियों, अधीत् .--- 1. मै उसे गोतम बिटडर्स

(अन्तरक)

2. श्री वामण मल्हार जोशी

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके प्वांकित संपृत्ति के वर्जन के बिक् कार्यवाहिया करता हुँ।

उक्त संपरित के वर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की इसिंध, जो भी वर्षि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबब्ध किसी अन्य, व्यक्ति द्रारा अथाहस्ताक्षरों के पास लिखिल में किए जा स्कोगे।

स्वध्दीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित ही, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विका गका ही।

अनुसूची

पलैट नं० सी-4, जो, तल माला, वैभव इमारत, प्लाट नं० 82, टी० पी० एस० 3 घौर सी० एस० टी० 727 (श्रंप), जीम्बली गल्ली, बोरिवली (प०), बम्बई-92 में ल्यिप है।

अनुसूची जैसा कि कि के सं० अई-4/37-ईई/15679/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्पई द्वारा दिशांक 1-3-1985 को एजिस्टर्ड किया गया है।

> लक्ष्मण दास सक्षम प्रा**धिकारी** सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज-4, **बम्बई**

विनोज: 7-11-198**5**

प्ररूप आई. टी. एवं. एस. -----

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-म (1) के संधीन स्थान

भारत सरकार

कार्याक्षय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जंभ रेंज-4, धम्बद्द

बम्बई, दिग्तीस 4 नवम्बर 1985

भिदेश सं अई-4/37-जी ०/94/84-85--अतः मुझे, सक्मण दास,

नायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु से अधिक है

मीर जितकी सं० सी० टी० एय० नं० 987, सर्वे नं० 39(4), एल० टी० रोड़, दहिसर (५०), बम्बई में स्थित हैं (ग्रीर-इरासे उपाधक अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), और जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क, ख के अधीन, बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री हैं, तारीख 16-3-1985

का पृथिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रायमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके देश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह अतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्लित के बास्तिक क्या से कथित वही किया गया है इ—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी बाय की वावत, उक्क अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एती किसी आय या किसी धन मा बन्स बास्तियों को, यिन्द्री भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के आए;

कतः वर्षः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-म की अनुसरण कें, में, इक्त अधिनियमं की भारा 269-म की सप्धारा (1) के वधीन, जिस्मिशिकिट व्यक्तियों, वर्षात् ह— 1. श्रीमती गजीधाई गांबिन्द म्हासे।

(अग्जरक)

2. थी वी० बी० मिथा

(अन्सरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्का के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबव्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के एाइ
 सिकित में किए जा सकोंगे।

न्यच्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों की, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्याही।

मनुत्रुची

अनुस्वी जैसा कि विसेख सं० एस•-444/84 मीर जो स्प राजिल्हार, बम्बई द्वारा दिलांक 16-3-1985 को ू राजिल्ड किया गया है।

> सक्मज दास धक्षम प्राधिकारी सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जम रेज-3, बम्बई

विनोज: 4—11—1988

प्रस्य बाइ ् टी : एन . एस . -----

बाधकर बिधिनियम 1961 (1961 का.43) की 269-व (1) के अधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यातय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भर्जेप र्रेज-4, धम्बर्धे धम्बर्धे, विशोक 7 शवन्त्रर 1985

िदेश सं ॰ अई-3/37-जी = /100/84-85-- अर्थः मुझे, सक्मण दास,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जित्रकी सं० खुना कृषि भूमि का हिस्सा, जिस्ता एका ए नं० 6 ६०, जित्रका सर्वे सं० 42 (ग्रंस) भीर सी० टी० एस० नं० 41 (ग्रंस), मीजे गीर ६, सालुका बोरिवली, पम्बई में स्थित है (ग्रंस इतते उपत्यक अनुसूची में भीर पूर्वे कर से बॉना है), रजिल्ड्रीक्त अधिकारी भे के कार्यानन, बम्बई में रजिल्ड्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के अत्रीत, सारीख 11-3-1985

को पूर्वोक्त सपरित के उचित बाजार मूल्य में कम के रूपमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिकल से एसे रूपमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरको) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्यविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की वावत, अक्ट जीवनियम के जवीन कर दोने के जन्तरक के वामित्व में कमी करने या उसते वचने में सूरिया के सिए; बीर/या
- (व) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तिनों की, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रगाजमार्थ अन्तरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गवा वा या किया जाना वाहिए था, जिनाने में सृविधा के लिए;

बरः बक, उक्त बिधिनयन की पारा 269-य के अमृतरक के, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की स्पर्धारा (1) भी क्ष्यीन, निम्नसिविक व्यक्तियों, स्वयंस् :--- श्रीमती लेगा हैड्रीग्ज घाँर श्री हुईट अरवर्ट हेड्रीग्ज

(अम्बरम्)

2. डा॰ (बीमती) अमिडा फनिसीस

(अन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्मस्ति के नर्थन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेष उ---

- (क) इस स्चिता के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख धैं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी शविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबड्ड किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव चिक्ति में किए जा सकतें।

रपष्टिकरणं:---इसमें प्रयुक्त धान्दों और पदों का, को उक्त कायकर अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्थ होगा को उस अध्याम में दिया पया हैं।

मन्स्यो

अतुपूर्वी जैसा कि विनेश सं० 632/80 मोर जो सप रिजस्ट्रार, सम्बद्ध द्वारा विभीत 11-3-1985 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> लक्मन दास राज्ञम प्रापिकारी सहायक जायकर आयुक्त (मिरीक्षण) खर्जन रेंड-4, कम्बर्ड

বিদার: 7-11-1985

नोहर:

इक्ष्यूत बाइ व दी है एन न एस न ननन

नावका व्यविषयम, 1961 (1961 का 43) मार्ड थाद्य 289-व (4) में विभीत स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक अन्यकर वायुक्त (भिरीक्षक)

अर्जन रेंज-4, धम्बद्ध धम्बद्धे, दितार 4 नवम्बर 1985

भिवेश सं० अई-4/37-जी०/88/84-85--आ: मुझे, लक्ष्मण दास,

नामकर निर्मित्रमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त निर्मित्रमा' कहा गया है), की धारा 269-च के सधीन शक्षम प्राधिकारी की, वह विकास करने का कारण है कि स्थानर संस्मित, जिसका उचित नामार मुख्य 1,09,800/- रह. से सिधक है

भीर जि.की सं० खुला जमीन का हिस्सा, श्रीर प्रिमायसेस जो, एहिस्स रवें सं. 276, एक० नं० 1 (ग्रंग), रिवीजिन एवें नं० 277, एक० नं० 1, (ग्रंग), पाट नं० 26-बी भीर 27, दहित्स, बम्बई में स्थिन हैं (ग्रीर इतसे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विनि हैं), रिजिज़ी निर्मा अधि हारी के पार्यालय, बम्बई में रिजिड़ी रण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अवीन, क्षारीख 14-3-1985

की प्रोका करित को समित कातार शुरूष से काम की आध्याम प्रतिकास को लिए बराइरित की पहुँ हो गौर मुन्ने यह विश्वास कारने काको का कारन है कि संधापुर्वोच्या सम्पत्ति का उचित बाजार शृत्व, असकी रूक्यमान प्रतिकाल को, एसे व्यवसान प्रतिकाल का श्रेष्ठ प्रतिकाल से अधिक हो बीर बटरक (अंतरका) और बंदिरिती (अन्तरितियों) को बीच एसे अन्तरण की लिए तय सामा मना प्रतिकास, विस्तिविद्याल उक्योबय से जनत अन्वरण जिल्लिक में बास्स्ट्रीयक क्षत्र के किथा सही किया स्था है के—

- (क) बर्ग्यण्य से हुई किसी काम की नावत जनस निध-निषम को बधीन कर दोने के बस्तरक को दायित्व के कमी कुरून या उद्देश क्याने में बृत्यिभा के । सिद्; कीर/वा
- (क) घोडी किसी जाय या किसी थय या जन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अध्यक्तियों वृद्यारा प्रकट वहीं किया गुमा या वा किया जाना करिहरू था छिपाने में सुविधा के सिए।

जतः शवः, उत्तर अधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, धक्त जिथिनियमं की भारा 269-म की स्पर्धारा (1) है वर्धान, निक्निशिक्त व्यक्तियों में वर्धान है— 1. श्री श्रोत्मा टी० जातेफ

(अन्तरक)

2. श्री मेवजीभाई राजमजी राजा

(अन्दर्शि)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्मित्त के अर्जन के लिख् कार्यमाहियां करता हां।

जन्य सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेष् :---

- (क) इस स्पान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्भान की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी जबिध बाद में समाप्त हाती हा, के भीतर पूर्वांक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य स्थावत इवारा अधोहस्ताक्षरी के बास जिलाकत मा किए वा सकोग।

स्वश्वीकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त किश्नित्वम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा. को उस अध्याय में विका यस है।

अनुसुधी

अनुसूची जैमा कि बिलेख सं० एप०-3653/83 श्रीर जो अन्दर्शिक्ट्रार बम्बई द्वारा बिनाक 14-3-1985 को रिष्टिड किया गया है।

> लक्मग दास सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) अर्जंग रेंग-4, बम्बुई

दि"तंत्र: 4—1T—1985

प्रस्य बाह् .टी .एन .एस . -----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रोज, लखनक

लखाऊ, दिशीत 14 भवम्बर 1985

िदेगः सं० जी० अ.धै० आर०सं० एत-3959/एनिय अतः मुझे, बिनोद कुमार,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चत् 'नकत अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भित्त, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिल्ली सं० पाट नं० 1, है एया जो 18, मदा मेंहा मापत्रीय मार्ग, रुखाऊ में रिया है (प्रोर इतने उल्लाब अनुसूची में प्रीर पूर्ण का से बींना है), परिल्ड्रीटर्ता अधितारी के तार्याक्ष्य, रुखाऊ में प्रजि द्वीत कि कि प्रशिष्य 1908 (1908 जा 16) के अधीत, एत्रीख मार्च, 1985 के पृष्ठीत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकात के लिए अन्तरिती की गई और मुक्ते यह विश्वास बद्धां का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिकात के लिए अन्तरिती की गई अपर मुक्ते प्रयमान प्रतिकात का पन्दह प्रसिद्धात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एक अन्तरण के लिए तम पाग गया प्रतिकात निम्निसित उद्देश्य सं उक्त अन्तरण सिस्ति में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (रा) बातरण से हुप किसी बाव की बावत , उपत अधिवियम के अधीन कर घेने के अन्तरक खें द्यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (भ) एंसी किसी बाय या किसी भन या जन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उरत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुनिभा के सिए.

न्तः जब, उक्त विधिनियम की भारा 269-म के बन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के बधीन, निम्निजिबित स्पिक्यों, वर्धात् ६--- भे उर्स आम्प्रशाली राइ ठारी गृह शिर्माण समिशि लि॰
 554, ख/37, विशेश्वर शगर लखाऊ द्वारा सचिव श्री डी॰ सी॰ श्रीवास्तव

(असरक)

2. श्री संजय जसनानी

(अग्रास्ति)

का यह स्वना चारी करके प्रॉक्त सम्पत्ति के अर्थन का अर्थ कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 4.5 दिन की संप्रीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की क्विष्ठ को भी संविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ड व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के शजपत्र में प्रकाशन की नारीस ने 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य स्थावित द्वारा अथाहस्ताक्षरों के पास सिवित में किए का सकों ने ।

स्यव्यक्तिकरण: -- इसमें प्रयुक्त कार्यों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

ब्लाट नं० 1, पैमाईसी 16,000 वर्ग फिप्ट स्थित 18 मदा मोहा मालवीय नगर, लखाऊ (जैसा फार्म 37-जी० में वर्णित है)।

> विनोव कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर आयुन्त (िरीक्षण) अर्जन रेंज, लखाऊ

सारीख: 14-11-1985

प्रकप बाइं.टी.एन.एस., ------

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के संधीत सूचता

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नाम्क्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, ग्रमुतसर

धमृतसर, दिनोक 6 नवम्बर 1985

निवेश सं० मम्। तर/85-86/41---मराः मुझे, श्रीमती धिवजीत कोइसी, अ.ई० भार० एस०,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख में अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्मरित, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर जि.की सं० ए र एक िराया को ईरए मीएन नगर, समुदार में स्विद्ध हैं (भीत करते एक दे कर्म् की में भीत पूर्ण कर से क्षित हैं), रिष्ट्रंत करिय के नगर्मक्ष, कर्म्स से क्षित हैं। कि कि कि कि कि (1903 नग 16) के भीत, सरीख मई, 185

को प्वांक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थमान मिक्क के लिए अन्तरित की गई ही और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वंक्ति सम्मित्त को उचित बाबार कृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिरात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपल, निम्नालिखित उद्वेषण से उच्त अन्तरण लिखित में बास्त- सिक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

कतः भव, उपत अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जै, मैं, उपत अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) को अभीन, निम्मक्षितिक व्यक्तित्यों, अर्थात् ३--- 1 भी. मनोहर हिंह पुत्र श्री गूरबंग दिंह वासी इंदर मोहन नगर, सुहायान दिंह रोड़, सन्धार ।

(द्यग्तरक)

2. श्री ज्ञान सिंह पुत्र श्री अवाहर मल महान नं० 371-वी०, ईस्ट मोहन नगर, धन्यदर।

धरारिती)

3. जीता कि कावार में है और कोई किराएकार भगर कोई है। (बद्द व्यक्ति, जिस्की संविभीन में सम्बद्धि है)

4. श्रीर कोई

(बहु क्विक्तिः, जिस्को बारे में **मधी-**हुसा:क्षरी जानता है कि ब**ह** समास्ति में हितब**स है**)

को यह सुभाग भारी करके पृत्रोंका सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यशाहियां करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई" भी बाक्षेप:---

- (क) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीब से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविष बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (व) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब प्र 43 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, क्योहस्ताक्षरी के पास निवित में किये का सकेंगे।

स्वध्यीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस वध्याय में दिवा वदा हैं।

बन्स्पी

एक जायदाद 371-बी, ईस्ट मोहन नगर, इ.मूरासर जैता हि रिनिस्ट्रीज़्तों बिधिकारी, इ.मूरादर के सेल डीड्रू, नं॰ 2433 दारीख 30-5-1985 में दर्ज है।

> मिक्षेत्र वित्रजीत कोहली माई० मार० एस० सक्षम प्राधिशारी सहायक मायकर शासुका (निरीक्षण) मर्जन रेंज, ममुखसर

सारीब: 6--11--1985

मोहरः

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION Now Delhi, the 31st October 1985

No. A. 32014/1/85—Admn. III—The President is pleased to appoint the following regular Assistants of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Section

Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier.

or unti	l further order	(#) W	hiche	ct i	s ear	lier .	_
Sl. No.	Name					•	Period
1	2						3
1, Shr	i S.L. Kumar						31-10-8
							to 31-12-8
2 Shr	i Philip John						31-12-6
2, 5111) Timp Join	•	•	•			to
							31-12-8
3. Shr	i Bhagirathi Kui	mar					31-10-8
							to
							31-12-85
4. Shri	S.D. Mal .		•	•		•	31-10-8
							to
5 Shr	i Bir Inder						31-12-8 31-10-8:
5, 1310	i in mac	•	•		•	•	31-10-8
							31-12-8
6. Shr.	i H.C. Sharma						1-11-8
							to
							31-12-8
7. Shr:	i Pahlad Singh			•	•	•	1-11-8
							to
e Chr	i A.S. Bedi .						31-12-8 1-11-8
•. 501.	I A.S. Dedi .	•	•	•	•	•	to
							31-12-8
9. Shr	i K.V. Tewani						1-11-8
							to
							31-12-8
10. Shr	i O.P. Trehan	•	•	•			1-11-8
							to
11 Chr	i R.N. Mathur						31-12-8 1-11-8
11. 314	1 IX,14, Matha	•	•	•	•	•	1-11-0 to
							31-12-8
12 Smt	, Santosh Kapoo	эг					1-11-8
							to
							31-12-8
13. Shr	i Avtar Singh		•	٠	•		1-11-85
							to
14 Chr	i Bishambar Day	wal					31-12-8 1-11-8
14. 5111	I Distratilicat 17a	yaı	•		•	•	to
-							31-12-8
13. Shr	i Tara Singh (S	Ξ).					1-11-8
							to
							31-12-8
16. Shr	i J.P. Sharma				•		1-11-8
							to
17 Shr	i M.L. Dogra						31-12-8 21-10-8
11. 2111	1 W.L. 1906.4	•	•	•	•		to
	•						31-12-8
18. Shr	i S.P.S. Sagar (SC)					21-10-8
-							
							31 - 8
7 276	 GL/85		-				

77—376 GI/85

1 2			_		
19. Shii Pritam Singh (SC) .			,	21-10-85 to
					31-12-85
20. Shri Ram Marain					21-10-85
					to
21. Sri 3.3 Jot (wil. 32)		•		•	31-12-85
					28-10-8 5
					to 11-12-85
22. Smt. N.H Tahiliani .					28-10-85
					to
					11-12-85
23. Shri K.S. Aswal				•	28-10-85
					to
					11-12-85
24. Shri K.S. Kochhar		٠	•	•	28-10-85
					to
OF Chair Different					1-12-85
25. Shri P, Joshi	•	•	٠	•	28-10-85
					to 1-12-85
					1-12-03

The 4th November 1985

No. A. 12025 (ii)/1/84-Admn. III—Consequent on their having been nominated to the Union Public Service Commission as Section Officers on the basis of Combined Ltd. Departmental Competitive Examination, 1984, vide Deptt. of Personnel and Training O.M. No. 5/2/85-CS(I), dated 18-10-84 the president is pleased to appoint the following officers of the CSS cadre of this office to officiate as Section Officers of the Central Secretariat Service cadre of the Union Service Commission with effect from the date indicated against each until further orders:—

Sl. No. Name			Rank	Date of appoint- ment
1 2		',	3	4
S/Shri 1. Manjit Kumar .			02	30-10-1985
Pardeep Kapoor			45	30-10-1985
3. A.N. Suman (SC)			86	30-10-1985

2. The appointments shall be subject to the results and final decision of the C.W.P. No. 1191/78 pending on the Delhi High Court.

M.P. JAIN
Under Secy. (Per. Admn.)
Union Public Service Commmission

MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMINISTRATIVE REFORMS, PUBLIC GRIFVANCE AND PENSION

(DEPTI: OF PERSONNEL & TRAINING) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 7th November 1985

No 3/40 '85-Ad.V —The President is pleased to appoint Sh. V. K. Tril ha a Section Officer, borne on CSS Cadre of M/Water Resources as Technical Officer (Accounts & Income Tax). Central Bureau of Investigation, on deputation, for a period of 3 years with effect from the forenoon of 8th Nov 1985.

The 21st November 1985

No A-19028/1/80-Ad V. - The services of Sh. K. N. Dhar, Technical Office: (Accounts and Income Tax)/CBI are placed at the disposal of Income-tax Department, New Delhi with effect from the forenoon of 8th November, 1985 on repartment. triation.

> R. S. NAGPAL, Administrative Officer (F)

> > CBI

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110003, the 26th November 1985

No. O II-1761/82-Esti(CRPF).—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) P Pradhan, as Junior Medicul Officer in the CRPF on ad-hoc basis w.e.f. (he forenoon of 30th October, 1985 for a period of three months or the control of the part is filled in a period of the months of the control of till the post is filled in by the regular incumbent, whichever is earlier.

No O II-2003/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Manzar Afaque as Junior Medical Officer in the CRPF with offect from 29-10-1985 (FN) on ad-hoc basis for a period of three months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is carlier.

> M ASHOK RAJ Assistant Director (Estt.).

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLIFR AND AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi-110002 the 22nd November 1985

Ref No. 2241-CA.J/28-74 -On his attaining the age of superannuation Shii V. M. Thetey, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Director of Audit (S&CD), Bombay has retired from service with effect from 31-8-1985.

> K P. LAKSHMANA RAO. Asstt Comptr. & At. Genl. (Comml).

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 3rd December 1985

No Admy 1/00-No 307 -- The Director of Audit, Central Revenues I, has ordered under 2nd proviso to the FR. 30(I), the proforma promotion of Shii Inder Mohan Johan a permanent Section Officer (Now Asstt. Audit Officer) of this officer to the grade of Audit Officer in the time scale of Rs, 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 6-11-85 (A,N) until further orders

> (Sd.) Illegible Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL (A&F) KFRAT 4

Trivandrum-695039, the 21st November 1985

No. Estt/A-V/9-86/Vol II/253.--The Accountant General (A&E) Kerala, Trivandrum is pleased to appoint Smt. F. T. Sarojini, Section Officer to officiate as Accounts Officer with effect from 14-11-1985 (F.N.) until further orders.

The appointment is provisional and subject to further orders as may be issued by the Hon'ble High Court of Kerala in O.P. No 75084 K.

> S. B. PILLAI, Senior Deputy Accountant General (Admn.).

MINISTRY OF DEFENCE DGOF HEADQUARTERS CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta-700 001, the 21st November 1985

No. 14/85/A/E-1(NG).—On attaining the age of super-annuation, Shri Dilip Kumar Mitra, Offg. Assistant Staff Officer (Substantive and Permanent Assit.), retired from service with effect from 30-9-83 (A N.).

2. Shii Mitra has been transferred to the pension establishment with effect from the same date.

> S DAS GUPTA. Director/Admn.. for Director General, Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 25th/26th November 1985 IMPORTS AND EXPORTS TRADIT CONTROL (FSTABLISHMENT)

No. 5/3/85-Admn.(G).—The President is pleased to appoint the following Assistant Chief Controllers of Imports & Exports (Grade III of Central Trade Service) in the Import and Export Trade Control Organisation to Grade II of Central Trade Service (Deputy Chief Controller of Imports and Exports) with effect from the forenoon of the 11th September, 1985, until further orders:—

- 1. Shri R. K. Raha.
- Shii K. I. Chellani.
 Shri B. N. Singh.
- Shri N. D. Agnihotri.
 Shri S R. Johar.
- 6. Shri K. K. R. Kumar,

No. 6/367/56-Admn.(G).—On attaining the age of superannuation Shri P. K. Mukherjee, Dy. Chief Controller of Imports & Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports & Exports, Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st October, 1985.

SHANKAR CHAND.

Dv. Chief Controller of Imports & Exports, For Chief Controller of Imports & Exports.

The state of the control of the state of the

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIR

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT OFFICE OF THE DEVFLOPMENT COMMISSIONFR (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 25th November 1985

No. A-19018(724)/84-A(G).—The President is pleased to permit Shri D. G. Patwardhan, Industrial Adviser (Chemical), Office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi to retire from Government service on at aining the age of superannuation with effect from afternoon of 30-9-1985.

C. C. ROY Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 1st November 1985

No. A-1/1(423).—Shree Bharat Bhushan, permanent Assistant Director (Grade I) and officiating Deputy Director of Supplies in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi expired on 20-10-1985.

(Sd.) Illegible
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

KHAN VIBHAG

GLOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 25th October 1985

No. 9891B/A-19011(1-ANT)/85-19A.—Shri A. N. Trivedy, Geologist (Senior), Geological Survey of India, relinquished charge of the post of Geologist (Senior) in the G.S.f., on the forenoon of 1st July, 1985 for joining the post of Manager (Geology) in the scale of pay of Rs. 1575-2300/- in the Bihar State Hydro-electric Power Corporation Limited on deputation for a period of one year initially on the normal terms and conditions of deputation.

The 30th October 1985

No 9954B A-32013/J-Geol (Sr.), 84-19 Λ (3).—The President is pleased to appoint the following Geologists (Junior), Geological Survey of India, on promotion as Geologist (St.) in the same Department on pay according to Rules in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600/- in an officiating capacity with effect from the dates mentioned against each, until further orders,

- Sl. No. Name Date of appointment
- 1, Shri Rakesh Kumai Khorana -9-8-85 (FN).
- 2. Shri S. Chopta-9-8-85 (FN).

The above promotion to the post of Geologist (Senior) in Cheological Survey of India is on ad-hoc basis in terms of the Interm Order of the Honble High Court, Calcutta, as passed on 28-2-1985 in F.M.A.T. No. 507 of 1985 setting aside the interim order of stay as passed by the Learned Single Judge on 1-2-1985 and 18-2-1985 in the Writ Petition filed by Shri Tridib Laskar and others against Union of India & others subject to the result of the Writ Petition.

A. KUSHARI Director (Personnel)

Calcutta-700016, the 22nd November 1985

No. 10585B A-32013 1-Dir.(Geol.) '84-19A.—The President is pleased to appoint the following Geologists (Senior), Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000/- in an officiating temporary capacity with effect from the da'e shown against each, until further order.

- SI. No, Name and Date of appointment
 - 1. Dr. B. P. Bhattacharyya-28-8-85 (FN).
 - 2. Shri O. N. Bhargava-9-9-85 (FN).

The 24th October 1985

No. 9866B A-19011(1-YMKCC) /85-19A — Shri Y. M. K. Chandra Chowdary, Senior Deputy Director General (Operation), Geological Survey of India, relinquished charge of the post of Senior Deputy Director General (Oprn.), Geological Survey of India, on the forenoon of 5th August, 1985, for joining the post of Chairman-cum-Managing Director in the Andhra Pradesh Mining Coporation, Hyderabad, on deputation for a period of one year or till the date of his superannuation from Geological Survey of India, whichever is earlier.

The 25th November 1985

No 10624/A-32013/1-Dir.(Geol.)/84-19A.—'The President is pleased to appoint Shri V. D. Puri, Geologist (Senior), Geological Survey of India, on promotion as Director (Geology) in the same Department according to rules in the scale of pay of Rs. 1500-60-1800-100-2000 - in an officiating temporary capacity with effect from 29-8-85 (AN), until further orders.

D. P. DHOUNDIAL Sr. Dy. Director General (Oprn.)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 22nd November 1985

No. 4(90)/75-Sl.—Shri R. P. Shastri, Programme Executive, All India Radio, Patna resigned from Government service with effect from 1st May, 1981.

J. L. BHATIA
Dy. Director of Administration (WL)
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING FILMS DIVISION

Bomaby-26, the 21st November 1985

No. A-32014/1 '84-RC —The Chief Producer, Films Division, has appointed Shri D. S. Saini, Selection Grade Recordist in Films Division, New Delhi, to officiate as Chief Recordist on ad-hoc basis in the same office in the scale of pay of Rs 840-40-1000-EB-40-1200 from the forenoon of 1-7-1985 until further orders.

N. N. SHARMA Administrative Officer for Chief Producer

MINISTRY OF AGRICULTURE & RURAL DEVELOP-MENT

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION) DIRECTORATE OF AGRICULTURAL AVIATION

New Delh-110003, the 6th November 1985

No. 2-20/73-Admn I—The undersigned is pleased to appoint Shri R. S. Sapra. Superintendent to the post of Administrative Officer in this Directorate in the pay scale of Rs. 650-30-740, 35-810 I.B. -35-880-40-1000 -EB-40-1200 with effect from the foreneon of 4th November 1985 in regular basis in temporary capacity till further orders.

He will remain on probation for a period of 2 years.

Gp. Capt. N. K. BARVE Director of Agricultural Aviation

DEI HI MII K SCHFME

New Delhi-8, the 18th November 1985

No. 3-20/75-Estt.(Spl.) -Shri Dilawar Singh, Section Manager, (Group 'B' Gazetted) Delhi Milk Scheme expired on 27-10-1985 (AN). His name has been struck off from the rolls of Delhi Milk Scheme w.c.f. 28-10-1985 (FN).

ARUN SEDWAL General Manager

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-85, the 26th November 1985

No. PA/73(18)/85-R-IV/1316.— The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr (Miss) Rajnesh Chhangamal Jain as Resident Medical Office in Medical Division of the Bhabha Atomic Research Centre in a tempopary capacity with effect from the forenoon of November 11, 1985 for a period of three years.

N. I. VENKITI SWARAN Dy. Establishment Officer Bombay-400 085, the 26th November 1985

No. G 1894/Acct/Estt.II/4349.—Shri Gobindram Pahilaj-1ai Pardasani relinquished charge of the post of Asst. Accounts Officer on 31-8-1985 AN consequent on his superannuation.

K. VENKATAKRISHNAN Dy. Establishment Officer

DEPARIMENT OF ATOMIC ENERGY CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 25th October 1985

No. CEDA/2(16)/6444.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Fnergy hereby appoints Shri R. B. Pillai, a temporary Assistant Account ant in Construction & Services Group as Assistant Account Officer in a temporary capacity of adhoc basis with effect from the forenoon of 28-8-85 to 25-10-85 vice Shri V. G. J. Pillai, Assistant Accounts Officer granted leave.

No. CED/ \(\frac{1}{2}(16)\)/6445.—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy hereby appoints Shii A.V. Poulose, a temporary Assistant Accountant in Construction & Services Group as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity on ad hoc basis with effect from the forenoon of 7-10-85 to 8-11-85 vice Smt. N. S. Rajadhyaksha, Assistant Accounts Officer granted leave.

D N SHETTI Administrative Officer

Bombay-400 094, the 19th November 1985

No. C&SG/A/2(16)/6752—Director, Contruction & Services Group, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. K. Chikiahatti, a permanent Section Officer (A) of the Office of the Controller of Accounts (Fys). Calcutta as Assistant Accounts Officer in the Civil Engineering Division, Construction & Services Group, Calcutta of this office on deputation basis for a period of two years in the first instance with effect from the forenoon of September 2, 1985

S. K. KAPUR Administrative Officer

NUCLEAR FUFL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 23rd November 1985

No. NFC/PAR/0703/2950.—Further to this office notification No. NFC 'PAR 0703/1628 dated August 26, 1985, the appointment of Shri C. R. Plabhakaran, Assistant Account into as Assistant Accounts Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 on ad hoc basis is extended unto 22-2-1986 or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI Manager, Personnel & Admn.

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 28th November 1985

No. 05012/R4/OP/4439.—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri Annamalai Natarajan Assistant Accountant, Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Assisant Accounts Officer, in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis w.e f July 3, 1985 (FN) to October 14, 1985 (FN) vice Shri S. Raman, Assistant Accounts Office repatriated to his parent office.

Ref.: 05012/R/2/4449—Chief Executive, Heavy Water Projects, appoints Shri M. H. Naiwani, Assistant Accounts Officer, Nuclear Power Board, Bomboy to officiate as Pay & Accounts Officer in Heavy Water Plant (Baroda) w.c.f May 31, 1984 (AN) until further orders.

SMT. K. P. KALI YANIKUTTY Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE ISRO SATFLLITE CENTRE

Bangalore-17, the 15th November 1985

No. 020/1(15.4)/Estt.-I.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to the post of Scientist/Engineer 'SB' with effect from the dates mentioned against each in the ISRO Satellite Centre. Bangalore of the Department of Space, on a temporary basis and until further oredrs:—

- (a) Shri S. Venkateswara Sharma (Staff No. 2163) with effect from September 30, 1985.
- (b) Shri C. H. Venkateswara Rao (Staff No. 2127) with effect from August 22, 1985.

H. S. RAMADAS
Administrative Officer-II

ISRO SHAR CENTER PGA DIVISION

Sriharikota, the 28th October, 1985

No. SCF, PGA: ESTT:III:1.72—The Director hereby appoints on Promotion the following officials to the post of Sci. Enginere-SB in the SHAR Centre, Stiharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders.

SI. No. Name		Designation	Date of appointment	
1 2		3	4	
S/Shri		· 	· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	
1. Rabindranath Paria		Sci. Engineer— SB	01-10-1985	
2. G. Karunakar		Sci, Engineer SB	01-10-1985	
3. V. Dhanaraj		Sci. Engineer— SB	01-10-1985	
⁴ . Simanchal Subudhi		Sci. Engineer— SB	01-10-1985	
5. A. Ramachandran	•	Sci. Enginoer SB	01-10-1985	
6. T. Parimala Rangan	•	Sci, Engineer SB	01-10-1985	
7. W.T. Rajkumar	•	Sci. Engineer— SB	01-10-1985	
8. S.A. Thaker .		Sci. Engineer— SB	01-10-1985	

No. SCF:PGA:ESTT:III:1.72:—The Director hereby appoints the following officials to the post of Sci. Engineer—SB in the SHAR Centre, Sriharikota in an officiating capacity with effect from the dates indicated against each and until further orders:

Sl. No. Name		Designation	Date of appointment	
1 2		3	4	
S/Shri				
1. M.V.Y.S. Ravikumar	•	Sci. Engineer — SB	13-05-85	
2. S. Rajavandian .		Sci, Engineer SB	24-06-85	
3. Sanjay Kullat	•	Sci. Engineer— SB	23-07-85	
4. B. Satecsh Babu .	•	Sci. Engineer SB	23-09-85	

Sriharikota, the 6th November 1985

No SCF/PGA/ESTT-1/R13058 6—The Director, SHAR Centre hereby appoints Shi₁ N Rajagopal to the post of Scientist/Engineer SB in the SHAR Centre, Sriharikota on a purely temporary and provisional basis with effect from the forenoon of 21st October, 1985

P S NAIR Head, PGA for Duector, SHAR Centre

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 7th November 1985

No A 32013/14/84 EC — The President is pleased to appoint Shii S P Hardass, Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department to the post of Assistant Director of Communication on regular basis we f 16th July, 1985 and until further orders

V JAYACHANDRAN
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 22nd November 1985

No A 32014/2/85 ES —The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shir S K Saha, Superint tendent in the office of the Regional Director, Madras Region, Madras Airport, Madras as Administrative Officer on ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650-30.740.35.810 EB 35.880-40.1000-EB-40-1200 in the same office from the forenoon of 22.8.85 to 29.12-85 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

J. C. GARG, Jt. Director of Administration

New Delhi, the 15th November 1985

No A 32013/3/85 EC() — The President is pleased to appoint the following five Fechnical Officers in the Civil Aviation Department to the post of Senior Technical Officer on regular basis wef 3rd September, 1985 and until further orders

- S No and Name
- I Shri S Bhattacharya
- 2 Shri M L Dhar
- 3 Shri M K Verma
- 4 Shri V Subramanian
- 5 Shri P K Bandopadhyay

V JAYACHANDRAN Deputy Director of Administration

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi 110 066 the November 1985

No A 19012/1119/85 Estt V—Chairman, Central Water Commission, hereby appoints Shri Mohd Abdul Bari, Senici Research Assistant to the post of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water Commission in the scale of pay of Rs 650 30 740-35-810-EB-35 880-40-1000 EB 40-1200 on a purely temporary and ad hoc basis with effect from the forenoon of 5th August 1985 for a period of six months or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier

The 28th November 1985

No A 19012/1071/84 Estt V—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee Group B) Chairman, Central Water Commission appoints \$11 Syed Mohd Shad, Design Assistant/Supervisor to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the puy

scale of Rs 650.30 /40 >-810 EB-35-880 40-1000-EB-40 1200 with clicit from the terenoon/afternoon of 28-9-1984 until further orders

(2) The above montooical will be on probation in the grade of 1 AD/AE in the Central Water Commission to a period of two years with effect from the aforesaid date

MEFNAKSHI ARORA Under Secy Central Water Commission

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad, the 20th November 1985

No 3-717/85 (H(1 stt) — Shii Prabir Sanyal is appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G C S Group-B, (Gazetted) in the scale of Rs 550-30-740-35-810-EB-35-880-40 1000 EE 40 1200/ on temporary basis in the Central Ground Water Board wet 8-10-1985 (FN) till further orders,

No 3 719/85 CH(Estt)—Shri Om Piakash Pooma is appointed it it is sit in Hid ogcologist, G. C. S. Group B. (Gazetted) in the scale of Rs 650 30-740 35 810-EB 35 880-40 1000 EB 40-1200/- on temporary basis in the Central Ground Water Board wie f. 7 10 85 (FN) till further orders

No 3 720/85 CH(Estt)—Shii Anand Prakash Ra₁ is appointed to the post of Assistant Hydrogeologist, G C S (Group B) Gazetted in the scale of Rs 650-30-740-35-810 EB 35 880 40 1000 EB 40 1200/ on temporary basis, in the Central Ground Water Board, well 7-10-85 (FN) till fulther orders

B P C SINHA Chief Hydrogeologist and member

OFFICE OF THE DIRECTOR GUNERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi the 19th November 1985

No 33/2/83-ECIN—The President is pleased to appoint Shri Ashok Kumai Mahk i nomine of the UPSC against the temporary post of Deputy Architect (G C S Group 'A' in the Central Public Works Department in the scale of Rs 700-40 900-FB 40 1100 50 1300/- (Plus usual allowances) with effect from 11 9 1985 (FN) on the usual terms and conditions

- -2 The 1 v of $\sin \tau$, h k kumai Millik will be fixed at Rs 780/ as recommended by the Commission
- 3 Shri Ashok Kumai Malik is placed on probation for a period of two years with effect from the date of his appointment

M, M DAS Dy Director (Training)

MINISTRY OF INDUSTRY AND COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

BAT THE THE OF THE PARTY STORES HE IN THE TANK THE

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act 1956 and of M/s Expert Financies (P) Ltd

New Delhi, the 20th November 1985

No 4406 18455—No ice is behave given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Expert Financiers (P) Itd unless cause is shown to be contay, will be struck off the Register and the said Commany will be dissolved

ROOP KISHORE
Assit Registrar of Companies
Delhi & Haryana

In the matter of Companies Act I of 1956 and of Ceramo Techno Private Lim ted

Calcutta, the 22nd November 1985

No. L/27457/D-H/2085.—Notice is hereby given Pursuant to Section 445 (2) of the Companies Act I of 1956 that an order for winding up of the above-named Company was made by the Honble High Court, Calcutta on 14-7-83 and the official Liquidator/Court Liquidator, High Court, Calcutta/has been appointed the official Liquidator.

MAHESH PRASAD Addl, Registrar of Companies West Bengal, Calcutta

In the matter of the Companies 1ct, 1956 and of M/s. M. M. Bhaskar (North India) Trades Private Limited

Jalandhar, the 26th November 1985

No. 73/Stat/560/7344.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name M/s. M. M. Bhashkar (North India) Tradets the name M/s. M. M. Bhashkar (North India) Traders
Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will
be struck off the register and the said company will be dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Punjean Fastners Private Limited.

Iallandhar, the 26th November 1985

No. C/Stat/560/3052/7342.—Notice is hereby given pursuant to sub section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M s. Poli Chit Fund Private I imited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said Company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Punjean Fastners Limited Private Limited.

Jalandhai, the 26th November 1985

No. G/Stat/560/7340,-Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months the date hereof the name of M/s. Punican Fastners Private Limited, Unless cause is shown to the contrary, will be Struck Off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s. Super Tico Foods Private Limited.

Jalandhar, the 26th November 1985

No. G/Stat/560/7336.—Notice is hereby given pulsuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Super Tico Foods private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act. 1956 and of Mis. Sun Shoes Private Limited.

Jalandhar, the 26th November 1985

No. G/Stat/560/7346.-Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act. 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sun Shoes Private Limited. unless cause is shown to the contrary, will be struck of the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of the M s R. G. Rubbers and Fans Private Limited.

Jalandhar, the 26th November 1985

No G/Stat/560/7348.-Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act. 1956, that the name of M/s. R. G. Rubbers & Fans Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of the M/s. Chandi Production Private Limited.

Jalandhai, the 26th November 1985

No. G/Stat/3296,7350.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Chandi Production Private Limited has this day been struck of the register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M s. Pradeep Limited.

Jalandhat, the 26th November 1985

No. G/Stat/560/2338 7354.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three mouths from the date hereof the name M/Pladeep Limited, unless cause is shown to the continiv, will be struck off the register and the said company will be dissolved

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Cown Paper Mills Private Limited,

Jalandhar, the 26th November 1985

No. G/Stat/560/7352.--Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Crown Paper Mills Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the register and the said company will be dissolved.

Registrar of Companies Punjab, H. P. and Chandigerh

OFFICE OF THE COMPETENT AUTHORITY

INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th November 1985

CORRIGENDUM

Ref. No. DLI, 9'84-85—In my notice u/s 269D (1) of the Income tax Act, 1961 (Ref. No. DLI/9/84-85/dated 10-9-85) the name of the transferee should be read as

"Sh. Shiv Chatan S/o Sh. Munshi R/o Village Palla Tehsil Ballabgarh D'stt. Faridabad."

in place of "M/s. Greater Delhi Planners (P) Ltd. Flat No 3, Shanker Market, Connaught Circus, New Delhi."

B L. KHATRI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Rohtak

FORM ITNS----

NOTICE UNDI:R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritaar, the 6th November 1985

Ref. No. ASR/85-86/41.--Whereas, 1. MRS, DIVJOT KOHLI, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated at East Mohan Nagar, Amritaar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the Office of the registering Officer at S.R. Amritsar on May, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; iid/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shri Manohar Singh S/o Shri Gurbax Singh, R/o East Mohan Nagar, Sultanwind Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Gian Singh S/o Shri Jawahar Mal, H. No. 371-B, East Mohan Nagar, Amritsar,

(3) As per para 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

A property No. 371-B, situated at East Mohan Nagar, Amritsar, as menioned in sale deed No. 2433 dated 30-5-1985 of registerng authority, Amritsar.

> MRS. DIVJOT KOHLI IRS Competent Authority Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amritsar

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsai, the 6th November 1985

Ref. No. ASR/85-86/42.—Whereas I, MRS. DIVJOT KOHLI, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to an the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding

Rs. 1,00 000/- and bearing No

One property situated at Basant Avenue Amritsai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar on June, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the sensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the habits of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said A or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Amar Partap Kakria Shii Lachhman Dass R/o 445 Basant Avenue, Amritsai

(Transferor)

(2) Shri Rattan Chand Seo Shri Ganpat Ram and Smi, Uma Kuman Wo Shii Rattan Chand, R/o 445 Basant Avenue, Amritsar

(Transferor)

- (3) As per para 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- 4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A property No 445, situated in Basant Avenue Amritsai, as mentioned in sale deed No 3482 dated 21 6-85 of registering authority, Amritsar.

MRS. DIVJOT KOHLI IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsan

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice; under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely,:—

Date 6-11-1985 Scal .

(1) Smt. Subaida W/o T. P. Ibrahim, Assistant Executive Engineer (PWD), 33/3374-A, Palarivattom, Cochin-25,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri George Odathakkal, Odathakkal House, Kadavaathara Desom, Elamkulam Village, Cochin-17.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE,
> "NARAYANI NILAYAM" WARRIAM ROAD, COCHIN-662016

Cochin-662016, the 18th November 1985

Ref. No. L.C. 782/85-86.—Whereas, I, B. RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 7 1961) (hereinafter referred to as the 'soid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Poonithura Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Tripunithura on 15-3-1985
for an apparent con ideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

78-376GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5 cents of land with the ground floor of a two storeyed building in Sy. No. 48/2 of Poonithura Village, Building No. 33/3374-A, registered with the SRO, Tripunithura on 15-3-85 vide Document No. 1089.

> B. RAVIBALAN Competent Au'hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 18-11-1985

FORM LINS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1, OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, "NARAYANI NILAYAM" WARRIAM ROAD, COCHIN-662016

Cochin-662016, the 18th November 1985

Ref. No. L.C. 781/85-86,—Whereas, I, B, RAVIBALAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Sy. No. 28 per schedulo situated at Poonithura Village

(more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Tripunithura on 19-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the and instrument the oŧ transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; ADG|OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Subaida, W/o T. P. Ibrahim, Assistant Executive Engineer (PWD), 33/3374-A Palarivattom, Cochin-25.

(Transferor)

(2) Smt. Reeta George, C/o Sri George Odathakkal, Odathakkal House, Kadavanthara Desom, Elamkulam Village, Cochin-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3 cent of land with the first floor of a two storeyed building No. 33/3374-A in Sy. No. 48/2 of Poonithura Village, registered with the SRO, Tripunittura vide Document No. 1648 on 19-4-1985.

> B. RAVIBALAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Pange, Ernakulam

Date: 18-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR NAGPUR

> > Nagpur, the 14th November 1985

Ref. No. IAC/ACQ/32/23|85-86.—Whereas, I. м. с. jóšні.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 2-B area 1244 sq. ft. on second floor Chano Block-A Cleik Town, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nagpur on 21-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wessith-ta Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the taid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsect on (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Om Builders Through Partner. Shii Anand Prakash Malhotra, Clerk Town, Nagpur.

(Transferor)

(2) Shri Seoo Gagandas Sabnani, Kadbi Chowk. Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice In the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person uncressed in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2-B area 1244 sq. ft. on second floor Chano Block-A Clerk Town, Nagpur.

> M. C. JOSHI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Nagpur

Date: 14-11-1985

(1) M/s. Om Builders Through Partner, Shri Anand Prakash Malnotra, Clerk Town, Nagpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1361)

(2) Shri Vikramaditya Hansraj Chadda, Clerk Twon, Nagpur.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 3RD FLOOR, SARAF CHAMBERS, SADAR NAGPUR

Nagpur, the 14th November 1985

Ref. No. IAC/ACQ/31/23/85-86.—Whereas, I, M. C. JOSHI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00,000/- an bearing

Flat No. 5, area 2608 Sq. ft, in Chano Block-A, Clerk Town, Nagpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Nagpur on 21-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (o) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein again are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 area of 2608 sq. ft. in Chano Block-A, Clerk Town, Nagpur.

M. C. JOSHI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Nagpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following reasons, namely:—

Dato: 14-11-1985

Beel :

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BIHAR, BURING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 13th November 1985

Ref. No. III-1063/Acq/85-86.-Whereas, I, DURGA PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. 115A, Ward No. 16, Circ'e No. 5013 situated at Kumbhiar P.O. & P.S. Sultangani, Patna (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Alpa Aay Vargiya Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. Patna-20.

(Transferor)

(2) Shri Harendra Prasad Srivastava of Babhangaun, P.S. Barhara, Bhoipur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land measuring 3016 sq. ft. situated at Kumbhrar, P.S. P.O. Sultanganj and morefully described in deed No. 3976 dated 18-3-85 registered with the Registrar of Assurances Calcutta.

> **DURGA PRASAD** Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhar, Patna

Date: 13-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800001

Patna-800001, the 13th November 1985

Rcf. No. III-1065/Acq/85-80.—Whereas, I, DURGA PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing H. No. 115A, Ward No. 16, Circle No. 5013 situated at Kumbhrar P.O. & P.S. Sultanganj, Patna (and property language).

H. No. 115A, Ward No. 16, Circle No. 5013 situated at Kumbhrar P.O. & P.S. Sultangani, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis ration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 18-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Alpa Aay Vargiya Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. Patna-20.

 H. Upadhyay of Bhabhangaun, P.S. Barhara, Dist. Bhoipur.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter: -

THE SCHEDULB

Land measuring 3016 sq. ft. situated at Kumbhrar, P.S. & P.O. Sultanganj and morefully described in deed No. 3976 dated 18-3-85 registered with the Registrar of Assurances Calcutta.

DURGA PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range,
Bihar, Patna

Date: 13-11-85

Soal:

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

JALANDHAR

Jalandhar, the 18th November 1985

Ref No. AP No. 5899, 5900, 5901 & 5902.--Whereas, I, J. L. GIRDHAR, being the Com

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) bereinafter referred to neithe 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100009/- and hearing No, as her schedule situated at Kanur hala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in March, 1985 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the oforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere: for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

(1) 1. Shri Aril Kumar Virmani S/o Shri Dhoram Vir Virmani, R/o D-19 Maharani Bagh, New Delhi (RD No. 412 of March, 1985). 2 Shri Dharam Vir Virmani S/o Shel Inwola Dasa Virmani, R/o D-19 Maharani Bagh, New Delhi (RD No 413 of March, 1985). 3 Shri Rowa Vikram Singh S/o Chri Rawa Gian Singh, R/o 23-A Nizamuddin West. New Delhi P. D. Mo. 415 of Morch 1985)
4 M/s Associated Theotres (Inguilit Cinema), Karn-thala, a nartnership firm consisting of Shri Dharpm Vir Virmoni Shei Anii Kumar Virmani and Bawa Vikram Singh (P D. No. 414 of March, 1985).

(Transferor)

(2) Decent Constructions and Properties Pvt. L'd., 22-Parakhamba Road, New Delhi Thenceh its Director Shri Teiwant Singh Shri Teiwart Sugn S/o Shri Harbans Singh of New Delhi. (Transferee)

(3) 1. Jan Priva Finance & Industrial Investment (P)

Kanurthala.
2 Matingl alinsurance Co. Itd.. Karnuhala Aggarwal Finance Company, 4 M/s. Charan Studios through its partner

Shri Charanjit Singh, 5. Shri Gian Chand S/o Shri Daulat Ram of Arora Tea Stall, Kapurthala 6. Shrl Ramesh Kumar S/o Shri Faqir Chand, Kapurthala. 7. Shri Malkhan Lal Prop. Fauji Tea Stall, Kapurthala 8. Shri Rajinder Kumar S/o Shri R. m Lal Prop R. K. Stationery Mart. Kapurthala 9. Shri Vilav Kumar S/o Shri Des Raj, Prop Pooja Tent House, Kanurthala 10. Shri Anil Kumar, Contractor, Cycle Stand, Karurthala 11. Shri Ram Nath S/o Shri Sham Lal of Soma Tea Stall, Kapurthala.

(Persons in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) hy any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter VVA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the registered sale deeds No. 412 413, 415 and 414 of March, 1985 of the Registering Authority. Delhi ac under — R.D. No. 412 of March, 1987:

Land measuring 1760 1 vards out of 5400 so vards (approx) being the area of land under Jagatilt Cinema and buildings appurtenant thereto bying share of Shi Anil Kumar Virmani situated on Sultangur Road, Kapurthala

Kumar Virmani situeted on Sultaneur Road, Kapurthala as ner details given in the registration deed.

R.D. No. 413 of March. 1985:

Land measuring 120 sq. vards out of 5400 so vards (Annox) being the area of land under Jagatiit Cinema and buildings appurtenent thereto being share of Shri Dharam Vir Virmani situated at Sultaneur Road. Kapurthala as ner details given in the registration deed.

R.D. No. 415 of March. 1985:

I and measuring 3520 sq. vards out of 5400 sq. vards (Annox), being the area of land under Lagatiit Cinema.

(Approx.) being the area of land under Japatiit Cinema and buildings annurtenent thereto being share of Shri Ruwa Vikeam Sinch cituated at Sultannur Road Kapur-thala as not details given in the registration deed.

R.D. No. 414 of March, 1985:

Buildings over land measuring 5400 on yards (annrox) situated at Sultannur Road Kanurthala consisting of cinema house known as Inentiit Sinema, shons, offices and quarters including Cinematography, machinery furniture and fixtures cinema seats, generator, hard-numb and other machinery installed therein as detailed in the registration deed.

J. L. GIRDHAP Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Jalandhar

Data 18-11-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 20th November 1985

Ref. No. A.P. No. 5903, 5904, 5905, 5906, 5907, 5908 5099, 5910.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No. as per schedule situated at Bathinda (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bathinda on March, April, June and July 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: ead√or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquiration of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) (i) Smt. Shakuntala Devi w/o. Sh. Jagdish Rai (i) Smt. Shakuntala Devi w/o. Sh. Jagdish Rat s/o. Sh. Shiv Ram, R/o. Birlo Mill Colony, Bathinda in respect of R. D. No. 4586 of March, 1985; R. D. No. 1784 of June, 1985 and R. D. No. 2261 of July, 1985.

 (fi) Shri Ved Parkash s/o. Sh. Jyoti Ram s/o. Shri Kanshi Ram, R/o. Gali No 3, Nai Bas'i Bathinda in respect of R. D. No. 4587 of March. 1985; R. D. No. 4587 of April, 1985; R. D. No. 1783 of June, 1985 and R. D. No. 2260 of July, 1985.

(!ransferors)

- (2) (i) Shri Des Raj s/o Shri Chanan Rom s/o. Shri Baisakhi Ram, R/o. Kothi No. 4, Shiv Colony, Barnala Road, Bathing in respect of
 R. D. Nos. 4586 and 5487 of March, 1985
 and R. D. Nos. 497 and 498 of April, 1985.

 (ii) Smt. Parkash Wenti
 w/o.Shri Des Raj,
 R/o. as above

 - in respect of R. D. Nos. 1783 and 1784 of June. 1985.

 (iii) Smt. Kanto Gupta w/o. Shri Krishan Lal s/o. Shri Charan Ram. R/o. Gali Gurdwa-a Singh Sabhe, Bathinda in respect of R. D. Nos. 2260 and 2261 of July, 1985.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 dies from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SHEDULE

bearing municipal number 4955 situated at Property Property bearing municipal number 4955 situated at Sadar Bazar, Bhatunda transferred vide eight registration deeds with undivided the share transferred vide each deed viz. R. D. Nas. 4586 and 4587 of March, 1985; R. D. Nos. 497 and 498 of April, 1985; R. D. Nos. 1983 and 1784 of June, 1985 and R. D. Nos. 2260 and 2261 of July, 1985 and persons mentioned in the aforesaid registration deeds registered with the S. R. Bathinda.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Da'c : 20-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th November 1985

Ref. No. A.P. No./5879-5880.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Jalandhar (I Hac)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jalandhar in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

79-376GI/85

(1) Shri Dharam Pal s/o. Daulat Ram (R. D. No. 5320) and Raj Rani w/o. Dharam Pal (R. D. No. 5321) r/o 86-A/R Model House,

(Transferor)

(2) Shri Narinder Jit Singh 8/o. Jaswant Singh (R. D. No. 5320) and Nirmal Pal Singh 8/o. Jaswant Singh (R. D. No. 5321) r/o. Golden Automobiles, 377, Valab-Bhai Patel Road, Bombay-400 004.

(Transferco)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the unders and knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property enay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Property Plot Situated in New Vijay Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 5320 and 5321 of dated March, 1985 of the Registering Authority, Jalanhdar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhor

Date: 8-11-1985 Scal:

FORM I.T.N.S.-

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 8th November 1985

Ref. No. A.P. No./5881-5882-5883.—
Whereas I, J. L. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
sethe said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any incesse arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

- (1) Shri Be'bir Singh s/o, Sohan Singh r/o. Raj Nogar, Basti Bawa Khel, Jalandhar Mukhtiar-ai-am of Hardev Singh (R. D. No. 5536) and Balbir Singh s/o. Sohan Singh r/o. as above (R. D. No. 5537) and Balbir Singh s/o. Sohan Singh Mukhtiar-ai-am of Navtei Singh (R.D. No. 5538) r/o. as above. (Transferor)
- (2) Shri Dalip Singh s/o, Ganga Singh R. D. No. 5536 and Manjit Singh s/o. Dalip Singh (R. D. No. 5537) and Jaspal Singh s/o. Dalip Singh (R. D. No. 5538) all r/o. 79, Rai-Bahadur Badri Dass Colony, near Hans Raj Stadium, k Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. BIX-1-704-I/A-B/I situated at (Portions Nehru Garden Road, Jalandhar and Persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 5536-5537-5538 of dated March 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar

Date : 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 8th November 1985

Ref. No. A. P. No./5884.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. as per schedule situated at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annued hereto) has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Jalandhar on Sept. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wesith-tax Act 1957, (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Shrl Sohan Singh, S/o. Bachitter Singh, R/o. Raj Nagar, Basti Bawa Khel, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Dalip Singh, S/o. Ganga Singh and Manjit Singh, S/o Dalip Singh and Jaspal Singh, S/o. Dalip Singh all resident of 79-Rai Bahadur Badri Dass Colony, near Han Raj Stadium, Jalandhar.

(Transferce)

(3) as s. no. 2 above. (Person in occuption of the property)

(4) any other person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in Official Gazette. the

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. BIX-1-704-I/A-B/I (Portion) situated at Nehru Garden Road, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 3151 of Sept., 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 6-11-1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UNFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 8th November 1985

Ref. No. A. P. No./5885-5886.-Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the said Act.), have 1-ason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afo esaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1° of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shrimati Anita Sarin, W/o. Shiv Kumar, (R. D. No. 5244 and Shiv Sarin, S/o. Gian Chand (R. D. No. 5245), R/o. 47-L, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shrimati Ranjit Kaur, W/o. Lakhbir Singh Sandhu, (R. D. No. 5244) and Lakhbir Singh, S/o. Deva Singh, R/o. 47-L, Model Town, Jalandhar.

(Transferce)

- (3) as s. no. 2 above. (Person in occuption of the property)
- (4) any other person interested in the property. (Person whom the under igned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 47-L, Model Town, Jalandhar and Person as mentioned in the registered sale deed Nos: 5244 and 5245 of dated March, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1985

Ref. No. A. P. No /5887 —Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

No as per schedule situated at V. Kotla Gounspur Dis't. Hoshiarpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Hoshiarpur on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair marks under the of the officer and I have less to 1908.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforetaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the rid instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Ram Piari, D/o. Partapa Ram, R/o. 142 L, Model Town, Hoshiarpur.

(Transferor)

(1) Shri Sohan Lal S/o. Shri Banta Ram, R/o. 142-L, Model Town. Hoshiarpur.

(Transferce)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occuption of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the under Igned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed no. 4416 of March, 1985 of the registering authority, Hoshiarpur.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely :---

Date: 14-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1985

Ref. No. A. P. No./5888-5889-5890-5891,-Whereas, I. I. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

as per schedule at Jalandhar

as per schedule at Jalandhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Jalandhar on March, April & May 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more cent of such apparent consideration and that than fifthen per cent of such apparent consideration and that the condideration for such transfer as agreed to between the part is has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers em4/or

(b facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shrimati Saroj Bala Sohan Pal, W/o. Rat en Singh, R/o. 544-New Jawahar Nagar, Jalandhar. (Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar Sharma. S/o. Mohan La! Sharma, (R. D. No. 5850) and Kishore Sharma S/o. Mohan Lai Sharma (R. D. No. 3) and Bimla Rani W/o. Mohan Lai Sharma,
(R. D. No. 1289) and Mo.an Lai Sharma,
(S/o. Bindra Ban Sharma all resident of Kothi No.
(R. D. 1334) 544, New Jawahar Nagar,

(Transferce)

(3) as s. no. 2 above. (Person in occuption of the property)

Jalandhar.

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the under igned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 544 situated at New Jawahar Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 5850 of March and 3 of April, 1985 and 1289 & 1334 of May, 1985 of the Registering Auchority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Jalandhar

Now therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. Samely !--

Date: 14-11-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 14th November 1985

Ref. No. A. P. No. 5892.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

No. as per schedule situated at Jalandhar (I Lac) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferce for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Krishan Gopal Chopra, S/o. Girdhari Lal, R/o. EK/90, Mohalla Shiv Raj Garh, Jalandhar. (Transferor)

(2) Shrimati Bachan Kaur, W/o. Joginder Singh and Harmeet Kaur, W/o. Harbans Singh, R/o. Maksudpur Via Reipur Pir Bakhsh Wala, Ditt. Kapurthala.

(Transferce)

(3) as s. no. 2 above.

(Person in occuption of the property)

(4) any other person interested in the property.

(Person whom the under Igned knows to be interested in the property)

Oblections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 lays from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in apter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 281 situated in Mota Singh Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 488 of April, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

Date : 14-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JALANDHAR

Jalandhar, the 15th November 1985

Ref. No. A. P. No./5893 and 5894.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bea ing No. as per schedule situated at Jalandhar (I Lac)

No. as per schedule situated at Jalandhar (I Lac) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the Registering Officer at Jalandhar on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:—

- Shrimati Serle Devi, W/o. Yashvir Singh Tanwar, R/o. 6/A, Garha Road, Jalandhar (R. D. No. 5451) and Asha Lata, W/o. Harbans Singh, R/o. as above. (R. D. No. 5519).

 (Transferor)
- (2) Shri Narinder Singh,
 S/o. Chanan Singh,
 R/o. 388/R, Model Town, Jalandar.

(Transferce)

- (3) a₅ s. no. 2 above.
 (Person in occuption of the property)
- (4) any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Old No. 71 New No. 6/A, situated at Garha Road, Green Park, Jaland ar and per ons as mentioned in the registered sale deed Nos. 5451 and 5519 of March, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ialandhar

Date: 15-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IALANDHAR

Jalandhar, the 15th November 1985

Ref. No. A. P. No. 5895, 5896, 5897, 5898.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. as per schedule situated at Inlandhar (I I ac)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer

at Jalandhar in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the wonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tay under the eald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following resons, namely:—

80-376GT/85

- (1) Shri Manjit Singh, S/o, Amar Singh, R/o, W. G. 471, Mohalla Sataj Ganj, Jalandhar. (Transferor)
- (2) Shii Jaswinder Singh Sanghera, S/o Amtik Singh S/o Lawala Singh V. & P. O. Bilga Patti Bagga, Distt. Jalandhai (R. D. No. 5226 & 5332) and Narinder Kaui, W/o. Jaswinder Singh, R/o. as above (R. D. No. 5282 & 5448).
 (Transferee)
- (3) As Sl. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 85 situated at Gurteg Bahadur Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed Nos. 5226, 5282, 5332 and 5448 of March, 1985 of the Registering Authority, Jalandhai

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range
Jalandhar

Date: 15-11-1985

Seal

(1) J. R. Construction of 38, Block 'B', New Alipore, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Kalipada Bag of Nutanchatti, Jogeshpalli, Bankura.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11 CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AC-73/R-JI/Cal/85-86.-Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN.

SHAIKH NAIMUDDIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Plot No. 38 situated at Block 'B' New Alipore, Calcutta

Plot No. 38 situated at Block 'B' New Alipore, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A., Calcutta on 30-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(b) by any other person interested in the said mimov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and Jor

1140 Sft. Flat on the 2nd floor at plot No. 38, Block-B. New Alipore, Calcutta. More particularly described in Deed No. I-4928 of R. A., Calcutta of 1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-11-1985

Seal;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II CALCUTTA

Calcutta, the 6th November 1985

Ref No. AC-72/R-II/Cal/85-86 —Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Anthonity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing
Plot No 38 situated at Block-3, New Alipore, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at R. A, Calcutta on 30-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

persons, namely :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the seld Act respect of any income arising from the tran-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

1140 Sft Flat on 3rd floor at plot No 38, Black-B, New Alipore, Calcutta More particularly described in Deed No. I, 4927 of R A, Calcutta of 1985

Now, incretore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under resection (1) of Section 269D of the said Act, to the following Date Seal:

6-11-1985

(1) J R Construction of 38, Block B, New Airpore, Calcutta.

(Transferor)

(2) Radheshyam Agarwal of 6B Bentinck Street, Calcutta-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days froza the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

> SHAIKH NAIMUDDIN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II
CALCUTTA
RAFI AHMED KIDWAI ROAD

Calcutta, the 6th November 1985

Rcf. No. AC-71/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 174A situated at Block-G, New Alipote, Calcutta-85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority on 18-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kirpal Singh Narula of 65, Raja Basanta Roy Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Ranjod Singh Kalra of 174A, Block-G, New Alipore, Calcutta-53.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ether person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used bersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4.65 cottahs of land situated at 174A, Block-G, New Alipore, Calcutta-53. Registered before Competent Authority on 18-3-1985 vide Sl. No. 39.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income fax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwal Road
Calcutta-16

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV CALCUTTA

Calcutta, the 18th November 1985

Ref. No. AC-23/Acqn, R-IV/Cal/85-86,-Whoreas, 1, S K BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No 2-C situated at Netaji Subhas Road Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been (tansferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evision of the fiability of the transferor to pay tax under the mild. Act in respect of any income arising from the transferor. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the perposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) M/s. Shantmagar Housing Society (P) Ltd, Bentick Street, Calcutta-1.

(2) Sii Bijay Singh Baid, Apartment No 31 & 32, Bldgs. No 2A 3rd floor, 2-C, N S Road, Liluah, Howrah (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gemette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Flat measuring 976 sq. ft
Address: Apartment No. 31 & 32, Bldgs. No. 2A, 3rd floor
C N S Road, I iluah, Hewiah
Deed No 4620 of 1985.

S K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Date 18-11-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 18th November 1985

Rcf. No. AC-24/Acqn.R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the isamovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2-O situated at Netaji Subhas Road, Liluah, Howrah (and more fully described in the Schedule unnexed hereto)

(and more fully described in the Schedule unnexed hereto) has been transferred under the Registraion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any increase arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Shantinagar Housing Society (P) Ltd. 8, Bentick Street, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) Sri Ranjit Singh Baid, Apartment No. 17 & 18, Bldg No. 1-A 2-C, N. S. Road, 2nd floor, Liluah, Howralı. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 939.5 sq. ft. flat

Address: Apartment No. 17 & 18, Bldg No. 1-A, 2nd floor, 2-C, N. S. Road, Liluah, Howiah.

Deed No.: 4534 of 1985

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissionerof Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV 54, RAFT AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 18th November 1985

AC-25 / Acq. R-IV / Cal / 85-86. -- Whereas, I. S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No. situated at Mouza-Elachi, P. S Sonarpur, 24-Pgs.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Calcutta on 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax A.z. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1' Sri Guija Kanta Roy Choudhuri & Others.— Block No. VI/7 at 103 Manicktolla Main Road Calcutta-54.

(Transferor)

(2) Sri Sankar Narayan Natarajan— Flat No. 65/1, "Megha Maller" 18/3 Gariahat Road, Calcutta-19.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Land measuring 5 Cottahs together with building. Address: Mouza-Elachi, P. S. Sonarpur, Dist. 24-Parganas Deed No.: 4605 of 1985.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-11-1985.

Scal:

FORM ITNS—

(1) M/s. Sujan Viniyoge Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. D. Ghosh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE-I 54, RAFT AHMED KIDWAT ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 29th October 1985

Ref. No. C.A. 180/85-86/5l 1090 (I A.C./Acq.R-I/Cal.). Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
No. 18-A, situated at Park Street, Calcutta-16. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority C.A. 180 on 27-5-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immsvable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Undivided share or interest in the roof of 5th storey of premises No. 18A, Park Street, Calcutta-16 comprised in flat No. 5-E measuring 1370.80 sq. ft. on the 5th floor of the 8 storeyed building. Registered before the Competent Authonity. I A.C., Acquisition Range-I, Calcuta vide Serial No. C A. 180 dated 27-5-1985.

> S K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 29-10-1985.

FORM ITNS-

- (1) Master Pratik Chitlangia.
- (Transferor)
- (2) M/s, Weston Flectronics 1td.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th November 1,85

Ref. No C.A.153/85-86/SI.10+1.—Whereas, 1, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 2693 of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immev-

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 113, situated at Park Street, Calcutta.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration
No. C.A. 153 dated 21-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability respect of any income arising from the transfer, and/or of the transferor to pay tax under the said Act in

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

81—376GI/85 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable preperty, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

All that 296 sq. ft. of Super Built covered space on the 10th floor of Multi-storied Building of premises No. 113, Park Street, Calcutta Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide serial No. C.A. 153 dated 21-3-85.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 14-11-85

Geal :

FORM ITNS----

(1) Master Pratik Chitlangia.

(Transferor)

(2) M/s. Weston Electronics Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th November 1985

Ref. No. C.A.154/85-86/Sl.1092.—Whereas, I,

S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 113, ituated at Park Street, Calcutta.
(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and registered with the Competent Authority u's 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. CA. 154 dated 21-3-85.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of sansfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, to respect of any income arising from the transfer;

> All that 1200 sq. ft of Super Built covered space on the 10th floor of Multi-soried Building of premises No. 113, Park Street, Calcutta, Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisittion Range-I, Calcutta vide serial No. C.A.154 dated 21-3-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act, or the Wealth-tax, Act. 1957 (27 of 1957);

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rance-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Now therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeneed property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°C of the said Act by the fellowing persons, namely :-

Date: 14-11-85

Scal:

(1) Sri Mirtyunjoy Seal & Ors

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Delite Builders Pvt. Ltd.

(Transferce)

GUVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th November 1985

Ret. No. C.A.155/85-86/SI.1093.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tix Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing
No 107/1, situated at Park Street Calcutta.
(and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and registered with the Competent Authority u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules 1762 under registration No CA. 155 dated 26-3-85

~-<u>----</u>

for an apparent consideration which i less than the fair anarket value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a point of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days that the service of notice on the respective periods whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Explanation — The terms and express on used herein as any defined in Chapt. XA of the earl Act shall have the control of the case. In that Chapter

THE SCHEDULE

All that partly two partly three storeyed building measuring 18 c attabs 8 chittacks 19 sq ft including shops at 107/1, Park Street, Calcutta Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I Calcutta vide serial No. C.A. 155 date | 26-3-1985

S. K. BANERJEŁ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16.

Date: 14-11-85

(1) Senjay Bagaria

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Sujan Viniyoge Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE-I**

Calcutta, the 14th November 1985

Ref. No. C.A.157/85-86/Sl..1095.—Whereas, I. S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 215/216, situated at Jamunalal Bazaz Street, Calcutta-

700 007.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been mansferred and registered with the Competent Authority, u/s 269AB of the said Act read with rule 48DD(4) the Competent of Income-tax Rules, 1962 under registration No. C.A. 157 dated 30-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the risbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Turposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Tenement, and dwelling house, Land & hereditaments being premises. 214/216, Jamuna Lal Bazaz Street, Calcutta-700 007. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide serial No. C.A. 157 dated 30-3-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Aange-T

Date: 14-11-1985

Scal:

FORM ITN3----

- (1) Shantiniketan Estates Limited. Sahujain Charitable Society.
- (Transferor)
- (2) Dr. Maqsood Alam Khan.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 14th November 1985

Ref. No. TR-73/85-86/SI.1095 I.A.C. Acq.R-I Cal.— Whereas, I. S. K. BANERIEE

whereas, 1, S. R. BANERJEE
being the Competent Authority under Section 269B of the
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 8, situated at Camac Street. Calcutta

(and more fully described in the Sihedule annexed hereto)

(and more fully described in the Sinedule annexed heleto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Cal. under registration No. I-4137 dated 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason the belive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that Office space No. 14 on 3rd floor of 'Shantiniketan', 8, Camac Street, Calcutta-17. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4137 dated 20-3-1985.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 14-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVE**RNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING **ASSISTANT**COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 14th November 1985

Ref. No. TR-71/85-86/SI,1096/I.A.C. Acq.R-I Cal.-Whereas, I, S. K. BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing No. No. 8, situated at Camae Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Cal. under registration No. I-4135/85 dated 20-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shantiniketan Estates Limited, Sahujain Charitable Society.

(Trunsferor)

(2) Kajaria Exports Limited.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Office Space No. 8 on 3rd oor of 'Shantiniketan' at 8, Camac Street, Calcutta-17. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4135 dated 20-3-1985.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aftersaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6034.—Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building No. 217 situated at Quamari Marg No. 1, Ujjain (and more tudy described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Ujjain in March 1985

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor hy more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act. to the following persons, namely:—

 Smt. Forimabai, W/o. Shri Tavyabhai. & Smt. Zubedebai W/o. Shri Abedall, R/o. 14, Chatri Chowk, Ujrain.

(Transferor)

(2) His holiness Dr. Syedna Mohammad Burhanuddin Saheb, through Shri Jafar Bhat Saheb Amil Saheb, Bhora Samaj, Ujijan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said propert; may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the nation in the Official Gazette or a period of 30 days iron the service of notice on the respective personal, whichever period expires tater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Classite.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No. 217, Quamari Marg, No. 1 is situated at Ujjain. This is the immoveable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal
\$86I-11-\(\psi\): 21eQ

Date: 30-10-1985.

Seal '

(1) Shantiniketan Estates Limited Sahujain Charitable Society.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

SE E PROPERTY OF THE PROPERTY OF

(2) Shyam Sunder Bajorja,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 14th November 1985

Ref. No. TR-69/85-86, Sl.1098/I.A C. Acq. R-1 Cal.—

whereas, I, S. K. BANERJEE
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and becaring
No. 8, situated at Camac Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Cal under registration No. 1-4133 dated 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exc. is the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consider. On for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from pervise of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Shop No 8, on ground floor in 'Shantiniketan' at 8, Camac Street, Calcutta-17. Registered before the Registrar of Assurances. Calcutta vide Deed No 1-4133 dated 20-3-85

S. K. BANERJFF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Roo i Calcutta-16

Date: 14-11-1985

(1) Kali Durga Estato.

(Transferor)

(2) Debi Prasad Agarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th November 1985

Ref. No. TR-96/85-86/Sl.1099/I.A.C./Acq.R-1/Cal.—Whereas I, S. K. BANERJFE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 158, situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta under registration No. 1-5632P dated 28-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tObjections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or All that Room No. 11 on 1st floor measuring 540 Sq. ft. at 158, Lenin Sarani, Calcutta, Registered before the Sub-Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-5632P, dated 28-3-1985.

(b) feeditating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:..... 82—376GI/85

Date: 14-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Raghunath Prosad Maskara Dayanath Maskara & M/s, Avantika Properties.

(2) Saroj Bagaria.

(Transferer)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th November 1985

Ref. No. TR-90/85-86/Sl.1100/I.A.C./Acq.R-I|Cal.—Whereas I, S. K. BANERIEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6/1A, situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A., Calcutta under Registration No. 1-4886 dated 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

Officer at S.R.A., Calcutta under Registration No. 1-4886 dated 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the edid Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which pught to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned t-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used iterein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given its that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 1005 on the 10th floor measuring 1390 Sq. ft. at 6/1A, Moira Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4886 dated 29-3-1985.

S: K. BANERJEF,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-1
54, Rafi Ahmed Kidwal Road,
Calcutta-16

Date : /14-11-1985

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961; (43: OF: 1961)

 Raghuneth Prosad Maskara Dayanath Maskara & M/s. Avantika Properties.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S. M. Durga Purchit,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA-16

Calcutta, the 14th November 1985

Ref. No. TR-91/85-86/SL1101/LA_xC./Acq.R-I|Cel. Whereas, I, S. K. BANERIEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value of Rs. 1,00,000|-and bearing No.

6/1A, situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Aqt, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A., Calcutta under registeration No. 1-4887 dated 29-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perfect has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or examon, of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that flat No. 305 on the 3rd floor measuring 1390 Sq. ft. at 6/1A, Moira Street Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-4887 dated 29-3-1985.

THE SCHEDULE

S, K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Dato : 14-11-1985

Sink

FORM ITNS----- 187

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Shri Raghunath Prosad Maakara, Dayanath Maskara & M/s. Avantika Properties.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lai Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned —

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th November 1985

Ref. No. TR-93/85-86/Sl.1102/I.A.C./Acq.R-I/Cal.,—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 6/1A, situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta under Registration No. I-4889 on 29-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property and reference than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly exated in the unid instrument of transfer with the chiect of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLS

(a) facilitating the reduction or evarion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfers and for

All that flat No. 603 on the 6th floor measuring 1525 sq. ft. at 6/1A, Moira Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4889 dated 29-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road. Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the failewing persons, namely:—

Date : 14-11-1985

: لحجا

PORM ITHE

(1) Shri Raghunath Prados Maskara, Dayanath Maskara & M/s. Avantika Properties.

(Transferor)

(2) Shri Ramawatar Jalan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

* OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-L CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th November 1985

Ref. No. .TR-95/85-86/SI.1103/I.A.C. Acq.R-1/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immersable property having a fair market value avacading able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 6/1A, situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Calcutta under Registration No. I-4893 on 23-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid textrament of transfer with the chiect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

→(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sortion of the atorseald property by the issue of this notice under subsection, (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the enid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons which a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

SERLAMATION :--- The terms The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat No. 604 on the 6th floor measuring 2395 sq. ft. at 6/1A, Moira Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4893 dated 29-2-1985.

8. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 14-11-1985

Seel 1

FORM NO. ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Raghunath Prasad Maskara. Dayanath Maskara & (1)M/s. Avantika Properties.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-I

54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD. CALCUTTA-16

Calcuttania, the 14th November 1985

Ref. No. TR-81/85-86/SI.1104/I.A.C./Acq.R-I/Cal.--Whereas, I. S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6/1A, situated at Moira Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at R. A., Cal.

under registration No. 1-4666 dated 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than fliteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating this rediscion can invasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer ##4/OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act. 1957 (27 of 1957);

(2) Sri Rambiles Agarwal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice and the official Cazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whighever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 1002 on the 10th floor measuring 1595 Sq. ft. at 6-1A, Molra Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4666 dated 27-3-1985.

> S. K. BANERJEB Compotent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons semely :--

Date: 14-11-1985

Seel :

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 4961 (43 OF 1961)

ACI, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Kashiran (H.U.F.).

M/s. Avantika Properties.
(Transferor)

(2) M/s. Kashiram Madan Lal (H.U.F.).

(1) Shri Ragunath Prosad Maskara,

Dayanath Maskara &

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Chlcutta-16, the 14th November 1985

Ref. No. TR-80/85-86/Sl.1105/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6/1A, situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed thereto), has been transferred under the Registering Officer at R.A., Cal. under registration with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, under registration with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, under registration No. I-4665 on 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the seduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ratising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 902 on the 9th floor measuring 1973 Sq. ft. at 6/1A, Moira Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. 1-4664 dated 27-3-1985.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutts-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato a 14-11-1985 Scal;

FORM LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 14th November 1985

Ref. No. TR-79/85-86/Sl.1106/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. 6/1A, situated at Moira Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A., Cal

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A., Cal under registration No. I-4656 on 27-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :--

- (a) facilitating the reduction or evenion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sale. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Ragunath Prosad Maskara, Dayanath Maskara & M/s, Avantika Properties.

(Transferor)

(2) Smt. Anandi Devi Agarwal.

(Transferee)

Objections, it say, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 105 on the 1st floor measuring 1390 Sq. ft. at 6/1A, Moira Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4656 dated 27-3-1985.

S. K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incomo-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Asmed Kidwai Road
Calcutts-15

Date: 14-11-1985

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ragunath Procad Mackara, Davanath Maskara & M/s. Avantika Properties.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpa Devi Kedia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUITA-16

Calcutta-16, the 14th November 1985

Ref. No. TR-78/85-86/Sl.1107/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 6/1A, situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R. A., Cal under registration No. I-4654 on 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the property as therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-Inx Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 803 on the 8th floor measuring 1525 Sq. ft at 6/1A, Moira Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4654 dated 27-3-1985.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 54, Rafi Asmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 14-11-1985 Scal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

83-376GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961) Shri Ragunath Prasad Maskara, Dayanath Maskara & M/s. Avantika Properties.

(Transferor)

(2) Shri R. S. Kothari.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,

Calcutta-16, the 15th November 1985

Ref. No. TR-94/85-86/Sl.1108/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and hearing No. 6/1A. situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the schedule below) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at R. A., Cal under registration No. I-4892 on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than

afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sold Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which estable to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Consets or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ERPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that bare structure of one flat measuring floor area of 1152 sit, being flat No. 1003 on the 10th floor in the corner of premises No. 6-1A., Moira Street, Calcutta, Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4892 dated 29-3-1985.

S. K. BANERJEE
Inspecting Asssistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the meetion (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 15-11-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Ragunath Prosad Maskara & Ora M/s. Avantika Properties.

(2) Sri Kushal Chandra Mohta.

(Transferor)

(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

> Calcutta-16, the 14th November 1985

Ref. No. TR- /85-86/Sl.1109/I.A.C./Acq.R-1/Cal.-

Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 6/1A, situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the schedule below) has been transferred and register d under di Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the registerin Officer Colculta under registration No I-4655 dactd 27-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the upparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to retween the parties ha not been truly stated in the said materiment of transfer at the chieft of the consideration and that the consideration in the said materiment of transfer at the chieft of the consideration of the consideration and the consideration in the said materiment of transfer at the chieft of the consideration of the con metrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of my income or any inoneys or other assets whit, have not been or which ought to be discled by the transferee for the purposes of the In an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the say Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires Inter;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

PARIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that bare structure of one flat measuring floor area of 1390 sq. ft. on the 4th floor of the premises No 6 IA, Mona St., Calcutta, Flat No. 405 Regd. before R.A., Calcutta vide deed No. I-4656 dt. 27-3-1985.

> S. K. BANERJEB Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 14-11-1985

Scal:

FORM PTNS 187

 Shri Raghunath Prosad Maskara, Dayanath Maskara & M/s. Avantika Properties.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE ANOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1941)

(2) M/s. Hind Ceramics Ltd.

(Fransferee)

GOVERNMENT OF DEDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calutta-16, the 15th November 1985

Ref. No. TR-92/85-86/Sl.1110/I.A.C./Acq.R-I/Cal—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing No. 6/IA, situated at Moira Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R A, Calcutta under Registration No. 1-4888 on 29-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern the formula in the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazente or a period or 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is shall Chapter

- (a) facilitating the reduction or evision of the Kability of the transferor to yay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any measys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act., or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997);

THE SCHEDULE

All that bare structure of one flat measuring floor area of 1390 sft. more or less being flat No. 705 on the 7th floor in the north west of the premises No. 6/1A, Moira Street, Calcutta. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4888 dated 29-3-1985.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

New therefore, in pursuance of Section 269°C of the sulf Art, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeund property by the issue of this metion ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shantiniketan Estates Limited. Sahujain Charitable Society

(Transferor) (2) Shti Binod Kumar Bajoria.

(Pransferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 15th November 1985

Ref. No. TR-74/85-86/Sl. 1111/I.A.C./Acq.R-I/Cal.-Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 209B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00.000/- and bearing
No. 8 situated at Camae Street, Calcutta-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered "under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at R.A., Calcutta under Registration No. I-4138 dated 20-3-85
for an imparent consideration which is less than the fair at R.A., Calculta under Registration No. 1-4138 dated 20-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the resportive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter X's of the said Act, shall have the same my rung as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that Shop No. 7 on Ground Floor of 'SHANTI-NIKETAN' at 8. Camae Street, Calcutta Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No I-4138 dated 20-3-1985.

S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-L 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-11-1985

(1) Kali Durga Estate.

(Transferor)

(2) Master Niraj Manchanda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 15th November 1985

Ref. No. TR-85/85-86/Sl.1112/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 158 situated at Lenin Sarani, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A. Calcutta under Registration No. I-5602-P dated 28-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by that the consideration for such apparent consideration between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the end Act, in st of any income arising from the tra and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 3, on the 3rd floor, 158, Lenin Sarani, Calcutta. Registered before R.A., Cal. vide deed No. I-5602-P, dated 28-3-1985.

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Data: 15-11-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 15th November 1985

Ref. No. TR-84/85-86/Sl.1113/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing

No. 158 situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer R.A., Calcutta under Registration No. I-4690 dated 27-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the somaideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) challitating the reduction or evaden at the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the enid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kali Durga Estate.

(Transferor)

(2) Master Niraj Manchanda.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 3 on 3rd floor, 158, Lenin Sarani, Calcutta. Registered before R.A., Cal. vide deed No. I-4690 dt. 27-3-1985.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 15-11-1985

Seal

(1) Kali Durga Estate.

(Transferor)

(2) M/s. Niraj Movies.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

REF. No. TR-83/85-86/SA-1114 I A.C./Acq.R-I/Cal.— Whereas, J. S K BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 158 situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully derembed in the schedule below) has been transferred and (egistered under the Registering Officer at R.A. Calcutta under Registration No. I-4689 dated 27-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, i357 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHOOLS

Room No.-5, on 2nd floor, 158, Lenin Sarani, Calcutta, Registered vide deed No. I-4689 dt. 27/3/85,

> S. K. BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following posters: ing persons, namely :--

Date: 15/11/1985

(1) Kali Durga Estate.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Niraj Moves.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Fef. No. TR-66/85-86/Sr.1115 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. 158 situated at Lenin Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Cal. under registration No. I-5607-P dated 28-3-1985 has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

rransfer with the object of :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) factificating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957):

.com No. 5, on 2nd floor, 158, Lenin Sarani, Calcutta, Registered before R. A. Cal. vide deed No. I-5607-P dt.

THE SCHEDULE

S. K. BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—84—376 GI/85

Date: 15/11/1985

Seal.

25-3-1985.

FORM No. ITNS-

Shantiniketan Estates Ltd.,
 Sahujain Charitable Society.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anthony Gomes,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

2 Ref. No. AR-70/85-86/SL.1116 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair Market Value exceeding Res. 1,00,000/- and bearing

No. 8 situated at Camac Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of hte Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

at R. A. Calcutta under registration with rule 480D(4) of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 1-4134 dated

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property

fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of 1—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Office space No. 2, on ground floor, 8, Camac St., Calcutta. Registered before R. A. Cal., vide deed No. I-4134, dt. 19/3/85.

S. K. BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 15/11/1985

FORM ITNS ----

(1) Kali Durga Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. TR-65/85-86/Sl.1117 I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, S. K. BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. No. 158 situated at Lenin Sarani, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer at R.A., Calcutta under registration with rule 24D(4) of Income-tax Rules, 1962 No. I-4276 dated 22-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wanter with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Aman Film Distributors.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 4, on the 3rd floor, 158, Lenin Sarani, Calcalcutta, Registered before R.A. Calcutta, vide deed No. I-4276 dated 22/3/85.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
54, Raft Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15/11/1985

(1) Kali Durga Estate.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aman Film Distributors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. TR-75/85-86/Sr-118 IAC/Acq.R-I/Cal.-Whereas, I, S. K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 158 situated at Lenia Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at R. A. Calcutta under registration with rule 48DD (4) of Income-tax Rules, 1962 No. 1-4274 dated 22/3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair matket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer:

andlor

ing persons, namely :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Room No. 4 on 3rd floor, 158, Lenin Sarani, Calcutta, Registered before R. A. Calcutta, vide deed No. I-4274 dt. 22/3/85.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16
Acquisition Range-I

Date: 15/11/1985

Scal:

FORM ITNS-

(1) Shri Barun Kumar Roy & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ananda Kumar Roy & others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1909/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competen Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.

No. 42-C to 42-H & 42-J situated at Banamoli Sarkar Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at Calcutta on March, 1985

niærket vaule of the aforewald property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Furtanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Coapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULB

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

All that property registered as per Deed No. I-5872 P/85 at 42-C to 42-H and 42-I, Banamali Sarkar Street, Calcuttaland 8K-2Ch-4 sq. ft. etc.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuld property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely :-

Date: 15/11/1985

Scal :

(1) Shri Anil Kumar Nath & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Ajit Kr. Roy.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

REF. No. 1910/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 57A, situated at Southern Avenue, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at R.A. Calcutta dated 15-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instantment of transfer with the ebject of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that property registered as per Deed No. 7236 dated 15-5-85 at 57A, Southern Avenue.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15/11/1985

Swale:

(1) Shri Narindra N. Chakraborty,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Kurwari Chorasia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1911/Acq. R-III/85-86.—Whereas, 1, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2 situated at Nandav'lle Garden, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) the Registering Officer at

Calcutta on 17/3/1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered under Deed No. I-7308 dt. 17-5-85.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sale section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15/11/1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Cooki & Kelves Private Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Housing Development Finance Corpn. Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 15th November 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Jazette.

Ref. No. 1912/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

No. 20 situated at Old Court House St., Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Calcutta on 30/3/85

for an apparent consideration which is less than the fair and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

All that property registered under Deed I-4919 dt. 30-3-85.

> SANKAR BANERJEB Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 15/11/1985

(1) Sri Krishna Kishore Kar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Dayanand Arya.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1913/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the insmovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3/2/3 & 3/2/4 situated at Kaviraj Row, Calcutta (and more fully described in the Schedule, approved berefu).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Calcutta on 30/3/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be eve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per sent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part s has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

All that property registered under Deed No. I-4918

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

dt. March 30, 85

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (il of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANFRJFE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '-

85-376GI/85

Date: 15/11/1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

(1) Sri Vishambarlal Tibrewala & Ois.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Industrial Development Bank of India (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1914/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJFE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

Touzi No. 151, Dag No. 58, 59 situated at Mouza Khanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under th Rgistration Act, 1908 (16 of 1908) in thee office of Registering Office, at

Calcutta on 29/3/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such trains' rankered to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) sacditating he reduction or evenion of the liability of the transferor to per tax under the said Act, is respect of any second arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Inlian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-197 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, nevely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said propagity may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide Deed No. I-4789/85 on 29-3-85 before R, A. Calcutta.

33/100 undivided share of 49 Cottag of land with lodg.

SANKAR BANERIFE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwa Road, Calcutta-16

Date: 15/11/1985

(1) Shri Biswanath Saha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME_FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anubhav Properties & Agencies (P.) Ltd. (Transferce)

COVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III **CALCUTTA**

Calcutta, the 15th November 1985

Ref No. 1915/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNFJEF,

being the Competent Authority under Section

being the Competent Authority under Section 69% of the income-tax tact, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 40D situated at Southend Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 19-3-85

Calcutia on 19-3-85

narke, value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than theca is a cert of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the passes has not been two stated in the and instrument of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- a, Figilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concea'ment of any income or any which or other 13. 4 which have not been or which or glat to be disclose by the transfers for the purposes of the India. Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act, 1957 (27 of 15 7);

Property registered under Deed No I 4049 at 19 3-35

THE SCHEDULE

SANJUAR BANNERIEF Competent Authority Imperting Assistant Commissioner of Incomestor, sit it on Pange-III 54. Rah Ahrsed Podwar Read, Colentia-15

Now, therefore, in pursuance of Sect' in 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following (XIsons, namely:--

Date + 15/11/1985

(1) Nanda Dulal Saha

(Transferee)

(2) Anubhav Properties & Agencies Pvt. Ltd.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1916/Acq R-III/85-86.-Whereas, I,

SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 40D situated at Southend Park, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Cal on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to py tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asses which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

All that property registered under Deed No. 4047 dt 19-3-85.

> SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o' the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 5-11-1985

(1) Sambhu Nath Khag & Other

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kartick Chandra Bose.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1917/Acq R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 103 situated at A. P. C. Road Cal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Cal on 27-3-85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mild instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concerlment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be d sclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1, of Section 269D o' the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

whichever period expires later;

may be made in writing to the undersigned :--

(b) by any other person interested in the said maintaine able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazativ.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein has and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property register under Deed No. I 4644 dt 27-3-85.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 15-11-1985

FURM ITNS---

(1) R. Kar & Associates

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

of the control of the

(2) Kamala Kolev

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1918/Acq R-III/85-86.--Whereas, I, SANKAR BANERJEE

being the Competent Authority under Section 209B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the immovable swoperty having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 180 (A&B) situated at R. B. Avenue, Cal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq R-III, Cal on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fall-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than

lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concessment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tav Act, 1957 (27 of 195%);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate procee in 31 for the acquisition of the aforesaid property by the i we of this nation under sub-section (1) of Section 269D 5 for said Act the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given In that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. C-1/1294 Sq. ft.

SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition R. 12e-III, Calcutta 54. Rafi Ahm Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 7-11-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) R. Kar & Associates,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Kanata Bhalla,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1919. Acq R-III,/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000'- and bearing No. 180 (A&B) situated at R. B. Avenue Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC R-III, Cal on 1-3-1985 for a appaint consideration which is less than the fair market value of the aforeseid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affice per cent of such apparent consideration and that the coest tention for such transfer as agreed to between the parties has not been table stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which auch to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

Prope ty Registered under deed No. A-5/728 Sq. ft. dated 1 3-1985

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-III, Calcutta
54. Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D at the said Art, to the following reasons namely—

Date: 7-11-1985

Scal:

(1) R. Kar & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sashi Prakash Bhalla

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1920 Acq R-III/85-86.-Whereas, I,

SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 180 (A&B) situated at R. B. Avenue Cal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC R-III, Cal on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cost of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as , are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Flat No. B-5/758 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANNERJEF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16,

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 7-11-1985

Scal:

PORM ITNS-

(1) R. Kar & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF I'HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jyotismov Dev

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta the 7th November 1985

Ref. No. 1921/Acq R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-Rs. 100,000/- and bearing
No. 180 (A&B) situated at R. B. Avenue Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC R-III. Cal on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

 facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
86—376GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of president of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sail. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-2/725 Sq. ft.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inconactax,
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwaj Road,
Calcutta-16.

Date: 7-11-1985

(1) R. Kar & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Jyotsna Dey

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ΛΟQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1922/Acq R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 180 (A&B) situated at R. B. Avenue, Cal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of Registering Officer at
IAC R-III, Cal on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCHEDULE

All that flat B-2 and B-3 measuring 1486 Sq.ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 7-11-1985

(1) R. Kar & Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dilip Kr Ghosh & Other.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Rcf. No. 1923/Acq R-11I/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

180 (A&B) situated at R. B. Avenue Cal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III Cal on 1-3-1985 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

THE SCHEDULE

All that flat No. D2/1039 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Cmomissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Calcutta 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985

FORM I.T.N.S.——

(1) R. Kar & Associates.

(Transferor)

(2) Saradit R. Banaerjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1924/Acq R-III/85-86.—Whereas, I. SANKAR BANNEJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Insome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 180 (A&B) situated at R. B. Avenue, Cal., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III, Cal on 1-3-1985 for an apparent consideration which is tens than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parites has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the conceamient of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 ot 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. D-1/1039 Sq. ft.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Rond,
Calcutta-16.

Date: 7-11-1985

Sear :

(1) B. S. Builders.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kshitish Chander Pal.

(Transferee)

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JII, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1925/Acq R-III/85-86.—Whereas, 1, SANKAR BANNERJEE. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the sam Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 512A situated at Jodhpur Park, Cal. (and more fully described in the schedule annexed henceo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq R-III, Cal on 6-3-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforcsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The Terms and expressions used herein as are defined ir Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

All that flat measuring 1400 Sq. ft.

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Fange-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985 Seal:

POST

FORM TINS----

(1) B. S. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Gita Roy.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1926/Acq R-I)I/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 512A situated at Jodhpur Park, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq R-III, Cal on 6-3-1985. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the consealment of any income or any

moneys or other assets which have not been or

which enght us be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

.11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Flow, therefore, in numerous of Section 269C of the said Ast, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsetion (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

set, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat measuring 694 Sq. ft.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 7-11-1985

FORM ITNS----

(1) B S. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr Noe' Cenrel Bout and other.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1927/Acq R-III/85-86.---Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 512A situated at Jodhpur Park, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

IAC Acq R-III, Cal on 6-3-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

Explanation: --The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

All that flat measuring 727 Sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III. Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985

(1) B. S. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Subir Kumar Dutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

DFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUITA-16.

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1928/Acq. R-III/85-86.-Whereas, I, SANKAR BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1/512A situated at Jodhpur Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at IAC. Acq. R-III, Calcutta on 6-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a perfud of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that flat measuring 670 sq. ft.

SANKAR BANERJEE Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

Date: 7-11-85,

(1) S. K. Dutta.

(Transferor)

(2) Ajit Kr. Bhattacharjee.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16,

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1929/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
411 situated at Jodhpur Park, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 6-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2/1100 sq. ft.

SANKAR BANERJFE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III,
54, Rafl Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following errors, namely:—

37—376GI/85

Date: 7-11-85,

(1) Migma (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Radheshyam Banka.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1930/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 39/1 situated at Lansdown Road, Calcutta (and more fully describer in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III. Calcutta on 6-3-85

IAC Acq. R-III. Calcutta on 6-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and fer

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sadi mimovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that property registered in the office of IAC Acq. $\begin{tabular}{ll} R-\Pi I, on 6-3-85 \ as per agreement. \end{tabular}$

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road.
Calcutta-164

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

Date: 7-11-85.

FORM No. 1TNS-

Vijay Kr. Dhawan.

(Transferor)

(2) Piyush Bhartia.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1931/Acq. R-III/85-86.--Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00.000/- and bearing No.
52D, stated at B. C. Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

IAC Acq. R III, Calcutta on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Mansfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; **100**/07
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the unastern to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquiretion of the said property may be made in writing to the unaversigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period . 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein me are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3B at Surya Coop Housing Soc. Ltd.

SANKAR BANFRILL Competent Authorit Inspecting Assistant Commissioner of Income tox Acquisition Range-111, 54. Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :---

Date: 7-11-85,

FORM I.T.N.S.—

- (1) Ajanta Credit Corporation
- (Transferor)
- (2) The Scotish Assam (I) Ltd. and Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16.

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1932/Acq. R-111/85-86.—Whereas, J. SANKAR BANERJEE,

boing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

1, situated at Croocked Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed heroto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III, Calcutta on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay ax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) faciliating the concealment of any income or any smoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that space No. G-9 with three open car parking space.

SANKAR BANERJEE.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 7-11-85.

≃eal:

- (1) M/s, Amrit Commercial Co. (P) Ltd.
 - (Transferor)
- (2) Dr. Samir Ghosh & other.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1971/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

31/1 situated at Gariahat Road (S), Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

IAC Acq. R-III, Calcutte on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concoalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) sy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property measuring 1060 sq .ft. being a flat,

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, R ifi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date: 7-11-85,

FORM I.T.N.S .--

(1) M/s Amrita Commercial Co. (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Purnima Das.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAL ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1933/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. 32/1 situated at Gariahat Road (S), Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III. Calcutta on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period extens tater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

hb) facilitating the concea ment of any mome or any moneys or other ass a which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the adian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

All that flat No. 'D' measuring 1040 sq. ft.

SANKAR BANERHE Competent Authority Inspecting Assistant Commissione of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings to, the acquisition of the aforesaid property by the usu of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following регвопа, namely :--

Date: 7-11-85. Seal :

(I) Pradip Raj Bikshi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Cummins Diesel Sales & Service (I) Ltd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III.
54, RAFT AHMED KIDWAI ROAD,
CALCUTTA-16.

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1934/Acq. R-III/85-86.—Whoreas, I, SANKAR BANFRIFE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

and bearing No.

1C, situated at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Calcutta on 27-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any et the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and lor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-bax Act 1957 (27 of 1957):

All that property registered as per Deed No. 1 4570/85 dated 27-3-85 at Flat No. 94, Block 'A', Tivoli Court 1C, B. C. Road. Calcutta measuring 10800 sq. ft.

THE SCHEDULE

SANKAR BANFRJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: —

Dated :15-11-85 Seal : FORM ITNS (1) Bipan Beha

(1) Bipan Behari Sen.

(Tranferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Lipika Saha & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1935/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 138A situated at Harish Mukherjee Road, Calcutta

Rs. 1,00,0007- and bearing No 138A situated at Harish Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Calcutta on 26-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than effect on the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any lucome arking from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered under Deed No. I 4434 dt. 26-3-85.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the enid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated :15-11-85

FORM ITNS ----

(1) Nandini Dutta.

(Transferor)

(2) Subrata Kumar Basu.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1936/Acq. R-III/85-86.--Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 42/119B situated at Bediadanga 2nd Lane, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Calcutta on 22-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforefifteen per cent of such apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 88-376GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferental persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from service of motion on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered under Deed No. I 4279 dated 22-3-85.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Dated: 15-11-85

43106

FORM ITNS-

(1) Sri Gopal M. Khandelwal.

(Transferor)

(2) Mstt. Sakina Bai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1937/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing As per Deed of Conveyance

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at

at Calcutta in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of may income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used here are defined in Chapter XXA of the 10.00 Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property measuring 3600 sq. ft. was registered vide Deed No. Dated March, 1985.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-]]] 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in purmance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons namely :-

Date: 15-11-1985

(1) M/s. Purbasha Nirman Udyog (P) Ltd.

(2) Anath Bandhu Ghosh.

(Transferor) (Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1938/Acq.R-III/85-86.-Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heroinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. P-17D situated at Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at at Calcutta in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered under Deed No. 4167/85 in March, 85.

SANKAR BANERJEF Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54 Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-700 016

Date: 15-11-1985

Seal:

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

43108

FORM ITNS-

(1) M/s Ballygunge Estates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lasco Private Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1939/Acq.R-III/85-86.-Whereas, I,

SANKAR BANERIEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the manovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing '. No. 20 situated at B. C. Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the Raid instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of. 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said ACL shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Unit No. 5A/5th floor. Area: 2020 sq. ft. Regd.: Deed No. 4124 dated 19-3-1985.

SANKAR BANERJFE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 15-11-1985

(1) M/s Madgul Udyog.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Lasco Private Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1940/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20 situated at B. C. Road, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Calcutta in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of tenafor with the object of tenafor with the object of tenafor with the object of the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneye or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wasith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered as per Deed No. 114123/8, dated 19-3-1985 measuring 2020 sq. ft. together iwth servant quarter and covered car parking space at 20 B. C. Road, Calcutta.

SANKAR BANERIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-11-1985

(1) Amiya Kumar Ghosh,

(Transferor)

FR SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) M/s Ballygunge Estates.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1941/Acq.R-III/85-86.--Whereas, I, SANKAR BANFRJFE,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p operty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. 207 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Λct, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Calcutta on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective position, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered as per Deed No. 4061 dated 19-3-1985 at 207, Sarat Bose Road, Calcutta.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Date: 15-11-1985

FORM ITNS----

(1) Jasoda Dulal Saha.

Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Anubhar Properties & Agencies Pvt. Ltd.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

Calcutta, the 15th November 1985

able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1942/Acq.R·III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERIEE,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

No. 40E situated at Southead Park (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Calcutta on 19-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to believe the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

All that property registered under Deed No. 4058 dated 19-3-1985.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-11-1985

(1' M/s Hope (India) Ltd.

(Transferor)

(2) M/s Indian Bank.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1943/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 11 situated at Sevak Baidya Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Regis ration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering officer at Calculta on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property by be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered at Calcutta on 14-3-1985 under Deed No. 1 3807/85.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700 016

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 15-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Sachi Dulal Saha.

(2) M/s Anubhav Properties & Agencies Pvt. Ltd.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

- ---

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1944/Acq. R-III/85-86 - Whereas, I, SANKAR BANNERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 40F situated at Southend Park, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 19-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part's has not been truly stated in the said instrument ged transfer with the ebiest of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which enght to be discissed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (" of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

89-376GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said iramevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered under Deed No. 4048 dated 19-3-85.

> SANKAR BANFRJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranga-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 15-11-85

FORM TINS---

(1) M/s Ratangarh Charity Society.

(Transferor)

(2) Hari Prosad Malpani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54. RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1945/Acq R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNFRJEF, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred u as the 'said Act'), have reason to believe that the immovhie property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20/B situated at Gariahat Road, Calcutta (and more fully described in the scheduled annxed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calculta on 13-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the varties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: BRACK OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ux Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the effects and property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered vide Deed No. 3751 dt. 13-3-85 at Gr. floor Flat No. 3 on Second floor at Gagan Deep 20/B Garabat Road, Calcutta.

> SANKAR BANERJFE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 15-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTΓΑ-16

Calcutta, the 15th November 1985

Ref No 1946/Acq R-III/85-86.--Whereas. I, SANKAR BANERIFE., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No.
As per Deed of Conveyanced in March, 1985 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

Calcutt) on March 1985
tot an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen percent of such apparent consideration at d the
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferoito pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conceelment of any income or any more as of othe assets which have not been or which out to be caseled by the transferre for the parcose of he Indian Incomet. Act 922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby in tiate r occeedings for the acquisition of the aforesaid pipperty by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely —

(1) Smt. Padma Bannerjee.

(Transferor)

(2) M/s Mahavir Development.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquaition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the saw Act shall have the same meaning as given up that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered as per Decd No I 3673/85 in Mar '85 me isuring 2020 sq ft Partly two stories building with land

SANKAR BANFRJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range III,
54 Rafi Ahmaa kia vai Road,
Calcutta-16.

Date 15 11 85 Seal:

(1) Indira Sinha.

(Transferor)

(2) Sudesh Chandia Masand

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1947, Acq.R-111/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE,

SANKAK BANNERJEE, seing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the individual property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No 40 situated at Old Baliygunge 2nd Lane, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer.

1908) in the office of the Registering Officer

at Calcutta on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the atoregaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

THE SCHEDULE

Property registered under Deed No I 3576 dt. 8-3-85.

(b) facilitating the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be (lisclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceed ags for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269E of the said Act, the following persons, namely :--

Date · 15-11-1985

FORM ITNE

(1) Sudhindra Kr. Basu & others.

(Transfero)

NUMICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Rukmini Devi Dhovi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1948/Acq. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

42B situated at Drindaban Basack Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair manket value of the aforesaid presenty, and I have remeen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concediment of any income or any moneys or other as sets which have not been as which ought to be esclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquitation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following perions, namety ;---

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whoshover period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered vide Deed No. 3555 dated 8-3-85 at 42B, Brindaban Bysack St., Calcutta.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority Acquisition Range-III, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 15-11-85

(1) Sudhindra Kumar Basu.

(Transferor)

(2) Kamala Devi Agatwalla.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 15th November 1935

Ref. No. 1949/Acq R-III/85-86.--Whereas, J, SANKAR BANNERJFE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00.000% and beating No. 42B, situated at Brindaban Basack Street (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 8-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 19:7);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o' the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforciaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned .--

whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immerovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered vide Deed No 3554 dated 8-3-85 at 42B, Brindaban Bysack St., Calcutta 4K-4Ch 2U Sq.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission: of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed kidwar Road,
Calcutta-16.

Date: 15-11-85

FORM ITNS----

(1) Sailendra Nath Guin,

(Transferor)

(2) Baishnay Byapar (P) Itd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, 54, RAFI AHMFD KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16.

Calcutta, the 15th November 1985

Ref No. 1950/Acq. R-III/85-86.---Whereas, I, SANKAR BANNERJFF, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No.

Rs. 100,000/- and beating No.
60, situated at Southern Avenue, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annoved hereto),
has been trensferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908 in the office of the Registering Officer at
Calcutta on 8 3-85

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the preperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the pursuess of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weekth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered as per Deed No. 3552 dt. 8-3-85 at 60 Southern Avenue; Building one storeyed with land 6K-9ch.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date: 15-11-85

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ramesh Chandra Guin.

(Transferor)

(2) Baishnav Byapar (P) Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1951/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 60 situated at Southern Avenue, Cal. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office with the Registering Officer at Calcutta on 8-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforeness persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered as per Deed No. 3550 dated 8-3-1985 at 60, Southern Avenue, Cal. before SRA, Cal.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Jif
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 15-11-1985

(1) Smt. Suparna Mazumder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Bullygunge Estate.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1952/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I. SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 207 situated at Sarat Bose Road, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Cal. on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered on 14-3-1985 as per Deed No. I-3823 before RA., Calcutta.

> SANKAR BANERJEE Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III 54, Raf Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 15-11-1985

cal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the follow ing persons, namely .--90-376GI/85

Shri Prodeep Kumar Sarkar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ballygunge Estate.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1953/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERIEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 207 situated at Sarat Bose Road, Cal.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Cal. on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered vide Deed No. on 14-3-85 at 207, Sarat Bose Road, Cal.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 15-11-1985

FORM IINS-

(1) Smt. Kanak Rani Sinha.

(Transferor)

NOTICE_UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ballygunge Estate.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1954/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I. SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 207 situated at Sarat Bosc Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cal. on 14-3-1985

Cal. on 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the has not been truly stated in the said instrument of transfer the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arbitre from the

(b) facilitating the concealment of any income or any monays or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period employs later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

Property registered as per Deed No. I-3817 on 14-3-85 at 207, S. B. Road, Cal.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 15-11-1985

(1) Shri Chhaya Choudhury.

(Transferor)

(2) Ballygunge Estate.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref., No. 1955/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 207 situated at Sarat Bose Road, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Cal. on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any manage or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered as per Deed No. I-3821 dated 14-3-85.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 15-11-1985

FORM I.T.N.S .--

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Usha Rani Sinha.

(Transferor)

(2) Ballygunge Estate.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1956/Acq.R-III/85-86.—Whereas, J. SANKAR BANERIEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. 207 situated at Sarat Bose Road, Cal. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Calcutta on 14-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered as per Deed No. I-3819 dt. 14-3-85 at 207 S. B. Road, Cal.

SANKAR BANERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafl Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 15-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Sipra Sinhal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ballygunge Estate.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1957/Acqn. R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and becaring
No. 207, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and parts fully described in the Schedule appared basets)

No. 207, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 14-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any incesses arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

rlow, therefore, in pursuance of Section 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undertigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property registered as per Deed No. I-3811 dated 14-3-85 1th share of land 9 Cottah 12 ch. 9 sq. ft. with partly 2 storey building etc. thereon.

SANKAR BANNERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Calcutta

Date 15-11-1985, Seal:

- (1) Dr. (Miss) Sandhya Ghosh.
- (Transferor)
- (2) Ballygunge Estate.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1958/Acq.R-III/85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERJEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. 207, situated at Sarat Bose Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registeriny Officer at Calcutta on 14-3-1985

for an apparant consideration which is less than the faor market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the finbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income as sing from the transfer; and /or

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the pursones of the ladian It some-tax Act, 1922 (1) of '922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (27 of 1987);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Class ler.

THE SCHEDULE

Property registered as per Deed No. I 3810 dated 14-3-85 4th share of Premises No. 207 S. B. Road, Calcutta.

SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta

Date 15-11-1985, Seal:

(1) Dr. Nirmal Kumar Ghosh.

(Transferor)

(2) Ballygunge Estate.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1959 |Acq. R-III |85-86.---Whereas, I, SANKAR BANFRIFE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan (cf. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 207 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 14-3-1985

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacritating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Let I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered vide Deed No. 3808 dated 14-3-85 at 207, S.B. Road, Calcutta.

> SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta

Date 15-11-1985. Seal:

FORM ITNS----

(1) Jeekay Properties (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nandini Kvcit Modi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1960|Acq.R-III|85-86.—Whereas, I, SANKAR BANERIEE being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,006/and bearing
No. 7, situated at Chakraberia Road,

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 11-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to bilieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

. (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever wried expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, thall have the same meaning as given in that Chaster.

THE SCHEDULE

Property registered as per Deed No. 3673 dated 11-3-85.

SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-91---376GI/85

Date 15-11-1985.

(1) Bhawani Prasun Chatterjee.

(Transferor)

(2) Ni₁mal Kumar Bannerjee.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1961|Acq. R-III|85-86.—Whereas, I, SANKAR BANNERIFE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 131, situated at Bakulbagan Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at

Calcutta on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assers which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Objections, if pay, to the acquisition of the anid property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter

THE SCHEDULE

All that property registered under Deed No. I-3585 dated March 1985.

> SANKAR BANNERJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Calcutta

Date: 15-11-1985

Scal:

- (1) Bhabani Prasun Chatterjee.
- (Transferor)
- (2) Anup Kumar Shaw.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1962/Acq.R-III/85-86.—Whereas I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 131, situated at Bakulbagan Road, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at

Calcutta in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties nan not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered under Deed No. I-3583 in March 1985.

SANKAR BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II1,
Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 15-11-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Salil De

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Anil Kumar De.

(Transferce)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1963/Acq.R-III/85-86.—
Whereas I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 42/133 situated at Bediadanga 2nd Lane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 30-3-1985 for an apparant consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—'Ine terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

The property registered under Deed No. I-2501 dt. 30-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANERIJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 15-11-1985

FORM ITNS----

(1) Dr Pobitra Sengupta

(Transferor)

NOTICE UND9R SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt Shefali Sengupta & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 15th November 1985

Ref. No. 1964/Acq.R-III/85-86.— Whereas I, SANKAR BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Licome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No 6, stuated at Satyen Dutta Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the office of Registering Officer at Calcutta on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforest ad exceeds the apparent consideration therefor by more than than fifteen per cent of such apparent consideration and that the that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakla-tax Act, 1957 (27 of 1957);

from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(a) by any of the aforesaid persons within a period or

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

HE SCHEDULE

Entire 2nd floor. Area: 1360 Sq. ft.

Regn.: Deed No. 2332 dt. 26-3-1985.

SANKAR BANERJIEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore a pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the following persons, namely:—

Date: 15-11-1985

Scal:

- (1) Lodha Services Private Ltd.
- (Transferor)
- (2) Hoogarjuli Services (P) Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUITA

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1965/Acq.R-III/85-86.—
Wheteas I. SANKAR BANERIEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the
immovable property having a tan market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and heading No.
2, situated at Hare Street, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (10
of 1908) in the office of Registering Officer at
1AC Acq. R-III Calcutta on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesain exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:— Ref. No. 1965/Acq.R-III/85-86.-

of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the conceanment or they income of this moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1937 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given io that Chapter.

THE SCHEDULE

The Property registered before IAC Acq. R-II, Calcutta on 1-3-1985 by an agreement to sale and Form No. 37EE.

> SANKAR BANERIJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-III.
> 54, Rafi Ahmed Kidwaj Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the loresaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following actrons, barrely :---

Date: 7-11-1985

SeaI :

FORM I.T.N.S -

(1) Ledba Sarvices Private Ltd.

_ (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Sarda Plywood Industries Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1966/Acq.R-III/85-86.—
Whereas I, SANKAR BANERIEE,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to
as the said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
2, situated at Have Street Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been confirm I under the Fegint ation Act, 1908 (1)
of 1908) in the office of Registering Officer at
IAC Acq. R-III Calcutta on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the afcresaid property and I have reason to
believe that the fair n arket value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the Ref. No. 1966/Acq.R-III/85-86.fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such tursfur us area I to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid porsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

The property registered before IAC Acq. R-III, Calcutta

THE SCHEDULE

on 1-3-1985 by an agreement to sale and Form No. 37EF.

SANKAR BANERJJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the afternial property by the issue of this power under subsection (1) of Section (ASP) of the said are to the following ersons, namely :---

D 16 : 7-11-1985 Scal:

FORM ITNS----

(1) Slab Builders.

(Transferor)

(2) Abhijit Basu.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE UF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1967/Acq.R-III/85-86.— Whereas I. SANKAR BANFRJEF, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at N. S. C. Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at IAC Acq. R-III Calcutta on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that Flat No. 4, measuring 480 Sq, ft. registered by an agreement of Form No. 37EE before LA.C. Acq. R-III, on March 1985.

SANKAR BANERIJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmed Kidwai Rond, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ALL I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-persons, namely:—

Date: 7-11-1985

FORM ITNS----

(1) Slab Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dilip Kantı Kar Gupta,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1984

Ref. No. 1968/Acq.R-III/85-86.-Whereas I, SANKAR BANERJEE,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
253F situated at N. S. C. Bare Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16)

of 1908) in the office of Registering Officer at I.A.C. Acq. R-III, Calcutta in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay cax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

THE SCHEDULE

All that flat registered under an agreement before I.A.C. Acq. R-III in March 1985 and also filing Form No. 37EE.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANERJJEE Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-III.

54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 92-376GI/85

Date 7-11-1985

FORM I.T.N.S.---

(1) Ashok Kumar Sood & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. A and A Development (P) Ltd.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1969/Acq.R-III/85-86.—Whereas I, SANKAR BANERJEF,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

38, Lake Garden situated at 32, Dander Rahaman Road.

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. R-III, Calcutta on 6-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax A-1 1957 (27 of 1957);

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namedy:—

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the nervice of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the sarde meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property registered under an agreement on 6-3-85 before I.A.C. Acq. R-III and also filing Form No. 37EE.

SANKAR BANERIJEF
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-Ill.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 7-11-198

3

FORM ITNS-

(1) Slab Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) H. P. Deb.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th November 1985

Ref. No. 1970/Acq.R-III/85-86.—
Whereas I, SANKAR BANERJEE,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the Said Act) have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Ra. 1,00,000/- and bearing No.
253E situated at N. S. C. Bose Road Calcutta
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of Registering Officer at
I.A.C. Acq. R-III, Calcutta on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
afteen per cent of such apparent consideration and that the
emaideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of .—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 5.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 if of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SANKAR BANERIJEE
Competent Authority
Inspetcting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III.
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, n. pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsoltion (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—

Date: 15-11 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE.

HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 15th November 1985

RAC No 534/85-86.—Whereas, I, M JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No House situated at Chudi Bazar, Hyderabad

'and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

Hyderabad on 3/1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than lifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalues of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Usha Gasodia W/o Arun Kumar Garodia & others, through GPA: Sri Sanwarlal Sharma, 14-7-400, Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Damodar Das Lohiya & Others, 15-7-247, Begum Bazar, Hyderabad.

(Transferes)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 14-6-30, 41 & 44, Chudi Bazar, Hyderabad, area 731.99 sq. yds. registered by the SRO, Hyderabad vide document No. 1771/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 15-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 15th November 1985

RAC. No. 533/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Mulgies situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Oilice of the Registering Officer at

Chikkadpally on 3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating he reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act or the Woulth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Sri L. Venkateshwar Rao, S/o L. Jagan Mohan Ruo, I-I-775, Gandbi Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Master Syed Sobel Hussaini (minor) S/o Syed Waris Hussain & 5 other minors, rep.: by father Syed Waris Hussain, H. No. 22-3-931, Purani Haveli, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Iwo ground floor mulgies with kitchen bearing M. No. 3-6-430/1, at Himayath Nagar, Hyderabad, area of land 73.11 sq. yds. registered by the SRO. Chikkadpally vide document No. 276/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 15-11-1985

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A. P.), the 15th November 1985

RAC. No. 535/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing
No. Building situated at Narayanaguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority.

Hyderabad on 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from مخا and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri U. Satyanarayana Reddy S/o U. Durgareddy, Miryalguda, Nalgonda Dist.

(Transferor)

(2) Smt. Kartai Kaur W/o S. Nand Singh & 4 others, 3-5-77, Rajmohalla, Kachiguda, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing M. No. 3-5-115 at Narayanaguda, Hyderabad, admeasuring 1200 sq. yds registered by the SRO, Hydera-bad vide Document No. 1783/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 15-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A. P)

Hyderabad (A, P.), the 15th November 1985

RAC. No. 536/85-86.—Whereas, J.
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shed situated at Hyderguda, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority I A.C. Acq. Range Hyderabad on 3/1985

for an apperent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cost of such apparent consideration and that the apparention for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tenneferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Abt. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby fultiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Smt. Jvoti W/o Sri Purshotam Bahirwani. 115, Crescent Palli Hill Road, Khar, Bombay

(Transferor)

(2) Sii Bhagwandas H. Dayal S/o Hariram Dayal, 201, Meridian Apartments, Bashir Bagh. Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquastion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Burlanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open piece of land along with built up area for residential purpose being Plot No. 4 in the premises formerly bearing No. 3-5-874, admeasuring 410 sq. yds, situated at Hyders with the second production of the second produ guda, Hyderabad, registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1448/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad (A. P.)

Date: 15-11-1985

Scal:

FORM MINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hydeabad (A. P.), the 28th October 1985

No. IAC/Acqn/37EE|271|85-86,---Whereas, 1,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing No. Apartment situated at Landmark Builders, Khairatabad (and pages fully described in the Schedule appared beauty)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of

I.A.C., Acq Range, Hyderabad on 12/1985
for an apparent consideration which is less ann the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons marks: (1) M/s Landmark Builders, 6-2-930, Khairatabad, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Imtiaz Haji, Banda Abbas, Ieshm Island, Baksh Shehab. Darmangah, Suza, IRAN.

(Transferce)

Objections, 'if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Apartment No. 202 in H. No. 6-3-986 to 996, Khairatabad, Hyderabad, area 1400 s. ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 991/84

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Date: 28-10-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hydeabad (A. P.), the 28th October 1985

RAC. No. IAC/Acqn|37EE|269/85-86.-Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat situated at Chonoy Trade Centre, Park Lane, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Incomestax Act 1961, in the Office of

section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

the Competent Authority
I.A.C., Acq. Range, Hyderabad on 12/1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been traly stated in the said instrument
of transfer with the object el-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s Nataraj Construction Co, 116, Parklane, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shagantı Jalaxmi, (alias: Amrutha), 4-2-309, Sultan Bazar, Hyderabad. Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 702 at Chenoy Trade Centre, 116, Park Lane, Secunderabad, area 852 s ft vide Agreement of sale registered by the IAC. Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 989/

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad (A P.)

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--93-376GI/85

Date: 28-10-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad (A.P.), the 28th October 1985

RAC. No. IAC/Acqn./37EE/270/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding

able property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Rukmini Apartments, Abids, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority

I.A.C., Acq Range, Hyderabad on 12/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said marry ment of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferror to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Prakash Builders, 5-8-611, Abids, Hyderabad.

(Transferor)

 Mr. Vijayakumar Dokwał, Cinema Road, Adilabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105 in Rukmini Apartments, Abids, Hyderabad, area 1065 s ft. vide Agreement of sale registered by the IAC., Acqn. Range, Hyderabad, at S. No. 990/84.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A. P.)

Date: 28-10-1085

Seal;

FORM LT.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, 19th November 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2635.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being that Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have 'reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land & House situated at Abu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-

tering Officer

at Mount Abu on 28-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Jyotindra Natverlal Metha Near Kalyan Society, Ellis Bridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Shrimati Dakshaben Deepakbhai Huthessing, Umang Deepak Huthessing, Urvi Deepak Huthessing, Shahibaugh, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land & House Municipal No. 1, 1-A, & 2 situated in Gora Chapia, Mount Abu, and more fully described in the sale dead registered by the S.R. Amount Abu vide registration No. 273 dated 28-3-1985.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue o' this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date ; 19-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 8th November 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2627. -Whereas, I, MOHAN SINGH,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having tan market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A-17 situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto). been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jaipur on 23-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appaient consideration therefor by more than fifteen per cent of such appaient consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) Shrimati Maya V. A. Punjaoi R/o 7-J-3 Jawahar Nagar, Jaipur.

(Transferor)

(2) 1. Shrimati Shakuntla Sonthalia,
2. Smt. Manju Sonthalia,
3. Smt. Seema Sonthalia

4. Smt. Aruna Sonthalia C/o Sh. Kailash Prasad Sonthalia Righumal Mansion, 15-B Poddar Road, Bombay

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957;

Plot No. A-17 Saket Colony Adarsh Nagar Jaipur and more fully described in documents registered by competent authority at No. 269AB/2 dated 23-3-85.

MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INC/)ME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 8th November 1985

Ref. No. Raj/IAC (Acq)/2627.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disc osed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Shri Shambhu Das s/o Achal Das Chaian 1/0 Water Works Department Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Hari Natain s/o Shri Ramsukh c/o S.B.I. Paota Branch, Jodhpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property situated at Kamla Nihiu Nagar, Jodhpur and more fully described in the sale dead registered by S.R. Jodhpur vide registration No. 795 dated 18 3/85.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-11 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2628.—Whereas, I, MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

movable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 28/3/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue—f this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Veerendra Kumar Handa s/o Sahaskaran R/o Village Pancholiya Marwar Khanchi Distt. Pali. (Transferor)

(2) Shri Veerendra Chawla and Desh Raj Chawala ss/o Sh. Kishan Chand Chawala, R/o Janta Colony, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

flouse situated at Sawai Poo Ji Ko Bagichi, Janta Colony, Japun and more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide registration No. 821 dated 28/3/85.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-11-1985

(1) Shrimati Ganda Kumari Widow of Kishore Mal Khinysare, 11th Pal Road, Sardarpura Jodhpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii Piakash Suiana, S/o Shri Laxmi Chand Surana 180, find Polo, Paota Jodapur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2629.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 8/A situated at Jodhpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 26-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the suid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andler

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Plot (South portion) No. 8/A, situated at Sector E, Shastri Nagar, Joshpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur vide registration No. 1014 dated 26-3-85.

MOHAN STNGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 8-11-1985

(1) Shrimati Kalpan Badia, W/o Shri Kilash Chandra Badia B-123, Shastri Nagar, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Kesharia Investment 17 General Muthai Mudali Street, Madras.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

e a tampo ferro a falla alla alla e alla e <u>alla alla moderna di dileggio di la compa</u>

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 8th November 1985

Raj/IAC(Acq)/2630.—Whereas, I,

MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 314/4/A situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer a Jodhpur on 20-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any money: or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, incretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 314/4/A, situated at Massuria, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. John-pur, vide registration No. 920 dated 20-3-85.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-11-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 8th November 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2631.—Whereas, I, MOHAN SINĞH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mrke value exceeding. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. B-106 situated at Jodhpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jodhpur on 13-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Ace, in respect of any income wrising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons, namely :--

94---376GI/85

(1) Shri Radha Rani W/o Shi Ramesh Chand Kapoor Central School, Jodhpur.

(Transferor)

(2) Shri Govind Lal Soni S/o Shri Bhanwar Lal Soni B-106, Shastri Nagar, Jodhpur. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said memovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-106, situated at, Shastri Nagar, Jodhpur, and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jodhpur, vide registration No. 801 dated 13-3-85.

> MOHAN SINGH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE **JAIPUR**

Jaipur, the 8th November 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2632.-Whereas, I,

MOHAN SINGH, being he Competent authority unlder Setion 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Plot situated at Chittorgarh (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chitorgaih on 2-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the 1for said property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the forms of this notice under subsection (1) of Section 26 & a the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Shrł Nathulal S/o Jitmal, Smt. Anopbai w/o Nathulal Svs. Satyanarain, Hari Shanker, Bhawanlal & Radheshyam Ss/o Nathulal R/o Lakharipati, Chittorgath. (Transfer

(2) Shri Shiv Narain S/o Bansilal, Smt. Shakuntla W/o Shiv Narain Smt. Munni Devi W/o Jugal Kishore, Sh. Mangilal S/o Ram Gopal, Sh. Shantilal S/o Ranglal, Smt. Kantadevi W/o Sharad Kumar & Smt. Koushliya Devi W/o Meghraj R/o Chittorgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Moza Chitorgarh K. No. 1771, Rakba 0-25, 0.35, 0-17, 0-77, 1.54 hactor Land and more fully described in the sale deed registered by S.R. Chittorgarh by registration No. 244 dated 2-3-85.

MOHAN SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-11-1985

Scal:

(1) Shri Gouri Shanker S/o Shri Ram Swaroopji, 21-C Fatehpura, Udaipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Nanda Bai, w/o Sh. Bherumalji, Dangi Bazar, Udaipur.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1985

Rai/IAC(Acq)/2633.—Whereas, I, No MOHAN SINGH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
House No. 36 situated at Udaipur
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Udaipur on 29/3/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument .-of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property . may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House No. 36-B Ambavgarh Scheme, Udaipur and more fully described in the sale deed registered by S.R. Udaipur vide registration No. 993 dated 29-3-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

MOHAN SINGH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namedy: ing persons, namely:-

Date: 8-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1985

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/2634.—Whereas, I, MOHAN SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot Lalkothi Yojana situated at Jaipur

Plot Lalkothi Yojana situated at Jaipur and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Jaipur on 18-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

 Shrimati Chain Kumari W/o Rajkumar Gajendar-Pal Singh Khachariawas House, Ganga Poll Gate, Jaipur.

(2) M/s. Kedia Builders Through Director Shri D. P. Kedia, 30 Hathi Babu ka Bag, Jaipur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeovable property, within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 127, 128, 243, 244, 245 & 246, situated at Lal Kothi Scheme, Jaipur and more fully described in the sale deed Registered by the S.R. Jaipur vide Registered No. 708 dated 18-3-85.

MOHAN SINGH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur.

Dato: 8-11-1985

(1) Smt. Janak Kishori Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 30th October 1985

Ref. No. G. I. R. No. J-13/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-

House Uo. 16 (Old No. 30) situated at Chouk, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 5-4-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as accorded to between the profiles have not been truly stored in agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

And) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Incometax Act. 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (2) 1. Shri Jagdish Prasad.

2. Shri Pradcep Kumar.

3. Shri Dalip Kumar, Through Their Father and Guardian, Shri Bhagwati Prasad.

(Transferce)

TENANTS

(3) (1) Smt. Savitri Devi Tandon

Vishwanath Tandon (2) Shri

(3) Shri Shantimoy Ray

(4) Shri Abdul Mazid (5) Shri Aga Mohd. Yasin Khan (6) Shri Vishwanath Chopra

(7) Shri Rajnath Khanna

(8) Shri Bholanath

(9) Shri Mohd. Yaqub

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three storeyed house No. 16 (old No. 30), situated at Chowk, Allahabad.

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 30-10-1985

(1) M/s. Avadh Constructions' Lalbagh, Lucknow.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohammad Jan Siddiqui,

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

Ref. No. G. I. R. No. 96/37EE/Acq.—Wheras, I, VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.
Flat No. UGF-5 and 6 in Palika Bazar situated at No. 6, Vargor thale Competer of Competers Aligani, Luck power.

Mat No. UGF-5 and 6 in Palka Bazar situated at No. 6, Kapoorthala Commercial Complex, Aligani, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the I.T. Act, 1961 in the Office of the Competent Authority, Lucknow at Lucknow on 11-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest of property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. UGF-5 and 6 in "Palika Bazaı" No. 6, Kapootthala Commercial Complex, Aligani, Lucknow. The agreement has been registered by the Competent Authority, Lucknow, under Sl. No. 109, dated 11-3-1985.

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1985

Ref. No. G. I. R. o. B-135/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Plot of land situated at 179, Civil Lines, Bareilly.

Plot of land situated at 179, Civil Lines, Bareilly.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Itability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act | her by initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Gopal Prasad

- 2. Smt. Satyawati Prasad
- 3. Smt. Geeta Chatterjee
- Smt. Jagrati Gaur
 Km. Bhamni Prasad

(Transferor)

(2) Smt. Brijesh Jaiswal.

(Transferee)

(3) Vendors

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 302.2 sq. yards situated at 179, Civil Lines, Bareilly (as mentioned in Form No. 37G)

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
I ucknow

Date: 14-11-1985

(1) Shri Ganesh Dutt Pandey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2), C. I. D. Karmachari Sahkari Avas Samiti, Lucknow Through its Secretary.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any off the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Ref. No. G. I. R. No. C-48/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Land Khasra No. 88 situated at Khurram Nagar, Lucknow and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on March 1985 for an annatent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land Khasra No. 88 measuring 3 Bigha situated at Khurram Nagar, Lucknow (as mentioned in 37G From No. 15054).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dato: 8-11-1985

FORM IINS -

(1) Shri Mohd. Aslam.

(Transferor)

(2) Firoz Gandhl Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. Through President, Shri Ram Singh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

EETOD OF THE INCREATING ACCIONANT

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1985

Ref. No. G. I. R. No. F-8/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Arazi No. 132 situated at Khurram Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar

at Lucknow on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid excueds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

95-376 GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of police on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Arazi No. 132, measuring 21,000 sq. ft. situated at Khurramnagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Lucknow

Dato: 14-11-1985

FORM I.T.N.S.----

(1) Shri Ishwardin.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2669D(1) OF THE INCOME-IAA ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Firoz Gandhi Sahkari Grih Nirman Sumiti Ltd. Through President, Shri Ram Singh. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG
> LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1985

Ref. No. G. I. R. No. F-9/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) therein for referred as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Plot K asia No. 133 and 134 situated at Khurram Nagar,

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 19088 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on March 1985

for an apparent conside ation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exerces the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot Khasra No. 133 and 134 measuring 11,000 sq. ft. situated at Khurram Nagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the "ellowing persons, namely :---

Date: 14-11-1985

(1) Shri Abdul Haleem.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Firoz Gandhi Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.
Through President, Shri Ram Singh.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

OF INCOME-TAX,

Lucknow, the 14th November 1985

Ref. No. G. I. R. No. F-10/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

and bearing No. Plot No. 129 situated at Khurran Nagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar

at Lucknow on March 1985

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resume to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 129 measuring 27,225 sq. ft. situated at Khurram Nagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
57, Ram Tirth Marg
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the sast Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 14-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Mohd. Ayub.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Firoz Gandhi Sahkarl Grih Nirman Samiti Ltd. Through President, Shri Ram Singh. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME IAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet e or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

Lucknow, the 14th November 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

Ref. No. G. 1. R. No. F-11/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

vinoid kumak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00 000/- and beating No.

Land Khasha No. 130 situated at Khurram Nagar, Lucknow that the faith described in the Schedule appeared berein.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar

at Lucknow on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

THE SCHEDULB

Land Khasra No. 130, measuring 20,000 sq. ft. situated as Khurram Nagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weal.h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
57, Ram Tirth Marg Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 14-11-1985

Seni

(1) Shri Bchari.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Gajendra Sahkori Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Gajendra Kumar.

(Transferee)

(3) Vendors

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- . OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG
 - LUCKNOW
 - Lucknow, the 8th November 1985

Ref. No. G. I. R. No. G-85/Acq.—Whereas, I. VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here:nafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable p-oper'y, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Vill. Chandan Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar

at Lucknow on Marc's 1985

for an apparent consideration which is less thane the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

whichever period expires later, (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

EXPLANATION:—The terms and expressly rused herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have nor been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULB

Land measuring 2 Bighas 10 Biswas and 19 Biswansis situated at Vill. Chandan, Tehsil and District Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range 57, Ram Tirth Marg Lucknow

Now, theerefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-11-1985

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE
57, KAM TIRTH MARG
LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

Ref. No. G. I. R. G-86/Acq.—Whereas, 1, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Vill. Chandan, Tehsil & Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar

at Lucknow on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Raghunath.

(Transferor)

- (2) Shri Gajendra Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Gajendra Kumar.
- (3) Seller.

(Transferee)

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 Bighas 14 Biswas and 14 Biswansi-, situated at Vill. Chandan Pargana, Tehsil and Distt, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
57, Ram Tirth Marg
Lucknow

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, KAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

Ref. No. G. I. R. No. G-87/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Land situa ed at Vill. Chandon, Tehsil & Distt. Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar

at Lucknow on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

 and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any nionevs or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Molahe.

(Transferor)

(2) Shri Gajendra Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Sccretary, Shri Gajendra Kumar.

·----

(Transferee)

(3) Vendors

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 Bighas, 18 Biswas and 13 Biswansis situated at Vill. Chandan, Tehsil and Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
57, Ram Tirth Marg
Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

Ref. No. G.I.R. No. G:88/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe 'hat the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 100.003/- and bearing No. Land situated at Vill. Chandan, Tehsil and Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-

Registrar

at Lucknow on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wewith-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, increfore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Hanoman. 2. Shri Radhey Lal.

(Transferor)

- (2) Shri Gajendra Sahkeci Avas Samitl Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Gajendra Kumar.
- (3) Vendors

(Transferec)

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Charlet NNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Bigha, 1 Biswa and 5 Biswansi situated at Vill. Chandan, Tehsil and Dl-tt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
57, Ram Tirth Marg
Lucknow

Date: 8-11-1985

(1) Shri Anandi Lal Goenka

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gopal Mehrotra

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

A@QUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 15th November 1985

G.I.R. No. G-89/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR,

- -- -- ---

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No. Land situated at Mauza Khabrar Patti Satbonga, Teh. & Disti.

(and morefully described in the schedule annexed hereto),

(and morefully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer (Register/Sub-Registrar at Calcutta on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rapisfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazeite.

EXPLANATION ,-I he terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chatter

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land measuring 10 acres more or less together with all plants, trees and structures situated thereon and being a portion of Masankhet Tok at Mauza-Khabrar Patti Satbonga, Teh & Distt. Nonital (as mentioned in 37G Form)

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 15-11-1985

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the gaid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

96-376 GI/85

(1) Dr. Nanak Chand Khanduja

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Shri Gopal Mohan Agarwal Through Attorney, Shri Shyam Lal Agarwal 2. Shri Vijay Mohan Agarwal

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th November 1985

G.I.R. No. G-90/Acq.--Whereas I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable preparty having a fair market value according Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property situated at 124-C, Civil Lines, Bareilly

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bareilly on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said lense-ovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

All that property measuring 450 sq. yards forming part of the 124-C, Civil Lines, Bareilly (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, immely:--

Date: 15-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

2. Shri Tara Chand

(1) 1. Shri Tek Chand

3. Smt. Chandra Rani

(Transferor)

(2) 1. Shri Islam

Smt. Amna Khatoon
 Shri Ikram Nabi

4. Shri Zaheer Alam

5. Shri Javed Anwar

(Transferce)

(3) Vendors

(Person is occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th November 1985

G.I.R. No. I-25/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One house situated at Moh. Sarai Husaini Begum, Moradabad (and more fully described in the Schedule amaged hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Moradabad on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between this parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SHEDULE

Cne house with land measuring 350.66 sq. mtrs. situated at 1 foh. Sarai Husaini Begum, Moradabad (as mentioned in 37(Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commis ioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-

Dat:: 15-11-1985

Sea :

(1) M/s Amrapalli Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd. Through Secretary, Shri D. C. Srivastava

(2) Shri K. P. Agarwal

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THIS

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1985

G.I.R. No. K-161/Acq.—Whereas, I. VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properity, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 4 situated at 18, Madan Mohan Malvya Marg.

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 20 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax unter the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

Plot No. 4 measuring 7000 sq. ft. situated at 18, Madan Mohan Malviya Marg, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asses which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:-

Date: 14-11-1985

FORM TONS ---

(1) Smt. Mahmooda khatoon

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mulraj

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

UPFICE IT THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect to personal whichever period expires later;

Lucknow, the 15th November 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

G.J.R. No. M-230/Acq.--Whereas, I, VINOD KUMAR,

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000/- and bearing.

Property situated at 26, Station Road, Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as a oresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— $\begin{array}{c} \textbf{Explanation: -The} & \textbf{terms} & \textbf{and} & \textbf{expressions} & \textbf{used} & \textbf{herein} & \textbf{as} \\ \textbf{are} & \textbf{defined} & \textbf{in} & \textbf{Chapter} & \textbf{XXA} & \textbf{of} & \textbf{the} & \textbf{said} \\ \end{array}$ Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(4) (a. disting the reduction or evaluation at an limitity of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any shoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sail Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Property situated at 26, Station Road, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 2690, of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persone namely:-

Date . 15-11-1985 Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Hemraj

(Transferor)

(2) 1. Shri Mahendra Kumar

2. Shri Kashmir Chand 3. Shri Kishore Chand

4. Smt. Sudha Rani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1985

G.I.R. No. M-231/Acq.-Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

A plot of land situated at Vill. Dehri Musathakam, Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Moradabad in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideraion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in seasont of any income arising from the transfer: and/as

(b) incilitating the concealment of any income or any rys or other assets which have not been or which ought to be disclaimed by the transferme for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sail Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 809.40 sq. mtrs. situated at Wil. Debri Musathakam, Distt. Moradabad (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-11-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th November 1985

G.I.R. No. M-232/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Arazi Bhumidhari Khasra No 781 situated at Mauza Shahpur Fieri New Maradehad

Tigri, Distt. Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Moradabad in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- which ought to be disclosed by the transferce for he purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Kehar Singh

2. Shri Om Pal Singh

3. Shri Ranvir Singh (Minor), through mother, Smt. Murti

(Transferor)

(2) Mayank Sahkari Avas Samiti Ltd., Moradabad Through Treasurer, Shri Khajan Giri

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or Atazi Bhumidhari Khasia No 781 measuring 3.57 decimals, situated at Mauza Shahpur Tigri, Pargana and Distt. Moradabad (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-11-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

to see to be a contrast of the second

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

GIR No M-233/Acq --- Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-and bearing

Land situated it Vill Ismailgan, Lucknow and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to where that the har market value of the property as iforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen no, cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- a) Inciditating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys is other exects which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1947 '2" of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Ghasi

(Transferor)

(2) Mansatovat Sahkari Avas Samiti Itd, Lucknow Through Secretary, Shri Dhyan Singh

मुक्तकारम् रुक्ता ता राजवात के बक्तकर है जानन

(Transferee)

(3) Vendor.

(Person is occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION. -The terms and expressions used Berein as ne defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 23141 sq ft situated at Vill Ismailgani, Luknow (as mentioned in 37G Form)

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range Lucknow

Date · 8-11 1985 Seal : FORM ITNS----

(1) Shri Chandi

(Transferor)

(2) Mansarovar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Dhyan Singh

(Transferee)

(3) Vendor

(Person is occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No M-234/Acq --- Whereas, 1. VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00 000/- and bearing
Land situated at Kharagpu, Faridinagar, Lucknow
(and more fully describe din the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income suing from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be die local by the transferre for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31853 sq. ft situated at Vill. Kharagpur Faridnagar, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 1.t. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely --97-376 GI/85

Date: 8-11-1985

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG. LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. M-235/Acq.—Whereas, I. VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situated at Vill. Nizamuddinpur, Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act; 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Smt Kishwar Jahan,

(Transferor)

(2) Mansarovar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Dhyan Singh

(Transferee)

(3) Vendor,

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to be undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person inverested in the said immovable property, within 45 days from the date of the nublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,16,029 sq. ft. situated at Vill. Nizamusidinpur, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-11-1987

FORM TINS-

(1) 1. Shri Kashi 2. Shri Hanoman

(3) Vendor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mansarovan Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Dhyan Singh

(Person is occupation of the property)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG,
LUCKNOW

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. M-236/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the 'and Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Kharagpur Faridinagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undereigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 58805 sq. ft. situated at Vill. Kharaggur Faridinagar, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incommetax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. M-237/Acq.-Whereas I, VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Kharagpur Faridinagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers und/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) 1. Shri Maiku 2. Shri Sheo Nath

(Transferor)

(2) Mansarovar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Dhyan Singh

(Transferce)

(3) Vendors

(Person is occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice e Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 46 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The forms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2,03,506 sq. ft. situated at Vill. Kharagpur Faridinagai, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date 8-11 1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G. I. R. No. M-238/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated Kharagpur

Faridnagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the registering Office, at Lucknow on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1 Shri Chhote Lal 2. Shri Raghu Nath 3. Shri Umrao.

(Transferor)

(2) Mansarova, Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Dhyan Singh.

(Transferee)

(3) Vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Grazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are Joined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 29198 sq. tt. situated at Vill. Kharagpur Faridinagar, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 8/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G. I. R. No. M-239/Acq.—Whereas, J. VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Kharagpur Fandinagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly tated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Chhote Lal 2. Shri Shyam Lal 3. Shri Phool Chand.

(Transferor)

(2) Mansarovar Sahkarı Avas Samiti Ltd., Through Secretary, Shri Dhyan Singh.

(Transferee)

(3) Vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15353 sq ft situated at Faridinagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8/11/1985

AND THE REPORT OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G. I. R. No. M-240/ Λ cq.—Whereas, I. VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

Land situated at Kharagpur Faridinagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908 in the Office of the Registering Office/Registrar/Sub-Registrar at Lucknow on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Sald Act or the Wealth-tax Act, 195 (27 of 1957);

(1) 1. Shri Mathura2. Shri Ganga Ram3. Shri Lalta.

(Transferor)

(2) Mansarovar Sahkuri Ava, Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary Shri Dhyan Singh.

(Transferee)

(3) Vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 79564 sq. ft. situated at Kharagpur, Faridinagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269P of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 8/11/1985

Scal

43184

FORM ITNS--

(1) 1. Shri Ram Lal 2. Shri Ram Pal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Mansarovar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Dhyan Singh. (Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Lucknow, the 8th November 1985

G. I. R. No. M-241/Acq.---Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing No.

Land situated at Vill. Nizamuddinpur, Distt. I ucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office/Registrar/ Sub-Registrar at Lucknow on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Land measuring 1,28,227 sq. ft. situated at Vill Nizamuddinpur, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8/11/1985

FORM ITNS----

(1) Shri Ram Autar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mansarovar Sahkati Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Dhyan Singh. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G. I. R. No. M-242/Acq.—Whereas, 1, ~ VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred of as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Kharappur Faridinagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Registering Otticer/Registrar/Sub-Registrar at Lucknow on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reductio nor evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 62617 sq. ft. situated at Kharagpur Faridinagar Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR
Competent Authority
Competent Authority
Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act and Act and persons, warnely:—

98--376 GI /85

Date: 8/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTON RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G. I. R. No. M-243/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/-and bearing No.

Land situated at Kharagour Faridinagar, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Lucknow on March, 1985

has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Lucknow on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Tulsi Ram.

(Transferor)

(2) Mansarovar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shti Dhyan Singh. (Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17662, sq. ft. situated at Kharagpur Faridinagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 8/11/1985

(1) Shri Bharosey.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G. I. R. No. M-244/Acq -Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land situated at Kharagpur Faridinagar, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer/Registrar/ Sub-Registrar at Lucknow on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the undian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Mansarovar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Dhyan Singh. (Transferce)

(3) Vendors. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 66973 sq. ft. situated at Kharagpur Faridinagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, Namely :-

Date: 8/11/1985

(1) Shri Ram Bahadur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

(2) Shii Mahavii Piasad Tandon.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1985

G. J. R. No. M-245/Acq.—Whereas, I. VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinarter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

Plot of land situated at Nawabpura, Moradabad and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/ Sub-Registrar at

Moradabad on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- by any of the aforesaid persons within a period at 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days (a) by any of the aforesaid persons from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 351.30 sq. mtrs. situated at Nawabpura, Moradabad (a_8 mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 14/11/1985

FORM TIME-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G. I. R. No. P-149/Acq —Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immevable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Vill. Ismailgani, Distr. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/ Sub-Registrar at Lucknow on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the af resaid property and I have reason to believe that the fair I arket value of the property as aforesaid exceeds the apparent considers ion therefor by more than fifteen per cent of such appare t consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Tali.

(Transferor)

- (2) Patel Nagar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shri Rajendra Kumar Singh. (Transferee)
- (3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 24093 sq. ft. situated at Vill. Ismailgani, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 8/11/1985

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. P-150/Acq.—Wheteas, I,

VINOD KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Land s'tuated at Vill. Ismailgan, Distr. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at

Lucknow on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and los
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

(1) 1. Shri Paragi 2. Shri Gurcharan.

3. Shri Keshav.

(Transferor)

(2) Patel Nagar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary. Shri Rajendra Kumar Singh.

(3) Vendors.

Acquisition Range, Lucknow

Objections, if any to the acquisition of the said period of may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 40973 sq. ft. situated at Vill. Ismailganj, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow the 15th November 1985

G I R No N-103/Acq --Whereas, I, VINOD KUNAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have remon to believe

that the immovable property having a fair market viduo Rs 100,000 - and beging No Plot situated at Mauza-Salchnagai Nawada, Disti

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), his open trans ried ander the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/

Sub Kegistrui it Brieilly on Maich 1985

fit in appaient consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that th consideration for such transfer as agreed to between tere parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax (1) M/s Brij Mohan Lal & Sons Through Its Partners Shri Brij Mohan Lal & Shii Vijendia Kumai

(Transferor)

(2) M/s Natasha Automobiles Pvt Ltd. Bareilly Through Shri Rai Kumar Bhasin

(Transferce)

(3) Vendoi

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property thay be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1545 sq yards situated at Mauza—Salehnagar Nawadia, Distt Bareilly (as mentioned in 37G Foim)

> VINOD KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

15/11/1985 Date

Seal

(1) Shri Dulare.

(3) Vendor,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

~=====

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G. I. R. No T-151/Acq --Whereas, I. VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No

Land situated at Vill. Limidigual, Distt. Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/

Sub-Registrar at

Lucknow on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of wansfer with the object of:— (2) Patel Nega Sahkari Grih Numan Samiti Itd., Lucknow Through Secretary, Shri Rajendra Kumar Singh

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this worker in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later ;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) factitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ro\ bas

THE SCHEDULE

Land measuring 97/124 sq ft sutuated at Vill, Ismailganj Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VINOD KUMAR Competent Author to Inspecting Assistant Commissioner of Incommission Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceed ags for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followgersons, namely

Date: 8-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX (CT. 1961 /43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G. I. R. No. P-152/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Vill. Ismailganj, Distt. Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Re-Sub-registrar at

Lucknow on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aformaid property and I have reason to belie e that the fair market value of the property as aformaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with transfer with the object of transfer with transfer with the object of transfer with transfer with transfer with the object of transfer with transfer with

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other usters which have not been as which cught is be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore in prissual rest spectron 2690 of the saw. Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection the of Section 269D of the said Act to the following prisons: somely and

99-376 GJ /85

(1) Shri Manuwa.

(Transferor)

- (2) Patelnagar Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd., Lucknow Through Secretary, Shu Rajendra Kumar Singh. (Transferee)
- (3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 23,141 sq. ft. situated at Vill. Ismailganj, Distt. Lucknow, (as mentioned in 37G form).

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range, Lucknow

Pate: 8-11-1985

(1) Shri Raghunath,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Purvanchal Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow through Secretary, Shri Vinod Behair Verma.

(Transferes)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-FAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this pactice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

G. I. R. No. P-153/Acq.-Whereas, I, VINOD KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inunovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 0007- and bearing No.

Land Khasia No. 162 situated at Kharagpur Faridinagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 19088) in the Office of the Pegistering Officer/Registrat/Sub-

Registrar at Lucknow on March 1985

for an applient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cen' of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land Khasia No. 162, measuring 4 Bighas 5 Biswa and 7 Biswansi situated at Kharagpur Faridinagai, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 13719).

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknov

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said art. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, weestly :--

Date: 8-11-1985

THE STREET PROPERTY OF THE PERSON AND THE PERSON AN

(1) Shri Ram Nath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Purvanchal Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow through Scoretary, Shu Vined Behari Verma (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lucknow the 8th November 1985

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

in that Chapter

G I R No P-154/Acq —Whereas, I, VINOD KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs 1 00 000 - and bearing No.

Land situated at

Khuagput Fandinagar, Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrat/sub-Registrat at

Lucknow on March 1985

for an apprisent consideration which is less than the fair might value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of mansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

l and measuring 4 Bigha, 6 Biswa and 6 Biswansi situated at Kharagpur Faridinagai, Lucknow (as mentioned in 37G Form No. 13542).

VINOD KUMAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

_hate: 8-11-1985

(1) Shri Ushi Ram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Purvanchal Sahkari Avas Samith Ltd., Lucknow through Secretary, Shi Vinod Behari Verma, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

G.I.R. No. P-155/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Land situated at

Kharagpur Faridinagar, Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at

Lucknow on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this nodes in the Official Gazette.

EXPLANATION. — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 4 Bigha, 5 Biswa and 6 Biswansi situated at Kharagpur Faridinagar, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing pursons namely:—

Oate: 8-11-1985

FORM I.T.N.S.--

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ram Das,

(Transferor)

(2) Panchvati Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow through President, Shri S. Misra.

(Transferce)

(3) Vondor.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. P-156/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR

vinols known known being the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'and Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No Land situated at Involves. The Landson Landson

Ismailgari, Distt. Lucknow.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Lucknow on March 1985

lucknow on March 1985

for an 19 year, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid preperty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than fifteen see cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other usees which have not been at which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 29057 sq. ft. situated at Ismailganj, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 260C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 8-11-1985

FORM NO. I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D 1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 DF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. P-157/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Land situated at Vill. Ujariaon, Tehsil and Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-

Registiar at lucknow on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evanion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) 1. Shri Lameshwar Dayal Verma.
 - Shii Dwanka Prasad Verma,
 Shri Mathura Prasad Verma.

(Transferor)

(2) Pragat, heel Sahkari Cith Nirman Samiti, Lucknow through Secretary, Shri S. P. Misra (Transferee)

(3) Vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas and 18 Biswas situated at Vill. Ujariaon, Tehsil and Distt. Lucknow (as mentioned 1140-7G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 8-11-1985

FORM NO. 1.T.N S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Atun Agarwal Ahas Atun Kumar Agatwal

(Transferor)

(2) Smt Rajwanti Devi

(Transferce)

(3) Vendor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

9FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1985

G.IR No 1-262/Acq.—Whereas I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs 1 00 000 /- and bearing House No 85 situated at Tagore I own, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrat Sub Registral at Allahabad in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair natife' value of the aforemal property and I have reason to believe that the few market value of the property as aforesaid

helieve that the fear market value of the property as aforesaid execute the coparent consideration therefor by more than atteen on cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Tansfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and (or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westh-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections it any, to the acquisition of the said property may he made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable proptity, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 85 situated at Tagore Town, Allahabad (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely :--

Date: 14-11-1985

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Meera Devi,

(Transferor)

(2) Shivajinagar Sahkari Grih Nirman Samiti Lid.,

Through Shri Ram Asrey Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No S-388/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land situated at Vill.

Vijayeepur, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar

Sub-Registrar at I ucknow in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfeor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be trade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from e service of notice on the respective person whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said brancovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Capter.

THE SCHEDULF

Land measuring 2 Bigha 10 Biswa situated at Vill. Vijaveepur, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknov

Dated: 8-11-1985

Scal:

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the fellowing persons, namely :---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1985

G.I.R. No. S-389/Acq.—Whereas, 1, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

House situated at Bhoor Maroof Premnagar, Bareilly (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (1' of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar Sub-Registrar at Bareilly in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Fealth-tax Act, 1957 (27 or 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-100-376 GI / 85

(1) Smt. Kamni Saxena.

(Transferor)

(2) 1 Shri Suresh Chand Agarwal 2 Shri Sanjay Agarwal

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated at Bhoot Maroof Premnagat, Bareilly (as mentioned in 37G Gorm),

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Date: 14-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1985

G.I.R. No. S-390/Acq.-Whereas, I, VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 112 situated at

Vijai Laxminagar Sitapur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar at Sitapur in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) 1, Sh. Sampati Ram

2. Smt. Geeta Devi 3. Sh. Rajendra Prasad

4. Sh. Mahesh Chand

5, Sh. Ghan Shyan

6. Sh. Laxmi Narain.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Sewak Ram Javrani

2. Sh. Nameesh Javrani.

(Transferee)

(3) Vendors.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 38 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 112 measuring 4800 sq. ft, situated at Vijat Laxmi Nagar, Sitapur (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Luckno

Date: 14-11-1985

FORM LTNS.-

(1) 1. Smt. Meial. 2. Sh. Krishna Jai Raj Lal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sarovai Finance and Investment Ltd., Sitapur through Director, Shri K. C. Anand.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lcuknow, the 15th November 1985

G.I.R. No. S-391/Acq.-Whereas, I, VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Shops situated at
Civil Lines, Sitapur
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar at Stapur in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--- Objections, if any, to the acquisition of the acid property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfers modiant.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shops measuring 987 25 sq ft, situated at Civil Lines. Sitapur (as mentioned in 37G Form).

VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely: --

Dated 15-11-1985 Scal:

FORM I.T.N.S.—-

(1) Sh. Rajendra Nath Sinha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sumaiya Parveen.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lcuknow, the 15th November 1985

G.I.R. No. S-392/Acq.-Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1.00,000/- and bearing
House No. 179/6 situated at
Barood Khana, Lucknow
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer Registrar at Luckknow in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, endior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (I) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guardia.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. 179/6, situated at Barood Khana, Lucknow (as mentioned in 37G Form),

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Lucknow

Dated: 15-11-1985

(1) Smt. Sudipta Roy.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACKUISITION RANGE. LUCKNOW 57, RAM TIRTH MARG,

Lucknow, the 15th Novemer 1985

G.I.R. No. S-393/Acq..-Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

House No. 35, situated at Tagore Town, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Calcutta on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (2) Smt, Sukherawati Shukla.

(Transferce)

(3) Maj. Gen. S. S. Motira. (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 35, Tagore Town, Allahabad situated on part of plot No. 39, George Town Extension Scheme, Allahabad (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15-11-1985

(1) Shi Bhawani Prasad Misra. through Shri Arvind Kumar Misra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sita Devi Tripathi.

(3) Vender

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACKUISITION RANGE, 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 15th Novemer 1985

U.I.k. No. S-394/Acq.—Whereas, I. VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building No. 481 (old No. 27) situated at Mohalla-Mumfordganj, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registran/Sub-Registran at Allahabad on 22 March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a seets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

(Person in the occupation of the property).

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 481 (old No. 27) measuring 503 aq. yards, situated in Mohalla-Mumfordganj, Allahabad.

> VINOD KUMAR Competen: Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

Date: 15-11-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACKUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1985

O.I.R. No. S-395/Acq.-Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 1, situated at 18, Madan Mohan Malviya Marg,

Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Lucknow on March 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that The consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers end/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any tooneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Nov therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the old Act to the following persons, namely .-

 M/s. Amrapalli Sahkari Grih Nrman Samiti Ltd. through Secretary, Shri D. C. Srivastava,

(Transferor)

(2) Shii Sanjay Jashnani,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1, measuring 16,000 sq. ft, situated at 18, Madan Mohan Malviya Marg, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMA ? Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 14-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri D. C. Srivastava.

(Transferor)

(1) M/s. Amrapalli Sahkari Grih Nirman Samiti Ltd.,

(2) Shri Trilochan Singh.

Lucknow. through Secretary,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACKUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1985

G.I.R. No T-41/Acq.-Whereas, I, VINOD KUMAR.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 '- and bearing No. Plot No. 3 situated at 18, Madan Mohan Malviya Marg,

Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/ Sub-Registrar a. Lucknow on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apperent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immervable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLENATION:—The trems and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 3, measuring 9980 sq. ft. situated at 18, Madan Mohan Malviya Marg, Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the assumination of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :-

Date: 14-11-1985

FORM I,T.N.S.---

(1) Shri Hem Raj.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1 AX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sm. Usha Rani

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 14th November 1985

Rf. No. G.I.R. No O-46/Acq.--Whereas, 1, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

A plot of land situated at Vill Dehri Musathakam, Disti.

Moradabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Morad bad in March 1985

or morad bad in Maich 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have 16, on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULL

A plot of land measuring 809.40 -quatrs, situated at Vill. Dehi Musathakam, Teh, and Dirtt Menadahad (as mentioned in 37G Form)

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--101-376 GI/85

Date: 14-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 57, RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow, the 8th November 1985

G.I.R. No. V-87/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Kharagpur Faridinagar, Lucknow

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Lucknow on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or avasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or an, security or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (37 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub. section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Km. Rampati D/o Shri Mangal.

(Transferor)

(2) Vijay Pratapnagar Sahkari Avas Samiti Ltd., Lucknow. through Secretary Shri Guru Prasad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 75004 sq. ft. situated at Vill. Kharagpur Faridinagar, Lucknow, (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Date: 8-11-985

(1) Shri Khimai,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Vijay Pratap Nagar Grih Avas Samiti Ltd., Lucknow, through Secretary, Shri Guru Prasad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 57. RAM TIRTH MARG, LUCKNOW

Lucknow the 8th November 1985

Ref. No. G.I.R. No. V-88/Acq.—Whereas, I, VINOD KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land situated at Vill. Takrobi, Distt. Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the Registration Act, 1906 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer/Registrar/Sub-Registrar at Lucknow on March, 1985 for an apparent consideration which is tess thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a veriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

)) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Irdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 1,41,638 sq. ft. situated at Vill, Takrohi, Distt. Lucknow (as mentioned in 37G Form).

> VINOD KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Lucknow

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to he following persons, namely :-

Date: 14-11-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Ref. No 13/March/85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000 - and bearing No. Survey No 59/1A situated at Namarisinettal Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mecane arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other as ets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 769." of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Satt. R. Sataswathy Ammal, W/ο ΛG.P. Ramanathan Chettiat, Kadai Veedhi, Namagiripettai.

(Transferor)

(2) bri R. Marappa Gounder, S/o Rumasamy Gounder, (Maruvalpattiar) Pudupatti Village, Rasipuram Taluk, Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in Survey No. 59/IA at Namagiripetta. Village, Salem.

SRO, Namagnipettai Doct. No. 308-85.

MRS, M. SAMUFI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Tocome-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 8-11-1985

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Rel No. 18, March/85.—Whereas, 1, MRS M, SAMUEL.

being the Competent Authorny under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Door No. 47, Main Road, Paramathi situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Paramathi (Doot No. 337/85) on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; въф/ог
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or myhich ought to be cisclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely -

(1) Sri V Sreenga Counder, S o Velappa Counder, F Haskalati ur Village, Piloor Post, Namakkal faluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Shri P. Ponnusamy and P. Velusamy, Pillar Village, Motta yampalayam, Namakkal Taluk, Silem Dist,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in viiting to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strate of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other powen interest, I in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The torms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 47, Main Road, Para mathi.

S.R.O., Paramathi Doct. No. 337/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600 006

17 de : 8-1, 1985 Scal .

الكالمفكات سفاسه غمر وويكيواكي والمستعمرة وهوالانت

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 20/March/85.--Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1,00,000/- and bearing No 25 (S. No. 482/6) Melmugam Village situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Edappady (Doct. No. 264/85) in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Sri K. Balasubramaniam, S/o M. R. Kumarasamy Chettiar, Edappady.

(Transferor)

(2) Sti M. Palanichamy, S/o Marimuthu Gounder, Sulachampalayam Post, Namakkal Taluk, Edappady Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Land and Building in Survey No. 482/6 at Melmugam Village Karvallipatti Pudur, Old Sivanpatti St., Salem. S.R.O., Edappady Doct No. 264/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset; which have not been or which ought to be disc osed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 195'');

MRS, M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dato: 8-11-985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri P. M. Kuppuswamy & Others, S/o Muthukumara Chettiar, Frode.

(Transferor)

(2) Smt. G. Nagarathnam, W/o Gopalasamy, Pannapalayam, Namakkal Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 21/March/85.—Whereas, I,

Ref. No. 21/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 298/1A, 298/1 situated at Pannapalayam (Doct. No. 601/85 to 605/85) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office has ween transferred

Komarapalayam in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

Vacant land in R.S. No. 298/1 and 298/1A, at pannapalayam Village, Salem. S.R.O., Komarapalayam Doct. No. 601/85 to 605/85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

> Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II Madras-600 006

MRS. M. SAMUEL

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely: -

Date: 8-11-985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 1 AX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri S Sundaresan,
 S/o S S Shanmugam,
 No 2, Ramakishna Road,
 Silem Town

(Transferor)

(2) Sii K R Piemnath, S/o K Ramanathan, No 8-A, Gandhi Road, Salem Fown

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE II M \DRAS 600 006

Madras-600 006 the 8th November 1985

Ref No 174 March/85 .-- Whereas, I, MRS M SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinstein referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fan market value exceeding Rs 100 000 and bearing No TB 4 1/14 Block I, Wind C satisfied at Magapuram Pudin Village Salem Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registerium Officer at Suramangalum (Doct No. *60.85) in March 1985 for an apparent consideration which is less than the formarke value of the iforearid reoneity and I have reason to believe that the foir market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in TS No 4, 1/14, Block 1, Ward 'C' at Alagapuram Pudur Village Salem Town.

SRO, Suramangalam Doct No 560/85

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which on hi to be disclosed by the transferee for the purches of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-fax Act. 1957 (27 of 1957);

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pa, tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

MRS M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date 8-11-1985 Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 176/March '85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the hamovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 182/3 situated at Alagapuram, Salem Taluk and Dist.

S. No. 182/3 situated at Alagapuram, Salem Taluk and Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam (Doct. No 617/85) on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of massier with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely — 102—376 GI/85

(1) Sri S. S. Shanmugam and Other, Ramakrishna Road, Salem-7.

(Transferor)

(2) Smt. Vandana Gupta, W/o Ravi Gupta, 4F, Gandhi Road, Salem-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No. 182/3 at Alagapuram, Salem Taluk and District.

S.R.O., Suramangalam Doct. No. 617/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-11-1985

FORM TINE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Madras-7. (2) SricR. Nagarajan,

(1) Sri B. P. Ramadoss,

(Transferor)

(2) Srie R. Nagarajun, 21, Sattunnu Naicken Street, Madras-21.

78, Murugappa Mudali Street,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 22/Mar.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 67, Perambur Barracks Road situated at (16 Veda Vinayagar Koil Street) Malras-21 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purasawalkam Doc. No. 389/85 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than officen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sublieation of this notice in the Official Camette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to may tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 67 Perambur Barracks Road, (16 Vcda Vinayagar Koil Street), Madras-7.

(Purasawalkam Doc. No. 389/85.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subtection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX

AGQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 64/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Burliar S. Nos. 194/2A 1B; 194/2A 1B, 194/2A 1A 1AB, 194/4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Cornool Doc. No. 490/85 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

 #4(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri J. Mibhal, s/o L. Joseph Bathraiah, Nerkanbai. Ketti.

(Transferor)

(2) Sri Rakesh Jain, s/o Padam Chand Jain, Mount Pleasant, Coonoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wrising to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land:—Burliar: S. Nos. 194/2A 1B, 194/2A 1B, 194/2A 1AB and 194/4.

Coonoor Doc. No. 490/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 65/March 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Property as specified in schedule to Doc. No. 308 and 309/85 situated at Themainallur Village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at Thondamuthur Doc. No. 308 and 309/85 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid execeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Rathinakumaravelu Samy Counter. s/o Subbaraya Gounder, Themainallur village,

(Transferor)

(2) Sri Thirumalaiswamy Gounder and 2 others, all sons of Sri Palanisamy Gounder. Krishnarayapuram, Chettipalayam, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: -As specified in schedule to Dos. No. 308 and

Thondamuthur Doc. No. 308 and 309/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 68 / Mar. 85 .- Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Property as specified in Schedule to Doc. No. 899/85

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gudalur (Nilgiris) Doc. No. 899/85 on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely :---

(1) Sri V. Veerusikky Gowder, Kamayakavundan Street, Thampalayam Madurai.

(Transferor)

(2) Sri A. Subramaniam, Perunthurai, Porlyar District.

(Treasferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 899/85. Cudalur (Nilgiris).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-11-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GUVLENMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 75/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269% of the Inconte-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Komare salayam situated at Coimbatore, Doc No. 935/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore Doc. No. 935/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Chinnathambi, s/o Sri Kaiuppannan, 21-C, Colony, Komarapalayam.

(Transferor)

(2) Sri R. Shanmughasundaram, s/o Rangasamy Chettyar, Muthusamy Colony, Komarapalayam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Komarapalayam village Coimbatore. Coimbatore Doc. No. 935/65.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

Seal

(1) Sri Satya Pal Puri, s/o L. D. Puri Lony Village, Ooty.

(Transferor)

(2) Smt. Goa Bai, Linga Vilasooty, Ooty.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 80/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Nilgiris. Oooty, J. I. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uthagamandalum Doc. No. 251/85 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) 'acilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

Land with Building: Ooty, Nilgiria. Ooty Doc. No. 251/95.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-11-1985

Seal;

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 90/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Property as specified in schedule to Doc. No. 979/85 (and more fully described in the schedule annexed herets), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram Doc. No. 979/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than faftern per cent of such apparent consideration and that the somideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) imministing the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and for
- (v) facilitating the conceament of any income or any moneys or other actets which have not been or which cought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Radia Vasudovan, No. 17, R. S. Puram, Comparatore.

(Transferor)

 Sri M. Gangadharan and another, R. S. Puram, Housing unit No. 12. Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SOUTH ULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 979/85. Gandhipuram Doc. No. 979/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date : 8-11-1985

ical :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 91/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ganapathv Village situated at S No 198 T.S. No. 1279 Combatore (and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at (randhipuram Doc No 1025/85 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mon vs o other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri K. T. Antony, 12/24 1st layout Rmaling Nagar, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri J. Jesudas. 9B Nungambakkam High Road, Madras-34

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Ganapthy Village, Coimbatore (Gandhipuram Doc No. 1025/85).

MRS. M. SAMUEI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
103—376 GI/85

Date: 8-11-1985

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 92/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]—and bearing No. No. 585/2 Upplipalayam situated at Coimbatore T.K (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Singanaflui Doc. No. 647/85, on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or.
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the fell persons, namely:—

 Sri R. Selvaraj, 1146J Rajaji Nagar, Trichy Road, Upplipalayam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri N. Kumaraswamy, 178 Okliyar Street, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Upplipalayam.
(Singanallu Doc. No. 647/84:)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-11-1985

Seal

FORM DINS-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-11 MADRAS-600 006

Madios-600 006, the 8th November 1985

Ref. No.159/March 85.—Whereas, i.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. R. S. No. 2609 situated at 2. Pycrafts Road, Triplicance

Madras-5 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras Central Doc. No. 331/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1923) -er the said Act, or the Wealth-tax Act, 1927 (27 of 1957);

Mrs. Rathy Rajamannar,
 Rajamannar Avenue,
 Harigton Road, Chetepet, Madras.

· (Transferor)

Mrs. Janneth Begam,
 Bharathi Salai Triplicane,
 Madras-5.

(liansferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at D. No. 2, Pycrafts Road, Triplicane Madras-5.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atorosaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons massely:—

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Govindammal and M. Loganathan, No. 33, New St., Mylapore, Madras-4.

(2) M/s. V. Ramesh and V Suresh, No. 33, New St. 2, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madros-600 006, the 8th November 1985

Ref. No. 166/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and beating No.

and bearing No.

No. 33, New St., Mylapore, situated at Madras-4
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Mylapore/Doc. No. 272/85 on March 1985
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforeavid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay an under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this puties in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

I:xplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Old No. 22, New Door No. 33, New St., Mylapore, Madras-4, R. S. No. 2875/1.

Mylapore/Doc. No. 272/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras 600 006 the 8th November 1985

Ref No 169/March 85 - Whereas, I, MRS M SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable polipeity having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 f and bearing No.

TS No 848 Ward No 6, Thu uvannathapuram situated at Mayiladuthurai

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und section 269AB of the Income tix Act, 1961 in the Office of the Computation Authority and the Computation and the Computation are section 269AB.

of the Competent Authority at Mayiladuthurai/Doc No 199/85 on Maich 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sad Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any meonic of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the aid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under absection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. N. Rajan, W. o. D. Narayanasami Tyer. 19A, Thiruvannathapurami Koorain idu, Mayaladuthurai

(Transferor)

2) STA Amous SOR Abdul Majeed,
POWER AGENTS STEEL Abdul Majeed
S/O F SOR Mole! +20 Necuul Aribitherii
NEEDER POST MAYII ADUTHURALER
(Transferee

Objections if any to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPIANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the sause meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

THIRUVANNATHAPURAM

Indicathan a /Doc No 199/35

MRS M SAMUFI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rings I Madris 600 006

Date 8-11 1985 Seal •

FORM 1TNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT OMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL II MADRAS 600006

M. d. as 6010-6 the th. November 1985

Ret No 170/Mach 85 Waccis J MRS M SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tix Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to us the Sud Act') have reison to believe that the immov able property, hiving a fun market value exceeding Rs 100 000/ and bearing No

Kavulampakkam village situat fat Pallipattu I. K. Chingle pet Dist

(and more rully described in the Schoul innexed here c)

(and more rully described in the School of more dolors). It is been tran teried und in the Registration Act. 15.8 (16 of 198) in the office of the Registring Officer it. Pullipit Doc. No. 237–85) on Mirch 1985. To imapparent consideration which is less than the foir market value of the aforesaid projectly, and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that of fifteen per cent of such apparent consideration. more that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said metrument of transfer with the object of -

(n) facilitating the reduction or evason of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax let 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now therefore is juistized, of writers to !! Act I I reby initiate proceedings for the acquisition of the affected property by the rate of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely

(1) Sil V M Ramaswamy Thope Street Andhimandheh iripettar Pullipet I K Chinglepet

(Transferor)

(2) Sii F. V. Venkata Raju, Rama Raji Kandikai Kulumpakkam Village Pallipet I K Chinglepet

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

1

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 Jays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ginetti.

Explanation — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHLDULL

Land and Building it Kitalpakkim village Pillipet T K Chengalpet Dist (PALLIPET DOC No 237/85)

> MRS M SAMUEL Competent Authority Instection, A II Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madi is 600 006

× 11 1985 Fift Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOML TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTE. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II MADURAL 625002

Madmar-625092 the 29th October 1985

Ref. No 7/Mar/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinnster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No S No 247/2 situated at Rajapalayam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. RO, Rajapalayam Doc. No. 731 to 733/85 on May 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the saud. Act in respect of thy income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the sail All of the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Shii R. N. Shanmughasundaram, S. o. Shii R. Go Nathikut Jim Pillin J. P. Mill. P. i.I. P gapal iyam

(Transferor)

(2) Shir M. V. Dhina Rija & Shir P. C. Bilarania Raja 295-A, Ananda Lodg Tenkasi Road Rajapalayam

(Transfered)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given it is (Trainer

THE SCHEDULL

Vacant land S. No. 247/2 Area 1612 stt Rappalayam D.c. No. 731 to 733/85

MRS M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurar-625002

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . . .

29-10-19, 5 Date Sc 11

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

والمرابع والمرابع والمرابع والمستعومة والمنافق المنافق المنافق

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-L MADURAL 625002

Madurai-625002, the 29th October 1985

Ref. No. 13/Mar/85 Whereas, 1,

MRS. M. SAMCLI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Block 48 S. No. 2167/1B situated at Sritangam Sub-division (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Srirangam Doc No 480 85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have or ison to believe that the fair in rket value of the property as aforemid exceeds the apparent onsileration therefor by more than fifteen bereent of such apy for consideration and that consideration for such transfer as agreed to between parries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any mecome arising from the transferand /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets wit sh have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (77 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

(1) Smt. R. Andal & Others, W/o Shii Y. N. Ramanujam, 10, Nelson Road, Thiruvanaikaval. Trichy.

(Transferor)

(2) Smt. P. Dhanabakkiam, W/of Shri Periyasamy, Abilimangalam, Kurumbur Taluk.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. 5 No 2167/1B Area: 4025 sft Vellithirumutham Village, Srirangam Tk, Doc No. 480/85.

> MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
> Acquisition Range-I Madurai-625002

Date: 29-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 29th October 1985

Ref. No. 16/Mar/85.Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing S. No. 117/6c situated at Ponmeni Village, Madurai South (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-II, Madurai Doc. No. 1697/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration in therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Smt. Seethalakshmi, W/o Shri Mahadevan, 73-74 Meenakshipuram, Madurai.

(Transferor)

M/s. Fenner (India) Ltd.,
 Madurai Melakkal Road,
 Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building. S. No. 117/6c Area: 13 cents. Ponmeni Village, Madurai South Tk. Doc. No. 1697/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

104—376 GI/85

Date: 29-10-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 29th October 1985

Rof No 19/Mar/85 —Whereas, I, MRS M SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of he Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable prope ty having a fair market value exceeding Rs 10000/- and bearing No. S No 2352 situated at Theni

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at SPO. Them Doe No. 909/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be live that the fair market value of the apparent, consideration, therefor, by aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration ing that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) by any other person interested in the said immovmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri M. A. Subramaniam, S/o Shri Iyyanar, Jag-gampatti.

(Transferor)

(2) Smt. M. Vasuki & others. W/o Shri Murugesan, N.R.T. Nagar, Theni.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. S. No. 2352 Area: 2400 sft. building in 5100 sft. site. NRT Nagar, Theni. Doc. No. 909/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I
> Madural-600 006

Date: 29-10-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 6th November 1985

No. 27/March/85.Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 371/3 situated at Batlagundu Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Ballagundu. Document Nos. 551, 552 & 560/85 on March 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument w transfer with the object of : -

- is) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer. andler
- (b) facilitating the concentment of any inco I partiers or other nesets which have not been or which ought to be disclosed by the transferve for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Ad. 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following sersons. namely :--

(1) 1. Abdul Rahim, 2. Abdul Azces, 3. Shahul Hameed, and 4. Abdul Kadar, Sons of V. K. Mohamed Ibrahim, Dindigul.

(Transferor)

(2) 1. M. Shahul Hameed, 2. Minor M. Meera Maitheen, and 3. S. M. Mohamed Abdullah, Dindigul.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period st 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giv a in that Chapter-

THE SCHEDULE

Land and Buildings in Survey No. 371/3 in Batlagundu Village.
Sub-Registrar, Batlagundu.
Document Nos. 551, 552 & 560/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madurai-600 006

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Abdul Azees, Shahul Hameed and 4. Abdul Kader, Sons of V. K. Mohamed Ibrahim, Batlagundu.

(1) I. Abdul Rahim,

(2) 1. M. Shahul Hamecd, 2. Minor M. Mcera Maidheen and 3. S. M. Mohamed Abdullah, Dindigul.

(Transferee)

(Transferoi)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, **MADURAI-2**

Madurai-2, the 6th November 1985

Ref. F. No. 27/March/85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing S. No. 371/3 situated at Batlagundu Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Batlagundu, Document No. 551 & 552/85 in March 1985

March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Buildings in Survey No. 371/3 in Ballaguadu Village, Sub-Registrar, Batlagundu, Document Nos. 551, \$52 and 560/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 6-11-1985 Seal :

 Dr. Wishnu R Kirloskar & others Rose Bank, Convent Road, Kodaikanal,

(Transferor)

(2) Shri KSM. Sivalingam, The Glen, Post Office Road, Kodaikanal-624 101.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADURAI-625002

Madurai-625002, the 29th October 1985

Ref. No. 34/Mar/85.—Whereas, I,
MRS. M SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 349 situated at Kodaikanal
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
SRO, Kodaikanal Doc. Nos. 205/85 in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
morket value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
afore than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
bethern the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
 -) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bunglow—'fHE CLEN'. T.S. No. 349 Area: 1 acre 84 cents. Kodaikanal Doc. No. 205/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Madurai-625 002

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresal i property by the issue in this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely.—

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 29th October 1985

Ref. No. 36/Mar/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. I,00,000/- and bearing R. No. 71 situated at Palayamkottai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Iyya Thaiyalnayaki Ammal, W/o Shri Iyya Subramania Mudaliar, 3, Sivankoil Street, Palayamkottai.

(Transferor)

(2) Shri Sankar Reddiar, S/o Shri Ramakrishna Reddiar, 7B, Sarkuna Street, Nagercoil.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/PLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building. T. S. No. 71 Area: 43700 sft. Palayamkottai Doc. No. 711/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Madurai-625002

Date: 29-10-1985

(1) Smt. S. Dhanalakshmi, W/o A. B. Singa Raja, 24, Poosari Thope St., Madurai-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri A. Rathina, and Smt. R. Pichaimani, No. 51-A, Lakshmipuram 4th St., Madurai-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 6th November 1985

Ref. No 40/March/85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. F.S. No. 932/1, Door No. 24, situated at Poosari Thope St.,

Madurar

(an, more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Joint Sub-Registral-I, Madurai. Document No. 969 & 970/85

in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than of the consideration therefore by the same terms of the consideration that the same terms of the consideration therefore by the same terms of the consideration therefore the consideration that the same terms of the consideration therefore the consideration the consideration therefore the consideration the consideration the consideration therefore the consideration the than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

House Property in T.S. No. 932/1, in Door No. 24, Poosari Thope St., Madurai-1.

Joint Sub-Registrar-I, Madurai. Document No. 969 & 970/85.

facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said A ! I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (!) of Section 269D of the said Act, to the following nersons namely :--

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADURAT-625002

Madurai-625002, the 29th October 1985

Ref. No. 42/Mar/85.--Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 669B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. T. S. No. 1870/3 situated at Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I, Madurai Doc. Nos. 910/8/ \$ 911/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :persons, namely :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

 Shri R. S. Srimvasan & others, S/o Shri Subba Reddiar,
 Balarengapuram Main Road, Madurai-9.

(Transferor)

(2) Smt. T. S. Dhanalakshmi Ammal, S/o Shri T. K. Sankaranarayana Iyer, 34, Khanpalayam IInd Street, Madurai-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building. T.S. No. 1870/3 Area : 18-3/\(\chi\)17-4 sft, & 41 / 40 sft, 9, Balarengapuram, Madurai. Doc. Nos. 910 & 911/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Madurai-600 006

Date: 29-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-2

Madurai-625002, the 29th October 19885

Ref. No. 43/Mar./85.—Whereas I, MRS. M. SAMULL, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hardnesser referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.S. No. 297 to 299, situated at Thirunelvelli (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I. Thrunelvelli. Doc. Nos 218 & 219/85 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transferer as agreed to between the transferor(s) and transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (6) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:—
105—376 G1/85

(1) Shri M. S. Thothatharikrishnapatachariar, Perumal Sannadhi Street, Tirunelvolli-1.

(Transferor)

(2) Shri S. Ramasudarsan, s/o Shri S. Seothapathi Naidu, 46 & 47 Perumal North Car Street, Turunelvelli Junction.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

I and and Building. TS. No. 297 to 299. Area: 2.85 cents & 3,44 cents, Perumal West Car Street, Tirunelveli, Doc. Nos, 218 & 210/85.

> Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625002

Date: 29-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 MADURAI-625002

Madurai-625002, the 29th October 1985

Ref. No. 44/Mar./85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No.
T.S. No. 638 part, situated at Karaikudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at ISR-II, Karaikudi Doc. No. 371/85 on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri C. Rajagopal s/o Shri Krishnasamy, No. 7, Type 4 New Block, C.S.R.I. Quarters, Edayar, Madras-20.

(Transferor)

(2) Smt. N. Muthathal, 6/0 Shri N. Narayanan Chettiar, Vettriyur, Ramanathapuram Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imagovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Building. TS. No. 638 part.

Area : 7568 sft,

Subramaniapuram 3rd Street South Extu. Karaikudi Municipal Town, Doc. No. 371/85.

> MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Astt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625002.

Date: 29-10-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 29th October 1985

Ref. No. 47/Mai/85.—Whereas, I, MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have renson to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. S. No. 899, Plot No. 16, situated at Trichy JSR-III, Trichy Doc. No. 309/85 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Naheena Bakem, w/o Shri Basheer Ahamed, No. 4, Syeda Mohamed Rowther Road, Beemanagar, Trichy.

(Transferor)

(2) Shri P. Chinnasamy, Power of Atony, Smt. M. A. Zeenath Ammal, No. Chinna Chowque, Trichy-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot—House Building. S. No. 899 Plot No. 16 West Chinthamani Mathalankolai Street, Trichy. Doc. No. 309/85.

MRS, M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Madural-625002

Date : 29-10-1985

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri K. P. Velusamy & others, s/o Shri Kumarasamy Gowder, Oddanchatram, Palani.

(Transferor)

 Shri R. Thirumalaisamy Chettiai, s/o late Ramasamy Chettiar, 93 Division, 56 Vijayanarayanadas Road, Madras-2.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 29th October 1985

Ref. No. 53/Mar/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority index Jection 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S No. 421/1A & 748/1A situated Oddanchatram

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at SRO, Oddanchatram Doc No. 221/85 on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the say Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land.
S. No. 421/1A & 748/1A Area : Acre 1 Cents 301
Oddanchatram, Palani Tk.
Doc. No. 221/85.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the aid Act, to the following persons, narrely:—

Date: 29-10-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-625002

Madurai-625002, the 29th October 1985

Ref No. 58/Mai./85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000l-and bearing S. No. 231, situated at Kodaikanal (and more fully described in the Schedule manaxed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at SRO, Kodaikanal Doc. No. 90/85 on March. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. R. Rajeswarar & others 37 Palagari Road, Madurai.

(Transferor)

(2) Shri KPM Kunhamed, Mill House Mannarghat 678582, Palghat Dt.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHADULE

Land. S. No. 231 Acre 1.15 Kodaikanal, Doc. No. 290/85,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625002

Date: 29-10-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-2

Madurai-2, the 6th November 1985

Ref. F. No. 60/Mar/85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, Kel. F. No. 60/Mar/85—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 139/1 and 139/3 situated at Kodaikanal Town, (and more Salay described in the Schedule and th

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Kodaikkamal Document Nos. 223 & 224/85 on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any incomes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192' (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, numely:--

(1) K. P. K. Abdulrajak, s/o K. P. Kathorpitchai, Mudaliarpuram, Kodaikkanal.

(Transferor)

(2) I. Gowthanchand Nahar,

2. Anupkumar Nahar, 3. Sohan Kavar Nahar, and

4. Subashchand Nahar, 17, General Muthiah Mudali St., Madras-79,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant lands situated in S. No. 139/1 and S. No. 139/3 measuring 2 acres and 10 cents (1.05 acre each) in Kodaik-

kanal Town. Sub-Registrar, Kodaikkanal. Document Nos. 223 and 224/85.

> MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-2.

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADURAI-2

Madurai-2, the 6th November 1985

Ref. F. No. 61/March/85.—Whereas I, M15. M SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 139/1 and 139/3 situated at Kodaikkanal Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office, at Sub-Registrar, Kodaikkanal. Document Nos. 220, 221 & 222/85 on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid-exceeds the apparent consideration therefor by more the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) K. P. K. Abdul Razaak, 8/6 K. P. Kader Pitchai, Mudaliarpuram, Kodaikkanal.

(Transferor)

(2) 1. Uthamchand Chordia, 2 Padamchand Chordia,

- 3. Premchand Chordia,
- Dharamchand Chordia, Rathanchand Chordia, Sumarchand Chordia, and
- Rajendrakumar Chordia, No. 15, Ramanuja Iyer St., Madras-79.

(Transferce)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant lands in Survey No. 139/1 and 139/3 in Kodaikanal Town measuring 3 acres and 15 cents (1 acre and 5 cents each).
(1 acre and 5 cents each).

Sub-Registrar, Kodaikkanal. Document No. 220, 221 and 222/85.

> MRS, M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Madurai-625002

Date: 29-10-1985

Soal:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX ACQUISITION RANGE-I MADURAJ-2

Madurai-2, the 6th November 1985

Ref. F. No. Mrs. M. SAMUEL, 61/March/85.—Whereas being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Survey No. 139/1 and 139/3 situated at Kodaikkanal Town (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registra, Kodaikkanal. Dec. Nos. 226, 227, 228 and 229/85

in Ma ch, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri K.P.K. Abdul Azeez, 8/0 K. P. Kader Pitchai, Mudaliarpuram, Kodaikkanal.

(Transferor)

(2) 1. Sarlakavar Chordia,

Minor Bharathkumar Chordia, Minor Sathishkumar Chordia, Minor Manojkumar Chordia,

Shanthilal Chordia, No. 15, Ramanuja lyer Street, Madras-79.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein in are defined in Chapter XAX of the said.

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant lands in Survey No. 139/1 and 139/3 measuring 4 acres and 20 cents (1 acre and 5 cents each) in Kodalkanal

Sub-Registrar, Kodaikkanal. Document Nos. 226, 227, 228 and 229/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai-2.

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-2

Madurai-2, the 6th November 1985

Ref. F. No 83/March/85.—Whereas I, Mis. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Ayan Punjar Su vey No. 220/1, situated at Pudapalayam village, We t Ramad District (and more fully described in the Schedule anneyed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registreing Officer at Sub-Registrar, Rampalayam Document No. 739/85 on March, 1985

on March, 1985
for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
there than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
Therefore with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (2" of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Not, to the following nersons namely:—
106—376 GI/85

(1) V. S. Ganesa Raja, Prop Swathika Spinners, 303, Mirasu Subbaraja St., Palayapalayani, Rajapayayam,

(Transferor)

(2) M/s. (bola Packing (P) Ltd., by Director Sit A Ram Mohan Raja, No. 7, Railway Fooder Road, Cholapuram South-626 139, (via) Rajapalayam.

್ಷಾರ್ಟ್ನ ಆರಂಭ ವಿಶ್ವಕರು ಅಂತಿ ಮುಂದಿ ಎಂದು ಕ್ರಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಸ್ಥಾಪಿಕ ಸ್ಥಿತಿ

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service or notice on the respective persons with the respective persons
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Factory Building in A.P.S. o. 220/1B Pudupalayam Village. West Rammad District, Sub-Registrat, Rajapalayam Document No. 739/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurai-625002

Date : 6-11-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-2

Madurai-2, the 6th November 1985

Ref. F. No. 91/Mar/85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable recently having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Door No. D-50, Block No. 28, TS No. 27, situated at 6th Cross, Thillainagar North Fast Extension,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar, Worryur Document No 975/85 on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(1) K. Padmanabhan, S/o Kasia Pillai, 10-D/1 Sammatha Sastri Road, Thillai Nagar, Tuchy-18.

(Iransferor)

(2) G. Rajeswari, w/o Govindasamy, 73-B. Pattavar Worth Road, Trichy-2.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and House Property in Door No. D-50, in Block No. 28, T.S. No. 27, in 6th Cross, Thillai Nagar, North East Extension, Trichy. Sub-Registrar, Woriyur, Document No. 975/85.

(b) tacilitating the concediment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922. (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Madurat-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-11-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
MADURAI-2

Madurai-2, the 6th November 1985

Ref. No. F. No. 92/March/85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

·

being the competers. Admerky inder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing T.S. No. 74 Ward E Block 24, situated at Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrate, Woriya; Document No. 1097/85 on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the price has not been unity trained in the such examination of a lander with the object of the such examples.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Muthammal, Thillar Nagar, Trichy,

(Transferor)

(2) Vijayalakshmi, w/o Palanichamy, Palakarai, Trichy.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the ervice of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immossible property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the 5:

Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and House Property in Ward 'E' Block 24 and T.S. No. 74 in Trichy.
Sub Registrar, Woriyur. Document No. 1097/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Madurai-625002

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date : 6-11-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-MONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-2

Madurai-2, the 6th November 1985

Ret F. No. MRS. M. SAMUEL, 93/Maich/85.— Whereas I,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Ward 2, Block 24, T.S. No. 1921/2, situated at Thilla, Nagar 14th Cross, Trichy (and more fully described in he schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regulering Office at Sub-Registrar, Worryw. Document No. 1098/85 Sub-Registrar, Wonyus. on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration (herefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 2691) of the said Act to the following persons, namely: ---

(1) S. Kandasamy Pillai, s/o Nallu Pillai, 30-D, 11th Cross, Thillai Nagar, Trichy

(Transferor)

(2) Sint M. Kamakshi, W/o Marimuthu Pillai, Puthnampatti, Thuraiyur Taluk, Trichy Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

Explanation—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Tand and House Property in Ward No. 2, Block No. 24, T.S. No. 1921/2 in 11th Cross, Thillai Nagar, Trichy. Sub-Registrar, Worsyar. Document No. 1098/85.

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1, Ma furai-625002

Date . 6 11-148 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPETCING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE MADURAL-2

Madural-2, the 6th November 1985

Ref. No. F. No. 97/March/85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 19617 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable proparty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Trichy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the other of the Registrating Officer

1908) in the olince of the Registering Officer at Sub-Registrar, Woriyur. Document No. 868/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the dolered property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating hte concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Agt, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid propert, by the 1, he of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 A. Rajamanickam, Managing Partner, Southern Mercantile Sales Corporation, 73-C, Salai Road, Trichy.

Muthu Reddy,
 Dhanalakshmi Reddy,
 No. 10, Vadambekku Agrahaiam,
 Thuraiyur Town, Trichy Dt.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the sequisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building in Trichy, Sub-Registrar, Woriyur, Document No. 368/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madras

Date: 6-11-1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 V. R. Menon, Dhanyashree, No. 6, 3rd Seaward Road, Valimki Nagar, Thiruvanmiyur, Madras-41.

(Transferor)

(2) Dr. G. N. Menon, Aarti, Q. Van Ufferdstreat 5, 1391, GG Abcoude, The Netherlands.

(Transferce)

OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE MADURAI-2

Madurai-2, the 6th November 1985

F. No. 100/March/85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

pering the competent victionity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building Site S. No. 282-C situated at Kadaikanal (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 cf 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrat, Document No. 263/85, Madray, Central of March 1985

to an appare t considerate t which is less than the tair market value of the aforehald property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Ass, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other acrees which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act; or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in purmance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official is at the

EXPLANATION .—The terms and expressions used barein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SOMEDULE

Building Site S. No. 282-C-Kodaikkanal Town, Sub-Registrar, Madias Central. Document No. 263/85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range Madurai-2

Date: 6-11 1985,

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE MADURAI-2

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 14/March 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and beating No. T. S. No. 53, Part. Block No. 37, situated at Puliyur illustrations.

village,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in he office of the Regulering Office at Kodambi kkam/Doc. No. 620, 783/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer in spreed to between the rarties has not been troly stated in the said from ment of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. N. Krithnamurthy and Rukmani, 37, Pankusapuram, St. Madras-24,

(Transferor)

(2) Sri V. N. Thangappan, No. 154, Usman Road, T. Nagat, Madras-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION; -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site: S. No. 53, part, Block No. 37, Puliyur village, Kodambakkam 'Doc. No. 620 and 783/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sti N. Viswanathan, No. 3, Madha Church St., Mandaveli, Madhas-28.

(Transferor)

(2) Sri S. Suresh, No. 9, Station Bud Road, Chromepet, Madras-44.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 27/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 5 the 'said Act'), have teason to believe that the induvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and be. 1913 No. Flat in R. S. No. 331/28 O.S. No. 36, situated at Nungambakkam Village (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officer at Thousandlights/Doc. No. 118/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the solid Act, shall have the same meaning as in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and or

THE SCHEDULE

Flat: R. S. No. 331/28, O. S. No. 36, Nungambakkam, village. Thousandlights/Doc. No. 118/85

(b) facilitating the concealment of any income or any mode of the assets which have not been or which might to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act 1967 (27 of 1967);

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

with the the training of the contract of the c

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ΛCQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 36, March, 1985. -Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL, ocing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 '- and bearing No.

No. Sanganoor, situated at Coimbatore (and reason fully described in the Schedule approved haveto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908, 16 of 1908) in the office of the Registering Office Gandhipuram/Doc. No. 1489/85

on March 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-iald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian recomes to Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the is ne of this rotice under subsection (1) of Section 269D of the said 3ct. to the following persons namely:— 107—376 GI/85

(1) Sri Swami Sudananda, Secretary, Sri Ramakrishna tabovanam, ՝Րեrirupparaithutar, Trichi.

(Transferor)

(1) Smt. Thiripurasundari, w/o. D. Krishnamurthy, 119, A. Marudakkutti Gounder SA., K. K. Pudui, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person. whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land .—Sanganoor, Coimbatore, Gandhipuram/Doc. No 1489/85

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Euspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date :7-11 1985.

(1) Shri P. V. Anandaraman, S/o P. A. Venkateswara Iyer.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

> (2) Sti N. Santhamani, w/Q S B. Shanmugasundaram.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property ay be made in writing to the undersigned :---

Ref. No. 41/March, 85.--Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Aci') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant Space—T S. Old. 7/115 part-property as speci-

fied in schedule to Doc. No. 973/85 situated at tand more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore /Doc. No. 873 85

on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ex eads the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability and/or
- of the transferor to pay tax under the said Act, in sepect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of '922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 195 '27 of 1957);

Property as Specified in Schedule to Doc. No. 973/85 Coimbatore Doc. No. 973/85

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, * introby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : --

Date: 7-11-1985

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. 1. S. Pattabhi Raman 34, Lal Bhadur Colony, Peelemedu Coimbatore.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX **♦**\CQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 42/Mai, 85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing
No GS No. 370 & 419 situated at D. No. 34, Lal Bahadur Colony Sowipalovan Combatone

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Combatore Loc. No. 952/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Smt. S. Vasantra, 36, Lal Bahadur Colony, Peelamedu, Coimbatore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Land and Building at Sowripalayam village. (Coimbatore Doc No. 952/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 7-11-1985

Seal ·

FORM LINS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

THE INSPECTING ASSISTANT OFFICE OF COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 50/Mar. 85.-Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovab. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00 . -

No. Anupparpalayam, situated at Coimoatore Town. New T. S. No. 1/273 Door No. 115

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Coimbatore/Doc. No. 982/85

on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

 facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or Ahich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192° (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the assauration of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Sri T. P. Ramaswamy Gounder, and others, Door No. 46, Sengupta St., Ramnagar, Combatore-9.

(Transferor)

(2) Sri K. Ramasamy, 11/14, M. Ansari St., Ramnagar, Coimbatore.

(Transletee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

New T. S. No. 1/73, Door No. 115, Land and Building:—Annupparpalayam, Coimbatore Coimbatore/Dob No. 982/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 7-11-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONI-R OF INCOME-TAX ACQUISTTION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 51 March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authoarity under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Kilkundah Village, 206/1A and 208 situated at Ooty (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trun-fetred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at Udhagamandalam/Doc. No. 372/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sii Deepa R. Krishnan, Minor, By father and guardian B. Ramakrishhan, Kutchihetty,

(Transferot)

(1) H. Leelawani, C/o M. Ramakrishnan, Kilkundah Village, Doty.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sub-reason of this nation in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 and S. No. 206/1A, 208, Kilkundah Village Ooty, Ooty/Doc. No. 372/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date 7-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMP (A. C. (190) 45 (JF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Mādras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. \$7/March. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (#3 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 12, Appacht Nagar, Ist Street, situated at Kongu Nagar Thottipalayam village Tiruppur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tirupput Doc. No. 511/85 on March 1985

of transfer with the object of :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

a) racilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weskh-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Di R. D Sundaram, 322, Kongu Nagar Main Road, Tiruppur.

(Transferor)

(2) Sii R. Chandrasekaran, Pannadikadu, Vanohipalayam, Veerapandi Village.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with a 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:

— The terms and expressions used herein in the defined in Chapter XXA of the said-Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building Kongu Nagar Main Road, Appachi-Nagar 1st Street, Thottipalayam village Tiruppur. (Thiruppur Doc No. 511/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date - 7-11-1985

(1) Sri B. Nanjudan. Chandra Vilas Cotacamund

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri J. C. Sivaraj, Bombay Castle Cotacamund.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 77/March 85—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Admortty under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000

and bearing
S. No. 1678 situated at Ootacamund Town
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at Uthagamandalam (Nilgiris) Doc. No. 200 '85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of most with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957); Land in S No. 1678 at Ootacamund Town (Uthagamand-Iam (Nilgiris) Doc No. 200/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the foll . 2 persons, namely '---

Date: 7-11-1985

Seal ;

المستحد المستح

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION LANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 101/Mar 85—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to 25 the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 61 Ward No. 4 situated at Kanakusabai Nagar 4th cross Road Chidambaram.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer of Chidambaram Doc. No. 465/85. at Chidambaram Doc No. 465/85

on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or are moneys or other assets which have not been or which ought to be 'isclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26⁴C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 26⁹D of the said Act to the following persons, namely '-

(1) Shi i Thirugnanamsambandam 17, Gurunathan Street, Trichy-17.

(Transferor)

(1) Sri V Shanmughasundarampillai 85, Fast Street. Chidambaram.

(Transfere.)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION :-- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at D No. 61, Kanakasabai Nagar 4th Street (cross) chidambaram. (Chidamoaram Doc No 465/85)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 7-11-1985 50 d ·

FORM ITNS-

(1) Mrs. Vijayalakshmi Mariprasad 37, College Road, Madras-6.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Padmaja V. Ramana, 37, College Road, Madras-6.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

Chicelens, if any, to the acquisition of the said property my be made in writing to the undersigned:—

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later;

Ref. No. 104/Mar. 85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act.), have reason to believe that the immovable

as the said Act.), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousand lights Doc. No. 74/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the oroperty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(b) by any other person interested in the said immovand property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explantion:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said. Act, in respect of any income ariding from the transfer, and or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-trai Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1939);

Land at No. 20, Pycrafts Garden Road, Madras-6. (Thousand Lights Doc. No. 74/85)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 7-11-1985

Seal:

108-376 GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS, the 7th November 1985

Ref. No. 105/Mar. 85.—Whereas, I.
MRS. M. SAMUEI., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 19 situated at in 2, Nawah Habihullah Avenue. Anderson Road, Madras-6... (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 76/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been muly stated in the said instrument of transfer with the closest of :—

- (a) facilitating the reduction or eventon of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the nurposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New therefore, in pursuance of Section 26% of the sain Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the moresail projects by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely "—

Mr. S. A. Gaffar,
 Nawab Habibullah Avenue,
 Anderson Road,
 Madras-6

(Transferor)

(2) Mrs. S. M. Rahimunnissa. West Street, Kilakarai, Tamnad District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferencial persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the agreece of notice on the respective paraons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same mounting as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building R. S. No. 86/1 No. 2, Nawah Ĥabibullah Avenue Anderson Road, Madras-6. (Thousand Lights Doc. No. 76/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 7-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

- * ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS, the 7th November 1985

Ref. No. 107/Mar. 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing 813 Annasalai situated at Nungambakkam Madias (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 116/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for sc a transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the radiction of evapor, of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating t' concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which eaght to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri R. Kannappa Chettiar, 3, Kammalar Street, Thirukalikundram Chenglepet Dist.

(Transferor)

(2) Sri Mansukh H. Sukhadia 41, Venkatachala Mudali Lane Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at No. 813 Annasalai Nungambakkam Madras.
(Thousandlights Doc. No. 116/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Income-tax Act, (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Date: 7/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS, the 7th November 1985

Ref. No. 115/March 85—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T. S No. 49, Block No. 8. Mambalam,
situated at Kodambakkam.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in thee office of the Registering Officer at
Kodambakkam/Doc. No. 959/85 on March 1985

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in thee office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 959/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Incilitating the reduction or everion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any measure or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. B. Kamala and others, No. 4, Sivan Koil South St., Vadapalani, Madras-26.

(Transferor)

(2) Smt, So. Ma. Valliammai Achi, Amaravathi Pudur, Ramanathapuram.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: T. S. No. 49, Block No. 8, 4, Sivankoil South St., Vadapalani, Madras-26. Kodambakkam/Doc. No. 959/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS, the 7th November 1985

Ref. No. 118/March 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

~~1

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 261/1. Part, 104, Virugambakkam situated at Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam/Doc. No. 511/85 on March 85 to an apparent consideration which is less than the fair

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sri Govindaswamy, Power Agent, Vasantha, Brodway, Madras-1.

(Transferor)

(2) Sri K. G. Swamynathan, 12, Najathamman Koil St., West Mambalam, Madras-33.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 104, Vigambakkam Village, S. No. 261/1 part. Virugambakkam/Doc. No. 511/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7/11/1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION PANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS, the 7th November 1985

Ref. No. 122/March 85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing R. S. No. 1621/10 --13 Manicka

situated at Nayakan St., Vapery, Madras-7. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in thee office of the Registering Officer at Madras South/Doc. No. 82/85

in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-lay Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Naomi Heiden W/o Reginald Heiden, 13. Manicka Nayagar St., Vepery PO., Madras-7.

(Transferor)

·(2) Sri K. Shamshad Begum, W/o N. Ahmed Basha, 867, G. B. Street, Muslimpur, Vaniyambadi. 2. V. Sadica Begum, W/o Ameen Sayced, 90, Iqbal Road, Muslimpur, Vaniyambadi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 13, Manicka Nayagat St., Purasawalkam, R.S. No. 1621/190, Madras-7. Madras South/Doc. No. 82/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7/11/1985

PORM ITNS----

(1) 1. Shri V. Balachandran, 2. Shri V. Shanmugnam, 27. Krishnappa Naicken, Agraharam St., Madias-1.

(Transferor)

(2) Smt. Mohana Santhanam, No. 16, Rangan St., Madras-17.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006 MADRAS, the 7th November 1985

Ref. No. 135/March 85/R.II.—Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 43, Hensman Road, T. Nagar situated at TS. No. 6107/1-B.

6110, 1, B

(and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in thee office of the Registering Officer at Γ Nagar/Doc No. 329/85 in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair more than apparent to the afternation of the serverside transfer and I have transfer to the serverside transfer transfer transfer to the serverside transfer transf

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appareus consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the waid Act, in respect of any income arising from the transfer;
- ,b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth CAR Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the excressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Acq. shall have the same meaning as given in thist Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 9. New No 43, Hensman Road, T. Nagar, Madras-17. T. Nagar/Doc. No. 329/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7/11/1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri S. Vengadammal, 93, Vanivilas Circle, Bangalore.

(Transferor)

(2) Shri T. S. Rangarajan, 1, Nagoji Ruo Street, Triplicane.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS, the 7th November 1985

Ref. No. 145/Mar. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

R. S. No. 1575 & 1576/1 situated at 10. East Tank Sq. Street, Madras-5. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane Doc. No 243/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

Triplicane Doc. No 243/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (6) lacelitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be spade in writing to the understance :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at No. 10, East Tank Sq. Street, Madras-5.

(Triplicane Doc. No. 243/85).

MRS. M. SAMUEL.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 7/11/1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1º61 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

()PFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

MADRAS, the 7th November 1985

Ref. No. 155/March 85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing 18/600 share of undivided interest of land of 6 grounds and

425 sft. at 42, situated at Anna Salai, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in thee office of the Registering Officer at Madras Cen'ral/Doc. No. 274/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as anoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

(b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---109-376 GI/85

(1) M/s, Heera Constructions Pvt. Ltd., 'Gee Gee Complex', 42, Mount Road, Madras-2.

THE SECTION IS A PRODUCT OF THE PARTY OF THE

(Transferor)

(2) Sri G Haresh Chand and Another, 'Gee Gee Villa',4, II st., Kasturi Ranga Roard,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that chapter.

THE SCHEDULE

Land: 18/600 undivided interest in land: No. 42, Anna Salai Mount Road, Madras-2 Madras Central/Doc. No 274/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7/11/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 171/March 85.-Whereas, I. MRS. M. SAMÚEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. KANGEYAM VILLAGE

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kangeyam/Doc. No. 354/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration therefor by more than fifteen procent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-max Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

(1) 1. Smt. Malathi w/o Ramachandran, 2. Smt. Suseela w/o Subramaniam, Kadaiveedhi, Kangeyam.

(Transferor)

(2) Smt. Santhakumari w/o Jagannathan. Kadaiveedhi, Kangeyam.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land -- Kangeyam Village. Property as specified in schedule to Doc, No. 354/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-11-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri M. Sabapathy, 29/22 to 26 Subramaniam Road, R. S. Puam, Coimbatore,

(Transferor)

(2) Sir P. Ipparu and Chinnam, 23/211 Thomas Street, Coimbatore,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 174/Mar. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Old T.S. No 7/3517 and 3518, situated at New T.S. No. Subramaniam Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration Mach 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation .— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

and and Building Old T S No. 7/3517 and 3518 Subrama jiam Road, R. S. Puram, Coimbatore Town.

coimbatore Doc. No. 1166/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Rang -II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Da e: 7-11-85

NOTICE JNDER SUCTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 (ii) 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Kirpal Kaur Anand and another, 15/17, V. V. C. Layout R. S. Puram, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Smt. Renuka Pandarinathan w/o Dr. V. G. Pandarinath, 520, Vysial Street, Coimbatore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 175/March 85.-Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

MIRN. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market alige exceeding Rs. 1,00 000 - and bearing R. S. Priam, Sir C. V. Raman Road, situated at T. S. No. 8/429, Combatore (and more fully described in the Sabable company).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 1379/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in temper and income coving from the transfer and/or
- (b) facilitat.r. he concealment of any income or any ought to it di closed by the transfereo for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land and Building: T. S. No. 8/429, R. S. Puram, Sir C. V. Raman Road, Coimbatore.

THE SCHEDULE

Coimbalore/Doc. No. 1379/85.

MRS. M. SAMULI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-11-85

FORM ITNS- --- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-H MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

176/March/85.-Whereas, 1, Ref No.

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Inco ne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Door No. 24/139, New Door No. 28/105, Raja Street, Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registrating Officer at Combatone/Doc. No. 1419/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to

believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 c) 1922) or the said Ac., or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- · Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I noreby untiate proceeding; for the acquisition of the atoresaut property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sti M. Venkatachalam and others. 20/80, South Ukkadam, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri A R Viswanathan s/o A. R. Ramanujam, 118, Raja Veedhi, Coimbatore.

(Transleree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Land and Building: Door No. 24/139, New Door No. 28/105, Raja St., Coimbatore.

Coimbatore/Doc. No. 1419/85.

MRS. M. SAMULL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 00o

D: te: 1-11-1985

Scal :

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS 600 006

Madias 600 006, the 7th November 1985

Ref No 1/7/March/85—Whereas I MRS M SAMUHI being the Competant Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have 1/ason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1 00 000 and bearing No 5, Krishnasamy Mudaliar Road_situated at Coimbatore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc No 1454/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be discle ed by the transferee for the purposes of the Ind in Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

(1) Str C S Chandrasekarun and others, D No 5, Brooke Bond Layout, Krishnaswamy Mudahar Road, Combatore-2

(Fransferor)

(2) Sri Al AR V Kalai Raja s/o Vellayam Chettiai, K Meenakshi Achi w/o Al AR V Kalai Raja, No 17, Thilagar St, R S Puiam, Coimbatore 2

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .— \$--

- (a) by any oi the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

I and and Building Site No 5, Krishnasamy Mudaliar Rold Combatore Combatore/Doc No 1454/85

> MRS M SAMU Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range II, Madras 600 006

Now, therefore in pulsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act t the following persons, namely —

Da c 7-11 85 Scal FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sri V, Srinivasan s/o P. S. Venkataramana Iyer, No. 1/61-28. Ravi Colony, Madras-16.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 189/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

transfer with the object of :---

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 420, G. S. No. 225/part situated at 1/61-28, Ravi Colony, Palwells Road, St. Thomas Mount, MDS-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfe. I under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alandur/Doc. No. 644/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the larties has not been truly stated in the said instrument of

(2) Miss, K. Sumithra d/o Sri E. S. Krishnan, (Minor) No. 1/62-14, Ravi Colony, Madras-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the unid Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

ore, in pursuance of Section 269C of the said

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. (. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 1/61-28, Ravi Colony, Palwells Road, St. Thomas Mount, Madras-16.
Alandur/Doc. No. 644/85.

MRS. M. SAMUF:
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006.

Date: 7-11-85

Scal:

IOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME 1 \ ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) II H Pince of Arcot Endowments top both agent Mt Mohammed Abdul Alt Amn Mahal Pyero ty Road, Madias 14

(Transferor)

(2) Mi K Shanmugam, No 3 Muthugramani Street Mylapore, Madras 4

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS 600 006

Madias 600 006 the 7th November 1985

Ref No 200 Mach 85 Whereas, I, MRS M SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income (ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sait' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

K 100 000/- and braing Cld No 8 B New No 30 situated at Di B san Road, Fr ipittah Madias-14

for spettah Madras-14 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been the special ender the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Office at Mylappic Doc No 375/85 on March 1985 to the apparent consideration which is less than the fair tanket value of the aforesaid property and I have reason to belie e that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and he

facilitating the concessment of any income or any runk ye of other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said spioperty may be made in writing to the undersigned?—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expures later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said last, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site at No 29 & 30 Royapettah Di Besant Road, Madias

(Mylapote Doc No 375 c

MRS M SAMUFI
Competent Authority
Inspecting Assistant Compuse 1 of Incometax
Acquisition Range-II Made is 600 006

Da o 7-11 1985 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IL MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 208/March 85.-Whereas, 1,

MRS. M. SAMUFL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing Block No. 56 situated at Mylapore Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transtructed under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South Doc. No. 880/85 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the resiscion or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the Bollow ing persons, namely :---

110-376 GI/85

(1) Dr. A. R. Sivatamakrishnan alias S. R. Krishnan, 22, Salai Street, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Sri S. Rajagopalan, 10. Pariparana Vinayakar Koil Street, Mylapore, Madras-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovabl property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Fint No. 56 Mylapore Madras South Doc. No. 880/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-11-1985

Scal :

FORM 8I T N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IJ, MADRAS-600 006

Madras-600 006 the 7th November 1985

Ref. No. 240 March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 32, Eswaran Koil Street situated at Erode-(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Frode Doc. No. 1250/85 on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the rarties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been en which ought to be disclosed by the transferse for his purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri V. Gopalakrishnan and others, 72, Analmadu Street, Frode,

(Transferor)

(2) Smt. R. Radhamani, 5, Kannaki Street, Frode.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property nav be made in writing to the undersigned:----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at C. Block 32 Eswaran Koil Street, Frode

(Erode Doc. No. 1250/85),

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II. Madias-600 006

Date: 7-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 249/March 85.---Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Door Nos 23A, 23B, 24, Ward No. 10, situated at Kadumayie St-2, Vecrapandi Village, Gopi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority Content tipalayam Doc. No. 375 on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fan

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Aryammal w/o Venkatachalam, and others, Vaikal Street, Gopi.

(Transferor)

(2) Sti R Krishnan, 5.0 Ramasamy Naickei, 655, Ma Desiappan Koil St., Gopì.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are dofined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building: Door Nos. 23A, 23B, 24, Kodumayie Veedhi-2, Ward No, 10, Veerapandy Village, Gopi. Gopt/Doc. No, 375/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sad Act, to the following persons, namely :-

Date : 7-11-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mis. Vijayalakkshmi, Mariprasad, 37, College Road, Madras-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Renuka Sundaramoorthy, 37, College Road, Madras-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madias-600 006, the 7th November 1985

Ref. No. 264/March 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 20, Pycratis Garden Road, situated at Madias-6 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oline of the Registering Thousandlights Doc No. 75/85 on March 1985 Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of between the transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Land at No. 20 Pyciofts Garden Road, Madias-6. (Thousandlights Doc. No. 75/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-11-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 6th November 1985

Ref. No. 265/March/85.—Whereas, I, MR.S. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. R. S. No. 348/, situated at Perianaickenpalayam village, Combatore

Coimbatore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), thus been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Perianaickenpalayam (Doc. No. 661/85) on March 1985 for an apparent consideration which is less than the for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the stand material of transfer with the shiper of the Sri P. L Ganesa Gouder
 S/o K. Lingue Gouder,
 123, Sakthi Road, Gandhipuram, Coimbatore-12.

(Transferor)

(2) Smt. M. Saraswathy W/o B. M. Veerasamy, Sree Ramakushna Mission Vidyalaya Colony, Perianaickenpalayam, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, ay be made in writing in the undersigned -

- (a) by any of the encressed persons within a period of 45 day from the days of sublication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

FYPLANATION . - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitairs: are reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer;

b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which bught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C or the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

Land and Building in R.S. No. 348/3 at Perianaickenpalayam, Combatore.

S.R.O., Perianaickenpalayam Doc, No. 661/85.

MRS. M, SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date · 6-11-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE ()F THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th November 1985

Rcf. No. IAC/Acqn./Bpl./6025.— Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinfater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Bhoomy kh. No. 430. (4.856 Hect.) situated at Gram Niranjanpur, Indoic (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Indore in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fau market value of the aforesaid property by more than fifteen than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Shri Shankar S/o. Shri Savjiram,
 Shri Savjiram S/o. Shri Ramkuhan,
 Vill. Pipaliya Kumhar, Indore.

(Transferor)

(2) Rajaswa Karmachuri Grah Nirman Sahakari Sanstha Mariyadıt, 23, Rajaswa, Gram Indore through President Nathuramjı Ukas and President Ghanshyamdas Agaiwal, S/o. Shri Mathura Prasadji Agaiwal, R/o. 5, Indira Gandhi Nagar, Indore (MP).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the came meaning in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhoon'y Kh. No. 430, Gram Niranjanpul is situated at Disti. Indore. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferce.

S. C. SH.\RMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building
Neat Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 4-11-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6026.—
Whereas, I. S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing
Plot No. 232 situated at Anoop Nagar, Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen p i cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been trule stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the redunction or crasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Chandraprabha Pande W/o. S. R. Pande, 53/48, Ramjas Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

 Alankar Grih Nirman Sahakarı Sanstha Maryadit, 44, Jaora Compound, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any other person interested in the said immovable of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesald persons within a period of property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 232 is situated at Anoop Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in Form 37-G duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date 5-11-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTU. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6027. - Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Building constructed on Plot No 48 situated at Adarsh Nagar Colony, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Kantilal S/o. Shri Durgashanker Kotia, R/o. 426, Ushanagar, Extension Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Manoramo W/o Shri Kamalkishore Rati, R/o. 85, Old Rajmohalla. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A single storey building constructed on plot No. 48, situated at Adarsh Nagar, Indore. This is the immoveable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 1-11-1985

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6028.— Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 249B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Bhoomy Survey No. 426/2/3 Rakba 0-552, situated at Gram Sejvaya, Billod, Distt. Dhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woulth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby inkiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons. namely :-111--376 GI/85

(1) Shri Ramavatar S/o. Sh i Suraj Bhan Gupta, R/o. 220, Transport Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Sanchi Yantra Udyor (P) Ltd., Through Director. Shii Nandk shore Sharma, S/o Shri Tagnath. R/o. 3/1, Chhote Gawal Toli, Indoic (MP),

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bhoomy Survey No. 426 2, 3 Rakba 0-552 is, situated at Sejvaya Ghat, Billod Dest Indoor This is the immovable property which has been do give in Form 37 G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income Tax Building
> Near Central India Fino Mills Bhopal

Date: 1-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6029.—
Whereas I, S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Bhoomy Survey No. 426/2/4, Rakba O-552. Hect. situated at
Scivaya Ghat, Billod, Distt. Dhar
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) 'aculataring the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shr; Avtar Singh S/o. Karnil Singh, Muktiyar Ram Shri Sardar Karnil Singh, S/o. Shrl Pabar Singh, R/o 31/9, Kibe Compound Indore (MP).

(Transferor)

(2) M/s. Vividh Dhatu Udyog (P) Ltd. Promoter Shri Nand Kishore, Khandelwel, S/o. Shri Mangilal, 3/1, Manoramagani, Indore (MP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhoomy at Sejvaya Ghat, Village Dhar is situated at Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 1-11-1985

Seat

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6030.—
Whereas I, S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Bhoomy Survey No. 426/2/5 Rakba 0-553, Hect. situated
at Gram Sejvaya Ghat, Billod, Distt. Dhar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Nirmal Singh S/o. Keinail Singh through Mukiya Aam Shii Saidar Keinail Singh, So. Shri Parabar Singh, 31/9, Kibe Compound, Indoie (MP).

(Transferor)

(2) M/s. Vividh Dhatu Udyog (P) Ltd., Promoter Shri Nand Kishore, Khandelwal S/o. Shri Mangilal, 3/1, Manoramaganj, Indore (MP).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bhoomy Survey No. 426/2/5 Rakba 0-553 is situated at Sej aya Ghat, Billod, Vill. Dhar. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commi sioner of L.come-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopul

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dale : 1-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 1st November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Epl./6031.---

Whereas 1, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bhoomy Survey No. 426/2/2 Pakha 0.553 Heat, situated at Sejvaya Ghat, Banod. Dista Dhar

(and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fat, market value of the property as aforesaid exceeds the apparent con deration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of L 's present to very the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough, to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (13 of 1922) or the said act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269(D) of the said Act, to the following persons, namely :--

Shii Teluram S/o. Shri Suraj Bhan Gupta, R/o. 220, Transport Nagar, Indore.

(Transferoi)

(2) M/s, Sanchi Yantra Udyog (P) Ltd., through Director, Shri Nand Kishore Sharma, S/o. Shri Jagannath Sharma, 3/1, Chhoti Gawal Toli, Indore (MP),

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official, Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—Ihe terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that, Chapter.

THE SCHEDULE

Bhoomy Survey No. 426/2/2 Rakba 0-553 is situated at Scivaya Ghat, Billod, Dist. Dhar. This is the immoveable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopul

Date: 1-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6032. --Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating Building No. 235 situated at Jawahai Maig, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the agreement consideration therefor by

as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Shri Sathish Chandia, S/o. Shri Chatuibhuj Goyal, R/o. 235, Jawahar Marg,

(Translator)

(2) Smt. Ocetabar, W/o. Shir Latchlal Soni, R/o. 125, Tat Patri, Bakhal, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ---

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHIDULE

Building No. 235, Jawana. Marg is situated at Indore. This is the immoveable property which has been described in Form 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopul

Date 4 11 1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6033.—
Whereas I, S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovble property, having fain market value
exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing
Plot No. 206, Scheme No. 13, situated at Habibganj, Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Bhopal in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inco ne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt. Sheela Khurana W/o. R. L. Khurana, 2. Shri Bharat Bhushan,

3. Shri Bhafat Bhushan,
3. Shri Rajiv & Sajeev
S/o, Shri R. S. Khurana,
R/o, MIG-138, Arera Colony,
Bhopal.

(Transferor)

(2) Shri Rajiv Wadhwa,

Shri Sanjiv Wadhwa,
 Shri Rohit Wadhwa, S/o. Shri P. C. Wahdwa,
 R/o. Krishna Kunj, Gwalior,

Shi; Manish Jha,
 S/o, Shri Parmanand Jha,
 Amaliya, Reula.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 206, Scheme No. 13 is situated at Habibganj. Bhopal This is the Immoveable property which this been described in form 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

D. to: 4-11-1985

(1) Shantiniketan Estates Limited Sahujan Charitable Society.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Kajaria Exports Limited.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

Calcutta, the 14th November 1985

Ref. No. TR-72/85-86/SI.1097/I.A.C.|Acq,R-I|Cal,—Whereas, I, S. K. BANERJEE

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 8, situated at Camac Street, Calcutta

No. 8, situated at Camac Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered "under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at R.A., Cal. under registration No. 1-4136 dated 20-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION,—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

All that Office Space No. 9, on 3rd floor of 'Shantiniketan' at 8; Camac Street, Calcutta-17. Registered before the Registrar of Assurances, Calcutta vide Deed No. I-4136 dated 20-3-1985.

S. K. BANERJEE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range-I
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely ---

Date: 14-11-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 4th November 1985

Rci. No IAC 'Acqn /Bpl./6035.—
Whereas I, S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1 (0 0 0 0. - and bearing
Plet situated at II. P. Petrol Pump, behind Saltija Sales &
Sivice, Him'dia Road, Bhopal
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been trainlen d under the Registration Act, 1908 (16
at 1908) in the office of the Registering Officer at
Induce in March 1985
to in imparent consideration which is less than the fair
market value of the affireshid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eald Act. in respect of any income erising from the transfer; and/or
- (1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax A t, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Acandilal Sahu S/o. Shri Mishrilal Sahu, R/o. Nikat Police Chouki Barkhedi, Bhopal.

(Transferor)

(2) M/s, Idandas & Company, 155, 156 Idgah Hills, Bhopal through partner Shri Jarramdas, S/o. Shri Idandas Wadhwani, R/o. 155, 156 Idgah Hills, Bhopal.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot is situated behind the H P Petrol Pump Sala Sales and Service, Hamidia Road, Bhopal.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 4-11-1985

Scal:

PCRM ITNS (1) Shri Heeralal,

(1) Shri Heeralal, Jaykishan and Ramchandra S/o. Topandos Gurnani, 41, Professors' Colony,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Manohar Bheemandas Satvani, H. U. F., through Dr. Manohar Satvani, 179, Palsikar Colony, Indore.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE BHOPAL, M. P.

Bhopal, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6036.—
Whereas I, S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Building No. 118/3, situated at Gram Pipliyarao, Distt. Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Indore in March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than
fiften per cent of such apparent consideration and that the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquishion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 118/3, Piplayarao, is situated at Indore. This is the immoveable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6037.—Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 11, constructed on Plot o. 779-B, situated at Manishpuri Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transterred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s, Virnadavan apartment through partner Shri Balkrishna Agarwal, s/o Shri Daulatram Agarwal, r/o 158, Saketh Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Dr. Mahesh Masand, s/o Shri Tbirthdas Masand, r/o 19, White Church Colony, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 11 constructed on plot No. 779 is situated at Manidhpuri Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferce.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th November 1985

No. IAC/Acqn./Bpl./6038.--Whereas Ref. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3, Constructed on Plot No. 779-A, situated at Manishaud Colory Indox.

ment of transfer with the object of :-

situated at Manishpuri Colony, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Indore on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s. Virndavan apartment through partner Shri Balkrishna Agarwal, s/o Shri Daulatram Agarwal, r/o 158 Saketh Nagar, Indore. (Transferor)
- (2) Shri Sandeep Jain, s/o Shri Bahadurlal Jain, r/o 4, Lod Colony, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 3 constructed on plot No. 779 is situated at Manishpuri, Colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following versons, namely:--

Date: 5-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGF, BHOPAL M P

Bhopal, the 5th November 1985

Ref. No IAC Acqn/Bpl 6059 — Whereas, I, S. C. SHARMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 11/3, situated at South Tukoganj, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore in March 1985 in an apparent consideration which is less than the fair market value of the property as (foresa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than officer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:

 Smt. Kausalyabai w/o Shri Kushnaravji Gawde, 11/5, South Tukoganj, Indore,

(Transferor)

(2) Shri Guumukdas & Co through Partner Shri Gurumukhdas s/o Shu Gangatamji, r/o Yashvanth Road, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 11/3 is situated at South Fukoganj, Indore. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

rlow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '---

Dato: 5-11-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 6th November 1985

Ref. No. 1A S. C. SHARMA, IAC/Acqn/Bpl./6040.--Whereas 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property between a few modern to be the said Act. able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 181 & the house thereon,

situated at Indore Development Authority, Scheme No. 44,

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act, 1908

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

> a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the fransfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.-

(1) M/s. Gureja Builders, 5. Khatipura, Indore Through Prop. Gudharilal s.o. Shu Ramdas Gureja, 211, Khatiwala Tank, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Ashok kumai Rajani 8/0

Baganmalji Rajam,
(2) Smt. Meerabai w/o Baganmalji Rajani, 1/c 181, Khatiwala Tank, Indore.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 9 is situated at Plot No. 181 of Indore Development Authority Scheme No. 11, Indoor. This is the immovable property which has beed described in form No 37-G, duly verified by the translence

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Cormissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 6-11-1985

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6041.—Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Plot No. 85, situated at Kailash Pa k Colony, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

Indore on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
mansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asset; which have not been or which ought to be dis losed by the transferee for the purposes of the I idian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Shiyajrao s/o Khanderao Thorat Thio Genl powel of attorney Besantrao Khandel, Thorat, Indole,

(Transferor)

(2) Arihant Guh Numan Sahkari Sanstha Maryadit 146, Jaora Compound, Indo:e.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

۱.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 85 is situated at Kailash Park Colony, Indore. This is the immovable property which has been described to form No. 37-G duly verified by the transferee.

S C SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissiones of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedins for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the tollowing persons, namely:—

Date: 7-11-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Ppl/6042.-Whereas, I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Plot No. 34 (Part thereof) situated at Ravindia Nagar, Indore

(Khajrana)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Officen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii Vidya Sagar Baveja S/o Ramkishanji Beveja R. o Ravindra Nagar, Khajarane, Indote

(Transferor)

(2) Shri Kunwai Sandeep Singh Rathore S/o Raghuvirsinghji Rathore, R/o 12, Malharganj Indire.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of plot No. 34 is situated at Ravindranagar (Khajrana) Indore. This is the imovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rac Near Cetral India Floor Mills, BHOPAI

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons namely --

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 265D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Shri Lalitkumar
 Vijayakumar
 o Subhkaranji Surekha
 R/o G. S. T. I. Road Indore,

Indore

(2) Shri Ram Shii Co-op. Housing Society Ltd., Indore 42, Siyaganj,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6043.—Whereas, I. S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

movable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

Plot No. 31 situated at Ahilyamata colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

at Indore on March 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

Plot No. 31 is situated at Ahilaya mate colony, Indore. This is the imovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Near Cetral India Floor Mills, BHOPA

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:—

Date: 7-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6044.—Wherens, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the agome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Plot No. N-36, situated at Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Weekla-taa Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the saw-Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely 2—
113—376GI/85

(1) Shri Rajendra
S/o Subhashchandra
R/o 46, Tilakpath,
Indore
Ramchandra
S/o Balkrishna
R/o 64, Pirgali,
Indore

(Transferor)

(2) Smt. Padma
W/o Chandumal
S/o Chandumal
2. Narendra
R/o 87, Jairampur Colony,
Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the adoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No N-35 is situated at Saket Nagar, Indore. This is the imovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARM \
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range
Near Central India Floor Mills
BHOPAL

Date: 7-11-1985

Seil:

A may come to the a control of the production of FORM ITNS-

(1) Smt. Indrabai Bakshi Wd/o Late Shri Manilal Bakshi, R/o 21/2, Manoramaganj, Indore at present residing at Tripolia gate Ratlam.

(Transferor)

(2) M/s. Rajiv Munsion, through partner Kum. Seema D/o Shri Shantilal Chouradia R/o 126, Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferda)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 4th November 1985

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl. 6045.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
H. No. 9/106, situated at Tripolia gate, Ratlam.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

1908 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) (actioning the reduction or evenion of the finhility of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; ध्यां /क

(b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been or which ought to be Marked by the transferee for the purposes of the listian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforceaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said prop erty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication b of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respt stive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and exp ressions used herein as are defined in Chap per XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 9/106 is situated at Tripolia Gate, Ratlange This is the imovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARM \
Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Incomplax, Acquisition Range. Near Central India Floor Mills BHOPAL

Date: 4-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP

Bhopal, the 7th November 1985

Ref No Bpl 6046—Whereas, I, PRASANTA RAY,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs 100,000/- and bearing
Plot No 334 (Part thereof) situated at Khajrana, Shrinagai

extension, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rigistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration apparent consideration apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Shii Rakesh Kaul S.o Brig Surajkishan Kaul R/o 1/1 Ushugani, Indoic Through Genl power of attorney, Gajendrasingh \$/o Budhsingh Kohli

(liansferor)

(2) Shu Ramchandra S/o Shii Badrilalji Salue, R/o Khajrana, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable 1 perty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given m that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 334 (Part thereof) is situated at Khajrana, Srimagar e tension, lindor. This is the imovxagle property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee

> S C SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition J Near Central India Floor Mills, BHOPAI

Date 7-11 1985 Seal,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Indore (2) Smt. Mccradevi

W/o Shri Omprakash Soni, R/o 7, Subhash Chowk,

(1) Smt. Shobhadevi

(Transferor)

W/o Shri Ganeshilal, R/o Shivvilas Palace,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6047.-Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 13A constructed bldg. situated at Seetarampark

colony Indore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Act, at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor;
- (b) facilitating the conceanment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dissisted by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building constructed on plot No. 13A is situated at Staram park colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income Tax Building, Near Central India Floor Mills. Bhonel

Date: 7-11-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

R/o Safinagar, Indore.

Shri Mohd. Hussain, S/o Khudha Ali,

(Transferor)

(2) 1. Shri Gulam Murthaja, 2. Smt. Batulbai 3. Smt. Jarinabai, 4. Batulbai. R/o 107-B. Safinagar, Indore.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6048.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Building No. 107 B. situated at Safinagar, Indore.

fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of tansfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this section in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIO&:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building No. 107-B is situated at Sasinagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income Tax Building, Near Central India Floor Mills.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6049.-Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Building constructed on Plot No. 277 situated at Indra-

puri Colony, Indore.
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer = agreed to between the parties has not been truly stated in the eakly instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely :-

(1) Shri Natendtakumat s/o Shri Shyamlal Trivedi, R/o Nagarwas, Ratlam.

(Transferor)

(2) Shri Shreedharrao, S/o Shri Vasudevarao Vyas, R/o G-19, Naimada Project colony, Moosakhedi. Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building constructed on plot No. 277 is situated at Indra-puri, colony, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No IAC/Acqn/Bpl./6050—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (necentative referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 7 situated at Snehlata Ganj, Indoie. (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transies with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, m respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the incian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Bhanu Kumar,

2. Asha,

3. Shakuntala Kiishna Kuwai all the partners of M/s Vijayshiee construction Co

419, Bhola Gali Mahu through Attorney Asha W/o Shii Manmohan Agarwal,

10, Sikh Mohalla, Indote.

(Transferor)

(2) Smt Bharatidevi, w/o Shii Laxminarayan Chourasiya, 60/6, New Dewas, Road, Indore

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bldg. No 41, Gali No 4, Flot No. 7 is situated at Snehlatiganj, Indore This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSA VIANT COMMISSIONER OF INCOME-TA>

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6051.—Whereas, I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 26 1913 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter i sterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the interpretation of the competence of the movable property, having a fair market value exceedin R. Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Constructed on Plot No. 779-A situated at Mani Hypuri

Colony, Indore.

(and more fully described in the schedule annexed h treto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than thed fair market value of the aforesaid property and I have nee near to believe that the fair market value of the property as, aftersaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and, that the consideration for such transfer as agrived to bettween, the parties has not been truly stated in the said instrumer a of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any iracome or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be discluded by the transferon for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 Weshth-tm (11 of 1923) or the said Act, or the Act, 1957 (27 of 1957)

(1) M/s. Virndavan Apartment, Through partner Shri Balkrishna S/o Daulatramji Agarwal, R/o 158, Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Saurabh Jain S/o Bahadurlal Jain, Smt. Vanmala, W/o Shri Bahadurlal Jain, R/o 4, Lad Colony,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motice on the respective persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the problemates of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as mixes in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 779, constructed flat No. 4 is situated at Manishony, Indore. This is the immovable property which described in form 37-G duly verified by the trans-Plot рині Сөн his heer feree.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of a Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the fermion of the said Act, to th

ie said of the enpllowing persons

Date : 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

CLAND STEER CONTRACTOR OF CONT

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn.Bpl./6052.--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House (1st floor) constructed on plot No. 247 situated at Baketnagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following rersons namely

114--376GI/85

- (1) 1. Smt Sohanlata W/o Di Kanayo alias Kanhaiyatal, 2. Shri Kiran S/o Shii Mangalsen Bajaj, both r/o 71, Patrakai Colony, Indore. (Transferor)
- (2) Smt. Rukmanı Tekchandani W/O Dr. Kanayo alias Kanhaiyalal, .. residing at 3, Amber Building 13/2, M. G. Road, Indore, through General attorney Shri Taikishan S/o Daryanomal Chandani

Andrew the state of the state o

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House (1st floor) constructed on plot No. 247, is situated at Saketnagar, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax fant Commissioner of Income-ta-Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills. Bhopal

Date: 6-11-1985

FORM ITNS- - -- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th November 1985

Ref. No. IAC, Acqn /Bpl./6053.—Whereas, I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. House constructed on Plot No 247 situated at Saketnagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly visted in the said instrument of transfer with the or, or of :--

- ra) facilitating the reduction or eventen of the M of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ariots which have not been or which ought to be declosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waalth tax Act, 1932 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby institute proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

- (1) 1 Smt. Sohanlata W/O Mangalsen Bajaj, 2 Kiran S/O Shri Mangalsen Bajaj, Both 1/0 71, Patrakar Colony, Indore
- (2) Master Nitin S/o Di. Kanayo Tekehandani, through his natural guardian father Di. Kanayo Tekehandani,

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period ρ re, later
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this poince in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on plot No 247, is situated at Saketnagar, Indore.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Near Central India Floor Mills. Bhopal

Cate: 6-11-1985

FORM ITNS.———

(1) Smt. Vimlabai W/o Sh. Kashirao thiough General attorney Kashirao S/o Narayantao Pawar, R/o 15, Gopalbagh Colony, Indore.

(Tranferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 Smt. Sulochna W/o Sh. Mohanlai Raheja,
 Kanahaiyalai S/o Sh. Navandramji Raheja, R/o 190, Tilakpath, Indore.

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Bhopal, the 6th November 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the stress Gazatte

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6054.-Whereas, 1

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No.

> EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter had of the min-Act, shall have the a my months as given in that Charter

Rs. 1,00,000/- and bearing 100. plot No. 59 situated at Gopalbagh Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (10 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the publics has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, **≜nd**/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Izoome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Smt. Vindabai W/o Sh. Kashirao through attorney Kashirao S/o Narayanrao Pawar. R/o 15. Gopalbagh Colony, Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsons, namely:—

Date: 6-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6055.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Lund Kh. No. Nag 3 (8.255 Hec.) situated at Vill. Niranjanpur, distt. Indore. (and more fully described in the Schedule anexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on March 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbship of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Sh. Onkar, Ghanshyam & Ranchbood S/o Sh. Gopiji & Sarjoobaj W/o late Sh. Gopiji, R/o Village Bhambhori, Dube, distt. Indore.

(Tranferee)

(2) Rajasva Karachari Grih Nirman Sahkari Sanstha Ltd., 53, Rajasva Gram, Indore, through President Sh. Ghanshyamdas Agarwal, 5, Indira Gandhi Nagar, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh. No. nag 3 is situated at villfi Niranjanpur, Teh & distt. Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax
Acquisition Range Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 5-11-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Gureja Builders, 211, Palsikar Colony, Indore through partner Gudhardal S/o Ramdas Gurejo

(Transferor)

(2) Smt. Mayadevi W/o Madhavdas, R/o 181, Khatiwala Tank, Indoie.

(Tranferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6056.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. House constructed on plot No. 181 situated at Indoie Development Pradhikaran, Scheme No. 44, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (19 of 1908) in the office of the Registering officer at Indoie in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that he consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House constructed on plot No 181 is situated at Indore Development Pradhikaran Indore, Scheme No, 44. This is the immovable property, which has been described in form No 37-G, duly verified by the transferee

S C SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Subash Grih Nirman Sahkarı Samithi Ltd., Ratlam through President Bhoopendrasingh S/o Sh. Dalpatsingh

(Transferor)

(2) Sh Dharai S/o Sh. Jeeviani Chopra. Neem Chowk, Ratlam.

(Tranferec)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6057.—Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Bhoomy Survey No. 139, situated at Gram Viriyakhedi, Teh Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ratlam in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been "ruly stated in the said instrument of transfer with the ob!" of ment of transfer with the obi

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pav tax under the said Act, in respect of any incor arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Bhoomy Survey No. 139, Gram Viriyakhedi, is situated at Teh. Ratlam This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

Dated: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s Jain Builders, 36, Slyaganj, Indore Through Partner Sh. Sanat Kumar Kalyanmalji Badjatia.

(Transferor)

(2) Shivshanker S/o Madonlalji Khandelwol R/o G-36, MIG Colony, Indore,

(Tranferœ)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl /6058.—Whereas, 1, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the incompetence of the property value arreading to the said Act's having a fair market value arreading to the said Act of the said and the said area area and the said area area. movable property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 7-D & the flat No. 5 thereon exceeding

situated at Ratlam Kothi, Indone has been transferred under the Registration Act. 1908 (10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned :-

Objections if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Plot No. 7-D & the Flat No. 5 built thereon (2nd floor) is situated at (Ratlam Kothi), Indote. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce

> S. C. SHARMA, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal.

Now, the erore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 7-11-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. JAC/Acqn./Bpl./6059 .-- Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Hat No. 11 situated at

Manish Apartment, Saket Nagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Effect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Ast, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bharat Construction Thro Prop. Tulsidas Tikamdas Hinuja 55-A, Saket Nagar, Indore

(Tranferee)

(2) Mangalsingh S/o Premraj Choudhary, 18-A. Premnagar, Indore.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 10 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions med bere in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 (Manish Apartment) is situated at Saketnagar Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;---

Dated: 7-11-1985

FORM I'INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Bhat Construction, Prop. Shri Tulsidas Hindija, 55/A, Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Indra Mohini Minocha, 40-B, Kailash Park Colony, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIT SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl. 6060.--Whereas, I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 12 situated at Maneesh Apartments, 55/A, Saket

Nagar, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in March 1985

for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that take fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferee (s) has not been truely stated in the said instrument of transfer with the object of-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the persons, the persons, the persons, the persons, and the persons, the persons are the persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Asi in respect of any income arising from the tra
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 12 (Manish Apartment), is situated at 55/A, Saket Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-EE duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Buliding Near Central India Floor Mills, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 115—376GI/85

Date: 7-11-1985

FORM ITNS ----

- (1) Madhuben Apartment, Pro. Nankishore Ramkishan, Agrawal Through General power of atterney Shri Premchand Mannalal, R/o 4/2, MG Road, Indore. (Transferor)
- (2) Durgadevi Prakash.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Rcf. No. IAC/Λcqn. Bpl./6061.—Whereas, I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No 2 situated at 113, Srinagar Extension, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), have here transferred and reder the Received States.

No. Flat No 2 situated at 113, Srinagar Extension, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in March, 1985

indore in Maich, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
bulleve the the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly sinted in the each instrument of
transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferund/on.
- (b) facilitating the concealment of any income or any messeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for ise purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in wrising to the undersigned :---

- (a) by any of the aformuld persons within a period of
 46 days from the date of publication of this potice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2 (1st floor) is situated at 113, Srinagar extension, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income-tax Building,
Near Central India Floor Mills, Bhopal.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this section under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons: manually:—

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqu./Bpl. 6062.—Whereas, I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 2 situated at 113, Shrinagar Extm., Indoer

No. Flat No. 2 situated at 113, Shrinagar Extn., Indore and more fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax \ct. 1957 (27 of 1957);

- Madhuben Apartment, Prop. Nandkishore Ramkishan, Through General power of attorney Premehand Mannalal, R/o 4/2, M.G. Road, Indore. (Transferor)
- (2) Roshan B., 113, Shrinagar Extension Indore. (Transferge)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires tates:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2 is situated at 113, Shrinagar Extension, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Computent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income-tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhoapl.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subing persons, namely:—

Date: 7-11-1985

FORM TINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bul.6063.— Wheras, I. C. S. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding
Rs. 100,000/- and bearing
No. Plot No. 10-A situated at Idgah Hills, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bhopal in March 1985

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tex Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nation under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Gopichand Mulchandani, S/o Shri Rajaldas, R/o. 51, Idgah Hills, Bhopal.

(Transferor)

(2) Sh. Satishkumar Bhasin, S/o Harbanslal, 2. Mamta Bhasin, W/o Shri Satish Kumar Bhasin, R/o Idgah Hills, Bhopal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be neede in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days: from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in.

THE SCHEDULE

Plot No. 10-A is situated at Idgah Hills, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G daily verifie doy the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income-tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhonal.

Date: 7-11-1985

Seel:

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL MP

Bhopal, the 7th November 1985

Ref No IAC/Acqn Bpl/6064,—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing

Flat No. 5 situated at Scheme No. 44, Thatiwala Tank, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Affect per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s Dhureja Builders, 211, Palsikar Colony, Indore

(Transferor)

(2) Smt Bilkisbai W o Soyab Ali R/o 28/3, Ranipura, Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5 on plot No. 181 is situated at Sche is No. 44, hatiwala Tank Indoic. This is the immovable property Khatiwala Tank Indoic which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date 7-11 1985 Seal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SFC1ION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bliopal, the 7th November 1985

Ref. No. 1AC Acqn/Bpl./6065.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000- and bearing No.
Plot No. 48-D situated at Mosakhedi Indore
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Indore in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid receds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Amarnath
 S/o Shri Mohanlal Agrawal,
 R/o 25/4, Ushaganj,
 Indore.

(Transferor)

 Shri Omprakash S/o Shri Bansidharji Mittal 65, Prakash Nagar,
 Shri Mohanlal S/o Shri Ramjilal R/o 3/3, Parsi Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Plot No 38-D is situated at Moosakhed Uoh sangar, Indote. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Conspetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills,
Bhopal

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No JA: \cqn/Bpl./6066.--Whereas, I, S C SHARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income to Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No.
Plot N 20 and the house built thereon situated year Savarkar Nagar, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto). been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Indote in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property. and I have reison to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer-**2014** / c
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following person, namely :-

(1) Shir Ratardal S/o Shri Hiralal Bansal R/o 39, Veei Sayarkai Marg, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Parmanand S/o Shri Brijlal Vishwakarma, Raoji Bazar, Indoic Presently at Ujjain.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same merang as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No 39 and the house thereon is situated at Veer Savarkar Marg, Indoie. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Income Tax Building Near Central India Flour Mills Bhopal

Date · 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

المنافقة فالمنافقة المنافقة ال

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BHOPAL MP.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No IAC/Acqn/Bpl./6067.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. 91, Gali No 2 (New No. 118/2) situated at Vallabh Nagar Colony, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1008).

1908) in the Office of the Registering Officer at Indere in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-mx Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

 Shri Gopal S/o Shri Madanlal Sharma
 Shri Ishwardas S o Shri Madanlal Sharma
 Shri Mohanlal S/o Shri Madanlal Sharma & 4. Shri Subhashchandra Sharma S/o Shri Madanlal Sharma, 90/2, Vallabh Nagar, New Dewas Road, Indore.

(Transferor)

(2) Yash Grih Nirman Sahkari Sanstha Maryadit, Indore, 101, Agarwal Nagar, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as the in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 91 (New No. 118/2) is situated at Gali No. 2, Vallabh Nagar Colony, Indoie. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building, Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6068.--Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Plot No. 179 situated at Srinagar, Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore in March, 1985

for an appaient consideration which is less than the fair for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any issuesse arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265^{ct} of the said Act, to the following persons namely '-116—376GI/85

 Smt. Sushila Pandurang Angare,
 Shri Shrikant Pandurang Angare Shri Karunakar Pandurang
 Smt. Swati W/o Prati Jaranjay,
 Shri Prachi Nandkumar Damle,
 R/o 26/1, Snehlata Nagar,
 Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Chandrakala Raghuvir Singh Rathore, R/o 12, Malharganj, Indore.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notices in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot No. 179 is stuated at Srinagar Extension, Indore. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce,

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Floor Mills.
Bhopal

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE имсомы-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6069.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3 in Amber Building, situated at 13/2, M. G. Road, Indore (and more fully described in the 'chedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 15-3-1985 for an annarent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Naw, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persone namely :-

(1) Smt. Rukmari W/o Dr. Kanayo alias Kamhaiyalal Tekchandani, R/o Flat No. 3, Amber Building, 13/2, M. G. Road, Indore, Through her attorney Shri Jaikishan S/o Shri Daryanomal Chandnani, R/o 22/7, New Palasia, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Kedarmal Shyamaprased Sharma, HUF, consisting of Shyamprasad Sharma as Karta and his wife Sheeladevi Sharma and three sons— Himanshu, Arun, Manish S/o Shri Kedarmal Sharma 35, Murlidhar Sharma Road, Gauhati.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3 in Amber Building is situated at 13/2, M.G. Road, Indore. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Build n Near Central India Flour Mills Bhopal

Dato: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6070.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the lnc me-tax Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

house constructed on plot No. 13 situated at Jaora Compoundfi Indore

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 23-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as alone said exceeds the apparent consideration therefor by than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any inoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naturaly :--

(1) Shri Sadhusingh S/o Shri Harnamsinghji, R/o 13, Jaora Compound. Indore.

(Transferor)

(2) Shri Chhotubhai S/o Shri Somabhai Patel, C/o Shyamsunder Satyanarain Agrwal, 47, Agrwal Nagar, Indore, At present 127, Ramkishnagani, Bombay Bazar, Khandwa.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this nouse in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

House constructed on plot No. 13 is situated at Jaora Compound, Indore. This is the immovable property which has been described in Form No. 37-G, duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range,
> Income Tax Building,
> Near Central India Floor Mills,
> Bhopal

Date: 8-11-1985

PORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6071.—Whereas, I. S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act.), have reason to believe that the ommovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House Municipal No. 6/543, New No. 34,

situated at Dewas Road, Madhavnagar, Ujjain (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ujjain on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefor by more fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor:

(b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) 1. Shri Kalyanmal S/o Shri Laxminarayanji Jhalani, 2. Shri Mukut Bihari S/o Shri Laxminarayanji Jhalani, R/o Chhota Sarafa, Ujjain & Ratiam.

(Transferor)

 Smt. Kiranbala W/o Shri Santoshkumar
 Smt. Anjuwala W/o Shri Kamalkumar, Amarsingh Marg, Madhavnagar, Ujjain.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective pursons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said unanov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULB

House Municipal No. 6/543, New No. 34, is situated at Dewas Road, Madhavnagar, Ujjain. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Income Tax Building. Near Central India Flour Mills, Bhonal

Date : 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6072,—Whereas, I.
S. C. SHARMA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
House situated at Swarnakar Colony, Vidisha
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Vidisha on 29th March, 1985

to, an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising free; the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or my moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Thakur Tejsingh S/o Shri Moharsingh Rajput, R/o Village Paho, At present Swarnakar Colony, Vidisha.

(Transferor)

(2) Shri Manmohan Sharma S/o Shri Brijmohan Sharma, Serviceman, Swarnakar Colony, Vidisha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shull have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house is situated at Swarmakar Colony. Vidisha. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building,
Near Central India Flour Mills,
Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 15-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6073.—Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. House constructed on plot No. 80, situated at Shrinagar Colony, Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto)

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 23-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-tild exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Balkishan S/o Shri Ladhooramji 40, Agrsennagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Vimalchand S/o Shri Manakchandji Chhawra, Gandhinagar,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

House constructed on plot No. 80 is situated at Shrinagar Colony, Indore. This is the immavable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Build no
Near Central India Floor Mills.
Bhopal

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 8th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6074 -- Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Fereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing House Municipal No. 6: 281 situated at Shanku Marg,

Freeguni, Ujjain,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on 28-3 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such thansfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under rub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--137—366GI/85

- (1) Shri Kailashchand S/o Shri Radhaff shanji, R/o Maiharganj, Indore, at present Uj,ain. (Transferor)
- (2) Shri Rameshchandra S/o Shri Hariramji, Businessman, Sindhi Clony, Ujjain.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notes. in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House Municipal No. 6:281 is situated at Shanku Mark. Freeganj, Ujjain. This is the immovable property which has been described in from No. 37-G, duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 8-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6075.—Wherezs, I. S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

building No. 17/4 situated at Veersavarkor Marg. Ratlam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on March 1985

for an apparent which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of sich apparent consideration and that the consideration for such transfer as at reed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the con calment of any income or any moneys or other pasets which have not been or which ought to be discribed by the transferee for the purposes of the Indian Incorpe-tax Act, 1922 (11 of 1 22) o. the stid Act, is the Wealth-tax Act, 195? (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under rubsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Chandrakant Vyas \$/0 Shri Devilal Vyas, R/0 212, Indrapuri Colony, Indore.
- (2) Prof. Sureshchandra S/o Shri Harprasad Goyal, R/o 17/4, Veer Savarkar Marg, Ratlam.
 (Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey Bldg. No. 17/4, Veer Savarkar Marg is situated at Ratlam. This is the immovable property which has been described in form 37 [3] duly described verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date : 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn/Bpl./6076.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value Rs. 1,0,000/- and bearing No. exceeding

Agil, land situated at Gram Sikrapura, Distt. Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Burhanpur on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 is of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

117-376GL 85

(1) Shri Yuvaraj Ramvilas Mistri, Smt. Manobai W/o Shri Ramvilas Mistri, R/o Naghiri, Burhanpui,

(2) Shri Syed Ahfaj Ah, Syed Bashrath Ah, Khankah, Burhanpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same half have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land is situated at Shikarpura, Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly described by the transferee

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building Near Central India Floor Mills, BIIOPAL

Date : 6-11-1985 Seal :

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref No. IAC/Acqn./Bpl./6077.—Whereas, I,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No. Building No. 10/8 situated at Ushagani, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (0) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(1) Shii Rampal Rampiasad Kabra, HUI through Karta Rampal 5/o Shri Ramprasad Kabra. R/o 10/8, Ushaganj, Indore.

----<u>\---</u>----

(Transferor) (2) Smt. Vidhyadevi W/o Late Shii Dhanshyam Malu. R/o 7/1, Maharani Road, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) oy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

FXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No 10/8 is situated at Ushagani, Indore. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Buildin New Central India Floor Mills BHOPAI

I (: 7-11-1985 Seal :

(1) Smt Ahilyabai Devi W/o Shri Haribhavu Dev, 13, Kamala Nehru Maig, Ujjain

(Transferor)

(Transferce)

(2' Shri Balmukund Jain S/o Shii Abirchand Jain, 13, Kamala Nehru Maig Ujjain

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTAL A COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIJOPAL MP

Bhopal, the 6th November 1985

Ref No IAC/Acqn/Bpl/6078 -- Whereas I, 5 C SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 f and bearing No No Bldg No 13 (part) situated at Kamla Nehru Mark

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Uljain on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the suid Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No 13 is situated at Kamla Nehru Marg, Unain This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee

> S C SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range Income tax Building Near Central India Floor Mills BHOPAL

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accumition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said with the following persons, namely :--

6 11-1985 Date

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6082.—Whereas, I,

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immoving the content of the content

as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing No.
Plot No 139 R.M. situated at Indoic Vikas Pradhikaran Scheme No 44, Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2697 of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Shri Avtarsingh S/o Shri Sadhusingh through Attorney Shri Mohanial S/o Shri Tharachand, R/o 212, Palsikai Colony, Indore.
- (Transferor) (2) Navyug Grih Nirman Sahkati Sanstha Maryadit Indore through President Shreechand S o Shri Tarachand, 154, M. Gatiwala Tank, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building constructed on Plot No. 139 is situated at Indore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44. Indore. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building
> Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ret. No IAC/Acqn / Bpl / 6080 -- Whereas, I, C SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,0,000/- and bearing No. Building constructed on Plot No 25 situated at Tokmoaya Nagat, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indoic on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evaples of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/ar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the trainferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-secticu (1) of Section 269D of the said Act, to the following portons, namely :-

(1) Rambingle 5/o Shii Madhay Bingle, A-10, Chankyapuri Society Sama Road, Badodara, Guiarat.

(Transferor)

Sudhakar Veishvapan 5/o Shii Datatray (2) Shu Vaishapan 25, Lokmanya Nagar, Indore.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 25 is situated at Yokmanya Nagar, Indore. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly venified by the transferee.

> S C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th November 1985

Ref. No. LAC/Acqn,/Bpl./6081.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bldg. No. 6/26 situated at Vikram Marg, Freeganj, Ujjain, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ujjain on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalues of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) fastlitating the conceniment of any income or any memory or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

- (1) Shri Dharsanlal S/o Shri Amirchand, R/o Hotel Samrat, Indore Hall Mukam, Ujjaan.
- (2) Firm Tahui Glass Works through Partner Haji Mulia Taher Ali S/o Shri Haji Gulam Ali, Kanch wala R/o 27, Orapura, Bakhel, Ujjain. (Transferee)

· Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Building No 6/26 (part) is situated at Kikram Marg, Freegauj, Ujjain. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Income-tax Building
Near Central India Floor Mills, BHOPAL

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) J. Sun, Gangabar Wd/o Shri Motifal, R/o 8/1 Sati Marg, Gali No. 3, Ujjain. Shri Anandkumai S/o Shri Rameshchandraji,

R/o 7/1, Gali No. 3, Sati Marg, Ujjain. (Transferor)

 Smt. Ramarani W/o Shri Dr. Somnath,
 Smt. Kantarani W/o Shri Meghraj,
 Smt. Mamtarani W/o Shri Surendkumar, R/o 7, Bakshi Bazar, Ujjain.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6081.—Whereas, I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Building No. 8/1 (part) situated at Mohalla Khetwari, Ujjain (and more fully described in the Schodule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ujjain on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the nurposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersous, nantely '-141-366GI/85

Objections, if any of the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 8/1 (part) is situated at Mohalla Khatwadi, This is the immovable which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income-tax Building Near Central India Floor Mills BHOPAI

Date: 6-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSLE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BHOPAL MP Bhopal the 5th November 1985

Ref. No. IAC /Acqn. Bpl. 6083 —Whereas I, S. C. SHARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/ and bearing
New Plot No 567 situited at Mahatma Gandhi Marg,
(Santhosh Kutty) Indoic

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aformaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the follow ing persons, namely :-

(1 Shri Namandas Hotildis , id Pros Tikana Telgali, Siyagani, Indore through Partner Marayandas S/o Hotaldas R/o Telgali, Siyagani, Indore

(Trinsferoi)

(1) 1 Smt

Smt Varshaben W/o Shri Vikian Desai Smt Damyantiben W/o Shri Quaawattai Smt Neelaben W/o Shri Niianjan Desai, Smt Madhulikaben W/o Shri Bhaskai through Attorney Shri Vikiam S/o Shri Hukumchand, 3 R/o Telgali, Siyagani Indore

Objections, if any, to the acquisition of the said propertimay be made in writing to the undersigned '---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notic, in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 13 of M H No 567 is situated at Mahatma Gandhi Marg (Santhosh Kuti) Indoie This is the immov-able property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee

> S C SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Income tax Building Near Central India Flooi Mills BHOPAI

Date 5-11 1985

FORM FINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 7th November 1985

Ref. No. IAC S. C. SHARMA, IAC/Acqn./Bpl./6084---Whereas I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Building No. 9/106, situated at Tripolin Gate, Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersons. namely :--- 118-376GI/85

(1) Smt. Indrabal, w/o Shrl Manilalji Bakshi, 21/1, Manoramaganj, Indore Hall Mukam, Tripolia Gate, Ratlam.

(2) M/s. Rajiv Mansion through partner Kum. Seema. d/o Shri Santilalji Chouradia, r/o 126, Chandni Chowk, Ratlam.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 9/106 is situated at Tripolia gate, Ratlam. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 7-11-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP.

Bhopal, the 5th November 1985

IAC/Acqn,/Bpl./6085.—Whereas I, No.

S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Krishi Bhocmy Kh. No. 28, situated at Lal Bagh, Burhanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, us respect of any income arming from the branders and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursunce of Section 269C of the said Act, I hareby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:

- (1) Shri Navneethdas s/o Ganapathdas Lod, r/o Itwara, Burhanpur.
 - (Transferor)
- (2) President Shri Chandravati Grib Nirman Sahakari Sanstha Maryadit, Burhanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Krishi Bhoomy Kh. No. 28 is situated at Lalbagh, Burhanpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 5-11-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6086.—Whereas I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. House Constructed on Plot No. 181 situated at Indore Vikas Pradhikaran, Scheme 44, Indore (and more fully described in the Schelule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair believed that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with his object of :—

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

M/s. Gureja Builders,
 r/o 5, Gathipura, Indore
 through Partner Girdharilal s/o Ramdas,
 r/o 211, Palsikar Colony, Indore

(Transferor)

(2) Dr. Jogendra Singh s/o Shri Sardar Harbansingh, r/o 16/3, North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

THE SCHEDULE

Building constructed on Plot No. 181 is situated at Incore Vikas Pradhikaran Scheme No. 44, Indore.

This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 4961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 15th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6087.--Whereas I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No

and bearing No
House No. 16, situated at Lordganj, Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Jabalpur on March, 19885

fo. an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income assign from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any-income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sari Jaykrishna Varkhedkar S/P Narayanrao Varkhedkar, 15/16, Lordganj,

(Transferor)

(2) Shri Rakeshkumar Jain s/o Shri Dayachand, r/o 16, Lordganj, Jabalour.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16, situated at I ordganl, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferse.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 15-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th November 1985

IAC/Acqn./Bpl./6088.--Whereas I, Nα S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot bearing No. 23
situated at Major Shopping Centre, Habibganj, Bhopal
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforsaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of amore with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of thus notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Shri Raj Kishore Dikshit s/o Shri Ram Kishore Dikshit. r/o Sanichara Ward, Hoshangabad.

(Transferor)

(2) 1. Shri Begraj s/o Motiram,

Amarlal s/o Begraj,
 Liladevi w/o Baigraj

4. Vandana Devi w/o Pitamber,

5. Jaya w/o Amarlal, 6. Master Alankar (Minor)

s/o Pitamber Through Guardian Pitamber s/o

. 10 acar Sultania Kanya Vidyalaya, Shahjahanabad, Bhopal. Baigraj,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Plot bearing No. 23 is situated at Major shopping Centre, Habibganj, Bhopal.

This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date : 11-11-1984

(Transferor)

(Transferee)

PORM FINE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

AX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri Syed Masaudali s/o Syed Shahjadali r/o (Ibrahimpura, Bhopal).

Objections, if any, to the acquisition of the said property stay be made in writing to the undersigned:---

 Shri Radhavallabh Shukla s/o Munshilal Shukla, r/o 87/68, Tulsi Nagar,

Bhopal.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 11th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6089.—Whereas I, 5. C. SHARMA, seing the Competent Authority under Section 269B of the inconse-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have renson to believe that the immovable or operty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing House Constructed on Plot No. C-3, situated at Kohesiza, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on March 1985

Bhopal on March 1985
market value of the aforesaid property and I have reason to
belie"e that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax oet, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-3 & house built thereon is situated at Kohefiza, Bhopal.

This is the immovable property which has been described in form 37-O duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 11-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1985

Ref. No. IAC/Acqu./Bpl./6090.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re 100000/- and hearing

Rs. 1,00,000/- and tearing
H. No. 943/1 situated at Kamla Nehru Ward, Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer
at Jabal in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Santoshkumar Ghosh, S/o Shri Amarnath Ghosh, R/o 943/1, Kamla Nehru Nagar, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri A. A. Badami, S/o Shri S. R. Badami, R/o State Bank of India, Civil Line, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natios in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 943/1 is situated at Kamla Nehru Ward. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37G, duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 11-11-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Lamman Singh, S/o Govindsingh Dikshit, R/o Post Berdi, Teh. Sausar, District Chhindwara.

(Transferor)

 M/s Bajej Industries (P) Ltd., H.O. Nagpur Through General power of attorney Shri Madhav S/o Hari Bhau Patharkin, Nagpur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6091.-Whereas, I., S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land Kh. No. 27 situated at Vill Waghoda, Teh. Sausar, District Sthindaysor.

District Chindawara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sausar in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-parties has not been truly stated in the said instrument of said exceeds the apparent sonsideration therefor by more than fifteen per cent, of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land Kh. No. 27 is situated at Village Waghods, Teh. Sausar, District Chhindwara. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range, Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, Bhopal

Now; therefore; in pursuance of Section 269C of the said Act, & hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely :-

Date: 11-11-1983

Soal:

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6092.—Whereas, J. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Land Kh. No. 28 situated at Village Waghoda, Teh. Sausar, District Chhiefmann

District Chhindwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and under the Registration Act 1908

16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sausar on March., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evacion of the liability of the transferor to pay tag under the said Ast in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

119-376GI/85

(1' Shri Ganesh Singh, S/o Govindsingh Dikshit, R/o Beidi, District Chhindawara.

(Transferor)

(2) M, & Bajaj Industries (P) Ltd. H.O Nagput, Through General power of attorney Shri Madhay S/o Haribhau Patharkine, District Nagpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Kh No. 28 is situated at Vill, Wagdhoda, District Chhindwara. This is the immovable property, which has Chhindwara This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the trans-

> S. C. SHARMA Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range, Income Tax Building
> Near Central India Floor Mills, Phopal

Date: 11-11-1985

Scal:

PORM (TNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1985

Ref. No IAC/Acqn Bpl /6093 —Whereas, I, S. C. SHARMA, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/ and beating No Plot No 94 situated at Lala Lajpatrai Co-op. Society, Shahpura, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Bhopal in March, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to netween the
serties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, is
 respect of any income arising from the transfer,

 ind/or
- (b) 'acilitating the concealment of any income or any noneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANN. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afteresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D *1 the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri K C, Kapoor, S/o Shri D S Kapoor, R/o E-1/85 Arero Colony, Bhopal.

(Tiansforor)

(2) Shri Madhavi Kulkarni, W/o Ghanshyam Kulkarni, R/o MACT, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EdwILAMATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as siven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 14 is situated at Lala Lajpatrai Co-op. Housing Society, Shahpura, Bhopal This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee,

S C SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date · 11-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6094.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Old House No. 1050 (New No. 2364/2369) situated at
Wright Town, Jabalpur
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer

at Jabalpur in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclused by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath at Act, 1957 (27 of 1951);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/5 Singhai Paramsukh Khubchand (Partnership (firm), Through Pastners: Singhai Gyanchand, Singhai Puranchand, Singhai Laxmichand, All s/o late Singhai Premchand, 4. Rakesh Kumar, 5. Mukeshkubar both S/o Singhai Dharam Chand Jain, Sarafa Bazar, Jabalpur. (Transferor)

(2) M/s Hanuman Paper Works, Prop. Sagat Agarwal S/o late Gopichand Agarwal, R/o Gandhiganj, Raigarh. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 372, Sheet No. 152 /A, Plot No. 104 and house thereon bearing Old No. 1050 (New No. 2361/2369) (part tiereof) is situated at Whight town, abalpur. This is the i nmovable property which has been described in form No. 7.G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Jacome-tax Acquisition Range Income Tax Building Near Central Incia Floor Mills, Bhopal

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1985

Ref. No. 1AC/Acqn /P.n -60/3 —Whereas, I, S. C. SHARMA,

S. C. SHARMA, being the Competent Authorn under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Houle No. 1409 situated a Wight town, Jabalpun (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and taddy the Registration Act. 1908

has been transferred and under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Reg officer at Jabalpur in March, 1985

to an appare) consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeconsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the expect of the said instrument of transfer with the expect of the said instrument of transfer with the expect of the said instrument of transfer with the expect of the said instrument.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of to no me the ansatz; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the san Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said act I hereby initiate proceed ags for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D o the said Act, to the following wersons namely :---

(1) Sont. Rajranı Shukla, Wd/o late Shri G. C. Shukla, B-84, Agra Road, Indore.

(Transferoi)

(2) Shii Romen Oswal, S/o R P. Oswal, Chartered Accountant, 1414, Wright Town. labalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No 1409 is situated at Wright Town, Jabalpui. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central India Floor Mills, Bhopal

Date: 11-11-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AGT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P. Bhopal, the 11th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./o096.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the minnovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

and bearing
House No. 1409/1 situated at Wright Town, Jabahan (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer

et Jabalpur in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the tiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(ii) facilitating the concentment of any income or any moneys of other easets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

(1) Shri J. K. Shukla, S/o iate Shri G. C. Shukla, B-84, Agra Road, Indore.

(Transferor)

(2) Shii Ravi Oswal, S/o R. P. Oswal, R/o 1414 Wright Town, Jabalpur.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and we expressions used herein as are defined in hapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No. 1409/1 is situated at V/right Town. Jabalpur. This is the immovable property which his been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Near Central Floor Mills, Bhopal

Date: 11-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1985

Ref. No. IAC Acqn./Bpl./6097.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding

exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Plot No. 49-D Sector situated at Kohefiza, Bhopal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhopal in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the likibility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andice
- (b) facilitating the conceals: sut of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Islaina Incompetax Act, 1922 (11 of 1922) or the sold Act or the Wealth-and Act, 1957 (27 of 1937);

Smt. Sheela Raghuvanshi.
 W/o Pratapsingh Raghuvanshi,
 R/o Rajwada, Teh. Bareli,
 District Raisen.

(Transferor)

(2) Smt. Aliya Khan, W/o Allauddin Khan, R/o Itwara, Bhpoal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the salf property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 49-D Sector is situated at Koheliza, Bhopal. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferce

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central Floor Mills, Bhopal

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-11-1985

(1) Smt Maltidevi, W/o Devi Prasad Agarwal, Wright Town, Jabalpur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) M/s Friends Enterprises, Jabalpur, a partnership firm through its managing partner Shir Premkumai Chawla, 537, Bhartipur, Jabalpur

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th November 1985

Ref No. IAC/Acqn /Bpl./6098.—Whereas, I, S. C SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

and bearing No
Lay out Plot No 2 Part of Div Plot No 164 Sheet No 72
of Subhash Nagai (S No 773) Jabahpur situated at

Subhash Nagar, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16

of 1908) in the Office of the registering Officer

at Jabalpur in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the suid instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION,—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Rability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

I ay-out Plot No 2, part of Div Plot No. 146, Sheet No 72 is situated at Subhash Nagar, (S. No 773), Teh & Distt. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No 37-G duly verified by the transferee.

S C SHARM \
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central Floor Mills, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C c? he said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 15-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th November 1985

Ref. No. 1AC/Acqn./Bpl./6099.-Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Plot No. 164 (Part thereof), Sheet No. 72 situated at Subhash
Nagar, S. No. 773, Teh & District Jabalpur
(and make fully described in the Schedule annixed hereto),

(and make fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Judalput in March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trassfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 12 respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followng persons, namely :--

(1) Shri Devi Prasad, S/o Shii Tarachand Agarwal, Wright Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Kewal Kishan, Saraswati Colony, Jabalpur.

2. Jugalkishore Chawla,
S/O late Shri Inderlal Chawla, 537 Chhoti Omti, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 164 (Part thereof), Sheet No. 72 is situated at Subhash Nagar (S. No. 773), Teh. & Distt. Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax. Acquisition Range, Income Tex Building Near Central Floor Mills, Bhopal

Date: 15-11-1985

Scal:

FORM HINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 11th November 1985

Ref. No. IAC/Augn./Bpl 6100 -Whereas I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Lair market value exceeding Rs. 1,00,000, and bearing No. Part of House bearing 7 o 17 situated at Sar

situated at Sarafa Ward

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Jabalpur on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tar Agt /957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2697) of the said Act, to the follow ing persons, nameto

120-376GL 85

- (1) I. Stot. Plemwarbin Wyo, Rikhabdas Bhura,
 - 2. Hukumchand,
 - 3. Ishwarchand,
 - 4. Premchand,
 - Inderchand. 6. Devehand,

all Soo late Shri Rikhab Das. R/o Sarafa Ward, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Abbay Kumar Bhura, 8/0 Shri Khushalchand Bhura. Sarafa Ward, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotto.

EXPLANATIO&: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House municipal No. 17 (three storied) (part thereof) is situated at Sarafa Ward, Labalour. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G, duly verified by the transferee

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income To Building Near Central Floor Mills Bhopal

Date . 11-11-1985

Shrimati Jaswant Kour,
 W/o Col. J. S. Sandhu,
 R/o 6, Mandla Road, Jabalpur.

(2) M s. G. B. C. Hotel & Auto Fraders (P) Ltd., Motor Stand, Jabalpur.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 6th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl./6101.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

House and open land situated at Civil Station, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the

Office of the Registering Officer at fabalpur in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sand Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House & Nazul Plot No. 6/16, Block No. 36 (Kh. No. 27 ka part) is situated at Civil Station, Jabalpur. This is the immovable property, which has been described in form No. 37-G. duly verified by the transferee

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Income Tax Building
Near Central Floor Mills, Bhopal

Date: 6-11-1985

Seal ;

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGI, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 15th November 1985

ker No. IAC/Acqn./Ppl. 6102.-Whereas, 1, SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the incomp-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Payal Cinema Establishment bearing construction No. 685. situated at Gorakhpur, Jabalpui

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Labalpur in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any picacys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferes for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Ast, to the fellowing persons, namely :-

(1) M/s Paval Cinema Enterprises a him through its Managing Paitner Shri G. K. Sethi S o Shri S. R. Sethi, 504, North Civil Lines, Jabalpur.

(Transferor)

(2) M/s Vaibhax Enterprises Ltd., Calcutta, Through its Director: Laxminarayan, S/o Shii Madangopal Kedia of Pachapedi, Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaustie or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the and immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Payal Cinema l'stablishment bearing Construction No. 685 is situated at Gorakhpur, Jabalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37-G duly verified by the transferee.

> 5 C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Income Tax Building Near Central Floor Mills, Bhopal

Date: 15-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMM-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGL, BHOPAL, MP

Bhop if the 15th November 1985

Ret No IAC Acqa Bpl /6103 -- Whereas, I

Ret No IAC Acqa Bpl /6103 -- Whereas, I S C SHARMA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market valut exceeding Rs 1,00,000/- and bearing

Land & Bids in the campus of Payal Cinema (Land Kh No 530), Sheet No 293 situated at Gorakhpur, Jabalpur and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Jabilput in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the tan market value of the moperty as atoresaid exceeds the apparent consideration therefore is most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . of transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the inability or transferor to per ran under the mid Act, in respect of any meaning arising from the transfer; midd i r
- (b) facilitating the concealment of any propose or annioneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act to the following reisons, namely

(1) M/s Sudhashree Enterprises Jabalpur Through its managing partner 8mt Sunha Seibi, W/o 8hi G. K. Seibi, (94 North Crish Line, Jabalpur.

(Transferor)

(2) M 5 Vaibhay Interprises 1td, Calcutta, Through its Director, Shir Laxminarayan, 5/0 Shir Madangopal Kedia of Pachpedi,

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sale, property may be made in writing to the understanced -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires I ter
- (b) by any other person interested in the aid immovable property, within 45 days from the date of the publication of the class time of the Official

EXPLANATION — The forms and expressed used herein as are defined in thapte Alex or me said As shall have the same meaning as git in n that Chapter

THE SCHEDULL

Land with building in the campus of Paval Cinema (Land Part of Kh. No. 530, Sheet No. 293) is situated at Gorakh pur, Labalpur. This is the immovable property which has been described in form No. 37 G duly verified by the trans-

S (SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ring I Feome A Puilding Near Central I loop Mills Bhopal

Date 15 H 198 Seal

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M.s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170. R.N.T. Marg, Indore

(Transferor)

(2) Shn J. L. Ghurana

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL (M.P.)

Bhpal, the 5th September 1985

Ref. No. IAC /Acq/Bpl/6104,-Whereas, I,

S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herelastice referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Shop No. I (Ground floor) Thabua Towers, 170, RNT, Marg,

Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 49DD of the Incometax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec 269-A of the 'Said Act' in the office of the Competent Authority at Bhopal on March 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been tuly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

ta) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are as fixed to Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 (Ground floor), Thabua Towers is situated at 170, R_{\perp} N. T. Marg, Indore.

S. C. SHARM A
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
"Aayakar Bhavan"
Opp. Maid a Mill,
Hoshangabad Road, Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Date: 5-9-1985.

Scal:

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGL, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th September 1985

Ref. No. 1AC Acq/Bpl/6105.—Whereas, I, S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Shop No 9 (Ground floor) Jhabua Towers, 170, R.N.T. Marg,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Incometax Rules, 1962) (and the statement of transaction of which has been deemed to have been registered under Sec 269-AB of the 'Said Act' in the office of the Competent Authority at Bhopal on March 1985.

Tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the fair market value of the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration.

more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (L) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the followine persons, namely :-

(1) M s. Parijat Cinematic Enterprises (P) Ltd., 170, R.N.T. Marg, Indoic

(Transferor)

(2) Shri A. S. Duggal, Jaora Compound, Indore, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property na, he made in writing to the undersigned :--

- hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires tater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sail Act shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Shop No. 9 (Ground floor), thabua Towers is situated at 170, R.N.T. Marg, Indore.

S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner or Income-tax Acquisition Range, "Asyskar Bhavan" Opp. Maid a Mill. Hoshangabad Road, Bhop il

Date: 5-9-1985.

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGI-, BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acqn./Bpl/6106.—Wherens, 1 S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 104, situated at 2.2 R. N. Lagore Marg, Indoic (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1927 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the soid Act. I hereby initiate nonce income for the acquisition of the acoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the soid Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Choudhary Industrial and Investment (P) Ltd., 12/2, R. N. Marg, Indore
- (2) Shri Narayandas Mundra Ujjam Road, Indore.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter

THE SCHEDULE

Commercial Flat No 104 (1st floor) is situated at 12/2. R. N. Tagore Marg, Indore This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transferce

S. C. SHARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Income Tax Building
Near Central India Floor Mills BHOPAL

Date: 5-11-1985

(1) M s. Choudhary Industrial and Investment (P) Ltd., 12/2, R. N. Marg, Indore.

(Tiansteror)

(2) Shir Dheeraj Chhaperwal S/o Shri Bharat Chhaperwal. R o 14, Ratlam Koti, Indore

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGL. BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 5th November 1985

Ref. No. IAC/Acq / Bpl. / 6107.--Whereas, I, S. C. SHARMA.

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 206, 12/2, RNT Marg, Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 26%- VB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transsaction of which has been ocened to have been registered under Sec. 269-AB of the said Act in the office of the Competent Authority at Bhopal on April 1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a, facilitating the reduction or evas on of the stability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any moome prising from the transfer: リー神経 and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Commercial plot No. 106, double storeyed building is situated at 12.2, R.N.T. Marg, Indore. This is the immovable property which has been described in form 37-G duly verified by the transfered

> S. C. SHARM \ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Bhopal

Date: 5-11-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. BHOPAL (M.P.)

Bhopal, the 15th November 1985

Ref. No. IAC/Acq./Bpl./6108.—Whereas, I. S. C. SHARMA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing property No. House No. 16, Lordgani, Jabalpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under Section 269-AB of the said Act (in accordance with the procedure prescribed in Rule 48DD of the Income-tax Rules, 1962) (and the statement of transsaction of which has been deemed to have been registered 269-AB of the said Act in the office of the under Sec. Competent Authority at Bhopal on May 1985

for an apparent consideration which is less than fair market salue of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

121-376 GI · 85

(1) Shri Jaykrishna Varkhedkar S/o late Shri Narayantao Varkhedkar, 15, Lordganj, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Rakeshkumar Jain. Shri Dayachand Jain, Lordganj, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publicaton of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 16, is situated at Lordganj, labalpur. This is the immovable property, which has been described in form no 37-G, duly verified by the transferee.

> S. C. SHARMA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bhopal

Date: 5-11-1985.

FORM ITNE-

(1) MSCR Andrew Dias.

(Transferor)

(2) Gala Foundation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,

BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No.III/37-G/2682/85-86.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land at Kole-Kalyan, C.T.S. No. 5636, S. No. 301, H. No. 18

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 8-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income striving from the transfer; and/or
- (c) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of motios on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 221/82 and Registered with the Sub Registrar Bombay on 1-7-85.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. dated.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 6 11-85.

Seal ;

(1) MSGR Andrew Dias,

(Transferor)

(2) Gala Foundation.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR.III/37-G/2683/85-86.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot of land at Kole Kalyan, S. No. 301, H. No. 18, CTS. No. 5634.

situated at Bombay

and (more fully described in t8he Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-7-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any usoneys or other assets which have not been on which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

** XPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 365/85 and Registered with the Sub-Registra, Bombay on 1-7 85.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. dated.

A. PRASAD
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Auage-111,
Bombay

Dated: 6-11-1985 Seal:

(1) Atur India Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. M. T. Kukreja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE III, **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-111/3711-/17322 84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

AKHILESH PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'san' Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. All those pieces of parcels of land bearing S. Nos. 89, 90/2-3, 91, 92, 93, 252, and 3'8, village 1 hembur, S. No. 86/1, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-71 situated at Bombay and more fully described in the Schwider annexed horstole.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the India 1 Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 2690, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of land or ground of land bearing S. Nos. 89, 90/2-3, 91, 92, 53, 252 and 358, village Chembur, S. No. 86/1, Sion Trombay Road, Chembur Bombay-71.

The agreement has been registered by Authority, Bombay under No. AR-III/37EE./17322/84-85 dated 1-3-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 7-11-1985.

- (1) Shri K. C. Shah & Ors.
- (Transferor)
- (2) Mr. S. S. Runwal & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/17969/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a feir market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A piece of land, C.S. No. 887, Plot No. 27, village Chembur,

Taluka Kurla, Dist. Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha; been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be d sclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A piece of land, C.S. No. 887, 'lot No. 27, village of hembur, Taluka Kurla, Dist Boml ay.

The agreement has been registerer by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37 $\Gamma\Gamma$ /17969/84-85 dated 1-3-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-11-1985

(1) Shri J. G. Ashar.

(2) Shri S. J. Chitre & Others.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-III/37EE/18341/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-

to as the said Act) have reason to believe that the infinovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 5, Prembindu Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 1st floor, behind Beliga Hospital, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asses which have not been or which ought to be di closed by the transferee for the purposes of the Ir dian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5, Prembindu Co-op. Hsg. Soc. Ltd., 1st floor, behind Beliga Hospital, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR III/37EE/18341/84-85 dated 1-3-85.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 7-11-1985

FORM ITNS----

(1) M P Kabra,

- (Transferor)
- (2) Smt I M. Thakkar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE **INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR III/37EE/18671/84-85.—Whereas, 1. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsteer referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,66,000/-

and bearing No
Flat No 23, Bldg No A/4, Bal Ratan co-op Hsg Soc Ltd
S V Road, Goregaon (W), Bombay-62
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1 3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the conscalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No 23, Bldg No A/4, Bal Ratan Coop Hsg. Soc Ltd, S V Road, Goregaon (W), Bombay-62

The agreement has been registered by Authority. Bombay under No AR-III/37EE/18671/84 85 dated 1-3-85,

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III,

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :— Seal ;

Dated: 7-11-85

(1) Smt. S K. Walia,

(Transferor)

(2) Smt. S. S. Mehta

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 7th November 1985

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

AR-III/37EE/18238/84-85.—Whereas, I, AKHILESH PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-46, Rajnigandha Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Saomanigram, Rammandir Road, Goreagon (W), Bombay-104 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration incretor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Explanation: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Ghapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: sand/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. C-46, Rajanigandha Coop. Hsg. Soc. Ltd., Saomanigram, Rammandir Road, Goregaon (W), Bombay-104.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-III/37EE/1838/84-85 dated 1-4-85.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the vaid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stction 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

AKHILESH PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 7-11-85.

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) UP THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(1) Shri A S Bhandair

(Transferor)

(2) Smt L A Chheda & Others

may be made in writing to the undersigned :--

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE HE BOMBAY

Bombay the 7th November 1985

Ref No AR 111/37-EE 18129/84 85 -Whereas, 1, A PRASAD

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing Flat No 5 2nd floor, Vandan Apartment, S V Road, Goregaon (W) Bombay-62 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sect on 269AB of the Income-tax Art, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said unstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namedly 122 -- 376GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation -- the terms and expressions well been as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter

THE SCHLDULE

Flat No 5 2nd floor, Vandan Apartment S V Coregaon (W), Bombay-62

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR JII/37 EE 18129/84-85 dated 1-3-85

> A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range III, Bombay

Date 7 11 1985

Seal

(1) M V Sivaraman

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) G Harishkumar Menon

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE III BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

Ref No AR III/3" 1 17258 8 85 - Whiteis I, A PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income (a) Act. 1961 (13 of 1961) (nereinafter referred to as the 'sad Act') have cased to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 100,000/- and bearing

Flat No 2 Jan Krishna Co op H So Ltd plot No 15A S No 161 (pt) Berger N 11 1 11/99 situated at

Bembay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been trinsferred and the agree m nt is recistered under sect on 269AB of the Income-tax A r 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than he fair market our of he ato selffic, to rold I have reason to bit the control of the first as affected exect the apparent consideration made than little or center of such apparent consideration and the transfer as agreed to better the control of the first transfer as agreed to better the control of the first transfer as agreed to better the control of the first transfer as agreed to better the control of the first transfer as agreed to better the control of the first transfer as agreed to be the control of the control of the first transfer and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties he not been truly stated in the said instru ment of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the correctioned of any 11 ome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ray Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ead 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons vinchever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act LYPIANATION shall have the same meaning as given us that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 2, Jai Krishna Suduma Co op Hsg Soc Ltd, Plot No 16A, S No 161 (pt) Bangur Nagar, Boinbay-90
The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR III/37 EE/17258/84-85 dated 1-3-85

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore p pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby include proceedings for the acquisition of the information of ' * 1 etis under sub rection (1) res in i mely

7 11 1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

17 15 "

(1) Shrift .

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI-III BOMBAY

Bombay the 7th November 1985

No. AR-III/37EE/18361/84-85—Whereas, I, A PRASAD,

being the competent authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to (and more fully described in the Schedule annexed hereto), as the 'said Act') have reason to believe that the immovible property having a fair market value exceeding

Rs 1,00 000/- and bearing No Flat No 6 Bldg No 8, ground floor Piramal Smutti Co op Hsg Soc Ltd S V Road, Goregaon (W) Bombay-62 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Art 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-4-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. 15 respect of any income arising from the transfer and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursua de of Section 2011 to the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely.

Objections, if any, to the acquisition of the said property has be made in writing to the undersigned: -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or 1 period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the sublication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION The terms and expressions used herein as are a niced in Coapter XXA of the said Act, shall have it came meeting is given in that Chapter

711 6 14 17 11

Hat N , Pld r C e door Pitamal Smurti co op H g Soc I d S V P al Goregoon (W) Bombay-62. The agreement his here iso fored by the Competent Authority, from h v or less that d 1 4 85.

A PRASAD Competent Authority Competent Authority

A c in C iniss 2 2 of Income-tax

A cini tion Page III Pombry

D to 7-11 1985 5-31.

(1) Shri Narayanan Subramaniam

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. B. Purohit

(Transferce)

GUVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR. 111/37-EE/18628/84-85.-Whereas, J, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 9, Bldg. No. A-4, Bal Ratna Co. op. Hsg. Soc. Ltd., Mahesh Nagar, S. V. Road, Goregaon. (W), Bombay-62 situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 9, Bldg. No. A-4, Bal Ratna o. op. Hsg. Soc. Ltd., Mahesh Nagar, S. V. Road, Goregaon (W), Bombay-62.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. III/37EE/18628/84-85 dated 1-3-85.

THE SCHEDULE

A PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section 1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :-

Dated 7-11-85 Scal:

FORM I.T N.S .--

(1) Smt. Neclu alias Kamla H. Thakur.

(2) M/s. Patel Developers.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. AR-III/37FE/17294/84-85. - Wheeas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property having a fur market value exceeding

Rs. 1,00.000₁- and bearing No.

A piece of land, S No. 146, H No 11, 90' (Feet) D P.

Road, Mulund (E), Bombay-81 situated at Bombay
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Art, 1961, in the Office of the Competent Authority at of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offic'al Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given it that Chapter.

THE SCHEDULE

Piece of land, S. No. 146 H. No. 11, 90' (feet) D. P. Road.

Mulund (E), Bombay-81.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-III/37FE/17294/84-85 dated 1-3-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Dated: 6-11-1985

Seal -

(1) MSGR Andrew Dias

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Gala Foundation

(Transferee)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 25th October 1985

No. AR III/37FF/17747/84-85.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00,000 and Land at Kole Kalyan bearing C.I.S. No. 5634, S. No. 301,

H. No. 18, Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the lindian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act 1957 (27 of 1957); (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the netter in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land at Kole Kalyan, bearing C T.S. No. 5634, S. No. 301, H. No. 18, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay ander No AR-III/37EE/17747/84-85 dated 1-3-85.

A. PRASAD Competent Authority Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Bond

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ---

Dated: 25-10-85

in the control of the

(1) Smt. S. V. Mebta & Ors

(Transferor)

(2) M/s. Hnalal & Co.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR. IV/37EE/16021, 84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

I lat No. 60, 3rd floor, (Satyam). Satyam Bldg., S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (a) facilitating the reduction or evasion of linbility of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising the transfer: + nu / 01
- (b) facilitating the concealment of v income or anv moneys or other assets whire have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian (11 of 1922) or the said Act. 1957 (27 of 1957):

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perions, hichevel period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION Act, shall have the same meaning as given n that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 60, 3(d. Lor (Satyam) Satyam Bldg, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay 67

The agreement has been registered by the Competent Authority, Pombar under No. AR. IV, 16021/84-85 on dated 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the aid Act, to the followins persons, namely: -

5-11-1925 Dated

Seal

FORM ITNS

(1) Smt Geeta Vinod Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt Rama N De at & Ots

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay the 5th November 1985

Ref No AR JV/37EE 15720/84-85 - Whereas I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/ and bearing No Flat No 6, Bldg A-Sanghvi Apartment, Kandivli (W), Bombay 67 studied at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act 1961 in the office of the Competent Authority of Bombay on 1 3 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the dorestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the counderston for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for me purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said minor able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flit No 6 Building A Sanghvi Apartment, Kandivli (W)

The agreement has been registered by the 4-omp tent Authority Bombay under No $\Delta R \, \, \rm IV / 15720 / 84.85$ on dated 1.3-85

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range IV Bombiy

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act I herely initial projecting, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Seemon 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

5 11-1985 Dated

FORN MAC ---

(1) Smt. Gitabai K. Fadtre

(Transferor)

(2) T. H. Chhabria

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (1) OF 1961

GOVERNMENT OF 'A' A

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-T \X

ACQUISITION PANGE-1/, EUMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/15667/84-85.-Wharpas I. LAXMAN DAS,

being the Competen' Authority under Cotion 250B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (berein the observed to as the 'said Act'), have major to be the said Act'), have major to be the said Act').

as the 'said Act'), have reason a, his we are the memorable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000/- and bearing
Shop No. 12, ground floor in Ghandhyem 11 ger memises
Co. op. Hsg. Sety. Ltd., Trikamder Road Continuity (W).
Bombay-67 situated at Bombay
(and more fully described in the Schedul case of hereto)
has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometor Act 1001 is the office of the Competent Authority of
Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less that the factors.

for an apparent consideration which is less, the twice market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration theretoe by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction in everyon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or:
- (b) facilitating the concealment of pay income or any moneys or other psech, which we ren or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Incompets, Act. 1922 (11 of 1922) or the said Acr. 1937 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12, ground floor Ghanshyamnagar Premises Co. op. Hsg. Scty. Ltd., Trikamdas Rd., Kandivli (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15667/84-85 on dated 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the cognition of the aforesaid property by the issue of this nutice under subsection (1) of Section 26°D of the said Act, to be following persons, namely:-123-376GI/85

Dated: 5-11-1985

(1) Shri H. K. Shah

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Nir Mala, G. Davda & Ors.

(Transferec)

1111 1101, 1701 (43 OI 1701)

FFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/15548/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

seing the Competent Authority under Section 269B of the second-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Om Shyam Sarjit Co. op. Hsg. Scty. Mathuradas Road End, Kandivii (W), Bombay-67 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the health of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 or 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at Om Shyam Sarjit Co. op. Hsg. Scty, Mathuradas Road End, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR. IV/15548/84-85 on dated 1-3-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Dated: 4-11-1985

(1) Atul Development Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) D. S Mulye

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. AR.IV/37EE/15709/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Atul Tower, Flat No. 406, Mathuradas Extn. Road, 4th floor, Near Dattani Gram Kandivli (W), Bombay-67 situated at

Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 Jays period from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable properly, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer 104 /OI
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 406, Atul Tower, Mathurdas Extn. Road, floor, Near Dattani Gram Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ΔR . IV/15709/84-85 on dated 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Dated: 5-11-1985

(1) Mr. S A. Hatiari

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s Jay Gopal Plywood

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR. IV/37EE/15771/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to sas the 'said Act'), have reason to believe that the improvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 6, ground floor, Manish Apartmert, Dr. Dalvi Rd, Kandivli (W), Bombay-67 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act 1961 in the office of

section 269AB of the income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the concealment of any incense of any moneys or other assets which have not been or (b) facilitating the consealment which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

(a) by ar on the arcressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Ottolal Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, words the respective persons,

b, n=0 are, present interested in the said immerator, respectively within 45 days from the date of the n represents the Official Gazette.

to use and expressions used herein as to need in Chapter XXA of the said-記ない かくい At shall have the same meaning as given no (hapter

T-101-T

Shop No 6, ground floor, Manish Apartment, Dr. Dalvi Road, Kandivli (W).

The eggs in Las been registered by the Competent Logo. 1, 1 der No. AR. IV/15771/84-85 on Augo., 7, cated 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this actics under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, mamely :-

Dit d . 4-11 85

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s J. S Builders.

(Transferor)

(2) Mr. S. C Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th Novaber 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15776/84 85 — Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Annions, and Scho. 2698 of the income-tax act, 1901 (45 or 1901) (incomatter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair that act reason societing exceeding as. 1,00,000/- and told my two.

Flat No. 2, ground no 1 1/2 2-4 A Wing, Shankar

Lane, Kandivii (W), wond i, 6.

tand more fully described in the benefit anniexed hereto), has been transferred and the acts for its right seried under section 269AB of the linear. The first in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparaent consideration which is less than the fair market value of the moreonary projectly and i have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration instead by more than fitteen per cent of such apparia, consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the realisation of evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- moneys or other as ets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the 1 nd an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceed by the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this no ice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2, ground floor, Meera Apartment, A-Wing, Shankar Lane Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/15726/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date · 4/11/85 Seal :

(1) Sterling Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kamlavati V. Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16002/84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. C-8, ground floor Raj Rachna Apartment, Hemu

Kalani Cross Rd. No. 3, kandivili (W). Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No C-8, ground floor, Raj Rachana Apartment, Hemukalani Cross Road No. 3, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16002/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4/11/85

(1) M/s. Rajlaxmi Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. R. N. Dhakan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15570/84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Aut, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to bolieve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 48, 4th floor, Shivam Bldg. S. V. Rd., Fatehbaug,

Kandivli (W), Bombay-67.
(and more fully described in the Schedule anaexed hersto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as meroraid exceeds the apparent consideration therefor by mare than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer in agreed to between the parties has not been truly sented in the suits instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the printerestes of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in filmt Chapter.

(a) facilitating the reduction or evanion of the Hability of the transferor to pay tent under the said Aid, in est of any income arising from the trainsfer;

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 48, 4th floor Shivam Bldg. S. V. Road, Fatehbaug Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/15570/84-85 on 1-3-85

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :--

Date: 4/11/85

(1) M. R t. 1 1 3 1 1

(Transferor)

(2) Mrs. S A. Shiide.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE 15742/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 25-B, 2nd floor, Dattam Apartment No. 4 at Parekh Nagar, 5. V. Road, Kandyln (N), Bombay-67. (and more fully described in the Schrödule annexed hereto), has been transferred and the agreement's registered under section 269AB of the Incomercian Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pc. cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been ruly stated in the said instru-ment of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be inclosed by the transferee for the purposes of the Irdian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sad Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Original Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period exerces later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with a 45 days from the date of the publication of this perice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 25-B 2nd floor Dattani Apartment No. 4 at Parekh Nagar, S. V. Roa', Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/15742/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tar Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4/11/85 Seal:

FORM ITNS----

(1) M/s. Samrat Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s Tina Steels.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV, 371 H, 15861, 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 /- and bearing

Flat No. A 301 on 3rd floor Shanta Apailments at 369 C, S. V. Road, Kandivli (W), Bomb iv-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Liconie-tax Aci, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of an income assigns from the transfer and less and less are income as expenses.

THE SCHI DULF

(b) facilitating the conceannest of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladian income-tax Act, 1922 (11 of 1912) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. A 301, 3rd floor Shanta Apartments, 369-C, S. V. Road, Kandivl. (W) Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV, 15861/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby ratiate proceedings for the acquisition of the sforesaid propert" by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following COMORS DANS 124-376Gt/85

Date: 4/11/85

FORM ITNS——

- (1) M/s. Samrat Builders.
- (Transferor)

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15762/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. A-204, 2nd floor, Shanta Apartments, 369-C.
S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purties has not been truly seated in the said instrument of transfer with the select of:— (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in whiting to the undersigned:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein his are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

Flat No. A 204, 2nd floor Shanta Apartments, 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15762/84-85 on

(b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Rombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691 of the said Act, to the follows. ing persons, namely :--

Date: 4/11/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ashish Constructions

(Transferor)

(2) N. M. Mody (H.U.F.)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

Ref. No. ARIV/37EE/15662/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602, G. K. Nagar Bldg. No. 1, Shankar Lane,

Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the sarties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor-
- ,b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); /

THE SCHEDULE

Flat No. 602, G. K. Nagar Bldg, No. I. Shankar Lane, Kandiyli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. ARIV/15662/84-85 on Authority. 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely :-

Date: 4/11/85

FORM ITNS————

(1) Sterling Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhagwandas S. Shah & Ors

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16003 84-85.—Whereas, 1,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Raj Rachana Apartment, Hemu kalani Cross Road No. 3, Kandudi (W)

Road No. 3, Kandivli (W),

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

nas been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Raj Rachana Apartment, Hemu Kalani Cross Road No 3, Kandivli (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/16003/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4/11-85

(1) M/s. Samrat Builders.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15859/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetat Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-202, 2nd floor, Shanta Apartments, 369-C, S.V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more han fifteen per cent of such apparent consideration and that hereonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No A 202 2nd floor Shanta Apartments. 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15859/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 4/11/85

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM I.T.N.S.----

(1) M/s. Ashish Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Natvarlal Manilal Mehta & Mr. V. N. Mehta

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15399/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 202, 2nd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, Shankar Lane, Kandivil (W). Bombay-67.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatta.

REFEANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15399/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4/11/85

FORM ITNS----

(1) M/s. Samrat Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15760/84-85.—Whereas, J.

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A 203 on 2nd floor Shanta Apartments, 369-C. S. V. Road, Kandivli (W). Bombay-67. (and more fully described in the Schedule anaexed hards),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetté.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein 88 are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A 203, 2nd floor Shanta Apartments, 369-C, S. V. Road, Kandivli (W). Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/15760/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :---

Date + 4/11/85

Seal ·

(1) M/s. Ashish Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. R. N. Paickh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

(AFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15668/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable the income tax act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable to be acceptant to the exception Pe 1 00 000] property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No.
Flat No. 402, G. K. Nagai Bldg. No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;

r/o Fatchabad Teh. Fatchabad.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 402, G. K. Nagar, Bldg. No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W). Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15668/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of he said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4/11/85

(1) M/s. Ashish Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kirtikumar. P. Shah & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, ВОМВЛУ

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15400/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) Thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, G. K. Nagar Bld. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully describ d in the schedule annexed here'o), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income ax Act, 1961 in the office of the Computer Authority at Bombay, app. 1.3, 1985 the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer and /or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this potice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation:-The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given is that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, G. K. Nagar Bld. No. 1, at Shankar Lane. Kandivll (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15400/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--125-376GI/85

Dato: 4-11-1985

(1) M/s. Reliance Printing Press.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. B. V. Nair & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15915/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Shop No. 31, ground floor, Samruddhi Shopping Centre, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67. (and more fully described in the schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIFN.:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 31, ground floor, Samruddhi Shopping Centre, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/15915/84#85 on Authority, 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 4-11-1985

(1) M/s. Samrat Bu'lders.

(Transferor)

(2) M/s, Tina Steels.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15763/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

Flat No. A-104, Ist floor, Shanta Apartments at 369-C, S. V. Road. Kandivli (W) Bombay-67 (and more fully described in the schedule annexed hereto).

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Application at 13 1985.

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration with its less than the fall market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) Exacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-104, 1st floor, Shanta Apartments, at 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authoriy, Bombay under No. ARIV/15763/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 4-11-1985

(1) M/s. Samart Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

JFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication, of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

Ref. No. ARTV/37EE/15858/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-302. 31d floor, Shanta Apartments, at 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than bitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to or disclosed by the transferee for the purpo es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Flat No. A-302, 3rd floor, Shanta Apartments, at 369-C. S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15858/84-25 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the enid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said act. to the follow ing persons, namely :--

Dato: 4-11-1985 Scal :

- (1) M/s. Karwill Corporation.
- (Transferor)
- (2) Shri N. H. Nagda.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15510/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No.

Shep No. 2, ground floor, Sabarmati Apartment, Village

Vadhwan, Kandivli (E), Bombay-101 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of said apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

(a) facilating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in passuance of Sett on 169C of the said Act, I hereby initiate proceedings for a requisition of the aforesaid property by the issue of this trace under subspection (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shep No. 2, ground floor, Sabarmati Apartment, Village Vadhwan, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/15510/84-85 on Authority, 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4-11-1985

Seal .

(1) Gosalia Sales Corporation.

(Transferor)

(2) Shri K. J. Danjiani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15673/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Jacome-tax Act, 1961 (43 of '961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason o believe that the immovable property having a fa'r market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1, Hiral House, M.G. Road, Kandivli (W),

Bombay 67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the cors detation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULB

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Shop No. 1, Hiral House, M. G. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15673/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 4-11-1985

Sent :

(1) M/s. Samrat Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15765/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable research believe that property, having a fair market value exceeding able

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No A-102, Ist floor, Shanta Apartments, 369-C, S. V. Read, Kandivli (W). Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 23P-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sursection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the same immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-102, first floor, Shanta Apartments at 369-C. S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bomaby under No. ARIV/15765/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4-11-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Samrat Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15769/84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable proparty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

and bearing
Flat No. A-103, first floor, Shanta Apartments, 369-C, S.
V. Road, Kandivli (W). Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement i registered under
section 269AB of the Income-tax Ac', 1961 in the office of
the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985
for an apparent unsude at in which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by mo e than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given on that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. A-103, 1st floor, Shanta Apartments, 369-C.S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by he Computent Authority, Bombay under No. ARIV/15769/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Donibay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow has persons, namely .-

Date: 4-11-1985

(1) M/s. Samrat Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Mala Mohanlal Khira.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT 型 COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15916/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property having a fair market

value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. A/504, 5th floor Shanta Anartments at 369-C,
S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67
(and more fully described in the Schedule a maxed hereto),
have been transferred and the agreement is registered under has been transferred and the agreement is reg stered under section 269AB of the Income-tax Ac. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 13-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property of 1 in the reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer ind/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaetzte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No A/504, 5th floor, Shanta Apartments at 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/15916/84-85 on Authority, 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4-11-1985

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

126--376GI/85

(1) M/s. Samrat Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Tine Steels.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15764/84-85.—Whereas, I. IAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing Flat No. A-401, fourth floor, Shanta Apartments at 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-401, fourth flooor, Shanta Apartments, at 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/15764/84-85 on Authority, 1-3-1985

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-11-1985

(1) M/s. Samrat Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15761/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. A-201, 2nd floor, Shanta Apartments at 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in he Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered undersection 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market valle of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any propeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-201, 2nd floor, Shanta Apartments, 369-C. S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15761/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-11-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Sam at Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Mys. Tima Steels

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15767/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unine able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. C-207, 2nd floor, Shanta Apartments 369-C, S V. Road, Kandivli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereta), has been transferred and the agreement i registered under section 269AB of the Income-tax Ac., 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect to any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose? by the transferree for the purposes of the Ind', a Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) r the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by may on the affice and persons wanin a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Office at Carette or a period of 30 days from the survice of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other paren intercated in the said immovable property we find days from the date of the publication of the nonce in the Official Gazette.

EXPLANATION: "The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

\[\frac{\chapter}{2} = \chapter \frac{\chapter}{2} \]

The thirty the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. C-207 on 2nd floor, Shanta Apartments, 369-C, S. V. Road, Kandish (W), Bombay-67.

The are raem has been registered by the competent Anticolor, Booking timber No. ARIV/15767/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting As in int Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—.

Date : 4-11-1985

FORM ITNS----

(1) M/s. Samrat Builders.

(Transferor)

NOTICE JNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITOAN RANGL-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15862 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (28 of 1964), in tenh her referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the removable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. A-101, 1s floor, Shanta Apartments, 369-C S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67

situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 2001 or the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computer. Authority at Income-tax Act, 1961, in the Office of

Bombay on 1/3/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (b) facilitating the concealment of any income or of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets v fich have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the seid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned . -

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein defined in Chapter XXA of the said Act thall have the same meaning as given in

THE SCHEDULE

Fla. No. A-101, 1st floor Shanta Apartments at 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Com-Bombay under No. ARIV/37EE/ petent Authori'y, Bor 15862/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4/11/1985

43414

FORM ITNS

(1) M/s. Trilok Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Shri J. D. Lad.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITOAN RANGE-IV
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE, 15940/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 3, ground floor Dunderam Bldg. S. V. Road, Fatch-

baug, Kandıvli (W), Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1/3/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

- (a) facilitating the reduction or evarion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any lucome arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor Sunderam Bldg. S. V. Road, Fatehbaug, Kandivli (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/ 15940/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 4/11/1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. Trilok Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. J. R. Patel & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITOAN RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15557/84-85,--Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No 5, ground floor Sunderam Bldg. S. V. Road, Fateh-baug, Kandivli (W), Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authori'y at

Bombay on 1/3/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and or
- (b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 5. ground floor Sunderam Bldg. S. V. Road Fatehbaug, Kandivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Com-Bombay under No. ARTV/37EE/ petent Authority, Box 15557/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Rombay

Date · 4/11/1985

FORM ITNS ---

(1) M/s. Ashish Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. Paru. K. Kapadia.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A CONTRACT OF THE PARTY OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITOAN RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE 15520/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the inamovable property having a rain market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 703, 7th floor, G. K. Nagar Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1/3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the corsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Seal:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, G. K. Nagar, Bldg. No. 1, at Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67. 製品が

The agreement has been registered by petent Authority, Bombay under No. 15520/84-85 on 1-3-85. the ARIV/37EE/

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said At, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 4/11/1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Mrs. B. R. Gajaria.

(Transferor)

(2) Mr. Navin G. Thakkar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITOAN RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV 37EE/15418/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable prope ty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing

Flet No 23, Dattani Apartment No. 4, at S. V. Road, Kandivh (W), Bombay-67

situa ed at Bomb iy

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authori y at Bombay on 1 3/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ir that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income to any rmoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd floor B. Wing Dattani Apartmen: No. 4, at S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15418/84-15418/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-127--376GI/85

Date: 4/11/1985

Şeal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Sterling Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF 1HB

(2) Smt. Rashmi Harishkumar Shah.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITOAN RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16004 '84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 23 the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. B 6, ground floor Raj Rachana Apartment, Hemu Kalani Cross Road, No. 3, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fu'ly described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authorly at

Bombay on 1 3/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arcresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partier has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, for respect of any income arising from the transfer and los

THE SCHEDULE

Flat No. B-6, ground floor Raj Rachan Apartmen., Hemukalani Cross Road No. 3, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Atuhority, Bombay under No. ARIV/16004/84-16004/84-85 on 1-3-85.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4/11/1985

FORM ITNS ...

(1) M/s. Ashish Constructions.

(Transferor)

(2) Mrs. V. N. Mody.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

. -- - -- -----

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15663 184-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 601, G. K. Nagar Bldg. No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and he agreement is registered under section 169AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given o that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, G. K. Nagar Building No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15663/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 4/11/1985

(1) Ms. Samrat Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steels.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV 37EE /15860 /84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. C-107. 1st floor Shanta Apartmens, at 369-C S. V.
Road, Kandivli (W), Bombay-67
(and more fully described in the Schedu'e annexed hereto),
has been transferred and he agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 ni the office of the Competen Authority at Bombay on 1,3/1985

market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfe with the object of :-

- w) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cright to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initial: crocseding for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the requisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette. (b) by any

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. C-107, 1st floor Shanta Apartments, at 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the pe ent Authority, Bombay under No. ARIV/15860/84-85 on 1-3-85. Com-Bombay under No. ARIV/37EE/

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Cimmissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Dato: 4/11/1985 Scal:

PART III -SEC. 11

43421

FORM ITNS-

- (1) M/s. Ashish Constructions.
- (Transferor)

(2) Mr. B. D. Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE 18669/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the income the Brown of the Property having a law marker value exception

mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating Flat No. 502, G. K. Nagar Bldg. No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and he agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computer Authority at the Competent Authority at

Bombay on 1 3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and the property as a consideration and the property and the pr the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this now in the Official Gazette or a period of 30 days at the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 502, G. K. Nagar Bldg. No. 1, Shankar Lane, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15669/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4/11/1985

FORM LT.N.S.-

(1) M/s. Excel Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Paresh Atmaram Soni.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15745/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income [ax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 10, Shiv Darshan Bldg, at S. V. P. Road opp. Municipal Gatden, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), here here temperatured and her accountered winder.

has been transferred and he agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competen. Authority at Bombay on 1/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that, fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULB

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1987);

Shop No. 10, Shiv Darshan, opp. Munic S. V. P. Road, Kandivli (W), Bombay-67,
The agreement has been registered by petent Authority, Bombay under No. Municipal Garden. Comthe No. ARIV/37EE/ 15745/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4/11/1985

Scal:

(1) Mrs. J. T. Mistry.

(Transferor)
(Transferec)

(2) M/s. Shreeji Builders.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE '16006/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of he Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1.00 000 /2 and hearing

Rs. 1.00.000/- and bearing
No land with S. No. 110 Hissa No. 1, C.T.S. No. 68 & 68(1)
to (9) Malad North & Municipal R-Ward, S. V. Rd,

Kandivli (W), Bombay-67

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement in regis ered under section 269AB of the Incometax Act, 1961 ni the office of the Competen Authority at Bombay on 1/3/1985

for in apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneye or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by many other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land with S. No. 110, Hissa No. 1, C.T.S. No. 68 & 68 (1) to (9) Malad North & Municipal R-Ward Nos. 1071-1075, at S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16006/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS
Competent Au hority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4/11/1985

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

AR-IV/37EE/15446/84-85.---Whereas, I, Ref. No.

LAXMAN DAS, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinalter referred to as the 'said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a section of the immovable property and bearing fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 209 on 2nd floor Wing A in the building known as Ashoka Tower, situated at Kulupwadi Road, Borivli (Ea t), Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and he agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 ni the office of

the Competen Authority at Bombay on 1 3/1985 which is less than the fair market value of the aforesaid proporty and I have reason to believe that the fair market valu: A me property as aforesaid exceeds the apparent considera-uon therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

ca) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the gaid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 209 on 2nd floor, Wing 'A' in the building known as 'Ashoka Tower', situated at Kulupwadi Road, Borivil (E), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV/37EE/15446/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tix Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Dato: 4/11/1985

FORM I.T.N.S.

(1) Copia Graceis Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/ Toy Sect

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EF/15426 84-85.- Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoving the said Act's accelerate the expension of the said Act.

roll as the said Act), have featon to believe that the himovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and beating Flat No. 201 on 2nd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA FOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 VB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

at Bombay on 1-3-1985

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consinderation theregfor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the basideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and los
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made a setting to the nudersigned :--

- (n) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as the defined in Chapter XXA of the said act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Bough (Fed) Bonday-400 066

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-IV/37EE/15426-84/85 on 1-3-1985

LAXMAN DAS Competent Authority
In part of Artistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

128-376GL 85

D + + 1 [1-10 -Scil

FORM ITNS----

(1) Goyal Bullders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV//37EE/15438 84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No. Flat No. 302 on 3rd floor. Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWIR' situated at Kulupwadi Road. Borivli (East) Bombay-400,066.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Art. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of i—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income anxing from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957)

Flat No. 302 on 3rd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Botivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15438/84/85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date . 4-11-1985

FORM I.T.N.S.

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ret. No AR-IV/37LE/15443/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing Flat No. 108, on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Borivli (East) Bombay-400 066.

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than after per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transfere(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metics call the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used breein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 108, on 1st floot, Wing 'B in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (Fast) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Scrial No. AR-IV/37EE/15443/84/85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1, of Section 2691) of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 4-11-1985

No. USAG er af

FORM IINS ----

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Tina Steel.

and the state of t

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref No AR-IV/37E1, 15474/84-85 —Whereas, 1. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (neremafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair mapket value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No 208 on 2nd oor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOK' TOWFR situated at Kurupwidi Road, Bouyli (East) Bombay 400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax act, 1961, in the Office of the Competent Authority at at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the falt market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforest the expension he input in consideration therefor he more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or coron of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the requisition of the aforesard property by the rising confined and cell to the following persons, namely: ---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1 YPI YNATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Hat No. 208 on 2nd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road. Borryli (East), Bombdy-400066

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay, under Serial No AR-IV/37EE/15474/84/85 on 1-3-1985

I VMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date 4 11 1985 Seal :

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/371 B/15457/84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred ta as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 109 on 1st floor, Wing 'A' in the building known
as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road,

Borivii (East) Bombay-400 066. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration thereof by more than of the property of such apparent consideration and that than fif.een per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazzete or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 109 on 1st floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Bouvli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Scriul No. AR-IV/37EE/15457/84/85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, ramely :~~

Date: 4-11-1985

Seal .

FORM ITNS —

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No AR-IV/37L-L/15453/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000, and beating
Flat No. 109, on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOK' FOWER' situated at Kulupwadi Road,
Botivli (East) Bombay-400 066.

fand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mamorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 109 on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, as 'ASHOKA TOWER', situs Botivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. \R-IV/37EB/15453/+84/85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 4-11-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Tina Steel.

(fransferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IX BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bombay, the 4th November 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AR-IV/37FE/15428/84-85.---Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immov-

as the said Act) have least to believe that the himbounded property, having a tail market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing. Flat No. 209 on 2nd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWFR' situated at Kulupwadi Road. Borivli (Fast) Bombay-400 065 (and more fully described in the schedule annexed hereto).

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incomestix Act 1961 in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

at Hombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of fransfer with the object of :--

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as we defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 209 on 2nd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15428/84/85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 4-11-1985

FORM ITNS----

- (1) Goyal Builders Private Limited
- (2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV ΒΟΜΒΛΥ

Bombay, the 4th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-JV/37EE/15430/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'taid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 208 on 2nd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at kulupwadi Road. Borivli (East) Bombay-400 066.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AR of the Income-tax Art. 1961, in the Office at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette..

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 208 on 2nd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15430/84/85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following versons, namely :-

Date: 4-11-1985

Seal

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15442/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

be ng the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax act 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 308 on 3rd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situa'ed at Kulupwadi Road. Borivli (East) Eombay-400 066.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority, at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of traignfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 308 on 3rd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivii (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15442/84/85 on 1-3-1985.

(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

129-376GI /85

Date: 4-11-1985

FORM ITNS----

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15433/84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Composent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the 'mmov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Flat No. 202 on 2nd floor Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWTR' situated at Kulupwadi Road Borivli (Fa t) Pombas-100 066

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1968 (16 of 1008) in the Office of the Registration Coffice etc.

1908) in the Office of the Registering Officer at

at Bombay on 13-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; भक्षे / का

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the proposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (27 of 1937):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on 2nd floor, Wing A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road. Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EB/15433/84/85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I cereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, in the following persons, namely:---

Date: 4-11-1985

Scal:

FORM NO. I T.N.S.-

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transfergr)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT SIONER OF INCOME-TAX, COMMIS

> ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15436/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable pro-

the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101, on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regis ered under section 269 AB of the Incomestax Act 1961 in the Office. section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in he Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

Tor an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Williafer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evusion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of easy income arising from the transfer: and /or
- (h) facilitating the concealment of any income or any M moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 4 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the raid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the followaforesaid property by the issue of "bis notice", under subing persons, andely '--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULF

Hat No. 101, on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWFR', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No AR-IV/37/5436/84/85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4-11-1985

Scal:

(1) Goval Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15440/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinsfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 305, on 3rd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066. (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

at Bomoay on 1-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi

(b) facilitating the concealment of any income or any nickeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ray Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of that notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires linter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :- The terms and expressions used betein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, on 3rd floor, Wing 'A' in the building known 'ASHOKA TOWER', situate at Kulupwadi Road, as 'ASHOKA TOWER', situate at Kulupwadi Road, Borivii (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15440/84/85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-11-1985

(1) Goyal Builders Private Limited.

= = --

(Transferor)

(2) M/s Tina Steel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV, 37EE, 15424, 84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the ammovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 308 on 3rd floor Wing B' in the building known as ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (Fa.t) Bombay-400 006

ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivii (East) Bombay-400 006 (and more fully described in the Schedule annexed harcto), has been transferred and the agreement is registered unfor section 269 AB of the Incomestar Act 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- ia) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308 on 3rd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOK' TOWER', situated at Kulurwidi Road, Berivli (Ea.t) Bombay-4'90 966. The agreement has been registered by the Competer' Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15424/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in cursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely : --

Date: 4-11-1985

Scale

FORM TINS----

(1) Goyal Builders Private Limited

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No AR-IV, 37-EE/15456/84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS,

ing the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able projecty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing fact No. 302 on 3rd floor Wing 'A' in the building known as 'ASHOK. FOWER' cituated at Kulupwadi Road, Borivli (Eac) Pombay-400 066 (an I more fully the cribed in the Scedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is ass than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- a) facilitating the reduction of evasion of the liability if the transferor to pay tax under the said Act in respect of any moome arising from the transfer; and for
- (b) imilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2090 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the ato esaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the and Act, to the follow-

ing persons, namely :- ~

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor. Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivil (East) Bombay-400 066. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15456/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 4-11-1985

(1) Goyal Bulders Private Limited

(Trensferor)

(2) M/s. Tina Steel

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15455/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Pa 100 000 and have not

Flat No. 301 on 3rd floor Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borlyli

(East) Bombay-400 066

(and more fully described in the Sch. Aule annexed he eto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922—(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1927 (27 of 1927):

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301 on 3rd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay 400 066. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No ARIV/37EE/15455/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4-11-1985

(1) Goyal Builders Private Limited

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

A OUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15469 84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the a empetent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 105 on 1st floor Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East). Rombay 400,066

(East) Bombay-400 066

(East) Bombay-400 066 (and more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid for code the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expressions used herein as **EXPLANATION** are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax. Act. 1922 (1) of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULB

Flat No. 105 on 1st floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Ku'upwadi Road, Borivil (East) Bombay-400 0.6. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No ARIV/37EE/15469/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforespil property by the saue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely :---

Dato: 4-11-1985

Soul:

(1) Goyal Builders Private Limited

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel

(Transfer

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15468/84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and hearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No 102 on 1st floor Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-rection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

130-376 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 102 on 1st floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15468/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4-11-1985

Scal:

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15473/84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 105 on 1st floor Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (Eaxt) Bombay-400 066 (and more fully described in the Schedule annual hands)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per eant of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liabilit of the transferer to pay tax under the said ast, respect of any income arising from the trans and/ec.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been er which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenkin-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 105 on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15473/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

FORM TINE-

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Tina Steel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/14578/84-85.--Whereas I.

Ref. No. AR-1V/3/EE/145/8/84-85.—Whereas I,
LAXMAN DAS,
being the Competent Authority under Section 2698 of the
lacome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hardnafter referred to
me the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and facer Wine 'A' in the building known as

Flat No. 201 on 2nd floor Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, (East) Bombay-400 066 Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the Monsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the A the respect of any income arising from

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHOOLS

Flat No. 201 on 2nd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15478/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-11-1985

Soal :

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Tina Steel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15425/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immev-

as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 101 on 1st floor Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay 400 066 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Auhtority at Bombay on 1/3/1985 for an apparent consideration which to less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 101 on 1st floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Roa, Borivli (East) Bombay-400 066. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15425/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-11-1985

Soul .

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Tina Steel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15476/84-85.—Whereas I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing No.

Flat No. 102 on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partial has not been truly stated in the said instrument of twenter with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any or the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Weslib-tax Act. 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Flat No. 102 on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400066. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15476/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

(1) Goval Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Tina Steel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15470/84-85.—Whereas I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301 on 3rd floor Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' stivated at Kulupwaid Road, Borivli (East) Bombay-400 066

(and more fully describer in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sadi mimov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as ven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 301 on 3rd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15470/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely .---

Date: 4-11-1985

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15459/84-85.--Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 309 on 3rd floor Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066 (and more fully described in the Schedule annexed hercto, has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said indigument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. hi respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(2) Ms. Tina Steel.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 309 on 3rd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. ARIV/37EE/15459/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4-11-1985

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Ms. Tina Steel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15467/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Fiat No. 202 on 2nd floor Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linklity of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfers 4#4/cr Cost Office
- (a) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ganotto,

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202 on 2nd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066. The agreement has been registered by the Competent Auhtority, Bombay, under Scrial No. AR-IV/37EE/15467/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 4-11-1985

Scal:

FORM ITNS----

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV ВОМБАУ

Bombay, the 4th November 1985

AR-IV/37EE/15462/84-85.—Whereas, J, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 305 on 3rd floor, Wing 'A' in the building
known as 'Ashoka Tower' situated at Kulupwadi Road,
Borivli (East) Bombay-400 066
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered

has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Aftern per cent of such apparent consideration and that the emaideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305 on 3rd floor, Wing 'B' in the building known as 'Ashoka Tower', situated at Kulupwadi Road, Borivli (Fast) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay, under Serial No AR-IV/37EE/15462/84/85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, it. parsuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 4-11-1985

Scal:

131-376GI/85

(1) Goyal Builder, Private Limited.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15427/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 26

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fiar market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 205 on 2nd floor, Wing 'B' in the building known as 'Ashoka Tower' situated at Kulupwadi Road,

Borivii (East) Bombay-400 066
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been luansferred and the agreement is registered under section 269 AH of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 205 on 2nd floor, Wing 'B' in the building known as 'Ashoka Tower', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No AR-IV/37EE/15427/84/85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4 11 1985

Scal:

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15434/84-85,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 203 on 2nd floor, Wing 'A' in the building
known as 'Ashoka Tower' situated at Kulupwadi Road,

Bonvli (Fast) Bombay-400 066
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been 'transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203 on 2nd floor, Wing 'A' in the building known as 'Ashoka Tower', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, ombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15434/84/85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely :-

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15924/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 602, 6th floor E-Wing, Roshan Apartment, 4th Kasturba Road, Borivli (E), Bombay-66 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AW of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay

on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; mad/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Roshan Enterprise.

(Transferor)

(2) Smt. Bhanumati P. Doshi & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-IV/37EE/15924/84/85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15904/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Flat No. 52, 2nd floor 8, 9, 10 Rattan Nagar Building, S.V. Road, Borivli (E), Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) findlitating the reduction or evasion of the Mahility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (114 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Param Anand Builders P. Ltd. (Transferor)
- (2) Shri Yogesh Shankar Bhandarkar & Ors.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 52, 2nd floor, 8, 9, 10, Rattan Nagar Building S.V. Road, Borivli (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15904/84/85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 4-11-1985

(1) Mr. J. A. Shah.

(Transferor)

(2) Rachana Construction Co

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV ROMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15421/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 139G, 8th Road, Daulat Nagar, Borivli (E), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 ABr of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by matter than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; ••d∕or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPRANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 139-G, 8th Road, Daulat Nagai, Borivli (E), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay 84/85 on 1-3-1985. under No AR-JV37EE/15421/

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date . 4-11-1985

Scal:

(1) Roshan Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Manglaben K. Talati.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37FE/15923/84-85.—Whtreas, 1,

Ref. No. AR-IV/37EE/15923/84-85.—Whitreas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

4.Flag No. 203. F-Wing Rosham Apattment,
4th Kasturba Road, Borryli (F), Bombay-60

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sectioon 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties ha not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of ny income or any incomes or other assets whis have not been or which ought to be disck ed by the transferee for the purposes of the In an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sn\ Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).
- Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesate property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 203, E-Wing, Roshan Apartment, 4th Kasturba Road, Borivli (E), Bombay-60.

The agreement has betn registered by the Competent No. AR-IV/37EE/15923 Authority, Bomb 84/85 on 1-3-1985. Bombay under

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

Date: 14-11-1985

Scal:

FORM ITNS

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOMETAX.

ACOUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15445/84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 10/ on Gr. floor, Wing 'A' in the building known as 'Ashoka Tower' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from e service of action on the respective persons, whichever period empires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guratte.

Emplanation :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Shop No. 10 on Gr. floor, Wing 'A' in the building known as 'Ashoka Tower', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has beth registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37FE/15445/ 84/85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under se persons, namely ;---

Date: 4-11-1985

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

AR-IV/37EE/15448/84-85.--Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00.000/- and bearing
Shop No. 3 on Gr. floor, Wing (A) in the building
known as 'Ashoka Tower' situated at Kulupwadi Road,
Borivli (East) Bombay-400 066
(and more fully described in the Schedule annexed herete),
has been transferred and the agreement is registered under sectioon 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Compttent Authority at Bombay оп 1-3-1985

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3 on Gi floor, Wing 'A' in the building known as 'Ashoka Tower', situated at Kulupwadi Road, Borivli (Fast) Bombay-400 066.

agreement has belin registered by the Competent Authority, Bombay, under Strial No. AR-IV/37EE/15448/84/85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D if the said Act, to the following persons, namely:—

132—376 GI/85

Date: 4-11-1985

FORM I.T.N.S.—

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Time Steel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15451/84 85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 4, on Gr. floor, Wing 'A' in the building known as 'Ashoka Tower' situated at Kulupwadi Road. Borivli (East) Bombay-400 066

hand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 ABI of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Lax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, on Ground floor, Wing 'A', in the building known as 'Ashoka Tower', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombry, under Serial No. AR-IV/37EF/15451/84/85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 4-11-1985

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV

BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15450/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said' Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No. Shop No. 7 on Gr. floor Wing 'A' in the building known as 'Ashoka Tower' situated at Kulupwadi Road, Boeivij (East) Rombay-400 066

Borivli (East) Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been fransferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have resson to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the cold instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7 on Ground floor, Wing 'A' in the building known as 'Ashoka Tower', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15450/84/85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 4-11-1985

FORM PINS-

(1) Goyal Builders Private Limited

(lransferor)

(2) M/s Tina Steel

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref No AR IV/37EE/15460/84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property having a fair market value

property having a fair market value exceeding Rs 1 00,000 and bearing Shop No 8 on Ground floor, Wing 'A in the building known as 'Ashoka Tower' situated at Kulupwadi Road, Bortyli (Fast) Bombay 400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 \B of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombey on 1-3 1985

for an apparent consideration which is less nan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the puries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ——

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

(a) by any of the aferesaid persons within ar period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property sy be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The Terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No 8 on ground floor, Wing 'A' in the building known as 'Ashoka Tower', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No NR IV/37FF/15460/84/85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date . 4-11-1985 Seal :

PART III-SEC. 1]

FORM ITNS-

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

43461

(2) M/s Tina Steel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- IV, BOMBAY

Bombuy, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37FE/15431/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Shop No. 2, on Gr. floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (l'ast) Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under

section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 2 on Ground floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Scrial No AR-IV/37EE/15431/ 84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-1V, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date 4-14-1985

Seel:

FORM NO. ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s Tina Steel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-IV/37LE/15441/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 107 on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road,

Borivli (East) Bombay-400 066,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer und /ci
- (b) facilitating the concealment of any meome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tas Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Hat No. 107 on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road,
Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15441, 84/85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 249C at the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons seasely :-

Date . 7-14-1985

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Tina Steel.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15471/84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 1, on Ground floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sectioon 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tar-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1 on Ground floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15471/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1V, Bombay

Date: 4-11-1985

(1) Goyal Builders Private Limited.

(2) M/s Tina Steel.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 2961)

GOVERNMENT OF INDIA

ASSISTANT COMMIS-OFFICE OF THE INSPECTING SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- 1V, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV 37EE / 15452 / 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Shop No. 9 on Ground flor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road. Bonivii (1 ast) Bombay-400 066,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Genette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE
Shop No. 9 on Ground floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066.

The agreement has been registerd by the Competent Authority, Bombay, under Serial No AR-IV/37E1 15452/84-85 on 1-3-1985

I AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-1V, Bombay

Date: 4-11-1985

FORM ITNS----

(1) Thak Orbhai Desai & Sons.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Abdul J. Haji Ghaflai Ahmed,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE- IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No AR-IV 37FF /15759 /84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value of Rs. 1,00,000]-No. Shop No. 1. Dhiray Apartment, Wamanrao Sawant Road, Maratha Colony, Dahisar (F), Bombay-68, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

THE SCHEDULF
Shop No. 1, Dhiraj Apartment, Wamaniao Sawant Road,
Maratha Colony, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15749/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1V, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

133-3 76 G1/85

Date: 4-11-1985

FORM ITNS

(1) Thakorbhai Desai & Sons.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sharda Medicals.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15758/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'naid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing '.

Rs. 1,00,000/- and bearing .
No. Shop No. 4, Dhiraj Apartment, Wamanrao Sawant Road, Maratha Colony, Duhisar (E), Bombay-68,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority at Bombay on 1-3-1985

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

 (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 4, Dhiraj Apartment, Wamanrao Sawant Road, Maratha Colony, Dahisar (F), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15758/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1V, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 4-11-1985.

(1) M/s Shah Builders.

(Transferor)

(2) Vasant Laxman Mondkar.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later:

(Transferce)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE- IV,

BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref No ARIV / 37EE / 15971 / 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Flat No 23, 1st floor, Hargulab Bldg.Bhausaheb Parab Marg, Kandarpada Eksar, Dahisar (E), Bombay-68 situated at Bombay,

(and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under sectioon 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair quarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and /or
- *(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flot No 23, 1st floor Hargulab Bldg Bhausaheb Parab Marg, Kandaipada, Eksai, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15971/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4-11-1985

Seal ·

(1) Goyal Property and Estate P Ltd

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Aquatic Trading Finance Co Ltd

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref No ARIV/37EE, 15784, 84 85 —Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No Ollice premises on upper floors at property bearing S No 335H No 7, C I S No 1420 Village Dahisar, (E) Bombay 68 situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter

THE SCHEDULE

Office premises on upper floors at property beating S No 335 H No 7, CTS No 1420 Village Dahisar, Dahisar (E), Bombay-68

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV 15784/84-85 on 1 3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Bombay

Date 4 11-1985 Seal: FARE LIL — Juc 1

FORM ITNS

(1) Shii K. C. Doshi.

(Transferor)

(2) Shri N. Hari Gavde & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- IV, BOMBAY

Bombay, tht 4th November 1985

Ref. ARIV/37EF/45625 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Flat No. G-1 Anubhuti Apartments, Radhabai Mahatre Road, C.T.S. No. 688, Dehisar (W), Bombay-68, situated at Bombay,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partite has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-I, Anubhuti Apartments, Radhabai Mahatre Road, C.T.S. No. 688, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Compctent, Authority, Bombay under No. ARIV/15626/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1V, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

Scal:

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s Sang nwala Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Bombay Sub Peoples Cons. Co.op. Sctv. Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Rcf. N ϕ ARIV/37EE/15616 '84-85.—Whereas. I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No F, 8, 9, ground floor, Building No. 17, Shanti Niketan, Kandar Pada, Eksar Village, Dahisar West. Bombay-68 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to beliffe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more from fift en net contoff such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said.

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 7, 8, 9, ground floor, Building No. 17, Shanti Niketan, Kandar Pada, Eksar Village, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombuy under No. ARIV/15616/84-85 on 1-3-1985,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1V, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4-11-1985

Scal:

FORM TINE

(1) M/s Kamal Builders,

(Transferor)

(2) Hansaben Anundji Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ALQUISITION RANGE- IV,

BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV /37EF /15687 / 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hardwarter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Hat No. 14, 15th floot, Nirmala Niketan, W.S. Road, Dahisar, Bombay-68, situated at Bombay,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under sectioon 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority at Bombay on 1-3-1985

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer we agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 14, 5th floor. Nitmala Niketan, W.S. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/15687/84-85 on Authority, 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1V, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 4-11-1985 Seal :

(1) M/s Sanjanwala Constructions.

(Transferor)

(2) M s Shrinath Pstate Agents.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE- IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No ARIV/37FE '15618/84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Shop No. 1, ground floor, Rldg, No. 17, Shanti Niketan, Kandarpada, Fksar Village, Dahisar (W), Bombay-68, simated at Rombay.

situated at Bombay,

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later*

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or

THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor Bldg. No. 17. Shanti Niketan, Kandarpada, Fksar Village, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV, 15618/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1V, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-11-1985.

Scal:

FORM ITNS-----

2 11 2

(1) M s Sliver Line Construction Co

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Rita Dispuza

(Transferce)

GOVFRNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMF-TAX ACQUISITION RANGI-IV BOMBAY

Hombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EF/15675/84-85.—Whoteas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding R₂, 1.00,000/- and bearing

Shop No. 1, ground floor, Nishalle Apartment, I. M. Road,

Dahisar, Bombay-68 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; need or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FYPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor Nishalle Apartment, I M Road, Dahisar, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/15675 84-85 on 1 3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Haspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acqui from Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 26%) of the said Act, to the following persons, namely -134--376GT85

Date + 4-11 1933

Scal:

(1) M s. Kum Kum Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) N. M. Patel, K. V. Patel.

(Liansferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15897/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Premisis No. 4/201, 2nd Ilbor in Piyush Apartment, A-wing, L. T. Road, Dahisar (F), Bombay-68

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sand instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ...

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Premises No. A/201, 2nd floor Piyush Aprilment, A wing, L. T. Rd., Dahisar (E), Bombay-68

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARTV/15897 84 85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range IV Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

Date: 4-11-1985

(1) Haritara Construction Co.

(Transferor)

(2) Shri B, R. Mistry. NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

(Transferce)

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV, 371-L, 15682, 84-85.—Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, 31d floor, B-wing Sadakamal Co. op Hsg. Sety. Ltd., Shivaji Rd., Dahisar (E), Bombay-68

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the complete for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of: -

- in incritating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andler
- (4) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely r

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which the period of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -The terms and expressions used beggin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, B-wing, Sadakamal Co. op. Hsg. Sety. Ltd. C. S. Road, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15682/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date · 4-11-1985 Seal:

FORM ITNS----

(1) Hiritara Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhaskar B. Gawas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV **bOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15638/84-85.—Weheas, 1, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat 302, B-wing Sadakamal Co.op. Hsg. Sety, Ltd., C. S. Road, Dahisar (E), Bombay-68

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of sansfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and)or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) o rthe said Act. or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforened property by the laste of this notice under sub-section (1) of Section 269O of the said Act is the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this moitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION. -The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 302, B-wine, Sidak imal co-op. Hsg. Set. Ltd., C. S. Road, Dahisar (E). Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15638 84 85, on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date , 4-11-1985

Seal .

(1) Haritara Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15681/84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property daying a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and beating No Flat No. 101, 1st floor, Sadakamal Co. op. Hsg. Sety 1 td. C.

S. Road, Dahisar (E), Bombay-68,

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is Jess than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Ojections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period express later.
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION Unit course and expressions used herein as an defined in Chapter XXA of the said Aux, whall have the same meaning as given

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

THE SCHEDULE

Hat No. 101, 14 floor had Armal Co-op. H. Sety. Ltd., C. Shiyap Road, Dahisar (F). Bombay-68.

The agreement has been regretered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15681/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date 4-11-1985 Seal : FORM ITNS----

(1) M/s. Sanjanwala Constructions

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shi₁ S. H. Gupta.

(fransferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGI'-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15617/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and becaring Shop No. 11. ground floor, Bulding No. 13-B. Shanti Niketan, Kandarpada, Eksar Village Dahisar (W), Bombay-68.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ; --

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 18 respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imraov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION. The terms and expressions used herein as he delined in Chapter XXA of the said Act, shall hale the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. (1, ground floor Bldg, No. 13-B, Shant_i Niketan Kandarpada, Eksar Village Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15617/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date - 4-11-1985 Seal:

FORM ITNS ———

(1) Haritara Construction Co

(Iransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-TAX ACT 1961 (43 ()) 1961)

(2) Shir D R Tawade

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFILE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUSSIONER OF INCOMP-FAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV 371:F 15639 84.85 -- Whereas, I, J AXMAN DAS,

being the Competent Authority under 5 ction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) Lereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

able property, having a lan market value exceeding Rs 1 00 00) and bearing Flate No. 103, B-wing Sadakamal Co op Hsg Sety Ltd., C Shivaji Rd., Dahisai (E), Bombay 68 situated at Bombay

situated at Bombay tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the figurement is registered under section 269AB of the Income tax \c'. 1961 in the office of the Comeptant Authority at Bombay on 1.7-1985 for an apparent consileration, which is less than the fair market value of its coresa, poperly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds. Apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration. and the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has at been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction of evision of the liability of the transferor to pay to under the said Act, in respect of my income arome from the transfer. and /or

(b) far informe the concediment of any income or any moneys or other is ets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1927 (11 of 1922) or the soil Act or the Weilth to Act 1937 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby untrate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the reason of the inches protein subsection (1) of Section 2003 at the lift for the foll reason. persons namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever pertial expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein a are delined in Chapter 2.5 A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULL

Hlat No. 103, B-wing Sadakamal Co. op. Hsg. Setv. Ltd., Shiyan Road, Dubisai (E). Bombay-68

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15639/84-85 on 1-3-85

TAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Vegusation Range-IV Bombay

Date: 4-11-1985 Seal

FORM LT.N.S.----

(1) Haritara Construction Co.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 209D(1) OF THE INCOME

(2) Shit 1 G Mical & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGEAV. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EF/15636 84-85. -Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000% and bearing Flat No. 401 B-wing Dadakamal Co. op. Hsg. Setv. Ltd., C. S. Road, Dahisa₁ (1). Bombay-68

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authorit, at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay lax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flit No. 401, B-wing Sadakamal Co. op. Hsg. Scty, Ltd., C. S. Road, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No VRIV 15636 84-85 55 1-3-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incone-tax,
Acquisition Range-IV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisitoin of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 4-11-1985

Scal 1

FORM ITNS----

(1) M/s. Avichal Builders P. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Jitendra V. Pandya & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15800/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Brindavan Bidg. Flat No. 405, 4th floor, Y. R. Tawde Road, Dahisar (W), Bombay-68.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of of the Comeptent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

persons, namely :-

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2697 of the said Act, to the following 135--376GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immova-ble property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Brindavan Bldg. Flat No. 405, 4th floor, Y. R. Tawde Road, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15800/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4-11-1985

(1) Avichal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Pramod Chandra N. Desai & Ors.

may be made in writing to the undersigned:-

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15799/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Brindavan, Flat No. 309, 3rd floor, Y. B. Tawde Rd., Dahisar
Dahisar (W), Bombay-68,
situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Comeptent Authority

at Bombay on 1-3-1985

and/or

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which one fit to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons; namely :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Brindavan, Flat No. 309, 3rd floor, Y. B. Tawde Road, Dahlsar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15799/84-85. on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 4-11-1985

(1) M/s. Dattani Associates.

(Transferor)

(2) Mr. Pannalal Devilul Joshi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15744/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Shop No. 15, ground floor Nand Dham at Bhausaheb Parab Rd., Dahisar (W), Bombay-68.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparant consideration which is less than the faor market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inteen per cent of such apparant consideration and that the convolveration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The Lame and expressions used herein as are defined in Chapter AXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 15, ground floor Nand Dham at Bhausaheb Parab Rd., Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15744/84-85. on 1-3-85.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ar sing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the consenhent of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian II come-tax Act, 1922 (1) of '922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1817 (37 of 1987);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issu of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 4-11-1985

(1) M/s, M. K. Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohmmed. S. H. Noor Mohmed.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15754/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Shop No. 1, Man Mandir, L. T. Road, Dahisar (W),

Bombay-68.

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay ou 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SHEDULE

Shop No. 1, Man Mandir, L. T. Road, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15754/84-85, on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

Date · 4-11-1985 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s Sanjanwala Constructions.

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. R. N. Vishwakarma.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15619/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 12, ground floor,

B. Block, Bldg. No. 13, Shanti Niketan, Kandarpada, Eksar Village, Dahisar (W), Bombay-68. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasen to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or everion of the Mahility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 12, ground floor, B-Block Bldg. No. 13, Shanti Niketan, Kandarpada Eksar Village, Dahisar (W), Bombay-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15619/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS, Competent Authority
tt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay. Inspecting Assit. Commiss

Dated: 4-11-1985

Stal:

(1) M/s. Sanjanwala Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Bombay Sub-Peoples Cons. Co.op. Sctv. Lt.d.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

ARIV/37EE/15615/84-85.—Whereas, I. Ref. No. LAXMANDAS,

LAXMANDAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred te as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 10, ground floor, Building No. 17, Shant; Niketan, Kandarpada, Eksar Village Dahisar (W), Bombay-68, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ac which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Soction 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within air period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, ground floor Bldg, No. 17, Shanti Niketan, Kandarpada Eksar Village, Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Compretent Authority, Bombay under No. ARIV/15615/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 4-11-1985

(1) M/s. Sanjanwala Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) The Bombay Sub. Peoples Cons. Co.op.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15621/84-85.—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000'- and bearing No. Shop Nos. 5, 6, ground floor Bldg. No. 17, Shanti Niketan, Kandarpada, Eksar Village, Dahisar (W), Bombay-68. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under exciton 250AB of the Incompatity Act. 1961 in the office of section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manafer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be sende in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop Nos. 5, 6, ground floor Bldg. No. 17, Shanti Niketan, Kandarpada. Eksar Village Dahisar (W), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/15621/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 4-11-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Not. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

(1) Build-well-Builder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Jagannath Shriyan.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15825/84-85.—Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the mecome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 102, Kinny's Corner, C.T.S. No. 1027 & 1028 at I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaidpr operty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 102, Kinny's Corner, C.T.S. No. 1027, 1028, at I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15825/84-85 on 1-3-

> LAXMAN DAS. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 4-11-1985

Scal:

(1) Smt. J. D. Mhatie,

(Transferor)

(2) M/s. D. K. And Associates.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV POMBAY

Bombay the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15996/84-85 - Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property begins a fair resolution. able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 '- and bearing No. Piece of land, Village Eksar, C.T.S. No. 1786, 1665, 1668 Taluka Borivli, (W), Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the ag coment is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1'i of 1922) or the Sald Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I h reby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of ection 269D of the said Act to the following nersons numelt. 136-376GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Village Eksar, C.T.S. No 1786, 1665, 1668 at Taluka Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15996/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS, Competent Authority
Inspecting Assistaant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dated: 4-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Sh Ramchandia Swarvan Vaity.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Vishal Premises.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15571/84-85.—Whereas, I. LAXMANDAS,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 ot 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land bearing S. No. 195 at Village Borivli, Taluka Bo ivi, Bombay-92, L.T. Road, Vazira Gaothan Bouvli (W), Pombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andlor

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the rioresail property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this horize in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

Land bearing City Survey No. 195 B, at Village Borivli, Taluka Borivli, I.T. Road, Vazira Gaothan, Borivili (W),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15571/84-85 on 1-3 65.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 4-11-1985

(1) Dr. Prakash Bhandari,

(Transferor)

(2) Smt. Mulibai B. Mehta.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EF/15542/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and

bearing No. Flat No. 3 B-Bldg., Siddarth Apartments, Factory Lane, L.T. Road, Borivli (W). Bombay-92. (and more tally described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the iability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 3, B-Wing, Siddarth Apartments, Factory Lane. L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15542/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely : --

Dated: 5-11-1985

Scal:

(1) Sh. R. P. Chogle.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. K. T. Constructions.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15415/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Piece of land Village Eksar, Borivli, S. No. 21, H. No. 7, C.T.S. No. 311 & 303, T.P.S. III, Borivli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an .pparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than influen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parses has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, so the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers end/or
- (b' facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Piece of land, Village Eksar Taluka Bovivli, S. No. 21, H. No. 7 & 8, C.T.S. No. 311 and 303, T.P.S. III, Bovivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/15415/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 4-11-1985

FORM ITNS

(1) Mi/s. Himanshu Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) K. K. Shah.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No ARIV/37FE/15532/84-85 --- Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incom-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing bearing No. Flat No. 53, Prabhu Niwas, Plot No. 166, Off Factory Lane, Borrvali (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the r id instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Flat No. 53, Prabhu Niwes, Plot No. 166, Off. Factory, Lunc, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/37EE/15532/84-85 on 1-3-1985,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely:—

Dated: 4-11-1985

FORM TINS

(1) Pushpa Builders.

(Transferor)

(2) Shah Thakarshi Shivaii.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1261)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15627/84-85 -- Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a ran marker value exc Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 6, ground floot, Sainath Nagar, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (o) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 6, ground floor, Sainath Nagar, Eksar Village, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15626/84-85 of 1-3-3 5.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 4-11-1985

FORM ITNS ----

(1) Mrs. Clare Kinny & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Build-well Builders.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16020/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p oper y, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No Piece of land Village Eksar, S. No. 153, H. No. 9, C.T.S. No. 1028, Taluka, Borivli Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trunsferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersignet :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offlical Gazette.

EXPLANATIO&: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any wine a 12th to be dislosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULF

Piece of land, Village Eksai, S. No. 153, H. No. 9, C.T.S. No. 1028, Taluka Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARJV/16020/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely :--

Dated: 4-11-1985

(1) Mrs. Meena Hemchand.

(Tranferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs P. H. Patel & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15491/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and

bearing No. Flat No. 703, 7th floor, Bldg. No. 1, Sumer Nagar, S.V. Road, Opp. Kora Kendra & Gokul Dham, Borivli (W), Bombay-92, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Computent Authority of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast in respect of any income arising from the transfer. andice
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor Bldg. No. 1, Sumer Nagar S.V Road, Opp. Kora Kendra & Gokul Dham, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/154918/84-85 on 1-3-85

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 4-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Desai Ambelal Gnlabhai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Desai Thakorbhai Bhagavanji.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15928/84-85.--Whereas, I,

Ref. No. ARIV/37EE/15928/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing Flat No. 1, Ground floor, Om Jagdish co-op Hsg. Soc., Devidas Lane, S. V Patel Road, Borivall(W), Bombay 103 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

137—376GI[85]

THE SCHEDULE

Flat No. 1, Ground floor, Om Jagdish co-op Hsg. Soc., Devidas Lane, S. V. Patel Road, Borivali (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent uthority Bombay under No. ARIV/(15928/84-85 on Authority 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 4-11-1985

(1) Shri R. R. Bajaria & Others.

(Transferor)

(2) D. M. Sawla & Others.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15605/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property, having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing Shop No 24, ground floor, Goyal Shopping Arcade, Corner of S.V. Road & L.T. Road, Borivii (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/org
- moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any Act, 1957 (27 of 1957);

Shop No. 24, ground floor, Goyal Shopping Arcade Corner of S.V. Road & L.T. Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent uthority Bombay under No. ARIV/115605/84-85 on Authority 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269-D of the said Act to the following persons namely:-

Date: 4-11-1985

Scal ;

(1) Harsha Enterprises.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ramaben M. Dhaken.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OMFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16033/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs.1,00,000/- and bearing Flat No. C-102, 1st Floor, Shiv Chhaya Bldg. Eksar Road,

Borivli, Bombay.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

(a) (acilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: orر آمعت

THE SCHEDULE

Flat No. C-102, 1st Floor, Shiv Chhaya Bldg, Eksar Road, Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. ARIV/16033/84-85 on 1-3-1985.

(63) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957. (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the st Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-11-1985

FORM I.T.N.S.-

- (1) M.'s. Vijay Nagar Corpn.
- (Transferor)
- ()2 Mrs. Medha Madhav Rao & Ors.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVFRNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15533/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing Bldg. No. E-21, Flat No. 3, ground floor, Yogi Nagar, Eskar Road, Borivli (W) Bombay-90 (and more fully described in the Schedule appayed hereta).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULB

(b) faciliating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 '27) of 1957):

Bldg. No. E-21, Flat No. 3, ground floor, Yogi Nagar, Eskar Road, Borivli (W) Bombay-90

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15533/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

row, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-11-1985

Scal:

(1) M/s. Shreyes Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nelba Joyce D'souza.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15573/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 6, Sidharth Plot No. 34, I.C. Colony, Borivii (W),

Bombay-103.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the earld instrument of transfer with the object of :-

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said instant. able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given ha that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tes Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Shop No. 6, Siddharth Plot No. 34, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15573/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated: 4-11-1985

(1) Sh. Sardarbhai Hemrajbhai Patel & Smt. Nayanaben S. Patel.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Moghjibhai V. Patel & Sh. Hirabhai N. Patel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15527/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing bearing No. Unit No. 205, 2nd Flr., Mandpeshwar Industrial Estate, S. V. P. Road, Bolivli (W), Bombay-400092 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:-

THE SCHEDULE

Unit No. 205, 2nd Flr., Mandpeshwar Industrial Estate Off S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-400092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15527/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisiution Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 4-11-1985

(1) H. M. Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) N. K. Menon & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15995/84-85.--Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Jay Gurudev Bhavan, LIC Colony,
Eksar Read, Borivil (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at
Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

LAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-2, ground floor, Jay Gurdev Bhavan, L.I.C. Colony, Eksar Rord, Borivil Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15995/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax Acquisiution Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely .---

Dated: 4-11-1985

cal:

(1) M/s. Mangal Builders.

(Transferor)

(2) Mrs. Y. M. D'Souza.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15650/84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Re 1,00,00/- and bearing No. Flat No. A-9, 4th floor, Candramukhi, Plot No. 1, S. No. 225 H. No. 10, C.T.S. No. 2211A, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. A-9, 4th floor, Chandramukhi, plot No. 1, S. No. 225, H. No. 10, C.T.S. No. 2211A, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15650/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisitation Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subatoresaid property by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 4-11-1985

Sonl :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Ganesh Chemicals.

(Transferor)

(2) Smt. Manjula Khimji Rambhiya.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

PART III -SEC. 11

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT - COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15929/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and

Rs. 1,00,000/- und

Rs. 1,00,000/- und

bearing No. Flat No. A. 203, 2nd Flr. Sambhav

Darshan Jamli Gully Co op Hsg. Scy. Ltd., Jamli Gully

Off, S.V. Road, Borivli (W), Bombay-400 092

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the instance of transfer with the object of—

.....

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Fizt No. 203A, 2nd Fir., Sambhav Darshan (Jamli Gully) Co.op. Housing Scy. Ltd., Jamli Gully Off S.V. Road, Borivii (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15929/84-85 on 1-3-

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person repeals:

138-376GI/85

Dated: 4-11-1985

Scal:

(1) Sanman Constructions,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) P. D. Thomas.

(Transferos)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15949/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 301, 3rd Flr., 'PAPPILON' I.C. Colony Road No. 3, Borivel; (W), Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclose by the transferee for the purposes of the India: Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 19 7):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property, within 45 days from the Jate of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 301 in building known as PAPPILON, 3rd Fir., I.C. Colony, Road No. 3, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15949/84-85 on 1-3-

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acqisiution Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Sect' n 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely ;-

Dated: 4-11-1985

FORM ITNS ----

(1) M/s. Harsha Enterprises.

(Transferor)

(2) The Dharamsi Morarji Chemical Co. Ltd.

(Transferco)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November, 1985

Ref. ARIV/37EE/15659/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the lucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. B-302, Shiv Chhaya, L.T. Road, Borivli (W), Bombay 92. Situa ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registe ed under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authorny at

Bomoay on 1-3-1985

for an apparent ionsideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. B-302, Shiv Chhaya, L. T. Road, Borivli (W). Bombay 92.

The agreemet has been registered by the Competent Authority. Bombay under No. ARIV/37EE/15659/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Dated: 4-11-1985

Scal:

(1) M/s. Nazir Abdulla & Sons

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Deepak K. Shastri
- (Transferce)

(3) Transferor

(Person in occupation of property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November, 1985

Ref. ARIV/37EE/15732/84 85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immiovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/2, and hearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 503, 5th Fig., One ital Apartment C.T.S. 1329, S. No. 162 (part) Jeevan Bima Nagar Borivli (W), Bombiy-400103

Situa ed . L Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transierred and the agreement is regulated under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be ween the parties has not been july stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovuble property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sa.d Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee tor the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Flat No. 503, th Fir. Oriental Apartment Plot Bearing C15 No. 1329 S No. 162 (Part), Jeeval Bima Nagar, Borivli (W), Bombay 400 103.

The agreemet has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15732/84-85 on 1 3-85.

LAXMAN DAS
Competent Au hority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated : 4-11-1985

FORM LINS ---

(1) M/s K. Patel & Co.

(Transferor)

(2) Shri B. B. Kamat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE IV,
BOMBAY

Bombay, the 4th November, 1985

Rof. ARIV/37EE/15680/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Fig. (No. 404/40), Sh.eeji Apartments, 4th Floor, Eksar village, Kandarpada Road, Borivi (W), Bombay 92. Shu. ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 2-9AB of the Income-tax Ac, 1961 in the office of the

Competent Au hority at Bombay on 1-3-1985

for all apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective parsons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evadon of the fability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1947)

THE SCHEDULB

Flat No. 404/405, Shreeji Apartments, 4th Floor, Eksar Village, Kandarpada Road, Bolivii (W), Bombay 92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15680/84-86 on 1-3-85.

LAXMAN DAS
Competent Au hority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons namely—

Dated : 4-11-1985

Scal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Build weel Builder

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. Maria Alice Fornandes |

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November, 1985

Ref ARIV/37EE/15822/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.
Flat No. 201, Kinny's Corner, C.T. S. No. 1027 & 1028
I. C. Colony, Bonvil (W), Bombay-103.
Situa'ed at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regulated under section 269AB at the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent An hority at Bombay on 13-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afo esaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such aparent consideration and that the consideration for such market is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uanaler with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Flat No. 201, Kinny's Corner, CTS No. 1027 and 1028 I. C. Colony Borivli (W), Bombay-400 103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15822/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Au hority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, navely :---

Deted 4-11-198

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV. BOMBAY

Bombay, the 4th November, 1985

Ref. ARIV/37EE/15657/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00.000/- and bearing No
Flat No. 707 B'dg No. 59/60 Yogi Nagar, Eksar Road,
Borivi (W), Bombay-92

Situated at Bombay
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 2-9AB of the Income-tax Ac', 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the Consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferand/or
- 'b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) M/s. Vijay Nagar Corporation

(Transferor)

(2) Mr. Rajnikant V. Mody & Mrs. Anupama Rajnikant Mody

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 707, Bldg. No 59/60 Yogi Nagar, Eksar Road, Borivli (West), Bombay-92.

The agreemet has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/37EE/15657/84-85 Authority, on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Au hority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-'ax, Acquisition Range-IV, Bombay

Dated · 4-11-198

Scal:

FORM I.T.N.S.--

(1) J. M. C. & Meghani Buildings

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Swarna Prakash Anand & Shri Vishwmitra Visambardas Anand Shri Ramsinghasan Shyamasingh, Shri Bharat Raisingh Shyama singh

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November, 1985

Ref. ARIV/37EE/15729/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Shop No. 7. A Jamuna Darshan Plot Bearing No. OTPS 752, Natakwala, Lane Off S. V. Road, Borivli (W), Bombay-92

Situa ed at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other easets which nave not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires rater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 7A Jammuna Darshan Plot No. OTPS 752 Natakwala Lane, Off. S. V. Road, Borvli (W), Bombay-460082

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15729/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Au hority, Inspecting Asstt. Commissioner of Incomedax, Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 7-11-85 Dated :4-11-1985.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nercby initiate proceedings to, the acquisition of the aforesain property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

FORM ITNS-

(1) M/s. Hemu Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) T. Vargese Cherian.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 198

Ref. ARIV/37EE/15828/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value. able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 10. J. C. Colony, Eksar, Flat No. 4, 2nd floor, S. No. 160, H. No. 2A (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been formall and the appropriate registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following present following persons, namely:-139-376GI/85

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, 2nd floor, Eksai plot No. 10, I.C. Colony, S. No. 160, H. No. 2A.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15828/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 4-11-85.

N()TICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. AR-IV/37EE/15403/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plat No. 122, B 12th Flr., Dattani Towers, S. V Road.
Borivli (W). Bombay-409092

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pey tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-rax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow ing persons namely:-

(1) M/s. Dattani Constructions.

(Transferor)

(2) Shii Dharesh J. Mehta & Ashok J. Mehta. (Transferce)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 122B 12th Flr., Dattani Towers, S. V. Road, Borivli (West), Bombay-400092.

The agreement has been registered by the Compatent uthority, Bombay under No. AR-IV/15403 64-85 Authority. on 1-3-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Dated: 4-11-85 Seal:

(1) Mr. Raichand Vershi Godka.

(Transferor)

(2) Mrs. Marry Agnes D'Souza & Mr. Paul Artun D'Souza.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. ARIV/37EE/15835/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaiter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 3, Gr. Fli. EL Plaza Bearing CTS No. 1086 Hissa No. 155 at I. C. Colony, Borivii (W), Bombay-103 (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3 85

at homology on 1-3 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of trapafor with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-iax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as used defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop. No. 3, Gr. Flr. CTS No. 1086, Hissa No. 155 I. C. Colony, Borivli (W), Bombay 400103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15835//84-85 on 1-3-85,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Dated: 4-11-85

(1) Udav R. Mohandas.

(Transferor)

(2) Shri Valiyaveetil Mathai Johnny.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UPPICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15535/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referréd to

as the said Act'), have researe to believe that the monovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 103, Om Satyam Niwas, Coop. Hsg. Scy. Ltd., Saiyanigram, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule approved hereto) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Rab of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the exaccalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tex Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 195? (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103, Om Satyan Niwas Coop. Hsg. Scy. Raiyanigram, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-400092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15535/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 2669D of the said Act, to the following persons namely :-

Dated: 4-11-85.

Seal -

(1) M/s. Hema Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

(2) Smt Manjula B. Amolik.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-JV, **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. ARIV/37EE/15830/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 2, 1st Flu., Plot No. 10, Survey No. 160 Hissa 2A,

1. C. Colony, Bouivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-anid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- ny moneys or other amote which have not been or many moneys or other amote which have not been or market ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorne-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Ing Act 1957, (27 of 1957); (b) facilitating the conseniment

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforeaaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the lmmovable property, within 45 days from date of the publications of this notice in Official Gazette. the tho

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 2, 1st Flr., Plot No. 10, Survey No. 160, Hissa No 2A and 2B (part) CTS No. 1267 (Part), at I. C. Colony, Eksar, Borivli (W). Bombay-400092.

The agreement has been registered by the Competent No. Authority, under ARIV/15830/84-85 Bombay on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Dated: 4-11-85.

FORM ITNS----

(1) M/s. Build-Well Builder.

(2) Mr. John Mendonca.

(Transferor) (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. ARIV/37EE/15823/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 202, Kinny's Corner C.T.S. No. 1027 and 1028 at
I. C. Colony, Borivli (W), Bombay-400 103
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfor with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972), or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, Kinny's Corner, C.T.S. No 1027 & 1028, at I.C., Colony Borvili (W), Bombay-400 103.

The agreement has been registered by the Cc petent uthority, Bombay under No. ARIV/1582 34-85 Authority, on 1-3-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice or less subpersons namely :-

Dated: 4-11-85.

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37FE/15794/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovas the Said Act) have leason to believe that the infinov-able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 108, First floor, S. V. Road, Village Magthane Near Hariom Apartment Borivli (W), Bombay-400092

situated at Bombay

and the same of th

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of transfer with the Object of :

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been owhich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:---

(1) M/s. Shree Sagar Builders Pyt. Ltd.

(Transferee)

(2) M/s. Renuka Anita Soni Trust

(Transferee)

(4) M/s. Sluce Sagar Builders Pvt. Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 108, Amrut Sagar, First Floor, S. V. Road, Village Marg Thane, Near Hariom Apartment, Borivli (West), Bombay-400092.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/15794/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV.

Date: 14-11-85

(1) Shri Vijay Jamnadas Mukhi.

(Transferor)

`...

(2) Shri Ramji Mavji Vandarwala & Shri Khimji Ramjit Vandarwala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE 15534/84-85.—Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing

and bearing
Flat No. 303, 'Rameshwai Darshan' Co-operative Housing
Society Ltd., Kastur Park, Borvli (W), Bombay-400092

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 169AB of the Income-tax, Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 303, Rameshwar Darshan Cooperative Housing Society Ltd., Kastur Park, Shimpoli Road, Borvli (West), Bombay-400092.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/15534/84-85 on 1-3-1985,

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV.
Bombay

Date: 4-11-1985

Scal;

(1) Smt. Vasiimati Mahipatiai Shah

may be made in writing to the undersigned :-

(liansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(2) Smt. Kanchan Jayantilal Som,

(Transferee)

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37FE 15781 84-85. Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 305, 3rd floor, Building No. 1, Sumer Nagar, Borivli (W), Bombay-400092

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985

140-376G1/85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) fix-ditating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay eax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely '---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Farlanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shill have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 305, 31d floor, Sumar Nagai, Borivli (West), Bombay-92.

The ogreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. \AR-IV/15781/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombas

Date: 4-11-1985

FOPM ITNS-

(1) M/s. Sanman Constructions.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- :---:-

(2) Shri Nitin Anant Chindarkar.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No ARJV 3711 15951 84-85 - - Whereas, t, LAYMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 302, 3rd floor, Pappilon, L.C. Colony Road No. 3, Borivli (W), Bembay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 169AB of the Income-tax. Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the garposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in puisuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following across namely '-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days

Objections, if any, to the acquaition of the said property

- 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Pappilon I.C. Colony Road №0. 3. Borivh (W), Bombay-400092

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/15951 84-85 on 1-3-1985,

I AXMAN DAS
Competent Authory
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 4-11-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Hema Builders.

(Transferor)

(2) Shri G. P. Shripad Rao.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, ROMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No \R-IV/37E1 15826/84-85 --- Whereas, I, LAXMANDAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 15, 3rd floor, Plot No. 10, S. No. 160, H. No. 2A.

J.C. Colony, Eksar, Bombay-92

situated at Bombay

(and more taily described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and ubat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andles
- ib) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of metits on the respective paragge, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this setice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHFDULE

Hat No. 15, 3rd floor, Plot No. 10, S. No. 160, H. No. 2A, I.C. Colony, Eksar, Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No AR-IV/15826/84-85/ on 1.2.1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 4-11-1985

¶eal :

FORM ITNS----

(1) M/s Jay Raj Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 249D(1) OF THE 4NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ketan M Desai

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Rei No AR-IV 37EE/15845 84-85 -Wheleas, I. LAXMANDAS.

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have leason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00 000, and bearing No

Shop No 4 ground floor in Jay Pali Apartments, B Building Jay Raj Nagai, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 264AB of the Income tax, Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrumout of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazetic of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later
- (b) by any other person interested the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EZPLANATION The terms, and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) mollitating the reduction or evenion of the liminary of the transferor to pay tax under the said Act. is respect of any income arising from the transfer; **mal**/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922/11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULF

Shop No 4 ground floor, Jay Pali Apartments B Bldg, Jay Raj Nagar, Vazita Naka, Borivli (W). Bombay-400092
The agreement has been registered by the Connectent Authority. Bombay under No AR-IV/15845 84785/ on

LAXMAN DAS LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range IV, Bombay

Now therefore, in purmance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laster of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date 4-11-1985

Seal .

FORM ITNS----

(i) M/s rhage suporation.

(Transferor)

(2) Mrs. M. N. Mehta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, it may, be the sequentian of the said property may be made in writing to the undersigned:

ATTENDED BY THE THE PROPERTY OF THE ARMS AND AND ADMINISTRATION OF

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX

ACQUISITION RANGI-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November, 1985

Prif ARIV/37FF 15584 84-85 —-Whereas I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (be einalter referred to as the 'said Act')

have tenson to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 11, ground floor, Needhara Apaltment, Devidas Rd, Borryh (W). Bombay 92

Situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compe ent. Authority, at Bombay on 1-3-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the than infecen percent of such apparent consideration of the consideration for such transfer as agreed to between the

the consideration for such transfer as agreed to between the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferoito pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (fig. facilitating the concealment of any moome of any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922), of the said Act of the Weslth-tax. Act, 1957 (27 of 1957).
- Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- the terms and expressions used betom as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No II ground floor, Needdhara Apartment, Devidas Ro d. Borro, 1979 Borrowy 92

The agreement has been regulated by the Competent Authorit. Bombly is der No. ARIV 37EI 15584/84-85 of 1-3-135.

[AXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Date : 4-11-1985 Seal : A STATE OF A STATE OF

FORM ITN9-

(1) Anilkamar Jam

(Transferor)

· (2) Paras Tiles & Sanitory Ware

(Transferce)

(a) Transieron

(Person in occupation of property)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November, 1985

Ref. ARIV/37EF/15493, 84-85.—Whereas, I.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000% and bearing No.
Shop No.4 in Madhusudan terrace, Kastur Park sub Plot No. 10 & 12 of final Plot No. 625 of T.P.S. III, Shimpoli Road, Borivli (W), Bombay-92

Situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferand or
- () facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely -

(a) by any of the aforesast persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette er a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned .-

(b) by any other person interested in the said immeovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Thapter XXA of the said Act, shall have he same meaning as hiven in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No.4 in Madhushda Tricke, Kastur Park, sub Plot No. 10 & 12 of Final Hot No. 625, T.P.S. III, Shimpoli, Borich (W) Bombay-400092

The agreement has been real terod by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV, 37EF 15493/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Compelent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date . 4-11-1985 Seal:

(1) Mr. K. H. Shah Oher

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΣ AC: +961 (43 OF 1961)

(" Mr Elhand Parting for

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE EXPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ALQ ! HION RANGE IV FO MBVA

Bombay the 4th November 1985

Ret ARIV/37EF/1558 84 85 -- Whereas, f LAXM IN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income ax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to au the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00 000/ and bearing No. Flat No. D. 6. Cos s. 1 c. stor Tr stormer / band waknt Road Borivia (W), Bombas 92

Sitirated at Pomb y

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the a resument in registered under section 269AB of the Income-tax Not 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1 3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the above and property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pur un under the said Act, in respect of any income ailing from the transfer; andior

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or the purposer of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act. I hereby initiate orderedings for the acquisition of the aforesaid property by her o's of this notice under subsection (1) of Section 2 OD of the said Act to the following persons, namely: New therefore, in tursuance of Section 2690 of the vaid 101-366 G1/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gracette

Explanation — The terms and expressions used herein as the defined in A.1 what I we then (n,n) = (n,n) from (n,n) = (n,n)

THE SCHEDULE

The No. D. 6, Goragandhi Apartment Chandavarkar Road, Bortyli (W). Bombay, 92.

The agreement has been removed by the Competent Authority, Bombay, under No. ARIV/37LE/15585/84-85 on 1-3-1985.

LIXMIN DAS Competent Authority Inspectine Assistant Commissioner of Income-tax A quisition Range IV Bombay

Date + 4-11-19c5

(1) Shii Balkiishna A. Shetty

(Transferor)

(2) Shri Ashol, Talakshi Poladia

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPFCTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACOUISITION RANGE IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE-15913/84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred w as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 16/1 Ganapati Apartment Gr. Flr., L. T. Road, Borivli (W), Bombay-92 Situated at Bombay

(and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competenty Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the se. ' We are the Woodsh that Art 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 2697 of one said Act, I hereby initiate proceedings for the according of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely . -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 16/1 Ganapati Apartment Ground Floor, L.T.

Road, Bor'vli (W) Bombay-400092,
The agreement has been registered by the Competent No. ARIV/37EE/15913/84-85 03 1-3-1985

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 4-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s. Shreyas Constructions

(Transferor)

(2) Mrs. D. Carvallo

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMUS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15962/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 4, 'Siddharth' Gr. Flr., Plot No. 34, I.C. Colony Borivli (W), Bombay-103 Situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

of transfer with the object of ;---

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer end/er

(b) facilitating the concealment of any instant of any moneys or other assets which have not been or which enght to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (B7 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate presentings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice water wibsection (! ' of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-141-376GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shrop No. 4, Sidharth Gr. Flr., Plot No. 34, I.C. Colony,

Borivii (W), Bombay-400103

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15962/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 4-11-1985

(1) Shree Sagar Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Laxmi (Alias Renuka) M. Valecha. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15578/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 408, 4th floor Amut Nagar, S. V. Road. village Macthana, part Harring Apartment, Barul, (NV) Barakar, 202

Magthane, near Harrom Apartment, Borryli (W) Bombay 92. Situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 408, 4th floor, S. V. Road, Amrut nagar, village Magthane, near Hariom Apartment Borivli (W), Bombay. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15578/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, the following

persons, namely :---

Date: 4-11-1985

FORM No. ITNS-

(1) M/s. Vijar Nagar Corporation.

(Transferor)

(2) Mr. R. R. Nanavati.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15487/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inamovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 601, Bldg. No. E-21, Yogi Nagar, Eksar Road, Borivii (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act. 1961 in the office of

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; red/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unsursigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days trum the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 001, Bldg. No. E-21, Yogi Nagar. Eksar Road, Borivli (W), Bombay-9.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/25487/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :--

Dated: 4-11-1985.

FORM ITNS---- 187

- (1) Sanman Constructions.
- (Transferor)
- (2) Mr. Satish Kumar Balaji Amin.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned --

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15652/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hexeinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the impact of the said Act') have reason to believe that the impact of the said Act's have reason to be the said Act have reason to be the said Act's have reason to be the said Act have reason to be the said Act's have reason to be the said Act have reason to be the said Act's have reason to be the said Act have reason to be the said Act's have reason to be the said Act have reason to be the said Act's have reason to be the said novable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 205, I. C. Colony Road No. 3, Borivli (W), Bombay-400 103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, 45 days from the date of publication of this notice

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

1918, 2018222 pointed 124090114

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfero and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 205, I C. Colony Road No. 3, Borivali (W), Bombay-400 103.

The agreement has been registered by the Conferent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15652/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay-IV

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually :-

Dated: 4-11-1985.

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-JV/37EE/15461/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the same Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 307 on 3rd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situate at Kulupwadi Road, Borivali (East), Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Flat No. 307 on 31d floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivali (East), Bombay-400 066,

The agreement has been registered by the Competent

Authority, Bombay under Scrial No. AR-IV/37EF/15461/ 84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Dated: 7-11-1985.

FORM I.T.N.S.---

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-IV/37EE/15432/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and becaring Flat No. 207, on 2nd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Klupwadi Road, Borivali (East), Bombay-100 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property ny be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 207 or 2nd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Klupwadi Road, Borivali (East), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Completent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/5432/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

riow, therefore, in parametes of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date 15-11-1985, Seal:

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-IV/37EE/15480/84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 100,000/- and bearing No. Flat No. 304 on 3rd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situate at Kulupwadi Road, Borivli

(East). Bombay-400 066 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said. Ast, or the Weekin-tax Act, 1957 (87 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 304 on 3rd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TWER', situate at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV/37EE/15480/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7-11-1985.

FORM ITNS-----

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 6F 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSESTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-IV/37EE/15488/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 203, on 2nd floor, Wing 'B', in the building known as 'ASHOKA TOWER' situate at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule annaxed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have resson to believe that the fair market value of the property as me senere than the fair interior value of the property afteresaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen percent of such apparent considerational that the consideration for such transfer as agreed between the partial has not been truly stated in the minutrument of transfer with the object of :—

- (a) inclinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end /or
- (h) facilitating the consesiment of any income or any moneys or other assets which have not been or which engit to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1902) or the said Act. or the Wealth-ta Ast, 1967 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

THE SCHEDULE

Flat No. 203 on 2nd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Klupawadi Road, Borivali (East), Bombay-400 066,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Scrial No. AR-IV/37EE/15458/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 7-11-1985.

(1) Goval Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION 'RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15444/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and beating No.
Flat No. 307 on 3rd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situate at Kulupwadi Road, Borivli

(East), Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemente is registerd under sction 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

142—376GI/85 Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAFLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307 on 3rd floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situate at Kulupwadı Road, Borivli (East), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15444/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 7-11-1985

FORM ITNS----

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

AR-IV/37EE/15479/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the inmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 103 on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situate at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay 400 066

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemente is registerd under sction 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

persons, namely:

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforest of property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferr
- (b) facilitating the concealment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C o' the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforceald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 103 on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situate at Kulupwadi Road, Borlvli

(East), Bombay-400 066

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15479/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 7-11-1985

FORM ITNS----

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Tina Steel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-IV/37EE/15466/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

Flat No. 303 on 3rd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situate at Kulupwadi Road, Borivli (East) Bombay-400 066

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the obj of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as or on in the Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 303 on 3rd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situate at Kulupwadi Road, Borivli

(East) Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15466/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-11-1985

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tinn Steel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- company of the contract of t

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-IV/371 E/15449/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No 207 on 2nd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA 'FOWER' situate at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay-400 066

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of unaffer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the paid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act. 1957 (27 cf. 1937).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the verview of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 207 on 2nd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Vorivli (Fast), Bombay-400 066

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15449/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1V
Bombay

Date: 7-11-1985

Soul:

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferer)

(2) M/s. Tina Steel.

(Tramsfétee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR IV/37FE/15454/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 303 on 3rd floor, Wing 'A' in the building known as :ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Bonvli (First). Bombay (10) 066

(East), Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

consideration for such transfer as agreed to between the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than aftern per cent of such apparent consideration and that the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the control of the cont

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance or Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 303 on 31d floor, Wing A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay-400 066

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No AR-IV/37EE/15454/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date 7-11-1985

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferes)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1V BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. AR-IV/37EE/15465/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Flat No. 204 on 2nd floor, Wing 'B' in the building known as :ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivii

(East), Bombay-400 066

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aferenaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazages

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 204 on 2nd floor, Wing 'B' in the building known as :ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay-400 066

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15465/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV,
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, gamely:——

Date: 7-11-1985

FORM ITNS----

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15477/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

belog the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 106 on 1st floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay-400 066 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said ingreent of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evacion of the finbility of the transferor to pay this under the still Ast in respect of any income arising from the transferor. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a paried of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106 on 1st floor, Wing 'A' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivii (East), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EB/15477/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date: 7-11-1985

FORM ITNS-----

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Lina Steel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. AR-IV/37EE/15464/84-85.--Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

as the said ACL), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bealing Flat No. 306 on 3rd floor Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay-430 006

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.
- EXPLANATION: The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the rame meaning to given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 306 on 3rd floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay-400 006

The agreement has been resistant by the company to the company to

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15464/ 84-85 on 1-3-1985.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15463/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing
Flat No. 104 on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay-400 066.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the Agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (Fort). Rombay 400 066 (East), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15463/ 84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-143-376GI/85

Date: 7-11-1985

FORM ITNS.

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15472/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 106 on 1st floor, Wing 'B' in the building known
as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli

(East), Bombay-400 066.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inamovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor

Flat No. 106 on 1st floor, Wing 'B' in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay-400 066

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-IV/37EE/15472/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11)of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subing perious, pamely :---

Date: 7-11-1985

FORM ITNS.

(1) Shri Shirish. A. Patil.

(Transferor)

(2) Mrs. V. B. Panicker.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-IV. **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15848/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Cottage B-5, Nensey Complex Co-op. Hsg. Scty. Ltd.,
Western Express Highway, Borivli (E), Bombay-66
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of
the Competent Authority at
Bombay on 1-3-1985

Bombay on 1-3-1985

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi sed /or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Cuttage No. B-5, Nensey Complex Co-op, Hsg. Socty Ltd. Western Express Highway, Borivli (W), Bombay-66.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IV/15848/84-85/ on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985

FORM ITNS...

(1) Jaico Press Pvt. Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Mohmed Hamid Din.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. AR-IV/37EE/15529/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the oring the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and beaming No.

F-9, Nesey Complex Co-op. Hsg. Scty., 2nd floor, Borivli (East), Bombay-66

(and more fully describedin the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability and/or

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer;

THE SCHEDULE

F-9, Nensey Complex Co-op. H. Scty. Ltd., 2nd floor, Borivli (E), Bombay-66. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. AR-IV/15529/ 84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concerdment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissionerof Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D (1) the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-11-1985

(1) Arihant Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Atul Bahubal Shah.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15554/84-85,---Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearnig
Flat No. 16, 4th floor, Anuta Apartments, A wing, 5th
Kasturba Road, Off, Kasturba Main Road, Borvli (E), Bombay-66

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the ncome-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 16, 4th floor, Amita Apartments, A wing 5th Katurba Road, off. Kasturba Main Road, Borrvli (E), Bombay-66.

The agreement has Competent Authority, Bon 15554/84-85 on 1-3-1985. been regsitered Bombay under No AR-IV/37EE/

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 4/11/1985

(1) Arihant Builders.

(Transferor)

(2) Lalitkumar D. Hirani & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37EE/15635/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000, - and bearning Flot No. 21 2nd floor, Amita Apartments, B Wing, 5th Karturba Road, off. Karturba Main Road, Borivli (E),

Bombay-66

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aferesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and lor
- (b) facilitating the conceal next of any income or any moneys or other asset; which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the h iian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the haid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of Lin notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hencin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 21 2nd floor B Wing Amita Apartments, Borlvli (E). Karturba Road, Off. Karturba Main Road,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15635/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 4/11/1985

(1) Shri Santosh Vithal Joshi.

(Transferor)

43559

(2) Shri Narayan Dharma Patil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15976/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovement able property, having a fair market value, exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

Block No. 25-B, Shantinath Darshan Co. op. Hsg. Socty. Ltd. L. T. Road, Dahisar (E), Bombay Plot No. 181 & the house thereon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the ncome tax Act, 1961 in the office

the Competent Authority at
Bombay on 1/3/1985
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 25-B, Shantinath Darshan Co. op. Hsg. Scty. Ltd., L. T. Road, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority. Bombay under No. AR-IV/37EE/15976/84-85 Authority, on 1-3-85

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 4/11/1985

- (1) Jethalal B Vanzara.
- (Transferor)

(2) M. L. Makenja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15587/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 - and bearning

Flat No 7, 1st floor Amit Apartment, Dahsiar (East), Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authori'y at

Bombay on 1/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as *foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957); Flat No. 7, 1st floor Amit Apartment, Dahisar (E), Bom-pay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15587/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 4/11/1985

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steel.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EF/15475 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe

nost the immovable property having a fair market value Rs 1,00,000 - and bearnig
Flat No. 205 on 2rd floor, Wing-B in the building known as 'ASHOKA TOWER' situated at Kulupwadi Road, Borivin (E), Bombay-400 066

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authori y at

Bomb iy on 1/3/1985

far an apparent consideration which is less than the fair market value of the afor-said property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a sets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 206 on 2nd floor, Wing-B in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IV/37EE/15475/84-85 on 1-3-1985

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby instalte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date :7 11/1985

FORM ITN9-

(1) Goyal Builders Private Limited.

(Transferor)

(2) M/s. Tine Steel.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF ENCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15437 84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

Rs. 1,00,000 - and bearning
Flat No. 104 on 1st floor, Wing-A in the building known as
'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli

(E), Bombay-400 066 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under sectoin 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/3/1985

persons, namely :-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the comideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said matrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other asses which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the, said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104 on 1st floor, Wing-A in the building known as 'ASHOKA TOWER', situated at Kulupwadi Road, Borivli (East), Bombay-400 066.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15437/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 7/11/1985

FORM ITNS ---

(I) Perumal Balsubdaram.

(2) M/s. Rathod & Parmar.

(Transferer)

(Transferce)

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15586 84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269-B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No.

Piece of and Village Dahisai, S. No. 168, Hissa No. 4, C.T.S. No. 2487, Taluka Borivli, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1/3/1985 apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

×

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for. the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Piece of land at Village Dahisar, S. No. 168, Hissa No. 4,

CT.S No. 2487, Taluka Borivli.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15586/84-85 Authority, on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 7-11-85

FORM ITNS----

(1) A. T. Goyal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dilip Manilal Vora.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15574/84-85.--Wherens, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing

Piece of land lying at Village Dahisar, S. No. 341, H. No. 2 C.T.S. No. 1414, S. No. 335, H. No. 6, CTS No. 1421,

Taluka Borivli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1/3/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instantored of transfer with the object of:—

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the raid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b), facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922, 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

THE SCHEDULE

Piece of land at Village Dahisar S. No. 341, H. No. 2, C.T.S No. 1414, S. No. 335, H. No. 6, C.T.S. No. 1421, Taluka Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under No AR-IV/37EE/15574/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-JV
Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following porsens, namely:—

Date: 4/11/1985

(1) Shri Santosh Vithal Joshi.

(Transferor)

(2) Shri Narayan Dharma Patil.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

ARIV/37EE/15976/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immov-Rs. 1,00,000 - and bearnig
Block No. 25-B, Shantinath Darshan Co. op. Hsg. Socty, Ltd. L. T. Road, Dahisar (E), Bombay

Plot No 181 & the house thereon,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the noome tax Act, 1961 in the office

the Competent Authori v at

Bombay on 1/3/1985
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the translar;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Block No. 25-B. Shantinath Darshan Co. op. Hsg. Scty. Ltd., L. T. Road, Dahisar (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15976/84-85 Authority, on 1-3-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.--

Date: 4/11/1985

- (1) Jethalal B. Vanzara,
- (Transferor)

(2) M. L. Makenja.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15587/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearning

Flat No. 7, 1st floor Amit Apartment, Dahsiar (East), Bombay-68

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authori'y at Bombay on 1/3/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as reforesa'd exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/er

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor Amit Apartment, Dahisar (E), Bombay-68.

The agreement has been registered by the Connected Authority, Bombay under No. ARIV/15587/84-85 on

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 4/11/1985

(1) M/s. Goodwill Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Dinesh C. Padia.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 103, Ist floor, Kadamgiri Hasta Apartments, Chakravarty Ashok Gram S No. 5, 6, 7 pt., Village Wadhwan situated at Kandivli (E), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have resaon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) tacklitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Worldh-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichther would sapues later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pulslication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 103. It floor, Kadamgiri Hasta Apartment S. No. 5, 6, 7 pt. Achok Chakravarty Gram at Village Wadhwan, Kandivli (F), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV /15936/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Ass't. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 7-11-1985

Seal:

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the sust Act, I hereby initiate proceedings for the acquiattion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:145-376GI/85

FORM IINS

(1) M/s. Goodwill Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Madhusudan M. Shah & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15678/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and ocaring No. Plat No. 105, 1st floor, Kadamgiri, Chakravarty Ashok Gram at Village Wadhwan, S. No. 5, 6, 7, Kandiyli (E), Bombay-67 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the s the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons watchever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 105, Ist floor Kadamgiti, Chakravarty Ashok Giam at Village Wadhwan, S. Nos, 5, 6, 7, Kandivli (E), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15678/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-IV, Bombay.

Date: 4-11-1985

beal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons annely :-

FORM I.T.N.S .-

(1) Smt. S. V. Popat.

(Transferor)

(2) Mis. M. N. Shah & Ois.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

No. ARIV /37EE/15798/84-85.-- Whereas, I. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'mid Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing C.T.S. No. 1065, Rankishore Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Meurine Street Kandivli (W), Bombay-67 streeted at Rombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afor-rald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen wer cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not bron et which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as siven in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 1065, Rajkishore Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Meurine Street, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15798/84-85 on 1-3-1985

> LAXMAN D\S Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombav

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Date: 7-11-1985

(1) Smt C. H Dholabhai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. J J Koya & Ois.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref No. ARIV/3/LE/15419/84-85. - Whereas, I,

Ret No. ARIV/3/LE/15419/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ast, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No 004, ground floot, 4B Bldg., Parasnagar, Shankat Lane Kandivli (W), Bombay-67 structed at Bombay.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competeri Authority at Bombay on 1-3-1985

for an appa ent consideration, which is less than the rain market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value or the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the Cartalment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whicheve, the took expites lates,
- (b) by any other pc son interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 004, ground floor, 4B Bldg., Paras Nagar, Shankar Lane, Kandivlı (W). Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15419/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acqueistion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-nection (1) of Section 269D of the said Act to the following SECRETAL PROPERTY :--

Da.c · 7-11-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mr. K. N. Shah.

(liansferor)

(2) Mr. R. P. Shah & Ots.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGLAY, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. 37EE/15730/84-85 —Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding

Rs 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 223, 2nd floor, Vrajesh Apartments, Bhadran Nagar

Road Kandívli (W), Bombay-61

situated at Bombay

has been t ansterred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

(b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westin-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

Hat No. 223, 2nd floor, Vrajesh Apartments, Bhadrannagar Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15730/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombw

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Data : 7-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri G. S. Kothari.

(Transferor)

(2) Smt. M. C. Parekh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF DIDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE '15948/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-15/A, Shyam Sarjit, Mathuradas Road, Kandivli

(W), Bombay-67

(w), Bolhoay-67 situated at Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration their for by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the treasfer; and for
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other meets which have not been or which ought to be enclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tus Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANTION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-15/A, Shyam Sarjit, Mathuradas Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15948784-85 on

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-IV, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 7-11-1985

FORM FINS-

(1) Mr. D. D Vadgama,

(T;ransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mis. P. L. Gandhi & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No ARIV/371 E/15802/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tox Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and beating No. Flat No. 4C 402 4th floor, C wing Paras Nager, Shankar Lane, Kandivli (W). Bombay-67

situated at Bombay

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4C/402, 4th floor C wing, Paras Nagar, Shankar Lane, Kandivh (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under No. ARIV/37EF 15802/84-85 on 1-3-1985.

Bombay

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

NOW, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby unitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-11-1985

FORM NO ITNS-

(1) M/s Samrat Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D|1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M s Tina Steels

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION PANCE IV BOMBAY

Bombi, the 7th November 1985

Ref No ARIV/37FE/15857/84-85—Whereus, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'axid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs Ls 1.00.000/2 and hearing No

Rs 1,00,000/- and bearing No Flat No B-196 1st floor Shanta Apartments, 369-C, S V Road situated at Kandivh (W) Bombay 92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income tay Act 1961 in the office of the Competent Authorty

at Bombay on 1-3 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers endjor.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1937 (22 of 1937)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No B 106 1st floor, Shanta Apartments 369-4 5 V Ro d Kon byli (W) Bombay 67

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No AR IV/37EE/15857 84-85 pn 1-3-1985

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date 7-11-1985

FORM ITNS-

(1) M/s. Samtat Bu'lders

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steels

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

AFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV-37EE/15855/84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tilk Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Suid Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00 (00)/- and bearing No. Flat No. B-206, 2n1 filtor, Shauta Apartments, 369-C, S. V. Road Kandivli (W), Bomb.y-67 situated at Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a oresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other a ssets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal.h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely—

146—376 GI/85

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet e or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-205 2nd floor, Shanta Apartments, 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/37EE/15855/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-t > Acquisition Range-IV Bombay

Date: 7-11-1985

FORM ITNS----

wal su -

(1) M/s. Samraf Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SI-CTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) .

(2) M/s. Tina Steels.

the grown and the first property of the property of the first of the f

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15854/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ps. 1000001, and bearing No.

Rs. 1.00,0001- and bearing No. Flat No. 205, 2nd floor, Shanta Apartments, 369-C. S. V. Road, Kandivli (W), Rombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the false

market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. B-205. 2nd floor, Shanta Apartment, 369-C, S. V. Road, Kendivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15854/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by he issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namaly :---

Date: 7-11-1985

FORM ITNS ---

(1) M/s. Samrat Builders.

(T:ransferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Tina Steels,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15766/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat clo. B-105, First offer in Shauta Apartments, 369-C, attuated at Kandiyli (W), Bombay-67

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transcribed and a sent is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- Parameter State Arter of the property are the first of the

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period explres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B-105, Ist floor Shanta Apartments, 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15766/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Rombay

Date: 7-11-1985

(1) M/s. Samrat Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Tina Steels,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

(a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. ARIV/37EE/15850/84-85.—Whereza, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority

under Section 269B of the income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (he einafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. B-305, 3rd floor, Shinta Apartments, 369-C, S. V. Road, Kandivh (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Au horny

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mole than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patters has not been truly stated in the tail instrument of transfer with the object of :--

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XNA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

Flat No. B-305, 3rd floor, Shanta Apartments, 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15850/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Intome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following namely the said Act, to the following persons, namely :---

Date : 7-11-1985

Beal :

(1) M/s. Samrat Builders.

(Transferor)

(2) M/s, Tina Steels.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15768/84-85.—Whereas, I. LAAMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. B-306, 3rd ffror, Shanta Apartments, 369-C, S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB o' the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competen. Author-ty at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. B-306, 3rd floor, Shanta Apartments, 369-C. S. V. Road, Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Au, hotity, Bombay under No. ARIV/37EE/15768/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 7-11-1985

Seel:

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. B. A. Mehta.

Transferor).

Sec. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 0F 1961)

(2) Mr. Kuttiveli Abraham Joseph.

Francierce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15953/84-85.—Whereas, I.*
LAXMAN DAS
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Block No. B-001, Paras Nagpur, Off. Shankar Lane, Valnai
(O iem), Kandivli(W), Bombay-67
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB o' the Income-tax Act, 1961 in the office
of the Competen Author ty at Bombay on 1-3-1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to

between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor income arising from the transfer; respect of ar
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weal.h-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within 45 days from the date of publication in the Official Gazet'e or a period of the service of notice on the respe whichever period expires later;
- (b) by any other person in 45 days fron the date of the publication of this

EXPLANATION:

The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same measing as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. B-001, Paras Nagar, Off. Shankar Lane. Valnai (Orlem) Kandivli (W), Bombay-67.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15953/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date: 7-11-1985

(1) Bombay Cow-Rakshak Mandali,

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s. Lokhandwala Construction Industries Itd. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV,
BOMBAY

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Bombay, the 7th November 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. ARIV/37EE/15603/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable money'y, having a fair market value exceeding Rs, 100000/- and bearing Land bearing S Nos 87-A & 88 (nt) and S. No. 13 (pt) of Akruli, Kand'vli (E). Bombay-101 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3 1985 for an apparent consideration which is less thane the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration threfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Explanation:—The terms and expression and herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Lax Act. 1957 (27 of 1957):

Land bearing S. Nos. 87-A & 88(pt) and S. No. 13 (pt) of Akruli, Kandivli (E), Bombay-101.

The agreement has been registered by the Competent Autho ity, Bombay under No. ARIV/37EE/15603/84-85 on 1 3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range IV
Bombay

Now theerefore in pursuance of Section 269C of the said Act. I. hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subpersons, namely:—
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Date : 7-11-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) Shri Nari Ma.ai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 2669D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ayres C. Miranda.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15641/84-85,--Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinster referred to as the said Act), have recent to believe that the im-

to as the said Act), have recast to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 15, ground floor, Rasario Apartments, Ekrar, Bonvli (W), Bomb by
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Compater's Authority at Bombay on 13,1985 of the Competen Author'ty at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has no been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property stay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of no ice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Shop No. 15, ground floor, Rasarlo Apartments, Eksar Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15641/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the "allowing persons, namely :-

Date: 5-11-1985

(1) Shri A. M. K. Vora.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

— <u>------</u>

(2) Shri M. H. Bandi.

(Transfered)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-JV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16013/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

and bearing No.
Flat No 201, 2nd floor, Gomti Smruti, Jambli Galli, Borryli

(W), Bombay-92 situated at Bombay

147-376 GI/85

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) raculating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ox 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Gomti Smruti, Jambli Galli, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/16013/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV,
Bombay

Date: 7-11-1985

(1) M/s Hema Builders

(Transferor)

(2) Surendra S. Mohra

(Liansfuce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV,
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref No AR IV/37EE/15550/84 85—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No Plot No 10, 1°C Colony, Eksar, Survey No 160, Hissa No 2A Flat No 1 Bonvil Bombay 92 situated at Bombav

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269 NB of the Income tax Act, 1961 in the office of of the Competent Authority at Bombay on 1 3 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been troly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 1, 1st floor, plot No. 10, Survey No. 160, Hissa No. 2A | I C. Colony | Eksar, Borryli, Bombay 92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/37EF/15550 84-85 on 1 3-1985

LAXMAN DAS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV
Bombay

Date 4-11-1985 Seal:

(1) Mr. M. C. Joshi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(2) Mt. S. M. Joshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref No. ARIV/37EE/15556/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS.

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.

S. No. 80, Plot No. 13, 14 & 15, Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under transferred and the agreement is registered under the control 2694 H. of the Inventor to Act. 1961 in the 465ca

has been transferred and the agreement is registered under section 26° AB of the Income-tax Act. 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication o hitis notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

REPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

S. No. 80, Plot No. 13, 14 & 15, Raghuvanshi Apartment, Chandavarkar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR-IV/37EE/15556/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mild Act 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely ---

Date: 6-11-1985 Scal:

FORM ITNS...

(1) M/s. L. N. T. Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

2) Mr. T. V. L. D'Mello.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. Ak-IV/37EE/15568/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being he Competent authority unider Schon 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 302, 3rd floor, West Avenue, Holy Cross Road, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the inner of this notice under subsection (1) of Section 26 who the said Act, to the following persons, namely .-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within period of of the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXILANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 302, 3rd floor, West Avenue, Holy Cross Road, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No ARIV/37EE/15568/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Date: 5-11-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15646/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable popert, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 310, 3rd floor, 59/60 Yoginagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92
Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

transfer with the object of :-

(and more fully described in the Schedule annoted hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer and/or
- (8) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by te issue of this notice under subto issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act. to the follownersons, namely ---

- (1) Mr. Navtratanmal Surana Guardian of Master Amit Kumar N. Surana. (Transferor)
- (2) Mr. S. B. Kailaje & Ors.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chaster.

THE SCHEDULE

Brindevan Bldg. Flat No. 450, 4th floor, Y. R. Tawde Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15646/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1V Bombay

Date: 5-11-1985

FORM I.T.N.S .--

(1) Shiee Sanath Constitutions,

(Transferor)

(2) Vandana Properties.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15553/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,000/- and bearing C.T.S. No 59, 54,55, 63, 69 at Village Kandivli, Taluka, Populi

Borıvli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to

and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter

THE SCHEDULE

CT.S No. 59, 54, 55, 63, 69 at Village Kandivli, Taluka, Borivli.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15553,84-85 on 1-3-1985,

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 7-11-1985

(1) Candes & Kunder Constructions.

(Transferor)

(2) Mr. S. R. Lobo.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15824/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. Flat No. 301 Silver Arc., I. C. Colony, Borivli (W), Bombay-103

situated at Bombay

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfero to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 301, Silver Arc, I. C. Colony, Borivia (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15824/84-85 on 1-3-1985,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-JV Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I tomeby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 6-11-1985

(1) Rokadia Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. S. L. Jain & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15685/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. ARIV/3/EE/15085/84-85.—whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Shop No. 9, ground floor, Rokadia Apartments, CTS No. 2459 Village Eksar, Rokadia Lane, Borivli (W), Bombay-92

situate dat Bombay

situate dat Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of noice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9, ground floor, Bldg. Rokadia Apartments, CTS. No. 2459, village Eksar, Rokadia Lane, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15685/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
148—376 GI/85

Date: 5-11-1985

Scal;

(1) R. K. Construction Co.

(Transferor)

(2) Smt. S. P. Sarma & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15920/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, 3rd floor, Opp. Bhagwathi Hospital, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-103, situate dat Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agrengent is registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

section 269AB or the Income-tax Act, 196I in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ment of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, opp. Bhagwathi Hospital, S.V.P. Road, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15920/84-85 ton 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following nersons. namely:-

Dated: 5-11-1985

ومنا ومستبق

(1) Sh. K. M. Pillai.

A COMPANY OF THE PROPERTY OF T

(Transferer)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

FORM ITNS-

(2) Sh. P. A. Narayanan.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15580/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000

and bearing No.
Flat No. 5, Sperry Co-op. Hsg. Soc., Eksar Road, Thakkur Pakhadi, Borivli (W), Bombay-64 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 anacket vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Farlanation:The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Coapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Flat No. 5, Sperry C.H. Society Eksar Road, Thakkur Pakhadi, Borivli (W), Bombay-64.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15580/84-85 on 1-3-85

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:—

Dated: 5-11-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) M/s. L. N. T. Enterprise.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. B. Lewis & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME FAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15889/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (h-rematter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

bearing No. Flat No. 201, 2nd floor, Flat No. 201, 2nd floor, West Avenue, Holy Cross Road, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103 situated at Bombay Colony, Borivli (W), Bombay-103 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferrer(s) and transferee(s) has not

agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Jazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, West Avenue, Holy Cross Road, I.C. Colony, Borivii (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15889/84-85 con 1-3-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Dated: 5-11-1985

Scal;

(1) Mr. M. C. Joshi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

(2) Mt. S. M. Joshi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 6th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15556/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS.

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. S. No. 80, Plot No. 13, 14 & 15, Chandavarkar Road,

Borivli (W), Bombay-92

and/or

fund more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair hour per voice of the property we aforesaid believe that the fair market value of the property we aforesaid exceeds the apparem consideration therefor by more transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication o hitis notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shell have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, West View, Holy Cross Road, I.C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15567/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Dated: 5-11-1985

والخمك

(1) M. K. Kunder.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. S. S. Shere & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15821/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. bearing No. Flat No. 28, B Wing, Flat No. 28, B-Wing, Rajmani Co-op. Hsg. Soc., Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92 situate dat Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the appropriate registered under

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and)or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the surposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days 4from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 28, B Wing, Rajmani Co.op. Hsg. Soc., Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15824-/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Inocme-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 5-11-1985

(1) M/s. Nipa Construction.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri R. D. Patel & Ors.

(Trankferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

ARIV/37EE/15878/84-85.—Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 604, 6th floor, B Wing, Paresh Apartments, S.V.P. Road, Borvli (W), Bombay-92 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered in section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the da'e of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immmovab'e property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the Mid Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, B Wing, Paresh Apartments, S.V. P. Road, Borivli (W), Bombay-92,
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15878/84-85 on

1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under suk section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 5-11-1985

(1) M/s. Kamla Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Punamchand Chhaganlal.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

New Delhi, the 4th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15591/84-85.--Whereas, I, LAXMANDAS,

heing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Shop No. 3, Girnar Apartment, off. Mandepeshwar Road, Govind Nagar, Borivli (W), Bombay-92 situate dat Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent, Authority at Bombay on 1-3-85.

the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Girnar Apartment, off. Mandepeshwar Road, Govind Nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15591/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 4-11-1985

(1) M/s. Preeti Enterprises.

(Transferor)

(2) Mr. Samir & Amesh Shah & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15775/84-85.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Flat No. 204, 2nd floor, Heshwar Apat. Esscer Road, Taluka Borivali, Bombay. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered und r section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 204, Borivli, Bombay. Hareshwar Apartment, Esksar Road,

The agreement has been registered by the Compenent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15775/84-85 on 1-3-85

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following 149—376 GI/85

Dated: 5-11-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) Mr. C. M. Patel (partner Pushpa Blders). (Transferor)

(2) Sh. B. G. Kulkarni.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15563/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. Flat No. 102, 1st floor, A Wing, Pushpa Apartments, Sainath Nagar, Eksar Village, Borivii (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per ceut of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferror to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitate the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 102, 1st floor, A-wing, Pushpa Apartment, Sainath Nagar, Eksar Village, Bouvli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15563/84-85 on 1-3-

LAXMAN DAS,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Dated: 5-11-1985

Scal;

(1) Mr. C M. Patel (partner Pushpa Blders). (Transferor)

(2) Sh. T. Shivajı Shah,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37FE/15562/84-85.--Whereus, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 6, ground floor, Pushpa Apartment, Eksar Village, Borryli (W),

Bombay-92.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, is respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not been or which ought to be disclored by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saik Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :--- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Stop No. 6, ground floor Pushpa. Apartment, Sainath Narat, Physic Village, Borryli (W), Borrbay-92

The agreement has been registered by the Compe ent Authority, Bombay under No ARIV/10562/84-85 on 13 85.

> LAXMAN DAS, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, so the follow ing persons, namely :-

1 4 J 5-11-1985 Scal

(1) M/s. Shah Builders.

(Transferor)

(2) M/s. Jai Santoshima Trading Co.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

A COLUMN TO SERVICE AND A COLU

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15606/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

movable property, having a rair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and bearing Br. 1,00,000/- and bearing No. Shop No. 1, ground 'floor, Plot No. B, in Devki Nagar, Eksar Road, Borivl₁ (W), Bombay-92. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered undisection 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Rombay on 1-3-85

the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consucration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disc osed by the transferee for the purposes of the Ind an Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Shop No. 1, ground floor, Plot No. B Devki Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15606/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS. Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 5-11-1985

Scal:

Now, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby mitiate proceedings for the acquisition of the aforesald properly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

FORM I.T.N.S.----

(1) Mr. Ismail J. Shaikh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. S. S. Shasrabudhe.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16038/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 47-A/2, Andumbar Chaya Co. op. Hsg. Socy. Ltd., I. C. Colony, Borivli (W), Bombay-103. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred and the Augustust is registered under

has been transferred and the Agreement is registered under section 269 AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument extransfer with the object of—

facilitating the reduction or evasion of the lightlity of the transferor to puy tax under the said Aca in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concentrient of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sain immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Flat No. 47-A/2, Andumbar Chhaya Co. op. Hsg. Socy. Ltl., l. C. Colony, Borivli (W), Bombay-103.

The agreement has occur registered by the Comp. Authority, Bombay, under No. AR. V/16038/84-85 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

· 5-11-1985

(1) Build Quick.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. M. Patil & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV **BOMBAY**

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15391/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'gaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 2, Mohor Apt., CTS No. 71 & 224, Pendwar Wadi Babhai, L. T. Road, Borivali (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of timafer with the object of .-

(a) facilisating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ∎nd/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be discluded by the transferee for the purposes of the India 1 Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immova-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flot CTS No. 71 & 224. Flat No. 2, Pendkar Wadi, Bal hai, L. T. Road, Borivali (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Au hority, Bombay, under No. ARIV/37EE/1539T/84-85 on 1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authorny
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-IV . Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings or the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Da e: 5-11-1985

FORM LT.N.S.——

(1) Build Quick.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. P. B. Pagare & Ors.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT (XXMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/16009/84-85.—Whereas, I,

Ref. No. ARIV/3/EE/16009/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. C.T.S. No. 71 & 224, Penkar Wadi, Block No. 1, 2nd floor, Mohor Apat., Babhai, L. T. Road, Borivli (W), Peophyly 92

Bombay-92.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the properly as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfero and or

THE SCHEDULE

tb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Borivli (W), Bombay-92, The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. ARIV/37EE/16009/84-85

Block No. 1, 2nd floor, Mohor Apt., Babhai, L.T. Road,

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 5-11-1985

on 1-3-1985.

Seal :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Tanan saatta aasta ta aa t FORM ITNS-

(1) M/s. Himanshu Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M1, S. D. Kuvar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Rf.e No. ARIV/37EE/15785/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Flat No. 32, Prabhu Niwas Plot No. 166, off.. Factory, lane Borivli (W), Bombay-92.

Borivli (W), Bombay-92. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall hale the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 32, Prabhu Niwas Plot No. 166, off., Factory, lane Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No ARIV/37EE/5785/84-85 on 1-3-1985.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

LAXMAN DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissions of Income-tax
Acquisition Range-IV . Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 5-11-1985

(1) Shah Raichand Kanji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. N. T. Hivanand Seth & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-JV BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No. ARIV/37FE/15888/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. C-13 1st floor, Borivli, Shastri Nagar, Borivli (W),

Bombay-98.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less thant the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

HE SCHEDULE

Flat No. C-13 1st floor, Shastri Nagar, Borivli (W), Bombay-98.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No. ARIV/37EE/15888/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to be following persons, namely:—
150—376 GI/85

Date: 5-11-1985

(1) M/s Jay-Raj Builders

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii R N. Kanchan

(Transleree)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if vany, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref No. ARIV/37EE/15902/84-85.—Whereas, J. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No.

Flat No 24, 4th floor, Jay-Raj Apartments D Block, Jay Raj Nagar, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the faur market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, ir respect of any income arising from the transfer; and/cr
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Flat No 24, 4th floor, Jay-Raj Apartments, D Bldg. Jay Raj Nagar, Vazira Naka, Borivli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No ARIV/37FF/15902/84-85 n 1-3-1985

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons. namely :-

Date : 5 11-1985

FORM NO IT.N.S-

(1) M/s Chariot Builders

(Transferor)

(2) Mr Himadri Dasgupta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OHIGH OF THE INSPECTING ASSIT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 5th November 1985

Ref. No ARIV/37EE/15590/84-85 —Whereas, I, I AXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im movable property having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing No Flat No 204, Shiec Yogeshwari Apartments, CTS No 133 & 133/1 Mandapeshwari, Borivli, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been tran ferred and the agreement is registered under

has been tran ferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aioresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the strvice of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Art, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No 204, Shice Yogeshwaii Apartments, CTS No 133 & 133/1, Mandapeshwar Borivli, Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under No ARIV/37EE/15590/84 85 on 1-3-1985

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date 5 11-1985 Seal

(1) M/s. Mangal Builders.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Y. M. D'Souza.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. ARIV./37EE/15648/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. Flat No. A-9, 4th floor, Chandramukhi, plot No. 1, S. No. 225, H. No. 10, C.T.S. No. 2211A, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ind/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a perior

may be made in writing to the undersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-9, 4th floor, Chandramukhi, plot No. 1, S. No. 225, H. No. 10, C.T.S. No. 2211A, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-IV/37EE/15648/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in surmance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 4-11-85

FORM I.T.N.S.---

(1) Shri P L. Kapadia.

(Transferoi)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shti L P. Patel.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. ARIV/37EF/15528/84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No 202, 2nd offor, Bouvli Himanshu Coop Hsg. Soc Ltd., No. a Mandpeshwar Indl. Estate, Off. S. V. P. Road, Bouvli (W), Bombay-92 (and move fully described in the Schedule, approach hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

the an appropriate consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 25 days from the date of publication of this notice a the efficial Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whiche er period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Borryli Himanshu Coop, Hsg. Soc. Ltd., off, S. V. Road, Near Mandpeshwar Indl. Estate, Borryli (W), Bombay-92

The agreement has been registered by the Competent uthority, Bombay under No. ARIV/37EE/15528/84-85 Authority, on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Dated: 4-11-85

Scal:

FORM TINS-----

(1) M₁ M Maxfield

(Transferor)

(2) Smt Viday Venkatraman

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref ARIV/37EF/15702/84-95 -Whereas, I, LAXMAN DÁS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value

Rs 100,000/- and bearing No Flat No 8 Teevan Bimi Vijav Coop Hsg Socy Ltd Jivan Bima Nagai Botivli (W) Bombay 103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act 1961 in the office of the Competent Authority

at Rombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the af resaid property and I have reason to believe that the fair r asket value of the property as afore said exceeds the apparent considers ion therefor by more than fifteen per cent of such appare t consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Officail Gazette

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Tlat No 8, Vima Vijay Nagai Coop Hsg Socy Ltd , Jeeván Bima Nagar, Borivli (W) Bombay-103

The agreement has been registered by the competent thority, Bombay under No ARIV/37EE/15762-84-85 Authority, on 1-3-85

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afoiesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Dated 4 11 85 Seal:

(1) Mr. M. P. Gopinath.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. Maxfield.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA -

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. ARIV/37EE/15703/84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value

Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 32, The Groves Coop. Hsg. Socy. Ltd., Jivan Bima

Nagar, Bombay-103

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the faimarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trudefor with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be electrosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, Namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period ef 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 32, the Groves Coop. Hsg. Scty. Ltd. Jivan Bima Nagar, Bombay-103.

The agreement has been registered by the Competent Authority, ÅRIV/15703/84-85 Bombay under No. on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Dated: 4-11-85

(1) M/s. Rajcev Associates.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shii J. H. Jatania.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. ARIV/37EE/15643/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 702, 7th floor, Saibaba Nagar, Siddhi Tower, Borivli

(W), Bombay-92

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 702, 7th floor, Siddhi Tower, Saibaba nagar, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15643/88+85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-11-1983

(1) U. Fredrick.

(Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. R. A. Dudhane.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. ARIV/37EE/15931/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000}and bearing No.

Flat No. 3, ground floor, Sperry S ar Coop. Hsg. Soc. Ltd. Borivii, Bombay tand more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority

at Bombay on 1-3-85

an apparent ecosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid reced, the apparent consideration therefor by more than "tien per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the part es has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

Objections, if any to the acquisition of the said period of may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire later;
- (b) by any other person interested in the sa'd immovable property within 45 days fro mthe date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapte:

- a, facilitating the exaction of evasion of the middlift of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income ar sing from the transfer
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 3, ground floor, Sperry Star Coop. Hsg. Soc. Ltd, Borivli, Bombay

The agreement las been registered by the Competent uthority, Bombay under No ARIV/37EE/15931/84-85 Authority, on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-e tien (1) of Section 269D of the said Act, to the following person namely:— 151-376 GI/85

Date: 7-11-1985

(1) Shri Vinodrai R. Desai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. V. Patel & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombs the /th November 1985

Ref ARIV/37LE/15405/84-85 .-- Whereas, I. LAXMAN DAS,

rung to Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovio. property, buving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Hat No. 208 C-4, Yogi Darpan Co-op, Hsg. Scty Ltd Eksai

Rd, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

tand more fully described in the Scedule annexed hereto), has been transferred and the agreement si registered under seen a 269B of the Income tax Act, 1961 in the office of

Competent Authority at Bombay on 1-3-85
or ar apparent consideration which is less than the fair as not value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen rer cent of such apparent consideration and that the confideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

at facilitating the reduction or avasion of the habitity if the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. mad/ur

(b) facilitating the concealment of any income or an moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

frow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said 1, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the received property by the issue of this notice under sub with a 1 th of the 269D of the and Act, to the following oursons namely

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, watebever period expires intert
- (b) by any other person interested in the said immov-able preperty within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION. - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, (/4, Yori Darpan Co.op. Hsg. Scty Ltd. Eksat Rd. Borivli (W), Bombay-92.

The agreemen has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15405/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV. Bombay

Date . 7-11-85

(1) Shri N. N. Anada

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madhusudan Kunwarji Kotak

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-IV. BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15891/84-85.-Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Plat No. 2, ground floor, Plot No. D/15, Yogi Smutt Co.op, Hsg. Scty Ltd. Eksar Rd, Borivli (W), Bombay-92 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 196I in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the armesaid property and I have reason to believe that the rais market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazens.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

blat No 3, ground floor, Plot No. D/15, Yogi Smruti Coop. Hog Scty Ltd. Eksar Rd, Borivli (W), Bombay-92,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15891/84-85 on 1-3-85.

(b) facilitating the concentment of any income or may moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely : 152-376 GI/85

Date: 7-11-85

(1) Gagangiri Develop, Corpn.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. P. C. Matkar

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15933/84-85.—Wherens, I

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing
No. Flat 409, C-Bldg. Gagangiri Nagar, Eksar Rd. Bortvli
(W), Bombay-92

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair

the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of . --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which the period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubtication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and, or

THE SCHEDULE

(b) tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 409, C-Bldg. Gagangiri Nagar, Eksar Road. Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15933/84-85 on 1-3-85.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-11-85

FORM ITNS ---

(1) N. B. Padki

(Transferor)

(2) Mrs. Geetadevi M. Saraf

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/17/29/15/490/84-85 -- Whereas, 1, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Yold Deep Co-op. Hig. Sety Plot No. C-2, Yogi Nagar, Eksar Kd, Borivli (W), Bombay simated at Rombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at Bombay on 1-3-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the apparent consideration property as therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresatu proceetly by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned ;-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the rate of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Yogi Deep Co.op. Hsg. Sctv Plot C-2, Yogi Nagar Eksar Rd, Borivli (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15390/841-85 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Date: 7-11-85

(1) M/s. Preeti Enterprises

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMM-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. H. J. Jadhav

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15413/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 669B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 2, ground floor, A Bldg., Hareshwar Apartment, Borivali, Bombay

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—
persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days-from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used barels as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Hat No. 2 ground floor, A Bldg., Hareshwar Apartment, Borivli, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15413/84-83 on 1-3-85

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hertby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 7-11-85

(1) Preeti Enterprises.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. M. P. Joshi & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARVI/37EE/15782/84-85.—Whereas, I,

LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Flat No. 308, 3rd floor, B Bldg. Hareshwar Apartment.

Village Eksar, Taluka Borivli, Bombay

situated at Bombay

PART III—SEC. 1]

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 308, 3rd floor, B Bldg. Hareshwar Apartment, Village Eksar, Taluka Borivli, Bombay.
The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/37EE/15782/84-85 on 1-3-85.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date: 7-11-85

FORM I.T.N.S.-

(1) Gagangiri Develop Corpn.

(Transferor)

(2) Vijay Shankar Chawan.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE IV. **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15932/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,0,000/- and bearing No.

No. Flat No. 420, C-Bldg. Gagangiri Nagar Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92, situated at Bombay, Bombay on 1-3-1985.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this actice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 420 C Bldg Gagangiri Nagar, Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92. The agreement has been registered by the Comp Authority, Bombay under No. ARIV/15932/84-85 Competent 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 7-11-1985

(1) Gagangiri Development Corpn.

(Transferor)

NOYICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Yashwant Pundalik Biliya.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE IV, **BOMBAY**

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15934/84-85,-Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

RS. 1,00,000/- and ocaring No.
Flat No. 403, C-Bidg., Gangiri Nagar, Eksar Road,
Borivli (W). Bombay-92 situated at Bombay,
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred and the agreement is registered under
section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair nor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chief of transfer with the object of:-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 403, C-Bldg. Gagan giri Nagar Eksar Road, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15934/84-85 on 1-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-11-1985

(1) M/s Gautam Builders.

(Transferor)

(2) Mr. V. Malhar Joshi.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. ARIV/37EE/15679/84-85.—Whereas, 1,

LAXMAN DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 82, of TPS III & CST 727 partly of Borivli, Jambli Gully. Borivli (W), Bombay-92,

situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

E/PLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 82 of TPS III & CST 727 partly of Borivli, Jambli Gully, C-4, Borivli (W), Bombay-92.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. ARIV/15679/84-85 on

1-3-1985.

LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Dute: 7-11-1985 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following
ons, namely:—

PART III—Sec. 11

FORM I.T.N.S.--

(1) Smt, Gajibai Govind Mhatre.

(Transferor)

(2) V. V. Mishra.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE IV. BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR.1V/37.G/94/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C.T.S. No. 987, S. No. 39 (IV), L.T. Road, Dahisar (W), Bombay, situated at Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the contestiment of any income or any oys or other access which have not been or which ought to be disclosed by the transferos fax the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Ast, 1957 (27 of 1967):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No. 987, S. No. 39(IV), L.T. Road, Dahisar (W),

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. S.444/81 dated 16-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. BRANCÍY :---

Date: 4-11-1985

Scal:

(1) Lena Henriques. Mr. Hebert A. Hernriques.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. (Mrs.) Armida Fernandes.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 7th November 1985

Ref. No. AR.IV|37.G/100/85-86.--Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

and bearing No.

Piece and parcel of land bearing plot No. E.S. No. 42, (pt.) and 41 (pt.) at Manje Gorai, Taluka, Borivli, Bombay, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-3-1985,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay our under the said Act, in respect of any income arising from the transfer und/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this action in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that price or parcel of agricultural land admeasuring 6 acres equal to 29,040.00 sq. yds. or thereabout equivalent to 42,280,05 sq. mtrs. bearing S. No. 41 C.T.S. No. 41 at Mouje Gorai, Taluka, Borivli Bombay.

The agreement has been registered with the Sur Registering Officer tat Sr. No. dated 11-3-1985.

> LAXMAN DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub(1) of Section 269D of the said Act, to the following mely :--

Date: 7-11-1985

(1) Olga T. Joseph.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M. R. Raja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE IV, BOMBAY

Bombay, the 4th November 1985

Ref. No. AR-IV/37.G/88/85-86.—Whereas, I, LAXMAN DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable perperty having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Piece or parcel of land S. No. 276, H. No. 1 (pt.), R. No. 277, H. No. 1 (part), Plot Nos. 26B & 27, Dashir, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay, situated at Bombay, Bombay on 1-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the per cent of such apparent consideration and that

the per cent of such apparent consideration and that the decideration for such transfer as agreed to between the perties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice is the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Piece or parcel of land S. No. 276, H. No. 1, (pt.) R.S. No. 277, H. No. 1 (pt.) Plot Nos. 26B & 27, Dahisar, Bombay.

The agreement has been registered with the Sub-Registering Officer at Sr. No. 3653/83 dated 14-3-1985.

LAXMAN DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-IV, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

Date: 4-11-1985

Seal